ব্রিটিন্ দেশীয় বিবর্ণ নাইয়

ন্যর্গাৎ

জুলির স্কাই সরের প্রিটিন্দেশাভিক্রমসময়াবিত্র আইমেন্দামে প্রানিদ্ধ সমিদ্দারপর্যান্তর মহান্তিনের বিবরণ সঞ্জ

ৰুন্নাথ্য জুলিয়দ্ কাইসারের কালাববি দ্বিতীয় জর্ম্ন নামে রাজার মৃত্যুপর্যত, গোলুনিনু্হউপাধ্যারকর্তৃক বিবরণীন্ত:

এবং এ জর্জের মরনাবরি ১৮০২ শালের আইমেন্দ্রনামক দক্ষিদময়পর্য্যত, অন্য এক পুথিত পুজোপাধ্যায়কর্ত্ক বিবরণীকৃত.

ফিলিক্স কেরিকর্ত্ক বাঙ্গালাভাষায় কৃত্ত



শুরিামপুরে ছাপা হইল, ইতি. শন ১৮১৯.

ব্রিটিন দেশীয় বিবরণের মধ্যে যেং পুরানকল্প তরির্ঘণ্ট.

शुर्याभागः.

জুলিচুন্ কাইনবের ইংগ্লগুদেশে চচ্বতক্রনময়াদ্বি কমীর রাজ্যভন্ন
পর্যাত্তিবিংরন, ১ পত্রাব্রি, ৬ পত্রপর্যান্ত.
দ্বিতীয়†ধ্য∤য়ঃ.
জাব্লা আপনীয়েরদিয়ের বিবরণ, ••••• ১১১
ञ् ञ ीवांगांगः.
सन्पमभीराग्विपातंत्र हे॰ श्लंखामार्गं क्रमंधकवलविववल, · · · · ऽऽ ६ €
চতুর্থাধ্যায়ঃ.
ছ ফ্লিগমে এয়াত ওল্যেন্ রাজার বিবরণ, · · · · হ্য ২৮
প্রাথায়ঃ
৪ লোম্ কদদের বিবরণ, •••• ১৮- ৩১
ষহাধ্যায়ঃ.
পুথম হেন্টি, যিনি বোক্লের নামে ঋগত জিলেন, তাঁহার বিবর্ন, ৩১- ৩৫
শ প্তম াপ্যায়ঃ.
রাজ্যভারনের বিষরণ, •••• ••• •• ••• ৩৫- ৩৮
অফীন্ধ্যায়ঃ.
দ্বিতীয় হেনরি র বিবর্ণ, •••• ••• ••• ••• ১৮৪৮-
ন্বম্ধি) বিঃ
ুখম রিচার্গ, অর্থাৎ কিংর দি লিয়ন্ নামে ঝ্যাত রাজার বিবরণ, ৪৮—৫২

1

দশন্বাধ্যায়ঃ.
জান্দানক রাজার বিবরল, ৫২ পজাববিং, ৫৭ পজপর্যত
একাদশাখ্যায়ঃ
খুনীয় ছেবরি রাজার বিবরল, •••• ••• ••• ৫৭ ০১২
छ्।न≈।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।
हुभाव अवशिक्तीः विराज्ञन, ••••• ••• ••• । ••• । ००० । ००० । ००० ।
जर ाग्नीगा'त ः
ছি গ্রি নছাম, অর্থাৎ কার্নিরেন্ লামে থ্যাত, রাজার বিবর্ন, ৭০ ৭১
চতু শিধিসায়ঃ.
विचीय किरोस्पर्ट थिवत्व, •••• •••• १५ ৮१
প্রজনশাধ্যায়ঃ
म्बीय दिडोहर्ष ६ विद्रव b8 55
(ষ াড়*া †ংসাহঃ₋
ठडूर्थ (इन्दित विदवन), ··· ১٠٠٠ ১১— ১১
मञ्जूनीयग्रह.
প্রকার ছেন্ট্র রাজার বিজ্যা, •••• • • • ১১ - ১০০
অইাদশাধ্যায়ঃ
ষ্ট্র হেন্দ্রের বিষয়ন, ১০০ - ১১০ উন্তিত-শাধ্যায়ঃ
७०।४०० मार्गाद्य.

ठलूर्य अव्यक्तित विवतन,

বি৽৲শভিভয়াধ্যায়ঃ.

[4.2.1] QQM(4) 150.					
পশ্চম এঘার্টের বিবর্ধ, ১১১ প্রাব্ধি, ১১৩ প্রপ্র্যাক্ত					
এক্বি৵ শতিত্র াধ ায়ঃ					
ভ্তীয় রিচার্দের বিবর্ধ, · · · · · · · · · ১১৩—১১৬					
দ্বাবিৎ -শা ধ্যায়ঃ					
ध्यक्षम (ह्नतित विद्रुव, ১১১১६ *					
ভ্রয়োবিৎ শা গ্রারঃ-					
জ্ঞার্ম হেলরির বিশ্বরণ, •••• ১২৪—১৪\$					
ঢতুৰিঁ<>শাৰসায়ঃ.					
थसं अस्ति विवस्त, ১৯৪—১৯৯					
গঞ্বি~শাগ্ৰায়ঃ.					
হেরিলায়ী রাজীয় বিবর্ণ, ১৯৯—১৫৬					
যড্বি৽৲শাপাায়ঃ.					
ইন্নিদাবেৎ রালীর বিবর্ধ, •••• ১৫৬—১৭৫					
সভবি∾শাধানঃ.					
দুখম (ডাফুর বিবরণ, ১৭৫১৮৬					
অকী বি~শাণুসায়ঃ.					
শ্রুখন চার্ল্জনের বিবর্জ, ১৮৬ ২১ঃ					
ঊনবিৎ-শাস্ত্যারঃ.					
मोरीवृश्वर्द्धः विषयः					
আলিবড়জাঞ্'বলের বিবর্ণ, •••• ••• ••• ১১৪ — ২১৯					

ত্রিংশদ্যারঃ থকত্রিংশাপ্যায়ঃ থকত্রিংশাপ্যায়ঃ থকত্রিংশাপ্যায়ঃ থকতিংশাপ্যায়ঃ থকতিংশাপ্যায়ঃ থকতিংশাপ্যায়ঃ তর্জিংশাপ্যায়ঃ তর্জিংশাপ্যায়ঃ তর্জিংশাপ্যায়ঃ তর্জিংশাপ্যায়ঃ গ্রুক্ শাপ্যায়ঃ গ্রুক্ শাপ্যায়ঃ

হুর্ভান্থ করে বিষয়ের, ৩১৪ প্রভাব্ধি, পৌষপরপর্যাত,

GLOSSARY

OF WORDS USED IN THE

HISTORY OF ENGLAND.

A

Abbey, Abbot. Absolute. Admiral. Admiral of the Red. Admiral of the Sine, Alderman, Allied army, Anarchy, Arbitrary, Arbitration, Arch-bishop, Archipelago, Architecture. Aristocracy, Armament, Arminian, Armed neutrality, Artillery, Assize. Atlantic ocean.

Attorney general,

विमानात्मा, महे. यहारीयाम. (यह होती. ब्र्यासम्बद्धाः वचलडोकातोगार्थाम् उमान्धि । नील शंकारा शिर्म व राष्ट्रिय मार्थिक भाजीनभाष, माहीनां धाराम र. সন্মিলিস সেন। অদত্ত্ব, অনাব্রিশক্ত্য, ग्याडा. श्य निम्निति. महावे मात्राम. अल्होलग्राम. शुरामिनियां। गार्गः क बोन-१३ है. मुक्तार्थ।(१) जि.न., (मोक्नकुर, श्राचित्र यहां बतायां. मारकातांनीत्र. তেশিয়সূত্র ব্যবস্থাদশন নিক্লিডকাল. আৎলাতিক সাধার. অর্ক্যবহার বিয়োগক্ৎ,

F .

Bank, Bankrupter, Bar, Baron. Barrister. Bastion. Bachelor. Battery, Bill, Bill of attainder, Bishop, Bishopric, Board of trade, Borough, Cabinet, Calvinist. Campaign, Capitulation, Canonical law. Capture, Cardinal, Cataract. Catholic. Centenary, Chairman. Chancellor of the Exchequer, Chancery, Chantry, Chaplain,

Charitable corporation.

Chevalier,

कही. विक. কর্মত্র নি टाउम्होट. অসি-াহ मडोमप्रविद्याती. বকজ. विमानिकिति. তোপ, কিলা, যোটা ব্যবন্ধ, দ্যাভিত্ত, সকলক নিশ্বায়ক প্র रीयां री उस विश्वतिकाम विकास বারিজ্যবিদ্যাধ্যক সভাঃ Esta. C. হৰ**ি, ল**ডা. क्रां जिल्ला गर्धा जाती. द्राधिक गन्त. প্ৰিক্ৰমস্থিন, कान्यनामक वात्रा. ব্ৰজাছাত, অপহতদক্ত. भाभाव महाय. িক্র, কোরা. कशीयव अवस्थी. শতবর্ষ, এ मार्गानि . কান্দরো. কান্দ্ররী... কে তদালং.. नवस्थार्थकत्रामालय. কুলাধীক. ওপকারকসমহ.

एच टिकांकड वालीन.

Chiveaux de Frize,

Chief Justice,

Church,

Church ritual,

Circumnavigator,

Civil,

Civil List,

Clergy,

Clan,

Coat of Arms,

Commodore,

Commissioner,

Committee,

Commonage,

Common cuier,

Commoner, Commonwealth

Company,

Collegiate.

Confe leracy,

Confederate,

Congress,

Consul,

Constable,

Constitution,

Cant,

Convent,

Conventicle,

Corporation,

Count,

Court,

কাষ্যগুৰানিতে or পাল্লাতে অবরোধী.

भूकेकिभुड़िवेबाक.

বির্মাণক, বর্মাণকপাতী.

বিমপেফপাতিরদের পাঠশুখী.

পৃথিব|বেগুনকাগীনাবিক. জনপর্য or জানপ্রায়

পদভেবদেব চলেঁ.

ইন্স্ফণাতী.

ভদ্ৰশ্লহ্মজ.

কুলী। তিহু চিত্রিতপাঠ.

जाशकमयुष्ट्र जुती.

प्यामीन.

क्यांमहाप्रक्रम्डा, महुप्रायः

পষ্ঠ?পাবিকার,

লায়ান্যবিজ্ঞাপক, পটছ.

পুজাপুডিনিবিনভা,

मावीत्वकर्ष्य or भुज्ञ.

বনিক্সমূর্ণ.

विमानग्रमयश्रीत्र.

PFJ.

সমুডিজাত.

দেশনতা.

आयीन, गडा.

(काहिताल, प्रवताहक.

(मर्गंद मृत्रद्रम् :

পুদিৰবাক্য.

र्थ धंभा ना, यह.

छजनार्य or अखनाविनार्य मणात्र.

नतदार्थमगूर, नतत्कार्धामग्राहनार्थमगूर.

मत्राह्मत्र.

সভা, আবাৰং.

Court of Common Pleas,

Court of Directors

Court of Judicature,

Court of King's Bench,

Court of Session,

Crater,

Criminal Law,

Custom,

Custom House,

সদৰ্আদালৎ.

নিয়ায়কসভা.

जापानः.

রাজাসনাগ্রাসভা.

চল্লিশদিনপর্যান্ত তৎপুতি বিবাকাবিশিশ্ব

অগ্নিপৰ্বতমুখা.

व्यवस्थान.

দণ্ডব্যবন্থা.

শ্বন্ধ, কর.

শুকুগৃহ.

D.

Demagogue,

Demon;

Dean.

Deanery,

Decree of fraternization.

Defender of the faith,

Defensive War,

Defensive alliance,

Defile,

Degree, (of Lat. or Long.),

Democracy,

Deposit,

Despotism,

Diocese,

Diplomatic Government,

Duector,

Directorial Government,

Dissenter,

Divine,

Divinity,

Doctrine,

লোকপুযোজক.

অস্র.

वैस्रावीकाविकात्त्र विजीग्रामिक.

বীৰ্মাব্যক্ষোপকাড়িল্ব.

ভাত্যাজা.,

ভক্তিরক্ষক.

द्रश्चर्यशृष्त्र.

P व्रव्कार्यम्बि.

গুহা, দীক্দান.

অংশ, অফাণিশা,

লোকপুভূত্ব.

निष्फ्रभ.

একাবিপত্য,

वैभाविकाविचित्र (पर्म, वैभाविकाविकाव.

প্রদেশদম্বভীয়রাজত্ব.

নিয়ামক.

নিয়ামকরা জন্ব.

স্থাণিতমতাতরাবলন্ত্রী.

বিযোগিদেশক.

अश्वत्विष्यक्तिमा.

মত, বিশ্ল.

Doctrine of the real presence, or one who holds the said doctrine,

Doctrine of non-resistence;
Dauphin,
Dowager,
Duel,
Duchess,
Duke.

Dukedom.

E.

F.

Earl, Earldom, East India Regulating Bill, Ecclesiastical, Elective power or kingdom, Elective title, Elector, Elector Palatine, Emperor, Engineer, Episcopacy, Esquire, Exchequer, Exclusion Bill, Excommunication, Expedition,

Family compact,
Fanatic,
Faulchion,
Federal,

ঞুীষ্ঠণরীর বিমতাবলমী.

রাজানিবারন মড, অফর্ডব্যাবছেলদ রাজপুত্র. [মড. রাডধাজার বিবসা জ্রী. দুই জনযুন্ত্র, ওভগুযুদ্ধ. অনুনীশ্রী. অনুনী. অনুনাবিকার.

भाषभीतिकांगी. পদেশারিকারীর অবিকার. পুর্বিনিনিরামক ব্যবস্থা. র মাণকীয়, অভিযন্যপত্ত a or রাজ্য. नि:याजाकन भावि. প্ৰদক্ষা, মনোনাডক্তা, जार्यवीषाणीय भावांजीन कर्डा. ३ का विद्रांक, मग्रें কলপুত্র. বিশ্ববিদ্যকর্ত্তর. यश्रीनांग. একশ্চেক্রনায়কন্যায়স্থান or **বহি**ষ্ক লেব্যবন্ধা. जिल्लाहरू যতভ্ৰে. यक्यांजा.

দিকুলন বি. বিশ্বাগু, টামী, প্রয়রপুভুম, B 2 Felony,
Fellow (of a College),
Fine arts,
Forgery,
Fortune (viz. a fortune),
Free-holder,
Free Parliament,
Friar,

Garrison,
Gauntlet,
General,
Gentlemen,
Gentlemen of the King's bedchamber,
Government,
Governor,
Groom,
Groom of the stole.

Habeas Corpus Act,
Harbour, Act,
Heretic,
High Commission Court,
High churchman,
High Court of Justice,
Highlands of Scotland,
Highness,
High Treason,
Hospital,
House of Commons.
House of Peers,

८डीर्या.

≠ **নমছাত্র.** টিক্রাদিবিদ্যা

> জালকারজ, ক**ল্লি**ডগত, হস্তক্লম. লিক্ডিডবীন.

ভূমাবিপতি, জমিনদার, অনুষ্ঠানসভা

रीमा जिल्हात.

G-

H.

থানা, কিল্লা, গড়. লোগার দন্তানা. সেনাব্যক্ষণ মহল্লোক.

हो जर्भप्रनमीलोकप्रकाही.

রাজ্যশীমক. অবিশ্ব

অশ্বরহাক. ব্যাজ্য শ্রেপরিবীলফ,

শরীরং গরেতি ব্যবদ্ধা.
নগরবাড়ী:
তান্যবিদ্যাবলদ্ধী.
নহানিযোগে আন্তর্ছাবলহা,
বাত্ত আদাল্ল:
ক্রতান্ত্রাল্ল ন্ত্রাক্তর্যাল্ল ন্ত্রাক্তর্যাল্ল ন্ত্রাক্তর্যাল নাত্রাক্তর্যাল নাত্র্যাল নাত্রাক্তর্যাল নাত্রাক

ज्लीरमञ्ज

I.

3.

K.

L.

Immunity,
Incest, —
Indemnity,
Independent,
India, East Indies,
Indictment,
Indulgences,
Infidel,
Inquisition,
Isthmic

Jacobite,
Jesuit,
Jury,
Justice,
Justice of the Peace,

Keeper of the Scal, King's bench, Knight, Knight Errant, Knight of the Garter,

Latitude,
Lawyer,
Legacy,
Legislature,
Levee,
Libel,
Lieutenant,

লভা, নিশা**.** আভিনামী নিশা.

चाउचर मा पायो.

হিন্দুখান, অরবস্থ জিপ্পাদিদেশ, ডভিযোগ, পাশক্ষমাপত্ত, নাস্তিক, অফিব্রার্থদেওখান, মুবি, মুবিংহান,

জেমুরাজার শাণাতী. জেজুইৎমতার মি. দোমাদোধবিচার সভ্য. লায়. প্রধান দ্ববাহক.

রাজনুগুলুকক. রাজানাগ্রা মোল্টুল্লি ভূমনকারী অধ্যক্ত, দ্বীবাব্দ্যাব্হুল্লি.

অফাণ্শ ক্যুতিস্বসাধী, আডি দত্তবন ব্যুক্ষাপক, দ্বুবান, প্রাপ্লাপপ্য, পুথম্যোদ্পদ্ভ, Life-guard, Liturgy, London Association. Longitude, Lord (title). Lord Chamberlain. Lord Chancellor, Lord High Steward, Lord Lieutenant of Ireland, এলাতের রাজপুতিনিধি. Lord Privy Seal,

Lord Treasurer.

Lower House,

M.

Mace, Marquis, Mareschal. Martyr. Mass. Master Genl. of the Ordi-Mayor, mance, Mediterranean, Mews. Middlesex Election, Militia, Mine. Minute, of a (degree), Monarch. Monarchy, Monastery, Monk, Morter, Most Christian Majesty,

বাজগুৱীব্যক্ষার্থদেনা. আবারনা শ্রেনী, মন্ত্রশূরীপদ্ধতি. ल उनमञ्जूषीय. দাঘিমা; -- of stars, বৈব. পত প্রায়ৎ. রাজগুরাবীক शरी नगछी. वङ्गियान, भ्रीनकर्ममध्य-রাজার প্রানমণী or নিজমোহর or भूतिनियोज। वि. যি দ্বারি. मावीर्कालाकन्डिनिवि गडांसान.

cota. उपाहनी. म्बार्यायायायायाः. मांत्री, मारकाम उल्राब. পু র', আরাবনা. েশগারীয়া. নরবর্ণই।ক্ষ. ड्यवीम्बरम्. রাজাশ্যাহ. यिषिकारमञ्ज भूषिभेद्रभू छिनि निर्धाजन.

रेमगाविर्धम, शोर्क्रेमना, लोक्किरेमना. থান, থানির, আকর. দাকিফ, লিপ্ত. मगारं, अवारिमाउ. একপুভন্ব, একারিপত্য. মার্চ, বিশ্লালান मद्याप्त. (शावड्', शर्नाल. मुँ जोग्राजा.

N.

National convention, (मणकमानक र.

শত্রিবানগরোর, ওদাদীএছ Neutrality,

मद्या मिनी. Nun. Nunico. পাপার পেয়া.

नंदीयहै. Nunnery,

O

রাজারীনতাবিষয়ক নিতা. Oath of allegiance,

পরহননার্যাত্র. Offensive war, -Oligarchy, অপ্রজনপ্তত্ব.

Order of the Garter. -ঘীতাতিহ্বারী মোল্কুলীন.

Order of St. John of Jerusa- িরোশালগীয় পাচকার আহ্নানক

Ore. [lem, খাত. ্যোক্সমহ.

Ottoman Porte, ত্রকা রাজসভা, Outlawry, ज्यानाम्य.

P.

Pacific Ocean, भूगोउमात्रात.

Pagan, দেবপ্তাক. Pageant, त्कों हे ह. Papacy, পাণাবিকার.

Papal Power, পাপার পরাক্রম.

Parliament, মহাদ্র:

Perjury. विधामांकी. Philosophy, विकात. Piece of eight, म लिय.

Pillory, www তক্রাকার হাতি

Plantations, (West India)," इं श्रुखाम माति नानाएम.

Plenipotentiaries, পূর্ণরাজ্যবারী.

Policy, ৰুণজনীতি, Politheism, দেবৰছত্বয়ত.

Political. (मर्ग्न नीजिवातकात.

Politician. व्याम मोन बोडी. Pontiff, Pope,

Poundage,

Pragmatic Sanction,

Pragmatic Sanction,

P elate, Presogative.

Presbyterian,

Pretender, Primate, Privateer,

Privilege,

Privy Counsel,

Prize, Proctor,

Præmunire Statute,

Professor, Protector,

Protestant, Purgatory,

Puritan,

Quadruple alliance,

Quaurupie amance,

Rear Admiral, Rector.

Redoubt,

Reformation,

Regency, Regent, Report,

Republic,

পৌণ্ডনাম**ক শ্ব**ক্

পুলোতিক সাংজন্বায়ক হাহৰা.

পুরোহিত. পুরিধান্য,

পুর্বানতত্ত্রকর্মারলয়ী.

রাজমানী. বিশ্লাব্যক্ত.

लूहे भारता है। ज.

অবিকার, আজা, জনুস্তি, ব্যবহার.

রাজখাণিতসভা, রাজণি জসভা.

लूडि 5वैन. भुडितिबि.

ক্লাজশাসৰ অনৰ্থকারী বিষেদ্ধবাহন্ত্র

অব্যাপক. ক্রাজক্ষক

भूटिखाडगडगडादलम्). स्थारवाम नवक.

निडिविजन्यजायलयी, निविज्ञालांक.

Q.

ठउउँ भी मिखि.

R.

ত্তीय जाराजमगृहरू जदाक.

त्रु।यवैर्याविष्क. भानीयानाः

वैश्रीवर्वावकालन, भूनुवावकालन.

রাজপুতিনিবিহ. রাজপুতিনিবি:

বিবহন,

সর্পুজাপুজুকর.

S.

Revolution,
Restoration,
Rhapsodies,
Rights,
Right Honorable,
Roman Catholic,
Royal Exchange,

Scaffold. School divinity, Secretary, Secretary of State. Secretary of War, See of Rome. Siege. Serjeant at arms. Sermou. Session. Share. Sheriff Ship of the line, Shire. Solicitor, Sorceress. Sound. -Speaker, Spiritual Lord, Squadron, Staff. Stamp Act, States General.

Steward.

পুভত্পরিবর্তন.
পুনংকাপন.
পুলাপ.
বাবহার্যা.
বহুয়ান্য.
ক্যান্যক্রম্যতাবলম্বা.
রাজ কা্যুবানি জ্যুদ্দর্ভ.

বর্ষকার
পাঠশালাচলিতর্বর্ম্মত
মুছরির, রাজলিথাক
রাজলেথাক, পুরান্মত্রী
মুল্লবিদ্যকলেথাক
ক্রমীয়র্বর্মারিপিডা
অগরোর, বেছান
চোল্লার, আদার্যারী
র্বন্ধানিদেশ
দেশনাকাল
জাংশ
দেশনাক

দ্যানা, ুমাহাজ,
সভাসন্,
মায়াবিনী,
৪পথোল,
পুরীবেজা,
বিমে সমানিত,
জাহাজোপসমূহ,
সোবাব্যকের সমতিব্যহারী,
মুদ্রান্ধিনব্যবস্থা,
হলপ্রীয়রাজসভা,
কর্মাচারী,

C

Straights,
Structure,
Subscription,
Suff agan Bishop;
Supreme Court of Judicature,
T.

Taking the veil,
Theology,
Title,
Toleration,
Tonnage,
Tory,
Train bands,
Traitor,
Transport,
Transubstantiation,
Treaty of defensive alliance,
Tribunal,
Trinity,

United State of America, Upper house, _____ Usurper,

U.

v.

Tropical Climate,

Vault,
Ventricle,
Vicar,
Viscount,
Volcano,
Volley,

मोडी. निम्मीन. जाड्डानकर्छा. ठीमा. महाविम्मीवाकावीनविम्मीडाह. भुवीन जामाज्य.

ছোমভাগুহন,
ক্রীপ্রবিষয়কবিদ্যা,
পদবী,
দান্ত্রিকুটা,
ভরেজ্নামক শ্রম,
রাজপুভুকুপদপাতী,
দৈন্যবিশেষ,
বিশাষ্ট্রাভারক,
থাদ্যদামগ্রীভ্যাদিবীবিজাহাল,
ভ্রমান্তর্জ, ভিন্নবাব্লাহার,
নাজুনিবারনার্যদ্ঞি,
ব্যবস্থান,
একাজক্রয়,
গ্রীম্যদেশা,

আবেরিকা দং যি নিওর জে. কুলীনদভান্থান. প্রকাজগুংহী.

মৃত্তিকাভাতর ঘর or কুঠরী.
কুজকোধ.
গ্রামন্দ্র বির্মোপদেশক.
দেশোপভোগী.
স্থালমুথা অন্নেয়পইত.
দেওতু.

Vote.

দয়াতিচিছ.

 W_{\uparrow}

West India,

Warden,

Wlug,

Whit Sunday,

Will,

Wind-mill,

Yeoman,

আত্তাপক্ষণাতি.

मकिव्यारमहिका विवधेत्वानिक्षीत

বফক.

(च उठक्र वर्ष. দাৰপত্ৰ.

বায়ুপুঠোদাকল.

Y.

বিশিষ্টলোক.

कुछिन् (मणीय वार्थाः इ॰ गूछ (मणीय छेशायानः

পুথম অইসায়.

ম্নির্দ্ কাইদরের মুদ্ধে পূর্তহওনাববি ক্যায়জারীয়েরদেল্ল ভগদেওলপর্যাকবিবর্বু

ক্রনার্দিনের অবিকার হওদের পূর্বে, ব্রিটিন্ দেশ পৃথিবীর অপরং, অংশেক্তি অভাল্ল আনত জিল. অপর পাল দেশের সমুগ্রন্থ তটে সকল ওদেশীয় পুজাপনের দের ওদোগিছার৷ যে অব্যাদি ওৎপদ হইত, তাহারি বালিজ্যের কারণ অনেকঃ লওপাগির সর্বা দে দেশে যাইত. ইহাতে আনুভব হয়, যে ঐ লকল লওদাগিরেরঃ, যে লকল লগুলাগিরেও পুথমতে৷ বাল করিয়াজিল, কিচু কাল পরেডেই লে নকল ভান অবিকার করিয়া লইল; পরে দে দেশ অভিরম্পীয় এবং বালিজ্যাপমুজ্জ দেখিয়া বালিজ্যাহতুক লমুদ্রদানিই।বাল করিয়া পুজারদের মধ্যে ক্ষিক্র্যাদি বিষয়ক জান জন্মাইল. কিন্তু লালুভাইর দূরবাসালোকেরা লে ভূমি অবিকার করিয়া রাখা আপনার দিগের বন্ধ ইহা বোর করিয়া, এবং ওহারা আমারদিগার অর্থের অপহারক এই বিষ্ক্রেনাতে, ঐ নুতন আগত লোকেরদিগার লহিত সমুদ্রায় ব্যবহার ভাগি করিন.

অপর সমুদ্রের দূরপুদ্রেশ তৃণায়াদিত ফুটার ঘরে অর্ণা লোক বাস করিয়া থাকিত; তাহারা আহারাদির কালে গৃহপাল্যপর্যের বড়ং পালরাথিত, এবং পুলা দুর্ফেতে এবং সূর্ণালভা পর্যাশ্যেতই জীবনবালন করিছ, তাহার দিরের শরীরের যেই লকল অংশ আহাদিত সেই আনের আহাদন কেবল পশু চর্মাই চিল; এবং বাধ্দেশ, ও পাদদেশ, ও ওকদেশপুত্তিতে যেই জ্ঞান আনামাদিত, তাহা সর্হাই নীলবর্শেতে চিল্লিড করিড; তাহার্দিরের মাধার কেশ জানিত হইয়া অংকাতে এবং পৃশুদ্রেশ লতিয়া পড়িত, এবং দাড়ি ফৌর হইয়া

র্গোপকে লম্বা করিয়া বাড়াইড; ডাছা দৃদ্ধি করিলে বর্গ্ণেভয় ওপবিত হইড, কিন্দু পুটির অথবা মর্যাদার সম্বন্ধ কি.

ভাষার্দিরের রাজত্ব সকল ক্ষুত্রং রাজ্যেতে বিভিন্নীকৃত জিল, তাহাতে পুতোক রাজ্যে কহ জন পুরান অব্যক্ষ জিল. অনুভব হয়, যে মনুষ্মার্দের রাজ্যকরে পুথমে ঐ দাঁড়া জিল, এবং তাহার্দের সভানের্দ্রের মধ্যে পিতৃপিতা মহের আজায় এবং আদেশেতে ঐ যাবহার পুথমোৎপর হইল. ঐ দেশন্তের দের মধ্যে কোন অভ্যত্তবিপদ্ ওপন্তিত হইলে, তাহারা একটা অভিসমারোহ করিয়া, সর্সংবাদে এক ব্যক্তিকে সেনাপতি নিক্পিত ক্রিড, এবং সেহাব্যাভিকে ওছ্য় বিষয়ের নাজভার, অর্থাৎ মুদ্রে পুরুতকর্বের অথবা নিব্তকর্বের ভার অর্পন করিয়া অব্যক্ষ করিত.

এ দেশীয়ের দের দেনা সকলে পুন্ম পদাতিই জিল; স্থিদ পুন্থাজন হইলে জানেবং ছোড় রণকলে জানিতে সমর্ম হইত. ভাহারাও মুক্তেতে মেই গা ব্যব হার করিত, তাহার বিবরণ এই; ভাহারদের চাজের দণ্ডা গুড়ে অগ্র দণ্ডাক্ত মার্তি তাহাতে শত্রুদিরকে জাভিভঃ কঃ ইছত করিত, এবং মেদিরে দের মারতি; ভাহাতে শত্রুদিরকে জাভিভঃ কঃই ছত করিত, এবং মেদিরে দের মারতি লোমিরের নৈন্যসকল সমভূমি কারত; এবং মে সময় রম্পকের ইয়া শতুকে মারিত; কথানো বা ভাহারার র্মদণ্ডের ওপরে বাব্যান হইত; কথানো লালু দিয়ে ম্বিতিকার পড়িয়া পুনরায় রমের ওপরে ওচিত; কথান বা ঘোড়াসকল দাহ করাইত; কথান বা চিকিডের মারের রম দিরাইয়া লাইত, এবং ছানেই পুরক্তনা করিত; কথান বা চিকিডের মারের রম দিরাইয়া লাইত, এবং ছানেই পুরক্তনা করিত,

বিভিনি নির্বাদের দেশশাসন পুরান বিশ্ল জিল; এবং জাইদ্ নাথে প্রাণ্ড ঐ বিশ্লের ক্লেকেরা, অনেওই বিবি বাবছ র শাসন রাখিড; ভাহারদের তুলা ভ্রুদ্ধি ভঙ্তদল্লা ক্রাণ্ড ইলালিও জিল না; যেছেতুক ভাহারা কঠিছে বাবছার দানের লাবের ক্লোযুক্ত করিও, এবং ওলাভি,রক্ত শরকাল দর্শাইদা মনুষ্টোরদিনের জাবের দেহাতর পুর্ণদের আশ্রন্ধা দেথাইভ; এবং যেমত বাছলা পুরুণরতে ভাহার দিনের বিবিসকলের বিতার হইদাজিল, তদনুষায়ি দেবকিদার আশ্রন্ধারা ব্রিছিইমাজিল ভাহারা সরকলি পুনান করিও; কেত ভাহার দিয়া এহ জিল, যে একটা বৃহৎ কাচের পুতুল এমত পুশ্ভকপে নির্দ্ধান করিও, যে ভাহার মধ্যো জনেক মনুষ্য একবারে পুরিষ্ণ হইভে পারে, পরে ঐ ভুতানর ভিতর অনেক মনুষ্য একবার পুরিষ্ণ হইভে পারে, পরে ঐ ভুতানর ভিতর অনেক মনুষ্য একবার পুরিষ্ণ হইভে পারে, সকলেই একবারে দক্ষি হইভা মরিজ এই সকল বিবি বাবছালার। জ্জানেরদিলকে সভয় করিবার নিমিতে বাবহার ক্রিছ; কৈত ভাহা জাড়াও, ভাহারা হ্রার্বারহারের ক্রিকভা এবং অন্তর্দার

লাংলতা দেখাইত, তাহারা বনেতে, এবং পর্গতের গুহাতে এবং ৰ্ক্ষের কোট থেতে বাল করিত; তাহারা দানা ব্লের ফল্ডোজন ও জলপান ক্রিড; এই লাকল ক্ষমতাদ্বারা তাহারা কেবল মানশীয় ছইও, এমত নহে, কিন্ত অপরহ্ মনুত্য কর্তুক স্বভাবতও প্রিত জিল.

এ কথাতে দহতেই বুঝা যায়ি, যে, দে সকল লোকের এপুকার ব্যবহার, কেবল তাহারদিনৈর ওপদেৠারদের ওপদেশপুযুক্তই হইয়াজিল. তাহার দিনের আচার পরিমিত বটে, কিছ জুরতায় এবং ভয়্ক্তরবায়, তাহারা অভ্যত থ্যাত জিল; তাহারদিনের সাহস বড়, কিছ তাহারা দ্যা ওওৎসাহর্হিত জিল.

বুটিনীয়ের। অনেককালাগরি ঐকন কালকেপন করিলে, রাজা কাইসর গাল্দেশে জানী হইয়া, তৎকালে আপন নামের সম্ভ্রম অঠিক বিস্তার করিবার নিমিত্তে, অনায়ার্সলভা অন্য এক দেশ গুছানের বাঞ্জা করিলেন; পরে দেই কার্য্য সিভার্যে, ঐ রাজা কাইসর, সেনাপুশ্বত করাইয়া অগুসর হইয়া, অর্বগ্রিন যায় সমুদ্রনাথে বিষ্টানে যায়া করিলেন, এবং পর্নিবস পুভাতে দোবর নগারের নিকট বিতি ওতার্ন হইয়া দেখিলেন, যে কিনারায় যাওনের পথ কল করিছে অল্লিনাকেতে পর্যুত্ত সমন্ত পরিপূর্ণ আজে.

ঐ নমতে বিভিনীয়েরা, ফালিবালান্দ্ নামে এক বাজিকে দেনাপতি নিক্ষিত করিল, নিজ পরে ঐ নেনাপতির পদলওনের ইয়াতেই বা হওক, অথবা ওঁছার কিডাল লক্ষেত্র করিয়াই বা হওক, ফুনুঙ্ রাজারা, ওঁছার অধীনতা ত্যারা করিয়া কেছছ আশনহ ব্যাপালৈন্যের সহিত রাজামধ্যে পুরিশ্ব চইল, কেছছ বা রাজা কাইলবের লাছিত ঘাইয়া থিলিল। শোমে ঐপুকার দৈন্যভপ্নাপ্ত হওনেতে কালিবালান্দ্ দুর্বল হউতা, বিবেলা করিতে লালিলেন, যে এ ফলে রুল্বলুফ্ফা ক্রেক্সবাতা থাকিতে যানি আমি কোন ওপায় করিয়া শলা করিতে পারি, তবে পরে অবশ্য আমার মধল হইতে পারিরে, দেই কালে রাজা কাইলরেতে ক্যিত এক কালিবালান্দ্রতে ক্যিত এই নিয়ম হইয়াজিল, যে কালিবালান্দ্র, রাজা কাই ল রুর্রাজ্যে পূর্বনিক্রিভিন্সবাপেক্ষা দুইওব সেনা পাঠাইবেন, এবং সে আ প্রিও ক্যাদেশীয় রাজ্যাবীনতা অকারে করিবেন। যাহা হওক, ব্রিভিন্নানির দিয়াকে বশীভূত করিবার নিমিতে, এবং কালিবালান্দের যুদ্ধে পরাজ্যকালের নিয়মপ্রানুযায়ী কোঁতি বুজিয়া লওনের কারেব, আরো একবার ব্রিভিন্নেশে ঘিরিয়া ঘাইতে কাইলরের পুয়োজন হইয়াজিল।

অপর আগরতন লামে ব্যক্তি, কমের রাজা ছইয়া, ব্রিটিন্ দেশে আদিবার মনক করিলাজিদেন, ইডামবীঃ পালোলীয়ের দের পুনর্ছোদ্যোগছেতুক ভিনি অক

পরে তিবেরিয়স্ রাজা, ওতম বিচার করিয়া দেখিলেন, যে রাজ্য এখন অভি বিস্তৃত আছে, অতএব তিনি বুিটিন্দেশাতিক্রম করনের চেম্বাভাগে করিলেন. এবং যে সমস্ত বিদ্যাহইতে মনুষ্যের লাভ হয়, সেইকালাববি ব্রিটিন্ দেশীয় লোকেরা, তাহারি অভ্যাস করিতে লাগিল.

অপর কালিপ্রলারাজা, যে অভ্যাচারেতে ব্রিটিন্দেশে চদাওকরনের ভয় দর্শা ইমাজিলেন, সে কুবাবহার ব্রিটন্দেশকে বিপদ্ধুত না করিয়া, বরু তাঁহাকে হাল্যাল্লদ করিলে. শেষে, কমীয়েরা ক্লাদিয়দের রাজ্যে একার বিবেচনা করিতে লাগিল, যে আমরা কি পুকারে ওহারদিরাকে আপনার্দিরের হত্তরত করিতে লাগি; পরে সেই কার্যালিভারে যুক্তনজ্ঞা করিয়া, কমীয়েরা যেখন লইনা জয়যুক্ত হইয়া থাকে, তেমন প্লাভিয়ন্পুভৃতি সেনাপতির ঘারা যুক্ত করিয়া জয়া হইন.

পরে করিজাকন্দ্ নামে এক ব্যক্তি, অতিপ্রান্থন করিয়া আপন দেশর্ক্ষা করিতে রথেছু হইয়া, লে দেশীয় পুরীন্ধ জয়াব্যক্তির্দিরকে পরাভ্ত করিবার রাপ্তা করিলেন. ঐ অশিষ্ঠ যোজা, অত্যন্ত্র দেনারারা ক্ষাইদিরের বাবী এবং পুতিবক্ষকতা, নয় বংসর্পর্যান্ত করিয়াজিলেন; অবশেষে অস্তোরিয়ন্দ্ জাপুলার দ্বারা তিনি সর্বজোভাবে পরাভ্ত হইয়া, এবং বদ্ধ হইয়া পরাজিত দেনার ন্যায় ক্ষাদেশতে প্রেরিত হইলেন. পরে দেশারা যে কালে তাঁহাকে ক্য নররের মধ্য দিয়া লইয়া যায়, সে কালে আক্ষাদর্শিলোকসকলের সম্মুখ্য তাঁহার কোনো পুকারে বিষাদ দেখা যায় নাই, কিছ আপন চতুঃপাশ্যায় লোকেরনিরের প্রতিদ্ধি করিয়া প্রক্রৈর কহিতে লানিলেন; যে হাছে এ কি আক্ষা, যাঁহারদের জ্বাদশে এপুকার ঐশ্বর্যা, তাঁহারা ব্রিভিনে এক ক্ষুদ্ টুড়িশ্বুদ্ আবার প্রপর হিংসাদ্ধিপাত করে. ঐ ব্রিভিন্ দেশীয় খারের বিনয়বাক্ষেতে, সে রাজা স্কের্ফ্ হইয়া, তংশ্বানেতেই শতুরুত্ব অন্যহ বীরের সহিত, তাঁহার বন্ধন বিয়ে চন করিতে আজা দিলেন.

অপর বোআদিনিয়া নামে এদেনি দেশীয় রানীর পুর্তিয়ে নির্ন্তাবহার ছইয়া জিল, তাহাতে আর একবার নির্নিনিয়েরা, স্লাধকণে কম্বর্ত্তাতিজ্ঞম করিতে পুরুত ছইয়াজিল. তাহার বিবর্ধ এই, শুক্তার্মন্ নামে এদেনি দেশীয় রাজ্ঞা, আপন মৃত্যুকালে আপন অর্থেক রাজ্ঞা, কমারদিরকে এবং অন্য অর্থেক অপন কন্যার্দিরকে দান ক্রিয়াজিলেন. তাহার অভিপায় এই, যে অর্থেকরা জ্ঞার ক্রিলে, দিতীয় অর্থেক আপন পরিজনের নিমিত্তে নিম্নুকে মাকিবেক, ক্রিছ তাহাতে ভাহার বিপরীত ছইল ; কেননা ক্রিনিয়ের ক্র্মাক্র্ডা, লেই ক্রালে তাহাইত্তে তাবং রাজ্ঞাবিকার কাড়িয়া লইলেন ; এবং ভাহার পুরি

দিয়া, ভাঁছার ক্ল্যার্দিরকৈ বলাৎকার করিয়া সতীত লাশ করিলেন. পাণপুষ্জ, এ সমুদায় দ্বীপের মধ্যে পুজারনেরা, কম্বিকারতারকরনে ওপন্তিত ছইল, এবং ঐদেনি দেশীরা দে ককড়ায় অধিক মগ্ন ছওয়াতে, পুথ্যেতেই অজ গুহুৰ ক্রিতে লারিল. পরে অন্যথ রাজারাও সহকারিতা ক্রিয়া, রাখী বোআছি (मग्ना, विति भव्य नुमवी विवाधिना श्री अव भूक्टायव नाग् छिउमाहमवडी जिल्लन, ভাঁহাকে দুউ লফ ত্রিশ হাজার দৈন্যের দেনাপতি নিক্তি করিলেন. 🗳 সমস্ভ टेमरनाता, পূর্বহি॰ লাপুঙেপুযুক্ত রাগী ছইয়া ক্যায়েরদের অনেকং এনো এক নৃত্তৰ বদতি কাৰ্বাস জয় কৰিল। 🗳 সময়ে পাঙলীনস্বামে কমীর্দিরের সেবাপতি, कछन्दकार्ध भीचुतमन कदिरलन, धारकुक स्म मगरम ने नतंत्र अविदर्खमान ছইডেচিলে, পার দে স্থানে ওপন্থিত ছইয়া বিবেচনা করিয়া ঝির করিলেন, যে শভুস্থিরের বিষয়কোলপুমুক্ত ঐ ভানত্যার করাই ওপমুক্ত. অতিশানু দর্ফ হইয়া ভক্ষরোশি হইয়াছিল, এবং যে দকল পুজারা, লে নময়ে লা পলাস্যালেল তাহারদিবের বর্ষ হইল, এব° ক্যাপুত্তি, আর্হ অপরদেশীয় মন্মানুল, সঙ্তি হাজার লোক নিষ্ঠুরভাদারা হত হইল. 🔄 পুকার জয়ীহও নেতে ব্রিটিস্বাদীরা, শতুহস্তহইতে যুক্ত হইবার কোন ওপায়ের চেঞা না পাইয়া, পরে মেথানে পাওলীবস্ ভাহার্দিরের পুড়ীফা করিডেজিল, সহস। সেই ছানে ওপস্থিত হুইয়া অভিনুযোগপূর্বক থানা করিয়া, দশ হাজার বনবিচক্ষর সেনা লইয়া মূল ৬পবিত করিলেন. 📑 মূল অভিযোরতর হইয়া জিল, এবন काबी व्याद्यापिरमधा चक्नागित्रप्रित मयनिगाद्यादा, वर्धाद्याद्व कविया, वन ছানে ওপৰিত ছইয়া, পুক্তেরে ন্যায় সাহস করিয়া আপন সৈন্যের্দিগের পুতি মাতৈঃশাল্ল করিতে লাগিলেন; কিন্তু ক্যীয়েরদিগের রনপাত্তিতা এবং ছায়ত্তদেবাঃদিগের ষেগ্ন, 🗗 অশিক্ষিত অবায়ত্তদেবা দহিফুতা করিতে বা পারিয়া, অজ্রাঘাতে স্লাত হইয়া, আশী হাজার নৈন্য রণফলে বিনম্ভ হইল, এবং অন্য ১ জ্ঞান্য নেনা বন্দি হইল. তাহাতে রানী বোজাদিলেয়া ঐ রাগ্রুন্ত পাতুস্তে প্তিত হওদের ভয়েতে, বিষভক্ষৰ করিয়া পুৰিত্যান করিলেন.

অপর জুলিয়ন আড়িকোলা নামে কমীয়েরদিগের দেবাপতি, অতুপ্রাম শৃগ্ধলং পূর্বক রাজ্যের নিয়ম রাঝিয়া, একাদিজমে রাজা বেল্লানিয়নের ও রাজা ৩,ও সের ও রাজা দোমিতিয়ানের অবিকারে, ন্যাঘ্যনাহসদারা এবং সুশীলতাদারা অন্যত দ্বি হইয়াজিলেন.

আণ্ডিকোলার সময়ের পর জানেক বৎসর গাতে, ব্রিটনে সর্গ্রমাতিতে একা বছকালপর্যাত বৃদ্ধি পাইতে লাগিল; কিন্তু দেই দ্বীপের মুখার কোনোহ গণঃ ম্যান বজারা অভাল্প মাাথা ক্রিয়াকেন আধান সে মাহা হওক, যে কথায়েরা বহুকালপর্য্যন্ত আপনীবদিনের অধিকান হ তাবৎজ্ঞানীয় লোকেরদিনকে দাসহকপে আজাবহ রাখিয়া অভিস্থানাতন করিয়া জিল, শেষেতে আপসাবদিনের বন্ধুভাভিমানপুযুক্ত তাহারুদিনের অবীঃপতন হইল. যেহেতুহ শেং পুত্যেক জাতির বহুকালাবধি অন্যায়েতে অপহৃত হাবীমত্ব হইয়া জিন, তংশুপিনার্থে তাবৎ লোক একেবারে একমনা হইয়া ওঠিতে লানিল.

শ সকল ভাগ্লেষণার মধ্যে বাজোন নিমিতে রনকারী পৃথক্ছ পদ্ধীয় লোকেষা, পুরেজক মুজ পর্যাজিত লইয়া, পরে গপ্রাথক নাম্যারেতে এগাও ছইল এবং ভাষার্গে অন্যকি দাহায়্য বাগ্রে ব্রিটিন্টাদী মুবারা, ঘনং গাল্ দেশেতে দাহ ছইঘাজিল. শ অবকাশে বিটিন গোজে যেকণ ক্যার্গিরের দৈনোর ছাদ হইতে লাগিল, তেমন পিছ এবং স্কং আভিরিগ বিভিত্ত তি লাগিল, এবং সমুদ্দুব থালকোরা, মাহা ক্রিয় দৈনোরা লুব্ফিডকর্গে অফ্য জিল চম্প্রিত স্পুত্র নৌকাতে দেসকলপার হইয়া, বিভিনের ১৩/ভাগ, একাত অবিকার ক্রিয়া, ব্রেডে ও ভয়েতে দেশ পরিপূর্ণ ক্রিতে লাগিল.

অপর কর্যারা, ব্রিচিবে অব্নিতিকরন অনাধ্য দেখিয়া, চারিশত বংশর রাজ হের পর বালাতিনিতাশ করিয়া প্রের অবি কারকালে, তাহারা দ্বীপত্যার করিয়া প্রেল, তাহারে দ্বীপত্যার করিয়া প্রেল, তাহারে দ্বীপত্যার করিয়া প্রেল, তাহারে দ্বীতিন্দ্রের আপন রাজ। এবং রাজশাদন পদদ্দ করিতে লাগিলে. ঐ দুসরকায় ব্রিচিন্দ্রের যেয়ত শক্য তদ্নুক্রণ অফ্রিন্যাত্যান করিয়া, গড় ইত্যাদি গঠন করিল: এবং ঐ দ্বীপের অনুপুদ্ধ্যামী পাথরের যে পুটার সেবেরল ক্যজারাবার নিহিত্তি কর্যাক্তিন, নিজভাক্তরেরদের অগ্রাজিপুনুক্ত গঠনে অশক্ষ্ হুলৈ, তাহা সম্ভ্র করিতে ক্যায়ের। ব্রিচিন্নেদের ওপভার করিল.

ৰিতীয়াপ্যা য়

जीक्षुत् आडिश्रामिशक विषक्षत.

অপা ব্রিটিশী দরা শত্রুইতে মুক্ত হাইয়া আপনার্দিণো নুচন অধীনতা অতি শতু শিপদের কারন জানিতে কানিলে, যেতে চুক্ত শিক্ত এবং জং এই ওছয় জাতিরা, সংমিলিত ছাইয়া, ব্রিটিন্কে আপনার্দিণের নিজাবিকার বোধ করিয়া, ওজর দিলের যে পুটার ক্যীয়েরা, শত্রুব(দলের আহোপুক্ষিকানিবারনার্থে নিমানি ক্রিয়াজিল, তাহা তালিয়া এক নুচন পথ করিয়া, তাবং অবিকার লুটকরিতে আরম্ভ করিল; তাহাতে ব্রিটিন্নিবানীরা বনেতে এবং পর্ভতে প্লায়ন করিয়া রহিল.

এম্বাপ দুরুবন্ধাপর এবং আপটুপ্ত হইলে, ব্রিডিনেরা, সাঁক্লিন্ দামে এক আভির

দিনের আদে সাহাম্যপুর্যাণ করিল. ঐ সাঞ্জন আতিরা অতিসাহনিক ছিল, যেছেতুক আপনারদিনের সাহস এবং পরাক্ষমদারা তাহারা চতুদ্ধাদীয় আর্মনী জাতিরদিনকৈ অতিভাত কছিল। রাখিনালিল, এবং আপনারা দেবতুলা শক্তি মান্ এই পুনোর জন্মাইল; ঐ সাঞ্জন জাতিরা অবন্ধান্ত রতে অতিসাহস্বান্ মনুমা জিল, যেছেতুক তাহারা মুলকে বাবিজ্যজান, এবং জগতে সন্দেহামনক, এবং সাহস্বকেই নিশ্চিত্যদ্ধন বোধ করিছে. মুলেতেই আফ্লাহিত জনেরা, পুরুষ গর্মা কুল; কেনলা যে সকল জনুকর্মা তাগানা নির্ভা হইয়া সমূথে দেখে, সেই কর্ম ভারার। নির্দাহ হহ্যা করে; অত্যর সাঞ্জন জাতিরা অতিজ্যুর ম্যাত নিল্ল, কিছ নার্য ক্রেনিটিত যে ঐ জাতিরদিন্তর শতুরা তাহারদিনের ক্রিন্তনা ক্রেন্ট্রা

ক্র নিয়ে প্রতিবাদে বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব অনেক্ষণাবিধি চেখিত জিল, ক্র পুকার প্রতিবাদ বিশ্ব পাওয়াতে, তালগুৱা বহু একটা অসমত জিল না; অতথ্য বিভিন্ন বিশ্ব বি

পরে সাঞ্জন আহিরা, যেই দেশে আইল, সেই দেশ অতিরমনী এবং ফলবান্ দ্বেটায়া, এবং যে দেশহইতে আইল তাহার অফলবন্ধারন করিলা, আদেশীর অনেশহ মনুষ্যকে মুলেভাল্ডন ই দেশের অংশহিইতে নিমন্তন কলিল। তাহাতে সপ্তদেশ তাহাতে লিচে শান্তার তদেশীয় মনুষ্যা, আদিয়া ই দ্বাপেতে অচনাবনাতি ক্রিয়া রহিল।

বুভিন্ দেশীয় ব্ভাতবজ্ঞার বিথিছামেন, যে দাঞ্চনের্দি এর ঐকপ দহজে
বুভিন্ দেশ পরাজ্যকরনের পুনান করেন তাহার্দিরের পরাজ্য ছিল, কিছ
বিধাদঘাতকতাতেও তাহারা কিছ্ নুন জিল না. এবং তাহারা কহে, যে বর্থি
রার্বার হিন্তিপ্তের কন্যা রোএনার গুভি একার আদক্ত হইয়া, ভাঁহাকে বিবাহ
করিবার নিমিত্ত কেন্ত নামে অনুত্রম দেশ কন্যার নিতাকে দেওনের অগ্নীকার
করিয়াছিলেন, তাহাতে দে নম নাগনি ঐ অবিকারহইতে সাঞ্জনেরা কথানা
অন্তর হয় নাই; আরও ক্যিত আছে, যে রাজা বর্তিন্ন, এলন্দ্রোধ নগরে জয়ী
ইইয়া, কিছ্ কাল পরে তাঁহার মৃত্যু ভইলে, ভাঁহার নিজা রাজা বর্তিনর্ন, পুরুষ্
রাজ্যাভিমিক হইয়া, ঐ দিশহাসন্তরে ব্নিলেন্য অন্তর ক্যিত আছে, যে

একবার রাজ্য চি ব্রিড, নিমন্ত্রের জলেতে নদাতা করিয়া, তাহার পাল্যিতগুড়্ডি তিনশত মনুষ্মারদের পুরানদণ্ড করিয়া, সেঅবিবেচক রাজাকে কারাগারে রাগিলেন.

অপর রাজা হিজিষের যৃত্যুর পরে, অনেকং জার্মনি জাতিরা, অদেশীয় লোকের সমলতা নেথিয়া তথায় বলতি করিল. তাহার পূর্বে এলা নাযে ব্যক্তি এবং তাহার তিন পুঞ্জ, সেনাপতি হইয়া বিভর সাক্রন্ সৈন্যসহিত, দফিন সাক্রন্ সামে রাজ্য বসতি করাইলেন, ভাহাতে তলেকং বারী এবং রজপাত হইয়া জিল. ঐ নুতন রাজ্যের তভংগাতী, সরি ও সাসেক্ল ও নথীনারন্যপুঞ্তি দেশ জিল: তাহা কেতদেশপর্যাত বিশ্বত হইয়া জিল.

কিলুপরে কর্মিক্ এবং তাঁহার পুল, কেন্ত্রিকর আজাবীন হইয়া, লাক্লানর নিরের আনা এক জাতি, পশ্চিম দেশ অবিকার করিয়া লাইল, তাহাতে তাহারা পশ্চিম লাক্লন্ন নামেতে থ্যাত হইল. তাহারা ব্রিটিন্ দেশীয়লোকর্ত্রক, অভিশয় বাবিত হইল, কিছ আর্মনিহইতে জন্য যোভা পাইয়া, এবং ঐ দ্বীপদ্ধ তাপান দে গীয়ের দের নাহাম্য পাইয়া, ব্রিটিন্বালির দিগাকে অভিশয় ক্লাভ করিল. কিলুপরে অভিপজনীয় রাজা আর্তরকর্ত্রক, ঐ সাক্লন্জাতিরা অভিশয় বাবিত হইল বাই, কিছ পুর্বিক্ত ভূমির ক্রকরে। সম্ম চিল; ডাঙ্এব তাহারা ক্রিক্ এবং তাহার পুল কেন্ত্রিকর মহিত পশ্চিম সাক্লন্ নামেতে থ্যাত সাক্লনের ত্তীয় রাজ্য, ঐ দ্বীমানী বসাইল. ঐ রাজ্যের অভংগাতী, হাত্ত্য, ও দর্শেষ ও নির্ভাল ব্রুপ্ প্ররানা, ও হাইৎ নামে ওপদীপ চিলে.

অপর ঐ নাক্সন্ ভাতীয় চচাওকারকের বাবিকছওন্থিয়ে, ঐ পূজায়ি রাজা আর্থর, অভিশয় সূথ্যাতি পাইয়াজিলেন, এবং তাঁহার ক্ষমতা এবং পরাক্রম প্রেড নির্থিক হইলেও, তৎকালীন ওপাথানিব কালারা তাঁহার লুথাতি এমত বিষ্তৃত্ব ক্ষল, যে তাঁহার বিবর্ধের কিছু অনুসন্ধানকরনোপযুক্ত. ঐ রাজাএমত অনি শিত্তমুলক চি লেন, যে কোনেংছ গুতুকর্তার অভুভবানুদাবে, তিনি আফ্রোনিয়েম্ কাজার পুল হইতে পারেন, এবং গোগেছে গুতুকর্তার অভুভবানুদারে তিনি সেরাজার পুল হইতে পারেন, এবং গোগেছে গুতুকর্তার অভুভবানুদারে তিনি সেরাজার ভাতৃপুল জিলেন; আর কেহছ, কভিলাজন যে তিনি কথাল দেশীয় গলি মুদ্র বাজার পুল জিলেন. কিছ লে যাহ্ হঙক, একথা অতিপুলামানিক বটে, যে তিনি অত্যক্তশক্তিয়ার দেনগাও জিলেন, এবং যদি বিভিন্ন দেশায় লোক সাহস্থাতেতে অন্যয় দুববভাছইতে মুক্ত হইতে পারিত, তবে তাহার দানস সার্থক হইত. অপর কোনোছ শিল্ড প্রাথানানকোকর্তৃক নিথিত আদে, যে তিনি ক্রমেতে ঘাদশযুদ্ধতে সাক্রনেরদিরকে পরাভূত করিকাজিলেন; তাহার এক যুল্ল, আর্থাৎ বক্ল পর্নার অভংশতী, কামবীদন্ নায়ে এক ভানের যুল্ল, তিনি চারি শত চিন্নিশ কর দৈনান্যুন নহে আপন হতের অল্লাভাততে ববি করিয়াজিলেন,

१ जरीता] ब्रिटिन् (मनीव जर्धाः हे भू उपनीव अभागत.

বিশ্ব দাঙ্গুনেরা এমত আগন্য এবং শক্তিমান জিলা যে এক ব্যক্তিকর্তৃক প্রাভূত হওঁনের কোন বিষয় না থাকাতে যুদ্ধ না হইয়া ইহার সহিত একা হইন দে হেতুক শানুরদিরের ক্যেই ভূয়াবিকার বর্ত্তিত হইতে লাগিলা। কিন্তু এই থাজা কোন আআগ্রহিদ্ধুপুণুজ অপহারকেরদিগের বৃদ্ধি দেখিয়া দুর্মনা হইয়া কেবল সহিচ্ছুতাই করিতে লাগিলা। তাহার পুণুষ জ্ঞী সমর্দেটের রাজা যেল্বান্ কর্তৃক অপজ্ঞা হইয়াজিলা, আওর রাজা যাবং অপজ্ঞার স্থান জানিয়া অপ হারকের বিজ্ঞান হৈন্য পাঠাইয়া পুনর্গন্তিত না করাইলা, তাবং এ জ্ঞী একবং সর প্রাত্তিব্যবি নগরেতে সেল্বান্সকর্তৃক রঙ্গিতা হইয়াজিলা। তাহার বিভিন্ন বিষয় নিশ্বিত নাই; তাহার তৃত্তীয় রাগীর বিষয় অন্য পুকার জিলা, মন্ত্রেন নামে তাহার ভূচিন্তুক্ত্র আগ্রহার হইয়াজিলা তাহারে আল্লাক্ত্রিক আল্লাক্ত্রিক আল্লাক্ত্রিক রাজা এবং আপ্রত্তি হার্বিক তাহাতে আল্লাক্ত্রিক আল্লাক্ত্রির ওল্লান্ত্রির বিষয় অন্য পুকার জিলা, মন্ত্রেন্ নামে তাহার ভূচিন্তুক্ত্রিক আপ্রত্তার হত্তার বিষয় মন্ত্র মুদ্ধে জল্লাবাত্রার ওল্লান্ত্রির এবং আপন্ত আপন আপন আপ্রাত্তিক হারি প্রয়র মুদ্ধে জল্লাবাত্রারা ওল্লান্ত্রির হইন।

পরে পশ্চিম দেশেতে লাক্সনেরা অবিকান বর্ত্তিত করিতে জিল, ইতামবৌ তালাদ্দিটোর অন্দেশিয়ের ঘাপের অন্যধ্ স্থানতেও ওল্যারা করনেতে কিজু ন্যুন কবিলানা, পরে ডার্ক্টি দেশিবইতেও বালিজ্যনাহলিকলোক জনেক নির্মিত হইল; তালাদ্দিটোর একাশল জন্মা নামে সেনাপতির ব্যাপ্য হইলে কেল্পেড্র ও লক্ষেও লয় ক্লার্ডানা অবিকার কালে, তালাতে ভালাক্দিটোর সেনাপতিকে পূরীয়জান প্রায় লাভা বিভাগ আনতি দিল, ইফা ব্রিটিন্ দেশেতে লাক্সনের চতুর্য রাজ্য হাট ল

বানি সংশাক্ষরিকের দিখের মধ্যে অন্য এক সমুদ্ধ এমে ক্লু ও বিদিন্ত ক্লু এবং হতমর প্রকাশ, একাশকা সংগ্রহ করিয়া প্রবিদান্ত কিবা এমেঞ্জ লামেতে স্থাতি এব প্রাক্ত আলিত করিন। কেন্ত রাজ্যাত্য হাইয়া আলিত হইল যে এ রাজ্য, তাহা ব্রিচিনে মান্ত্র লামে ছালিত গ্রহণ ক্রাজ্য,

পরে মেবর্জ নামে কার্যীর জীগাববি শেষক্রিত দুই রাজ্যের স্থামাপর্য্যত ইহার মবীধ সমন্ত প্ররান। নাগুর ক্রিয়া কৃত্যে মেলীর্থ রাজ্য তাহা এই নির্দ্য তেজবিয়োল্কর্থক স্থানিত মন্ধ্রীয়ে।

দে রাজ্য সমূহের মধ্যে লার্নাগেকা ব্যুৎ ও পুলার রাজ্য, জাগ্রচ যে মার্থম এবং শোল রাজ্য তাহারা পুটা হইল ভাগার লাম লভাবেলত জিলা. এরাজ্য সাঞ্জিলের অন্য দুই কুলুরাজ্যের যোগেতে ক্যাগেলে, গকের নাম বেনিলা যাহার মধ্যে নভায়েলত প্রলোগ এবং দর্শের্থিয়াজ। অধুনা ক্যিত আছে, দেরি নামে থাটাত যে জান্য রাজ্য ভাহার পুজাগানের। লাইটাত্যে এমর্থ প্রানার মধ্যে ব্যার্ড

হইয়া রহিয়াজিল. পরে এতেল্ডেম্ নামে দর্ভমের্লণ্ড দেশে রাজত্ব করন সমুদ্র তাহার শাসল এদিন্ রাজ্যহ্যুতপুযুক্ত এবং তাঁহার রাজ্যাপহরনদারা এই দর্কন রাজ্য মিলিত হইল.

সাক্লন্ জাতিরা দ্বীপের মধ্যে বাঝ্কিত সকল স্থানেতে এতজপ আপনার্দিগকে স্থানিত করিয়া এবং বিভিনীয়ের দিগের সহিত বিষেণ্য বিষয় না এটকাতে আপ নারদিগের মধ্যে কলহ করিতে লাগিল; কেননা কোনহ এক রাজ্যেতে অনেক ক্ষুদু ১ অব্যক্ষ প্রস্লর অবশীষ্টত হওয়াতে, নিতা বিরোধের কারণ হয়, কেননা এমত হইলে দ্বেম ও গরাজয়েমার বাখল্য হয়; অতএব যুদ্ধ ও রাজ্যববিশিয় ও যুদ্ধ বিগুহ অনেক হইয়া গোলে পর তাহারদিগের স্থুদ্ধ রাজ্য সকল এর্মাত নামে বেনেক্ল দেশের রাজার বলেতে তাহার হন্তগত হইল; লে রাজা রাজ্যশাদনো প্যুক্ত এবং অতি সাবধীন, অতএব আপনার অবিকার রক্ষা করণেতে সমর্ম জিলেন, লে রাজার দারা সন্তাবিকারের যাবৎ রাজ্য একাক্ত করিয়া এক শাসনায়ত্ত করিল. কিন্তু তাহার প্রাক্তম জাজ্ল্যমান করণের নিমিত্ত বিশ্বেজ্য নগরে ওপদেশক এবং শাহাজ লোকেরদিগকে বড় সভা করিতে তাহান করিলেন, সেই সভাতে ইং গ্লন্ত রাজ্য নামেতে অভিম্নিক হইলেন; তদবধি একীকৃত সেই রাজ্য এ নামেতে থাতি হইল.

এইকণে সাক্লনেরা ব্রিটিন্ দেশে পুথম পর্যক্তিলেপর পুায় চারি শত বৎসারের মধ্যে পুদুৎ অবিকার সকল একীকৃত হইয়া বৃহৎ এক রাজ্য হইল, তদববি রাজ্যের নিক্তাক্তব ও ন্দিরস্থায়িত্ব ও ওতরোত্রজ্ঞানোদয়ত্ব বৃদ্ধি পাইল.

এমত সময়ে সাক্লনের দিনাকে গ্রীমীয়ান মতাবলমী করনাথে গ্রেণারি নামেতে পাপা তিনি অন্য অনেক ইন্সোপদেশকের দিনকে পুরুপ করিলেন; এবং তাহার বিষয় এমত ক্যিত আছে যে পাপা নামেতে গ্যাত মহাব্যক্ষণদ প্রাপনের পুরে কোনহ এক দিনে কম নগরে দাসদাসী বিজয় হা দিয়া মাইতেজিলেন ইতোমব্রো বিজয়াথে আনীত অভিমনোরমা কতপ্রনি বালককে দেখিয়া তাহার দিনেরে দেশ জিজানা করিলেন; তাহারা ইংগ্লখীয় দেবপুজক ইহা জাত হইয়া লাখিন ভাষায় এই কথা কহিয়াবিলাপ করিলেন; নন্ আংগ্লই, সেন্ আংগিনই, দোরের, সাই এসের গ্রীমীয়ানাই, অর্থাৎ তাহারা মদি খ্রীমীয়ান হইত তবে তাহারা ইংগ্লখীয় না হইয়া ইপর পুরিত হইত; তদববি তিনি সেই অনুজ্বনিত লোকের দিনকে খ্রীমীয়ামতাবলমী করনাথে অগভিন্ নামে এক ওদাদীনকে এবং তাহার অহায়ের দিনেকে বিভিন্ দেশে প্রেরণজ্যা দিলেন

এই বিশ্লিষ্ট ওদাদীন তানেট্ নামে ওপদ্বীপে ওতীর্ন হ্বামাত্রেতেই এতেল্বর্জ নামে কেতের রাজার নিকটে আপনার আর্মজাপায়তা এক জনকেপাটাইয়া, অনুত যে অনত ত্রানের সমাচার ছোমনার নিমিত কম দেশহইতে আলিয়াজিলেন ইহা পুকাশ করিলেন, সেই রাজা তাহারদের মতক্ষ নছেন ইহা জাত না করাইয়া ম্থোপ্যুক্ত সামগুরি আগোজন কর্নের আজা দিলেন এবং আপনিও মিলিলেন

অবান্তিন এ সকল শৃক্ষলা দেখিয়া আমার কার্য্য দুসিল হইবে, এই পুরীবিতে তীর্তিবিক মন্দল সমাচার ছোদ্রধা করিতে লারিলেন. পরে সে রাজাকে পুরুষণ কণে খ্রীদ্ধীয়মতাবলম্বী দেখিয়া পুজারাও অনেকে স্ফোণ্র্যুক তুরিত হইতে লারিল, তাহাতে তাহার্দ্রদের ওপদেশক কহিলেন যে খ্রীম্বীয়মতাবলম্বী হওয়া স্কোর্বী নই, ইহা সম্বতোভাবে ঘোদ্রধা করিল. এডজপে অন্যং রাজ্যন্থ লোক একেং তামতাবলম্বী হইল; এবং অল্পকালের মব্বোই ইংগ্লন্তদেশীয় লোক সকল পূর্ব্বে যেয়ত খ্রীম্বীয়ান মতকে অবজ্ঞা করিত পরে অন্যাপেন্দা তভোবিক দৃহত্ব তাম তাবলম্বী হইল.

৩ ভৃতীয়াব্যায়.

দেল দেশীয়ের দিলের ইংগ্লপ্ত দেশে চড়াও করার বিবর্তন

ইংপ্লণ্ড দেশে সামপ্রসা এবং প্রয়র একতা হওলোপজ্যেতেই দেশ্ নামে থাতি এবং বলাতিক নামেতে ওপসমুদুতীরাবিকারী ভূরিদেশায়ের। ইংপ্লণ্ড দেশের বিজ্লে শতুতা পুকাশ করিতে লাজিল. পরে দেশ দর্শনাথে তাহার দিলের মধ্যে কতক লোক ইংপ্লণ্ডীয় সমৃদুতীরে ওল্পনি হইয়া কিঞ্জিং দৌরাঝ্য করিলেপর আঝর্কার্থে পুনরায় জাহাজে পলায়ন করিল. পুন্ম চহাওরপর সপ্ত বংলর অতীত হইলে তাহারা নর্তম্পর্জও প্রলানায় পুনরার ওপন্থিত হইয়া এক মন্দির লুট করিল. ইতোমধ্যে অতিশয় কড় হওয়াতে জাহাজ মকল ভার হইল; অতএব ইংপ্লণ্ডীয় লোককর্তৃক তর্বারেতে ঐ সকল লৈন্য হত হইল. এথার্ড রাজা পঞ্চবংসার সিংহাসনক হইলেপর তাহারদিলের চহাও জ্বাহে অতিভয়ানক হঠতে লালিল, তদ্ববি ঐ রাজ্য মাবং অতিদানহীনদাস্থাবিনি না হইল তাবং তাহারা নিত্য ভূরি দৌলাঝ্যপূর্বক চহাও করিতে লালিল.

তাছাতে বার্ম্বার পরান্তত হইলেও তাছার্নিগোর দেশ নায় করিতে এবং লুচ্চা বস্ত লইয়া ঘাইতে বাঞ্চা নিত্য সাদলা হইল. সে সৈনোরা শুনীবর হইয়া ঘূল করে এমত তাছার্দিগোর ব্যবহার জিল না, কিছ দেশদেশান্তরে জিলভির হইয়া শুলার্দিগোর তাৎপর্য্য কিজুই বিশেষ বিবেচনা না করিয়া কেবল লুঠ করিয়া লইয়া গোল.

তৎপরে দে দেশে এক নগর বসতি করাইতে পন করিয়া তানেই নামে ওপদ্বী পোতে ওতীর্ন হইয়া আপনার্দিগকে স্থানিত করিল. এওেল্বুলু রাজাকর্তৃক অতিশয় রক্তপাত পূর্বিক পরান্তত হইলেও সে স্থানচ্যুত হইল না. অপর এতেলা লা, রাজার রাজ্য বহুকালস্থায়ি জিল না কিন্তু অল্লুকালেই বঙ্গ কুফ্রিয়াপুমুক্ত পুক্ষানুক্তমে তাহার নাম অতিশয় দ্বাল্পদ হইল. পরে এতেল্রেদ্ নামে এই রাজার লুতো সি॰হাসনন্থ হইলেন, তিনি অুতিশার যোলা হইরাও দেন্দেশীয়েরদিরের চহাও নিবারন করিতে অসমর্থ হইলেন : অত এব এ সকল যুজেতে আল্ড্রেদ্ নামে তাহার কনিও ভ্রাতাকর্তৃক সাহম্য পুণিত হইলেন, এ আল্ড্রেদ্ রাজার ওপনাম হইল গ্লেড্ অর্থাৎ বৃহৎ: এ রাজা প্রেডে হতানি বিকার হইয়াজিলেন. এবং পুজার হিতার্থে আতাবিষয় ত্যার করিতে নিত্যোদ্যত জিলেন পরে এতেল্রেদ্ রাজার শাসনকালে দেন্দেশীয়ের এমির রাতে পুরিষ্ঠ হইয়া নাতিং গাম্ নগরে শতিকালে জাওনী করিয়া রহিল : গরে এরাজা সেকালে সেক্রেদ্ রাজার পাতকালে জাওনী করিয়া রহিল : গরে এরাজা সেক্রেদ্ হার্ডার ভ্রাতা আল্ড্রেদ্ সেই সম্বাধিকার প্রাও হইল

এই সময়ে দেন্দেশীয়েরা নর্তর্জেও ও পূরীয় আগ ব্লিয়া দেশকৈ পরাজয় করিয়া বেশক্লের মধ্যক্তন পর্যান্ত পূরিষ্ঠ হইল. পরে মের্লিয়া দেশীগেরা আলগ্রেদ্ রাজার বিপরীতে পর্য়ের ঐক্য কলি : এবং রাজ্যের অল্যাং প্ররালাতে বিশ্বান করেনে সন্দেহ করিল. এবং চচ্চাংভয়পুমুক্ত তালার দিগ্রের অল্যাং পর্যানাতে বৃষ্টিকর্ম অসাধীয় হইল. এবং তাহার দিগ্রের জিবিজা ঘর ও মন্তির সকল সমস্থমি হইল. পরে বাজ্যের এ দুরবক্তাতে ভয়ান্তিত ব্যতিবিক্ত বিজু জিল না ইম্পাং সকলের আশা নৈরাশ্যে মান হইল. অতএব সে রাজ্যে ঐ য়াজা পুনুর্গ্য পূঞা ও নির্ভিত্য ও আজানুব্রিত্থ একাকী স্থাপন করান সমর্ম হইলেন, তাহাতে পুঞার দিগের ঐ সময়েতে সকল সূথা দুঞা কুলপুরিও হইল.

এ আল্দ্রেদ্ রাজার জনা রজদ্বাবিরণজারসাথে বেবল নয় কিন্তু সর্বান্ধারে শোভা হওলাথে; তাহার জনা হইলে জন্ন বয়কাবেরি রাজ্যশোভাজনক চিল্ দর্শাইলেন; এবং ঘর্মন তিনি তাহার পিতৃকর্তৃক জন্যানাথে পুরিত জিলেন তথান লিও নামে পানাকর্তৃক ভবিদ্যং রাজা নামেতে অভিন্যুত্ত হইলেন, দেহুলিহাত থিরিয়া আইনিলে ওডরোভর তিনি অভিশয় পিতৃত্তির তম হইলেন, এতজুনা জাল্ল বয়ুনেতে শাদ্রে মনোযোগরহিত হইলেন; এবং তিনি বারবং নাব্যুক্ত হইলেপর বিদ্যার পুনারও জাত জিলেন না. পরে কোন এক সময়ে ঘাহাতে তার এবং ওলবান লোকের্মিগ্রের পুশানা জিল এমত লাক্লনের্দিগের কোন এক কাব্যু শাদ্র ছনিয়া তজ্ঞপ্যশ্বী হওননিম্ভিক এবং তাহার ঘশ পুত্যানুজ্বমে থাগত হয় তদ্বিভিত্ত তিনি ত্বানক ছইলেন. তাহার মাধা ভ্রুক্তি এবং অবুভিকর্তৃক ওপক্ত ছইয়া অত্যুত্তম শাহাছ ভ্যানপূর্বক লাহিন শাদ্রে নিশ্ব হইয়া তাহার আল্লা সম্প্রা হউন.

পরে আল্ট্রেদ্ রাজা রাজসিং হাদনে ৰাদ্যাবাধিকেই দেন্দেশীচেরদের যুদ্ধ পুরুষপথিত হইল; তাহারা বিশুন্ নর্রাক্রমন করিয়া পূর্বানুকপ দেশের চতুর্দিরিতে দৌরাজ্য করিল. তিনি মত দৈন্য হঠাৎ সংগ্রুহ করিয়া ঘোরতয় যুদ্দ করিলেন তাহাতে ইংপ্লগুদেশীয়েরদের অতিশয় ফতি হইল. এই লকল মুর্নে পাতেও রাজার সাহসোদ্যোর কিছু ন্যুন না হইয়া পুনার হিতাপ্রতেও

কিছু শিথিল হইল. কিছু কালপরে তিনি পুনর্ধার এক যুল দিতে সমর্থ হইলেন, তাহাতে শত্রুরা তাহার সাহস এ চাতুরীতে ভগাবিত হইয়া মিলনাথে করিলেন যে সন্ধি তাহা তিনি হেলন করিলেন না; পরস্কুর কৃত এই সন্ধিতে শত্রুরা দেশ ত্যারা করিতে সময়ত হইয়া তাহারদের সন্ধিনিবন্ধানুসারে না চলিয়া প্রামদাহাদিপ্রক স্থানেহ দম্যুব্রায়বহার করিতে লাগিল.

পরে সমন্ত্রিত্যখাথিসৈন্যকর্তৃক অজেয় এবং কোন সন্থিবিজ্ঞানদ্বার্থ অসক্ষেয় এমন যে শতু তাহার বিকলে আল্ছেদ্ রাজা এমন দুশাপর হট্যা চতুর্দিক্ত চছাওকারির্দিগের দৌরাঝা নিবারণ করিতে অসমর্থ হট্লেন, শাসরা ভাঁহার রাজ্যের সমুদুভারে পুডিবৎসর ওতার্ব হইতে লাগিল, এবং চচুতির নৃতনোপায় করিতে লাগিল, অতএব ঐ রাজার কতক্ষ্ পুরাগাল দেশচ্যত হইয়া বেলু রাজ্যে গেল কিন্দা মহাঘীপে গেল; অন্যহ্ কেহহ অধির আ জানুমন্ত্রী হিউয়া তাহার্দিগের ম্ঞি ক্রায় করিয়া লইল. সর্ব্র এতজ্ঞা কর হো মব্যে তাহারদের দেশায় লোকের পুতি এবং রাজার পৃতি ঘাহা তাহার দিগের করা কওঁতা জিল তাহা তাহার্দিগের করা কর্ত্তাজাপনাথে আ**ল** তেদ্রাজ। ব্যা চেষ্টা করিল; এবং তাহার ওপদেশ নিষ্কুল হওয়াপুষ্ক তৎ কালীয় দশার বশতাপর হইতেই হইল, তৎপ্যুক্ত তিনি লাডিভিল্দি ত্যার করিয়া আপন চাক্র নকলকে বিদায় করিয়া এক ইতর লোকের বন্দ্রারিছিত হইয়া ভাঁহার আগনার এক রাখালের ঘরেতে কতক দিন এতজ্ঞাপে ল'লারচ্যত হইয়া এবং ভাবেং শত্র আগমন বাস করিলেন. ভয়পুথি হইয়। শত্তিদুশ্নুসকায়ী হইয়া অদেশরক্ষেত্র হইয়া অদেশে থাকিতে বিশ্চয় করিলেন. সমর্মেত্ পর্গানগয় পারেত্ ও তোন্ নদীর সমীপে ভাঁহার রোপনারভায় ভিনি গালাইবিদ্যাদায় কাল্যাপন করিলেন; এবং ইহারপরে আমার অবশা শভাদ্ধ হইবে ইহা চিত্রা করত দ্বিহীনকশে भोकित्तन, जीहोत विषय भेडे कथिय आरक्ष (य त्कान अक विराग्छ भे दांथा লোর আী তাহার বৃত্তা**ত** অজ্ঞাত হইয়া অনির ওপর কতকণ্ডলা পিধক পছ করিতে দিয়া ওাঁহাকে রক্ষা করিতে আজ। দিল তাহাতে অন্যথনাপুযুক্ত দেই পিষ্ঠ দক্ষে হওয়াতে এ জ্রীকর্ত্ত ভিরুক্ত হুইলেন.

পরে গোপনাবন্থাতে পুরিষ্ট হওনের পূর্বে যথান ভাঁহার শানুর হিণ্নাথেপিযুক্ত ওপায় ওপন্থিত হইল নেই সময়ে ভাঁহার দেশ আক্রাত তিলে এমন যে এ রা ছার ক্রতক্তালি মিল্ল একর হইয়া ভাঁহার ক্রতিত পরামর্শ করিতে পারে এমত নির্ভ আল্ দ্রেদ্রাজা করিলেন পরে এ নির্ভিত মিল্ল অকল রাজার পুতারিত হইয়া রহিল, এবং সমর্মেত্ পর্গানার বনে ক্রিলে আশুড় লইয়া ক্থান্য অলু শানুত বিক্তে বহিগতে হইত এতজ্ঞাপ কাল যাপনেতে জন্য কোক ভাহারদিলের ক্রিতে শাহিকিত হয়া দৈন্যসমূহ বিশিশ্ত হইয়া ভাহারা ভাহারদের কর্তার নিক্তে গেল, দেই সময়ে এ রাজা দুভিজ্নুস্ত অভিশান দিন্বিবাহন্ধান হত্ত্ব • '

ইতোমবাে অহা নামতে দেনীয়দেশাণ্ডিকৃদিনের পুরীন যিনি তিনি দ্রুষ্ট দেশিতে ভয় জনাইয়া এব॰ অবাবিত হইয়া বেলু দেশেতে দৌরাঝা করিনেনি; এবং কেন্দিতের গড়হইতে দিরিয়া আদিবার দময়ে তিনি কেবল এক বার বাবা শাইলেন, দেবন্শির পরগানার এক জন রাজমন্ত্রী দেই স্থানেতে কতকগুলি দৈন্য লইয়া গুরুকণে জিলেন; এই দাহদিক দুর্গন্থিয়ালা আপনাকে রাখিতে পারিলেন না, ইহা দেখিয়া এবং দুর্গন্তি শাকুহন্তেতে আপনাকে গান্ধিত কর্ণে ভয় জাত হইয়া একদা দুর্গবেধনকারিশ কুর্দিগের মধ্যদিয়া তরবার হন্তে লইয়া পুলিপত করিয়া বহিনিগতি হওনে নিশ্চম করিলেন পরে ঐ রাজার নিশ্চ যেতে তদনুগামী দকলেই সমতে হইল, ইতোমধ্যে দেনদেশীয়ের। দৈন্যবাহ ল্যেতে ছির্চিত হইয়া এবং শাকুরদিগকে তুদ্ধ জান করিয়া যিয়োহনাহ করি য়া বৃহদাঘাতে কেবল সদৈন্য রাজা মরিল তাহা নয়, কিন্তু তাহার অহা নামে দেনাপতিও রবেতে মারা গোলেন.

এই পরাজয়েতে দাহদর হিত হইয়াজিল যে দাক্লনেরা তাহারা পুলরায় মাহদ পাইল, এবং আল্মেুদ্ রাজা তাহার্দিগের এই অবস্থাতে শুভাদ্ধ দেঝিয়া অলাভার্যে তাহার্দিগকে পুনরায় রণোদ্যোগ করিতে অনুসতি দিলেন; তদর্যে তিনি শীলু তাহার্দিগকে তাঁহার গুওন্থান জাত করাইয়া তাহার্দিগের সমন্ত সৈন্যসহকারে কহিবামাত্রেই পুস্তুত হইতে নিপুন্তম করিয়া রাঞিলেন. এমত হইলেপর শতুদৈন্যসংখ্যা এবং শতুনুভাত দেওলার্যে এক ব্যক্তিকে ও পাওয়া রোল না, অতএব এ কার্য্যেতে বিশ্বস্ত কোন এক ব্যক্তিকে না পাইয়া, **তিনি অ**য়[ু] এই দুর্বর্ধ কমে পুরুত হইলেন, এব[ু] রাথালের বেশ বিরিয়া এব[ু] শেতার। হতে করিয়া দেন্দেশীয় দৈন্য সমূহের মধ্যে পুরিষ্ঠ হইলেন. হানেতে তুচ্যাথে বাদকতা জানাইলেন ইহাতে তিনি এমত পুশা সনীয় হইলেন যে গভুম নামেতে দেনের্দিগের মুবরাজের দাক্ষাৎ আনীত জিলেন, ওাঁচার **সহিত সেই ছানে তিনি কতক দিন রহিলেন** এবং সেগানে দেন্দেশীয়ের দিগের স্বন্ধনপূর্বক স্থিতি, এব॰ ই'গ্লণ্ডদেশীয়েরদের পূতি তাহারদের তুদ্ধ জান, ও লুঠ করনে আ'লস্য, এব॰ তজ্ঞপ প্রাপ্ত লুঠ্যবস্তুর অপব্যার করন, তাহারদের এই সকল বিষয় আক্মনে স্থির করিয়া রাখিনেন. এবং এই সকল বিষয় অৰ গত হইয়া স্বভগ্রস্থানে দিরিয়া গেলেন সে স্থানহইতে ওপমুক্ত আপনার পুজার্দিগের নিকট পাঠাইয়া শেল্বুদ্ নামে এক বনেতে তাহার সহিত যিলন জন্য নিকপন ক্রিলেন, তাঁহার এই আজাতে আহ্লাদিত হইয়া ভাঁহার সহিত তদনুক্প করিল.

পরে আল্ট্রের বাজা শানুরদিরের অসাববীনা শোতে অতি পুচও রণারম্ভ করি লেন, তাহাতে দেন্দেশীয়ের। বোর করিল যে সর্বতোভাবে পরাজিত হইয়াছে এমন যে ই প্লাণ্ডীয় সৈনারও তাহার্দিরকে দেখিয়া চমৎকৃত হইয়া অতি শিথিন কপে মূল্ল করিলেন; এবং তাহার্দিরের দৈন্য অত্যবিক হইলেও বহুর কণাত পুরুত্ব তাড়িত হইল; এবং পলায়ন করিয়া বাঁচিল যাহারা তাহারা নিকটন সর্হ তোভাবে থিত এক জাওনীতে পুরিস্থ হইলেপর বছকাল বিভিতে অসমর্থ হইয়া আপদার্দিরিকে সহসা শতুর্দিরের হস্তরত করিল. পরে পরাজিতেরদের মধ্যে যাহারা মুখিলতাবলমী হওনেদ্ধুক হইল না তাহারা পরাজ্য কর্তার ইপ্নিতেতে হেন্তিং দ্ নামে তাহারদের এক দেনাপতির আজানুবর্তী হইয়া মুখর্ল দেশে রোল. রতুম্ব নামে তাহারদের রাজ। ফ্রিংশং অব্যক্ষ দহিত মুখিলতাবলমী হইল, এবং ই রাজা আপনি তুবিত হওয়ার স্থানেতে তাহার নিমিত্তক অপ্নীকৃত হইলেন.

এই সময়ে আন্ত্রেদ্ রাজা ঐশ্বর্যের বৃদ্ধির শেষপুণ্ড হইলেন. পৃষ্কীর্ম রাজাগন হইতে তিলি অত্যবিক অবিকার ভোগ করিলেন ও বেল্লু দেশের রাজাগনেরা তাহারদের অবিকার নিমিতক তাহারদেক সমুম করিলেন; নর্তমেয়ন্দেশীয়েরা তনিকলিও এক জন রাজাকে শ্বীকার করিল এবং তাঁহার কোনহ শমু তাঁহার মনে সন্দেহ কিয়া ভয় জনাইতে পারিল না. এতজ্ঞাপে বার বংসর্পর্যান্ত শ্বিত ঐশ্বর্যেতে এবং কুশানেতে আল্ত্রেদ্ রাজা পূজার্দিগের অ্থব্যবসায়ের বৃদ্ধি নিমিতে এবং মুল্লতে রাজ্যের যাহাৎ নম্ম হইয়াজিল তাহার সম্যক্ত সংশ্বাণার্যে কাল্যাপন করিলেন.

যেমন তিনি অক্সদারা রাজ্যরক্ষা করিতেন তেমন ব্যবদায়দ্বারা শোভিত করিতে চেন্ডিত জিলেন ইহা ক্যিত আজে যে তিনি এক বর্মশাস্ত্র রচনা করিয়া জিলেন. বিদ্যাবৃদ্ধার্থে তাঁহার যে আকাগ্লা তাহা লোকের মতিকে ওৎকৃ**ধ** করিল, এবং তাহারদিগের দুষ্ট মতিকে নাশ করিল. যথান তিনি রাজিনিংহাদন পুর্বর্গ হইলেন তথান রাজ্যের পরস্কর মিখ্যা কলহপুযুক্ত এবং দেনদেশীরেরদিগের দৌরাক্মাপুমুক্ত ইংপ্লগুয়েরদিগকে অতিবড় মূর্মতাকপে এবং স্লেছতাকপে পাই লেন, এবং তিনি অয়ং মনস্তাপ করিলেন যে তাঁছার রাজছের পুথমে তেমু নদীর দক্ষিলদিরে লাটিন্ অব্যায়ের অর্থ দিতে পারে এমন এক জনকে জানি লেন না অত এব বিদ্যান্যুনতাকে ভাল ক্রণার্যে ইওরোপ্ দেশের সমস্ত ভারাহইতে অতিখ্যাত্যাপর পণ্ডিতের্দিরকে আহ্বান করিলেন. ও আক্লুফর্ন্ নামে পাঠশালা বির্মান করিলেন কিয়া পুনঃস্থাপন করিলেন, ঐ পাঠশালার নানাবিধ বৃত্তি। कतिया मिलन अव॰ जिनि खय़ श्याधा एउ । विका खिला विका निकार्ध अप्पांती रहेगा जानावापव जानाउ अप्पांत जनाहिलन. जिनि पिरमाक जिन অ°শ করিয়া এই বদ্যামান রীতিক্রমে কালঘাপন করিতেন; একাংশে নিদ্রা ও বি শুমি ও আহার এব° শুম করনেতে কালয়াপন করিতেন, আর একা**ংশে বিষয়কর্ম,** এবং অন্যাপশে বিদ্যাভ্যান ও ঈশ্বরারাবিদা করেওতে কাল্যাপন করিতেন; এবং আক্রেন ও ৰাকপটুতা ও লাগ্য ও শিল্পবিদ্যাও লীলাবতীবিদ্যাতে বিচক্ষৰ জিলেন. ডিনি সর্বৃত্তান্তজ্ঞ এবং গান্ধার্থবিদ্যাভিজ, এবং ইনি ঐ বংশেতে সর্হ লমতে লাক্লনেরদের মধ্যে শেৣে কবি জিলেন, তিনি বর্চিত অনেক গুরু করিয়া ' চিলেন তাহার মধ্যে অধুনা কতক চলিত আতে. এ রাজার বিষয়ে বর্ণা ক্লেবল প্তৰ সন্তাশন ব বিশ এবং ওঁছির মধ্যে বিশিল্পত প্তৰ বিলক্ষণকলে আভিন্তিক মেলিড চিল: বিশেহত তিনি কার্য্যেতে দৃষ্টুতিজ অয়তে নরমপুন্তি, এবং সন্ধিবেচক অঘটা লালা সুনীন্ত্ৰ এবং স্থায়িক অঘট দ্যাশীল, এবং অমেশনাক্ত আছে কথা তে ন্যু িলেন, এমত বুকা ঘার যে পুকৃতি ইংগর মধ্যে সমুদায় ওলের আবীর কর্লাটে সর্ভোভাবে ইচুক তিলে .

এছার্দ নাবে উচ্চার ঘিটার পুঞ ভীলার রাজ্যে অভিধিক হইলেন, তংপরে আ তেলভাগন নামে ভাষার দিতীয় রিব পুল রাজ্যাতি্যিক সইলেন; তিনি সাপন্ত্রী পুল কুষ্ট্যা তাংকাদিক রাহিনুমান রাজ্যানিথিন্ত ক্রতে কিলু বাবিত হ**ইলেন ন'** ইনি মোড়শ বর্ঘ পর্যাত প্রত্য ক রিয়া প্রান্তর নগরে পরলোক পাইলেন, এবং এমন্ দামে তীহার সংহাদর ভাতা পশ্চাৎ রাজত্ব পাইবেন তিনি দিং হাদনম হইলে পূর্ব রাজারানের মত নত্ত্রিন্দেশীয়েরদের ওলাতির ওলপতির্ভ হইলেন; কিন্ত ভাষার চাতুপতে আগার্দিশের মকল দা পিকারুগ নিংগ্রুক ইইল, দ্রাভাগেদি রোন প্রুতি যে ছেম এই টান্টা মৃত্যা কালে; লিংলু নামে এক দ্দুয় ওনানা হট্য়া কোন এক নিমন্তনে ছাত্রসমূথে একেবারে ওপাতিত হটলে ঐ দলা কর্ক কোলত হইলকে, পরে এট্রি কানে ভীলার ভা**তা** পালা **হ**ওলায়ে নিক্ষিত জ্বালেন: এ প্রায়াও প্রকালীন প্রায়ানের মত অনাভিক শাসন লগ্ধকপুজার্দিটোঃ অবীকে গণ্যালয়, এদিব য়াজা সার্বাভাবে পার্মার্থিক, भवः ना गा. क विषया प्रतान प्रतान प्रतान भक्त महामित भवामभीवनगी ছইলেন: সেই পার্মাফিক লোকের ওদ্যোগ্রেডে মে রাজার রাজ্য প্রায় পাপার হাজ্যাবিকারের ন্যায় হইল ; ঐ াজার মৃত্যুতে ঐ পার্মাধিক ব্যক্তির সকল চেষ্টা ব্যর্থ হট্ল; সেই প্রালাদ্শ্য ব্যুক্তর গ্রের্গে গুরু হইল ম্ট্রিলন,

ঐ রাজার পুশান অলুবয়ক অভগ্র এন্ট্রান্ত্র বাজার ভাতৃপুল রাজান ভিন্তিত হইলেন: তিনি আভাবিক সর্ব কর্মে পটু এবং আভাবিক ঘোতা জিলেন, কিও তিনি এমত সময়ে রাজকে নিগুজ জিলেন যে স্থাভাবিক এ সমুদ্রীয় গুলে তেও পানুসদিধের অনিষ্ঠ করিতে অসংখ জিনেন প্রায় রাজার রাজবে দন্ ন্তান য়াজাঁটু যে প্রাক্ষ িল তিনি এ গ্রাজাটু কাতেই ভাগার লেশো ত্যার করিতে চাণ্ডিনের না একং একট রাজা বিশ্বানন্ত হসামাত্রে এই মন্ধিজাতির দের সন্থিত বিজেপির নিমান লট্লেন, এবং তাল্লিদের এমত পুচও তেপবি চিনে যে <mark>তাঁহার সমন্ত আ</mark>ভাবিক (১৮০৩) চিনি ভাগা নিশুর ক্রতি পারিলেন না.

তাছারদের দে।রাজে মধ্যে এই এক বিষয় ক্ষিত আছে যে এল্ডিবা নাহে বাজেক্লের এক মহতী ভী তিল, ঐ জার সৌ ভার হেতুক ঐ গ্রান্ত। চন্দ্রনা হইলেন. কিন্তু নিকটবৰ্ণি কূনুৰ সত্যাতে পানেনিধিত এবং মন্ত্ৰিদেনের প্রশাসনাক। বিকদ্ধ ছইন্দাও তথাৰ হিন্দ নিৰ্বাচ সভিতেই দতেই ভিলেন, তাহাৰ অভিনেত্ৰের দিলে রাজবর্ণতিত মধান মনি ওর্নাল পক্লি ভোজনেতে নিমায় জিল তলান তেই

অবকাশে এবুই ঐ আর মন্দিরে নিঘৃতে গেলেন. সে বাণেতে তাহার শাশ্রী আপন কন্যার সহিত যে কথোপকথন কহিতেজিলেন তাহাতেই ম্মাচিত হইলেন. ত কালে রাজশ্নাসভা দেখিয়া এবং তাহার করি। বুরিয়া দন্তান্ নামে এক ব্যক্তি রাজোপদেশকপুযুক্ত, সহসা ক্লোবেডে অভঃপ্রপৃথিও হইয়া বছতির कांत्र कृतियां अधिकां भे जांशीत बहिर्राज कृतिलान. देशांज बुका यांग्र त्य मन्छान वाग्युविश किलान नाः त्कनना मुईद्राजाच त्यार वैनापि जादाव राष किल, जाशांत शिमावेखर्रेला बानियानियिखक ने मन्द्रांतिक मयनार्थ नकाम्ध शहरानन ঐ অহকারী সর্যানী ঐ হিসাবে দিতে স্বীকার করিল না, অতথ্য জনপদীয় ও পারুমার্থিক ঘাব্রিষয় তাহাহইতে লওয়াইয়া রাজ্যবহিষ্কৃত করিয়া দেওয়া তিনি রাজাবহিষ্কৃত হওন পুযুক্ত ইতর লোকেরদের মধ্যে তাহার সহিষ্ ু তাদি বিশ্লেতে তিনি অতি মান্য ছইলেন. এবা তাছারদের মধ্যে এদো নামে क्टिवर्ति ग्राविमाविशक में विद्यापि कांक्रों दिन इटेश अपूरे अ अल्लीवा अ पूरे क নের স্থানে ত্যারপর লইতে আন্তা করিলেন; এবং পারমার্থিক বিষ্টিরদের কোবি নিবারনে অসমর্থ হইয়া ঐ রাজার পরম সুসরী স্ত্রীকে তাঁহারদিনের আজা বীনা করিতেই হইল. তাহাতে এদো রাজগৃহেতে দৈন্য পাঠাইয়া রানীকে বি িয়া বাঁগার আজায় অমিতুলা লৌহেতে এ রাণীর মুখে দারা দিল. ইহাতে ও তাহারা তথ্য না হট্য়া তাহাকে বলাৎকার করিয়া আইর্লও দেশেতে লইয়া গেল; এক সে হানে জীবনপর্যাত রাঝিতে আজা দিলেন. এ সভী ছী এ দুয়র আজারীনা হইতে পারিলেন না, অতএব ওাঁহার মুখনৌ দর্ঘনিবাকর চিক্তইতে মুক্ত ইইয়া বিলি অস্থামীকণে মান্য জিলেন পুনুরায় ওীহার নিকটে যাই ত ওদ্যোগী হইলেন, কিন পদেহ ভাঁহার দৌভাগ্য জিল, অভএব এ পার্মার্থিক বিষ্ট্রি স্থাপিত তয়র্থানুসন্ধায়িলোককর্তৃক বৃতা হইয়া অতি ক্রমে এতজ্রপে হতা হইলেন, যে তাহার। তাঁহার পায়ের নিরশ্চেদন করিয়া এবং নাইশ্নীর অস্ত্রাঘাতে ক্ষত্বিক্ষত করিয়া, অতিক্ষাক্রণে মর্বজন্যে ত্যার করিল ইহার মব্যে এদুইর বিপক্ষে গুওবিফল পুকাশ হইতে লাগিল, এবং দনস্তান এ বিকল্পক্ষের পূর্বান হইলেন, পরে বিকল্পফীয়েরা পুরুশিকপে বিক্লা চরন করিতে লাগিল, এবং তেরবৎসর বয়ক্ত ই রাজার কনিষ্ঠ ভ্রাতা এত্বা রকে পুরান করিয়া রাজ্যের ওতরাপশের অবিকার শীঘু দিলেন, অতপরে এদু ই কাজার পরাক্রম দিনেং হুৰ হইতে লাগিল, এবং ভাঁহার অনুগত লোক ফ্মেং ক্মিতে লাগিল, ইহাতে তিনি রাজ্যাংশকরণার্থে সমত ছইলেন; ় এবং অলু দিবসের পর ওাঁহার মৃত্যু ছইলে ভাঁহার শানুরা দইচিতাইইতে মুক্ত ংটল, এবং এস্থার রাজা নিষ্কগুকে রাজ্যসূত্রতাগ করিতে লাগিলেন.

পরে এক্বার রাজা এ সর্যাদিরদেরকর্তৃত রাজ্যাতিয়িজ হইয়া সর্কার্যোকে তাহারদের পৃতি আজানুবর্তিক্বই জানাইলেন.

অপরক আল্দ্রিদা লামে এক মুবতীর দহিত প্রীতিকরণব্যতিরিক ঐ রাজার আন্যর্থনা প্রায় নির্মক; ভাষা এমত আশ্রুম্য মে তাষা বর্ণনা না করা অনুচিত, অভএব কহিতেজি, যে দেবদ্ পর্থাদার পুদেশারিকারির কলা। যাহার দাম আল্ ট্রিদা, এই পরম সুন্দরী যুবভীর সৌন্দর্য্যের বিষয় এম্বার ক্লান্ত। বছকালা বি উনিয়া किल्लन; दिन्द नवक्या शुक्ता ना कहिया अञ्जलकान नाम जीवांव जाचीय বিশ্বস্ত এক জনকে মুখাঞ্জ অভুল্য সৌদর্যোদি তাহা সত্য কি না ইহাজানিতে भार्तिहरूलन. भारत अञ्जल्यां में भुष्मभाविकातित निकंद अभिष्क रहेगा में মন্ত্রির কলার পুতি দৃষ্টি দিবা মাত্রেডেই আপনি প্রেমেডে নিমম হইল; এবং তাহার এমত কামের বৃদ্ধি হইল যে তাহার কর্তার বিষয় বিষয় হয়া, কেবল আক্সবিষয়ে সচেম্ব হইয়া আপনার নিমিতে তাহার পিতার স্থানে বিবাহার্ট্রে चे भर्यमूक्ती अन्धूपारक याङ्का करिन. তাহাতে হাজামীয়নোকপুযুজ্জ ন বিবাহ না হয় এমত কোন বাবা চিলে না; অতএব ঐ প্রুদেশা**বিকারী স্থা**কার করিল তাহাতে এপ্তরূপে বিবাহ হইল. 🏻 কিচুকোল পরে 🗗 ব্যক্তি দেই 🚮 জ বানীতে ঘাইয়া রাজাকে নিশ্চয়কপে জানাইলেন, যে কেবল ভাইার বন ও মহত্ব ভাছার পুশাংসার কারন, কিন্তু ভাছার কপসৌন্দর্য্যের বিষয় যে লোকেরা আ দায়ুর অরক্তর্যা পুশা দা করে এ বড় আশ্চর্যা, তাহাতে রাজা দার্চ্চ হইয়া তাহার विषय निकामानी इहालन, अव अञ्चलका जीहांक जीहांक मान्यम, ক্ষামন হইয়া আক্লাদিত হইল. তিনি পুতারণাছারা রাজার তন্মনক্ষয়কে পরা ব্রুথা করাইয়া কিছু কাল পরে কোন এক সময়েতে ঐ পর্যসূদ্রী আল্ট্রিদার বিষয়ে যে কথা পুলপ হইতেজিল তাহা এই পুকার বোব জন্মাইল, যে দেবন্শের পুদেশাবিকারির কন্যার ওতরাবিকার রাজার পক্ষে অত্যন্ত্র, কিন্ত দীনহীন পুজার পক্ষে অতি শুয়ঃ, অতএব সে ব্যক্তি অভিশিষ্টাচারকপে 🗗 কন্যার সহিত প্রীতি করণার্মে রাজার নিকটে কাক্জি করিল, কেননা ঐ রাজ্যেতে ঐ যুবতী অভিশয় বীনৱতী ওত্তরাবিকারিনী ছিলেন. ভাছাতে 🗗 গাজ। এমত ওপমুক্ত কাক্জিতে मीयु चीकृठ श्हेलन, उर्भुगुक अञ्जलकाल चलीनिकारे भूमनाग्र विविधा যাইয়া পুকাশকৰে বিৰাহ করিল; কিন্তু দে রাজসভাতে ঐ ত্মার গমন নিবারনার্যে অভিচেম্বাবিত জিল, এবং এতজ্ঞপণ্ডেমমা 🕈 রাজার সহিত **লাফাৎকার না হ**য় **ডা**হাতেও অতিলাববীন জিল, কেননা ঐ শ্রীদর্শনে প্রেয়ী না হয় এমন ব্যক্তিই দাই. কিন্তু ঐ পুতারকের পুতারনাকে বহুকাল জাপাইতে ভাছার অলাব্য হইল; পরে এক্লার রাজা এ সকল বিষয় অবগত হইয়া মনো श्चेष्ठ । क्यारे यत्न द्रांथिया । कान अक नयरप्राच ने प्रतान छा । भारत ने नवस्त्र निवस्त्र निवस्त निवस्त्र निवस्त्र निवस्त निवस्त निवस्त निवस्त निवस्ति निवस्त निवस्त

(य चारन बन्न जिलान, मिर्ट चारन आक्नुशामारक मान कहिया गाँहेरउ यनच कहि लिन; किन्न जीशांत महिज तम दाक्ति कविदियन। इहेम्रा कविकास (तत. 4 दोका स्मरे भव्यमुमदीश्रीद वाहीत निकटेवर्श इहेवा श्रीहां कहिल, या लायाव ভীকে দেখিতে আমার বড় বান্ধা আছে; মাহার গুলের বিষয় ঐ রাজা পূর্বে অনেক বনিয়াছিলেন এবং যাহাকে আপনার নিকটে পরিচিত করিতে আনাই বার নিমিতেও চেগ্রিড জিলেন, পরে রাজার ঐ কথা শ্রনিয়া এতেল্বাল্ম বজাঘা जिल्लाम् रहेला ने कांग्रा निवासनार्थ आधानविश्नग्राड (ठक्षांबिड रहेमांड অপারক হইল. তাহার সাধ্য এই হইল, যে রাজা আসিবেন তাঁহার আয়োজন ক্রনদ্ধলে কেবল অন্যে গমনাজাপুার হইয়া ঐ ছার নিকটে পইছিবামাত্রেতে ঐ আর চরনে পতিত হইয়া, সে জ্রীর প্রীতিতে ময় হওলার্থে মাহাছ কহিয়াজিল ভাহা তাবৎ ৰীকার করিল; এবং প্রেমাভিলাঘী ঐ ব্যক্তার নিকট ডোমার দৌশ র্য্যাদি যথাশক্তিকণ নোপন করাইতে তাহাকে পুতিজ্ঞা করাইল, মহিদী আল্ট্রিদা এতেল্বান্দের অভিলাদেতে বাবিতা হইয়া তাহার কথানুযায়ি করিতে জাঁকার করিল. কিন্তু অহঞ্চারেতে কিন্তা ছেমেতে বা হওক, তিলি আতা শরীরকে দুশে।তিও ক্রিয়া ঐসময়ে আক্রদাবাপর্যাত অশ্রীরের সৌন্দর্যা ক্রি লেন; এবং তাহাতে তাঁহার মনোবান্তা পূর্বা হইল পরে ঐ রাজা তাঁহার দর্শন পাইবামাত্রেডেই প্রমাপ্যায়িত হইলেন, এবং তাঁহাকে প্রাপনার্থে নিক্ষয় করি लन. शांद ने द्रोका डीहांद्र मानावान्क्षा खविरकायमकाभ मञ्जूनी कदनार्थ अव-ভাঁহার মনের কোবি তাহার আমীহইতে গোপন করনার্যে অনুস্পৃষ্ঠক সমামর করিয়া চলিয়া গেলেন, কিন্তু ভাষাতে ভাঁষার ক্রোবি ও ক্লোবের ফল কিছু ন্যুন কিচু কাল পরে কোন আবশ্যক কার্য্য করানমলে এভেল্বান্য নর্ডম লাণ্ড দেশে পুেক্কিত হইল; এবং পমপুাৰভাৱে এক ওপবনেতে ভাহাকে মৃত পাওয়া রোল. কেই কছে রাজ। আপনি বহুত্তে অপ্রাঘাতে মারিলেন, এবং কেইবা কছে य ब्रांजा त्क्वल जाशांक माबिवाब आजा मिल्लन; क्वि हेश यांश इंडक, কিলু দিন পরে রাজার ৰাজাতে আল্ট্রিদা রাজবাদীতে আহুতা হইলেদ, এবং কুলব্যবহারানুসারে উহারদের ওভয়ের বিবাহ হইন.

এ রাজা তেরিশ বৎসর বয়ক, ইহাতে শেষ ষোড়শ বৎসর রাজত করিয়া মৃত্যু পুঙ্গ হইলেন, পরে ভাঁহার পুথ্য বিবাহিতা দ্বী অর্ছার নগরপুদেশারি কান্তির কন্যা তাঁহার গর্ভজাত এদার্দ নামে পুঞ্ল দিশ্হাসনন্দ হইলেন,

পরে ঐ এরার্দ যাহার ওপনায যার্ডর অর্থাৎ লাক্ষী তিনি লর্মানির্দ্রিরের ওদ্যোগদারা রাজা হইয়া ও সিংহালনন্দ হইয়া কেবল চারি বংলর রাজন্ব করিলেন, পরে মরিলেন; কিন্দু ভাষার রাজন্বের মধ্যে অন্তুত এবং গ্রালীয় মৃত্যুবাতিরিক অন্য কিন্দু বজবা জিল না. যে স্থানে ভাঁছার বিয়াতা আল্ট্রিদার ١.

বাসন্থান কর্ম নামে গড় তাহার নিকট মৃগয়ান্তেমণে গেলেন, এবং ওাঁহার অনু
গামী এক জন না থাকিলেও বিমাতার দহিত লাক্ষাঁৎ করা অবশ্য কার্তব্য ইহা
বিবেচনা করিয়া, বিমাতার ন্থানে মাইয়া তৃষিত হইয়া মদ্যানয়নে আজা করি
লোন, পরে তিনি পানপাত্র হান্তে লাইয়া মুথে দিবেল, এমন সময়ে, ঐ আল্ফ্রিমার
লিমিত গ্রের লোক তাহার পৃতদেশে চুরিকামারা বিদর্শি করিল, তাহাতে
ঐ রাজা অপ্ত বিদারিত জানিয়া অন্যাকচ হইয়া বেগে বহিগত হইলেন. কিন্ত
অতি রক্তলাবেতে মুর্ভিত হইয়া অন্যাত্ত হইলেন, এবং রেকাবে বছপাদ হইয়া
মৃত্যুপর্যান্ত অন্যকর্ত্বক আকৃষ্ণ হইলেন.

পরে এতেল্রেদ্ দামে আল্ট্রিদার গর্ভজাত এবং ঐ এদ্বার রাজার ছিতীয় পূশ্র তৎসিংহাসনত্ম হইলেন. তিনি সর্কুর্মানভিজ্ঞ এবং সাহসরহিত জিলেন; এবং রাজ্যের শাসনে ও রাজ্যরক্ষক।কর্মেতেও অসমর্য জিলেন. তাঁহার রাজত্বের মধ্যে ঐ প্রাচীন ভয়ক্ষর দেন্দেশীয় শতুরা ওতরোত্তর বন্ধিত হইতে লাগিল. ইহাতে বুকামায়, যে তাহারা দুরাচারইংগ্লিভীয়েনের তুলা নিথীত জিলা না; এবং বোরি হয়, যে এতেল্রেদের শৈথিলা এবং অনভিজ্ঞতাতে শতুগণ শুনুরার দেনীয়াক্সকরার্থে সুক্রাক্রাক্রাশ পাইল; এবং তলিমিতে তাহারা ঐ তাইর নানাবিবিদ্ধানে ওতীর্থ হইয়া পুরানুমায়ি ভয় ও দৌরাক্যা বাড়াইতে লাগিল.

ঐ দেন্দেশীয়েরা ইণ্প্লগুদেশীয়েরদের সহিত লামঞ্জন্যকপে বাল করিও, ভাহাতে তাহারদের সকলের বরীথে এক নিশ্বয় করিল; এবং এতেল্রেদ্র। জা অতিক্রম্য রাজার ব্যবহারের ন্যায় এক চলদ্বারা থাড্রেতে তাহারদিরের সকলের বিনাশীথে নির্দ্ধ এক পর্ব ছির করিলেন. এই পর এমত রোপিনেতে করা রিয়াছিল যে যত দেন্দেশীয়েরা ইণ্প্লগুদেশে ছিল তাহার। এক দিবসেতে নিংশেষে নির্দ্ধকপে হত হইল. কিছ পরামশোতে দুখা এবং পর লম্প্র্কি করবেতে নির্দ্ধ, এমন যে ঐ বিনাশ তাহা পুজার্দিকের বহু কালব্বি স্থায়িয়ে দুখা, ভাহার শেষ না হইয়া বরুৎ অবিক বৃদ্ধির কার্ব হইল.

অপরক অভিদুদ্ধি শতুহইতে মুক্ত হওনহেতুক ইংগ্লগুদেশীয়ের। পরন্নরা মোদাক্লাদিপূর্বক কালমাপন করিতেকে, ইতােমধ্যে অইন নামে দিনামারের রাজা মিনি ভাষারদের কলপূর্বক দৌরাঝ বিষয়াবরাত হইয়া চিলেন, তিনি অতি মোবিপূর্বক ভাষারদের বিনাশেদ্ধক হইয়া বৃহৎ আহাজ সমূহ লইয়া পশ্চিম ভটে ভাষারদিরাকে দেখা দিলেন, ভাষাত এতেলরেদ্ রাজার নমান্তি দেশে পলায়ন করিতেই হইল, অভএব দেই সকল দেশ এ অইন্নামক জ্যারাজার অবিকার হইল.

অপরক কানুৎ নামে রাজা পরে মিনি গ্রেত্ নামে এটাত জিলেন তিনি অইনের

পর দিন্দার্কের রাজা হইলেন, এবং ইংগ্লণ্ডদেশতে দেন্ দেশীয়েরদের সৈনাের পুরান হইলেন্ কিছু কাল পরে এতেল্রেদ্ রাজার পর এয়ওইরন্দাই রাজা হইলে, এ কানুৎ আর এই রাজা এই ওভ্গপক্ষের অতি দাইদপূর্ক ব্যাপক কাল পর্যান্ত ঘােরতর দংগ্রাম হইল; তাহাতে পুথম যুলে কেজয়ী তাহার নিশ্চম নাই, দিতীয় যুলে দেনীয়েরা জয়ী হইল কিন্ত এয়েওর সম্ভ্রম থাকাতে পুনং দৈনা গালকে রনছলে আনিবার সমর্থ জিল; কিন্ত পুনং যুল হওয়া পরম্পর ওৎপাত, অতথব তাজ হইয়া ওভয় পক্ষের দল্লি করাইয়া রাজ্যের অবাংশভাগে করাইয়া দিলেন, কানুৎ আপনার জনাে ওওরাংশ রাঝিয়া দফিলাংশ এয়ন্তে দিলেন, কিন্ত এই এয়ন্ রাজা দলি হওযার এক মাদ পরে তাঁহার দুই মন্তিকর্তৃক অক্দর্যে নাগ্রেতে মারা গোলেন; পরে কানুত্ সমন্ত রাজ্য নিম্নুপ্তে পরমলুথে ভাগে করিতে লাগিলেন.

कानर शुक्कउनिंग करहन या ये मुब्दक्शान कानूज् ब्राजा अक भूवीन ব্যক্তি জিলেন, তাঁহার পুথমাবস্থায় দাহদ ও শেঘাবন্থায় বানিকিতা, এই দুই ওঁাহার পারিমদেরদের মব্যে তাঁহার থোাদামদের ও স্তবের বিষয় জিল. তা হার। এমন বুজিল যে ভাঁহার পরাক্রম অপরাজিত, এবং সমন্ত বিষয় ভাঁহারি অধীন হইবে. পরে কানুত্ রাজা তাহারদের ওপাদনাৰতার জ্ঞাত হইয়া তাহার দের অনুযোগ করনার্যে এডজ্রাপ করিলেন. জ্আর আদিতে জিল; ইডোমব্যে তিনি তাহার আদান দম্দুতীরে লইয়া ঘাইতে আজা করিয়া দায়ুদুকে হটিতে আজা করিলেন; এব॰ কহিলেন যে ভূমি আমার অবিকারাবীন এব॰ যে ভূমির ওপর আমি বসিয়া আছি সে ভূমিও আমার অবিকার, ধ্রতথব আমি তোমাকে আজা করি যে তুমি আর নিকটে আদিবা না, এবং তোমার অবিপতির পাদ জলদিক করিবা না; এই কথা কহিয়া সমুদ্ৰ আমার আজাবশীভূত হন হি না, এই অপেন্দায় কতম্বৰ বসিয়া র্ছিলেন, পশ্চাৎ তর্ম ভাঁহার চতুর্দিকে ব্যাপিতে লাগিল, তথাৰ তিনি তাঁহার পারিষদেরদের পুতি ফিরিয়া বলিলেব, যে পুতু ও অবিপতীত্যাদি যে পদবী, তাহা কেবল ভাঁহারি মাঁহার কণীলুত সমুদু ও প্থি ব্যাদি এডজপে ভেডবা ও নমাদরনীয় এবং ভাঁছার অবিক গুলপুমুক্ত গ্রেড্ প্রদামেতে সম্রাত হইয়া অনেক বৎসরপর্যাত কাল যাপন করিলেন. এব · তিনি জিনিশ বৎসর রাজত্ব করিলে পর তিন পুঞ্জ রাথিয়া দান্তুস্বরি নগরে মরি লেন. তাহারদের দাম অইন, ও হারোল্প ও হার্দিকানুত্, তাহারদের মব্বো षहेन्, नर्ख (मर्त्नार অভिষক্ত इरेलन, इमिकान्ज (मन्यार्क्डएम अविकार মুখি ছইলেন, এবং হায়োল্য তাহার পিতার পরেতে ইংগ্লন্ড দেশত রাজান न। विधिक श्रेलन.

ংবং হারোলের পরে হার্দিকানুত্ নামে তাহার ভাতা রাজ্যাভিষিক হইলেন.

এবং তাঁহার রাজছের পদবী দেন্দেশীয় এবং ইংগ্লভদেশীয়েরদের কর্তৃক দীয়ু গুছি ইইল, এবং মহাবিশিহইতে ওপবীপে পর্যন্তিবামারেই মহাক্লাদ পূর্বক ঐ সকল দেশীয়ুকর্তৃক গৃহীত হইলেন. এই রাজার দুর্বর্তা এবং অমধার্থ শাসন অত্যাল্ল কালস্থায়ি জিল, ইনি দুই বংসর রাজত্ব করিয়া লাম্থেশায়ে নগরে দেন্দেশীয় এক মন্ত্রি বিবাহতে নিমন্তিত হইয়া পুচুরাহারাদি পুযুক্ত ও সুধভোগের বাহুলাহেতুক ঐ দানে মরিলেন.

পরে দেন্দেশীয় রাজারদের যব্যে অণীত হওয়াপুযুক্ত ইংগ্লণ্ডদেশীয়ের।
পুনর্বার লাক্সন বংশের এক জনকে দিংহাদনন্দ ক্রিতে ইয়া ছরিল, তাহাতে
এখার্দ ঘাহার ওপনাম কান্দেল্পর তিনি দাইবাদিদম্যতিতে রাজ্যাতিহিক
হইলেন,

পরে যে ইংগ্লওদেশীয়ের। বছকালাবরি অন্যদেশীয়রণজার কর্তৃত্বারীন হইয়া অতিকর্মজনে কাল্যাপন করিল, ভাহার। আপনারদের মধ্যে পুাচীন রাজবংশীয় এক জনকে রাজত্ব পাইতে দেখিয়া অনতাক্লাদে মহা হইল.

অপর তিনি নর্যন্ নামে রাজবীনীতে অভ্যস্তবিদ্য হই দা সর্গুতোভাবে ঐদেশের ব্যবহার ও ব্যবহা এবং লোকেরদের পুতি শুলাদৃদ্ধি দর্শাইলেন. তাহার দোঘের মধ্যে এই দোঘ জিল, যে তিনি গুলিনের ইদিতা নামে কন্যাকে বিবাহ করিলে পর, ভ্রামক বির্মেতেই বা হওক, কিন্তা দ্বাতেই বা হওক, তিনি জাবন পর্যান্ত ঐ শ্রীর ন্যতি সংস্কাদি ব্যবহার করিলেন না

অতএব এতজ্ঞপে ওঁাহার প্রক্ষ পুশ না হওয়াতে, এবং মিথাা ভ্রামকবঁর্মের ছুগাঁৱতে নিমন হইয়া দীর্ঘকাল রাজত্ব করিলে পর, রোগগুত্ত হইয়া জাল এবারির পাঁচ দিলে, পাক্ষমন্তি বর্ষ বয়ক হইয়া, পাঁচিশ বংলর রাজত করিয়া মৃত্যুপুরে হইলেন.

পরে গুরিন্ নামে থাগত এক মহতের পুত্র হারোল্য অবাধিত হইয়া রাজনিত হাসনন্দ হইলেন. মাহার চলে ও ওবছারা বুকা মায়, যে ওাঁহার রাজা হওনের চেগ্রা নির্থকৈ জিল না.

কিছ অনীতিপূর্বক রাজিদিং হাদনন্দ হওয়াতে ছতিয়াজিল যে দুর্লারা তাহা হইতে তাঁহার যে লাহদিকতা ও মাধার্ফিকতা ও মাত্যাপরতা পূত্তিছারাও রাজ্যরকা করিতে পারিলেন না. এই রাজার যে আঝাতিমান তাহা ওলোম্ নামে নর্মপ্তি দেশের অমাত্যকর্তৃক অবহেনিত হইল. পরে এছার্ন নামেতে এক ব্যক্তি তিনি কান্দেল্ল্লর নামে ম্যাত জিলেন, এবং তৎকর্তৃক দতপুযুক্ত, ঐ ওলোম্ নিশ্বয় কবিলেন যে মাধার্ফণে এ রাজ্য আমারি.

এ ওলাম্ যিনি পরেওে জায়ী নামে খ্যাত জিলেন, তিনি রাবর্ত নামে নমজি দেশের অমাত্যপুত্র জিলেন; ভাঁছার মাতার নাম আর্লেডি তিনি ফালাজী নগরের এক পরমসূত্রী কন্যা জিলেন; তিনি কোন লময়ে আঅপ্রভারে

भ्रष्टाग्यांना रहेगा चारकत, हेर्जायरी ने श्रांम भ्रिम क्रिक क्रांजा श्रम क्रक ने क्षना रिक प्रियो चित्रपृथि रहेगा कांगांकूनिष्ठ रहेलन. अलाम सिन अञ्जल পুঁতিদংঘটনের দারা জমিলেন, তাহাতে তাঁহার মাহাত্মা থ্যাত হইল, এক উহিার ৪০ অত্যতারিক বিখ্যাত হইল, তাঁহার শারিবড় বর্ষ্বাব, এবং তাহার মন অতি পুশস্ত ও মহৎ এবং সমীপথিডিবিপৎহইতে তাঁহার সাহস নিবৃষ্ট হইল না. ভিনি যৌবনাবন্ধাতে নর্যন্তি নরাঞ্র অরালাবিকারী হইয়া ওঁহার চত্ত্র পাশ্যমি অপহা: ক যে পুজারল তাহারদের বাবক ছইলেন. 'বন অন্যদেশীয় চচ়াই কারকেরদের দমন করিলেন; এই সময়ে প্রত্যেক যুদ্ধেতে তাঁছার সাহসিকত ও দুখ্যাতি ব্যাপিল. ইহাতে তাঁহার অবিকারেতে যে দৌভাগ্য ভাপিত করি ফাজিলেন, ভাষাতে আগ্রনকামনা বিভিন্দু করিতে ওদ্যোগী ছইলেন; এবং তিনি রাজ্যশেমারন্থায় নিঃসভান হওয়াতে পরে কাহাতে দিৎহাসনন্থ করিবেন देशांड अविश किरलन. अया या अवार अनेनांस्या कान्यासूत, जाहात बांता কতকণ্ডলি অবিকার পুরি হওয়াতে ইণ্ট্রগুদেশীয় রাজদিশ্হাদনসহ হইতে ওাঁহার অত্যতাভিলাম হইল. ্বং তাহার বান্ধানিভিকরনাথে পাপাও আানি অন্যেরদেবছইতে কিজু ভ্রুটি করিল না; তাহাতে দে আখানিত ওতরাবিকারিতা পুমুক্তই বা ছওক, অথবা শাব্রজেরদের পরাক্রমবর্জনেরাছার। हैवा इंडक. डिनि अर्कवारत भुकांगं कृतिस्तन, या हास्त्रीन्त खन्यारार दांखा এমত ওংক্ষেদ্রাজনক বিষয়পূর্বক অল্পকালেই ওলোম আপ भाइग्राहितन. নি সত্যের হাজার মহাযোগ্ধ। নিয়োজিত সমন্ত্র সৈন্যেরদের ওপর পুঠানী ঐ রাজা গ্রীমকোলা: যে এই পরাক্রাতসমূহের্দিরাকে তিন ষ্ড হইলেন. শত জাহাজের ওপর চঢ়াইলেন; এবং তাহারা মৎক্রিঞ্চিৎ দৈবীবারী পাইন্ত্র সংসক্ষেত্র তাটে পিবেক্সি নগরে শিষ্টানা সিককণে ওতার্ব হইল.

পরে যে সকল নর্বিজিয়ন দেশীয়েরা তাঁহার অধিকারেতে চড়াও করিয়া জিল, তাহারদের ওপর জ্ঞা হওগাতে আহোপুরুষিকাপুরি হইয়া দিরিয়া আদিতে জিলেন, এমন সময়ে হারাল্লেরাজা আপন সিংহাসন ও শাসর মাহা অধিকার্জ লোকরারা পুরি ইইয়াজিলেন, তাহা বজায় রাখিতে পর করি লেন; এবং যেই সৈনারর চচাওতে তাঁহার সহিত রিয়াজিল লে সকলকে এবং যেই দেশ দিয়া রামা করিয়াজিলেন লে সকল দেশহইতে, মত দৈন্য লংগুহ করিতে পারিলেন, তাহারদিগকে মুল্ল হেতুক পুরুত করিলেন; লে সকর দৈন্য ভাতি বলবত ও র্লপত্তিত ও সর্বাভাতারে রাজার বশীত্ত ও মুলাজিলামী জিল, ওলোমের জন্যপদ্ধীয় মেই দৈনারর তাহারা তাবং মুগা এবং সমবয়্জ জিল, এবং বিতাগনি ও বলং ও ম্লাভর্স ও পজন ও মাইন ও অলিয়্ল ও মুলার ও নরতি পুল্তি দেশ সকলহইতে সংগৃহীত জিল যে সকল লোক, তাহারো বেরা পুরুত্ব জলোমের রনেতে আজানুবর্তী হইল, সে যাহা হওক, ইংগ্লভ দেশের রাজ

শের বিরোবনিয়িত নিমিতে ওতর পরীয় এমত মহাতিলারলামুহ কথানও দেশা রাজ্যলাই. পরে মূলারস্তের পূর্ববিরলৈ ওলেন্ড্র রাজ্য হারোজেরে নিহুতি এ: আনুমতি পারাইলেন, যে মনি কেবল আনারজের দূই জলের মূল করনেতে লহ্নপূশ জৈলের পূনি কজা পায়, এবং ওপজিত বিরোধির নিয়তি হয়, তবে ইহা ওত মল্লামার্লা, এই কথা ভানিয়া হাবোলা সাল্লাড না হইয়া কহিল, যে এ বিরোধিন নিয়তি ইপাডালৈতেই হইবে; তাহাতে ওভায় মলের লৈন্যান পূন্তত হইয়া রাভি পূলাতের অপেকায় বালু হইয়া থাকিল, লে রাজিতে ইপ্প্রভীয় লৈন্যান লীত আন্তামিতে আহ্লামপূহক রাহিল, এবং সম্বাহ্রিয়ের জন্মবার্বিনাপূহক রাহি মাণ্ল করিল.

भूषां इद्रोत्तनंत द्रष्टम् मालतः रेजनातातातः एकम्बिता तृष्ट्नृद्देक प्रकार्य দণ্ডায়মান করাইলেন. পরে হারোলা রাজা কমৈনারালের সহদুঃথভারী **ত্র্যা লাহল জনাওলাথে আফলৈন্যগথের অগ্নুগামী হই**যা পদবুজে রব च्राल शाम कविरावन. किन अलाम बांक। साथांक इहेशे खांक नाम अक भुशान बारमीय करित्र करिता शांन कृतिए , आक्राह्म बहेमना हा निर् इंक्टरल अमेरिक इंटेरलन. भुधायाक नर्याक (समीराहा देन्ध्रक्षामीय रेनना ভাৰ অনীভৃতপুত্ৰক ইহারদিলকে, বাব্যুভহারা অতিকাতর ও বিসম্মাণর क्राह्मल. क्वि यात्राक्षण्यात्र मध्ये हेन्ध्रीय रेम्नात्रं महत्वस्थात्र यूनकार् রহুলৈন্যরান বিনাশ ক্রিল. ভাছাতে নৈদ্যেরদের বিষয় দশাতে শঁকাৰিত **इ**डेग्रा जाजनकीय कउछिन सत्तांनीय योका मध्ये कृतियो बरेमत्मांनकावार्थ भौज् तावन क्वितानन, डाँक्रांत प्रमस्तिष्ठ अञ्चा शासन् जाराद ए मामह जारा ∤বিঃসংশ্বহ ছইল. এবং পত্ৰপক্ষের দলভেদ্নার্থে সর্হত গভায়াত করাতে উহিছি বিশ আৰু কাটা পড়িল, তাহাতেও ইণ্মুওদেশীয়েরা ৰকানচ্যুত †হ**ুল বা; অভএর জনহা**র। আমি হড়িরে শতুরা আমার ওপর চচ্াও कहिरत, अरे जानारत कन कतिया शन्ति इक्तिना. विवि जरूकार जाराह ुत्पत्र दर्शास्त्रात्मकः महमा मृत्यात भाहेत्वम्, भूद्र अक मत्के कि वार्यात भक्क म्बर्गाम्बरियम् व्यक्तिमानी विक करवनम् इत्या दे भूषीम् देननात्रवारः े**फाउरवार्ता अक्टूमा ने अक अक्ट्रामनामा उ को कार्ट्या महिमा हारता**ने. नार अयन मनीवि देशीनि वृद्धि अस सामश्रीत धना स्ति श्रीति सहस्र स्रामान क्रिमेंट नार्मिक क्रिडिए नामिलन, अव वहकन मुख्य वादि मच्छान्छ व क्रिकेस नी प्रदेश में क्षेत्र क्रिनार्थ जाराजार पर अंगारितार विकि नाम रहेरनम ना; जीनिया 3 ক্রার্থির শাবেরদের জয় ইওদের ধাকর আর একরার হইল; এবং তাহারদের खानका क्यान इंअनिरंह, "य नगरंग रेमानाता निधिल इब कृषिए नाशिल,

দেই সমণে এই হড় গান্ধি ও দৃছ ও স্কিন্ত্ৰ অৰ্থানিকাইক পুনুহ আৰম্ভ কংশালোল; আনশ্যে নাগিলেতে এই । সংগীলেও নাইল না, মাল তামে ইমককাইক বি শিত কাইল না, মাল তামে ইমককাইক বি শিত কাইল আনল কেৰে। এ এ এ উল্লেখ্য স্থাতে সংবাতে মিল্লেড ইলেন্ড বি শিত কাইল ভাগত কালোও কংশাতে সংবাতে মিল্লেড ইলেন্ড এবা তাম য়ে দুই আনলিকে আনলি লাগে ইলেণ্ড মাল্লিড মালিড মাল্লিড মাল্লিড মাল্লিড মাল্লিড মাল্লিড মাল্লিড মাল্লিড মাল্লি

্ ইড়ি ইংগ্লেখনতে সন্মান দেৱ সন্তান্ত্র, মাছা তেও্শতবঙ্গরের **অবিশু** শ্বিত নিল তাল্ল লম্বার্ড গটিত

व जार्थ दिस्ता

অব্রী লগতে পটোত এপটো রাচিটা কিরবঃ

দৰ এ ১০ কাম ক্ৰিড জালে ছো কৰ্লেতে যে আৰু সালুল টাকা লাকা সাবাজ কল্পাতে কেন্দ্ৰিন্তাৰ লাকে একদলাৰের মধ্যক্ষাবিজ্ঞান কুলা মহিলি নিজ্পান্ত কাল্পান এ লোক সালি লোক লাক লাকা কুলাবিজ্ঞান কিল্পান্ত কিলি কিলি নিজে লোক কোলেৰে সাধ্যালকলন ত কাজোৰ ব্যবস্থ নুমালে জনন, এবৰ মধানিকলে পুজা শালনকলনকপ্ৰতিন ভূষণ কলিলেন

পার রণতা তত্তাত করিলে এবং দৃঢ়ও কেংঘল প্রিন্মন্থার। ইংপ্লাঞ্জীয় নোকে, দিপ্লকে অর্থিন করিলে, আনহার তবিশাব্দ পুলিন্দুজার ঘারা পুর্বথ লা পুলিনার্থে এবং ভাঁচার জয় এনদমুখিতো নিজেই ফান্সেল। থেই মহাধীপে পুরন্মন করি করিলেন.

শরে ঐ ওল্যেম রাজার ইম্প্রজদেশে না থাবা ত অনেক অমনিরের ছেতু হছল। তাহার কম্প্রিক সকল এখন উচিপ্র লাসনাবীন না ছওগোডে ভাবিল তেএই জামারদের দৌরাক্স ক্রিবর ভ্রম মন্ত্র, পো দুর দ্লাত্রগজা এইছেতুক ইম্প্র মনেষ্টিয়েরা ভাবিল যে আমারদের মুজি পাট্রনে এলগোলাক্যনে ১৯ম ক্ষম এই

অভ এব ই প্রাওদেশীয়েরা ভাহারদের শাসনকর্তার্দিগকে নিপাত কর ার্থে এক ঘড়ি করিল; এবং যে সময়েতে নর্মন্ দেশীয়েরা তাৎকালিক ব্যবহারানুসা রে অন্তর্শাল তার্গা কৃত্তিয়া ইন্মরারাইনা করিত, এমন যে আশ্নামে বুরুবার ভাহাতে মশ্বরত্ব সময়ে ঐ বর্ষকপ যুক্তি সমূর্ত করিতে স্থির করিল. কিছ ওলে,যের भीचु भुनत्रात्रेयातारत खाँहांद्रापत् भवायमा निवर्धक हटेल, এवः स्मिटे समग्रावि ওলোম রাজার ইণ্প্লন্তদেশীয় পুজারদের পুতি অবিদ্যাদ জন্মিন, এবং বিশ্বাদ ঘাতক শত্রুর দ্যায় জ্ঞান করিয়া তদনুকণ তাহারদের শ্রুতি আবহার করিশেন. ইহার পুরে ডিনি রাজ্যের এটো এত গ্রহ গুড়ব করাইটা জলেব, যে চিনে 🗗 मगरप्र प्रमन्दसंबिरमंदिरलारकतरम्त्र अस्तातिराज्य कोत्र छोउ इहेस्सन नौ এতন্ত্রন্য তিনি তাহার্দিরকে প্রাভ্তেরন্যায় শাসন করিতে, এবং আমলোভ ও আত্মলোকেরদের তেওঁত ভাগতে দের কিন্তুনদারা শমতা ক্রিভে, এবং মহিবিশ উহিহার শান্তব কিন্তজাচারী তাগার্থের ধ্যাবকরব্ধারা আমশাদ্র বির করিতে মনস্থ করিলেন । তাছা ত গিনি ই প্লগদেশীর মহৎবেশকের দের জুনি দকলে আশগরন করিয়া গমন্তীয় জাগদ মজাতির্দির্যকৈ দাশ করি (लत: 45अरम भगत मुक्तिन अग्रह निर्माणका मिल्लिक नेपूर्ण प्रहेल, 4द॰ ই॰প্লগুদেশীয়ের। নারপুরার সন্ময় ও নার্পুকার ্যমাপদেতে নিরুছত্ত্য। হুইতে **বহিষ্ড হ**ট্ল.

পরে ক্ডদাবীপর্যার বির্মিশয়পাতির দিরকে আত্মিপকে রাঝিশার আন্য আদিন স্থাদেশীয় লোক বিনা, অদ্য কাহাকেও পুরীনহ আচার্য্যের নিয়ের ক্রিলেন না. এজন্যে ভিরোও নামে কাতর্বরি মহারিক্সারীছকে অত্যক্স বিষয়ের জন্যে পদত্যত ক্রিলেন.

পরে ওলােম রাজা আশক অবাব্যের বিরিক্তে দ্বান করিয়া প্থক্ছ দণ্ড দিয়া, এক জালে রাজাের কুপল্ল-স্থানন করিলেন, এখন তিনি আন্ধান্যন্তপরিপুন্নইলকৈ বিশুনা পাইলেন, এক তাঁলার বিশক্তাচর্ভে সমর্থ এক তৎপদাকাত্মিত কেছ জিল না, ইলা দেখিয়া ভাবিলেন যে আমার রাজজের শেষ ঐক্য এক ওলাংকি পরিপূর্ব ইইবে এই আশার জিলেন, কিছু এমত অল্পকারেতে পরিপূর্ব যে মানুষ্যের আশা, যে যাহাতে তাঁলার কদালি বৈরিদ্ধান্ত জিল না লে বিষয়েতে তাঁহার আশা, যে যাহাতে তাঁলার কদালি বৈরিদ্ধান্ত জিল না লে বিষয়েতে তাঁহার অত্যানা, যে যাহাতে তাঁলার কদালি বৈরিদ্ধান্ত জিল না লে বিষয়েতে তাঁহার এতকা বৈরি ওপত্তিত হইল, যে তাঁহার শোমাবন্দায় ভালাক তাতাত তাজকরিল, ভালার শোমাবন্দায় দুঃথা তাঁহার আপন মতাবহুতি জনিলে, কেননা পুজেবিদিরে পুতিবাদি হওয়াতে যাশ ও লাভ ইহার কিছুই হইল না, ঐ ওলােম রাজার তিন পুত্র জিল, তাহার্গেরে নাম রাবর্ত ওওলােম ও হেনরি, ইহা কাড়াও তাহার কতকন্তলি কন্যান্তান জিল, বাহর্গাত হইয়া, তাহার বংশার

अव॰ खामणी एवं एक मार्मना ए मार्मिक किलन, कित विवरणना मान দিলেন. এবং অনেকবার খনা গোল যে তিনি ভাছার ুই ভাভা ওল্যে ও ছে সরির বিষয়েতে অবৈক দশেহ করিতেল । তাহাতে ইহারা অবিক শিকানুগত পুমাজ রাজায় বিশ্বত এবং বেছপাত হইল: অতএব বাধর্ত তাছারবের অভিমিনা গ্লুদ হইন, অভংগ ৰাখত ইটা জাতমনা হইয়া শীলু বিরোধ করিবার এক কারৰ ঙপত্তিত কবিলেন. পরে কোন এক দিবস এ সকল রাজপুপ্রের। জীড়া করিতে একত্র হইড়াচিলে, ইতোমধ্যে কনিষ্ক লহোদরেরা মর্থন ডোষ্ঠ ভ্রাডা कृतिक वृश्चित्रिशि मित्रिशि मिहित जिल्लान, जन्नान खुरिकांत्रा जीहात गर्याक ছইয়া কানী কানা কনিবামানেতেই ই পরিহাসবিষয় অমর্যাদাজাপক নিশ্তর এবং ভাহার এক অন বিশ্বন্ত পাল্লছারা ভাহার্দিলের বিক্তন। ছেরলাবলত স্ইয়া আআফোধি শমতার্মে তরবার হয়ে করিয়া ওপর ফুরেরীও দৌছিলেন ; ইংগ দেখিয়া রাজবাটী কোলাহলেতে এমত প্রিপূর্ণ হইন, মে রাজঃ আপনি তালা বছকেন্ডেডে নিষ্ত করিতে সমর্ম হইলেও, তৎকালাববি হইন যে পরব্রুর মৎসর তাহা নিষ্ত করিতে পাটিলেন না. ঐ সময়েরাবর্ত কডভলি क्यांचीय महारा लहेगा होते बहेन शब् जांचमार करिंड में वांविरड शानन, ক্তির লড়ের কর্তার পুলাপদ্রাণ ভাহার মনত সকল নির্থত ছবুল.

পরে ঐ মৎ সরানি পুত্রলিত হইল, এব॰ ঐরাজগুত্র রাবতের সাহল এবং সুদরে। চরবের সুখ্যাতি এমত ব্যাপিল যে নমাগ্রিত মাইন ও আছেই ও ব্রিটেনের তারৎ রাজনভাসস্থানির বিষয়ে সংখ্যা হটলে । এবং এয়ত ক্ষিত আছে যে ওঁৰ भारत योजा खबकरन बस्वेन त्मृत्यपात्। १८० ६७ मोशोघासीता, ११ विनक्ष কার্য্যে ভাষার আনুকুলা করিলেন. ঐ অসমত বিরোধ নর্মন রাজ্যে আনেক কাল পর্যাত্ত পুরুল জিলে, । এবণ আপন পুঞ শাসনার্যে ও আথ্যশাসন দৃষ্টতর করনার্যে ওল্যেম রাজার পুনরায় ইংগ্লাও দেশে গমন করার আবশাক হইল, পরে তথায় যাইয়া অনেক ইণ্প্লেণ্ডায় দৈন্য একত্র করিয়া, তাছার্থিনের সম্ভিয়াছারে ন্মন দেশে মাইয়া রাজপুত্র রাবর্ত এবং তাঁহার ভাবেৎ নশভাপন্ন লোকের্দি शास्त्र इवस्तरहेरा कांशाहेगा, उर्याचार चारामां पूनावानित हहेरतन.

পরে ওলোম রাজ। এই সকল ওৎপতি নিব্ত করিলে পর, ভাঁহার মাতিলা। নামে রাণীর মৃত্যু ছওনপুযুক্ত, অভ্যত শোকাকুল হইয়া নিলেন. আরো ইছা অতি প্রামানিক কথা বঙে, যে ছেছেতুক দুর্দশার সময় হাইলে না मा मूर्मभा ध्विष्ठ इस, स्मार्ड्क महमा नर्यन् मिमीस्मीनातव विक्यांतर्वी মাহন দেশীয় মহল্লোকেয়া তাবৎ তীহার বিকল্প ডিলি, এই লংবাদ ওলোম ब्रोडा यमि(लन, পরে তিনি মহাঘাপে ওপভিত হইলে, জানিতে পারিলেন, শাস্ত্রীর তিষ্ণাক কাচা দির। দুঁলিনের রাজাকর্ক ওলক্ত ও লাহাযা। পুরে

শাস্ত্রীর কিন্দু দুঁলিনের লাজা পুরে কার্যানার মহল্লোকেরছে: মার্যা বিরোধ

শাস্ত্রীর কার্যাক কিন্দু লাজা প্রে কার্যাক কার্যাক ক্রিন্তু করে ক্রেন্তুর ক্রেন্তুর ক্রেন্তুর ক্রেন্তুর ক্রেন্তুর ক্রিন্তুর ক্রেন্তুর ক্রেন্তুর ক্রিন্তুর ক্রিন্তুর ক্রিন্তুর ক্রিন্তুর ক্রিন্তুর ক্রিন্তুর ক্রেন্তুর ক্রিন্তুর ক্রেন্তুর ক্রিন্তুর ক্রেন্তুর ক্রিন্তুর ক্রিন্তুর ক্রিন্তুর ক্রিন্তুর ক্রিন্তুর ক্রিন্তুর ক্রিন্তুর ক্রেন্তুর ক্রিন্তুর ক্রিন্তুর ক্রিন্তুর ক্রিন্তুর ক্রিন্তুর ক্রিন্তুর ক্রেন্তুর ক্রিন্তুর ক্রিন্তুর

প্র ওলাম রাজা এই গৃতিজ্ঞা পূর্ব করবার্থ মহানেপরাজ্যশালী দৈনের দিনকৈ সম্ভিয়াহার করিয়া প্রানাগাম ওপদ্ধিপতে ওওঁ ইইয়া তারদ্বাম এক গৃহ সকল দক্ষে করিয়া এক ভানিয়া জনাবিতকলে সমস্ভমিকরিলেন, এক মার্ডনারকে আক্রাভ করিয়া জন্ম বিশি করিলেন; এই দৌরাআকরবসময়েতে এক দৈব দভিল যে ঘালাতে ওলেন রাজার মৃত্যু সইকেশর ঐ দৌরাআ নিবৃত্ত হইল, কোন এক সময় ওাঁহার ঘোলা আন্যানি ভানিতে পাদ্বিজ্ঞেপ করিয়া এমত লক্ষ্মিয়া ওঙিল যে আশাব্দ এর আক্রাক্ত ওজনিয়া যেনিকাতে রাজা এমত কেনাগুত্ত হইলেন যে কিজ দিনের গরে রোমন নামে এক সুদ্ধু গ্রামেকে প্রানাক্র করিলেন.

পথ্যাব্যায়,

डालाम् कारमाः विवत्न.

শিক্ষা বর্ধ কেশের নিমিতে কমেন নামেতে থানত যে ওলোম, ভিন্তি শিত্
লিপিপুমানপুমুক্ত, পরে ঐ রাজ্যে অভিন্তিক হইয়া নি হাসনবর্ধ হইলেনঃ কিছ

ই রাজার জ্যেন্ড পুঞ রাবর্ত নর্নভিদেশে অবিকার পাইলেন, ভাহাতে নর্মতায়
অবিশতি লকল পুথমাববি ই রাজার রাজ্যাপন করনেতে অলক্ষয় হইল.
অঙ্গুন্ত পূর্বের ন্যায় এক রাজ্যাবিকার করনে বহু বাঞ্চা করিয়া রাম্বর্জক সর্বাবিকার করনে বহু বাঞ্চা করিয়া রাম্বর্জক ভ্রামী আন করিল, এবং তারিয়াত ওলোমকর্মনায় বিশক্ষতায় এক

প্রামর্শ ক গগেল, এবং ওদে। নামে গতরাজার ভুগতা ঐ সকল প্রামর্শ সন্ধূর্ণ ফরলামে গু.হু করিনেন

পরে ওলোম কমন নিফটতাবিভয় জানিয়া ৰকার্যা সিদ্ধার্যে, ভিটি ইণ্যুওজ क्षारिक रूपिति व स्वर् वात्रिका शुक्ति कहनार्थ, उद्यूष्ट नार्व को विविद्ध मईरडा ভাবে ভালকপে রামি,বন, ও দাসকরে কালে অন্যাপেন্যা তাহার্দিগকে ,অন্তে ৬তার দান কা বেন, এই লকল তামীকা ছোৱা তাহাঃদিনকে বলাভত কাতত महम्भ जिल्लनः তন্ত্রন্য চিনি শীঘূ রুএফলে ওপত্তিত হাই,লন, এবং মহা टेमना सम्हार অপুরামিদেনাপতি হইলা, তাঁহার মনস্থবিষয়ে বিবাদী যে কোনহ ব্যাজি হইবে, তাহার সভিত যুদ্ধ করনে পুত্তত আননাচে জানাইনোন এমত সময়ে রাজপুল রাবর্ড ইংগ্লাও দেশীয় আর্মায় সহা য়র্দিরের ওপ कांत्रार्थि हेम-। सम्पूरका वेवसम् ना कृतिमा अवग्रम अर्थनान कृतिलन, তাহাতে লৈন্যের গমনের বিলক্ষেতে সময়বহিত্ত হাইল. 🔻 ইতাবকাশে তীলার ভুতিরি দীঘটনের পৃষ্ঠ, ওলোম রাজা ঐ পরামর্শ রাখ্ করনাথে, জডিশিয় গড় क्टांभर्क अपनीती हहेंग्लन : अवर जोहांक व यत्नाबांका मनुर्व कहिए। কটিন হট্ল দা, যেছেড্ক রাষ্টের অগ্নীকারপুয়ক ঐ সকল কণ্যান্শিয়া কোন এক গড়েতে আক্ষান করিয়া রবিয়া জিল, কিব গাঁডাকে দেখিবামারেডে তাহার। ক্ষমা প্রার্থনা করিল: 📉 এবং ঐ রাজা তাহারদের প্রান্ধ বজায় রাঝিয়া ম্যাসর্থ হওগত করিয়া রাজ্যচ্যুত করিলেন.

কিছু কালগরে ঐ দুই সংগাদরের মধ্যে এক নৃত্ন বিরোধ ওণাব্রত হওয়াতে, কম্মন রামর্ডের অধিকার ওড়রোডর হস্তগত করিবার অধিক ওপাত্র পাইলেন. পরে পুকার্শ হইল যে যে প্রত্যেক মন্ত্রণ ডাহাতে ঐ রাজার কেবল বন বৃত্তিরি হেতু হইল; কেননা তাহাকে প্রচ্যুত করিবার নিমিতে যেই সকল বন সংগুহ করা গিয়াছিল, মে সকল বন তিনি অকার্যে ব্যয় ক্রিলেন.

দেশদেশাওরের ব্যাতের মধ্যে অপূর্র অথচ মনুষ্টার্থের মধ্যে অপূর্বাক্ষর্য জনক একবৃহদ্যাপার ওপান্ধত হওয়াতে, ঐ সকল কলহ কলল ও যুজ্ঞবিন্ধুরের পুনারও লা থাকিয়া একেবারে লুর হইল. সেই বৃহদ্যাপার জুশান্ লাযে রও প্রাত্ত জিলা, অর্থাৎ প্রীপ্তমতাবলম্বী ঘাহারা নয় তাহার্দের বিকলে চলাও করও; এবং এই সময়েতে ঐ জুশানের ওপাক্ষ হইলা, তাহার বৃত্তাত এই; পিকাদির আমেলুল লগারে জন্মিল যে শিতর লাযে সন্মানী, তিনি অতিশয় ওদ্যোগ্রী ও সাহনিক এবং বিশ্বিজ লোক জিলোন; এবং তিনি থিকালযের পুরুগ্রমাধিতীর্থকানে তার্থ করিবে নিয়া, ঐ স্থানের জুয়াবিকানিগুরিগাতকেরদের প্রীপ্রীয়ানেরদের তি যে অত্যানের তাহা দেখিয়া, অতিশয় জোবিছিত হইলেন, এবং তিনি

भाभाह जाजावर रहेग हैरहाभरमान म**ई**ब ने क्षारत विषय शाधना कृति त्वन. भारत ने श्रीक्षीजाकत्रामः इस्ट्डिए मुनाजृत्याक जानमन करनीर्ध मई পুকার লোক ফডডর মেরাপুরক অন্তর্ভুছন করিল, এবং ঐ সকল লোক যে এ কার্যোতে অভিনেমন জিল, তাহা, চিহ্ন দেখাইবার নিমিতে পুত্রেক জন দক্ষিত ক্ষান্ত ক্রমাকার চিন্ধ বহিল. পরে ইরোপের নার্ত্র এমত বৃহৎ আয়োজন क्यबंकात्म लाक नकल जोशांद्रस्य मेहिक मुशांपि विषय विमाउ शहेल ना, কিছ কেছছ আলিয়াঃ লকল ওমাহানেতে অবিক ঐশ্বানিশিপ্তালকরণ ष्टानाकाञ्ची हरेगा, संधानाज्य रेलांगीय मईनसास्त्रिक केतिल, अव साहार তাহারা পরিত্যার করিতে পর করিল, তাহার িনিত্তে ম্যালাভদ্বারাই मक्क इरेन. भारत काजनात्मकारात मादी। तावर्ज नात्म नर्मश्रीत जातुनी चिनि জিলেন, তিনি কেবল এই সকল বিষয়েতে সমত হইরা খত ওদ্যোগা জিলেন; এবং ঐ জুলেদ ভাষার অবস্থায় এবং মান্ত্রায় সুল্র ইইল, কেননা ভিনি সাই দিক ওদ্যোগী ও মাআকাথ্বী ও দ্বিদু ও চ্যোত্রারে। তাড়িত, এবং লই। পেফা শভাবত ইওন্ততোগমনেমুক চিলেন. অতএব এতগ্রন্য এডজ্ঞা বৃহ্ধি ময় সন্ত্রাদক টাকা কড়ীর আবশ্যকথরতযোগানার্যে তাঁহার নর্মগ্রী নামে অগ্র ন্যবিকার সন্ধিয়ার পত্রীকৃত দশ সহজ্র যুক্তার নিমিডে ভাঁহার ভ্রাত। কদসের কাজে বস্তুক ব্রাথিলেন. এবং কলেস যিনি দাইছা এই বিষয়েতে অনুসন্ধানী किलन, डिनि भीषु खीक्ड इट्रालन.

পরে মাইন্ ও নমগ্রী দেশ ওলোম কমেনের হত্তাত হওয়াতে, ওলোম কমেনের ব্ জাছের বৃদ্ধি হইলেও তাঁহার পরাজ্যের কিছু বৃদ্ধি হইল না, কেননা ঐ নূত নাধিকংজ পুজারা মকল আজাবহ জিল না; কিত্র তাহার আজাবশীভূত হওয়া পেন্ধা তদাজাবিকলাচরতে নিত্যোদাত জিল. এবং তাঁহার মর্থদা এমত আপত্তি ওপন্ধিত জিল যে তরিবৃত্যার্থে তিনি নাম্প্রতান নিম্নতি হইত না. এবং তাঁহার অন্ধ্রণ্ঠক ভিতির ব্যাহাতার্থে এক আপত্তি নিবৃত্ত করিতে জন্য এক আপত্তি ওপন্ধিত হইত.

পরে যাহা হওক ওলােম কাম্ম আআপুর্লাং না এবং আআপিবাদ ভুরজান করিল এবং ক্রয়করওদারা বা হওক, কিমা রওকরওদারা বা হওক, উহার মন কেবল রাজাব্ভিকরতে নিম্ম ডিল্ল. পরে গৈডিয়ের ও গায়িয়ের পুর্দেশা বিকারী ঐ পূর্ব লিথিও জুশেন্ আর্থাং পুরুষুভ্ত গামনার্থে অভ্যতেমুক্ত হর্ম্য অনেক কৈন্যাংরত করিলেন; কিন্ত বিনের ন্যুনতাপুযুক্ত উহার বান্দ্রা পর্ম্ম হইতে পারিল না৷ অভ্যব পুরার্থিগের পুতি ভাবিদৌভাগ্যবিষ্টের তিরিত না হইয়া, তিনি তাবং অবিকার রালা ওলােম কম্মের নিকট ক্রেত রাথিতে চেন্টা করিলেন. এবং রাজা ওলোম কম্মন ৰাভাবিক লোভাক্ট চিত্ত পুষুত তৎক্ষনেই বাক্ত হইলেন, এবং মেছ বছমূলা প্রধান দকল গাছিত করা গিয়াছিল, তাহা অবিকৃত করনার্থে আনক আহাত্র, এবং বছমূলা প্রধান দকল গাছিত করা করিলেন. কিছ এক দৈবলটনাছার। তাহার ঐ সমুদ্যি আশা নিরাশা হইল. স্বায়া বিমন্তে, নের বাল্তর টিরেল্কর্ডক পুষিত্ত এক শর্ছারা, নৃত্রোপবনেতে বিভ হইলেন. ম্বামারনার্থে কিন্তু ঐশার বৃদ্ধে ঠেকিয়া দিরিয়া রাজা: ক্ষম ছেদ করিল, তাহাতে ঐ রাজা তৎক্ষনেই মিরিলেন. ইহাতে ঐ নির্দোঘ রাজ্য আতক ঐ দৈবী ঘটনাতে ভয়াক্ষ হইয়া আশাক্ষ হইয়া বেরেতে প্লায়ন করি লেন এবং আহাতে চছিল দুলিন দেশে ঘাইয়া, যে ক্রুশ্ন মিকশালয় দেশে ঘাইতে পুন্তত জিল, তাহার সহিত মিলিল.

3 मक्तिरोग्न.

পুখম ছেনরি, অর্থাৎ মিনি বোক্লের দামে ম্যাত জিলেন, ভাঁছার বিবরন,

এ গতরাজার কনিও ভুকি হেনরি, যিনি তাঁগার জ্যেও ভুকি কমসের মরন কালে ঐ নৃতনাপরনেতে ম্রায়া কলিতে জিলেন, তিনি ছবিত বিশ্বেত্তর দ্যার মাইয়া, সর্বাপেকা সর্বতোভাবে গাঁহার মনোবান্ধা স্বাধ্যক যে গাঁজভা তার, তাগা ছন্তগত করিতে নিশ্চয় করিলেন, পার তাংশ জবিপতিরা ও পূজা ব্রেনা তাঁছার যে বান্ধিত বিষয় তাগা নিবারন করিতে অসমর্থ ছইয়া, পুনুরায় তাগাতে সম্মত ছইতেই ছইল; এবং ওপন্থিতভ্যপুষ্যুক্ত তাগার বশীভূত ছওয়া ও দ্বিন্ত ছইল.

পরে ঐ হেনরি রাজা পুজারদিরের হিতে গ্রাহ্য হওলার্থে, তাঁহার জুাতার লক্ষটতাকে এবং মথেপ্লিডপান,নর সহতারী যে অন্ধিবর্গের তাহারদিরকে রাজবানীহইতে বহিষ্কৃত করিলেন. এবং তাঁহার বান্ধা অহিত্যুক্ততি নির্মুক্তা হইয়া অহতেতি নমূর্ত করেবর্থে কেবল এক বিষয় অপেন্ধা চিলে, তাহা এই; যে ইংপ্লেডপোনিয়েরা লাক্লন রাজারনিরকে স্কেহণুর্ক করের করের, এবং সেই লাক্লনহংশীয় রাজারবেরা রাজ্যত্যুত হওয়াতে, ইংপ্লেডপোনিয়েরা মনে দুর্গুনিজ কইল. এবং কালপর্যার ঐ পূর্যুক্ত লাক্লনহংশীয়ে রাজারবির হিলা কালনা এই নাল্লিয়ের হাতিলোলাক ঐ পূর্যুক্ত লাক্লিয়ের হাত্তকলা জিল, ঐ কন্যা লাভ্লারিক তাব্রিময় পরিত্যার করিয়া ইম্প্রাহাবিনার্থে মন্ধিরে কুমারী ন্যায় বিশ্বারক্ষণ করিয়া চিন্দেন। পার বছকালাবির পাক্লনদেশীয় ও কর্ম

ভিদেশীদেরদের পরেয়র ভার শইয়াতিল যে ছিত, ভাছা ঘালার দ্বারা পুসরার নিলিত গছাত পারে এনর যে ঐ লাতিলার করার, তিনি ওপমূজ পার গছারেশি, ইলা তার্নিলা বিসাহ করিতে নিশ্চয় করিলেন, ঐ কন্যা যে তল্পবিলামিনী সইয়া জিলেন, তালা তার্ভ কানের নিশিয়ে ঐ রাজার কেবল ঐ এক বারী জিল, কিছ ঐ রাজার পিতৈলীয়ে, নভানন্ তাহার।শান তরিষয় সম্প্র বরিতে স্থাত হাইল, ঐ সভাবান্তর্গুল এই নিলাত গছাল, মে এ জ্ঞা বিলাহ করনে কোন করা পাই; জাঙ্গুর তাতিসম্ভিদ্ধিক সন্যানাহ করিছে। ওত্যকপে ওত্যের (ব্যাহ হাইল,

এমতকালে নাবও অন্যাদেশই ইংত মিরিয়া আদিয়া, এবং তাছার জন্মভুগাদ্যাবি কাব ছন্তাত করিয়া, ইংগ্লেডদেশর রাজনিং দাদন আমনে কনিতে মনক্ষ করিলেন: কিড দেশরি রাজা ভাষার ভ্রাডার দাশিও এবা কর্নাথে ওভয় সমাওও এক নিজম নএ নিজিলেন, যে ভাছাতে নাব নিজ নিজম সন্ধান প্রতি রাজা ভাষার ভ্রাডার দাশিও এবা কর্নাথে ওভয় সমাওও এক নিজম নএ নিজিলেন, যে ভাছাতে নাব নিজে নিজম নিজম নিজম করিয়া, তদ্মুদারে দালিপের লিজিয়া দিবেন; এবং দুই লুভার ম ব্যা মনি এক জন নিজেবাত হাইয়া মরেন, তবে জন্ম জন এ নিজ হাসন্থ শইনেন এতএপ সাথিয়ার লিখিলেপের, ভেলগমিত কৈন্যা চানক অথকানি তাল কিলেন, এবং রাবওঁ সেনিরে নাম চিত্রার দুই মান প্রতি জঙ্গান্ধিক এবএ বাদ করিয়া, পুনুষার ক্রপনে তিজাবিকারে রামন কালেন

পরে কুর্নী িগ্রস্থাক অত্মকালের মধ্যেই রাহর্ত কোনহ এক দেশের শাসনে তে অহম হইলেদ এবং তিদি রাজবংশ দেইতোভাবে আলিদাযুক চইয়া কেবল হাল্যাংগ্রেক্টার্য্যে, এক শ্রীপরে লুঞানি কালে কাল্যাপন করিছেন; **ভাহাতে ভ্**তাবং, রা অল্ফেণুর্বিক ভাঁচার সম্মাদি হরণ করিত, । এবং তাঁহার বিষয় এই ক্ষিত আ'জে যে তিনি এয়ত দুদ্দশাপন হইলেন, যে বহুগভাষেতে **লমত দিবল** প্রনানারেই থাকিতেন । এবং ওঁছার প্রার্থনের ভাষার দ্র **অব্যক্তহটতে** অধিক ৬৭পাচ**ুও চইন, যেহেতুক ডাহ্রা দৌরাঅ্যকারি কুত্র পাদ**নকর্তার দিলোর বশীলুত হওপাতে, অভদার্থৰ সইয়া দ্রিল হ**ইল, ও দমত দেশ** লেবল জাবলুগহকতাতে প্রিপুর্ট চইল, পরে এই দুরুবছার সময় নর্মনদেশীয়ের। কেনরির ভণকার চেডা লবিল, এবং াঁগার মুশাদিভরাজ্য দেখিয়া এই আবাহ্বা করিল, যে ইনি যদি আমারদিরের রাজ্য লয়েন, ভবে আফার্ছিলের রাজ্যস্থালালন ল্যা হর্বে. ইংনতে হেন্রি ঐ **লকল পু**জালানেরদিলের দুংখাবিশেষকরলার্ম অরিত অীকৃত হ**ইলেন;** কেনদা তিনি জানিজেন যে তদ্বারা তাহার মনোবাঞ্জা পূর্নকরনে সর্থাপদা ওচন न्य अहे. ্ অতথ্য আগত্তংশয়ে ভিনি অনেক দৈন্যসংগৃহ ক্রিয়া

मर्गन् (मर्रागांद अजीर्व इर्डेग्रा कडशला भूवीनर शुांग रखता कविरातन. এক যুদ্ধ হওয়াতে রাবর্তের সমস্ত দৈন্য পরাজিত ছইয়া রাবর্ত আপনি भूषि मनश्कात रेमनामहित बनी इहेलान; अव विश्व मूह्याव मनहरू যেহ লোক ওাঁহার অনুগত হইয়া থাকিল, তাহারাও অনেকে বত্ত হইল. এই প্রাজ্যের পরে দর্মগ্রীয় তার্মেশ সন্তর্গত ছইল; ইত্যেমধ্যে ছেন্ট্রি জয়ী इरेग्रा जीशत जांजात्क वस कतिया नया कियाशात नरेगा, रेशा अपन क्रिलिन. भूरई में भुंडि माइम अ एग्रांगीलडा अ योगांधिकडांभृईक कालयानन क्रिया, এश्रन रेलड्क जैनापि ७ सिज्रहिड इडेग़ (क्रवन काहातारह यह इडेग़) তেনরি রাবর্তের প্রৈশিষ্যা বিষ্কৃত হইয়া তাঁহার আযুংশেষ পর্যাত তাঁহাকে বন্ধ করিয়া রাখিতে মন করে করিলেন; তাহাতে তিনি আটা ইনা বৎলবের ন্যুব নছে, কারাগারে বন্ধ ছইয়া প্লাম্মর্গাব পর্যাদার কার্নিড্ नाय ताङ्ख यहिलन. কোনঃ গুৰুক্তাক্তৃক এমতও ক্যিত জাছে, যে অত্যুত্তপ্ত এক তামুবাটীদার। ওঁহোর দ্ধি রহিত করা গ্রিয়াছিল; তাহাতে তাঁহার ভ্ৰাতা রিদি॰ নামে এক বৈৰ্মানালা নিৰ্মানকরনদ্বারা দেই ভ্ৰাত্তবিজন্যাপরাই যোচন করিতে চেম্বা করিলেন. ভাছাতে ভাৎকালিকব্যবহারানুলারে এডজ্রন वैर्मानीलोक्पेनिकल वैर्म मईनोनिविस्माठतात अन्युक नुम्मिक इहेल.

আপরক এইসময় হেন্রির বভাদৃষ্ঠ পুদর হইয়া তাঁহার বছকাল দুর্গভো গের চিহ্ন দেখাইল; যেহেতুক তিনি একদা দুই মহক্রণজ্যের অধিপতি হুই লেন, এবং আঠার বৎসরবয়ক অভিপুিয়তম ভাষার এক পুত্র জিল, যাহার পর আর কেহ ওতরাবিকারী ছিল না. আর্মনী দেশের সমুটি রাজাপঞ্চ ংলরির সহিত মাতিক্রা লামে ভাঁহার কল্যার বিবাহ হইল, এবং তিনি অধ্যয় वरमत व्यामत मगाप्र वेताजवीतीए (पुहित इहेप्राक्रितन, हेलांगरीर ভাবিদোর্ভাগ্য এবং দুর্দশাপুষুক্ত তাঁহার তাবং সুধাতিলাম শেষাবস্থায় অত্যত দুঃথ এবং মনস্তাপে আছল হইল; যে হেতুক ঐ রাজার অনায়াসলভা রাজা এবং ওাঁছার পরিবার জনেরা পাচে অন্যকর্তৃক ল্রামিড হয় এই ভয় ইংগ্লন্ডদেশীয় ভাবজাত্যের পুরানকর্তৃক অপুত্রের ওভরাবিকারিডা বীন হওনাথে চেম্বিত হইয়া নমান্তি দেশীয়াবিপতির্দিনের মান্য হওনার্থে তাহাকে নর্মণ্ডি দেশে লইয়া থোলেন. এই এই আবশাক কার্যা সম্ভব করিয়া ী হেনরি অগ্রী হইয়া পুনুরায় ইংএওদেশে আগ্রয়নকালে, তৎসুশ্রভাগ্রী অনেক অমাতাবর্রেরদিরকৈ লম্পে করিয়া আনিলেন. পরে তাঁহার যাত্রাকালীন আমে দিইক কাল্যাপনার্থে ওাঁহার পুত্র এবন ভাঁহার পুত্রের সূথভানী সমবয়ন্ত কড্ক ওলি অযাতা এক আহাজে চড়িল, পরে রাজা ৰয়ণ বান্নি ওর নগরহ ইতি

জন্য জাহাতে চড়িয়া সুসাযুপুযুক্ত তিনি জার ভূমি দেখিতে গাইলেন না, কিন্তু মুবরাজ কোনহ দৈবঘটনাপুমুক্ত বাধিত ছইলেন. তাগ্যত ভাগাজের দিৎ ষ্টিবন নামে কাণ্ডান ও জাহাজিন্থ ভাবংল্লাক, রাজা দ্রবন্তী চইলে ভদ্বকাশে অভাবিকসুরাপানেতে এমত অদাবন্দিত হইল, সে তালাতে জালাজ পুন্তরে লা গ্রিয়া একেবারে গ্রন্থ ইইয়া গোল. 🌐 ঐ সময়ে মুনুরাজ ওপনৌকাতে আরোহন করিলেন এবং মাদ লামে উচ্চার অহেদিরগভানিনার ক্রমনতে এদি লা মিটি তেন, তবে বাঁচিতে পারিতেন, পুমমত তিনি ক্ষমে কাইনিদা সহতে মতুন স্কালেন, কিন্ত ওদ্যোগকরণতাতিরেক তাদ্শ প্রিয়ওমা ভানিনীকে মর্বায়ে তার করিতে গাশকর হইলেন; ংইনিমিতে ভাঁহাকে নৌকায় তুলিয়া লইতে, নৌকা ফি: ক্চা ভাঁচার ভরিনীর নিত্তটে এইয়া সাইতে নৌকান্থ নারিফেরদিগতে সমাত কমিল ৮ পরে ঐ নৌকা মিরিয়া মাওনেতে ঐ এওজাদাজের ভগনিক মসকন নাবে, ভাগারা হীটিকার আশাতে সমূলীয়ে একেলারে লন্দ্রীয়ে অংগ্রেছন করিতে। লর্গ্রেছ সমূলীয়ে সমূজ कल मुद्रिक होता अ विनेत्रमयात् हेन्द्राष्ट्रपाणीय वतः नय (अपनीय भूतिनिक वन्नीय অফাডাল্ডা, দের একশত চল্লিশের অবিক গুড়া অফাডা বিন্দর কালে । পরে ঐলে হাজান লোকেবদের মধ্যে ফাইন নগড়ে এক কনাই আহিছিও আর কেন্ধীতে নাই; মে বাজি কেবল এক মান্তালাপরিক ছইয়া গুলাতে কোনত জানিকসকুক কুল ্রাণিত হইল. এ কদাই যথাৰ সমত্রার হইয়া আল্লান্রলার্থে সভর। ত্যার মিৎসন্তিবন লামে ক্রেপ্রও ত্যাপ্রির ইন্প্র ই ব্রিক জিঅ'লিৰ যে যুবহাজ জীবণ ভা'জেন কি না, দে কহিল যে মৰিয়াজেন এই কথা শুনিয়া ঐকাঞ্চান কহিল যে তাৰে আমিও বাহিৰ না, এইকথা ক্ৰিবামাতে ভেই দ্যুত্তলম্ম হইয়া মরিল - জালাজভারকালে ঐচ্চ্পাপন্ন জোকের্দের চিৎকার ভট্রইতে শ্বনারোল, এবং ঐচিৎকার প্রাজার জাসাজপ্রয়ান্ত নিছ জিল কিন্তু ভাষ্টার কারন তৎকালে কেই জালিতে পারিল না ঐ ডেন্ডি রাজা তিন্দিনপর্যাত আলাপেক্ষী হইয়া ক্রিনেন, যে আমার পুত্র ইণ্প্লভ্রেশের জন্য কোন বনরে জাহাজ লাগান করিমা রহিমাজেন; কিন্তু (কজুকাল পরে যথন ঐদুরুত অসহয় **লম্বাদ নিক্ষ পাইলেন তথান** মুহিডি গইয়া মুমুছন্যায় কইলেন. এক **ডদবরি** ভাঁচার জীবনপর্য্যন্ত কাচারো সচিত ছাণ্য করিতে দৃগাঁচইলেন না, কিলুকালপরে নর্মণ্ডি দেশের দেনিক্ নামে এক গুড় নগারে লাগলু নামে একপুকার মৎদা মারাতে ভাঁসার অভিবত মুহা চিলে, নেই মৎদ্য অবিক মাইয়া, তিনি মণ্ড ম্ফিলিয়ক ইট্যা, তাগার মধ্যে দীইত্রিশ বৎসর রাজত্ব করিয়া প্রলোকণত হইলেন, ২০০ মর্নকালে ভাগপত ক্রিণ সাহিত্যা নামে ভাঁহার ক্লাণকে নি ডাব্ম অধিকারের অধিকারিনী বরিবেন,

५ मध्यविष्याः

व्यक्ति खीवरनव विवत्न

্লোদনায়ে দেশোপতোটানা থাদেলা নামে ঐ রাজার হানিবিপু স্তিবন, তিনি এ বাজার মত্যান্দাদ পারিকামাজেতেই আঅপরাজ্য এবং আঝাভিনাবিতা জানিয়া ওচনার বহু কা নামনি আকাত্বিত যে ঐ রাজার তাবন আবানি করবার্যে নিশ্বর মানির বহু কা নামনি আকাত্বিত যে ঐ রাজার করবারে নিশ্বর মানির করবারে নিশ্বর মানির করবারে কিন্তুর মানির করবারে করবারে করবার করবারে করবার করবারে করবার করবার

অন্যায়ত আঠানিক মাতারা নতা রাজ্য তাতারা। গুয়ুমত জালস্থাগিল্য অন্যায়ত দ্বাল প্রাক্তি নাম বিধান করাতে বছ দৌর্য পুলি হয়. এতারিয়ি ও ভিবন্ ঐ লক্ষে হাঙ্ লি শাসন নিক্ষেরা করনতে এক নিয়ুমপত্র করিতে আজ্য করিলোলঃ মাগেতে রাজ্যের আধিবলৈকের্দের পুতি কতন্তালি আদেশ করিলোন, তাতা পুল নামেশ এই যে রাজ্যন্ত নামে পুতি কতন্তালি আদেশ করিলোন, তাতা পুল নামে এই যে রাজ্যন্ত নামে পুতি যে ক্যাপদ শূল্য আজে, তাতাতে আচার্যা শালু নিয়ুক্ত তহুবে. ত্রীয় আদেশ, পুতারনিরের পুতি কানক্ষেপ্তর নামে এয়াত যে এবার রাজ্য ক্ষেত্র কানিয়ের বার হার বিচার ত্রীয় তালি। কে জঙ্গালে বার্কি করেন্দ্র নাম এয়াত যে এবার রাজ্য যেই বিচার ত্রীয় ভালি। করি বার্কি করেন্দ্র নাম এয়াত প্রেক্তার করিলেন, এবার বারের একাশ শালাকে দিলে, তার নার নামে প্রাক্তি করিলেন, এবার বারের একাশ শালাকে দিলে, তার নার নারা দালা বুর্কিক ভিনিন্তা করলন,

জানর অনুনালেতে মাতিদা নামক গতরাজার করা। যিনি, তিনি ই রাম্মের গতরাবিকারিনী ইনাজানাইতে বিলম্ব করিলেন না, পরে প্লান্ত, নামে নরমুদ্দেশা বিকানী গতরাজার দানীপুত্রকত্তক, ই রাজকন্যা ওপক্তা কইয়া সামেরের তেওঁ ওতানা হইলেন, এই বিষয়েতে মাতিলার পশ্চাঘ্তী কেবল একশত কুলা জন কুলান্যান্তা জিলা, তাহারা ওতান হইবামাতেতে আর্ওল নামে গড় ইন্ধান ক্রিয়া লইল, কিছু বিনি যে মার্থানি ওক্তরাবিকারিনী, ইহা জানিয়া

ভাহার পক্ষীয় লোক সকল ওভারোত্তর বৃদ্ধি পাইতে লাগিল, এবং দিলেছ তাহার 'সেন্যারন তাহার শহুটুদন্যারনা**পেছা ব**লবান্ হ**ইতে লা**রিল, ইতোয়ব্যে তাহার ওতার্ন লংকাদ পাইয়া, যে স্থানেতে তিনি আশুয় লইয়াজিলেন মে স্থানেতে তিনি গুপ্তভাবে রাণী দোয়াজরকর্তৃক র্ছিডা, এবং সাহায়া পাইয়াজিলেন এমন যে অরণ্ডল গড় তাহা ছম্তগত কর্নার্থে বেছন করিলেন. এই গড় অতি অশক্তপুযুক্ত বহুকাল স্থায়ী হয় এমন আশা চিলে না; এবং এ গড় রানী দো বাজরের অধিকৃতপুযুক্ত তাহা বলাৎকার করিয়া হস্তগত করাতে ঐ গানীর শুতি অমর্য্যদা বোর হয়, ইহা মৃদি গাজনিকটে জাপন না করা ঘাইত, তবে অতিশীশু হন্তগত হইত. তাৎকালিক কুব্যবহারেতে স্ব্যবহার মিশ্রিত ছিল, কিছ তাহা কি পুকারে মিশ্রিত ছিল তাহা অনির্বচনীয়; হেতুক ঐ গড়হইতে ভিবন্ মাতিলাকৈ অম্পণূর্ক নির্গত করিতে সম্মত হইয়া, ব্রিন্তল নরারে ভজাপ কটোর রাড়েতে তাহাকে নিভায়কপে লোকদারা इंहा क्रांडा अर्थ अरुल पूर्विश्व अल्यान अविधाय इड्रेगिकिल, छोड़ा विखाबिज कविया (लथीरक शुक्त वायला इय, जाजनव तकवल এই কহি, যে মাজিলার দৈন্য দিনেং বৃদ্ধি পুাও ছইল, এবং তাহার অন্য পক্ষীয় দৈন্য দিনেং হুৰ হইতে লাগিল. পরে এক যুদ্ধ হওয়াতে ভিতৰ রাজিদিংছাদনচ্যত হইছা মাতিন্দা ঐ দিংছাদনোপরিন্দা হইল, এবং ঐ योजिल्लो वड़ नयारताश्नृईक दिएक्ष्यत नतात অভिधिक। शहालन.

পরে এতজ্ঞপাতিধিকা হইলেও, রাজশাসনে অক্ষযতাপরা জিলেন.
এবং পুরানিং মন্ত্রিবর্গের্দের পুঁতি নিচ্চুর ও অন্যায়ব্যবহার্থারা অসমান করনেতে, ঐ অন্থিরনা যে দেশক লোকেরা, তাহার্দের স্নেহ পুনরায় পুর্র রাজ্যমুত ঐ রাজার পুঁতি অন্সিল, এবং ঐ রানার পত্ম হইয়া যেং কায়্য করিয়া জিলে তাহা ক্ষরে করিয়া মনস্তাপ কলি. এই সময়ে ঐ সকল মুল্বিগ্রুহের পুনক্র্পাপন করনার্থে বিক্ষেত্র নগরের মহাব্যক্ষও কিছু ন্যুদ করেন সাই; এবং যগদ দেখিল যে লোকসমূহ বিরোধ করনার্থে পরিপক্ষ জিল, তথান তিনি তাহার কতক্রানি যিত্র, এবং ভ্তাবর্গের্দিগকে প্রেরন করিয়া, যে কানে রাণী বাস করিতেন সেই লওন শহরকে বেন্ধান করাইল. ইতোমব্যে ঐ লওন্ নগবের তাবংলোকের্দিগ্রকে রাণীর বিক্ষে ও্যাপানার্থে, এবং তাহাকে বিশ্বিবার বিন্ত্রেও স্থাপানার্থে, এবং তাহার ওপ্রাক্ত সম্মাদ ওপ্যুক্ত সময়ে পাইয়া, বিস্কেন্তর নগরে পলায়ন করিলেন, যে আনে তাহার ওপ্রশন্ত সম্বান্ধি কর্যানি বিক্ষে তাহার কর্যানি বিশ্বিত স্থানার করিয়ার কর্যানিধকরনার্থে অবকাশানুস্কার্থা হইয়া, তাহার পশ্যদ্ হিল. পরে তাহার পদ্ধীয় লোক এমত বৃদ্ধি শাইল, যে তিনি পুকাশকণে

इत. भारत छारात भक्षा (लाक वया वृक्ष नारत, त्य रणान तुकानकान भुंजि सालमांहे कृतित्व, अद्रूष खालांज ने तीनी ने सर्रावामरहरेल ভাষার আশিষ্ পুথম পুার্ক ছইলেন, সেই স্থানেতে ভাষাকে বেশ্বন করিতেও সমর্থ ছইলেন. সেই স্থানেতে এ রাণী কডকদিন ভিজিলেন, কিছ এ নগর দুভিকগুড় হওগাতে ভাষার পলায়ন করিতে ছইল; এবং সেই সমগ্ গ্লস্তর নগরপুদেশাবিকারী যে ভাষার ভূলি ভাষার পশ্চাদ্যামী ছওয়াতে বন্ধ ছইলেন. এবং ভিবন মিনি এতংকালপর্যাক বন্ধী জিলেন ভিনি ভাষার নিমিতে পরা বস্তু করাগেলেন. ইহাতে আর একবার রাজ্যমধ্যে অক্সমাৎ এক পরীবর্ত ছইল, এবং মাতিলো রাজ্যমুত্ত ছইয়া স্বন্ধনার্থ অক্সমাৎ বিশ্বাস্থান করিলেন. ভিবন কাগান্যহছিতে রাজসিংহাসনাপ্রিক্ত ছওনার্থে পুনঃসম্মানিত ছইলেন.

আপর ঐ ভিত্রন রাজার এক নূতন বাবিক গণিকৈ ছইলেন, যিনি ওওরোওর শুটি যৌবদাবন্দ এবং ওওরোওর মহাত্মজ্জর ছইতে লাগিলেন. এমন যে কেনি তিনি মাতিলদার পুত্র জিলেন, এবং ঐ সময় তিনি ঘোড়শ বর্ষ য়ঃ পুঙে ছইয়া এক মহাগুলান এবং রাজকর্মপারক ছইবেন এমত আশা দশাইলেন.

পরে ঐ নব্যাহেনরি পুরাবর্গের অভিলামপূর্ধক পৈতৃক্রাজ্য বছন্ডগত ক্রিতে, এবং অন্যায়ত ভিবন বাভিলাম ব্যাক্ষেনার্যে পন ক্রিয়া এই ইংগ্লভদেশে চছাও ক:িলেন, তাহাতে তৎক্ষনে রাজ্যক সন্থাবিপতিরা তাঁহার সহার হহল.

ইতোমবী ভিবন ঐ মুবাবাজির সহায়তা ওপরাজমহারা ভাগিত হইনা ভাঁহার আহোপুক্রিকা নির্ভ করনার্থে অনেক চেম্বা পাই াও লকল বার্থ হইন. অতএব দক্ষি করিয়া ওভয়সমাতিপূর্বক এক সন্ধিপত্র নিথিয়া দিতেই হুইনা; সেই পরেতে ওভয়পক্ষের সমাতিতে এমন সন্ধিপত্র নিথিনা, যে ভিবন মাবদ্বাবন রাজত্ম করিবেন, এবং ভাঁহার আজানুমায়ী ব্যবস্থা পূজার নিগের ওপর চ. বে. এবং ভিবনের মৃত্যুর পরে হেনরি রাজত্ম পাইবেন, এবং ওল্যেম লামে ভিননের পুএ তাহার পৈতৃকাবিকার এবং বলং লামে নগরাবিকার পাইবেন. তাহাতে সমন্ত দেশস্ক্রা আত্লাদেতে পরিপূর্ণ হইনা, এতজ্ঞপ সন্ধিপত্র করেবের পর হেনরি ঐ রাজ্য পরিভাগ করিলেন, এবং ভিবন পুনর্বার অমন্দর্গ্রক অরাজ্য পুঞ্জি হুইলেন. ক্রিড ঐ সন্ধিপত্র করেবের পরে যে স্থানে কর্মন্দর্গ্রক অরাজ্য পুঞ্জি হুইলেন. ক্রিড ঐ সন্ধিপত্র করেবের পরে যে স্থানে কর্মন্দর্গ্রক ত্রেণ্ডন এমন যে কেন্তর্থনী নগরে, তাহাতে ভাঁহার মৃত্যু হুইয়া রাজ্য করেবের প্রেম্ব হুইল.

অর্থবাব্যায়.

দ্বিতীয় জেনরীর বিবর্ণ

র।জা হেনরির পুখ্যত প্রভারকরে।র শ্রন্থামার।, পুঞারা বিশার করিল যে এরাজা স্থিতিচনাপুর্বক পুলাপালন ক্রিলে, এই হেডুক ঐতার আয় প্রাক্রম জানিয়া রাজ্যমধ্যে যেই কুনীতি স্ট্যান্তিন, এবং সাহ সকল পূরীয় রাজ গদের তাছলা এবং দুর্বলতাপুমুক্ত (মহ কুবাবদার গছণাছিল, জাদার বিষার নার্যে ওছোর করিতে আরুণ করিজেন, এবং রাজ্য বিশ্বক রিনিন্দনে এবিরকে ভংক্রাে অস্বকর্মাল্যুত করিলেন; এবং পুরীরে রাজাগানের সাধিকালেডে লেহ क्षेत्रभाजोपिए मानोपित तिग्रस्यत राष्ट्रका कहेग्रोहिल, काकार पून्तीय क्षत् कर्न নিয়ম করিলেন. এব॰ আরো জনেক প্রায়ের এই নিগরাজা করিলেন, সে প্রাক্তা তাহার অন্য কোন কাভির ঝাপ্য না হইয়া কেবন কাডা জাপ্তিনালন পুরুক স্বেছ,ডারী হইফা, প্রএডিজয়ে নিজ্যপারাদির নিয়ণি ক্রিয়া কার মাপন ক্তিরে. ঐ যে নিখ্য সুক্র, জাছাতে ইণ্প্লেম্পার রেন্দ্র স্ক্রির আদি কারন হইল; ইচা, পূর্বে রাজ। কিন্তা অধিপতি ও কিনা ধনা জেপপথার। এডার দির্বার মধ্যে, পুজার দিরোর শানান কে করিবে, ইছগতে এক নুডন বিষয় এএপর। হইল, তাহা এই, যে ঐ রাজা, জবিকারম্ব বনবান্ সমুহ্ গুল্পাকের। জাননা রাই রাজসমাতিক্রমে মধ্যাক হইয়া, তারৎ বিচারাদির নিম্নুলিকরন অভভারত করিয়া লইলেক. এতজাপে তদ্যগি প্রয়ুর। পুজুরের গুলি গছতে লাগিল, এব° নকল গ্রাম্যন্ড লোকেরদের স্বেছাচারি গ্রাম বুলি হইতে লাগিল.

পরে হেনরি রাজা এচজনে তৎকালীন সমুণিটের্টিটেট্ড বলসান রাজা হইলেন; এবং ইণ্ণুড্ডেশের মধ্যে নির্মিকলে অবহায়া সমুটে ব্রটনেন, এবং অতাল্লকালের মধ্যে টুঁটিনেটা রাজ্যের ত্রীয়াণশের একাংশ হস্ত, ত করিয়া লইলেন; এবং যেহ সকল অবিপত্তির। তাঁহার শাসনের হুটা করিতে সচেগ্র জিল ভাহারদিনেক দখন করিলেন, ভাহাতে বুঝা যায় যে তিনি নিলাগদ্ হইয়া শেষকাল যাপন করিবেন, কিন্ত ভাহা না হহুয়া অন্যপুকার হইল, অবি কারে যে অংশে কেনিক ওৎপাত ভাহার ক্যানে। যথে তিল না, সেই অংশেতে এক যহোয়াত ওপ্রভিত হত্ন,

🕶হার বৃষ্টত এই, কর্মা দেকতার করনের পর, চিনি। ইণ্প্লভীয়েরদের

মধ্যে পুথমত কোন ওত্তমপদে নিযুক্ত জিলেন, এমন যে তামল বেকেট্ নামে যিনি

মান্তাপর জিলেন, তিনি লণ্ডন নগরন্ধ এক পুড়ার দত্তান জিলেন. ঐ ব্যক্তি

ন নগ্রান্ত পাঠনালায় মুবাকালে বিদ্যাত্যান করিয়া, কিছু কাল পারিশ নগরে

বাস করিতে গোলেন; সেই স্থানহন্ততে পুন্রাগমন করিয়া। নেরিফ নামে এগাত

দণ্ডনায়কের দ্যুর মানায় কেরানা করলেন; সেই সুত্তের ঘারা জ্যেই বৃত্তি
পাইলা ইনর্নে ব্যক্তিদে অর্থাৎ কেত্তব্রি মহাব্য বিষ্কাপদে নিযুক্ত হইলেন

পরে ঐ ব্যক্তি ট্রেকানীয়রাজ্বদভিন্ন জালিওীয় গর্পদপুলি হস্যা, পূর্রা বহার ক্ষেত্রমা সকল গোপন কর্লায়ে জত্ত্বপ্রির ন্যায় আচরল ক্রিডেলাগিলেন. এবন সে ব্যক্তি আঝিশগাবের তাৎপর্য্য কিচুই করিও না; এবং ডিনি চট পরিধান করিডেন, এবং ডাহা জডিমালিন গ্রুমা যেপর্যান্ত কটিবিল্ল না গ্রুছ, সেপর্যান্ত ত্যাগ করিছেন না, জার জীবনবীরেন হেতুক্ত পুতি দিবস রোগ্রির সহিত কেবল আন্ধাদলীন শাকাদিদার্য ভৌজন করিয়া ফেবল জল পান করিয়া মাকিডেন, এবং শ্রুডিরের দ্যলায়ে জনেক পুরার্মানিগ্রুছ চিলেতে ওঁলার প্রদেশ ব্যান্ত জিল, এবং পুতিদিন গাঁটু গাড়িয়া অযোদশ কিছু কেদের পাদ পুরান্তর করিছেন, এ ওঁলার নিয়ম জিল, পরে ঐ ব্যক্তি এডলেপ ভন্তত্বপ্রির আচরলপ্রক বিম্পাক্ষণাতির্দের সাহায্য করেনে সচেয়া লিলেন, যেকেলুক বিম্পাক্ষণাতির্দের বছকালায়বি ভ্রান্তর বাহালাপুযুক্ত হেনরি রাজা নে ক্রন স্বিত্র করা সহিত্র পাতির বাহালিগ্রের প্রাক্তমানি ক্লাজিন্ত মারিডে স্কুক্ত জিলেন.

্লানিব্যান পর তেবরি ঐ রাজার জভিন্তান্ত ক্র্যানগারী ক্রনাগে হিলান্ত নুষ্টান করিবলৈ তাহা এই, ঐ সকল আভায় সনুদার মধ্যে কর প্রতি বংগ্রান পরিলেশ এক জ্বলোকের ক্রার সহিত ভুগ্র হাইয়া অজ্যানারিক ক্রার সহিত ভুগ্র হাইয়া অজ্যানারিক এক ছাইনা তাহার পুলিকে গণা করিয়াজিল এই মহানুদ্ধনিমিত্তক ওচ্চান্ত ছাইনা তাহার পুলিকে গণা করিয়াজিল এই মহানুদ্ধনিমিত্তক ওচ্চান্ত এই লাভান্ত ছাইনা তাহার পুলিকে বিয়া ছাও ক্রনাগে ওঘোৱা হাইল: এবং রাজা আজা দিলেশ, যে বলুবিলা অল্যানির বিচার রাজানিবিলৈতেই বিয়ার হাইবে কিন্ত বেকেই লাঘে মহাবিদ্যাধীক একাট্যান করিবলৈ যে এই বিষয় ক্রান্ত প্রতিলেশ, যে এই বিষয় ক্রান্ত ভালিক অভ্যান্ত অভ্যান পূর্বাণর বারানুদ্ধমে বিয়ানির মানাবিক মানাবিক

পরে ঐ ওপন্থিত বিমণের নিয়াবিছেল্ক রাজ্য সমস্ত পাতামিত্রটার ও পুরানিছ্ সভাসং এবং আটাচান্যটেরিবিলাকে ক্লারেও নটারে এক মহাসভা করনাথে জা গুলি করিয়া, এই বৃহদ্রারি বাহ্য ভাশ্রিটিলের হতে সমর্পন করিয়া ভাগার বিধান গুলিকেরিয়া, এই বৃহদ্রারি বাহ্য ভাশ্রিটিলের হতে সমর্পন করিয়া ভাগার বিধান ভাবিপুক্ষের হিজোপদেশের বাবজা করণাথে নিয়, কিছ অবিক আপনার পুরুজের নিয়িত্তে. এবং সেই ভানেতে অনেক বাবজারচনা করা রিয়াজিল. যাহা পন্চাৎ ক্লারগ্রীয় ব্যবজা নামে থাতি জিল. এবং সেই সময়ে সর্বসমাতিশূর্বক বিরী কৃত হইয়াজিল যেই সকল বাবজা সে সকল বাবজারার। এই নিয়ম ভিরীকৃত হইল, যে আচার্যাবর্গেরদিগের অপরাথের বিচার রাজসারিবানেতেই নিম্নতি হইবেক, এবং অপরহ পুজারদের বিচার পুরীনাই সাক্ষির দারা সাবাত না হইলে, মহারীক্ষের সভায় নিম্নতি হইবে নঃ এই সকল বাবজা এবং অনাই ক্লুই বাবজাপুত্তি ঘোড়লবাবজাপর্যাত. তথান যেই মহারীক্ষ সভাজ জিলেন তাহারা সর্বসমাতিতে জকার করিলেন; পুথানতে কিছু বক্ষ জিলেন যে বেকেট্ তিনিও শোষে আফর করিলেন. কিছু আলেক্সন্মর যিনি ঐ সময়েতে পালাপদে নিযুক্ত জিলেন, তিনি সে সকল বিষয় বর্থ করিয়া বদ করিলেন.

পরে এই কথা ওপলন্ধন করিয়া আচার্য্য বেকেট্ এবং রাজা কেবরি, এই ওজয়ের বিরোধি ওপজিত হইল. ঐ বেকেট্ ঐ সমুণটের ক্তুলার্থ্যমর্যাদা পুাও হইয়াও পাপার পক্ষীয় হইলেন. এবং এই বিরোধিতে এক দিবল, ওঁহার আজাবিক সাহসানুযায়ী আপনার পাপাপদীয় বল্লেওে পরিহিত হইযা, এবং হল্ডে এক কুশ লইয়া রাজাধালিকায় পুবিশ্ব হইলেন; এবং রাজার হুট রীতে পুবিশ্ব হইথা, আগ্রেক্ষার্থে কুশাকার ইঅ হত্তে করিয়া রাজনিকটে বনিলেন. সেই স্থানে অভিমান করিয়া, তিনি যে পাপার অনুণত লোক ইহা জানাইলেন; পরে অবিকার ত্যার করিয়া অন্যত্র যাওনের জন্যে নিম্নেই পুাও হইয়া, রোপদেতে অবিকার বহির্নত হইয়া পার হইয়া মহাধাণে পুন্ধান করিলেন.

পরে মহাবির্মাচার্য বেকেটের সাহস এক ওঁকার বির্মাচার্য্যের অভিশিল্প বেশলারা, ঐ মহালীপের তাবৎশাসনকর্তা এক প্রুড়াকর্তৃক অতি পুজনীয় কপে মান্য হইলেন.

পরে পাণা এবং ঐ বেকেট মহাবির্মাচার্য্যের নেই আকাঞ্জা লর্মা জিল, যে কোনপুকারে রাজার লাদন সমুলে ওল্লগ্ধন করে এবং এই চেন্ডাডে ন্যুন জিল না, এইছেতুক ঐ বর্তমান বির্মাণগাঁয় লোকেরা যে ছুঃশাগুন্ত এবং দুরুবন্থাপুন্ত হইয়া জিল, ভাহাতে ঐ বেকেট্ এভজ্ঞাপ আপনাকে জানাইলেন, যে যিনি ইউর লোকের ব্যবন্থারা দোলী হইয়া জুলোতে হত হনলেন, এমন যে খ্রীষ্ট ভতুল্য আপনকে করিলেন. এবং লেই বেকেট, লোকসারা কেবল আণ্ডাম জানাইত ভাহা নয়, বরং পত্র লিখিয়া সর্গ্র ছোদনা কর্মাইড, যে রাজার পুরান মন্ত্রিরা, এবং যে কেই বির্মাণগাঁয় সংজ্ঞা রাজ আমার্বিন করিতে। জল, এবং যেকেই ক্লারণ্ডায় শাক্ষান্য। যি চলিতে জিল, সেই সকল লোককে ঐ অববি

माउनक जातन नाम लहेगा विमानकीय लाकिन्छन स्वीवहरेख दिन्छ कहिला. পরে রাজা হেনরি এবং বেকেট্ এইদুইজনের যে পরন্নর হিৎসা ও দেয় ক্ষারত জিল তাগ। নিবারনপূর্বক ঐক্য ছওনের আনেক পুকার ওপায় ওপন্থিত ছইল; কিন্ত এক আৰু এক জনের সর্বপুথ্যে কহিতে যে লাভের হানি, ইহাতে ঐ বান্তির ঐকা কর্বে বছকাল বিলম্ব হইল.

মাগা হওক, ইহার পরে যে ওভয়ের ঐক্য হয় ইহার পরামর্শ শ্বির করা রোল; কিন্তু মে কালান বেকেট্ ইণ্প্লাণ্ডে পুনরণাগ্রমন করিয়া আনেকছু আনাচার ক্রিল ডাহাতে দে সকল আংয়োজন বার্থ হইল. পরে রামার নিকট যে বাঞি মাপ পাইরাজিল এমন ব্যক্তির নাায় ন্যু হইয়া অবীমাবিকারেতে না ঘাইয়া, ঐ বেকেট অতি সমারোহ করিয়া পাপার ন্যায় সময় হইয়া কেন্ত, (मर्ग प्रिया अपन क. लि. अव॰ (मीजार्क नतात्त्व निकार धनिक इट्टेश) মাত্রেতে ভারৎ বির্মাপফপাতিবর্গেরা এবং জনপদীয়বর্গেরা এবং জোট বড় তাবৎলোক, আনিটা দাফাৎ করিয়া অনেক প্রকার আনন্দ দৎগীতের দ্বারা তাহার স্তৃতি করিল. পরে আমপরাক্রম ও লোবের মন যে তাহার পুতি গাহা জ্ঞাত হইয়া, যে২ লোক পূর্বে ভাঁহার পুতিবাদী হইয়াজিল, ক্রমেতে লাহা দের পুতিমল দিতে আরমু করিল. পুথয়ত য়**র্ক দরারের মহাবির্মা** থ্যক্ষ যিনি বেকেটের অসাফাৎকারে রাজা হেনরির জ্যে**ন্ড** পুত্রকে রা<mark>জ্যাভি</mark> নিক করিয়াজিলেন তাহাকে কমচ্যত করিতে আতা দিলেন; দ্বিতীয়ত লণ্ডন এ भानिक्री नतात्व वैर्माधि कित्रक विर्माण विकास विर्माण करा विकास वि করিয়া দিলেন: তাহারদের মধ্যে এক জনকে তাহার বিকল্পে কথা কছনকপ অপরাবে, এবং এক জনকে তাহার ঘোড়ার নেজ কটোর অপরাবে বহিষ্কর कविरलन.

शर्व या काल वर्षका इन्दि नर्यन पर्ण दाम कृष्टि किलन, मार्ड काल পুঠান আচার্য্য বেকেট্ও ডজপে জয়যুক্ত হইয়া বচ় নমারোহের সহিত 🖈 রাজ্য দিয়া জীক সভিয়া গমন করিতেছিল। এই সংখাদ পাইয়া ঐ ব্যক্তির আঁকজমক দেখিলা তালাকে তুমুজান করিলা ক্রোবান্বিত ছইলেন. এবং यथान अ जकल कार्याहाउ अव॰ मृत्रीक्ठ आंहार्याता जाहांत्रपत निरंगन নইয়া ওপ্তিত হইল তথাৰ তাঁহার অসংখ্যা ক্রোবি হইল; এবং হেন্রি মাহাকে মাহাকে এতাত হীনাবন্ধাহইতে অত্যন্তপদ্বিশিশু করিয়াজিলেন, দে ব্যক্তি মাবর্জাবন ডেনরিকে তাক্ত করিয়া নিতা তদ্ধানালাভ্যক ছইল যে এ মহার্থ্য টামা বেকেট ডাগার শুতি হেনরির অভাত ক্রোবি পুন্ধলিত হইলে পরে মুর্ক বগরের মহাবির্জাব্যক্ষ রাজা হেনপ্রির নিকট ইছা জালাইল, যে যাবৎ বেকেট্

ৰীচিয়া থাকে ভাৰত্যাজ্য কোৰ প্ৰকাৰে একা, কিয়া মগল হইবাৰ কোৰ বিষয় হইবে না, বাজা এই লক্ষ্য শুনিয়া ভাষ্যভাবেশালারা অভিশয় চিভিড জইয়া কহিলেন, যে বুঞিজান কোন পুণ্ডী আমার সহায় নয়, অতথ্য এ ব্যক্তির ভণ্ডভপদ্যাদ্বারা এতক্ষি দ্বাধানীতেটি, এই কথা ভ্রিয়া যাবিং কভান্ড লোকেরা ওলিয়া হই ল রাজার মনোগাতদ্ব্যানিবার গার্থে, এবং ভাষার বান্ধা সাজ্যা কর্নার্থা, রাজার বিশ্বর সাহস্বত জা, ধারী চারি জনকে পুরত পরে পুত্ত ঐ চাটি ব্যক্তি এরণ অন্য কড মেলি পেকে, ভাগের क्षा विमा দিগকে সম্ভিক্তাহাত্তে লইটা প্রিপ্রাট ক্রজনাধিন নাকাব্রা প্রক্রনাটো কেওব ী নগরে শীঘ্ রামন বালৈ, পরে তালারা বেকেটের বাটীতে ৬৭-ডিত হইয়া এবং তাহার সমারোহ পুন্তিঃ নিমিত্তে ডালাকে ডন্মোরক,িল, है जायर्थित अक वियम मलानिका होन बेलांश्च बता ये यहारेगांगरायाँ अकारी कमातवीत इष्ट्रेश वैमार्शनीए गाहेर्ड किलात हेड्यकारण रा मगर मे বেকেট্রম্পালা মধ্যে পুরিষ্ঠ হইটা ,বদীর বিকটোপবিত হইলেন, এবং যে শম্ম ডিনি বৃত্তিলেন যে আহি এবার মাটর স্টব, অর্থাৎ বির্মানাক্ষ্যে দ্য পুণি হইর এই আশায় জিলেন, এমত সময় ঐ সকল পুেরিত লোকেরা ওঁাহার ওপর পড়িয়া পুলংগুগারদারা ভাঁচার মন্তক বিবা করিল. বেকেট বেলিদ্রিক লামে বেদীব লামুখে মৃত হইলা পড়িলেল, এবং ঐ বেদী ওঁছোর রজেতে এবং মত্নাতে বিচিমিতা ছইল, পরে এই মহাবিদ্যাচার্যের দশার দংবাদ পুাপ্ত হট্টা চেনা, কাজা অভ্যত্ত চমৎকৃত হট্টা বিবেচনা করিলেন, যে বেকে (हेव अधुकात मृद्यु कार 🕩 त्रांकास जावनातिक मानाउ 4हे मान्यह कविराव, যে এপুকার হত্যা হও ৷ অবশা রাজার অনুসতি থাকিবে, এডরিমিডে লোকের দিলের মন অন, যা কর্লার্যে অ ইর্ল ও দেশেতে চচাও কর্লার্যে মনঃ স্থির ক লেন.

ঐ मময়ে নাঞ্লেরদের প্রায়ত অধিকার কর্ন কালে, ইংগ্লণ্ডদেশ যেমন চিলে সেইনত আইলিও দেশ দাওতাপর ফিল, এবং আইলিওদেশীয় লোক পুর্রকালাগবি গুলিধান্মতাক্রমা ছই 'ছিল: এবং তিন চারিশত ব্যুমর রাভ करेला अव्यक्तिनीन भुठत्रकान (य अकन विषाः किन, जोका जोहांका विमाउ হইজ না. এবং অন্য কোন দেখা। লোকছারা ৪ৎপাত নত না হইয়া, এবং দীনহীনপুমজ কোন রাজার আকান্ধিত ল। হইয়া, পরয়ার একডাপ্রক নিথি श्वनार्थ वांच कविल; अतः ने म् अवस्था कवल वेर्सा ७ अभगूकविष्या। পার্তনেতে কাল্যানন করিল । এবং ভাহারদের শার্ক্তার বিদ্যা ও শিল্পবিদ্যা ও বামিকতাও সজ্জান ও স্নীতি, এই সকলের মরেলার্থে অনেকং, চিদ্রাদী অদ্যাব্রি ডথার আজে. সাভ্রত ড'লার্নের বিজ্ঞান বিময়ে আথার্দিনের

কোন নদেহ শাই ইছা নতা কিন্তু কালজ্যে তাছারা ঐ নকল বিদ্যাগীন ছণ্ল, এবা আফ্রা এখন যেছে বা বানের বিভা কহিছেছেনি, ঐ কানে তাহার দের নভাগেরা ভাষকোনে মন্দ্রী ভাষতত কুর্বেলার বিভিত্তী হিন্তু

য্যান রাজ। ছেন্রি গ্রুমত ঐ ১৭ছবিলেও চ্চার ক এর নি এতে মনস্থির করিয়া ক্রিনেন, তথান ঐ .৭ গ পদ্ধান্ধণতে িত । জিলা; বেশেষত বি যুত্তর এমীয় ও মন্তর ও আল্ভর ও করাৎ : ই পঁত গরেলেয়ে পীত জন সূ ১ সঞ্চলপ্র : त॰ उन्दर्शालिक वातको तम् । १.व ८ हे निष्य ितः, १४ जान्यानिष्ड স্মান্য ভাষার্যদর এক এন স্মান্তিরি ইইনে : ঐ সেনাপতি মর্কেনেরি পরান কংশ মাধ্য সহবে, এর প্রকালে ও প্রথেশেতে লাকুন অস্তাফেরদের <mark>যেমত</mark> শ্রাক্ষম ফিল সেইমত প্র ক্রণেতে প্রাক্ষী জিল. वे सम्म इ.(मूक् उक्तर লাখে কলাভের রাজে, বিলি ভিলেখ সোলাপ্তি দে নিম্পত হইয়া কিলেক, এবং দেয়াখ্যেকমান্দ্রশাসক মিটি ভিনি লেন্সরে এর জা বিজেন, এই শেষ ক্যিত রাজা অভিক্ষাপ্তির এবং ভাতিবাং, কামভাগত্য চিনেল, **অভগ্র ঐ মার্চাপেরে রাজ** কন্যাকে হর। ব্রিয়া চিলেন, পরে মাতের বা জা করাতের গাজার সহিত ঐক্য ক্রানে বলবান্ত্রনগুমজ, ঐ অলালা ক্লোড়ায়ের চচ্চাত করিয়া ওঁলোকে রাজ্য महोट मंगोल्ड कहिलान. भारत में हो जो अगड धर्मग्रफ मंख साहेए। में कार्तन গ্রহ্ম ব্রাথের জিলেব যে ছেন্ট্র রাজা, ভাঁচার নিক্তে যাইল। সমস্ত বৃহধ্র ব্যানত ক কলে নাত্রগুর চিলেন, যে হারি প্রচাত প্রকাররাক্স অরাজ্য প্রায়ার धार उटा है देशक बाजबादीन कतिय हैना खंकोन व्यक्ति. কেনের রোজ। এই কথা ড২কলা২ প্রাচ্চ ক(লিমন, কিন্তু ই কেচল মান্য নিকট ব্রিনির বেন্দ্র থাকা হ, রাজা নের্থকে কেবের রাজপত্র দিলেন; যাহা ত এই আন্তঃ বিন, যে তাণার ভাষেৎ পুজারন ঐ আইলভীয় রাজার অবি কা: পুরস্তানান নিনাপতি লাগায়া করিবে, ভাষাতে রাজা এয়াং নীপার বিভিন্ন বিভাল বিভাল বিভিন্ন বোলনঃ মে থানে অলুক্থের পরে বিচার্ম যাল্যু ১৮৫ ম ৬৮৫ । ২২০ মেল মেলালের প্রশৌরিকার, তিরেল, ভাঁহার স্তিত এক ল্ব্রোক্ত করিলেন, ঘাহাতে এই এক নিখনত বিকোন ছে যদি বাজ্য প্রাপ নের নার ভিলে এবানামক অভ্যোত্ত বিবার পালার সালিও দেব, এবং সাইরা জ্যের হত্তাবিকার। আমানে করে না তবে ইরোকে রাজ্যে গনঃমানিত করিব, भारत कोरी जारी जनकारताल विजेत काहण मा अधिकाल आहे लें अपराभारत विविद्या আফিয়া দর্শন নামে ওৎক চি ধালিও ইর্মাধানায় সমূহায় শীওকলৈ আপনাকে এর করিশা প্রানিলের পরে অন্যমত আগেমিকসভকালে কার্ড ফিংন্তিবন্ নামে এক ব্যক্তি আদিয়া এক শত বিংশৎ গোঞ্জিবীন ও ঘাইট জ্বাইর আর্থিৎচমবীরী এবং তিনশাত তির্ণা জ লইয়া আত্মান পরিপরার্যে ওপদ্বাদে ভতীর্ ছইলেন, কিছে কার পরে ঐ নকল , নাক, মারেমপেওরাধ এবং দল জনা ঘোল্ডুলীন ও সভাের

জনা বিদুর্যবের সহিত সংমিলিত হইল. পরে এই অলুসৈন্য লইয়া বেস্কুদ্দে নার হ্নাত করিয়া নিয়মপ্রদারা আগঅসম্বাধীকরিতে পন করিয়া বেস্কুদ্দ নার ইন্তাত করিয়া নিয়মপ্রদারা আগঅসম্বাধীকরিতে পন করিয়া বেস্কুদ্দ করিল; পরে ঐ নার শীলু হন্তবাত হইল, এবং ঐ নাহসিক সৈন্য সকল অন্য এক শত পক্ষাশ জনদ্বারা বলপুতি হইয়া মারেস্দ্ত্রিজ্বালিকে সেনাপতি কিয়া, ঐ সকল অত্যত্ত দেশক লোকের পুননে ভয় জন্মাইলেন. হোজেক নামে ওপর্চাপের পুর্বান অবিক্র, ভিনি ভাহারদের বাধা জন্মাইতে সাহসিক হইয়া অধারক হইলেন; ক্রিছুকাল পরে আস্ক্রোরা দেশের রাজপুত্র আসিয়া অদ্যাবিদ ন্যাম্য পথে চনিব, এজন্যে কওঞ্লি অর্থ বন্ধক দিয়া অবিনতা ভাহার ক্রিকার করিতে ইইল.

পরে দের্যৎ আপন পৈতৃক রাজ্যেতে পুনুংকাণিত হইয়া, অরায় আইলিও দেশে আপনার পুতুত্ব পুকাশ করনের আশা চেম্বা পাইতে লারিল: এবং শ্রুং বা নামে এক বা জি. মিনি দেই সময় রাজসম্বনীয় কোন কাম্যের নিমিতে আনি তে পারিলেন না তাহাকে আনাইতে চেম্বা করিল, এবং ইগার নিমিতে দের্যথ আনকলুকার লোভ জন্মাইয়া পুনক্ষেম্বা করিল, এবং ঐ দেশীয় লোকের দিরের ভীকতা ও আআপস্থীয় জায়র নিংসদ্দেহতা পালারার জাত করাইলেন পরে শ্রুমত দশজন যোজ্কুলীন ও মাইট জন বনুপ্রব সহকারে বাইমত্ত নামে আআপস্থীয় এক বেজিকে পার্চাইলেন, এবং কিছুকালপরে ঐ বাজি রাজার নিকট বিদায় হইয়া দুইশত অশ্বাকর এবং একশত বনুপ্রবাদের ইয়া ঐ হলামে গুড়ার ইলার ক্রান্তার নিকট বিদায় হইয়া দুইশত অশ্বাকর এবং একশত বনুপ্রবাদ নাম আজেয় হইল, এবং ভাহারা দুই হাজার সংখ্যার নাম হইলাও ঐ দেশত প্রান্তারে ত্রুতার ও সাহসহীনতাপুমুক্ত লাইত লাইভোবে প্রবাহার ক্রিতার কারিল, পরে বাতর্মদের সহর শান্ত্র হওওত হইল, এবং দ্বিন্ন নাম বালাতে আজ্মন করাবোল, কিজুকালপরে শুনুর পরে লাক্সের রাজ্যের কর্তা হইলেন

পরে ঐ আইর্লণ্ড ওপদ্বীপ এওজাশে দাযুদ্যায় হন্তানত হইল; কেননা ঐ দায়য ইপ্রাণ্ডীয় দৈনের দিনিকে িবারন করিতে কেই পারিল না তাহাতে যেই যাশ ঐ চচ্বাও কর্তারা পাইয়ানিল তাহার সহভানী হওনের নিমিতে হেনি বাঙ্কির ইইলেন. অতএব কিছু কাল পরে রাজা আইর্লণ্ড ওপদাপেতে দাঁচ শাভ গোলু কুলীনকে এবং কত্ ওলি লৈন্য শাদ্র পুরীনকে লইয়া এক নিবোরিবিশিস্তাবিশার জয় কর্তার্থি এক নয়, কিছু অয়ন এক অবিকারে অবি দ দৃঢ়তর ভাষী হওনার্থে, ওতীর্ভ ইলেন. তজ্প অত্যন্ত্রপুষ ও অত্যন্ত্র অর্থায় এবং অত্যন্ত্রমূষ বিভাবের শাদনেতে আইল; এবং তৎকালাববি তন্দ্রশীয়লোকেরা, তৎশাদনাবীন হইয়া আর ক্ষান্ত বিশ্বাদ্যাতী হইল না.

পরে ঐ নৃত্তন রাজ্যলাভপুমুক্ত দকলের আক্লাদ হইল, কিন্তু ক্ষান গৃহবিরোধ পুমুক্ত ঐ হেনরি রাজার তাবংশেষাবন্ধা কেবল দুঃথ্যে রোল

অপর রাজা দেবির যেছ দেঘি জিল তাগার মধ্যে ইল্লিদ্দেঘি অতাবিক্
জিল. অতএর এলেনার নামে রাণী থিনি অথ্যেদেঘিন্যু প্রীয়রাজা আথী কর্তুক তাজা হইয়াজিলেন, উন্দাকে রাজা দেবির কেনেল ইল্লিয়সুথার্যে বিবাহ করিয়া জিলেন, ঐ সমন্ ঐ গুণী জনেক কালাব্যি রাজা দেবরির দ্বাল্পে হইনা; এবং রাজা দেবরিব যেছ ওপথারা জিল, তালাকদের স্থিত ছেন্রি ইল্লিয়লুথচেন্ত্রা ব্রিতেন, তালার ওপথারা জিল, তালাকদের স্থিত ছেন্রি ইল্লিয়লুথচেন্ত্রা ব্রেন্ডেমন তালার ওপথারা জিল, তালাকদের স্থিত ছেন্রি ইল্লিয়লুথচেন্ত্রা ব্রেন্ডেমন তালার প্রথমিক মধ্যে র্লোম্মিক্র নামে, জিলিক এটাত ছের র্লোম্বান নামে, এক জন পুরান জিল. ঐ প্রার বিশ্বর কাল্ডির বিষয় ও মৃত্রেরিষয় জনেরছ কালাকাছে নিজার্কপে এটাত জিল, এবং ক্রাডা ছেন্রি যে ভাশার জত ক্রাডারি ইণ্ডাভ দেশে স্থেমত দেখা গোল না, এবং রাডা ছেন্রি

পার রাজ। হেনরি প্রেট্রাণ্ডা মে অর্ট্রান্ড নেলার আহার জোর বেণ ছেফছ্ছে রক্ষা লায়, একবিন ন ওপন্থাকে ওন্ডক নামে ওপরনেতে এও করিলা রাখিলেন, দেই আনে লাজা অনকাশক্ষে তাহার নহিত কুলালোর করিলেন হৈছেল; এড জাল জীড়া বডকালগর্যাত করিয়াজিলেন তাহার নিশ্য নাই, কিন্তু ন দকল এও বিষয় রাগার নিবট পুরাশ হইবাতে, ক্যিত আজে যে ন রাগা কোন এক জাল দারা তাহার বৈরির নিবট পুরাশ হইবাতে, ক্যিত আজে যে ন রাগা কোন এক জাল দারা তাহার বৈরির নিবট ওপ্তিত হইলা, নগা কিরিত তাহার বক্ষত্তলে বিরিয়া বিষত্তক কলাইন এই ক্যা দত্য কিনা তাহা মাহা হওক, ইনা সভ্য যেন অহাভারিনী গালা পুরে যেমন আমনো দিনিত্তক ভুদ্রান্নদ জিলেন, তেমন এখন ন ওপলার হিৎলা হেতুক অভ্যতাবিক ভুরান্নদ হইলেন, এবং ন বালার সাহিত রাজপাত্রদেশ বিবাদের পুথ্য কারন হইলেন.

ঐ রাজার জ্যেচপুত মুবরাজ লোকের ছারা ইছা জানিলেন, যে আপনি রাজ্যানিকার। এটন বিভ পুজাশাসনাবিকারী নহেন, ইছাতে জভাত জুপ্পমনা ছইলেন, পরে ভিএছের এবং রিচাছনায়ে ভাঁছার দুই কলিও ভুগতা মাহার দিনকে অঅভ্যাবিকারীকরনপুর্বক অঅলায়ে আগত করনাথে রালী ওপদেশ করিয়াজিলেন, ভাছারাও ঐ নথা দেন বি জ্যান্ডান্ডে সহস্থারী ইছল, পরে রাজ্পাত্ররা পুরে যেইগিনিসের জবিকারে পলাইয়া রহিয়াজিন ঐ টুঁলিসের রাজবিলাতে পলায়নাথে রালী এলেলার তিন্তা ধরিয়া পুক্রে বেশ বিরল, কিছ রাজান্তায় ইভাছইয়া কারাগার্জ) ছইল, এবত ঐ সকল বিষয় জবনত হইয়া রাজাহেনরি দেখিলেন, যে ভাঁছার মাবত্র বিশ্বত স্থাদিপুত্যাশা নিরাশা ছইল; যেহেতুক ওাঁছার পুজেরা রাজোপায়ুক্ত বালুগার না ছইয়া পিত্রাজ্যাশ্য করিব আহতে জিপার চেম্ব পাইল, এবং রালী ঐ সকল বিরোধি বালকের্দিরাকে ঐ কুপুরায়শের সাহায্যকারীনি ছইলেন; অবিব ও ইণ্প্রতীয় জনেক রাজপুত্রেরাও এই সকল কুপুরায়শের সাহায্য ক্রিতে লড্ডিড ড্টলনা,

পরে অত্যল্পনিবর মধ্যে ঐ দক্ত রাজগুলের। মহারীপে অভিশয় অসংখ্যা দৈন্য সংগ্রহ পুত্তত ক্রিডে সমর্য হাইজেন.

অত্যব লাজ হেন্দ্রি ভাবন্দেশত লোকেরদের দেব হা পুরি ওপালনার বাছলঃ দেখিলা, আপানি বিধেচনা করিলেন যে কোনহ দৈবনি ছাংপুলুজ অ মারও এ দুর্শো ঘটিয়ালে, অভ্যব লাই এ টোবোচনাথে ভাবন্ লামে কেওবঁর অতি শায় জালুত এক দেবতা, যাংকি আলোবনা করলেতে আচার্য্য বেকেট্ ভলামপুরে হইয়াজিল, দেই থালে করের আলোবনা করলেতে আচার্য্য বেকেট্ ভলামপুরে হইয়াজিল, দেই থালে করের আলোবনা গাইবাম তেতে অখ্য ইন্ডেন থিয়া শুলা পাছে পদ্বুলা নার পুরি লাল দলা গাইবাম তেতে অখ্য ইন্ডেন থিয়া শুলা পাছে পদ্বুলা নার পুরি লাল প্রাথি আলোব লাগ্র প্রাণ্ডালা কমাপুরি লাল প্রতিলা আলোব ল্যাল্ডালা কমাপুরে হর্মা প্রত্যা লাভ্যু শাবে যাল্ডি ভ্রমেন ইন্ডামধ্যে যা বিশ্ব শিলা প্রায়ালিলেন তাদিলে অংকালা ক্রমেন স্থিত যে ভাগার যাক্তানে বিভিন্ন, ভাহাতি ভাহাত্ব আল হাল্ডালা হালা হাল্ডালা হালা হাল্ডালা হাল্ডালা হাল্ডালা হাল্ডালা হাল্ডালা হাল্ডালা হাল্ডালা

মাহা হ জ্ল ওংলোগার ঐ রাজা হেনবির গণার। র গলি ব বৃদ্ধি হইবার ওপক্রম হট্ন এবং গাছ ৬ বি বৃদ্ধি হইবার ওপক্রম হট্ন এবং গাছ ৬ বি বৃদ্ধি সকল ১নানা হটন এবলাতর লি মনক্ষ করিয়াছিল, কিন্তু মিলি ও গোল এবং বি বি সকল গাছ এই করা করিয়া করি করিয়া বিহু লক্ষ্ণ গাছ গাছ গাছ হা স্থানি লোগাল বি হা বি হা করি করিয়া বি হা বি হা বি হা বি হা বা হা সালু নিলের মারী ইংগ্রাও কেশা পুর্বিধ ঐক্যাণ্ডি প্রেলিডে প্রিলি হিল্প তি হাল লোগাল করিয়া বি হাল বি হা বি হ

কিজুনি পরে ঐরাজপুশ ৫০টি স্থাী স্টাণ, আরিশ বংসর বয় জয়ে মার্কো, নামে এক নামে মানিলেন, কিছু পূর্বে উচ্চা পি চার স্থানিক যে কুবুটার হার ক্রিয়াজিলেন এজনো যুধ্য মান্যে অভাত থেম বিভ স্টাটিজেনা,

এই রাজপুথ ছেবরির কোন নতান সভতি না থা চাতে, রিচার্গ ন যে তীহার কনিও ভুটি তৎপদ্পুত হইয়া, যে নাহস ও প্রাক্রম ক্রিক নোকাপ্পতে ভাহার জ্যেওড়ুতে ভুতি হইবাজিলেন, তাহাতে তিনিও অভিশাল্ ভুচি হইলেন.

অপর আরু একবার এক জুগোঁর নামক যুজোপভিডিত ওলপুমাক বাজপুঞ রিচার্য ঐ যুদ্ধে অধ্যুদ্ধর হওলার্থে, এবং অত্যন্ত্রাগপুর্বক ঐ যুদ্ধুশুদ্ধান্য এয়ত ভাঙি লাখী চিলেন যে ভাঁচার পিভাকেও ভাহার ভাগা ভাইতে দিলেন ন ; কিছ যুদ্ধীশিকের রাজার মণ্ডি এ বিশ্বক্ত বিল করিলেন, এবং গ্রানিসের রাজাও ঐ हो क्रमुक्त ने क्रमिर मुख्य जानावणपुन प्रभोनेण ५७व सम्बन्धि नेका ক্রিল ভাগতে রাজা দেনবি ক্'তিক প্রথমেত আফোপোল লাগেনিয়া, নী धुँ।शिरमत तो बात महिङ तिनियादिन या डाहाव लुन् अवर नै क्रांजा, अहे ওভয়ে: সহিত মৃত্র করনেতে গুমত হাইডেই হাইল

পরে তাদক মৃত্তিগুরু লা চন্টা লার্দামতিকে একটা ঐকা চটল মাচাতে রাজা ছেম্বির অনেক চ্:গ্রাম**্নিডে করিতে কইল. তারিওজ কোরত এক সম**য় যথান জানিগতির দর বৈষভা ন প্রত ক্রীয়ামিল। ম জাবিপ্তির। ভালারদের তাল রাধী ক্ষিনামপুলি মান লভ্ৰালয়ে তা ভিছিত্ত মূদ্র আনিতে তালে ক জিয়। মি লান, তাখান সোদী সামৰি স্থানি হ'ব বি বিভয় পূপা যে জান। ছাচাৰ লিকে দেনিক। অন্তিগ্ৰুজনিত হই লবং কৰত সেই রাজ। তে বিবল চারে। विति श्रमद्भ भुगुक व्यक्तिगंग यनस्रिभित रहेल देशसा क्रिक्तिस्तिन । अतः তিনি অন্যের্দির'কে ওঁকেরি বিজ্জাক ছইতে বেনিমাও সড় একটা এবিটা নি নেন না, কিছ য পুশের ময়াবাব্ িকরনাথে নিতাস.চা জিলেন, নেই প্লের নাম ঐ সকল সামান্য শত্রদের মধ্যে দেখিয়া, সৌকেও মনহাণাতে ভাত্তর কুলিওচিড ছই্যাজিলন; যে ছাড় আমর কি নৌভাটা যে এখন বুদিনে আবার জন্ম হট্যালিন; এবং মালার অন্যথা লেম সভাট্রে গাঙিল না, এম ম এক শাপ ঐ করারহাকা, ন্তুত সভালে দিগকে ঘিটান 💎 বর্গ্জ মতবার আগ্রী মুক্তা ক্রিডে তাঁশিল ভঙৰাৰ ভাগেৰে গাড়ীবার্ড সন্ধৃতি বিজ্ঞা দ্যাগালেন, ত্রুত প্রাক্ত, জনব্রি, মনোর্ড এমত কোন খান জিলালা, সে তাহাতে কোন আং**শে** কিকিও জাত্লুদ দি মাৰ্থিকা যে হতত জাবংখাৰ ভোগতে প্ৰণিকটাৰ আজা তে প্রদিত্যাবা উপত নিবাশ স্ট্রা স্মন্তি মন্ত্র ট্রাড ব্যান্ত স্থালন, অবশ্বে মামন প্রাণ্যাক গৈছার এক ভিন্তা ী তব আলি: ভালাভ ঐ রোরে ভাঁভার পুরিও সলল দুয়েই শেষ হাইল আমা নগাবর নিকট িনর রাজেভ আটার্বির্বাহ্মরবাক্ষ হতীয়া এবং দাঁই ত্রিশ বংসার রায়েছ করিয়া তিনি মটালেন এ শীলীনিশা ব্যাসর রাজায় করনের মধ্যে, সাম্যায় রাজ্যেটিয় কর্মের নিগ্ন, ও বিচার্যা পুলাদি রনো, ও বীরে কর্মের অনুশীলন পুল্ভি তারভাগিতার ाम करिएनिकालन.

> नवयां वेडांग्.

পুথম রিচার্দ, অর্থাৎ কিঙর দি লিয়ন্ নামে এটাত রাজার বিবরন.

রাজপুল রিচার্দ সিংহালন পুটা হইলে পর, ঐ জুশের আর্থি পুটা যুদ্ধে যাওনে অত্যতাকান্ধিত জিলেন; এইছেতুক ক্ষাৎলণ্ড নামে অবিকার, মাহা গত রাজার রাজত্বের সময় জয়নভা হইয়া জিল, তারা বিজয় করিয়া তাবৎ যুদ্ধসন্তা। পুচরজাপে পুশুত করিলেন, এবং মিনি ঐ যুদ্ধে মাওনার্থে পুশুত জিলেন এমন যে দুটানিদের রাজা । তিনিও বার্ষার সংবাদ পাঠাইয়া সত্ত্ব করাইলেন.

পরে ইংগ্লভ দৈন্য ও দ্র্রানিদের দৈন্য ওভয় দলের সাফাৎকার হওনাথে, বর্গপ্তী দেশের পার্শ্বত বেবেলে নামে এক মাঠে সংমিলিত হইন তাহাতে রাজা কৈচার্দ ও দিলিল সেই জানে ওপডিত হইয়া ওভয় দলের দৈন্য সংখ্যাকরে জানিলেন, যে তাহারদের একলফ যোজা জিল. ঐ জানে তাহারা যে পরস্ত্রর ওপকারক হইনে, ইহাতে ইংগ্লপ্তীয় রাজা ও দ্র্রানিদের রাজা একা পূর্বক শাণ্য করিল; এবং অদৈন্য সমভিব্যাহারে জাহাজন্যে ঐ পুনভ্যমি গামনাথে প্রামর্শ ভির করিলেন. কিছু বাবিকসমন্পুদুভ সমুদায় শাত্ত কাল মেস্ত্রেনা নামে নিনিলি দেশের এক পূর্বান নগরে বাস করিয়া রহিলেন, তাহার মবী রাজা রিচার্ন আপন দলন্দ্র দেনাগ্রনমাভিব্যাহারে নগরের প্রাত্তাগ্রেন্সভাগ ক্রিলের রাজার করিলেন; এবং রাজা দিলিপ্ আপন দৈন্য সামতের্দিগকে নগরেমধী রাখিয়া, আপনি নিনিলির রাজার সহিত অভ্যাহ্লাদপূর্বক বান করিলেন.

পরে এই দুই রাজার পরন্ধর কথান অবিশাদ এব° কথান ঐক্য হইত, এবং ঐ অবিশাদ ও ঐক্য দিদিলির রাজাদ্বার। অভ্যবিক বৃদ্ধি পাইল, কিন্তু পশাং এই দকল বিরোধি নিম্নতি পাইল, এবং ঐ দুই রাজা একত্র হইয়া পুল্যভূমি গমনার্থ জাহাজে যাত্রা করিলেন, কিন্তু ইংগ্লভীয় দৈন্যেরদের যাওনের পূর্বে গ্লীদিনের দৈন্যারন অন্ত্রে ৪পথিত হইল.

পারে ইণ্প্লভীয় দৈন্যান পালেন্তিনেতে ওপন্থিত হইলে পর, ঐ ওভয় রাজার কার্য্য দৈবদারা শুসিন্ধ হইতে লাগিল, এবং ইণ্প্লভীয় ও দুঁবিনেরদের রাজ পুশ্রেরা এ ওভয়েরদের অভয়েকরনে পরস্কর যে দেয় ও ইয়াগি ফিল্ ভাষা ভাগি

করিয়া থিলিও গড়ীয়া কার্য্য করিতে লাগিলেন; কিন্তু ডাহার কিন্তু দিন পরে, দিনিপু দীড়িত হইয়া বর্তিটারে অগুনীর সহিত ব্যাপ্ত আপনার দশহাজার দৈন্য রাজ। রিচার্দের বিকটে রাথিয়া দ্রীনিন্দদেশে পুরর্গথন **করিলেন**, একরে িচার্ অরুং যোলা হইরা জামেং জার্মুক হইরা ওতারাতর আরোলর হইতে পরে পুনাভ্যি যে ্রিকশলম তথার মাইতে পথ পরিস্লার করনার্যে ভাঁছার অনুগত যে ইণ্মুণ্ডীয় দৈন্যগন, তাহারা আন্দান্দায়ে নগরছে বেগুন করিতে মনজ করিল; কিন্তু শালদিন নামে সারাসেন আগীয়েরদের মধ্যে অভি শাহনিক মসাবলগরাজমশালী এক ব্যক্তি, তিনি এক লফ যোলা **সদে লই**য়া আফিন্ ডাস্ট্ বাবী জন্মইলেন, তাশতে রাজা রিচার্দ আক্রভুল্য এক যোদ্ধা এবং অদেত মনে বিভি দৈবেরে বিকে দেখিটা অভাত ক্রপ্ত ইয়া মুল করনে পুণ্ড হইলেন, পরে ইংগ্লভা ভ্রেশদ্ দাযেতে ঘোলাসকল জয়ী হইতে লাগিল, এবংলাজা রিচার মুখান দল্জি। ও হাম এই দুইদিরের দৈন্যরথকে হটিতে দেখি লেন, তথাৰ ওভগুণাশীয়ুমধ্য বিতমৈনাগানে : অগুলামী হইয়া পুৰুষায় মুল্লোপবিত ক্রিলেন; এবং ঘোরতর সংগ্রায়ে দারাদেন জাতীয় দৈন্যরাল দকল ওদ্বিপ্রকাশে জিলভিন হইটা প্রার্থ করিতে লাটাল, ভাহাতে চ্লিশ হাভার দৈনা রুল্ছলে মারা গোল- এই অয়ের পরে আক্তলনু নগার শাঘ্র থাবান হইল, এবং অন্য क्षानात मकल जानक नर्जाउरे रखाउर हैत. भार जातक कालावित विठापित অভিব্য়িত যে ঐ য়িকশ্লিয় শহর তাহার নিক্ট ওপ্ত্তিত হইলেন: কিছ এই নময়েতে ঐ রিচার্ন রাজার যে অত্যন্ত আকাঞ্জা তাহা লকল বার্থ হইল. পরে এ রাজা আবাটেদন্যগানের দর্শন করনেতে, এব॰ ঐ য়িকশালম শহরে চচ়াও করনেতে সমর্থ হইবেন কিনা, ইহা বিবেচনা করনেতে জানিতে পারিলেন, যে দুর্ভিক্ষ ও যুক্তবিপুত্ এবং প্রাজয়কর্ণছারা তাহার দৈন্যগালের ওভরোগর হাদ হইমাজিল, এবং অবশিষ্ট দৈন্যান তাহানুদের অবিপত্তির আজাবহ হইতে অশক্ত ও অনি ষ্টুক হইল. সেই(হ্ডুক শালাদিনের স্থিত একটা ঐক্য করে। অত্যাবশাক **জা** শিয়া এই নিয়মছারা ঐক্য করিলেন, যে পালাভিনের সমুদ্র সারিব্য যেছ নগর এবং বল্যা, তাহা ভিনতৎসর্পর্যাত গ্রীষ্টীয়ালেরদের অধিকার হইবে, এবং उवाजावलयी मरूल निरूपात प्रिक्मलाम जीर्पपर्मनापि कृतिएउ शाहित्व.

পারে রাজা বিচার্দ অর্থলাভারনো এত নয় কিছ অবিক কীর্ত্তীমুক ছাইয়া, ঐ মুদ্ধ নিবৃত্ত ক্রিয়া অনেশে রামনার্থে বিবেচনা ক্রিনেন; এবং তীর্থাতির বেশ বীরন ক্রিয়া জার্মনি দেশীয় পথাবিদ্যা মাইতেজিলেন, ইতােমব্যে জ্ঞিয়া দেশের জ্ঞানী লেপেনিক্র আজায় বৃত্তছালেন; এবং ঐ জ্ঞানী স্ক্রিটানার্ডি কর্নপূর্ত্তিক তাহাকে কার্যানারে রাখিতে আজ্ঞা করিয়া পাদছয়ে অতিভারি নির্দৃদ্ধিল. অত্ন দিনের পরে জার্মনি দেশের সমুট্ আত্মনিকট অর্পন করিতে আজ্ঞা করিয়া, এবং ঐ অ্লুনীর উপযুক্ত কর্ম দেখিয়া তাহাকে অনেক অর্থ দিতে অর্মীকার করিলেন. এতজ্ঞপে যাহারা ঐ রাজার মুদ্শাহেতুক অর্থনাভাপেফী জিল তাহারদের ছারা ই প্রতিদেশীয় রাজা, যিদি অনেককালাববি যশো ছরা ও পুতাপছারা জগ্রৎ পরিপুর্ব করিয়াজিলেন, তিনি অতিক্রুৎ সিতকপে কারাছ হইয়া নিগড়েতে বল্ল জিলেন, শরে রাজা কি হইলেন তাহা ই প্রতিদেশীয় পুজাসকল অনেক কালাববি কানিতে পারিল না, কারন এই যে ঐ সময়ে একরাজাকলোকের অন্যালাজাকর সহিত অত্যত্ন আলাপ জিলা; এবং ক্রিডও আজি যে ঐ রাজার পুর্যা ওদেশ এক দুংখ্যীবাদ্যকারকর্তৃক জাত হওয়া গোল. কোনহ এক সমঙ্গে যে গাড়েতে রিচার্দ বল্ল হইয়াজিলেন সেই গাড়ের নিকটে ঐ বাদ্যকার বীনাছাল ব্যাজাভিজ্বিত এক ব্যুক্তরিল, ভাইতে রাজা গুড়মব্যে থাকিয়া তজ্ঞপ স্থাবতে উত্র দিলেন, ভাকাণে ঐ রাজার বন্ধনান্তাল.

পরে ই প্রভাষের। ঐ বিষয়নিয়তি কর্থাথে ঐ নিধুর সমুটিকে সমাত করিল: এবং ঐ সম্বাটের ঐ ব্যক্তিকে আর কারাল্ছে রাথিতে সামর্থা না থাকাতে, ওভয়পক্ষীয়েরা দেওলক মার্কনামক মুদ্রাঘারা তাহাকে মুক্ত করিতে নিয়ম করিলেন: ঐ নিয়মিতমুদ্রা দিলে পর, রিচার্ম তৎপুত্যাশাপরপুতার দিরের নিকট পুনরাগমন করিলেন.

পার বছকালগতে অনেক ক্লেশের পর ঐ রিচার্য রাজার পুনরাগ্যন দেখিয়া তাবং ই প্রথায় লোকেগদের আক্লাদের সীমা হইল না; তাহাতে ঐ রাজা অত্যত ছার্যটিত হইয়া লগুন নগয়ে পুরিষ্ঠ হইলেন; এবং তনা গিয়াছে যে যেই আর্মানেদেশীয় পুরীমই বর্গের রাজসমতিব্যাহারে আলিয়াছিল তাহারা ইংগ্লভবালিপুজার দিগতে অভিশয় বিবাহ্য দেখিয়া কহিল, যে যদি সন্মুন্ত এমন বনসংবাদ পাইতেন, তবে রাজাকে কোনহ পুকারে এডাণ্ক সহজ্ঞাপে আজিতেন না পরে ঐ রাজা বিস্ফেন্তর নগরে আপনাকে পুনরতিমিত করিতেন না পরে ঐ রাজা বিস্ফেন্তর নগরে আপনাকে পুনরতিমিত করিতেন আজা দিয়া নাতিন্গ্য দগরে অভিসমাথেছপুর্বক এক মহতী সভা করিলেন, ঐ সভাতে যিনি অসদ্যবহারপূর্বক অন্যায়ত তাহার বন্ধন বছকাল করিলেন, এবং ত্রিমিতক গ্রীদেসের রাজার নিকট গিগেছিলেন, এবং ত্রিমিতক গ্রীদেসের রাজার নিকট গিগেছিলেন, এবন যে তাহার জ্বাড়া জানু তাহার যথালার্য হন্তগত করিলেন, কিন্তু কাল পরে, এই সক্ষেব্যকা কহিয়া তাহাকে হ্যা ক্রিলেন, যে তিনি যেয়ন

শীঘু আমার ক্ষমাকরণবিষয় বিদ্ধৃত হইবেন, এমত শীঘু আমিও **ওাঁহার** অপরার বিদ্ধৃত হইতে ইয়া করি, আমার এই অভিলাম.

পরে এক অতি আশ্রম্য দৈবলার। রিচার্দের মৃত্যু ছইল; তাহার বৃত্তান্ত এই, যে কোন এক সময় ঐ রাজার একজন পুজা দ্র্রামিস দেখের এক মাঠেতে মৃতিকা श्रानन करूउ कडछिल অর্থপুর্গু ছইল, এবং ঐ অর্থ অর্থিন কর্নার্থে রিচার্থ वाजांक वाजाविवाज जानिया अवान्यवेन धाराक अन्तिकनकान पिनः তাহাতে বিচার্দ রাজা আপনাকে মরাবিপতি জানিয়া, এবং ম্যার্থকারে ব সকল বনের আমী আপনাকে জানিমা, ঐ সম্দায় বন আনিতে আজা দিলেন. ভাহাতে ঐ রাজাজাবছেলাপুযুক্ত থালস্ নামে গড়, যে স্থানেতে ঐ অর্থ সকল ভাণ্ডার করিয়া রাখা রিয়াছিল, রিচার্দ রাজা দেই গড় হস্তরত করিতে বেখন বেশ্বন করিলেপর চতুর্যদিবদে, কোনদিগ দিয়া অন্তদ্দপূর্বক ভিতর পুরেশ করিতে পারেন ইহা জানিতে, ঐ রাজা আপনি অস্থাকচ হইয়া রাড়ের চতুঃপাশ্বে ভূমন করিতে জিলেন; ইতোমব্যে বর্ডাম দি জর্দান নামে এক তান তির্দাতাকর্ত্তক ভবেষ বিল হইলেন, পরে ঐ ক্ষততে বহু একটা ভয় চিলে দা, কিন্দু এক জন অনভিজ্ঞাহৈদ্য ঐ তির নির্বাত কর্মদারা অভিশয় স্কৃত করিল, ভাহাতে ঐ ফত ক্রমেং বৃদ্ধি পাইয়া গলিত হওনের চিক্ত দেখাইল. পরে 🕏 রিচার্দ মথান জ্বানিতে পারিলেন যে আমার শেঘকাল ওপত্তিত হইল, ইহা বুকিয়া পত্রনিশিষারা আপনার সর্বাধিকার এবং ভাণ্ডার আত্মভুাতা জান্তে সমর্পন করিলেন; তাহার মধ্যে বনের চতুর্যাৎশের একাংশ ভৃত্যবর্গেরদিগকে বঞ্চন করিয়া দিলেদ, পরে যে ভিরন্দাত্র ভাঁহাকে বিদ্ধ করিল তাহাকে দাক্ষাৎ আনিতে আজ্ঞা করিলেন, এব॰ দে ব্যক্তি আদিলে তাহাকে অজ্ঞাদিলেন, যে আমি ভোমার কি হি॰ সা করিয়াতি, যে তুমি আমার পুরিদত্ত করিলা; তাহাতে ঐ ব্যক্তি নির্ভয় হট্যা ওতর করিল, যে তুমি অহান্ত আমার নিতাকে এ আমার দুই নহোদরকে माविषाक, थवर जामारक ग्रांकि पिए मन्य कविशक्ति। তোমার হত্তেতে আছিল এবং তোমার অতিশয়বেদনাপুমুক্ত এখন ভূমি আমার হি°স। করিতে পাং, কিছ আমি যে জাশকে এক দুর্দারব্যক্তি হইতে নিস্তার क्रिएंकि इंशांट आक्रांपिड इरेंग ने शिक्तजनारक्ता बहुमन्द्रंक निश्युंडा করিব, রাজা রিচার্দ এই ৬৩র শ্রদিরামাতেই চমৎকৃত হইয়া ঐ তিরন্দার্জকে একশত নিনিম নামে মুক্রাম্বারা পুরক্তার করিয়া কারারারছইতে মুক্ত করিতে : আজা করিলেন. পরে অভান্তাজজাতি মের্কেদ্ নামে ঐ রাজার এক দেনাপতি, जीयट जाहांत तावहम् काडाह्या क्लेनि पिट खांखा पिल. রাজা চিলিপ্ নামক ওাঁহার এক সপদ্মীপুলকে রাথিয়া, দশবর্ঘরাজত্ব করিয়া (त्यांश्विणंटर्बर्य इट्टेश महित्लन.

प्रभागिताम् ।

জানু নামক রাজার বিবর্ন.

পরে জান্ যিনি এবত জনায়াদকাপে ইণ্ণাপ্তদেশে রাজিদিংখাদনপ্রাপ্ত হইলেন, তিনি মহারিশে আল্লান্ত্রতার্থে কালকাতা কলিলেন না, এবং এজনো পুথমত আর্থির নামে টাহার ভুত্বিশু এর অবিকারন্ধ লোকদকল, মাহারা জ্ঞানার ইইয়া রাজাজার অন্যথাচরন করিত, তাহাট্রিলকে আল্লান্সনাধীন করি তে সচেন্ড হইলেন; কিন্তু ই রাজা নির্দ্ধ এবং অন্তর্ভারন্ত্রতুত্ব, অরায় পুজারদের ঘ্নাল্ল হইলোন. অবিকন্ধ টাহার ই আ্লারনামক ভুত্বিশুল, যিনি মথার্থকান রাজ্যের ভঙ্গাবিকারী জিলেন, তাহাকে কারালারে বহুতে বই কর নেতে পুজারদের আনত্র্বার্ত্র হইলেন.

পরে এতৎপর্যান্ত ঐরাজ। জান্ তীহার পুজারদের বড় তুলাক্সদ না হইয়া, তাহায় দের মোনে অতি ঘ্লাল্লদ হইলেন; এবং তাঁহাকে তুম্নজান দা করিয়া বরণ অবিক ভয় করিল; যাহা হওক, এই ক্রাবহারক রাজার এমদ দুরদৃষ্ট ছিল, যে ওাঁহার শ্রুরদিরের মধ্যে প্রয়র শ্রুত। জন্মাইতে সমর্থ না হইয়া তাহায়দিরকে কেবল আপনারি শাত্র করিলেন. 'অনেক কালাববি বর্মাণ্যলগাতী লকল পঞ্চাত করিয়া রাজীর অব্যাপ্যকর্ম করিত, এক বর্মশালাসংক্রান্তকর্ম মধান নিবীও হইড, তাহা রাজার অনুমতিবিদা ফেবল পাপাদারাই নিয়ুত্তি পাইড; এবং वैस्थिकभाडी मरुल, (करल भाभारक कर्छ। कृतिका जानित. यात्रा इंडक, कडक कालांववि महाविर्माविशक्तवाद भाग भूतृत्वकवनकमविषय मागुनान् जाडीग বিশ্লবিসক্ষেদ্রে, এব॰ অণ্ডিন্ জাতীয় সন্মানির্দেট্ন মধ্যে বিবাদের কারণ এবং ওভয়সমূদাতে আপনার্দের পুরুক্দেরে পুগান দেখাইলা আপ **লারদের বব**বিষয় **লা**বান্ত করিল. তাহাতে রাজা জাল্ ইন্মাবীক্ষেক্দের পক্ষ হইয়া, এ দুরত রাজার ওপমূজ পাত্র, এবৎ আত্মানুরাত এমন যোদ্দ্দূলীনপদে चिठ पूरे जनंदक, वे नजानिवृत्तितिक जोशांत्रपत वैर्मानांवारहेट विष्कृड কর্নার্যে, এব॰ ভাছার্দিরের রাজ্য সকল ছত্ত্যত কর্নার্যে পাঠাইলেন. পরে পাপা এসকল বিরোধে অসন্তও হইলেন না, এবং বিরোধিকারী ওভয় পক্ষীয় বীর্মপঞ্চপাতিরদের নিযুক্ত দুউলোকের মধ্যে এক লোকতে ও নিযুক্ত দা করিয়া, ভীবন লাত্তব্তে কেতর্বরির মহাবিদ্যারিলপদে নিমুক্ত করিতে নিশ্রয়

করিলেন. পরে রাজা জাদের অসম্মতিপুযুক্ত পাপার নিকলিত ব্যক্তিকে নিয়োগ করনে, রাজ্যের ঘাবদীয় জিয়াকলাপ তার্হা একেবারে বল্ল হইয়া রহিল; তারা তে কমীয় বীর্মানজপাতিরদের হয়ে যে তাত্রনকজন্ম, তারাতে তারবাচু পুজারদের মনোমবী অভিশয় সন্দেহ ও শক্ষা অন্মিল; এবং তারাতে তৎফলাৎ উপরারাবিনাবিষয় এবং তুরিতহওয়াবাতিরিক তারবংশার্মানিকবিষয় বল হইয়া রহিল, এইহেতুক বীর্মাশালার ঘার সকল কল্ল হইল, ও পুলুবানেরদের পুতিমা সকল ভূমিতে গাড়াড়ি ঘাইতে লাগিল, এবং মৃত্যুগারীর সকল খুড়িয়ি য়ানেরদের ব্যবহারাস্থলারে কবর দেওনেতে পুলাগান নিয়েবপুণ্ড হইয়া, খানায় এবং রাভাগ্য ফেলাইতে আর্যু করিল.

পরে এবিষয়েতে আন্ রাজার ন্যায় দুরুবন্ধা আরফোন্হ ব্যক্তির জিল না; যেখেতুক অমর্গাদাপুদানদারা অত্যন্ত কোবাবিত্র ছইয়া, এবং পুজাবর্গের ও শত্রবর্গের পুতি অত্যন্ত দার্গিকে হইয়া, এবং তাহার পুনিদ্রু করিতে এক কুপরা মর্শ ওপন্তিও হইয়াজিল, ইহার ভয়েতে একরাত্র সম্দায় নাতিন্যম নামে গড়েতে আপনাকে বল করিয়া রাখিয়া, কাহাকেও আপন নিকটে আলিডে দিলেন না, ইহাও ক্যিত আজি. কিন্তু তিনি যথান খনিলেন যে পাপা ওাহার রাজ্য দুঁলিনের সমুগ্রুকে দেওয়াইয়াজিলেন, এবং এ রাজ্য ওাহার রাজ্যিক হাসন গুহুও ক্রওার্থে লৈওয়াইয়াজিলেন, এবং এ রাজ্য ওাহার বিশ্বম খাণ না হইলে.

পরে রাজা জান্ অন্থির চিত্ত এবং সন্দিঠে ছইয়া, কি করিবেন তারা জানিলেন না, তথাপি শলুসংমুধানাথী একবার হইতে পারেন এয়ন ভারার সমর্ধ জিল. পরে ঐয়ত খ্নিত হইলেও, ট্রানিলের এবং ইংপ্লণ্ডীয়েরদের যে চির বৈরপুযুক্ত, এবং ঐ রাজার কেবল রাজা নামষার থাকনপুযুক্ত, এবং অর নিশ্ব কিন্ধিৎপরাজ্যম থাকাপুযুক্ত, সভোরহাজার দৈন্যসংগুহু করনে সমর্থ হইলেন; ঐসকল দৈন্য পুচুর বটে, কিন্ধু ভারারা ভারার বিশ্বভাগর জিল না; ঐ লকল দৈন্য লইয়া রাজা জান্দোবর নারে রামন করিলেন. ঐ সম্মেই ইপ্লেপ্ত বাদী লোকেরা ঐ ওভ্যুদিরের দৈন্যসংগুহুকরনে অভি ব্যাকুল্টিও হইল, এবং বর্মানজলাতারা জয়ী হইবে, কিন্ধা বর্মানজলাতির চের তাবিষ্কা বিনাধ হইবে, ভাহার নিশ্বর যে এই ওপ্রতিসংগুটিতে হইয়াজিল এমান যে পালা, ততুলা ছিলিলের কিন্ধা জানের বৃদ্ধি জিলে না, এবং এই বিষয়েতে পালা মী দুই রাজা হইতে দুর্দ্ধী এবং রাজক্রম্ভে জিলেন; এবং ওপ্রিতবিষয়েতে ভিনি ছিলিপের প্রাক্রমন্ত জিলেন; এবং ওপ্রিতবিষয়েতে ভিনি ছিলিপের প্রাক্রমন্ত জিলেন; এবং ভস্পুদর্শক হন, কিন্ত ভাহার

শুনিগুছিক লা হল, ইহা ওঁছিরি আশা জিল, সেই ছেতুক আঅপুরিত দৃত साहा जान्तक जानांहेल्लन, या भाभा अजिम्माभील अ भित्रुला, अव अंशिक वैसा वहे, या अिंशांककी इहेगां अन्तामनन कतित्त, जिनि जाशांक खरकः चल গুছুল করিবেন, এমন আ পাপা তাঁহার আশিত হইয়া 🕈 ওপন্থিত ওৎপাতহইতে মুক্ত হওবে কেবল এই এক ওপায় আছে, পরে আন্ ঐ ওপন্থিত ভয়বিষয়েতে এমন বিক্ময়াপর হইলেন যে আক্সফাকরনে যেছ কোনহ ওপায় ওপস্থিত হইল তাহছি গ্রহণ করিতে ন্যুন করিলেন না; এবং পাপার দূতের অনুযোগ যে যাথার্থিক এই বিষয়ে স্বীকৃত হইয়া, পাপা মাহাহ আজা করিবেন তাহাহ করিতে শপ্য ক্রি लन, এডक्रां उपनुमात् अर्जाउविषय मञ्जूनकृत्नार्ध में में क्रिलन. शाह **अ** চতুর ইতালিয়ন্ দেশীয় দূত অবিপতির্দিগের এমন ভুণ্ডি জন্মাইল, এবং রাজাকে এত দ্রাপ ভীত করাইল, যে ঐ জান্রাজাকে এয়ত অদুত এক শাপ্য করাইতে लंअग़रिल, (य ठाहा (कान शुल्ह खना गांग नाई; ग्राहां उ दांका नकालद **লাফা**ৎকার আঁটু গাড়িয়া দূতের হন্তের মধ্যে বহন্ত যোড় করিয়া শাস্থ করিলেন. তাহা এই;

লিথিতে প্রজান, আমি ঈশারপুনাদান ইংগ্লণ্ডদেশের রাজা, এবং আইর্লভ দেশের স্বামী, আমার অপরাবিয়োচনার্যে এবৃৎ আমার অমাত্যবর্গেরদের অনু মতিক্রমে, ক্রমীয় বীর্মপিক্রপাতিক্রিরিকে এবং ইনসভ্নামক পাপামহাশয়কে, এবঁ তাহার ওতরাবিকারিরদিগকে লিখিয়া দিতেকি; যে ইণ্প্লণ্ড দেশপুভ্তি যত দেশ আমার অবিকারক আছে, সে সমুদায় পাণার অবিকার হইল; এবং আমিও অদ্যাবধি গাঁহার পুজার অকার করিলাম; এবং ঈশবের পুতি এবং ভাবৎ কর্মায়বীর্মপেক্ষপাতিরদের পুতি, এবং পাশা ঘিলি আমার গুরু ওাঁহার, ও তাঁহারী মত ওড়রারিকারী হইবে তাহারদের পুতি বিশ্বন্ত পুজা হইবে এবং পুতি বৎসর মার্ক্রামক এক হাজার মুদ্রা কর দিব; বিশেষতঃ ইণ্প্লভদেশের নিমিত্তক সাত শত, এবং আইর্লণ্ডদেশের নিমিন্তক ভিনশত দিব; এতজ্ঞপে দূতের পুতি বশীভূততা শকির ক্রিয়া, এবং লাওতন্ নামে আচার্যাকে মহাবির্মাচার্যাদদে পুনরায় নিমুক্ত कतिए मनाव रहेगा, या मिश्रामन विनि भूदि जनागा कतिया भारेया जिल्लन, अयन य लाटिक विदेश किल, जोड़ा शुनुत्रीय शोहेलान. इरेजायरा य রাজৰ জান্রাজা দিতে ৰীকৃত হইলেন, তাহা ঐ দূত লইয়া পদতলে মর্দৰ कतिलः; अञ्चल अभुकात অভिनयं गीठवृष्टि बोकांत्रकरवाता जान् दाजा नै निक्रवेवजी छग्र वार्थ कृतिलन.

, भारत अञ्जाल नाज़मात निर्मा कार्यामाता अवः जनर्थक ठेड्रां अकत्रवाता अ कान् राजा नकल्तर मृशाह्म इहेलन.

পরে পাত্রয়িত্রপুভৃতি তাবৎপুরানবর্গেরা, রাজার বিফল্পে এক যুক্তি করিল;

ক্ষিত্র তাহারদের প্রস্পর ঐক্য না থাকাতে, কিয়া কোনহ অদুর্শ্য দৈবছটনাপুযুক্ত उम्बद्धात् जावन्यातावान्त्वा निवर्धक इहेल. याहा इडक, भाव जाहाहा खाम्रपर्व **নামে** নরা∢ে অনেক সৈন্য সংগ্রহ করিয়া আত্মবাছরলে ওল্লঘিত হই⊍া, সে স্থান হইতে গমন করিয়া আক্রমর্থ নামে নগর, যে স্থানে সেই কালীন রাজসভা চিলে, সে স্থানহইতে লাড়েলাত জোশ অন্তরে, গুাক্লিনামক নগরে ওপস্থিত হইল, পড়ে রাজা তাহার নিকট হওয়ার সংবাদ পাইয়া তাহারদের আফাগ্লাই বা কি, এবং বালু ছইয়া সৈদ্য সম্ভিব্যাহারে এপর্য্যন্ত আদিতেতে ইহার নিমিত্ত বা কি, তাহার বিশেষ সংবাদ জানিবার কারন, কেত্রবঁরির মহাবিদর্ম ব্যক্তকে এবং পেস্থোকের প্রদেশাধিকারিকে এবং অন্যত্তন্য সভাসদ্বর্গের্দিগকে পুরেণ করিলেন, তালাতে সভাসছর্তেরা তালার্থের পুর্যানীয় বিষয়ের এক লিপি করিয়া রাজার নিকটে দিল; ভাষার মধ্যে এই বিষয় পূর্বাব জিল, যে হেদ্রি ও এদ্বার্দ গ্রাজারদের গ্রাজঅভানয়ে যেই দিয়ন জিল, তাহাই এথানও স্থা পিত হয়; এত দ্রূপ পত রাজার নিক্র দেখাইবামাতে, ঐ রাজা মহাত্রুল হইয়া কহিলেন, যে ভবে ঐ অবিপতিরা আমার রাজত্বের পুর্যানা করিল না কেন, এই ক্যা কহিয়া শাপ্য ক্রিয়া কহিলেন, যে আমি এমত অন্যায় পুর্যালাতে ক্রাচ দমত ছইৰ না; কিন্তু ঐ কালীন তাহারদের প্রামশীয়পক্ষের। এমত দৃঢ় হইতে লাগিল যে রাজার ক্রোপরতে কিজুই ভয় করিল দা. যেহেত্ক তাহারা রাবর্ত তিব্লবাল্তরকে দেনাপতি করিয়াঁ, ঈশ্বরীয় সৈনোরদির্নকে এবং পুলাবভইমপিক্ষ পাতিওদিগতে মারিশ্চালু নামে গদ্ধীতে খ্যাত করিয়া, এবং কোন অংশে গতি জিয়া না করিয়া, রাজার সহিত যুদ্ধ করিতে ওদ্যত হইলেন. তাহাতে তাহারা নর্ভায়ুন্ নগর বেখন করিল, ্এবং বেদ্দর্দ নগরকে হস্তগত ক্রিয়া লণ্ডনু শহরে আক্লাদপুর্বক গ্রাষ্ট্র হইল.৷ পরে তাহারা পত্র লিথিয়া যেং পাত্রথিত ও সভাসদরের। ভাহারদের শফ হইল না, ভাহারদের নিক্ট পত্র পাঠাইয়। কহিল, যে যদ্যপি শীঘু সহায় হই ত সন্মত না হও, তবে তোমারদের যাবৰ 🕐 অবিকার সমন্ত্রমি করা ঘাইবে.

পরে জান রাজা শক্ষান্তিত হইয়া পাপার সমিবীনে, কিয়া আট অবিপত্তির দের সনিবীনে, এ বিষয়ের নিম্নতি করনার্য, চারিজন রাজার নিয়োজিত, এবং চারিজন রাজার নিয়োজিত, এবং চারিজন আন্সাক্ষলিয়োজিত, তাহারদিরার পুতি এবিষয়ের ভার অর্পন করিলেন; কিছু অন্যাপক্ষরা তাহা হেয়পূর্বক দ্ব করিলে, তাহাতে রাজা ৰেম্বাপূর্বক তাহারদের সমুদায় পুর্যাণীয় বিষয়ে পুতিজা করিলেন, এবং এভনিমিতে একা পুরুক এক নিয়মপন্ন লেখাপড়া করিতে এক মহাযোজন করারোল.

পরে তাইন্ এবং বিদ্দের নগরের মধ্যে, কনিমেদ্ নামক একস্থান মাছাতে দেববি ইংগ্লপ্তায় পুজাগনের মুক্তির ইজ পুথমত স্থাপন হইয়া জিল, এবং গে স্থান অদ্যপর্যাত অভিযান্যকপে পুনিদ্ধ আছে. সেই স্থানেতে গ্রাজপুরিত সভা **সহর্গেরা, শত্রপথীয় মন্তিবর্গেরদের সহিত মিলিল. পরে শত্রবর্গীয় অবিপতি** বর্রেরা অনেক যোল্কুলীন এবং অন্য ১ অনেক যোদ্ধা জুন্মাদের ১৫ তারিখে ওপস্থিত হইল, কিন্তু রাজপন্দীয়সভাসন্তর্গে দুইএকদিন পন্ধাৎ ওপস্থিত **इरेल, এব॰ ওভঃপঞ্চীয়দল পরয়র শতুতা**পুযুক্ত অতত ছাওনী করিয়া রহিল. ফলত পরাক্রম এবং পূর্বকৃতপুমানের সহিত্যে সর্বদাবিরোবী, তাহা চিরস্থানী নয়; যাহা হওক, অন্যাণম্বীয় অবিপতিবর্গেরা অকার্য্যানিলকংলেছু হইটা অবিক বচ লাতে, কেবল অল্লবিষয়তাবা করিতে লক্ষত হইল, এব[ু] রাজপুরি তমন্ত্রিবর্তের ভাছারদের পক্ষ হওনেতে অলুইবিবাদ করিল, অলুদিনের পরে নতানদর্ভারা যে নিয়মপত্র মাট্রা করিয়াটিলে, ভাগতে অভিশীলু ৰান্ধর করিয়া মোহর করনেতে, ভাহা অভিনন্দেহজনক হইল. ঐ নিং মপত ইংগ্লেণীয় পুজাগনে, মুজির আদি কারন হইল; এবং মেনাচার্ত্র নামে আতি হইয়া, নিয়মসকল অদ্যাপ্যাত চলিত আছে: ঐ পুনিত্তনিয়মপতের দ্বারা রাজার ঘেং গদবা তৎকালে যুক্তি পাইলাদিল, তাহারদের পুতি যুক্তি ফরাক্ত করেইল; বিশেষতঃ বিশাদদণাতির দের পুর্তি, ও অধিপতিইদের পুর্তি এবং ভদুছ লোকেরদের পুর্তি; িত্ত অধিকাংশ যে হাদুছ লোক, তাহাল ঐলালাধবি দলেমাধীন জিল, এবং অনেক কাল গত ইইলেপর তাহারা সন্ধিচাঞের মধ্যে কোনং কুর্মেতে গৃগাঁও হইল.

মাহা হওক, রাজ। তান্ ভয়পুমুক্ত যে নিয়মণক লিথিয়া দিয়াচিলেন, তাহার জন্যথা কোনপুকারে করিতে না পারিয়া, ব্যন্ত হইয়া চিলেন; এবং ঐ সভাসম্বর্গ করুক যে বাবিত না হন, হহার পুকরন পুথম চেন্ডা করিলেন. ইহাতে পুনুরায় মুদ্ধের কারন ওপন্থিত হইল, এবং জন্যদম্বাবিপাতবর্গেরদের গ্রাভিনের প্রজার শিকটে ঐপুকার সাহাম্যপুর্থনা করার আবিশ্যক হইল. এতজপে ইংগ্লভবালারা তাবৎকার্যের জন্মবাবী দেখিয়া অকাভঃকরনে বিবেচনা করিতে নারিলে, যে যদি রাজা জান্ জয়মুক্ত হন, তবে এক দুবত এবং জনিকারার বাজি রাজা হইয়া জানায়দের জনিকার করিবে; কিয়া যদি ট্রালিসের রাজা জয়ী হল, তবে সেই সময়াবির রাজ্য এক প্রাক্তান্ত সমুগতের অসিকারত হইয়া ট্রালিসের রাজ্য হইরে. এইকপ ইতভাতে ভারতবানা করত, মাহা মনুব্রের বোর্যায়য় এবং জদ্পা তাহা দৈবঘটনাতে জক্তাৎ ওপন্তিত হইল.

পরে রাজা তাব্ আত্মদিংহাদনরকার্থে অনেক দৈনাসংগ্রহ করিলেন, একং ঐ দৈনাসকলের সেনাপতি হইয়া রাত্যমধ্যপর্যাও পুরিশ্ব হইতে মন স্থির করিলেন, এইসকল মনন্থ মনে রাখিয়া যে নগরন্থ লোকের্দিগকে আত্মানুত্র হিছেলারা খ্যাত্যাপদ করিয়াজিলেন, এমন যে লীর নগর তাহাহইতে যাত্রা করিয়া লীনুকন্ প্রগনায় গমন করিলেন, এ বাজার পথ সমুদ্রের তীর দিয়া জিল, এবং ঐপথ যে জুআরের সময় জলময় ছয় এবিষয় রাজা অজ্ঞাত হইয়া, জলপূর্ণভাতে ভাঁহার তাবং শকট ও ভাগুরীয় ভাবদ্বন্ত নম্ম হইল. ভাহাতে রাজাও আপনি বড় কম্মে বাঁচিয়া খীন্তেন্নামক বিশ্লালায় প্রতিলেন: যে স্থানে, অর্থনাশহেতুক এবং রাজ্যোৎপাত্যহতুক জ্বা হইলেন প্রদিবসে অ্থানিচ হওনে অপকাহেতুক এক শিবিকারোচন করাইয়া ভাঁহাকে সেচ্চেন্ নামে গড়েতে লইয়াগোল, সে স্থানহইতে নিওবার্কে ভাঁহাকে লইয়াগোল; পরে সে স্থানে আসদকালে লিপিপত্র করিয়া, একাল বৎসর বয়ন্ত হইয়া এবং রাজত্বের আঠার বৎসরে ম্রেলেন.

अकाममारीमा

ভূতীয় ছেনরি রাজার বিবর্ল.

রাজা জাদের মৃত্যু হইলেপর দ্বিতীয় হেনরির পুত্র নবাযুবরাজ, যিনি তৎকালে কেবল নববৎসরবয়ক্ষ জিলেন, তাঁহাকে রাজা করিতে চেম্ধা করিল; এবং তরিমিতে পেন্ধোকের পুদেশাবিকারী, যিনি এক মহাভাগাবান্ এবং নাহনিক লোক জিলেন, এবং যিনি রাজা জানের মধলসময়ে তাহার বিশ্বভাগা জিলেন, তিনি ঐ নবাযুবরাজের হ্রাম হইতে জিল যেহ কার্যা তদুপকারারে, ওপকারী ইইতে মনংখির করিলেন, তরিমিতে বিশ্বেষ্ঠ এবং বাযু নগরের বীমাব্যিক কর্তক প্লন্ত, তাহাকে বাহাসমৃদ্ধিপূর্ক অভিমিক্ত করাইন.

এই নব্য মুব্রাজ স্বাভাবিক পৈতৃক্সভাবের বিক্রন্ধ জিলেন; ইনি যৌবনাবন্ধ পুণি হইলে, অভিনুত্র ও দ্যাশীল, এবং পুজাবর্রে অভিনুত্রভা হইলেও, শালু পদ্দেরদের পুতি কোন পুকারে ভয়জনক জিলেন না; যেহেতুক চাতুরী এবং সাহস্ম হীন হই গা যুদ্ধ করনে অসমর্থ জিলেন, এবং সর্প্রভাবে বিশ্বস্ত এবং নিঃসন্দিক্তে প্রভাবপুয়ক্ত ঐক্যকর্নসময়ে সকলেই তাঁহাকে পুর্ক্তনা করিত.

পরে, দুর্বল যে রাজারাও ভাষারা কর্মনির্বাহক প্রিয়মন্ত্রী ব্যতিরেক থাকিছে পারে না, যেহেতুক পুথমত হিওবর্ত তি বর্গ নামে এক জনের পুতি ঐ নব্যমুব রাজের অভিশয় পুতি জামিল, যিনি কিচুকাল পরে তাবল্লোকের দ্বায়াদ হও য়াতে, পিতর দী রচেন্ বিষ্ণেন্তর দরারে বির্মাবিক্ষদারা তৎপদ পুতি হইলেন. নে যাজি পৈক্ষ বংশোদ্ভব জিল, এবং বেছাচারপুমুক্ত এবং নাইনপুমুক্ত এবং হমতা

পুযুক্ত বড় গ্রাক্তাপর জিল. পরে হেনরি রাজা ঐ বর্মাব্যক্ষের পরামর্শক্রমে পৈজদেশীয়পুভৃতি অনেকং বিদেশী লোক যাহারদিরের মানাভিযান জিল না, এব॰ যাহারদের ঘরে কিলু থান্য সামগ্রীও জিল না, তাহারদিগতে আনাইলেন; ঐ সকল লোকের গীতি এইপুকার ছিল, যে তাহারদের কর্তা যেমত আজা ক্রিড তাহাই হর্ষচিত্তে স্বীকার করিত. যাহা হওক, এই দকল অব্যক্ত বিদেশী জাতীয়ের্দিনকে মুদ্ধ সংক্রণত কি রাজসংক্রাত, তাবৎ কমে নিযুক্ত ক্রিলেন, তাহারদের লোভ এবং অভিলাষ এই ওভয়াপেন্ধা অছষ্কার এবং মাৎসর্যা অভ্য বিক চিলে. ইহাতে পুাচীন অবিপতিবর্জেরা এই সকল অন্যায় দেখিয়া, ক্রমনা হইয়া বাজনিকটে জানাইল, যে যদাপি বাজা ঐ সকল বিদেশী অব্যবস্থিত লোকের দিগকে রাজকর্মাচ্যুত লা করেন, তবে তাহারদের সহিত রাজাকেও রাজ্য হইতে দর করিব। পরে আর এক সদন্ত্র ওপন্থিত হইল, যাহাতে ঐ পুরাল্যান্তিত কুদ্লোকসমূহ সকল, বালী ইসাবেলা নাযে বাজযাতা, যিনি পূর্বে কোত দি লা মার্ডকে বিবাহ ক্রিটিলেন, ভাঁহার সমভিব্যাহারে গান্ধনি দেশই ইতে আদিয়া ওপন্থিত হইল, মুখান ঐ পাচীন মন্ত্রীয়া ইয়া দেখিল তথান তাহারা অনত ক্রোবেতে পরিপুর্ন হইল. এদকল অন্যায়ক্সা আড়াও, অন্যায়ের কারন যাহাহইডে হইতে পারে ভাহা ছাড়াও, রাজার অনেক অভ্যাতার ছিল, ভাহা এই যে বারন্থার মহাদ্বীপে নির্থক চড়াওকরন, এবং থারচপত্রের নির্থক ব্যয়, এবং পুজারদের পুতি শঠতা ও কঠিন ব্যবহার পুভৃতি, যাহাছ ঐ ব্যর্থ চঢ়াও কর নের পুতিফল ছিল, এতরিমিতে রাজ্যন্থ তাবৎপুদ্ধা এই আফোশ করিয়া वृह्लि, या अर्थन मई(जोड)रिव इट्रेग़ार्फ या जानेका जोड़ा यथन महूर्व इट्रेरिव তথ্যন সকলের পুডিমনে ভালকপে দিব.

পরে ঐরাজা জানের যে অন্যায় মনোনীত, এবং তদ্ভির অন্যাহ সহসূহ অব্য বন্ধা তাহা সকল দেখিয়া, শীমন্ মন্তদর্দ নামে লেন্তর নগরের পুদেশারিকারী ঘিনি, তিনি অবশেষে রাজ্যমধ্যে কর্মে পুরিষ্ট হওনার্যে ওদ্যোগী হইয়া, ঐ দর্বল রাজার হত্তহতৈ গাজনুক্ট বলাৎকার ক্রিয়া লইতে সচেগ্র ছইলেন. এই মহল্লোক কোন এক মতাভিলাঘী আৰিজিন জাতীয়, যাহার। ইহার কিছু কাল পাই শাৰ্য বাজ্যে বিনম্ভ হইয়াছিল, ভাহারদের বিকল্পে যিদি মহাখ্যাভ্যাপর দেশা পতি হইয়া মুদ্ধার্যে গিয়াজিলেন, তাঁহার পুঞ তিনি; এবং ঐ মহল্লোকের ঐ রাজার ভাগিনীর সহিত বিবাহ হইয়াছিল, এবং অয়ং মহাবলপরাক্রাত যোলা এবং অকীয়দৌজন্যজ্ঞে ওওম মইয়ে অইম সকলকেই সমভাব কর্লপুরুজ, ঐ রাজ্যে অতিশয় সম্রাত হইলেন.

পরে যে পার্লেমেন্তে অর্থাৎ মহাসভাসদগৃহে, তারৎ পুরানং অবিপত্তি মন্ত্রী বর্গেরা অল্পহিত দদত্ত হইয়া মুলার্থে পুত্তত জিল, এমত স্থানে ঐ ব্যক্তিরা যে এক মহাকৃপরামশ করিয়াজিল, তাহা পুথমে পুকাশ হইল.. ইতোমধ্যে এ শ্বেজা ঐ দভাদদগৃহে পুবিষ্ঠ হইবামাত্রে জিজাদিলেন, যে তোমারদের পুার্থন। কি; তাহাতে ঐ দভাদমারের। অতিবিদয়পূর্বক ওতার করিল, যে আমরা মহা রাজাকেই রাজা জানিয়া, মহারাজার রাজশাদন স্থিতিক্তকর্লছারা মহারা জাকে রাজাকরবেতে সন্মত আছি; কিন্তু আমারদিগের এই নিবেদন, যে যথার্থ বিচার পুর্যানা করি, ভাহাতে রাজা হেনরি ভাহারদিগের ভারদাঞ্জিত বিষয়ে পুনরতাপুর্ক আজা করিলেন, যে যাহাতে তোমরা সমত হও তাহা করিতে আমি দর্বতোভাবে স্বীকৃত আজি, এবং দাব্যানুদারে এটি করিব না. একার্য্য লাবিনার্যে, এব॰ আক্লু**ট্র্যে নগরে রাজ্যের এক নূতন ব্যবস্থা নিকপ**ন করনার্যে, এব**ং** রাজ্যের পুরানং কার্য্যে ওপযুক্ত লোক নিক্ষিত করনার্যে, এক পার্লেষেত অর্থাৎ এক মহাদত। কঞলেন. কিজু কাল পরে ওনাও নামে থাাত যে ঐ সভাসদর্পেরা, তাহারা পূর্ব নিয়মিত বারা সকল নূতন করনার্থে অতি শীলু পুরুত হইল; এহেত্ক চ্বিশ জন অবিপতিরা সর্বপরাক্রাত হইয়া রাজকম্মে নিযুক্ত হইল, এবং লেন্তর লামক একজন তাহার মধ্যে পুরান হইলেন. ঐ চয়িশ জন নিযুক্ত হইলে, পুর্ নিক্ষিত লোক সকল অঅপদচ্যুত হইন, এবং ঐ **চয়িশ জন অবি**পতিক্র্যুক নিক্রিত লোকেরা, তাহারদের পদে নিযুক্ত হইল পরে ঐ ব্যক্তিরা কেবল রাজ পরাক্রমের সংক্রেপ করিল তাহা নয়, কিন্ত একং শেসদের অর্থাৎ একং সভাসৎ একত্র হওন কালের মধ্যে, সাই পার্লেমেতীয় পরাক্রম দ্বাদশ জনকে দিয়া, পার্লে যেতেরো ক্ষমতা সংক্ষেপ করিল ; এইকপে দুঃশীল অবিপতিরা রাজার পরাক্রম সংক্ষেপ করিয়া, পুজাবর্নের ডাবৎ পুমান সিদ্ধ নিয়মিত চাবন্ধাদি অদ্যাধা করিয়া অত্যন্ত্র পুলুম কাশিত হওয়ার ওপক্রম করিল.

পরে এই দকল অপহারকের্দিনের অত্যাচার করনেতে, যাহারা রাজকীয় কর্মে নিযুক্ত জিল তালারা পুথমত তাহারা বাবা পাইল; এইতেতুক যেথ যোল্ ক্রণীন অকল, পুতি নর্গুহইতে আদিয়াজিল, এবং যাহারা রাজকর্ম নিম্নতার্থে পৃথক এক গৃহ করিয়া একত্র হইয়াজিল, তাহারা ঐ অপহারকেরদের অন্যায় দেখিয়া তাহারদের তাবং বিষয় পুকাশ করিল, এবং আনাইল যে স্বাভিলাহের এবং অপরাজ্যের বৃদ্ধিনা তাহারদের আর কিছু বান্ধা জিল না; তরি যিতে এলার্থ নামে রাজার জ্যেন্ড পুত্রকেও আহ্বান কলি, যে পুশ্র নম্ম কইয়াজে যে রাজা, তাহা তিনি আল্পানাক্যমন্ত্রা, রহন করেন,

পরে, সেকালীন রাজপুত্র এছার্দ বাইশ বৎসরবয়ক্ষের অবিক জিলন না, ইহার মধ্যে তাঁহার যে সৌন্দর্য্য ও সামর্য্য এবং সদ্প্রণ যে পুকার হইয়াজিল, ভাহাতে বোর হইল যে ঐ ব্যক্তি অভি বিচক্ষণভাপুর্বক রাজ্যক্ষম সম্মন্ন করিবেন, এবং অল্পকালতে অনেক সাহস ও পরাজ্যদ্বারা, মুর্বুলকণে তৎপৈতৃক রাজ্যশাসনা পেকা ওত্যকপে রাজ্যশাসন করিয়া পিতৃদোঘান্তাদ্বক হইবেন. তিনি যৌবনা

বন্ধাববি সাহস ও জান ও অচন্ধল চিডের অনেক চিহ্ন দর্লাইলেন, এবং পুথ মত, আপন পিডার চান্ধল্য, এবং নিয়মভগ্ন করাতে ওাঁহার পিডার যে অথ্যাতি ছইয়াজিল ভাগে অনুধাবন করিয়া, ঐ পুজারা যথান ভাগার নিকট নিবেদন করিল, তথান তিনি অবহেলা করিলেন, কিন্তু পশ্চাৎ সম্মত হইয়া এক পার্লেষেত্ত আর্থাৎ এক মহাসভাসংক্তে আহ্বান করিলেন, যাহার মধ্যে রাজা হেন্ত্রিও সম্মত হইয়া পুরীয় নিয়মিত যে বারা, ভাহাতেই নির্ভর করিলেন.

পরে রাজার প্রীয়নিয়মিত বারায় নির্তরপুষ্ক অন্যের নিয়মভম ছইল, ভাহাতে পরস্কর মুলোপস্থিতি হইল, এবং এক মৃদ্ধে লেম্বর পরারের পুদেশাবিকারী জয়ী হইলে রাজা বন্ধ হইলেন; কিন্ত অল্পুদিনের পর যুবরাজ এছার্দ ওাঁহার यमाल, भूई निग्रमानू पांगी (य मई कमा मम्रान इप्, अक्शतं व क इरेपा विशालन. यारा २५क, এই मकल ४वि भूषि इहेलाउ लाखव भूगामीविकावी मूख চিত্তে থাকিতে পারিলেন না; কিন্ত তাহার বিফল্পক্ষে অন্যদেশীয়েরা যে সং মিলিত হইয়া ওঠিবে, এব• রাজসভাসন্বর্গেরদের পরন্নর বৈরিতা হইবে, ইহাডে ষ্ঠান অত্যন্ত ভীত হইলেন. নেইছেতৃক অদ্যায়ত পুার যে রাজ্য তদুষ্ঠার্যে ভাষার এমত এক ওপায় করিতে ছইল, যাহা আন্ধর্য্যত ইণ্প্লগুদেশীয়েরদের বোবিগম্য হয় নাই. তাহা এই, যে যাহারদের সহিত ভূমিবিষয়ক কোনহ সম্মর্ক চিল না এমন যে যোদ্জুলীন, এবং পুষান্থ আচার্যাবর্গেরা, তম্বাভিরিক পুডোক পররানাছইতে দুইং যোজ্কুলীন এবং যাহার্দিরের কথা বিচার্দভায় এবং কালপর্যাত তাদ্ক্ গ্রাহা জিলানা, এমন যে পুজাবর্গেরদের ওকীলগন, ইহারদিগকে এ সকল ব্যক্তিরদের পুতিনিধিঅকপ পাঠাইতে আজা করিলেন; ইহা ইংগ্ল ভীয় ছৌল আত্ কামত্র নামে খ্যাত রাজনভালতের নুতন এক বারার পুথ মোণজম চিনে. এবং পুরোরা, এ পরম্বরাপুভূত্বের হ্রান ছওনের পর, ওতরভার ওনতি পাও হইল,

পরে ঐ পুদেশাবিকারির ঘাদ্গভিলায় জিল, তাহা ঐ পার্লিয়েও সভাসদের দের অসমাতিতে তাদ্ক পূর্ল হইল না; এতার্বিয়েও অবিপতিরদের মব্যে ঘাহারা এ কালপর্যাত ঐ রাজপকাবলম্বী হইয়া রহিয়াজিল, তাহারা রাজার অত্যত লোভ দেখিয়া অতি অশুলা করিল; এব লোকেরদের মব্যেও মাহারা দেখিল, যে বিষয়ের পরীবর্তন সুখনিয়িতক পরীবর্ত্তন নয়, তাহাতে ভাহারা প্রীয় রাজবংশীয়ের্দিগকে রাজনিংহাসদক্ষ করাইতে ইমুক হইল, লেভর নাযে পুদেশাবিকারী এমত দল্পাদ্দ হইয়া, এবং রাজ্যক্ষ পুজারদের শাল্লাভিলামের বাবাকরনে অপারক হইয়া, যাহার বাবিক তিনি হইতে পারি লেল না, ত্রিষয়ব্দক্রেনার্থে মনংক্ষ করিলেন. এইনিয়িতে রাজপুত্র এছার্দক্ষে

কারাগারহইতে যুক্ত করিয়া বেন্তমিন্তরহাল্নামক গৃহেতে পুরিষ্ঠ করাইয়া; এবং নৈই আনে সর্বাধিপতির সমাতিতে তাঁহার যুক্তি ক্রিক্তা করিল। পরে ঐ পুদে শাবিকারী রাজার যুক্তিকরনে দুখ্যাতি পুগুর্ত হইলেও, তিনি এমত রাজকর্মা ভিজ জিলেন, যে ভানেহ ঐ রাজার ব্যবহার জাননার্যে দৃত নিযুক্ত ক্রিলেন, এবং তাহারা পদেহ চৌকি দিয়া রাজার ভাবদভিলাম ব্যর্থ ক্রিল,

পরে ঐ রাজার পুঞ মধান শ্বনিলেন, মে গ্লস্তরের অগুনী তৎপদ্ধ হই য়া মূলার্মে অল্রবারণ করিয়াতে, ইহা ভানিবামাত্রেডেই, যে সকল দুও ভাঁহার রহার্থে নিয়ক্ত চিলে, ভাষারদের হন্তমইতে পলায়নার্যে এক অবকাশ তেখা করিয়া, 🛊 অগুলার সৈন্যের দেনাপতি হইলেন. তাহাতে অগায় এক মূলোপবিত হইল, কিন্ত পুদেশাবিকারির লৈন্যাল সকল বেল্ফ দেশীয়পর্যভের মধ্যে বুভূমিত এব॰ ক্লিন্ত হুইয়া মুববাজ এছাদের দুর্বর্ঘবেরে চচ্ছ করনেতে, সহিষ্কৃত। করিছে এই দুর্দিনে ঐ লেন্তরের পুদেশাবিকারী অতিশয় বিরচিত্ত ञ्जमयर्थ इन्हेल. পূর্বক কার্যাকর্ম করিলেন, এবং তিনপুছর বেলাববি একপুছর রাজিপর্যাও সন্নূর্ণ দাহিনিক হইয়া যুক্ত করিলেন; অবশেষে তাঁহার অশ্ব মারা গেলে, পদ্রুজে মুজ করতে শাত হইয়া, পরাজয় মানিয়া পুাওরক্ষার্থে বিশাম পার্থনা করিলেন, কিন্তু শালুপঞ্জের। তাৎকালিকনিচুরবাবহারপুমুক্ত তাহাতে আইড্ড হইল না. এ সময় বৃদ্ধ রাজা মিনি রুলপুরিভারো নিমুক্ত জিলেন, তিনি অংক্ষতে আঘাত পুর্বে ইইয়া, আক্সবেজুবান্ধবের অজ্ঞাত, কোন এক সৈন্যকর্তৃক মার্য মাইতে জিলেন, ইতোমধ্যে আমি বিস্ফেন্তর দলরের ছেনবিনামক রাজা, এই কথা কহিয়া টেঁচাইতে জিলেন, তাহাতে রাজনৈন্যেরদের এক জন যোজ্তুলীন কর্তৃক রফিত হইলেন. যুবরাজ এমার্দ তাঁহার পিতার রব শ্রবিয়া, যে স্থানে চিলেন সেই ছানে অতিশীলু ঘাইয়া, এক নিঃশঞ্চনানে তাঁহাকে পুরু করি লেন. পরে লেন্তরের মৃতশরীর রজর মতিমরের ছারা নির্দেষকপে ক্ষতবিষ্ণত, মৃত শরীরের মধ্যে পাওয়া গোল; তাহা বিধুববাবহারাবুক্রমে, এবং রাজ বংশো श्वित निमर्मनार्थ, जोशंत मर्जाता विवेश खीत निकरहे शांठीन ताल.

পরে রাজপুত্র এছার্দ ঐ যুদ্ধে সর্বতোভাবে জয়ী হইয়া, নিজাবিকারেতে এক্য পুনংস্থাপিত করিলেন; এবং তাঁহার রাজত্বের তাবদিষয় এযতদ্চ্তরকশে স্থাপিত হইয়ালে ইহা দেখিয়া, ফুশচিষ্ক গুহুৰ করনে মনঃস্থির করিলেন, কেননা ঐ কালে জুশচিষ্কবিারন করন মনুষ্যেরদের মধ্যে সর্বনা শুয়া জিল.

পরে রাজপুত্র এদার্দ ঐ পূর্বোক পরামর্শ নির্ভর করিয়া, অনেক দৈন্য সামত সমভিব্যাহারে জাহাজপুথে ইণ্প্লগুহইড়ে যাত্রা করিয়া, তুনিস্নামক এক স্থানের কিঞ্চিদ্রে, ফুলিনের রাজা লুইদের শিবিরে যাইয়া ওপড়িড ছইলেন, সেই স্থানে ঐ রাজার মৃত্যুদংবাদ শুনিয়া অত্যন্ত শৌকাষিত হই কেন; কিন্তু যুবরাজ হেনরি, ডাহাতে কোন অংশে নাহনরহিত না হইয়া,, ল জাহাজে যাত্রা করিয়া অন্ত্রপুর্কি পুন্যভূমিতে ওতীর্গ হইলেন.

পরে রাজপুঞ্জ এছার্দ পুনাভূমি মারাকরনোপজমের কিছুকাল পরে, ঐ বৃদ্ধ রাজা ছেনরি পাড়িত হইয়। ক্রমেং জীর্ন হইতে লাগিলেন; এবং ঐ বৃদ্ধ রাজা আঝাণীতা এবং রাজছের এতাদুশাবন্ধা দেখিয়া, এছার্দকে আঝানিকটে আনিতে লিখিয়া গাঠাইলেন. অবশেষে রাজছের রক্ষণাপেন্ধনে এবং বৃদ্ধাবন্ধায় দৌর্বলোতে এবঙ অবদার হইলেন, যে ক্রমেং স্বামকশে এদ্খণ্ড সামক বিশ্বাশালাহইতে বেভ্যানিত্তরে আপনাকে লইয়া যাইবার আজা দিলেন. এবং যে রাজে পুন্ধান করিলেন দে রাজে রাজা ছেনরি, চৌগ্রি বংসর বয়সে, এবং ক্রাণাল বংশর রাজত্ব করিলে পর মরিলেন, এই রাজত্ব ই প্রভায়তাবদুব্য বিবর্নের মধ্যে অভিদ্যিত ভিল.

5६ स्वामनारिताय.

भूधम अद्योगित विवत्तन.

যে কালে ঐ অভাগ্যবান্ রাজা হেনরি, ঐ অবাব্যপুজার্দিগের সহিত নির্
থকি বিবাদ করিতেজিলেন, সেই কালে ওঁছার ওডরাবিকারী যে এছার্দ, তিনি
ঐ সকল পুল্যমুজ্জতে নিমন্ন জিলেন, যাহাতে তিনি ইণ্প্লগুট্রেরদের নাম পুলঃ
থাগত করিলেন, এবং ধুনিধের মতাবলম্বী বৈরির্দিগকে কাঁপাল্লেন, ইছা ঘাছা
২ওক, ঐ রাজপুত্র এদার্দ কোন দিবস আদান শিবির্মধ্যে বিদ্যাজিলেন
এমত সময়ে, মহম্মদীয়বির্ম্মতাবলম্বী কোন এক গুল্পছ গার্মমুদাকর্তৃক শার্দারা
বিজ্ঞ হইলেন, এবং সেই হৃতজন্য পীড়াছইতে আনক ক্ষেত্তি সুদ্ধ ছইলেন, যেছে
তুক্ত ঐ সার্থী শ্রী আগ্রমুখ্ছারা ঐ ঘাছইতে বিষকে চুদিয়া লইলেন.

পরে ওডরাবিকারী ঐরাজপুত্র দুর্দেশক হইয়া, দে কালে গডর জোর যুড্য লংবাদ পাওয়াতে এমত লুযোগ ক্রাগেল, যে রাজনিংশ্লিব অন্যায়ানে অন্যানমক্ষী ক্রাগেল.

পরে, এফবে রাজা এমার্দ নির্বিরোধে দিংহাদন প্রাণ্ড হইলেন, এবং জন্য শক্ষীয় লোকসকল ক্ষেথ দুইল হইতে লাগিল, এবং পাত্রযিত্রপুভৃতি অবিনতিবর্রের বছকাল বিরোধ বিদয়াদপুরুক পুরুত ছইয়া আপনারাই ফায়া पिल. এव॰ वैकांशका जीता खखविषा शृथकर इहेल, এव॰ क्वल अरू विषा তে মিলিত হইল; তাহা এই, যে তাহারা পাপাকে ঘ্ণাল্লদ করিবে, ঘেহেত্ক পাপা অনেক কালাববি অনেকপুকার ব্যবহার ক্রিয়া তাহারদের অর্থহরুব कृतिशा किरालन, এव॰ विश्वामीलोह विषय खडाठांद करलपुष्क पुकावर्राता, अ লকল বর্মাপদপাতির্দিরকে তদনুক্রপ অশুদ্ধা করিল. মাহা হওক, পরন্ধর 🖈 সকল অণুন্তিয়ত্তাবলম্বীরা কেবল এই এক বিষয়েতে যিলিল, যে ভাহারা সমাদ্রপুরক কেবল রাজাকে মানিবে; ইহা দেখিয়া রাজা এমার্দ ভাবি লেন, যে বেল্ফনশের সহিত ইণ্পাণ্ডের মিলন করার ওতম সময় এই. ঐ বেল্ফ দেশবাসীরা অনেক কালাববি ৰদেশীয় শাল্র ও ৰদেশীয়ভাষা ও বিদ্যা ও অদেশীয় ব্যবহাঃদারা অভ্যন্ত সুখভোগ করিয়াজিল, এবং ভাহারা পুর্রকালীন ব্লিটিন্ দেশীযেরদের অবশিষ্ঠ লোক জিল, যাহারা কম ও শাক্লন্ জাতীয়েরদের চচাও করন্থইতে রক্ষা পাইয়া, অন্য কোন জয়িরাজার পুরেশকর্নদারা, অদ্যপর্য্যন্ত স্থান্ত্য কাহারে। অধীন হইতে দিল না. এবং ঐ বেলদ্ৰ দৰ্শক লোকেরা সমানভূমিতে, তাহারদের অবিকবলবভপুতিবাসির্দিনকে নিবারন কৰিতে অসমৰ্থ ছইয়া, ঐ বেল্ফাদশন্ত ৰভাবসিল গড়ৰকণ যে দুৰ্গম বন ও দুৰ্গম পর্যত সকল, তাহা তাহারদের রক্ষার পুরান স্থল হইল. এবং মথানং ইংগ্লন্ড দেশ আত্মযথ্যে বিবাদদারা ওৎপাতগুত হইত, কিন্দা মথানং ইণ্প্লভীয় দৈনা সকল অবিকারে বহির্ত হইয়া মুল করিতে গমন করিত, সেই**ং** সময় ঐ বেল্দ্র জাতীয়েরা, দৈন্য সমভিব্যাহারে ইংগ্লণ্ডদেশের মধ্যে চচ্চাও করিয়া সকল রাজ্য লুট করিয়া পুরি সমভূমি করিয়া ঘাইত. ঘাহা হওক, এই কথা পুষার বটে, যে যেহ দেশের নিকটবর্ত্তী অনেকহ কুদু রাজার প্রবহ অবিকার আছে, এবং সেইছ রণজ্য প্যক্ষ অবিপত্যবীন, এবং ঐ অবিপতির্দের পৃথক্ষ্ চেন্ডা যাহাতে আছে এমন যে দেশ, তাহার দুত্রকার তুলা দুর্বকা নাই; যেহেতুক তাহারদের ভিনং মত, এবং পরস্কর হি॰ লাতে পুজারদের লর্ষদা কর্ম, এবং ঘদ্যপি কোন লময়ে জয়বুজ হয়, তবে তাহা স্তর্ণ সামান্য লোকেরদের অপকার হয়. রাজা এছার্দ এই সকল জানিয়া, ঐ বেল্ফদেশীয় অন্তাজ লোকেরদের দ্যানার্থে, ঐ বেল্দদেশীয় লিবেল্লিনিশমক রাজপুঞ, তিনি যে অরাজ্য ইণ্প্লাপ্রাবীন করেন ইহা শীকার ক:নার্যে, নিকটে আদিবার পুস্তাব জানাইলেন. এই পুস্তাব ঐ রাজপুঞ অবহেলা कृतिया कृशिसन, य यमानि आसात उथा याहेसा विविधा आहेमन পর্যাত রাজা এছার্দ আপন পুশুকে আমার ছদ্বোরীর্ঘে বন্ধক রাথেন, তবে আমি

যাইতে পারি, নতুরা পারি না. পরে এই রাজপুত্রের রাজার কথা শ্বীকার না করাতে এছার্দরাজা অসক্ষধ হইলেন না, কেননা এই বিষয় বেল্ম দেশে অভিলম্বিত চচ্চাও করনের নিথিতে ঐ রাজার এক জলের কারন হইল. এই নিমিশ্বে রাজা এছার্দ লিবিল্লিকের বিকলে যুদ্ধার্থে দৈন্যসায়ত স্মারোহ করিয়া, নিশ্চয় জয়ী হইব, ইহা মনে ক্রিয়া, তাহারদের দেশে যাত্রা করিলেন.

পরে, এদ্বার্দ হাজার নিকট হওনের সংবাদ শ্রনিয়া ঐ বেল্কদেশীয় রাজপুঞ, স্বোদন্ দেশের দুর্গম পর্যভমব্যে আশুয় লইয়া, এবং দৈবঘটনাতে যুল্জে পুভায় না করিয়া, स्म न्हारन मामक्षमाकाम धाकिए यनः वित कहित्तन. ने पूर्वमा ४३ मईठ, आतक कालांवि नर्मन अवः माञ्चन् प्रमीय रेमानाव्रपव ठड्डा करवरहराज मे यूववाराजव পূর্বপুক্ষের্দিগকে ফুক্রা করিল; কিন্ত এছার্ব অভিশয় সাবধানপূর্বক ঐ সকল দর্গম পথ জ্ঞাত হইয়া, রাজপুত্র লিবিল্লিনের অবিকারের মব্যে একেবারে ওপন্থিত ছইয়া, সেল্লদেশীয় সৈন্যানের অকর্ধবন্ধ দশকিলে ওপত্তিত হইয়া, ঐ স্থানে রাজ পুঞ্জে অপদন্ত করিয়া বরাজ্যে পুলরাগমন করিলেন. কিন্ত মের্লিন্ নামে এক ভবিষ্যম্বকা, সে গাননা করিয়া কহিল, যে রাজপুত্র লিবিল্লিন্ ব্রিটন্ দেশের অভঃ পাতী যে ক্রুডসেরঅবিকার তাহা তিনি পুনংস্থানিত করিবেন; এই কথায় রাজপুঞ লিবিল্লিन্ অতিশয় শুক্ষা করিয়া ইংগ্লণ্ডদেশীয়েরদের বিকলাচারী হইয়া, পুদর্বার জয়াজয়জাপক এক মূল্র কয়নেতে মনঃ বিষ্ করিলেন. এই কার্যানিদ্যার্থে রাজ পুত্র দৈন্যার সমভিব্যাহারে কাদ্নোরের প্রধানায় পুরিষ্ঠ হইয়া, এবং বেই নামে নদী পার হইংা, যে সময় ডিনি আপুনি আসনাহইতে অতর হইয়া ঐ দেশক কড লি অমাত্যেরদের সহিত পরামর্শ করিতে জিলেন, ঐ অবকাশে তাঁচার দৈন্যসকল এদ্বার্থ মতিমর্দ্বারা চমৎকৃত এবং তাদিত হইয়া, প্রাজিত পরে ঐ রাজপুঞ্জ লিবিল্লিন্ পুনর্কার আলিয়া আঅদৈন্যগনের দুর बन्धा (प्रश्रिया जज्जानांत्र इहेया, अरकवांत्र नेजूदेननायर्था भूबिश्व इहेया, रा মৃত্যুতে ভাঁছার অভিশয় কাঠু। চিলে, দেই মৃত্যু পুলি ছইলেন, পরে এই অভান্য বাৰু রাজপুলের দাৰিদ্বামে ভাতা, তিনিও কিঞিৎকাল পরে তদুংদ্ধভাগী ছইলেন, এবং ভাঁছার মরনেতে ভাঁছার রাজন্ব, এবং বেল্ফাদলীয়েরদের যে পৃথক্ অবিকার তাহাও লোপ হইল; এবং কিছুকাল পরে ঐ রাজ্য ইংগ্লণ্ড রাজ্যের অধীন হইয়া রাজার জ্যেষ্ঠ পুত্রকে দত্ত হইল. যাহা হওক অদ্যদেশের জয়নারা ই॰প্লভীয়েরদের মশ হইতে পারে, কিন্তু এই সন্ধি রাজ্যের ওরতির অধিক কারও ছইল. পরে ঐ বেল্ফ দেশীয় অব্যক্ত লোকসকল জয়িরদের দহিত লংবিশ্রিত হইল, এবং অত্যাল্পকালের মধ্যে তাহারদের যে পরন্ধর দেম তাহা জ্মে ঘূচিল-

किलू काल भारत सार्ध्य उ नारा स्थ्यल । मार्गेत होनीत स्ट्रा १ अप्रांत में

ভংলভ অবিকারকে অবিকারের দহিত মিলাওনার্থে এছার্থ সচেষ্ঠ ইইলেশপরে ঐ রাণীর মৃত্যু হওয়াতে, ঐ ভংলগুয়াবিকার গুহলার্থে ছায়শাজন ওডরাবি
কারী পুল্লত ইইল, তাহাতে পরস্কর এক মহাবিরোবি ওপজ্বিত ইইল; পরে কামতে
বার জনার মধ্যে নয় জন নিরন্ত ইইয়া কেবল তিন জন পুবল ইইল. ঐ তিন
জন, হত্তিদন্ পুদেশাবিকারির বংশাজাত তিন পৃথক কন্যার মন্তান তিল; ঐ
ভিনের মধ্যে জান্ হেভিংশ্নামক যে ব্যক্তি, সে তাহার মাডাকে ঐ সিংহার
নের অংশাবিকারিণী কহিয়া আপনার ওডরাবিকারিতা পুমান করিল; এবং
জান্ বালিওল্ যে ব্যক্তি, সে ঐ তিন কন্যার মধ্যে যিনি জ্যেন্তা, ভাহাকে
মাডামহা বলিয়া আপনার অবিকারিতা নিশ্বা করিল; এবং রাবর্ত রুশ্নামক
যিনি, তিনি ঐ মধ্যমা কন্যার গর্ভ জাত পুল তিলেন। পরেতে এই বিরোবি যে
হার অর্পন করিল; তাহাতে রাজা এছার্থ ঐ রাজসিংহারন আয়ত্ব করিয়া
হালিওল্কে পুতিনিবিকপে ঐ রাজ্যাবিকারে রাজসিংহারনে নিমুক্ত করিলেন.

পরে ঐবালিওল্ রাজপদীয় এত শয় বরং পুজাপদীয় মর্যাদাবিশিশ্ব হইয়া, ছাংলগুদেশীয়সিংহাসনক হওয়াতে; রাজা এছার্দ আত্মরাজহ্বতা পুজার্থের পুতি পুকাশ করলার্থে, পৃথকং রাজাজাহারা অভ্যন্ত্র বিষয়ের নিবিতে, এক বংসারের মব্যে জয়বার বালিওল্কে লণ্ডন্ নগরে আনাইলেন ভাহাতে ঐ ছাংলগীয় পুতিনিবিকপে স্থিত যে রাজা, সেভাবিল যে আমি নামমাত্রেতে রাজা, ফ্রতাতে নহি, সেইহেতুক এমত ব্যামোহদায়ক স্থামীর হন্তহইতে মুক্ত হুওনার্থে রাজাভিমান ক্রিয়া, লিথিত নিয়মপ্রান্যাচর্নজন্য পাপ্যোচনার্থে, পালার শর্নাপর হইল.

যাহা হওক, পরে রশ্বনে ক্ষংজাতীয়েরদের আদীত যত সৈন্য, তাহারা ঐ
এছার্দ রাজার জয়ী লৈন্যের সাক্ষাৎ দাঁহাইতে সমর্য হইল না; তত্ত্বযুক্ত ঐ এছার্দ
রাজা অনেক যুক্তেতে তাহারদিগাকে পরাজয় করিয়া নির্দ্বসূর্দ নিংহাসনক্ষ
ইইয়া, নানাপুকার অক্ষয়পদ ও নাম এবং সন্ত্রমের চেন্ধা পাইলেন; এবং যে
সকল নিয়মিতবারা, পুজারদিগাকে পুরীর আবীসভার মত রাখিবার ওপলক্ষর্ব
জিল, সে সমুদায় রম করিলেন. পরে বালিওল্কে বন্ধ করিয়া লণ্ডন্ শহরে
আনিয়া পুরীর্দ্বপ্রাদি, যাহাতে ক্ষংজাতীয়েরদের অহন্ধারের বৃদ্ধি পাইবার
কোন ওপায় জিল, ভাহা সমুদায় সমূলে নন্ধ করিলেন.

যাহা হওক, এই সমন্ত চচাও করনেতে, লভাহেতু না হইয়া বরুং কেবল যশের হেতু হইল; এবং এসকল যুভবিগ্নহ নিমিতে যে সকল অর্থসঞ্চয়ের আবশাক জিল, ভাহাতে কেবল রাজা বিপদ্ধুত হইলেন না, কিন্ত রাজসিংহাসনপর্যাতও বিপদ্ধুত ইইল, পারে এ বৃহত্তকপ্রাপার সিভ কর্নার্থে, অকীয় পার্নিয়েত নামে মহাসভাস মর্নের ছারা অনেক অর্থ দান্পুত করিলেন; এবং ঐ সন্ত্রান্ত মহাসভাসম্বর্গের যেকপ বীরা অদ্যপর্যাত চলিত আছে, তাহা তৎকালে ঐ রাজাকর্তৃক পুথ্যত, গ্রেথবিত হইল. ঐকালীন যেমন বানিজ্যব্যবসায়ন্ত্রারা, এবং ওতরোতর কৃষিকর্মের বাছ লাছারা, রাজ্যের অর্থ দকল, অবিপতিরদের হাতচাড়া হইয়া দাযান্য পুজারদের হন্তরত হইল, তেমন রাজ্যার্থে বছজর্থ লংগুহকরনবিষয়েতে, ঐ লমান্যপুজারদের ও সমাত হওদেতে আবশাক জিল, ইহা সকলেই বিবেচনা করিল. এই নিমিত্তে রাজ এরার্ন সেরে দ্বামক দওনায় কেরদের ওপর এই আজা দিলেদ, যে প্রীর্ রণজন্মের বিষ্মানুসারে। পুত্যেক নরববাদীরা একং পর্রানাছই ত দুইং জন স্বাইৎ দামক যোজ্সূর্লালেরদের দহিত, সহাযাছেতুক অবপর্বানার মধ্যে পুত্রেক জেলা ছইতে দুই১তন লাহাম্যকারকেরদিনকেও পাঠাইবে; এবং ঐ ব্যক্তিরা তাহারদের পুেষকের্নের জানে এডজাপে মাথোচিতপুাপ্তপরাক্রম হইবে, যে রাজামগলার্থে যেহ আবশ্যক বিষয়ের প্রার্থনা করিবে তাহাই পাইতে পারিবে, অএতব তাহার দের ওদ্যোলের মধ্যে এই ওদ্যোগ পুথম জিল, যে মেগলাচার্তরনামক নিয়ম পত্রে রাজসভাসরর্রের আফর করিবে; এবং পার্নিমেন্তের সম্মতিবিদা পুজার দিরের অ্বানে ক্রান্ত কোনহ কর লইতে, কিমা অত্যাতার করিতে পারিবে না, এই কথা ঐ মেগানাচার্তরনায়ক নিচ্মপত্রের মধ্যে লিথিয়া দিল. পত্রে অধিদর করিতে রাজনভানদের। শীঘু সমতে ছইল, কেনশা এছার্দ রাজা ঐ সময়ে দ্রাওসদিশো জিলেন; এবং পরে মধান জাহার নিকটে পাঠান গেল তথান তিনি অয়ণ্ট অল্প্রলদেহপূর্ষক তদনুমায়ি দাফর করিলেন, এবং অদেশে পুন রাগমনকালে এ সকল নিয়ম দ্চীকৃত করিলেন. হইতে পারে, যে তিনি এ সকল নিয়মবিষয়ে পুথমত বড় একটা সম্মত জিলেন না, কিন্তু শেষে এ নিয়মপতের মধ্যে যেহ বিষয় প্রার্থনা করালিয়াচিলে, সে সকলেতে সর্বতোভাবে সমত হইতেই এত দ্রপে শতবৎসরাবিক বছবাদানুবাদের পর, মেরানাচার্ত্যনামে যে नियमबन्तन, जोश मई(जोडोरव चित्र इहेन; এव॰ मे नियमभन चित्र इअनिवस्य, य देश्रु ए महीप्रशंकांत्रावादार स्वी मकलश्रेष भुवान अव माश्मिक तांका, ष्ठ वर्ष्क (य देश चित्रोक्ठ शहेल, देश उाशांत परलापयशुपर्मक हिरू शहेल ना.

পরে, ক্রুজাতীয়েরদের গ্রুক্তের মধ্যে অতিশ্য মাগতাপির ওলোম্ বালিস্
নামে এক জন, ঐ সময়েতে ইণ্ট্লাগুদেশীয়েরদের অধীনতাহইতে, ক্রুজাতীয়ের
দিগকে ওলার করিতে মনোযোগ করিলেন. এই ব্যক্তি ক্রুজাতীয়েরদের মধ্যে
কোন এক ভদ্রলোকের কনিচ পুল জিলেন, যিনি ঐ পুদেশের পন্টিমাণশে বাস
করিতেন; ঐ ব্যক্তি অভিবৃহৎকায়, এবং অভিশায় বলবান, এবং অভিনির্ভারতঃ
করেন, এবং কর্মা আবিনিতাকান্ত্রী, এবং সামা ক্রেশীয়মপ্লেচ্ছ জিলেন পরে
বলবান এবং অংক্তির এবং দেখিক্ত এবং আছ্মশাভিলান্তিপুত্তি, মাহারা

ইংগ্লভীয় রাজশাসনের বীরাবিময়ে অসমতে ত্রিল, তাহারা আসিয়া ঐ ব্যক্তির লাহিছ থিলিল. ঐ সকল লোক আপনার আপৎকালে কথালুঙে কালমাপন করিয়া, তাহারদের দেশপতির বৈর্যা এবং দুর্ভিছসময় শুমকরতে সামর্যা, এবং মাহা মনুষ্মের সহাকরতে অসাব্যা বোবি করিল, তাহা সহ্য করত দেখিয়া, তাহারা অতি শুলাভজির মারা তাহার অনুগত হইল. পরে ঐ ব্যক্তি ফুদুছ চছাও করনমারা, এবং কথানং ইংগ্লগুয়েরদের সহিত যুলকরতমারা, তাহার বাখবল পুথমত পুকাল করিল; কিছু কিছু কাল পরে সে ব্যক্তি ঘোরতর সংগ্রামে ইংগ্লগুয়ে করাইয়া তাহারদের সেনাপতি সকলকে মারিয়া দেলিল.

পরে রাজা এছার্দ, যিনি ইংপ্লান্ড দেশে এই সকল দুর্দশা ছটনের সময়ে প্লান্ডর্ম দেশে রিয়াজিলেন, তিনি এই সকল সংবাদ পাইয়া আআজান্দাপনার্যে, ও পূর্ব্ব জয়াক্তাবিকারের শাসন করনার্যে, অতিশীদ্ধ আপনার রাজধানীতে পুনরায় গামন করিয়া, তাবদেশক লৈন্যের দিরাকে আহর্ত্ব করিয়া, এক লক্ষ নৈন্যের সেনাপতি হইয়া, ঐ ভ্রুত্বজাতীয়েরদের পূর্বাপরাবির পুতিত্বল নিশ্চয় দিব, ইহা পুতিজ্ঞা করিয়া, মুভ্রেত্বক ওওরদিরো যাত্র। করিলেন.

পরে, ছাত্মকনিমক এক ছানে সংগ্রাম হইল, মাহাতে রাজা এছার্ন সর্বতো ভাবে জ্ঞান ইলেন. ঐ সংগ্রামে রাজনে ক্ষং জাতীয়েরদের বারোহাজার, কেন্ব বা কাহে যে পঞ্চাশ হাজার, লোক মারা গোল; কিন্তু ইংগ্লণ্ডীয়েরদের এক শতও মারা গোল দা.

পরে, এপুকার বিষমাঘাত পাওয়াতে, ক্ষং-জাতীয়ের পরাক্রম এবং সাহস, সমাক্
পুকারে ন্যুন হইল না; এবং অত্যন্ত্র সময়ের পরে, তক্রপ যুল্ল করনে যে অতিক্লাত
হইয়া দুর্বল হইয়াজিল, তদবন্দাহইতে ক্রমে সবন হইতে লাগিলে পরে প্রলাম
বালিল্ যিনি আফানাংসদার। ঐ সকল দৈন্যের দিগকে ক্রকীয় প্রেমণীভূত করি
ফাজিলেন, তিনি ক্রাহোপুক ষিকার পুতিফলতাগাকর বরারা, জানাইলেন যে তিনি
ভাহারদের দ্বেরে যথোপযুক্ত পাত্র বটেন ভাহাতে ঐ ওল্যেয় বালিল্ আপনাকে
পাত্রমিত্ররেরে হিংসাক্ষল জানিয়া, এবং সেই হিংসাঘারা কিপর্যান্ত ভাহার
দেশের অমন্দল হইতে পারে, এই বিষেচনা করিয়া, রাজ্যের পুরীনত্বের ভার
ভাগে করিয়া, কোন এক সামান্যকার্য্য গ্রুহন করিলেন পরে ঐ বালিল্, ক্রিমন
নামক এক ব্যক্তিকে ওপমুক্তপাত্র জানিয়া, ভাহাকে ক্রনীয় পদে অর্পন ক্রাইতে,
অনুযতি দিলেন; এবং ঐ মহন্যান্তি ঐ পদে নিযুক্ত হইয়া, তাহাতে ক্যোগাতা পুকাশ
করিতে ওদ্যোগ করিল পরে ঐ ব্যক্তি শীভূ শাতুবদিগকে ভাক্ত করিতে লাগিল,
এবং এককানে ক্রিল পরে ঐ ব্যক্তি শীভূ শাতুবদিগকে ভাক্ত করিতে লাগিল,
এবং এককানে ক্রিল পরে ঐ ব্যক্তি শীভূ শাতুবদিগকে ভাক্ত করিতে লাগিল,

ভাহাতে বারস্থার চড়াও করিলেন, এবং এদিন্বর্গ নগরের নিকটে রস্লিন্ নাযে একস্থানেতে, ইংগ্লভীয় সৈনোরদের ওপর চড়াও করিয়া সর্বপুকারে জয়া-হাইলেন.

शाहा इंडक, कूमिश्वंत कान रेमवच्छेनांद्र, नै अवार्य ब्राजात शर्वाकंयवृत्तीक्षांत नामजा हहेल ना ; (यारहजूक ने त्रांजा अवार्ष, शार जातक जाहां ज अवर रेमनामा মত সমারোহ করিয়া, মাহার্দিরোর সহিত রুবছলে মুদ্ধ করবেতে শতুর্দের পরা ভবের কোনহ সম্রাবনা জিল না, এমত এক মহায়োজনপূর্বক ভংজাতীয়েরদের **मीयांग्र ४जोर्व इटेलन. अव॰ निक्षंग्र जशी इटेव टेटा** छोविया, मृतास्त्रिया গাম লট করত এবং গড় সকল হত্তগত করত, এবং যে সকল পাত্রিত্রপরেগ ভাঁহার অবীনতা ৰাকার করিল, তাহার্দিগকে তথোপয়ক কার্ঘ্যে সংবাপন করত, ক্রমে অনুনামী হইয়া দেশের একদিনহইতে অন্যদিনপর্যাত ওপস্থিত হই इंश्रं गरी क्र जो जीए बर्म हा या अकारिनजा, जोशा या निश्में सकरन नान इस, ट्रोहांत त्कवल अक वांदी फिल; डाहा अट्टे, में अलाय वांलिस, सिनि এতৎকালপর্যাত্ত পরাধীনতা ৰাকার না করিয়া অলু ৰদেশীয়নৈনা লয়ে লইয়া, এক পর্বতহইতে অন্যপর্কতে পলায়ন করিতেজিলেন, তিনি স্বভাবিক আত্মার্যানিতা ও দৌভার্য ত্যার করিলেন না. কিন্ত কিঞ্চিংকাল পরে, এ যে অত্যল্প আশা জিল তাহাও শীৰু নিরাশা হইল; যেহেতুক ঐ ব্যক্তি সর্জান্ মতীথ নামে এক জন আমলোক, যিদি তাঁহার লুক্কায়ত স্থান জাত চিলেন, তৎকর্ত্ক প্লান্বোনামক এক স্থানের নিকটে নিদুবিস্থায় বৃত ছইয়া রাজার হন্তরত ছইলেন. ঐ কালীন রাজা এছার্দ ভংজাতীয়েরদিরতে আতক্ষ দেখাইয়া পীয়া দেওলার্ঘে, লৌহশুগ্রুল ম্বারা তাহাকে বন্ধ করিয়া লণ্ডন্ শহরে পাঠাইলেন, এবং দেই স্থানে তাহাকে क्षीनि प्रवशाहेगा अवः अञ्चलाता अध्य क्राहेगा अवि निर्मणकान बारिया (क्ला इलिन.

পরে, ঐ ক্সংদেশীয়েরদের রাজনিং হাসনে ওডরাবিকারী হইতে ইন্ধুক হইয়া কিল, এমন যে রাবর্ত্তপ্রদামক এক জন, যিনি অনেককালাববি লওন শহরে বন্দী হইয়া রহিয়া জিলেন, তিনি কারাগারহইতে পলাইয়া আপনার দেশ শাবী নতা করিতে পর্ন করিলেন; পরে ঐ বাক্তি রাজার ভ্তাবর্গের মধ্যে এক জনকে বর্ব করিয়া, যে কর্মা অত্যজব্যবহারছারা আরম্ভ করিয়া জিল, তাহা দুর্বর্ঘ সাহস স্থারা ক্রিকৃত করিতে হইল. পরে ইংগ্লগ্রীয় দৈন্য সকল, যাহারা ক্ষংদেশ রক্ষার্থে নিযুক্ত জিল, তাহারদিগকে অভিশীঘু বহির্গত করিয়া, ফিলুকাল পরে ক্ষোন্ত কিল, তাহারদিগকে অভিশীঘু বহির্গত করিয়া, ফিলুকাল পরে ক্ষোন্ত নিয়ে বর্মাণালাতে আন্ধ নামে বর্মাণালার বর্মাব্যক্ষকর্তৃক অভিসমারোহ পূর্বক ক্ষরাজ্যে অভিনিজ হইলেন, এবং অনেকে তাহার নিকটে আনিয়া তাহার পরাভ্ত ক্ররোবিকারিতার ক্ষাক হইল. পরে, রাজা এম্বার্দ, ঐ রাজ্য দুইবার পরাভ্ত ক্ররের পর, এবং যাহারা ভ্রমীনতা আকরির না করিল তাহারদিগকে ততবার

ক্ষমা করবের পর, এবং ঐ দেশের সমস্ত ভাগে তাঁহার পরাক্ষ্ম পুকাশ করবের গ্রত পরবাপর যে পুজারান ভাছারদিগতে গুহন করিলে পর, ঐ বৃদ্ধরাজ। দেখিলেন, যে ভাঁছার সকল কার্য্যই পুনর্বার নুতন করিতেই হইল; এবং যে অদ্যাধি তিনি নিক্তমেরে রাজ্য করিবেন, তবে তাবৎপুজার্দিরকে নিংশেঘকশে স্ংহার লা করিলে রাজ্যের ভদ্রত্ব লাই ইহ। ভাবিলেন. আহা হওক, এই লমুটের অত্য তাকান্ত্রিত যে আশা, তাছা অভিকণ্ডশেনেও দিবারিত হইল না; এবং বৃদ্ধদাা পদ হইলেও, তাঁহার দর্শনে যে তিনি ছৎজাতীয়েরদের মধ্যে আর একবার ভয় জন্মান, তদর্যে এক শেষসাংগ্রাম করিতে মদক করিলেন; এবং ভাবল্লোকেরদের विकास अहे भुष्टिक कहिरानन, या योवर खरकाडीयमकन कल्लयान इहेगा লইতোভাবে দাসৰ থীকার ব। করে, তাবৎ রাজার জুলাস্য ভূষ্ঠ করবের কোব अनीय नारे. नार अवार जानन जविकातत मगुनीय मनामवार्शतिएता. এব॰ ঘাহারা ঘোলৃত্বনীনপদে স্থাপিত ভাহারদিগতে আজা করিলেন, যে তাহারা সকলে অগ্রেসর হইয়া, যে স্থান তাহারদের একত্র হওনেঃ নিমিতে নিক্পিড কেল, এমন যে কালিশ্ নামে স্থান, সেথানে ঘাইয়া পুস্তত ইংয়া রাজার माहाया करतः हेरजायाचा ने बांक आग्रायत् पि वालिक् नाय स्मनानिहत् আজাरह मूहे मल रैमानाव्यमिताक चातु स्वथ्न । मान (भूत) कतिलन. ঐ ব্যক্তি, পর্য নামে প্রগ্রার অভঃপাঙী মেধ্বেন্ নামে এক ভানেতে, নিজ প্রাক্ষরারা ক্রনের নহিত দংম্থাদংগ্রাম ওপতিত করিয়া সর্হতোভাবে जमी घटेन. ये विषयांचीय प्रयत्नव शात, ये क्यांवी ब्रिय बांका यांचार्य कहा। भवारिक भुष्टिम्ल प्रअवीर्ध, अवन या भुजावा जोशंव विवेक इरेगि जिल, देश या ক্লের এক ছেতু ছইবে এই আশায়, তিনি আঅদৈন্য সকলকে দুই দল করিয়। क्ष-तंश्रामान व्याप्त्रे अनिक इहालन. अवन में महिमक व्राक्ता, यिनि व्राक्त कोरूकमार्थित। अना कान विषयां कर्णाठ निर्मय कि.लन ना, जिनि मे मीनशीन শ্রুণাগত পুজার্দিগকে, এবং যাহারা ওাঁহার কোন বাবা জন্মাইল না ডাহার দিনকে, দও দিতে অশকা হইলেন. পরে তাহারদের নমুতা দেখিয়া তাঁহার যে প্রীয় আশা তাহা সকল নিয়াশা হইল; এব॰ যাহারা তাঁহার জুলাদ্যের বিকল্ডে কেবল অভ্য**ভান্**প্র**তা পুকাশ করিল,** ডাহারদের সংহার করনেতে লক্সিড হইলেন. পরে ঐ রাজার মৃত্যু হওলেতে, ভংজাতীয়েরা তাহারদের সমস্ত শঙ্কাহইতে নিফ্ (यत रहेमा, ठिवन्यामिनी अवीनठारहेए मुक्त रहेन. शाह ने अवार्य बाजा उपवासस রোরার্ভ্র হইয়া, চার্ল্জাইলু দরারেতে ম্বিলেন; অভিযদময়ে তাহার পুঞ্জে এই इनाएंग नित्तन, या याव - क्यालक्षान मई जोडांचाव अविकार ना इस, जावय मूच् करात क्रमा प्रिया ना; अव॰ ने अबार्ष हाजा ने हाजारिजार्थ याहार कहिएाजिएलन, ভাহা ওাঁছার পূর্বে যে সকল রাজারা জিলেন এবং ভাঁছার পরে যে সকল রাজা

ि उच्चार्य.

গান হইলেন, তাঁহারা তাদ্ক করিতে পরিলেন না. এতদ্ধপে পুডাপদারা রাজত্ব করিয়া, শান ১৩-৭ এক হাজার তিনশত দাতে শালে; জুলাই মালের দাত ডারিখে, ৬৯ ওনদাতেরবৎদার বয়ন্তে, এবং তাহার মধ্যে পৃঁইতিশ বৎদার রাজত্ব করিয়া, পুনিত্যাগ করিলেন.

३७ जरम्भानीवारम्

ছিতীয় এছার্দ, কার্শাবল লামে থ্যাত রাজার বিবরণ.

রাজপুর এছার্দ মথন তাঁহার লিতার ওত্তরাবিকারী হইলেন, তথান কেবল এয়ে বিশাতি বছসর বয়ন্ত জিলেন; তিনি দেখিতে বড় সুদৃশ্য, এবং আভাবত হিং সারহিত, এবং অভাল্পদোহবিশিশ্ব পুরুষ জিলেন. কিন্তু এমন যে ঐ ব্যক্তি, তথালি তিনি পুতাপান্থিতিলিছান্দান পুলিনে অনুপ্রমুক্ত পারের ভিন্ত দর্শাইলেন, যে হেতুক তিনি নির্বিশ্বকপে করাজ্য রক্ষাকরলাপেকা রাজ্যের সুথভোগাভিলাঘী জিলেন, অবিকন্ধ সভাক্রহর্গের অভ্যতানুগত হইয়া মনে এই ভাবিলেন, যে লিংহাননপুত্র করলেতে আমার মথেশ্ব ক্ষাক্র প্রভাগ হইয়া মনে এই ভাবিলেন, যে লিংহাননপুত্র করলেতে আমার মথেশ্ব ক্ষাক্র প্রাহাহ আজ্যা করিয়া নিয়াজিলেন, ভাহা না করিয়া, ঐ ক্রন্ম লামে ব্যক্তির বিষয়ে যাহাহ আজ্যা করিয়া নিয়াজিলেন, ভাহা না করিয়া, ঐ ক্রন্ম লামে ব্যক্তির দ্বিভাগ নিয়ার্কারে হিলেন কর, এবং তিনি দেশগামনে মোলার মত না যাইয়া, একমহা ভাগাবানের মত ব্যবহার করিলেন.

দুর্বলরাজারা সর্বাদ কোন এক আত্মীয়ব্যক্তিকর্তৃক শানিত হয়; এবং যে পুথম ব্যক্তির ওপর রাজা এছার্দ মন রাথিয়াজিলেন ডাহার লাম পিয়র্স গাবেন্তন্, বিশি গাব্দুন্তালীয়েরদের মর্বো এক মোজ্কুলীনের সভান, এবং গাভরাজার সে বাতে নিমুক্ত জিলেন, এই মুবা ব্যক্তির পুতি মদ্দারা পুতি জন্মে, এমত কায়সৌন্দ র্ম্যাদি অনেক ৪০ জিল, কিছ মাহাতে মান্য হন এমত ৪০রহিত জিলেন; বিশেষ বত কুমার এবং চতুর এবং সাহসিক জিলেন, কিছ তথানি বিনম্ভ ও কার্যাসিয়ম এবং লক্কট ও চক্তাল জিলেন; এই সকল দোম ঐ মুবরাজার মনে জড়ীভূত জিল, তাহাতে ঐ মুবরাজ যে ডাহার পুত্রপকার করিতে পারেন ইহাতে আপনাকে অকক ভাবিলেন. পরে গাবেন্তন্ অভিপরাক্ষয়েতে মন্ত হইয়া, এবং অহঙারী

ও আত্মন্নাদী হইয়া, ইণ্ণাপ্তীয় সভাসডের্দিগকে হেয়জান এবং নিশা করিলেন, মন্নিমিতে তিনিও তুদ্ধীকৃত হইলেন. পরে ডাহার বিকল্পে এক কুশরামর্শ শীন্তু ওপন্থিত হইল, মাহাতে ইজাবেল্ নামে রানী এবং লাংকান্তরের পুদেশাবিকারী, মাহারা বড় প্রাক্তান্ত জিল, তাঁহারা পুরান জিলেন,

यशि १४क, देश यूका अविमश्क, य मनामहात्रहामह केका अव उदेमत्का क्रांनी हे जारवलांक शक्षकरण माहांचा इअन, जाहा अकर्मना अक मूर्वल क्रांजांक, এবং তালার সার্রহিত যে বব্দু, তাহারদের ওদ্যোগছইতে বলবান হয়. পরে 🕈 রাজ। এছার্দ অভির্চিত হইয়া তাহারদের প্রামশে ঐ গাবেরনকে রাজ্য হইতে বহিষ্ঠ করিয়া, কিজুকাল পরে ডাছাকে পুলর্ষার আলাইলেন; ডাছাতে লকল দেশ শক্ষান্বিত হওদের মধ্যেষ্ঠ কার্ব হইল, পরে পুরান্থ লক্ত অৱিপত্তি বর্গের। অন্তর্যুহন করিল, এবং লাশকান্তরের পুদেশাবিকারী, ঐ অনির্বার্য্য মন্ত্রনা কারিরংদর পুরান হইল. পরে ঐ দুর্ভাগ্য এমার্দ, তাহারদের নিবারনে ওদ্যোগী ना क्हेंगा, तकवल जांबाक्कार्ध मराध जिल्लन, अव नमारे जांबाक्कानबील থাকাতে আক্লাদিত হইয়া, তা**হাকে লগে করিয়া তিন্তং নগরে আহাতে চতিয়া** চ্চার্ট্রাতে ওতার্থ হইলেন; সেই স্থান নিরাপদ্ জানিয়া গাবস্তনকে নেই স্থানে রাথিয়া, শতুসহিত যুদ্ধ করণার্থে বা হওক, কিন্তা আপনার দর্শনে শতুরদের (मघित नामा(धेहेवा इंडक, स्र. ग्रर्क नतात पून र्गमन कहितन. हेशंद्र मादी। ल ম্রোকের পুদেশাবিকারিকর্তৃক ঐ গাবন্ত ভার্বানামক গড়েতে বেঞ্চিত ছইল, এবং যদাপি ঐ গড়ক দৈনা দকল যথোপযুক্ত খাদ্য লামগুলুপুার হইড, তবে দে গড় আক্রমন কর। অলাব্য হইড; কিন্তু গাবস্তন ঐ বলৈন্যের দুর্দরা জানিয়া, অভিশীঘু সন্ধি করিতে ওদ্যোগ করিল. এবং সন্ধিপতে এই নিয়ব ক্লারেল, যে ভিলি দুই মাদপর্য্যন্ত পেন্ধ্রোকের হল্তে বন্দী হইয়া থাকিবেন, এক ঐ দুই মালের মব্যে ঘাহাতে লইসমতি হয়, তাহার ওদ্যোগ করামাইবে. কিছ म याहा १४क, अमार्प त्य अकल महत्क वीक्रिया यात्वन, अयन लिख्नात्क्र ইয়া জিল লা; অতএব বান্বরি নরর দমীপে দেবি তন্ রড়ে পুরুষার্থে আজার্থি লেন, যে স্থানে ঐ পেন্ধেক অন্য কোনহ কার্য্যমনেত, অল্পুলৈন্য তাহার রক্ষক कृतिया वाशित्तन. भारत ये में बाम भारेया वातित्कत भूरमणाविकाती, य स्थान ঐ দুর্জান্য নাবন্তন্ কিল, ঐ নড়েতে চচাও করিয়া অতিশালু ঐ নত হত্তনত করিলেন পরে লাণকান্তর এবং ছের্ছর এবং আরণ্ডলের পুদেশাবিকারীরা, আতি भीर्ष् वंशित्कत चलाप्राधंत मध्याप, अवः य जीशांत्रापत नेजू, वांतिक्नायक ্রাড়েতে বন্দী জিল, ইহার সংবাদ পাইলেন; অতএব তাহারদের বন্দির বিষয় ্রিফ পরামর্শ করণার্যে, ডাহারা সকলে অতিশীলু সেই স্থানে গমন করিল. পরে

এ বিষয়ে বছ বিলম্ব করিল লা, যেছেতুক তাহাকে রাজ্যের শানু, জালিয়া, তাহার বিলাশে মনঃবির করিল; এবং দে ব্যক্তিও যে মরনার্থে পুস্তত হয়, ইছারে অব কালাবিবি দিল লা; কিন্ত তাহারা তৎক্ষরে ব্লাকলো ছিল্ লামে এক কাল, যে মানে ঐ কর্মের নিমিতে বেল্টজাতীর এক জন জন্লাদ পুস্তত করা রিয়াছিল, সেই কানে তাহার মন্তক কেনে করিল.

পরে, রাজা এদার্দের দূরদ্ধক্রমে, অভিশীয়ু আরু একবার কৎজাতীয় ক্রন্ मात्रक क्रिमां प्रित वानारेमना मकलाइ हाहा वाह्न वर्ग नार्य अक हात्न ह নিকটে পরান্ত হইলেন; এবং ঐ ছানে আছাত পাওয়াতে আক্ষাত্যার্থে, অন্য এক কর্মানির্বাহক প্রিয়পাত্রের আশ্বেষণ করিলেন. এই প্রিয়পাত্রের দাম হিওঘ দি ল্লেন্দ্রর, তিনি ইণ্প্লগুজাতীয় এক মহাবণশপুসূত জিলেন, এবণ অনেক পুকার ৬ত্তম গুণবিশিষ্ঠ মূবাপুক্ষ জিলেন. তাহার পিতা তাহাহইতে অধিককপে नाना भूकार विश्वमनीय जिल्लन, এव॰ अिंजुर्शिनभूयूक मञ्जात जिल्लन, এবং জ্ঞানবান্পুদুজ ঘাবদাযু মান্য চিলেন, কিন্তু ঐ ব্যক্তি অয়ংই এবং ভাছার পুত্র, এই দুই জন মৎজ্ঞাববি রাজানুগ্রীত হইল, তৎক্ষ্ণাববি ঐ সকল ওত্তম শুৰ ক্ৰমেং হ্ৰাস পাইতে লাগিল, এবং ডাহাহইতে মন্দেহশন হইতে লাগিল; যেহেতুক ঐ এছার্ম রাজা, আজীয় পাত্রের পুতি অনুগ্রুহ দান করবার্যে, কতক গুলি মণ্ডলেশ্বরেরদিগের অবিকার সকল অন্যায় করিয়া হরও করিয়া লইলেন. পরে যাহারা অনেক কালপর্যাত রাজদোষাছেমী চিল, তাহারা এই বিষয় ওপলক করিল, এবং লাংকান্তরের এবং হের্ঘর্দের চুদেশাবিকারীরা অক্সপ্তর করিল; .এবন পার্লিমেত অর্থান মহাসভাসনকর্তৃক এক আজা দেওয়া গোল, যে (झन्द्रः नांत्य पूरे वाकित यथानईच मध कहिया, यावज्जीवन जाराविताक (प्रमा হইতে বহিষ্কৃত করিবে. পরে রাজা এই সংবাদ পাইয়া, ঐ আলন্যাবন্ধা ছইতে ওঠিয়া, ভাঁছার প্রিয়তম ঐ দ্ধেন্দ্রের পক্ষ হইয়া যুক্ত করিতে মনঃব্দির করি লেন; এব॰ তরিমিতে ত্রিশ হাজার দৈন্যনামতের দেনাণতি হইয়া, লাওকান্তরের পশ্চাতে এমত বেগে গোলেন, যে ডিনি সৈন্যসামত আছরও কণ্ডিবার সময়ও পাইলেন না. পরে ঐ লাওকান্তরের পুদেশাবিকারী একস্থানহইতে অন্যস্থানে পলায়ন করত, অবশেষে জৎলওদেশে যাওন সময়ে সর আগ্র হাক্লাকর্তৃক বৃত ছইয়া বন্দী হইলেন. এবং পূর্বে, এই লাণ্কান্তর যে ঐ গাবেন্তদের গুড়ি অভ্যন্ত্র দয়ালু জিল, তরিমিতে তাহার বিষয়েও অত্যন্ত্র দয়া করা গেল. পরে কোর্ড মার্লল্ নাযে এক মুদ্ধের ব্যবস্থাদারা তাহাকে দোঘী করিয়া, অভিক্লিখ এক অশাক্ত করাইয়া অত্যাপ্যানপূর্বক পান্দুৎ নামে এক ওয় স্থানে লইয়া ঘাইয়া मधन्यांनी अस याजि अज्ञाप छारात नित्रकंपन सहित्र

্রাণ, এই যুব এমত সহতোভাবে জয়মুজ হওয়াতে, কেবল ই যুবা ল্লেন্দ্রারের অহজারের ও মাৎলর্য্যের বৃত্তির কারন হইল; মেহেতুক মাহারহ মথাসাহার হরন করা গিয়াজিল, তাহার আদক অকার্য্যার্থে অপজত হইয়াজিল, এবং নির্দোষ পুজারদেব দওকরনেতে অনেক অমথার্থ অন্যায় ব্যবহার করিল.

কিছ যাহা হওক, এইকলে অতাবিক ভয়ন্তর এক শতুর সহিত ঐ ঝাজির মুন্ধ कतिए करेल, अधीय होती हेमांख्या, धिति अविनंग मुब्द अहिती बक की जिल्लामः में सांनी शृह्यं गुँगिनम् मार्ग श्रेलाग्न कविया, गांवरशर्यात मे ল্পেন্দর রাজার লাক্ষাৎহইতে দুরীকৃত, এবং রাজ্যবহির্ত লা করা যায়, ভাবৎ रे शंख (मार्ग ना योशन मुख्जि कहित्सन. अहे मुख्जिक बाहा, जिनि विषय ম্ব্য পুর্তি হইলেন; বিশেষত, যে স্থানেতে এ ক্লেন্ডর অভিযুণাল্ল বিলে এ মত যে ইণ্পুত দেশ, দে ভাবে মহাধ্যাত্যাপর হইলেন; এক দেশে বান করতে মর্ডিমর লামে মহাকুলপুদ্ত এক মুবা ব্যক্তির সহিত পুর্পুটিকরত বিষয়ে আলাতিলাম পরিপূর্ণ করিলেন. এইতেতুক মাহারা কোন দোমপুমুক चारमं जात कतिया जानियादिन, जधवा चुमनार्ध मारे भूपरेन जानियादिन এমত অসক্ত ব্যক্তিরা সকল, ঐ বাধীর সভাতে আশুয়ের স্থান পাইল, এত ক্রাপে ক্রমেডে, ঐ রাণী অভিশীঘু তিব হাজার অপ্রবারীযোদ্ধা সমভিব্যাহার করিয়া, দর্ভ লামে বন্দরহাইতে জাহাজপথে যাত্রা করিয়া, কোনো বিষয়ে वांविड ना बहेगा, निकामात माएकत उठि अमेबिड बहेलन. असह मान দর্শন দিবামাত্রেতে, তাবংলোক রাণীর পক্ষ হইল, তাহাতে ঐ অভাগাবান রাজা দেখিলেন, যে রাজন্ব্যাঘাতক শ্বভাব রাজবাদীতে কেবল নহে, কিন্তু রাজ্যের দার্থত্র ব্যাপিয়াকে. পরে জ্যেষ্ঠ স্লেন্দ্রনায়ক সেনাপতির ব্যাপ্য त्य मकल रेमना, विकल तारुख कांडनी कहिया हिशाकिल, जांडांद्रापत सरिप्र এ রাজা: যৎ কিন্তুৎ ভরদা জিল; কিন্তু এ সকল দৈন্যরেও পরস্তুর ভাষারছের দেনাপতির বিফল্পে বিবাদ করিয়া, ঐ অভাগ্যবাশ্ প্রিমুপারকে শতুহতে গছিত कृतिल, अव मे मकल विवासकाती जितिनिष्ठिता, जोशांतक कृश्मिषकांत साहित বার কারন দোলীকৃত করিল. পরে তাহাকে অনাতে লব্বিত করিয়া জাঁলি দিল, এবং তাহার শরীর ফতবিষ্ণত করিয়া তুকুরকে থাইতে দিল, এবং তাহার निशहरान कृतिया विष्केष्ठतं नशरत ल्युबन कृतिन, अव मह सात छथ कानवामित्रपूर्व पर्मनार्ध अक अह वारमंद्र अनात होत्राहेश दिल.

পরে ইম্মাতারাবাদ্ মুরা মেন্দ্রর, তাহার পিতার মরণের পরে, বিভর কাল ভীক্ষান থাকে নাই; এবং ঐ অভারাবাব রাজার অনুবাত হইয়া তদ্ধারাপ ভাবি কতগুলা লোকের সমতিব্যাহারে, বেল্ফদেশস্থ এক ফুল্লবিম্পালায় বৃত হইয়া বলী হইলেন, এবং ঐ নির্দিয় অয়ীরা তিরজারপূর্বক নির্কুরতাবাংল তালারদের বিলেন এবং ঐ রাণী ইনাবেল্লা নিচারাশে জাপর্যান্ত বৈর্যা না করিয়া, বিজ্ঞানকারী ঐ নকল লোকের নাফাৎকার ঐ লেন্দ্র রবে নারণার্থে বহিষ্কৃত করিতে আজা করিলেন, এবং ঐ ব্যক্তির দুরবন্ধা দেখিয়া রাণীর নেজ্রপুথ জনিবাকে অত্যন্ত আক্লাদিত হইলেন. তাহার দাঁদির কার্চ পর্কাল হাত ওর নির্মিত জিল; এবং তাহার মন্তক লগুন শহরে প্রেবন করা নি মাজিল, যে জাবে পূজারা নির্দ্ধুরতাপুর্বক জয়যুক্ত আক্লাদতে তাহা পুরুন করিয়া সংক্রমণারি লাইকাইয়া দিল৷ পরে, যাহারণ ঐ নময়ের পূর্বে, আপ লারনের নির্দ্ধুরব্যবহারদারা যদি এমত নির্দ্ধুব্বার্যারণার্য বিক্ সাহত তাহার হাত গালিত, এমত অনঃ আনেক মণ্ডলেশ্বপুত্তি যাহারণ দলক মণ্ডলেল, তাহারদেরও ঐ দশা ঘটিল.

नहें महत्व महाम तांजा, यिनि छत्मा कतिलान (य (रल्क्सप्राण जानुव कतिला क्रका लोहेंब, তিনি অভিশীঘু পুকাশিত হইলেন; এবন যাহার। ওাঁহার পুতি নিচুর वावशास्त्राता आञ्चयमकायना मिला कतियाकिल, ठोशांद्रपद शास हाहि इहेलन: भारत लारिकंतरम् ह जिल्लात अव नियाभुईक विश्विष शहेगा, तांकवानीत ताङ्ख बंबी क्रिया ब्रांशा लालन. नात विष्ठांत्रवाता जातांत्र अनतातित याता त्करल अहेर নিশ্বয় হইল, যে তিনি রাজকর্মে অপারক, এব° সর্ম। অলসচিত ও সুথাভিলামী, এবং মন্মত্রীকর্তৃক শিক্ষিত জিলেন; অতএব এই সকল অপরাবের নিখিতে পার্লি स्व अञामवार्तना **डीहारक** ब्रोजकर्मातू उ कतिए अविशोध अकरोका इडेग्रा, कैशिह अञ्चलिषिकार्थ अक्वार्षिक कहिए। पिल. श्रेद होस वर् महवएक वैश्वित ্রে পুত্র এছার্ন, ডাছাকে রাজা করিয়া দিংহাদনত্ব করিতে ভির করিল, এবং 🗈 রাজপুত্র রাজেপিযুক্ত হয়সহওনপর্যাত রাগী ইদাবেল্লাকে রাজকর্মে নিযুক্ত करिन. योश इंडकं, में लोका ठ्रांड रोका, डीहार पूर्वमी घरेत्तर श्र. जडा क्रकाल विकालन, अवर्र जिनि अरु पूर्वाठोड वाकित नाम निकृत तकरकत দের পরিহালের পাত্র হইয়া, এক কারানারহইতে অন্য কারানারেতে প্রীবর্তা হইতেঃ তাহার তবুশেষ হইল. পুর্থমত, লাক্ষান্তরের পুদেশাবিকারির শালে বন্ধ হইয়া গাঁট্টিড জিলেন; লারে ঐ পুদেশাধিকারী হাঁজার পুতি কোন जन्म (सह शुक्रांम कहावह जाता, जोशह रखहरेट नोठ हरेग़ा, दक्ति अव्यक्ति क शिर्मार्थ नार्य अव्यक्तिकात, याशांत्र विश्वासकात अव्यक्ति वान जिया कतिया ब्राधिल, कारांत्रपत राख शक्कि कहा शालन. यार रेडक वर्लि জানে মণ্ডলেশরের কিপুকার ব্যবহার রাজার পুতি জিল, তাহা কহা মান্য লা, ক্রিক জল্য দুই ব্যক্তি যাহারা, তাহারা এই বির করিল, যে রাজা যেপর্যাত कांबाहरमूह इस्क धारकन, समनगढ डांशांक कांनर भूकारह मूथी किया मूभ

भारित पिटन हो। এব॰ এতজন্য जाहात। अभुकात अवर्गामा अव॰ किन बार्वहात बाता क्राजात निशुह के झिछ् नाशिन, य व्या गांग्र य जाहाता क्राजात मुखि क्रान कत्रत किंडि जाहात मृजु हो, अहे जाहात्रमत आंगा किन.

পরে, অনাং অনেক ক্লেশারিওকার্য্য যাহা ভাহারা করিল, ভাহার মধ্যে ইহাও ক্ষািত আছে, যে তাহারা তাহাকে প্রক নগরের পুরিভাগে অনাবৃত ভূমিতে লইয়া ঘাইয়া, ওপদান করত এক নিক্টবর্তা নির্দ্মার জল লইয়া তাঁহার শিরোমুগুন कतिल. भूनम ने बाजाव विधाप देशां किथि कार्ता, य देशां भूदि विकिश्व खामान अ अमर्गामा भारे माजिलान, जारा खाँडियेमा मुहक महिकूकी करिया किरलन, किन अर्थन अविश्वारण, जिनि अरकवारत वलवृश्चित्रशिक क्टेंग्लनः अर- के দকল নিদ্য অপমানকারক শত্রদের পুতি অনুতিচিতের ন্যায় চারিয়া, রিলাপ ক্রত ইহা কহিলেন, যে আমি পুনঃমন্ত্রাত হইয়া, অধিক মান্য হইতে পারি এমন किन्द्र व य उद्दिश्य भुजानी काहा वार्थ इंडेन, ল্ময় অবশ্য হইতে পারিবে. (क्नन) में निर्मशंभयानकांद्राकता जकाल प्रश्चिल, य में सक्त निर्मंग वादशांद्रद्रे श्वाता वेशांत युवा इहाय ना, अब अहा यमिनार्ध बारकाव याचा महोबर्जन হইতে পারে; অতএব তাহারা ববভয়হইতে আপনার্দিনকে মুক্ত করনার্দে একেবারে উছিতি বর্ব করিতে নিশ্য করিল. পরে এতৎ কার্যাসার্বার্থে, stice ac महादर्मनामक जीशांत मूहे तकक, **जाशांता य कात अवार** हाजा वस किरलन, अयन य विक्कि नाय शृङ् **जांशरक**्षानिया, यनूष्यात्रापत নির্লন্ধনকপে ওাঁহাকে বর্ষ করিতে পরাবর্শ করিল. 🕟 পরে তাঁহাকে এক এছে। পরিষ করিয়া, একটা বৃহৎযেজ ওাঁছার ওপরে চাঁপা দিল; এবং এক দেঁপা नेत क्यानारुमा उर्शित मलबादिममा शुराम क्रारिया, अवहा तकार्व मक्रालीर भोलांका ने नालत जिजरामिया अपरायशि भूविश कहाईका, अपरानांकी प्रक्रे करिया বিনাচিছে তাঁছাকেপুৰি মারিল, পরে ঐ ব্যক্তিরা, এইক্স নির্মাণ্টালারা যে जाहाता वाजाव मानगणकवनजनारमांघ छ। वाशित हें। जीविन, किन माबिन না; যেহেতুক তৎকালীন ঐ রাজার অভিকাঠার চিৎকারশর, মাহা গড়ইতে অনেকদ্রপর্যান্ত থকা থেল, তাহাতে রাজার প্রাথদভের লামেহ জিমিল. काल शहर में वाक्तिइसिक मारी। अक जन, में विश्व मुकान कहिला, मकति जाना रतल; (कनना अग्रं नितृष्ट के नक्सलित गरन गरी। महा जल्म, अव प्राधीन याग्रीम् अधिकम् अधारमंत्र (य जानक मांच जोरां अरे जनमेज मध भागवन् क भाग नूब रहेर नाति.

কন্যা থাকাতে, দীর্ঘকায় নামে থাাত দিলিপ্ রাজ', ওাঁহার কলিপ্ প্রতিত্ব কলার বিকলে দিশহাসন গুহুলার্যে ওপক্রম করিয়া, ন্যালিক্লামক ব্যাক্ষানু মায়া, যাহাতে জ্ঞা লোকেরা ওত্রাবিকারিলী হইতে পারে না, ঐ ব্যবস্থানারা তিনি মে ঐ রাজ্যের ম্যার্থানারা তিনি মে ঐ রাজ্যের ম্যার্থানারা তিনি মে ঐ রাজ্যের ম্যার্থানারা করিলেন মাহা হহক, পরে রাজা এলার্র তিনি মে ঐ রাজ্যের ওত্রাবিকারা, তাহা এইপুকার জানাইলেল; মে ওাঁহার মাতা রালী ইনাবেল্লা, তিনি ঐ গোরা নামে থায়াত ফিলিপের কন্যা, এবং দুঁগলিদের রাজ তিন রাজারদের জালা, অতএব দৌত্রি সভান মাতামহের দিংহাসন গুহুল করিতে পারে. কিন্তু পুর্যাত্র করিয়ে আপতি করনের ম্যার্থাতার বিষয় আক্রমতানতের নহিত পরার্থাকরাকে, দীল্ল, ভাছারদের অনুমতি পাইলেন পরে মেমপুত্তির লোম, মাহা দ্বিমন্ জাতীয়ের নিকট পরীবর্তনকর্ময়ারা অর্থমণ্ডতি করিতে নচেথা জিলেন, ভাছার মর্ব্যে ম্যোপ্রকু দক্ষে করিয়া লইলেন, এবং ইংপ্লেণ্ডায় অনেক দৈন্য দামতের মিরকে, এবং ইংপ্লেণ্ডায় অনেক মেন্ডা দামতের মিরকে, এবং ইংপ্লেণ্ডায় জানকয়, মুন্তু নিমিতে জাহাজ লয়ে, দিশ্যে জয়ী হইব, এই আক্লোদেতে পরিপূর্ণ হইয়া, মুন্তু নিমিতে জাহাজ প্রথা মুণ্ডাব্র দেশে যাত্রা করিলেন.

পরে, ইংগ্লপ্তিয়ের শুঁদিনেরদের, বিকলে যে পুথ্যত মহাপরাজয় পুণ্ড ছইমানিল; তাহা এই, ইংগ্লপ্ত ও শুঁদিন্ এই ওচয় পলেরদের প্রয়ের নাক্ষাৎ হওয়াতে, মুণগুর্দ দেশের তইনমীপে অত্যত ছোরতর জলোপরি লংগ্লামতে শুঁদিনের ২৩ দুইশত কিশ জাহাত, ও বিশহাজার আহাজত দৈন্য, এবং আদ্যুদ্দিন্যক নেনাপতি দুই জন, মারা গেল.

পরে রাজা এলার্দের ফিনারায় ওতীর্ন হওয়ার স্থিনি, এবং তাঁহার দৈনা মাহারা সমস্ত দেশে বালিয়ালিল, তলারা হইয়াজিল যে ওৎপাত, তাহা দুঁলি সের রাজবানী অববি সকলকে চমৎকৃত করাইলা পরে কাইল নামে এক ন্থান পূমেতে ইংগ্লেডীয়েরদের সৈনালারা লুট হইল; এবং পারিশ শহরপার্য ও তাবৎ প্রাম ও তাবলগর ঐ দশাপর হইল; এবং ঐ চলাওকর্তার চলাওকরন নিবারনার্মে, দেশত তাবৎ লক্তম ভ্যাবিনা দুঁলিলেরদের আর কোনহ ওপায় জিল না. পরে ঐ কালান দুঁলিদের রাজা যে ফিলিপ্, তিনি শত্রনিবারনার্মে ওদ্যোগ করনে আলস্যুক্ত জিলেন না; যেহেতুক্ত তাহার দেনাপতিরদের মধ্যে গদ্মার দি ফাই নায়ে এক জনকে দৈনাস্বভিষ্যাহারে দোম্ নদীর জন্যপার্শে, যে ন্থানিয়া রাজা এলার্ম ঘাইবেন, তথায় ভাছার্মিগাকে স্থাপিত করিয়া, স্বয়্রু ঐ ক লক্ত্র দৈনার লেনাপতি হইয়া, ইংগ্লেজীয় দৈনােরদের সহিত যুক্ত কালিয়া স্বরিলেন.

পরে, ওভয় পক্ষীয় দল বছকালপর্যাত সংম্ঞাসংমূ আ হওয়াতে, ওভয়পক্ষেরদের

ফুল (এ স্কু ইছার অবিক আর কোন আকাঞ্জা কিল না; এবং ওভয়পদ্ধীয় দৈনা গান্ অভ্যত ন্যুনাবিক ছইলেও, বিশেষত ইংপ্লণ্ডীয়েরদের কেবল বিশ হাজার দৈনা, এবং দ্র্যানিনের কৈরা এক লফ বিশহা জার হইলেও, তথাপি রাজা এদার্ঘা আঅনৈন্যেরদের মনজামনা স্থান্ত করনার্থে, জয়াজায় দৈবাবীন, ইছা বুজিয়া, যুল দিতে মনঃখির করিয়া; ক্রুদি নামে নগায়ের নিকটবভী আপন শিবির করিয়া রহিলেন, এবং নেই জানে অভিদুন্থিরিটিও ছইয়া পত্রুদের আগমনা পেনী হইয়া রহিলেন, পরে এক ওপ্ল ভূমির ওপর ব্যুহতায় করিয়া, জনৈনার দিগাকে অভিশুন্তাপুর্ক রাখিলেন, তাহার মধ্যে পুথম ব্যুহের সেনাপতি বেলম্ম দেশের রাজপুত্র জিলেন; এবং নজীয়ন্ত আরগুলের প্রদেশাবিকারিরা, দিতীয় ব্যুহের সেনাপতি হইলেন; এবং নত্তীয় ব্যুহ, মাহা শেষযুক্ত নিক্সিত জিল, ভাহার সেনাপতি রাজা আপনি হইলেন.

পরে, অন্যশক্ষ, দিলিপ্ রাজা, শতুর পুতি ঘেটপুযুক্ত এবঁও আপনার দৈনা বাছল্যেও নির্ভর করিয়া, যুল্লতে কে জয়ী ইইবেন ইহাতে দাববীনপৃষ্ঠক ওপ যুক্তকার্য্য করনাপেকা, ওজয় দলের যুল্লারম্ভ করেনেতে অবিক সচেম্ব জিলেন; তরিমিতে ঐ নাজা, মদৈন্যের্দিরিকে তিন বুছে করিয়া, ইংগ্লাজীয় দৈন্যের দেয়ে সংম্পূর্থবর্তী ইইলেন; পুথম ব্যুহেতে ১৫ পদর হাজার জিনোইস্ জাতীয় বিদুর্শর জিল, ঘীতীয় ব্যুহেতে দ্র্যানিসের রাজার জ্লাতা জিল, ও তৃতীয় ব্যুহেতে রাজা ময় ই সেনাপতি হইলেন.

পরে ট্রালিসের রাজা, ঐ সকল বিশুর্বরেরদিনকে তারক্ষেপনের আন্তা দেয় লেতে, তিনপুরুর বেলার সময়, ক্রেসিনামক যে অতিথ্যাত্যাপর যুদ্ধ তারা আগ্র ছইল. কিন্তু ঐ তারলাজ সকল, পথশুবিতেক্লাত হইয়া, যুদ্ধে পুরুত হওনের পূর্বে কিন্তু কালপর্যাত শুবি নিবারনাথে প্রাথিনা করিল. পরে কৌত আলেন্দ্রন্, তারার দের এই পুর্যেনা সংবাদ শুনিয়া, অশাকত হইয়া তারারদের নিকটে যাইয়া, কাপুত্র ইত্যাদি বাক্যদারা ভৎসনা করিয়া, শীলু যুলারম্ভ করিতে আন্তা দিলেন. কিন্তু সে সময়ে একটা ভারিবৃত্তি হওয়াতে, যোলারদের বনুগুর্ব লিথিল হইল, তারাতে তারারা শরক্ষেপ্ত বিষয়, পূর্বহ্রতে এখন অবিক অলেমু হওয়াতে, কার্যাসিলি হইল না; এতরিয়িতে যুদ্ধ হওলে যে যৎক্তিক অভিনাদ জিল কার্যাও নিবৃত্ত হইল. পরে অন্যপক্ষীয় যে ইংগ্লেণ্ডায় বিশুর্বর, যাহারা আপনার দের বিনৃত্ত কোমবির রাখিয়াজিল, সেই সময়ে তারাবদের ওপর স্থাপুকাশ হও বৃত্তে এবং লক্ষ্যতেদ্য শাল্পক্ষীয়েরদের দৃষ্টির বৈলক্ষত্য হওয়াতে, এমত বিশ্বতর এবং লক্ষ্যতেদ্য শার্ ক্ষেণ্ড কল্পত্ত ক্রিক্ত আর কিন্তু দেখা বেল দাং পরে বেক্দের অবিশ্বতি যে যুব্রাত্য, তিনি অভিনাহ দিক হইয়া, এই অর্থ দিনে বিশ্বতর অবিশ্বত যে যুব্রাত্য, তিনি অভিনাহ দিক হইয়া, এই অর্থ দাং পরে বেক্দের অবিশ্বতি যে যুব্রাত্য, তিনি অভিনাহ দিক হইয়া, এই অর্থ

কার্ব নির্ভ্র করিয়া, আপনার ঝাবা নৈন্যের ব্যহকে মুরার্থে অনুস্কুক্রি ल्लन. भाव आल्लासन् नाय पुष्टिम्माओडीय अश्वाकल्यप्रमानाभाडि, जिन • কাটিতি চিভিয়া আদিয়া, ই॰গ্লভীয় দৈন্যেরদেব চর্দ্রণার্ম্ব বের্ডন করিয়া, চন্ধ कति उ नातितन. अये जयदा युववाज यूल उप्पूनिय पृथ जिल्ला, अवन पर ন্ধানে তিনি সংগ্রুমি ওপন্থিত ক্রিলেন দেই২ স্থানে জয়ী হইলেন, এমন যে যুৱ হাজ ভাঁহার দাহাম্য করবে ঐ সময় আরপ্তেল্ এবং বর্তান্তবের পুরেশাবিকারী রা ৬পদ্বিত হইল. পরে এমন সময়ে, ঐ রাজপুলের চতঃপার্থ (রাধন করিয়া অভিছোর্তর সংগ্রাম হইতে লাগিল, এবং ঐ যুবা রাজপুণের সাংস ও যুব বৈল্লা দেখিয়া, ডভিপুৰীৰ যোদ্ধা সকলের আশ্র্যা বোধি ইন; কিন্তু তাহার नांश्म (प्रशिव्य जांक्या तारे इहालाउ, डीहींब दकांब विवय मिक्कियाजिदिक জিল না; এবং পাজে রাজপুঞ্রের কোনত্ আপদ ঘটে, ড্রিফিডে ডাছার এক জন পুৰীন সেনাপজিকে এই নিষ্টেদন মইয়া, যাজনিকটে পুেরুল করিল, যে হা**জা,** হাজপুলের ওপকারার্যে, লালাম্যকারী অন্যথ সৈলের দিরাকে পাঠাইয়া দেন. তাহাতে এছার্ম রাজা, যিনি এই সকল সময়, এক বায়ুঃপুটোর্যকল্মরের ওপরে থাকিয়া জতিস্ভির্চিত হইয়া যুদ্ধ দেখিতে জিলেন, তিনি জতিনির্বিশ্ব ছইয়া ইছা জিজাদিলেন, যে আমার পুঞ্জ মরিয়াত্রন কি না; বার্চিয়া আচেন, এবং তীলীয় লাহদের আনেক অত্যদ্ভুত পুষার দিতেজেন, এয়ত ওড়র পুঞ্জ करेलां अ. योजा এই আজা पिलान, (य यां अ. आयात सकल सिनाने कि पि গাকে কহ, যে তিনি আমাছইতে কোনো ওপকার পাইবেন না; যেদেত্ক 'দিনের মত মশ ভাঁচারি হইবে; তিনি যে অন্তর্বারনের মোটালোক, ইহা যেন সকলকে দেখান; এবং জয়ের নিমিত্তে কেবল আঁঅন্তনের ধনী গ্রন্থক, ভাঁগার পিতার এই বাকা রাজপুশের এবং ভাঁহার সহালেরদের নিকটে জাত করাইবাতে, ভারারা অবিক সাম্পুরু মইয়া, আর একবার ট্রানিসেরদের অস্থাকচু সৈ ন্যের্দের ওারে যুকার্ড করিল; তালাত পালাকর্দের মেনাপ্তির্দের মধ্যে আন্লেন্দ্ৰামে দকলহইতে সাগদিক দেবাণ্ডি মারা গোলৰ. ইহাতে শাত্রুরদের সমূলের বিলাপি হওবের ওপজম হইল, এবং ট্রীসিলেরা এখন মধো পমুক্ত সেবাপতিরহিত হইয়া, এলুয়ামেলুয়া হইয়া এবং সভল সৈন্য পরাপ্ত মুখা হইয়া পলায়ন করিতেছিল, ইতোমবী মাবৎপর্যাত রাত্রি ওপন্থিত হইয়া তাহারদৈর কাটাকাতির নিবারকানা ছইল, ভাবৎণর্যাত ভাহারদের শ্রুচাল্লারী নৈন্য সকল, নির্মেবণে তাছার্দিরকে তরবারে হত করিল। পরে এমন ওপমুক্ত मामग्रिक जग, नद॰ रे॰ प्लंडीरग्रहामत पूछि अमा उल्लाहक मुक्ति भूत জয়, তাহা কথানো হয় নাই; মাহাতে শত্রুগ্যের্দের অসংখ্যাদৈন্য হত হইল, ১ কিন্দ্র ডায়ীরদের কেবল এক স্ফুল্টির, এবং তিন যোল্বুলান এবং আন্যয় কডক

রেলি ফত্রপদ্দ লোক মারা ওল.

পরে, এইং লাভ জাড়াও, এই জয়েতে আরো অনেক বৃহল্লাভ ওছুল হইলঃ (घारजुक अक्षेत्र तांजा, घिनि जागी इअनाधि धामक विवयक जिल्लन, जमाना জয়ের পর সহিবেচক হইয়া, ইহার পরে যে অনায়ালে ট্রানিস দেশে পুরিষ্ট হইতে পারেন এমত এক ওপায় হস্তগত করবে মনঃবির ক্রিলেন, পরে এই আশায়ে কালাইশ্ লামে গড় বেখন ক্রিলেন; ই গড় ই লময়ে জানু দি বিএরি নাষে এক জন বিজ্ঞাননাপতিকর্তৃক রচ্চিত চিলে, এবং শ্বন্ফোপযুক্ত লইনাম গ্রীতে পরিপূর্ব জিল; পরে ঐ এছার্দের ঐ সকল আয়োজন অভিনিথিলকণে করা রোলেও, অবশেষে সমলে হইল. ঐ রাড়ের কর্তা ওড়মকপে রাড় রক্ষা করিল, এবং या निवर्धक (लांकनकल, यांशांब्रिशिक अवार्ष वाजा, शादा प्रांशृहक निर्विष्मकार যাইতে দিলেন, তাহারদিগকে যে শহরের বহিভুত করিল, তাহাতেও ঐ গড়রক্তনো দ্যোগ বার্য হইল; কেননা এছার্য রাজা ই গড় দুর্ভিন্ধপৃষ্টক হস্তরত করিতে মনস্থ করিয়াজিলেন, এবং অবশেষে বার মাদ বেখন করবের পরে, এবং রহৃতের। निमानकोलन्थि र्थगां उ ने तड़ रखतं रहेल. भरत असमि तांका ने महात्त कप जन भुवीन लोक, योशांद्रा जांशांक जवहना कृतिशक्ति, अव यांशांद्रा রাজার ক্রোইনিবারনার্থে আপনারদের রালায় দড়ি দিয়া আপনারদিরতে রাজার নিকটে সমর্পন করিল, তাহার্দিগাকে বই করিতে পন করিলেন; কিছ রানীর কাকুভিতে তাহারদের পুাল রক্ষা পাইল.

পরে যে সময়ে এছার্দ রাজা মহাল্লীপে জয়য়ুক্ত হইতে জিলেন, সে সময়ে ল্ডৎজাতীয়েরা ঘাহারা দৌরাক্সকরনে এবন আবাভিলাম পরিপূর্ন করনার্যে <mark>অবকাশ</mark> চেমা করিতে নিতাপুনৃত ছিল, তাহারা দেবিদ্ ক্রন্নামক তাহারদের রাজাকে দেনাণ্ডি ক্রিয়া, অনেক দৈন্যসামত লম্ভিয়াছারে এছার রাজার পার্দ্ধ**ম সকল** অবিকারে চচ়াও করিল. পরে এমন সময়ে, এডজাপ অকন্মাণ চঢ়াও করনেতে, ইংগ্লন্ত জাতীয়েরা মংকিঞিত চমংকৃত হইমাজিল বটে, কিন্ত ভাছাতে লক্ষাৰিত হইল না; যেহেত্ক লিওনেল্নামক এম্বার্দ রাজার পুত্র যিনি, তিনি তাঁহার পিতার विष्मार्गामनमाराया है श्रीअप्रामा बक्ककाल नियुक्त जिल्लन, किन जन्नवमुख्क মুলার্যে সেনাপতি হইতে অশক্য জিলেন, তথাপিও মহাদ্বীপে জয়ের সংবাদ পাও शांতে আলোকপুভৃতি দাহদিক হইয়া রবোদ্যোগী হইল; যেহেতুক ফিলিপ্পানামক এছার্ম রাজার রালা, সৈন্যসায়ত সমারোহ করিয়া অয়ণ্ট সেনাপতি হইয়া শত্রুসংগ মুলার্থে গমন করিলেন. পরে পের্মিনামক রাজমন্ত্রীকে পুরান সেনাপতি ক্রিয়া দ্র্মামক কর্মসাপে নেবিল্লকশ্বামক এক ভাবে ভংজাতীয় শতুর দের সহিত সাফাৎকার করিয়া যুল দিলেন. পরে ক্ষৎজাতীয়েরদের যুদ্ধে, রাজা ও প্রাদ্ক রুণাঝাল্লী হইয়া ভাবিলেদ, যে অব্যবন্থিত দৈন্য এক মাহারদের খুবৌ জীর কর্ম আছে, এমত দৈলোগুদিগকে অনায়াদে জয় করিব; কিন্তু এ বিষয়েতে, রাজা অভিশয় ভুাত জিলেন, যেহেতুক দ্বায় তাঁহার সর্থনিদ্য দামত রুলন্দলহইতে তাড়িত হইয়া পরাজ্যুথ হইল, এবং তাঁহার প্রবেগ হাজার দৈনা কাটা গোল, এবং আপনি অনেক আআয়ি পাত্রমিত্ররর্গের এবং যোক্তুলীনের সহিত্রকা হইয়া, জয়চিত্ত্বকপ লণ্ডন্শহরে আনীত হইলোন.

ইহার অত্যল্পদিবদ পরে, লৈজিনামক দানের নিকটে ব্লাক্ নামে রাজপুঞ্জ, আর্যাৎ কাল রাজপুঞ্জর্জ্ক, অন্য এক জায় লভ্য হইয়াজিল; যাহাতে জান্ নামে দুঁলিদের রাজা বদ্দী হইয়া, অনেক রহল্যদুখালোকেরদের দাহৃদ্ জয় চিছ্ দ্বকাল লগুন শহরের মধ্যদিয়া আনীত জিলেন. পরে, এক রাজবানীতে, এককালে, যে দুই রাজা বদ্দী হইয়াজিল ইহা এক বৃহৎকার্যান্ধকণ বোর হইল. কিছ এ বিষয়ে ইংগ্লিও দেশ, কেবল যশোমাত্র লাভ পাইল এবং দুঁলিদের দেশে, এই দমত যুক্তজন্য আপদের পর, এবং আয়োজনকরলথারচের পর ঘাহালভ্য হইয়াজিল, তাহা ওড়রোভ্র তুঞ্জীকপে পরাজ্যজন্য অমর্যাদা ব্যতিরিজ্ঞান্ধ হইল.

পরে, ইংপ্লিণ্ডীয়েরা পুলংকৈলাহরএকরএদারা থাতে যোরাগিবনে অভ্যত ক্লাত হইতে লাগিল, এবং যিনি লাবাই দেশেতে বন্দী হইছা মনিয়াজিলেন এমন যে জান্ রাজা, তাঁহার ওওরাবিকারী যে চার্ল্ড্রনামক রাজা, তিনি অমাপক্ষে নিংশেষ জয়াজয়লূচক যুদ্ধ যে না করেন, ইহাতে অতিশার দাবিধান হইছা, সৈন্যালামত দ্বারা লুরফিত যে তাঁহার দেশ, তাহা পুলং, লুট কংলোঘোরছারা শত্রুদের বল ক্ষয় করেনেতে নিক্ষের হইলেন. পরে যথন শত্রুয়া শুতি হইছাজিল, তথন যেহ জানে আর্ব্রহার্যে অশক্ত জিল, দেই সকল স্থান চছাও কিছা হন্তবাত করেনে দিকা করিলেন; যেহেতুক তিনি পুথমত পডিওনামক স্থানে চছাও কিলেন. পরে আহিবিলি নিরালারা ভাহার পুতি পুর্ছারকণার খুলিয়া দিল, এবং বালল্ ও ক ও ক্লোট্য নিরালারা ভাহার পুতি পুর্ছারকণার খুলিয়া দিল, এবং বালল্ ও ক ও ক্লোট্য নিরালার্যা ভদ্বীজিক্ষে কিলে, এবং অল্পুদময়ের মধ্যে তাবদুজ্যে নিংশেষকপে হন্তবাত হইল. পরে তজ্ঞাপ রাজ্যের ছফিনপ্রবান্য লকলও, তাহার পুরীন্য দেনগণিতির্দের চছাও করনে ত অনায়ানে হন্তবাত হইল; এবং কালনা মক রাজপুত্র ইণ্ডাও দেশহইতে ওপকার্যহিত হইয়া, এবং পীড়াতে জর্ম্বাভূত হইয়া, ট্রালিল্ দেশের দক্ষিনাং শে রাজকার্য্যকর্মনকল যৎকুৎলিওকপে রাথি য়া, স্বদেশতে ফ্রিয়া যাওনের আবশ্যক জানিলেন.

পরে যাহা হওক, এতজ্ঞপ মগাপুতাগালিত গাজা এলার্দের রাজন্তের শেষা বন্ধা, যে অভিদুর্বন্দান হইল, তাহার কারের এই: কালনামক রাজপুত্র যিনি অভিথ্যাত, এবং অভিগ্রমতাপল, এবং ওপযুক্ত মতান জিলেন, তিনি জটিরিশ বংসর বয়ঃজ্ঞামে এক অসাধিঃরুল পৌরস রাথিয়া পুলি ত্যারা করিলেন, এবং ভাঁহার মৃত্যুজনা যে শোক এবং থেদ, তাহা তদেশীয় পুজারণ শীঘু বিন্দৃত ছইতে পারিল না

পরে, রাজা এছার্য ঐ শিশ্ব পুত্রের মৃত্যু হওয়াতে অত্যত শোকাকুল হইয়া, রাজ কমাপুভৃতি তাবছিয় বাপারেতে বিয়ক হইয়া রাজকর্মাতারা করিলেন, তাহাতে ঐ রাজ্যা কেবল দুঝাপহারকমন্তিবর্গেরদের ওপভোরা হইল. ঐ রাজার জনোমহইতে ওৎপর হইয়াজিল যে পাড়া তাহাতে, পুত্রমরনের এক বৎসরের পরেতে, যেহ পাতানিত্ররর্গ্রা ঐ রাজার কৃপাতে বনবান হইয়াজিল তৎকর্মক ত্যাজ্য হইয়া, দলিব্যাপা শোন্দামক জানেতে প্রথম্ভি বংসর বয়ংক্রমে, তাহার মধ্যে একালবংসর রাজ্য করিয়া, সন ১১৭৭ তের শত সাতাত্র শালে মরিলেন. ঐ রাজা গুজারদের স্কেপাত এত নহেন, কিন্তু অবিক পুশংসনীয় জিলেন, এরং তাহার মৃত্যু শোকের বিবর না হইয়া, অবিক হর্মের বিষয় হইল.

গার্ত্রনামক যে পদবী, তাহা এই রাজন্বেতে নিকলিত জিল; এবং এই ব্যবন্ধা করা নিয়াজিল, যে রাজা বিনা ফেবল অন্য চির্মি জন ঐ পদবীতে নিযুক্ত হইবে. এ কথা নিনিও আজে, কিছ কোন পুচিনিরাজোপাঞ্যানবজারদের লিঞ্চানু মায়ী নহে, যে কোনহ এক সময়ে এক নাচ হইয়াজিল, তাহাতে শালিস্বরি নররতে। গিনী নৃত্য করিতেই তাহার রাওর অর্থাই পায়ের মোজাবন্ধক থানিয়া পড়িল, তাহা রাজা আপনিই ওঠাইয়া লইয়া, এক চর্ন কবিতা পাঠ করত ঐ গ্রী লোককে দিলেন; সে কবিতা এই, হোনাই শোহাই স্থাই মাল্ আই পেন্দ্রি, অর্থাই যিনি মন্দ্র ভাবেন, তাহার মন্দ্র হওক. ক্যিত্র আজে, যে হঠাদুওপন্থিত এই বিষয়ন্ত্রারা রার্ভরনামক পদবী গ্যাত হইয়া পুথ্যত স্থাই হইল.

পরে, ঐ এরার্দ রাজা, হাইবাল্ডের দি ি গ্লা নামে রাণীর জাত, অনেক সতার রাথিয়া মরিয়াজিলেন; তাহার মধ্যে কাল নগ্যে যে জ্যেও রাজগুঞ্জ, তিনি তাঁ হার পিতার পূর্বে পরলোক পাইলেন, কিন্তু রিচার্দনামক যে অপর পুঞ্জ, তিনি ক্রিংহাসনপুঙ্গে হইনেন.

३८ मर्कमारीमग्र.

विजीय विकासित विवत्न.

य मगरा ब्राजिम् किर्ना दीशां विषयर कि शामन हरेलन, स्म मगरार ह रकरल astia व मत्रवय किलान; as पुजाबरमव जमाखामाव मांग्र, as मीन दीनांवकांग्, अवन् भाजयिजवर्रात प्रतियावकांग्र, अवन् कलहकत्वावकांग्र मिन्हा সন পাইলেন. পরে ঐ রাজপুত্র অল্পরয়ক্তপুযুক্ত, ওাঁহার তিন পিত্র্য অর্থাৎ **লা॰কান্তর** ও য়র্ক ও প্লান্তরের অগ্রুনীরদের পুতি রাজ্যশাসদের ভার তর্পিত ছট্যা পরে গতরাজা যে অনেক পুকার যুক্তিগুছের মধ্যে রাজ্য রাখিয়া तिग्राफिलन, जारा मयांश क्वनार्ध (य जलक वार्यं जारमाक जिल, जारा দেখিয়া পুজাবর্রের দের মধ্যে কলছ এবং অসভেমি দিনেই বৃদ্ধি পাইতে লারিল. এবং চতুঃপার্শ্বর শতুরদের সহিত যুদ্ধ করনেতে যে অনেক অর্থের পুয়োজন, এবং পার্ত্রমিত্রবর্গেরা 🗗 অর্থ অম্থার্থ ব্যয়করনেতে যে রাজভাণ্ডার শূন্য হট্লা, ভবিষিত্তে পদরে। বৎসরাবিক বয়ন্ত পুজারদিনের গ্রাত্নামক তিন যুক্রাতে এক মুত্তন হাজকর করিয়া, ঐ ভাণ্ডার পুনরায় গরিপুর্ল করলার্ঘে পার্লিয়েতকর্তৃক নিক্রপিত হইল. ইহার পুর্ব্বে অনেক কালাব্বি পুরা নকল অসন্তর্গ হইয়া জিল, কিন্তু এমন অন্যায় কর ওপস্থিত হইল ঘাহাতে বনবানু গরিবহইতে অঠিকৈ দিলে না, ভাহাতে গৰিবে পুজারা অভ্যন্ত অদক্ষ হইল. জন্যায়ের নিমিতে পুজারদের যে দেঘজনক অভাব, তাহা পুথাত এদেক্লনামক সরারে বৃদ্ধি পাইতে লারিল. 🗳 স্থানে এমত লংবাদ ব্যাপিল, যে অগ্রিদিয়া 🗳 भुजातमात शृह जालान याद्देरा, अव भुजात पितारक नश्च कता याहरत, अव-ভাহারদের কৃষিকর্মাদির দুবা লুট ক্রা মাইবে. পরে বাৎতেলর লামে অভিগ্যা ত্যাপর এক জন কর্মকার, পুথমে পুজাঃদিগকে অত্রবারী করনার্যে সংঘটন করিল. ঐ বাজি অগৃহে মথান আআক্রম করিতে জিল, এমত নময়ে তহ নিলদা রেরা আসিয়া তাহার ক্ল্যার স্থানে কর চাহিল, তাহাতে এ ক্মকার তাহা শীকার লা ক্রিয়া, কছিল যে বয়ঃক্রমের ওপর কর নিক্রপিত হইয়াচে, আমার কন্যা বয়ঃক্রম পুর্ধা হয় নাই. এই কথা কর্মকারের ন্থানে তানিয়া, এ কর গুণ্ছকের মধ্যে এক জন অত্যন্ত পুগল্প করিয়া কছিল, যে তেখিবার কন্যা বয়ঃ ক্রম পুরাপ্তা হইয়গতে, পরে এক কুতর্মাচর এছারা অক্যা পুরাণ করিতে চাহিল। তাহাতে ঐ কন্যার পিতা অভ্যত কোবাছিত হইয়া এক যার্ভুলর আঘাতছারা ভাছাকে পুাৰে মারিল; ভাছা দেখিয়া মাছার। ই স্থানে জিল, ভাছার। এ কর্মকোরের পদ্ধ হওনে পুস্তত হইল. যাহা হওক, এ ব্যক্তি পুজারদের বাস্ক্রিত বিষয়েতে অবীর্থ পুকাশ করিয়া, সেনাপতিকপে পুজারদের পুতি নিবি হইয়া, ওত্তর পুতাতর করনার্থে নিয়োজিত হইলেন. পরে ঐ দকল হসাম ওপৰিত হওয়াতে যে বিরোধি ওপৰিত হইল, তাহা অনায়াদে বুঝা যাট; যেছে ভুক্ত কিজু কালের পরে, চতু:পার্শন্ম ডাবৎ পুজারা অন্তর্যুহন করিয়া যেই স্থানেতে ওপৰিত হইল, দেইছ দকল স্থানে গ্ৰাম ও দগৰপুভৃতি স্থালাইয়া লুট কৰিয়া भईनाम করিল; এব॰ তাহারদিগের পূরীয় স্বামী সকল, যাহারদিগের দাসন सांता वचकालावि जात्नकभूकात पूर्ध महिक्कुत कृतिया क्रिल, हेपानी जारावरपढ़ ওপর বিবাদ লাবিতে লারিল. পরে এই ছেমজনকমভাব বছস্ফানে ব্যাপনপুমুক্ত, এবং ক্রমেছ রাজধানীর শিক্টবন্তী হওয়াতে, ঐ কলহত্যদক ৰভাব অধিক হইয়া ৰ্দ্ধি পাইতে লানিল. পরে, কেন্ত এবং হর্তার্যে এবং সরী এবং সদেক্ক এবং সমুক্ত এব॰ নৰ্মন্ধ এব॰ কেন্ব্ৰেড্ড এব॰ নি॰কন্ প্রগ্নায় বন্ধিড হইয়া পুত্তনিড ছইডে লারিল, এব॰ ক্লাক্হি এলামক স্থানপর্যান্ত পত্তনকালে, তাহার্দের এক লক্ষ ছইতে অবিক দৈন্য একত ছইল. পরে বাংতেলর নামে ঐ কর্মকার, তাহার দের একদলের দেনাপতি ছইয়া, স্মিত্তিল নামে এক স্থানে ওপতিত ছইল, এবং সে স্থানে রাজার সহিত সাক্ষাৎ হইল. পরে তাহারদের বিষয়ে যেৎ मकल অন্যায় করাগিয়াজিল, তাহার যথার্থবিচার করা মাইবে, এই জলেতে ভাহার সহিত পরামর্শ করণার্মে রাজা তাহাকে আহ্বান করিলেন. সে সময়ে বাংতেলরনামত ঐ কর্মকার ঐ নিয়ত্ত। গুছুত করিয়া, আঅদৈন্য দকলকে কিছু পুত্তি যাওনে আজা করিয়া, শিক্ষাইয়া দিল যে লঙ্কিড দিবামাত্রেডে দকলে নিকটে আ'লিয়া ওপৰিত হইবা; পরে এপুকার ব্যবস্থা বির করিয়া, অভিশয় সাহসপুর্বক রাজার নিকট পুরিখ হইয়া, এতক্রপ কর্যোপক্র্যন আরম্ভ করিল. এ কালীৰ তাবৎ ওপাঞানবজ্যারা বোব হয়, যে এই পুরীন, কলছকারির মাবৎপুর্যানা, তাহা অঘ্যার্য এবং অদম্বত, কিন্ত ইদানীতন গুল্কতর্গারদের বিনেচলাছারা বোর ছয়, যে তাহা অভিযথার্থ ছিল. এবণ পুথমত, তাহার এই প্রার্থনা, যে যত দাসদাসী ভাষাররদিকে মুক্ত করিতে হইবে; দিতীয়ত, যে লর্ছ मावीत्रव जात्मत् वावशांतजात्मा (य), मकल भर्षेठतवादिकांत्र जिल, अव॰ याश রাজার আজায় বন্ধ হইয়াজিল, তাহা যেমন বনবান্লোকেরদের জন্যে অব। क्रिल्म्प्रेत फिल, रक्रमन मूःशील्लारकद्रामक निमिष्ठि अवनितिष्ठ करा माइरवः ज्ञीग, एव नकल (लांक विशवका क्रिया), इक्षीय कलक क्रियां किल, जोकांद्रपढ़ जानतांदे ক্ষমা করা মাইবে. পরে, মাবংপর্যাত সেই বাঞি এই সকল কথা রাজার নিক্টে

জানাইতে ছিল, তাৰৎপৰ্যাত ঐ ব্যক্তি অবাছাবল পুকাশার্মে, আয় তরবার দেখা हैंड. जोश प्रिया धरलाम् बोल्वर्ध, त्य वाकि उ॰काल लखरनव त्यमव जार्धा -मत्रात्रीयक भाग नियुक्त इहेगा तांकात निक्रेटेवर्डी किल, तम ठाकि य कर्त्मा ফরিতে পুরুষ হইতোজন তাহাতে রাজা যে আপদ্পুষ্ত হইবেন, ইহা বিবেচনা না कृष्या, अक राधवाता में उन्नारक अक जाहां उ कृष्या; अर॰ मारे नगराउ রাজার এক যোজ্কুলীন সম্বাকত ছাঁয়া আদিল, তর্বা:ছারা তাছার শির্ (महमन कहिल. পরে কলছকা ী ঐ সকলেরা, আঅসেনাপতিকে পতিত দেখিয়া, অত্যন্ত কোৰীন্তিত হইয়া, তাহার পুতিমল দি ত িন্ত কটিল; এবং বনুক্হইতে বাৰ্জেপৰ করে, এমন সময়ে হাজা রিচার্ম, মাহার ডংকালে ঘোড়শ বর্ষ বয়ঃক্রম পূর্ব হয় লাই তিনি ওরায় অস্থাকচ্ হইটা ঐ সকল অবাব্যি লোকেরদের নিকটে ওপত্তিত হইয়া, অতিত্তিরটিডপুরক ওটিঃভারে করিতে লাগিলেন, যে ছে আমার প্রিয় পুজারা লকল, ডোমরা কি ডোমার্দিগের রাজাকেও বর্ষ করিতে চাহ, তোমার্দিরের দেনাপতির বিয়োরপুমুক্ত ও্ছিন্নমনা ছইও না, আমি ৰয়ণ্ট ভোমারদের দেনাপতি ছইব; অতএব আমার পশ্চাদগ্রী হইয়া রুক্তলে আইন, আমি তোমারদের মাহা প্রার্থনীয়, তাহা দিব-পুষুথাৎ এই কথা শ্রনিবামাতে, ঐ সকল পুজারন শার্যুর্বিপূর্বক রাজাদুরত ছইয়া এবং লেই স্থানে, ইহার পুরে রাজা, যে নিয়মপত তাহারদের অন্যাহ অনুসন্ধির্দিরকৈ দিয়াজিলেন, তাহাও ইহার্দিরকে দিলেন; কিছ কিজু কাল পরে ভাষা পার্লিমেত্তের অনুমতিতে ক্তিত হইল.

পরে, রাজা রিচার্দ একালপর্যাত ভাঁহার পুডিনিবিরদের অবীন হইয়া রাজ্য করিলেন, এবং ঐ দকল পুডিনিবিবরের্গ্রা তাহার দর সাধ্যানুদারে রাজার ক্ষমতা ছাল করিতে কিছু দ্যুন করিল দাঁ যাহা হওক, পরে এন্তরনামক এক পরের পরে, একত্রীভূত হইয়াজিল যে তাঁহার মন্ত্রীরা এবং সভাসন্বর্গেরা, ঐ সভার মধ্যে রাজা সকলের চমৎকারপূর্যক, আপনার কত বয়স, ইহা জানিতে বাঞা করি লেন: তাহাতে তিনি যে বাবিংশতি বয়সের অবিক বয়ঃপুঙি হইয়াজিলেন, ইহা জাত হইয়া, কহিলেন যে এখন আয়ি সাহায্যব্যতিরেক রাজ্য শাসনের ক্ষমতা পুঙি হইহাজি; অভএব আমার ক্ষমত পুজারা, যেহ দ্যায়্য বিষয়পুঙি হইয়াজে, আমি যে ত্যুহিত হইব, ইহার কোনহ কারল নাই.

অপর, রাজা রিচার্দ এপুকার নিক্রেরের রাজকর্মাদির নিম্নতি করনেতে পুকৃত ছইলে পর, এই বিষয় জ্বার পুকালিত ছটল, যে তাছার মধ্যে চিরক্ষায়িমর্য্যাদ্য পুশানের পুরুতি কিছুই জিল না যেতেতুক, তিনি সর্ব্রদা সুথাভোরের এবং সর্ব্রদা বৃহদাপুরু জিলেন, এবং অতিনীচ লোকের সহিত সম্ভাব করিতেন, এবং সদী।

ভাঁছার ক্যোপক্থনদারা যে আনোরা ভাঁছার মর্যাদা ক্রিবে, এমত প্রথের লেশও ভাঁহাতে চিলে লা. পরে প্লান্তর লগরের অণুনী, যিদি কোনহ অল্পদো ষের দানেলপুমুক্ত ক্ষী হইয়া কালিশু নামে গড়েতে প্রেরিত হইয়া সেই স্থানে ছত ছইয়া জিলেন; এই বিষয়, এবং জন্য জপকর্ম সকল, যাহা ঐ রাজত্বের পুরীনকল্প হইয়াজিল, তদ্ধারা ঐ কালীল গ্রাজ্যের মধ্যে যে২ দ্বেম এবং বিরোধী ৬ৎপদ হইয়াছিল, তাহ। অভিবৰ্দ্ধিত হইতে লাগিল. পরে কতগুলি নূতন প্রিয় পাত্রের্দিগকে অত্যন্ত বর্দ্ধিত কর্নদ্বারা, ঐ রাজা অধিক ঘূনার্হ হইলেন; এবং ভাঁচার দাই কম্পোরা ইহা বুকা মায়, যে তিনি আপন পুজার্দিনকে আপনার শত্রু করিতে পার করিজেন, কিন্তু তাহা যেমন হওক, শেষে কোন এক দৈব ঘটনাপুযুক্ত তাঁহার তাবৎ ১৪দানের বিনাশের কারল ছইল; যে হকতুক কোন এক দিৰস, হের্ছ দেরে অগুনী পার্লিমেতগৃহে ওপন্থিত হইয়া, জানাইল যে নর্দক্তের অগুনী কোনো এক কংখাপক্যনের মধ্যে রাজার অমর্যাদ্বিদ্রুক কথা কহিয়াছিল, তাহাতে নর্য ছে: অণুনী তাহা অপহুৰ ক্রিয়া, হের্নেরে অণুনীকে যিখ্যাবাদী করাইয়া, আপ লার ক্যা যে সভ্য তাহা সংস্থাপনের নিমিতে, **ভাঁহার সহিত একাকী যুদ্ধ করি**তে চাহিল. তাহাতে ব্যবস্থানুসারে মে এবিঘয়ের বিচার হওনের পুয়ানের ন্যুনতা জিল, ত্রিমিতে পাত্রমিত্রররের তদ্ধপে ঐ বিষয়ের নিম্নতি করনে, শীলু সন্মত হইল, পােঐ বিঘয়েঃ নিম্নতি ছওনের সময় এবং স্থান নিক্ষিত হইল, ডাছাতে ভাৰত পুজারার সন্দিক্ষে হইয়া, ঐ মুগ্লুর শেষ কি হইবে, তদপেলী হইমা রহিন. পরে 🗅 ওভয়মুত্রের নিয়মিত দিবদ ওপস্থিত হওয়াতে, ওভয়েই মুজোদোটা করিতে দিল, ইলোমধ্যে রাজ। অংশই ওপড়িত ছইছা, ঐ মূল নিবারণ করিয়া ডভাকে রাজাবহিত্বত করিতে আজ। দিয়া নর্চন্দের অগ্রনীকে জীবনপর্যান্ত, এবং হর্মার্কে অ্রীকে, দশ বংসর রাজ্যহইতে বহিষ্কৃত করনের আজা দিলেন. এত দ্রূপে এক ব্যক্তি নিরপ্রাথী রাজ্যবহিষ্কৃত ছইল, এবং অন্য ব্যক্তি পুমান্দিন্দ অপ্রাধী লা হইয়াও বহিষ্ত হইল; তাহাতে নদক্তের অগুনী রাজার একণ বিচা রেতে অতাত দুঃঝিত হইয়া, এবং নিরাশ হইয়া বিনিশ নগরে কিজু কাল বাদ ক্রিয়া, মনঃশীড়াতে পুলিভাগি ক্রিলেন কিন্ত এবিষয়ে গর্মদেঁর অনুনীকে জডিল হিষ্ণ এবং নমুপুমুক, রাজা এমত দভাও হই লন, যে তিনি রাজ্যবহিষ্কত হওবে নিক্পিত্দ্যগের চার বৎদার ক্যাইতে নামত হইলেন; এবং তাহার পুরুরারামনপর্যাত, যে২ কোনো পৈতৃক্বদের ওতঃ†বিকারিতা তাহার অংশে পড়িবে, তাহা নিঃসন্দেহে ভোগ করিবে, এইকপ পুষোধিজনক পত্র তাহাকে দিলেন, কিত তাহার পিতা মিনি লাৎকান্তরের অগুনী চিলেন, ধিচু কাল পরে তাঁহার মৃত্যু হইলে, রিচার্দ রাজ। এ সকল পুম বিপ্রীত ক্রিয়া, এ লাণকাভড়ের অবি कांत्र चार्थ शुर्व करिलन,

পরে, ঐ সকল হিৎসাপূর্বক কুব্যবহার দেখিয়া, রাজার বিকলে হের্মদের অনুনীর ক্রোবের বৃদ্ধিপাইতে লানিল, এবং পূর্বতে অক্ষোব গুল্ক রাখিতে চেষ্টা পাইলেও এখন অসাব্য হইয়া, এবং ওাঁহার রাগ অভিগায় বিভিত হইয়া স্লম্ভ হওয়াতে, ঐ আয়োগ্য রাজাকেও অপদত্ত করিবার কারণ চেষ্ডা পাইলেন. মাহা হওক, এতৎকার্য্য নিজকরণের নিমিতে হর্মদের তুলা কোনহ ব্যক্তি জিল না; মেহেতুক ঐ ব্যক্তি গান্ধীয়া এবং সতর্কতা এবং বিজতা এবং সাহসিকতা ইত্যাদি প্রণতে সমূর্ণ জিলে. এই ব্যক্তি লিতুয়ানিয়া দেশের নীতিকেরদের বিকলে দুনুঃ মুক্তবিগ্রহকরণছারা খ্যাত্যাপর হইয়া, পরাক্রমিতা এবং বিশ্লিভা পুত্তি ওবিধি জিল; এবং বার্জাকর্তৃক পুনঃ হিংসিত হইয়া, তাঁহার চিত্ত অত্যুদ্ধি হইল; এবং বহার্যসিদ্ধাদক ওদ্যোগ সদলে করণার্যে, তাঁহার মধ্যের সাহা্যাকারক ইনাদিও জিল; কিত্ব তাঁহার বান্ধিত কার্যাসিভার্যে, কেই ব্যক্তি, ইংগ্লভদেশহইতে কেবল রাজার দেশাত্র হওনের অপেন্দায় জিল. ইত্যোহা্য আইর্লণ্ড দেশেতে হচাৎ এক ওপন্থিত ওৎপাত নিবারণার্যে, রিচার্দ রাজার মাওল আবেশাক হওয়াতে, হর্মদের অনুনী যে পুর্যানীয় সাবকাশের চেন্ধায় বহুকালাববি জিল, তাহা তদ্ধারা পুর্ব্ধ হইল.

অতএব তৎক্ষনে ঐ অনুনী ষাইট জন পুরান যোদ্ধা সমন্তিব্যাহারে নাত্তন্
লামে নগরে তিন কুনু জাহাজে চড়িয়া যাত্রা করিয়া, যুক্ত প্রনার রাবেন্ল্লর
লামক জানে ওজনি হইল. পরে নর্তম্লাদ্দের পুদেশাবিকারী, যিনি অনেক
কালাববি রিচার্দরাজাতে অসমতে জিলেন, সেই ব্যক্তি ক্যুক্তই এবং তাঁহার হেনরি
পের্লিনামক পুত্র, যিনি নিজপরাক্রমদারা হত্ত্তর নামে থায়ত জিলেন, এই দুই
জন, অনেক সৈন্য সমন্তিব্যাহারে হর্মর্দের অগুনীর সহিত্ আলিয়া যিলিলেন
পরে ঐ লামিলন দেখিয়া, তাহার অয়পতাকাশুয়ার্থে ঐ হর্মর্দের সাহায়হেত্ত্ত
আলিয়ান্তিল যে সকল লোক, তাহারা অতাল্পদিনের মধ্যে এমত বৃদ্ধি পাইল,
যে তাহারদের ষাইট হাজারসংখ্যাক সৈন্য হইল.

পরে যে কালীন ইংগ্লন্ড দেশের মব্যে এ সকল ওৎপাত হইতে জিল, সেই কালীন রাজা রিচার্দ, আইর্লণ্ডদেশেতে অতিনিশ্চিত্তবপে জিলেন; যেহেতুক পুতিকূল বায়পুযুক্ত ক্রমিক তিনহণ্ডাপর্যান্ত ধরাজবালীর মব্যে যেহ সকল ওৎপাত হইতে জিল, তাহার কোনহ সংবাদ পাইলেন না. পরে বিংশতি হাজার সৈন্য সমতিবাহারে মিল্ফর্দ হেবন্নামক স্থানে ওতীর্ল হইবামাত্রেতই, যাহার পুতি বিশাস করিতে পারেন এমত বন্ধুবান্ধবর্হিত হইয়া, এবং মাহারা তাহার শুলান্ধ সময়ে তাঁহার অপক্রের সহভাগী জিল তৎকর্তৃক তাক্ত হইয়া, রাগান্থিত লোক সমূহের মব্যে পৃত্তিত, এমত এক অভিভয়ন্ধর বিপদ্ধবিধ্যা প্রিত আপনাকে দেখিলেন. পরে রাজার যেহ অল্প সৈন্য জিল, তাহারাও

ক্রমেং ভাঁদাকে তারে ক্রিড লারিল; শেষে দৈনা রাখনা কর্থেতে দেখিলেন, যে মাসাল ভাঁমার জয়পতাকাধীন জিল, ভাষাল সকলপ্রা চন্ত্র হাজারের অধিক লাই. পরে লাজা রচার্ম এমত দুরুবন্দাগুল্ত হাইয়া, কোথা ঘাইবেল এবং কালারে বা পুডায় করিবেন, ডাহা ভাবিয়া কিজু ছির করিতে না পারিয়া, দেখি লেন, যে শত্র শর্লাগত হওনবিনা, এবা ফাছা রুল্দরো পুাপ্ত ছইতে পারি লেন না, ভাছা দুখাছা ৷ যে পুাও হুইবেন, ইছা বাতিঞ্জি আন্য কোনছ ওপাদ লাই. অভথৰ হর্মধের অধুনাকে কছিয়া পাঠাইলেব, যে এইদলে অপানি চেছ নিয়মেতে সভাত হল তাহা আনি স্বীকার করিব, এডনিমিত্তে প্ররণ কল্মালক্ষনাল্য পুর্যান। করিলেন, পরে ঐ ৪তাড্র ক্র্যোপক্যদ্নিভার্যে ছিল্দ্নি ডাপুটা স্থাক্ত হাইলা, তেখার নোগরের দাঁতি কোলো আডার এক গড়েডে. গে ভার ঐ জুরা, পর্থিকে ধৈন্য সম্ভিত্যাগারে তাঁকার ক্রিভ ফিলবাথে নিকপন করেয়া জল সেই হা ব ওপন্তিত হুইলে পার, ঐ নিচার্রাভা, চিনি পর্ত ফিসনেতে নগদলাণ্ডের অনুনীকর্ত্বক ঐ গড়েতে আধীত জিলেন, তিনি ঐ গড়ের প্রার্টারে মাকের। বাদার বৈধির জালমন দেনিয়া, তাদার সাহত সাঞ্চাৎ কর নার্যে জাবনি না চ নামিয়া আইনেন; ইতােরবাে হল র্র জ্যানী অল্পায়োজন পূর্বক সমাধির রো সময় কইলা, আন্ত ভাতাকৈ দলীবকরনার্থে ভর্জারশাল मस्रक किंगा, अध्याद्या भूरवर्ण कविलन. भारत होता विकार से नुर्दालंब ত্যপুর্নিকে দেভিছা যেমত দৌজনাদার, আদনি মাতে ভিলেন, দে ্যাল লৌজনা দ্বারা ডাছাকে গুহন করিয়া ক্রিনেন, যে ডোমার মহল হাক্ত 🗳 ক্যার প্তাতর তথান হর্মের অনুনী, অভিনিয়পুর্ক নমকার কন্যি করিব, যে সে মহারাজ, যে কথক বংসর নিয়েম করিয়া আগনি শামাকে লেখনটোতে ক্রিট किल्न, এক যে সময় আপনি নিক্ষণ ক্রিক্তিলেন, তাছার পরেই আরি আদিয়:জি; যেমতুক ভোষার পুলাবর্গেরা কছে, যে এক্নিংশতি বংলর্ল্যাত আপিনি ভাঙিজান্যায়ত, এবং নির্দ্যতাশূর্মক রাজাত্ম কড়িয়াজেন, এবং আলাবার গুলার'ও আপনা রাজয় করনেতে সমত নহে, অতথ্য উপেরেয়ানজ্যে ভো মার লাসাম্যায়েত্ক ভাবি গোজত কনিব । পরে ক্রানা রিচার্গ দেই ফ্রানুর অনুর কোনহ ওতর না করিয়া, কেবল ইহা কহিলেন, যে তে তেম ভূতি, এ বিষয় মদি তোমার আহ্লাদজনক হ্র্যা থাকে, তবে তালা আখা দেটেও হর্মজনক মটে.

কিছ ঐ অভারালান হিচান, মে হর্মারে ঐ সাহ পাণি ওত্তরজন্য যে মনোলুণ, তাহা মে সহিষ্ণুতা করিতে হইল তাহা কেবল নয়: বিদ্ধ কত হথনি নানিমন লোকৈর স্থিত ক্ষোণক্ষণ করিলে প্র. হর্মানি অনুধী ঐ হিচান রাজার জন্ম শালাহইতে আথ কাছির করিতে আজে হিলেন. ভাগাতে অভিক্রিন্ত লগাত জন্ম

আদিয়া একটার ওপর রিচার্দ রাজাকে, এবং অনার ওপর রাজার অভিপুরিত্য শালিশাব্রির প্রেশাবিকারিকে আরোহন করাইল. পরে এমত অমর্য্যাদাপূর্বক সজ্জিত করাইয়া, চেষার নগরের মধ্যদিয়া যাওনকালে, নানাবিধি তুরী ভেরীপুভৃতি বাদ্যদ্বাধা, ২০০ বছ জনতা ঘাহারা তদ্দলনে মৎকিন্ধিৎ দুঃ্থিত হইল না, তাহা রদের মঠ্যাত্মে চেম্বরনামক গড়েতে লইয়া গেল. এডজ্রপে রাজাকে জয়পুদর্শক করিয়া এক ন্যার্হইতে অন্যান্যারপর্যাত রাজাকে বিজ্ঞান করত, এবং তাঁহার শতুকে প্রুশাণদা করত, অনেক জনতার মধ্যদিয়া লইয়ারোল, তাহাতে জনতারা কংলি, যে সামারদের ভারক লাশ্কান্তরের অনুনী চির্জীবী হওন, কিন্তু কবিভার বাক্যানু দারে ক্মিড আজে, যে গাজার বিষয় কেছ কহিল না, যে **ঈশার ওঁ**ছোর মধিল কঞন। মলত এপুলার পুরুষ জমর্য্যাদাপুরাপ্ত হইলে পর দৃছবর্দা করিয়া, মদ্যাপি হই তে পারে তবে পূর্বাহিক অমর্যান্দা এবং ক্লেশ প্রাপনার্য ঐ রভ্যব্যে রাখ্যা রেলেন. পরে ঐ অভান্যবান রাজা অভ্যতকাতরপুযুক্ত, যাবদীয় রাজপরাক্রম ও রাজগর্হ, নে সকল এই হইয়া, মৎকি,ষ্ঠৎ যে অবশিশু ছিল, তাছাও তদবন্ধায় মন হইল; অতএব র জা এতদবস্থাগুন্ত হইয়া, যাগাতে অন্ধ্যজনো রাজন্তের বিষয় তাাগা করিলেন; এমত ১ক নিড়মপত্র লেথাইয়া স্বান্তর করাওনেতে, বড় একটা বারী পরে রাজা এমত রাজ্যত্যার্গা ছওয়াতে, ছের্দের আপনার ওত্তরারি কারতা জানাইবার জন্যে অভ্যন্ত সংঘার পাইল; এবং তাহা সহঁতোভাবে দৃচ্ ক্রোথে, একটা দার্লিমেত সমারোহ করিল, ঘাহাতে সর্ব্বসমাতিপূর্বক ঐ ব্যক্তির ওড়রাবিকাভিডা পুমান হইল এব॰ রাজার বেকন্দে তেতিশ পুকার অশরাব ওপন্থিত করেয়া, পুমান হওনদারা, মধাশাশ্র রাজাকে সিংহাননচ্যুত করিয়া, হের্টর্নকে তৎপদাভিধিক, চভূর্য হেন্ত্রিনায়ে গ্রাত করিল. এতজ্ঞালে যুক্নায়ক বংশের এবং লাংকান্তর লামে বংশের মধ্যে, যেছ বিরোধি ওপন্তিত ছইল, ভাছার পুথমোপক্রম ইহা চিলে, যাহাতে অনেক কালপর্যাত রক্তেতে রাজ্য পরি পূর্ল কারল; বিন্দু শোল ওদ্ধারা রণজ্যের ভদুষ্কের এবং কৈর্মার কারল হইল.

পরে রাজা রিচার্দ রাজাচ্যুত হইলে পরে, নমন্ধলীণ্ডের পুদেশীধিকারী, হৌদ্
আছি পিয়র্ল নাসক রাজকুলীনদভা দ্যারোহ করিয়া, পার্লিয়েত দভাদতেরদের
নিকটে এই পুর্যানা করিল, যে এফলে পদচ্যুত রাজাকে কিপুকারে রাখা কর্ত্য্য;
তাহাতে তাহারা ওড়র করিল, যে যে খানে তাহার আঝায়বন্ধুর্রেরা ভাহার
দক্ষান না পাইতে পানে, দন্তুতি দেই খানে তাহাকে দৃদ্বদ্ধী করিয়া রাখা ওচিত.
পরে তজ্ঞানে দ্যুত করারোল, কিন্তু এ রাজা যাবর্ত্তাবন থাকেন তাবন এ অপ
হারক নিশ্তিত রহিতে পারিল না, অপর হেনরি, কতগুলা কুপরায়র্শ এবন কলহ
জন্য, যাহা কিখিন পরে লবে লবিছত হইল, তাহাতে রিচার্দের যদের চেন্তা পাইতে

मोशित्तन । उन्निमिष्य घारांत्र मिशित्क मक्न त्रांकिशानीष्ठ भाउमा घांम, এत॰ घारांत्रा লাভার্যে দার্গদোম কলনে ওদাত, তাহার্দের এক জন গুরুহতা, প্রান্ত্রামক গড়েতে, যে খানে ঐ অভাগ্যবান রাজা বদী চিলেন, সেই স্থানে অন্য আটজনকে নমভিব্যাহার লইয়া, রাজার কারাগৃহে পুবিশ্ব হইল. তাহাতে রাজ। নিশ্চয় জানিলেন যে ইহারা আমার পুর্বিদণ্ড করিতে আদিয়াজে, অতএব পুর্তিফল দেওন ব্যতিরেক আম্মণুনিভাগে করা, এবং এমত বছমূলাপুনি বিনামূল্যে ভাগে করা ৬চিত নয়, ইহা ভারিয়া, ঐ পুরানছাতকেরদের মধ্যে এক জনের স্থানছইতে পরস্ত কাড়িয়া লইয়া, তৎক্ষনাৎ চারি জনকে সংহার করিলেন; কিন্ত বিজ কাল পরে পরান্ত হইয়া, এক পঞ্জার আঘাতদ্বানা পুনিত্যারা করিলেন। কেহছ্ রা কছে যে কারালারে অনাহারপুষ্ক মরিলেন; তাহা ঘাহা হওক এতদ্রপে ঐ অভান্য বান রাজা রিচার্ন টোত্রিশ বৎসর বয়ক্ষ, তাহার মধ্যে তেইশ বৎসর রাজত্ব করিয়া পুলিডারি করিলেন, তালত তাঁহার ব্যবহার অভিনুষ্ণ হইলেও, যেছ শান্ত তিনি পাইলেন, তাহা তাঁহার অপরাগিহইতে অবিক জিল; এবং অবনোচে তাঁহার ৬ডমকার্যাহইতে যত ৬৭পর হইতে পারিল না, তদ্ধিক ওাঁহার দংখেতে, তাঁহার বংশপক্ষায় এবং উহিার কার্য্যসন্ধাদক মুখেও লোক ওৎপন্ন হইল. এ গ্রাডার কোন এর্সসম্যান জিল না.

১১ হোড়শবিয়ায়.

চত্ত্র ছেবরির বিবরণ

অপর, রাজা হেনরি জানিতে পাইলেন, যে অপধারকের পুটেনিংহাসন কঞ্চশম্মানার; যেছেত্ক পার্লিমেন্ডর, পুমম একত্রহওনকালে, তারদ্বি পতির মধ্যে এমত বিধোধবিসকাদ জনিল, যে চল্লিশনার মুল্ল দেওন এবং মুল্ল পুরুক আত্রজোর পুকাশচিহ্নার্থে, চল্লিশনা লৌহদভানা সভার মধ্যে আজা জ্বিয়া ছেলিয়া ছিলা ছেলত মদানি রাজার শতিলভাপুমুক্ত, তৎকালে সকল কলছ নিস্ভ হইল, তথাপি ক্ষেত্রে এক বিরোধির পরে অন্যানিরোর ওপত্তিত হইয়া, কোনোলার পুকাশ হওনের ওপজ্মেতেই, কোনোলা বা পুকাশিত হইয়া রনন্থলে পুতিছল পাইয়া, নিমুভি পাইল.

भारत, स्म याहा १५क, में वाजान दिकाल या मकल कूपनामर्भ अभिन्द रहेगा

দ্মিন, তাহার মধ্যে, নর্ময়র্লাণ্ডের পুদেশাধিকারিকর্তৃক যেটা ওপত্তিত হট্যা জিল, দেটা দ্র্যাপেকা ভ্রুক্ত যুদ্ধ জিল. তারা এমন দুইল ক্ষৎজাতীয়ের দের এক ই প্লণ্ড জাতীয়েরদের মধ্যে এক মুল হ ওয়াতে, আছিলা দ্বামক দোৱা নের পুদেশাবিকারী, এবং স্কৎজাতীয়েরদের অনেকং নভাসদ্বর্ভাত, নর্থম র্লাণ্ডের পুদেশাবিকাতিকার্ত্ত বল হই ়া আল্ছিক্ রাড়তে তানীত গইল. পরে যথান চেনরি এই জয়ের সংবাদ পাইলেন, তথান এই বিষেচ্ন, কালেন, যে অংজাতীয়েরদের সহিত যে ঐকা করনে মনঃস্থ করিয়াতি, তৎসলুরনার্যে মদি এ সকল লোককে আখার রাজ্যে বল করিয়া রাখি, তবে তদৈকাকর সময়ে আমার প্রুর মংকিঞিৎ ভারি হইতে পারে; এবং তদ্যে নর্মন্ত্রিত্ত भुरमभौतिक तित्व वहे जोडा मिला, या अर्धनां शार्थ क्रवां श्रीए प्रमितारक কদাপি মুক্ত করিব। না. ঐ আজা পাইটা নর্যানাগতের পুদেশাবিকারী, ঐ কথা অভিকট্ বোর করিল; গেছেতুক তৎকালীন মূল বিলুছের বারা এই ছিলে যে মৎকর্তৃক যে ব্যক্তিকে কল বরা মাইবে, এবং বলিক্দিগ্রেছারা যে অর্মলাভ হুয়, ভাহা তাহারি. এবং ঐ পুদেশাধিকারির কোর হওযার বিশেষ কার্ন এই চিলে যে যে আপনার মনে সর্হদা এই অহমিকা করিত, যে আরি ঐ দি হাস্বপ্রাব্র এবং ঐ রাজ্যর্কার আদিকারে হইয়াজি; অভএব ঐ জাওঁজোর সত্ত িং িটা হইয়া, ঘাঁহার সংস্থাপান সে আদিকানে জিল, ভাঁহাকে অগদত ক্রিতে চেখা পাইল. পরে এই সুযোগ ক্রিল, যে স্কৎতা তীয়ের৷ এবং বেলু জাতীয়েরা, তাহারদের তাবং দৈওতদামতের দিগকে দামিলিড করিয়া, মার্ডিনরকে ইণ্ব্লভীর রাজনিত্যাদনে মধার্যকলে ওওরাবিকারা ক্রিরে; এনং ঐ রাজ্যের বা জনাদে সংস্থা নোথে, নর্মর্লাণ্ডের পুদেশাবিকারির সাগায়্য গুরে ঘুখান ঐ নিয়মিতবিবেশবি লিমাদার্থে লম্দ্র আয়োজন मुख्य रुऐल, उथान विविक्तांगक এक योग ये नर्धमलीएउर भूप्रमाविकारी, অক্যাণ গীড়িত হইয়া, সেনাগড়িত করনে অশক্ত হইল. কিন্ত হেনরি পের্দি লামে ওীলার পুল, যিনি হৎয়ালামে মার্যার জিলেন, তিনি তৎপদাভিষ্কিক ছট্লেন, এবং যে ব্যক্তি মেলাভি ছট্ল বেলুদেশীয় এক পুরীন সেনাপঙি জিল, এবং যে ইলার ভিয়ে কাল পূর্বে কা পারিছইতে যুক্ত হইয়াজিল, এবং এ কালে নৈৰ্মাতিত সুপ্ৰেঞ্বিত্ত ওপন্থিত হইয়া জিল, এমত যে প্লেণ্ডৌর, ভাষার এক ভাষার লৈনের ফরিড মিলনার্থে, ফ্রান্টরি নামে এক ছানের ্রই দুই দল দৈন্যমামত একত হইলে পরে, তাহারা पिता योजा दिवस. এক পুঞ্জিপিন, মাধাতে ভালাপদের যে সকল অন্যায় হইয়ালিল কেবল ভাহা লয়, কিছ অন্যথ্ অন্যায় মাহা তাহালুয়ের পুতি হদাচ ক্থানো করা গোল না,

ভারা গঠন করিয়া পুকাশ করিল ইতোমব্যে হেনতি, মিনি এই সকল পরাম শের বিময় পূরেঁতে কিজু অবগত তি লন না, তিনি এবিষয়ের সম্বাদ পাইয়া, আশুর্মা বোর করিলেন, কিছু মে কালীন ঐ ব্যক্তির দৃদ্ধি পুসরা তিলা, যেহে তুক, তাগার অপ্লুমনা পুস্তত জিল, মাহারদিগাকে তিনি ক্ষমজাতীয়েরদের তিক্তিৰে প্লেরণার্থে কির করিলেন, এবং ঐ ক্ষমজাতীয় শামুরদের লহিত শালু মূল করনের আবশাক জানিয়া, কলহকারিরদের সহিত মূলহেতুক তথ্যাম ফ্রন্বির নগরে শীলুগতি মালা করিলেন.

পরে ঐ দুই দল দৈনোর বৈক্টা ছওপে, ঐক্যকরভেম্দির্শানদ্বারা, অ্যাত যে यथार्थ, देश जानाहेल; किंब अञ्चलकात भूषिना भूकानकालीन, अञ्चल त्य नेका তাহা মৎসর ও দুর্রাক্য পুত্তিতে পরাব্যিত হইল; এবং এক পক্ষে দোঘারোপন করিল, যে অবাধ্য এবং কৃত্তম, অন্যপক্ষে রাজাকে বূর্ত, এবং অপহারক কহিল। শোষে ঐ সকল অন্ধক ছইলে পান্রায় সৈন্যেরা মুলোছকে ছইল; ঐ দুই দলের নৈন্য পুণ্য সমানসংখ্যক জিল, তাহারা একছ দিনে বারছ হাজার আন্দান্ত পরে এদুই দলের এমত মৎসা ও ছেম ও রারা থাকাতে জ্ঞানের ছারা ইবা হওক, কিন্তু রুলবিচন্দ্র সাহার্থইবা হওক কোন দল অনী গ্রুবে ইহার নিশ্চয় করা অসাধ্য হইল. পরে, এডনিমিডে, ওড়া সৈন্যেতে অল্লশস্ত্র ছারা বোরতর্মণ্রাম ওণাছিত হটল, তাহাতে ওভয় পর্জায় দেনাপতি 13 আক্রদনতা পুকাশ করিতে কিজু তুটি করিল না; এবং যেং স্থানেতে ঘোরতর দাংগ্রাম দেই১ স্থানেতে হেন্তি রাজ। দৃষ্ট জিলেন, এক মহাবলপরাক্ষাও যে উচোর পুণ, যিনি ট্রানিস্দেশে জয়ী রাজা বলিয়া থ্যাত ছিলেন, িনি রাজার নিকটবর্গ ছইয়া যদ্ধ করিলেন; এবং তিনি বান্যারা ক্রম্ম ছইলেও তথাপি রনম্ভা আটা না ফরিয়া, আপানার বাহুবলম্বায়া শতুর্দিগকে অনেক আশ্বর্যা দেলা নালন পরে অন্য পক্ষের দলের মধ্যে, ই লাগদিত হৎল্পা, যিনি পূর্বে অশ্রুণানুদারা অনেকর ফলাবি মুজে:ত খ্যাত্যাপর জিলেন, তিনি আআফোর এবং লেব, ইগার আবিার রাজাকে করিতে সর্বাদা সচেখিত জিলেন, কিন্ত নে যাহা হ৬ক, শেমে কোনহ এক অজাত ব্যক্তির হওদারা ঐ হৎস্পঞ্রে মৃত্যু হ ওয়াতে, কে জন্ম হট্রেন, ইছা বিরীকৃত হওয়াতে, পুনর্বার হেনরি রাজার ভাগ্য পুদর হইল, এবং ক্যিড আছে, যে ঐ যুজেতে দুই হাজার তিন শত পুরীন যোৱা, এবং অনু হাজার দামান্যযোজা বিনম্ভ ছইল, তাহারদের মধ্যে দুই ভাগ রাজা হৎপুরের এবং এক ভাগ বেদরি রাজার লোক চিলে.

শরে যে কালীন এই সমুদ্ধি যোরতঃ যুক্তবিগৃহ হইতে জিল, সেই কালীন নর্থস্থলান্তের পুদেশাবিকান, যিনি অল্লকাল গাঙে বোগাহইতে আরোগ্য হইয়াজি নেন, তিনি ঐ অপহা: কের্দিগের সৈন্যের মাহায়ান্যে, এবং তাহারদের সেনা পতির পদ্গুহৰার্থে, অনেক দৈন্যসায়ত সম্ভিত্যাহারে যাত্রা করিলেন. কিন্ত প্রথমব্যে তাহার পুলের এবং জ্বাতার মৃত্যুদ্ধাদ শ্বনিযা, এবং এত অল্প দৈন্য ছারা যে এমত বৃহৎ সৈন্যের সহিত, এবং মাহারা ঘূলে জড়ী হইয়া অভিচুম্ল ছইয়াজিল, তাহাঞ্দিগের বিকদ্ধে যুদ্ধ করা অনুচিত, এবং আপনাকে অন্ধন जानिया, जरून रेमनारक विषाय कविरानन. शरव ये शुर्मारिकावी शनायनकवन ঘারা কতককালপর্যাত আম্মারফরে ইয়ুক জিল, কিন্তু শেঘে বানুগামীলোকদারা তাড়িত হইয়া, এবং অন্য ওপাত্রহিত হইয়া, এবং সন্ধিষেচনাদ্বারা, এবং সকল বিষয় অত্রাযোগ দেখিয়া, দন্দুবেশবারণ করিয়া, দেশান্তরে কাল যাপনকর্নাপেক্ষা, রাজার নিকটে ঘাইয়। ন্যুনতা ছীকারপুর্রক কৃতাপরাবের ক্ষমা পুর্যাধনা করা ওচিত, এই পরামর্শ দ্বির করিল. পরে মথন রড়েডে রাজার সহিত সাম্বাৎকর লসময়ে, কপটকপে এই কথা কহিল, যে আমি কেবল ওভয়দলের সৈন্যের সহিত ঐক্যকর্নেরুক হইয়া, এই সৈন্যসামত লইয়া এপর্যাত আদিয়াজিলাম, এক এ জল অভিদুষ্ধ হইলেও, রাজা ভাহারে ভরিমিতে নর্মন্তিঃ পুদেশাবিকারী ফ্যাপুার্ড হইল; যে হেতুক, রাজা হেনরি তাছার অনেক দৈনাময় এক তাছার ওণ্যুক্তপুয়ুত্য পুঞর নাশ দেখিয়া, বুঝিলেন যে ইছাতে তাছার অনেক পুতিঘল ছইয়াকে.

পরে, এই লকল বিষয়দারা, হেবরি রাজার পূর্বে যে লকল দুঃথ হইয়া জিল, তাহারইতে মুক্ত হইলেন. পরে তাহাতে যে নিকছেগদময় ওপদ্ধিত হইল, ভাহা মনুদ্রান্তাপন হওনে, এবং যে সুখ্যাতি ভিনি পূর্বে রাজন্বকরনের নিচ্চুর ব্যব হারদারা হারিয়া চিলেন, তাহা পুনঃপুলিবোদ্যোগেতে, ঐ কাল্যাপন করিলেন. এব॰ এই বিষয় দিলার্থে, গতরাজার্দিগের রাজঅসময়ে, যে দকল পরাক্রম হৌদ্ আহে কামন্দ্রনামক সভাসতেরদের পুতি কঞ্নও দত্ত হয় লাই, এমত পরাক্রম গুহুও ক্রিড ভাহার্দিগকে আজা দিলেন. পরে এ রাজার রাজত্বের মধ্র বং সরে, যথান ঐ সভাসতেরা ঐরাজাঃ থারচপত্রের কারন থারচ দিতে আজে। দিল, ওথান ডালারা অপক্ষীয় বিশ্বস্ত লোকের্দিনকে নিযুক্ত করিল, যে ঐ অর্থ নিক পিও যে বিষয়, তাহণতেই বায় হইবে, এবং তাহার হিদাব ঐ সভ সভেরদের নিকটে সমর্পন করিবে. পরে ঐ সভাসম্বর্গেরা রাজগছের ব্যবস্থার্থে, অতিবৃহদ্মি যুক ত্রি॰শৎ নিয়ম নিক্পিত করিলেন, এবং গ্রন্থাঝারদের রাজভাপেফায় এই রাজবে, আপনারদের মুক্তি এবং ন্যায়্যাংশ দংস্থাপন করিলেন. কিন্ত যে কালে 'রাজা আপনার গতপৌরস সাফলকপে পুনঃস্থাপনকরনেতে এমন ওদে াগী চিলেন, সেই সময়ে ওাঁহার পুত্র বেল্দ্রদেশের অবিপত্তি যে মুবরাজ, তিনি প্রদারাদি নানা দুষ্কার্ম রত হইটা, নীচসংসর্গ করিয়া পুদিল কুকর্মান্তিত জিলেন; এবং ষাহারা মুবরাজকে পুরান করিয়া দকল অন্যায়া কুক্রের রও জিল, তাহারদের

মবাবতী হাইয়া আক্লাদপূর্হক ওন্মত হাইলেশ. পরে রাজা হেনরি, তাঁহার জ্ঞাঞ পুত্রের, যিনি আবোষ্টপদ বিষ্টৃত হইয়া অথ্যাতিনুম্ভ জিলেন, ভাঁহার কর্মা দেখিয়া অত্যন্ত থেদান্বিত হইলেন; যেহতুক ইহার পূর্বে, ঐ রাজপুত্র আক্রনাহন এবং প্রাক্রম এবং সৌজন্যাদি, অনেক লুলক্ষা দর্শাইয়াজিলেন; কিন্তু সংপুতি সকল विमां इ इरेश क्वल म्हार्सा उमा इरेश किलान. अवः अगड इड जान इरेलान. যে কোনহ এক সময়ে ঐ রাজপ্রের অনুগ্রত এক জন, যথান কোনহ এক কুকুমের নিমিত্তে অপরাবের বিচারার্থে, লর ওলোম গাক্ষয়ন্দামক বিচারকর্তা, যিনি ঐ কালীৰ কিং-ল্বেঞ্চৰামক বিচারান্দৰের পুঠাৰ বিচারকর্তার নিকটে আনীত জিলেন, তথান ঐ মূবরাজ ঐ হ্যাজির বিচার নিম্নতিতে, এমন জোবান্বিত হইলেন, যে সভাসতেরমব্যহইতে ওঠিয়া, ঐ বিচারকারককে এক চপেটাছাত করিলেন. ভাহাতে ঐ প্রাচীন বিচারকর্তা, যিনি আপনার পদস্থিতব্যক্তিরদের পুতি কিপুকার মর্য্যাদা করন ওচিত তাহা জ্ঞাত জিলেন, তিনি যে ভারপুাপ্ত জিলেন তদন্যায়ি শাসন করনেতে, তৎক্ষনাৎ হাজপুঞ্জে কারান্থ ক্টিডে আজা দিলেন. এই সকল সংবাদ রাজার নিকটে, যিনি মনুষোরদের পুতি মাথার্থিক বিচারক জিলেন, ওাঁছার নিকটে যথান ওপন্থিত ছইল, তথান আক্লানিত ছইছা, এই কথা কহিলেন; যে এমত কৃতাপরাধিতা জির পুতি, যে রাজ্যের ব্যবন্থান্যাত্নী মুধার্ম বিচার করিতে এমত দাহদিক বিচারকর্তাকে যে রাজাপুাপ্ত হল, তিনি বিন্যা. এবং ইহাতেও অধিক আক্লাদিত হইলেন, যে তিনি এমত দণ্ড সহিষ্ণুতাকারী এক পুত্র পুাপ্ত হইয়াজিলেন. পরে মাহা হওক, যে বিচারকর্তা আপনহইতে ওয়পদে বিত ব্যক্তির অপরাবের বিষয়ে, বিচারে তদল্রোবে পক্ষপাত না করিয়া, এমন यथार्थकाल विठांत करत, व त्य विषय जारा हे॰ श्लुखीय अलाबीगानत यावी, लूपय নিনী ড; কেননা ইহার পূর্যে আমরা অনেকবার দেখিয়ালি, যে যাবদীয় বিচার কর্তারা, তাহারা প্রায় রাজগোম্কীর অনুরোধী লোক.

পরে ঐ হেনরি রাজা, যাহার শরীর রোগদারা হ্রান হইডেজিল, তিনি এতি দ্বের পর বছকাল বাঁচিলেন না. এবং তিনি মুগীলোগালুন্থ হইয়া, যদাগা কথান হ হতজান হইজেন, নেই রোগেডে বেত্তযেন্তর নগরে, অচল্লিশ বংশর বয়স্কে, ভাহার মধ্যে চৌদ্দ বংশর রাজত্ব করিয়া মরিলেন.

३१ मधनमीवार्गः

প্রথম তেল্টি বজার বিবর্ধন

অপর, এই নতা রাজা রাজ্যমন্বলেমক হউ্দা, যেং বিষয় মনত্ম করিপ্রিটিশেল, তাহা পূজা দেব পুতি কি পুকার বোধি হা, ইছা ঐ নতা হাজোল পুণলোলতা ধ্যেতই ফিরীঞ্ড ছইল; যেছে কুল এলতা কাজা প্রকালীন গাঁচতা জালে বি জায় चान्नित जिल्ला का किया, अपरवि आनितात लिक्षीका त्रांका त्रांका कार्ता हैया, ভাষা-দিলকে ভাষার ভনমভানুলার চলিতে আজা দিলা, ভরনগোষলারে মুৎকৈন্দিৎ বৃত্তি করিলা দিয়া, আপদার নিকট্টতে বিদায় করিলা ক্ষি লেন, যে যেপ্র্যান ওয়ংদার্থ না ছও দেশগান্ত ভদ্রাংশ কা মাণ্ন করু, পরে ম্থান ঐ চব্যাত পুথমত অভিমিক হইলেন, তথান গৈছার পিনার যে সাবল বিশিষ্ট পাত্রতিত্তরের জিল, এক মাশারা গতরাজার রাজত্বে অভিজ্ কলে বিষয়ব্যাপারাদিনিমুত্তি করিয়া আনিয়াছিল, তাহারা ঐ যুধরাতের পূর্ব ষ্যারছার মানুন করিয়া, অভিজীত ছইল; কিন্তু তিনি ডাছার্ডিগ্রাক ডাআকিশ্বন্ত পদে নিযুক্তকালমারণ, তাহারদিবার লকল ভর্গইতে ভাগারদিলকে নির্ম करिलन. ५वा में नव धानाम्, शोष्कः न् यिनि द्वियानन य प्रामि सर्वा एका मुना গ্লাম হইবা, তিনি তিরক্ষারের বদলে পুশাং দাপুটে হইলেন, এবং উল্লাকে এই ওপ দেশ দেওয়া রোল, যে রাভরাভারে রাজাত্তে যেমন দৃহতাবৃহীক মন্যোর নুখা পেন্সা লা করিয়া ম্যার্থকপে শাভাবিচারাদিকর্ম নিমুভি করিয়ানিলা, ভদ্দুদায়ে Z 771.

भारत, भे कालीन विक्रियनांगर अरु जनांत गठ, यांशा भे मगरण लहां प्रे ना ग गर মাগত চিলে, ভাষা ওড়ােটের বার্তি গইতে লাগিলি; এবং মান জান ওলাকান্ডল লামে কর্ছামের অধিপতি, চিলি অভ্যঃপদৰ গতভাজার এক আআয় স্যক্তি জিলেন, ভাষার সাধায্যকরনহানে, এবং মধলস্মাচানপুকাশদারা, ওতরোতর তাহা তেত্তথী হইতে লাজিল. যাহা হওল, পরে তৎকালীন মে ইমাধ্যক, তিনি ঐ ভবিপতিকে অনুৱাৰী কৰিয়া, ব্যাপায়ন্ত্ৰাৰী গৰুদিগের আহায়াদারা, ভাগাকে নাঞ্জিক বলিয়া দোঘী করিয়া, জীয়তে আলাইতে আছে। দিলেন কিন্তু যে দিবদ কংছাযের দণ্ড ছওনের নিকাপ ছবলাছিল, ডাচার প্রদিবনে, দে ৰাজি মে গড়েতে বনী হইয়াজিল, তাহাহইতে প্লায়ন ক্রিয়া, গুণ্ডকাপ

क्याजीबल्कित अव क्यांचिल्लिक्स महिल विकित हरेल, अव जाराजिए स्थानिक क्षांचालित क्यांचालित क्यांचालि

পরে রাজা হেনরি, আত্মীয় পুজারকের আক্রানার বিৎকালীন ভর্কার ও বিশ্বর বাবহারহইতে দিরাওবের নিমিতে, ট্রালিল আভিক্রানাল বাবছারহার হবে দুর্গপাতে নিমার জিল, তাহা দুলকরেবের এক হেতু করিয়া, ঘাহারী লক্ষাত জিল এবত অক্রানার জয় হাজার ঘোষা এবং চরিলা হাজার নদান্তিক দৈনা, যাহারদের ব্যবহা অভিক্রালাল জিল, তাহারদিরাকে লৌন্তান্তান্তান্তান্তান্তান্তান্তান করিয়া লাভ্রালাল করিয়া, অফাজ করিয়া, অফাজ প্রায়াকরিয়া হতিয়াওর নামে এক আনেতে ওজীর হাইরলাল

भारत भाजुनाका त्म हा कि नियात वार्ध जारीत स्टाल का कार्यात मुख्य यात्र, त्य जन्मातीन भाजुन त्य या मुख्य यात्र, त्य जन्मातीन भाजुन त्य या मुख्य यात्र, जारातां विकास मुख्य कि कि कार्यातां त्य त्य कि मुख्य कि कि कार्यातां का त्यातां का कार्यातां कार्यां कार्यातां कार्यातां कार्यातां कार्यातां कार्यातां कार्यातां का

भारत भागुत्रों, दिनहित भुष्णांत्रसमितिवात्रनार्ध विकास कृतिनः श्राहित ने दिनहित्र त्रांजा द्वांति नतात्रमधाल कर्षम् नमी भात दहेला भन्न, ४३६ स्वान सकलहहेड द्वांनित्मत्रत्वत्र जाद-देनलाविद्यात व्यातिनृत्कार्यनासक सार्वत्र सक्षा (भूनीवस्व दिस्ता, व्यक्तिस स्वस्क् दहेलानः स्वस्कृत्ये महत्व देमना असक स्वान दिस्त চিল, যে যুদ্ধ করনবাতিরেকে ওাঁছার পুতার্থায়ন করা অসাধী ছট্ল. পরে যে দুর্ শাপদ ভিনি হইয়াজিলেন, কনো কেই এমন আশতদশাপুষে ছইতে পারে না; কেন লা অবশিষ্ঠ (ম লকল দৈলা, তালার। পড়িাছারা এবং শুমকরনক শুতি হইয়া হুবন হইয়াজিল, এবং থাদ্যনাম্গ্রীশহিত গ্রীটা, এবং লডিয়া আইসনেতে তর **লার্ছিত হই**য়া, চিজোদ্রেরেতে অতিশয় জীর্ণতম মইল. পরে মেন্ট্রিরাজার তাবৎ সৈন্যের সংখ্যা, কেবল নয়লাজার লোক জিল, তাণা দের আণেজা ममञ्जाविकरैयानाविभिन्नं, ८व० महेठ्यासनाम्डिविभिन्नं, ८व० गातम् आमा **লামগ্রীবিশিশুশ**কুর্দিরের ভাবৎবর্ত্তীক লাগলাউতে হট্ল. ালে পর্প এমত দার্গতোভাবে বলবত হওয়াতে, চেন্ট্র রাজা অনৈন্যের্দিগকে বন্দ্যের মধ্যে, যাহা তাহারদের সৈন্যের ১ভয়গ্রংখ্য রন্ধকত্তকপ চিলে এমন এক নংকার্ন चात बरेमताहितारक (मुनीवक कहिया, धाँक कवारिया, तमरे गुरू हि नेव्हरपद মুদ্ধোপক্রম করনের নিমিতে রহিলেন. । গুর্নিস্দেশের দওলারক, এক দল সৈন্যের সেনাপতি জিল, এবং ছেনরি অয়ংই, এবং ফর্কের অণুনী চন্য দলের সেনাগতি জিলেন. কতককালগর্যাত মূলার মুকরতের নিমিতে ভাতের ন্যায় হইয়া, এবং মুক্ষাঃ মুক্তরেবেতে ওভয়পক্ষীয়ামৈন্য, অঅমলভঞ্চন আনিয়ক স্ট্রাগ, এক দল অন্যদলের পুতি মৌনী হইয়া চাহিয়া রবিল. পরে তেনরি ইবা দেলিয়া পুলকিও वमान, अरेहा बार कि जिल्ला या कि नोबान मानल, जोहां गोली हुए नि एक छोड़ না, অতথ্য কিপুকারে যুদ্ধারণ করিবে, তাদা আয়াওদের দাগান কর্ত্যা: চলিয়া জাইন, একবিক্ত্র্য় যিনি ভিনি আখার্দের রক্ষক হ'ন. এই ক্যা ক্রিনা মাত্রেতে, ছেবরির তাবৎজৈন্য এক মহাচাৎকার্শার্ করিয়া অগ্রুমর কইল, এবং ট্রাঁ**লিলের লৈ**ন্যেরা ফির্টিড হইয়া তাহার্দের আগমনাণেজী হইয়া পরে ইংগ্লণ্ডীয় গ্রন্থার সকল, মাসারা অপট্ডাপুদ্রক বছকালাববি থ্যাত্যাপর জিল, তাহার। গুথ্যে ঘাহা শতুল্থ্যে বিস্তর শতুলাংধার করিল এমত তিনহাত লম্বা শর লইয়া, শিলাবৃদ্ধির ন্যায় ক্ষেপ্ত করিতে লারিল. টুঁনিসেরহের অস্বারুছেরা ঐ প্রনুসারিজদের নিবারনার্যে গমনোদেসারী হট্ট্যা িজল, ইত্যাবকালো ঐ গানুষ বিষয় মধ্যে গুটু শত ধনুর্ত্ত, যাকারো **ঐ কালপর্যান্ত ল্**কাই রাচিলে, তালারা অক্লণেও ওপ্নিত হইয়া, ঐ অধ্যানগ্রদের মধ্যে শরক্ষেপ্র করিতে লাগিল, তাহাতে জম্বাকদেদের মধ্যে এমত কোলহিল ওপন্থিত হইল, যে ঐ বনুর্বা: সকল, তাছাবদের শর ফেলাইয়া দিয়া, তর্বাব শন্তে করিয়া, তাহারদের পরে দুর্শা**নিদের। তাহ**ারদের চল্লাঙকর্তার্দিরকে, মাহারা রোর ছারা অভিশবি ইইয়াজিল, ভাহাবুদিগকে পুথমত পরাভূত কবিল, কিছ ভাহার। শনিতিভিন্য তাহারদের অসমতারূপ দোষ আমসাহ্যমারা আয়াদিত করিল,

এবং জাগু হইব কিন্তা মরিব, ইহাতে প্রাণপণ করিয়া, শতুমব্যে এমত বেগশালী হুইয়া প্রিস্থ হুইল, যে অভ্যন্ত্র ফলের মধ্যে ভাবৎ ফুঁলিসেরদের হুটিতে হুইল. পরে এ শত্রু সকল, রবছলে সহতোভাবে পরাভূত হইল, এবং তাহারদের দৈন্য অত্যন্তসংক্রীণস্থানেতে ধেঁসাদেলিপুযুক্ত পলায়ন করিতে অপারক হইল, তাহাতে ত ওলৈনোর পুঞ্জপুঞ্জেতে মৃতিকা পরিপ্র হইল. পরে নমন্ত মুদ্দ নিবৃত হইলে भव, यांहाता हे॰ श्लुशिय रेमानातरम्ब मायशीत अभव भड़िन, अव या लास्किता ডাহার চৌকী দিতেজিল, ডাহারদিগকে তরবারে হত করিতেজিল, এয়ত কত এলিন গৃহত ন্যুহহটতে এফ ভঃস্কর শল্, দলপশ্চাৎহইতে নির্গত হইয়াজিল. ভাহাতে হেনরি রাজা চতুলামে শিলুভূপভিত দেখিয়া, বদী সকলহইতে কোন এ কটা আপদ্ অন্মিষে, এই শক্ষায় জিলেন, যেহেতুক তাহারা তাঁহার তাবৎীসনাহই তে অবিক জিল; তরিমিতে তিনি মনে করিলেন, যে তাহারদিলের বর্ব ক্রথার্থে ना जांछ। दिल नहर. किड किल्डि॰ शहर, जिनि हा निष्ठि जहां इड्रेग़िकलन. ইহা জাত হইয়া, তাদারদের বর্ষনিবারএকরেবদারা অনেকের প্রান রক্ষা করিলেন. পরে ভাঁহার জনহওয়াতে, তিনি যে যশৰা হইয়াজিলেন, তাহা 🖈 নির্মকর্ম घाता मकलक इरेल; किन्त (म गांरा इडक, अ कालीन गांवधवीत्रक, जांदा निस्त ব্যবহারদারা সকলগু হইয়াচিল. এই যুজেতে ট্রাসিসেরা দশ সহসুলোক, এবং চৌদ হাজার বদা অন্দেশ হইয়াতিল, এবং ইংগ্লগুয়েরদের সর্প্তভা কেবল চল্লিশ তাল মারা বিয়াছিল

পরে, ট্রানিসেরদের দেশ ঐ সময় অতাত দুরবন্ধান জিন, এবং তাৰদ্বাজ্য দোষেতে এবং বর্থতে এবং অন্যাদেতে এবং হরণলুটইত্যাদিতে পরিপর্ব জিল, পরে অর্নিসাদ্ধ দেশের অগ্নুনী, বর্গভিদেশের অগ্ননাকর্তৃক হত হইদাজিল, এবং অবশেষে ঐ বর্গভিদেশের অগ্নুনী, তাহার সময় ওপন্তিত হইলে, রাজপুত্রের জনদারা হত হইল.

পরে চার্লদ্ লক্কটৰভাবপুযুদ্ধ, বলবুলিরহিত হইয়া, দর্শকার্যাক্ষয় হইলেন; এবং রাজা হেনরি অবশেষে জয়ছারা এবং দলিপত্রকর্নছারা আপনাকে ঐ রাজ্যের ওওরাবিকারিপদে নিযোতিত ক্রাইলেন. ঐ দলিপত্রের বিশেষ বিষয় এই জিল, যে হেনরি রাজ্য খুঁলিন্দ্ দেশের রাজ্যর কাতরেন্ নামী রাজ্য কন্যাকে বিবাহ করিবেন, এবং চার্লন্ ৰুছপদ্বী এবং সমুম যাবজ্ঞীবন ভাগে ফরিবেন; কিন্ধু হেনরি ঐ রাজ্যিশিশাদে ওতরাবিকারিজ্বপে গ্যাত হইবেন, এবং রাজ্যের ওপত্রিত্যাবদ্যুজ্বিকার্য ও শাসনপুত্রিভারেতে অপিত হইবেন; এবং সর্ব্বান্ত্রীনি ব্যাত্ত্যা এবং ইংগ্লেখ্য রাজ্য এক রাজ্যাত্ত হইয়া সংলগ্য হইবে, এবং পুজারা ব্যাব্রথ এবং অ্যব্যবহার নিবিগ্রকপে পুরিপালন ক্রিবেক.

পরে এই লকজ হওলে, যে সময় হেন্রি রাজা লকলন্থালে জয়ী হইলেন, লে লময় তিনি পারিশ্বামক নালি অথকিতি করিলেন এবং মংকালে চার্লন্ রাজা অত্যন্ত্রসভ্যকপুঁক বেখিও লিলেন, তৎকালে কেমরি রাজা এক পুর্লোগ্যম লভাকপুঁক বেখিও জিলেন, পরে শেষবক্তাখ্য পর্যনিবলে এ রাজদ্ব এবং তদীয় হালীদ্ব, মুকুটে ভূমিভা স্থাণ, ব্যক্তকেশ একজ ভোটন করিলেন; তাগাতে চার্লিন্ মংকিল্ফার্যাগ্রাগ্রিপ্ত লই লন একগ গোনি গ্রা. কিছু তেনরি রাজা, বৃহৎ জেয়া পুলা পান্যাদিশুইক আজ্ঞা শ্রিম, সমহিতি কিরিতে লানিলেন,

পরে যে সমত তীহার ঐথানি মানুর ছওনের এবা মুকুট্রত্বপুর্ণি হওনের জলকম হটল, সে সমত আপোরোলিত ইবলা, য'লা বহকালীন বৈদের দিলের ম্থাপ্যুক্ত পৃত্যপুলিক হটল, ঐ ভেন্তি ক্লালা যজপ্লাছ্লানিত ইইলা কলিক লৈ করি লালিত তজ্জালিত ভূলি শার্মবিক্ত হট্যা, জনাবের দশবর্ম স্থাজ্ম ফরিলা, পাঠার পাইলোন

३৮ जाश्वीमणीवार्य.

' মঞ্চ হেলরির বিবর্ধ.

বেদ্যার্থের অগুলী, তৎকালীন সকল রাজপুতাইইতে বিদ্যানিপুর জিলেন, এবং রাজকন্মে ঘেমন পটু তেমনি যুক্তবিত্তকার্যোতেও পটু জিলেন, এবং মাবৎ অগ্নের ক্রিছেন, কেননা এ কালে তিনি এক বংশর বয়ন্তও জিলেন দা, তাবং তিনি পার্লিয়েত অর্থাৎ রাজসভানৎকর্তৃক ইংগ্লভদেশের রক্ষকপদে, এবং ইগ্লেডীয় বিশ্লের রক্ষকপদে, এবং রাজার পুরীন মন্তিপদে নিযুক্ত ইইলেন.

গরে, যে কার্যান্থার বেবি হয় লা যে কিন্তু ৬২পন্ন হইতে পারে, এমত এক নৃতঃ প্রির্থন, ঐ রাজ্যের মধ্যে ওপন্থিত হইল, তাহার বিবর্ধ এই। বাকোলুর্প দান্তাপ লর্রানের অভ্যানি ন্যারেনি লর্রানের মধ্যে অত্যান্ আর্ক লামে আ্রেড দাতাইশ বংলরবয়ন্ত এক গুরুদ্ধের কন্যা বাদ্য করিত। ঐ কন্যা বালিকা নাময়ে এক দান্তিত দার্ল, হইয়া কর্মি ক্রিয়াজিল, এবং যে২ দুদ্ধরকর্মন্থার মনুষ্ণের শারীর মুদ্দের লক্ষ্য ক্রিয়াজিল, এবং গ্রুম্ব ক্রেড লাই নীচ প্রস্থা সক্রেড স্বিয়াজিল, এ কন্যা নিদ্ধোধিনিকপে কার্যাপন করিয়া

জিল, এবং মেছ সাহলিক ভাল পাছাৰ মধ্যে দেখাইল, ভাষাৰ লেপাও এতৎকালপৰ্যাত দাৰ্শাইল লা৷ কিন্তু পাছাৰে, ভাষাৰ দেশেৰ ভাৰংপুজাৰদেহ দুৰ্দাণা দেখিয়া, এবং ভাষাতে বছৰালাকৰি বড় মনন্তাপিপুলা কইয়া, ঐ ফলাগ্ৰ মন চালিত হওয়াতে, মে ভাৰিল যে ইমাৰ্ক্টাতে ঐ মনস্চালন ওল্লৱ দুইগা জিল; ইয়া নিশ্চয় বোধ কৰিছা। বাকোলুন নগাৰের জৰীক বাড়িকভিনামক এক জনের নিকটে মাইয়া জানাইল, যে সে মান্দোক বিলে, পারে পুথমত আলিক্তির, কন্ত করিত নিক্তালাকর গাঁটি পালকর্ত্তি নিক্তালাকর বিলে, পারে পুথমত আলিক্তির, ঐ কালাকে ভ্রুজান কলিব, তির পালাক পুতালনাবিষয় নিশ্চয় জানালামে, ভাষাকে কতলভানিন কলী দিল, পারে ঐ আনুভানিয়া, ঐ কালাকে ছালিলের দেব রাজনভায়, মাহা ঐ সমান চিনন্ নগারে ছালিত জিল, মেই ছালে ভাছাকে নউয়া গেল,

পরে, চউতে পারে, যে ঐ দ্রীদিনের রাজনতা, ঐ কন্যার পরাক্রয় জন্যক বেবি করিল, কিন্ত ভূচল হউতেচিলে যে তাহাচ্দের অম্থ ভাহার বচ্চার্যে সর্কেট पार्गात कि. एवं देहा कहिना. अविभिष्ट शुक्रांग कहा हाल, या में जाशान नाही কাটা নিশ্চয় নিশ্বকর্তৃক মালিতা হইয়াছিল; এবং যে দে রাজনতানতের তাবৎ পালমন্ত্রিবর্গের মধ্যে ভাজাকে লাজচিহর্ছিত হইলেও চিনিতে সমর্ঘা জিল: এবং গে দে কন্যা রাজাকে অনেক গুণ্ডবিষয় জাত করাইয়াজিল, মাহা রাজা থারি রিজ অন্য কেই ভানিল না; এবং যে কাতরেনু দি ছাইবেশি নামে বর্মাশালার चित्रहारा अक श्रेष्ठ किल, अवन योहा स्म कन्त्रा कथाला प्रस्थे नोहे, अवन তাহার বিষয় কথলো খনে নাই, তাহার বিশেষ্বিবর্ণ জানাইয়া, ঐ 🐠 যাচ্না করিল. পরে মাহা হঙক, ঐ সকল কথাছারা সামান্যলোক সকলে? অতঃহরনে এমত অভিশয়শুদ্ধা অঝিল, যে তাহারা তাহাতে দেখিতে অভিনান ক্রিল, পরে ঐ ক্ল্যাকে অস্রাদিতে সমস্ত্র এবং অস্থাকঢ়া ক্রাইয়া, লোকের দের দাক্ষাতে তাহাকে ওণস্থিত করিল, তদত্তনর ঐ কন্যাকে তৎকালীন পণ্ডিভেরদের বিকটে কইয়া গোলে, তাহারা লোকেরদের চরিত্রজ্যেতেইবা হওক, িয়া পুজারদের সাহসব্দি করাইবার নিমিডেইবা হওক, তাহারা জানাইল, म ने कन्या निष्ठप रिवडांब्ल्यां इहेगांक.

পরে, মথান মুল্লহেতুক তাবৎ আন্মোজন পুস্তত করা নিয়াজিল, এবং ঐ কন্যার মুল্ল মাত্রাইনি দর্বত ব্যাপিয়াজিল, তথান সভাসতেরা ঐ কন্যাকে শতু সম্পুথ্য করিতে মনস্থ করিল. মেহেতুক ঐ কালীন, ইংগ্লপ্তীয় দৈনা সকল জালিগ্রান্ধনামক শহর বেশ্বন করিয়াজিল, মাহা চার্লসের শেষাশুয় জিল, এবং ভাগ্র যে অভিশীয়ু শতুহত্তাত হবে তাহার অনেক চিহু জিল. গরে জঞান্

নান্ত্রী ঐ কন্যা, ঐ বেখনকারী দৈ ন্যুন্দ্রিকে তো কর্নার্থে নিশ্চয় করিল. এবং আপনাকে অবিক্চমৎকৃতা আপনার্থে, ঐ চমৎকৃত শ্রন্ধা, মালার বিষয় পুরে দে অনেক চমৎকৃত বুভারপুটা হইয়াছিল. ভাগতে আপনাকে সমজা করিল. পরে এতজ্ঞান সমস্ত্র ইইয়া, এবং দৈন্য স্বলকে যুজ্বমনের পুরে পাণযোচনার্থে পাপখাকার করাইবার নিমিতে আজা করিল, এবং অহতে এক পবিলাক্ত রিজা মেশাইয়া দৈন্যের দিলিতে আজা করিল, এবং অহতে এক পবিলাক্ত রিজা মেশাইয়া দৈন্যের দিলিতে জানাইল, যে ভোনার দেবে কোল চিতা নাই, নিংসাদেহে জয়যুক্ত হইবা, পরে ঐ সকল পুরোবিবাক্য ঐ ফন্যার পুরুশ্বাৎ ভননেতে, দ্রীদিনের দৈন্য সকল অভিশীলু সাহসমুক্ত হইল; মাহাতে ইংগ্রুণীয় নৈন্য সকল, মাহারা ঐ কন্যাকে পুন্তে ভ্রুড্রান করিয়াছিল, ভাগরাও অবশতঃ করেল ভাহার বিষয়েতে অভ্যত্তিত হইয়া, এবং ওদ্যোগকরনে শিথিল হওয়াতে, ঐ বেখন অ্রায় ভরা হইল.

পরে দুঁলিপের গৈন্য, যাহারা এতংকানপ্র্যান্ত বন্ধ সইয়া র্চিয়াজিন, তাহারা মুক্ত হইয়া প্রাবৃত হইয়া, ইংগ্লেডায় দৈন্যের্দিনের ওপর চড়াও করিয়া পুরস্থার অথা হইতে লাগিন. এবং একজ্ঞারের পর অন্যজনপুরি হইয়া, অব শেয়ে মেঘন অওয়ান্নামক ঐ কন্যা পুতিজ্ঞা করিয়াজিল, তদনুকাণ দুঁগিনিদের রাজ্য ছুন্নি নগরে মথাবিধি রাজ্যে অভিমিক্ত গ্ইলেন.

পরে গাজা রাজ্যে অভিমিজ হইলে পর, এবং জ্যালতর জ্য়ী হইয়া, অভিপয় বজিতে কারিলেন; কিন্ত জ্ঞান্তর দায়ে ঐকন্যা ক্রেন্নামক নগরে, যাগ্য তথকানিল বর্গতির জ্ঞানিক্তিক বেনিত হইয়াছিল, তাহাতে কতকণ্ডলি দৈনা সমভিব্যাহারে ঐ গড় বেশুনভ্যার্থে, ঐ গড়ে পুরেশ করিল, ইভোমর্যো ঐ শত্রু দেব সভিত মুজকরনসময়ে, ঐ গড়ের কর্তা ঐ গড়ের পক্ষান্থার কল্প করিল। জ্ঞান্কে বল্প করিল.

পরে বেদ্দর্শে অগ্লুনী, ঐ কন্যার বন্ধন দংলাদ পাইবামালেতে, বেন্দোয় নামে দ্বদার, যে ব জি ঐ কন্যাকে অভিযাভনাপূর্ত্ত বন্ধ করিয়া জাঝিতে আজা দিয়াছিল, ভাষার আনে ঐ কন্যাকে কিনিয়া লইল. কিন্তু ভংকালীন ইণ্ড্রা থীয় কি দ্রুণীসিদ্ কি ওভয়দেশীয় লোকেরদের বুলির এ পুকার চাক্ষলা জিল, যে দড়ি ভাষাবদের মনোজ হইত, তবে অভ্যাস্বতবিষয়কেও সপ্পত করিত: যেহে তুকু যে ব্যক্তি ইয়ার কিছু পূর্বে অভ্যত জয়মুক্ত ছওয়াতে, এক পুল্যবান্লোকের মত মান্য জিল, দে এথন বন্ধ ছাইলে, যে দৈভ্যানকল ভাষাকে মহকিছিছ সাহায্য দিয়াছিল, এমত যে লোকেরা বোষী করিল, তহকর্ত্বক ভাজা হইয়া, এক জাদু গারীর জুলা যান্য হইল। এড দিয়াছিল বেইন্ নামে নগারে বিচারিত ছইয়া অপ রাধী করাইনা আদুগানীদোষনিয়তে, জীয়তে ভাষাকে দক্তি ক্যিতে আজ্ঞা দেও্যা প্রনা, পরে ঐ অভ্যোক্সারে অভি বিগ্রুহপূর্বক ভাষার প্রাণ দণ্ড করিল.

পার ঐকালাবধি ইণ্প্লপ্রায়েরদের তারদুণ্ড কার্যা ছাত্রিশাগ্রনা হাইতে লাগিল;
এবং ট্রানিদের যেই সকল দেশ ইণ্প্লপ্রীয়েনিন্যকর্তৃক অবিকৃত হাইয়ানিলে,
তাহা পুনরায় ট্রানিদেরা ব্যাহে অবিকার করিতে আরম্ম করিলে, এবং অল্ল বংসার্থয়ে এমত হাইল, যে দ্রানিদেরদের রাজ্যে যেই লগার শালুদন্তনত হাইয়া জিল, তাঁহার মধ্যে কেবল কালিস্বাহক গড় অবশিষ্ক সহিল; এবং ঐ সকল দেশ পুনর্বিভার কনিতে যেই সকল সৈন্যক্ষয় ও কালিকপুন ও অর্থব্যস্পুতৃতি, যাহা ঐ দেশতে নির্থক হাইয়াজিল, এবং মাহা কেবল ক্ষরিকাকার্থ এক মনিক্যশোদায়ক জিল, তাহা ভ্যপ্রাবিকারনাপ্রেক্ষা অভ্যাল্ল লাভজনক জিল.

অবান্তর, ছেনব্রির অলমতা ওছরোছর বিলি গাইটা পুকাশ পাইতে লাগিল, এবং পর্লহিত্যুত্র নির্ভ সইলে, অগ্নিটা আমগিলিত বিরেশিকলস্থানিপুত্তি লাগিল, পরি এই পুকার রাজত্বের ভর্মেশাতে, মাহা বৃদ্ধির সময়ে এবং পরাজ্যের সময়ে এও সইলা রহিয়ালিল, এমত এক দুজন দৈবসংযোগ ওপন্ধিত হইলা তাহা এই, বিচার্ল নায়ে যুক্তের অগ্নুণী মিনি, তিনি মাতৃপক্ষে নিওনেলাসক ততীয় এলার্মের জন পুত্রের নতান জিলেন, কিছ সিংহাসনন্দ্র যে গালা তিনি গাঁতের জানের সকলে, মিনি ই সমুণ্টের এক জন কমিছ পুত্র জিলেন: অতএব ল্লান্ড বিলার মায়ে, যে হেনবির পুরে, বিচার্ম ই রাজ্যের অক্রমতা দেখিয়া, ভাবিলেন যে এখন আয়ার মে হেনবির পুরে, বিচার্ম ই রাজ্যার অক্রমতা দেখিয়া, ভাবিলেন যে এখন আয়ার অভিনাম সত্রনা মায় তভিলাম সত্রন্ম কর্মানর ওলাম স্থান কর্মান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান তভিলাম সত্রন্ধ তভ্যাসকলার হিলার প্রাক্রমান আরক্তবর্ণ জিল, ইহাতে হাজ্যান্থ তাবিপুরাবর্গেরা ওভ্যাসকলারী হইল, মাহারদের ছেম এবং হিণ্ডাক ক্রার, ই সময়ে, বর্গুরারারারা আ পরিগ্রাক করিয়ে ভিলা

পরে ঐ কালীন শাসনের অঞ্যাতত্বপুদুক, রাজনভানতেরদের নিকটে যেছ লুগানা করা রিয়াজিল, তাহার মধ্যে কতকগুলি, বিরোধি ও কলহ জনাইবার কারন হইল; বিশেষত যে কলহের মধ্যে জানকেদ্নামক ব্যক্তি পুরীন জিল, মে কলহ দকলহইতে আপজনক হইল. ঐ ব্যক্তি আইলও দেশীয়লোক জিল, এবং আদোদের নিমিতে ঘুলিন্দ দেশে পলায়ন করিয়াজিল; কিন্তু পুনর্হার অলেশা রামন কালে, তাবৎপু জার্মরিকে মুলনিমিতে পুন্তত দেখিয়া, মার্তিমর নাম বুলন করিয়া, লার্বিমর নাম বুলন করিয়া, লার্বিমর নাম বুলন করিয়া করিয়া, লাক্ছেন্নামক স্থানে জাঙানি করিয়া রহিল. পরে রাজা, এই কলহের সমাদ পাইবামাতে, তাহারদের একত্র হইয়া অল্পরারনকারন জিলাসার্থি দুত পুরুন করিলেন. ভাহাতে কেদ্নামক দেনাপতি পুজারদের

পুতিনিধি হইয়া ওতার কলিল, যে ভামার্দিরের আশিবার কারণ এই, যে কেবল কুমন্তির্দিরের দণ্ড, এবং দুর্থিপুজার্দিরের অবিনারজন্য যে থেদ, ভাগার ম্যার্থিবিচার চাহি পরে এ হাজি আন্তর্নাপা লোকের্দিরের পুতি দুর্বীক্যা ক্যান্দার্য, এবং নর্গাবন্ধ লোকের্দের দহিতকল্যকর্নবারে পুয়ে সমন্তর্না হারিকর্তৃক তাজ হইল. পরে রচেন্তর্নামক নর্গার্পার্থিত হিন্যা আদিয়া, পশ্চাৎ একানী কেন্ত দেশের বনেতে পলায়ন কলিল, পরে ভাগার মন্তক্পুত্রির নিমিতে অর্থপুদ্ধন ছোঘনাজনা, বৃত হইয়া মারা পড়িল.

ইতাবকাশে মর্কের জগুনী, এওকণে এই কলব বৃদ্ধিকরাইতে লানিল, এবং
পুজারদের কার্যানিভিকরনমনে রাজনিং হাসনপুণানার্যে আকাগ্পী হইল. এবং
এই বিষয়ে যেমন আকাগ্পী তিল, তেমন আন্য আর্ফোনা বিষয়ে জিল না,
তথালি কোনো অনন্দেহকর্তৃক কতক্ কালার্যাত নিবানিও হইল. পরে, যাহা
তাহার জলছারা নামূর্ন হইল না, তাহা তাহার আকাগ্পান্যায়ী দৈবকর্তৃক
নান্ন হইল; যেহেতুক্ক রাজা অফ্টে পীহার্ত্ত হইলেন, মদ্বারা তাহার
আকাগিক দৌর্ল্য এমত বৃদ্ধি পাইল, যে গাজবন্ধরকাকরনে জলম হইলেন,
এবং ফ্রনামক ব্যক্তি সেনাপতিপদে এবং রাজ্যরন্থকাদে নিমুক্ত হইয়া, যেইজনে
ইল্লা তৎক্রনে রাজনতালদান্থান করিতে পারে, এমত প্রাক্রমবিশিষ্ট হইল.

পরে ঐ য়র্ক এতজ্ঞাণে অত্যত্ত পরাক্রমানিশিন্ত হইয়া, তৎ সূথাভারো অনেক কাল নিক্রছেরো বাদ করিয়াজিল; কিব অবশোষে ঐ অভারাবান রাজা উছির অলকাজিকা পীড়াহইতে অক্রমান ব্রপ্তহিত যেমত নোক চেতন পায়, দেমত চৈতনা পাইয়া, চমৎকৃতান্তর দেখিলেন, যে তিনি আত্মায় লইপরাক্রমরহিত হয়য়াজিলেন. ঐ হেনরি রাজা, পুক্ষদদৃশভান্ততী আঞ্জন নর্বারে মার্ত্রেনায়ী এক কন্যাকে বিবাহ করিয়াজিলেন; এ মার্ত্রেই, রাজাকে তাঁহার ইয়ার বিক্র য়ুদ্ধ করাইল, পরে ওভয়পলীয় দল লালুন্মানিক্রম করিল, মাহাতে য়র্ক জাতীয় দৈনা লর্বভোলারে জয়া হইল, এবং রাজা অয়ণ্ট কতে হয়য়া রলক্রল লমাপত্ত এক গৃহত্বহে আপুয় লইলেন, সরে দেই ভাবে বলী হইয়া জয়ি কর্তৃক অভিগ্রম্যানির এবং দ্রাপ্রক আদৃত হইলেন

পরে হেনরি রাজা ঐফনে বন্দীককা হইয়া, রাজবংশজাত এক জনের তুলা আদৃত হইলেন, কিন্তু আলন্য এবং দীচাপুযুক্ত, আক্ষদায় দক্ষেধ্য পুষ্য চিলেন, এবং যে পরাক্রয় ও মর্য্যানা, ঘাহা শুন্তভিবেকে পাওয়া ঘায় না, তদুহিত হইলেও বড়একটা থিনামান চিলেন না. তথানি মার্থেই, আর এক বার আনুক্রণ মাহাম্য পুরালা কর্যার্থে, তাহাকে ওন্যোগ্য করাইলেন. তাহতে বিবাদকারিউভয়ণদ্যীয়েন্য নক্ল, তাদ্ত নামে প্রগাবার অভংশাতী ব্লোর

ভিমালামক আনে প্রস্তুর নামাৎকার ছইল, এবং যুর্ছ আর্ডিরো ব্রুক্ত লিয়েয় জনী ছইল, কিন্তু ইহার মধ্যে সর আল্ল জ্যা মিনি গ্রেইর অনুনির ক্রন্তারি প্রিনিট্যলার্ডের হেনাডির জিলেন, তিনি অলৈগ্রের স্থিতি আ্রিলের তানা ক্রিয়া রাজার সহিত মিনিত হুইলেন; প্রাতে যুক্ত আর্ডিরের সের ভাব-ইন্নার, এমত অভ্যান্ত ভারি হুইল, যে প্রয়র সির্মান করিছা, প্রদিবনে গুলুর প্রক্ষাত্র বা করিছা, প্রস্তুর ভূইল, পাল অন্যহ ক্রক্তিয়া, প্রস্তুর ভূইল, পাল অন্যহ ক্রক্তিয়া, প্রস্তুর ভূইল, তাল হে কন্সহ এম গ্রু এই ক্রান্ডের ক্রের্ডির ক্রান্তার ক্রান্ত্র ক্রান্ডির ক্রিলার ক্রান্ডির ক্

াৰে বাহিকেই পুন শাষিকাৰ্য, ফিনি ঐ কান্যান হৰ্ম জাভীয়েইদের উন্নৰ্ভাৱ দেৱ দেৱ পিন প্ৰি ইন্টানিকেন, ভিনি তথ্যানীন দালন নিপুল্ননাপ্তিহনীতে থিকি স্থানিয়ালৈ দিলেব গোল ভূক ভিনি দুল্যাক্ষিক্তাই নিমিতে স্থান হলি কাল্যান, এবং পিনি মুখ্নিগুল্ছ অভ্যানিক, এক অভিনান্তি নিমিতে স্থান হলি কাল্যান, এবং পিনি মুখ্নিগুল্ছ অভ্যানিক, এক অভিনান্তি নিমানে কাল্যান্তি কাল্যান্ত কাল্যান্তি কাল্যান্ত কাল্যান্তি কিন্তান, এবং কাল্যান্তি কিনানে এবং কাল্যান্তি কাল্যান্ত্য কাল্যান্তি কিনানে আন্তিনিক কাল্যান্তি কিনান কাল্যান্তি কাল্

এই মকল যুদ্ধি কুছি হৈ তিনি, ইং ভাল্যো হক দগনেই গত অনুনীৰ চ্যোকণ্ড যে গুলা এছাৰ্ব, তিনি, আন্দেশি য়িলোকৈলা যেই মতিলুলি ছইটা তেল, তাটো পুনংগাণন কৰবালে, এবং মতা আভিন্তি হৈছে পুনংলাক্ষ কৰা চন্দ্ৰ প্ৰস্কান আহা কিছিল। তাল এই সুক্তেই আভিন্তি এক কাৰ্যা কিছিল এক কাৰ্যা কিছিল। তাল এই মতা কাৰ্যা কিছিল। আন্দেশ কৰি ব্যা, কাৰ্যা কিছিল। আন্দেশ্যা, কাৰ্যা কিছিল। আন্দেশ্যা, কাৰ্যা কিছিল। আন্দেশ্যা, কাৰ্যা কিছিলা আন্দেশ্যা, কাৰ্যা কিছিলা। আন্দেশ্যা, কাৰ্যা কিছিলা। আনি কাৰ্যা কিছিলা। কাৰ্যা কৰি ব্যা কাৰ্যা কৰি বিলা কৰি ব

₹

सर्वराज्ञांत नर्वसारत क्रांश्यर्यामा क्रांतिया, जिति वातायरी। छाविस्तन्, य রাত্রি• গাদনাক্রমনকরনের ওপনুক্তমন্ত এই, তনিবিতে বারিকনামক যে উহিপ্ত প্রায় লোক, সে লণ্ডশ্নিবাদি তাবংশুকার্দিএকে আন্নামক ক্ষেত্র এলত করিয়া, এক দীর্ঘণুস্তাবদ্ধান, ঐ সু লাজ মে ম্যার্থানে ১ডরাবিকারী, ए कि ए प्रतिकृति अव लाव के खाल व राज्य कि मिर्ग की अव अध धौर्य करने मिर्ग की ना পুলনকাপিতার নিক জ জনেক পুনর কারলা, আছা হওক্ কিচ্ফুকাল পার ১ত্র প্রায়েরা হকের ডাওপে ডি ছোড ্নামছ ন, রলমাপে 🗳 র ডেএর দ্র্যা নিষ্ঠায় করেল ১৯৬৯ ছট্ন, এবং ঐ ভয়গর স ুনিল্ড ই প্লাব্য লাজ্য যেমত পুলা স্পুষ্ঠ প্রিল, সেই মত আন্যকেশিছ ঘুলেতে সং নাই; কেনন। এক দেশ 🛭 এক লক্ষ্য কৈন কে, পাল্লাই মুজ ক.িডে দেখাৰ, আত্তাওত কৈ ক্ত বিষয় জিলা, এক ভাষ্ । হ'ছালে পর্কেবল মনুষ্য া িওদে মধ্যে লকলগ্রীত দুর্বল এবং অবীন এক ক্রক্তির শ্রাকাই, সন্ত্রিক এবনতি পরে এছা এবি সৈন্য চুছার্যে তলুগেমী হইতে কিল, ইজোমধ্যে এক ভাততিহ্যালী বম্বিল মাছ। শত্রুগের মুখো গড়ি । তাহার দিলকে অন্ধ করিল; এই নাভিন্টকবিষঃ প্রযুক্ত, এক ঐ সময়ে অভিবেলে সংগু**রু** আরম্ভরন এই পুমুক্ত, এছার্ন এবং তথাক্ষায় দৈন্য যে জয়ী ইহা স্থির হইল. পরে এলার্ম করিনলে ছিলেপতে আজা দিংলপ, যে শতুর্দের পুতি কিজুই দয়া ক্রিবা না, তাহাতে অত্যন্ত রজসুখবিহননের ওণক্র জইল, যাহাতে লাভকান্তর कांचीय रेमान तरम्ब नानमा आगः, ठ्रावि शंकात् या गेर्डानः

পরে ঐদুরল ও আলা চলাল কেননি, যিনি সর্মা অনুপাছ কার্য্য করিতেন, এবং সাইদা অনি একার্য িলোন, তিনি বনী হাইলা অতিশয় নির্ভুগ্ কে লণ্ডন্ শাহরে আনিতি কইটা অথন রাজেতে বল কইয়া এটিলোন কিন্দু মার্ত্তি নামী কার্না তিনি অংপেয়াজ্য শিলু ভারাবতা জিলোন, যেকেতুক তিনি হাজ্য হাইতে প্লাগন করিয়া মুল্ডিন্ হেশে, তাঁটা, পিঙার তিকট আশুয় লাইলেন

পার এছা। রাজা, বারিকের প্রুদ্ধারি গারিরছার। তথ্যনে রাজনিংহাদরে আধিত হইটা, নিক্ষানে এবং কুগলে রাজা কারতে লালি লন, এবং পালিষের অর্থাথ রাজনিতান্ত তথকর্তৃক্ষীকৃত হই ।, মর্ব্রানালার পুজারা ভাহার মালিছত হওলে সাজত কলল, পার এমত নিজাভিলার হইলেন কিন্তু আ্যোস্থিয়ে বাশ্বহণে অলমপুণ্ড, ভারদ্ধান্তভাগ মার্বি ঐ গ্রাম্ রাজাগি দ্যাহীনা আম্মাদ্ধান অভাব মার্বি এগাপিল; যেহেতুক ঐ রাজবিননী, এক দিবল কেবল নিচুব্যবহারের আন, এবং আন্যাদিবদ কেবল কেতুক কিয়া আত্মান্তিয়ান্ত্রনান কাল দ্যাহিত; এবং গাজা আল্ই এককালে কোনো এক ওপপত্মীনান্ত্র গো থাকিতেন কিয়া হোগা এক দ্ব্রান্ত্রনান্ত্র দ্বনা এক দ্ব্রান্ত্রনান্ত্রনা এই দ্বনা

ভাষ্যাদিভিনক কার্যাহইতে রাজার যন জন্মত কার্যা থা, বারিকের প্রদেশ বিকারী রাজাকে নিশ্ন কাতে পরামর্শ দিন এবং রাজার জন্মতিপ্রাণ্ড ছইলা লাক্য দেশের বোনানারী কন্যাক মহিন্দী করণার দিন দাসে হিন্দু ট্রান্দ্র দেশেওড়ি হিন্দু, এবং সেই জান ওচাকে মহিন্দ্র করান কিবান করি করিল। কিবানে লাক্য ই পুদেশাবিকা বি টুনিন্দ্র দেশে ই লাল্ড হিব করিছে করা করিছে ব্যাপ্তিশাল মার্যার বিজ্ঞান ও প্রীয়া বি চুলিন্দ্র স্থানি করা হাল্ড হর্মার করিছে ব্যাপ্তিশাল ইল্ডানিন্দ্র হাল্ড হ্রান্ত বির্দিক করেছের। ইল্ডানিন্দ্র হাল্ড বিল্ল লাভানির ছাল্ডাবিকের জোনের জাবির মার্যার করিলে, পার বারিক মার্যার জাবির লাল্ড করেছে নাম্বানিক স্থানির জাবির লাল্ড করেছে নাম্বানিক স্থানির জাবির করেছে নাম্বানিক লাল্ড করিলে, যে কিবিজে লাল্ড করিলে, গোলা আন্তর্ন, গোলা আন্তর্ন, গোলা আন্তর্ন, গোলা আন্তর্ন করিলে, মার্যার করিলে, গোলা আন্তর্ন করিলে, যে কিবিজে লাল্ড করিলে, গোলা আন্তর্ন করিলে, গোলা করিলে, গোলা আন্তর্ন করিলে, গোলা আন্তর্ন, গোলা আন্তর্ন করিলে, গোলা আন্তর্ন করিলে, গোলা আন্তর্ন করিলে, গোলা আন্তর্ন করিলে, গোলা করিলে, গোলা আন্তর্ন করিলে, বালা আন্তর্ন করিলে,

পরে এতজ্ঞাপে আর একবার ঐ অস্বতর রাজাঃ তেনরি রাজনিন্দানদাপরি ভিত সওলারে, করা কেন্দ্রইতে মুক্ত হললেন পরে এক রাজনতালখনে আছু ল করা রোল, এক ঐ সভাসথ ডিসিমারে বিস্কৃতিক রাজা হেলরির পদরা হির করিল, এক বানিক্ অফ ই নাজকারক লামে মানত হইয়া, পুজা, বিগের ম.বাঃ পুশ্বিত হইল.

পরে, এছার রাজার পদী। লোক সকল মং কি জিং দ্যিত ছট্লেও বিন্দা দটলা লা; যেছেতুক রাজা অয়ণ ই চালও রাজ্যেকে অনেশ্ছতৈ বিদ্ধিত ছট্য়া বানাকর। সময়, অরাজ্যে উল্লেখ্য সালে অনুধাকত্বক মত কতকল নিন নৈন্দ্র লোল আনুধাকত্বক মত কতকল নিন নৈন্দ্র লোল আনুধাকত্বক মত কতকল নিন নৈন্দ্র লোল লোলায়ণ্ড ছট্য়া, যুক্ প্রথমাত্ব ভিত্ত বিশেষ্ট্র লোক অবংশ ভালি ইটলেন পরে পুথমত চিনি ইণ প্রতিষ্ঠিত ক বড় শৈথিলাকণে গৃহীত জিলেন, তথানি যামা করত ক্ষেহে উটি হার বিদ্যান বাছলা পাইতে লালিল; এবল এ এছার পুলিজনোজনা এবল ন্মু অভাবপুলুক, ভালার প্রকাশ লালিল; এবল এ এছার পুলিজনোজনা এবল ন্মু অভাবপুলুক, ভালার প্রকাশ লালি লাকের নল এটা বুলি পাইতে লালিল। পরে এই লাজাবপুলি ভূলার থুলিয়া দিলেন। এবল এ দুর্দাগ্রন্ত হেনরি, পূর্বনিবানে পুরিত ছওনার্থে, ভারে একবার ভালার রাজনিশ হাসাবছতৈ ওপ্লির হইলেন।

পরে, এই ক্ষনে বারিকের আফসনেহহইতে মুক্ত হওলার্যে, যুক্তকরেব্যাভিরে কে আর কোনো এপায় ছিল না, কিন্তু তাহাতে এয়ার্মের ভাগ্য পুসর হটল. পরে তাহারা আল্বান্নামক এক ভাবে দাকাৎকারবিশিষ্ট ইইল, এবং লাওকান্ত রের দৈন্য পরাত্মুগ্র হইল. ঐ দাম্য বাহিক্ শয়ংই মধান অদৈন্যের এক মনো নীত দলকে ভোরতরসংগ্রামের মধ্যে মুদ্ধ করাইতৈচিল, তথান শবুমধ্যে ক্ষক্ত বিহাত হট্যা মারা পঢ়িত.

পরে রালী মাণ্ডেছ, ঐ সাহস্কান্ বারিকের মৃত্যুসম্বাদ এবং অপক্ষলোকের দিনের বিশেষকণে বিনাশের স্থাদ পাইয়া, নেত্রজলস্থাবদার। পুথুমবার ভাঁহার মনো ুথ পুরুষা করিলেন. পরে আপনার অভারোতে অন্য ওপায় না দেখিয়ো, হায় পরলবার অভাপাতী বাঙলিওনামক বর্মশোলায় আশুল লইলেন.

পরে ঐ মার্গ্রেইরানী ঐ দুঃএজনক ভাবে বছকান নাল কয়েদ নাই, ইতো মব্যে তাঁহাকে তাঁহার দুদৈবিকি স্বায় সাহাম্যকরনে অপেকা হারা হইয়া রহিয়াকে, এমত আনেক লোক জিল; ভাগার মধ্যে ভিগেরলামক পেয়ে। তের পুরে শাবি কারী এবং কোত্রিনামক দেবনের প্দেশাবিকারী, এবং প্রায়ত বেনুলক, এবং প্রায়ত জান্পুভূতি অন্যঅন্য অনেক ওয়পদ খিতলেকেরা, ঐ রগনীৰ যাবদভিনাম मार्ग्स इट्रेंदि, १ मा अलाहिया, यावजीत विशित महिया कतिरत, इंश खीकांत्र कविल. ইহার দুর্যে, ঐ রাগা ই প্লাওদেশন্ত দুর্গয় তাবেৎ পর গালার মধ্যে মুল করিয়া ছিলেন; ভাহারমধ্যে ভাঁহান মে শেষ মুল, যে মুল उौराव जीवन्माक्षममाथि, जोरा चिश्रक्षवित्रीयक स्थाल रहेगा जिल. রানীর ভাবে দৈন্য দায়তের কর্তা সমর্মেতের ত্রুণী ছিল, ঐ ব্যক্তি দর্গণ ঐ রা বি কাম্যানারিক ছইয়া, ভাঁছার সমস্ত বিশ্বের এক কন্তের সহস্তারী নে অতিশহ লাহ্মবান্ এবং দাতা এবং লাইদভোষক চিল, কিন্ত जित्त. হঠাৎকাষী, এবা নিঃমালন লোক জিল. পরে মথান এছার্দ রাজা দুর্গুড়িত এ বাজির গুডি ছোও করিয়ালিলেন, তথান ঐ ব্যক্তি ঐ রাজাকে এমত লাহন পুরুক্ ছড়িক্রম করিল, যে শহুল অতিশয় থেগে ছড়িয়া পলায়ন করিতে লাগিল; ভাষাতে ঐ অনুনী শতুর্দিলকে পরাভূত জ্ঞান করিয়া বেলে ৩২পকাৎ লমন कशिया, उपजिक्रयकातकारत शियु श्रवन्तक्रक माश्या करनाजा पिरलन. किन्न ম্ভাগাজায়ে এ প্রান্তবেশ্বক্ তাহার আজা সম্ভ্রা করিলেন না, ভাহাতে সম নেতের বৈদ্যা, শলুব্দিরের বাহন্যপুরুত্ব শীলু পরা ভূত হছল. মহাদদ্ধা ওপত্তিত কালে, ঐ অগুনী সর্গবেষ হইয়াতে ইহা দেখিয়া, অভ্যত কারাহিত শ্রীল, এবং যে ভাবে নে প্রয়েম আক্ম দৈলের্দ্রিকে বি**নান্ত ক্**রিয়া জিলি, নেই ছালে ঐ এদলক্ষে অলন দেখিছে, অভাত কুছ হইয়া দুইছতে बीत २कजीव-्ष पुरत निविद्या, वे कानूकायत मुठि फोड़िया याहिया, वक खांचारंड उतारंट विमान कतिन.

পরে চুল মুমার হইলে, এরাজ বিশিকে একং রাজগুরুতে কলা ক্রিয়া, এছার্নে র

निराहि प्रानिद्राल, अवर ने प्वकांक ने जहीं शंकांक नोक्षांधकार निल्मेक्ट कर्प भी शहेरलत. उथान अवार्ष व्राज्ञ। अ व्राज्ञ नुष्यक जिज्जामा कविश्वन, रघ ভুমি বিশান্যভিক্ষমে কোন দাগদভাৱা ইৎপ্লওদেশ লট ক্তিত আদিগুজিলা; चार्गारङ ने तांजलूण, नक्ष इहेग्रांकिल (घ (मा)जाता जोश ना जांविस), वत्र विनि যে ওত্তমকূলে জাত তাচা ভাবিয়া, নির্ভিয়নশে ওত্তর কবিলেন: যে আমার निज (यर कनार्या राधिक इन्योक्तिलन, अव॰ कांत्रि योगांक वाधिक आंक्रि, ভাছার পুতিজন দেওলার্ফো, আমার পিতার রাজ্যে পরিষ্ঠ হইরালিনাম, পরে ঐ নিষ্কুরাচার এমাদ রাজা, ঐরাজপুঞ্র লাফল দেখিয়া, অভিনয় রালা অ ছইয়া, ভাষার লোষার দ্যালা দিয়া রাজদংশের মুখে মারিলেন; পরে এই নিঞ্ররাথ ছার, আরুছ আনেক নিধ্রব্যবহায়ের আদি কারণ হইল, যেহেত্ক গ্লন্তায়ের এবণ ক্লারেন্দ্রের অগ্রীপভ্তিরা, বনপশুসদৃশ ঐ অদ্বন্ধিত মুবরাজের ওপরে একফালে শড়িয়া, কিরিচের দ্বারা ভাষা: হৃদয় বিদার্ক করিল. এই সকল দুর্দ্ধয়কার্য্যস্থা পনার্যে, ছেন্ত্রি রাজা, মিনি এড<কাল্পর্যান্ত ঐ সমস্ত নিষ্ঠ্র ব্যবহার নির্ত্তিকণো দেখিলা বৃত্তিয়াজিলেন, তিনি যে জীবনযোগ্য নতেন, ইচা অন্যলেকেকুর্ক অনুভত হইল. যেতেত্ক প্লস্তবের অগুলী, যিনি পরে তৃতীয়রিচার্দ নামে খ্যাত জিলেন, তিনি একাকী ঐ রাজার কুঠলীতে পুরিষ্ঠ হইলা, অতিনিশ্চিত্তকপে ভাঁচাকে ববী করিলেন, পরে মাহারা বনা হইগাজিল, ভাহারদের মধ্যে মার্লেই নার্যা রাম্রানাক্তরিক, আর কালাকেও রাচাইয়া রাখিলেন না; তাহার অভিপায় এই, ভাছারদের আকাষ্ট্রা চিল, যে ট্রানিদের রাজা ঐ রানীকে অর্থ िया यूक कतिया लहेरवन; हेशर अंशीता जो इरहेल अवड नर्थ, उनना में সমুদ্ ইণ্প্লেম্ম রাজাকে ভাছার নাজির নিলিতে কৌন্নামক cooo নাঝান লা জার মুদ্র। বিশক্তিলেন. এই ১৯২কুডা রুল্রী আধ্রমর বার্যাদিলন হথে, জায়েই ছারশা লাংগ্রির সমন্ত দুংগ্রাপ্ত লাহা ক্রিলে পর, এবং ভাহার সমন্ত বলু বাৰ্বে মনাবাদির মৃত্যুর প্রা ইটিলেগর, শ্রেসিন্ দেশেএক ওউ কালে অতিশায় দুংলিতা হইয়া পুলিতাার করিলেন. কিন্তু ওঁচির লামল এবং দুংগ্র পাৰিষ্ণুৰ্ণ চৰিক্তি, অন্য কোনো কলেতে কাৰ্যায়ে" মেহণাক জিলেৰ লা.

३५ डा विश्लोधीगा.

ठतुर्ध अवाध्यत विवत्व.

পরে এছাদ রাজা, পুরীদিধ শতুর্ইতে যক্ত হট্যা, পুরীদ পর্পেক্ষা অস্পুদারী ব্যক্তিরদের পুতিদল দিতে যনোযোর করিতে লাগিলেন; তালাতে ওঁলোর রাজ্যের ভাবংশীনিকাটে ভাঁহার শতুর যুত্শরীরেতে লুটিত জিল, এব তাহারদের নাইস্থ ভাঁহার স্বকার্যে অপহাত হটল.

পরে, ঐওলার্দ রাজা মাবত আপনাকে এক পাক্ত অভিভাগনক দুর্লাইতে জিলেন, জন্যপকে তাবতকাল কুল্রীচাপুভতি স্মাভোগদ্বাধা আপনাকে মধা করিলেন, এই বিময়ে বুঝা মায়, যে পুকৃতি শ্বয়ণ্ট ভাষার বিকল্পাচে চিলেন লা, গেছেতুক্ত সাইকর্তৃক ক্ষিত আজে, যে তিনি ঐ কালে স্বরা পদা দুদ্দর পুল্ম জিলেন, এবং বুঝা যায়, যে তাঁহার তাবত আগ্রায়পাত্রতিবরেরা, যেই বিষয়ে তাঁহার আশা হইল, সেইই তাবতলয়টবিষয়ে, তাঁহার স্বালায়, করে হইল, এবং ব্র্মা পদ্পাতীরা মাহারা সর্বপুকরে লয়টবিষয়াচারা হইয়া নির্দোষ্যকাল মান্য জিল, তাহারাও ঐ রাজার তাবতপান্যোচন করনে সভত ওদাত জিল, ইহা সত্যা, কিছ ঐ কালীন মহাপাতক সকল এমন ব্লি পাইতে লাগিল, যে প্রত্যাহরও জন্য যে পাল, তাহা অভিজ্ আপ্রাহিন্দ্র মান্য জিল, যেহেতুক ঐ রাজার ওপজ্ঞীরদের মধ্যে, ঐ নগরের সোরনায়ক এক বনিকের জা জিল, সে জ্বী পরম সুদ্রী এবং ওল্যজ্ঞানবরতী, তথাপি ঐ জ্ঞী, এক প্রমন্ত্রন স্ব্রাহি পুক্ষেকে দেখিয়া, ভাছাতে হেয়জ্ঞানকরলে জন্মার্থ হিইয়া হতজ্ঞান হইল.

পরে ঐরাজার দকল নির্মক্ষের মধ্যে, ওঁছার ভ্রাতা যে ক্লারেন্দ্রের অনুনী, তাঁছার পুতি যে নির্মুক্ষার্য্য করিলেন, তাহা দকলহইতে বৃহৎ জিল, তাহা এই; ক্লাজা, কোনহ এক দিবদে, তামদ্ মর্মেৎনামক এক ব্যক্তির ওপবনে ম্রায়া করিতে জিলেন, ইতোমধ্যে ঐ অনুনীর এক জন পুজা এক শেত ম্নকে মারিল, মাহা তাছার কর্তার অতিপ্রিতম পশ্ব জিল. পরে মর্মেই ঐ ম্বের ছানি দেখিয়া, এবং অভিশায় রালাক্ষ চইয়া কলিল, যে যেব্যুক্তি ঐ অসপ্রত কার্যক্রেরে বাজাকে প্রামর্শ দিয়াজিল, তাছার ওদ্রুমধ্যে ঐ ম্বের শৃপ্ন গুরিষ্ঠ ছঙক, পরে,

এই অন্তিক্তি বিষয়ের নিমিত বর্ষেণকে দোটা কনিয়া, তৈবল লাম আবেরে প্রকাশকণে তাহাকে পুলি মানিল. পরে স্লারেন্দ্রের অনুনী, তাঁহার লক্ষুর মৃগ্র পুন্যুত, অনুনার বিকলে বারম্বার আবাদ করে, অনলোদ্ধ্য পুকাণ করিল, এক ঐ কার্যার অন্যায়ত্বি মন্ত লাইন আম্না করিল। পরে ই রাজা অল্যার বিপদ্মতাচর কে অনের কারে করিলা, কুনিসভাসতের দের নিক্তি বিচার্যা হতায়ে তালাক আলাইয়া, অনুনাই তাহার অপথানক হইলেন। ঐ অব্যক্তি কালে, সভ সভ্যে পুরালপ্যেরদের কর্তৃক মেনোঘটা হিরীক্ত হয়, তাহা মৃত্যুতুল্য জিলা, ঘেহেতুক ঐ অলুনাকে দোটাক্ত করা বোল। পর তদারি গুলু হার্যারনে রাজা অন্যতি করারে বাংরা মারিল। ঐ একিন যে এই মনোলাভ তাহা অবি বালকের মনোলীত হুলা জিলা টে, চিক্ত ইহাতে বুলা যায়, যে ঐ দুক্ষার স্পানে ভাহার বালকের মনোলীত হুলা জিলা টে, চিক্ত ইহাতে বুলা যায়, যে ঐ দুক্ষার স্পানে ভাহার বালকের মনোলীত হুলা জিলা টে, চিক্ত ইহাতে বুলা যায়, যে ঐ দুক্ষার স্পানে ভাহার বহুল নভার ছিলা.

পরে গাল ছখক, এই রাজার রাজার মদালি অভিপন্ন নির্দ্ধিক কিল, তথানি অভাল্প কাল লালি; মেনেত্ক যে নমায়ে তিনি ট্রানেনের সহিত মুক্ত করে। গোজান কলিতে জিলান নে নমানে চিনি পীড়িত ছাইয়া, বেয়ারিশ বংশার ব্যক্ত, এবং মদানি তাখার। গাভরাজার মৃত্যুলমন্নাবিধি প্রধান ক্রি, তবে তাঁহার রাজাহের তেইশবংশারে মৃত্যুপুঞ্জি ১ইবেন

২০ বিশ্পাব্যায়.

পর্ক্তম এড়ার্দের বিবর্ণ,

পরে প্লাধ্যের অ্ব্রী যিনি ঐ রাজ্যের রক্ষকপদে হিত হইরাজিলেন, **তিনি** গতালার লাগা নর্মিগাকে আলমুত্ততৈ রক্ষাক্রণহলে, তাহারদের দুই জন কে গতেতে অর্পন করিলোন

পরে এডজাপে তাহার দিনকে মারবীনপুরিক রাঝিলে পর, তাহারা যে ওপ পারীতে ডাভিন্যান, উলা ডালাই বার চেমানকরিলেন; এবং জন্ম জলভারা মুর্ রাজা এছাদেরি জভিষে দিবদের নিজ্য মানতে হয়, এমত চেটার ভিলেন, এই দকল করিলে পর, প্রায়ুত কেন্ডিং দ্লামে এক জগ পুর্বানলোক, ঘিনি ঐরাজ পুন্নের বছ হিভেমুক ভিলেন, ভাঁহাকে বব করিবার নিমিতে চেটা করিলেন.

পরে ঐ অনুনী, পড়মব্যে এক সভাসৎকর্তৃক বিচার্যাহওনার্যে, ঐ প্রায়ত হে श्चिरमाक जाङ्गान कर्नाहेगा, खग्रे खनक्मालांग उरमित कर्ड, यहर उक् দংশন করত, সভাগৃহে পুরিষ্ঠ হইলেন; এবং ফনেং ওঁচার মুখ বিকৃত হও গাতে, অন্তর্ভিত মনঃপীড়ানুভব হইল. পরে কতককাল লকলে তুঞ্জীভূত হইয়া, এবং ঐ সভাদতের শ্রায়্ত দকল একজন আর একজদের প্রতি দকারনক দৃষ্ধি করত, কোনো এক দুর্ভায় ঘটনাপেলা চইগে বৃহিলেন. পরে ঐ অগুরী অবস্তবন্দ্রাপ লবৰ ক্ৰিয়া অবীয় প্লিডখন্ত্ৰ লেখাইয়া, যে জেনসোৱ এক তাহাৰ স্থীয়া, জামাকে আদু করিয়া একালা কৰিয়ালে, এই ভাগবাদ দিল 💎 তালাতে কেব্লিন্দ্ উট্টেম্বরে উত্তর দিল, যে সদাধি ভাছার। এণুকার করিয়া মাকে, ভবে ভাছারা ভাছাতে ঐ রন্ধরণদত্ম সভুনী, ১টা ক্রেকে করিলা, যে তুই আমাকে ছবিধ বলিছা ওতার দিলি বটে আমি ভোকে দত্য কহি, যে আমাকে মানুলের দিমিকে তাহাল প্রামর্শ করিয়ালে, এক তুই রে কিবাস্থাতত, তাহার্দিরের স্থানান রে অংকারী হত্যাতিসা ইছা কচিয়া ঐ রুক্তপদক্ষণারী, হস্তরারা মক্ষোণরি দুই আঘাত হারল; ভাষাতে ভৎক্ষনে কুঠরী অস্ত্রাধিতে নদস্কলোকেতে পরিপুলা হইল. পরে ঐ অগুলী প্রায়ুত হেভি" সের পুতি মিরিয়া দীপেইয়া কহিল, যে আমি ভোকে রাজবিশ্বাস্থাতক বলিয়া বন্দা ক**িলাম, এক**্যা ক্রিয়া ডাহা কে অসৈন্যের হন্তে অর্পন করিল। পার ঐপ্রায়ত হেন্তি দের, নিকটনভা পুরে।হি তের লাকাৎকারে মুখ্ডিখিন ছীকুত হইতে তইল; তাহাতে ঐ অগুনী পাগল শামক বিমশোলা ইরিয়া দিন্য করিয়া কজিল, যে ঘাবৎ ভাগার মন্তক্রেদ্দ না ভারতে ডা: ক্ষেডভিশীঘু বহিষ্ঠ করিটা ক্ষরি, তাবৎ ভোজন ক্রের না. বির্ফাশালার সমীপে স্মুঘাসমুক্তবাদে, দৈবাৎপতিত এক কাচকাণ্ডের ওপরে ওাহার শির্পেজনন করিল.

পরে ঐ তেন্দোরনায়ী রাতরাজার ওপপত্নী, পরেতে ঐ অনুনীর ক্রোবী বীরভূতা হইল. ঐ অভাগাৰতী শ্রী এমত সূত্রা দুংঝিনীয়াকি জিলা, যে তারি ঘয়ে এ অণুনীর শক্তি। হর্ষার কোনে। কারন চিলে না, তথানি যে এ অণুনী া জ্ঞীকে জাণ্ডবোপরারে দোবাবিতা করিয়াজিল, এবং ঘদ্বিষয়ে সকল লে:কে জালে যে ঐ জী নির্দোঘা জিল, তরিখিতে অন্য দোষের জন্যে যহিষ্টা ই শ্রী দোষ্ট্রতা হইয়াদিলে, ভরিমিতে ভাহাকে দওক্রনে মনঃন্তির করিল-ইহার পূর্বে লয়দিনামক প্রের একজন অবিকার, ঐ জেন লোরের আর্মা টিল তাহার ভানহইতে অপজ্ঞতা হইয়াচিল যে এ জী, দে এরার্দের কুৎ লিড গ্রাহ কভার মধ্যে সর্বাপেক্ষা নির্দোধা ওপ্রপত্নীকলে তাহার সহিত বাস করিলে সং বেবি হয়, যে যেবাজি তাহার্দিগ্রহতিও বহুকালাবেবি ওটাক্ত হইয়া রাও ব ভায় আদৃত হই ! তি ল, দে ব্যক্তিকে ভাহার পূর্বের প্রায় নীচদশায় ভিত দেঝিয়া পুজারা অনকট হইল বা. পরে ঐ প্রী যে দোষের নিয়িতে অপ্রাধিনী হই ফাজিল, তাহা এমত অতিশার বিখ্যাত জিল, যে সে পুত্যাখ্যান করিতে পারিল বা, অতএব দৌরীকৃতা হইল. তাহাতে ভাহার এই শান্তি নিজপন করা রোল, যে সে শুন্সপায়ে শহর্ভুমন করিবে, এবং শেতবন্দ্র পরিধান করিয়া, এক জ্বলবামবাতী হত্তে লইয়া, সহসুহ দর্শনকারকেরদের সাক্ষাৎকারে পাঙল্ল লামক বির্মাণায় অপ্রাধিক্ষা যাত্তা করিবে. ঐ প্রার্মী পুকার দও বির্বিত্ত হওনের পর, সে অতিদীনহীনাবন্দাপদ্বা হইয়া, চল্লিশ বৎসরাবিক কলি বঞ্চিল.

পরে, ঐ রক্ষণদিছিতারুণী আময়য়ার্যেশ তার্যার করিয়া, এবং রাতরাজার দারানেরদের পুতি যে তাহার মিথ্যান্দেহ তাহা জানাইয়া, ভাবিল যে আমার পুরাণারণে রাজলিং হান্সরাহ্বকরনোপযুক্ত সময় ওপদ্বিত হইয়াছে. যেহে তুক, ঐ কার্যানিদার্যে বিকিংহাগের অর্না, যিনি এক বিজ এবং পরাক্ষাত লোক জিলেন, তাহাকে পুরাববি ওৎকোচছারা এবং ভাবিমপ্রলাশাদেওনমারা অপক্ষ করিয়াছিল, ঐ মহাব্যক্তি অচাতুরীয়ারা পাইলক্ষণ্নামক স্থানে পুজার্দিরের ভূম জনাইবানতর, তাহারা তুষ্ণাক হওয়াতে, তাহারা লামত হইয়াছে, এমত বোর জনাইলানতর, তাহারা তুষ্ণাক হওয়াতে, তাহারা লামত হইয়াছে, এমত বোর জনাইল, তাহাতে তাহার তাবদনুসন্ধী, ওরৈঃম্বরে কহিতে লাগিল, যে রাজ। রিচার্দ চিরজাবী হওন ক্ষতকাল পরে নারাবীক্ষ এবং তাহার দও লাফুক সকল, রিচার্দের নিকটে ঘাইয়া রাজমুকুট অর্পন করিতে চাহিল, কিক বিহার্নিরা বাহ্যাসমাভিপুর্বক তাহা গ্রহন করিলেন.

६५ अल्बिश्मीवाग्रः

ভ্তীয় রিচার্দের বিবর্ধ

এক বোর দাইনা অধ্য দোষের বর্জনকারী হয়, এবং ন্যায্য সর্বদা অন্যায়েত লক্ষিত হন, এবং অন্যায়পূর্ধক বনধার। পররাজ্যনুহন করিলে, তদুগজ্যরন্ধনের চিনন্দানিক্রের আবশাক্তা আজে; যেহেতুক ঐ নিচার্দারাজা, রাজনিংহাসনপুর্তে ছইযায়ারেতে, ঐ গড়ের কর্তার নিকটে, ঐবুই রাজপুঞ্জের বিদাশকরনাজা পুরুব করিলেন. কিন্ধ এ নাহনবান্ ব্যক্তি, যাহার নাম ব্যুক্তেন্বরি জিল, সে এ নির্দ্য রাজার অভিলাঘ নিছকরনে অসমাত জিল, এবং অভিবিন্য়পূর্বক ওতর করিল, যে নির্দোধির রক্তেতে অহন্ত পুদান করিতে পারি না. কিন্দ্র মাহা হওক, অল্প কালের মধ্যে তদ্বিময়ে, এক ওপযুক্ত পার ওপন্ধিত হাইল, এবং নার জেয়ন্ তির্বেল্ নামক এক ব্যক্তির, তদ্বিয়ক পদ্যুদ্ধক নেতে, ব্যুক্তিন্যরিকে এই আজা দেও্যা গোল, যেসে এক রাজির নিমিতে এ গড়ের কুদ্ধি নার জেয়ন্ তেরেলের নিকটে আলি করিবে. পরে এ তেরেলেনামক ব্যক্তি, প্লাভর এবং ডিগ্তন্ এবং মারেন্ত, এই তিন অনুস্থিরিদিগকে লাগে লাইয়া, রাজ্যবলালে যে ভালেতে এ দুই রাজপুত্রেরিদি গকে রাথিয়াজিল, সেই জানের কুঠ্বীর দ্বারে ওপন্ধিত হটল, পার আপনি বাহিরে দাঁলাইয়া, ঐবিষয় নিজকরনার্যে ঐ বিন প্রকালার ক্রিয়া, তাহারদের স্ত্রারীর ভালের ক্রিয়া, তাহারদের স্তর্গার তাহার দিগের খাসাবরোধ করিয়া, তাহারদের স্তর্গার তাহার দিগের খাসাবরোধ করিয়া, তাহারদের স্তর্গার জ্বেল্কে দেখাইল. পরে, সোণানের নীচন্দ্রত এক পুত্রবপুত্তের নীচে মৃত্তিকার মধ্যে, তাহারদের মৃত্রারীর জাপন করিবার আজা নিল.

পরে, যে সময়ে ঐ রিচার্নরাজা ঐ পুকার কার্যাছারা অপরাজম পুচার করনো प्रांशी किल्तन, मारे मार्य या प्रिशर हेरड डंग्डान क्रांतन डायूद मायुक्ति का, এমন স্থানহইতে তাঁহার অনাএক ভয় ওপ্ডিত ছইল; মেছেভুক বকিং গৃহায়ের মগুলী, যিনি রাজাকে সিংহাসনম করনে ওপকারী হইয়াজিলেন, তিনি এই সময় কতক প্রলি রাজাপছতভূমি রাজার স্থাবে যাচ্ঞা করিয়া, দা পাওয়াতে অশ্লা **ৰিত হইয়া, বেল্ফদেশে কতক এলিন দৈন্য দামত স্মারোহ করিয়া, ফ্রুডর** আন্তাহ দারা প্লন্তর নগরের দিনে যাতা করিয়া, সেই স্থানে সেবর্থনামক নদী পার হইতে মদস্থ করিলেন. 🗳 সময়ে ঐ নদী জলেতে এমত পরিপূর্না হইল, যে দেশ **দকল জলময় হইয়া, পুতাতপর্যভোপরি জল ওঠিল. ঐ জল দশ দিনপর্যাত** রহিল, এবং বক্তিংগৃহাযের দৈন্য দকল, যাহার। পুায় সমস্তই বেল্ফলাডীয় লোক किल, जाहाता ने मगरम नहीं शांत हहाँ अशिवल ना, दवा जाहात हिल किएन কোনহ থাদ্যসামগ্রীও পাইতে পারিল না; অতএব ঐ অগ্রুনী ঐ স্থানে সৈন্দ্রের দিলকে রাখিতে অনেক ওদ্যোল করিলেও, তাহারা জিলভির ছইয়া আণন্ধ পরে ঐ অ্রুঝী, এমত ওপকারকৃহিতাবন্দাগর হইয়া, ইছা च्हारन पितिया (तेल. भारत छ। विशा वातिस्त्रतां मक अरू जातत्र शृह मारी। श्वेष्ठां व तृहि (लन. ইহার পূর্বে ঐ অণুনীর চাকর ছিল, এব॰ তাঁহার বংশাহইতে অনেক ওপকার পাই য়াজিল. কিন্তু দে মাহা হওক, দুর্ম্ভেরা তাহারদের ক্রাণান্দারে কদানি মৈতভাপু খি হয় না; যেহেতুক বানিভঃনামক ঐ ব্যক্তি, ঐ অগ্লুনীর শিরশেরদেনলভ্য मूलाभुजानी जाति कविष्ठ ना भोविमा, मुन् भवतनाव मधनामरकव निक्टे माहेमा,

ঐ অগ্নুণীর বিশ্বাসঘাতকী হইল। পরে ঐ দণ্ডনায়ক কতকগুলি সসন্ত লোক সংগ্র করিয়া ঐ গৃহ থিরিয়া, গৃহস্থবেশধীরা ঐ অগ্নুণীকে বিরিয়া, সালিস্বরী নগরেতে লইয়া গেল। সেই স্থানে ঐ অগ্নুণী তৎক্ষনে বিচারম্বারা দোঘীকৃত হইয়া, ঐকালীক ব্যবহারানুসারে তৎক্ষনাথ হত হইলেন।

পরে অদেক দুংশজনক বিষয়নিমিতে ওপন্থিত যে ওলিনতা, তাছার মধ্যে রিচার্দর রাজা এই সম্বাদ পাইলেন, যে রিচ্মনের পুদেশাবিকারী ইংগ্লভ দেশে ওতীর্ন হওনার্থে, এবং রাজনিং ছাসনলুহনার্থে আয়োজন করিতে জিলেন. পরে ঐ চচ়াওকর্ত্ত, ইংগ্লভদেশের কোন ভালে ওতীর্ন ছইবে, ইহা নিরে না জানিয়া, রিচার্দরাজা রাজ্যমব্যভালে নাতিন্প্য নগরে জাওনি করিয়া রহিয়া, অপাত্র মিত্রবর্গেরদের পুতি এই আজা পাঠাইলেন, যে যে স্থানে শতুরা ওতীর্ন ছয়, দেই স্থানেই তাহারদের বাহা জনাইবা.

দে যাহা হওক, পরে ঐ রিচ্যন্দের পুদেশাবিকারী, যিনি গাঁতের জানের বাতৃ কুলজাত জিলেন, তিনি রাজদিণ হাসনগুহনকরনে নিশ্চয় করিলেন. ঐ পুদেশা বিকারী অনেককালাববি যুক্বণশ্যবী ছানাল্লদ জিলেন, এবা তলিমিত্তে তাঁহারের রাজ্য পরিত্যাগ করিতে হইয়াজিল. কিছ এখন রিচার্দ রাজা যেতেও পুজারদের ছানাল্লদ জিলেন ইহা অয়ণ জাত হইয়া, দুই হাজারের অবিক দৈন্য সমভিব্যা হারে লইয়া নর্মন্তি অভঃপাতি হাত্মিত্র নামক স্থানহইতে জাহাজপথে যাত্রা করিয়া, জয় দিনের পর বেল্দদেশের যিল্দদ্হিবন্নামক স্থানে, অবাবিত হইয়া, ওতীর্ল হইলেন.

পরে ঐ পুদেশাবিকারির ওতীর্নাণবাদ পাইয়া রিচার্দ রাজা, যিনি সাহসিক্ত এবং নাংগ্রামদক জিলেন, এবং মাঁহার ঐ গুলবাভিরেজ আর কোনহ গুন জিল না, তিনি শকুর সহিত সাক্ষাৎকার করিয়া, যুল্লবারা তাহারদের স্বামিস্থলনাতি মানিত। নির্বাকরিতে মনন্দ করিলেন পরে অন্য পাক্ষেই রিচ্মন্দ, সর তামস্বোতিওর এবং সর বাল্ডর হস্বরুদ্দেপুভ্তি জয় হাজার দৈন্যবার্গ সাহাম্যপুঞ্জ হর্মা, ঐ আশায় নির্ভারণে অগুরামা হইলেন অলুদিনের মধ্যে ওভ্রপকায় দৈন্যবদের বোম্বর্ধনামক মাঠে সাক্ষাৎকার হইল; সে স্থানে, যে বিরোধ এবংকলহেতে রাজ্য চল্লিশ বংসারের অবিক পরিপূর্ল হইয়াজিল, এবং রাজ্যের সমভ্মি সকল যে রজেতে পরিপূর্ল হইয়াজিল, তাহা বিচার্গ রাজা রলম্বলে মারা মাওয়াতে, নিল্লভি পাইল. এবং রিচ্মন্দ, সঞ্জম হেনরি প্রবীতে ম্যাত হইয়া, রাজার সদৃশ নম্মা হইলেন.

१६ शांवि लावगाव.

লপ্তম হেনরির বিবর্ন.

পরে, রাজা হেপরি রাজসিংহাদদে বদিলে পর, তাঁহার পুথম ওদ্যোগ এই হইল, যে তিনি চতুর্য এঘার্দের ইলিদাবেথ নামে রাজকন্যাকে বিবাহ করেন. ভাহাতে তিনি যুক্তের এবং লাংকান্তরের বংশেরদের অভিপুথয়তে, এমত ঐক্য করিলেন, যে ঐ ঐক্যের পর ভাহারদের মত কথানো ভিন্ন হইতে পারিল না.

পরে, গতরাজারদের যে দুংশ জন্মিয়াজিল, তাহা তাহারদের দরিদুভাগুযুক্ত হইয়াজিল, এবং ঐ দরিদুতা তাহারদের লক্ষউতাতে জন্মিয়াজিল; কিছ সে মাহা হওক, হেনরি দেখিলেন যে অর্থবাতিরিক অন্য কোনো রাজ্যের মাহায্য আরু পক্ষে আনীত হয় না. অতথ্য তিনি অতিযত্মপূর্বক শক্রুদিগহইতে যেছ মথা সর্ব্বপ্রথ করিয়াজিলেন, তাহা সংগ্রহ করিয়া রাখিলেন.

হেনরি রাজা ঐ ইলিনাবেণ্কে বিবাহ করিলে পর, যাহারাং ক্ষমাণুত্রন করিতে ইয়া করিল, তাহারদের পুতি তাহারদের অপরাবের ক্ষমাপত্র তথানে।
পুচার করিলেন: কিন্দু তাবখপুজার। রাজ্যাতর্বতিমূলতেতুক এমন কোলালেন এবং কচ্কচিমভাবগুত হইয়াজিল, যে কোনহ অধ্যক্ষ তাহারদের শাদন করিতে পারিলানা, এবং কোনহ রাজাও তাহারদের সাতোম জন্মাইতে পারিলোন না; তাহাতে এক কলহ নিব্ত হওয়া কেবল অন্যকলহের ওখপত্রির বানে হছল.

গরে ঐ সময়ে িচার্ন শীমন্দামক এক পুরোছিত, যে ব্যক্তি কিঞ্চিৎ চতুর, কিছ
অবিক ডাকাবুকা জিল, ঐ ব্যক্তি অক্লুছর্ন দগরে বাস করিল. ঐ ব্যক্তি লামর্ত্তি
সিম্নেল্ দামে এক রোচীকারকের পুলকে পুতিপালন করিয়াজিল, এবং বারিকের
পুরেশাবিকারী, যিনি স্লারেন্দ্রের অগুনীর পুল জিলেন, এবং যিনি মাল্মস্লিদামক
দুক্ষার্যনের মধ্যে ভুবাইয়া মারা গিয়াজিলেন, ভাঁছার কপ বেশভূঘাদি বারন
করিতে ঐ পুলকে শিক্ষাইয়া দিল. পরে ঐ জন্মবেশবারী নিকটদ্য হইলে
অবশা চিনা মাইবে, ভল্লিতিতে ইছা কির করা গেল, যে ভাছাকে পুথেয়ে দুরদেশে

श्चारित है। याहरत, এব॰ এতৎকার্য্য দিল্পর্যে এই বিচার করা রোল, যে ।
ব্যক্তির জন্মবেশ বার্ব্যোগ্যন্থান আইর্লপ্তদেশ ছইলে ভাল হর,

পরে এডজপে, রাজ্য দিয়েল্নামক ব্যক্তি, প্রায়ুত লবেল্ এবং অসলস্থপকীয় অন্য দুই তিন প্রায়তকর্ত্ব সংঘিলিত ছইয়া, ইংগ্লণ্ডদেশে পার ছইয়া মাওবে নিশ্চয় করিয়া, লাংকান্তর প্রানায় ওয়ার্ব হইল. পরে লে স্থানহইতে মাত্র। করিয়া ঘাইতে, তারন্তাজ্যের পুজারা তাহার পক্ষ হইবে, এই আশায় মুর্ক নগর পর্যাত যাতা করিল. किंद अ विषय (म वाकि ज्ञांक श्रेग़ जिल; (पार्ड क्रूक याराता क्रांडमीमनवाता आग्रंच जिल, अवन याराता वाजकार्या मिलार्य जान नांत्रमितित ठांद माश्रामा मिल, अयउ त्म जार्यनी त्मनीए अद॰ जाहेर्लंड प्रभीग रेमचा, এव॰ यम्बाहा में बाकि माद्यापाला इहेगाहिल, जानाहरपद যে ব্যক্তি এক অসক্তম্ভ লোক জিল, এবং ঘাছাকে 🗗 কলছকারী সৈন্যেরদের অব্যক্ষপদে নিযুক্ত করা গিয়াছিল, দে শীলুজয়বাভিরিক্ত অন্য কোনহ কার্য্যে আশা না দেখিয়া, শীঘু যুক্তছারা বিবাদনিবৃত্তিতে নিশায় করিল. ওত্য়পক্ষীয় দৈনা, লাভিন্রায় নরারের অভঃপাতী স্তোক্ লামে নরারে সাক্ষাৎ কার করিয়া মুদ্ধ করিল; ঐ মুদ্ধ ন্যুনাধিকদৈন্যপুমুক্ত, মনুষ্যেরা ঘাছা বোধ করিয়াছিল, ওদতিরিক রক্তসাবি এবং বছকথাজনক হইয়াছিল. অবশেষে রাজার পক্ষে জয় হইল, এবং ঐ জয় কালক্রমে দৃচীকৃত হইল. প্রায়ুত্ত নিণকন্রনন্ধে মারা গেনেন, এবং জামুত লবলের, ওদেশই পাওয়া গেল নাঃ তত্ত এব বুকা যায় যে তাঁহারও সেই দশা হইল. পরে শীয়নেল্ এবং তাহার গুরু শীমনুকে বন্ধ করিয়া রাখা গেল, এবং নামান্যলোকেরদের মধ্যে চারি হাজার দৈন্য, রুণছলে মারা গেল. পরে শীবন, পুরোহিতপুযুক্ত জনপদীয় ব্যবস্থাদ্বারা বিচায়িত হইতে পাঞ্জি না, অতএব তাহাকে দৃচবন্ধ করিয়া রাঞা োল. এ শীমন্ এমত কুদু লোক চিলে, যে রাজা তাহাকে শক্ষা কিয়া ছেম করিতেন না, তন্ত্রন্য তাহাকে ক্ষমা করিয়া রাজগৃহে রন্ধনশালার বাদনধীত কার্যো নিযুক্ত করিলেন. পরে মে ব্যক্তি ঐ পদহইতে কুজুট্রপঞ্চিরফক্রপদে नियुक्त इहेल, এव॰ (महे भए हे स्तिल.

পরে, ঘর্ক পররাশায় এক নুডন কলছ ওপ্ডিড ছইল, চাহা এই; যে লোকের।
রাজকর সংগ্রহ করিতে নিমুক্ত ছইয়াজিল, ডাহার দিগকে পুজারা অমান্য করিল. পরে ঐ কলছনিবারনার্থে নর্তম্বলীণ্ডের পুদেশাবিকারী রাজার আজা চালাইতে চেম্বা করিয়াজিলেন; কিন্তু ঐ স্থাননিবাসীরা ঐ চেম্বাপাতন মারা ভাবিল, যে ডিনি ডাহারদের সমন্ত দুংখ ও নিগ্রহের কারন ছইয়াজিলেন; অভথৰ ডাহারা অম্ববারন করিয়া ভাহার গৃহ বেশ্বন করিয়া, ডাহাকে মারিয়া ছাতকদোষে দোলফিত করিয়া, মোতদর্গকে এবং রাৎক্লিদ্বে এবং দায়িবে, ভৎক্ষনাৎ মারিয়া দেলাইলেন, এবং অবশিশ্ব ব্যক্তিদ্বিগকে ক্ষমা করিলেন.

পরে ঐ পুত্যাশাপরদেশনামী ঐ মুবাবা জি, ইণ্প্লান্ত দেশে আপনার তাবৎ আশা নৈরাশ দেখিয়া, ভাষাদ্রধণরীকার্যে, ভংলওদেশে গেল. পরে বুকা গায় যে ই প্লগুদেশছইতে হুৎ লওদেশে তাহার ভাগ্য অধিক পুনন হইল; যেহেভূক হতুর্থ জেমল্ নামে ঐ দেশের রাজা, অত্যাদরপৃষ্ঠক তাহাকে গুহন করিলেন, এবং ভাহার জন্মবিবরণ এব^৯ তাহার তাবদিবরণ প্রতায় করিলেন; এব^৯ তাহার পুতি এ রাজার এমত শুলা জন্মিল, যে কাতরেন্ গর্দন নামে হনজ্লীর পুদেশারিকারির ক্ষন্যা, য়িনি রাজার জাতীয় লোক, এবং আব্যন্তন এবং আব্যনৌন্দর্য্যতে অভি श्रीजानित किरलन, अबड रच ने कना। जाहात महिड ने वाकित विवाह पिरलन. পরে ঐ রাজা, ঐ ব্যক্তির পুতি এই সকল মর্য্যাদকৈরনে সকর্ম্ব না হইয়া, তাহাকে ই॰গ্লপ্তীয় রাজিদি॰হালনস্থ করনে নিশ্চয় করিলেন. পরে সুতরা বুঝা যায়, যে পর্কিন্দের, ইণ্ট্রাণ্ডীয় দ্বাজ্যয়ধ্যে ওপন্থিত হওয়াতে, মর্কের বণশের তাবৎ প্রিয়পাত্র, ঐ ব্যক্তির পক্ষ হইয়া ৬ঠিবে; এই বিষয়ে নির্ভর করিয়া স্কংলগুয়ি রাজা বছদৈন্য मधाরোহ করিয়া ই॰প্লগরাজ্যে পুরিস্ত হইয়া, যেহ স্থানে নিয়াজিলেন, সেহ ছানে ঐ যুবা পুত্যাশাপদ্ধিদেশরাযিব্যক্তিকে খ্যাত্যাপত করিলেন্ মাহা হওক, এ পর্কিনের অপুত্যাশায় বারমার চল্ল চত্যতে, তাবৎ পুজারদের অশুকা হইল, এবং তাহার পুত্রাশার ফল সল্লাদক কাহাকেও পাওয়া গেল না.

পরে-এড জ্রপে ঐ অন্থিরপজিন্ ক্ষৎলণ্ডদেশহইতে বহিন্ধ্য হইনা, এবং ঐ দ্লেমিনের দের বংশা, মাহারা এই সময়ে ইং প্লাণ্ডায়েরদের পদা হইতে চাহিয়াজিল, তাহার দেরকর্তৃক অভি নিমিলকপেণ্টাত হইয়া, বৈরিভাবে কালফেশকরনে মনক করিল; এবং এ বিষয় সম্প্রার্থে, আইর্লণ্ড দেশের নিবিড্রনে আশুয় লইল. পরে নিম্বর্থে বিসিয়া কালকাটা ওনেতে শুন্তি হইয়া হের্ভ এবং ক্ষেন্তুন্ এবং আদ্লিজনামে তিন জন নির্ববিকি, মাহারা ভাহার অনুগতলোক জিল, তাহারদের দহিতৃ পরামর্শ করিয়া, এবং ভাগারদের পরামর্শানুসারে কানিস্জাতীয় লোকেরদের স্নেহ ভাগার দ্রিতি আজে কি না, ইহা পরীফা করনে মনক করিলেন। পরে কর্তানের অন্তঃ পাতী ব্যিন্নামক স্থানে ঐ কার্নিস্ জাতীয় লোকেরদের মধ্যে ওপন্থিত হইবা ভাগতে, ঐ স্থাননিবাসী তিন সহসু লোক, তৎপতাকাবীন হইল. পরে ঐ পর্কিন, এই বিষয়ে যে স্থাভিলাম নিল্ল করিবে, ইহাতে অত্যন্ত ওল্লানিত হয়া, এই সময়ে দুয়ামত ইংপ্লণ্ড দেশের চতুর্থ রিচার্দ রাজা নাম পদবী লুহন করিল, এবং ভাহার ভালুগতলোক ভন্নমনা না হয়, এনিয়িতে এফ্লেডর নামে নারম্বার্থেতি ভাহার দিনেক্লে জইয়া গেল. পরে ভাহাকে গুরুবকরনে, অভিবিক্তমনা ঐ নগ্রনিবাসী

লোকের্দিনকৈ দেখিয়া, এবং বলছারা ঐ দর্গরে পুরিষ্ঠ ছওদ্ধিঘ্যে অল্লাল্ড রহিতহওয়াতে, ঐ এক্লেডর বেগুল ভার করিয়া তারল্লায়ক লগরে যাতা করিল. এ দময়ে এই ব্যক্তির অনুগতলোকেরদের সংখ্যা দাত হাজার জিল, এবং দর্শ त्तरं व्यातिल, य जाहांवा कार्या मार्यातालयुक्तलांक बढ़े, किन गर्थन तम म॰ वाम পাইন, যে রাজ। অয়ণ্ট ভাহার সহিত মৃদ্ধ করিতে আদিতেলেন, তথাৰ তাহার আশা निरामा इहेल; এव॰ जाहांव अनुतजलात्कवितात्क व्यवस्ता ना सहेगा, তাশার্দিরাকে ত্যার করিয়। পলাইয়া ন্তনওপ্রননামক ফানে বিত বৌলিঙ নামে বীর্মাশালায় আশায় লাইল. পরে ঐ ব্যক্তির অনুগ্রত অভাগ্যাবান লোক লকল, যাণাপেরে অপ্রাবৈষ্ণাকরনে রাজা বিভা ওদাভ জিলেব, ভাছারা ভাঁহার দ্যাপাল্য ওলপুমুক্ত ভয়া ফিক্র্রুক ভ্যান্তা হাইল; এবং ভাহারদের মার্ব্য কভ গুলি পুরীনথ লোকবাঙিরিজ অন্যকোন কেছ নির্মাবহারপুর্ক মারা গেল পরে ঐ সময়ে, ঐ পর্কিন যে অপরাবিক্ষমা পাইবে, এবং আপনাকে রাষ্ট্রিত ক্রিয়া তার্থবিষয় স্বীকৃত হট্য়া আমহমবেশবীরনের কার্ব জাত করাইবে, এই আশায় ভাগাকে ভুলাওনের নিমিতে অন্যঃ কডভলি লোক নিযুক্ত করা গিয়াজিল. কিঞ্চিত্রকাল পরে ঐ ব্যক্তির তাবৎবিষয়, অভিবিপদ্রপ ছওয়াতে, কোন দলেহ লা করিয়া রাজার বাক্যগুহৰ করিয়া, আশুয়ন্থান পরিডাার ণরে রাজা হেনরি ঐ ব্যক্তিকে দেখিতে অভিশয় ইয়ুক হওয়াতে, ভাগাকে লণ্ডন শহরের রান্তার মধ্যে অয়তিহুৰকার, বিদ্রাপকারিনগারনিয়া নিরুমবী)দিগা রাজসভায় আনিল, এব^০ ঐ ব্য**জি ভাহা**রদিগের ভিরন্তার অতিনিকদেরে সহিষ্ঠা করিল. পরে ঐ পর্কিন্কে রাজসভায় আনিলে পর, ভাহার প্রকালের তাবৎবৃতাত লেখাইয়া ৰাফর করাইয়া, এবং তাহা জাপা করিয়া তাবদুরাজ্যে বিলান গোল; কিন্দু ঐ বিবর্ধ অসমূর্ণ এবং বিক্তমার্থক भग्न ने क्रमारामीवित जीवपुष। एवं अर्थ विरमिष्ठाभ ना जानाहेगा, वतः পর্রাণেক্ষা ঐ ৰ্ডাত অবিক সন্দেহজনক ছইল, এক ঐ মুবাব্যক্তির তাববিষয় এবং তরিক্টাভিলাম অবেধিনাম্পুযুক্ত, অদ্যপর্য্যন্ত বিম্বাদের দেরে মধ্যে বিবাদের কারৰ সইয়াচে.

পরে ঐ ব্যক্তি দুই তিনবার কারাগারহইতে পলায়নোদ্যোগকরএজন্যে, তৈরনি নামক স্থানে তাহায় দৌলি হইল, এবং তাহার কতগুলিন অনুগত লোকের্দি গোশে, অপ্যানপ্রকি ঐ অপ্যত্যদশা ঘটিল.

অপর, ঐকালপর্যাত ঐতাজ্যে কুপ্রামর্শ এবং রাজবিশ্বাসছাতকত্ম ও কলছ ও চন্মবেশবারৰ এবং বরপুভূতি বিষয়বাতিরিক আর কিছু চিল লা; এবং ৰুৱা যায়, যে রাজা হেনরির তাবৎনিচুরবাবহার, ভয় ও শক্ষাহইতে ওৎপর হইল.
দে মাহা হওক, ইহা নিশ্চয়, যে ঐ রাজা মেমন ঐক্যেয়ুক জিলেন, তেমন অন্যাকোনো রাজা জিলেন না, এবং তাঁহার পুতি যে তাঁহার পুজারদের দ্বেদ্ধ, তাহার অনেক, ঐ রাজার আজ্মপুজারদিনের মুক্তকরেওছানিবারনকরওঘারা ওৎপর হইল. ঐ রাজার পুায় দকল গুকের আদি গুকরেও ইহা লিথিও জিল, যে যথান গুলিও এ জগতে আইলেন তথান কুশলোপনিভিছেতুক গান করা গেল; কিন্ব মথান ঐ রাজা জগৎহইতে অন্তর্ভিত চইবেন তথান কুশল দত্ত হইবে.

ঐ হেলরি রাজার আদ্যাবিধি মনোমধ্যে দুই বিষয় শুেও জিল; পুথমত মহাকুলে জাতেরদিরের এব॰ বিশ্বশিক্ষণাতিরদিরের দ্যানকরও; দিতীয়ত পুজারদিরকে বর্জিত করিয়া মনুষ্মান্ত্রপদ্ধকরও. এ বিষয় দিলার্থে, ঐ রাজা এক ব্যবস্থা নিকপত করিলেন, মজারা মহাকুলোড্রবেরা জ্বাধিকারভ্থি বিজয় করিতে পারে, এমত প্রাক্রমণার্ডি হইল. ঐ স্যবস্থা পুজার্দের পুতি যথেগ্র সর্ভোজনিকা জিল, এব॰ মহাকুলোড্রাব্রদের পুতিও বস্থকটা অস্ভোষজনিকা জিল না; যেহেতুক, এ বিষয়ন্ত্রারা ভাহার দর যে লক্ষ্তিজভাব ভাহা সন্মূর্লকরেলক্ষমা হইল, এব॰ ভাহারদের ওত্যানান্ত্রাক্রি হইল. ঐ ব্যবস্থান্ত্রার যে আঘাত, ভাহা ভাহারদের ওপর না পড়িয়া, ভৎসভান প্রস্তারার ওপর পড়িল; কিছ মূর্থাত ভাহারা ভাহারদিরের সভানেরদের ভাবিদুথেতে মণক্রিভিৎও দুংথিত হইল না.

পরে 🗗 ছেনরি রাজা, পাপার পরাক্রম থাইকরতে ন্যুন জিলেন না; এবং যে১ সময়ে ঐ বিষয়ে ওদ্যোগী হইতে জিলন, দেই সকল সময়ে কেবল ফৌথিককপে পাপার অভ্যতাজ্ঞাবহ হইতেন, এবং বিন্যালপাতিরদের পুতি মৌঝিক যথেষ্ঠ কিন্তু সে মাহা হওক, যে নথয়ে হেনরি রাজা-এপুকার মহা সম্ভ্রম করিতেন. ক্লোদ্রবেরদের এবং বর্মাপক্ষপাতিরদের পর।ক্ষম এইকরনোদ্যোগী জিলেন, সে সময়ে ভাবৎপুরার্দিরকে সর্বতোভাবে বাড়াইতে কোনহ ওপায়ের অপেন্ধা ্রবৎ ইহা নিশ্চয়, যে তিনি সাব্যানুসারে বানিজাতাবসায়াদির বন্ধনিচেম্বায় জিলেন; কেননা বানিজাব্যবদায়েতে পুজারদের স্বাধীনতা স্বভাব ৬ৎপর হইল, এব॰ বানিজ্য ব্যবশায়পুভৃতি পুজার্দিগকে রাজাক্তা এব॰ রাজ ব্যবন্ধার্যতিরেকে মর্বাধীনভাহইতে মুক্ত করিল. এই মহাগ্রাত্যাপর সময়ের न्द्र, इं श्रुशिएवरपव या भूवीन नतव, तम मकल त्कानह अक निक्रेस तड़ त्य মাানে কোন এক মহাব্যক্তি বাদ করিতেন, এমত স্থানহইতে ওৎপদ্ম হইল. সময়ে, ঐ সকল রাড় পুজারদের রক্ষার্থে, এবং সার্গুকার অণরাবিলোকেরদের রক্ষার্যে নির্মিত জিল. সর্বদা এ সকল গড়ের মধ্যে অল্রবারী এবং থাদ্যসামগ্রী মুক্ত সন্মিত্ত সৈন্য থাকিত, যাছ রদের নকল ভার ঐ পুরান ত্যক্তির ওপর অর্ণন

করা যাইত. এই সকল পুর্ফিত স্থানে, শিল্পকারী এবং পাজারী এবং দোকান দার সকলে অন্ধ্রেয় আশুর লইয়া, ঐপুরীনকে এবং ওাঁহার অনুগ্রব্যক্তির দিগকে আদ্যাসাযনু যোগানের নিমিন্তে, কোন এক নিকটবর্তিস্থানে গৃহ করিয়া থাকিত. এবং নিকটস্থাস্থাকিত, এবং নিকটস্থাস্থাকিত, এবং নিকটস্থাস্থাকিত, থাকা দিনে অর্নো বাস করিত এবং রাজিকালে নির্গত হইয়া, সমস্তদেশে দৌরাক্সা করিয়া বেড়াইত, ডাহারদেরহইতে রক্ষা পাওনার্থে, ঐ রাড়ের নিকটে গৃহ বাবিয়া থাকিত, পরে হেনরি রাজা তদপেক্ষা অবিক ব্যবসায়বানি জ্যোপযুক্ত স্থানে বাসকরনার্থে, পুজারদের আহ্বানকরনপূর্কক, ঐ সকল রাড় নিকটস্থানত ইতি, নগার সকল ওচাইতে ওদ্যোগী হইলেন; এবং অস্কাশারী কর্নভারা, পুজারদিগের দাত্রস্থাতার এবং যথার্থকিপে স্থনশোধিনস্থভাব, জন্মাইতে ওদ্যোগী হইলেন, এবং বিদেশীরাজারদের সহিত সন্থিপত্র কর্নস্বর্যে, ও্রমন্ত্র ব্যবহা ক্রিন্ত্রকরনে ক্রম্ন্য হালেন না,

পরে হেনরি রাজ্য আন্মোদ্যোগদার একজ্ঞাপ পুায় সমস্ত ইণ্প্লাঞ্চার রাজ্যির, বালিজার্যবদায় ইত্যাদিতে নৈপুন্য; এবং তাঁহার তাবৎপুজার্দের সেদ্ধাপুর্বিক কর দেও্য়ান; এবং তাঁহার অবীনতা মহলোকের মাকার করন; এবং ব্যবস্থানুদারে দণ্ড করও; এবং নার সকল, পুরানবর্গেরদের অবীন না হইয়া মার্বীন হওনের ওপক্রম হওন; এবং বালিজ্যব্যবদায় ওত্তরোত্তর বর্ত্তিত হওন, এবং কলহকারী মতাব নির্মাণ হওন; এবং ইণ্প্লভীয় রাজ্য দেখিয়া বিদেশীয়ের। ভাতহওন, কিয়া ইণ্প্লভীয় রাজ্যর দহিত মিত্রতা করনেছুক হওন; এই সকল দেখিলে পর, দেখিলেন যে তাঁহার পোমকাল নিকটবতী হইয়াকে. পরে বক্ষম্বলে বাওল্লোফরোগ গুন্ত হইয়া বাওয়ার বৎসার বন্ধিলেন; তাহার মব্যে তেইশ বৎসার রাজ্য করিয়া প্রান্ত্যাগ করিলেন. ইহা নিক্ষয়, যে আল্ট্রেল্ রাজ্যর রাজ্যের পর, ইণ্প্লেড এমত রাজ্য দেখা গোল না; যেহেতুক ভিনি আন্মপ্রজার্থিগকে বলবান্ এবং কুথা করিলেন; এবং ইহা অবোরগ্য়য় হিনি দে পুজারদের ব্যবহারের মব্যে এমত পর্যাবর্ত্তন, এমত অল্প্লকালের মব্যে হইয়া ওঠিতে পারে.

६० जरमंदि^०.मोरीगंग्र.

অশ্বর ছেলবির বিবর্ন.

কথানো কোনো সময়ে কোনো মুবরাজ, এই অগ্ন ছেনরির ন্যায় সর্বার্থন ল° ঘটনপূর্বক রাজনিংহাসনোপবিশ্ব হন নাই; ঐ ছেনরি অগ্নাদশবর্ধবয়ন্ত সময়ে রাজশাসনপদে নিমুক্ত ছইলেন.

ন সময়ে, ন রাজা পর্ফাশসহস্তুসংশ্যক একমহালৈদ্যসামতের সেনপণিতি জিলেন, এবং ট্রানিংসর্দের সহিত যুক্তকর্বে প্রজার্দিরের অতিপায় সাডোঘ জিল; অতএব ঐ হেনরি রাজ্য অন্দরের পুরীন ছইয়া, ঐ রাজ্য পরান্তকর্বে মন ছির করিলেন। পরে ঐ সময়ে ট্রানিংসর্দেশ, যে হেনরিছইতে শক্ষাগুন্ত হইল ভাষা কেবল নয়, কিন্ত ট্রানিংদ্দেশের অন্য এক অংশে আইশ্রাভায়েরা পর্ফাবিংশতি সহস্রু নৈন্যায়েজন করিয়া চচ্চাও হওনে পুন্তত জিল; এবং আরার্বিংশ বিংশতি সহস্রু নৈন্যায়েজন করিয়া চচ্চাও হওনে পুন্তত জিল; এবং আরার্বিংশ মার্দিনাজনামক রাজা, মাহাকে কোনো সন্তিপ্রছারা বল্প করা যাইত না, তিনি আরিকার ছইতে চচ্চাও করিবেন, কেবল ইহার ওপযুক্তাবকাশের চেম্বায় জিলেন. ইহাতে ঐ সময়ে ট্রানিংদের একাবিপতারাজ্য, যেমত দুর্দ্দাপর হইয়াজিল, তেমন পুর্বে কোনো সময়ে হয় নাই; কিন্তু পশ্চাৎ ঐ চ্চাওকর্তার দোঘেতে ঐ দেশের রক্ষা হইল। পরে ঐ ভেনরি এক মহৎ কিন্তু নিয়র্ফ ব্যার্ডবার্ডিকাচ্চাও করের পর, ঐ দুই রাজ্যে সন্তি করা রোল. এবং যেহ বিনপুন্ত রাত্রাজকর্ত্তক, জন্য বৃহৎকার্যের বিনিতে সংগৃহত্তি ছইয়াছিল, ঐ বিন সকল হেনরি রাজা, বাক্যোৎপর কৌতুকাযোদেতে অন্যক্ত ব্যাহ করিলেন

পরে এতদ্রশে যে সময়ে এক পক্ষে ঐ হেনরি, সুগ্রাভাগাদিতে নিময় জিলেন, সে
সময়ে অন্যপক্ষে বার্থার চ্ছোওকর্নার্যে আয়োজনকরনে ভাবৎভাগার শূল্য বরি
লেন. সুত্রাণ বুঝা যায়, যে পুরাভন মন্ত্রিরেরা, যাহারা ঐ মুব্রাজের ভাবৎ
বিষিয়ে পরামর্শদেওলার্থে, ভাঁহার পিতৃকর্তৃক নিযুক্ত জিল, ভাহারা হেনরির
এই সকল নির্থাক্রিময়ে সময়ত জিল না. তরিমিতে হেনরি রাজা ক্রতকলাবারি
ভাহারদের পরামর্শনিওদে ক্ষমা দিয়া, ভামস্নামক যে ব্যক্তি, পরে পাপার সহায়
পদে স্থিত বুলুন্নি নামে খ্যাত জিল এমন একজন্ ঐ যুবরাজার ভাবদ্ভিল্পিড্রিময়ে
সাহায্য ক্রিল, এবং ভাহার প্রামর্শে রাজা হেনরি সর্বাপেক্ষা নির্ভর ক্রিলেন. ঐ

বুল্রি এমত মন্ত্রী জিল, যে সে ভাষার কর্তার ভাবদভিল্মিত বিময়ানুমায়ী চইড, এব॰ যেথ বিষয়ে ঐ রাজার মন ঘাইড, দেইং বিষয়েতে দে রাজার পুরুতিজনক জিল. ঐ বুলুপ্লি এক জন সামান্য লোকের সন্তান জিল. কিছ যেমন ক্রিড আছে, তেমন ইপ্লাবিচের এক কশায়ের সতান নহে. 🗳 ব্যক্তিকে, এমত যৌবনাবভাগ্ন অক্লুছের লামে পাঠশালায় পাঠান রিয়াছিল, যে লে চৌদ বৎ দর্বয়ক্তর দ্যায়ে বিদ্যালষ্কার ওপারি পুাও হইল, এবং ঐ সময়ে বিদ্যালষ্কার জাত্র বলি া গ্যাত পরে ঐ পাঠশালাহইতে পুস্থানকরনানতর, জামেতে এক পদহইতে অন্য পদে নিমুক্ত হইলে, দর্শেতের ওপা চুনার স্বানেরদিনকে শিক্ষা করাইল; ডলিমিডে তৎকর্তৃক লিমিউ্তব্দামক গ্রামবিমাবিক্ষপদে নিযুক্ত জিল. পরে ঐ বুল্লি ঐ পদে অনেক দিন নিযুক্ত হয় নাই, তাহার মধ্যে এক দিকদ মন্ততাহওনেতে এবং নিকট ৰতী এক হট্টে কলহ করনেতে, কোনহ এক বিচারাব্যক্ষকর্তৃক নিগতে বল হইল. নে যাহা হওক, ঐ অপমান ঐ ব্যক্তির ওওরোওরওপ্তপদে নিযুক্তহওয়ার কিন্ধিৎ বাবীজনক হইল লা; যেহেতুক কিজুদিনের পরে দে সপ্তম ছেন্ত্রি কুলপ্তকপদে নিমুক্ত হইল. পরে দারয়ের মার্গেৎ নামে কন্যার দহিত ঐ রাজার ভাবিবিবাহ विश्वरत्र ६४मिखिकहरत, ने मगुष्टिकईक नियुक्त १९३०, ने हांजांत मखांव जना। ইল, এবং ওদ্যোগপূর্বক সম্মরকার্যাসিভিকারির পুশুশুশাপুরি হইল. তাহার विवर्त भरे, में लोडी, विनि में मगर्य उमल्क्षनायक चौरन वोम कहिरलन, जिनि কোনো এক সময়ে, ঐ বুল্লিকে মাক্লিয়ি বিআনের নিকটে কোনো এক কার্যোর নিমিত্তে পাঠাইলেন; এবং পাঠানের পরে, তিন দিবংসর মধ্যে তাহার সাক্ষাৎ কার ওপত্তিত হওবে, চমৎকৃত হইলেন. 🗳 রাজা বুলুল্লি পলায়ন করিয়াছে, ইহা **चारिका योजातीवकारवाउ उाहारक अनुर्यात .क्रिए ला**िल्लनः মাহা হওক, ঐ বুল্লো রাজাকে এই কথা নিশ্চয় জানাইয়া, চমৎকৃত করাইল, যে আমি এইফলমাতে বুদলমহইতে ফিরিয়া আদিয়াছি, এবং মহাগতের তার দাজা বিশিপ্তকপে সিদ্ধ করিয়াজি; পরে, ঐ সময়ে জততরকার্য্যসম্বাদক ছওয়াতে, ঐ ব্যক্তি লিছনের বির্মাধ্যক্ষোপকারিত্রপদ্পুর্ব হইল, ঐ বুল্লি ঐ भवस्थ अनकाल, निराद भूषानातिकाती, विनि ये नगर बाजाव निष् পাত্র জিলেন, তাহাকে তৎপদচ্যত করিয়া অয়ংই তৎপদাভিষ্কিত হইবে, এই আশায়ে চ্যাক্সনামক বিষ্ঠেষ্ঠারের বিন্দাবিস্করুক, ঐ বুলুপ্লি পুখ্যত ঐ ঘুবরাজের নিকটে আনীত হইল, এব• এই বিষয়ে **ছাক্লে**র যে আশা তাহা নিরাশা इन्हेल ना. किळू काल नार्य, ३ यूल्सि बाजमजाउ नीड इन्हेगा, श्रष्टमिं পদে নিযুক্ত হওয়াতে, এবং সর্কবিষয়ে সমাতৰভাবপুযুক্ত, এবং সর্কবিষয়ে ৰশতাশলপুমুক, এবং ওদাক্ততাবপুমুক, ই মুব্বাজের সহিত ঐকাক্রের

অনেক অবকাশপুাও হইল. এব॰ জ্যেছ ঘ্ৰৱাজের সভৌষ্বিষয়ে অভাভো দ্যোগী হইয়া, ওতরোতর রাজসভায় সমস্ত লম্পুটবাজিরদের সহিত, নৃত্য এবং তাহার বয়ন প্রায় চল্লিশ বৎসর হইলেও, গান হাস্যা ইত্যাদি করিত. এবং বিমাণদ্রণাতির মধ্যে একজন পুরান হইয়া, তথানিও আপনার কিনা আত্মানুসঙ্গিরদের কৌতুকাদিবিধয়ের নিবারক ছইল না. পরে, ঐ মত দুর্বল এবং দুঃশীল স্বভাববিশিশ্ব যে রাজা দেনবি, ওাঁহার নিকটে ঐয়ত কুরীতি অত্যক मखোधজনিক। জিলা; এব॰ ভিক্তিৎকাল গরে, ঐ বুলুদ্ধি রাজা ছেনরিকর্তৃক পুরীনপুঞ্পাত্রস্বরূপ গ্রাহ্য হইল, এবং তাবৎরাজকর্ম তাহার হন্তে গমিত হইল. পরে পুরারা, ঐ পুরুতমব্যক্তির, রাজার পুতি যে অনুনয়, এবং আপনারদের পুঁতি যে অহন্ধার, ভাষা অভ্যন্ত ছেমপুর্রক দেখিতে লাগিল. যেকেতুক পুজারা, অন্তেককালাববি ছেম এবং দ্বাপূর্বক বীর্মাপক্ষপাতিরদের অহন্ধার এবং অনুচি তাভ্রমর দেখিয়াজিল কটে কিন্তু এখান ঐ বুল্প্লির বৃদ্ধি হওয়াতে, ঐ বর্মাপক পাতীলোক, মাহারা ঐ সময়ে পুজারদের অভিদ্বার্ছ চিল, তাহারদের অবিক নিগুছের বিষয় হইল; কেবনা এথন ঐ বুলুপ্লির পুর্বীন্য হওয়াতে, ওওরোত্তর তৎৰভাব পুকাশ হইতে লানিল; বিশেষত ঐ বুলন্নি গ্ৰুহণে অতৃপ্ত, কিছ অবিষয়ে ততোধিক ব্যালনশীল; এবং প্রুলিজনিদ্য, কিন্তু ততোধিক অদীয়াকাঞ্কু এবং পরাক্রমলোভী, কিন্তু ততোবিক ঐশ্বর্যান্ত্র জিল. ঐ ব্যক্তি কোনোছ সময় অভ্যত্ত পুৰোৱ জনক এবং প্ৰসভোষক এবং ৰাক্যগ্ৰাহক জিল, কিছ অন্য সময় ওছত এব । তভিষান। এব । স্বাক্তাপুচারেমুক্ত; স্বসদৃশ্ব্যক্তির পুতি গারী, কিব স্বাশ্রিতেরদের পুতি সদয় জিল; পুজারদের পুতি কঠিনাচারী, কিব সমস্ত্র বাল্কবরের পুতি দাতা জিল; এবং পুাধিবিষয়ে পুমোদৰভাব হওনাপেফা, সই বিষয়ে অবিক দাত্রসভাব তিল; সর্বভাগ পুরান হওনোপযুক্ত, কির স্বপুা বীন্য গোপন না করনে, আমযুর্গতা পুকাশ করিত.

পরে, ঐ বুলুপ্লি আপনার অত্যত বর্ত্তনিষ্ট্র তে লোকেরদের দ্বেষাবিত মন দিরাওনের নিষিত্তে প্রগ্রায়াতদারা, মিনি অনেক বিষয়দারা ঐ ব্যক্তির মন ভুলাওনের চেম্বায় জিলেন, এবং শেষে মাহার আতিলাম সন্ত্র্তির, এমন ঘে দুঁলিন্দ দেশের পুথম দুঁলিসনামক রাজা, তাঁহার সহিত আলাপ করিল, পরে ঐ সমুটের বাঞ্চানুসারে, ঐ বুলুপ্লিনামক পাপার সহায়কর্তৃক, রাজা হেনরি, ঐ সমুটের সহিত সাক্ষাৎ করনের নিমিতে চালিত হইলেন, পরে অত্যত অর্থবায়পুর্ক একত্রীকৃত্য ঐ সভা, হেনরি রাজার সম্পুদুর্গিনি হইয়া আগ্রমনে তৎসন্ত্র্যার্থে, ইংগ্লুণ্ডীয় স্মানায় কা্নিশ্ নগ্র স্থীপে, গ্রাম্বান্ধ এবং আদ্বিদ্বের মহীকলে, এক্রীভূত হইল.

ঐ সভা একত্র হওয়ার কতক মাস পূর্বে, ঐ দুই রাজার অন্যতরকর্ত অন্যত द्वर मञानिकारे, अवः जोवः इंश्रहात्मव मुवीनर् नतारव्य सुगरिया, अर्ह्यकांतम পত্র প্রেরত হইল. তাহার অভিপায় এই, যে রাজা হেনরি এবং রাজা দুঁলিদ চতুর্দশে দাহাঘ্যকাঞ্নিমভিব্যাহারে পিকার্দিনামক মাঠের মবী আদিবেন, এবং ওভয়মূলদারা, স্বয়ংই মহৎ ইতি অভিমানী দর্বাগামিলোকের পুতিতল দেওগেতে পুস্তত হইবেন. পরে তরিমিতে ঐ দুই সমুটি বছমূল্য রাজাভরনে বিভূষিত হইয়া, অস্বাশ্বাকচু হইলেন; এব॰ ট্রাঁনিসের সৈন্যকর্তৃক হেনরি চত্ র্দিরে বেটিড, এবং ছেন্রির দৈনাকর্ক ট্রানিন্ রাজা চহুদিরে বেটিড हरेगा, जे कार्या भूतिसं हरे**लान.** जे कालीन समानवशक जागस्त्रारवर्गित ছইতে তাঁহারা অভিসুন্তর্গক্ষ জিলেন, এবং যুক্তবিদ্যাতে যে তাঁহারা অভি**শ**য় নিগুল, ডাহাতে ভাহার। অঅপুশংসা করিলেন. ঐ সকল যিখাগুৰ বিষয়ে, জীলোকের: বিচারকজী হইল; এবং মথান তাহারদের ইয়া তথান ঐ যুদ্ধের নিবারিকা ছইত, বুজা যায় যে ঐ চলযুক্ত ট্রীনিদের সমুটি ঐ সকল কৌতুক্বিঘয়ে হেনরিকে পুবলকরনে, ছেনরি রাজার অপুশস্তমনকে সরগু ক্রিডে ইয়া করিলেন; যেছেতুক ছেনরি রাজা, মন্দ্রিওর ক্রান্দিবালের সহিত যুদ্ধ করিলেন; এবং দ্বিতীয়বার তদুপরি অতিক্রমকরলসময়ে তাহাকে হীনাম করি লেন . পরে মন্দ্রিওর দি মন্তমোরেন্সির সহিত রাজা সংগ্রাম করিলেন, কিন্ত অশ্বহইতে তাহাকে দেলিতে পারিলেন দা. সিরে ট্রাঁনিনের এক মহাব্যক্তির দাহিত টাপ্নিতে যুদ্ধ করিলেন, পরে ঐ ব্যক্তি পরাভূত হওয়ার এক চিহ্নার্যে, রাজা *(क खकीय जार्च अंशाहीकन पित्तान.*

পরে ঐ সময়ের মর্ব্যে, গতরাজা যেই অর্থ রাথিয়া গিয়াছিলেন, তাহা শুনা কপকৌতুকবিষয়ে, কিন্তা দোষযুক্ত জীড়াবিষয়ে, কিন্তা জনর্থক দক্ষিকর্থবিষয়ে, এবং নির্মাক দেশাক্ষমনবিষয়ে, পুণ্য সমন্ত ব্যয় হইটাছিল; কিন্তু এবিষয়ে রাজা হেনরি বুল্প্লিনামক ঐ ব্যক্তিতে নির্ভ্যুক করিলেন, যে সে তাঁহার ভাওারকে পুনর্বার পরিপূর্ধ করিবে; এবং ইহা সভ্য, যে ঐ কার্যালিজকরনে, বুল্প্লির ন্যায় ওপাযুক্ত আর কেইছিলন। পরে কোনো এক পুনেয় নাম করিয়া জনেক জর্ম দংগুহুকরনে, ঐ ব্যক্তির পুথম ওদ্যোগ হইল; ঐ বিষয় পুজারদের পুতি অতি দুংগোর বিষয় ছিল; যেহেতুক পুনাকরনছল করিয়া ঐ জর্ম পুজারদের পৃতি অতি দুংগোর বিষয় ছিল; যেহেতুক পুনাকরনছল করিয়া ঐ জর্ম পুজারদের সভ্যুক্ত জনেছত হইয়াছিল। কেননা আবন্দাক যেই আর্ম ভাহা মন্যালি জনায়ানে রাজা কেন। ভাগা করিতে পাইলেন, তবে তাহা কিন্তুকারে সংগুহু হইয়াছে, এবং ফোনাহুতি আইল, এবিষয়ে কোনো চিতা করিতেদ না। কিন্তু সে যাহা হওক, হেন্তির পুরান মন্ত্রী, ঐ সকল আর্ম পুজার্ছিগেইতে রাজকর্বন্ধে সংগ্রুহক্রনে। দ্যোগকরনেতে, জনেক বারা গাইয়াছিল। যেহেতুক কিছুকাল পরে, বিমাপক

পাতি দিনাহইতে অনেকার্যাক্ষণ করিয়া, অন্যঅর্থের নিমিত্তে পুজাপুতিরি লভ্যের নিকটে যাত্রণ করিল, কিছু যাহা মাত্রণ করিল, তাহার অলেকবিনা ভাহারা দিলেক না. পুর্যয়ও ঐ বুল্লি ভাহারদিরের কার্পন্যেতে অভ্যত্তরির্জ্জ কইল, এবং তাহার নিবেদনে, যে ঐ পুজানুতিনিবিদভ্যেরা অববীন করেন, ইনা পুর্যান করিল, কিছু তাহা ক্রিলে ঐ মহাসভ্যের ভাবংব্যবহা নগা হয়, এইনিমিত্তে ভাহার ওত্তর দিল, যে নিয়োজিতলোক্যাভির্জ্জি, কোনো ব্যক্তি ঐ সভ্যের্যার বিদ্যা বাদানুরাদ করিতে পারিবেক না. ঐ রাজত্বের সময়ে, পার্লি মেত্তরাজসভাসতের মব্যে, যে বাদানুরাদ হইয়াজিল, তাহাতে রাজাকে পুদান করেনোয়োগর পুর্যারম্ভ হইল. ঐ বিষয়ে ঐ বুল্লি পুর্যার প্র যহনা, তাহার অবিক ঐবাজা হোজের অভারাজনিকা হইল, এমন যে ঐ বুল্লির মন্তনা, তাহার অবিক ঐবাজা হেন্তি পশ্চাৎ বাড়াইলেন.

ঐ কালপর্যাত, তাবৎরাজভার্যাবিষয়, ঐ বুল্প্লি অফ্ ই চালাইয়াজিল, এবং রাজা হেনরি তাঁহার পুজারদের তাবৎলালিষ, তাঁহার ওপপত্নীর বফে লীন হওনে, তিনি নিক্ষো থাকিতেন এবং ঐ বুল্প্লি আঅপরাক্রম যে অন্যকর্তৃক আক্রাত লা হয়, এই জন্যে ঐ লকল বিষয়ে রাজাকে অজাত রাখনে চেম্বা কবিল. কিছ অন্য এক লব্ম ওপত্নিত হওয়ার ওপক্রম হইল, যাহাতে ঐ রাজমন্তির তাবৎ অন্পর্কার্যামের শেষ হইল; এবং যাহা মনুষ্যের পুতাক্ষকর কর্তব্য এমত লাইা পেকা অভিশয়গুকতর বিষয়কপরিবর্তন, ঐ সময়ে লামুর্ব হওনার্থে পরিপন্ধ হইয়া জিল. ঐ পরিবর্তন আর কিছু দয়, কেবল ঐ অভ্যাক্ষর্যাগ্রকতর বিষয়কপুন্র্যক্ষা পর, তাহার বিবর্ব এই;

এ নময়ে, কমীয়বির্মাণকণাতিরদের দোষ এবং অন্যায়াকার্যানকন, পুন্দ পরি
পূর্ব হইয়াজিল. এবং সামান্যলোকের মধ্যে জাপার বিদ্যা পুবলহওনদারা,
এবং নিল্লবিদ্যা এবং অন্যাধ বিদ্যার বাহুল্যপুরুক, তাহারা ঐ বর্মাণকদাতির
দের পরাক্রম. মাহা পুথমত কেবল জনদারা ওৎপদ্র হইয়াজিল, তাহা অবহেলা
করিতে ওপক্রম করিল. ঐ নময়, দশম লীওনানক ব্যক্তি পাপা জিল; তিনি
কমদেশে পিতরনামক বির্মাণালা গুক্তনকর্বে, বড় বাস্ত হইয়া, ঐ পুচুরার্যা
ব্যায়লাব্যকার্যানিভকরবার্যে বিনদ্দগুছ কর্বের নিমিন্তে, পাণমোচন পত্র বি
ক্রয় করিতে আজ্ঞা দিলেন. ঐ রীতি, পুর্শ্বে অনেকহার হইয়াজিল; ঐ পত্রের
এই ওব জিল, যে যেব্যক্তি কয় করে, সে শোর্বান্ধবের নিমিন্তে, ওহাই মনে করিয়া
ক্রয় করে, তবে তাহার্দিরেরও পাণমোচন হয়. ঐ নকল পত্রের বিজ্যের নিমিতে
তাবৎরাজ্যমধ্যে বিক্রয়র্গ্য নিমির্ভ হইয়াজিল; কিন্তু সফলহাত অবিহ্ন

महिद्दि अव । तमानिता अव माउकान्त्र विक्य रहेउ. अभिक्यांभव শৃকাশক: লের **অ**নিমিতে, অগ্রিন্নামক বীর্মভিগ্রেক্রা, **নালুন্ দেশের সর্তে** িয়ক চইটাজিল, এবং এই কার্যাক বছারা তাহারা আনেক লাভ ও সমুমপুরি র हो। চিলে. । পরে পাপার মন্ত্রী ভাবিল, যে তাছার। অন্যায়কার্য্য করিয়া 🗳 কনের জনেক রোপন করিয়া রাখিয়ালে, অতএর ঐ লাভজনককার্যা ভাছার দিলের হওত্ইতে লইয়া দ্যিনিকান্নামক বর্মনিক্ত্রেদিলকে অর্প। করিল. ঐ লময়ে, মার্তিন ল্ডর্নাগ্রক যে বর্তেম্বর্গনামক বীর্মাশালার অব্যাপক, মিনি ঐ অর্ণভিন্তাভীয় বিশ্বভিক্কের্দের মধ্যে এক তদ্ জিলেদ, ভিনি ঐ পাপক্ষমা প্রবিক্ষাকরনকার্য্য, এক জাতীয় বীর্মভিঙ্গকের্দিগছইতে লব্য়। অন্যের পুতি যে অপনক্রনবিষয় তদ্বিক্তে, অনেক করিণাজিলেন তাহাতে ঐ মার্তিন ল্ডর ঐপাপক্ষমাণ্যের নিদ্দুৰতার বিষয় ঘোদলাক্রনদারা, আল্লাফার পকাশ করনো দ্যোগী সইলেন, এবং স্বাভাবিক ক্রাপ্তবিশিপ্তর্থনপুযুক্ত, এবং শাভ্রদিগের বৈক্রি তাচরবেতে ওল্লান্তিমনা হইয়া, পাপার পরাক্রমের বিকল্পেও অনেক বাক্য পুকার্শ করিতে লাগিলেন. এবং ঐ লুভর বৈরিকর্তৃক অভিশয় ভাড়িত ছইয়া, আত্মযত স্থাপনার্থে অনেকং পুরু আলোওনাকরওপূর্রক, ক্যায়বর্মপক্ষপাত্তিরদের কোনো এক দোঘ নিত্য জ্ঞাত হইতেল. অপর ঐ বিবাদের মধ্যে, ছেলরি রাজারও এই দুর্দণা জিল, যে তিনি অগুণ্ট ওভয়পকে পুরীন জিলেন. ঐ হেন্ধি রাজার পিতা, চেন্ত্ৰিক সাইবিদ্যায় শিক্তিত করাইলেন, এবং ঐ কালীন পাঠশালা চরিত - বীম মিডেডেও শিক্ষাক্রাওনে মায়ত ছাইলেন. পরে ঐ ছেন্ত্রি রাজা, ঐ বর্ম বিষয়কবিদ্যাতে অপটুতা বুকা পকরনার্যে, লুভরের ইতিত্ত্ত্ত্ব পাঠকরনার্যে পাপার অনুমতিপুাপ্ত হইলেন ; যেহেতুক, ঐ সকল গ্রন্থপাঠকরন পাপাকর্তৃক নিবারিত হইয়াজিল, এবং যদি কেছ পাঠ করিড, তবে নে ব্যক্তি ঐ বন্ধাপদ্ধণাতিরদের পরে এডরিমিতে রাজা হেনরি ডামদ অন্থাইনাশের ধাকা মতভূপ হইত. বিরিয়া লপ্তদ স্কারের মাধার্য্য পুকাশ করিলেন, এবং তদ্ধারা জানাইলেন মে ঐ বিদ্যাতে ভিনি নিপুল চিলেন; কিন্দু আনেকের বোধ হয়, যে ঐ বিষয়ে রাজাকে শিক্ষাদেওলে ঐ বুল্লি পুরীন জিল. পরে এডজপে অভিশালু এক গুকু সমূর্ত হইলে, তাহা কমদেশে পাণার গ্রাহ্য হওদার্থে প্রেরুত হইল, এবং তাহা যে অগ্রাহ্য হইবে, তাহার ফোনো সম্ভাবনাও চিলে না. পরে পাপা ঐগুছ দেখিয়া তালার সুরচনা এবং গান্তীর্যান্ত।বিশিষ্ট্রতা জানিয়া, তালা জেরোম্ এবং অগ্রন্তিদের দের বৃত্তিগুল্ভুজা ক্রিলেন, এবং ঐ গুলুভুক্তাকে ভঞ্জিরক্ষক नांग्रक भारती मान कहिरालन. (क्व ग्रंथान भाभा ने भारती मान कहिग्राक्रिरलन ভথান ইছার সম্ভাবনাও দেখিলেন না, যে ঐ ছেন্ত্রি কর্মায় বিশ্বস্থাতি দের শতুর্দের মধ্যে সর্বানে ছুবান হউবেন

পরে ঐ সময়, রাজা ছেনরির আর্থ্যানের কাত্রেন্বারী রাজকায়ার সহিত আধার বংসর বিবাহ হই দাছিল. এ কন্যা পূর্বে দ্বেল্ দেশহইতে আগাঁও ১ই মাজিল, এবা হেনবির জ্যেষ্ঠ ভাতার দহিত বিবাহ দেওয় বিঘাজিল, কিন্ত গৈছার **দহিত তল্পকাল সংসর্গানতর ঐ হেন্ট্রি ভাতা মহিয়াজিলেন, ঐকালে কর্যার** বর্মাপক্ষপাতিরদের পুতি অতিমর্য্যাদা এবং সমুম দেওয়া গেলেও, ঐ গ্রাজকন্যার **দাহিত হেন্ট্র যে বিবাহ, তাহার ন্যায়,তার বিষয়ে, পূজারা এবং হেন্ট্র ম**ণ্ডই **স্নিক্ষিকাতিরিক্ত জিলেন না.** বুঝা যায় যে পুথমত ঐ হেনরি রাজার ভগভাবে ঐ আর পুতি তক্মকভা হওয়াবা িরিজ অন্য কোনছ বিষয় দেওক, ঐ বিবাহ কার্য্যে ওদ্যোগী হইয়াজিল দা. কিন্তু দে ঘাহা হওক, পদ্যাৎ ঐ বিবাহকার্য্য এমত সম্মন হইল, ঐ কালীন হেছ রাজকুমারীরা রাখ্য নিকটে থাকিত ভাগারদের মব্যে সর তামস্ বুলিন্ যিনি এক মহল্লোক জিলেন, এবং পুরায় তাবংপাছ্মিত্র বর্গেরদের দল্পকায় জিলেন, তাহার আনা বলিন নামে এক কন্যা জিল, ঐ কন্যার পিতা রাজাকর্ত্ত অনেক খানে অনেক এক লেওাকার্টো পুরিত ছইয়াচিলেন, এবং নর্মক্টের অন্ননীর কন্যার সহিত তাগার বিবাহ হইয়া জিল. অপর নানাবিবৈশ্ব র্যাাদিতে১৭কৃষ্ণা যে ঐ সভা, তাহাতে এতাদৃশী সুন্দর্য কল্যা ইছার পূরে কথানো দুম্বা জিল না; এবং ঐ কন্যা পারিমনরাকে নি ফিডা ছওয়াতে, ভাহার বিদ্যা, धार्यक मानुक्रमोन्धां ज्ञानका रूप्ल. अक्नात व्यवगापि ज्ञानिक क्रियानार क्रिया এবং ভাছার আঞ্ডি অনুপম। চিলে, এবং বড় এই।ও চিলে না এবং বড় দার্ঘাও জিলালা, এবং তাহার আন্যাজন্য গুলাপেকা তাহার বৃদ্ধি এবং বৃত্তা আবিকা পরে ঐ হেবরি, যিবি আঁড়েন্ডিয়ুসংঘ্যানকরতে কথানো শিক্ষিত জিলেন না, ডিনি ঐ কন্যাকে দেখিবামাত্রে প্রভিমনা ভইলেন, এবং ডাভাকে ছরণকরলার্থে অনেক ৬ন্যার করিলে পর, ভিনি দেখিলেন যে বিষাহ না व्हतिल, यत्नोवां-क्षः भूतं इहेरव ना. वाहारिक में क्रांका, में दादाविनामार्था অভ্যতোদ্যোগী হইতে লাগিলেন ; যেহেতুক রাজমহিছী, যিনি ঐ সময়ে অভি च्बार्टा इहेग्राकित्लन, डीहारक उपातकव्यार्थ उपातमञ्जूनम्बर्गर्थ, এई हल कहिल्लन, या पुंज्यदेश महिज जानक कोलांबिर जनगांगाकाल मा मार्गकहां एड আমার মনের মধ্যে অভ্যন্তথেদ জন্মিয়ালে. স্বত্তএৰ জলপূর্বক ঐ ভাব্যভাবনার ৰব্বে, সঙ্ম ক্লেমেত, যিনি ভাঁহার নিকটে পুতিপর চিলেন, ভাঁহার কাচে এই যাচ্ঞা করিলেন, যে নে, পারীর পাপার আজা যে আজার দ্বারা ডিনিকাডরেন্ শায়ী শ্রীকে বিবাহ করিতে অনুমতি পাইয়াচিলেন, তদাজাভগ করেন; এবৎ

ইহাও পুকাশ করেন, যে ক্যায় তাবজ্বপিদ্রপাতির্দের্দায় নয়, যে ক্যাপ্রপ্রকর এয়ত দৃদ্ব আজা অন্যথা করিতে পারে. পরে ঐ অভাগ্যকান পাশা, আজা দেওনে অনিচ্কু এবং না দেওনে ভতি হইখা, অদ্য দিব কল্য দিব এইকপ করিয়া, ঐ বিষয়ের যথার্থে বাদানুবাদ করিতে লাগিন; এবং এই আশায় করিল, যে যাবৎপর্যাও র্যম্পন্থপাতির্দের মধ্যে এই বিষয়ের বিচার দ্বিরীকৃত হয়, ভাষার মধ্যে রাজার অভিলাধ শিথিল হইবে. কিন্তু এথিয়ের পাপা ভারত জিলেন; যেহেতুক হেন্তিরাজা, অনেক কালাববি বাদানুবাদকর এখারা ওৎভুল্য লিপন জিলেন; এবং পাপা অরায় জাত হইলেন, যে ঐ হেন্তির র্যম্পুদ্রকর অনেক কথার অর্থ দিরাইয়া, স্বিষয়পন্ধকরন্দ্রম্ব জিলেন.

পরে এ বিষয় মুখার্থ কি অমুখার্থ, ইচার বিবাদ অনেককালপর্যাত হইতে জিল ; ইহার মধ্যে বুঝা যায়, যে ছেনবির তাবেৎ লগ ঐ কার্যানিল্লার ওপর নির্ভর করিয়া ? হিয়াজিল। পুথমে রাজঃ ছেনরির এই আশা জিল, যে তাঁহার পিয়ত্য বুলুপ্লি ঐ কার্য্যে তৎপদীয় হইয়া তাছার দাংগায়া করিবে, কিব ইছাতে রাজা ভাত ছিলন, বেননা বুকা যায় যে পাপা যেমন দশাপর হইগাছিলেন, (তমন বলস্লিও হউপ',জিলেন ; চেহেতুক এক পক্ষে রাজা যে তাহার স্বানী, যাঁহা হইতে ঐ বুল্লান্ত্রি সংসূথ অনুগুহের চিহ্নপুণিও হইয়াজিল, তাহাকে সৰম্ভ করিতে হইল: এবং অন্যাপক্ষে পাপাকে অসন্মাধকানে ভীত ছিল, কেননা হাজাপেকা তদ্যওকর সমর্মায়ে পাপা, উ.হার অবিক বশীভূত জিলেন, অতএব ঐ বুলল্লা ঐ বিবাদবিষয়ের মধ্যবস্তী গ্রাক্তে মনন্দ ক[ল; এবং নর্বাপেকা অভ্যন্ত অহ হারী হইলেও, এই বিষয়ে কালিগোনানক পাপার দৃতের কথায়, এই চলে করিয়া, ভার্রিষয়ে অধীকার করিল, যে তিনি বর্মপুন্তকের ব্যবস্থায় তদপেক্ষা নিপুন জিলেন. পরে বুলুগ্রির যে ওভয়পমীয় পুশংসাকরনমভাব, তাহা রাজার পুতি বড় অসভোষজনক চইন ; তাহাতে রাজা যাবৎ আঅবান্ধা গৃচকপে সমুর্ব করিতে না পারিলেন, ভারৎ আআছেম হপ্ত রাখিতে মত্ন করিলেন, পরে রাজা হেন্দি ঐ বুল্রিছিইতে অধিক বিজ্ঞা, অমচ ভদপেক্ষা অল্পবূর্ত্তা, এক জনের চেথার অনেক কালাববি জিলেদ, এবং অল্লুকালের মব্যে ডদপেক্ষা বছবিজ্ঞ এবং বিশ্বত্ত তামন্ ক্রামর্লামক এক জনকে দৈবাৎ পাইলেন.

পরে হেনরি রাজা, ঐ বুল্মির পদ্যুক্ত।করনে পারক এক জনকে পাওয়াতে, পাণার বিভাজে যে তাঁহার দ্বেম তাহা পুকাশকরনে বড়একটা ভীত জিজেন না. যেহেতুক ঐ কালীন সর্বযাবহার নিয়োগাক্থকে এই আজা দতা হইল, যে ঐ বুল্মির বিক্তমে লালিনপত্র পুস্তত করে; কিজুকাল পরে ঐ বুল্মিকে রাজমোহর ফর্লন করিতে আজাদত হইল. সে যাহা হওক, কোনো প্রিয়ত্ম যাজি হয় না

কেন, মর্থান তাহার কর্তাব ঘ্লাল্লন হয়, তথান ক্টিভি তাহার জনেক দোম পুকাশ হয়, যেহেতুক জন্য হ মন্তিবনের। ঐ বুলুগ্লির অপরাইনা খ্যাব ক্রিল্ ন্যুনতা করিল না. । পরে ঐ বুল,িয়াকে এই আজি। দত্ত, মুইল, যে নে। গুল ছিল দাম্বী অট্রালিকাছইতে দ্র হয়, এবং তাহার ম্যাদার্থ রাজকর্বক পুণ্ড পরে মন্ত্রন তাহার মনাপর্যার ভিদার লঞ্চা রোল তথার মানারা **দার্বাপেন্দা অবিক অনুভব করি**শজিলে। ভারাদের অনুভার ইন্ড অভানি রু বিষয় শাওয়া রোল, যেহেতুক ভাহার গৃহে কেবল ছলওনামক অতি,মহা কা বৃদ্হতি রে থান পাওয়া রেল, তাহার অণুনিকার ভিত্তিসকল কেবল অর্ন এক ব্লোক্ষয় মণ্ডিত জিলা, এবং তাহার তোজনাদির পাত্রদাবল কেবল নির্মান্থর্লেড নির্মিত চিলে; এবং ভাছার অন্যথ্যে লকল বিষয় জিলা, ভাছাও অভিশয় বংম ।। । ।। । এবং হইতে পারে, যে তাহার সম্প্রের বছ্মুলালা, পরাজ্যিরদের লোভ জন্ত্রন কিলু কাল পরে ঐ বুলুল্লি, রাজদুে হিকপদে হিনিমিত, গাজাজার গর্তমলাণ্ডের भूषिमीविकाहिकर्ज्ञ वृष इहै। लन, अव एकनीयक उनियानस्तिहहै। उ लखन् শহরে বিচারিত হওলের নিথিতে তথা লাইয়া মাওলের জল্যে, অলেক আয়োজন ঐ বুল্রির পাপার সহায়পদে বিতপুযুক্ত, পুথমত ঐ আজা অংহেলা করিল, কিন্তু মথান সে দেখিলে, যে ঐ পুদেশাবিকারী, পুরোজ্ঞানুদারে কর্ম করনে পন ক্রিয়াজিল, তথান সন্মত হইয়। যে স্থানে পূর্বেডে গ্রাজসদৃশ কার্য্য কর্মা করিয়াজিল, এমন যে লণ্ডন্ শহর, সেই স্থানে অপরাবির মত আপনাকে দর্শাওনার্থে ক্রমেথ্যাক্রলোদ্যোনী হইল. পরে যাবার মব্যে দুই হয়। मुम्बित পুদেশাবিকারির গৃহে বাদ করিল, দেই স্থানে এক দিবস ভোজন কালে, এমত পীড়িত হইল, যে লকলের লন্দের জানাল যে নে বিষভফল করিয়া পরে সেই স্থানহইতে গীত হইয়া, আনেক কন্ধ পাওনের পরে লেম্বরের বিম্পোলায় পর্ছতিল, পরে সে স্থানের সকল ভিষ্ক আদিয়া ভাগবাড়াইয়া ভাহাকে সম্বৰ্জনা করিল ; ভাহাতে ঐ বুল্লি কহিল, যে হে পিও ভিফুক, আমি ভোমারদের নিকটে অব্হি রাখনের দিমিতে আদিয়াজি, একথা ক্রিয়া আননার শঘ্যা পুস্তত করনের আজা দিলেদ. পরে তাহার পীড়ার বৃদ্ধি হওদেতে ভাহার সেবার্থে এবং তদ্রহার্থে, এক জন পুরীন সৈন্য নিযুক্ত হইন, ঐ সৈন্যকে ঐ বুল্লি মৃত্যুর কিন্ধিৎপূর্বে এপুকার কথা কদিল, যে আমি ভোমার নিকটে এই পুর্মানা করি, যে তুমি মহারাজের নিকটে আমার বিষয় সারও করাইয়া দিবা; যেছেভুক ঐ রাজা গ্রাজোপমুক রীতিশালী, এবং নির্মালাভঃকরন, এবং কোনে। অভিন্মিতবিষয় পুৰ্বাপনের নিমিত্তে, ওনি অরণজ্যের অর্ছাণশার্থাত আধিদগুতুকরন शोबो; এব॰ আমি ভোমাকে निष्ठंग कहि, या मै होज़ोर चीन्निविठ रिष्यु

হইতে মন ফিরাওনের নিমিন্তে, তিনং ঘণ্ডাপর্যত ওঁছার সাজাংকারে আঁটু রাড়িয়া ক্টান্থলিপুটে পুর্যনা করিয়ালি, তথাপি অপারক হইলান; যেমন আনি ঐ রাজার নেবা মন্বপূর্বক করিয়ালি, তদ্ধপে যিনি ঈশ্বরের নেবা করিতাম ডবে এই ব্লদশাতে, এই কেশপঙ্ক সময়ে, তিনি আমাকে ত্যান করিতেন না. কিছ আমার তবেদুঞাপুর্বক যন্ত্র এবং ভাবনা, যাহা আমি ঈশ্বরের পুতি নাকরিয়া, কেবল রাজার পুতি করিয়াদি, তাহার যথার্য পুতিতল আঘি এখন পাইতেলি: কিছুকাল পরে, অত্যত থেলেতে ব্যথিত হইলা পুনিত্যান করিয়া, ফাহা অতিনালারাই সম্প্রিক করিয়ালা, এবং মাহা নালভিন্তিভারার ক্রেট্যাকুত স্থাবিলা, এবন আয়ুং প্রতিয়ার কলিল.

পরে যে বখানদারা রাজা হেনরি বর্মশিক্ষপাতিরদের করিত বল্ল হইয়াকিলেন, তাহা ঐ বুল্লির মৃত্যুতে ভা দওয়াতে, হেনরি এই পন করিলেন, যে পাপার তাজারহ আর হইব না ; অতএব তিনি গুওকপো আনা বুলেন নাল্লা কন্যা, যাহা কে তিনি পেন্যাবের ওপার্থার পদে নিয়ুক্ত করিয়াজিলেন, ভাহাকে বেবাহ করে লেন. এবং দর্মক্তর জারুনী, ঐ নৃতন্যহিষ্যা গ্রুছা এবং তালার পিতা এবং জামর নামক জ্ব্যাপক ঐ বিবাহের সন্তাদক হইলা অল্পদিবদের পরে হেন র প্রজা যথান দেখিলেন, যে রান্যা গ্রুষতা ইইপাজেন, তথান পুকাশকপে আক্রেরির আক্রের করিলেন, গরে ঐ বিবাহকরলদারা যে পাপার আজোল্লন্নন কিন্তা আক্রের করিলেন, গরে ঐ বিবাহকরলদারা যে পাপার আজোল্লন্নন কিন্তা আক্রের করিতে জ্যান্তিকল লা, ততোরিক সমারোগপুর্বক লভন শহরের মবিদ্যা যাত্রা কলিলেন, কিন্তু তালা হাছা হছক, হেনরি রাজা এইকপ আপনাকে বর্মা প্রপ্রাভিরদিরছইতে ভিন্ন করিলে, তথানি জন্য ফোনহ নৃতন্মতারলম্বির পদ্ধ পাতিরদিরছইতে ভিন্ন করিলে, তথানি জন্য ফোনহ নৃতন্মতারলম্বির পদ্ধ পাতি জিলেন না.

পরে ঐ নসংগ, কোন এক ইম্মিতের স্থাপন না হওয়াতে, এবং যাগারা বিশ রীত্মতাবান্দ্রী জিল, তাগার্দিনে গ্রেরি অনেকে অভিশর রারাভিত গওণাপুর্ক; অভাবেতে কুরা ঘাঁয়, যে ুাচনিব্যবস্থা এবং ঐ কালান নুল্নমঙ, যথিবয়জনা বিরোধ ওপ্তিত হইয়াজিপ, তাহাতে জনেকে প্রিণা বিন্ধা হইবে

পরে ঐ সমতে, অনেককালাববি সন্ন্যাসারা তকল, সর্বানেহা গেনির রাজার বিপর্বাতকারী জিল; অতএব ইন্সার পরে যে তাহার। তাহার হিৎলা চাকারেছ পারে, এই জন্যে তাহারদিরকে এককালে সাইভাবিশ্রাক্রযতাতক লে মনন্থ করি লেন, পরে ঐ কার্যা, নিজার্যে, রাজা ছেনরি, তামস্ জায়েল্লামক এক বালি, যিনি ঐ সময়ে রাজার পুরান মন্ত্রিদে নিযুক্ত জিলেন, তাহাকে এই ভানেদ্য ক্রিলেন; যে তিনি ইংগ্লায় রাজার তাবৎশ্রনাম্য, রশ্লালাসকল দশ্লায়ে, এবং মাহারা ঐবর্মানার মধ্যে পুরান, তাহারদের ব্যবহার এবং চলন অভি
ছটলকনে আপনাথে, আমিন পাঠাইবেন. পরে এই কার্য্য, রাজনভার কওকও
লিন অনুরাতলোককর্তৃক অভিশীলু গৃহীত হইল; বিশেষত লায়ইত্ন এবং লওন্
এবং পুাইন্ এবং রাজ, এবং পিতর, এবং বেলানিম্পুভ্তিরা, মাহারদের বিষয়
ক্ষিত্র আছে, যে তাহারা অনেক বির্মানালার মধ্যে অনেক বৃদ্দোষ এবং
ছন্যায়া পুরাহহার দেখিল. বিশেষত, একং বর্মানালা, সর্পুকার ক্রার
হাকিল জীলোকেতে পরিপুর্না, এবং সর্নানানকন তাহারদিয়ের দোষের সহ
ভারা). এবং লোকর দিয়ের দাব্যকভাব এবং বর্মানালাক পুরানলোক
ত অন্য বর্মানালাকের পুরান্য ভির্দের মধ্যে, নিতা নিমুবানিব্যকলহেতে পরি
পূর্ব জিল. এই সকল অপরাধি মিন্যা কি মতা, মান্য বাং তাহার, কিল্ব তাহা, বী
কলল মতানলিবলোকেরদের বিক্তার ক্রিল্ব ক্রিল, এবং তাহাতে তাবদ্বাজ্যের
পুরারদের মধ্যে অত্যতানদিনা বিক্তার্ত্ব ক্রিল, এবং তাহাতে তাবদ্বাজ্যের
পুরারদের মধ্যে অত্যতানদিনা বিক্তার্ত্ব অন্যিত,

কিন্দিংকাল পরে ঐ সল্লাসির দর কুবালারজাপনার্থে, অন্যথ অনেক অন্ সন্তর্গনীলোক নিযুক্ত হইন, তাহাতে আনেক নৃতন ক্রুয়াবহার পুকাশিত হইল. পরে রাজা ছেনরির, এমত ম্যার্থিকপে স্বর্ণন লওয়াতে, এমত কার্ম্যালিখি ছইতে লাগিল, যে দুই বৎসারের সার্ব্যা যত স্মাশালা, এবং তাহাতে যে ওৎপার, ছাংগ্রাজার হস্ত্রত হুইল. প্র যেথ্যন্ধেনা রাজার হস্তাত হাইয়াছিল, ভাহার সংখ্যা হয় শত প্রতারিশ; তাগ্র মধ্যে, ২৮ আগইশ বর্মশালাব্য ক্ষেত্রের, পার্লিমেত রাজসভাসতের মধ্যে সভাগদত জিল. কতক প্রগণার মধ্যে, দহই মঠ এবং দুই হাজার তিন শত চৌহাতর পরতোমার্যরাধকালয়, এবং অন্যাহ বীর্মশোলা পুভূতি, ০০০ দশ চিকিংসালয় বিনম্ভ ইয়াছিল. 🎝 সকল স্থানের ধাজকর নাইন্ডন বাংলা লক্ষ অমানাতি সহ্যু টাকা, যাহা ঐকানীৰ তাবৎ ই জিক্রের ২১ একইশ অংশের একাংশের তুল্য জিল. কিন্ধ ঐ সকল বিষয়ে, জনেকের অসমতি হওগাতে, অনেকে কন্ক্তি করিতে লাটিলে, সেজন্যে যাহারা ছেল্ট্রির ওপ্রাবরী হাইতে পারে, কিন্তা বৈরি হাইলো মন্দ করিতে পারে, এমল সকর লোবেক্দিগতে অপক কৰিছা, এ অর্থইটতে ঘংকিঞ্ছিৎ অংশ দেওৰে মনো মেরি ছইলেন; (মতেত্য এ লকল ইম্মশালার ওপ্রত, ভাঁছার ব্রিমেজিরদি s'কে দত্ত হইল, িদা অলুমূলো বিজ্ঞীত হইল, কিমা হানিপূর্বক অন্য ভূমির নিশিতে পর্টিতিত স্টল.

কৈন্দিৎ পার ছেন ি রাজার তাবদন্তিলমিত বিষয়, ব্যবস্থানপে প্রভারদের পুরি প্রকাশিত হইল ; ঐ ব্যব-হা পশ্চাৎ অভ্যতনিগুরুন্নবাবারের কারন হওয়াপুযুক্ত,

রজনাবিব্যবস্থা দায়ে খ্যাত জিল. 🗳 ব্যবস্থায়ারা এই সকল নিজপন করে। গিয়া ছল ; বিশেষত যে ব্যক্তি কথাদারা কিন্তা লিখানদারা, দুবাতরত্বমতকে অবজ্ঞা করিড; এং সম্পরভোজন ওভয়মতে গ্রহন করনের আবশাক আছে, हेशा य वाकि करिङ; अर॰ भूरक्षेशिष्ड एमक विवेशक वर्जवा, हेशा य बाक्रि কহিত; এবং অবিবাহিতবছলপুভিজা কর্তব্য, ইহা যে ব্যক্তি কহিত; এবং গুল্ক মাবে যাদ্নামক পূজাকরন নির্থক, ইহা যে ব্যক্তি কহিত; এবং নিভ্তেতে এক কর্নে পাশমীকারক, ন নির্থক, ইহা যে ব্যক্তি কৃষ্টিড; ডাহারা দকল বিচার ছানে জন্যবন্মিতাবলমিদন্শ দোগীকৃত হইলা, সভাবিচারানুদারে জীয়তে षाला अत्य किसो क्षाँ मि (ए अत निक्षित इहेरक ने मगर्य, भूषि मगर भूजात), লুত্রের মতাবলমা কিমা পাপার পক্ষীয় হ ওয়াতে, ঐ নৃতনব্যবন্ধা এবং হেন্ত্রির পুরবাবস্থাকল, লোকের্দিগাকে ওভ্রমতহইতে বা ফিও করিল, ভাহাতে এমত বিপন্নতা ৬৭পর ছইল, যে কিঞ্চিৎ কালপরে, তাহা অভাতনির্ব্য এক নিগুরব্যবহারজনক হইল; ঘেহেতুক বাইন্হাম্কে এবং বিল্নিকে, পালার বিকল্পিজহওনপুণ্ড জীয়তে জ্লান গেল, এবং সর তামস্মার এবং দিঘর নামক বির্মাব্যানেরা, রাজা যে সর্বতোভাবে কর্তা, এই বিষয়ে বিজ্ঞানাহত্তন भूगू क, जिल्लानिहा इ हेल.

পরে দে মাহা হওক, ঐ দকল নিচ্বাবহার আর্য্নের পূর্বে, অন্য বিষয়ক এক নিচ্চুরব্যবহার ওপন্তিত হইল, মাহা বর্মবিষয়ক এবং রাজবিষয়ক নয়, কিছ কেবল নিচ্চুরবাপুর্ব মাৎসর্যাঘারা ওৎপর চ্ইল. তাহার বিবরণ এই, আনা বুলিন্নাটা ঐ হেনরি রাজার রাত্তী, তিনি সর্বায় ঐ পুনর্ব্যবহাহাশন বিষয়ের পফপাতিনী জিলেন; এবং তন্ত্রন্যে তাহার মধ্যেষ্ঠ পত্র হইয়াজিল. ঐ পাতু দকল ঐ রাত্তার প্রত্যাত্ত বিষয়ের আনু ক্রি, কেবল তল্পান্য অবকাশের চেপ্তায় ছিলে. পরে ঐ অবকাশ অতিশীঘু ওপন্তিত হইল, যেহতুক ঐ রাত্তাতে যে রাজার মহাপুতি, তাহার সারপুণ্য হইয়াজিল; কেবলা ঐ রাত্তার পুতি যদি রাজার মহাপিত, তাহার সারপুণ্য হইয়াজিল; কেবলা ও রাত্তার পুতি যদি রাজার মহাকিন্তিং পুতি থাকিত, তবে তাহা কেবল তন্ত্রোরে যে কুম্বিত্বসভ্সন্শস্থা এবং যাহা অতিশাঘু স্থান হয় তনিভিত্ত। পরে জেন্, নিলোর নান্না যে এক জন রাত্তার কুমারা, তাহাতে রাজা পুণ্ডিযুক্ত হইয়া তাহাকে হন্ত্রাতকরতে মত্যক সক্ষেধ্য হইয়া বাধুল হইলেন.

এই সকল হইতে জিল ইতোমবো. ঐ রাণীর শতুরা, রাণীর অপবাদকরণে কিজু ত্রুটি করিল না; যেহেতুক নর্মন্তের অনুধী, পুরাতনবর্মাযতে অভাত পুরাবিত হওনপুমুক, রাণী যে রাজসভাবের কোনোছ লোকের পাহিত অপকর্মা করিয়া জিলেন ইহার অপবাদ করিয়া, তৎসাহাতে কতওলিন সাহা ওপ্তিত করিল,

ত্রণ ঐ প্রান্ত ওপাতি তারি জনকে দেখাইয়া দিল; বিশেষত হেনরি গরিন্
ািনি রাজসল্লারিবাপ দ্বাপাদ কিড, এবং বেন্তন্ এবং বেন্তন্ যাগারা রাজশায়
শাগাঁাবা ক্ষপদে কিড, এবং যাক স্মেতন্ রাজবাদ্যকর.
ঐ অপবাদ্যভত্তক,
কিথিৎকাল, গরে ঐ নরিম্ এবং বেন্তন্ এবং বেন্তন্ এবং যেত্রন্পুভ্তিরদের
বেত্রিন্ন্তহাল্নায়ক স্থানে বিচার হইল.
শারে অর্থপুদানদারা, ঐ স্মেতন্ যে
রান্তর ক্ষিত প্রপ্তকপে প্রগ্রায়াড্ছারা অক্যা করিয়াজিল, ইয়া স্থাকার
কর্নানায়ে যা যাল প্রদান করিল; কিছ যে রান্তিবিষয়ে সে অপবাদিত জিল,
উলোর সাহাৎকারে বিচার হইল না. পরে তাহার এবং অন্য সকল ব্যক্তির
দের ববি হওয়াতে, ঐ রান্তি স্থাপবাদ্যইতে মুক্ত হইলেন, ঐ নরিম্, যিনি রাজার
ভাতিপুত্রমণ্ড জিলেন, তিনি যদি স্থাপরাধি স্থাকার করেন, এবং রান্তির
ভাবাদ করেন, ভবে তাহার পুনি রক্ষা হইবে, এই আশা তাহাকে দর্শান গিয়া
জিল; কিছ গ্রিন্, ভাহা তিলাগ্র ভুমুনুর্বক অবজা করিয়া, রান্তর নির্দে

পরে ঐ রানী এবং তাঁগার ভারা, এক কুলীনসভাক্ষেরদের কর্তৃক কৃত এক থিচা, সভা, সভাকরুক ভাগনীগামিত্বদোষের নিমিত্তে বিচারিত হইল, কিত কোন দাফির ছারা কিয়া কোন পুনালের ছারা যে দে আবাদা হইল, ইহার কিচা পুষাৰ লাই ইহাতে মেং পুমাৰ চিলে, তাগার মধ্যে এই ক্যিডগুমাৰ পুরীল, যে কোনো এক দিবস ্ছেম্লাসক ঐ রানীর ছুব্বা, তত্রন্থ অনেক বেবিক্রদের দ্ফিরোচিরে ঐ রাগীর শ্যাপর ওপরি ফেলান দিয়া রহিমারিলে. 🗀 এবা ভাছার অপ্রাদের মধ্যে ইসাও ক্ষিত আছে, যে কোনো এক দিন, ঐ রালী, আত্মা নুরতলোকের দিরতে কহিয়াছিলেন, যে রাজা, াঁছার মন কথানো পান নাই পরে, ঐ ৫মা রাজা তি জ্ঞারত্ল্য ছোল করিলেন; এবং কোনহ লোক, রাজা কে কিয়া, রাণীকে কিয়া ওাঁহারদের সন্তানেরদিগকে যদি ভিরুক্তার করে, ভবে তাহারদিরতে ব্যবস্থারারা শাদান করা ঘাইতে, ঐ রাজব্যবস্থা তঞ্জনকণ যে দোম, ভাগাতে ঐ বিষয় বৰ্জিত হইল. পরে ঐ অভাগাবতী বানী, ঐ সভােব্দিগাইউতে শাহাম্যপুষ্টা না হইলেও, অতিস্থিতেচনাপুর্ক এবং সাহ্সপুর্ক, ঐ অপবাদকের পুতি পুত্যুত্তর দিতে লাগিলেন; এবং ভদার্শক সকল লোক, ঐ গাণীকে দোঘিনী ঐ বাণীর বিক্তমে যেই অপবাদ করা নিয়াজিল, ভাছার ক্লিতে অসমর্য হইল. পুত্যুতর তিনি অয় ই পুথক ছ দিলেন ; কিছ দে যাহা হওক, রাজশানন অন্যথা করা যায় না, অতএব দোঘীকৃতা হইলেন. এব॰ ভাঁহার দণ্ডাজা এমত দেওয়া রোল, যে তিলি জীয়তে স্থালিত হইবেল কিমা শির্দেচ্দিত হইবেল, ইহাতে মহা क्रांजांत त्ययन हेहा. भारत वाहात द्वार्ध (य पियम निक्षिड हहेल, में पितन क्

পুড়াতে এ স্থালাবাজা নিব হিত হইয়া, শিরশেহদেনাজা নিরীকৃতা হইলে, ভিনি कि॰ खन नाम ताइत : ककरक ठाहिया मोठाहै लन. भारत मे वाकि कार्तात्रह भू यक्ष रहेला में बांबी में वाकित महिज अजज्ञभ कथा कहिलान, या रह कि छन মহাশয় আমি শুনি ড চি যে লক্ষ্যার পূর্বে আমার মৃত্যু হইবে না, ইহাতে আর্থি বড় দু: পিত আরি ; কেননা আ বি ভাবিহাজিলাব, যে ইহার পূরে আমি যদি মারি ভান ডার আহি এডফনে সর্দুঃগ্রইতে নিব্ত হইডাম, পরে ঐ রক্ত, এই কথা কহিয়া ওাঁহাকে দালুনা ক্রিতে লাগিল, যে এ মাতনা অত্যল্পক্ষাত স্থায়িনী. चौद्दार ने श्रीनी एखर करिस्तान (य जल्लाम विवास नद्द भट्टे, देश करिया शामा ষদলে আত্মগ্রীবা হস্তদ্বদেতে বেগুল করিয়া কহিলেন, যে আমার গ্রীবাও বড় ফীনা भारत ग्रथम ने त्रांनी गुजाकारन जानीजा उद्देशन, उथान देशिमारिय नांसी जांज कना व श्डिर्धा ভाविड इड्रेग, आ श्रांभवागतकत्राव शृद्धि, पर्मनकाविद्रापद দ্বেষ জন্মানে মুখা ছইলেন না; কিন্তু আতি ব্যবস্থাজানুমায়ি মনিতে আমিয়াজি, এ কথা কহিয়া আঝদাভুনা করিলেন. ঐ ়ানী কোনহ কাহারে। অপবাদ করি লেন না, এবং যে বিষয়ের নিমিতে তিনি বিচারিতা হৈইয়াজিলেন, নে বিচা রের মাধার্যমার্থার কিচ্ট কহিলেন না িনি রাজার মধল দর্গাতকের। ব দ্বতি ও পূর্যালা করিলেন, এবং কহিলেন যে তিনি অভিদলাণীল এবং ক্রমাবান রাজা জিলেন; এবং ভাঁহার পুতিও বছ দয়ালু আমী জিলেন কহিলেন, যে যদি ইহার পরে কোনো ব্যক্তি, আমার বিচারনিম্পতি যথার্থ কি অঘ্যার্য ইংগ বিচার করিতে চাহে, তবে রাজা অফুড্ই আক্সজানানুলারে তাহা নিম্লবি ককন; পরে ইণ্যুপ্তীয় তাবস্কুত্রাদহইতে নিপুন কালেশ্নিবাদী এক জল্লাদ কতৃক ঐ কার্যা শিরশেচ্নিতা ছইলেন. অপর রাণীর শির্পেচ্দেদের পর্দিরসে, হাজা হেন্ত্রি ঐ জেন্ সামোরনারী ক্নাত্তে বিবাহ ক্রিলেন, এবং গাড রালী মিনি জনেককালাব্যবি ভাঁচার স্নেহদাত্র জিলেদ, ভাঁহার দুর্দাগ্রটনাতে, এ রাজার ফ চিনাত:করন মৎকিঞ্চিএ নমু হইল না; যেহেতুক ঐ রানীকে দোঘীকৃতাকরন সময়ের এবং হতকর সময়ের মধ্যে, ঐ রাজা গালিমেন্তকে আজা দিলেন, যে আমাকে এথনি ত্যারপর দেওয়াইবা ; একপ পূর্ব্ধে যেমন তিনি কাতরেন নামে ফালীর গর্ভনাত যেত্রি লামে একটী কদ্যাকে, ২পপত্মীজাতক্দ্যাৰকণ করিয়া क्रिलन (उपन अर्थन ने ब्रांबीय शर्डकांड या देनिमारवधनांदी अक्षी कन्मा, ভারাকেও ওপপত্নীজাত কন্যাস্থকপ করিতে ওদ্যোগী হইনেম.

অলক্ষ্ঠ ঐ সকল কলছ ওৎপাতের যাব্যে, শ্মিৎফিল্পনামক স্থানের নিডুর ক্যাবহারকণ যে অন্নি, তাহা পূর্বাপেক্ষা অভ্যত জাত্ত্বল্যমান হইয়া বর্দ্ধিত হইতে কান্তিল; যেহেতুক শাশামতাবলম্বারা, এবং যাহারা লুভরের মতাবল্যা, তাহারা

এবং ভদনুরভেরা, শরস্কর রাজার এবং বিশ্রপিক্ষপাতিরদের দ্বেয়ণেডক যে নিচ্চুর শাবছার তদাবার হইল. পরে রাজ্যের মধ্যে অনেকপুরার মতের বাছলা হওয়াতে, এবং যাহা সকলই পুায় ছেনরিকর্তৃক কৃত জিল, তলিলিতে পুলারদের মব্যে অত্যন্ত্র লোক, কোন মত ভাল, কোন মতাবলম্ব,ই বা হইবে ইণার কিজুই **বির করিতে পারিল না** সে মাহা হওক, পুজারার ঐ রাজার মত সেম্নি বা জপু ক্ত হওক, কিমা যেমনিবা বিক্ছ হওক, তন্মতাবলম্বী হউতে সদলেই লয়াও হওলে ইয়ুক জিল বটে, কিন্তু ঐ রাজার নিতা অযত অন্যথাকরনপুমঞ্চ, পুজারা সহসা **তন্মতাবলম্বী হইতে পারিল না. কিন্ডিৎ পরে তামস্ ক্রম্বেল্, ক্র্মকারের পুলের** অৰন্থাহইতে রাজার রীত্যনুক্রমে, রাজার প্রিয়ণাত্র কপে বর্তিও হইয়াজিল; কেননা নিঙ্কব্যবহারক যে কাজারা, ওাহারা লঘা জ্ঞালাকেরদের মধ্যে কোনো এক অপ্রিয়তমপাত্রকে মনোদীত করেন 💎 ঐ ক্রায়্বল এবং ক্রায়র ঐ भग्रत কেতর্ববির মহাবির্মাধ্যক্ষপদে স্থিত হট্যা, ঐ বন্মভাত বিলয়ে সর্বো দ্যোপের সহিত তদ্বল্পের হইল. অন্য পক্ষে গ্রাহিনরনাম বিক্ষেত্তরের বির্মাব্যক্ত, এবং নর্মক্ষের অগুনী, ডাছারা রাজাকে অপুর্বযুচ্চতে লঞ্চানার্মে अरमगांती रहेल. किन रम घांटा रुख्क, हेटा निन्ध्य, या ताजा रहा विकाशांता অবীন ছইলেন না; যেহেতুক তাঁহার অহঞ্চর, ওপাসনায়ার। এয়ত দর্ভিত श्रेमिक्रल, (य जिनि छोतिस्तन (य जिनि अक्ति) जाद्या आह यज्नुपर्मादा পযুক্ত লোক.

কিজুকাল পরে, পাঁচ হাজার লোকের ন্যুদ নহে, এমত লোকেরা ঐ রজ্পুরি নামে ব্যবন্ধার মত অবজ্ঞাকর লাম কারান্ধা হইয়া, কেবন জ্ম্বেরের অনুপূহেতে তদানুমপুরি হইল. পরে লামর্তনামক এক শিক্ষক এবং বান্ধানামক এক ভারাতার্য্য, যে ব্যক্তি লামর্তের হনদে মথকিঞ্জিৎ লাহায্য করিয়াজিল, ঐ ব্যক্তিয়া ঐ কার্নান বিপদ্ধতার জংশপুরি হইয়া, পার্লিমের সভায় জপবাদিত হইল পরে ঐ নভান্ধেরা বিচারকর লথাতিরেকে তাহারদিরাকে দোলী বিলান, জীয়তে জ্বালা ইতে আজ্ঞা দিলেন, তাহাতে ঐ ব্যক্তিরা জ্বালন কলিকে বন্ধ হলনে ও ঈথ ীয় পুনস্বতর্ত্তা করেক পুরত্তার করিল. পরে ঐ মতাবল্যী হওলপুর্য ঐ ব্যক্তির লাহির নিরাদি এবং জেরোম্ লামে দুই ব্যক্তির ববি হইল. কিন্দেৎ পরে পাপার মতাবল্যী তিন ব্যক্তি, মাহারদের নাম এবেল্ এবং দেখের্ছোন্ এবং পাওলা, তাহারদিরেকে, ওহারদের অর্থাৎ ঐ বান্ধ্বপুত্তিরদের বাহনেতে আক্রমন করিয়া লাইয়া রোল. এবং তাহারা ইহা কহিল, যে তাহারদের শান্তির মর্ব্যে সকল হইতে দুঃসহ্য, এই জিল, যে তাহারা জ্বমানদুর্দ্পার্য জন্যবিদ্যাবল্যিরদের ক্ষান্তির কং মিলিত হইয়া মারা মাইতেজিল,

এই লকল নিপুরব্যবহার হইতে চিলে ইতোমব্র্যে, জেন্লিযোদনায়ী রাজমহিন্দী পুঞ্পুলবানতর মরনগুলিও হইলেন, এবং ছেনরি রাজা জন্য মহিন্দা গ্রুহনকরেনে मनम् कृतिलान. भारत यहाँ बीत्न कड़क छलिन मध्य कहितल भन्न, क्लिंग्स् प्रामंत আনুনামা কল্যার লাহত বিবাহসমন্ত্রেলরারা রাজা ছেবরি, জার্মনি দেশের রাজরানীর দহিত যেহ দল্লি কৃত হইয়াজিল, তাহা দ্বিগ্রাভূত করনাশায় জিলেন. পরে দে যাহা হওক, কিফিৎকাল পরে এ রাণীর পুতি হেনরি রাজার দিলেহ অশুলা ব্লিটা চইতে লাগিল; অৰশেষে তাঁহাকে এবং ৰীয়পুৰাৰ মন্ত্ৰিক পদ চ্যুত কুরিতে মনভির করিলেন. । যেহেতুক ঐ মন্ত্রির অপ্তলজিকরনেতে রাজার তাহার পুরি অতার অপরোম জবিলে, এবং তদসভোষবর্জনার্থে কিঞ্জিদসতর অন্য नक रिवर अनिव उ रहेल. ভাহা এই, দর্মক্ষের অগুনীর ভ্রাতৃকন্যা কাডরেন্ হাবার্ছ না ার পুতি, হেনরি রাজার মন পুরিষ্ঠ হইল; এবং এই নুতন মনজ্জামনা নিজ্ঞার্যে কেবল এক ওপায় জিল, ভাগা এই যে পূর্বত, এখন একের ভাপনার্যে काभारक मृद्र कर्न. ঐ নদক্ষের অগুলী অনেককালাববি ক্রম্যেলের দৃচুবৈরি চিলে, অভ্যব সে ব্যক্তিকে দে বৈভিজ্ঞান করিত, তদ্মিশাশার্থে, এই বিষয় ঘট নাঙে দে বঢ় আন্ধ্রাদিত হইল, মেছেতুক ঐ রাজপুিয়তম অজির নাশার্থে, ঐ অগ্রা, আঅভাত্তিকনার দ্বারা আক্রনোরান্ত্রা সমূর্ণা করিল. পরে ঐ অগুনী ক্রয় বেল্কে রাজদ্বালা বিষয়া আক্রমনকরনার্থে এক রাজাজা নির্ম্ভা করিলেন. এ ক্রাবেলের অপমান পুচার ছইবামাত্রেতে, ক্রামরবাতিরিজ তাহার তাবৎ বজুবান্দ্রত ভাষাকে ভাগা করিল; এবং ঐ জামর, জম্বেলের পক্ষ হইয়া রাজা হেন্ত্রির নিকটে এমত পত্র লিখিলে, যে তাবদুপজ্যের মধ্যে আরকোনো কাহারো এ পুকার পত্র লিথানে লাগন কুলাইত না. কিন্তু তাহা বার্য হইল, এবং ঐ ক্রম বেল পার্লিমেড সভার নিকটে অপবাদিত হইয়া, অন্যবিমাবিলয়ী হওলদোরে এবং র্ণক্রোগাপরাবে দোধাকৃত হইল. পরে এ ক্রম্বেল্কে অবিষয়ক বাক্য পুষোর ক্রিতে লা দিয়ে। দওকরলাজ। দিলেন, কিন্দ রাজাজানুদারে মরল নিনতি ছইল. পরে মর্থান ভাষাকে ববিভূমিতে আদয়ন করিল, তথান দে অপুঞ্জের দুঃথাবাছলঃ হওনহেতুক তৎপুতি স্নেহপুযুক্ত আঅনির্দোষিতার বিষয়ে কোনো কথা পুস্তাব করনে, অপারক হইল. পরে আঅদোষের নিমিতে যে ঐ পুকার মরও মারণার্যে ঈশ্বর তাহাকে আনিয়াজিলেন, তরিমিতে ইশ্বরের স্তৃতি করিল; এবং লে যে তলেককর্থক ভুগত হইয়াজিল, তাহা ছীকার করিয়া কহিল, যে এখন আমি ক্মী চুবী শ্লিক্ষী হই চা মরিতে জি.

পরে ঐ সকল যাহা হওক, ঐ সময়ে ছেবরি রাজার বিলুরকার্য্যের পরিমাণ ভাছা লায়ুর্ব হুইয়াজিল বা; ঐ হেবরি রাজা বিবাহকরণেড ভাবিলেন, যে আবি পরম সুখী ছইমুচ্চি, এব ব্রানীর সৌন্ধান্তি এমত রুড্ছমুচ্চিলেন, যে ত্রিমি ভ তিনি পুকাশকাপ ইমানস্ততি কুলার্যে লোকেইদিরাকে আঁডা দিয়া, তাঁহার পাপ শীকার শ্রোতাকেও ঐ কার্য্যে অনুষ্ঠা হওনে আজ দিলেন, পরে যাহা হওক, হেনরি রাজার ঐ সূথ ডাল্লফলমাত্র ছিল; মেছেনুক যে সময়ে ছেনরি প্রাচা স্কৎ লণ্ডের রাজার লহিত কোনো এক বিষয়েঃ পরামর্শ ক নার্থে মুর্কননার িয়াতি লেন, সেই ন্যায়ে লাগ্ন্স ভ্ৰনাম গ এক ব্যাজি লণ্ডৰ সহতে জামণ্ডের নিক ট ওপ্রিত হইয়া, রাগার ব্যভিচা। ক্রয়া। বিষয়ে, এক মাল্যা সমাদ্দিল. এ ব্যক্তি এ সমাচার তাহার ভরিনীহইতে পার্যাচিল, সে ইয়াঃ পুরে এটা ছব এতা ুনীর শ্রীর দাসী জিল, পরে মথান ঐ রাণী এই অপরাধের নিমিত্তে চিন্তিও ইইয় জিনেদ, তথাৰ তাহা হেয়জ্ঞান করিলেন, কিছ প্রে ঘথান ছানিতে পাইলেন, যে তাহার দোঘাপুষ্ণীরা ভাঁহার অপ্রাদক স্ট্ল, তথ্য ভিনি স্বীকার করিলেন, যে বিবাহের शृद्ध ने प्राप्त कतिशाकित्वन वर्षे, किन विवाहित शहा कारना प्राप्त करवन ना है. শ র অন্য তিন রাজকুমারী মাহারা পূরে উগপার দেশ করিত, ভাগারাও ঐ বি হের সালিলী হছল, এবং ভাহারদের মব্বে কেছা এ বালীর ক্ষতি এবং উ,হার ওপপতিঃ সহিত যে এক শম্যায় রুক্তিমাণন করি নৈছিল, ইহা শ্বীকৃতা ছইন, পরে ম্মান রাজার অনুগত পার্লি মত সভা, রাণীর অপ্রায়ের বিষয় এবং তদ্পরাধী क्रिक्ट अनुविषय उठाउँ कहेल, उथन जोशीयां भीषु भे तो रिक तिहान प्रांत प्रांत्री ক্তা করিলা, রাজা, নিকটে এই পুথিলা করিল, যে তাঁলাকে বর্বকণ দও করেন. এবং রুচ্ছের্নারী ছা, যে বৃণ বি বাভিচার ক্রিয়ায় অনুভতিনী হইয়াজিল, তাহা তেও যেন সেইকপ দণ্ড দে ওড়া যায়; এবব নর্যন্তে গোডাপুর্যার আঁ, যিনি ঐ আর মাতামহী জিলেন, তিনি এবং এ খ্রার পিতা মাতা, এবং জনা দয় জন খ্রী পুরুচপুত্তি, ঐ রাণীর অপরাধিবিষয়ে অনুষ্ঠি না ১৬:বতে যেন দে পুকার দত্তে मिं उर्थ. भारत में भुतिर्धार्थित का का उन्तुरुभूईक मगाउ हहे लगा; आह यपि কোনো ব্যক্তি, রাগরে ভারী ফোনো ব্যতিচারের বিষয় জ্ঞাত ছংগা পুচার না करत, एरत स्म मृज्युक्त मछम्। क्रिका, या वावन्दः उम्रातः मधनोग इहरत. ঐ বাৰন্থাদ্বার ইয়াও ভিরোক্ত হইল, যে মদ্যপি কেননো কল্যা ব্যক্তিব্রিনা হইলে পর, কোনো রণজার সহিত বিবাহ করে, এবং এ দেখি বিবাদের পূর্বে প্রুচার না করে, তবে দে কন্যা রাজদুর্ণহিকাতুল্যা গন্যা হইবে. এবং বিশুর্ব্যবন্থাতে পুজারনেরা সকলে, এই ক্যা কহিয়া পরিহাস করিতে লা িল, যে অন্যাৰ্থি বিধিবা জীর্দিরকে রাজনবেরদের বিবাহ করিতে হইবে, ঐপুকার ব্যবস্থায় যে এমত মহল্লোকেরা সমতে হইলালিল, ইহা সর্বালেকা বড় আশ্বর্যা বিষয় ছিলে. পরে ঐ দকল ব্যব্দা স্থিনীকৃতা হইলে পর, তা এর হিল্ ভামক ভানে, ঐ রাণীর এবং রচ্ছদের প্রতাগুলীর বিবিধানীরদের শিরশ্চেদ্দ জাইল ; এবং ঐ বিবিধাপুলী, পূর্বে যেমত জন্যলোকের মৃত্যুহাইলে ছাদ্য করিও, দোট্যত তালার মৃত্যুতেও লক লাই নির্দ্য হাইল

ন গোলার মৃত্যু হাইলে এক বং সারের পর ছেনরিরাজ বিবাহকরলে মসক্ষ করিয়া, কাডারন পার গামে কন্যাকে বিবাহ করিলেন । ন জী উহার ঘন্ধী গোম রানী জিলেন, এবং লাক্ষেরদের পরিচাসানুমায়িলী বিবিত্ত জ্বা জি লন; মেগেডুক পূর্বে এই আঁ প্রায়ুত লাভিমণের বিবাহিভা জি লন। ন আ সার্কর্তৃক সম্বিবেচিকা এবং গুল বভাবদে মাল্যা লিলেন, এবং ন সময়ে ন জ্বা আর্ত্তব্যক্ত জিলেন, এবং সম্বিবেচন। এবং কর্মানি ভিল্লেন, এবং ন বিশ্ববিদ্যার করাজাকে মাল্য করিয়া রামিডেন।

পানে ঘোষা হওক, ঐ রাজার নিচ্চুর্যাহছার ভাঁচার পুজারনিরের পুরি পুরা পেকা মংকি,ক্ষংও বিশেষ হইল না. আনেককালাববি ঐ রাজার পাদবুর হইলা, তাহার পেদনা এবন ফলকামত্ব এবন জন্যথ পাঁহাপুনুক, ভাঁহার আভানিক জোবি, একণ বৃদ্ধ পাইল যে ভাঁহার আন্তায় অন্তর্গ নিকটে মানতে আপারক হইল. জভাব মাহাপুর, ভাঁহার বিক্লমতাবলম্বী জিল, তাহারা যে ঐ সমত্ব আপারাই হুমাপুরি হইবে, ইংগ্র কোনো সম্ভাবনাও জিব না.

পরে ঐ রাজা, শরুর দিলেছ ফার হইতে লানিল, কিন্দু তাঁগার নিঙ্রবারগার কিজুই ন্যুব : ইন না, এবং ভাঁশার ছেম একিকপে সর্বাজনপুতি পুরুণনিত হই তে न्यानिन ; क्रमनर् भुविष्ठां व भजावन्यांका दवन व समर क्याएय सावन गान जैश्रांत ক্রোবের আবার হইত । পরে সর্হাশেষে দর্মান্তর অনুগ্র, এবং ঐ অনুগ্রার পুঞ্জ যে লরিরের পুদেশাবিকারী, তাহারদের ঐ নিজ্বলাজার যিচ্চাননেছক। যে जनामा, जाना महिल्ला कृतिए रहेल. नै ज्ञाली अक गर्धवाकि जिल्ला, अव-রুগজার দেবা অভিবিশ্বস্তকলে ক্রিণজিলেন; এবং-ই অগুনীর পুঞ্জ, পরে মহাব্যক্তি ছট্বেন, এট্ কপ আশারনক সঞ্লের চিলেন, এবং আর্থবিদ্যার এবং রাজ িদ্যার ১০৭ রন্ডিদ্যার বিষয়ে যেই গ্রমতার আবশ্যকতা, তাহা ঐ পুঞ্জতে সন্তুর্ন জিলে. ঐ সময় যেহ লেবিদ্যা চলিত, ভাছাতে পটু এবং সুশিক্ষিত ছওনদ্বারা এবং লিকা কর্নদারা, ঐ ব্যক্তি পুজা, দের মধ্যে চিত্রবিদান্দিরভাবে অভ্যন্ত মনোযোগী ছট্ লন ; এবং ইছাও গ্ৰনীয় বিষয়, যে 🗗 ব্যক্তি, ৰত্তনাগুকুছা । ইংগ্লন্তীয় কারাশাল্লকে, অবিক দৃল্পান্যনোহর করিলেন, এবং ওাংগ্র সকল কাব্যের यात्रा, माञ्जिकां महाति महाति । अ शिक्षां मिन्नादी अविमायां जानिता ক্রাণ্ড সৌন্ধর্য্যের পুশাংসা করিয়াকে। এ সকল গুলবিশিষ্ট হইলেও ছেন্ত্রির লালেই হইতে ঐ ব্যক্তি রক্ষা পাওনে আনজ হইলেন; যেহেজুক ঐ পুদেশাবিকারী यल ई मार्मक कर्ज्य इट्रेंड रहिष्ठ्व इ अप्रांत तो जांक नी जिस्कि वर्ता करते विकास

(इघटाका कहिए। किल्लम, अतः कांडरब्रम् इांधवार्य नांसी इडवांबीड वाजिहाह क्तिश्राभुगुङ, मे भुरम्भाविकावित जावर वन्न म्लाह्मम इड्गाफिल. भारत मे मकल বিষয়জন্য ঐ নর্চান্তের অগ্রুণী এবং ভাষার পুল যে লবিবের পুদেশাবিকারী, এই ওভয়কে প্রবাধে এওকদে আজে দতা ছইল, তাহাতে তাহারা দুই জন এক দিলে বৃত ছইয়া দুর্নমধ্যে বন্ধ ছইল. পরে লরিবের পুদেশাবিকারী, লাবারন লোকপুমুক্ত তাহার বিচার অতিহরা হইল, এবং পুমানের নাুনতা জিল না, কেননা তাগার লকল গুহাবিষয় জাত, এবং তাহার কুলশীলাঘি জাত, এমত অনেক বি श्वामघाउकी भाउदा विद्या हिल. পরে রিচ্যন্দের গড়াপুলীর শ্রী যে সরি রের সংহাদরা ভ্রিনী, সে তাহার অপবাদকের মধ্যে এক জন হইল, এবং তাহার অত্যন্ত আগ্রীয় বন্দু যে লর রিচার্দ লওখ্বেল, লেও এই দেশে দিল, যে ঐ ব্যক্তি রাজার বিশ্বানছাতকী লোক জিল. 🛮 তুকা ঘায় যে 🗗 মূচনময়ে, তারভাজ্যের মব্যে বিশ্বাস কিস্তা সম্ভ্রমের লেশও জিল লা. পরে ঘদ্যোদপুযুক্ত সরির অপ 🖟 বাদপুত হইপ্রাজিল, তাহা মীক্ত না হইয়া, তদপবাদকের সহিত ওলয়যুদ্ধাঞা মুদ্ধকরনে ইচুক হইল, কিন্তু ঐ মুদ্ধ করলাজান্ত্রহু, ডাহাকে রাজকর্ত্ত দত হইল পরে এই অপবাদে অপবাদিত হইল, যে ঐ সরির তাহার ফলকের ওপর কব চ্ছেল্ল নামে খ্যাত এমার্ন রাজার পদবী চিত্রিতা করিয়াছিল, তাহাতে ঐ ব্যক্তির যদি আরু কোনহ দোঘ লা থাকিত, তবে রাজনি হাললছহওলাভিলামজন্য যে অপরাব, তাহাই তাহাকে দোর্ঘাকরনে যথেম্বজিল. ঐ অপবাদ দেওলেতে, ঐ সরির কোনছ ওত্তর করিতে অশক্ত হইল; এব॰ যদ্যপি কোনছ ওত্তর দিত, ডবে ঐ কালীয় গ্রীতানুদারে তাহা ব্যর্থ হইত ; যেহেতুক ঐ রাজমে কোনো সভ্য কিয়া क्वांता लांक, व्यवस्थ क्या नुयानान्याप्रि क्या ना कविया, क्वल ब्रांकांत्र हैशा পরে ঐ নিথিতে ঐ যুবা মহাব্যক্তি, আপনার কার্য্যের ন্যায়্য ন্যায়ি চলিত. বিষয়ে অনেক পুন্তাব করিলেও, রাজন্তোছদোষজন্য দোষীকৃত ছইলে, কিলু দিন পরে তাওরহিল্নামক স্থানে হত হইল. পরে, ঐ সকল নিধুরবাবহার হইতে জিল এই অবকাশে, নর্দক্তের অগ্রুণী, পত্রস্থারা এবং অনুনয়বিনয়ম্বারা রাজাকে লন্ধ্যক্রনোদ্যোগ্রী হইয়াজিল, কিন্তু ঐ নিষ্কুর্রাজার অভঃকরন কোনছ বিষয় পরে ১৫৪১ দালে, জানবরি যাসের ১৪ চতুর্দ্রশ দিবসে, দারা ন্যু হইল না. পার্লিমেড সভ্য একত্রীভূত হইলে, 🗳 সভায় সর্মন্তের অনুনীর বিকলে, এক অপ বাদপত্র দেওয়া গ্রিয়া জিল ; কেননা বুঝা রিয়াজিল, যে আত্মীয় কূলীনদভ্যেরদের দাহিত বাদানুবাদকর্নাপেক্ষা, ঐ অগ্নুনী অভিশীলু অপবাদপত্রহারা দোগীকৃত ছট্রে; পরে তাহার মারলাজাপত লাইবাদি**দক্ষতিতে তির হটলে প**র, গড়ের অব্যক্তের নিকট অতিম্বরায় পুেরিত হইল. পরে ঐ অগুনী মরনার্থে পুন্তত হইতে

লারিল, এম ে পর্টিনে পুভাতে ভাহার মৃত্যুর বিষয় ভির হইল ; কিন্ত ঐ আব कार्ल द्रांखाद लुडि खडियमेल अव- कार्यामधानक अक विषय अलिख इअगारि, ने विषय उष्ट्रांद्रा निवासिड इहेल. जाहा এই ;

ঐ হেনরি রাজার, মৃত্যুর সময় নিফটবড়া ছইতে জিল, এবং কতককালাবরি ভীছার শিক্টব লোকেরা দেখিল যে ভাঁছার মৃত্যু অভিশীঘু হইবে; কেননা ঐ সময়ে তাঁহার পায়ের পীয়া অতিশয় বাধাদায়িক। হইয়াছিল. পীড়াপুমুক্ত এবং অত্যত্তৰূলকামৃপুমুক্ত, রাজার ধ্রাবদা অদাব্য হওয়াতে, তিনি শৃষ্ঠলেবদ্ধ এক দিংহের নাগ্য অত্যন্ত দুরুত হইয়াজিলেন. পূর্বে ঐ রাজা অতি भग्न मास्तिक किरलम, किन अथेन मि॰ इउ ना कि किरिकारिक अनाए त्नाम इहेरलम. এই কপে অন্যাণক্ষের ভয়ানক, একং আ মুঘা তনাজনক হটুয়া, চারিবং সর্পর্যাত তীহার আআয় মত্রিবর্জেরাও পরস্কর বিরোধী হইয়া পরস্কা মার্থ চেম্বায় থাকাতে, তাহারদের মধ্যে কোনো কেহ রাজাকে শতুকরনে ইয়ুক হইল না. পরে রাজা ছেন্রি ঐ কপে পীড়িত হইয়া মৃত্পুয় হইলেন, তথাপি রাজা যে শীঘু মরিবেন, ইহা কহিতে কোনো কেছ দাহলিক হইল না, কেননা ইহার পরে এ রাজ্যে, রাজা মহিবেল ইহা কছলজন্যে, দুই তিল লোক মারা গ্রিয়াজিল. অব শেষে, मর আ রণি দেরি লামে এক ব্যক্তি, ঐমরণবিষয় রাজার নিকটে ক্র্যনার্থে দাহ নিক হইল, এবং ঐ সময়ে অন্যসমুহেগীতাপেকা হেন্বি রাজা আআভাবিষ্ত্য লা বাদ বৈর্ঘাপুর্বক গুহুল করিলেন, পরে হাজা ছেনরি আঅভাবিষ্ত্যুলাবাদ পাইয়া, তাঁহার যে মনোদুঃথ এবং থেদ ওপৰিত ইইগাছিল, তাহা অক্থনীয়: তাছা ড তিনি তৎফানে ক্রামনকে তাকিতে আজা দিলেন, কিন্তু ঐ বর্মাব্যক্তের পঁছতানের পূর্বে বাজা বাকরোর হইয়াজিলেন এ জামর পঁছজিবামাত রাজাকে জিজাদা করিল, যে আপনি যে খুীষ্ঠে পুতায় করিয়া মরিতেজেন, ইহার কোনহ এক চিক্ত আমাকে দেখাওন; তাহাতে রাজা, ক্রামরের হন্ত দৃদৃত্রকলে আক্রমৰ করিয়া, জাপ্লার বংশর বয়ক, তাহার মব্যে লাই নিশ বংশর শয়মান রাজত্ব করিয়া, তৎক্ষৰাৎ পুৰিত্যার করিলেন.

क्लांनर ब्रांखा विकल्लचानावर्गुगुक निक्ववावशांतक करेगांका, अव॰ कहरू প্রিয়তমপাত্রকর্তৃক ভ্রাত্তত্ত্বাতে নির্মুক ব্যবসায়ক হইয়াছেন, এবং কেহছ কোনো এক পদ্মপাতিরদের পদ্মহওয়াতে নিষ্ঠুব্যবহারক হইয়াছেন, কিন্তু হেন্ত্রি রাজা ৰয় • ই কেওল কৰ্মাৰভাবপুমুক্তই নিষ্কুব্যৱহাৰক জিলেন. যেছেডক ঐ হেনবি রাজকার্য্যে এবং বর্মবিষয়ে এবং আঝগৃছে অতিনিঞ্বব্যবহারক জিলেন. নিজুব বাবহারক ছেনরি রাজার বাবহার যে ন্যায়া, ইহা স্থাপন করিতে ইংগ্লাঞ্জীয় বর্মশাস্ত্রাব্যানকেরা অনেক চেম্বা পাইয়াজেন, এবং ঐ হেনরি রাজার ব্যবহার এবং ইংগ্লেণ্ডায় বর্ষ মতাতর যে আদতি হিজ্জ, ইহার সংখ্যাপদার্থেও তানেক চেন্ডা পাইয়াজেন, কিছ অন্যের ছারা যে আন্যের সংখ্যাপন হয় ততুল কর্ম্যা আর কোনো কার্যা নাছি; যেছেতুক অত্যত্তনিক্রব্যবহারছারা ক্থান্থ মহন্দ্রমন্ন দিন্দ্রি হয়; কেন্দ্রা আমরা দেনিতে পাইতেজি যে আনের কার্যা সমূর্বেও নিজুব্বাবহার এবং অন্যায় কার্যাের আবদাক জিল.

६३ ठडुविं नंशियां व

घक अवार्णत विवर्तन.

ছার হেনরির মৃত্যুর পর, তাঁহার অদ্বিতীয় যাধ-মার্থনামক পুঞ্ , যিনি ঐ সমরে কেবল নবম বর্ষবয়ন্ত, তিনি তৎসিংখাদনন্ত হইলেন. গতরাজা হেনরি তাঁ ছার দানপরে, এবং মাহা মৃত্যুর পরে সকলেই মানিবে, ইহা নিল্টয় আশা করিয়াজিলেন, সে পরের মব্যে আঠার বৎসরে রাজপুঞ্জে রাজ্য শাসনা প্রুক্ত ক্রিয়াজিলেন. ঐ সময় ওপন্তিপর্যান্ত তাঁহার দানপ্রানুযায়ি কার্য্য কারক ঘোড়ল জন অভিভাবক নির্দিশ্ব করিয়া, মুবরাজ মারৎ ওপ্যুক্ত বয়ংপুঞ্জিনা হন, তাবৎ ক্রমন্ত রাজ্যভার তাহার্থিগকে অপন করিয়া জিলেন; তাহার্থের মব্যে সমর্দেধ্যের অগ্নী, রাজ্যরম্বকাদে নিযুক্ত হইয়া, তাহার্থের মব্যে পুরান জিলেন.

পরে ঐ রাজরক্ষক, ঐ বর্মনতাতর বর্ধনিমায়ে, সর্বাণ ক্রানরের প্রোমশ লাইতেন. ঐ ক্রানর অভিশিষ্ট এবং সাহিবেচক লোক জিলেন, এবং কঠোরা চরনের বৈরি ইইয়া, পুজার্দিগকে শনৈঃ শ্বনতাপলয়ী ক্রাতে পল ক্রিলেন.

পরে ই সময় ইম্পেকপাতির দের পাঠার্যে আরু বিশানুকান ব্যবহা শুরী হাপন করবার্যে, ইম্পিইসকর দের এবং ইম্পিইসিপকের দর এক দভা একর কলিতে রাজ সভাকর্তৃক আজা দতা হইল; ই পুকু অতিশিশুকাপে এবং ন্যায় হুতাবানুষায়ী কৃত হইয়াজিল. ই সময়েও এমত রাজব্যাবহা নিকলিত হইযাজিল, যে ভজ্জাে পুরোহিতেরা বিবাহ করিতে পারিল; এবং পাপমীকারকর ন্যাবহার লুই হইন না, কির মেয়ন পুরারদের ইয়া তদনুক্রপ তাহারা করিতে পারিত,

এবং ঐ পুজারা তাহারদের বিদ্যোপদেশকেরদিরের নিচুরব্যবহারহইতে মুক্ত হওনে অসকও হইল না. পরে খ্রীপ্তশারীর অত্র এই যে মত, এবং মাহা পাপার মতের মধ্যে লুপ্ত হওনে অবশিশ্ব জিল, তাহা পুজারা সর্কশেষে তারা করিল; যেহে তুক বিশ্বপদ্যারা এবং সাবারন লোকেরা, এই ওভয়, পূর্বে ঐ পুকার অনুভ্রমত পরিতারিকরনে অনিমুক্ত জিল. সে মাহা হওক, অবশেষে ঐ মত কেবল নয়, কিন্তু ক্যায়বিমেরে সকল পুরানহ মত এবং ব্যবহার, মাহাহ বদ্দপুক্তবানুদারে জিল না, সেই সকল লোপ হইল, এবং বদ্মমতাত্তর যেমন অদ্যাহাত ইংগ্লভদেশে চিনিত আতে, পুরায় ভজপে সে সময় হির্ভিত হইল. পরে ঐ সকল মতের বিষয়ে বামলেতে পূজারা এবং বদ্ম ফ্রাভির গ্রায় সময়ত ইল, কিন্তু তাহার দের মধ্যে রাগিনির এবং বন্যবামক দুই ব্যক্তির বিকল্পফহণ্ডন গুরুত্র বিষয় পুষুক্ত, জাহারা কেবল ভয়হেতু জিল; অতএব তাহারদিরেকে রাহ্মপ্রেয় অর্পা করিয়া এমত শাসন করিল, যে যাম্যানি আজে। লগ্ধন করে তবে রাজদেন্তে দণ্ডা হইবে.

পরে ঐ সকল বিষয়ের নিমিতে ঐ সমপেৎশাযক রাজ্যরক্ষক অভিশায় মর্যাদা এবং সন্মান পাইলেন, বিশ্ব একপ ওয়াকৃত ছওয়াতে অনেকের ছেয়ের আবার হই লেন, এবং যেমন তিনি ৬ঃপদম হইথাজিলেন তদনুক্রণ তাঁহার শানুবাহলা পরে ने मगग्र शांकमजात मरी। यार পান্ন ভিবর্গের। जिल. হইতে লাগিল, ভাহারদের মধ্যে দিদ্ধিনামক বারিকের পুদেশাবিকারী, সকলছইতে চতর এবং আকাঞ্জী এব॰ কদ্যাতাবহারক লোক জিল. 🗳 ব্যক্তি রাজ্যের মধ্যে রাজার নিকটে লর্জাপেলা ওয়পদ গ্রহণকরতে মনক করিল, কিছ যেমনি কার্য্যস্থারা বা হওক ভাষা গুছনকরনে চিত্তিত জিল সা. পরে তাহার এই বাস্কিত বিঘয় দিলার্থে তাহার যে গুহা কৌটিলা, তাহা পুকালকরে অনিমুক হইল, এবং ভাষার অভ্যত অসমিত যে আকাব্লা, ভাষাও বাহ্যসূসমভবিষ্ণদারা ঐ বাজি, দাওগৃহাযুতনের পুদেশাবিকারির এব॰ যাহার। রাজ্যরসক্রপদে বিভব্যক্তির অধীনভাহইতে আপুনাঃদিনকে মুক্তক্রনে প্র ক্রিয়াছিল, এমত লোকের্দিনের সহিত মিলিত হইয়া, রাজসভার মধ্যে এক প্রাক্রমশালী অতর্পক হইল. পরে ইহা নিশ্চয়, যে 🕈 মহাকুলোদ্র রাজ রুদ্দক, ঐ সময়ে রাজ্যের মধ্যে তাবৎপদ্মপাতিরদের ঘ্রাল্পদ চিলেন; বিশেষত ভাহার ঐশ্বর্যা এবং প্রাক্রমবাছল্যজন্য, তাবৎপাত্রমিত্রবর্গেরদের দ্বেষাল্লদ চিলেন, এবং ঐ বর্মান্তর্মত দৃদ্বালমীপুযুক্ত, তিনি তাবৎক্ষীয়বর্মাপম্পাতির দের ঘ্ৰাল্পদ জিলেন, এবং ওঁছোর ভুলিলার পুতি ওাঁছার যে নিষ্কুরবাবছার, ভন্নন্য অনেকের অশুদ্দের ছইলেন. ইহা জাড়াও, যে বৃহদ্ধালিকা তিনি, বীর্ম শক্ষপতিরদের এক রাজ্যের তর্মকার্যারা প্রস্থান করিয়াতি লেন, তন্ত্রন্যে দক লের খ্লাল্লন হইলেন. ঐ অট্রালিকা, মাহা তিনি ঐ নমনে জ্ঞাননামক থানে পুস্থান করিতে জিলেন, তাহা তনৈ খামারারা এক জবিক জানানোপাত্রন্তারা নির্মিতাহওনপুমুক্ত, তিনি দকলের ঘেষারীয় এক দোষী হইলেন. ঐ ডট্রালিকা গুস্থানজন্যে, মেরিনামক বীর্মালানা, এক জন্য তিন বীর্মান্যক্ষেরদের গ্রুপ্তৃতি, ভাম করা নিয়াজন.

কিছুকাল পরে ঐরাজরক্ষকপদে বিত সমর্সেত্রের জানুনী রাজ্যে পুনিও রাই লেন : এবং যে আপরাবের নিমিত্তে অপরাধিত হইলেন তালার জ্বন এই, যে ভিনি ভারদুগজ্যের কর্তৃত্ব এবং ভারদুগজ্যাশাদন ওপরাক্রম অভ্যন্ত করি নিজেলেন : কিছ পুরীনকারন অভ্যন্ত বনবাছল্য. ইলাস্তিরিক জন্য অনেক লুদুই অপরাবিতে অপরাবিত হইলাজিলেন, মালাতে ওঁলোর দোম বর্ত্তিত হইলা কিছ ভালার বাজ্যেছি য দোম ভতুল্য হইল লা. পার ঐ সকল অপরাবিজন্যে, অব্যক্ষের লভামবেয় ঐ অনুনীর বিজ্যাল এক আপরাদপত্র ওপান্থিত হইলা কিছ ঐ সমল্যং গুরে ই সাভ্যেশ্যের সাক্ষাংকারে জাটু লাভিয়া, জীয়াপরাবি অবিলয়েকরুনরারা, ঐ সভায় মণ্ডহইতে মুক্ত হইলেন. এবং ঐ অপরাবিভিন্ন জীকুত হওয়াতে, ওাছার ভারৎসন্মন্ এবং তালার অনেক ভুমাবিকার রাজ্যুণিত হইলা কিছ কিছুকাল পরে ওাছার সমন্ত অবিকার রাজকর্ত্ব পুন্দার্ভ হইলা, এবং ঐ সমর্দেই সাক্ষাণাবিক্যার পুর্ন্ধার মুজিল্যুগ্রাভিন্ন, এবং রাজনভার মধ্যেও পুনর্ন্ধার হছিলন. শিক্ষ ওাছার ভার্তিয় আত্রত্ত হইত যদি মুক্তির পরে, ওাছার অত্যন্তিলান পুনর্গতি না পাইত.

শোষাহা হওক, পরে ঐ যাজির ছেম কথানছ রাজার বিক্তন্ধে, এবং উহার পরাসানবিক্তন্তে নির্মান্ত হাইও, তাহাতে তাহার তাবৎব্যা, তৎগনে উহার পরাসানবিক্তন্তে নির্মান করিব করে লাগি হাইও ঐ লাগনেৎ লাগুলীপাদ নিযুক্ত জিলেন, তাহার লাজাৎকারে নীও হাইও ঐ লাগনেৎ লাগুলা ই মহালোকের জনুরাওলোককর্তৃক বেন্ধিও জিলেন, এবং ঐ জনুরাওলোকেরই মেছ প্রাণশা দ্বির করিব তাহাই ওৎক্ষনে পুরুণা করিব ভাগতে ঐ লাগনেই অভিনামু জাও হাইলেন, মে তিনি আন্ধাবৈরির ঘেষের জার্থার হাইমাজিলেন; মেছে মুক্ত ঐ জ্যুয়া এবং তাহার জনেকছ জনুম্বানির, নর্থমন্তিরের জাজার প্রত হাইমান, ওমন্ মন্ত্রীহওমা দোমেতে দোমানির হাইমান, নর্থমনির সাহিত করেবাল্ছে বল হাইলেন. এই সকল হাইলে পর, ঐ জালুনী রাজ্যের ওড্রাণশো এক কলহ জন্মান দোষেতে, এবং ইসনারানগালওনের দিনে, ঐ সৈনোর্গের ওপর চল্বান্ত করেবান্যেতে, এবং ইসনারানগালওনের দিনে, ঐ সৈনোর্গের ওপর চল্বান্ত করেবান্যেতে, এবং ক্রিমান্তর্গতেনাম্যাক্রির করেবা পরামান্তর্গদোমেতে, এবং লাভন্ শহর্মবী কলহ জন্মান

এনা কাব্লু জন্যদে (ছেতে অপবাদিত ছইলেন. এই সকল অপবাদ বিছয়ে, তিনি ৰ্ষাকৃত হইলেন না, কিন্তু ব সকল দোঘাপেকা অধিকদোঘযুক্ত এক বিষয় ৰাকৃত जोश এই, जीवुज शां(जिंदकर्जुक कुछ इहेर्दा, अमर्ड अक निम्नक्रता, रम িনি নর্মর্লাণ্ডকে এবং দর্যামঞ্চনকে এবং পেয়েলাক্কে নগুকরতে পরামর্ল ডির করিলাজিলেন. কিন্তিং ারে ঐ সমর্দেৎ অভিশীঘু বিচার্য্য হওলার্থে, বিশ্বে (खरत्त अभाशानी, विनि में नमाम में विषया भुवान कर्मकिवनाम चिक, डाइन्द्र বিকট এবং অন্য সাতাইশ কুলীনসভোৱা, মাহারদের মধ্যে নর্যস্থলাণ্ড এবং পেল্লেক্ এবং নর্ঘামপ্তন্ ছিল, এবং ঘাহারা একেবারে তাঁহার অপবাদক এবং বিচারকর্তা হইয়াজিল, তাহারদের নিকটে আনীত হইয়া, তৎকর্তৃক দোঘী कुंड इहेगा, जो अविक्तिनायक चारन बरोधि आनोड इहेलान. ने खारन ने वाकि ৰ্তদ্ভিকারিলোকেরদের দাফাৎকারে, এবং যাহারদের অত্যতম্বেহ তাহার পুতি চিল, তাহারদের সাক্ষাৎকারে অতিনিক্তিনিটিতে দৃষ্ট চিলেন. भ महल (लोकमग्रहत्राहत निकार में मगरमं घणावनिकविप्रशांकार पुषांव कदिएड लोशिलन, य जिनि नोशिभयां उ गईमा होजाह ४४ मठा य रेगाँ তংহিতকাৰী হইয়াজিলেন. পরে ঐ ব্যক্তি ঘাহা কৃষ্ণিজিলেন, তাহাতে লোকেরা যে তাঁহার বাকো পুডায় করিল, ইছা দৃচ্করলার্থে এই কথা কহিয়া ভাহারা লাক্ষ্য দিল, যে যাহা তিনি কহিতেকেন তাহা অ**তিনত্য** পরে **দর্গত** কলহ ওপ্তিত হওগা, ওপক্রম হইল ; কিন্তু ঐ সমর্সেৎ লোকের্দিরাকে ভূঞী था किएड, अवल उन्नानज्य ना करत, अव भू धनाय डीहांत महिड भूधिना करत, ইহা কহিলে পর, আঅমন্ত হয়েদ্দকান্তে শির রাখিলা, তিনি জল্লাদের আঘাত शुख श्हेरलन.

পর এই সকল হইতে জিল ইতােমব্যে, রাজ্যের পুথ্যপদ্যুহ্বার্থে স্থান্থলান্ত জনেক কালাবনি বান্ধা কনিয়াজিলেন, এবং ঐ স্যাহে রাজ্যা পীড়াগুন্ত হওলেতে ঐ অভিনাম নিজিন্ত জনেক সুত্রপায় ওপন্থিত হইল: যেহেতুক ঐ বাজ্যি মুব্রাজের নিকটে ইহা জাত করাইলেন, যে ওঁহার যেরি এবং ইলিসাবেম্ স্যায়া দুই ভানিনী, মাহারা হেনরি রাজার দানপত্রবারা ম্থাথাতেরাবিকারির অবসানে ওবরাবিকারিনীপদাভিনিজ। হই ব, তাহারা ওপপত্বীসভাবপুমুজ ওবরাবিকানি তাল আপারিকা জিল ইহা পার্লিমেত রাজসভাসংকর্ত্বক পুরা লিত হইন; এবং অভের রালি যে ওাহার পিনী, তিনিও বিদেশিনীপুমুজ, এবং রাজদানপত্রে ওবিবারিতহওনপুমুজ, ওত্রাবিকারিনী হওনে অংশিনী হইতে পারি কোনা। প্রে ঐ তিন রাজকুমারা ব্যবদ্যালার ওত্রাবিকারিনী হওনে নিম্ব

রিঙা হইলে, সুত্রাক ঐ ওড়য়াবিকারিছ এনবিষয় দর্শেতের ওপালুনীর ওপরে পড়িল. ঐ ওপালুনীর ওড়বাবিকারিনী জেল্লোনারী এক কন্যা জিল, ঐ কন্যা শরীরসৌদর্যাপুযুক্ত এবক ভারার মনঃপুশান্ত্য এবক নিশুনভাগুযুক্ত, নার্ব এজার্যা সন্ধাদনার্থে সার্বভোভাবে ক্ষমতাপরা জিলেন. পরে এলার্দ রাজা যিনি ঐ চতুর মহির পরামর্শে জনেককালাববি জববীন করিয়াজিলেন, তিনি ঐ ওড়বাবি কারিবিষয়নিক্কান্তি কর্নার্থে রাজসভায় আনম্যনে সম্মত ছইলেন. ঐ সভার মারী নর্থন্থলিও এমত মান্য জিল, যে ঐ বিষয়ে সভাসতের দিগকে জভিশান্ত সম্মত করাইল.

प्रभव ने मगरप्र वांजांव भीड़ा वृद्धि इहेरड जिल, हेरडांगरी। ने भूतांनगर्धी यिनि जांचाविष्ठग्रदर्श्वन अव॰ जांचीग्रनऋत्नांत्कत्रितित्र वांष्ट्रलाकत्व मरहर्ष जिल्लम, जिनि 🗳 मकलविष्ठश्मिकार्ध भुधाय अहे अपगात कहिल्लम; 🕈 मणाव्हर অগ্রনীর পদবী, যাহা কিছু কালগতে শূল্য হইয়াছিল, তাহা দর্শেতের ওপাগ্রনী, যিনি জেন্গ্রেলায়ী কন্যার পিতা জিলেন, তদর্যে আক্রমনকরনদারা. ঐ ওপাগ্রু **নীকে আত্মশক্ষ করিতে** ওদ্যোগী হইলেদ. পরে ঐ মন্ত্রী ঐ ওপাগুনীর কার্য্য मार्वे দের পর, প্রায়ুত থাই জন্মর্দ দিদ্ধিনামক যে তাঁহার চতুর্থ দতান, এবং জেন্ গ্রেদামে যে কল্যা, যাহার হিডার্থে পূর্বে অনেক যত্ন করিয়া চিলেন, ডাহার **স্থিত ঐ সন্তানের বিবাহের সম্বন্ধ করিলেন**় পরে ঐ মন্ত্রী, আঅহিত তদবিক বর্ষনার্যে, প্রায়ত হেন্তি দের সহিত আত্মকন্যার বিবাচ দিলেন, একণ একই **শময়ে অভিনমারোহপূর্বক তিন বিবাহ দিলেন.** পরে এই সকল চইতেজিল ইতোমব্যে, এছার্দ রাজার পীড়া অধিক বাড়িতে লাগিল, এবং মহ্মাকাল মুযুক্ত ষ্টাহার মৃত্যুর অনেক চিহ্ন দর্শাইতে লাগিল ; কিন্তু দে যাহা হওক, প্রুজারদের এই ভরদা জিল, যে তিনি যৌবনাবস্থাপুমুক্ত এবং পরিমিতাছারপুমুক্ত শীগু দাই রোগহইতে মুক্ত হইবেন, এবং ঐ রাজার পুতি অভ্যন্তন্মেহপুমুক্ত, রাজার যে কোনে। বিপদ্ হইবে, ইহা পুজারা মনে করিতে ইছা করিত না. **দত্য যে কেছং ইহাও ভাবিয়াজিল, যে** যেসময়াংধি দদ্ধিরা তাজার নিকটবতী হওলার্যে আদীত হইয়াজিল, দেই ফালাব্বি তাঁহার দীরার বৃদ্ধিতে তম্করীর ঐ নর্মের্লাণ্ডের অগুনীও, যে অনেক সন্দেহের কারন হ্ৰাস হইতে লাগিল. **জিলেন ইহা হইতে পারে, এব° কাজনিকটহইতে আত্মী**য়লোকব্যতিরিজ অন্য **লফলকে বহিষ্করে,** তিনি পুজারদের নিকটে অত্যন্ত অশুলামিত হইলেন. সে মাছা হওক ঐ নর্মনাত্তির অগুলী, পুজারদের ঐ সকল কচ্কচিতে ঘৎনি ঞিৎ ও ছিল্লবদা না হইয়া, বর্ণ রাজার (সবায় অত্যতোদ্যোগী হইলেন, এব॰ রা

ন্ধার হিতার্থে যে ডিনি অভ্যতোদ্বিথ জিলেন, ইয়া জ্ঞাপনার্থে সচেথ্য মইলেও, জাবালুক্রবব্বকে যে ওড়রাবিকাবিনী করান, এডদ্পা এ অভ্যতাপু্যবিষয় নিলার্থ ভাতাভাবিক যনোযোগী জিলেন

পরে ঐ যুদা রাতা পাড়ার চিকিৎলার্যে, এক পুনক্ষিকা মূর্যান্ত্রীর হত্তে অপিত ছইমান্তিলেন. ঐ জ্ঞান নিকটে অনেক পুকার ঔষর থাইলেপর, পাড়ার অনেক কুলক্ষর ওয়র হৈছে, এবং ওঁছোর বিজ্ঞে কার্যান্ত্র নিশাস্থ্য নিশাস্থান হাল ওয়রোত্র কার্যান্ত্র হালি হইল, এবং ওঁছোর বীতু ওয়রোত্র ফার্যান্ত্র নালিল, এবং ওঁছোর পাদ্ধরে শোম হইতে লালিল, এবং ওঁছোর শরার পাওরবর্ব হইতে লালিল, এবং ইহারাভিরেকেও ওঁছোর অভিশায়ু মরবের অনেক চিক্ত দর্শাইতে লালিল, পরে ঘোড়ার ঘারম্বান্ত্র মর্বো সাল্পর্থক করিয়া মর্ব প্রান্তর অত্যত্তমনোদ্ধুথের কার্যান হইয়া, গ্রিন্বিচ্নামক স্থানে প্রান্ত্রার করিলেন; কেননা ওঁছার ঘৌষনাবন্ধায় অনেক বিশিক্ষান্তর মাকাতে, পুতারা অশান ক্রিয়ানিল, যে বহুমন্ত্রলাক্ষায় অনেক বিশিক্ষান্তর মাকাতে, পুতারা আশান ক্রিয়ানিল, যে বহুমন্ত্রপূর্ধক অনেককালস্থায়ি এক রাজর হইবে,

২৫ পঞ্চিশাব্যায়.

(यहिनांगक दोनीव विवद्धन.

এদার্থ রাজার গৃত্যুর পরে, রাজনিংছাসনাজ্যনার্থে দুই জন ওপ্থিত হইল, ভাছাতে এক জন কছে যে যথার্থকপে ঐ লিংছাসনাবিকারী আমি, আর এক জন কছে যে শাশুনিজ ঐ লিংছাসনাবিকারী আমি; এতজ্ঞপে আর্রাগনের কাত রেনের গর্ভজাত রাজা হেনরির কন্যা যে যেরি, তিনি আক্ষন্যায়্য বিষয়েতে নির্ভর করিলেন; এবং জেন্প্রে গতরাজার দানগত্মে লিখিতপুমানে নির্ভর করিলেন; এবং জেন্প্রে গতরাজার দানগত্মে লিখিতপুমানে নির্ভর করিলেন. থারি বিম্নিসপাতির্গের অনুনী যে তাঁহার শাশুর ভং সাহায্যে নির্ভর করিলেন. থারি বিম্নিসপাতির্গের পুডিপালনেতে বর্জিতাপুমুক, এবং আক্মযতহেলন্য পেন্ধা বর্ণ মবনে মনোনীতক্রনে নিফিডাইওনপুমুক, তিনি পাপার মতাবলম্বন বিষয়েতে অত্যৱশুজাপুর্ক নিম্না জিলেন. ঐ যের ক্মোচারিনী হওয়াতে বাধিতা হওয়াপুযুক্ত, ৰাভাবিক গাখীর্যান্থিতা ও দৌন্দ্ভাবাপরা জিলেন, এবং বাধিতা হওয়াপুযুক্ত, ৰাভাবিক গাখীর্যান্থিতা ও দৌন্দ্ভাবাপরা জিলেন, এবং

তাঁহার নিতৃষ্ট্রমানে ডিনি আখনত পুডিপান্ননে অত্যন্তদাহমিকা ইইয়া, ৰূপি ভার যেছে নুডনমত ভাগোতে লদ্ভি নামতা হইলেন লা. 🏻 ঐ মেরি অমতভাপাদে লুটা জনতার নামি ইইলেন; মেনেতুক ভিনি যে মুদ্ভিতনয়নে কেবল আআ মতকে পুলা করিটেন, ডাগা কেবল নয়, বিত্ত পাপার প্রায় বীমপেক্ষপাথীরা, মহিরে তমতণ্ডিপলৈক ছিল, তাহারদের প্রতিত শুদাবিতা ছিলেন, অন্যপক্ষে, জেন্ত্রে বর্ডান্তর মতাবলফিরদের পুতি অতান্দ্রালিতা চিলেন, এক ঐ দাময়ে যোড়শ বংলর বছলের অধিক লা হইলেও, ওাঁহার বুলি এবং দারিবে চনা এমত বৃত্তি পাইন, যে ঐ ব ভেড অতালুলোক এতাদৃশ বুলাদি শৃপ্ত হয়. এই বিষয়ে দলল রাজাবলীপ্রক্তর্থারদের ঐক্য জাজে, যে ঐ জেন্গ্রের বৃত্তি, শিত্যাভ্যাদকর্নদ্বরি। এমত ব্লি পাইল, যে তিনি তংকালে সকলের আশ্রম্য कान अनिका जिल्लान. भारत ये को तीन ये जिलाहाराम् व विविधाम धिर स्माधना হইডেডিলে, ডৎজাবাদ ম্থান তিনি পাইলেন, তথা অভ্যতদুঃথেতে চমৎকৃতা **হ**ই लान, अवर अनदत्वन एन मुक्ति वी, पश्चित इहेगा, मन्द्रश्च हारत अमगर्था हहीलान, অনেক কটো, পর, তিনি নম্মনীপ্রের অ্রা.র এবং তাঁহ^নর পিচার কাকু গুলিতে প্রমত হট্লেন. পরে উপোফে রগনী বলিগে পুকার্শ বরণাজা সর্হত দেওয়া গোল, বিল্ক ঐ তাগত। অলুমানে। চ্ছান্ত এমৎ ম্মান ওঁছোর রাজনিং লালনে छ जि.सरक्त विया शुलाब अधिन, जयान शुलाबा चाल्लामा (कारन) विस् मणी ইল দা, বৃষ্ণ কেছাং দ্বেৰ ও তিরুদ্ধ র করিছে াগিল.

ঐ অবকাপে, মেটি বিনি গাড়ার মৃত্যুলগবাদ পাইলে পর নর্থামণ্ডনের অভঃ গাড়ি কেলিগছাল্নামক ভাবে বালার্থে নিয়াকিলেন, ভিনি নাকল পুরীবিধ্নারে, এবং রাজ্যাক তাবেরগান্তলোধপদেরদেট নিকটে পত্র পাঠাইটা মানে করাইলেন, যে িনি শাক্ষ্মিন ম্যাথিকপে ওবরাবিকারিনী, অভ্যব কোনো পুকারে সৌন না করিয়া ভাঁহাকে রানী বলিয়া পুটার করেন.

কিজুকাল পরে, ঐ রাগার আকাপ্পা এমন বৃদ্ধি পাইতে লাগিল, যে তাহা নিবারণ করা প্রায় অনাব্য হইল; যেহেতুক তিনি অলুদিনের পরে চলিশ হাজার দৈনা নথারোহ করিয়া তাহায়নের দেনাপতি হইলেন। কিছ যে অলুদৈনা দর্যঘলীপ্রের সম্ভিশাপারে জিল, তাহার। দাহদরহিত হইল, এবং ন্যম্বলাও আপনিও আগ্রনৈনের্দ্রিকে ঐ রাগার দহিত যুক্ত দেওয়াইতে ভাত হইলেন.

পরে ঐ জেন্ত্র, দর্শবনাশ হইয়াজে, ইহা দেখিয়া, আঅপুভুত্ব যাহা দশ দিবসপ্যাতও কারি জিল না, তাহা সেরাপুর্বক ত্যার করিয়া, আঅযাতাকে দারি করিয়া অর্হে বাদ করিছে রোলেন. এবং ন্যম্বলিত্তের অনুনীও, আত্ম

াব্রুয় অভিদুর্দশীপর দেখিয়া, এবং ভাবদ্রাভাগে বিক্রমণ্য হইয়া চলবে অলাগ্র দেখিলা, রাজ্য পরিজ্ঞারকরনে ওদোরে করিলেন. কিন্তু পরে কভকগুলি টনন্যকর্জু বারিত ছওয়াতে, ঐ সৈন্যেরা ডাহাকে ক্ছিল, যে আমারদের ন্যায়্যা ৰ্যাক্ষর বিৰুদ্ধে যে মুল্লবিধয়ে আমরা নীত হইয়াজিলাম, ভঞ্জিয়কদোমহইতে निर्फाधीकरवार्थ (उधारक धाकिए उद्देश. পার ঐ অগ্রা, এতজ্ঞাে সর্হ পুকারে চত্য়ার্থে বল হইয়া, আপনাকে,যেরির নিকরে অর্পির করিল, এবৎ অল্ল দিলের পর গছার নয় হাইল. ভদলত্তর জেল্বের এবং প্রায়ত ঘাইল্মের্দ দোষীকৃত रुरेल जाहांद्रमत वेबाजा पड़ा रहेन, किन्द्र में नगर मार्च राम जाहांद्रापत वेब रहेर्ट, ইহা ভাষিতা নহে.

ক্তিংপরে ঐ মেটি লওন্ শাহরে পুরিষ্টা ছাইলেন, এবং অতাল্প রক্তন্ত্রপূর্বক, এক অভাতাক্লাদ এক ঐকাপুর্করা ছলিক্লাদ্বোপ্রিস্থা আধানাকে দেখিলেন. প্রথমত এ বিষয় অভ্যাক্লাদজনক তিনা, হিন্দু ঐ চাক্লাদবিষয় অপ্নবৎ অভিশীল লুও দইন; যেছেকুক মেরি অভিক্রুংৰভাব। এবং ব্যাতদ্চাবল্যিনী জিলেন. পরে িনি বিশ্লপিক্ষণাভির্দিরকৈ ভর্মায়পুরপর্যাক্রম প্নর্দেওতে নিশ্চয় করিলেন, এবং এলালপ, কাজ্য যেই দক্ষা নিল্লুব্যবহারহাইতে মঞ্চ হট্যাজিল সেইং নিল্লু বাবহারে রাজ্যকে পুনর্যন্ন করাইলেন. পরে গার্নির এবং তন্তাল এবং एर ५व॰ हिए ५व॰ (विभि. योष्टीवा अठवोज्ञचमग्राय क्यीयदेशीयजावलची इउनीर्ध বন্ধী সইয়াজিল, কিয়া যালাণ অপছত্যখাদর্থ সুইয়াজিল, তাহারা কন্দী শ্রানাম্ভতে মুক্ত হাইয়া, অফারিকারে পুরঃছাপিত হাইল, এবং তামার দিলের দ্ বর্ণালা নিবারিতা হরল

কিঞ্জিৎকাল পরে, ঐ বাধী পার্লিমেতনামক বাজনভোগদিগতে আহ্বান করাই स्तिन; ये मां डाहा द्रांशीय मकल वान्धिउविषय **मग्राउद्देश किर भूम**र्भादिलन, মেত্রকুল পূর্বপাততে, বিশাবিষয়ক যে হারন্থা বিরীভূতা হইয়াত্রিল, তাহা এক কালেই এওন করিলেন, ভাগতে রাজ্যের যে বর্মমত, ভাগ অখ্য হেনরির শেষদশায় ঘেষত জিলে, শেইমতই প্ৰশ্নায় হইল.

পার যে সময় রাখ্যের ইম্মিড, পুরীয়মুচারস্থাপুার্ড হইডেজিল, ঐ সময় वार्तिक मिलिवर्राता, वार्रोष्ट्रमणावलश्चित्रमात महिष्ठ मिलिक्वनवाता, ये वानीत দারাক্রম হল্পনেম্ক জিল, এবং **ওক্সন্যে ভাছারা অনেককালাববি ঐ রা**নার বিবাহ দেখদের চেখোর চিলা. পরে তাহারা দিলিপুদাযক স্কেন্ দেশের মুবরাজ, যিনি ম্যাভ্যাপর পথ্য চার্লদের শুল জিলেন, ভাঁহাকে বিবাহার্থে ছির করিল. পরে এ বিবাহবিষয়ে প্রতাপেদের যাব্যে কোনো বিরোধ বিভাষানওৎপর না হয়, এই নিয়িতে ঐ সভ্যেরা ঐ বিবাহের সন্দিশন মারৎসারী ইৎপ্রও রাজ্যের হিত, এবৎ

সমুমজানক করিল, তাহাতে রাজ্যের মধ্যে যেছ কলহ হওনের ওপক্রম হইয়া তিল, তাহার কওকই রহিত হইল.

সে যাহা হওক, কিঞ্জিৎকালানতর পুজার্দিগের অসলোর এমত বৃদ্ধি পাইতে
লাগিল, যে অল্পুকালের মধ্যে, এক বৃহৎকলহ ওপত্তিত হইল, তাহাতে সর্তামস্
ধাইৎনামক যাজি পুঝানজিল. এবং ঐ বাইৎ বদ্যী হইয়া দোষান্তিত হইয়া
আবিষ্য কতক গুলিন অনুগতলোকের সহিত হত হইল.

কিছ চেই বিষয় পুজারদের সর্বাপেক্ষা খেদজনক ছিল, তাহার মধ্যে ঐ কলহজন্য দণ্ডগুৰ কিন্তু ঐ কলহোৎপৰদোঘে নিমন নয়, এমন যে জেন্গ্ৰে এবং প্ৰায়ুত প্ৰইল্ডদ দ্দ্রিনামক ব্যক্তি, তাহার্দিগের বর্ব বিষয় 👚 ঐ জেন্ত্রে এবং তাঁহার স্বামী, 🗳 ভাইতের বন্দীছওনের দুই দিবল পরে, যে মরনের নিয়িতে পুস্তত হয়, এই আজা দুড়া ছইল, পরে ঐ জেন্ত্রে, যিনি অনেক কালাববি ঐ আধাত দর্শিনী হইয়া রছিয়া জিলেন, ডিনি ঐ লয়াদ পাওনে বড়একটা ৪২কণ্ডিডা স্ট্লেন না, বর্ণ অভি माइम ও বার্ত্ব পুকাশ পূর্বক্ গুরুর করিলেন; এব॰ যথান তিনি তানিলেন, যে ভাঁহার পুল্কতহওনে ভিদ দিবদ দত হইয়াকে, তাহাতে গৌন হওনপুযুক্ত, অদ শব্দা হইলেশ, পরে ওঁাহার ববকরন দিন ওপস্থিত হইলে, ভাঁহার স্বামী ভয়িকটে ভাঁহার দর্শনাজা পুার্ডির ইন্না করিলেন, কিন্তু ভাহাতে ঐ জেন্গ্রে মানা করি লেন, কেননা তিনি বিশ্বয় জানিলেন, যে ওাঁহার সহিত সাফাৎ করনে তাঁহার সাহস কোনো পুকারে কুলাইতে পারিবে দা। পরে তাঁহারদিলের বব্যভ্মি, পুথমত, গড়ের বাহিরে নিকণিত হইয়াজিল, কিছ পশ্চাৎ ভাঁহারদের যৌবনপুমুক্ত, এव॰ कांग्रिकामी नर्धा भूगुक, अव॰ निर्दिश विजान गुक, ल्लां कर पार गरी। कलह জন্মানের ছেতু ছए, তল্পিতে জাহার্দিরাকে রাহ্নিকটর রিন্থানে বর করণাতা। মঞা ছইল. পরে প্রায়ত দৃদ্ধি পুথমত হত ছইলেন, এবং যে নময় ঐ জেন্ গ্লেববা स्मिर्फ नीडा स्ट्रेरिक लिन, तम ममाय बांध्य नायी वैर्मानाम करव प्रधानव নিমিতে, তাঁহার শামির রক্তমারি এবং মন্তব্রহিত পাবকে গড়ের সৈন্যের। मইয়া আদিতেচিল, ভাহাতে তাহার দহিত দাকাৎ হইল. পরে ঐ জেন্তু ঐ শবের পুতি নিক্ছিমাপুরি দৃষ্টি করিয়া, এক নিশান তারি করিয়া অনুসর হইতে नात ने जिन्तु, वर्षकाकानिक प्रशासना इहेगा, अहे मुखाव कहिलान, या जिनि या तांजिम शामनगुर्व कवियाजित्यन, जाशांउ जिनि प्राधा श्विका नर्हन, दिन ভারার দেয়ি এই জিল, যে তদুহনবিষয়ে তিনি দ্চকপে অস মতো ছইয়াজিলেন দা. এবং তিনি পিতৃযাজাজাবহা ছওনেতে যত দোষ করিয়া किलान, उठ पांष्ठ धांचांजिलांध निष्कवत्नविष्ठाः कदत्रन नारे. এম॰ ডিনি হাঁভোর হিংলাকারিনী হইয়া, যেই দোষ হাভ্যের বিকলে করিয়াজিলেন, ওদোঘ

' বিষয়ে মুক্ত হওলাম', তিনি স্বেড্রাপুর্বক মর্নেজুকা হইনেদ, এক চিনি লা ক্ষিলেন, যে ডিনি দও সংস্কর ছোরা আনাইবেন, যে নির্দোধত রা আনকর্মীতে পুরার্দিনিকে নির্পারাধি ক্রিডে পারেন লা, ঐ অন্র্রেড্রাপ না পুছার ক্রিলে প্র, আমদানীরারা স্বা ব্যারোজান ক্রাম্ল, অ১১৬ ্র তর চিত্তে জন্মায়তাধীনা হাশ্লন,

গো যালা বিশ্ব কৰে নিজু বৰহারে স্থানকারী, থালা বেশ মাধা গালির দামক নিজেও বিশ্ব কিছে এক প্রেল্ডানক পালা ক্রার নিজ এ সালে বিশ্ব কিছে বিশ্ব কিছে এই প্রেল্ডানক পালা ক্রার নিজ এ সালে বিশ্ব কিছে বিশ্ব কিছ

পরে ছণ্ডদানক প্লভাবর বিমাধিয়ের, এবং রাজর্সনামক পাওলের বিয়াশালার প্রিডেইর্ছিনিটার, বিমাটি রাজনা আবানে লাজ্যাদ গ্রাভিয়া সভাট সভাটার, এর বৃহত্তাপুলা ওবান্ধিত হ ওবের ওপক্রম স্টলা নাবে ঐ ব্যক্তিয়া রাবালি চিন্তুর্গোক কর্মুক চিচার্ঘ্য স্ট্রা, তাগার্দে, মর্ব্যে রাবির পুটাবন্দ্র বিল্যান

পরে লাক্ষা এবং তেলরনামক অন্য দুট বিন্দালগাতী, ঘাছার স্থান গ্রেবত সংখালনে আননান নির্দেশ আগত লাক্ষা করিবাদিন, তাগারা নার। লে এ সন্ময়ে বন, নামক কওলুশহরে বিশ্লবিষ্ণ, আোবাত পণ্ডির হয়া, এবং লাভাগাতে পুদুল্লহওড়াপুনুল, আননার অবানিত লাবি পুকার করিবা ঐ দুলা বিত্র সাজে দের ঘন্তনাজনক হওয়াতে, অভাভ আনু নিভাগা জিল, এবং সালী ও প্রমারা ঐ নিকুরকার্য্যে, দয়ারভিত হইয়া অবিক ওলোগার ই'ভ ভাগাকে আলা নিলেন-কৈলু কাল পরে, ঐ বানীয়ে আজাবহ হণ্যাতে বিলু নামক লওনের বিশ্লবাক, এবং লাভিম্ননালক এক পুটান বাজি, মিনি বর্লেভরের বিশ্লবিক্ষ বিলেন, ভাহার এককালে দওাজ্ঞাপুরে হইলেন. ঐ দুই ফাজির মর্থা বিলু নামক হাজি বিশ্লবিদ্যাপুর ভাইতেন, ভাঁগার বিশ্লবাল ভাগুনুত্ব এবং বিদ্যাবিদ্যাপুর আজ্বজুরাক্ষরের হাত্যত পুল্ভনা কিলেন, বিচার স্বন্ধ লাভ্যত পুল্ভনা কিলেন, বিচার স্বন্ধ লাভাব্রুত এবং গাছবিদ্যাপুরুক আজ্বজুরাক্ষরের হাত্যত পুল্ভনা কিলেন,

এবং শত্রদের পুতি ভয়ানক চিজেন. 🕒 গৈছি ছনন্দিবদের পূর্বাত্তে, নরারাব্যয়কে এবং তাহার ল্রাকে দেখানের নিমিতে তাকিয়া পাঠাইলেন, পরে মথান তিনি তাগার্দিনকে দংখেতে ভরিমিতে নেদন করিতে দেখিলেন, তথান তিনে আত্ত্তিকলাজুপাক্র্ক লাহ্যাপাধ হওয়াতে, অভিনিক্তিম ন্যায় দৃষ্ট পরে ম্যান স্থালাইবার কারে ওঁ হাকে স্থালনগ্রেটার নিকটে আ নিল, তথাৰ লে ভাবে অগ্রেণভিত লাভিমর্নামক ওঁছোর যে পুটাৰ স্থা डोहोत्क (मंब्रिट भार्तिन. ্র কালীন ভাষ-পুরীনহ্ বর্মাধ্যফেরদের নরো ঐ ল্যাভিমর অনহজ্ঞার ও বীর্মাশীলভাচু মুজ, এবা অনহন্ধা, পুরুক আহরন্তু মুজ, म्यास्था काछाभव जिल्ला. এ মহাত্রাজি হাত্রসভাগ কাহারো কল্লা ম্বালেষ্ট্র বিভিত্তন না, এবং ঐ কালে আক্রাদ্রাঘ্রারণ অনুযোগাণাত চইয়াজিল যে সকল পুঠাননোক, তাহাপুদের পৃতি ওাঁহার অন্যোৱ অভিন্যাপত ছিল. এইং ঐবিশ্বিনের বিশ্বেশিদেশ যালা অন্পর্যাত ব্যহান আজে, ভদ্ধো জালা যায়, যে উাগার আভিশয়বিদ্যা এবং বহুতভূবতা ভিলে, এবং ঘাশা আন্য কোনহ গুত্তকজারদের গুলহু পাওয়া মার নার, এমত সভাজানার লগনে তাঁহেরি স্তল রচনার মধ্যে অভ্যান্তর পুরিত আছে। সাহে মধান রিছি । ই । । বুল্টান ৰফাকে দাবুৰা কর্নে ওপজ্য কৰিলোন, অখন লাভিন্ত ভাল প ২০১১, তাগাকে ও প্রিলাড্রণা করত ক্রিলেন, যে হে ভার ভিংচিত রও, আমরা ১৮০ ইণ্লুও র্ণজ্যে এমত এক দ্বীপ ওয়ুগ্লাগ্রি, যে আমার এই আশা জাগে, ইশার পুনাদাৎ তাহা দ্যালো নিবাৰ চই বানা, সার যে ন্যালে ঐ অনি পুত্ত চউত্তে জিলা, লোই সময়ে অমতদৃঢ়বিল্যা এক সাফি ম বাহমান হইপে, ভাঁচপ্ৰদেও চুতি, এবং দ্ধিকারির দের পুরি, ছোমলা করিতে লারিন; ঐ ছোমলা । রাদ্ধি অভি নিরেচির হইয়া, শেষপ্রার জ্বলাল ক্রিলেল, এ লাভি ঐ ঘোষনা ন্যার, করি লেপর বিনি কছিলেন, যে যেঘোষনা করিয়া জ নে নকল বিষয়ে ১৬বৃদ্ধনেওনে পুস্তত আজি মদাণি ইণারা আমাকে কিজুকাল সমা কণে; কিন্তু ঐ অনুগুত্ ওঁছোকে দত্ত ছইল লা. ি জুকাল পরে চিডাতে অগ্রি দিলেক, ডাহাতে লা(ডিমুর লাইব্যাধারইতে শাল্পুমুক্ত হাইলেন, কিন্তু বিন্ত্ৰি অনেবকালপর্যাত দক্ষে হাইতে দালিলেন ; যেহেতুক জমি ওদালুবেশের পূর্বে ভাঁচার পাছরয় ভদ্ম করিল.

কৈবিপ্রকাল পরে জামরের বর চওয়াতে, ভারনুক্তা শক্ষাকুল হটতে লানিল, ঐ ফামরের পূর্বে তীবিতাশা কিছে অবিক জিল, যেছতুক অদাবিধান পুষ্ড কোনো এক সময়েতে, ঐ ক্রামর ঐ বন্ধারিয়মতের দোলনায়ক এক পত্রে অনির ে বিয়াজিনেন; ভাষাতে আমহা শ্রনিতে পাই যে ভাঁচার শাসরা হাঁহ্যকে ঐ বিষয়ে অনুে দুংগগুৱ করিয়া, পদ্ধাৎ ভাঁহাকে মারনে মনত ক.ি. তা ेপরে মধ্র ভাগাকে আলিভিনের থোঁটার নিকটে লইয়াগেল, এবং মধান অনি উচিত্র চতুর্নিগেপুত্বলিত হইতে লারিল, তথান মাবংপর্যাত ভদ্ম না ছইন, चार मध्यांत्रकार यो यात मिक्कार्य विस्तृत कृतिया कृतिन, या धरे अरमाता इस, अरे या गांगामस, तिक वे समस समाग गांगांत (कारता हिस पूर्माईलिन ना : এবং যথাৰ অগ্নি উচ্চা, শ্রীর আজ্মা কট্রিল, তথাৰও বুকুটা রোল, যে ওঁচিট্র বেন্নানুভত সইন ন।; যেতেতুত উচ্চার মন ভাবিছানপুষ্ঠের শায় নিম্মাত্র ছিল. পরে ওঁশের পরের ভয় হেইলে ভিনি গে একতি চঙাপুরুক ঐ মহলা সংক্রিচুচা কারলেন, ওটিছারকার উচিধার বিল অভেন্স চপে পাওলা রোল.

পরে। এ কা নিবালবাবুমারে, এ তাত্র। সময়ের মধ্যে, মার্রির কংদত্রন षादी, अवेश देनमध्यावी, अवेश यथीमहिकाद्वावीयी मुख्यि हरे गिहिन, **उप्रित** ম পিন্ন সঞ্জনগৃতি মন্বৰ অনিবারে। মণ্ডিস হট্রাল্লিব । পরে মাশোরা অনিবারা মন এ ছাইনালিল ভাগার্দের মার্কা, নীচে জন সংশ্বিক্তি একুইণ আন থকা প্রনার্বা, বেং লালাল পুরার লোক অর্ড এন্ড টোরালী বালিকাকারে, এবং একণাত ক্ষিক, এবং পাঠার আ, একং চাকি বাবেচ জিল। ঐ সকল বিষয় ত 600 বিক চিলা বটে, কিও তদ্বির রাজ্যের যে ঐতিক বিষয়, ভালা পুর্ব ८भद्य। १ हिल नायत्र इष्ट्रेज गा.

যেতে ভুঞ কালিপৰামক নাৰে, মালা দুষ্ট্ৰত বৎসৰাবিক ইণ্ট্ৰেপ্তায়েৰদেৱে হয় গাত জিলা, তাগিং শালুশার্ক বেদিতি গাইলা, একং শাল্রা অক্সাথে অভিক্রম করবেতে, এক চাদু লৈ রে বিকরনেতে, ঐ শংরভেরদের পরভিত্যাকরিপত্র জিনিয়া িতে সহীন, তাসতি আওলিবদের মবৌ যে শহর তৃতীয় এছারের লম্যাববি উপ্রিটা মূর্পের হাড্রাড চিনে, এবম যাতা এলার্মান বেস্টানকর বছারা হন্তরাত হমা জিল, ভাগ লইনের অলুনীয়ালা প্রস্থার পুরি হইল । ঐ হানি ভারেনু জ্যের অসংখ্যারজাক কটুল, এবং গাছাতে রানীর তারদাশ। বিদ্যার ছাইল, এবং রালাত এই কলা কৰিতে শ্বা নিয়াজিব, যে আয়ি বরিলে পর কালিশ্বাবক ঘার আমার কারে বৃদ্ধীরিভত্ত চপচিছ্ পাওয়া ঘাইবে,

পরে, ঐ সর র দুর্গোর সংঘটিনাগুরুত, এফ পুরোরদের অসভোর অভারপুরুত্ত, এক ডা দুশিন্তা অ এইমাবেলদ্বীন ৰতাৰ বছৰপুণুক্ত, এবং ছেৰকারী ৰামীপুসুক, এবং অন্যান্দুলুণুণুঞ্, ঐ মেরি রানীর মবলাড়া বন্ধিসা হইরা, ওভাগেটা ভাঁচার পর্বার জীব হার্টিড লাগিলে । একে ওঁহার পরীরপাড়া ওচ্চোতর ব্লি পাওগাতে, ভিচিও ১ডগোতর মতিজ্যা চইতে লাগিলেন, এবং ১ডগোতর মনতে তারিক পুমতা হইতে লাবিলেন. এই দকল বিষয়হেতুক, গরে ওতারি কারী কে ছাইবে, পুডারা ডাগার চেন্ড। করিতে লাগিল, মাহাতে ইল্লিনা বেম নাটা মুন্ডা রাজকন্যা, পুরানেধা এখন পুজারদের নিকট মর্মাদোবারবিষয় হুব্যে লাটি লন

ঐ থেরি ওওটোতর জনি। গইতে লানিলেন, এবং আলাদ্রী পীরুকে নার্ভ জান করিয়া, অনুপদ্ধ ওয়বভাগে ওঁলোর গাঁড়া ওওটোতর ব্ভিডা গুইতে লানিল। এবং তিনি মহ বিষয়ে ভাবন করিছেন, ত্নন দেহ বিষয় তাঁহার দুল্য এনক হৈত, যেহেভু গুলুলারা যে তাঁলাকে দুলা করিছেন, তেনি যে ওত্রা লাবেম নামী লাজকন্য মাহাকে তিনি অভিদ্যা করিছেন, তিনি যে ওত্রা বিশারিনী হইবেন, এই বিষয়পুভ্তি ভাবাভাবনা করিয়া, তাঁগার পুলাবন জ্বা হও গতে তেলালিশ বহন গ্রেক্টা, তাঁগার মুবারন এবার্দিন রাজীয় করিয়া প্রকোকনাত হইলেন.

६५ वड़िरामीराम्य

इक्तिमारबध् क्रांबीक विवक्त.

ইন্নিদাবেণ্ রাজী, যিনি নী সময়ে অহাধিতাকপে ১৩টা হিকারিজী হইয়া রাজিকাহাসন্ধা হইজেন, এতস্কা আহম মুকালবের্ছের মধ্যে যে ১প্রিত আহ্লাদ, তত্যুল্য জার কোনো বিষয় ছিলালা.

পরে পুজান্দের লিশ্তমা ঐরাী, আদ্যাবি বির্নিজনাতিকার ব্যবহার পরিষ্কৃত ক্রিতির সমস্থার বিশোলি বির্নিজনাতিকার ব্যবহার পরিষ্কৃত ক্রিতির সমস্থার বিশ্বাধিকার বির্নিজনাতিকার করিছে ক

নের এক দলয়ের মধীে, আথারদের যে ওমমিড, এখন মেমন আছি তজাপে এ সমগ্রেন্ডারিড চইন.

याहा १८७, a मामा व दािम्ल शंवता गर्दाना गरि; (याहक् स्याद ত্তিও আধাৰালক বিনি ক ভা দক নরি বিবাসে আবাত।, ভিনি পুখনত ইলিশা বেয়ের শক্ষার এবং জ মূর ৬৫৭খির ফারের ছাইবেন: তাহার বিবরন এই, লপ্তম দেবরি মাণ্ডিবাল ভাঁচার জ্যেকা ক্রাট বিবাহ, ছাংলণ্ড দেশের জেমল্ নামে রাজার স্টিড বিশ্বিলেন, এ খেরি ভিরি পশ্চাৎ জ্ঞান্তানী নামে খ্যাতে জিলেন, ভদ্যভিরিজ, এ রাজা জন্য কোনহ ওণ্যুক্ত সতান রাখিয়া যান পরে এই মুব্রী রাজকল্যা, মিনি সায় সীনর্যোতে এক বিন্যাদিতে সমনা জিলেন, তিনি অতিয়ৌবনা স্থায় গ্রীদিন দেশের মূব বজাপুএকর্ত্ত বি । বি হাত ইলেন । কিজ কাল পরে, ঐ রাজান্ত্রের নুষ্য হ ওয়াতে তিনি 3নিশ বংখার ক সম্পানিবর সমলেন, এ লীনিলের মৃত্য হাইলে পার এ বিবিধা কারি গ্লিচাল্য বছল কাঝিতে ইয়ুক, চইলেন, নিজ তায়তে গ্রুকাজার বিব यालोती विकि जै नगरम मुँरानाम कोकान गरममून। रहेमाधि नन, बीरोह खब এক গৈ লেভি র আবার গওয়ারে, ভিলিক্তং নও নবত অ. রেশ পুরসানমন করি ন্ত্ৰেৰ একং লেই আং - ইংক্ৰেৰে নত, ও-পাৰ্কাৰ বিষাদ অক্তিৰা যে বু**তি, তাহাতে** नियम भुज मिजा भारति लन. भारत या त्यांन योग कृत ना तहन हो जा यहानि এক প্ৰার মহাবিদ্যা । ব মাণ পূজা । অন্যা প্রকার মতা দলয়ী হয়, তারে ভারে অনে হ আনীলে : কেন্তু হয় ; যেগেভুক এক পজে নুলাজনক এক অন্যাপকে সন্দেহ कानक एए. ये जिति बाहरती भुष्णात्यातक श्रव, देवांशकशाजी याहाका वे मयरव অন্যাস এ জো প্রল স্ট্রাফিল, ভাছারদের বিজ্লাচার অত্যত্তিরভার করেও এবং নের্বাংক দে ীতে লাগিলেন; এবং অন্যাপক্ষে ঐ বৈর্যাক্ষ্পাতীরা, ঐ যেতির কৌত শাহৰৰ সাগে (তিনি মার কি য়ি) আধিয়াজিলেন, তাহ। অভাত্রা এবং মাংসালাপ'ক ছেণিতে লালিলেন. এড জাল ওৎপদ হইলাজিল যে প্রস্তুর সদেহ, তাহ। ওড়রোতর বাড়িতে লারিন; যেহেত্ক ঐ বন্ধনিক্রণাতীর। পুকাশ কণে বিছভাচাটা হওলায়ে কালাট কোলো এক দোম যে পুকাল হয়, ইছার চেটাচ নিল তাহাও ঐ চাধীর অনাৰবীলতাপুমুক্ত অভিশীঘু প্রুগে হইল. भारत वे त्यावि मुहिनम् प्रामीक्षेत्र भूका तियत्वत्र भवः, प्रान्तिनीयक भूष्मभावि কারিকে বিবাহ করিলেন, এবং ঐব্যক্তির কায়িক বাই্যলৌদ্যোগতে জ্রাত হইটা, ডাছা, আন্তরিক প্রণাধি আছে ছিলা, ইছা বিবেচনাও করিলেন না. এ দার্শলি অপুশতমনা এবং মূর্যান্ত্রা জিল, এবং রাগাবিত অগত চকল, এবং অভিযানী অথচ ওদার, এবং ওদাসফেরদের বশীভূত জিল; এইছেভুক ঐ রানীর লুঙি যে পুশালা তাহার প্রতে অপুলা হইল, এবং দার্ল রাণীর শৈথিলা দেখিয়া, যেই ব্যক্তিরা ঐ রাণীর পুলার শৈথিলার কারণ হইয়াজিল, তাহার দের পুডি আগ্রেষ পুজুলিও করিতে লাগিল.

ঐ সময়ে গ্রাজনভার মধ্যে বেবিদ্ গ্রিক্তিও নামে এক বাদ্যকার জিল, ঐ ব্যক্তি জন্মিন ন্যার্থানী এক বান্যকানের অভান 💎 ঐ আছির পুটিত মেরি রাখীর অভিশানপ্ত ए জিলা, এक मकत , वधरत के दोनी डाहरद भवामण लो (इन, এবং ঐ ব্যক্তির চলাললাতাতিরেকে কোল: লোক গ্রানীর নিকটে পুরিপর চটতে পারিত লা, এবং যেহ ব. জির কোনো লালিস থাকিত, তাছারাও পুথমে ঐ রিজে ওকে ওপটৌকণ্ডার। ভিষ্য ওপাসনায়ার। সমাত না ক্রিয়া, কোনো কা্ম্য দিল্ল ক্রিতে পারিত না, সারে ঐ হাদলির মত স্বিক্ষ এবং জ্ঞার বর্গান্ত ব্যাটির মনে সন্দেহ জন্মান অভিসন্তঃ বিশ্ব জিল ; যেতে হক সে ভাবিল যে ঐ বাদ্যকারের পুলারালীর মন ভ্রণাইরাতিকে, একা বেবে কিম্পু একদার লগেলত ভ্রাকিল, তাহা শেষে ঐ দার্লি সহাজার করিছে । ততেঃব ঐ দার্লি বিজ্ঞালবিলয়ে, কোনো এক অবকাশসহয়ে, কৃড্ডলি অনুষ্ঠি শ্রেষ্টের্ছের মতিত পরানগ্ ক্রিয়া, তাহা মুদ্রিকে মনে লইয়া রাবির রাঠরীতে, যে সময়ে ঐ বিল্লিও দেকাবে ছিল, ঐ সময়ে ঐ পুঠগীতে পুনিস্ত ছইল. পরে ঐ িজিওকে ভার্মাণ্টকজন্য এক হুঠ, তৈ লাই লালাই য়া, আপার আঘাতদারা ভাষাকে পুলে মার্লি. ব্যক্তিকে নির্দানকপে মান্ত্রিণা নময়ে, ঐ কানী অভ্যন্তবিদাপ করিতে লানিলেন, কিছে মুখাৰ শ্ৰনিৰেৰ যে লে ম্কুলিজে, তথাৰ মেন্ট স্থানেলজনামেটিৰ ক্রিলা কছিলেন, যে আৰু জন্ন হটিৰ লা, যেছেত্ৰ আহিই এখন ভাছৰি গুডি एन जिंव.

অতথ্য ইবানী, আগনার ঘের হও রাখানদারে, উলোর আমী যে ঐ দানির ভাহাছে এমত বলাভাগির কলি, যে আপনি আপনাকে ঐ রানীর স্থাবির কলিল.
কিল্লু কাল পরে, ঐ বার্নীল আন্ধ্রী গুল্লাত মুক্ত লওনার্থা, ঐ রাধীর ক্ষতি এদিংবর্ছা নগরে গোলেন থেতে চুক্ত ক্ষতি জিল, যে দে ভালের বামু একং জন, অজুন্তম; লে আনে মাই এ, ঐ গেরি হোলিবুলু নালে আগনিকায় বান কালের, করে, একার প্রান্ত ভিতিমানুষ্ট একং নালালপুমুক্ত, ঐ দান্তির পাছার বৃদ্ধি হয় ইত। ভালিয়া, ঐ রাধি ঐ দান্তির নিমিতে কিন্দিলুরে কর্ক ফিল্লুনামক আনে এক আরুর মধ্যে তদেশ আনে একি মান্তির কিনিক ক্ষেত্র কর্ক ফিল্লুনামক আনে এক আরুর মধ্যে তদেশ আনে ক্ষতি মোল এক আনি মানে এক আহার নিমিত ক্ষতি ক্ষতি মানে ক্ষতি ক্ষতি মানে ক্ষতি স্থান ক্ষতি বিশ্ব ক্ষতি স্থান ক্ষতি ক্ষতি মানের নায়তারিথা, ঐ থেরি দান্তিক ক্ষতিলেন, যে অন্যন্তারি আনি

অধ্বালিকায় প্রাম করিব, যেহেতুক আমার মাফাৎকারে আমার এক দাসের বিবাহ হইবেক. পরে তাহাতে অত্যন্ত ভয়ানকবিষয় ওণানিত হইল, যেহেতুর পুড়াত বুই অধ্যার সাপে, এক মহাশার হওয়াতে, তাবৎশাহর ওয়েতে পশিপূর্ব হট্ল, এবং যে গৃহে ঐ দার্গবি শায়ন করিপাজিল, তাহা অনিসংস্কৃত্যাকদম্বারা ভড়িয়া বোন. এবং দান্ লির মৃত্যপারি কিলু দুরে এক গোভনবিয়া পাওয়াবোল, কিছু মে মৃত্যপারীরে কোনো মভাদির চিহ্ন ভিন্ন লা. এই বিদ্নায়, যে ঐ দার্গলি কোনো লোকক গুড় হত হইটাজিল, ইহাতে কোনো সাবহ জিলা না, এবং কিঞ্চিৎপরে ঐ সালহ প্রিক্রিন্দ্র তকজনের হগর গাড়ল, এবং ঐ কার্য্য যে বৌধ্যেল্ করিগালে, তাহাই নকলে ভির করিল, যেহেতুক পরে ঐ ব্যক্তি মেরির পুড়ায়িত লোক হণ্ড।

পরে সে মালা লওক, এক দোম মনা মন্য দোমের নিদান হয়, যেহেতুক ঐ বেথিবেল্, ঐ রাজির পতির লন্দিমান নাইকত্ক অপবাদগুড় হইলেও, এবং সার্হ প্রাকান্তক দ্বাহা লইলেও, ঐ সকল বিষয় অপমান আন না করিয়া, কোন এক সময়ে মথান যেরি তাঁলার পুত্রের দশনার্থে অর্থানত অথানত্বনমভিব্যাহারে ভালিনামক নারে যাইতেজিলেন, ঐ সময়ে প্রিমারে ঐ মেরিকে অভ্যাত পুত্যুম পূর্বক আজমন করিয়া, দন্দার নগরে লইয়া গেল, এবং মেই ছালে ভালার শান্তি লাঘদার্বিকা হওনে তাঁলাকে সম্মতা করাইলেন. তথান পুজারদের মধ্যে এই বাবি জ্যাল, যে ঐ ব্যক্তির অপরাধির পরিমান এইকর সমুর্ব ছইয়াজে, এবং সকলে অনুত্র করিয়াজিল যে ঐ ব্যক্তির রামির স্থামিকে বব করিয়াজিল, এবং সকলে অনুত্র করিয়াজিল যে ঐ ব্যক্তির রামির স্থামিকে বব করিয়াজিল, এবং রাজিকে ও লর্ন করিয়াজিল তার্মানে ব্যক্তি কথানো যে দ্যাপার হয়, তাহার সম্মারনা ছিল না; কিন্তু মথান পুজারা দেখিল যে স্ক্রান্তিত হইল, এবং অসামানিত সা হইয়া পুরাপ্রেমা অবিক স্কেহপার হইল, তথান ভাহারা অভ্যাত তম্বক্ত হইল. পরে ঐ আক্র্যাবিষয় সমূর্বণার্থে ঐ ব্যেণ্ডেল্ আপনার স্কাকে তার্থা করিয়া ঐ রাখিকে বিবাহ করিল.

পরে ঐ নিছম, মেরির পূতি সর্বাপের ছেতু ছইল; যেছেতুক তাবং পুজারা ঐ রানীর অপরাধবাখন্য নেথিয়া, সন্ধুলপুলাছিত ছইয়া ওঁছার শাদানে অসমতে ছইল. পরে এক পরামর্শ করিয়া ঐ মেরিকে বলা করিয়া, আন মানীভিত লচ্বোবেশ্ নামে গড়ে রাখিল, সেই আনে নির্মাণ্ডক্ষকের নির্মাণ বাব ছারাখির ছইয়া আঝাপরাবজন্য যে মনঃশীড়া, তাহা ভোর করিতে লাগিলন

মহার) জিরদের দণ্ডকশ যে দুঃথা, সে পুকৃত হইলেও পর্যবী দ্য়াজন্মায়, এবং দার্বদা বন্ধুবাঝাবের ওৎপাদক হয়. ঐ মারি আঅভনদারা এবং দাবাধী কারলারা, যে স্থানে নিনি বন্দী হইয়া রহিয়াজিলেন, সেই স্থানহইতে প্রনায়ন করনে সাহ্য্য করনার্যে, জর্জ দগ্লস্থানক কে যুবালাজির সভিত যোল করি " ঐ ব্যক্তি ইংহাকে জন্মৰ প বিবাইলা, স্বন্ধ কণ্টার ছটাল বৌকা ছায়া ঐ কার্য্য নিৰ করিব. পরে ঐ রাণীর মুক্তিগুলন্মানে কারে ভাও ২ই ল পর, 🗗 রাঝীর পুতি পুজারদের যে স্বেহ তাছং পুনর্ভি গোলে নার্টিন 💎 একে অল্প দিবদের মধ্যে ঐ গানী ঘট্দহ দু দৈন্যাবিকারিলা চার্থন

किष्कि क्रांत शह श्लीम्ता व नत्तरहरू मगील वारम हेर पाक सर्वत क्र म॰পুলি ছওয়াতে, ঐ হানী প্রাভ্তা হইলেন. সারে ঐ ার চার না । প দেখিয়ো আচওতার বেজালহইতে দক্ষিঃদিলে পলালে কবিয়া, কলক্ষ্টিৰ আন লোক লম্বে করিয়া ইংপ্লডাগ্রেষ সীমাস্মাণে ওপ্ডিড: ইউনেল, সেই ছানে ওণ্ডিত হইলে ভগুলিন, যে ইন্নিস্থেম নারীরানিক্তে অপুরু स्र हेट्टन, " পরে (सर्वे च्यान प्राक्टिक, जै ११वी एक एक उर्वाह्न मा पिया बचा হাথিতে আজ্ঞা দিলেন, কিছু অভিন্য গোণ্ঠক হয় নানেন,

পরে, ঐ মেরি ভামের রাজ্যমের হিত ১ছটিলাম জ লড়ে প্রেডি ছাইয়গ্রহস্ ৰাক্তি পুদেশাবিকারি ' ডিফাম এচিড ছব্লন পার ঐ বংগী, যে কোন এক **লময়ে পুনুর্বার দৌভার্**য়েটেই সংগ্রা জম্বেন এম**ত** সামা, উভিত্র দ্বা চট্র, এবং **্যদ্যদি উংহার** ভাষাব্যিতা ত**িষয়ের নিবা**্রিক, না হয়, ওবে কেঃনো সময়ে উংহার শুযোগ ইইবার সমুব্রন্য থাকিও

ঐ সময়ে দর্মক্তের অগুনীব ভিবিক্ত, ডাবং ইংগ্লণ্ডীত রাজ্যে ঐ মহাকুলাৎপর **কুলীনেরদের মংব্যি, অন্য কো**নো ব্যক্তি, ঐ ৪৪পদন; ভোটা করে নাই. ঐ ব্যক্তির ভাবে এর আঝোষ্ট্রপদনীযোগ্য জিল; দেশে ভুক্তিনি অভিশয় প্রেণিকারী এবং মর্যাদক এবং দাতা হইয়া, তাবলোকের দর শুলা ওলাইয়াজিলেন, এবং অভিনাম বেচক ুমুক্ত কথানো ভাঁহার কর্তার সংস্কৃত্তনক হল লাই. এমন সময়ে ঐ ব্যক্তি, ভার্য্যাঃিতপুষুক্ত, এবং ওপগুক্ত ব কেপুথক, ঋৎজাভিরদের বিধিবা ক্লানীকে বিকা করনে ওপযুক্ত পাত্র ছইয়া, এ কানীর দৌজনগদিপুযুক্ত, আজিছা পূরণার্মে ভাঁছা কৈ বিবাহ করিতে ইদ্ধুক হইলেন. তাছা মাছ। ছওক, ইলিদাবেষ্ কানী, ঐ পুকার সম্অধিভহওদবিষয়ে অত্যৱহাতা ছওগাতে, ঐ অগুণীকে ৰন্দী কৃতিয়া গ্ৰেণ্ডে পুেৱন ক্রিলেন. পরে ঐ ব্যক্তি ঐ স্থানহ ইতে যুক্ত ছইলে পর, ঐ রানীঃ বিক্তার এবং নূতন ব্যবস্থিতগত িকলে, গৃহন্নিনগমক ্বাঞ্চি ক্ষীয় বাজসভার অনুগুডলোক, এবং রসের ইন্মার্ট্যক মিনি ঐ সময়ে ই প্রতদেশে মের্রি পুরীন মন্ত্রী জিলেন, এমন যে ঐ বাণীর পাতু দকল, তৎ কর্তক পুরুষ ওদোগ্য আরম্ভ হইল. পরে তাহারা এই পরামর্শ করিল, যে ने बहुनी ने स्वहति विषयः भूतकरणाती रहेगा, वीदाक व्राव्यमिश्लामनन्त्र

ক্রাবেন. বুঝা যায় যে ঐ অগুনী ঐ বিষয়ে, আজিলায় সমূর্নার্থা, এবং আরু হিতার্থে চালিত হইয়া, পুথ্রত তাহারদের পরার্থেল পুরিষ্ঠ হওনে ওপজ্জরার করিল, কিছ অবশেষে ঐ বিষয়ে অত্যকাজিলায়ী ছওয়াতে দোমা হইল. কিছু কালানতর ঐ অগুনীর ভ্তা সকল, তাঁহার দোম পুকাপ কর্নার্থে সক্ষত হইল, তাহার পর রনের বিমাবিকে, সকলি পুকাপ হইয়াতে ইহা আদিয়া, ঐ ভ্তোরদের সাক্ষ্যে পুরান দেওনে কিছু অপেকা করিল না. পরে ঐ অগুনী ভৎক্ষাৎ গড়েতে বল্ধ হইলেন, এবং বিচারে তাঁহাকে পুন্তত হওলের আজা দত্ত হইল. ঐ বিষয়ে কুলীন সভার পঁচিল জন সভা সক্ষতে হইয়া, তাঁহার বারনাত্রা দির করিল, এবং চারিমান পরে রানী, ঐ অগুনীর মরনাজায় অনিয়াপুর্কে আক্ষর করিলেন. পরে ঐ ব্যক্তি অভিপুশক্তিতে মন্তিলেন, এবং তিনি যে রানীর শালনবিকতে কোনো বিশাস্থাতককার্য্য করিয়াতিলেন, এ বিষয়হইতে আপ নাকে মুক্ত করিলেও, যে আজাদার। সে দণ্ডা হইয়াকিল, তাহার যাথার্য্য করি কবিল.

भारत में मारुल कुलेतायर्ल, में व्यानित विनार्लित शंधनतिहातक रहेल, अव में মেরির পুরানহ দুর্দা, ভাঁহার শত্রদের ছেমহইতে ওৎপর হওনাপেকা, ভাঁহার यख्वाचारवदापत विकास बावरहरे ४० भन्न हहेन. यारहुक मे हेनिमारिया লামে রাণীর মন্ত্রী লকল, অনেককালাববি ঐ বভারাণীর যে ছেমবল দোম তাহা রাজদুবিদোষেতে বর্ষনকরণে চেম্বা করিতেজিল, এবং তাহারা লে অব কেননা ঐ সময় জানু ৰাল্লাৰী কাশের অপেদায় অনেককাল ছিল না. নামক ক্রমীয় বিশ্বপদ্রপাতীয় এক পুরোহিত, যে অমুনামক ইংগ্লাঞ্জীয় পার্চ भीलांग शुक्कांजांम कविग्रांक्रिल, ने वाकि ने देनिमारवध् बांबी, यांशांक स्म আত্মতের শতু জান করিয়াছিল, ওাঁছাকে বইকরণে মদৰির করিয়াছিল. পরে ঐ ব্যক্তি ঐ দাকৰ পৰ করিয়া, এবং এক সাধান্য সৈন্যের বেশ এবং কটানু মতেজ লাম বারুল করিয়া, পার ইইয়া ইংগ্লাড রাজ্যে আইল, এবং একেবারে मे बांबीत यादी, अव बांखामादी। कलह जन्मांशल, अव बांखाइ मादी कहांड कहात, अरागांत कहिएक लांतिल. भारत ने कांग्रानिकार्थ, ने वाकि योशह विकरि अ मकल विषय मुधाय मुकान कहिल, जाहांद्र मांय आंडनि वांदि उन्; (महे वार्कि प्रति नद्रशनांत्र (म्य्विक्नांत्रक नशरत वांन कहिड, अव अव अवहांत जांड, अव-ने वावि उन् क्यीय वैयानक्षित्राहरमूत अववर्षन पुठ्डार्थमाली किल. বিষয়ে, এব॰ বন্ধা রাণীর পুতি স্পুত্র হওদবিষয়ে, আনেককালাবহি ঝ্যাত্যাপর किल; कावनव ने बाहि॰ उन् ने भद्रावार्ण किलीयु नवाउ बहेंहा, कानाइ कावन

লিস অনুষ্টিরদিগকেও ঐ দাক।বিষয়ে অপক্ষ করিল । পরে যেরির পক্ষে যে ঐ পরামর্শ ভক্ত, তাহা তাহার৷ কি পুকারে তাঁহাকে জাত করাইবে, ইহার চে**টা** করিতে লানিল. পরে ঐ বিষয় তাহার একণে দিদ্ধ করিল; ঐ স্থানে একজন মদাকার বাদ করিত, এবং রাণীর পরিবারকে মদ্য ঘোরাইত, ঐ ব্যক্তিঘারা তাহার। তাহারদিগের পত্রাদি ভিত্তিরন্ত্র দিয়া তল্লিকটে পঁথজাইত; এবন তাহারা যে পরামর্শ স্থির করিয়াজিল, তাহা ঐ বাবিৎতন্ ঐ পত্রদারা জ্ঞাত করাইল, যে দেশেতে পরাদশী চড়াও হইবে, এবং দেখের মর্বো কলহ জন্মাওলের এবামর্শ, এবং ওাঁহাকে মুক্তকর্নের ওপায়, এবং রাজ্যাপহারকের বাবির পরামর্ল্য, এই দকল বিষয় হয় জন মহাব্যক্তি, মাহারা ভগভাবে তাহার অিবিশ্বন্ত লোক ছিল, তৎকর্ত্ত বিরীভূত ছইয়াছিল; এবং ঐ ব্যক্তিরা, কমীয় বীর্মানতের পুতি যে স্নেহ, এবং মহারানীর পুতি যে অভ্যতশুলা, ভলিমিতে ঐ দাফলবিষয় পদ্ধকক্ৰে পুক্তত জিল. ঐ দাবল বিষয়ে, মেরি ওড়র দিলেন, যে আমি ভোমারদের পরামর্শে বড় সক্ষা আজি, এবং মেং মহাব্যক্তি ঐ কার্য্য পর্স্ত হইয়াজে, তাহারা আমার সাধ্যানুক্স ওপকারাপেন্সা করিতে পারে. जिनि कहिलान य जनाकाधीमञ्चापनशृहि, जाजमूकान्तृत्वात निमिएउहेवा, इंडक, किसा बांश्विजकलर मिलिव निमाउरेंग इंडक, रेश्निमाविधाव वर्वकर्न, আবিশাক বিষয়.

পরে এতজ্ঞা নিজ্ঞার্থে ঐ কুণুরামর্শ পরিপদ্ধ হইয়াজিল, এবং ঐ কুণুরামর্শে মাহারা অনুম্রপী হইয়াজিল, তাহারদের বিক্রছে অঞ্জিতপুলার পরিয়া রোল. তাহা এই, বাল্সিংহাম্নামক এক ব্যক্তি, গুণ্ডকপে সর্ব্রিম্ম জাত হওয়ারে, ঐ লকল বিম্ম পুকাশকরুর্দ্ধারা তাহারদের শীদ্ধ দণ্ড দেওবে মন্থির করিল. কিন্তিং পরে ঐ বাবিংতন্কে এবং তাহার তামদুম্মিলোকের দিনকে বির্মা, আপনার দিনকে রোপনে রাঞ্জে ঐ কুণুরামর্শন্ধ লোকেরা নানা বেশ বির্মা, আপনার দিনকে রোপনে রাঞ্জে চেম্মা করিলেও, অল্প দিনের মধ্যে পুকাশ পাওয়ারে, তাহারা বৃত হইয়া বল্ধ হইয়া বিচারার্থে আনীত হইল. পরে তাহারদের বিচার প্রস্থিত হইলে, তিরহ বাক্যপুযুক্ত তাহারদের পুরানহ বাক্তিন দিনের মন্ত্রিম্ম জ্বিকার করিতে হইলা; তাহাতে চৌদ্ধজন দোমান্তিত হইয়া বর্গপুঞ্জ ভাহারদের প্রসার করিত্ব মধ্যে শত জন আআদোম জ্বিকার করত মরিল.

ঐ অভারাবান যাজিরদের মৃত্যু, কেবল অন্য এক মহাব্যক্তির মৃত্যুর পথপরি ভারক হইল; তাহাতে ঘাহারদের পরাক্রমব্যভিত্তিক রানীকে দোধাকৃতাকরনে অন্য কোনো ঘথার্যকারন জিল না, এমত ব্যক্তিরদের যে বপ বাব্যু, তাহাতেই ঐ ব্যন্থানীর বৈথ্য করিতে হইল.

পরে চল্লিশ কুলীন সভান্ধের দের পুতি, এবং পাঁচ জন বিচারবিয়াফেরদের পুতি বাছওক, কিয়া তাহারদের কচকাংশের পুতিবাছওক, ঐ যেরিরানী, যিনি ছৎ লাও দেশের পাঠন তেয়ানামক রাজার ওড়রাকিকারিনী জিলেন, এবং ছং জাতী মের দের পানী বলিয়া ঝাাডা জিলেন, এবং যিনি দুর্নিসন্ দেশের রাডরাজার মহিনী জিলেন, তাঁহাকে বিচারদ্বারা দেশান্থিতা করিয়া দণ্ডাজা দেওনে, আজ্ঞানির্তি হইল. পারে ঐ আজাপুণ্ডলোকেরদের মধ্যে জিলিশ জন, মথিলিগরো নামক রাড়ে ওপথিত হইয়া ইলিসাবেধ নামী রানীর নিকটহইতে এক পাল তাঁহাকে দিল; ঐপতে এই আজা জিল, যে রাজবিকত্বে কৃত কুপুরামর্শজনো তিনি বিচ ম্যা হইবেন. পরে রাজিদিনামক হাওয়ালদার এই কথা কহিয়া তাঁহার পুর্বাপিবাদক হইল, যে ঐ যেরি রানী, ঐ বাবিং তদের কুপুরামর্শকি বিষয়াব রাত জিলেন, এবং তাহাতে ভদুবিদ্যু জান করিয়া সহায়তা করিয়াজিলেন. ঐ বাবিং তদের পত্তের, ঐ বিষয় অকিত হওনপুমু জ, এবং তাহারদের রাডায়াতপত্র, যাহাতে রানীর বাবিতে যেরি সম্মতা জিলেন, ইহা যে লিখিত জিল, তদ্বারা ঐ অপথাদ থির্নিত্ত হইল.

পরে ঐ মেরির অপরার যেসনিবা বড় হয় না কেন, ইহা সত্য যে ঐ মেরির পুতি যে বাবহার তাহা অভিনিপুর জিল; যেহেতুক যেরি বিচারের সময়, পূর্বে যাহা থাসড়া করিয়া রাথিয়াজিলেন, দে সমস্ত পর চাহিয়াজিলেন, কিব তাহাকে দত্ত চইল না. এবং তিনি আঅসমাতিপত্র যাত্রা করিয়াজিলেন, কিব তাহারে তাবং পুণ্টের্বিষয়ে সভ্যোর অবজা কলি. এবং তিনি, ঐ সকল বিজ্ঞবিচারকেরদের সহিত আঅকার্য্যবিষয়ে বাদানুবাদ করিতে, এক জন ওকাল যাত্রা অবিধ্যাজিলেন, কিব তাহার তাবংপুথানা রদ হইল. পরে কতক দিসম বিচার করিলে পর, বেস্তমিন্তর নারে ভারতেম্বরণায়ক বিচারজ্ঞানে, ওাহার বিজ্ঞে ব্যাজানিকী হা হইল. দেইস্থানে দুই বাজিবাতিরিজ, অন্য সকল প্রাপ্তি ক্রিন ক্রানসভাস্থেরা সাক্ষাৎকরে জিল.

পরে যেরির বর্ববিষয়ে ইলিনাবেথ রাণীর যে অসমতি, ভাষা নিশ্বয় কি না মলা যায় গা, কিছ পুট্র সর্ব্বকর্তৃক বুঝা যায় যে তিনি সমতা জিলেন, পরে সেই বিষয়ে যেমনিব হঙকে, তাছার নিশ্বয়ের বিষয়ে আমি কিছু কহিতে চাছি না, কিছ ইগা লত্য যে ঐ যেরির পুতি যে ঐ সভ্যেরা নিগ্ধুরব্যবহারক হয়, তরিমিষ্টেইলিসাবেথের পাল্মিনবর্গেরা যথেষ্টোদ্যোগ করিয়াজিল; যেহে ভুকু যদ্যপি ঐ মেরি রালী রাজদিং হাদনন্দা হইতেন, তবে তাহারা সর্ব্বিষয়ে তাঁহার ছেষের আধার হইত, ইহাতে আনেক ভয় জিল. 🕶 অতথব ঐ সময়ে তাবজাত্য প্রশান্তির্দি, এবং হাজন্তোহে, এবং কলহ ইত্যাদির চ্চাতে পরিপূর্ণ হইল,

ভাছাতে कांनी देलिमार्वय ने मकल अनिश्वं ताक्षा मईमा मंद्रीबिजा जिल्लान. এবং অভ্যন্ত ভগ্ৰস্তুলা এবং সংশায়নুস্তা ছিলেন, এবং এক স্থানেতে বছকাল একাকিনী যমত এবং আপদাআপনি ক্য। কৃছত থাকি তেন, মাহাতে ব্ৰা যায় যে ভাঁছার মন কোনো বিষয়ে অভ্যন্তব্যাকুল চিলে. পরে এমত ব্যাকুলাবস্থায়, [®]তিদি কোনো এক দিবসে, দেবিসন্দায়ক আ<mark>অপুরাননেথ</mark>ককে তাকিয়া আজা দিলেন, যে মেরি বর্বার্থপত্র গুপ্তকাপে অভিশীঘু পুস্তত করে, এবণ তাহাকে কহিলেন যে পাতে কোনো বাজি, ঐরানীর মুজিকরনে ওদ্যোগী হয়, তরি মিত্তে ঐ পত্র আঅনিকটে থাঞিবেন, পরে ইলিসাবেথ রানী, ঐ পত্রে আফর করিয়া রাজমোহরম্বারা ভাষা অন্ধিত করনার্থে, পুরানমত্রির নিকটে পাঠাই পরে পুড়াতে ঐ ্রানী, ঐ দেবিসনের নিকটে এ কথা কহিয়া একের পর আরে এককে, এমত দুই লোককে পাঠাইলেন, যে ওঁছোর সহিত সাফাৎ না কিছ পরে যোহর করা নিয়ালে, कतिया भुदीनमञ्जित निकारे याहेवाना. **प्रवि**जन এই कथा कहिया शांठी असरि . ये बांबी प्रविमत्तव कार्या कहिन्दि इशां व्या यांग, त्य ने ववेशनान्त्रात् कार्या ছওনে অসক্ষা হইলেন. करा घांग, अवन जांका चएन है (मध्ये, जिनिमाय ने पिविमन् ने भन मालावापत নিকটে ক্টিডি ওপন্থিত কৰিল. তাহাতে ঐ সভ্যেরা এই পন করিল, যে ঐ পত্রানুলারে কার্য্য শীঘুনিম্পর ছইবে, এবং রাগীরনিকটে ঐ বিষয়ে ঐ দেবিল শের দোষ আছের কণিতে অগ্নীকার করিল. পরে ঐ বর্বপত্র বিএলিনামক এক ৰাজিকে অর্পন করা গেল, এবং যেমহাকুলোদ্রবেরদের নামে ঐ পত্রের আফর **इडेग़ांबिल, जार्शन्मितारक ने याकि जांकारेल, निर्मिष्ठ अन्तर्ग** এव॰ मर्बि এবং কেত এবং কম্মলাণ্ডের পুদেশাবিকারী, ইহারা দুই জন জল্লাদকে সাম महेगा, ने निष्ठां ज्ञांनयू नी प्रियं प्रधाति शतनाय तरहरड ताल.

পরে ঐ মেরি, অববীর্থে আগাও জল্লাদেরদের পর্যক্ষন সংবাদ পাইলেন; এবং ভাছারা মেরিকে কহিয়া পাটা্ইল, যে কল্যপুভাতে আট ছঞার সময়ে মহলার্থি পুশুত হইবেন.

পরে ঐ আছত পুভাত ওপজিত হইলে, ঐ রণনী রেসমী এবং মঞ্মলোত নির্মিত বজা, যাহা তিনি ঐ কার্যাথে তুলিয়া রাথিয়াজিলেন, তাহা পরিবান করি থলন পরে তামল আন্জল্ নামে ঐ পরগানার দণ্ডনায়ক, রাণী কেটুগতে পুরিষ্ঠ হইয়া, তাঁহাকে এই সংবাদ দিলেন, যে সময় ওপজিত হইয়াকে, এবং ববিভূমি পর্মাত তোমার সাহত আমাকে যাইতে হইবে; তাহাতে ঐ রাণী ওতর দিলেন, যে আমি পুতত আজি.

শ্বাম আমি পুতত আজি.

শ্বাম আমি পুতত আজি.

শ্বাম আমিলার মধ্যবিধিনী হইয়া, অভিশয়নিক বিদিনিতিতে, মতকে এক দীর্ঘালাম্টা

দিয়া, হতে গতদতনির্মিত এক জুশ বার্ণ করিয়া, দওনায়কের পশাংহ গোলেন

পরে ঐ কুঠরীহইতে অন্য এক কৃঠরী, যেন্দানে কালসন্ত্রেতে মণ্ডিত দাঁনির কাঙ পুস্তত হইয়াজিল, সেই স্থানেকে মহাকুলোডুবেরা এবন দণ্ডনায়ক অগ্রুয়ামী হওত, এবং মেল্বিল্নামক রাজগৃহাবি ক পশ্চাদ্গামী হওত গেলেন. পরে ঐ মেরি আসদে বসিলে পর, ঐ বিএলিনামক এক জন রাগীর বর্বাজ্ঞা পাঠ করিল, তাহার পর দ্রিচরনামক নিতর রেন্ছের বিমাধিনকোপকারী, কাচবেন্টনের বাহিরে দীড়া ইয়া, দীঘশৃস্তাবদ্বারা ওাঁহাকে ওপদেশ দিতে লাগিল, তাহাতে ঐ রাণী তাহাকে জনা দিতে কছিলেন; যেছেত্ক কমীয় বীৰ্মে মহলে পৰ করিয়াজিলেন. মাছারা ঐ রাণীকে দয়া এব॰ দুঃধাপুর্বক দেখিতেজিল, এমত বছ দৃধিকারী লোকেতে, ঐ গৃহ পরিপূর্ণ জিলা এবং ঐ রাগীর সৌন্দর্য্য অবিকরয়োপুযুক্ত এবং দুংখাপুযুক্ত ন্যুক হইলেও, এডদুঃথারন্থাণ, এবং এই ব্রন্সয়ে পূর্বাপেন্ডা অবিক ওজুল হইতে পরে ঐ দুই জল্লাদ আঁটু গাড়িয়া তাঁচার নিকট অপরাধক্ষম। যাত্ঞা कतिए लाशिल, छाहाए भे बांनी कहिएलन, या आधि यामन में शरहत निकर्ष অপিরারিদ্রমা আশা করি, তেমন ভোমান্দিরকে, এবং যাহারা আমার বরের পুরানকারন হইয়াছে, তাচারদিরকেও ক্ষমা করি. তিনি যে নির্দোধিনী, এ বিষয় আরু একবার দ্চপুন্তাব করিলেন, পরে ভাঁছার চন্দ্র বজেতে আছে। করিলে, এ ানী নৈর্ভয়া এবং নিংশক্ষা হইয়া অত্তব্দপূর্বক ববকালে শয়দ করিলেদ, এবং ঐ লময়ে এক গান আবৃত্তি কব্নিয়া পুর্মিনা করিতে জিলেন, ইভোমব্যে ঐ জল্লার कड़ंक किन्नभित्र। इट्रेलन.

মনুদ্র জার্তায়েরদের বিবাদের বিষয় মথান আমরা বিবেচনা করি, তথান আমরা সার্থ দেখিতে পাই, যে ওভয় পক্ষীয়েরা দোষী; যেতেতুক ঐ যেরি, আনেক দণ্ডযোগ্য দোষেতে লিগু ছইলেও, যে রাণী, আক্মদ্শান্য জির দণ্ডকরে বে কোনো ওচিতপুমাণ পাইতে পারিলেন না, এমত রাণীকর্তৃক হতা ছইলেন.

এই সকল দংঘটন ছইডেজিল, ইভোমবো ফিলিপু দামে স্লেণ্দেশর রাজা, যিনি অনেককালাববি ইংপ্লিডাদেশর বিনাশের চেম্বান্ জিলেন, এবং যিনি অত্যত্ত পরাজ্যের বাছল্যেতে জয়া ছইব, এই আশায় জিলেন, তিনি ঐ সময়ে ভাতিল ফিতিমের বাছল্যেতে জয়া ছইব, এই আশায় জিলেন, তিনি ঐ সময়ে ভাতিল ফিতিমের দিল্যার্থ মনোযোগী হইলেন. ঐ ফিলিপু রাজা যে কমীয় বিনিমের ওপকারী হল এবং ঐ বিমানের তের বিনাশক হল, ইহাতে তাঁহার জিলানা জিল, এবং লা এই দুই বিষয়াপেনী হইয়া রচিল, এবং তাহাতে তাঁহার তাবং অভিলাম নির্ভির করিল. পরে নে এলাভ দেশনিমানার তাহার ভুজার, তাহারা ছিত্রিকল্পক হওয়াতে, ইংল্লভ্জাতীয়ের বিকলে ঐরাজার অভঃকরনে পুরাপেনা

ष्यं अविद्याल : (यार व्युक्त देश श्री अविद्याल । वे क्रांस क्रांस विद्याल । विद्याल विद्याल । विद्याल विद्याल । বিজ্ঞাপ্ত্রপত্র প্রাজার পুজারদের দাহাত্তা করিতালিলে ঐ দকল কারবের নিমিতে ঐ রাজা এক অভিপরাক্রাত লৈনোর চচ়াঙকরুলমারা ইংগ্লন্ডদেশ আর্থীন করনার্থে বৃহদায়োজন করিতে চিলেন, তাহাতে ঐ বৃহদুর্গজ্যের সর্বত্তে মুজের ডালো জনইনি আপিল, এবং ঐ বৃহদ্বিষ্যে বিদ্যাপন্ত কর্নার্থে সংগ্রেদ্যোর করা রোল. পরে ভারে জোলানামত উপাত্রনী, যিনি জলযুদ্ধে বড় ম্যাভাপন এয শ্টু জিলেন, তিনি ঐ জাহাজ দম্বের দেনাশ্তিপদে নিযুক্ত হইলেন, ঐ জাহাজ क्रमण्डत म॰ धार ১৩० এক শত ত্রিশ চিলে, এব॰ ঐ সময়ের পূর্বে, ই॰প্লওদেশে এতো বছৎছ জালাজ একত কথালো দৃষ্ট হয় লাই. পরে পার্মা দেশের অপুনী ঘিলি, िति चलायोक् रेमातात समगाविभाग तियुक रहेत्ततः ने व्यक्त रेमातात याती, বিংশতি সহসু, জাহাজ সমূচেতে প্রেণ করা গেল, এবং চড়ারিংশৎ সহস্ কার্য্যের আফশ্যকানুদারে ইণ্প্লভদেশে প্রেরিড হওনার্যে, নিমলাও রাজ্যে এক জীভত হাইল. ঐ জাতিষারা যে যুদ্ধ সমল গ্রহৈ, তালার সন্দেগ কিচাই দিলে না, এবং অভিযানপর্বক অজ্যে আর্যাদা বলিয়া, ঐ গ্রুষ'অখ্যাত ছইল. পরে ঐ সময়ে এ ভয়ানক আর্মাদা যে ইংগ্রন্তদেশে চচাওকরলার্থে আদিতে জিল, এই লংকাদ যথান ইংগ্লণ্ডদেশে নঁথজিল, তথাৰ ইংগ্লণ কাজা তাৰ ল্লোকেরদের মধ্যে যে ভয় এবং লংশয় ওপদ্থিত হইল, ততোধিক কিজই জিল না. কেননা ই॰ গ্লভদেশীয় কেলে ত্রিশ জাঁহাজ, এরং ঐ জাহাজ ল্লেনীয় জাঁহা জা পক্ষা অভিক্রু, এডয়াতিরিক ঐ আর্যাদার সহিত সমস্রপ থ যুদ্ধ করিতে ই॰ গ্লুগ্রীয়েরদের আর কোনহ ওপায় ছিল না, এবং ই॰ গ্লুগ্রীয় দৈন্য যে ক্লযুদ্ধ

ক উণ্প্লেখীয় জাহাতি সময়ত, শাসুর্দের জাহাতি হইতে ক্ষু এবং অল্পুলংখ্যক জিল, তথালি ভদাপকা অল্পুলে কায়ত জিল, এবং ভালাতে যে ইণ্প্লভীয় নাবিক লোকেরা জিল, ভালারেদে জালন এবং কর্মদক্ষতা, শাসুর্দে, অপেকা বলবক জিল, পরে এটিংহাম নিবালী প্রায়ুত লাবদ্ধি যিনি অভিনাহনিক এবং পুশন্তমনা জিলেন ভিনি প্রায়ুত আদমানেল পর্যাতি নিযুক্ত হইয়া, ক অলমুদ্দার সেনাপ্রি ইইলেন; এবং ত্রেক এবং ত কিংল এবং ত্রেকি ক্ষাতি বিদ্যুক্ত হইয়া, ক অলমুদ্দার সেনাপ্রি ভাবিং ইংলেন; এবং ত্রেক এবং ত কিংল্ এবং ত্রেকিনের নামে ব্যক্তিরা, যাহারা ভাবিং ইংলিল; ভাবিং কর্মাতি অভিন্যাত্যাপর জিল, ভাগারা ক হার্মে ক্ষাত্রিত হইয়া কার্য্য হারিকেরাত্রি অভিন্যাত্যাপর জিল, ভাগারা ক হারেদ্বাত্রিক চার্মিক ক্ষাত্রিক ক্ষাত্

শ্বারা ঐ স্লেন্ডাতীণ কৈনোকদের বাধিক স্ইতে পারিবে, ইয়া অদাবি বোক ক্ষরিল : কেদনা লেন্ জাতীয় দৈনোরা, যুভে অতিবিশারদ জিল, এবং দুঃথাদি

भशंकवृत्व महिष्ट् किल.

জিলেন, তাহা পার্থার অগুনীকে আক্রমন করনার্থে, দন্কর্কের সমুথে নংগর করিয়া রহিল, ইংগ্লভায়েরদের এই সকল আয়োজন জিন, এ সন্ময় ইও রোপের তাবং পুর্ণিতত্ত মতাবলম্বী অব্যক্ষেরা, এতদপেলী হইয়া রহিয়াজিলেন, যে এ যুক্তরাল কাহার মত স্থাপিত হয়, ইহার নিম্নতি হইবে.

পরে যে ममয় ঐ য়েনীয় অবাদাঃ যাতাকরবের আয়োজন হইতেজিল, দেই শময় দাতা জাশ ঐ আর্মাদার দেনাপতির, এক পানিআনোনামক তদধীন নেবাণ্ডিরদের মৃত্যু হওয়াতে, ঐ মুজের ভার মেদীবাসাইদোবিয়ার অগ্রীনীকে ने बाञ्चित जलमूक्विवसरम् मूर्थाजीनुमुक्त ने मुख्यत कोप्सलात नानजा তিলে, এব॰ ডট্রির অন্যথ বিষয়ও তাহার অদিলির কালে ইইল; বিশেষত ঐ আ র্মাদা, লিঘ্রন নগংহইতে মালাকরনে, প্রনিবন্দে অভিসুত্তবায়ুগুত্রওয়াণুগুলু ক্রকপ্রলিন স্মু জাহাজ মারা রেল, তাহাতে অন্য জাহাজ সকলের মিরিয়া আদিতে হইল. পরে ঐ আহাজ নতল মেরামতকর্বে কডককলিবাপন ক্রিয়া পুসর্কার যাত্রা করিল, এবং যাত্রাকালে তালারা এক বীবরকে তুলিয়া লইস. 🕏 ব্যক্তি এই দংবাদ দিল, যে ইংগ্লভায় জাহাজ দযুহ, ল্লেণ্ড আখাদার করে ভথবিষয় জাত হইলা, প্লিয়ম নগরে মিরিয়া মাইলা, তাহারদের কতত গুলির दैननारक विषाय कतिन; जे विधानिश्वाष्ट्रिय छ देव (मन्तिन), शाउ। क्षानुमारत, म्नावः रिम्मीत उद्देश देमरनार विश्वक जूनिए। त.अनीर्थ, त्मह খানে শীলু না ঘাইয়া, প্লিম্ম নার্মকুলে ভিত জাগাল দকলের বিদাশ কর নাথে যাত্র। করিল. - কিন্তু এফি হাত্রাথক ইপ্লপ্তীয় দেনাগতি, তাহার্দিগের মূলগুহৰে সর্বতোভাবে পুদ্ধত মিলেন; মেছেতুক ভিনি এ নার্ছইতে এইট ভুলিয়া লগ্নবাড়ীহইতে নির্ত হইডেডিলেন, ইভোনবো চড়ার মওলের नगांत्र ठातिकार्ण वालियां (भूतिक रुक्तेयां वृष्ट् रुक्तियां गांनि अपृष्टितां युक्त করনে আদিতে জিল. কিন্দু ভাহা যেমনিব। ছঙক, ঐ ইণ্প্লভীয় সেনাভি, এবং এ ব্ৰেক্ এক হাকি ল্ এক ট্ৰেকিমর নামক দেনাপতিরা, ঐ জার্নার ওপর ভাতিক্রম করিয়া, অভিচত্রভাণ্রিক দুরে থাকিয়া কামান চালাইতে লানিল, এব॰ (म मग्रव जोशांद। टेनक्धेयुव हेहा कहिल ना; (यत्हरूक महे आयीत) পেন্ধা ইপ্লভীয়েরদের জাহাজ এবং ভোগ্ অল্প জিল, এবং ভোগ্ সকলও মুন্ চিলে, এবং ঐ শত্রদের আহাত অভিবৃহৎপুষুক্ত আমহানিষভিরিজ, তাহার দিরের জাহাজে আরোহন করিতে পারিল না. সে মাহা হওক, কিজু দিন পরে मृहे शानीय जाराज अध्याखन रहेगा देता पहिन, अदर ने जायीना, हेर्श्वशिव চানেল্ অর্থাৎ জাহাজপ্রাদিয়া অনুসরহওত, ইংগ্লণ্ডীয় জাহাজ তাহারদের পশ্চা মুড় হিইয়া, শত্পকাৎ ভাগে অনেক হানি জনাইতে লাগিল. পরে ইণ্ গ্লন্তী দু

জাহাজ লং ম্যা ওড়রোড়ঃ অনেশন্য নগরুইতে বির্ন্থতা হইতে লাগিল, যাহাতে কিন্তিংকাল পরে, ইংগ্লডীয়েরা ন দেশীয় জাহাজ নিকটবড়া হইয়া যুদ্ধকরনে লমর্য হইলে এবং ঐ স্লেনীয় জাহাজ, যে সময় লগর করনার্যে কালিস্ নগরে পুরিষ্ঠ হইতেজিল, সেই সময় তাহারদের ওপর পড়িয়া লণ্ডভণ্ড করাইলে, পরে ঐ গোল্যাল্ বর্জনার্থে ঐ হাওবর্দনামক সেনাপতি অর্থ ফুদ্রজাহাজ লইয়া, ঐ জাহাজমন্ত্রে নানাপুকার বাকদাদি প্রব্য পরিপূর্ণ করিয়া, অগ্লিবর্জনজাহাজ করেয়া, শালু একং করিয়া, শালুজাহাজমন্ত্রে পুরুল, স্লেন্জাড়ীয়েরা তাহা দেখিয়া, অভিশীলু লণ্ডভণ্ডবলে পলায়ল করিতে লাগিলে, ঐ সময় ইংগ্লড়ীয়েরা শালুরদের ভয়াপলাবন্থায় নির্ভর করিয়া, তদুপরি অভিজয় করিয়া, শালুরদের ভয়াপলাবন্থায় নির্ভর করিয়া, তদুপরি অভিজয় করিয়া, শালুরদের ছাদশ জাহাজ হন্তাত করিলে, কিন্তা বিন্তা করিল.

পরে, ঐ মৃদ্ধনিভিবিষয়, স্নেন্রাজ্যের পুতি সর্বশাশহেতু হইল; অপর মেদিনা সাইদোপিয়া নামক ঐ অগুলীর জাহাত সকল বাযুতে আক্রান্ত হইয়া জীলত ওপদ্মীপপর্যাত চালিত হওয়াতে, সেই স্থানে এক মূলপর্থমর্শ লা বি কপন করিয়া, এই বিষয় ভির করিলেন, যে বাকদাদিশেষহওনপুযুক্ত, এবং জাহাজের অনেক হানিহওনপুযুক্ত, এবং তাহার অধীন হইয়া যুদ্ধকরনে পার্মার অনুধীর অবজাবত্রপুমুক, এবং বিজ্ঞাবামুছেত্রু সরলপথে আআ দেশে দিরিয়াঘাওনে অপক গওনপুর্ক, তাছারা অন্ধিনামক ১পদীপ লকল বেখন করিলা, লোনদেশে ফিটিয়া যাইকে অতএব তাহারা ওভর্দিরা রামন করিল, এবং ই॰ প্লভীয় ভাষাজ সকল তাহারদের পশ্চাৎ প্রায্বর্তহেদ্পর্য ত গেল, (महे चात वे (ज्ञनीएवरपव काशोज मकल शूनशीत अक यशकाशीता मैं। उत्रीक्ष পার ১৭ সপ্তদশ আহাজ, যাগতে পঞ্চাহসু দৈন্য তিলে, তাহারা আইলাণ্ডের তলৈমাণে পশ্চিম ওপদ্বীপোপতি মারাণেল, এবং এ তাবং আর্মা মার মধ্যে কেবল দ্লেল্দেশীয় তিপ্লাম জালাজ ৰক্ষী বহিল, এবং তাহাও অভি মুৰ্দশাগুন্ত জিলা এবং যেই লাখিক এবং দৈনা অবশিক্ষা হাইল, ভাহারা কেবল আবাদেশীয় লেশকেরদের ভয়জনক হইয়া, পরে রাজ্য, যে এতজপে দাপদ কার্য্যে প্রংগুরিস্থ হন, তল্লিবারক হইল.

পরে ই প্লভাবেরণ, অভিক্রাত হওনহটতে মুক্ত হইয়া, পুড়ুত ঐ স্লেন্ডাভীয়ের দের ওপর চেরাও করিতে লাবিল. পরে মাহারা স্লেন্রাড্যে চর্চাওকর এছারা লাইগিপছ: এটাওটাপদ্ম হইয়াজিলেন, ভাচারদের মব্যে এনেক্লের মুবাপুদেশাবি কারী পুরান জিলেন; ঐ মহাকুলজাত ব্যক্তি অভিসাহস্বান এবং অভিদয়াশীল এবং অভিবিজ জিলেন. এবং আল্লাহসহারা মুক্তবিষয়ে সর্হাপেক্লা ওপাতুক্ত ভাহা কেবল নয়, কিছ বাক্পটুভাদারা এবং বিশিখাচন্ত্রদার, রাজসভার

कलपूर्वक मईकार्यामारितापयुक. ये मयश (यर शात मकल न्छापि क्लोजुक मुखा निर्मित इरेड, मारे दात ने भूषानाविकाती अव रेलिमारवध् ताती, একত হইয়া দৃত্য করিতেন. এবং ঐ রাণী প্রায় মন্ধিবর্ষবয়ক্ষা ছিলেন, এবং ঐ মূৰা পুদেশীবিকারির বয়স তদর্ভ্জ না ছইলেএ, ঐ বাধী তদ্বিধয়ে বড় একটামনো যোগ করিতেন না, কেনন। জগতে ভাঁহাকে কহিত যে তিনি মুবতী, এবং এ রানী আপনাকে তদ্রপই জানকরনেইমুকা ত্রিলেন. ভাবেতে ব্ৰুচ যাচু, যে 🖈 মুবা पूरमगिविकाती, तांबीत (सरमाजरअस्तरं तांककार्य)विषय अस्तांत्रत उत्ता কাঞ্জা মললা হইল, তাহাতে 🕈 যুৱা ব্যক্তি সন্থিতেলাপূৰ্ত্তক সৰ্থকাৰ্য্য সন্নাদন করিতে লাগিলেন. ঐ ঘ্রা পুদেশাবিকা ী, কার্য্যে অপরিপত্ন জিলেন, তথাপি লোকেরদের মধ্যে মর্য্যাদাপর ও জভাগধারছওনপুয়ুক্ত, তিনি ভারিলেন যে অনু গুহাকাথ্ৰীহওনে লোক আমাকে ন্তব করে তাহা নহে, কিন্ত আমি যে ধপমুক পরে কোনো এক দিবস, রাণার সাক্ষাতে আইর্লও দেশের অব্যক্ষ কার্য্যে কোন ব্যক্তিকে নিযুক্ত করা যাইবে, ঐ বিষয়ে ঐ ব্যক্তির, বর্লিনামক এক ব্যক্তির সহিত বিবাদ হইতেছিল, তাহাতে ডিনি এমত রাগগুন্ত হইলেন, যে লৌকিক মর্যাদাকরণাদিও বিষ্যুত হইলেন, এব অতিভুদ্ধপুর্ক রাণীর পুতি পৃষ্ঠ দেশ মিলাইলেন, ডাহাতে রানীর জোব এমত ওৎপর হইল, যে তিনি ওাঁহার কর্নে তৎস্কলমাত্র এক চপেটাছাত করিলেন. তাহাতে ঐপুদেশাধিকারী, আমি অক্ম ক্রিয়ালি ইয়া মারল না ক্রিয়া, এবং রালীকে তৎপদানু নারে ওপায়ুক্ত মর্যাদা না করিয়া, অকরবালে হস্ত দিয়া দিব্য করিলেন, যে আমার বিভাইই তেও একপ কার্ঘ্যে এমত সৃষ্টিফুড়া বরিব না. ঐ অপরাই গুরুতর হইলেও, রানী ডাঙ্গা বড়একটা আমুলে আনিলেন না, এবং ঐ যাঞ্চির পুতি রানার অভ্যন্ত স্নেছ পুমুক, ঐ পুদেশাবিকারিকে পুনরায় আত্মণদে স্থাপন করাইয়া, পূর্বাপেফা ওদরোতর অধিক য়েছ করিতে লাগিলেন. বকা যায় যে কিঞিৎকাল পরে 🕽 পুদেশাবিকারির বৈরি যে প্রায়ুত বর্লি, তাছার মৃত্যু ছওয়াতে ঐ পুদেশাবিকা ির পরাক্রম অথপ্তিত হইল. ঐ সময় তিরোনের পুদেশাবিকারী, আইর্লও (मर्ग) कनश्तात भुजा, याशाय व कानभगात गईराजात रेश्वाकीरग्राम्य অর্থীনতা অকৈর করে নাই, তাহারদের দেনাপতি হইয়া, মর্থন কোনো অব কাশ ওপন্থিত হইত, তথান ইণ্প্লভদেশে চঢ়াও ক্রিল, যাহারদিগকে বলদার। পরান্ত করণম্বর ছিল, এমত শিগুলোক সকলকে বর্ব করিত. ক্লের পুদেশাবিকারী ঐ সকল কলছকারিলোকেরদের পরাস্তকরণ, আমার ও ভিলম্বিত নিজোপমুক্ত কার্য্য, ইহা ভাবিলা, তদ্বিময়ে ওদোগাী হইলেন ্যে খাবে ঐ ব্যক্তি, সকলের অভিন্তিত সিভির নিবারক হইয়াজিলেন, এমন যে ঐ রাজসভা, ডারাছইতে ঐ পুদেশাধিকারির শতুরা, ওীদাকে দূরকরনে অফ্ছন্ত জিল দা. কিন্তু দে যাহা হওক, ঐ বিষয় কিঞ্ছিৎপরে ঐ পুদেশাধি কারির দার্থনাশক হইল.

পরে ঐ পুদেশবিকারী, অলন্তর্নামক শানুরদের পুতাগামনে যে পুরীন ন্দান, তদুপরি একসালে অভিজ্ঞান করিয়া, আআইসনা সহিত মন্তর্গামক পর্বানায় যাত্রা করিলেন, সেই স্থানে যেই লোক তাঁহার দর্শনে অধীনতা শ্রীকার করিয়া ছিল, পরে পুতাগামন করিয়াগারে, অশুরীরন করিল, এমত লোকেরদের বিক্রে মুক্তর্বনে আআবল এবং অবকাশ বায় করিলেন. পরে যে অভিজ্ঞান বিষয়ে পুরারা আনক আশা কণিয়াজিলেন, এমন যে ঐ যুক্ত তাহা বার্থহতনে, রানী অভান্ত ক্রেণি হাইলেন; এবং ওল্যান্তর রাণীর নিকটে, এবং তাঁহার সন্ত্রার কিটে যেই আআমানভান্তান্য নিথিতেন, তাহাতে রানীর অবিক জোবী ভবদর হাই হালীর ভারা শুলিলেন, যে ঐ পুদেশবিকাণী আত্রা পুরারিনা, আআকার্য্য ভাগন ঐ রানী শুনিলেন, যে ঐ পুদেশবিকাণী আত্রা পুরারিনা, আআকার্য্য ভাগন করিছে, আইর্লভ্রেম্পহইতে শ্রেণ ই রানীর নিকটে আল্বিধিয় জ্বাপনার্থে আন্বিদ্যাজিলেন, তথন ঐ রানীর পূর্বাপেন্ধ। অভ্যন্তকোরী যান্ত্রানিপ্র জ্বাপনার্থে আন্বিদ্যাজিলেন, তথন ঐ রানীর পূর্বাপেন্ধ। অভ্যন্তকোরী যান্ত্রানিপ্র জ্বাপনার্থে আন্বিদ্যাজিলেন, তথন ঐ রানীর পূর্বাপেন্ধ। অভ্যন্তকোরী যান্ত্রানিপ্র জ্বাপনার্থে আন্বিদ্যাজিলেন, তথন ঐ রানীর পূর্বাপেন্ধ। অভ্যন্তকোরী যান্ত্রেপ্র জ্বাপনার প্রান্তির লগান্তর ক্রানীর তিনি প্রান্তির প্রান্তির স্থান্ত্রানি স্থানিক প্রান্তির স্থানিক প্রান্তির স্থানিক প্রান্ত্র স্থানিক প্রান্তির স্থানিক প্রতিত্র স্থানিক প্রান্তির স্থানিক প্রান্তির স্থানিক প্রান্ত করা স্থানিক প্রান্তির স্থানিক প্রান্তির স্থানিক প্রান্তির স্থানিক প্রান্তির স্থানিক প্রান্তির স্থানিক স্থান

न रहा ने म्लिमारयभ हो है पुरुष कावीश्विषा हहेलाउ, ने भूरमाहिकाही कोकोशतावस्याक्रमिक्षा त्रांतंत्र नर्छाम जन्मेहेलन, बाशार वे भूपामीति কারিকে এই আজ্ঞা নিলেন, যে যাবৎ রাগীর আজ্ঞানা জানা যায়, তাবৎ তিনি আনিবার গৃহমধ্যে বল্ল হইয়া থাকিংবন. এবং বুজাঘার যে ঐ ব্যক্তি ঘদি দুই তিন মালা শিষ্ঠাটারপুাও হইতেন, তবে গুনগ্রার আগ্রনকল পাদ নিগুক্ত হইতে কিছ খাভাগিক অমা রাখকারী ছওলপুরুক্ত, তিনি রাগার নিকটে जनगरकोर्या जोविए। या लोलिय कवियोक्तिलन, मोनेट्र (य जोहोर निम्नु जिह्न हुए, ভাহাতে বৈট্য করিতে পারিলেন না. এবং ডাগার যে এক মদ্যের বৃগল্লাভ এনক ব্যবসায় চিল যাত্রা অনেককালাববি ভোগ করিয়াচিলেন, তাত্রাতে যে নিযুক্ত থাকেন, এই পুর্যান্য রাগীর নিকটে করিয়াজিলেন, কিন্তু রাগী তাহা অবজ্ঞাকরন পুযুক্ত, তিনি ওওরোওর ছবিক কুবাবলারে পুরও হইলেন. পরে 🗅 এনে 🚁 পুদে শাবিকারী পুজার মধ্যে যে ভাঁচল মর্যাদ। ছিল, তাহাতে বছকালাববি নির্ভর করিয়া এই আশা ক িলেন, যে মভার থবেঁট তাঁহার যেং শতুরা চিলে, তাহারদের বিৰুদ্ধে আআছেন পু লাশকরনে, রানীর ইতে যে সাহায্যপুণ্ডি হইব না, তাহা অবিরু মতি প্রজারদিনাস্থতে পাপ্তহরতে পারিব ; কিন্তু সকলহইতে অবিক তিনি লণ্ডন্ নিবালিরদের মধ্যে নিভর করিলেন, যেহেতুক তাহারদের বর্মা এবং রাজনা। শনমত এলকলেতে ভক্রত্বতান করিছেন; এবং পিওরিওন মতাবলম্বিরদের লাডোচ

জনক হইয়া, বন্ধালিলে তির দের বর্মাশাদনকে ভিরক্তার করিতে লাগিলেন, এবং ওর্পদন্ধিতেরদের দেয়ি পুকাশকর লারা ত'দ্বাকাঙ্গিরদের সংভাষজনক হইলেন. পরে এ পুদেশাবিকানী, রাগাক্ষতা এবং নির শেপুমূদ, ওৎপর করিয়াজিন মেছ দোমাধিত পন, তাহার মধ্যে এই একটা করনে মন্দ করিল, যে দার কৃষ্ণোদরে ব্লাজ লামক তাহার এক অনুগত লোক, কতগুলিন মনোনা তলৈন্য সমভিব্যাহারে রাজ আগ্রাক্তির পুরুষার হন্তগত করিবে, এবং দার জান্দে বিদ্ পুরানশালা আক্রমন করিবে, এবং দার চার্লদ্দে কর্ম দৈনাশালা আক্রমন করিবে, এবং দার চার্লদ্দে কর্ম দৈনাশালা আক্রমন করিবে, এবং দার চার্লদ্দে কর্ম দার্লিকারা স্থাপত্ত কর্মান আলু দার ক্রমান করিবে, এবং এনে প্রেম্ব পুষেশাবিকারা স্থাপত্ত কর্মান আর্মান করিবেন, যে রানী আন্ধান্ত এবং তাহার শানুধানিকে দূর করেন, এবং এক নতন পার্লিমন্ত সভা আহ্বান করেন, এবং বর্তমান রাজশাদনে যেছ দোগা আলে তাহা অন্যায় করেন,

পরে ঐ এদেক্দের পুদেশ।বিকানী, আত্মমনক্ষামনা নিজি করিবেন, এ বিমন্ত্র ভাষাভাষনা করিছে জিলেন, ইতিমধ্যে তিনি কোনো এক লোকছার। গাণনাম প্রসালাল ঐ পরম্বী ইংগা লিখিত জিল, যে আত্মর্যালিয়ায় সাধ্বীন প্রবিধ্যালা ইবা; তাহাতে তিনি আক্সবিদ্যাল বিষয়ে অনুগ্রনাক্ষর বিষয়ে আত্মবল্র দিনের সহিত পরামর্শ করিছে লাগিলেন; যেহেতুক্ত তাহার। অল্ল এবং বাকদাদি রহিত জিল, এবং বাক্যালিকাক্ষ সোনার বৈজ্ঞাপুরুক, তদুপরি চচ্চিকরন নির্মক্ত জিল, পরে ঐ পুদেশাবিকারা এবং তাহার অল্ল দিলাকেরা পরামর্শ করিছে জিল, পরে ঐ পুদেশাবিকারা এবং তাহার অনুম্বিলোকেরা পরামর্শ করিছে জিল, ইতামধ্যে এক ব্যক্তি নার্নিরা সিরদের দৃত্ত্বকণ হইয়া, আমরা তোমার বিজ হইয়া ভোমার শলুর বিক্লছে তোমার লাহায্য করিব, এই আশাস্চক্ষণ্যাদ লইয়া তরিকটে ওপন্তিত হইল; কিন্তু বুক্ষা যায় যে ঐ দৃত কোনহ শলুক্ত্বক প্রেরিড হইয়া জিল, পরে ঐ পুদেশাবিকারির, শাহরহন্তরাতকরনাভিলায়, ঐ ভ্যানক সময়েতে যেমনিরা ক্রা তালিলায় হয় দা কেন, তথানাল্লায়ে বিক্র করিয়া জিলেন; কিন্তু কোনহ বিবছনাক্রমে ঐ অভিলায় হয় দা কেন, তথানাল্লায়েনির করিয়া জিলেন; কিন্তু কোনহ ইয়াজিল,

পরে পর্দিবদের পুভাতে, ঐ এফেক্লের পুদেশাবিকারী, রৎনত্তের পুদেশাবি কারী, এক সৌগ্রাম্ভনের পুদেশাবিকারীপুভ্তি যে ভালার কর্রা, ভংকত্তক এক প্রায়ুত সাক্ষেদ্ ওপ্রায়ুত পার্কের এক প্রায়ুত মাওৱইর এক জন্য তিন শত মহাব্যক্তিপুভ্তির সহিত সংখিলিত হইল, পরে অন্য লোকেরচের পু কর্ণ নিশার নার্মে, তৎক্ষণে ঐ এসেক্লের গৃহস্বার সক্তব্যক্ত করিল, ভালাতে ঐ পুদেশাবি

কারী শহরহস্তরতকরবোপায় পূর্বাপেকা এখন আআকুষ্ধির্দিরকে ল্লান্ডকপে জ্ঞাত করাইলেন. এই দকল হইতেচিল, ইতিমব্যে, দর বালের রালিঘ্, দর ফর্মিনাণ্ডো জর্জিনের নিকটে পত্র পেরবেডে, ঐ ফর্মিনাণ্ডো জর্জিন্, ঐ সর বালার इंक्तिएवर महिउ (उयम् नमीरिंड लोकांग कर्धांतकथन करिल, जाहारिंड में व्यक्ति दित मम् कार्या पुकार्गित महेल शाह ने अस्मक्रमह मुद्दामीविकांद्री पिथितन, যে এখন আমিনইগানিপুইক কার্যা না করিলে নয়, অতএব আআগৃছত্যাগ कृतिया, महात्व याया कलहजना अनार्ध व्यवज्ञ निर्वेष्ठ अति निर्माय कृतिलन, কিন্ত আপৎকালে যে ভাঁছার পুতি মর্য্যাদানেতুক পুজারা তৎপদ্মীয় হইবে, এই আশা করনে, ঐ পুদেশাবিকারী অভাব ভাব ছিলেন. যেহেভুক ঐ এসেক্লের পুদেশবিকারী দুই শত অনুগতলোক সমভিব্যাহারে, কেবল তরবারেতে সমত্ব ছইয়া, ঐ গৃহছইতে নির্গত ছইলেন, এবং শহরে মাইতে পথমবীে বেদ্মর্দের পুদেশাবিকারী এবং প্রায়ত ক্রম্বেল্ আদিয়া তাঁহার দহিত মিলিলেন, পরে 🕏 এসেক্সের পুদেশাবিকারী শহরের গলিমধ্যে গমন করত, তাবৎশহর্নিবাদীরা তৎপক্ষ হইরা ওঠিবে, এই আশা করত, টেঁচাইয়া এই কথা কহিলেন, যে রানীর বিশিয়ে, অর্ধাৎ রানীয় কাম্যাদিলার্থে বির্গত হও, বির্গত হও, এক আমার পুরান লইবার বিমি ও এক কুপ্রামর্শ করিয়াজে; কিন্তু শহর্বিয়াসীরা অনুগ্রহীতে নিল্ডহওনে শহরাবাফ কর্তৃক নিধারিতপুষ্ক, এক পুলি ঐ পুদে শাবিকারির সচিত স মিলিত চইল না. शेख वेरल वेदमक्मक् शुप्त শাবিকারা, আঝানাত অত্যন্ত্রনোক সধে লইয়া, নদীর স্থাপে রামন করিলেন, কেননা অব্যানের। লক্ত ক্রেছ ভারাকে ভারে করিয়ালিল। म्मार स्थापन अक लोका नहेश, भूनतीत आंचातृहरू अपश्चित्र हरेशा, आंचातृसीय আয়োজন করিতে লাগিলেন কিন্দ্র দে আয়োজনহইতে যাহা হওক, তিনি যে দাহদপুর্বক আঅরক্ষা কবিবেন, ইনার কোনহ ওপায়ও জিল না. যেহেত্ক वस्त्रकरम् अनद्वाता जिनि या विश्वनकातिन्दिमिताहहेर प्रमानुष्ट हहेरवन जाहा নির্মক, অতএব তিনি খেড্কাপূর্যক অধীনত। খাঁকার করিলেন, এবং কেবল ইহা মাত্ঞা করিলেন, যে ভাষাকে ভবুকপে রাখিবেন, এবং পরমুখাপেদী না इहेगा, जोहांब (य मकल कथा, जोहा अनवीन कति (वन.

পরে, ঐ এনেক্স এবং ঐ সৌগ্রাম্ওনেরা, তৎফলে লাম্মেণ্ নরাক্তিত মহা বিশ্ববিদ্যের অট্রালিকায় গীত হইল, তৎপর দিলে সেই স্থানহইতে গীত হইয়া গড়েতে অর্লিত হইল, এবং আরব ফেব্রুবারি মাসের ওনিশ তারিখে কুলীনসভা কর্তৃক বিচার্য্য হইলেন পরে ঐ দুই ব্যক্তিরদের অপরাধি অত্যতন্ত্রমাপুগুতুত, তা হারদের প্রহেইয়া অত্যাল্প বানানুবাদ ক্রিলেন; এবং তাহারা দ্যাপাবেশ্পমূক্ত

लाक इहेता ३, उपानि क्यानुषि इहेन मा. अ अस्मक्र एमिक्ड इहेता नत्, नूरई যেমদ অপ্যান্তুত হইলে মৃত্পিড়া হইত, তেমন এখনও মনঃপীড়া অতিশয় এব॰ তাহার একর অনুযোগপুষ্ক অত্যতশঞ্চান্বিত হইয়া, আঝানত্র **লহিত যিত্রতা ক**রিল, এবণ যে কুপর্বিমর্শ করিয়াজিলেন তাহা লাইপুকারে স্বীকৃত इट्रेलन. क्यिंड जांक (य मे विषय अस्माकुर ऋमानुष्टाल अस्तर जाना किन, যেতেতক তীহার মৃত্য আল্লাপতে আফরকরনে রানী বড় অসমাত্রভাব দুর্শাইয়া জিলেন, এবং ইচার পূর্বে ঐ রানী, এই কথা কছিলে। তাহাকে একডি অধুরীয়ক দিলেন, যে কোলো আপএপুরি ছইলে, ইছা আমার নিকটে পুরুষ করিবা, ভাগতে জামি ভোমাকে রগা করিব. 🗳 অপুনীয়ক নাতিউ হামের ওপাগুনীর খ্রী, িনি ইপুদেশাসিকারিঃ গুরুষাত্র, তৎকর্ত্ব পুরিত হইয়াজিল, কিছ রানীর निकारे में जिल मा. अर॰ तांनी देलिमारवध्य, ये भूरमणीविकान्ति कथानार्थना না করনে মানাস্থীটা মহাজ্যোধীষ্টিতা হইতে লাগিলেন. দত্য, যে যে অভাগ্যেলা : মহাব্যক্তির মৃত্যুবিদয়ে, রানী স্বাঞ্চর করিতে জিলেন, তন্ত্র **र्म**नीर्मिका, बांबी खार हे अधिक मूर्मनाबिडा हहेत्वन ; घारहजून में बांबी, में मुर्प শাসিকারির মৃত্যাপাত্র আফর করিলেন, পরে ডাহা অন্যথা করিলেন ; পরে রাঝী ঐ যাজির মৃত্যুবিষয়ে স্বাহারকরনে পদ করিয়া, তৎপুতি স্বেহপুত্র তাহা পুনঃনিবা ্ অবশেষেতে তলাত। ধিষয়ে সমতা হইয়া, পুনঃমাফর করিলেন, কিছ ভাহা করিলে পর, 🗳 রানী এক দিবসত ভাবদাযুর মধ্যে, সুথে কালফেশন হেরিতে পারিলেন না.

পরে, ঐ এনেক্লের পুদেশাবিকানির যৃত্যুর সহিত, ইল্লিমাবেম্ রানীর ডাবৎ সুথেরও যৃত্যু ছইল, এবং পূর্বনত রাজকার্য্য সন্ত্রন করিলেন বটে, কিন্তু ডাহাতে পূর্বে যে সুথ পাইতেন ভাছ, নৃত্তি ছইল. এবং উদোর মনঃপাড়া এমত বাড়িতে লাজিল, যে ডাহার শরীর ওওরোডর করি হইলা, শেমদেশা ওওরোডর নিকটনশ্বী ছইতে লাজিল. কিন্তিৎকাল পরে উহার ওতরোডর বাক্যাবরোধ ছইতে লাজিল, এবং পীড়াভিভ্তা ছইয়া নিদ্ধিত্তকলপ অনেককালপর্যান্ত থাকিতেন, এইকপ সপ্ততি বংসর ব্যানা, ভাহার মবেয়ে পীড়ভিলিশ বংসর রাজীত্ত করিয়া, অনায়ানে পুলিভাগি করিলেন. ঐ রানীর ব্যবহার, আঅবিষ্ণানুসারে জন্যান্য পুকার ছইত; রাজীত্তকরনের ওপজ্যে, ঐ রানী সর্ববিষ্য়ে সন্ধিবিক্তা, এবং নমুবিভাকরনা জিলেন, কিন্তু শেষাবন্ধায়, সাহন্ধারা এবং নিদুরাচারা জিলেন, এবং ভিনি বিল্লভারাব্রী ছইলেও, ভাহাতে যে সৌদ্বের্যার নুন্নতা, ভল্লনা

ক্ষমা জিলেন, এবং মথান তিনি ৬৫ শ্রমন্তি বংশর বয়ক্ষা জিলেন, তথান মদি কেহ তাঁহার মৌদর্য্য পুশাংশা করিত, তবে দে নিশায় আদৃত হইত.

এ ইলিদাবেণ্ রাণীর খাভাবিক দোষ যাহা হওক, ওাঁহার রাণীয় গদবিষয়ে তিনি লর্বদা ইণ্প্লভায় জাতিরদেরকর্তৃক আক্লাদপর্বক গ্রানীয়া হইলেন. রা জবর্রাপেকা এ ইলিসাবেধ রানী, পালিমেত সভার যব্যে আঅশাসন, একপ অভিখয় পুরল ক্রিলেন, যে ঐ সভাের মবাে সকলি ক্রিড, যে রান ক্রেলা ব্যবন্ধার অধীনা নহেন, এবং ম্মান ইন্তাইটত ওমন নূডন বাবেলা ঘটনা করিতেন, এবং পর্যতন ব্যবস্থা ভগ্ন করিতে পারেন, এই সদল ক্যা ভাগোর বিষয়ে সভা বটে কিব ভিনি এমত বৃদ্ধিমভা এবং নিদা জিলেন; যে জাত্মপ্রাক্তম অম্মার্যক্রপে পুরুষ্প করিতেন না, এবং আত্মিরতের আহিত বারি কোনো কার্য্য করিতেন না. ইশাও লতা, যে তাহার রা ম্যে ইণ্ট্রাণীয় জাতিরা, কোনো পুরানমুদ্ধে অথবা পারাজানুসনবিষয়ে, থাপতাপেয় জিলানা, **কিন্দ বাণিজ্য ব্যবসায় ওতারোত্তর বৃদ্ধি পাইতে** লাগিলে, এবং তাত্ত পুসার ইহা प्रिशिष्ठ लांशिल, या जांशांत्रपत मद्वीपिका लांजियम, मगुर्छत वक श्लश्हेरक ওৎপর হইবে.। যেহেত্ক ইণ্প্লভীয় রাজ্য, মাদ্য ঐ কালণার্যান্ত সার্বচন্থা কর্তার দের চছাওকরলাবীর ছই ঢাজিল, এবং মাছা সর্ব লুওকারিরদের বুটের বিষয় হুইয়াছিল, তাহা এইক্লনে ওলিংয়া তত্বলাওকতা দেৱ পুতি চল্মাকে হুইতে লাগিল. পরে ঐ সময় গোর্গুনিসরদের এবং দ্বেনিষ্ঠ জাতিন্দের সালেমযুত্র যাখাকরন বিষয়, ইংগ্লপ্তীয়েরদের অভিলাষকর্তনকারী হইল, তালাতে ভালের। তথ্যদেশে আপমনের নিমিশ্র প্রাণেক্ষা নিকটপথ নির্গাহকরলোদ্যোগ্যী হট্ল. এ সময় ঐ ম্যাত্যাপর দর বালের কালিঘু রাক্সাহইতে অবাধ্যাহিয়া হই 🗀 3, দুত্রা भा ই° গ্লন্তদেশ বসতি করাইলেন. ্দে সময়ে ডাভ ইণ্ড্রান্ত রাজ্যে বানিজ্য ব্যবসায় ইত্যাদি ওওরোজুর ব্যতি হইতে লাগিল, এবং অনেক গ্লেণিৰ জাতি দেরা, মাহারা আপনারদের দেশে দুঃখগুন্ত হইছাজিল, তাদারা অন্ধলিজুলিয়া। সহকারে ইণ্প্রওদেশে আক্রিয়া আগয় লইন. ঐকপে তাতে ইণ্প্রগ্রিয় ধাছাপ, বিদ্যুত ব্যক্তির বিদ্যুত্তরে পুরায় বছকালাববি যে নিপুরব্যবহালে অলীড়েছ চই রা জিল, তাহাসইতে নিৰ্বাভ কইল; এবং শিল্পাসিদ্যা, এবং ৰাণিজাব্যমসাল, এবং মधीर्ध वात्रकृष्टि अल्हात् एक कृत्ति भ' हेया, भिःतर् अग्र वनव र कहेर ह नाति, नः स्म তাহাতে আনকে কছে, যে ঐ নময়ে ই' গ্লন্থদেশের মধ্যে আগলাকাল প্যামা প্ৰিত হইয়াজিল. এবং মাধারা আমারদের ইংগ্লখীর ভাষা, ভাষায়চনারারা অতিশয় সুমলোছর করাইল, তাগারদের মধ্যে কর বাড়ার প্রালিগ্ এবং হকর পুঞ্জি জিলেন; এবং কাব্য রচনকোরকেরদের মধ্যে, গ্লেন্সাং এবং নেত্র পির,

এমত খ্যাত্যাপর, যে এই নুছে তাহারদের নাম করা অকিন্ডিৎকর কিন্দ ই রাজ তের মধ্যে, ঘাহারা হিদ্যাপাত্র দ্বনা করি শেলিলেদ, তাঁহারদের মধ্যে লাইাশেকা পুরণ সনায় খুঁণিন্দ্ বেকন্, অর্ণাধ শ্রীণুত বেকলাম্ ছিলেন; তাঁহার রচনা অভিকোমলা স্মুখা বহুর্যপুতিপাদিকা, এবং ওঁ হার চতুতা, তদ্বাহিদ্যাহ্রাদিকা ছিলে আমরা ঘাদ রাজাবল এবং রাজাবিবরল দৃষ্টি করিয়া বিবেচনা করি, তাশত এম হালু সন্যাহ্র মধ্যে যে কানো রাজ্যের লোক, এমত বিজ্ঞ এবং পরা জমশালী এবং স্থা হয়, ইহার বিদর্শন পাওয়া ভার ইহা সত্য যে ঐকালে আন্তান হা এক বিষয়, তাহা থিরীভূত হইয়াজিল না; যেহেতুক হলিদাবেম্ রালা আন্তান করিছেন করিয়ালার আন্তান করিয়ালার আন্তান করিয়ালার করিয়ালার আন্তান করিয়ালার করিয়ালার আন্তান করিয়ালার প্রায়ালিলার হিষ্যা থাকিতে পারে না.

২৭ সন্তবি° শাব্যায়.

भूषम (जासूत विवद्धः

ক্ষংনাতের ঘট এবং ইংগ্লাভের পুথম জেমুনামে থাতে রাজা যিনি, তিনি মেরিরানীর পুঞ জিলেন, এবং দারপুজারদের সম্মতিপূর্বক রাজসিংহাসন পুরে হইলেন; যেতে ভুক কুলের এবং দানপাত্রর এবং পার্লিমেরসভার সম্মতি দারা একা গাওলা মাছ উচ্চিতে সংঘটিত জিল, কিন্তু সে সকল মাহা হওক, ঐ ভাজার রাজ্য কর্নানাবিজ্যেতে, এক কুপরামর্শ ৬৭পর হইয়জিল, মাহার বিশেষধিবনে অভায় টভাবে নিনীত আজে এবং ক্রিড আজে যে ঐ কুগারামণ পুর্যাত আছু ত্বে, এবং আযুত ক্রহাম, এবং সাংবালার রাজিত্বকর্তৃক ওৎপর হৃষ্টা দিল, গরে ভাছার সকলি বিচারে দোষীক্ত হইয়া মন্লাজা পুরে হইয়াজিল, কিন্তু ভিজুকালনতে ঐ আজা রাজাজালারা ক্রিডিব বিনিলা ইইয়াজিল, কিন্তু ভিজুকালনতে ঐ আজা রাজাজালারা ক্রিডিব বিনিলা ইইয়াজিল, কিন্তু ক্রহ্ম্য এবং গ্লে শির্মাক্রন কার্টোগরি মতক স্থানান

তর, ক্ষমাকপান্পুসপুধিও ছইলেন, এবং ঐ রালিংঘ্র মারনাজ্ঞা নিবারিতা ছইল, কিন্ত ভৎপরে অনেককালপর্যাত বন্ধ হইয়া রচিলেন; এবং সর্বশেষে ঐ দেখি হেতুকু বর্বদণ্ডপুপ্ত হইলেন, ভিন্দ ওাঁহার ঐ যে দোষ তাহা লপুমান হইল না.

এ জেমু রাজা রাজশাদনে অভিদুশীন এবং দহিষ্ণু হইলেও, পাপার বীর্ম পুনঃখাপনার্থে, ঐ রাজত্বের পুথমোপজ্বে এক নূতন কুপরামর্শ ওপত্তিত হইল; যাহা যদি নাইত্র প্রসিদ্ধকপে পুকাশ না পাইড, তবে তাহাতে আগতকালে পুায় কোনো ন্যক্তিও বিশ্বাস করিত না, ঐ িষয় বাৰুদের চল বলিয়া পুলিন্ধ আছে, এবং ঐ পর্বমর্শহইতে ডাবিক নিখুর এবং ভয়ানক বিষয়, মনুষ্যের অভঃকরণে कथाता नुविधं रग नाई.

ক্মীয়বর্মাংল্রারা, ক্রেম্সের রাজিনি হাসনে ওপবিষ্ঠ হওয়াতে, অনেক অনুগ্র এবং দশের পাত্র হইবে এই আশা ফ্রিয়া সুহিয়াছিল : কেননা 🗗 জেমু যেরিরাণীর প্র এবং ক্যীয় মতদ্হাবলম্বী চিলেন, এবং মুবা বয়সে ঐ বিমের পুতি শূলার অনেক চিহ্ন দর্শাইয়াজিলেন, কিন্তু ঐ বিষয়ে পুজারা অতি শীঘু আপনারদের ভূম জাত হইয়া, এককালে ৰিসম্যে এবং তারাপুর্যক দেখিতে পাইনেন, যে ঐ জেয়ু রাজা, ঐ যাতাবলদী লেংকেরদের বিফলে যেছ ব্যবস্থা জিল, তদ্ৰুমায়ি চলিতে লাগিলেন; এবং দাইবিষয়ে তিনি পূর্বে গতরাজার দিগের ব্যবহারানুমায়ি চলনে পন করিয়াজিলেন. ঐ পরে স্থিরীভূতহওলে, যথান প্রজারা রাজাকে দেখিল, তথান এক অসম্ভব নিষ্কৃকার্য্যকরনে নিশ্বয় কলিল, তাহাতে তাহারা একই কালে রাজাকে এবং ওড়া পার্নির গৃহকে শংহারকরতে পরামর্শ ভির করিল. ঐ পরামর্শ পুথমেতে রাবর্ত কাতেস্বি কর্থক খির হইন; ঐ যাজি এক পুরাতন কুলে জাত, এক জন পুরান এবং ৰিজ্ঞ মনুষ্য জিলেন, ঐ কাডেস্বি মনের মধ্যে এই অনুভব করিয়াজিলেন, যে পার্লিমে ভগ্নের নীচে বারুদের এক বতী স্থাপনদ্বারা, বাজাকে এবং তাবৎ সভ্যের দিগকে এককালে দংহার করা মাইতে পারে.

এই মিকির যেমনিবা ডাভিশয়দুরত হয় নাকেন, ঐ কুপরামর্শের মধ্যে মত লোক পুরিষ্ণ হইয়াজিল, তাহারা পরন্তর অভিশা বিশ্বস্ত, এবং গোপনীয় কপে কার্য্যক্রমা করিতে লাগিলে. এবং পার্লিমেত সভ্তেরদের একত্রহুওনের মুই মাস পূর্বে, পার্লিমেত মতোরা যে খানে এফত্র ছইবে তদগৃহের নিকটবর্তি, পেনিনামক এক ব্যন্তির নামে এক গৃহ ভাচা করিল. পরে তাহারা মুখ্য এই ওপায় বরিল। যে যে গৃছে ভাষার। চিলে। যেই গৃহমধী। ইতে, পার্নিমেন্ত গৃছের নীচে নক সুদ্রা করিবে ; এই পরামর্শ ছির করিলে নর, ঐ কার্য্য দিলার্যে ভাগারী পরে ঐ কুগরামণা (৭ এখন ছাল্লকায়া নিশ্চয় সিল ছাইবে ইছা নিউর কুরিছা, ভালাবদের দরামধারশি ই মান্ত আবদ করে জিল, ভালাব ছারাগের জাবদ করিছে মানিলে পরে সভলে এই জাগেল করিয়া রহিণাবিলা, গোলাবিলৈ একনীতৃত্ব ছওলের প্রায় ছপজায়ে, বাল আগে লাখে গুরুরাছেনা, সেই জাগে ছারিলেল করি বাজার বিভিন্ন চুল্ল বাল্যাবছা পুমুক্ত ঐ সভায় জালিবেল নাল ভাগতে ঐ কুগগামশি ব্যক্তিকে মরো এই বিরাক্ত ছইল যে পেলিবাসক ব লি, ঐ বিভায় রাজপুশুকে বই করিবেল, এবং ইলিসাবেয় নামী রাজকলা যিনি ঐ সম্যে বারিক্ গ্রগায় প্রায়ুত্ব ছারিণ্ড নের গুরুরাক্তা বির্দিশ্য বারিক্ গ্রগায় প্রায়ুত্ব ছারিণ্ড নের গুরুরাক্তা বির্দিশ্য বিরাদ্ধ বিরাদিশ্যক ব্যক্তি জাল্যান করিয়া, এবং বিরাদ্ধ বিরাদিশ্য করিবিলা স্বায়ুত্ব হারিণ্ড নের গুরুরাক্তা বিরাদিশ্য স্বায়ুত্ব বিরাদিশ্য প্রায়ুত্ব বিরাদিশ্য প্রায়ুত্ব বিরাদ্ধ বিরাদিশ্যক ব্যক্তি জাল্যান করিয়া, তুল্পনে রানি বিরাদ্ধ প্রায়ুত্ব বিরাদ্ধ বিরাদিশ্যক ব্যক্তি জাল্যান করিয়া, তুল্পনে রানি বিরাদ্ধ প্রায়ুত্ব বিরাদ্ধ প্রায়ুত্ব বিরাদ্ধ প্রায়ুত্ব বিরাদ্ধ প্রায়ুত্ব বিরাদ্ধ বিরাদ্ধ

পরে পালিসেরের একটাত্তগওবের নিয় নিকটবর্তী হাইতে লাগিল, এবং তথানে।কোন্ড সময়ে, এবন তুব লাজানুগিকারী কপুরামর্শ গোপনে রগিত চাইরা ছিল না, এবং কথানো কোন্ড সময়ে ফানে। রগজা এমত বিপ্রপুত্ত হলানাই ; ঐ ফুলরামর্শারি। ঐ সময়ে অভ্যন্তবাগু চাইগা প্রতীক্ষা করিয়া, এবং ঐ অভিনম্ভিক কার্যাসিলিনিময়ে আমেন্দ্রি অপুণ্ড বত পুর্যাশাপার চাইগা বৃহিষ্ণালিল । ঐ অভিভাগিক কার্যাম্পানি বিশ্বতি জনা গক জন। আত হাইলেও, পুণ্য দেও বংসর পর্যান্ত অভিগ্রেক্তবাপ প্রত্তা বিশ্বতি কার্যা গিয়ানিল, এবং মঞ্চন দয়া এবং মাধার্যা এবং আব্দর্যক ব্যানার্যা বিশ্বতি জন আব্দর্যক ব্যানার্যানি একং আব্দর্যক ব্যানার্যা বিশ্বতি জন আব্দর্যক ব্যানার্যা বিশ্বতি কার্যা গ্রামার্যা এবং মাধার্যা এবং মাধার্যা এবং মাধার্যা এবং মাধার্যা এবং মাধার্যা এবং মাধার্যা কার্যা কার

পরে ঐ কুপরাম র্নিরদের মধ্যে দর হেনরি পেনি। বিক একজন, প্রামুত সৌত ইপ্ল ঘিনি তাহার আত্মীয় লোক এবং তন্মতাবলম্বা চিলেন, ভাঁচার পানবকা কর্বে এক ওপায় স্থির করিলেন. তাছাতে ঐ পালিমেতের একত্রহওনের দর্শ দিবস পর্বে, ঐ মহাব্যক্তি শহরে প্ত্যারামনের পর, কোনহ এক অজ্ঞাত লোক দারা, এক পত্র পাইলেন, ঐ লোক ঐ পত্র দিবামাত্রে পলায়ন করিল. অভিপায় এই লিখিত চিল; যে প্রায়ত, আপনি পার্লিয়েত সভায় আদিবেদ না, যেছেতুক ঈশার এবং মনুষ্য সংমিলিত ছইয়া, তৎকালিকাপরাবের পুডিমল দিবেন. এবং আপুনি মেৎকৃত হইসেন না, কিন্তু দেশে ঘাইয়া সেই স্থানে, ঐ বিষয়ে নির্ভয় হইয়া অপেন্দ্রী হইয়া থাকিবেন; কেননা এখন গোলমালের কোনো সম্ভাবনা নাই সত্য, কিন্তু ওঁছোৱা এই পার্লিমেতে অভ্যত্তবিপ্রীভাঘাত প্রাপ্ত হইবেন, কিন্তু কে আঘাত মারিবে, তাহা দেখিতে পাইবেন না. জাপনি ভুদ্ধ করিবেন না, যেহেভুক ভাঁহাহইতে ভোমার মধলোৎপদ্ধ হইতে পারে, কিন্দ্র অমর্থন কর্নাচ ছান্তে দা, কেনদা তুমি ঐ পত্র অগ্লিডে জ্বালাইবামাত্র জানিষা যে ঐ ভয়েৰ বিষয় অভীত হুইয়াকে.

ঐ আক্ষর্য বেবিজনক পত্র, যাহা এ নত ব্যক্তির পুতি দন্তথাত তইয়াছিল, তাহা পাইয়া অভান্ত চমংশুভ হইয়া, ভাবিয়া কিজুই নির্বাহ করিতে পারিলেন না. পুথমে তিনি ভাবিলেন, যে কোনত থাকি আমাকে ভয় দেখাওনের নিমিত্তে, এবং তিরক্ষার করনের দিমিতে, এই অসম্প্রতপত্র লিথিয়াছে. চিদ্ধ পরে তিনি বিবেচদা করিয়া দেঝিলেন, যে যদি আমি তাহা পুথবে প্রাযুত্তনাল্দ্রবরিনামক রাজ লেথাকের নিকটে লইয়া মাই তবে গড়ম গ্রুবে, পবে ঐ প্রান্ত লালদ্রবরিও ঐ মন। ব্যক্তির ন্যায়, ঐ পত্র অভ্যন্ন জান করিল, তথাপিও ইহা ভাবিলেক যে কাজা যিনি জল্লুদিনের পর শহরে জানিবেন ভাঁহাকে জাভকরান কর্তব্য. এ প্র জড়িভারবিষয়ক এবং ভয়ানক বিষয়ের ন্যায় দ্যা ছইলেও, তাবৎ সভ্যের মধ্যে কোন কেছ ভাবিয়া কিলু দ্বির করিতে পারিল না, পরে ঐ সকল ভাগ্যভাবনার মধ্যে, যে সময়ে সকলে এক দিগে সন্দেহকর্তৃক এবং জন্য দিরে শক্ষাকর্ত্ত আক্ষিত হই য়াজিল, ঐ সময়ে কাজা স্বয়ণ্ট ঐছোরপতের অম্পানুত্র করিলেন; ডাছাতে রাজা এই অনুভার করিলেন যে অবশ্য কোন অক্সাদ্পন্থত বাক্দসংযোগপূৰ্বক ওল্পাতের আংগোজন করা যাইতেতে; ত জ্বন্যে ভারিলেন যে ওভয় পার্লিয়েত গৃহের নীচন্দ্র মৃত্তিকাভ্যন্তর কুঠ,ী অন্তেমএকরন अत्रम भवायर्भ. भारत में जात मणाइत श्रामाधिकाती, यिनि में समाय तांक গৃহাব্যিক পদে স্থিত, ভরিকটে অর্পিত হইল. ঐ ব্যক্তি ঐ অন্বেষণবিষয়, পার্লি মেত্রে একঅহওনের প্রদিবসপর্যাত গোপন ক্রিয়া রাখিল. পরে যথান তিনি ঐ

অস্বেষণকার্য্যে রেলেন, তথান ঐ কুলীনসভাগৃহের নীচত্ত কুঠরীভিত বৃহদ্যহ্ৎ কাষ্টের আটি প্রং দেখিয়া অনুমান করিলেন যে অবশ্য ইদার মধ্যে হিছ আছে. তাহাতে ঐ সময়ে এক বৃহৎকু গ পরিবাদ করিয়া, এবং আঁটু প্রাত্ত চন্দ্রশাদুকা পায়ে দিয়া, এবং হতে এক গুওলাধন গণান ঐ ভয়ানক কুপরামর্শ সিম্ব করিতে জিল, এমত এক জনকে বিরিলেন ; ঐ থ্যজি আরু কেন্দ্রমুদ্র কেবল সে ঐ থাতিবাপর গাই আকু. এ ব্যক্তি ঐ সময়ে এ পার্লি, মতসভার নীচন্ধানিত বাঞ্চল্ অনিদাপ্যার্র কর্নায়ে বর্তাদি সমুদায় পুস্তত করিয়া, বাহির হইরা জানি তেজিল, এবং তাহার জেবের মধ্যে দলিতাপুভৃতি অনেক দামগ্রী পাওয়া গিয়াজিল; এইকপে ঐ সকল কুপরামর্শ পুকাশ হইল, তাহাতে ঐ গাই আকু অপ্রারিবাইল্যপুরুজ, এবং ক্ষমাপুর্বিও নৈরাশ্যপুরুজ, অত্যন্তদাহদিক হইয়া, তদ্রাক্তব্যক্তির্দিরকৈ কহিল, যে যদাবি আমি ভোমানুদিরকে একং আপ লাকে বাকনদারা সংহার করিতাল, তবে আমি অভিসম্ভন্ন ইতাম. পরে া ব্যক্তি হাজসভোর নিকটেও, ঐ পুকার দাহমপ্রক, এবং অটলমভাব প্রত এবং ভিত্তবার এবং বুদ্রগৃর্বক কথা কছিলা, আমানুষ্টিত্রদিলকে পুলার কর্বে কেলিগ্রামে সামত হইল না। এবং তালার কাম্যা যে সিভ হইল না। ওদ্যাতি িজ অন্য কোশহ থোদের কারন দশাহিলানা. কিন্দ্র সে যাহা হও 🕹, তালার যে 🗳 দালদিক অভাব তাহা, ওতরোত্তর পরাজিত লইল, মেছেতুক দুষ্ট্ ভিন দিন গড়মব্যে কভ হওড়াতে, এক[ু] মাতনাদায়ক ওপায় দেখনেতে শাভ ছইয়া, তাহার লাহন ওাহাকে ডাগি করিল; তাহাতে লে তাহার অনুম্বরিদ্রের নাম সকল পুঞাশ করিল.

পরে কাতেন্বি এবং পের্দি এবং অনাং কুপ্রামশীপুত্তি, মাহারা লগুন শাহরে জিল, ভাহারা ঐ আফ্রের বন্ধি হওনের সংবাদ পাইয়া, অভিজ্ঞত্তর বানিক পর এ পায় পলায়ন করিল. ঐ ছানে ঐ সময়ে দর এনিরাদ নির্বিনামক ব্যক্তি ঐ কুপ্রা মর্ল নিশ্চয় সিল হইবে, ইহাই নিভর করিয়া, অক্সবারণ করিয়া রহিয়ায়িলন. কিছু দে মাহা হওক, তাবদু জিয়া শাহান্তিত হইতে লাগিল, এবং ছেং ছানে ঐ কুপ্রামশীরা অক্সপুহণ কর্পোপক্রম করিয়াজিল, দেইই ছানে তাহারদের বাবা জন্মাওলার্থে প্রতুর দৈন্য পাওয়া গেল. পরে ঐ কুপ্রামশীরা এডজান দশাপর ছত্ত্রাতে, এবং তত্ত্রপার্য বিশ্বতি হওয়াতে, তাহারদের মবী ৮০ জালী জন এই প্রকারে, যে আখরা আর অবিক প্র পলায়ন করিব না. পরে বানিক্ প্রগনায় এক গ্রেপ্র ইয়া, দেই ছানে শেষপর্যাত মুলকরণপূর্বক আপনারদের প্রাণ দেওনে পর করিল. কিছু তাহারদের যে এই দুমুতা গা, তাহা নিরাশা হইল; যেহেত্ক ক্তকগুলি বাকল, যাহা দেই স্থানে গ্রহানে গ্রহানে ক্ষেত্রত দেওয়া নিয়াজিল, তাহা

তে অন্তিকলাপতন্দ্রারা কতক্তলা পুরীন কুপরামণী লোক দাইল দইল, এবং অবশিদ্য ঘাহার। তিল, তাহারাও ঐ গৃহবেদ্যনকারি লৈনে রাদর মধ্য দিয়া দার মূলিয়া নির্তিহওলে পর করিল, তাহাতে কতকন্তলা তথকারে কাটা পালিল, কিছু কাতে স্থি এবং পোর্লি এবং বিশুর এই বিল ব্যক্তি নির্চাণিতি দইয়া এমত পুলিপর কয়ি। আনককাল্যান্তি মূল ক্যিতে লালিল যা শোষে তাহার দের মধ্যে দুই জন আঘাওদার। হতজান হটদা মাবা দালিল কিছু তির জীয়তে বিভ হট্লা আরাধী হট্যা, তাদার্দের অবকে জলাদ্যক্তিক হত হট্লা, এবং কতক রাজার অনুবাহর ডাধার হছলা পরে গোনেখ এবং এলাকর্ল লামে দুই হানি, ঘাহারা জেলুছি মতানল্লী এবং ঐ কুল্যান্দির অনুদ্র প্রাক্তি তালার তালার জলাদ কর্তক হত হটলা, মধ্যা দুই হানি, ঘাহারা জেলুছি মতানল্লী এবং ঐ কুল্যান্দির অনুদ্র দিলে, ভাহারাও জনের হালিও সামান গোল বিল মহ্য জন্মতাবলম্বী লোকক্ত্রিক আব্যাতবিদ্যান্দ্র সামান হালি মহ্য জন্মতাবলম্বী লোকক্ত্রিক আব্যাতবিদ্যান্দ্র সামান দল দত্তপ্রভাল মান্যালেল এবং ক্যিত আয়ে ঘেতাগার হালাভেতে জনের আন্দ্রাণ লিন্যা করণ নিম্যা দিলে.

অপর যে তানদার রাজা তেনু ঐ রুপরামর্গ ভাচ হছলেন, তাহাতে তাবৎ পুজার ভাবিল, যে প্রজা বড় জানবান্ হছলৈন কৈ পশ্চাৎ মুগ্রা প্রমুক্ত তিনি আপনাকে আন্প্রিলগাত্রেলের ১৩৭৩ বি নিন ভাগে দেখিলা পুজারনের অলুবিচিত হছল ভাগার বিল্ডিম পাত্রেলের মধ্যে সামর্ভ কেরি শামক এক মদ পুরান ছিলেন, এবং ঐ গাভি ছাংলাও সংগ্রে ভত্র বংশতাত এক মুবাপুক্ষ জিলেন, এবং অভককান দেশদেশত যান বিরুদ্ধ কানয়েশন করিয়া, অবশ্যে বিংশতি বংশরবহাতে, লওন্ শংশর গীলজিলেন ঐ রাজির ছাভাবিক প্রকারের সুক্রাকৃতি, এবং ভাগার তাতিরিলা কেবল শিলার হালে এই মুবাপুক্ষ রাজনালার সার্হাপ্রমান বিভিত্ত হলৈ লালিল, পুথ্যত স্লাইৎ আর্থান যোগ্ল প্রিল কান্য প্রেল প্রকার স্কার্থ সার্হালের তাতুরী সমর্বা তহলত লাভার ত্যাণ্থ আর্থান বিলি গ্রামান প্রার্থ তথাৎ দিহাবারী পান্যা, পারে ওর্থমান্তর প্রবাহে বিশ্ব হলাবার পুরেশারিকারী মাহা স্কার্থ স্বাধ্য হলাবার হালের তাত্বিদ্ধ সংগ্রামার স্বাধ্য স্বাধ্য হলাবার হালের তাত্বিদ্ধ সংগ্রামার হালের তাত্বিদ্ধ সংগ্রামার হালের

পরে ঐ ক্যাজির ঐপুকার ১৬টো চ্রন্থনিনিয়া, কেছছ দেছপুর্বিক দেখিতে লাজিল, কিন্তু আনিয়া ভাষা ভূমপুর্বিক এবং দ্বাপুর্বিক দেখিলা; যেছেতুক ভাষারা জানিল, যে যে যিএওগতে কোন নাগ নাই, ভাগ চির্ত্থায়িলা নয়, কতক কাল পার ঐ ব্যক্তি আআকোনছ বিভয়ানভ্তারে গড়ের মধ্যে সাই তামন্ ওবর্ত্তিকে বিষভ্তান ক্রেনিজন্যাপ্রগতি অপবাহিত হথ্যা দোষহিওনপুরুত্ত, রাজার আন-ভাষাধান ছট্লেন; এক এ বে খ্লিলিটের গাজনভাইইডে দ্রীকত চট্মা, ভাকলের তুটানেছওলপুর্বক এক আবিদেনিথে গোদা, বঙ ছইন, পোরাবেও মানান করিবেন.

জানুর রাজা এমত জানুরদ্দী জিলের বা, যে তিনি জান্য এক প্রির বর্মাণ পূর্ণিনের প্রে গুরাতন প্রিফালিক ভারি করের. পরে যে বাজি রাজার গ্রিফাল হার হার করেবা পরে থা বাজি রাজার বাই জিলের যা; এবং এক জানুবংশ লাভ যা। হার জিলের যা; এবং এক জানুবংশ লাভ যা। হার জিলের এবং ঐ ন্যান্তি করেবা লাভ্রান্ত প্র লাল্য করিবাজিরে না; ঐ ব্যাজিক দ্বিয়া নামবের্ত র পালুবং, ঐ ব্যাজিক পৌলার্য এবং ভাগার শিশোলের যাজার দেখিয়া নামবের্ত র বেন ইলা লিখালের মাজার করিবের বাজার সাজাৎকার স্থালার করিবের বনাইল, তাহাতে ভ্রান্ত রাজার ভাগারে বিল্লান বাজার সাজাৎকার স্থালার করিবের বনাইল, তাহাতে ভ্রান্ত রাজার ভাগারে বিল্লান বাজার ভাগারের বিল্লান বাজার বাজার

এক অর্নের থানির ওফেশ পাইয়াজিলেন, দেই ২০০ মাইলে ঘাহার। পুথার দেই আন হন্তাও করে, তাহারা দেবল খনবান স্থানে না, থিক রাজ্যের পুতিও বহুর্নায়ক হন্টবে পানে রাজ্য উচ্চার কথায় বিকাশ করনদারাইবা হওক, কিন্তা ভাগাকে পূর্বাপেকা অবিক নিনুছ করনাশান বা হওক, তাহাকে ঐ বনের চেম্বায় যাইয়া আন্মভান্য পরীক্ষাক্রনে অনুযতি দিনেন; কিন্তু তিনি যে ইহার পরে কদা চারা হহ্যা চলেন, তারিয়াতে তাঁহার দুরের দ্যান্তা বহল রাখিলেন.

পরে ঐ রালিঘু ঐ অভিলম্বিড বিষয় দিলার্থে আংয়োজনকর বে বছবিলম্ব করি लिन ना, अव॰ वे विधाय वर अप्यांशी इअनुमुक्त मकल जाविक लाजिलन ध ঐ ব্যক্তি মেমনি কহিয়াজেন, তেমনিও তিনি ঐ বলোদেশে যাওনবিষয় এলদা মুক জ্ঞান করিতেছেন. পরে ঐ হ্যক্তি জাহাজপ্যে ঘাতা করিছা গ্রাহাল দেশে পহঁজিলেন, সেই স্থানে পঁছজিলে সফলছইতে বড় পাঁচ জাহাজ লইগা তিনি অভ্নোকোনদীর মহানায় নগর করিয়া রহিলেন, এবং অন্য জাহাত্য সকল ভাষার পুত্রকে একে কাপ্তান কেমিষ্ যিনি ভাষার নিভালান কোক জিলেন, ভাষাধুদিলকে ঐ আধাজেরকর্ত্তম দিয়া বন অবেছনে খডাইড়া দার্গের। দিলেন, भाव मार पात भेपिकाल (एयम ये देनमक्याकार्श्वात जाना कहिए। शियाकिल, তেমন অর্থময় দেশ না পাইলা, দেখিল যে স্প্রোলায়ের তাহারদের আরিমনের সম্বাদ পাইয়া সামল হইয়া, যুদ্ধকানে পুক্তও হাইরা কহিয়াকে, পার ঐ মুবারালিঘ্ আত্মলোকেরদের সাহস জন্মালার্থে, যে লময়ে তামস্বায্ সহর নিকটবর্তী হ**ইতে জিল, তথান তাহা** দেখিছো, লোকের দিলকে তাকিয়া ক্ষালেন, যে এই সভাস্বৰ্ণ থানির, এবং মুখবৈটভিরিজ কেছ এন্থান জাড়িয়া অন্যন্থানের চেপ্তা করিবেক না; কিন্তু এই কথা কহিতে জিলেন, ইতোমব্যো এক গোলাপুর্বস্ত হইয়া তৎক্ষলাৎ পুলি ত্যারা কনিলেন. এই বিষয়ের পরে অন্য এক প্লানি ডপন্ধিত ছইল, যেতেভুক যথন ইংগ্লগুয়িত্বা ঐ সহর হস্তরত ক্রিয়া किल, उथन वष्यला किल्डे मुाध इडेग़ाकिल ना.

গরে ঐ ভূল রালিষ্ এমত দুর্দাণার চইয়া, দেঝিলের যে তাহার তারদাণা বিদলা হইল, এবা দেঝিলের যে যাচারদের সর্ত্ত প্রুত্ত করিয়া জিলের, তাহার দের তিরক্তার এবা অপমানদারা তাঁচার দুর্দাণা অবিক বর্ত্তিত হইতে লাগিল. পরে তাঁহার দুর্দার অবিক কিছুই জিল না, যেচেতুক তাঁহাকে কহা গেল যে তোমার রাজার নিক্টে সকল কার্য্যের ওল্পন্ত বার্যে ই প্লাওদেশে পুড়াগমন করিতে হইবেক. এবা এ রালিছের বিষয়ে ইহাও ক্যিত আজে, যে সে একোর ভাময় স্লেনীয়নগরসকলের ওপর অভিজ্য কর্লাথে আয়লোকের্দিগকে সম্মত করাইতে জ্লেপুর্ক অবেক চেখা পাইগাজিল, তাহাতে অপারক হইয়া শ্রীদিম্

দেশে পলায়নকরনে মনত্থ করিছাছিল. পরে ঐ মকল চেমা নিদ্ধলা ছওয়াতে,
ঐ ব্যক্তি রাজার নিকটে অপিত ছইয়া, মে এবং তাহার অনুম্বন্ধী সকল, রাজার
৪৪সভার নিকটে দৃহতর বিচারিত ছইল. পরে ঐ গুল্লমালার বিকলে কাছের
রাজ্মার নামক স্পেনীয় ধকিল অনেক লালিম করিছাছিল, তাহাতে রাজ্য করি
কোন, যে স্পেনজাতীয়েরদের মহিত যুদ্ধ না পরনে এবং বিরোধ না করনে, ঐরালিম্
দৃহতর আজাপুাপ্ত ছইয়াছিল, এবং স্প্রেনীয় রাজসভার পুতি আক্ষশুলা আনাও
নাথে ইরালিখের বর্বপতে, বর্তমালাপরাইনিমিতে নহে কিছ পূর্বকৃত কুপরামর্শের
নিমিতে, আজর করিজেন, এ মহাব্যক্তি ভারদায় যেকপ নির্ভ্রত পুকাশ
করিছাছিলেন, তজ্ঞান মৃত্যুস্বাহ্যেও জানাইনেন; এবং ম্মান স্থানাভাত্যুক্ত
ছইতেভিবেন, তজ্ঞান উল্লেক্ত ক্যা কাতি বানা রোল, যে বুটার অভিভারি নথে
কৈছ সার্বদুঃশ্রহ্টতে মুক্তওনের ওএবং এবং দ্বিভারিলোকেরদের পুতি যে
ভাহার মন্তব্যুবার, ভাহা অভিনিক্তিম্বালন এবং গানুস্বাহ্যান্ত কহিলেন, পরে

কি কিং কালপরে ঐ জেমু রাজার স্নেন্দেশীর রাজার লুভি যে শুলা গণন্ডিছ হওয়ার গলকার হইয়াজিল, তাহার অলেক কারন পুকাশ লাইতে লাগিল। যেহে তুক ঐ সমুছি আলমতানুমারে ইয়া লাবিলেন, যে চার্ল্ল্নামক আল্পুণ, যিনি নেল্দ দেশের যুবসাজ জিলেন, উচার বিবাহ রাজবংশজাতব্যভিরেক কুজবংশে দেওন অমর্য্যাদার বিষয় তত্যব দুঁলিশ্রাজমভার মধ্যে বিষয় স্লেবংশে দেওন অমর্য্যাদার বিষয় তত্যবি দুঁলিশ্রাজমভার মধ্যে বিষয় স্লেবংশে দেওন অমর্য্যাদার বিষয় তত্যকিকে, তাহার চেগ্রাকরভার মধ্যে বিষয় স্লেবংশায় রাজমভার মধ্যে গুলাকু হাজিকে, তাহার চেগ্রাকরভারশার হাইল, এবং শোঘোজ বিষয়ে অববারনকরেনে তেনা পাইতে লাগিলেন। ঐ নমহুলিওমার মিনি স্লেন্দেশীয় প্রকিল হাইয়া ইংগ্রে দেশে জিলেন, তিনি ঐ দুর্ব্রাভিকরেন রাজার, সর্বাপেকা রাজসুবুই পুরিব্যাদিরদের পুতি অবিক শুলা দেখিয়া, স্লেন্দেশীয় রাজার দিতীয় কন্যার মহিত ঐ চান্দ্রামক যুর্ব্রাভের বিষাহ দেখনে প্রামশ দিলেন, এবংঐ বিষয় দৃদ্ভর্বাথ্যে এই আশা জন্মাইলেন যে ঐ রাজকন্যান মহিত রাজ। অনেক বিনপুরি হাইবেন। পরে দে যাহা হারক, ঐ সম্বন্ধ যে অভিসীন্ত নিরে হাইবে ভালার কোশো সম্ভাবনা জিল না; যেহেভুছ যে কালাববি ঐ বিষয় পুথম গ্রাভিত হাইয়াজিল, দেকালাববি পাঁচ বৎসর রাড হাইল, তথাপি জেমু রাজা, ঐ সম্বন্ধ নিয়বিছ্যনের কোনো চিহ্ন দেখিলেন না.

পরে এডজাপে ঐ বিবর্গ হন বিষয়ের বিলয় হওয়া, েম্নু রাজার পুতি অত্যন্ত অসাতোষজনক হউল, কেননা ঐ জ্যেনু রাজা ঐ রাজ চনার বহুর্য স্বাধীন কর নাথে বহুকালাববি আশা করিয়া রহিয়াজিলেন, এবং চার্লস্নামক মন্যাজেরও ঐ বিবাহের বিলয়হওনবিষয় অভ্যন্তাসকোষজনক জিলেন, যেহেতুক ভিনি বাল্যা বছাববি ছাভিলামবিষায় কদালি নিবারিত লা হইয়া, আত্মদ্ধেহ পাত্রবে লা দেখিয়াও তখদহ প্রেমাজিলামে দিমন জিলেন, 📑 বিধানের বিষয়ে এডজপে विसम् হইডেজিন, ইভিমব্যে িল্লেন্ দামে এক ব্যক্তি, মিনি অনেকঁকালাবিবী রাজাতে আআহান করি তালিয়াজিলেন, তিনি এক ওণায় ওপবিত করি लেम, যাগা রাজ ত্রির ও বিত্রকর্মারে ক্রানো এক ইতিহাদের স্লাই « অর্থাৎ যোল্ডু বিনক্ষুক ৬পদ্বিত করে। বৃশ্ব ভাল জিল, এ ব্যক্তির ওপদ্বিতওলায় এই, যে নুবরার অনেবেশ বর্ব করিয়া স্কেশদশে মাত্রা করিয়া, অয়ণই ঐ রাজ হন্যার মহিত মানে ৷ ক্রিবেন ৷ পরে ব্রিক্টাম নামে এক ব্যাক, মিনি ष्यांनेनोरक ने यवनारकार व्यवस्थात क्षित्र वोश्वा क्षत्रिशक्तितन, विनि ने योजाप्र ने युवराध्याः अन्यभी १ अति निरम्भ क वृत्तमः अवश् इं जि।, योशित अभयुक कामा अहे .कल, एर में ५६, व रिम्नाहा विकास प्रहेरतम, जितिय में जामान्हरू ধানের সমত গইলেন । পরে ঐ যাত্রাবিময়ে ঐ দুই আছির ঘাছাই ঘাওঁরা ফিন, এজা নামা করিনে অনেক ইভিনামে গ্রন্থবাছল্য চইতে পারে, এক-ঐ যাত্র, বিএয় অনেক গুল্ভর আদিকারন "ইয়ারেন 👚 ঐ মাত্রায় চার্লন দ্বরাজ যোল্য বিন চউলেন, এক সক্লিছামু ভবনুৱাত মহাশায়পদে থাটা চইলেন। পরে লে যাদা ছ ক, ঐ ভার ব্রিষ্য ভাই হইল, কিছু ডাহার কারৰ কোনছ গুৰু वाजान विभिन्न करवन गाँडे, अवर एपि अधिकां उधकां जिक है जिहां में तहरकड़ দের কথার কিন্দিনির্তর করিতে পারি, তবে বুকাঘায় যে ঐ সময়ে ঐ সুবরাজ मुँ। निरमहापद हर्ग (इन) : कना दे मणि उ भु विमुक्त किल्लन, धार हरूक किल्लान भेत, जिति के कंगोरिक विशेष कहिरलन,

ন্তর্গ সহতে বকা যায়, গে ঐ সঞ্ল কার্য-নিমিতে পুজারদের যথেষ্ঠ অস ভোৰ ংল্লিল. ঐ লময়ে প্ৰজাপুতিনিবিমভ্যেগদিগকে শাসনে রাগনে রাভার অনাব্য ছইল, যেহেতুক তেম্ রাজার লা,টেমভার এক আআপিুশোলেরদের অন্তাতহওয়াতে, ভাঁচার অর্থের জাবশাক্ষায় এমত বৃদ্ধি পাইতে লাগিল, ম অর্থ প্রাপরার্থ ঐ চাজার আরাহোপু ঘটিকাজনক সামগ্রী সকল, প্রজাপুতিনিরি লাভ্যেরদের বিকাটে সামেহ একের পারে আরিএক বিজয় করিতে ছইল, এফ ঐ হাজা আর্থবায়ের আবশাকতা দেমন ওত্তরে তুর পাইতে লাগিল তেমদো ঐ মত্যেরা ওওরোওর নুত্রহ নিশেদনপত ওপন্ধিত করিতে লাগিল, এবং গ্রাহ্ महारा वे म छा ा इरिकारक अर्धन्तित कहिउ, मिन्नेश महार म व्यर्धित महिउअ কোনো-এক নিবেদ্দপত ওপন্থিত কড়িত, পারে ঐ রাজার এবন ভাঁচার পানিষে ভের অর্থাৎ লাচ কল্যেরদেশ মধ্যে যেই শার্যাল ছাই'ত ফিল, ভারা পুত্রেক কেদন্ আথিৎ মহানভারদের একপ্রহিওননমনে ওতালের বৃদ্ধি পাইতে লাগিল, এবং শেষ সেদানেতে ঐ দাভ্যেরদের আকাঞ্জা এয়ত বর্দ্ধিতা হইল, যে রাজা আছেই শক্ষান্তিত হইতে লাগিলেন; এবং ঐ জেমু রাজার দৌর্হল্যহেতুক যেই দুঃশ্র ৪২পর হইয়াজিল, তাহা তদুত্রাবিকারির ওপরে পঢ়িন.

পরে ঐ সকল গুছোৎপাতাপেন্দা, অধিক অন্যথ অনেক গুরুতরোৎপাত, যাহা জার্মনি দেশে ওপন্তিত হইয়াজিল, এবং যাহা অবশেষে অনেক মন্দের আদি কাৰে হইল, তাহাও ওপন্থিত হইল, যেহেতুক ঐ জেন্নু রাজার জ্যোচা কন্যার, দ্রেজিকনামক কার্মনি দেশের পালাতীনের মনোনিতকর্তার সহিত বিবাহ হইয়া জিল, এব • ঐ ঘুবরাজ দিঙীয় ফর্মিনাণ্ড নামে সমুটের বিকল্পে অপ্রবারন করনপূর্বক যুদ্ভেতে পরাভূত হইয়া, তাঁহার হলওরাজ্যে আপুয়লওনের আব পরে ঐ যুবরাজের ইণ্প্লভীয় রাজার সহিত নিকটসম্বরপুযুক্ত, এবং ওাছার দুর্দাপুষ্জ; বিশেষত, অবিক প্রাতিষ্তব্যতন্থাপনার্থে, ঐ মূব রাজ অনেক কণ্ড পার্যাজিলেন, তৎপুমুক্ত ইণ্প্লভার নিবানীরা, ঐ মুরুরা জের মধল বর্দ্নেরুক হইল. পরে তৎকাল্যসমাদনার্থে যে জেলু রাজা, ই জা মনীয় মুল্লে সহভাগী হইয়া, ঐ সিংহাসনচ্যুতরাজাকে তৎপৈত্ক রাজসিংহা লনে সংস্থাপন করেন, এই বিষয়ে পুজাপুডিনিবিসভ্যের', জেমু রাজার নিকটে অনেক নিবেদনপত্র পাঠাইলেন। পরে ঐ জেমু রাজ। ৰজামাতৃদুর্দ ।।, সন্ধিনত্র ছার। িৰ্ভাকরনে পুথমত ওদোগী ছইলেন; কিন্তু তাহ। ব্যর্থ হওগাতে, ঐ ছ।দি নাওনামে সমুপটের হন্তহইতে, ঐ পালাতীন্ মনোনীতকর্তা মুবরাজের মুক্তি, অক্স গ্রহণকরণদ্বার। সিত্তকরণে বিশ্বর করিছেনে। তাহাতে স্পেন্দেশের এবং তৎসমুধ টের বিফলে যুদ্ধ পুকাশিত হইল, এবং ঐ খ্লেনীয় শতুরদের বিকল্পে যারিস্নাযক মুবরাজ যে ওপায় বির করিয়াজিলেন, তদুপায়বিষয়ে লাছাযাকরনায়ে ১ জয় সহসু লোক সংগ্রহ করিয়া হলও রাজ্যে প্রেন করিতে হ**ইল.** ঐ সকল আচ্মর এবং অরাজার লাহল দেখিয়া, পুত্যালাতে পরিপূর্ল হইয়া, পাপামতাবলম্বিদের সমূলোৎপাটনবিদংগ, যে কোনো মূল ওপন্ত হয় না কেন, তাহাতেই সদ্ধ হইয়াছিল. পরে ঐ সৈন্যসমূহের অন্য ছাদশ সহসু म॰ धारू रेमना, योशंद (मनांপতি কৌত্তযান্দ্রছে ন জিলেন, তাহারা ওপ্রিত হইল, এবং ট্রানিদের রাজসভাব লোক, ঐ মুন্তবিষয়ে ঐ জেনু রাজার সাহায়ঃ পরে ঐ সকল বিষয় মাহা ছঙক, ই॰প্লগুয়ের। করনে অপ্রীকার করিল. তাছারদের তাবদভিল্ঘিতবিষয়ে নিরাশা হইল, যেহেতুক সৈনালন দোবর नाय चारन जाशां क हिंगा, कालम्नांयक मेश्रव यांवा कविया अजीर्न ছইলে পর, জাত হইল যে দে শহরে তাহার্দিগকে গ্রহণ করেন, এমন কোনছ कांजा जिल ना; घडनव ने लंश्वनिक है कडक पिन निवर्धकवान कांलयानन

কর্বাসন্তর, নপ্পর তুলিয়া জীলও দাথে উপদ্বীশের দিরো তাপার দিরে যাই। করি হৈ ছইল. এবং সেই জানে পীত্তলের পর্যে তাথার হৈছের জ্যোজহইতে অবতর্প ছঙ্মার কোনছ উপায় ক.। যায় নাই; এই সকল ইতে জিন ছঙ্মি বা বছকালা বিশিক্ত জাগাজে ভিত ঐ সকল সৈন্যার্থের মধ্যে ম রাভ্যু ওপ্ডিত হওলাতে, জাগাজহইতে অবতর্পপৃথি অনেক সৈন্য মারা রোল. এবং অন্য অভ্যুক্ত পাতা তে শক্তিহীন হইলা পালাতীন্ রুগ্জ্যে হেলাউকর্থে অপারক হইল, তদ্ধি কুপ্রা মর্শপৃথক ভিত্তিকর ঐ নিয়ন যুল্যাত্রা সাধি হইল.

পরে ঐবর্ভার বিষয়, বে জেমু াজার শরীরগীরোমপাদক হইয়াজিল কি দা, ইশ করা যায় লা, বিশ্ব অন্নানের পর জাগিক স্থার্থ হাইলেন, এবং মথন ভাগের মন্ত্রীরা ওপরেশবার যে তাল কিলেন, যে ঐপায়াত রাজার মর্য়ল চইকে ইরাতে ঐ জ্যেন ওলা ওলাল কিলেন, যে ঐওপরেশকরাক্য সুক্রাজেরদের বিষয়ে ভাগে, পালেয় হলটোর ঐ সুগ, কল্পমুরকাপে বৃদ্ধি পারণতে, তিনি অভিনুত্রির হাই ওলালি লো, এবং মুব্রাজকে তাকাইয়া জাজা করি লান, যে তবি পালিয়ত লোকে চলালিয়া ক্রিলা, বিজে মান্ত্রিক আয়ুর্গে মান্ত্রিক ক্রিলা করিলে পর, একং মান্ত্রিক শান্ত্রিক আয়ুর্গে মান্ত্রা বাইণ ব্রুমর রাজন্ম করিয়া, পুলি তারে করিলেন,

६ ज्ञास्यातिः मंभागः.

পুথম চার্নের বিবরণ,

চার্নিস্ নামক মুবরাজের তুল্য সুসংঘটনপূর্বক রাজগনের দেবে অত্যান্ত্র লোক গাজনিংহাসনে ওপবিষ্ণ হইয়াজিলেন, এবং পুায় কোনো কেহ ঐ চার্লনের তুলু কথ্য সহিস্কু জিলেন না.

পরে, ইহা সত্যা, যে ঐ চার্লন্ রাজা ঘথান পুর্যুত্ত রাজকীয়ভার গুছুর করি লেন, সেই সময় িনি ভাবিলেন, যে আমি রুত্মর্য্যাদাবীর এইপুযুক্ত সর্কার্য্য অনায়ানে নিজ গ্ইতে পারে. ঐ রাজা গতরাজ্যের ভাঁচার শায়লক যে পালাতী লের যুবুলাজ, তৎকাগায়ার রুল্বিয়াক ভ্রতরুক্তিকের রুলিয়ার করনারশ্যক গাজিলেন, এবম কর্ম রাজারে ইউগের ঐ কাম্যালিজার যা তালুল্যার করনারশ্যক ছাইল; কিছ ভাষা যাহ হতক, মুনার্ম করে বাল স্ক্রিল্যার করে যোগান কাঠন বিষয়, এবম জনক্ষের্বে নার ক্রান্যালয় যা যাহাল্যালয় অর্থান পুজা পুডিনিরিসভালা ঐ চান্য রাজান ক্রান্যালয় যা মুল্বার অর্থানুমান্যালনে অক্র ছাইলেন, বিছ ভাষা মান্ত্রার স্থান্যালয়র আক্র ছাইলেন, বিছ ভাষা মান্ত্রার স্থান

পরে কেরিখুন। क শহরে এক অসকেন যু, যানা করিলে পর, মুলার্মে জর্ম मण एक है । विवरण, जना वक ६९५७, यांहः भूशे (तेषा वांजारावन्। वांजान्यां हो ফিল, ডালার চ্পান্ত হাল, লাক জন্য এক পালি, মত তথাৎ এক মহাসভা আলত। বইল, এবা পুলা। পুলাগুলিবিলিনাভার মধ্যে ঘাইবারা পুরান ছিল, ভার্টিদের কলকট্লিনকে লাল চাই নথাট্টিছে, অন্যহ পরালার মতনায়ক্রপদে स्मावाद, भार्त् विकराव देववर अस्पति क्ष रहेन, ज्यापि ने नेत्वात्व শহুবারলানভালেন অবশ্যসুধ ২০ন মধ্য রাজ্য আলাবশ্যক বিচয়, ই मार्वाद्रकतांका विकास को व कहाईया द्वासार्यमा भूतिनी द्विमालालन उद्यन भी भारत है। जारत चत्रल हिर्देश मही कर के दिन देन स्वृत् इंड्रेलन ; के लावन के मुख्य विकित्त । या शिल्यात श्राहरणकश्रीय लिखात्म गुहूर ফিল মান । আত্মৰ মুলুবেৰ গুলাৰ, । মেগত সাম বিনিলাবাহিলালে সহিত विक्ति उस के विकास दिवस्य सार वाका वर्ष का का कार्य कर्ति स्थान हुकालव न या वायच के किया का एतन. भारत है। स्वाचा व्हाट हाउउ वाय M. for 5 राज के के का न या मान की सामित । में जाहा वास्ट्र इस्ताड इडेल. भारत में महिला के किए दिवस में को अब के किए बाजा महीर किए महिला **उद्भाः त्र (तमर) आधा**र्तामान पुरुत । के. त्र । ता । यस म क्रेक्ट्राव अस्तात स्विर লালিলেন. এক সভাবা হওক কিয়া চলপুইকইবা হওক, মুখারে জাহাজনমূহ

পুত্ততকর পার্থে, পুত্তেক সমুদ্র নিকটক নার, এবং ঐ সকল নার নিকটক প্রানার পুতি এই আজা দিলেন, যে যত জাহাজ সন্ধিত করিতে আজা দেওয়া বিয়ালে তাহা পুত্তত করিতে, তাহাতে কেবল লওন শহরের ২ং জাহাত পুত্তত করেওতার হইল. পরে যাহা অতিশয় অসহিফু হইয়া অনেক অন্যায়ের কারও হওয়াতে, পুজারদের মধ্যে অত্যমতোঘজনক হইল, এমত যে উক্তমণ্যু হক্রও, ভাহার পুথ্যোপক্রম এই হইল.

কিন্দিদিবন পরে ট্রাঁনিনেরদের সহিত মূজকরনাজা পুকাশ হওয়াতে, বকিৎ হায্বায়ক সেনাপতির আজাবীন, দুঃ'[মসাতঃপাতি রচেল্লি শহরের ওপ কারার্থে সংগ্রামজাহাজ প্রেরিত হইল. ঐ শহর যে অনেককালাববি ট্রাসিন্ রাজার অধীন না হইয়া, বহুকালাববি বিমাতির্মতগুহুল করিয়াছিল, তাহা এথাৰ বৃহদ্ৰয় ইছের দৈন্যদারা বেখিত ছইল, কিছ পূর্বে যেমন ল্লেন্দেশীয় উটনমীপে পুেরিত যুদ্ধজাহাত দুর্দাল্লিড হইগাজিল, তেমনি ইহারাও হইল. 🖨 অনুপ্রীর কার্য্যকর্ম সন্থিবেচনাপূর্বক না হওয়াতে, সাহব্রনিবাসীরা, পুরুষার ফল্ল করিল, এবং মাহা,দের বিষয় তাহার। অনবরাত জিল, এই মত দাহাম্য কারিরদের পুরেশনিবারক ছইল. পরে ঐ অগ্রুণী অলিরন্নামক ওপদাপ, যাহা অভিচলেবত এব॰ অসুবন্ধিত, ডদুপরি চছাও না করিয়া, খ্রি নামক ওপদ্বাপ হাহা সৈন্য এবং দুর্গাদিতে সুর্ফিড ছিল, তৎপুঙি যাতা করিল. সেই ছানে পর্ন্থ জিলে পর, ঐ অগুনী মার্তিন্ লামক গড়ন্থিত দৈনে।র্দিগকে, যাহারা সমুদ্র পথারারানিত মথেন্য প্রাদাসায়গুর্গ দিহার। নাহায্যপুরি হইয়াজিল, তাহার দিলকে থাদাদ্রবাদি দিবারন্দারা হত্তরতকরনে চেম্বা করি গাছিল; কিছ মুন্দিদেরা আঅদৈনোর্দিগকে তওকণে ঐ ওপরীপের অন্যভাগে মুক্ষার্থে প্রেরন কবিয়াজিল, তাহাতে বকি°হামের এমত ্জততা হতিতে হইল, যে জাহাজে ভাহার দৈন্যসকলকে পুনরারোহন করাওনের পূর্বে এবং ঐ আরোহনকরনবিময়ে ঐ অনুনী দকলের পশ্চাৎ ডট ভ্যার করিলেও, ভাঁছার দৈন্যের ভিন অংশের মধ্যে দুই অংশ কাটা পড়িল. কিন্তু ঐ বিষয়ে ঐ দেনাপতির আফাদাহদ গেমনিবা বড় হয় না কেন, ই যুদ্ধ অসালে হওনপুমুক্ত, তাহার রাজ্য, যে অপযাশ পুঞ্জি হইয়াজিল, তত্নুরবৈর্তে দে ব্যক্তির দাহদ অত্যন্ত্র দাব্রেলায়ক হইল, যেহেতুক ্র সেশাপ্তির মর্থবিষয় সর্থাধেতেই রাজ্যন্থেরদের থোদ্বিষয় ছইত.

পারে রাজার এবং প্রজাপুতিনিবিদান্ত্যেপদের মব্যে যে বিবাদ, তাহা ওওরো তর বৃদ্ধিপাইতে লারিল. এবং যে২ মহাজন লোকেরা তদেজ্ এবং পাওওেজ্ নামক রাজভদ্ধ, এবং যাহা তাহারা কহিল, যে ইহা রাজ্যব্যবস্থানুদারে নহে, ভাহা দেওনে হেলনকরএজন্যে, তাহারদের সামগুরী দকল আটক পড়িল. ঐআটক কাহার আজায় করিয়াছিল, তদুত্র দেওলাথে শ্বন্ধগৃহের পুরীনাই ব্যক্তিরা পুজাপুতিনিবিসভাকর্থক আগৃত হইল. পরে ঐ বিষয়ে যেই ব্যবহা করা গি য়াছিল, তবিষয়ে এক্কেকর্নায়ক শ্বন্ধাবিপতিরা, সভ্যকর্থক পৃষ্ঠা হইল, এবং লণ্ডনের দওলায়ক, ঐ বিষয়ে গ্রন্ধগুহি কর পুরীন ব্যক্তিরদের পক্ষ হইয়া বাদালু বাদকনেওপুযুক্ত গড়মধ্যে পুরিত হহল. এই সকল বিষয় অভিনির্গাপুর্বক কৃত ইহায়াছিল বটে, কিন্ধ পুজাপুতিনিবিসভা, যে ঐ বিষয়েয়াত্র নিব্ত হইল, তাহা নয়, তাহারে বর্মবিষয়ক লালিছে হাতদেওনে মনন্দকরওদারা অবিক নির্ভায় ইত্তে লাগিল, তাহাতে আন্য এক নৃত্তন দুংসহাসভাব ওপন্থিত হইল, তাহাতে রাজা আপনি পালিষেতকে শানিত রাখনে অপারক ছিলেন, অতএব তাহা ভক্তন করনে মনন্দকরে লোল, এবং যে সময়ে ঐ ওনেজ্ এবং পৌত্তেল্যামক করের বিষয় পালিষেত্রের মধ্যে ওপন্থিত হইল, সেই সময়ে সর্জান্ ত্রিপুলামক পালিষেত্রের বাক্যপুচারক, ভিন্না জাত করাইলেন, যে পালিষেত্তপুনকরেওর আজা পাইয়াছি.

ঐ বিষয়ের নিমিন্তে তাবৎ পার্লিমেন্তগৃহ কলছেতে পরিপূর্ল ছইল, এবং ঐ বাক্য
পূচারককে পুনর্ধার তদাননে বনাইয়া, ছল্লিশা, এবং বালেন্তাইন্নামক দুইব্যক্তি
তাহাকে বলদারা, যাবং ঐ বিষয়ের জন্যায়্যবিষয়ক এক লালিম্পত্রন করা
রোল, তাবং বির্যারাখিল; পরে ঐ সত্ত্রনিমিন্তণত্র পরস্করসমত্যাপেকা বর্গদ কলছদারা ছির হইল. ঐ সত্ত্রনিমিন্তিপত্রের দারা এই ক্যা পুচার জিল, যে পাপামতাবলমীরা এবং হামিনের মতাবলমীরা, রাজ্যের শত্রু; এবং তলেজ্ এবং পৌণ্ডেজ্ নামক যে শুলু, ভাহা রাজ্যের অব্যবস্থাবিষয়পুষ্টু রুদ হইল, এবং মাহারা ঐ শুক্ত হাসাল করিল, তাহারা কেবল নয়, কিন্তু মাহারা ঐ শুলু
দিল, তাহারাও মরন্যোগ্যাপ্রাবি দো্যীকৃত হইল.

ঐ নিচ্চুরাচরলপুযুক্ত এবং রাজার আভাতে সর মাইল্র হোবার্ত এবং সর্পিতর হেমান্ এবং দেলেনে এবং করীতন্ এবং লং এবং ডোদ্, ইহারা কলহ জনাওন দোষে গাছে অপিত হইল, কিন্তু যে হঠাৎ কাবিত্বজ্ঞা পুতুক্ত চালক্ তাহারদিগকে বন্ধ করিয়ালিলেন, ঐ অভাবপুযুক্ত তাহারদিগকে শাল্ল পুন্মুক্ত করিলেন, পরে সর জান্ এলিজট্ এবং হলিশ্ এবং বালেভিন্, ইহারা রাজাসনাধ্যসভার নিকটে আহুত হইল, কিন্তু অবিক্মর্য্যাদিতসভায় ক্তাপরাবিজন্য, তদলক্ষা অলুমর্য্যাদিতসভায় বিচার্যাহওনে অবহেলাকরলপুযুক্ত, যাবৎ রাজার ইন্তা তাবৎ কারাকে থাকিবে, এই দণ্ডাজা দ্বা হইল, পরে পুথ্যক্ষিত দুই ব্যক্তিরদের আহিছ্ হাজার টাকা, এবং শেষক্যিতব্যতির এক হাজার পীচ শত টাকা দণ্ড করিয়ো, গশাতে যে ভাহারা ভ্যাচরল করিবে, তরিয়িত্বে

তাহারদের জাথিনদেওনের আজা দত হইল. ঐসকল সণ্ভারদের ব্যথ দুঃথোতে আক্লাদপূর্বক বৈল্যাবিজ্যানন্ত্রন এবং সাহস দে,এছা, ভাবদ্বাজান্থ লোক তাগারদের পুশংসা ক তি লাগুলন

अहे मक्ल क्षे जिल्लेल, अवन या गया। एक्लम् वाजा भूजांगुनिविमास्त्राह দের বিজ্ঞানুষুত্র আতাজ্যায়নুত্ত হই বিভবেন, নের্ সমরে প্রিজানের অুলী, ওঁহোর এক জন আভাপু পাত্র বক্ষার স্পুলা হণ্ক অল্ল।তা দাপুলি পুরুক্ত মারা পড়িরা ছিলেন, ওঁলোর মৃত্যু বি প্রেরিক দু, অনুক্র হইল। এ সংক্রে উটোৱা শ্ৰক শহর যাহ। সৈন্দ্রের বে, ৪৬ জিল, সেই দেওলভয়ান আৰু এক **বার পন করি**য়: জিলেন, ঐ কাধ্য, সল্লাধ্যে দেন্ত্র লামক বক্তি সাধ্যে, পুদেলাবি কারির শ্যা লক্ত প্রের ১ হই নামেল, কিন্তু যথকে পিছের নির্বাধ করেতে লাভানী, দিনিয়া আছেল। পরে ঐ অপনাসর দেশার্ম করিস প্রামের অনুনা, সন্স এই मुख्याबोद जाएगेष्ठनोत्तं, दद० याशोदी राजकाविष्ठः वाखारक पूर्णाली करात कथा भारतात्वन, जोरावान मधान अने एवं चार है त्या उन्न र् जार्द नै सर्काकुलां हुन वाहित भूं उन्हेंच त्य अमरकाथ असि, ।, यल, সে নিমিত্তে নিত্য এই আশা ১৭নার। হইল, যে তাহায় বিনা পাতে (২ালো এক ধ্ৰপায় অবশ্য দ্বিভিত হইবে; ২বং সাইন ঐ ৰকিং হা মত এই অগ্যান হইল, য মে রাজাতে প্রস্তাতকর্সে ও,দ্যারকর্সের,র) রাজ্যের নাশক হর্চা।জল, ঐ সময়ে ছেল্ডল্লামক এক ব্যক্তি ছিল, সেও ঐ সংগ্ৰহণাপ্তিমংয় মনাত্ত ছিল. ঐ ফান্নি আইলিও জাতার এক তবুৰণশক্ত, এবং ঐ অগুনার অবলৈ ছইয়া পুথমযোক্ দে ভিত্তইয়া কাম করিয়ামেন, বেশ্ব ভদুর্পদত্ত কাতান ।ম্বি **জ**্মর ওপছাপেতে মারা পারিনাজিনোন, বারার মৃত্রির্নাতে তথান ুর্বারো বিধারত হওলপুষ্ট কর্মালায় করেল. । ঐ মনুল আলাক বুলুক্লমনা, এক **লাহলিক, এবং অমতদৃহাব**লমা: ঐ তাজি আমারাজ্যের লেখেতে দুল্য**ুত** চিলে, এবং ভাবিতা চিলে বেড়া আকে দুরুমহত্তে যুক্ত করিতে আঁত কার্ত্ত নামটা তলা; **काउ**द्भव ने व कि, ने प्रशुलीक वर्षकालप्तांता, स्वरः ह (यर विश्वालु । अ रहे नाविल, ভাষার পুরিছার দেওয়া আই.ড পারে, এবং ঈশ্বারর এবং মনুরোর ওপকারও रहेरव, हेर्। कार्यिक वे कोर्कानक्ष्यकान अस्य काल्ल. भारत्य पुरुषा । ये विषय ৪ মত ছহ্মণ, এক অন্দলাম ভারে নুৱা গতে ক্রনাতুত হাইনা, একাফা পোর্ত म्बर्ध्नप्राप्त स्था कर्ताला अवश्राय सम्बद्ध ने खुना बन्द्रगावस्याना (स्राप्ति ५ स्ट्रेग्र) काशाक रेम त को अला वाका पिट कि लन, कार मगर महत्वाका मुख्छ हरेता; अव : य मगर्य में ज्ुती उंश्तर अक करने लाव महिज कथा कहिएड जिल्लन, **সেই লময়ে ঐ চেল্ডন্ জন্য এক সেনাপতির ऋত্বের ওপর দিয়া এফ জুরিকাদ। ত**

ঐ অনুনীর বলন্দলে করিল; তাহাতে মানপার্শ্ন আপুনী কেবল এই এক কথা কলনাবকান পাইল, যে ঐ দুখ আমাকে পালে মা হিছে, পরে ঐ ক্যা কহি টা ঐ করেলের পদ্ধিকটে পাছিল তৎক্ষণত পুলিজার কালি. ঐ য অ ছা ভাছা এবং তৎকর্তা কে কেছ দেখিলে না, বিশ্ব এক টুর্ণা কুড়াইয়া পাইনা জিন, তাছার মধ্যে দত্ বিৰুদ্ধ কারাল পাওয়া বিশ্বালিল, ঐ কারা,জা মধ্যে ঐ অর্নীর প্রি मुजाम् िन विम जाद्रपत अनुविधासका थोका ५ विद्र कहिन, या वे दूनी के प्याप्त करते. अवन ता मामात्त उ'होता के विषय न न। डाबना कहि उच्चिन, কেট ফ ছে টুরির্ভিত এক জন আধিছা দ্বারের সমলে অভিনির্বিদ্ধানে বেড়াই ভেলানিল, এক আমি ঐ কাজি, এই কথা টেতাই । কছিল। ঐ ত্যক্তি, যে পুল ইয়ন কার বি, ১ল ভাষেষয়ে ওপআশ্লাঘা করিম, এবণ ভাষা **অপক্ষক**রনে ভুম**ন্তান** করেল, ১বং এই ক্যাক্ছিন, যে ঐ অনুনী ক্রাজ্যের শত্রন্থ ক্রড দ্ভ প্রেপ্রেম্মানেকে. পরে মুখন তাহাকে এই জিলানা করি শ্লিল, যে তুরি কাশার প্রেশে এ দৃষ্ট্রকার্য্য করিয়া জিলা, তথান সে ১তর দিল, যে এ বিষয়ে আননকা :দিয়ের পুশ্নকরতে কোনো পুশোজন নাই; আমার মনই কেবল আমার পরামর্শক হইয়া চিলে এবং আমার মান যা হা কচে, ভাগার অন্যথা ক, দেণ্টিয়াম কোনো মন্টোর দায়ি নাই. পরে ঐ ব্যক্তি, ঐকপে নিক্রিয়া মনা হইটা শেষপর্যাত সহিষ্তা করিল, এক মাহাল ভাছার সাহস দেখিয়া প্রুশাংসা ফরিল তাহার। কেবল যে তাহাই পুশাংসা করিল তাহা নয়, কিন্ত সে যে কাঘ্যের (বিষয়ে - রিল সে কার্য্যেরও পুনাং লাক্ত্রে লাবতা জিল লা-

শরে চার্লিস্ রাজা, মন্ত্রী এবং পার্লিমে রসভার হিত হইয়া, যে গণায় করিবেল, তাহা অভিসন্ধিরেচনা রুকি করিয়া জিলেন, তাহা এই, যে ইরাজার সতি ঐ কালপর্যান্ত বিবাদ করিয়া মূল্ল করি টিজেনে, তাহার দের সহিত ঐকা করিলেন, ঐ যুল্লে কারার হিত হইয়া পুরর ১ই টিজিনেন, এবং অথা তিপর্বক তাহা নির্দ্ধাহ করিয়ালিলেন, পরে চার্লিয়ার বাজা ঐ সকল বন্ধনকপকার্য্যহইতে মূল্ল হইয়া, রাজ্যান্তর্গতকার্য্যকর্মে মনোযোগ করিতে আরিলেন; এবং ঐ দ্বিদ সভার্যে দুই জন অসুমুগী, যাহারা ভাহার বস্পত্তি হইয়া কার্য্য সন্ধান করিয়েল, তাহার দির করিয়াল করিছে পুরুষ করিলেন, তাহার দের এক জনের নাম সর তামন্ বেত্তবর্মিনি প্রসাধি ক্রান্ত বিশ্বানি বিশ্বান জিলেন, এবং লাগ্রানি প্রসাধি কার্বিয়াল বিশ্বান জিলেন,

অতঃর যে সময়ে লাদ্ ইমপিফপাতির্গের ওপর কর্তৃত্ব করিলেন, সেই সমস্ক সময়ে রাজা এবং আ্রুর্ন, রাগজার ঐশিকবিষয়ের হিত্তে ধার মনোযোগ করিতে লাগিলেন, পরে এই আঁতা দার্থ্য পুরাশিত হইল, যে ঐ রাজবের তাবৎকাল, পার্লিমেডসভারদের একত্রীভূত করা যাইবেক না, এবং রাজার সমস্ত কার্যালারা, ঐ বিষয় যে সত্য, পুজারদের যে এমত জান, তাহা ওড়রোতর ব্যিন্ত হইল.

পরে তনেজ্ এবং পৌণ্ডেজ্নামক যে খন্ত, তাহা রাজাজাব্যতিরিক্ত জন্যের আ জোয় সংগৃহীত হইল না. এব॰ উত্তর্গৃহের পুরীদেরা, সন্দেহজনকবিষয়ের ওদেশে, কোনোগৃহে বলদারা পুরিম্ব হইতে পারিবে, এমত আজা সভ্যেরদির ছইতে পুর্তা হইল. এবং পাপায়তাবলমিরদের মহিত পুকাশিতকপে সন্ধিপত কৃত হইল, এব- তাহালদের বির্মা, রাজকরঙৎপল্লহওনের এক ওপায় হইল. পরে ভারতেম্বর লামক রাজনিয়োজিতদভারা, কোনো রাজব্যবন্ধা বলীভূত না ছইয়া, ফতবগুলিন নির্ভাষেত্রালাতী, যাগারা কেবল দ্ প্রস্তিফুডাকর ভদারা আঝাছো পুক্ষিকা বর্জন করিয়া, তয়ারা রাজশানন তুরাল্পদ এবং দ্লাল্পদ করিল, ভাহারদের এণর শাসন করিতে লাগিল। পরে প্রিনায়ক লিষ্কন ইনের এক জন বারিস্তর অর্থাৎ সভাসৎ এবং বর্তন্নামক এক জন বিমেলিদেশক, এবং বাস্তবিক্ দামক এক অন বৈদা, ইঙারা ঐ সভোরদের দান্ধাতে অন্যবিদ্যাবলমীছওন দোষাপরাবে বিচারিত হইল ; যেহেতুক তাহারা কঠোরতাপূর্বক ইণ্প্লভীয় বর্মা পক্ষপণতির্দের মত এবং ব্যবহা: বিকল্পে অনেক পুরাব করিয়াছিল. ভাহারা, এই দণ্ডাজাপুাও হইল, যে চক্রাকারহাড়েতে বন্ধ হইবে, এবং জিনকর্ন হইবে, এবং পাঁচ হাজার দোঁদ্ অর্থাৎ ৪০ চল্লিশ হাজার টাকা রাজাকে দণ্ড দিবে.

পরে পুত্তাক বৎসর এবং পুত্তাক মাল এবং পুত্তাক দিবল, পার্লিমেতের এক জীভূতহওনসময়মব্যে, রাজসভারা, ঐ পার্লিমেতের একজীভূতহওন, নিঃশোমে নালার্থে মনক্ষকরণচিক দর্শাইল; এবং জাহাজ উল্লেখ্যাত উল্লেখ্য এই, যে পূর্র্রাজতে পার্লিমেত লভার ক্রমেডাপেকা না করিয়া নীত হইত, কিছু কেবল রাজ্যের পুয়োজনক্রমে. পরে বকিংছাম্ পর্রানায় ক্ষিত এক জন জান্ হামদেন্ নামক বনাচ্যযাকি, ঐ কর্দেওনে সমতে না ছওয়াতে, তাহার ন্যায্যান্যাম্য জ্ঞাপনার্থে, ঐ বিষয় বিচারকর্যাওনে মনক করিল; যেছেতুক ঐ ব্যক্তি তাহার আবিকারভূমির নিমিত্তে মি একর বিংশতি শিলিং নামিকা মুদ্যু চাহিয়াজিল, ভাহা তিনি অবহেলা করিলেন, এবং ঐ বিষয় এক্ষেক্রনামক ন্যায়সভার ইংগ্রন্ডদেশীয় তাবং বিচারকর্তার্থের দাহ্বাতে মালাত দ্বাদাশ দিবসপর্য্যত, অনেক বাদানুবাদপূর্কক বিচারিত হইল. এমত যে বিচার, যাহাতে রাজার পরা ফ্রেক্র পরিনীয়া নির্ভার হয়, তাহার শেষজাণনার্থে তাবদুল্য আশা করিয়া

র্চিল. পরে চাত্তিদব্যতিরিজ ভারৎ বিচারকর্তারা, রাজার পক হইরা ঐ বিচার সমন্ত্র করিল, এবং হায়দেন্ পরাভূত হইলেন; কিন্তু ঐ বিচারবিষয়ে পুজারদের যে গুলাংসা, তাহা জয়হিওলাপেফা তদ্ভুতি অবিক ফল্যায়িকা হইল.

পরে বিশ্ববিচ্ছকর্তৃকর ইংগ্লণ্ডদেশে ভাপনকরনে, চার্লন্ রাজা আব্দেগ্ল থীয় পুলারদের মধ্যে যে অসভোধাবীরত্ব এবং বিক্লাচ্যুলপুটে হইলেন, তাহাতে বুঝা মায় যে ভংগ্লণ্ডদেশীয় পুজারা, মাহারদের মধ্যে ঐ বিষয় সর্ব্ব ঘূলার্থ জিলা, তাহারদের মধ্যেও ঐ মতসংভাপনে নিবারিত হইবেন.

পরে চার্লা রাজা, এদিংবর্ছ দগরের পুরীদ বীর্মাশালায় লিতুর্জি দামক জালাবদাদাতি পাঠকরলাজা পুচারকরলপুনুজ, লোকেরদের মধ্যে তারা অতি কলর এবং তির্জারদ্রিক গৃহীতা ছইল. পরে ঐ রাজ্যের মধ্যে পুজারদের কলছ জনকমভাব, যাহা ঐ কালপর্যাত নিব্ত রাথা গিয়াছিল, তাহা সাহ্র মাহল্য পুন্ত অনিবার্যাকপে তাবদুর্জ্যে যাপিতে লাগিল, এবং ক্রুজারীয়েরা মত্যত দ্বেষ্পৃর্ক্ত অজ্যুহন করিল.

পরে অংকাতীয়ের। ঐকপ অস্ত্রাহন করিলেও, চার্লন্ রাজা আভিলম্ভিত বিষয় সন্ত্রাকরনে নিযুত্তওনের চেষ্টাও করিলেন না; এবং রাজাজা অবশ্য মান নীয় ইচাতে মনচিত ছইয়া ভাবিলেন, যে ঐ কলছকারি লোকের্দিরকে রাজা আমাল জাত করাইলে, এবং তদনুসারে চলিতে ছইবে, ইচা দৃহতর আজা করি লে, তাচারা অল্রশস্ত্র তারা করিয়া অবকার্যে চলিয়া যাইবে, অতএব চার্লন্ রাজা আমালুরদের সহিত যুক্ত না করিয়া, তাহারদের সহিত দাস্তি করিলেন, তাহাতে সুক্রনিবারনে পর্য়ের সম্মত ছইয়া, যৎস্থ্যানুসারে কোনো শক্ষের চলি বার সন্থাবনাও চিলেনা, এমত ঐক্যকশ ক্রিকে ক্রিয়া, ওজয় পক্ষের পরম্বর আপেন্য কৈনোর্দিরকে কার্যান্ত্রতর নামতে ছইল, পরে অনেক বিবাদানকর এবং অনেক দ্বিলের সম্মতহওনের এবং তদ্ভিজনের পরে, ওজয়পক্ষেরা পুনুর্বার অন্যান্ত্রত করিলে, তাহাতে রক্তপাত্রতিরক্ত অন্য কিচ্চু ঐ বিবাদকারিরদের অন্যান্ত্রতন করিলে, তাহাতে রক্তপাত্রতিরিক্ত অন্য কিচ্চু ঐ বিবাদকারিরদের আভিল্যিতন্যানক ছইল না

পরে তজ্ঞপ মুদ্ধব্যাপার যে হইবে এই বিষয় দ্বির ইওয়াতে, চার্লস্ রাজা পূর্বা নুমারে ঐ মুদ্দের থারচ যোগানার্যে যাবৎ নাব্য ওপায় করিতে লাগিলেন. তাহাতে ঐ বিষয় নিবার্যে পৃশ্বানুসারে জাহাজগুদ্ধ গৃহীত হইল, এবং আনেক নিধুরবাব হারপুর্বক অসমতেপুজার্দিগহইতে অন্যহ্ অনেক অন্যাঘ্য কর গৃহীত হইল, এই দকেল ক্রেলেও পুচুর্গ্য হইল না. পরে এক ওপায়মাত্র বাঁকি গৃহিল, তাহা শার্লিমেতের দ্বারা অর্থ সংগ্রহ করন, মাহা অনেককালাববি রাজার অগ্রান্ত চিল্ল.

পরে দেয়াই হাল এ পরনীত্ত পুজাপুতিনি হিলেল, তাল ক্ষাণ্টাণ দি । তালু চুচালা বিলেল, তদনুসারে তালার মানুর বিলেল, করে বিলাল বিলাল করে বিলাল করে বিলাল করে বিলাল বিলাল করে বিলাল বিলাল বিলাল করি বিলাল করে বিলাল বিলাল বিলাল বিলাল করি বিলাল বিলাল বিলাল বিলাল করি বিলাল ব

পর চার্লন রাজার হতবোতর বিশারণ্যকথাবর্গদতে, তিনি যে পার্নিয়ের ছাত্রাল করিলেন, ভাষা ঘাবৎ তবিজ্ঞান্তোর মূলবাবন্ধা জন্যমানা করিল, **छा**द८ छन्न इंटेल ना. १ एवं में मरछादा छी। ना करिया कार्या पृत्य হইল, এবং পরন্তর সমাতিপূর্বক এইমত আঘাত মারিল, যে অদ্যাপর্যাত তাহা ক্ষমসন্নাদক ভাতৰকণ মান্য আছে তাহাতে হাজা যেই অৰ্ম প্ৰাৰ্থনা কৰি লেন, তাহা এ সভ্যেরা দিতে সম্মত না হইয়া, জালুদেনি পুদেশাবিকারী মিনি इर्राजाङ भुरीन मधी किल्लन, जाहरे के जनवादी कविया अधिकाहरदर्शाधर निबिख विद्यार्थाक नार्धि कू ीनमा जादामत निकार धुवित कलिलन. আচুদের পুদেশাবিকারী বহুবাক্পটুতা গুরাচিত্তিত এক পুতাব করিলেন, এবং ভাছাতে আত্মাণবাদক পত্রদের বাকা অনাথা করাইলে পরও, ওভর भौतियातीय महाकर्षक पार्धाक्उ इहेलन, अव[ा] हेशयात वाँकि वहिल, धा দ্বাজা ভাষার কে ষ্ঠনিশ্বয়পত্রে সন্মত হন। পরে চার্লস্রাজা, যিনি ঐ শ্রাদ্র মর্দকে অভিনেত্র্রক সমাদর করিলেন, ভিনি ঐপতে খান্তরকরনে অসমত ছইয়া, ঐ বিষয়হইতে আপনাকে নিন্তার করিতে কোনহ ওপায় অপেকা রাশ্বি লেন সা. কিন্ধ যে সময়ে ঐ চার্লিন্ রাজা দুঃখিতমনা হইয়া ভাষাভাষনা করিতে জিলেন, এব॰ কি করিবেন ইছা কিজু বির করিতে পারিলেন না, এমন সময়ে 🗷 মর্থাজ্ঞাপুঞ্জপুদেশাবিকারির এক বারত্ব বিষয়দারা, তাঁহার তাবদ্রাবনা নিৰ্ভা

ছইল; তাশা এই, চার্লিক রাজ্ঞা, ঐ অভাগ্যেবান্ মহাকুলোপ্তর ব্যক্তির নিক্টেছতৈ এক পর পাইলেন, ঐ পরের ছারা ঐ মহাব্যক্তিএই যাত্রধা করিলেন, যে রাজ্ঞার এবং পুরারদেরে যে পংল্পর ঐক্য হব, এই নিখিতে আমার পুরি যেন পুরিপিতত ছকল নেও চার্লাণ্ড জারের কলিলেন, যে মরনার্ম্য আমার পুরি যেন পুরিপিতত ছকল নেও চার্লাণ্ড ভারের কলিলেন, যে মরনার্ম্য স্থাতি পারি তারি, অত এব মনার্ম্য হাজি ভারের কি ভারের কলিলের মন্দ স্থাতে পারে লাং কলিলে। ঐ পুরুষ্ট পুরুষ্ট কিলেন। ঐ ই পুরুষ্ট কিলেন। করে কলিলেন। করি কলি

া জার ঐ নকল দুর্দশার মধ্যে, আইলাগ্রীয় পাণামভাবলন্ত্রা ভাবিল,

তা গ্রি শাসনমগতে লিগ্রে হওয়ার স্বান্য এই; অভএব রাজ্যের মধ্যে

তা গ্রেড সালন্ত্রি লিগ্রে হওয়ার স্বান্য এই; অভএব রাজ্যের মধ্যে

তা গ্রেড গ্রেড ইনিলা, তাহাতে কি বালক কি মুবা বৃত্ত বনিলা হয় না কেন, কেইই

দেখিলার হইল বা. ঐ বিষেচনার্ত্তির বাবের মধ্যে কোনো কেই পুর্পুণ্ডানুপুত্ত

তানেইবা হওল, কিমা পুর্ক্ত সন্মিতেইবা হওক, কিমা পূর্বপুণ্ডারণাদেত্তিক
পূচুত্তইবা হওল, কোনহ পুরুল্লেই রক্ষা পাইল বা; যেহেত্ব বস্তু বন্ধুবনিগকে,

এবং আতি জাভিন্দিগকে, এবং ভ্তা আপন স্বান্যির্দিগকে মারিলা এবং

পালায়নকলেও র্মাপাল্যা ভার হইল, কেনবা মেয়ে কোনই স্থানে ওপ্তিক

ইইত, এবং যেয়ে কোনই স্থানে পলায়ন ক্রিত, তাহার্দের দেইই স্থানে সর্বনাশ্র

পরে চার্ন্র্রারা, ই সকল নিকু ব্যবহার মাহা তাঁহার পুতি অভিযুগাই, তাহা
মাব-দাব্য জ্ঞানাথে চেন্তা পাছতে লাগিলেন, কিন্ত মথাৰ দেখিলেন মে ই
কলহনিয়ারতে জ্ঞারক জিলেন, তথান পুনুষ্ঠার ই°গ্লন্তীয় পালিমেতেরদের
ভাবে লাহাম্য মাত্রা করিলেন, ভিন্ত ইবিষয়ে মে তিনি লাহাম্য পুরি ইইবেন,

ইহার কোনহ আলা জিল না, যেহেতুক অনেকে পুনোর জন্মাইতে লাগিল, যে রাজা অনু•ই ঐ কলহের আদিকার»; এবং তাহারা এই জন করিল যে অন্য ভন্নাপেক্ষা রাজ্যগভন্ম অধিক, অতএব ভাবিভন্নবিশ্বগারে রাজাকে অর্থ দেওনা যাইবেক না.

পরে ঐ সময়ে এমত হইল, সর্পুণুজাপুভূক্তরীতি, পার্নিমেন্ডের মধ্যে পুরুষ্প পাইতে লানিল, এবং ঐ মতাবলম্বীরা রাজার দোষ গুছুলক্তরনে মনোমোন না করিয়া, একপুভূক্তবিশাক্তরনে পন করিল.

পরে ঐ বিবাদিরদের পুরানাই ব্যক্তিরা, মহাবিম্মবিস্থাপুতুকুর সাহা ঐ লম্ম রাজশালনের পুরান কল্প তিলে, তাহা বিনাশকরণদারা অকার্যাদিলি করিছে আরম্ভ করিল. পরে পার্লিমেন্তের লামতিবিনা ব্যবস্থাকরণজনা, ঐ লভ্যের তের জন বন্ধবিস্কেরদিগকে রাজদ্বেস্ক্রণদোঘে আগবাদী করিল, এবং কুলীন লভ্যেরা যে তাহারদের পুরাত্তনভাহইতে, নমন্ত বিম্ববিস্কি, মাহারদের বাকা ঐ লভার মর্ব্যে গুরাহ হইত, তাহারদিগকে যে বহিগত করে, এই বিষয়ে ওদোগা করিতে লাগিল. পরে ঐ কড়কপবিপদ্ যে লম্পিবর্তিনী ছইতে জিল, তাহা বিম্বািক্তির দেখিতে পাইন, এবং বুঝা মায় যে তরিশতিদিবারণার্থে ক্লীনদভ্যের দেশ মর্ব্যে তাহারদের যেই কার্য্য, তাহা ঐ বিম্বিস্ক্রিণ তাগালকরনে পন করিল.

অপর ঐ সকল বিষয় রাজহিতের সর্বাশক হইল সভা, কিন্তু তদপেলা কিন্তু ক্ষান পরে রাজ র যে হিত, ভাকাও আপনার অত্যন্তারিবেচনাতে তদস্থিক হানি পাইতে লাগিল. তাগার অভিপায় এই, চাল্ফ রাজা যিনি অনেক কানাবধি আবিছেম গুণ্ড রাফিলাকিলেন, তিনি সাইবিষয়ে সন্মতহওনেতে শুজাপুভিনিবি भाजात्राप्त माखाम आमाश्यन एखी शाहेग्रीकालन, किन मधन प्रशिलन प्र ওীহা**র স**ক্ষতিতে বরুৎ তাই।রুদের আকান্ত্রী বাড়িতে লাভিল, তথান তিনি আত্মদেষ ডাং গোপনে কালিতে পারিলেন না. অভএব ডিনি হর্মনামক আআনারাসংগ্রনিযোগক্ৎপদ্ভিত ব্যক্তিকে এই আজা দিলেন, যে খাসুত কিয়োললৈ ঘিনি অযতাবলমিক্তির মধ্যে দার্হাণেকা মর্ঘাদিক ভদ্মিক্তা, এবং **দা**রঅধর্যার কাল্লেরিগা, এবশ হানিজ্ এবশ হানিদেশ্ এবশ পিম্ এবশ জ্রোদ্পুভৃতি, দীচ জন পুজাপুতিনিনিনভোর্দের বিক্ষে, রাজজোহদোঘজনা জনবাদণত পুক্তণ ক্রিয়। কুলীনস ভার্দিরকে অর্জি কয়ে. 🗳 পরের মধ্যে এইছ অপবাং জিল, যে তাহারা রাজ্যবিশ্বাসভাতবিলাবহারপূর্বক রাজ্যের পুরানহ ব্যবন্থা জন্যমা করনে ওদ্যোগ করিপ্রতিলে; এবং রাত্রাক্তেও রাজশাসনর্গিতকরনোদ্যোগ করিয়া किल; अव॰ छोटोटो द्रोफोर्स धुकाएफर यापी याधका अव॰ निक्रमुक्क प्रधानन করনোদ্যোগী হইয়াজিল. সাঙ্গে ঐ অপহাদ, ঐ নত জ্যতত্ত্ব অবিবেচনাপূর্থক কৃত

১ এয়াতে, লো:করা অভিবিক্সয়াপর হইয়াজিল, ইতোমব্যে অন্য এক বিষয় যাগা গুর্রাপেকা হঠাৎকৃত, এবং অপুন্যানিক, তাহা ওপন্তিত হওয়াতে, অবিক বিন্ময়াপন্ন হইতে লানিলে, ভাগা এই, পর দিবদে রাজা অয়ণ্ট পুজাপুতি নিবি সভ্যেরদের মধ্যে একাকী পুরিম্ব হইয়া, লৌষের মধ্যদিয়া ঘাইতে জিলেন, यशिष्ड मयस महाका वैशिष्ट खडार्थना स्विष्ठ इठिया प्रीकृतिल, अव महा ব জার আলন হউতে অবজরন ছওয়াতে, রাজা অয় ছে তদাল লোপ বিস্তা ছইলেন. গরে ১পবিন্য ইইয়া, এবং আশ্পাশ ক্ষতক্তন র্য্যের বিরক্তিন ক্রিয়া, প্রভার मिश्राक काहरलन, या यिनिधरमूत्र निमिष्ण आमि नथानि आमिमाछि, जाशीर को पात काशा पृथ्य ; अव॰ कशितन (य योशीविताक **कांवि कांका**म्हार দোর অপবাদা করিলাজি, তাছার। যে আমার নিযুক্ত চোরদারের কাতে আপিত হয় বাই, এনত সংভাব্দিনতে বলকরলার্থে আমি মায়ণই আলিয়াত্রি. পারে ঐ অপবাদীরা সাক্ষাৎ তিলে কি লা, তদর্শনার্থে কেতকাল বলিয়া বুছিলেল: किए ये वाकिए।, शाजा भूविष्णंश्वरनत किळ्लानशृह्यं शनशान कृतिशास्त्रिन. जातिक काला को जो वर्षा व जाति। नकः रुक्तिमना इहेगा, कोहितक सुकाद्र ফ্রিবের তার্) নিশ্চয় ক**্রিডে পারিলের না. স্থার ফ্রছেলারা, এব**ং **আমার** দের ব্যবহার্টি মাহা, তাহা আমরা চাহি, এমত শামুকারাশগদলিবালিরদের মব্য ঘিয়া শহরের সাব।রনসভ্যের নিওটে ঘাইয়া আলিশ ক্রি:্ন, গুরে 🛊 দাবারনগভার। ঐ রাজার নালিশ ভানিসা, বিঞাপকরনপূর্ক ভূচ্চীয়কণ পরে রাজার অগ্তে পুডাগায়নসময়ে, শত্রনিবালির্দের মধ্যে সাহ্বাপেক। দুর্থা এক ব্যক্তি, এছে থিশরএল্ অবগ্রোডে ফিরিলা ছাও, এই ক্র্যা করিয়া চেঁচাইতে নাত্রিন; মহোগীরা মধ্যন শ্রাজাকে পরিত্যার করনেত্র দুইত তথ্য ঐ পুকার বাক্য কহিত,

পরে চাল্ফ্র রাজা বিদ্দার নারে পুড়াগান্ত্র ক্রথান্তর, আপনার পূর্বা বিনেচলাপুত্রক অভিভিকাম্যকরন্ত্রিয়ে, চিন্তা করিতে নাগনিলেন, ক্রিক্ত থেদের অন্যয়ে থ্যেদকরন্তপূর্বক, ডলোদফালন করনে পন করিলেন, আত্রহা ভিনি পালিমেন্তের নিকটে এই অভিপুথ্য পত্র লিফিলেন, যে অপবাদা লভ নাজিরদের বিক্লে পূর্বযুগাচানকরনে ম্যা দিয়ালি; এবং ভাহা দিয়াকে ডালাইলেন, যে লকল লময়ে লাইনিদয়ে আগ্রুপুনার্থে এবং আয়র্যারমূ কুটে নিমিন্তে ঘেমন চেন্তা পাইতেলি, তেমন ভাহারদেরও হিডার্থে চেন্ডা পাইব, একজাপে ই চাল্ফ্র রাজা, পূর্বান্যায্যকার্য্যের নিমিতে পুজাপুতিনিবি লভেয়ব্রের নিকটে ফ্রার্ড হইলেন, এবং এখন ই লভ্যেরদের অভ্যন্তান্তহত্তন পূয়ুত ভাহারদের জুরাল্লদ হইলেন,

পরি ক্র কালপ্যতে জনরাল্ অর্থাৎ পুরানহ লেনাপ্তি তাহারদের পদক্তর্ন পরিক্রিম, এবং দৈন্যসমারোহকরন্দরাক্রম রাজার ম্যার্য জিল. ঐ সম্যে পুজা পুতিনিবিসভারা, পালার মক্তিপাঞ্জনিম্মার, মন্ত্রিম বুফা মাণ যে তাহারা ভীত জিল, তাহাম্যে ভাহাল্যের যে শক্ষা ভাহা পুথ্যত বর্ত্তিক করেন, এবং হল্ এবং পৌর্তম্যনামক নরর, এবং জাহাজসমূহ ভাহারদের অনুরাতলোকেরদের নিকটে অর্পি করেন. ঐ সকল পুর্যাধায় রাজার সম্যাতিহওন্তিম্ম, রাজ্যের মূলবার হার মধ্যে মাহা অবশিশ্র জিল, তাহারো জোপক হইল; ক্রিড সে মাহা হওক, ভৎকালিকীরাতি এমত জিল, যে ঐ সকল পুর্যানায়বিময়ে সম্যাতহওন করে। কিলা, ভাহা অনুরাদানুরাদকর্বানতর ঐ বিষয় দত্ত হইল. পার অবশেষে চার্জ্ব রাজা ঐ সভ্যেরদের পুরুত্ত নিবেদন্তিময়ে সম্যাতহওন করে। কিলা, ভাহা অনুরাদানুরাদকর্বানতর ঐ বিষয় দত্ত হইল. পার অবশেষে চার্জ্ব রাজা ঐ সভ্যেরদের পুরুত্ত নিবেদন্তিময়ে সম্যাতহতন, কেবল ভাহারদের আন্যহ বুতে পুর্যানাফর্বাকার্যার ক্র হফল পারে ঐপুতাপুতিনিকিসভারে, এই যাত্রশা করিল, যে ভাহারা আহর্তারা, এই যাত্রশা করিল, যে ভাহারা আহ্রান্থা সমারোহ হ্লের, যেতেরুক ঐ সভ্যের। এই জল করিল, যে ভাহারা আহ্রান্থা পাণা মতাবল্যমন্ত্রিহতে জন্তর শন্তান্ত্রত জিল.

পরে ঐ সময়ে চাল্ল রাজা, ঐ লাভ্যাহদের প্রাথিতিবিধায়ে সমাছহওলে প্রথমত নি বৃষ্ণ হর্তি জাহালিক হৃতি লাগিলেন; কিযুকাল পরে, কোন এক নিকালত সমাছের জানে, লৈলের পুতি অকত্ রপরি ভাগালিয়ে রাজা প্রায়ত হহ্যা বিলোন, ভাগাতে ভিন্ন অভ্যন্তরাগান্থ হুছ্যা কহিলেন, যে না; নেনাকাই ব আয়ে এক মড়ার নিমিণ্ডে অর্শন করিব লা, পরে রাজার এত এল মৃচ্যুতিজ্ঞা, ভাগার লাভ্যুত্ত সভাব করিব লা, পরে রাজার এত এল মৃচ্যুতিজ্ঞা, ভাগার লাভ্যুত্ত সভাব করিব লা, বিবাহিকা হওয়াতে, ওজ্যালয়ের অন্যানুদ্রকরে লিকায় করিল.

পরে ঐ মৃত্যুদারক বিবাদপুমুক, ইণ্ণ্লাগুরাজ্যে যেই লাহন এবং যেই দ্বালা এবং যেই ওও আপশাতে দুর্গাইয়াছিল, সেই ত্রত এও ইণ্ণ্লাগুরাজ্য ওৎপরহওবা ববি দুর্শাইয়াছিল না; ঐ সময়ে ঐ সকল ওও লাইপুকার সাবিবিএলোকেরদের মবেন, প্রাক্তমতে অবাবিত হইয়া বড় হইবে, এই আকাঞ্জাপুর্ক অভ্যত্তব্তিত হইতে নালিল.

পরে ওভয়পক্ষের্থিরছাইতে আক্ষা নির্নতা ছাইয়া, ভাবদুজ্যে ব্যাপিতে লারিন, এবং তাবদুজ্যের পুজারা, কাবালার এবং রোগ্ধহেদ্নামক পক্ষময় ছাইয়া প্রকাহাইনে বাজকৈদন্য সকল বড় দুর্দশাপদ্ধ জিল: এবং কর জান্ দিখি দঞ্জ লায়ককর্তৃক, প্ররানাছইতে যে প্রেন্বাদ্দনামক দৈন্য সংগ্রহ ছাইয়াজিল, এও জ্রিল তিন পত্রের অধিক দৈন্য মাহাধ্য

তাগের পর্যান গালবল জিল, ভাহারা ৮০০ অস্থ শতের অবিক জিল না, এবন ভাগের ৷ ও অবেশ দান দিল. পরে নে মাহা হওক, ভিনি ওওরোভর অব্যহ্ দিরাজার দা বামাপুর্বি কালেন ; কিন্তু ঐ সময়ে শতুর সহিত সালাধনকরে প্রায়েইনল দা থ কাতে, শতৈর শতিন পুরুষত দর্গ নগরে, তৎপরে ক্রন্তুরী পররে যে আন্য ভাগের (যেকেরা অর্থনিং মারার ক্রিডে জিল, সেই আলে ভাহারদের স্থানি গ্রেরন র্থানি ভারিকের।

পানে এ দানল স্টাত চিল, ইডিমার্যা পার্লিমেড্ড দভারা, আরাপানে আয়ো জনকর ও ড্ডিক্রিল না; যোডেত্ক হল নগরে তাহারদের অপ্রশান্তে এক ভাণার জিল এবং তৎপার্লিমেডডের্ড্রুম বার জান্ত্র্যায় নামে এক ব'জি, ঐ লগেত্র জ্বাস্থান্দ নিগুজ স্কুলেন পারে আইন্ডিকার্মের জ্লাপুর্বক দর্বমে যেই বিশাস সংগ্রুম করা বিশালিল, তাহারা এখন পুকার্শকলে পার্লিমেডকর্ত্বক করার্যানিভার্মে নিযুক্ত স্কুল, এবং ভাহারদের কর্ত্বভার এনেক্নর পুদেশারি কার্যা, মিনি এক সাগনিক ব্যক্তি জিলেন, এবং মিনি একপুত্রুক্তরের বিনাশা গেফা সংগ্রুম্বরনেভ্রুক্ত জিলেন, তাহারদের অবিতি হইল; এবং লণ্ডন্ শহরের মধ্যে ৪০০০ চারি হাজারের ন্যুন নয়, এমত সৈন্য এক দিবসের মধ্যে তাহারদের জ্বাত স্কুল

পরে যে স্থানে ৬তয়পদায় নৈন্য সংস্থানং মুখি হইল, তাহার নাম এজ্ছিল্
এবং তাবদ্রাজ্য পান্ধর অনপদীয়বর্গতে পরিপূর্ণ হইল. পরে অগতের মব্যে
সর্বাপেক্ষা লাহদিক ত্রিশ হাজার দৈন্যেরদের, আঅসাহস অন্যদেশে ব্যয় কর
লাপেন্যা, পরন্ধর আঅবিক্ষে ব্যয়করিতে, মূলার্থে সাক্ষাৎকার হওনবিষয় দর্শন,
অভিভয়ানক জিল; যেহেতুক অভিপুয়ুত্বম বলু এবং অভিনিক্টসম্মনীজাতি,
ভিন্নাক্ষ হইয়া কলহজনক বেষেতে আঅসেহে আদ্ধন করিতে লাগিল. পরে
কত কল মুল্ল করিলে পর, ওভয় পক্ষেরদের যে ঘেষ তাহা ক্রমে শিথিল্ হইতে
লাগিল, এবং তুলাহানিপূর্ক ওভয় দল পৃথক্ হইল. ঐ বিষয়ে ক্রিত আছে, যে
ব্রক্লে পাঁও হাজার মৃত্রারীর পাওয়া গ্রিয়াজিল.

পবে, ঐন্দাল অপটু অশিষ্ঠিত দৈনোরদের এক আনহাইতে অন্যাহানে গ্রনের, এবং প্রভাগমনের বিবরন নির্মকরা, অহিত এবং নিজ্ল; যেছেতুক ঐন্যায়ে মুদ্ধবিষয় ইংগ্লগুনের মধ্যে নৃত্য চিল, এবং ইংগ্লগুনেশীয়েরা ঐন্যায়ের পূর্বে, ইংগ্লগুন ওগায়ীপের মধ্যে প্রায় এক শত বংলর গত হইল, মুদ্ধবিধুর একবার ও দেখে নাই. শরে রাজনায়ে লৈন্যেরদের লাছায্যকরনার্থে রান্যি অয়ংই নৈন্য এবং বাকদ অল্পান্ন ইন্যাধি লগ্নে করিয়া, হলও দেশহইতে আনিয়ায়িলেল, এবং সেই সকল পাইতাইলে পর, অন্য লাছায্যের বিনিতে পুত্র

গাসন করিলেন. পরে পার্লিমেড সভ্যের), মাহারা আত্মবল এবং আত্মাকশ্যক আতি চলিন, ভাহারা কোনো মতে স্থু ছইন না; এবং মেসন ভাগারদের হানি বিত্তি লাইনে কেনিনা মতে স্থু ছইন না; এবং মেসন ভাগারদের হানি বিত্তি লাইনে , তেমনও ভাহারদের প্রাংকভান্যভাব বির্ত্তি লাইনে ; এবং মেমভ রলছলে ভাহারা ধর্ম ছইতে লাইনে, তেমনো রাজসভায় ওতরোভ্য় ভাহারার প্রতি লাইনিল, ভাহারা রাজভ্রোগদের আগানারদের গঢ় ভাগার কালিন গালিক অর্লা কিনিনা, ভাহারা রাজভ্রোগদের সকলপ্ত ছইল; এবং কোন গালিকেরে নার, নারা যে ভাহারদের প্রতি কোনো সন্ধিবিষয়ক শত্র লিকিয়া পাঠান, ভাহা ক্যা, কেননা ভাহা কেবল ভাহারদের অর্গছার এবং দেয়বর্জনিকারী. অতএব রাজার, যে আঅপুজারদের সভিত, একাক্য নেরা, ভাহা অভিপুশাননীয়, কিন্তু ভাহাতে লাজিকরনে যে দ্বাহ্মপুত্রভা ভাহা যোলার ভাত্যবর্তার. এমত এক দীর্ঘস্থতা আত্মাদের করিয়াজিলেন; সেই স্থানে, যেহ সময়, রলছলে ওদ্যোগকরনগুর্কিক ব্যাক্ষরনাকশ্যক জিল, ভাহা ভিনি নিদ্ধন্যানানুরাদেকে এবং ক্যাক্সজ্বনাকেরে ব্যয় ক্রিলেন.

কৈন্ত নী লকল মাছা হওক, রাজার নী পুন্ন ব্যাপ্ত দুক্ক, মংকিন্তিৎ ফলদায় করা দুর্লাইতে লাগিল. মেহেতুক এক জয়ের পরে জনাহ জয় ওপক্তিত হইতে লাগিল; এবং কর্ববাল নামক নগর রাজার হন্তগত হইল; এবং দেবন পরগনাতর্গত আহিল হিল্লামক ছালে, রাজা, পালিমেগ্রীয়পক্ষেরদের একবার প্রান্ত করিলেন; এবং তিবাইলিন্ন নগরুইতে এক কোশাওর রৌজ বে দোন্নামক জালে এক বার পরাত্ত করিলেন; এবং চল্লানুর ফিল্লামক জালে এক বার পরাত্ত করিলেন; এবং চল্লানুর ফিল্লামক জালে একবার পরাজ্যিত করিলেন. পরে শিন্ত লগর বেভিত করিয়া পরাত্ত করিয়া, গ্লন্তর নগর বেছল করিলেন. এবং নিত্র নিমাক জালে যে মুদ্ধ হইয়াজিল, রাগ্য প্রান্ত করিলেন. এবং নিত্র নিমাক জালে যে মুদ্ধ হইয়াজিল, রাগ্য প্রান্ত করিয়া হার করিছেল করিলেন এবং নিত্র নিমাক কালে যে মুদ্ধ হইয়াজিল, বাহাও রাজ প্রান্ত হার স্বান্ত হার সংগ্রান্ত হার স্বান্ত হার সংগ্রান্ত হার স্বান্ত হার সংগ্রান্ত হার সংগ্রা

পরে ঐ ুথমবানিক্যুদ্ধে মধ্যে, ওত্যুপক্ষির দের মধ্যে লাই দিবান বাকি দ্বান্ধান পড়িল; তাগতে বুজা মায়, যে ইন্ধারের এই ইয়া চিলে, যে ভাবিদু থা এবং ববিপুভৃতিদর্শনহইতে তাগারদিগতে মুক্তকেলেজুক চিলেন; তাগাদের নাম জান্ হাল্লদেন্ এবং লুকি মন্ কেরি আর্থাং প্রান্ত মান্ধান্দি, প্রথম ব্যক্তি, কণ্ঠনামক যুবগাজের নাহত মুক্তকর ক্তে কারা পড়িল, এবং জন্যব্যক্তি নিওবরির মুদ্ধ, মাহা কিন্ধিৎপরে হইল, ভাহাতে মারা পড়িল.

ঐ হাল্লদেন্ মাহার যিষয়ে পূর্ত্ব বিথিয়ালি, তিনি আহাজগঞ্জের হলে হেলা করিয়ালিলেন, এবং ঐ বিষয়ে দৃচ্যভাগনুমুক তিনি আআগন্তুলদের কঠুকও শুপাংনিও লিলেন. ঐ নকল গল লাড়াও তিনি বাক্যেতে সমলা, এবং নমুগতক্রন, এবং কার্ম্যে নিগুল, এবং বাদালুগ্দন্তপ্রন, এবং মহলায় বিশাল্দ লিলেন.

ঐ ছাল্লানের মৃত্যু বিষয়হাইতে আন্ধলাত্তের মত্যু বিষয় রাজ্যের পুতি অবিক হালি ল্লাক জিলা, এবং হল্ল ভ্যাপেক্তা ইলি মহালু ৰাজি চিলেনা; যে হতুৰ ঐ আৰু লাও, ঐলা ুদেনের ক ঠালাচরনের সহিত শতাত, এপুভুতি, মাহা ঐ সময়ে ই॰ প্লাঙ্ক (मर्ग्स ४६११ इ. इ.स.) (१६४०) ४१ क्या इत्रोधिक जोश मध्यान कवितन. দাক্তরাও মুখান দেখিলেন যে রাজা অপাঞ্চার।ক্রমছার। অপ্রতাচারী হউতে জিলেন, তথাৰ তিনি কা নিক হইয়া, গালাৱ তাবদভিল্লিডিবিষয়ে বিজ্ঞালক ছহলেন; বিশু মন্ত্রন দেখিলেন যে দালিলৈত্যভালা, শেজ্যের বীর্মাত এবংল্পাড্যার মলত্যবন্দ্র সকল জাতিয়াদেওলের চেন্টা পাই তক্ষে, তথান তৎপক্ষতালৈ করিয়া, १५ जो । एइ १ क रहेरलन. পরে রাজ্যা জিঘভারমুনময়ারবি ১৮৭পুনত্বতা এবৎ মাতাবিক আনুদ্রপূত্তি ভাষাকে তার করিল, তাহাতে তিলি দ্র্যনা এবং বিষক্ষ এবং মলিদ্দেদ হইটা অবিষয়ক পরিষদাদি তালাক[য়া, মর্লকোট্রী ইইলা वृश्चितान. ८वर आधारकवां काववादावादा में वार्ति मधान भावित्वन, उभान ষ্যানককান ভূছা,ভূষ মাকনের পর, এক ক্ষরেছ ফোছ জি করিলে পর, কেবল এই কথা কনিত্ৰ, যে হে ঐকা হে ঐকা; পরে মুজগরভারিভারিবলের পুতাতে কছিলেন, যে আমি এত্ৎকালীৰ রীভিতে বাগু ছইছালি, এবং রাল্লাবদানের পুর্ব সাকল ভাগে করিব. অপর তিনি গোলার মারা ওদরে বিদীর্গ হট্লেন, এবং পর্দিন পুভাতে ভাছার শ্রুর ম্তেখের গুঞ্জুপুঞ্জের মহো পাওয়া গেল, ঐ ব্যক্তির রচনা, এবং ভদুচনার সুণাক্যতা এবং মধার্যতা এবং তাঁহাে লাগনা পুভৃতিতে তিনি ঐ পুকার যশোবর্তকণ্তা্যোল্য জিলেন, এবং তাহাই তিনি मुख इहेलन

পরে চাল্দর রাজা, আরানি বান্তি কযুলের নিচিত্ত আয়োজন করণার্যে, এবং ঐ বেন্তনিন্তর পালিমেওসভারদের অভিলম্ভিত বিষয়নিমারণার্যে, অন্য একপার্লিমেও আক্রমর্দর নারে আহ্বান করিলেন, তাহাতে ইপপ্লভদেশের মধ্যে যে দুই পালিমেও একদা একত হয়, তাহার পুথযোপক্ষম এই হইল. রাজার কুলীন সভারদের একত্রতহাতে গৃহ পরিপুর্ন জিল, কিছু পুরাপুতিনিধিসভারদের মান্ধার কেবল এক শত চল্লিশ জিল, যাহা জন্য সভ্যেরদের আর্ভক দান্ধার বহু কিল না. পরে, নায্যার যে এপার্লিযেও, তাহাইতে রাজায় মান্ধিকি

লাহাম্যপুষ্ণ হইমাজিলেন, কিন্দ পরে তাহা ভগ্ন হইলে, আর কথানো একএভিচুত হইল না.

ये मकल रहेर किल हेडियरी, भीलियहमाखातं अ, उक्कां यानां यां शि किलान; यारा कुक वाँहां अक रावचा किलान, याहां कि लाहन निर्मा अव कर कु कु किलान, याहां कि लाहन निर्मा अव कर कु कु किलान, याहां कि लाहन निर्मा अहेर कि अहे आका प्रविश्व किलान, या जाहां ने हिंदी या अक मकान्ति भी होर अहे अहे आका प्रविश्व मुला हो आहि होर्थ प्रित कि ये विषय हेर कि विवय है कि विवय हेर कि विवय है कि विय है कि विवय है कि वि

পরে মুদ্ধপুকাশ হওয়াতে, শীতকালে মেই অবাভ্যমুদ্ধের শেষ হয় নাই, তাহা গুমুকালারয়ে পূর্বনিধুরতাপূর্বক আব্রয় হইল; এবং কে অয় হইল, গরে পূত্যেক পররানালিবালারা আঅহিতাকায়্লী হওলপুমুক্তইবা হওক, কিয়া ভয়পুয়ুক্তইবা হওক, কিয়া ভয়পৣয়ুক্তইবা হওক, কিয়া ভয়পৣয়ুক্তইবা হওক, কোষা অমপৣয়ুক্তইবা হওক, কোষা অমপৣয়ুক্তইবা হওক, কোষা অমপৣয়ুক্তইবা হওক, তাহারা মাহার পক্ষওয়া ভাল জান কবিল, তাহারদেরি পক্ষ হইল, কৈর কেহই লায়ারল হইয়ারহিল; এবং আনেকে, একের নিমিতে পূর্মানা কবিল; এবং মত জানবাল্ ও ভারুলোক, তাহারাও ঐ আকায়্লা হইয়া রহিল, কির এইন্থানে মাহা সর্বাপেকা গলনীয়, তাহা এই, যে লণ্ডন্নিবালায় দুক্ত হাজার শ্রীলোক, এক লামী হইয়া পূজাপুতিনিধিনভারদের নিকটে মাইয়া অতিবিনয়পূর্বক ঐক্য মাচ্ঞা করিয়া কছিল, যে ঐ বিশাসভাতকেরদিরকে এবং মাহারণ ঐক্যাবকজ্পক তাহার দিরাকে আমারদিরকে দেও, যে আমরা তাহারদিরকে জিমভির করিয়া এণ্ডই করি; তাহাতে ঐ কলহনিব্রিকরনে সৈন্যেয়া অনেক কর্মা পাইল, তথাপি ঐ কলহমবিয় দুই তিন শ্রী মারা গোল.

প্রায়ে মার্যপ্রকামক স্থানে যে যুদ্ধ হই য়াছিল, তাহা রাজার দুর্দশার এবং অপমানের আগরম্ভক যেহেতুক জ্বতজাতীয় দৈনা, পার্লি মন্তপদ্মীয় দৈননোর দের লহিত লামিলিত হইয়া, যুক নাার বেখান করিতে ছিল, ইতিমধ্যে কণ্ডলামক যুব রাজ নিঙকান্তনের ওপানুধীর সহিত সংমিলিত হইয়া, ঐ বেখানভঞ্জনে প্রকরি লেন, তরিমিতে ওভর্পকায় দৈন্যের দির্গের পঞ্চান হাজার সংখ্যাকের, মার্ডন্যুর না
মক স্থানে সাক্ষাৎকার হইল, তাহাতে কে জয়া হইবে, তাহা অনেককালপর্যাত
অনিনীত জিল. পরে কপর্ত যিনি রাজপক্ষায় দৈন্যেরদের দলের দক্ষিনাংশের
কর্ত্তে নিযুক্ত জিলেন, তিনি অলিবর জ্যানেলের বিক্রমণক্ষ হইয়া যুদ্ধ করিলেনে
ঐ অলিবর জ্যাবেল্ আজ্ঞা গৃথিত এবং আজ্ঞানিক্ষিত এক দল দৈন্যের সনাপতি
হওয়াতে, ঐ নময়েতে পুথ্যে খ্যাত হইলেন. ঐ জ্যাবেল্ ঐ যুদ্ধে জ্যা হইয়া শত্রুর
বিগেকে পরাজ্যুখ করাইয়া, ঐ পরাজ্যুখ দৈন্যেরদের পক্ষাৎহ তাড়াইয়া
গোলেন. পরে অন্য এক যুদ্ধে পুর্ত হহয়া পুনস্কার জ্যা হইলেন, তাহাতে যুব্রা
জের ভাবতোপ হত্তাত হইল, এবং গাজপক্ষায়েরা তাহারপর ক্থানো ঐ আ্লাভ
হততে সামানিয়া ওঠিতে পালি না।

ওলায় লাগ্ যিনি ঐ সময় কেতব্রির মহাবৈদ্যাব্যক্ষ জিলেন, তিনি ঐ রাজছা রয়ে গড়ে প্রেরত হইলেন, পরে বিচারদারা দোঘাক্ত হইরা হত হইলেন; ইহা বড় দুঃথার বিষয়, যে ঐ দুর্দশাপরসময়ে ওভয়পফায়েরদের মধ্যে যাহারা ভদু লোক, তাহারাই কেলে মারা পড়িল,

পরে ঐ লানের মৃত্যুহওয়াতে বর্মাপক্ষণাভিরদের তাবদ্যবন্ধা অন্যথা হইল, এক যে দিবলে ঐ লাদ্ মরিলেন সেই দিবলে আরাবিলাপন্তি রাজাজাদারা লুঞা হইল, যেন পুরে ঐ আরাবিলাপন্তি নাশকরার অন্য কোনহ লাবি। জিলালা, এক ইংগ্লুজীয় বর্মাপক্ষণালার, পিছরিতন্ মতাবলম্বীরদের ব্যবন্থিত বাহার রানুদারে চলিতে লাভিল, এক তাহারদের পুতি সংগ্রেজনক ঐ অন্যথাহতক বিষয়ে, লণ্ডন্বিশানা এক কংজাতীয় নৈন্যের, পুকাশকপে সংখ্রের শুভিকরিতে লাভিল.

পরে অনেককটে প্রাপ্ত যে ঐ থ্যান্ডানির দুল মালারা চাল্র্র রাজার দশা হিরী কৃচা হইল, তাহা নথান্নতন্ পরানাভঃলাতী নাস্বিনামক নগরে হইল, তাহাতে রাজনক্ষিয় দৈন্যের্দের দলের পুরানদেনাপতি প্রায়ত আন্তলি জিলেন; ঐ দৈন্যের্দের দক্ষিনা শোকণত নামে মুবুরাজ সেনাগতি; এবং বামাণশো মার্মা দুকু লাগদেল দেনাপতি জিলেন; এবং অবশিদ্ধ পশ্চান্নামীদৈন্যের্দের সেনাপতি রাজা আহাই জিলেন, অন্যপক্ষি দৈন্যের্দের পুরানাংশা, দেশ্লেক্স এবং জিল্লা লোকা কিলেন; এবং দক্ষিনাংশা জম্বেল্লেনাপতি জিলেন; এবং ইরী তন্ ঐ ক্যুবেলের জামাতা, বামাংশা সেনাপতি জিলেন, পরে কপর্তনামক মুবুরাজ আল্পান্তর আলালাকা, বামাংশা সেনাপতি জিলেন, পালুবদের বামভাগক্ষ দলের ওপর চন্বান্ত করিলেন, তাহাতে শালুশ্বনি ভন্ন হওয়াতে, তাহার্দিরকে নগর দম্প্রপর্তিত তাড়াইয়া লইয়া গেলেন সত্য, কিছে শানুরদের তোল হত্বাতক্রেশে

বিলম্ম করিয়াজিলেন এই সকল হইতেজিল ইতিমধ্যে, অন্য প্যে ক্ষম্বেল্নামক সেনাপতিও তজ্ঞপে সমল হইয়া, অনেক কম্পের পর শতুরুদের অশাক্ সৈন্যের দের শুনী ভল্ল করিয়া তল্লাবিয় পুনিষ্ঠ হই লন যে সময়ে ওছার। ঐ কপে সংগ্রাম করিছেছিল, সেই সময়ে ওভ্যুপলীয় পদাতিক সৈন্যের। তুল্ল কপে লাছ দিক হইনা সংগ্রাম করিল, কিন্তু মেন্টাফ্ল এনং বিলোগ লাহ দিক হইনা সংগ্রাম করিল, কিন্তু মেন্টাফ্ল এনং বিলোগ লাহ করিছে মেন্টাপতির সাধীপর্যান্ত মন্টামের করিলেও কার্যাব্দের দৈন্য ভল্ল ইইনে লাগিলে ঐ সময়ে ক্ষম্প ল্লামে সেনাপতি, আক্ষাজ্যি দৈন্যের দিলাক লাই ক্রিলেন, যে কাহাতে সাইমিন্স প্রাষ্ট্র স্থামিবহারী দৈন্যেন্দ্র ওপর এমত চছাও ক্রিলেন, যে কাহাতে সাইমিন্স প্রাষ্ট্র মুখ্রহণের ওদ্যালী হ'ল এ সময়ের মধ্যে, কণত লায়ে মুখ্রবাজ, রাজার এবং উছার অবশিক্ষ্টানেন্যরদের ক্ষিত্র মিলিলেন, বিল্ড সে দৈন্য, পৃর্দ্ধে জনী মইলেও পুনুষ্টার তাহাত্র বিল্লাক ক্ষিত্র নিলিলেন, কাহাত্র বালাক দিলামের। ক্রিলার বন্ধ লাক ক্ষিত্র নিলিলেন, কাহাত্র সাক্রার বন্ধানি সাম্বার বন্ধান লাই করাইতে পারিলেন না প্রেল্ডালাফিনামন্ত্রী এবং পঞ্চাশ ভাজার বন্ধান লাই করিছেনে, ভাষাত্র স্বাজার বন্ধানির ক্ষান্ত ক্ষিত্র না লাই ক্ষান্তির সাক্ষান্ত বন্ধানির স্থান লাই ক্ষান্ত ক্ষান্ত সাক্ষান্ত বন্ধানির ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত লালালেন, কাহাত্র স্থানা হাজার বন্ধানির ক্যান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত স্থানা ক্যিলেন, ভাষাত্র সাক্রার বন্ধানির বন্ধানির ক্যান্ত ক্ষান্ত ক্যান্ত্র ক্যান্ত ক্যান্

পরে এ লাশ্বিলামক লগনে সমীপে মুল্লারা, পালিমেন্ত্রীয়পালেরা রাজ্যের মধ্যে চুায় তাঁবে বালিগ্র অবিকার করিল; বিশেষত বৃত্তল্ এবং বিজ্ঞানর এবং চেন্তর এবং দেবন্ধি এবং ৰাচ্পুত্তি পরে এক্সেন্তর নগর বেদিত হইল, এবং রাজ্যের পশ্চিমাণশোর প্রগানার মধ্যেছিত ভারদুটভাপলায়ি ইননোরা চিল্লিল ছাওয়াতে, মেনালুলামে সেনাপতি, জভত্য তদুপ্রিচ্ছাওবরবাত্ত্র, সেনাগর সেনাপ্রিক অবিভিত্ত হিলাম করে বালি পরে রাজা এতালে বেনিত এবং চতুয়ার্শি ভাত্তির হইয়া, আরুমের্দ নগর মাহা রাজায় সম্বাবহায়ে ভারাহি নিতাভালু গত, সেই হালে হাইটা পশ্চাতাহনকারীশাহুরদের সহিত নৃত্য ক্তিক্তার প্র

ঐ নাময়ে ঘের্মাঞ্জনামক মেনাপ্তি, নলবান্ত্ৰণ জানু নৈতে ক্রিপিটে ক্রিমাজানিত জিলেন, তাৰ আক্রমের নামক ঐ নরের, মাহা শীলু হস্তরত হইবে এমত হিন্দু দর্শাইয় জিলে, তাহা হস্তান্তক্রলামে বের্মানাকরণায়োজন করিতে জিলেন, পরে চাল্প্রিং ক্রিয়া প্রতিইয়া তিন্নুন্ধানকলুজার দের স্থানা পরাজিত জ্বলা নীত হইপেন, এই বিষয় পুক্তকপে ঘূলা করিলেন : যেহেতুক মৈনালন মাহারা পূর্বে তাহার জোবাধান হইপাজিল, তাহার ঘিলহইত তির্জ্ঞার এবং নিশুর্রবারহার যে পুলি হইবেন, এই বিষয়ে ম্যেন্স্বত রেক্রন জিলে. ঐ অভ্যন্তমূলী পুলি সময়ে, চাল্প্রিকাজা এক ওপাল গুলন করিলেন, মাহা জন্য সময়ে হইলে, আবিবেচকতা এবং মুচ্তাজকলে বোরি হইত। তাহা এই, ঐ চাল্প্রিকাজা আন শাকে জ্বজাতীয় সৈন্যান, মাহারা ক্রমেনার্যের হন্তে অর্থগুলীয় আবিষ্যে ভারার পুতি পুকাশ করে নাই, এমত নৈন্যের্যের হন্তে অর্থগুলীয় আবিষ্যে ভারার পুতি পুকাশ করে নাই, এমত নৈন্যের্যের হন্তে অর্পন্তর্বে

পন করিলেন, - কিন্দ্র যে যাগা জওক, গুনি অ, উপান্ধু আৰু হাইলেন, যে ভাছারা ওঁছিছিত লাজ দকৰ মৰ্মাদ। লা করিয়া বন্ধকপ ভিরক্তার করিতে লালিল.

পরে ইংলাগান পালিনেতস,ভারো, রাজার বন্হওগার সমাদ পাইছা, অংকাতায়েরা যে তাঁহাকে। অপুন করে এছ নিমিতে তাহারদের সাহত অভিশীযু স্বি করিতে লানিল, পায় ঐ বিষয় স্বায় দিন স্ট্ল; এবং ঐ ক্ষংজাতীয়েরা, নামত হাইল, (য দ্বাতি শতলক টাক) দিলে তাহারা রাজাকে তাঁহার শতুরুস্তে অর্পন ব নিবে ; পার ঐ টাকা দেওনে ই প্লখীয় পালেখেওেরা আহ্লাদপূর্বক সমত ছাইল. ঐ মত নিৰ্দিয় এবং নিৰুকুকাৰ্য্য, খাহ। ভনুস্বকপ ধোৰ হাইভে পাৰে, কি**ৰ** তহো যে ন্যায়া ইহা কেহ দলিতে পানিবেক না. পরে ঐ স্কৎ জাতীয়েরা বছলু টের চুল্যগ্রালনপূর্বাক, ভটুলোকেরদের অপমানাল্লদ ছইয়া, অদেশে ফিরিয়া গেল.

পার রাজ্যাওলত যে জনপদীয় মুদ্ধ তাহা ঐ নময়ে দায় হইল, এবং রাজা আমারি,নতাহণতে আআবনুগুডলোকের দিগকে মুক্ত করিলেন। তাহাতে পার্লিমেত দতে রা, যে নৈন্যদ্বারা আক্ষাপ্রাক্রম্মর্থন করিয়ালিন, নেই নৈন্যব্যতিরিজ অন। কোনো শতুছট্তে ভীত ছইবার কোন কারে। ত্রিল না. কিছ দে মাহ। হওক, রাজার শাদনভর পুজারদের মধ্যে যেমত ওতরোত্তর হ্রাদ হইতে লাগিল, তেমবিও পালিমেত লভাবদের মধ্যে ১ডরোডর বিরোধিপুকার্শ হইয়া বর্তিত ছইতে লারিল. তাহাতে পালিয়েত সভ্যের্দের মধ্যে অবিকাশ্ল, পুটিনতত্ত্ব বর্মাবল্যি, দের পক্ষ হইয়া বিমাধিককাপনবিষয়ে চেম্বা পাইল, কিব সৈন্যের দের মবে। অবিকাশ্পা, দ্ভুতর অভভবির্মাবেলয়ী ছইয়া, বির্মাব্যক্ষ স্থাপন বিষয়ে সমত জিন না, বরক ভাবিল যে পুতেতক জনের অ,অপুতিবাদিরদিনা.ক ঐ অতত্রযতাংলয়িরদের পুরীব ক্রম্বেল্ দায়ক িফাকরার পুক্ত জিল. ব্যক্তি দিলেন, ঐ ক্রম্বেল্ গুরুত্বে ঐ মতাবল্ধিরদের সাইবিষয়ে পরামর্শক अवन भाषाया भंदी खिलन.

অপর ঐ অলিবর জ্যুরেল্ ফাঁহার গুল ঐ সময়ে অভিপুর্ভিতিকপে পুরুষার্শ ছইতে লাটিলে, িনি হত্তি তন্ নামক এক মহাব্যক্তির পুঞ জিলেন, কিন্ত তাহার পিতা ধ্যাপত্মীগত জাতপুমুক্ত তাহার গৈত্ত দুকাবিকারিতা অত্যল্ল জিল. পরে भे टाकि देववहाताहे २१ इंडक. किया कल क्षांताहेता इंडक, **मीर्चनार्लियरङर** কেম্ব্রিজ্ লামক নারপুতি বিদভাকপে নিয়োজিত হইলেন, কিছ পুন্মত তিনি য়ে এ সভায় ৰাক্য পুন্তাৰ কৰেন ইয়াৰ কোনো প্ৰধের চিহ্নও জিল না, যেহেভূক काशिकरमी नर्धा अव श्रीशत खाठात मान जिल, अव वद्यापिभविवान कप्रधा িল, এবং ভাঁচার বাক্যপ্লয়, এবং অপক্ত, এবং অল্পন্ত জিল, কিন্তু দে যাহা इड ह, खांडाहिक धन्दांता माहा भूखि जिल्लन ना, जाहा उत्पाति र्वेक भूखि

্ছইলেন; এব॰ স্বাভাবিক অটলচিতপুযুক্ত, এব॰ কাল্পনিকডাপুযুক্ত ; এব॰ আআ। ভিল্মিতকাম্য যে মুখার্থ, ইহাতে নির্ভুর করিয়া, মের্মাক্স নামক সেনাপতার্থীন ইইয়া ওতরোত্তর এক পদছইতে অদ্যাপদক হইয়া, অবশেষে পুথময়েকি, লাতক দেনাপতি দে নিমুক ছইয়াজিলেন, কিছ বাস্তব,তাবৎ দৈন্যের কণ্ড ব তার তাঁহারি জিল.

অপ্র দৈন্য এবং তৎপক্ষপাতীরা, ভাবিতে লাগিল, যে আমর্গ এবং লাবিগ্রব কর্তু ব্যতাবলম্বারা ভিন্ন পক্ষ; অতথ্য এই লালিম করিল, যে আমরা রাজ্যের মব্যে ঐক্য স্থাপনকরনে আদিকারন জিলাম, তথাপি ইণ্প্লণ্ডীয় জাতীয়েরদের যে ন্যায়া পার্ত্তি, ভাছা হীন হইয়াজি, অতএব ভাছার। বেভমিনন্তর নগরে ভিত भौतियां हत्राव विकास, रेमनाचालां रूत्राव अक भौतियह मुधि करिल, ভাহাতে সৈন্যেরদের পুত্যেক শুেনীর পুর্বান্থ সেনাপতিরা সভ্য হইল, পরে ঐ পুরীনিং দেনাপতিরা দংমিলিত ছইয়া, আপনার্দিরাকে কুলীনসভ্যেরদের স্করণ নিমিত করিল, এব দাবারল দৈনোরা পুত্যেক শ্লেনিছইতে দুইং লোককে লইয়া, পুজাপুডিনিবিদভা স্থকপ আপনার্দিগকে নির্মিত করিল ; ঐ পুকারকত मভোরা, সৈনোরদের ওয়েবিক বলিয়া থ্যাত তিলে. পরে এ জাগ্রেল ইহার দের এক ব্যক্তি ছইলেন, এইকপে তিনি গুণ্ড এবং সহজ্ঞকপে ট্রন্ন্যরুদ্রে মধ্যে কলহ কচ্কচি জন্মাইয়া তদ্বৰ্দকারী হইলেন.

ঐ সকল হইডেছিল সেই তাবৎসময়, ঐ অভাগ্যবানু রাজা হলনি গড়েতে বনী ছইয়া রহিয়াজিলেন, পরে ঐ ওভয়পক্ষণাতিরদের মাব্য, যে পক্ষণাতী রাজাকে আঅদিনো আনিতে পারে, ডাহার অবশ্য কিছু ওপকার দেখিবে, ইহা ভাবিয়া, क्रमर्वन, मिनि ভরকপে সৈন্যেরদের তাবৎকার্য্য চালাইলেন, এবং মিনি সৈন্যের দের দৌরাজ্যের বিষয়ে অনেক বিকল্পকথা কৃষ্টিয়াজিলেন, তিনি রাজাকে আক্রমন করণে পণ করিলেন. অতথ্য জয়স্বামক সেনাপ্তির অধীন দাঁচ লাভ সাদী इलिस शरुरा अनिक इरेग़ा, दांजारक देतिया रेमानावाहत निकाद लरेगा রোল; ঐ সময়ে ঐ সৈন্যেরা কেম্বিজ নামক নগরসমীপে তিল্লো হিথনামক হানে একত্রীভূত হওলার্থে ক্রেডতর একত্র ছইতে জিলে. পর দিবলে ক্রম বেল অয়ণ ই তাহারদের মধ্যে পঁছজিয়া, অত্যাক্লাদপূর্ক গৃহীত হইলেন, এবং তৎস্থা षाय देमनार्थिकभाष नियुक्त इहेलन.

পরে ঐ সময়ে পুজাপুতিনিধিসভারা ভিন্ন। ছইয়া পক্ষর হইল, এবং পুর্বাতিতা দুক্রমে তাহারদের মধ্যে এক পদ্ধ, দৈনোরদের বিক্রপদ্ধ চইল, এবং অন্য পক্ষেরা যাহারা অল্প জিল, তাহারা, সভ্যের দুই জন পুরানুবকাকে সপে করিয়া, লৈন্যের্দির্গের সাহায্য ক্রিল, অতএৰ ভাবৎরাজ্যে পুজার্দের মধ্যে এমত গোল্যাল্ হওয়াতে, সূত্রাণ বুঝা যায়, যে দুই পক্ষের মধ্যে বিদ্রেদ হওনাক শাক, এবং তাহাই হইল; কিঞিৎ কাল পরে ঐ দুই বজারা এবং বাদন্তি যে গুণ্ডাবে পার্লিয়েতহইতে নির্বত হইয়া, ঐ সময়ে হৌন্দল্লো হিণ্ আনেন্তি যে দৈন্যেরা, ওাহারদের আশুর লইল. ঐ সৈন্যেরা, এ দুই ব্যক্তিকে অভ্যাক্লাদ পূর্কি গুছুল কিয়া, তাহারদের মধার্থাচিরনের নিমিতে ভাহারদের পূর্ণণনা করিল. পরে ভাবৎ দৈন্যবর্গের যাহারদের সংখ্যা বিংশতি সহস্তু ন্যুন জিল না, ভাহারা একজীভূত হইয়া, ঐ দুই ব্যক্তিদিগকে ভাহারদের পূর্বপদে আপ লাথে চলিল.

ঐ অবকাশে পার্লিমেত সভ্যের মধ্যে, মাহারা অন্যপদ্রপুষ্ক অবশিষ্ট রহি श्रीदिल, जाशांता ने जात्रयनकातिरेमात्रात्राहत निवांत्रवकात भव कतिल. माजाता नृष्टन दका निगुक कहिल; अव रिमना मर्गाताहकत्व आंखा पिल; এব॰ দৈন্যবিশেষের্দিরকে গড়মধ্যে পুস্তত হইতে আজ। দিল; এব॰ ভাবৎ শহরক্রেরা, ঐ চছাও কারকেরদের লাহসপুর্রক নিবারএকরতে নিশ্চয় করিল. কিন্ত (म योह। इधक, *ने* भेहत्निवीमित्राद (य प्रेंग, जोहा योवर भेजूबा परहां जिला, ডাবৎই কেবল রাথিল, কেননা মথান ঐ ক্রম্বেলের বছদৈন্য সাক্ষাদ্প ন্থিত হইল, তথাৰ লকলে বশীভূত এবং অত্যনুৱাত ছইয়া, সেৰাপভিরদের পরে ঐ জ্যুবেল্ নায়ক সেনাপ্তি, ঐ দুই পদ পুতি প্ৰদাব থালিয়া দিল. চ্যুত বজার্দিগকে, এবং অন্যথ সভ্যে বিষে জিতব্যক্তির্দিগকে সত্তে করিয়া তাহারদের নিবাসে লইয়া গেলেন. পরে 🗗 কলহবিষয়ে অপবাদিত যে একা দশ সভা, ডাছার্দিগকে বহির্তাও করিলেন, তাছাতে ভাছারা প্রায় সমস্তই পার হইয়া মহাদ্বীপে রোল. পরে নরারাইট্র এবং দওনায়ক এবং তদ্ধীন আক্রমান অর্থাৎ পুাচীনাখ্যাপদে স্থিত তিন ব্যক্তিকে গড়ে অর্পন করিল ; এবৎ অনেক নলব্দিবাদী, এবং দৈন্যবিশোষেরদের অনেক পুরীন ব্যক্তির্দিরাকে কা রান্ত করিলেন ; এবং শহরের চতুর্দিরান্ত দুর্ব সকল সমভূমি করিলেন. পরে রড়ের কর্তৃত্ব দের্ঘাঞ্জকে দত্ত হইল, এবং পার্লিমেরদভারা আআজা ভন্তনকরে। विवास, ने धार्माङ्गाक माधार भूमाना कहिल.

অপর এই কার্যা কেবল অপেকা রহিল যে রাজার পুতি কি করিবেন. ঐ রাজা দৈন্যকর্ত্ত পুতি হইয়া হাল্লতন্ কোর্তনামক স্থানে বন্ধ হইয়া রক্ষিত জিলেন, কিন্দু আধানহাতে প্লায়নার্যে প্রদোধ করিয়াজিলেন, তাহাতে পুনর্বার হাইএ নামক প্রপাশে ব্র হইয়া কাস্নক্রক্ নামে গড়ে বন্ধী করিয়া রক্ষিত জিলেন. শরে যে সময় চাল্ফ রাজা ঐ পুকার ত্যাজাবন্দায় জিলেন, দেই তাব-সময়পার্লিষেত্তসভা; যাখারা সৈন্যকর্ত্ত পুগ্ন নুখন ব্যবন্ধিত ছইয়াজিল, ভাষারা পুতিদিন ওতারোত্তর দুর্বল এবং কলহকা ী ছইছে লাগিল. অভএব চাল্ফ রাজা, রাজ্যের অবোধিগমা দুর্দশার নিম্নতিকর্নার্থে নিতা পার্লিমেতস,ভারদের সহিত সন্ধি করিতে চেম্বা পাইতে লাগিলেন; কিছ পার্লিষেত্তস,ভারা রাজকায় প্রাক্রমথার্কর্ণবিনা, সৈন্যের্দের প্রাক্রম থাবক:নের অন্য কোনো উপার দেখিলেন না, তাহাতে বন্দী রাজার সহিত এবং ুজাপুতিনিবিসভার সহিত্যে পুনুবৈক্যছ্য, ভাষার অনেক চেম্বা পাইলেন.

কিছ সভোরদের যে ঐ চেম্বা, তাহা অসময় হওনপুমুক্ত বার্থ হইল; যেছে তুর ঐ সভোরদের যে পরাক্রম তাহ। অিশীলু লুপ্ত হইল. ঐ আজা লগ্ধনকারী হৈননোরা, বিজয়েতে পুদুল্ল হইয়া, আআগত্ত্বাদিগের বিনাশ করিয়া ছিরিয়া। कामित्रकाल, दव॰ आंधानतांक्य राष्ट्रला कातिए। जानक निकत नामानुनास्तत শর, আত্মরাআকে পুউচনে দেওনের প্রদোগি করিল 🗳 নময় ঐ নৈনােরা বিন্দ্ দার নগরে যে স্থানে কিবিৎকালপূর্যে রাজা কদী হইলা পুরিত হইলালি কেন, সেই স্থানে ওপ্ডিত হইগা প্রতাকে অ'ক্রেমন করনার্থে এক জন সেনা পতিকে, প্রেন করিল. পরে কেই আনহইতে গাঁজাকে হায় গ্রগনাতংপাতি স্থাইৎনামক ওপদ্বীণের অন্য পারে হস্তরামক গড়ে পুরুত করিল 💎 নেই নকল মাহা হওক, ঐ পুজাপুতিনিধিসংভারা, রাজার মণ্ডিত এবং মৈন্যেংদের মঙিত **ছে পুনরৈক্য জন্মাইতে পারিবে, ইছাতে সর্বা**শা কৃষ্ণিত ছাইলা, দৈনগ্রনের আর্বা মন নিষারনার্যে লাইল অবলমন করিয়া, মইলৈন্যের্যের লংম্থে রাজার লাভিত **অসক্তিনিয় ডির বরিল. কিন্তু পর্দিবসে** কর্ণেল্ প্রাইদ, বৈশন্যে দুই প্রেণ্ডির অনুনামী হইয়া, সভাগৃহ বেখান করিয়া, তৎপথমবী পুাচীনত অবিমানিল মী পক্ষীয় একচন্ধিশ জন সভ্যকে বিরিয়া, সরুকাথ্যা গৃহনীচন্দ্রত এক বুঠ্টাতে ৰন্দী ফরিয়া রামিল, পরে ঐ পার্নিযেওলভোরদের মধ্যে জন্য এক শত ঘাইট বার্কি বহিষ্ক করিল; এবং অভদ্রবিষ্ণাবলম্বিদের মধ্যে সার্থানিকা দৃত্ত এবং সাহসা ৰানু এবং ঘাহারদের সংখ্যা ষ্টি জনোদ্ধ জিল না, ওদ্যতিরিজ অন্য কাছাকে এ পুবিষ্ঠ হইতে দিল না. পढ़ে ने भौनिया ीरघड़ प्रति त्य कर्जवा उन्निया एक ठीय পুরিষ্ট হওন, এবং নিজুরতাপুর্বক তাহারদের কর্তব্য হরলকরলবিষ্ণ, পুটিদের জলাব বলিয়া থ্যাত চিলে; এবং ঐ সভাের অবশিষ্ঠ হাহারা তাহারা রয়নায়ে থ্যাত ছিলে. পরে ঐ সকল ব্যক্তিরা, এই বিষয়ে শীলু সম্মত হইল, যে পার্লিমে ন্ত্রীয় সভ্যেরা, কিন্তিৎ দিবসপূর্বে যেথ ব্যবন্থা করিয়াটিল, তাছা অব্যবন্থা ; এরৎ আমারদের দেবাণ্ডির ভাবৎকার্য্য, যথার্য এবং আরশ্যক,

পরে রাজাকে দোষীকৃত করনার্যে এক দভা নিমিতা হইল ; এবং দর্মমাজি পূর্বক এক ব্যবস্থা করা প্রেল, যাহাতে রাজার আত্মপার্লিয়েতের বিকল্পে যুদ্ধকরন, রাজ্যদোষজুল্য ন্থিরীকৃত হইল ; অতএব রাজাকে, ঐ দূতনীভূতরাজন্তোহা পরাবিজন্যবিচারকরনার্যে এক দূতন পুরীনদভা নিয়োজিতা হইল.

পরে কর্নেল্ হার্রিদন্বায়ক এক কদায়ের পুলকে এই আজা দ্তা হইল, যে লে রাজাকে হর্তনামক গড়হইতে বিন্দারনগরে লয়, পরে লেই স্থানহইতে লওন্শহরে লইয়া মায়. ভাহাতে ঐ রাজার দুঃখান্বিত পুরুষারা, আক্স খানির দর্শনপুর্ণ তেওঁ চতুর্দির হইতে দৌড়িতে লারিল, এবং তাঁহার বিদদৃশক্তি ধ্বকির দেখিলা অত্যন্ত দুঃথিতমনা হইল. যেহেত্ক ঐ রাজার দাড়ি বর্ত্তিত হইয় জিল ; এব॰ ভাঁহার কেশ বৃদ্ধবয়ক্তপুমুক্ত এত নয়, কিন্তু দুংখের বাহুল্যপুষুক্ত পদ্ধতাপুত্র হইয়া শেরতবর্গ হইয়াজিল ; এবং তাঁহার বস্ত্র জীর্গত্যুগতে, দুংঝের এবং দুর্শার অনেক চিহ্ন দর্শাইল. এডজপে ডিনি বিপদ্ এবং দুংগ্রান্ত রাজর ন্যায় হইয়াজিলেন, যাহা তাঁহার শতুপর্যান্তও মর্য্যাদা এবং দ্যাকরৰ ব্যতিকেকে দেখিতে অপারক হইল. 🗳 রাজা, বহুকালাববি দর ফিলিপু বারিক নামক এক ব্যাজী (ভৃত্যদারা দেবিত ছইয়াজিলেন, ঐ ব্যক্তি আ**অধামির** দুর্দিনিয়ক্তশত্রদের পুতিফলদেওদে অপারক হইয়া, কেবল ভাঁহার দুঃথেতে দুংলিত হইয়া রহিয়াজিল. ঐ সময়ে, রাজা, সর্ব্রাজকীয় চিহ্নইডি হইলেন, এব॰ তাঁহার দূতন রক্ষকেরা, তাঁহার পুতি কঠিনাচারকরনাজা পাইয়াছিল. হামিল্ডনের অনুনী, যিনি আঅস্বামির দণ্ডতুল্য দণ্ডপুণনার্থে রক্ষিত জিলেন, তিনি বিদায় হওলাজাপুাও হইয়া আক্সবামী, যিনি ঐ সময়ে বিন্দার নগরহইতে যাইতে চিলেন, তাঁহার নিকট হইয়া মাইয়া, হে আমার প্রিয় পুজু, এই কথা কহিয়া ক্রনন করত রাজার চরনে পড়িলেন. তাহাতে ঐ অভাগ্যবান্ সমুটি, ভাঁহাকে ভুলিয়া এব॰ আবলিপ্রন করিয়া, এব॰ অশ্রপাতানতর ওতর দিলেন, যে মত্য, আমি ভোমার অত্যতিপুঢ় খামী জিলাম বটে, তাহারি দল এই. এই সকলদর্শন অত্যত দুংথের বিষয় জিল, কিন্তু সে যাহা হওক, গাজার শতু যে রাজাকে ব্যবন্ধানুলারে বৈচার্য্যাহওলার্থে ভাঁহাকে বিচাকে আলিবে, এই বিষয়ে রাজার পুতায় কেছ জন্ম ইতে পারিল না, ক্রির রাজা সর্বুদা এই শক্ষা করিতেন, যে কোনো এপ্রহতাছারা আমার মৃত্যু হইবে.

অপর জানবরি মাসের ৬ তারিশাবিবি বিশাই তারিশ্রপর্যান্ত, ঐ অসমুব বিচারকরনোদ্যোগকরনে গত হইল পরে রাজার বিচার করিবে যে ঐ সভা, তাহা পূজাপুতিনিবিসভারদের নিযোজিত এক শত ত্রিশ জনকর্তৃক নির্মিতা জিল, কিন্তু তাহা দের মধ্যে কথানো একদা সপ্ততি জনাবিক বিচারে বইনে নাই. ঐ দ্বান নিয়েজিত ব্যক্তিরা, পুরি দমন্তই দৈন্যেরদের পুরীন্ধ লোক, যাহার।
পুরি দকলি ।চকুল্লগত তা বিদিনের মব্যস্থতি নিয়েজিত ছিল; এবং
তাহারদের মধ্যে কতকণ্ডলিন স্বাবারললাকপুতিনিবিসভাইই তা এবং কতকণ্ড
লিন লওননিবানির্দেলহইতে নীত হইলা তাহাতে বুাদ্দাহ নামক মাতিব্যব
দায়ে ি চার পুরান্ত নিদিন্ধ হইলা; এবং কোক্ দামক ব্যক্তি, ইংপ্লবায় পুজার
দের পদ্বীয় সভাদংপদে নিযুক্ত হইলা; এবং দর্ম্লায়স্কা এবং ভাল্ এবং আছে
নামক ব্যক্তিরা, তৎসাগ্যাকারিশদে নিযুক্ত হইলা প্রে সভার্ব বেভ্যান্তির হাল্লায়ক স্থানে একজ হইলা.

আপর রাজ্য বিদ্দার নগরহইতে গেল্লুনামক আবে নীত হইয়া, পর দিবদ বিচা মান্তবনার্থে পুর নিদ্দার আনীত সইলেন পরে মানন রাজ্য আনত জিলেন, তথান এক জন চোলনার, ওঁগোকে লইয়া বিচারাদানদান্য থিতে এক আদান মান্তন ঐ রাজ্য অনেক গলাবি বদ্ধা হইয়া রবিলেও এবং এননা দোলীব্যক্তিম্বকার, সভাবিকটে জনাত স্থলিও, রাজকীয় যে পুগল্পতা তবুহিত হইলেন না : যেহেনুক ঐ সভার দিগকে অতিশয় ওগুন্হ কারকার দ্বাধা করেও কাজিলেন, এবং যে সমতে সভারা মন্তক্জিন করিয়া গহিলাজিল, দেই সময়ে আমিটুলিতে হন্ত দ্বন্যাভিরেকে বদিলেন, পরে সভাসথক্ত্রক র জার আল মান্টবিতে হন্ত দ্বন্যাভিরেকে বদিলেন, পরে সভাসথক্ত্রক র জার আল মান্টবিতে হন্ত লাগতে এই আগবাদ জিল যে যুদ্ধার আরম্বারি যত রক্তপাত সইগেজি, তাগার আদিকারন রাজ্য ঐ আলবাদ শনিয়া, রাজা তুম্ব এবং ওগুচিতপর্কার হান্যাভারেকে থাকিতে পারিলেন লা, পরে ঐ আলবাদপত্র পাঠ সার্গ হইলে, ঐ ব্রাদ্দাহ রাজার পুতি বাক্য পুন্তার করত কহিল, যে এথক দান্তব্র, রাজার ওওরাপেকা সইয়া হার্যাজন,

পরে রাজা, ততি ফুন্থির চিড হইয়া পুতিরাদ করিয়া কহিতে লাগিলের, যে ব্রাজার বিচারকারে সভারদের অনবিকার; এবং কহিলের, যে ওভয় পার্লে মেন্টার গৃহত্ব লভারদের সহিত সন্ধিকরলাকান্ত্রী হইয়া পুায় সমন্ত বিষয় দিরে হইয়াছিল অভ্যার অম্যারি একজনে পুাও হইয়াছিল অভ্যার ক্ষেত্রত অম্যারি একজনে পুাও হইয়াছিল আভ্যার ক্ষেত্রত অম্যারি একজনে পুাও হইয়াছিল আভ্যার ক্ষেত্রত অম্যারি একজনে মেন্টার ক্ষেত্রত আগলাকভা আগল, কিছু এলভার মাধ্য তাহার একজন ও নাই এবং তিনি কহিপেন, যে আয়ি অনুন্দ্র সর্বাবহার মূল, অত্যার যে স্বাবহার আয়ার ক্ষার্বার স্থান, তাহার একজন ও নাই এবং তিনি কহিপেন, যে আয়ি অনুন্দ্র হইয়াছে, আত্যার এইজনে, যে পুরারাক্ষ পর্যাল্যার ক্ষারার অম্যার হইয়াছে, তাহা অবলম্বনক্রমারা ক্যায়ি পুজারদের নির্মান ক্ষাহার দ্বালা ওকছার না

ছওনে সমাত আজি কিব তোমার দর দাক্ষাতে আমি যে নির্দোধী, এই িময়ে কোনো পুতাৰকরনে আমি অক্ষম; কেননা তাহা যদি করি, তবে সকলে আমাকে গুংজ্যের মূলব্যবন্ধার নিমিত্তে সাক্ষ্যনে এনে দত্তপুলি না কহিছা, বিশ্বাঘ্যাতক কপ জ্ঞান কার বক

পরে ব্রাদ্শার্থ সভার মর্মান্দশ্লার্থে করিল, যে এই সভা, সর্বার জ্যেই আদিকার্ন্ধকণ যে পুরা, ভাষার্দ্রিষণতে আগ্রত্তেশবাক্র দুর্ভি স্থীয়াতে. এক বন্ধা রাজাকে কলিল, যে ইণ্টু গ্রাণ্ড ব্রাণ্ড বর্ষনার ফট্ট ব্যক্ত হই য়াতে যে এই সভার প্রাক্তম, ভালা তর্তেলাক রেওলা; ভালতে মন্ত্রালা 🖈 বিষয়ে ওতার দিতে চাতিলেল তথাল তথাকা ও লাগারক ভাইল.

পরে প্রে ঐকলে তিনহবার ই মভার নিষ্ঠে আন, ১৯ইলেন, এবং তিনবার ঐ দাভার বিচারসমতাত অভাক্ত স্থাক্ত স্থানন পরে চঙুর্য এবং শেষর রু ম্থার রাজা ঐ আত্মক্ত সভাসভায় আর্মাত ছিলেন, এবং যে সময়ে সে থানে আনিতে हित्तान ज्यान देमलाहा এব॰ কলছকারিলোকের।, এই কথা কৃষ্ণি টেচাইল, त्म मधार्यिक्तिक व्यागिक्तितरक एवं एथार्थिक्ति वर्गानिक एवं । अवन ক্লাজাকৈ বর শর বস কর। কির ঐ হাকালতে ও পাজা চিত্তান সন্লোল না। পরে তাঁপোৰ পিচাংকেশাশ, কডকগুলা কাজী যদ্ধাপুষ্থ ছট্যালিল, যে,ধান্তা পালিয়েত্তীয় নিয়োজিউদে চর বিকল্পে অন্তর্গুত করিয়াজিলেন, ভাহারদের দাসাৎ কারে বিচ'র করিয়া, ওাঁসাকে দোঘী করিনা দ্যাত্র দিল.

পার ঐ সকল সুদু,লাকের ছেঘাবার হইতেও জালাদ্চ্তির এক পুশ্তমনা পরে যে সময়ে রাজা প্রায়র যার্ডইর। ঐ ভুজাল্ল সভায় যাইতে জিলেন, সেই লয়য়ে সৈন্যের। এবং ক হকরিরা, আধার্দের मापार्थित एवं गापार्थिवतात एमंड, दारू तालपाक वर्षे कहा वर्षे कहा, दहे ক্যা ক্যান্তিষয়ে পুলক্ষালিত হইখা, তাতিকটুকাটবো কিনুইক গাঁডাকৈ তির জ্ঞার করিতে লাগিল. পরে ঐ সকল নিগাকারা কাজির দর মধ্যে এক জ্ঞা নীচ্ব জি, রাজার মুখে নিষ্কারন ত্যার করিল, তাছাতে রাজা আ ওবৈর্যাপর্বক मिक्षिक्र कित्तिन ; अव कितिन या मै भूताला, वालियो विश्विति केत्रि ্তা া দিলের সনাশতির্দিলকেও এতত্রপ করিছে, - কিন্তু ঐ কলহকারির দের মরৌ। মাহা দের কিষ্কিম্মা ছিলে, ভাহার। থোনকর এম রা অঞ্চলাত লইক আমশোক পুকাৰ করিতে লাগিলে পরে অখ্য লৈনাপ্ৰিম। অনিক ম্যাল এক জন দৈন্য, রাজার দুঝা দেখিলা ভারার গুতি মন্ত্রন ঘাট্রল করিতে লারিল, ভাহা ক্লিয়া এক জন সেশাণ্ডি ঐ সাংগ্রু পুঙ্গীকে গাজসাক্ষণেকারে এক চপেট মারিয়া ভূমিও করিল; তাহা দেখিয়া গ্রাজা কহিলেন, যে তাহার দেখিহইতে তাহার দও অবিক হইয়াছে.

শরে, রাজা, হ্লাইৎহাল্লামক জালে দুতাগামন করিলে গর, তিনি মত্যেরেরে নিকটে এই ঘাচ্ঞা করিলেন, যে আমি অলুপ্রের্দিরাকে দেখিতে চাহি, এবং জক্ দান্নামক ভট্টাচার্য্য যিনি লণ্ডনের গতবীন্দারীয়াক জিলেন, তিনি যে বীন্দিরিয়ে ওপকারায়ে আমার নিকটে থাকেন. ঐ কাকল পুর্যানিবিষয় ওঁটাকে দণ্ডহল, এবং বরের পূর্বে, পুস্ততহওদের তিন দিবস অবকাশ দেওয়া গোল. ঐ রাজার ঐ সময়ে ইংগ্লণ্ডদেশে অবশিষ্ণ যে পুঞানি জিল, ওঁটারা ইলিশাবেখনায়ী রাজ কন্যা, এবং প্রস্তার অলুনী; ঐ অলুনী কেবল তিনবৎ সরবয়ক্ষ জিলেন, পরে রাজা আমকন্যাকে অনেক ওপদেশ দিলে পর, ওঁচার জোট সভানকে জোড়ে লইয়া কহিলেন, যে হে ২ৎস, ওহারা ভোষার নিতার মন্তক্জেন করিবে, এবং ভোমাকে রাজা করিবে, কিন্তু তুমি আমার ক্যায় অববীন কর. ঘাবৎ চাল্ম এচং জেমুলামক ভোমার দুই ভ্রাতারা জীবৎ থাকেন, তাবৎ তুমি শাজা হইও না; যেহে তুক ওহারা যথান শক্য হইবে তথান ভোমার ভ্রাতার্মিগ্রের মন্তক কাহিবে, এবং দাবশেষে ভোমার মন্তক্ত কাভিবে, অবএব আমি ভোমাকে এই দৃঢ়াজা দি, যে তৎকৃত রাজা হইও না. পিতার এই বাক্য শ্বিয়া ঐ বালক ক্ষমন করিয়া ওগ্র করিল, যে পুথ্যয়ে ভাহারা আমাকে কাহিয়া থাণ্ডং ককক.

পরে ঐ সময়াববি তদ্ববীজ্ঞাপর্যাত, পূর্বে যেমন রাজা ছোরতর নিদুভিত্ত হই তেন, তেমন এখন ব্রমক্তকারকেরদের অক্সের শব্ নিতা কর্নকুত্রে পুরিপ্ত হই লেও, তাঁহার নিদুভিত্ব হইত না

পরে চাল্দ্র রাজার মর্গবিষ্ক ওপ্রিত হওয়াতে, তিনি অতিপুলাতে গালোখানি করেয়া এক জন ভ্তাকে তাকাইয়া আজা দিলেন, যে এমত নৃহৎ এবং আক্লাদজ লক ভারিবিষ্ট্রের নিমিতে পূর্বাপেকা বন্ধাদিপিরিবান করাওনে জন্য জবিক মনো যোগ করেবা. পরে হ্বাইৎহালের সম্মুখে যে পথ, ভাঁহার ববীর্থে নিকলিত হইয়াজিল, ভদ্মারা ভাঁহার জাবিক দণ্ড হয়, এই আশায়. পরে চাল্দ্র রাজা, জক্লুনামক বন্ধাবিল, যিনি ভাঁহার আআমি লোক এবং ভতা ও সেবক, এবং যিনি আআমামিরন্যায় স্মুত্ত, করও এবং বিনিইপুর্গনিশিন্দ জিলেন, ভাঁহার সহিত ভোজনাগারের মহীছিয়া ববীর্থের নিকটে নীত হইলেন. এ ববীর্থের ক্রির্থার্থ ভিলন, এ ববীর্থার ক্রির্থার ভালন, এবং কর্নেল্ ভ্রালিন্দ্রন্ কর্ত্রাবীন এক নৈন্দ্রেরী কর্ত্ক রন্ধিত জিলে, এবং কর্নেল্ ভ্রালিন্দ্রন্ কর্ত্রাবীন এক নৈন্দ্রেরী কর্ত্ক রন্ধিত জিলে, এবং ভাবর্লোক অভিশ্যন্তি হইয়া দূরে থাকিয়া, এ হুৎসিংঘারতর্বিষ্ট্রয় দর্শনাপেকী হইয়া রহিয়ানিল, পরে এ সকল নিচ্ছ রাজা স্কল্মচিতে নিরীন্ধন করিলেন, এবং দূর্ম্ব লোকেরা যে ভাঁহার কথা স্থানিতে শাইবে, ইহার কোনহ নম্বানা না দ্যেয়া, নিকটবর্তাদ্বায়্যাত কয়েক জনের

পুতি এই কথা কহিয়া, পুস্তাব করিতে লাগিলেন; পুথ্যত তিনি জানাইলেন, যে গতসর্থনাশক মুদ্ধবিষয়ে তিলি লিদেখিলী জিলেন; এবং কহিলেন, যে পুথমত পার্লি মেতেরা অহ্রণুহনকরনদ্বারা মাবৎ তাঁহাকে অল্পুহনশিকা না ক্রাইল, ভাবং তিনি অশুনুহৰ করেন নাই. এবং অশুনুহৰ ক্রলার্যে আয়োজন ক্রলবিষয়ে, তাঁহার আর কোনহ অভিলাম ছিল না, কেবল এই যে তিনি তাঁহার নৈতৃক পরাক্রম অভনকপে রহা করেন. কিন্দ ঐ চাল্ফ রাজা পুজারদের নিকটে নির্দোধী হই লেও, ইছা মীকার করিলেন, যে আমার সৃষ্টিকর্তার সাক্ষাথকার আমার দভ যথ.র্ध; যেছেতুক তিনি কছিলেন, যে জালুর্দের পুদেশারিকারির অঘ্যার্থদণ্ডা জাবিষয়ে সমাতহওয়াতে তিনি যাথার্যকলে দ্বিত হইয়ালিকেন, পরে ঐ তালা রাজা, অপাত্রদিনকে ক্ষমা করিলেন; এবং পুজার্দিনকে পুনর্হারবশীভূতহওন विष्ठा अनिरम्भ पिरलन ; अवन अनुभारक अञ्चाविकाहोकाम मुहाद कविरलन ; अवन ই প্লভীয় ই ম্পক্ষপাতির দের মধ্যে পাতি তথা গামত ঘেষন গৃহীত, তন্মতাবলম্বী আপনাকে জানাইলেন, পরে যে কয়েক জন ঐ স্থানে দণ্ডায়মান জিল, তাহায়া রাজার মরলপুন্তাবেতে এমত আর্দুচিত হইল, যে কর্নেল্ তম্লিন্দন্ মথকাই ছ রাজা রক্ষিত চিলেন, ভিনি অয়ওই কহিলেন, যে আমিও তমতাবলমা.

পরে যে সময়ে রাজা শিরশেলদল কানের ১পরে অমন্তক রাখিবার ওপজম করিত্তে জিলেন, সে সময়ে জকু সন্নামক বিশাবীক্ষ, ভাঁহাকে ভাকিয়া কহিন, যে ছে মহা রাজ, কেবল আরু এক আন্তঃ আছে, তাহা অভ্যুত্তরল এবং দুঃখদারক হাইলেও, তাহা অতি মার্থ, এবন অভিশীন্তু ভোষাকে অভিদূৰে পুরিপ্ত করিবে; অর্নান প্রার্থ ছইতে মর্নেতে ভোষাকে পুদ্ধিও করিবে. এবং যে স্থানে তুমি অভিবেরে যাই (তক্ষ, দেই আংদে অভ্যাক্লাদপূর্বক ঐশ্বয়কণ এক প্রলভ্যমূর্ট পুর্ণ্ড হইবং. ভাহাতে গ্রাজা ৬ত্তর করিলেন, যে এক ক্ষ্ণীয় মৃত্রুটহইতে এক অক্ষণীয় মুটুট পুণিলার্থে যে ভাবে কোনহ দুঃশ্র ভাব পায় না, এয়ত ভাবে ঘাইতেমি. ভাষা শুনিমা ঐ বর্মাব্যিক ওওর করিলেন, যে আপুনি এক প্রবন্ধার্মিকুট, অন্তক্ষ্ খা্গ্রীমকুটের জন্যে প্রার্থ্যক ক্রিডেজেন, তাহা ওন্তম পরীবতন. রাজা আপর্ফিনী অপসরন করিয়া, এবং স্মর্নে রাশ, এই ক্র্যা কহিয়া ওঁহোর জর্জ নামক পুশ্রকে ঐ বিদ্যাবিষ্যাক অর্পন করিলেন। পরে ঐ চাল্র (বাজা নির শ্চেদ্ৰ কান্তের ওপর আআগুবিগ রাখিয়া, এবং ববকরণসূচক মহন্তদ্ম বিন্তীর্ন ফ িয়া, এক জন জন্লাদ, একাঘাতছারা তমরীরছইতে শিরোভেদ করিয়া, অন্য জল্লাদ বিশ্বাসহাতকের মন্তক এই, এই ক্যা ক্রিয়া লোকের্দিরাকে দেখাইল. পরে দশকেরা, অভিভঃস্কর ঐ বর্ষবিষয়, অভ্যন্তকশুদাব্যি জান ক্রিয়া, তাহা থেদেক্তি এবং অক্রাণত এবং বিলাপপূর্বক জানাইতে লাগিল; এবং রাজারদের

পুঁতি তাহারদের স্নেহ পুশকপন্থিত হওয়াতে সকলেই এই কথা কণ্ডিয়া আপদাকে দোম দিতে লাগিল, যে আমি অয়ণ্ট রাজবর্ষ হৈময়ে হাত দিয়ালি, দিয়া তাহার নাশকেরদের সাহায্যকা ী হওয়ালি.

এ চাল্দ রাজা ওনপঞ্চাশ বৎসরবংক্ষ হইলে, ডাচার মধ্যে ২৪ চরিশ বৎসর রাজ্যকরশান্তর, মারা গোলেন. তাঁহার তাকার মাত্রগরী নেয় আচদার্থ নয়, এবং তিনি বিলক্ষন অন্তপ্ত এবং লাবনাগিনি কি লাল চিনি স্পর্যুগ্রিক দুর্যনার ন্যায়: তাহাতে বুঝা যায় যে নিত্য ওৎপাত্যুম্ভপুষ্ তাহার যালিন বদন জিল; কিছ তাঁহার প্রনাপ্তবের শিষ্য গ্রুক্ষ কর্তার। যাহ ২ নিথিয়াজেন, ভদপেক্ষা ত্রিব্রুক্ষারা, পাঠকরা, অতিনিক্ষয়কপে অবিক্ আত ইইতে পান্তিবন.

६% अनिविश्मीशाग्र.

जादीव्यक्ट्रंद्व विषय.

আ'লিবর জম্বেলের বিবর্ধ.

শারে ক্রম্বেল যিনি গুণ্ডাতে গাড়গাজার মৃত্যুবিষরচেষ্টা পাইয়াজিলেন, তিনি
শারে যাহা অনবগত জিলেন, এমত অভিনাষেতে নিমন হাইতে লাগিনেন; এবং তা
হার অভিনাষবর্জনের স্থান ওওগোডর অতিপুশন্ত হওয়াতে, ভারণিরগক্রমবাস্থলা
দেখিয়া, তদ্বিষ্টকাভিলাষেতে ভাঁহার তাবৎপূরীয় রাজনাতি স্থভাব লুপ্ত ২ইতে
লাগিলে

পরে ঐ ক্রম্বেল্ আইর্লগুদেশে দেনাগতিপদে নিযুক্ত ছইয়া. ঐরাজ্যে পূর্রবিদ্ধান্দরে করিতে লাগিলেন.
এবং ঐ দেশে রাজকাইলৈন, মারার্নির দরে কেনাপতি অর্যন্ধের অনুনী জিলেন তারার্দের বিক্রম্ভ নিবাসী দৈলা, মাহার দেনাপতি ওনিল্ নামে ব্যক্তি জিলেন, তারার্দের বিক্রম্ভে, ঐ ক্রম্বেলের মুক্ত করিতে হইল.
ক্রিক্ত তক্রপ অপটু অসং মিলিত এবং নির্দ্রের হারক যে রাজকীইলৈন্যেরা, তাহারা ঐ ক্রম্বেলের কর্ত্ব সাধান হইয়া, বছবির মুক্তের কায়ী এবং সাহানিক হইয়া কিলে যে দৈনা, তৎ প্রবেশনিবার্নে অসমর্য

হইল, ঐ জম্বেলের দৈন্য তাতিশীলু ভাবদুভিয় ব্যাপিল এবং অন্ধানের যথেয় তাবে পুরানং নগরভের। তাহার পক্ষ হইয়া, তাঁহার আগমনন্ময়ে পুরুষার কাপাট খুলিয়া দিল. বিদ্ধান মাহা হওক, ঐ জম্বেল্ যেমত অন্যানকল কাগ্যা, তেমন ঐ সকল অয়কায়েয়, এমত দুষ্ট ও দুরুওস্যবহারক জিলেন, যে হাজার বিরুদ্ধ পুরুষার কথন, তবু তাহার অবশ্য দুর্নাম হইছে. যেহেতুক নগর নিবানির্দের মধ্যে ভয়জনাওলায়ে, যেহ নৈনা ভাহার নিবার্ভ করিত ভাহার দিয়া ক এন্ডান্তর্গবহাং পুরুক ভ্রবাং তেহুত করিতেন.

অ র ঐ জ মানেলে ইং প্লাপ্তান লালে পাল, এবং সভ্যাসনাপানেশনের পর, আইলিও দেশে লাবার নপুভ্রর ওপকারকর গার্থে মাহাছ কি নাজিলেন, ভজ া সভাব জন উক্ত হারে যা বা পুলাল দাপু প্র হাইনেন পরে ঐ সভ্যেরা, জ্জংল ওদে শা, মার্যা সুজ্জানি দার্যা, এক সেনাপভিকে নিযুক্ত করিতে পরা মার্লা কিলে, যে হতুক ঐ ক্রং এ এতি হোরা রাজকীয় পক্ষ হইয়া, প্রতসমুগতের পুত্র চাল্পনিয়ক মুনা ে গোলি গানিলো বিলও করিয়াজিলে পরে জের্প্ত করিছে পালিও মিনি বছ কালাগিকি পুনিত জ্বরিশ্বাসনার বিকল্পন্ত এন জ্বনার জিলেন, ভিনি ঐ সেনাপ্তিরে অসন্মত হইলে, ঐ ভারে সুলুবাং জ্বনার ওপর প্রিলন, ভারাকের ই ক্রমানের সেনাপ্তির আমারত করিয়ালিক ক্রমান ক্রমা

ইতিম ধ্য ই ক্ষংজাতীয়ে গ্যাগার আগনার অভাগাবান রাজাকে ৰন্ধী করনার্মে তাঁগাকে আনাইয়াজিল, তাগাকুদের মধ্যে এক জন পুরান্যাজিও, ঐ চল্লাও বিষয় নিৰালোগে আয়োজন করিল না কিলু কাল পরে এক মুল্ল হইল, ভালাতে ঐক্ষং জাতা লিনেন্দের, ইগ্লেণ্ডীয় লৈন্দে, দের আগেকা দিপ্তন হইলেও, ঐ ক্রম্ভেল ভাগাকি দিনেক পর ভ্যুম্ব করাইয়া, অভ্যাঘাতপূর্ত্তক ভাড়াইয়া লইয়া গেল, ভাগাতে ক্রমাবলের চল্লা জনের অধিক সেশা মারা গেল না.

এ ঘোরতর্দ্দশায় ঐ যুবা গেলন্ন, যিনি রাজ্যপুলাপনের নিমিতে লইবহানিতে লম্মত জিলেন, তিনি রাজ যারা এক ওপায় স্তিলেন; তাহা এই, ঐ যুবরাজ, ইণ্প্লভদেশে যাগালন যুক্তপ্য দেখিয়া, এবং সেই স্থানে পিছজিলে, তাবদুাজ পক্ষীয়েরা আমার পক্ষ হইবে, এই আশা করিয়া, শীলু ঐ রাজ্যে যাওনে মনস্থ ক্রিলেন.

কিছ দে ঘালা হ৯ক, ঐ ঘুৰুণাজ আঅদৈন্যবাহল্যেতে ১ তিশীলুনিবাশ হউলেন; যেহেতুক ভঃজাতাল্যুবা অনিৰ্দিশি মুব্বাম্ব্ৰবিষয়ে পুৰুত্তগুল শঙ্কান্তিত হইয়া, আনেকে বাজাকে ত্যাল ক্ৰিতে লাগিল; এবং ইংগ্লণ্ডীয়েৱা, ঐ চাল্প মুব্বাজেই বৈৰি যে ক্ৰম্যেল্ তাহাহইতে ভীত হইয়া, তৎসহমিলনে ভীত হইল, কিছ মথক ঐ মুবরাজ, বর্দেন্তর দগরনিকটার্তী ছইতে লাগিলেন, তথান সকলছইতে জাইক তাঁহার দুর্দশা কৃষ্ণি পাইতে লাগিলে; যেছেতুক তিনি সংবাদ পাইলেন, যে ঐ জুম্বেল্ চল্লেশ হাজার সৈন্য সমতিবাহারে জ্বংলণ্ড দেশইতৈ ক্ষতত্ত্ব জালিতে জিলেন. ঐ মুব্য চার্ল্জ, ঐ সংবাদ পাইবামাত্রেতেই, ক্ষতত্ত্বকার্যসন্ধাদক যে ঐ জুম্বেল্ তিনিও ওপন্থিত ছইলেন; এবং চতুদ্ধান্মইইতে, শহরের ওপর পত্তিয়া, লাজপর্জায় সৈন্যেরদের রক্তেতে শহরের পথ পরিপুর্ধ করিলেন. এবং তাবং ক্রজায় সৈন্যেরা মানা গেল কিয়া বন্ধী ছইল; এবং রাজা ক্ষ্ণই সাহদের জনেক ভিছ্ দুর্শাইলেও ভাঁহার শেষে পলায়ন করিতে ছইল.

ঐ রওজ্জনইতে পলায়ন মময়ে, যেই দুঃথা এবং যেই আপদ্ ঐ যুবরাজকে ছাইয়াছিলে তাহা অবোবরাম্য এবং অক্থানীয়ে. যেহেতুক অনেক ছান্ইইতে পলা মন করিলে, পর এক চল্লিশ দিবল নিভ্তে থাকিয়া, তাঁচার ভাঁড়াইয়া যাওনের বিষয় কমবেশ চল্লিশ জন জ্ঞী পুক্ষ জাত হইলেও, নর্মনীদেশাতঃপাতী ফেকাল্ল নামক নগরে অভ্যাগ্রনে ওতীও হইলেন.

এই সকল হইতে চিলে ইডোমধ্যে ঐ ক্রম্বেল্ সর্তে মুদ্ধ সদল হইয়া, লণ্ডন্ শহরে ফিরিয়া আদিতে জিলেন, তাহাতে পার্লিয়েত গৃহের বক্ষা এবং লণ্ডন্ দর্গা বের দওলায়ক এবং অন্য বিচারকর্তারা, অত্যত্তভাগুর্রক যাইয়া ওাঁহার সহিত मार्क्षा कृतिन. भार ने क्याबन मईव मधन अनिवा अभनक कृतिया. পুথমত স্কংজাতীয় যাহারা তৎকালপর্যান্ত ওঁছোর বাকো অবছেলা করিয়াছিল, ভাহারদিগতে দমন করিতে লাগিলেন. তদর্থে ছৎলণ্ডরাজ্যের মধ্যে রাজকীয় পুভূমনালাথে এক ব্যবস্থা করিলেন, এবং ঐ রাজ্যকে পরাভূতরাজ্যস্থকপ করিয়া, ইংগ্লগ্রীয় ভারীরএকর্তৃকবের সহিত একত্রীভূত করিলেন. কিছ পুজারা যে রাজ্যহইতে কতকগুলিব বিয়োজিত লোকের্দিগকে ইণ্প্লণীয় পালিয়েতে প্রের করিতে পারে, এমত পরাক্রম দিলেন. পরে ঐ রাজ্যে ন্যায়্যবিচার স্থাপনার্থে সর্বতে বিচারক নিয়ুক্ত হইল; এবং রাজ্যের পূজারা, বর্মপক্ত পাতিরদের নিধুবতাবহারহইতে মুক্ত হইয়া তৎকালীন কর্ত্তে বড়একটা অসক্ত পরে অনেক বিয়োগপূর্বক সুপ্রয়না হইয়াজিল, এবং যাহার কার্ব পুর্বার কেছ জ্ঞাত চিল না এমন যে ক্ষৎজাতীয় পুজা, তাছার দিরাকে সর্প্রভাতাতে বশভ্তি করলাথে মঞ্চনামক এক ব্যক্তি, মাঁহাকে এ ক্রমবেল্ রাখিয়া গিয়ালি লেন, তিনি অতিস্থিতেচনাপূর্বক কর্মাকার্য্য করেওছারা প্রজারদের যথেষ্ট লভোষ जवाहितान.

ঐ পুকারে ই° প্লভীয় পার্লিয়েত, জম্বেলের দারা তাবৎ ব্রিটিনাবিকার মধ্যে আমানরাজম দাণিত করিল: এবং ইরীতন্ এবং লদ্লোনামক দুই ব্যক্তি দার্গ বাবে আইর্লিও রাজ্য বশীভূত করিল. এবং আমেরিকা রাজ্যে যেহ দান

আনাৰ রাজকীয়পুভূত্বপক্ষীয় কিল, ভাষারদিনের অধীনতা শ্বীকার করিতে হইনঃ

তাবণ জেনি এবন চার্নীন এবন িানিলি এবন আইল আছে মানুনামক প্রদানীপ অতিসহজ্ঞকপে হন্তন্যত হইল. এতজাপে সকল লোক চমনকারপূর্বক দেখিতে পাইল, যে পালিয়েত, যাহা কেবল মাইট্ কিন্ধা সপ্ততি মুখ্ এবন অলুখ্যাত লোককর্তৃক বিশ্বিত কিল, ভাষা পরন্নরসমতি এবন সাইলারা শাসন করিল. এ পার্লিয়েত, অপ্তত্তিন্দার্যা বিশ্বিত এক রাজসভাব্যতি রিজ কাষারো বশীভূত্ব শ্বীকার করিল না. এ সভার নিকটে পুজারদের যেছ প্রার্থনা ভাষা করা মাইড; ভাষারা সৈন্যসমারোহ করিত; এবন মুল্জাহার সমূহ নিকপন করিত; এবন চতুর্দিনান্ধ ভারন ইওরোপের নিমিতে ব্যবকা নিকশন করিত; এবন রাজ্যের যে অর্থবায়, ভাষা অভিসন্থিবেচনা এবন নির্মাণুর্বক করিত; এবন রাজ্যের যে অর্থবায়, ভাষা অভিসন্থিবেচনা এবন নির্মাণুর্বক করিত, এবন ই লাম্যর রাজ্যের ইনহর্মকার্যারা প্রায় কেহ ইনরান্ হইত না; এবন রাজকর, এবন ই শ্বীহাক্ষেরদের ভূমিকর, এতদ্বির এক শত কুড়ি হাজার পোঞ্জ আর্থনি নয় লক্ষ মাইউ হাজার টাকাতে অন্য এক কর, ভাবদুন্তকার্যাত্তির হওয়াতে, অন্ত্রন্থর্কক সর্বর্যা নিমাতে প্রত্র হওয়াতে, অন্তর্গর্কক সর্বর্যা নিক্রিত অন্য এক কর, ভাবদুন্তকার্যার নিমিতে পুত্র হওয়াতে, অন্তর্গর্কক সর্বর্যা নিক্র হইত.

পরে ঐ পার্নিফেন্ত, আআবিকার দর্হতোভাবে বশীভূত করিয়া, হলও আঠীয়া মহারা বড়একটা দোঘাৰিত তিলে না, তাহারদিগকে শান্তিদেওনে যদক করিল. ভাষার অভিপূ'য় এই, যে দরিম্নাশনামক এক জন ভট্রাচার্য্য, যিনি গ্রভরাজার একজন বিচারাব্যক্ষ জিলেন, ভিনি ঐ পার্লিয়েতের ওকীলপদে হলওদেশে পুরিত হইয়াজিলেন, পার সেই স্থানে রাজকীয়কর্ত্তপক্ষীয় এক ব্যক্তি, যে এ দেশে আশুয় লইয়া ছিল, তংকর্ত্ক হত হইলেন. এবং কিজ্কাল পরে, আনু লামক ঐ লভাছইতে পুেরিত এক ওকাল, আরেঞ্জের মুবরাজের কোনো বজুকর্তৃক অপমানিত হইয়াজিলেন. তলিমিতে ইংগ্লগ্রীয় রাজ্যের সাধারএকর্তৃত্ব, যে ছলতীয়েরদের সাহিত মুক্ত করেন, ঐ সকল বিষয় তাছার যথেষ্ট কারএমকাপ বোরী ছইল. এ সময় ব্লেক্শমক আহাজসমূহ সেলাপতির দক্ষতা এবং লাহস, এ পার্লি মেতেরদের পুরাণ ভরদা জিল ; ये ठाकि वृक्तवग्रव्ह अनभूदि स्मनां विवर्त्व व क्त्रिमंक्तिलन ना, उथानि नृद्धं (यर (मनानिड इड्यांकिल, डाहांब्राम्ब मक्त इहेरड खबिक मक अद॰ माहमदान किलन. অন্যাপক্ষে, ছলত জাতীয়েরদের यादी जीवृत्रं लाक कथाना उर्भात ४९ भन रह नाई, अग्र खिथानानन वान् বরণামক সেনাপতিকে হলভীয়েরা, ই॰গ্লভীয়েরদের সহিত মুদ্ধ করবার্থে নিযুক্ত করিল. ঐ দুই খ্যাত্যাপর সেনাপতিরা, অনেক মুক্ত করিয়াছিল, এবং ঐ দুই स्मिनापिकित मादी कथाता हिनि अव- कथाता अनि खग्नी हहे। उन ; किन खनमूच, ৰদাটিৎ কার্যালয়াদক হয়; যেহেতুক পরাত্ত যাহারা, তাহারা অ্যিরদের সহিত

পুনংপুনর্ঘ্রহ্রনে সমর্থ হয়. তাহাতে বছকথে পুর্তি যে আনক সংগ্রাম ভাহা কোন ব্যক্তি পরাক্রমশালী তরিশ্চয়করনব্যতিরেকে, কেবল সেনাণ্ডিরনের ক্ষমতা আপক হইল. কিছ ভাহা যাহা হওক, হলও জাতীয়েরা, যাহারা শ্বাম শ্যচ্যত হওলেতে, এবং বৃহল্পৎসাদ্যভিত্তিলকরনব্যবসায়চ্যুত্তহওলেতে, অনেক ক্ষতিপুঞ্জ হইণাজিল, তাহারা শক্তকরনেম্ভূ হইণ, কিছ পার্লিয়েত ভাহারদের পুর্যনায় অপ্রভাতর দিলেন. শুপার্লিয়েত্তসহদের যাবৎ সাব্য ভাবৎজলযুলার্থ জাহাজ রাথান, ভাহারদের মন্দলেশদিক জিল, যেহেতুক ভাগারা যথার্থকপে ভাবিল, যে রাজ্যের বল সম্দুর্গুল ব্যয় করিলে, হুল্যুত্ত আভিজ্যানক জিল, ভাহার হুলে হইতে পারিবে.

পরে ঐ বৃহদাকাথ্নী যে সেনাপতি, তিনি অতিগীলু ঐ পার্লিফেতের অভিপায় জ্ঞাত হইলেন, এবং পুথমাববি দেখিতে পাইলেন, যে তাহারা তাঁহার বর্ত্তিত পরাক্রম দেখিয়া কেবল ওলাশকরনেড্র ছইয়াজিল. অভএর ঐ দনপিতির যেতাবৎ আক্সকার্য্য, তাহা তাঁহার স্বাতাবিক ক্ষতত্ত্বদক্ষতাপূর্যক কৃষ্ণইল; এবৎ তিনি দেখিলেন যে অধীনডাক্ত্ৰ জন্মৰেশ্বীরণকরণ নিষ্তুন কার্য্য, অভএব ঐ ক্রম্বেল্ সৈন্যেরদের স্লেছেতে নির্ভর করিয়া, অন্য এক দাকেনোপায়করনে মনস্ক এব॰ ঐ ওপায় দিল্লার্থে, তিনি আঅদেশাবতিরদেরপুতি এই অনমতি क्रिलन. मिलान, या लामहा मालाइएमद निकार बाकि माहिनाइ अवव यार अनावातुस हरे ग्रांक, डांश्रेत यथोर्धिविठारतत नियाल श्रीर्धना कतिवा, रक्तना डिनि का िलन रय दे লভ্যেরা ঐ প্রার্থনা করন বিষয় অভিভূম্নপূর্বক রদ করিবে. পরে ঐ প্রার্থনাপত্র অভি ু ফুডতর লিথিত ছইয়া দাখিল হইল ; তদ্ধারা দৈন্যেরদের পুরীনিং ব্যক্তিরা, আপ সারদের বাঁকি মাহিলা পুর্যালা করবের পর, ইছাও নিবেদন করিল, যে পার্লিমেত मेरिछादा क्छ वश्मदावि ने मछाग्न नियुक्त इहेग्रांकिल, अवन भूर्व डाँहादा ने সভোর হ্যবন্থা নূত্রনীভূতকর্নে, এবং পূর্রাপেন্দা দৃঢ়তর্কপে অবাব্যাচারিয় সংস্থা পদে, কিকপ আকাঞ্জিত জিলেন, তাহা যেন বিবেচনা করেন.

ঐ সভ্যেরদের পরাক্ষম, ঐ দৈন্যেরদের অহঞ্চারদারা সর্ব ভাভাবে বর্ভিত হইয়া জিল, তাহা জাত হইলেও, তথাপি ঐ সভ্যেরা ঐ দেনারদের অহঞ্চারস্করণম দেখিয়া অতিকোরিযুক্ত হইল; অতএব তাহারা এক ব্যবস্থা দশ্বাপনার্থে ক্ষতকণ্ডলিন নভ্যেরদিরকে নিযুক্ত করিলেন. ঐ ব্যবস্থায় এই বিষয় স্থির হইল, যে ইহার পরে যে কোনো ব্যক্তি, ঐ পুকার প্রার্থনাপত্র সভার নিকটে জানে, সে ব্যক্তি রাজদ্বোহদোমে দোমীকৃত হইবে. পরে ঐ ব্যবস্থাবিষয়ে দৈন্যেরদের পুরীনহ ব্যক্তিরা, বড় কঠেরিকপে বাদানুবাদ করিতে লারিল, এবঙ্

नीर्नियं छम्प्लका कार्तातायह मिन ; जोशांक अलायह या विरक्ष प्रहेशिक. खारा ध्वातायत कारिक बाहित्व लातिल. अ अम्बायल मे विश्वपानाक्षे হইয়া, অনেককালাগৰি তদৰ্শক হইয়া রহিয়াদিলেন. পরে কোনো এক समार । ঐ ক্রম্থেল্ আত্মদেনাপভিরদের সহিত বিচারে বসি**।**গাঁচিলেন, এমন সময়ে পার্লিমেওসভ্যোর, যে বিষয় বিচার করিতে জিল, ভাহার সংবাদ পাই লেন ; তাহাতে িনি অভিক্রোবান্থিত হইয়া ওচিয়া, বেন্ নামে দেনাপতির পুতি তিরিয়া কহিলেন, যে এক কার্যা আমার করণাবশ্যক হইয়াছে, ডাহাতে আ এক্যা কৃষ্ণি তিন শত সৈন্য সম্ভিব্যাহারে ফ্রভত্র মার লোমাক হয়. ला लिए छत् हिक्ट या देश, अ जिक्क विषय मुविश इहेलन. দৈন্যেংদের প্রেশনপ্তেত্তকপ মৃত্তিকাতে পাদাস্তালন করিবামাত, অল্পবারী লো:কতে গৃছ পরিপূর্ব ছইল. এবং এ কমবেল্ সভ্যেরদের নিকটে এই কথা ফহিলেন, যে ভোমারংদর কি লক্ষা নাই, এইফনি ডোমরা দূরহইতে পারহ ; এবং ভোষারদের অপেক্ষা সভাবাদী লোক, যাহারা আঝনিকটে অর্ণিড কর্ম ভোষার দের অপেকা অভিবিশ্বস্তকপে করিবে, তাহারদিনকে স্থান দেও, ভোমরা অদ্যা ববি পার্লিমেত নহ ; হাঁ আমি তোমার্দিপকে কহি যে তোমরা অদ্যাববি পার্লিমেত নহ; লাখার ভোমারদের দ্বারা যে কার্য্য করিতেজিলেন, তাহা সমাপ্ত চ্ইয়াছে. পরে মর হার্রি বেলু নামে এক ব্যক্তি, জম্বেলের 🗗 পুকার আঁচারের বিৰুল্লে অনেক পুচার করিল; ডাছাতে ঐ ক্রম্বেল্ অভ্যুষ্টেঃমরে টেঁচাইয়। কহিলেন, যে ছে দার হার্রি; এহে দার হার্রি বেন, দারহারিবেন্নামক ব্যক্তিহইতে ঈশ্বের আমাকে রুক্ষাকজন, পরে মাতিন্দামে এক বাজির বল্ল ইরিয়া কছিলেন, যে তুমি এক জন কোটনা; এবং অন্য এক জনকে কছিলেন, যে তুমি এক জন পারনারিক; এবং অন্য এককে কহিলেন, যে ভূমি এক জন মন্ত; এবং অদ্য এককে কহিলেন, ছে ভূমি এক জন ওদ্য়প্রায়েন. পরে সভ্যেরদের পুতি পুতার করিয়া কহিলেন, যে ভোমরা জোর করিয়া আমাকে এ কার্য্য করাইলা; আমি দিবারাত্রি ইশারের निकरहे भूर्भाग क्रियांकि, य जिनि रहः आयोक्य योहिए। व्यक्ति स्मा छोन, छह যেন আমাকে এমন কার্য্যে নিযুক্ত না করেন. পরে রাজচোর পুতি দৃষ্টি করিয়া कहिर्तन, (य में (थाननीय वस्त न चानहरें क लहेगा यां). भाव, न मज्रहाउ সমস্ত সংভারদিগকে বাহির করিয়া, তালায় চাবি দিতে আজা দিয়া, এবং জোড়াব আপন জেবে গঝিয়া, হাইৎহাল নামে স্থানে পুডারামন করিলেন.

পরে ঐ জন্বেল্ ভাবিপার্লিমেন্ডের নিমিতে সভ্যকরনার্থে, যাছার্দিরাকে নিশ্বয় ছেরিয়াজিলেন, তাহারা পুজার্দের মধ্যে সকলছইতে নীচ এবং ভ্নার্হ এবং মূর্ছ প্রক্রাক্ষার জিল এবং ঐ জন্ববেল্ আ্লাপনি ঐ বিভয় নিশ্বয় জাগ্ত

জিলেন, যে ঐ পুকার দীচলোক, যাবৎকাল রাজ্যে কার্যাক্স চালায়, ভাবৎ আমারি কর্ত্ব করিতে হইবে; ভাহা লা করিলে, সূত্রাৎ ঐ ব্যক্তিরদের অভিনাপু রাজকর্ত্ব যদিঘয়ে তাহারা অনুপযুক্ত জিল, তাহা ত্যারা করিতে হইবে. কিছু কাল পরে, ঐ কণই হইল, যেহেতুক তাহারদের কুয়বহার, ঐ ফুখ্বেলের বিচন্দ্রৰ ভার যথার্যকারক হইল; বিশেষত স্বশ্বক্তিকর মাণ্সপুন্যান্তি লাগে পুলিষ ভাহারদের মধ্যে একজন চর্মকার, তদ্মারা ঐ কুৎসিত সভা, যাণস্থাতি পার্মি যেত লামে থ্যাতা হইল.

পরে পুজারদের মধ্যে অতিনীচ ব্যক্তি যাহারা, তাহারাও ঐ পুকার মুর্থ নভার দের অনেক নিন্দা করিতে লাগিল; এবং পুতিদিন ঐ সভ্যেরদের বিক্তম্বে যেই তির ছার ছইত, তাহা ঐ সভ্যেরাও অনবগত কিল লা. অতএব তাহারা অন্যানময়াপেকা সাইসমাতিপূর্বক শীঘু একআভূত হইয়া, একজন আর একজনকে কহিতে গাগিল, যে এই শার্লিমেত বছকালাববি বনিয়া আছে, তাহাতে তাহারা, রাওল্নামক পার্লি যেতবজাকে সপ্রে করিয়া, জম্বেলের নিক্টে যাইয়া, যে পরাক্রম তিনি তাহার দিগতে অর্পন করিলেন, সেই পরাক্রম পুনর্রার তাহাতে অর্পন করিল.

এ ক্ষ্বেল, এ সভােরদের কার্যাকর্মপুতার্পরিষয় অভিসভােষপুর্বক পুর্ব ক্রিলেন; দিল এ সভােরদের ক্ষতকরাক্তি, কলহকারী হওনেমুক জিল, এই লমাদ পাইয়া, যেই বাজি লভাাগ্রহে অবশিশু রহিয়াজিল, তাহারদিনকে নিগত করনার্যে কর্নোয়ে করেল হ্লাইএকে পার্চাইলেন। পরে এ করেল হ্লাইএ ই জালে দিছত নের পূর্বে, এ সভােরা, মোয়েরলায়ে এক জনকে সভাাসনাপবিষ্ঠ করাইয়াজিল। পরে এই জানে ভােমান্দের কি কার্যা, এক্যা কর্নেজের জিজাসা করাতে, যোয়ের অভিগভা ইনিপুর্বক ওতার দিল, যে আমরা ইপ্রেকে চ্যেগ্রা করিতেজি; ভাহাতে এ হ্লাইএ পুতুত্তর দিল, যে ত্রে ভােমরা অন্যভানে মাইতে পার, যেহেতুক্ আমি নিশ্চয় জানি, যে অনেকবৎসরাবির ইন্যার এ স্থানে নহেন.

পরে ঐ আয়ান্তকাপালিমেত লুপ্ত হওয়াতে, সৈন্যেরদের পুরীনহ ব্যক্তিনা, আঅপরাক্রমপূর্বক ঐ জম্বেল্কে ইণ্প্লভায় রাজ্যের সাবীন্তকর্ভুত্তর রক্ষক্পদে নিমুক্ত করিল; এবং তাঁহাকে মহামহিমপদ্বী পুদান করিল. পরে লণ্ডন্ শহরে এবং রাজ্যের অন্যহ অংশে উহার পরাক্রম পুকাশিত হইল, এতজ্ঞালে একজন অধ্যাত্যাপর এবং মুধ্যাক্তি, ভিপ্লার বংসর বয়ক্তে, পুথমত আত্মপদ্ধীয় বিষয়ে দ্বানুক্তানি কর্তদারা, এবং শেষে তছপ্রিষয়ক্বিষয়ের নির্হাহকর্তদারা অক্থানীয় প্রাক্তমশালী হইলেন.

পরে ঐ ক্রম্বেল্, আঅসেনাপতি যাহারা সহঁতোভাবে আপৎসময়ে এবং জয়সময়ে তাঁহার অনুগ্রত হইয়াজিল, ভাহা দিগ্রের মব্যহইতে ভ্রাম্ করাবিযুক্ত করিলেন; এবং তাহার দর পুষোক জনকে আট হাজার টাকা বর্ধ ভারাগার্যে করিলেন; এবং তাহার সৈনোরা, ফাহারদের প্রপর নির্ভর করিতে পারিতেন এমত বিশ্বজাক জিল; তাহারদিগকে একমানের মাহিনা পুতিমানে আগগামা দিভেন; এবং অল্লাগারাদি অল্লাল্ডতে নিতা পরিপূর্ণ রাখিতেন. এই সকল বিষয়ে ক্রম্বেল্ অভিনাববান জিলেন, এবং ওঁহার এমত ক্রম্দিকতা এবং জান্বিচ্ছনতা এবং সাগস জিল, যে তাহার বিকলে যেহ ক্রপ্রামর্ম ওপন্তিত হইত, এবং রাজ্যের মবী। যেহ কলহ ওৎপন্ন ক তের ওদ্যোগাকরা যাইত, সেই সকলর ওপক্রয়েই আছে হইতেন.

ঐ ক্রম্থেল্ দুর্দেশীয় কার্য ক্রের্য ত অভিনীতিপূর্বক দক্ষতা না দর্শাইলেও, তিনি মেকণ মনুমা, তদনুসারে কার্য সল্লাদক জিলেন, এবং অনককালপার্যক, তিনি মাকাং করিয়াজিলেন ভাষা সমলে ইইয়াজিল. অবিকর হলও জাতীয়েরা, আনেকে পরায় হওয়াতে, এবং বানিজ্যব্যবদায়ে অনেক ছানিপুান্তহওয়াতে, অতি নমু ইইয়া অবদোধে ঐক্যাম্প পুর্ণিনা কাতি লাগিল; ঐ বিধ্যে ক্রমবেল্ অনুমতি করিলেন, কিন্ত ভাষা ইংগ্লভীয়াপেন্দা হলওজাতীয়ের্দরে মন্দলগায়িক। ক্রইল. পরে হলও জাতীয়েরা, যে ইংগ্লভীয় পতাকা সম্ভম করে; এবং রাজকীয় কর্ত্ব পক্ষহওয়া ভ্যাগ করে; এবং পূর্বে যেই ক্রতিক্রিয়া কল্পনিছইতে পূর্বিরাজত্বে হলওজাতিয়েরা মেই অবিকার পূর্ব, দশেতে হরণ করিয়াজিল, ভাষার কতক্ব পুর্নার্য দিরেয়া দিনে, এইই, আন্তানিলেন,

পরে ঐ জুম্বেল্ হলওজারিয়ের সহিত সন্ধিররের চেমদ দালোরপে কর্মা দারাদক হইলেন, তেমন দ্রীদিনের দের রাজসভায়ও কার্যাসমাদক জিলেন; যে হেতুক মাজারিনিনামক পাপার সহায় মদ্বারা ঐ রাজ্যের তাবৎ কর্মাকার্য নিমুল্ল ছইত, তিনি দেখিলেন যে ইংগ্লেগ্রায় রাজ্যরক্ষককে সমুম করিলে ভলে, এবং বলদারা কার্যাসমূলকর্পাণিক্ষা জানবৈচন্দ্রাদ্বারা প্রাভবকর্প ভাল; তাজ্যর করেশালাগ্রী হইয়া, ঐ অহপ্ত ক্রম্বেলের আআবহ ছইলেন, ভাহাতে তিনি ভাহার দের ওভ্যু পাক্ষরদের হিডোৎপাদক হইলেন.

পরে স্নেন্দেশ্য রাজসভাও, ঐ ক্যাবেলের সহিত ঐক্যকরণোদ্যোগকরণে তদপেস্বা যথকিন্ধিথত নানতা করিল না, ত্থাপি ততুলা সদলে জিল না; যেছে তুক ঐ মহাএকাবিপত্য, যাহা জ্ঞালুবং সর্বার্হ তাবং ইংরোপের স্বেদ্ধার্লস্বনের্হ নাশদর্শক জিল, তাহা এইন্থানে এইয়ত জাস হইতে লাগিল, যে পুটা জাসনাকে কৃষ্ণাকরণে অপারক হইল। কিলু দে সকল যাহা হংক, ঐ ক্যাবেল্ যিনি পর দেশ নীতিবিষয়ে বহুএইটা অবগত জিলেন না, তিনি ঐ রাজ্যের প্রাক্রমবৃদ্ধান, জতাসভোষপূর্বক দেখিতে লাগিলেন. তাহাতে ঐরাজ্যদ্যদার্থে দুঁলিন্দ্রভাই দের সহিত মন্ত্রনা করিলেন, এবং নিথলাঞ্জনায়ক স্থেনীয় রাজ্যের অবিকারে চন্ধা করবার্থে দুঁলিসেরদের সভ্যেরদিগকে জন হাজার সৈন্য কর্জ দিলেন. পরে ঐ দুঁলিসেরা দ্বিদ্বায়ক স্থানে ঐ জন্বেলের সাহায্যদারা এক থ্যাত্যাপদ যুদ্ভে জয়ী হইয়া, ক্রম্বেলের পুতি যে দুঁলিসেরদের ঐক্যবর্জনেত্রা, তরিক বকপ দ্বকর্কনায়ক নগর দান করিল.

কিন্তু সে মাহ। হওক, ঐ জুমুবেল্ সর্বাপেন্তা ল্লেন্ জাতীয়ের। দের পরাজ্য भगपुगुच्छात्रः। शुन्न कर्तारेशः जाराद्रप्तिराद मर्ल हुई क्दिलानः । (ज्ञक्तांयकः स्म নাপতি, যিনি অনেককালা বি হলও আতিয়দের পুতি আপনাকে অতিভয়ানক করাই মাজিলেন, এবং মাঁধার মালঃ তাবৎ ইওরোপের মধ্যে খ্যাত জিল, তিনি এই ক্সনে তদপেক্ষা স্পেনীয় একপুতুত্বকত্বের শুডি অভিভয়ানক হইতেলাগিনেন. **ভি**নি जाहाजनगृह नयादाह कहिया, यिष अहिवान अधीर ज्यवा कमगुजाउ पाजा ক্রিলেন, সেই স্থানে ফু শদ্নাথক যুদ্ধাতার জালাবরি কোনো ইণ্প্লভীয় জা হাজ যাত্রাক্রনে নাহন কুলাইতে পারিয়াচিলে না, সেই স্থানে নহছিলে প্র, যা ছার। তাঁহাকে নিবারনকরনে চেম্বা ক**িল, তাহারদের সকলকে পরা**ও করিলেন. পরি লেগ্রনীমক শহরসমূথে লপ্তর ক্রিয়া, ইংগ্লণায় বানিজাব্যবসায়বিষয়ে, ই প্লভদেশীয়ের ভন্ধনি দেশের অগুনীহইতে যেং হানিপুণ্ড হইয়াজিল, সে নি মিডে সক্তম্ত করিতে হইৰে, এই আজা পুেরুৰ করিয়া তৎপুাণ্ড হইলেন. 🛮 পরে 🗗 ব্লেক্ আল্জির্সনামক স্থানে যত্তো করিয়া, সেথানকার দেকে অর্থাৎ অব্যক্ষকে একা করাইলেন; এবং এ দেশের জলদস্যুত্তিকারী যে পুজারা, ভাহারা যে ইংগ্লণ্ডীয়েরদের ক্ষতি না করে ইহা বার্থ কারাইলেন পরে ঐ ভানইগতে তল্পি নরারে যাত্রা করিয়া, দেই স্থানেও তজ্ঞ শাদন করিলেন, তাহাতে দে থানকার ए भे ख़ब्दक अ**रे क्या कशिया भाषा**हैन, एर भीर्त्ता ए। ब्रिटना अवन तरलक्ता नाय पूर्वे ताइत भूठि पृथि कतिया, जमनूमाति कार्या कतः , जावाराज ने ब्राक् ने অব্যক্তকে জানাইলেন, যে তিনি ঐ যুদ্ধসঞ্চেত্র্যুবকরতে মৎকিঞ্চিৎও শিথিল জিলেদ না, যেছেতুক তৎক্ষণে ঐ ব্লেক্ তাছারদের লগনবাড়ী মধ্যে পুবিষ্ট ছইয়া, ভাহারদের তাবৎজাহাজ অগ্নি দিয়া স্থালাইয়া জ**ুষিকণ দেই স্থা**দঃইতে নির্গত হইয়া, পালি তুলিয়া যাত্রা করিলেন. পরে সেম্বানহইতে কেদিশ্ নগরে যাবা করিয়া, লেইস্থানে গালিযদ্নামক দুই জাহাত হন্তবত করিলেন, ঐ দুই আহাজের যুল্য চাল্লিশ লক্ষ দালর আন্দাজ ছিল. পরে সেখানহইতে কনেরি দায়ে ওপদ্বীপে, ওপস্থিত হইয়া, দেই স্থানে স্লেন্ডাডীয় ১১ দোল ডাহাড ভারি श्चिमा छमा कतित्वन. পরে ঐ ভানহইতে ইংগ্লণ্ডদেশে আপনার সকল বীর্ত্ত

কার্যের যশোভাগকরনাথে ফিরিয়া জালিভেচিলেন, ইভিমব্যে আঝদেশ দুর্শন পাইবামাত্রেই পুলিতাগা করিলেন. ঐ দাহদিক দেনাপতি, পররাজ্যাহাই আমির নিমিতে মুল্ল করিলেও, ওাঁহার অভিযতবর্জনেমুক চিলেন না; যেহে চুক্ল তিনি দার্গপুজাপুজুক্তমতে দৃহাবলম্বী চিলেন, এবং নিচ্চুর্ব্যবহারক রাজার দাংস্থাপনে আকান্ত্রী না হইয়া, বরং আঝদেশমপ্লবর্জনেমু চিলেন. ঐ ্যক্তি, জনাবিকের্দিগাকে কহিতেন, যে আমারদের দেশকর্তৃত্ব যাহার হত্তে পড়ে পড়ুক্ আমরা রাজ্যের নিমিতে মুল্ল করিব.

পরে যে সময়ে, ঐ ব্লেক্ ঐ সকল মুন্নামা করিতে জিলেন, সেই সময়ে অন্যা
এক মুন্নাবিদ্যাল করা মাইতে জিল. ঐ মুন্নমানতে পেন্ এবং বেলাব্লস্ নামে
দুই আদমরাল ৪০০০ চারি হাজার ছলঘোন্ধা সমস্তিমাহারে হিল্পানিওলা নামে
ধণদ্বিদি আজ্যান করিতে গোলেন পরে ঐ বিষয়েতে অপারক হইয়া, সেই
খানহইতে প্লেন্ জাতীয়েরদের কর্তৃক ভাত্তিত হইয়া, ভাহার। জমোকা নামে ছানে
যাত্রা করিল, ঐ খানে পঁছজিবামাত্রে এক ভোপ্ মার্নব্যভিরেকে ছেম্লাপূর্বক ঐ
লহর অবীনতা খীকার করিল. পরে ঐ যুন্নমানহাইতে, ইণ্প্রভেদেশে পুডালা
মন করিলে, ঐ জমোকা হন্তলভহন বিষয়ে সভাকর্তৃক এমত অল্পবেধি হইল, যে
ঐ মুন্নযানতে পুরণন কল্পের মুটিকর্নাপরাবিজন্য, ঐ পেন্ এবং বেলাব্লস্নামক
স্কোপ্তিরা লড়ে অপিত হইল.

কিন্ধ ঐ দময়ে যে ঐ ক্রম্বেলের অবস্থা অভিলাষের বিষয় চিলা, এমত কেছ জান

ন) ককন্; যেশ্ছতুক বুকা মায়, যে দময়ে ভাবতুলিজার পুজারা ভাষার পুশাংদা
করিভেজিল, দেই দময়ে কোনহ দশা, ভাষা কেমনিবা নীচ এবং ভুদ্লীকৃত

হয় না কেন, ঐ জুম্বেলের দুর্বশাবিক দুর্বশাপর হওন অদাবা. কেননা ঐ ক্রম্ব্ বেল ঐ সময়ে আপনাকে ওভয়পক্ষপাতীলোকেরদের পুতি ঘ্লাই করিলেন;
এবং ওভয়পক্ষীয়েরদের মবাে যেথে ছেম এবং অপুভায় ওপ্রিভ হইড, ভাষা
ভাষার রক্ষার পুরান ভরনা হইল. পুরে যে চাতুরী এবং জলছারা ঐ ক্রম্বেল্
পুজার দিলকে ভুলাইয়াজিলেন, ভাষা অনেককাল শেমপুরি ইইয়াজিল,
অভএব ভাষাতে এথন কেছ ভার হইল না; এবং আঅকার্যানিভার্যে ঐ ক্রম্বেল্
যেথ্ ওদ্যোরাম্য করিলেন, ভাষা ভংশকীয় এবং জনভারা লাকের। ভুদ্যান্নদ্ব
জ্ঞান করিল; এবং যদি আম্রা দভ্য কহি ভবে ভাষার অভিপুল্ন এই, যে তিনি
নমতে রত হইয়া আযুর্ব্রি করিতে আরম্ভ করিলেন, কিন্ধ কপটা হইয়া নেই
মানুর শেষ করিলেন.

ঐ ক্ষম্বেলের কর্ত্ত্ব ভাষদুৰ্ভিয় সকলে গুণ্ডভাবে অভিভূনাপূর্থক দৃধি করিতে নানিল, কিছু সেই সময়েও মদাপি তিনি গৃছবিষয়ধারা সাজুনা পাইতে পারিতেন, ভবে অতিদুর্দশাপর হইতেদ দা. যেহেতুক গ্লিৎবুদু লামে তাঁহার আলাভা অভুনাভোদ্যোগেতে চালিত হইয়া, যে ব্যক্তি আপলার ঐহিকবিষয়বর্ত্তলাগ্রে কোনো বর্ষমত পুষ্ণ করিতে পারে. এমন ব্যক্তির্দিগাকে অতিতুদ্ধ করিতেদ. এমন ব্যক্তির্দিগাকে অতিতুদ্ধ করিতেদ. এমন তাঁহার জ্যেষ্ঠা কল্যা, যিনি ক্লিৎবুদের সহিত বিবাহিতা হইয়াজিলেন, তিনিও সর্বপ্রত্তাপুতুক্ত্র্যতেতে এমন উন্মন জিলেন, যে আপলার শিভাতে অবা বিভ পরাক্রম অর্শিত হয়, ভাগা পুত্যক্ষে দেখিতে পারিতেদ না. এবং তাঁহার অন্য কন্যারা, রাজকীয়পুতুক্ত্রণফ হওয়াতে, তত্রপ ওন্মনা জিলেন; কিন্তু সকল ইইতে অথিক ক্লেপোল্নারী ভাঁহার সর্বাপেকাপুত্রতা কন্যা, যেহ দোষদারা ঐ ক্রম্বেল ক্লিংহাসনোল বিশ্ব হইয়াজিলেন, মর্লস্মত্য তলিমিরে, তিনি ভাঁহা কে অতি কঠোর অনুযোগ করিলেন.

পরে, পুর্ব্যেক ঘড়া, ঐ ক্রম্বেলের পুতি হতরেতির অধিক শক্তাদায়ক হইবে লালিলে. এবং প্রাচ্ড দের্গক্তর, এবং কর ওলাম হাপ্লর, এবং অনেক পুটান তর্মতাবলন্দিরদের পুরানহ ব্যক্তিপুত্তি, ঐ ক্রম্বেলের নাশকরবার্থে গুরুমকার করিলে. ঐ ক্রম্বেল অদেশে এবং বিদেশে জতাতার্যিরায়পুযুক্ত, ভাঙারশূন্য হইয়া ধনী ছইয়া জিলেন; এবং এক কুপরামর্শ পুকাল হইবামান, তন্নালানতর অন্য কুপরামর্শ ওপন্থিত হইত; এবং তিনি বিবেচনাদারা দেখিতে পাইলেন, যে মৃত্যু অতিবান্ধনীয় বিষয়, এবং যে ব্যক্তি তীহাকে ববি করিবে দেও পুর্ণংসনীয়. ঐ সময়ে করেল তিতক, যিনি পূর্বে ঐ ক্রম্বেলের অনুর্বাতলোক জিলেন, তৎকর্তৃক রচিত এক গুক্তপুকাল হইগাজিল; তাহার অভিপুদ্ধ এই,যে প্লাবে মারন ববীপরার ক্রম. ঐ সময়ের পরেও যেহ রচনা পুরণে হর্যাজে, তদপেদ্ধা ঐ রচনা অভিসুদ্ধর এবং অত্যাক্ষর্য হইয়াজিল. ঐ রচনার মধ্যে ঐ গুক্তকর্তা, এই এই ম্যাভ্যাপর পুরুষে ক্রিয়াকেন, যে কিংহকে চন্নাও করিবে দি না যে আমরা, আমরা কি চুপ করিয়া কেন্দুয়ার ভন্ন্য হইব. ঐ ক্রম্বেল্ ঐ সার্যক্রেনা পাঠ করিলে পর, কথানাই হাস্যবদনে দুষ্ট জিলেন না.

ঐ সমহাববি ঐ ক্রম্বেলের মনহইতে, দুঝা যে বস্তা, তাহা সর্বতোভাবে দুঝা ছইল, এবং দেখিলেন, যে যে ঐশ্বর্যের নিমিতে তিনি আঅপুরীয় দুঝাতারার করিয়াজিলেন, তাহা কেবল নুত্তনপীড়ার বর্জক হইল. পরে ঐ ক্রম্বেল, যে পরহন্ত দ্বারাহত হইবেন, এইকপ ভয় তাহার মনোমবা সর্বনা ওপন্থিত হইত, এবং সর্বনা দ্বাতক লাক্ষাৎকার বোব হইত; তলিমিতে তিনি সর্বনা বন্ধের নীচে অক্র এবং জেবে পিন্তল্ রাথিতেন. তাহার বদন মেঘার্লাকাশনায় সর্বনা বিরুদ্ধ থাকিত; এবং অদ্য কেই ওপন্থিত হইলে, সমষ্ট হইয়া তার পুতি দৃষ্টি করিতেন; এবং মধন কোনহ স্থানে যাতা করিতেন, তথান অভিক্রতরর, এবং অনেক ইন্দ্য সমৃত্তি

ব্যাহারে চলিতেন; এব॰ যে পাথদিয়া কোনো স্থানে ঘাইতেন, সেই পথদিয়া পুনর্ধার পুতার্বান করিতেন না; এব॰ কর্নাচ বিরামারিক এক কুচরাতে পায়ন করিতেন না; এব॰ মনুষ্যের সহিত আখাপকরনে তাত হইতেন, যেছে তুক তিনি ভানিতেন, যে লাভে তাহার্দের মধ্যে শত্রু থাকে; এব॰ একাকী থাক নেতেও, তাহার শক্ষাভল, যেছেতুক সে স্থানে তিনি বল্পুর্হিত আপনাকে জ্ঞান করিতেন.

কিজু কাল পরে, এক আহিকস্থার ওপত্তির ছইয়া, তাঁহাকে ভয় এবং শক্ষা বিভ আয়ু ইতে মুল করিল. এক সঞ্জীহপর্যান্ত ঐ ব্যামোহ কোনহ ভয়ের চিছ দর্শাইলাজিল না, এবং স্থারোতীর্নিশয়ে মধীছ চলিয়া বেড়াওনের সামর্যা জিল, কিছু মবশেষে স্থার্ভিশাওনেরে, অভিপুলাপারিও ছইলেন. পরে মথান তাঁহাকে এই জিজান করা গোল. যে ভোমার মৃত্যুর পরে, রিচার্লিয়া কেবল হাঁ বলিয়া, অন্য কোনো ওড়র দিতে পারিলেন না; পার ১৯৫৮ শালে সেন্ধেরুর মা সের ভ্রীয় দিনে মরিলেন. ঐ ক্রমণেল যে দিবলকে শুভদিনদ বোর করি তন, দেই দিবলে মরিলেন; এবং মথান ভিনি মরিলেন, তথান ও৯ উন্থাইত বৎসার বয়ন্দ্র জিলেন, তাহার মধীয়ে রাজ্যের কর্তৃত্বতার ৯ নয় বৎসার গুহন করিয়া জিলেন

পরে পূজারদের মধ্যে যেকেছ রাজা হয়, এ বিষয়ে ওভাপেন্চরদের যেমনি বা সনস্থ হয় না কেন, ঐ অম্বেলের নাম এমত মান্য জিল, যে তাহাতে তাঁছার পুঞ্জাহার পুটিনিবি রাজ্যরজক নামে পূচারিত ছইলেন. কিন্তু দে যাহা ছঙক, ঐ পুকার অব্যক্তেতে নৈন্যের অসম্বর্ধ ছইয়া, জনরাল্ দ্লিৎবুদের গৃছ এক সভা নিক্পিত করিল; ঐ জনরাল্ বালিংঘর্দ নামক গৃহে বাসকরলপুমুক্ত, ঐ সভা বালিঃঘর্দের সভা নামে ম্যাত ছইল, ঐ সভ্যেরদের বিচারে এই বিষয় ছিরীক্ত ছইল, যে যে ক্যক্তির মধ্যে বিশ্বাস রাম্যিতে পারে, এমত কোনছ এক ব্যক্তির নিকটে সৈন্যাধ্যক্ত অপিত ছওয়া ওপ্যুক্ত, এবং সকলকে মুখকণে ভাত করাল গোল, যে ঐ যুবরাজ রককেপিযুক্ত পাত্র নাহেন.

শংর যে পদবী ই মুবা রিচাদকে দতা হইয়াজিল, তাহা িনি র্ফাক্রনে ওপমুক্ত সমর্থ জিলের না, যেহেতুক িনি অরাজ্যতারাপতে আক্রর করিয়া, বহু কাল মহাদ্বীপে বাস করিলেন, তদনতর পুতারাগ্যন করিয়া, অদেশে অবৈত্কার্থ ভোরী হইয়া রহিলেন. ই নিম্নে মুর্থেরা, ইহা করিতে লানিল, যে তিনি আপনার ওয়পদ্ভ সুথভোরের যোগান নহেন; কৈছ তিনি নিক্রেরের বাস্কর্নেতে

যে স্থাপ ও সইশাদিলেন তদ্ধারা জাত দিলেন, যে তিনি সাইশিশকা অভিনুদ্র কংল সাহাপদ্যইতে মৃতি পাইয়াজিলেন,

পরে সৈন্যেরদের পুরীনিং ব্যক্তিরা, শামিরছিত ছট্য়া, পুরুণতনপার্লিমেন্ত মাহার্যারাকার শিরশেলদেন করিয়াজিল, এবং মাহার্মিরদের জ্মন্তেল অত্যপ্রমান পূর্বক পার্লিমেন্ডর্যুহটতে বহিষ্কৃত কনিয়া জিলেন, তাহারদের অবশিশুলোকের দিনকে প্রাণ্যের অঅপদে আন্ন করিতে মনত করিল.

শংব রন্ধ নাবে এটাত ঐ পার্লিয়েন্ত, কেননা ঐ সময়ে ঐ পার্লিয়েন্ত রন্ধনায়ে থাণত জিল গ্রহা পূলংজাণিও হন্যা জিল কিছু যে পরাক্রমন্ত্রার তাহা পূলংজাণিও হর্যা জিল, কেছু যে পরাক্রমন্ত্রার তাহা পূলংজাণিও হর্যা জিল। কেই পরাক্রমনাশালর জেলুদ্যালী ইইতে লালিলেন, অভ্যান দেশিতি হর্যা জিল তাহা ভ্যাব্রান পর পর পরিলা; অভ্যান ঐ কার্যা লিছার্যে লাম্বর্তনায়ক তাহার দের এক জন প্রান্ধ নাম্বর্তনায়ক তাহার দের এক জন প্রান্ধ নাম্বর্তনায়ক করিয়া, তেথিমন্ত হালে যেই পথ লিয়ালে, সেই মকল পথে সেনা নিযুক্ত করিয়া, যথান লেওখাল্নামক পার্লিয়েন্তর বক্তা, লাড়ী চল্লিয়া পার্লিয়েন্ত, হ যাইতে জিলন তথান গৈছার ছোড়া ঘ্রোওনের অভ্যান দিয়া, অভিসমাদরপূর্ত্তক তাহাকে জালে তিয়াই করিয়া লোল তথান গৈছার ছোড়া গ্রহা প্রান্ধ করিয়া লোল করিয়া গোল, ঐ কপ অনাই সভ্যোব্রাও বৃত হইল, পার দৈনোরা আনদা দের জাভনীতে ঘিরিয়া যাইয়া ওপবাদ করিল; যেহেতুক কোনো কলহের পরে কিয়া পরে, তৎকালন লোকের দিলেও ঐ পুকার ওপবাদকরে ব্যাহহার জিল,

্য অস্থে এই সকল সংঘটন হইতে জিল, সেই স্মায়ে স্কংলও রাজ্যে মন্ধ্র হামক এক চুরান্সেলাপতি, আট হাজার পুচিনিদৈন্যের্ছের অব্যক্ষ হইয়া, অ শক্ষাণ্য-ভিত্তোপ্তাধ এবং কলহ যে অন্যথা করিতে পারিবেন, তাহাতে নিরাশ হর্মা, কেবল তদ্ধী হিইয়া বৃহিলেন.

দার ঐ ব ির অভিলাম যে পর্যান্তইবা হওক, তাহা তিনি যেমন গুওঁতাবে বাজিয়ালিলেন, তেন্দ জন্য কোন্য কাহারে দাবিয় নয়; যেহেতুক মধান রাজ মানতি সেই আন্তর কলহের কার্ন জাপনার্যে মাওনের নিমিতে, ঐ ব্যক্তি আন্তর্ন করেই কিন্তুর কলহের কার্ন জাপনার্যে মাওনের নিমিতে, ঐ ব্যক্তি আন্তর্ন করেই মতে তাঁহার ওপা কন করিতে লাজিল; কিন্তু সে দকল বিষয়ে কিলু মনোযোগ না দিয়া, সৈন্য সমা বিব্যাহার রাজধানীর পুতি যাত্রা করিলেন. ভাহাতে তাৰ্দ্রাজ্য, তাঁহার অভিলাহত নিয় কিন্তুই জির করিতে না পারিয়া, তাঁহার যৌনজভাবেতে দকলেই চমন্ত্র হইল. কিন্তু সে মাহা হওক, ঐ মঞ্চ ঐ দৃত্তর্যৌনাবলম্বন ভাগা না করিয়া, অবশেষে লগুন শহরহইতে ক্য়েক জোশাতির আল্বান্ নামে খানে ওপান্ত হইলেন.

এ ছালে পঁছজিলে পার, এ মন্ধ রন্ধনামক পার্লিমেন, ঘাহারা পুনর্বার সভ্যকার্য্য পুরুষ হইয়জিল, তাহারদের নিকটে এই আজা পার্চাইলেন, যে যেনৈন্য লগুন শহরের যথো রহিয়ালে, তাহারদিনকৈ ছম্বপর্যানান্ধ ছাগুনীতে পুরুষ কর. এই সকল হইতে জিল ইডিমধ্যে, পুজাপুতিনিবিসভারা, রাজাশাতার্যে কডকগুলা ব্যবহা নিমান করিয়া সভাভন্তন করিল, এবং এক নুড্রপার্লিমেন্ড নিক্সিড কর্নের আজা দিল.

পরে ঐ সময়পর্যান্ত ঐ নূতনপার্লিমেন্ত নিক্রণিত ছইয়াজিল না, এক কোনোকেছ ঐ নেবাপি হির অভিলম্ভিতিময়ে পুরুত হইতে পারিল বা ; কেবনা ঐ মাজি ঐ কাল পর্যাত পূর্বথ মৌনী দইগা কৃত্য়া জিলেন. 🕒 নৃত্যপালিমেত একত্রকরনে কেমল রাজাকে পুনর্বার রাজনিংহামনোপরিওকরে তাহারদের মনস্থ জিল, তথানিও ঐব্যক্তির হদলানি দেখিয়া, তাঁহার অভর্তিবিষয় কেন্ন জানিতে পারিল না. অবশেষে ঐ মন্ধ, একজন অভিবিশানপাত্র প্রাপ্তিগুর্বক, ভাষাতে নির্ভাকরনেতে কেবল, ঐ বিষয় স্থাকৃত হইলেন; ডাহাব অভিপুষ্য এই. মর্নিনামক দেমন্ বাংলবার এক প্রান্যাভির সভিত, অনেককালাব্বি, ঐ মঞ্জের মিত্রতা ছইগা, দেন : ই গ্রেড আভাবিক অভগোলী এবং পৃত্য়া চিলেন. 📑 এক, ঐ মহা আপদান-ক পুনঃ স্থাপনবিষয়ে অন্যো, লনাম জ্ঞাত করাইয়া, ঐ ব্যক্তির সহিত কেবল এর এর্শ করি লেন, পরে মর জান্ প্রান্তিল্নামক এছ ব জি, রাজার নিকটে প্রপু উচ্চীয়া, चए° है में यक्षनायक (मनान हिंद निकल घाई. 5 भूर्धना कित्ल; ठां उन में २%, তাহার তার্বিষয় প্রায়ে ঐ মর্কিসের নিকটে জ্ঞাত করা গ্রন আক্র দিনেন্দরে তালা করনে ঐ প্রান্তিল দুট্যার অন্যোগাণাও ছেইলেও, আছে ই ঐ 🕮 সনাগ্তি কে দেওলব, ভিরেকে আল্যাঞ্চিত্র দিতে মামত হুইলেল লা, তাছাতে ই মন্ধলায়ক দেবাপতি, দেখিতে পাইনেব, যে তিনি আক্ম**তিতে বিশ্ব স** করিতে পার্লে; অভাব ঐ মন্ধ, ভাগদভিত্তবিষয় ভাঁছাকে ভাদিয়া কহিলেন, কিন ভাঁছার প্রীয় সাদবানস্থভাৰানুদায়ে কানত্তে নিজু লিখিতে স্বীকৃত হইলেন না. পার ঐ সকল कार्या त्य रहेर७ जिल, जारार निर्द्ध कविया, बाजा खरा है सिनी निविकाद ত্যার করিলেন, এবং পুড়ারিমনের সময়ে, বুদিা নামে স্থানের অইচফরারা করী ছওনবিষয়ে বড় ঠাচিয়া গিয়াছিলেন; ঘেহেভুক ঐ অব্যক্ষ ভাঁছাকে সমাদ্র কর্বহলপূর্বক ভাঁপাকে বন্ধ করিতে চেখা ক্রিয়াজিলেন. সেই স্থানলইতে র'আ হলও রাজ্যে ওপঞ্জি হইলেন, এবং কেই স্থানে অদেশীয় পরামর্শ প্রাঞ্জিপর্যাত মা क्टिंड यनच कविरलन.

পরে অবারি আচারী এক পার্লিমেরের সংঘটন হওনবিষয়ে, যে পুজারা বহুকালা

ববি অপেক্ষা করিয়া রহিয়াজিল, এমত দিবল সর্বপোষে ওপন্থিত হইল. ঐ সময়ে তাবদুণ আন্দের অভঃকরন রাজারপুতি হইওলাগিল, তথালি পুজারদের ভয় এমত চিলে, এবং কেরাপুর্ব করাজবিষ্টি কাকথা কহলে এমত আশং চিলে, যে অনেক্ষ দিবলপর্যাত রাজা। নামলওনে কোনো কাহারো সাহস কুলাইত না. ঐ তাবং ক্ষায়ে ঐ মন্ধি, আক্ষাভাবিকমৌনাথলমনানুসারে পুডেয়কজনের স্বভাব্ পরীফা করিলেন, এবং তাহারদের অভিলাষের অভিপুণ্য বিবেশে করিলেন. পরে আলেন্ধি নামক ঐ সভাবীয়ককে এই আজা দিলোল, যে তুমি সভাকে এই সন্ধাদ দিবা যে ক্ষার আন্ গ্রান্থ ভ্রান্থ কিন্ত হৈ তালুবিত হইয়াজে, এবং এইজনে মারের নিকটে মভোর্দের নামে লিখিত এক পত্র লাইয়া দিবাইয়া আজে.

পরে যে আঙ্কাদ এবং হর্ষটিতপূর্বক প্রজারা ঐ সংবাদপুাও হইয়াজিল, ততো বিক কিছুই জিল না; যে হেতুক ফলেকের নিমিতে ভাবৎসভোরা, আপনারা যে ভারিলোক ভাহা ভুলিয়া, ওরৈ বরে শর্ধরলপুরক পুশংসাতে নিমান হইল, ভারাতে ভংকাশে ঐ গ্রাণ্রেল্কে জভঃপুরে ভাকাইয়া ঐ পর পড়াইল, এবং অভাল্প ফলের মধ্যে ভারৎসভালার প্রাথনার সময়ত হইলেন; এবং ভারার্গ্র আরু দ ভারককপে জাননার্থে সভোরা এ বিষয়ে সম্ভে হইলেন, যে রাজার পর এবং ও হার পুতি ফ্রাপ্র, ভংকলে জানাক্রন্থারা পুকাশ করা মাইতে

শরে দিও চার্ল্য মোজের ১৯ ওন ত্রিংশদিলে যে ওাছার জনাদিবল, ভাছাতে লগুল দরবে পুরিষ্ঠ ছইলেল; এবং রাজা যেদিরো রোলেল, সেইদিরো পাযের ওত্য় পাশে তিবিচ্জানতা, ওট্রেংখরে পুশংসাকর দারা আকাশ পালিল করিল. ঐ পুজারা বহুদ্ধ্যদায়ককলছদারা জনেককালাববি অভ্যুত্তাক ছইয়াছিল, এবং একের পর আরু এক নিম্নুর্বাবছার বৃদ্ধিণাওয়াতে, অভিদুঃ থিত এবং ভয়াছিত ছইয়াছিল. অভ্যুত্ত কর্মানি এবং ভয়াছিত ছইয়াছিল. অভ্যুত্ত কর্মানি বিভার মূল্যবিদ্যা পুনংস্থালিও দেখিয়া, ভাছারা আপনার্গের আত্রাদ এবং হর্ম আরু আছর ক্রিয়া রাখিতে পারিল লা; মেন্দ্র প্রাণ্ড কর্মান ভ্রুত্ত দ্বিত ছব্দানত্ব অবিক সুন্দর প্রবং দ্বিগ্রান হয়.

তাহাত বর্মবিষয়ে অত্যন্তব্যগ্নতাব, তদ্দুরত তাবস্তুত্তনকবিষয় সপ্নে ক্ষিয়া, মুক্তির আন্মানেতে পলায়ন করিল; এবং শিল্পবিদ্যাপুভূতি এবং ঐক্য পুত্যাগ্রমন করিলেন, এবং পুতার্দের অতিমধিল জিল, মদি ঐ সকলের সহিত আত্ম দুথবন্ধনিছা, বাজ্যে পুবিশ্ব না হইত.

কিংশদব্যায়.

দ্বিতীয় চাল্কের বিবর্গ.

যথান চল্কি রাজা নিং হাদানোবিষ্ণ হইলেন, তথান ত্রিংশছৎসরবয়ক জিনোন, দেখিতে সুন্দর এবং আচারেতে বিচন্ধন, তাগাতে সর্বতোভাবে পুজার দের মর্য্যাদাবিশ্বহওনোপযুক্তপাত জিলেন; এবং বজ্ঞনদশাতে আমারত্বির্যের সহিত নিত্যাক্লাদাযোদকভাবপুযুক্ত, নিংহাসনোপবিশ্ব হইলেও, ই লাদরকভাব ত্যার করিলেন না; এবং বাল্যারেএপুসুক্ত উহার পূ,ীয় দেমজন্য জনিষ্ণাচররে কোনহ কাহারো শক্ষা পাইবার আশক্ষাত জিল না. কিছ দে লকল মাহা হছক, ই সবল ওএবি নিশ্ব হইলেও তিনি সারহীন জিলেন; যেহেতুক্ত তাহার আলন্যক্ষায় এবং সুখাভারেম্বাপুত্রক কার্য্যে জ্ঞানায়ে জিলেন; এবং তাহার পুতারদের ম্বেয়, কি ভাল, কি মন্দোক, তুল্যভাবে বাল্যবৎ তবৈম ভাবির হইল; এবং যেমন তিনি ক্লাত্রদের পুতিফলদেওনে ওদ্যোগ্য জিলেন না, তেমনও পূর্বীয় বলুবান্ধবেরদের প্রতি ভদুক্রনে চেন্টা করিছে। না.

পরে গতরা জার হনন বিষয়ে ক্ষমাপত্র প্রকাশিত হইল, কিন্দু মাহারা ঐ বিষয়ে প্রবান, তাহারদিগতে ক্ষমা করা গোল না; এবং ক্রম্বেল্ এবং ইরীতন্ এবং ব্রাদ্ধাহ্নাথক ব্যক্তিরা মৃত চইলেও, তাহারা দ্বেষ্কাশাবীরযোগ্য মান্য জিল, অতএব তাহারদের মৃত্পারীর কবরহইতে বহির্গত করাইয়া, শাণানে নাজ হইল, এবং দাঁদিকান্তের ওপর কতক্ষল লটকাইয়া, পরে ঐ কান্ধের দীতে গাড়িয়া রাখা গোল. ঐ তিন যাজি ভিন্ন মাহারা গভন্মাতের বিচারস্বায়ে বিচারস্বায় বিদ্যাতিল, তাহার দ্বা মর্ব্যে কতক মরিয়াতিল, এবং কতক লোক ফ্রোপ্যুক্ত পাত্রহকপ মান্য জিল; এবং ৮০ জনের মর্ব্যে কেবল দশাত্রন ববীজালাপ্ত হংল. ঐ দশজন আঅবর্থমবিলয়ে অভ্যতব্যপ্ত হইয়া, অনেককালাববি তদ্যারা হও যাতে, তাহারদের বিক্রে সর্ব্যাপ্ত ঐ রাগব্জিকালে, এমত সাহ্দ দ্র্পাইয়া জিল, যে তল্মাপ্রেল ওজ্যবর্মাবল্যনে তৎসন্ত্রমজনক হইতে পারিত.

অপর এ চাল্ফ রাজা, ণালিমেতের সকল অধীনতাহইতে আপদাকে যে মুক্ত

করেন তদিছায়ের ওতামসময় ঐ সময় জিল ; এবং ক্যিত আ'জে যে সৌধ্ছাল্লতন্ দামক ঐ রাজার এক মন্ত্রী, ডাপন স্থামির নিমিতে পুজাপুডিনিবিসভ্যের্দিগছই ডে বার্ষিক ৪০০০০০ চল্লিশ লন্ধ টাকার আজা দেওঢ়াইতে মনন্দ করিচাজিলেন, ডাহা ছ্টলে ঐ চাল্ক রাজ্য কর্ষপুরুগরে স্বেছ্/চান্নী ছ্টতে পারিছেন, কিন্তু ঐ বিষয়ে চাল্ক রাজা, মহাক্লারেওন নামে ব্যক্তি, যিনি রাজার পক্ষীয় কোক জিলেন, কিন্তু তদপেল। অবিক রাজ্যনাতি এবং ব ব ধাবিষয়ে অনুবারী তিলেন, তৎকত্তক নি পঢ়িত হুই লেব. পরে দে যাহ। হণক, ঐ চাল্ফ গ্রাজা, আগ্রাসন্তির বিক্রজাতিল্লিভিনিনায় কোনহ পুকারে মনোঘোল লা করিয়া, সেতল অন্পাতিলাঘার্যে তর্যাকারী किल्लन: व्या नाहिल, म वर्ष किनक्तिहरू: व्यक्तिक, वाहाउ माना যোগত করিতেন দা.

পরে ঐ চাল্ম রাজার অর্থাদশ্য কভাব ১ ভারাত্তর বৃদ্ধিপুযুক্ত, আংআছার বিকছে নিজ্যান্যান্য ওপায়বিষয়ে ওঁশির ক্লেমা ক্রিডে শতীল ; তাশের মর্ব্যে এই এক ভপায় করিনেন, পোভিগলামশের কাভারেন নামে রাজানগাকে দিরাঘ করিলেন. ঐ রাজকন্যা অভিণতিমূজা হইলেও, অল্পুড়নক ী ফিলেন ; এক বুকা মাদ, যে ঐ জনুষ্ট্ ঐ রা**জকন্যার** অর্যপুশিনবিষয়ে কেবল ভাকা**র**া জিলেন: বেংসভুক্ ঐ হাজকন্যার অর্থসংখ্যা ২৪০০০০ চারণ লগ চাকা, এবং ভান্তর আন্তিকার মধ্যে তাঞ্জীর নামে, এবং ইঞ্ইভিয়ার মধ্যে বেশবাই নামে দুই বাড় িন বিষাহ বিষয়ে ঐ ক্লারিওগ্লামক পুরানিখন্তী, এবং অর্মপ্ত এবং ভৌগ্রহায়তালের অপুনীয়া, আনেক অপুবৃষ্টিজনকবাক্য কমিয়া জিলেন, বিশেষত বাঁচ্যব লড়ভি হওয়ার কোনো সম্ভাবনা চিল না ; কিন্তু ঐসাজা তাহারদের ভাবদুপু দুশ অংক্সা क्तिरलन. भारत ने ज्याप्रलिवितांश मञ्जन गरेल.

অপর বুকা যায়, যে ঐ চলিদ্ধ গৈজা, আ্রাকুগভোগি হৈছে তার্থবর্গকরনা কাল্লী হইয়া, হলও জালীয়েংদের দতিত মুদ্ধবিধুচক,নাজাণুকাশেলুক ছইলেন; মেদেতুক ঐ বিষয় কিছার্মে নিযোজিত যে ৬র্ম, তাহা ওঁ.হার হস্ত দারা ব্যায় হইবে. এ জন্মুজ, মাহা জনেক বৎসর পর্যাত ছোগতভ্রমণে কৃত হইয়াজিল, তাহাতে অনেক রক্তপাত এবং অনেক বনৱায় হইয়াজিল. শেষে ব্রেদানামক খানেতে লক্ষিমন্ত্রন হইল ; ঐ সন্ধিতে নিও মর্কলামক নার সলও জাত¦য় লোককর্তৃক ই॰ প্লওজাতির্দিরকে দত হইল, এব॰ সকলকর্তৃক বছ हा जिल्ला का निकास कि । विश्व के होल.

ঐ দব্দি ই॰ প্লণ্ডীয় জাতীয়েরদের প্রুতি অভাসমুমজনক সন্ধির নাায় বোর হইল, যেহেতুক ঐ সন্ধিতানকবিষয়ে যেছ লালিস চইণাজিল, ভাগাতে ভাগার দের পুর্যালাবিষয় অপুরাধ হইল ; বিশেষত ঐ বিষয়ে প্রায়ত ক্লাবিওল্ লামে ব্যক্তি,

অনাবশাক যুৱে পুর্বহণে ওপদেশদেওনের নিমিতে, এবং পরে নিগুচ্পুর্ক ঐ ঐংসক্রেজনো দোধী হইল এই ব্যক্তি, বহুকালাব্দি রাজদ্যাও্ছিত হইতে লাজিলেন, এবং পুজারদের সধ্যে পুরানাংশার অস্তোধজনক হইটাজিলেন

বঝা যাত, যে ঐ ক্লানিগনের অমইলদশোপনি চহওন, ঐ পু দশাবিকারির শতুরা যে প্রিষ্ঠ হইণা উচিনর সর্বাণাশক হয়, এত দ্বিষ্ঠ ক হিল্পকাপ নিলে; যেতে তুক বিজ্ঞান পার, পুছাপুতিনি বিভাল্যর মধ্যে প্রিয়ার নাম ব্যক্তিরারা, ঐ পু দশাবিকারির বিজ্ঞান এক আগবাদেশত ওপন্তিত হইল. ঐ পত্রের মধ্যে ১৭ করণা অপবাদ দিলে, এবং ঐ অপবাদ কেবল পূর্কিয়েও পুদালকলাতের নির্ম্ভ হত্যাতে, পুথমত নিয়ালুবিষদ্যের তুলা মানা জিল, কৈছ লে যাহা হওক, ঐ ক্লানিগুল্ম দেশি প্রান্তানি, যে পুলার্থের তুলার্থিন, হাজপ্রাক্তমন্তিত লাশ্যালিত হইটা তিথিনিল, যে পুলার্থের ছিত্তে, তথান ভাবিগেন যে দে মানিল্লিত হইটা তথিনিল অতিবাহেলা হইতেতে, তথান ভাবিগেন যে দে মানিল্লিত দেশে যাবনের ওতার সময়,

অপর চাল্ম রাজা, এরীতিক্রমে আত্মনিষ্ট্যজিকে নির্গতকর্ণানন্তর কিছুকাল পরে, আপনাকে ক্রডক্রনিন ব্যক্তির্দের গ্রামর্শে অর্গন করিলেন. এ ব্যক্তিরা ছেই নামের পুর্যন অসরের সংযোগপুষুত্ব, গরেতে কাবান্ নামে গ্রামর্শক বলিগা খ্যাত তিনে.

তাহারদের মধ্যে সা তামস্ ক্লিম্প পুথম ব্যক্তি রাক্টিব বিং কণাওতাপুর্বক অন্যাপেকা অধিক্রপিডালনক ইয়া বহু সাং নিক এবং নির্ভাগ্রতার জিলেন; এবং প্রায়ুত আলি, যিনি পরে প্রায়ুত সাংগুদ্রবি নামে থ্যাত জিলেন, তিনি কলছ ছভাব এবং লোভা এবং চতুর এবং অভিন্তাহক জিলেন; এবং বক্ষিংকামের অগুনী, সুথভোগাকায়া এবং মথেস্থাচানী এবং মংকিঞ্চিং বিহান্ এবং পর্যা আক্লাদ্ব আন্যাদ্যুক্ত জিলেন; এবং আলিংতনের মংকিঞ্চিং বুলি জিল, এবং ভাহার আকায়া তদ্রা জিল, কিন্তু তৎসমাদনে সাহস জিল না; এবং শেষে লদর্দেলের অগুনী, তিনি ছাভাবিকপ্রভাতে, এবং ছকর্তৃকশিক্ষিত প্রভাতে নূল জিলেন না বটে, কিন্তু ভাহার আচার ভদ্র, এবং বুলির মাধার্য্য জিল না; মেহতুক তিনি লোভা এবং অন্বর্ধায় এবং অহন্ধানী এবং মানী জিলেন. ঐ সকল লোকেরদের হন্তে চাল্দে হাজা ভাবদুর্যান্তার কার্যাভার অর্পন করিনেন, তাহাতে চাল্দে রাজার রাজত্বের শেষাবন্ধা কন্তা এবং দুংথেতে পরিপ্রকর্ণ বুদ্ধ, বহু অমন্তন বুলি পাইতে লাগিল.

পরে মন্তিরদের ঐ পুকার অপ্তলগ্রিলনপুষ্ট, পুজারা ঐ সভার বিষয় অতি মন্দ ভাবিতে লাগিল; এবং তাবদুাজ্যে শক্ষা এবং অলাভোষ বভাব অবা হিতলপে বণড়িতে লাভিলে: এক পরেতে পাপামভাবলম্বিদেরমধ্যে কেই ওড়রাই কাথী ছট্ডে, এই স্থা পুলুজ এক শীন্ত্যবহারিকা সভা মাহা কথানোই পুলা: দের নীতিবিষয়ে সম্প্র পাইতেন, দি ঐ সময় ১৭ সতের বংসরপর্যাত কিছু বিশেষ নাছই : ডক্রপে চিলে, তংগুমুজ পুজারদের অভঃকরন ভয়েতে এক আশহীতে পরিপূর্ল চিল : বাগাত কালার গুতি ভাহারা আত্মছেই পুকাশ করিবে কেবল এই বিষয়ে দেশা পাইতে লাভিল

অপ্র ই॰ প্লুগ্রায় তাভিরুদের ৰভাব এই মত, যে ডাঙারদের চিত্ত একবার চালিত ছইলে, হৃদি তাহারা সন্দেদের পাত্র না হয়, তবে যে কপে হইতে পারিবে ডাহার চেম্বা অবশ্য করিবে. যেহেত্ক গ্রতমাগান্ত মাদের ১২ বারই তারিখে, যে मबा ब्रांजा अनवान विज्ञाहिए फिल्लन, त्महे माग्र किविनागक अक जान अवि পাচক, হাজার দিকটে আদিয়া, এই কথা কহিয়া ওঁহাকে ভেটিল, যে হে মহারাজ, আঅসমী আড়িয়া অদাত বেড়াইবা দা; যেছেতুক ডোমার শতুরা ডোমার পুরি লাওলে চেম্বা করিতেতে, এবং এই তোমার গডায়াতে তুমি বলুক্তার মার। ঘাইতে পাছে, পরে ঐ ব্যক্তি ঐবিষয়ে জিজানিত ছওয়াতে, নেকহিল, যে আমি ভ॰ নামক এক জন ভখ্ৰাচাৰ্য্য, যিনি অল্ল/ছি এব॰ সর্ববিধয়ে পুরায়ী, ভারাকে দেখাইলা দিব, পরে ঐ বাজি আলিয়া কছিল, যে গ্রোব্ এবং পিক্রিং লামক গুই হাজি হাজাকে ধ্রকরনে প্রায়র্শ করিয়াছে; এবং সর জর্জ বেক্যান্ নামক রানরে বৈদ্যা, হাজাকে বিষ্ণাসনক্ষালয়ারা ঐ বিষ্যাদিত কর্লাকারা সহ ক্তা, পরে ঐতংকামক হাজি, ঐ বরপরামর্শবিষয়ক কতকওদিল কাগারপ্র কৃষ্ণি রাজ নিকটে নীত হইল, ভাষা ত রাজা এ হাজিকে পুরাক্মন্তির নিকটে পাঠাইলেক. ঐ ব্যক্তিমন্ত্রির নিকটে পঁথ জিড়া কমিল, যে ঐ কাগজনত্র, অন্য কোনো ব্যক্তিকর্তৃক আমা ছারদীচন্দিত চিদু দিয়া দত হইয়াছিল ; এবং কিন্তিৎপরে কবুল হইল, যে সে ঐ কাগজপত্রের হৃচলাকারককে চিনে, কিন্তু যাত্রণা করিল যে ভারার নাম পুরুশা না হয়, যেহেড্রু সে জেনুট্র মডার দ্বিরাদ্র ছেয়েতে ভীড জিল,

পরে রাজার নিকটে ঐ সম্বাদ অত্যসংলগে এবং অসংভপুমুক্ত, ভিনি ভাগিলেদ, যে ভাষা সকলি মিটা. কিন্তু দে মাহা হওক, ঐভংশামকবাদি, রাজার হিভার্যে যে ভাষার চেন্ধা ভাষাতে দ্যুদ্ধা ভিলে না; যেছেতুক সে পুনর্থার পুরীনমন্তির নিকটে মাইয়া, ভাষাকে কছিল, যে ঐ কুপুরামর্শেতে অসুমুধা কতকগুলিন জেলুইংমভাবলমিহারা রচিড, এবং বেদিং ফিল্লনামক একজন জেলুইংমভাবলমি, মিনি মুর্কের জালুনীর পাণশাকারশ্যোভা এমত ব্যক্তির নামে লিখিত, কভকগুলন পর, সে ব্যক্তির বাদম্বান বিশ্বসর নগরে প্রের্বার্যে, ঐ রাজিতে ভাকগুছে

মন্ত হইয়াজিল. এপর কিন্দিৎপূর্বে এ অপুনীর নিকটে আণীত জিল, এবং এ অপুনী এ পর সকল নিয়াপর জান করিয়া রাজাকে দেখাইয়াজিলেন, কিন্দু ভাষার অভিনায় কিজুই জাত জিলেন না.

পরে তিতন্ এর, যে ব্যক্তি ঐ নঞ্জ নমাদের মূল, মে ব্যক্তি ঐ বিষয়ের মাষ্ট্র দেওলার্যে আনৌত হইল, কিন্ধ বড় অনিজ্ঞাপূর্বক মে আইল. ঐ তিতন্ত্রনামক বছে, ভূমাও ভাগুড়া ও নাঁচ ও অজান ও ভদাহীন ও মানাভির্নিত জিল; সে পূর্বে মিয়া। নাজ্যদে লে দামে অগবাদিত হইলা িচারে আনীত হইলাজিল; তারপরে কোনা এক বুজুলাগাজে চালুলেন্ অর্থাৎ আহাজহন্তকপদে নিযুক্ত জিল, কিছ যোনো অসম্ভান্য হিলালুল ভাগুলাগুত হইল. তৎপরে আপনাকে কর্যায় কাবলম্বী বলেল্য অস্থানার হটলা ওল্পলামক নগরে গেল, সেই নগরে এক ইংগ্লেডায় পার্চ মানাভ করক্তিবল পর বিভাগ হইলা রহিলাজিল, এবং যে সমরে বুক্তা নিয়াজিল, যে ঐ ব্যক্তিতে ভাবৎ রাজার মন্ধ্রলায়লিকিল্য কিন্তান্ত ভাবৎ রাজার মন্ধ্রলায়লিকিল্য কিন্তান্ত ভাবৎ রাজার মন্ধ্রলায়লিকিল্য কিন্তান্ত ভাবৎ রাজার মন্ধ্রলায়লিকিল্য কিন্তান্ত ভাবৎ রাজার মন্ধ্রলায়লিকিল্য কর্তান্ত ভাবৎ রাজার মন্ধ্রলায়লিকিল্য ক্রিনামক এক ব্যক্তি ভাবাকে প্রতিদিবলিক ভাবার প্রদান করিত.

ঐ ওপল্ডিডবিষয়ে ঐ ব্যক্তির আঅভিড?ছনকরনে দুই ওপায় জিল; তাহা এই, ঐ বিষ গুর সম্বাদদেওন্দ্রার। রাজকাঁয়পাত্রমিত্রেরদের সহিত মিলন, কিমা পুরারদের ভয় জনাইয়া, ডাচারদের ঐ শকীহইত আত্তহিত সমাদনকরণ, ঐ দুই ওপাছের মাবীঃ শেষক্ষিত ওপায়, দে গুরুল করিল, অভএব ঐ ব্যক্তি আঅস্ত্রিরেকে লাই লইয়া, সর এদ্যান্স্রারি রাদ্ত্রে যিবি শাহরের পুরীব দত্তনায়ক জিবেন, উচিার নিকটে মাইয়া, মুখ্যাক্রিকের মধ্যে অভিশারশক্ষা জব্যে একপ চিবর্ল ভাঁচাকে অব্যাত ক্রাইল, এবং বৃহিল, যে রাজ্ঞ। এবং ভাঁগার গুলোন, অন্যয়তবিল্লী-ওনপুষক, পাপা আগনাকে ভাবদিংগ্রন্ত এবং আট্রেও বা জার মধার্থাবিকারী জান করিয়া, ঐ দেশের কর্তৃত্বলারগুছুর করিয়াল্যন : এ০৭ লাজা অয় ই, মিনি জেলুই২ মতারলমিলের মরো, ১প্রত্ত্বী আত কলে চুক্তি বলিয়া খালত চিলেন, ভিনি ভাষতাবলস্থিরদের কর্তৃক বিচাম্য इत्या अनाम न लसीर उन्लाय क्षांच न्य रहेगाजिल्लन. शत् वेकामा निश्नम কণে দিকাণে 🗥 র এবং বিকেরিখনামক দুই বাজি দৌগাওলিছার। রাজাকে माहिए लिएक वरेलेकिन : २वन वे राजिक्षाव वे कोषा निष्ठ वहें ल, ग्राक्ब्र অপ্লোকে वार्याम शामाम अल समाद न विभित्रित, यमानि जिनि भाजिसक মতাবলমিটে কি কোডোর মঠা গ্রীতে থাও। করেন, বিশ্ব গুনি যদি ভারা না करतन, जात (अयू तमांजल याहरवन, अहेकन कथा (अमूहे वयजीवनसीता करिज.

পরে সভ্যেরনের লাগাতে ঐ ওয়ের বিচারস্থনকালে, আঅবিবরনমধ্যে পদেহ (২২০০ শনুমূজ, ঐ কজি আমুদুক্তনার অভিক্রেণ্ডতা পুকা**শ ক**রিল,

তথাপি ঐ দুর্ভায়সম্বাদ অভিথিকত এব॰ অসম্বত এব॰ কদর্য্য হইলে, সে বাজি সাধী রএলোকেরদের পুিয়তম হইল.

ঐ ওৎস্বামক যাজিব ইক বাচিত জেসুইৎমতারলমিরদের অবোক তৎক্ষা কিন্দ হইল; তাহাতে কোল্যাল্বামক চক্ষের অনুধীর পুরাব মুগার মাধার নিষ্ম কান্তিক থাকে, যে সে ঐ কুার মাধা অভ্যতালক জিল, সে বালি পুন্মত আয়ে পদত্যার কবিল, কিন্তু পার্দিবলে পুরাবরণ আমন্তির নিকটে আপনাকে তর্পন করিল, ভারাতে তাল্যার কতকণ্ডলিন কার্জান ঐ ওৎদের আপেন হন্তাত হইল.

অপর প্রজারদের হাতি ঐ পুকারে গু:মবৃদ্ধি পাইডেজিল, ইভিনয়ে এক বিষয় ওপব্রিত হওয়াতে, ঐ ওংলের লংবাদ যে লক্তা, তদিয়ায়ে পুজারারে মনোমরীয় কিছু সন্দেহ হইল না; তাহার অভিগ্নায় এই, ঐ সর্ এর্যন্ত সুব্ধি রাষ্ট্র, বিনি পাপা यजावलशिक्षपत याख्य भूवकानाभूकांगकत्व कवियानाधाः । अस्यादिलान, ভিনি বতককাৰ অবসর হইটাজিলেন, ভালারুমারে লাম্বেদ নগড়ের প্রে শিমরোদ চিল্লামক ভালে এক থালার মধ্যে ভালার মৃত্যারীর পাওচা লিচা জিল, কিন্তু ভাঁছার মৃত্যুকারন কেছই নিশ্য করিতে পাতিল না, এবা পারিবেকও লা. ভাষাতে মাধার ঐ নময়ে পালামভাবল্যি হয় বিক্রমে অভা**তরারাত্ত হই** ফাদিল, তৎকর্তৃক হত হইয়াজেন, পুজালে, এই ক্যা: কছিতে কিন্তু অভি করিল পরে ঐ গদ্যের স্তশরীর অভিনয়ারোহপূর্বক ৭০ সভরি জন বিমাবিসক অনুবামী সইয়া শহরের মধ্যাবিছা নাড সইল তালাতে ঐ ন্তশর্রি ঘাহারা বেখিল, ঐ ব্যক্তি যে পাপামভাবলশির্দের সক্ষভিতে হত হইয়াজেব, ভাহা কহবে তাহারদিনের মধ্যে কেন্স কিজু শাংক। করিল না; এবং ভদুছ লোক্ত ঐ ব্যার লুমেতে লিউ হইল; এবং ঐ পালামতাবলমীরা যে অগরারী, সর্বত্র পুরুষানকপে লাভ যে ঐ বিষয়, তাহা যে নতা, ইচা দকাৰ দৃচ্পুতাত করিয়া, আখারকার্যেও - व्यत्नारमोतिकि करेगा, जे उन्हानत मन्याम अवन जै अमृह्युतक हम भौभीम ভারলমারা ববী করিয়ালে, এইএই বিষয় যে দত্য, ভাষা পুরুষাক্যনে কোন কেহ শহাবিত হটল না.

আপর ডজপে দর্বন ব্যাপ্ত যে ঐ শক্তা, তদ্বনি এবং স্থাপনার্থে, পালিন্তি দ্বাল্যারা যে তাহা পুডায় করিয়াছে, ঐ বিষয়ে লোকেরদের মর্বো পুরোধ জনা। নার্থে, আপনারা চেন্ধা পাইতে লাগিল; অতএব দর্বন সকলে যে ওপবাদ করিবে এ বিষয়ে আক্ষমমাভিচিছ দেখাইয়া, তাহাতে রাজার অনুয়তি যাচ্ঞা করিল. পরে ঐ সভ্যেরা এই আজা দিল, যে ঐ যত দুরুত দুরাচার রূপরামাপুর। শক্ত দর্মত কারজপত্র দাখিল করিতে হইবে; এবং যে তাবংপাপায়ভাব লথীরা লগুন্ শহরহইতে অব্যব্ধ বৃদ্ধি করিবে; এবং সকল সাদেছভাবক,

এবং অজ্ঞাত লোক, তাহারা রাজসভায় স্থান পাইবে না; এবং লণ্ডন্ এবং বেস্ত মিন্তর নগরে ছেছ দৈন্যবিশেষ জিল, তাহারা জন্মত্র স্থাইতে পুস্তত থাজিবেক, পরে ঐ পালিষেত্রসভ্যো, রাজার নিকটে ঐ এং ল্নায়ক ব্যক্তির বিষয় সুপারিম করিল, তাহাতে ঐ ব্যক্তিকে হাউৎহাল্নায়ক স্থানে রাখিলেন, এবং দে যে ঐ সকল বিষয়ের সংবাদ দেয়, তরিমিতে নয় হাজার জয় শত চাকা বাধিক করিয়া তাহাকে দেওয়াইল.

পরে ঐ ওৎস্কে ঐকণ লক্ষ্যকর্ম, তামকালিক চাবরী ডিফামে অবালালিক দুবলিক জুলালোক দেও লোভবর্মানকারি হাইন, তাসাতে ঐ ওৎস্বর্ডে এ অবিক দুবাচার জলাম্বান দেও লোভবর্মানকারি হাইন, তাসাতে ঐ ওৎস্বর্ডে এ অবিক দুবাচার জলাম্বান লোকা আকলাক চালুলি এই আলি গাইক্মিড আদিক কলি পু থাজি অহাদুক্রমে শিশুর বালি বালিক কলি পু থাজি অহাদুক্রমে শিশুর বালিকার কলি লাগে অইলাত বালি আলি পু থাজি অহাদুক্রমের লাগানেকারে, ঐ বাজি এই এনা নিকার কালি কহিব, যে সামেনি গুরুর মৃত্যাধীর সোধের বালি বালিকার নিকার কলি মে আমুল বেল্লালিকার মৃত্যাধীর সোধের বিলিকার এবং লে বাজি আরো কহিল, যে আমুল বেল্লালিকার মকজন চালর আমাকে ৩২০০০ ব্রিশ্লাজার টাকা দিতে অপ্রান্ত ব্রিশ্লাজিল, মন্ত্রান লাইন আমিলে আনি লাকাইতে ঐ মৃত্যারার লাইনা মারী, পারে ঐ বাজি, আমুক্মিডস্থান লাকিকার দ্বানিকার স্বান্তির কালিক গুলাত দেখিলা, ঐ ওৎস্ লামক ব্যক্তির কালিত ভাবেৎ কুপুরাম শালিকার, তাহাও স্থিনীকরন্পাক অভিভাগির বোধি জ্যাহিল।

অপর ঐ লাজারা, যাহারা অনেককালাবেরি আঅনিবর যতগাহীত ততােবিক বর্জনের, হইয়াজিল, তাহারা আঅনকার বিষয়ে দর্মদানতি দেঝিয়া, ওতরাতর অবিক লাহাদিক হইয়া, রানীকেও অপবাদিনী করিতে লাগিলে তাহাতে পূজা পুরিনিবিদভারা, রাজান নিকটে আপনারদের এক দর্থান্তে, ঐ অদপ্রত অপবাদক্রনে লাহা্যা করিলেন, কিত কুল্নদভারা ঐপত্র অতিতুহ্নপূর্্ক দে করিলেন.

অপর এছার্ কোল্যান নামে মুর্কের অনুনীর পুরীন লেথক, অপরাদিত ছইয়া বিচার্যাছওলাথে আনাত ছইলেন; যেছেকুক মাছারা পাপামতর র্জনবিষয়ে অতিভাতিষকা আপনার্দিগকে জানাইত, নর্বাপেফা তাছার্দের তুদ্ধান্ধ সেই ব্যক্তি জিল. পরে বেদ্লো লামে এক ব্যক্তি, ইছা দিব্য করিয়া কছিল, যেই কোল্যান জেন্দুইংমতাবল্যবির্দের পুরীনং ব্যক্তিয়ারা, তাছার্দেরি ছন্ত্ লিখিত এক প্রপাইয়াজিল ঐপ্রের মধ্যে ইছা লিখিত জিল যে তাল্যারা, এ এছার্দ কোল্যান্কে পাপার পুরীনরা জলেখকপদে নিযুক্ত করিয়াজিল; এবং লে যাজি গুজার বর্ববিষয়ে সম্যত ছইয়াজিল, পরে ঐ অভারাবান্ মনুষ্যের মর্বাজা, যাহা তিনি, এ কাল্সন্থকণ মনুষ্টাকর্ত্ক পুরুত্ব ইয়ানিলেন, তাহা পুলবালতর, মদ্যনি তিনি আলাপরাধি আক্রত হাইবেন, তাবে ইত্যাগৃহের পার্লিমেরসভারা, তথপক হাইটা তথক্ষা পুর্যানাকর্বার্যে চেন্ধা পাইড, কিছ বান্তব এ ব্যক্তির ওওভাবে কোনহ রাজদুরিতে লা জিলানা, তাম্বিতে লা ব্যক্তি বিয়া কিছা পুতার্বাপূর্ত্তক আলাক্রতে সাক্রতে সম্ভ কিলেন না, তাহাতে মৃত্যুস্ময়ে অভিনিক্তিয় হাইটা, শেষণ্টাত আন্বনির্দ্যান্ত লোকেঃ দিনকে জানাইলেন.

ঐ কোল্যাদের বিচারনিত্ন ভিত্ত গণে, আইর্নডাদেশীয় নিকেবিশ এবশ গ্রেণ্ড লামক দুই ব্যক্তির বিচার ওপনিত ভর্ছন এই ব্যক্তির আপালারদের নির্দেশ্য কা দুহকলে জানাইলেও দোমাকৃত ভ্রনি গোলে ই জভানায়শন ব্যক্তির), আপনারদের নির্দেশ্য জালাইলেও দোমাকৃত বহীভ্রাভ ক্ষিত ভালা কের ভালাতে ঐ দর্শনকারির দের মাথকিন্তিও মনগণীয়া জামিল লা যেছেত্ক জেনুই এম গালেম্বাছওন্নুমুজ, ভাছারদের দুঞা দেখিলা, মেহ দলা ওাছিত হইত, ভাষাও রহিত ছইল.

পরে হিল্ এবং জুল্ এবং বে রি গুণুডি গ্রন্থানুর বর্ধিময়ে সাল্য গুলন্মক এক ব্যক্তির পুমানদে গুলাতে বিচারিত হাইল. তাহাতে বেল্লার বাহা এবং দ্রাঁদের পুমান অভিবিক্ত হাইল, এবং তাহারদের ওভয়ের বান্য অন্যাল্যারার মিটা হাইলে, সকলি বার্থ হাইল, তৎপুসুজ ঐ বন্দী ব্যক্তিরা অধ্রাপী হাইয়া বর্পাপ্ত হাইল. পরে হলনসময়ে তাহারা সকলে, আপনার্নি গ্রের দিনোধতা জানাইল, কিক পুরিভ্রমতাবল্যী হাইয়া বেরির পুরিভ্রাগিকরনেতে, সকলেলাকেই জাহা অত্যসন্ত জান ক্রিল.

পরে হুটেৎবেদুনামক জেনুইংমভাবলন্ধিনের এক জন পুরীন বাজি, এবং ফেন্বিক, এবং গাবান্ এবং তর্নের এবং চারকোর্যপুত্তি, মাহারা সকলেই ঐ মতা ফলমী জিল, ভাহারা লকলে বিচার্যহওলার্থে মানীও ছইল, এবং কিন্ধিংকার পরে লাংছর্নামক জন্যএক থাজিও জানীও ছইল. পরে ঐ ওং মৃ এবং বেদ্লো ফাড়া, দল্লেনামক জন্যএক নুষ্ঠানাগৈ ছইল. পরি বিজ্ঞান লায়াদেওলার্থে জানীও ছইল. ঐ ব্যক্তি, পূর্বালেজা ঐ সকল লাজাবিষয় জবিক বর্দ্ধকরিতে লাগিল; এবং দৃহকলে কহিল, যে ইংগ্লিয় রাজ্যের মর্ব্যে দুই লক্ষ গাণামতাব লম্মী জন্ম গুছাবকরনে ওদাত জিল, থার ঐ বদ্ধী ব্যক্তিরা, ওমর্নামক লগানিবাদী ঘালজন লাজিপুরুথাৎ পুরান দিল, যে ঐ ওং স্নামক ব্যক্তি, যথান নিবা করিয়া কহিল যে লেজন্ নগরে জিল, তথান বাস্তব সে এ এর্নামক লগারের গার্ডিগালায় জিল, কিছু ঐ ব্যক্তিরা পাণামভাবলম্পিযুক্ত ভাছার্দের পুরান গছীত ছইল না, পুরা ঘাছাছ ভাছার কহিল ভাছা সকলই ব্যথ ছইল, ভাছাতে জেনুইংমতা

ৰলমীরা এবং লাণ্ছনিশ্যক মাজি দোৰীকৃত ছইলা বইপুাও ছইল; কিছ যে দোষের নিমিতে তাহার্যের মর্বোপক্তি ছইল, তাহা নিদানকালে অপজ্ঞ করিল।

অপর সর জার্ত্র বেক্যান্নামক র নীর বৈদ্যের বিচার্বিষয়ে, ঐ অপবাদকের। জ্ঞাপ সমল জিন সা; গেছেতুক পূর্বিৎ দৃঢ়তরকপে দিবা করিলেও, ঐ ব্যক্তির থালাস ছইল ; কার্ন এই, যে যা, দ ঐ বৈদ্য দেখিক্র ইইড, তবে রন্নিও ঐ দেঘে নিমন জইতেন, ভাগতে বুলা যায়, যে বিচারকর্ত্তা এবং সভ্যেরাও, ঐবি এয়ে অবিক বিচারকর্বে আশক্ষিত কি লন.

অপর পুরায় দুই বংশর রাত হইলে, যাহারা ঐ নির্দ্ধকাঞ্জিরদের বর্বী হইল, ভাষাক্ষের মধ্যে স্থায়প্র প্রাদ্রণারিকারী শেষ ব্যক্তি মিনেন; ভাঁছার বিফ্রে যেই মাক্ষী আলীত স্থান, নে সকল লোক, ঐ ওল্প এবং দল্পেল্ এবং ভুববিল্লি, পরে ঐ ওল্প, দিব্য করিয়া কহিব, যে দে দেবিক্লায়ক জেন্ইংমতাবলয়া ব্যক্তি (क. वे खोकराक भागीगजीवलयो जावचरेमानावामव जनविनमावामा स्थापन বিষয়ে এক অ জ্ঞা- ত্র, জেমইতেরদের পুরণান সেনাপতিহইতে লইয়া, ঐ স্তান্তর্পের হন্তে অ নি করিতে দেখিল; ভাহাতে ঐ অপনাদ্পুদুক্ত ঐ ক্দির বিকল্পে শহর निवासित्रपत् (यथ क्यांवे ४० भन्न इन्डेंज लोजिन, जोहा फडिभड़न, পরে, ঐ স্তামদের পুদেশাবিকারী দোঘাখিত হট্লেন, এবং ভাঁহাফে জানি দিলে গর, এওংকরলাজা দেওয়া গেল, কিন্তু পরে ঐ আজা পরীবর্তনে রাজা निवासक्यमनाजः मिलन. পরে তাওরভিল্নায়ক স্থানে ঐ ভাতদের পুদেশাবি কারির বর্ব ছইল, এব॰ সেই স্থানে ঐ বৃদ্ধ মহাকুলাদ্রব ব্যক্তির পুরোকমুখা। কৃতিতে এবং পুত্যেক আচারেতে এবং পুত্যেক বাক্যেতে যেছ নিক্ছিন্নমন। এবং পাহসচিত দুর্শাইয়াজিলেন, তাহা দেখিয়া তাঁহার বিপক্ষতাচরুবকারারা অঞ্জব পতনরহিত থাকিতে পারিল না.

এ পার্লিমের এ সময়ে সন্তদ্ধ বৎসর্পর্যান্ত অবাধিত কপে বসিয়া তিলেন, তন্ত্র্যুক্ত এক নূতনপার্লিমন্ত মাহত হইল. এ নূতনপার্লিমেরের সময়ে, হাবি আস্কর্পন্য আজনামক অতিখ্যাত্যাপর ব্যবস্থা কৃতা হইয়াতিল, এ বকাস্থারার প্রজারা, নিজুরস্যবসারকেরদের পরাক্রমহাইতে নিংসন্দেহকপেযুক্ত হয়; এবং বন্দিরদের সমুদ্রপারন্থিত ছালি পুবলনিবারিত হইয়াতিল; এবং কোনো বিচার কর্তা অতিদ্দ্দগুণুপলম্যতিরেকে বন্দীকে ভাষার হাবিআন্ কর্পন আজ নামক পত্র দেওলে অপক্র করিতে পারিল না. মালারা ইহা নিক্ষয় হইয়াতিল, দে বন্দী রক্ষক, সভাতে এ অনিত্রনির শার্ত্রিকে উল্বিভ করিবে; এবং এ বন্দী কিনিমিসে বন্দী হইয়া রক্ষিত হইয়াত্রিল, তৎকারণো তৎসাহিত ওপস্থিত করিবে; বন্দী রক্ষক, গো বন্দীর দার্গ্রীর সভাতে ওপস্থিত করিবে; বন্দীর স্বান্ধ্রীর সভাত্ত ওপস্থিত করিবে; বন্দীর স্বান্ধ্রীর সভাত্ত ওপস্থিত করিবে; বন্দীর স্বান্ধ্রীর সভাত্ত ওপস্থিত করিবে, ত্রিন্মহইতে এ ব্যবস্থান্ধ

नाम ८० पत रहेगांत. अव यमानि विष्ठांत्र उर्धत शृहरहेर बनीशांना, मन ক্রোশ অন্তর হয় তবে ঐ আজা তিন দিনের মধ্যে সময়া করিতে ছইবে; এব অবিক দুর্ভিত হইলে, ভদনুসায়ে ওতারে ওর যেয়াদ অবিক হইবে; এবং পুডোক বন্দির, কারান্দর ওলের পুর্যায় তর্ল অর্থাৎ পুর্যায়নিকশিতসময়ের মারীয়ে, বিঞ্জপক বর্তৃক অপরাম বিত্রীকৃত হাইবে, এবং পরতভেতে বিচার্য্য হাইবে; এবং বন্দীকাজি, **ল**ভ্যকর্ত্তক যুক্ত হইলে পর, ঐ দোবের নিমিয়ে পু চেপিড হইতে পারিবেক না.

পরে বিজ্ কালান্তর মিন্ত্র নামে এক রূপরামর্শ ওপ্রিড ছইল, তাছার বিবর্গ এই দাস্টের্টিন্দন্যক এক ব্যক্তি ক্যীয়মতাবলম্বা, শিলিএরনামক এক कुछा दिवित नाध विलिख रहेगा, नै द्वलशामनं नुपरमानिष्ड कदिल. ने प्राप्त धिकानामक व्यक्ति, পূর্বেক্ষিত ঐ ওৎস্, এবং বেল্লো নামক ব্যক্তির্দিগছইতে অভিদ্রাচার; একথার নিলঞ্জিমাথ্য ছাড়িতে বছা করা নিগাতিল, একবার বেড ছইয়া জিলা, এবং একবার অক্ষিত ছইয়াজিলা, এবং টোর্যা এবং থাকা গঠন দাম जाला मध्युतार जिञ्चरहरू प्रुतिष रहेगांचित. अमाशियित, अहे विषय्पुठांह করন্যারো আরম্ভ বর্ধার্য্য প্রায়র্য প্রায়ের করিয়া কলিল, যে কেলরাজ্যের মর্বের এক দূভদৰত্বত্ব ৬পন্ডিত কৰিয়া, ৰাজাকে এবং ভাৰনুৰ্ব্যৰণশকে ৬৪।টনকৰনের গুলক্রন করিয়ালে । ঐ ব্যক্তি, ঐ সম্বাদ পুথনত রাজাকে এবং যুর্কের অগুনীকে জাত ফর হ'ল এবং তীহার: ঐ ব ফিকে ঐ বিষয়ে জারিক।নুসন্ধানকরাওলের আশায় টাকালারা ভাষার নায়ালা করিলেন. ঐ থাড়ি, কলছজনক কডক গুলিন কাগতানত্র এইয়া, করেলি মান্দেল নামক ব্যক্তির বাসগৃহমধ্যে রোপনে রাখিয়া, অণহতদুব্য আছে এই জন করিয়া, অন্বর্গেরে পদাভিকেরদিগকে আ নাইয়া তাহার বাদা খুঁচিতাইল, তাহাতে ঐ কারজনত নকলি পাওয়া রোল. পরে সভারা ঐ বিষয়ের বিচার করিয়া অনুমান ক,িল, যে ঐ কার্য্য ঐ দাসির্ফিলের কৃত, তাহাতে তাহায়া ঐ ব্যক্তি যেহ আনে গ্রতায়াত করিত, নেইছ আন থৌছে ˇ রিবার আজ্ঞা দিল. 🔝 পরে ঐ শিলিএর গৃহমব্যে, কার্রাজে লিখিত, অনুজালাতে গোপনে র্ফিড, ব সম্ভ তুরোমর্শপ্রশাওনদার। ঐ বৈধন পুরাশিত ছইল ; ভদ্মনো ঐ কুণরামর্শ মিল্ডব্ দায়ে পুঞ্জিত আছে. পরে ঐ দংগেছিলা নিও গেৎ সামক বলীশালায় অপিও হট্যা, ঐ সমত ভালকারাঅকর দেবার আকৃত হইল. বুঝা যায় যে ঐ অকার্য্য ভাষায়ি কৃত চিল, কিন্ত লে কছিল, যে ভাষা কান্তল্ व्यानक भूप्रभाविकादिक ववन भीश्रवत मूतात छोत, ववन तरहत माठजन कूनी **लंबरमंब क्याँ. में** माक्षिक्ति, उद्देश को तब डोशांबरमंब वहांसम् मिशंकिल, ध ঐ ব্যক্তিরদের ছারা, ঐ ওং দ্বামক্ ব্যক্তির মিল্যাাদায়িত্ব এবং পুংরামবদে। এ বিষয়ে যে অপবাদির তাহা পূরান করে; এবং লাড়দ্বরির পুদেশাবিকারির হনন বিষয় নিজ করে; এবং রাজার এবং তদ্ভাতার বিকলে যে কুণরাগ্রদা ওপবিত ছইয়াজিল, তদ্বিয়ে অনুষ্ধীকত্রদোধে মন্যৌতের এবং বকিংহামের অনুষ্ধী, এবং এদেক্লের এবং হালিফাক্লের পুদেশাবিকারীপুত্তিকে অণাবাদিত করে. ঐ কম্বাদপুণুক কান্তল্গনের পুদেশাবিকারী এবং পোইছের লুবার তাঁ, বন্দী চইয়া রাড়ে পুরিত কটলেন; এবং রাজা যে মংগই ঐ কুপর্যযুর্ণতে অনুষ্ধী জিলেন, তাহাতে জনেকের ক্ষেত্র হইল.

অপর ডৎকালীন পুরাণুভিনিবিদভোরা, এক্সনুদন্দিনবাসক রাজাত্রা অৰ্থাৎ বৃষ্টিষ্টকর্নাক্রাপুণনার্থে, অন্যবিষয়াপেক্ষা কবিক চেথা পাইকে লাগিল, 🗳 আজাবিষায়, পূর্বদভোৱা সমাত হইয়াখিল, কিন্ত ভাহা ব্যবস্থাস্থকপ আপিত হয় পাই. ঐ সাংগ্রে সাম্ভস্বরি এবং অন্যথ জনেকে ঐ পক্ষেক্ষের ভূষান্থ হাজির', যুর্কের অলুনীর নিকটে আপনাচ্দিলকে এইমত দ্বার্গ করিশালিল, যে ওঁছোর নালা না করিলে, তাহারদের রুলা পাওয়ার অন্য ওপায় জিলানা, এরু ঐ মন্টোভের পদ্ধীয় মিত্রের।, এই আশার জিল, যে জেম্দের বৃহিত্তহওন্তিম্ম তাহারদের আমির ভালকারক ইছবে. পরে ক্যায়থতবিষয়ে যুক্তের অলুনার যে দৃহত্রানুরার, তাহ: অনেককে তদ্বিচয়ে অনুরানী করাইল ; কিছু যে সময়ে িনি স্কৎলও দশে জিলেন, সেই সময়ে অবাধিতকপে যেই নিটুব্যাবহার করিয়া চিলেন, তৎপুযুক্ত ওাঁহার নাম মহনু লোকেরদের নিকটে অভিযুলার্ছ অভ্নর তাৎকালিক শেষণ্ অর্থাৎ। লভ্যেরদের একন্রছওনের পুখ্য সঞ্চাতের পরে, ঐ ফর্সের অগ্রুলীকে ১৪রাবিকারীতএনবিম্নৃত্তীতে বহি इंडरत्निविष्य, अक रारचा निकलनकद्वार्थ, अक लद्रांमर्भ कता विद्राक्तिन, এবং তদ্বিষয়সিক্সর্যে কর্মমান্নাদক এক সভ্য নিক্ষিত হইল. পরে ঐ বিষয়ক য়ে বাদানুবাদ, তাহা ৬ভয় পর্যায় কভ্যেরদের মধ্যে অভিবৃদ্ধি পাইতে লাগ্লিল ; এবং সভ্যেরদের মধ্যে, ঐ বিষ্ণের ক্ষিনিবাদ যে সময়ে ছইভেজিল, সেই তাবৎসময়ে रोजा खए हे १९६७ कि.लन, अबर अन्ताङ्कामभूईक प्रशिष्ट भारे**लन, ध** সভোলদের অবিকণাশকর্মক এ পত্র রুদ ছইয়াজিল.

অপর ঐ লমছে কতকলাকাবি দুডোক মতাবন্যীরা, গুল্ক রচলাছারা এবং অপমানপ্রছারা অন্যমতাবন্ধি দিগকে তিঃকার এবং অপমান করিতে নারিল, তাহাতে অবশেশে ঐ বিষয়হইতে অন্যাএক অভিগ্রন্নীয় বিষয় ৪পস্থিত ছউল, ভাষা এই, পোর্ভস্মতের অগুনীর আরি, যিনি রাজার এক জন ওপপত্নী চিলেন, ভাষার অনুগত মিরহারিস্নামক আইর্লও দেশীয় পাপামতাব নায় এক জন, ঐ প্রীর নিকটে ঐ সকল রচনা ওপস্থিত করিত, কিছু ভাষাতে মতা বা হইয়া, ঐ বাকি আব্যায়োগছারা ঐ রচনার সংখ্যায়ার্ভ্যনে প্র

कविल. अवन ने कोर्चा निकार्ध ने वाकि अवर्शन नामक अक के कार्जीयाक वा जात হিক্তে এবং মুর্বের অগ্রনীর বিক্তান্ত অপমানপত্রচনার্যে রাখিল. ঐ ক্রুডাতীয় হাজি, থান্তব ত লাপফে: দৃত জিল, এবং আমাকে লাজানি কি জল করিয়া আপদে যেলিবে ইছা ভাবিয়া, লর ওলান্ বালরনামক এক অভিন্যাভ্যাপর দণ্ডনায়কের निकारे घोडेया नगर पुरुषांनं कतिल ; এव॰ (म बाकि (य मसाप पियांक्रिल, जोडा যে সভ্য, ইছা বোর ভন্মাওনার্যে, নর ওলাম্ যালয়কে এবং ভারে দুই বাজিকে, যে জাগদে ঐ ফিব্লুছারিল এবং ভাগার ভারত এপ্রামর্শ হইডেডিল ভ রিসটে (डार्नशान क शिल. ঐজপ্যান্দ্র হাবে ঐচুই ব্জির্চন করিমাজিল, ভাষা অভিশয়শ্বেষ এবং কটোরবাক ভে পরিবূর্ন দ্বিলঃ 🥏 धारत जै वांलव, जै असाम ल^रशी दांडांद निकारे जांड कशांत्ल, अतः के गिहुनशीम् नामक वाकि, ছারার জেবের মধ্যে ঐ সময়ে ঐ প্রের এক নকল ভিল ভাগাকে বর্নাজ। পরে মাহারণিরেছইতে দ্যাপুার্ডছ নের বেশনো সম্ভাবনা निर्देश कहा हैल. চিল না, এমত পক্ষীয় লোকেরদের হতেতে পভিত আপনাকে দেখিয়া, ঐ শুষ্কীয় লোকের্দিরের পদ হইয়া রাজসভার ৬পর এ অপ্যান পত্রের অপ্যান আরোপনে মদক্ষ কালি; যেংছতুক দে কচিল, যে বছিষ্তকর্ণমতাবলম্বির দের রুচিত এমত বোধি হয়, এমত এক অপমানপ্র রুচনারারা, আপনার্দিরা কে পুজারদের ঘুনার্ছ করনেতে, ঐ রাজসভ্যেশে ইয়ুক জিলেন. সাদ্র ঐ ব্যক্তি, পূর্রাণেলা অতিভয়ানক পাপাপদায় এক নূচন কুলয়ামশ্রারা জনপদী লোকের দের মবীে আধনাকে পর্য্যাপ্ত করিল। সারে দে সাজি কছিল, যে মর্লের আগুনী ঐ কুপরামপেতে, এবং সার এদ্যন্ত্রারে রাদ্যাে নামফ ত্যক্তির ছবনবিঘয়ে পুরাব मार्थियको. हित्तन.

পরে গ্রাজ্য, ঐ দিকুলা বিজ্যক ৰক্ষী করিলেন, কিন্তু প্রুপ্থিনিবিসভারর ভাগের পদ হইনা, দে যে লামান্য বিচারের দীলোয় বিচারিত হয়,ড ছিম্মুহইডের নাথে কহিলেন যে আমরা ভাগের চলার দিন, পরে ভদ্যের যে ঐব্যক্তি অপ্যাদেত হয়, ভাগা কুলীন্দভারা হদ করিলেন, ভাগেও পুজাপতি নিবিলভারা কহিল, যে ভাগিরে করনবিষয় আমারদের যথার্থ ; ভাগাতে বল্ল ভংগর হওলের ওপজ্য হইল, পরে রাজা, ঐ বিবাদভন্তনার্থে অফ্রই পার্নিযেত্রগ্রহ যাইয়া, আরু কথানা পার্লিষেত আহ্বান করিব না, এই দৃহত্র পরি স্থিপা ঐ পার্লিয়েত্তপ্তর করিলেন.

ঐ পার্নিনতভগুনবিষয়ে যেরাজা ঐয়ত দ্রাচারী হইবেন, এয়ত আঘাও প্লাপনের ঐ পার্লিমেতের সম্রাবদা জিল না, এবং তৎকালীন রীতির জন্যে যদি না হইত, তবে রাজার যে ঐ কপ আচার, তাহাও অন্যায়কপ বোরী হইত. পরে দেই সময়াববি , অর্থাৎ যে সময় ঐ সমন্ত পার্লিমেন্ডীয় কলহের নিমারক জিল, ভংসময়াববি রাজা, অভিলেন্ডাচারপূর্বক শাসন করিতে লাগিলেন এবং আশ্বর বুৎসিত্রশাসন এবং কার্যান্সন্মান্ত উত্তর্গানিক নিম্ন আন্ধ্রো তরাবিকারিতা, আগ্রন্ত ভার হল্তে অর্থনকরে মন্ত করিলেন পরে ঐ রাজার চিত, মার্গা পূর্বে অভিসরল এবং দ্যান্তিত জিল, ভারা এইফলাববি অভিসেরটারে এবং নিম্বন্যকগ্রক সহতে লাগিলে, এবং তৎকালাববি ক্রাজানিক লালান্তত্মাধ্যে দ্যের্ম্বাকে এবং কর্নেজাবিক নিম্ন করিলেন; এবং মার্গান্ত বিষয় ভারিতেন, যে ভাষার্গান্ত প্রিয়ান্ত বিষয় ভারিতেন, যে ভাষার্গান্ত লাগিলেন,

শ্বন য এ নত্ন ত্র বনুত্ত প্র ভালে আনে বলে প্র তিলে বিজ্ঞান বিজ্ঞান কিলে বিজ্ঞান বিজ্ঞ

পুর্বে ছইয়াছিল, তাহা এথক প্রাচীনতত্ত্বতাবলখিবদের ভাবৎকার্য্যাদিপুতি ছইতে লাগিল.

অপর পুথ্যে যে ব্যক্তি রাজসভার জোবিধির হইল, তাহার নাম তীবন্ কালেজ্; ঐ ব্যক্তি লণ্ডন্ নিবাসী এক জন জুতার জিল, এবং বহুকালাববি পাপার মতের বিক্ষাচর্বে এগাত্যাপরপুযুক্ত পুণ্ডিস্তব্যতাবলম্বী জুড়ার বলিয়া এগাত জিল. ঐ ব্যক্তি ত্রবালেতে এবং পিন্তলেতে নুসন্ত হইয়া শহরনিয়োজিতলোকের দের সপ্পে আঞ্লুদর্দ নগরে গিয়াজিল, এবং কোনো সময়ে কেহ স্থনিল, যে ঐ ব্যক্তি রাজার বিষয়ে অম্য্যাদিকা কথা কহিয়াজিল; তাহাতে তৎকালে কলহজনক দেয়জন্যে লণ্ডন্গহর ুবানবিচারসভাকতৃক মহাসভাের দর নিকটে সমর্পিত ইয়া জিল. পরে অর্জন্ত বিবেচনানতর আক্লুদর্শনগরের সভাকর্ত্ক, ঐ ভাবন্ কালেজ্ দোঘীকৃত হইল, এবং নির্মান্তলি উর্জেবর সম্মতিদেওনপূর্বক আর্থা সান্তোয় সকলকে জানাইল. ঐ ব্যক্তি অল্লাট্ড লিথিতদশা অতিদ্ভবির্যাপূর্বক সহিষ্কুতা করিল, এবং যে দোষের নিয়িত্তে দণ্ডিত হইয়াজিল, ববিভূষিতে তদ্যোধ অপহ্য করিল.

এ কালে রাজকীয় পরাক্রম অত্যাসগতকপে বভিত্তে লালিল. এবং লণ্ডন শহর শ্বেরা, চার্ত্রনামক বন্দোরস্তপত্র, মাহা অভ্যন্তানুগত ছখনবাতিরেকে, এবং আক্স বিচারকর্তারদের পদন্দকরন্পরাজ্য পুদুর্পন্তর্বতাতিরেছে, পুরংপুর্ভ হইতে পারিল না, তাহা রহিত হওন, এমত দুর্থের বিষয় জিল, যে তাবৎ ইংগ্রভীয় রাজ্যের পররকার্যার্থনিয়কেরা, এই শক্ত। করিল, যে পাছে আমারদের পুতিও ডক্রা করেন; অতথ্য ভাষারা ওত্তরোত্তর একেছ আপনার্দের চার্ডির রাজার হল্তে অর্পন ঐ লকল চার্ত্রপত্র পুনর্হারদানকরনবিষয়ে লোকের্দিনাস্ট্রে অনেকার্থ লওয়া রোল, এবং পরাক্রমবিশিষ্ট এবং লাভবিশিষ্ট যেছ পদবী জিল, তাহা দান করবে রাজার অবিকার হইল ঐ দভাপুতি যে বিফ্ছাচরন, তাহা দে সময়ে যেমনিবা ম্থার্থ হয় না কেন, তাহা নিরাপদ জিল না; এবং তাবৎসদ্বিবেচকেরা দেখিতে পাইল, যে ভ্ষাভ্ৰকণে ঐ সমন্ত দুংগেতে অধীনতা শ্বীকারকরলমাভিরিক क्षना क्लांनर अभीग किल ना. किन जारा मार् रहक, मे नमाम हे-प्रावदारकाद गरी जना अरुभुकांत लाक जिल, याशांता ने कालभगंग जवाति जाता विवास পূর্র ব অবারন করিয়া রহিয়াজিল, তাহারা 🗗 অরাবিতাচার পদ্ধ হইয়া, তৎ লং স্থাপদে আত্মদৰ্যৰ দিতে পঃ কঞিল.

পরে মন্মোতের অগুনী, যিনি বাল্তস্নামী রাজোপপদ্ধীজাত, তিনি মাক্ল্লেশ্ ফিল্দের পুদেশাবিকারিকে, এবং প্রামূত ব্যাদন্কে, এবং সর গিল্বর্ত গিরাদিকে এবং চেসর প্রগণার নিবাসী অন্যঃ মহালোকপুভূতিকে অপফ করিলেন. পরে শ্রীযুত্ত রলেল্, যিনি রাজ্যের পশ্চিমাণশৈ কলছজন্মানবিষয়ে পুজার্দিগাকৈ অক্স
গ্রুহ্ণ করাওলে অপ্নীকার করিয়াজিলেল, তিনি লর ওলাম্ কোর্তনি এবং লর
ট্রালিন্স টোলেশ্ এবং লর ট্রালিন্স্দেক, ইহারদের সহিত পত্রগতায়াত কার্য্যজ্ঞাপন
করিলেন পরে সায়ুস্বিলিমক এক জন, মার্গিনস্নামক অভ্যুক্ষাবিলম্ববির্মা
পক্ষাবার্তি এবং নিত্যোপায়চেদাকারী জনাএক ব্যক্তির সহিত মিলিত হইয়া,
পর্যারপুতিজ্ঞাতেরা যে শহরের ভ্রুমা রাখিয়া জিল, সে শহরের কার্য্য চালা
ইল. এ কালে এ নিত্যান্তির ব্যক্তির যেহ ওপায় জিল, তাহা সিল্লহওনের অবিক্
সন্থাবলা চিলে.

পরে ঐ মন্মৌতের অগুনী ক্ম্রেশ একশত ওপায়ের নাশপুমুক্ত, এবং তদ্বিষয়ে নৈরাশ হইয়া, এই এক ওপায় যে বির হইবে, পদ্যাৎ তাহাতে নির্ভর করিয়া জিলেন, কিন্ত তাহাতেও পূর্বস্ত্রাশ ছইলেন. পরে প্রায়ুত রসেলের ওপদেশেতে জনপদীয়েরদের পরস্করমূত্রস্থতে ওৎপদ্ম হাইড মেছ নির্ভুৱতা এবং দয়াহীনতা, ভাগাগ্রতে রাজ্য রক্ষা পাইল; যেহেতুক এ রদেল্ এ অভিলমিতবিষয়ে मानारमात जातिए अत अ मानार का का की मानार करा कि का महिला न. দায়ু স্বরি আঅভাবি আপদ দে**থি**য়া, এম**ত শন্ধান্তিত হইলেন, যে তিনি আআ** গৃহ তারি করিয়া নরর্মধাে ইউডতো লুকামিত থাকিয়া, লণ্ডন্নিবাসিরদের মধিত পুকাশকপে কলছজন্মাওনের ওদ্যোগ করিলেন, কিন্তু তদ্বির্য়ে অপারক ছইলেন. অংশেষে ঐ লাম্যুলবঃ আঝাজিল্মিডবিষয়ে সদল লা হওয়াতে, ভলচিত এবৰ অত্যতরাগান্দ্র হইয়া একাকী আমৰজুবান্দ্রবের ছারা ঐ কার্য্য সিভিকরনে পর করিলেন. পরে আত্মকার্য্য দিছ হইবার কোনো সম্ভাবনা না দেথিয়া, অনেক কাল ভয়েতে এব॰ বাগেতে আক্ষিত হইয়া, বাজাহইতে পলায়ন করিয়া, আমু ন্ত্রদাম নগারে গোলেন. সে স্থানে কিঞিৎপরে ঐ ব্যক্তি, আত্মবন্ধান্তবের দের দহারপাত্র, এবং আআশাতুরদের ভয়াবার লা ছইয়া, আআছিরাতুঃ শেষ ক্রিলেন.

পরে ঐ লান্তস্বরির মৃত্যুবিষয়, ঐ কুপরামর্শকারিরদের অভিলাদিনিজির নিবারক ছইল, কিন্ত ওদভিলাদনাশক ছইল না; মেহেতুক কিন্দিৎকাল পরে ভাষারা অয়জনেতে কৃত এক সভা নিকপন করিল, বিশেষত মন্মৌত এবং রসেন্ এবং এসেক্স এবং ছাএবার্দ এবং আল্রান্ন্ নিদ্নি এবং জানু ছান্নদেন্ এবং এ নামে থ্যাত এক মহাব্যক্তির পৌত্র.

ঐ সকল ব্যক্তি এব॰ আর্নিলের অনুনী, ঐ কুপরামর্শের পুরীন জিলেন; ভাষার দের জাড়াও, ভাষারদের অন্যধ্ কডকগুলিন ফুড্রছ কুপরামর্শক জিল, যাহার। মন্মোতের এবঙ্ ভাষার দভ্যেরদের অজাতদার বারম্বার একত ছইয়া কুপরামর্শক

তাহারদের মধ্যে কর্নেল্ রম্নি মিনি সর্বপুজাপুজুক্ত হ্যবহারে হত চিলে. মঙাবলন্দ্রী এক জন পুর্বান লোক ; এবং লিওতেনত কর্নেল্ বাল্কৎ মিনি ঐমতা वलको जिल्लन; अव अप्डेनए नार्य लखन्गंडरव् पखनायक, यिनि शक्ति।जिल দের মধ্যে আবেগপর এবং অভ্যুত্ত জিলেন ; এবং মর্তিনল মিনি **অভন্যতাবলমি**র দের এক তান বীর্মপক্ষণাতা জিলেন; এবা কতকগুলিন অন্তর্গী, এবং লণ্ডন্নিবাসী কডকওলিন মহাজন, এবং কডকগুলিন অন্যান্যব্যবসায়ী তিল; কিছ তাহার্দের यादी (करत कर्मल वयुनि अवश्य शिमन्तरियक का जित्रे, नै कुने द्रीयर्गत भूती मध्रला কের সহিত আলাপ করিয়াজিল. ঐ সকল বাজিরা, তাগারদের সভায় ছতিশয় নিজ্ব এবং প্রাণার্থে ভয়াভয়র্থিওসাবসারকরবে পর কৃথিল. (বেশমত রাজা যে भगाय निष्ठ शार्किक नारम चारत माहेरवन, निर्मे मनाय उँगिक स्तिनकृत्व महा 🗈 कूनवां মর্শিরদের এক জনের কাল ৌদ্বামে থ্যাত এক মর্শ করিয়াজিল, ক্ষেত্ৰভাগে প্ৰাণেৰে তিলে, তৎপুত্ৰ ঐ কুপ্রামর্শ রাইছৌল কুপ্রামল বিলিয়া শ্যাত চিন্ত, ত.পথ অভিপুড় এই, ঐ কুপরামশীর। এই পরামশ করিল, যে মগ্রুদ রাজারাণী চড়িয়া ঐপ্য দিয়া মাইবেন, তথ্ন সেই স্থানে এক শক্ট ওন্টি या (पालनपाता तांजात वादी जन्मारेगा, जप्रनाकालत मादी। धाकिया जीरा কে বন্দকলারা মারিবে. কিন্তু নিও মার্কিৎদামক স্থানে, যে গৃহে রাজা বান ক্রিডেন, কোন দৈবপুযুক্ত দেই গৃহ অনিতে ভন্ম হওয়াতে, রাজার নিয়মিত भगरपूर ज्ञान दियम शृह्म, ये सान जाति कहिए इहेल, जाहारा वांवे इय रा তীহার রহা হইয়াজিল.

পরে ঐ সকল কুপুরামনির্দের মধীে কেলিং লামে এক ব্যক্তি ছিল. ঐ ব্যক্তি লগুনের পুরীন দণ্ডলায়ককে আজমন করিয়া ক্ষেকিরনপুমুজ, যে আপনি বন্ধ হইয়া বিচাতিত হইবে এই শক্ষাতে, ঐ কুপুরামর্শ, মন্তিবর্গের্দের নিকটে পুকালকরন ছারা আআপারবিসমাপুশানে মলন্দ করিল. পরে কর্নেল্র্ম্নি এবং বেন্তলামক এক জন স্মার্ত, মথান জানিতে পাইল, যে ঐ ব্যক্তি তাহার্দের নিকছে বরাম্দ করি য়াজে, তথান তাহারা আঅপুনির্দার্থে পরস্তুরসমাতিপূর্বক রাজার পক হইয়া লাক্ষ্য দিতে আপনাক্রিরক অপনি করিল. ভাহাতে মন্মৌত আপনাকে গুপ্তে রাখিলেন; এবং রমেল্ গড়েতে পুরিত হইল; এবং গ্রেন্মাক ব্যক্তি পলায়ন করিল; এবং হাওবার্দ্নামক ব্যক্তি ব্যন্দির্গতিরিদ্ধে লুকায়ত বিত হইল. কিলু কাল পরে এনেক্ল এবং নিন্দি এবং হার্দেন্ লামে ব্যক্তিরা ব্যক্তি হইয়া লাক্ষ্য দুইক দেথিতে পাইল, যে প্রামুত হাওবার্দ তাহার্দের বিকল্পক হইয়া লাক্ষ্য দিতে জিলেন.

পরে ৰান্ধ্ৰ নায়ে এক হাজি, এবং ছোনু এবং রৌন্ নায়ে দুই ব্যক্তি, মাহারা

এ কুল্রামর্শে অনুদর্ম হইয়াজিল, ভাষারা রম্শির এবং বেস্তের এবং শেপ্পর্থের পুমানেতে বিচারিত হওলার্থে পুথায়ে আনীত হইয়া দণ্ডাজাপুরে হইল. 🗈 ব্যক্তিরা অতিথেম্যুক হইয়া, যে দণ্ডাজাঘারা বর্বপুর্ণে হইয়াজিল, তাহার দ্যাঘ্যত। খীকাবকরত পুনিতার্গ করিল. কিছু কালপরে ঐ সকলাপেছা ৰুছদেক প্রায়ণিডখকপ, জাম্ভ রমেল্ নামক বেদ্দেদের পুদেশাবিকারির পুঞ্রে বর্ষ ওপন্থিত হইল. ই মহাকুলোম্ভব ব্যক্তি বছন্তথান্তিত জিলেন, এবং য়কের অণুনা, যে পাপার মত পুনঃস্থাপন করিবেন, ঐ আশায় নির্ভর করিয়া, এ কুণর মেশেতে পুরেষ্ট হইয়াজিলেন 🔝 ব্যক্তি অভিদানশীল, এবং অভি মাননায়, এবং অভিদয়ালু এবং ভতিদাহলিক জিলেন ; তথাপি তাঁহার ঐ সমস্ত श्व. उष्किलिक निजासत्मकताता व्राज्यमा मगरा, उद्मश्थाकरारोधस्कल মান্য দিলে. ঐ ব্যক্তির হিঞ্জপক্ষে পুরণনসাম্বী প্রায়ুত ছাওৰার্ন চইলেন ; ই ছাও বার্দ অভিদুর্থায়া, এবাং ঐ কুণ্যোমশীরদের মধ্যে এক ব্যক্তি জিলেন ; এবং ঐ লম্যে ঐ ১ত অজুবিষ্ট্যের নিমিতে প্রপুর্বলতনে, এবং ঐ কুংসিতরূপ ব্রহ্মব গুড়ানে লয়ত চিলেন. পাবে ঐ হাওৱার্য নামক লাক্ষী এই বিষয়ে শাপ্য করিল, य नै वालन् वारका कलहकना अनिवास काताव महिक विनियाकिन, दिक রাজহনন্বিরয়ে ।ম ঐ ব্যক্তি অনুষ্ঠী জিল, তলোমহইতে আমি ভাছাকে মুক্ত করি; এবং রম্লেএবং বেশুদামে অন্য দুই ব্যক্তিকেও তজ্ঞপে মুক্ত করিল, পরে ঐ সভোর:, যাহারা রাজকীয়পক্ষে দৃচ্যতাবলম্বী চিলে, তাহারা অল্পবিচারের পরে ঐ বন্দীকে অপরাধী করিয়া শিরশেচদশাক্তা দিল. 🗳 ব্যক্তির বর্বমাঞ্চ লিঙ্কিল ইনের মাঠে ৪৪ করা রিয়াজিল, পরে 🗳 ব্যক্তি অন্ধানবদ্দ ছইয়া শির্ভেদ্দ কান্টের ওপর অমন্তক রাখিল, তাহাতে জন্নাদ দুই আঘাতে ভেদ করিল.

অপর লেন্ডরের পুদেশবিকারির পুল, যিনি আল্নের্নন্ নিদ্রি নামে অভি
থ্যাপত্যাপার, তিনি বিচারিত্যওলার্থে সভাবর্গেরদের নিকটে আনীত ছইলেন.
ই ব্যক্তি পূর্বেতেরতরাজার বিক্রমে পার্লিনেতীয় সৈন্যেরদের পক্ষ ছইয়া জিলেন,
এবং যে সভায় তাঁহার বিচার ছইতেজিল, সেই সভায় পুরানসভা বলিয়া তাঁহার
নাম নিথিত জিল, কিন্তু সভাপদপুঞ্জি হন নাই. ই ব্যক্তি, সর্বন্ধ পররাজ্যপুত্রক
যে জ্মাবল, তাঁহার বিক্রমপক্ষ জিলেন, এবং পুনর্যাবন্ধাপনসময়োপবিভিস্ময়ে
ব্যক্তাপ্রক পরদেশনিবাসী ছইলেন. কিন্তু কিজুকালানতর ই ব্যক্তি আন্ধর্লার্থ্য বিভাগে পুত্রার্গনিবাসী হইলেন. কিন্তু কিজুকালানতর ই ব্যক্তি আন্ধর্লার্থ্য প্রত্যাগ্রমনকালে রাজনিকটে ক্ষমা প্রার্থনা করিবাতে ভাহা পুঞ্জ
ছইলেন. নিন্দ্র যোহা হওক, তাঁহার তাবদাশা এবং ভাবন্ধিবেচনা সর্বপুজা
পুত্রক্ষমত বিষয়া জিল, যেত্তেকুক ই ব্যক্তি আপনার অভিপুজনীয় যে সর্বপুজা
পুত্রক্ষমত কংখা অপিনার্থে, গুত্রত্বা করিয়াজিলেন, এবং যুব করিয়া

किलान, अर॰ श्रदामनियांनी इडेग़िकिलान, अर॰ मुखादायन कसी शाहण অভএৰ ত্তিসহজে বুকা যায়, যে অন্তপ্রাক্তমাভিনামী যে ডাৎ कालिक शंजमछा, उोशांद्रामव शुंडि ने शुकांद्रमडावलसी वाकि, खडि घुवार्श ছিলেন; এবং ঐ সভোৱা এগায়তও ক্রিল, যে ভাঁছার ববাজা সংস্থাপনা র্য অন্যায্যোপায় চেম্বা করিতে লাগিল. পরে, যে এক ব্যক্তি, ঐ দিদ্দির বিকল্পে माधी पिल, (म ने जीगुर राउरार्भ; किन रावनानुमात पर माखित जावनाक किल, অভএব ভাহারা বিভীয় লাক্ষিদণপুধার্যে, অদ্যাএক অদপ্ত ওপায় চেম্বা করিল. তাহা এই, এ সিদ্ধির ফুঠরী অবেষণ করাতে, তাহার হস্তলিথিত হাজবিষয়ক বৃচিত কতক কার্যজ্পত্র পাইল. এ বৃচিতের মধ্যে দিক্পিতপ্রাজ্যসীমাবিপত্য নাশক কোনো চিছ তিল না, বরক বেছাচারাবিপত্যসূচক রীতি তাহাতে চিল ; ইকণ অর্থবিশিষ্ট যে ঐ কারজপত্র, তাহার অর্থ রাজ্যুণ্য দোষেতে বর্দ্ধিত क्रिल. शत् ने मकल काराजभन, या माकाविधाय भुगाव बनभ इहेरउ भारित ना ; এবং ঐ কারজ যে ভল্লিথিত তৎপুষাৰ দিতে পারিবে না; এবং ঐ সকল কারজ পত্র তল্লিখিত ইহা শুযার হইলেও, তরাব্যে আদান্তের কোনো কথা নাই, ঐ ব্যক্তির যে ঐ সকল কথা তাহা নির্থক হইল; যেহেতুক ঐ ব্যক্তি অবিষয়ে যাহাছ কহিয়া ছিল, ডাহা সকল পরসাফিদারা আহাদিও হইল. কারৰ এই, অতিনিঞ্জ ব্যবহারক এবং কডিডিকোরীয়িত ডেম্ট্রিস্ লামে ব্যক্তি, যিনি ঐ সময়ে পরীন विठांत्रकर्डा किलान, जिनि जांशांक (पांधीकत्त्व), अक्नाक्ष्मीजी (य जाजा, जांशांत्र দিগকে অত্যনায়ানে সমতে করাইলেন; তাহাতে অল্পসময়ের পরে ঐ বাজির বর্ষ হইল. ঐ রাজত্বের তাবৎকার্য্য, অভিশক্ষা এব॰ ভয়ব্যভিরেকে এখন কেছ মনে করিতে পারে না; যেছেতুক এককালীন লম্নটবভাব এব॰ রজপাতকরনেতে নিমন্ন জিল যে ঐ সভ্য, একে পরমূর অভিরণজনকম্বেমেন্ডে নিম্ম যে ঐ পুজারা, এই মত ওভয়পদ্মীয়প্তারদের মধ্যে কলহত্তনক্ষভাব দাইত ব্যাপক দেখিয়া, क्लाता शक्कीरग्रहाम्य याती शुरुवकान शांग्या (ताल ना, त्य त्म ने एएएवर अवन বলহজনকসনেছের স্রোত্দিবারন করে.

কিছুকাল পরে ঐহান্তদেশ্ বিচারিত হইলেন, এবং তাঁহার আয়ুংশেঘকারক কোনহ দোঘ না পাওয়া যাওয়াতে, তাঁহার ৩২০০০ তিন লক্ষ কুড়িহাজার টাকা দণ্ড হইল. পরে হলোবে নামে বিশুল নগরের এক মহাজন, যিনি বেজইণ্ডায়দেশেতে পালাইয়া গিয়াজিলেন, তিনি পুনরানীত হইয়া দোঘা হইয়া হত হইলেন. অপর লর তামল আর্মক্র যিনি হলগুদেশে পলাইয়া গিয়াজিলেন, তিনি পুনবার আনীত হইয়া তদলাপুাপ্ত হইলেন. এবং প্রায়ুত এনেক্স যিনি গড়েতে বন্দী হইয়া জিলেন, ভাঁহাকে এক কুঠার মধ্যে মৃতজিলকও পাওয়া গেল, কিছ ঐ ব্যক্তি আপনার গলায় জুরি দিয়াজিল, কিছা কোনো ব্যক্তি

তাৎকালিকবংমে দুচাবলম্ম হইয়া এ কর্ম করিয়াছে, তাহা এখন আমরা কহিতে পাত্রি না.

পরে ঐ থাজাতা, যেই কুওপায় কিন্তা যেই কুপরামর্শ ব্যাশিয়াছিল, তজ্ঞন্যা প্রাদেতে যেই রক্তপাত ইইয়াছিল, তাহার পেন্ত ঐ ব্যক্তির রক্তপাত.

এ কালে চাল্ফ রাজার যে আবিপত্য, তাহা ইওরোপ দেশিয় সমুটেরদের মধ্যে যেই আবিপত্য তদ পকা ন্যুন জিল না, কিন্তু মনুষ্যারনেরদের পুমরভার্য্য পুযুক্ত, তাহার যে নির্দ্যুব্যবহার তাহা বছকালছায়ী জিল না. এ চাল্ফ রাজা, অকন্মাৎ রক্তব্যনকপ রোগ্যেত রোগগুরু হইলেন; তাহাতে রক্তযোক্ষককরে কিন্তিং সুদ্ধ হইলেন, কিন্তু রোগের শেষ না হওয়াতে, ওতরোত্তর তার্ন হইয়া, অত্যস্ত্রমিনের মধ্যে উন্ধাইট বংশরবয়ন্ত হইয়া, তাহার মধ্যে হং প্লভিশ বংশর রাজত্ব করিয়া পুনিব্যাগ করিলেন. তাহার পীড়ার সময়ে ইং প্লভীয় বির্মাপত্ত গাতীয় কতকগুলিল লোক তাহার দেবা করিয়াজিল, কিন্তু তাহার্দিগকে চাহিয়াও দেখিলেন না. পরে কতকগুলিন ক্ষীয় বির্মাবলম্বা আচার্য্য, তাহার দায্যার নিকটে আনীত হওয়াতে, তাহারদের হন্তহইতে ইশ্বনভোজনের রোটী গুরুব করিলেন.

०५ अक्बि॰ मोरीगंद्र.

দিতীয় জেয়ের বিবরণ.

অপর য়র্কের অণুনী, যিনি দিওীয় জেমুনামক পদবীতে খ্যাত ছইয়া, আঅ ছুগতার সিংহাননোপবিশ্ব হইয়াজিলেন, ঙিনি অমাতৃকর্তৃক পাপামতানুসারে পুডিপালিত হইয়া তন্মতে দুঢ়াবলম্বী জিলেন.

তিনি রাজপরিদ্রদে বিভ্ষিত হইয়া পুকাশকণে যাস্ নামক পূজাপুভৃতি করিতে বাইডেন; এবং পাপার নিকটে অধীনতা থীকারকরনার্যে, এবং ক্যায়ইমেডিড ইংগ্লেড রাজ্য পুনর্গৃহীত করাওবজন্যে প্রপারিষ্কার করনার্যে, কারেল্লামক এক ব্যক্তিকে ধকীনপদে নিযুক্ত করিয়া কয় দেশে পুরুব করিলেন,

অপর ঐ জেমু রাজার রাজবে শুথমত যে কুপুরামর্শ ওপব্রিত হইয়াছিল, তাহা মন্মৌতের অগুণাকর্ত্ক আরত্ত হইয়াছিল. ঐ মন্মৌতের অগুণী, পূর্বে ক্যিত কুপুরামর্শবিষয়ে স্বমাপুণ্ড হইয়াছিলেন, কিছ ইণ্ডাও রাজ্যতাগা করিয়া হলও রাজ্যে যাওনে আজ্ঞা পাইয়াছিলেন, পুরে ঐ মন্মৌত জেমু রাজার দিণ্ছাদনো পরিশ্বহওদকালে, অরেশ্বের মুবরাজকর্তৃক দেই রাজ্যহাত মাওবের দা লাপুণ্ড হইয়া, বুদ্দদ্রনামক নগরে প্রেলেন; দেই স্থানে পইছিয়া আপনাকে তাহিত দৈখিয়া, পুডিমলদেওনে মনন্দ করিয়া, রাজ্যাক্ষমকরনে ওদ্যোগ করিতে লাগিলেন. ঐ মন্মৌত পুথমাবরি পুজারদের অভিন্যুত্তমও জিলেন; এবং কোনোহ লোককর্তৃক ক্যিও জিল, যে চাল্ফ রাজা ঐ ব্যাক্তর মাতাকে বিবাহ করিয়া জিলেন, এবং মৃত্যান্যয়ে, তিনি যে ওপনত্ত্বীজাত নদেন, উহাতে থীক্ত হইয়া জিলেন, পরে আগোলের অণুনী কং শুনুরাজাত নদেন, উহাতে থীক্ত হইয়া জিলেন, পরে আগোলের অণুনী কং শুনুরাজ্যে কলহজ্জনাওনের ওপায় করিতে লাগিলেন তাহাতে যে লময়ে ঐ মন্মৌত রাজ্যের পশ্চিমাণ ব্যাল্যাক্ষরন ক্যনোদ্যোগ করিতে জিলেন, দেই লখয়ে ওত্তরাংশে ঐ আগোলেরও ওদ্যোগ করিতে ছাইন.

পরে যাহার। ক্ষংলভরাজ্যে প্রতীর্বাহারল, তাহারদের মাপে ঐ আপে লর অপুরী পুরমারাজি জিলেন ভিনি সেই আনে প্রতীর্বাহারদার মাপে ঐ আপে লর অপুরী পুরমারাজি জিলেন ভিনি সেই আনে প্রতীর্বাহারদার বিধান করিবাহারদার দুবার করিবাহারদার দুবার করিবাহারদার দুবার করিবাহারদার দ্বাহারদার করিবাহারদার করিবাহারদার নার্বাহারদার করিবাহারদার দ্বাহারদার করিবাহারদার দ্বাহারদার করিবাহারদার দ্বাহারদার করিবাহারদার দ্বাহারদার করিবাহারদার দ্বাহারদার করিবাহারদার দ্বাহারদার দ্বাহার দ্বাহারদার দ্বা

পরে রাজ্যের হত্তাশপে ঐ ককল হইছে িলে, গ্রেগ্রেসি ঐ নান্ট্র শাত মূল আআলানুগতলোক লগে করিছা, দর্শেশ পর্যানায় ওতীর্ব হইলেন, কিছু কৈনা ন্যান হইলেও ওাগার নাম এমত মন্মান চিলে, এবং জেনুরাজা, এমত মৃন্ধি চিলেন, এবং ভিনি মে বিদ্যালয়ন করিয়াজিলেন, ভাষা পূজা হের পুতি এমত মৃন্ধি চিলেন, যে চারিদিবদের মধ্যে ঐ মন্মীত দুই হাজার সৈন্যাবিক লগ্নুহ্ ব্রিলেন.

পরে তাঁতন নগরে পর্ছ জিলে, এ মন্টোতের সৈন্যসংখ্যা জয়ছাজারপর্যাত বর্তিতা হইল; এবং দিলেই চতুর্দিগাছইতে লোক সকল আনিয়া, তাঁহার পাতাকা বীন হইতে লাগিল, কিছ অন্ধ্যক্তর অভাবপুযুক্ত তাহারদের অনেককে বিদায় করিতে হইল. পরে বুজ্বাতর এবং কেল্ল এবং দ্রোষ্ নগরে পুরিষ্ঠ হইয়া, রাজ বংগ্রতি হইলেন, কিছ নগরনিবানির্দিগাছইতে জায়াবং ম ঐ মিধ্যাসন্ত্রম এবং ম্র্টাদ্য এবং প্রামান, তাহা গুছনকরনে, মুক্তিমায় বিহীন হইতে লাগিলেন.

ি শরে ঐ চল্ডিবিষয়েতে রাজা অভিশয়শকীযুক্ত ছইলেন, এবং যে বিষয় পুথ মত অসদলতুল্য বোৰ ছইয়াছিল, ভাগ সদল ছওয়াতে, ভাঁছার অধিক শহ। র্ষার্ছিত। ছইতে লাগিলে পরে ঐ সকল কলছকারীসৈন্যেরদের আগমননিবার नार्थ, हे भ्रातीय रैमरमावरमव क्या भारत, इसक वाजाइहेट आहूठ इहेन, এव-অন্য একদল সৈন্য, পুরিত হইয়া, বৃজ্যাতর লগার নিকটক লেমুযোর লামক এক ক্ষুদ্য গ্ৰামেতে জাওনী ক[িয়া রছিল, এবং সেই স্থানে দেশস্থ আনেক देमनाविश्यासन महित म॰ নিলিও হাইল. এ স্থানে এ মনৌত মরলাবরনভয়র্হিড ছইয়া যুক্তর্নদারা প্রানহারাওদে কিন্তা রাজ্যপুরণান পব করিলেন. পরে যুক্ত विषय में (एवर्मायह आंत्रमाहत्व विश्वा, जिति नुधमंत्र मुचाहसुरुत्त ननम् করিলেন; ভাগতে সুব্যবন্থিত বধতর্মৈন্যের বিক্রমে মুম্বকরনে, লাগুস এবং দ্চ্চিডডাছইডে কিবপ শক্তি ধনপদা হয়, তারা ঐ মন্মৌতের বিশ্বস্তানদুলত লোকেরা দর্শাইতে লারিল ; বিশেষত ভাষারা রাজার পদাতিকসৈন্যের্দিরকে ৰ क्षानहत्रेष्ठ इहेरिया अभी इहेरउक्रिल, हेरडांगर्था माल्गोर्ड, क्रूजाठव्रव्युग्रज, এবং প্রায়ত গ্রে মিনি অস্থাকচ সেনাপতি জিলেন, তাহার ভাতৰভাবপুযুক্ত, নই लानं उन्धि रहेत. ने महाकूलाञ्चर मत्योठ, मूल्य नुविश्वं हउत्तर नुधायानक स्माउ नलाग्न क्रिलन; अव अ अग्रे. मिलाबा, क्लक्कांब्री मलाब्रापत श्री। मार्ग्स क्रांड कृतिया, जिनवता मूचकृत्वत नत्, जाशाहितात्क नहांकृत्व कहा ভাষাতে ঐ মুদ্ধেতে ভিন শত সৈন্য, এবং পরাত্মুথ ছইয়া পলায়নকর নেতে এক ছাজার দৈন্য মারা পঢ়িল ; এচজন যে যুদ্ধ অভ্যাবেষ্টেনাপূর্বক আরম্ভ ছইয়াজিল, এব ভদপেকা অবিক অলসৰভাবপূৰ্বক কৃত ছইয়াজিল, ভাগ সমাপ্ত হইল.

ই মনৌতের র্থকলংইতে দলকোণাবিক শুয়াহতুক অথ ভূমিপতিওপর্যান্ত আনে পলায়ন করিলা গেলেন, সেই আনে আনহাইতে নামিয়া এক রাধানের বক্স লাইয়া এবং তাহাকৈ আপন বক্স দিয়া, আর্মনাদেশীয় এক কৌন্ত যিনি তাহার লাইয়া এবং তাহাকৈ আপন বক্স দিয়া, আর্মনাদেশীয় এক কৌন্ত যিনি তাহার লাইত হলওদেশহইতে আলিয়ানিলেন, তাহাকে লাইয়া পদ্বুতে পলায়ন করিলেন, পরে ক্ষরাতে এবং শুয়েতে ব্যাক্সল হইয়া, ইওল ব্যক্তি, এক মান্তের মধ্যে শারন করিয়া ত্লাদিতে আপনার্মিগাকে চাকিয়া রাখিলেন পরে অভ্যান্ত কারকেরা, ই মন্মোতের বক্সে পরিছিত রাখানাকে পাইয়া, অবিক মনোভিনিবেশ করিয়া চেখা পাইতে লাগিলে ভাহাতে অলক্সক্রের লাইয়া অভ্যান করত, শ্রানরকার্যে করকারে কাঁচামটর জিন্মি। জেবে রাখিয়াজিলেন, এমত দুর্দশাপ্য ইলা বিকটে আলেক সা

দুন্মুপত্র নিথিলেন, এবং ঐ সমুধি ঐ পতিতলমূর দুর্দাণতে আজনেজণরিতোষা কাণ্ড্রী হইয়া, সাঞ্চাৎকারে তাঁহাকে আদিতে আজা দিনেদ. পরে ঐ অগুনী, ঐ সম্বটের নিকটোপন্তিও হওয়াতে, জাঁটু গাড়িয়া অভিবিদ্যপূর্বক ৰণুবিদ্যাথি মাচ্কা কঞিলেন, এবং আমি ওপণত্মী এর্ড সকান এই লিখিড বিষয়ে, ঐ সমুট্ এক পত্ৰ ভাষাকে ৰাজৰ কৰিতে দিলেন; ভাষা ৰাজৰ কৰিবামাতে 🕈 সমু্টি অতিভয়ানক্ষদনে ওঁাগাকে কছিলেন, যে ভোমার অপরাধ এইমত বৃছৎ যে ভূমি গ্রমা পাইতে পারিবা না. পরে ঐ অগুনী, মথন দেখিলেন যে তাঁহার শিত্যোর দয়ার আবার হইবার ফোনহ আশা দাই, তথাৰ আঅচিউ লংঘৰল করিয়া ওঠিয়া ডম্বুডি অভ্যশুদ্ধাপূর্ত্ত বহির্গত ইইলেন. পরে **যথন** ডিদি ২বিছাদে চেলেদ, ওথন দলর্বিয়াসীরা অভিদয়ার্দু ছইয়া তাঁছার পদ্ধাৎ রোল; এব॰ বরীস্থানে যাওন সময়ে, ঐ মন্মৌত জল্লাদকে কছিলেন, যে বুলেন্ দীয়ে শক্তির শিরংশদেনকালে, তুমি যে দোষেতে পড়িয়াছিলা, সে দেংঘে পড়িও লা, কেলনা ঐ ব্যক্তির লিরশের্ডাদন একাখাতে কর লাই. ঐ মন্মৌত ঐ জন্নাদকে नै कथा करान, त्कवल आंग्रायडनावर्त्तनकारी रहेरलन, त्यारड्क नै जलाम তত্বলো ভায়েতে ক্রাতিকলেবর হইয়া লিম্বাঘাত মারবেতে, ঐ অগ্নুনী, জন্নাদের পুতি আক্রোনকর্বন্যায় শির্শেহদনকাঞ্চইতে বলির ওঠাইলেন. মন্মৌড দ্বিতীয়বার কান্তের ৬পর সহজ্ঞকপে আন্ময়ন্তক রাখিলে, জল্লাদ বার্মার আঘাত করিল, কিছ ভাহাতেও কিচ্টু হইল দা. সকলের শেষে ঐ জন্নাদ জ্ঞারক হইয়া, কুঠার ক্ষেণ্ড করিল, তাহাতে দণ্ডনায়ক প্ররায় ভারাকে আছাত করাইলেন, তাহাতে অন্য আঘাত্ত্যুদ্ধারা শরীরহইতে শিরোভেদ একদে ইণ্প্লভীয় পুজারদের অভিপুর্ভম ভেমু দামে মন্মৌতের অণুনী, শেষপুণ্ড হইলেন. ডিনি অভিনাগনিক এবং অভিবিশ্বন্ত এবং অভি नांत, किन अभामनानुग्र फिलन, उज्जाता आवामांगर्धाविकाविष्यार पुत्व ছওনেতে পরকর্তৃক পরামৃষ্ট জিলেন.

কিছ সে সকল মাহা হওক, ঐ কলহকারিরদের মন্ত্রলির, এবং রাজার অভি সৌভাগা জিল, যদি ঐ কালীনরজপাত রাজ্যের পূর্ণিরাবের পুায়ালভাবশেশ বোর হইত, কিছ তাহা লা হইয়া, ঐ মুভের পর যেছ বল্দী বৃত হইয়াজিল, ভাহারদের পুতি ঐ জ্যাসৈলোরা, অতিনিগুরাচরণ করিতে লাগিল, যেহেতুক ঐ মুদ্ধ সমাপ্তরহ্বামাত্রে, ছেবর্সাম্ লামে সেলাপতি, ঐ বন্দিরদের করে বিংশাভ জ্ঞাবিক বন্দীর্দিগকে আঁলি দিলেন.

এবং জেছ্ছেপুনামক বিচারকর্তা, যিনি অপরাধিব্যক্তিয়দর বিচারকর
লাথে পুরিত হইয় জিলেন, তৎকর্ত্ব লকল ন্যায়্যবহাইতে, ঐ লৈন্যেয়দর

কর্তারদের মধ্যে পুরীলছ ব্যক্তিরদের দির্দ্ধ ব্যবহার, অভিনুদ জিল. ঐ জেন্দুকুল লামক বিচারকর্তার দিপ্তুরভাব, দিত্যমন্তহওয়াতে, অভ্যন্ত বর্ত্তিত হইল; তিনি বন্ধিদিবাকে কহিলেন, যে মদি ভোমরা বিচারকরন শুমহাইতে আমাকে মুক্ত কর, তবে ভোমরা দ্যাবার ছইতে পারিবা, ভাহা নহিলে, ব্যবহানুসারে দণ্ডদেওলে আমি ভোমারদিবার পুভি অভিনিপ্তুর ছইব. একজপ ঐ ক্যায় অবহান করিয়া, আনেক অভারাবান্ ব্যক্তিরা, আআসারাবি শীক্ত ছইয়া, কেবল আঅসর্থনাশের আরকারক হইল. মেহেতুক ভাহারা দর্চের্ত্তনামক হালে, আশী জলের ন্যুদ্দহে, হত হইল; এবং এক্সেড্র এবং ভারন্ এবং বেল্লুনামক হালেতে, ক্যবেশ দুইশত পথ্যাশ জন ব্যবহান্সারে মৃত্যুক্পদণ্ডপুর্ণ্ণ হইল.

অপর বর্মপাক্ষবিষয়ে ঐ ত্যেমুরাজা, ওদবিক নিচুরাচরত করিতে লারিলেন, পরে য হারা পাপার মতবিদ্রুলক্ষে কাপানার্দিরিকে থ্যাত্যাপর করিয়াজিল, ভাহান্দের মধ্যে সার্প ওকালন্ধার ওপাবিবিশিশ্ব এক জন, লওন্ নরারের বর্ম পদপাতী জিলেন. ঐ ব্যক্তি, পাশাপুরিতলোকেরা আগ্মত্বিময়ে যেছ পুশার দিয়াজিল, ভাহাতে অববীন করিয়া, অমতত্যানিরদের বিক্রে অভিনিষ্কুতা পূর্বক বাক্য পুটার করিলেন. তাহাতে বুঝা নিয়া জিল, যে রাজাকে লক্ষ্য করিয়া ঐ পুতার করিয়াজিলেন, অভএব রাজনতায় ঐ ব্যক্তির পুতি অত্যাপুতা জনিল ঐ কারত লগুনের বর্মাবিসক্ষের পুতি এই দুঢ়াজা দে গ্যারেল, যে যাবৎ রাজাভিমত জনাত না হত, তাবৎ ঐ সার্প্তি এই দুঢ়াজা দে গ্যারিকের পরে ঐ বর্মাবিসক্ষ রাজাভিমত জনাতা না হত, তাবৎ ঐ সার্প্তি এই দুঢ়াজা করিয়া রাজিবেলন পরে ঐ বর্মাবিসক্ষ রাজাজানুমারে চননে অবজ্ঞা করিলেন, ত হাতে রাজা কয় ই রাজা জ্যালগ্রাকানিমিতে ঐ বর্মাবিসক্ষের বিচারকর্বে প্র করিলেন

ঐ কার্য্য সিভ্যার্থ বির্মণক্ষণাতীয় এক ব্যবস্থা নিকণণ করাইলেন, মদ্দারা তিনি দার্ভ জন রাজনিয়োজিতলোকেতে তাবৎই প্লেপ্তীয় পক্ষণাতিরদের ওপর, অহাবিত কপে শাসনকরনশক্তি অর্শিত করিলেন. ঐ নিক্সিড সভাসদের লাক্ষাৎ ঐ বর্মা ব্যাক্ষ তাত্ত্ব ছইলেন, এবং ঐ ব্যক্তি কেবল নয়, সার্পনামক বর্মা প্লুচারক ব্যক্তিও আতৃতানতর আঅকার্যাচ্যুত ছইলেন.

ৈ ভত্নরে যাহা কৃত হইল, তাহা এই, ঐ জেলুরাজা পুডেচক মতাবলমি দের ঘেষদং বাঞা তেমনি চিকা করিতে এবং চলিতে অনুমতি দিলেন, যেহেতুক তাহাতে তিনি ভাবিলেন, যে কনীয় মত, জয়ী হইয়া অনংআপক হইবে অতএব লকলের জেলা পূর্বক চলনের আজা চুচার করিয়া আনাইলেন, যে রাজবাব বাণিত্যতের অন্য মতাবলম্বীত এন দেখি নহে.

পরে ঐ কার্য্য সন্ত্রির্ধে ঐ তেমুরাজা, পাপার নিকটে আআবিদিতা আপ্রার্থে এবং ক্যীয় মতাবলম্ববিষয়ে আম্বাজ্যকের্যের সম্ভিক্তমাওনার্থে, পুকাল কপে কান্তেল্যেনের পুদেশাধিকারিকে ওকীল্ডিশের করিয়া কর্মেশে পুরব করিলেন. ঐ মত অভ্যপূর্বপ্রতি ওকিল্যবিষয়, যেমত অপমানকান ছইয়া জিল, তেমন কথানো কোনো ওকিল্যমাত্রা অপমানিতা ছয় নাই; এবং ঐকপ অক্সবং চেন্ডাইইতে, কথীয় রাজসভা কোনো ফল অপেক্ষা করিল না; যে হেতুক ক্মীয় সভা নিশ্চয় জাত জিল, যে যেহ ব্যবস্থার এবং যেহ বির্মের ওউ ভাবে এবং নিরাশংশূর্বক যুলহান কর্বাবশ্যক আজে, ভাহা ঐ রাজা, নাশ করবে প্রকাশকণে চেন্ডা পাইভেজিলেন.

কিন্তিংকাল পরে রাজ্যের অনেকছ কালে চতু মুগ্টী ও মইনুভ্তি পুক্ল কর লামি, ই জেমু রাজ্য, জেনুইংমতাবলম্বিদ্যাকে অনুমতি দিলোল; তাহাতে তাহা রা অভিপুকাশকলে ভাবদুগজো কমীয়মতানুদারে মাৰহার করিতে লাগিল. এবং কমীয় মতাবলম্বী চারি জন বর্মাবীক্ষে রাজার বর্মাশালায় পবিমাক্ত হইয়া মুঝির পুরিতেরদের পুরিত গ্রামন্বর্মোপদেশক্ষকণ, আঅমত সংকাশ লামে তাবদাজো পুরিত হইল.

পরে দুর্নিদ্নামক এক জন বেনিদিজিন্ মতত সর্যাদী, কেম্ব্রেজ্নামক
লগরের লগেনীলায় তর্কাল্ডার ওপাবি গ্রহণার্থ, রাজানুমতিলুগুর ইইলেন, কিছ
ঐ পার্চণালার পত্যারা, ঐ ম্যজির মতে ত অত্যানুদ্ধানুমুক্ত, রাজা মে ঐ অনুম

ওি অন্যান্ধা করেন, এই পুর্যানাপত্র রাজভিকটে পুরুব করিল. ঐ পার্চণালা
ভ্রেদের ঐ পুর্যানাপত্রে রাজা সমতে ইইলেন দা, এবং তাহাদের পুঙিনিবি
মাজিরদের বাক্তেও অব্বান করিলেন দা; এবং পুরীনরাজমন্ত্রী মহানিয়ে
লাখ্য ব্যব্দানিকটে আহুত ইইয়া পদ্বুত ইইলেন. ঐ মত নিছুবকার্যকর্ম
কৃত হইলেও, তথাপি ঐ পার্চণালাক্রের সম্যত ইইল না, তাহাতে ঐ টুর্নিস্থ
লামক ব্যক্তি অনুণা ইইলেন.

অপর মানুলেন্নামক পাঠশালা, মাচা ইংগ্লণ্ড গাজ্য সকল পাঠশালাহইতে বীনবর্তা চিলে, তাহা পুরান ভট্টাচার্য্য হিত হওয়াতে, মার্মরনামক এক বাজি মিনি ত প্রদিবল পাপামতাবলম্বা হইয়াছিনেন এবং অন্যাহ বিষয়ে কুরাবহাত্ত ক্রিপেন তাহাতে তাহার পদ্ধ হইয়া, রাজা, ঐ কার্য্য ঐ ব্যক্তিকে দেওনার্যে আজা দিলেন. তাহাতে ঐ পাঠশালার সমজাজেরা, ঐ আজা অন্যাধানরনার্যে রাজার নিকটে অভ্যতবিদয় পূর্বক পত্র লিখিলে, যে আম্বা ঐ ব্যক্তিকে আঅ্যাব্য গ্রহণ করিতে চাহি না, ভাহাতে জেমুরাজা, ঐ পাঠশালান্তের্দিরকে, আ্ম্যাত এবং আ্যাব্যবহার্যাবিষয় ক্লোকরনে অভিদ্টতিত দেখিয়া, দুই পুর্ণাবাব্যভিৱিক্ত সকলই রদ করিলেন.

অপর, পুজারা যে অব্যতে ব্যোপুর্ক চলিতে পারে, এইকণ পুর্বৎ অদ্যএক

क्रांजांजा भुकालिया रहेन, किन भूक्षांजांशका ने खांजांत्र बादे। এই विलिक्ष किल, या मत्कल वैस्रिक्शोडीता, व्यवस्थालाग्न वेष्यत्वाका भुषांत्र कत्वाहत, व ७।जा भार कतिरव. मे विषय जांत्रवर्मभक्तभाजीका जनसर्वभूगुक, मे लुकाई অমতবার্তাজির আজালগ্ধনে সকলে পর করিয়া, বীর্মপক্ষণাতিরদের ওপর যে রাজপরাক্রম বর্ভিড হইতে জিল তাহাতে, এবং তহিময়ে পুস্তারদের যে অশুস্থা ডাহাতে, দির্ভর করিয়া আত্ময়তের মধলামধলবিষয় পুজারদের হত্তে অর্পনকরবে নিশ্বয় করিল. পরে ঐ আপৎ সূচকবিলয়ে যেছ লোক পুখ্যতঃ পুরুত হইয়া জিল, তাহারা লয় এদ্বামক আদাকের বিশাবীক্ষ, এক কেব্বামক বাৎ এবৎ বেল্ম লগারের বির্মাধ্যক, এবং তদেরদায়ক ইলি বির্মাধ্যক, এবং লেক্নায়ক চিতেন্তরের বীর্মারীক, এবং ত্রাইৎদামক পিতরবর্ষের বীর্মারীক এবং ত্রিলাওনি नायक ब्रुएलव देखीराक, देशहा मकाल मान्कुपुनायक श्रीनरेखादा कह লহিত পরায়শ করিয়া, রাজার নিকটে পুর্যানাপত্র লিখিলেন. ঐ পত্রের অভি भूषि ८३, य महीविष्टाय जीशोहा वर्षाजीह अन्तर्शनुतन, किन वर्षाविष्टाय আন্মাতঃকরন পরিস্কারকাপে রক্ষাকরনার শাকপুদুক্ত, এবং পুাডিয়বেষভেতে অভি শুভা করবাবশাকপুমুক, রাজাজ। পাঠশালায় আজানুসারে পাঠ করিতে माहितक ना.

পরে ঐ রাজান্তা অবছেলাকরনেতে, তেব্রুরাজা, অত্যন্তকোরীন্থিত হইয়া,
লংভার নিকটে ঐ রম্মারিয়েক্সমিনিকে আদয়নে আজা মিলেন; পরে ঐ নিবেদ্দ
প্র ডোমার্দের কিনা ইহাতে খাকৃত হইবা কি না, ইহা দেই খানে জিজাদা।
করিলেন. ঐ বিময়ে ওতর্দেওনে তাঁহারা পুথমত অখীকৃত হইলেন, কিছ শোষে পুরানমন্তিক্ত্র মুখ হওগাতে খাকৃত হইলেন. পরে ঐ রম্মারিক্সেরা পুভিভূদেওনবিষয়ে সম্মত না হওয়াতে, তৎছ্বাৎ ভাহার্দিনকে গাতে অর্প্বকর্বার্দে আজা দেওয়া নেল এবং কলহজনক অপ্যানপত্র রচনাদোষের নিমতে, ঐ রম্মাবিয়ক্ষের অপ্রাদেশ্য পুরুতক্রবার্দে রাজ্মার্ডের্দের পুতি আজা দেওয়া নেল.

অন্ত ক্রন্ মানের ২৯ উন্ত্রিণ শদিবস, ভাষারদের বিচারার্যে নিবাপিত হইবা,
এবং ভাষারদের কারাব্ছওলায়ে রামনাপেক্ষা, ভাষারদের পুত্যারমন অত্যক্তমন
ভাষার্বি হইল. ঐ বিচারদিয়ভিবিষয়, রাজ্যের মধিল কিছা অমধিলকাপক
ছইবে, এবং রাজ্যের ভাবিনা মুঞ্জি কিছা ভাবিদাসব্দাপক ছইবে, এজনসভ্তম
নিশচ্য করিয়া, ভাবদুলিডাকের নিরীক্ষর করিয়া রহিয়াজিন. ঐ বিষয় ওজন্ত
পক্ষীয় ক্যার্ডেরা, অভিদুজার এবং লাধিবেচনাপুর্ত্বক বাদানুবাদ করিতে লাগিল.
পরে হল্লোবে এবং পাওবেল্নামক দুই বিচারকর্তা, ঐ ব্যাব্যক্ষেরদের পদ্ধ, আ,

শনার্থিনিকে জানাইল; এবং লভ্যেরা এক কুঠরীকে নিজ্তে যাইয়া লেই আনে
লমক রাজি বিবেচনা করিয়া, শুভাতে লভায় পুডাগেনন করিয়া কহিলেন, যে ঐ
বিবাহিয়েকেরা নির্দেশ্নি চাহাতে তৎক্ষনাথ বেল্ডমিন্ডরহাল্নালিকা লভা লর্থ জন্মতিইনিতে পরিপূর্না হইয়া, তথ্যমন্ত্রাবংশহরে ব্যাপিন, এবং হংওল্লি
লাফক সৈন্যের জাঙনীকান, যে আনে প্রযুত্ত তেবর্সায়ের দুল্লেতে, রাজা ঐ
ভন্ময় ভোজনে বিদ্যাজিনেন, মেই আনপর্যাত ঐ ইনি গোল, ভাহাতে রাজা
ঐ আক্রাদইনির কার্ন জিজানা করাতে, এবং ভাহা কিছু নয়, কেবল বির্দা ইয়েকেরদের মুক্তিবিষয়ে যে নৈন্যেরদের ইনি: একপ ওডার পাওয়াতে, তিনি
কহিলেন, যে ভাহা কি কিছু লয় ভোমারা কহিতেছ, বর্ণ ভাহাতে ভাহারদের
ভাবিক মন্দ্র.

অপর রাজ্যের মটো ঐ লকল পুকরণ ছইডেজিল, ইভিমটো রাজ্যন্থ তাবং-পুজারা, ওডরাবিকারিশ্ববিষয়ে ওলামনামক অরেঞ্জের মুবরাজের পুঁতি দৃষ্টি করিতে লাগিল. ঐ মুবরাজ মেরীনায়ী জেল্লু রাজ্যর ভ্যোচা কন্যাকে বিধাহ করিয়া জিলেন-

ঙলাধ্বামক ঐ যুবরাজ কার্যাকমেনতে পুরুতহওরাবরি আপদগুর এবং দুর্ব শারিত এবং রাজবিময়েতে নিমন জিলেন; এবং দুন্দিন্ রাজনভারদের আছাতিলামবর্ষনচেথা, এবং হল্ও গাজনভারদের সম্মেহবর্ষনবিম্ন, ওঁছোর বুছিকে অভিতীক্ষকরণপূর্বক, কেবল ওাঁছার কপট ছয়াব বর্ষক হট্ল,

পরে রাজনীতিবিষয়ে পটু যে ঐ যুবরাজ, তিনি তৎকালে ল্পান্ত কিলেন, যে ঐ জেয়ু রাজা আপনার স্থৎনিতাচরনছারা অপুজারদের ছেফা হাই ফাছিলেন, এবং ঐ পুজারদের তাবদ্বনার্যবিষয়ও তিনি জ্ঞাত জিলেন; এবং শেষে আমি রাজ্যপুতি হাইব, এই আশাদ্র কাহারদিরের অস্থোগ্রন্থভারবর্তন্ন নিবারন্ত্রন্পূর্বক, গুরভাবে তাহারদের কলান্ত্রাবৃত্তিক হাইলেন.

অপর যে সময়ে পূর্কিটি বিশ্ববিদেরদের অপমান্তিরয়নিমিতে সর্ব্ পূজারদের অভঃকরন জোবৈতে পরিপূর্ন জিল, সে সময়ে ঐ যুবরাজ আভি আমবর্ভনবিদ্ধে পুথমত পুবৃত ছইগাজিলেন. ঐ সময়ের পূর্বে, ঐ যুবরাজী হলজীয় জাহাজের সংখ্যা অনেক বাড়াইগালিলেন; এবং ঐ সমন্ত জাহাজ ঐ লময়ে নম্বরণাড়ীত পুত্তত ছইয়া রবিয়াজিলি. পাতে জনাহ কতকওালিন লৈনাসমারোহ করিলেন, এবং জনাহ কার্যের নিমিতে যে সকল অর্থ সংগুরু ছইয়াজিল ভাগাও ঐ যুদ্ধানায় বায় হইল.

এ মুবরাজের ভাবৎকার্য্যকর্মা, এমন অমুন্দপূর্বক কৃত হই াজিল, যে ভিন দিব লের মধ্যে, ভাঁহার নিমিতে ৪০০ চারিলাত ভাছতী জাহাজ পুলুত করা গেল, এবং নিষেপ্তএন্ লগেছইতে নদীলথে এবং থালপথে তাবৎলৈন্যেরা থালা লামগ্রীলহিত আদিয়া, জাহাজসমন্তিয়াহারে জুটিল. তাহাতে ঐ যুবরার অম্বেদ্ ৫০০ পাঁচ শত জাহাজ এবং চতুর্লল লহসুদ্বিক নৈদ্যসম্ভিয়াহারে হেল্বোৎশ্লিস্থামক নগেরছইতে পালি তুলিয়া যাতা ক্রিনেন.

পরে, এ যুক্তাহাজসমূহকলোক, যে ট্রানিসের তটে ওড়ার্ব হইরে, এ লংবাদ সর্বার বার্তহয়াজিল, তাহাতে মধান ইংগ্লন্তীয়েরা, দেখিল যে এ আহাজসমূহ ইংগ্লন্তীয় ওটসমীপ ছইয়া পালি ওড়াইয়া যাইতেতে, তথান ভাহারা, তল্পই ভাবিল, যে এ আমাজসমূহকের। আমারদের তটে ওড়ার্ব হইরে. এওজপে দুই দিবসপর্যাত জলযাত্রা করিলে পর, এ মুবরাজ, নবেমর মাসের পর্ক্তা তারিথ, যাহা পূর্কথিত বাকদসংযোগদলজ্ঞাপক দিবস, সেই দিবসে, তর্বেলামক সমুত্রের ছোল বক্লাইলিন্দ্রামক নগরে সবল সৈন্তের্দিগকে নাযাইলেন,

পরে ঐ মূবরাজের আরিমনবিষয় ইংগ্লন্ড রাত্যে অভিপুলিও হইলেও, এবং আনেকের সমাতিপূর্বক আগৃত হইলেও, অনেককালের পরে অভাল্রলোক ভাঁছার দহিত আদিয়া মিলিল, ভাহাতে তাঁহার মনঃশীড়া বৃদ্ধি পাইতে লাগিলে পরে ঐ যুবরাজ পুথমত এক্লেডর দরারে রামদ করিলেদ, দেই বাংদে মন্মৌতের কলছজদ্য (य) वर्ष मधापि इहैमाकिल, जाशांत जनमाग्रालांक अयव छीउ इहेमाकिल, (य ভাছারা কি শতু কি যিত্র, কাছারো অনুরোই করিল না. পরে দেই ভাবে দশ্ব দিৰপর্যাত এই অপেকা করিয়া রহিলেব, যে বিরোধীরা আসিয়া ফিলিবে, কিন্ত ভাষাতে নৈরাশ হইয়া, মধান জাহাজের ওপর সৈন্যে: দিলকে পুনরারোছন করাইতে বিবেচনা করিতে জিলেন, সেই সময়ে কতকণ্ডলিন মহল্লোক আদিয়া ভাঁছার সহিত যিলিলেন, এবং কিজু কাল পরে তারদেশস্থেরা আদিয়া তাঁছার পতাকাশ্য লইল. পরে ইংগ্লভীয় মহাকুলোৎপরেরা, এবং বর্মাপক্ষপাতীরা, এবং পুরীদং লোকেরা, এবং রাজার নিজভ্তা এবং তদন্যতলোকেরা, পরন্তর সমাতি ুর্বি ক্রেব্র রাজাকে পরিত্যারকরনে মদক করিল. 🕒 সময়ে প্রায়ুত চর্চহিলা নামক এক ব্যক্তি, যিনি পেজনামক পদবীছইতে, সৈন্যমধ্যে বড় এক সেনাপত্তি नाम नियुक्त हेया, उपनत्तव कूलीनमञानाम नियुक्त किलान, अव औहाव यावरेष भेग जारा त्रांजांत जनुताहरक शांव इरेगोकिलन, जिनि जानातावत महिज ब्राजारक পरिवार्ग करिरलन, এव॰ शुम्यवननायक अधुनी, यिनि शवताजांद्र ওপদত্মী महान জিলেন, উাহাকে এবং কর্নেল্রার্ক্পুভৃতির্দিরাকেও লগে করিয়া मञ्जातालन.

नात क्यार्क (मर्टनेत मूठ्यांक, अव आन्नासी ने (क्यू वांकांव निप्रक्रमा কলা, তেমু রাজার দুর্না দেখিলা, তাঁহাকে ভাার করিয়া, শুনিদ্রপক হওলে यनच्ह कहित्तन. शह यथन ने जिम्न शिकारक कहा हाल, य गुनहांज अब-बाजकना, जोबाद मुडीनूराउलारकदापत अनुशाबी शहेशास्त्रन, जबन जिनि অভিশয়, মদঃপঢ়িয়ে পতিও গ্রয়া, আত্মযাতদা ৰাছল্যের মধ্যে কহিতে লাগি লেন, যে ইমের আমার ওপকার কফন, আমার সভানেরাও আমাকে পরিত্যার করি ামে.

পরে রাজা বার্য্রাজ্যে কিরাবিজনক শভাব ওপন্তিত হওনের ওপক্রম দেখিয়া, ওংয়োত্র জয়েতে আক্তিত হইয়া, যাহারা ওাঁহাকে রাজ্যত্যার করিতে প্রামশ पिल, त्करल जाहांत्राहत नतांबर्ल अवदेशन करितलम. भारत व्रांखानिव जाहारिय ভাষেণ্ডদকর্বজনে। ট্রাসিলের রাজার কে:ডলাজন্নামক এক অভিনিয় পাত্রের হস্তে অর্থিত করত, রালীকে পুরুষত পুরুষ করিলেন ; ঐ রানী, অমুন্দ . शृईक क्षांनीम् नतात एखीर्व इटेलन. किळुकान नात होजा चग्र हे, मह धार्म हिल्क्कनांग्रक बाक्ति जिल्लि जल्लियम उतारांबलमी इद्देशकित्तन, जीहारक मान्न · कतिया ब्राज्यावनारन अत्यादब हरे.लन, क्षि विख्यंवकांविकर्ष्क वृष्ठ हरेया भूनद्रानी उ रहेरलन.

स्म श्रांका क्षक, किळ्कांन शाह, शे छात्रु होता, कार्यकर मास्य महाह वनी · इहेड़ा, এर॰ बनुद्धांकर्ज्य छान्छ काननारक जानिया, पुँगिरमद होजा यहिना ठा হার অন্য কোনো বন্ধু জিলনা, ভরিকটে আশুয় লইতে মনন্দ করিলেন. তভংব ্বেবিকের অনুনী যে ভাঁছার পুল, ভাঁছাকে মন্দেলইয়া, এপ্রভাবে সমুদ্র সমীপে পলায়ৰ করিলেন; দেই ছানংইতে মহাদ্বীপ গমৰার্থে জাহাজারোহৰ করিয়া, পিকার্দির অভঃপাতা অম্ব্রেতেওস্বামে স্থাবে বিকরেরে ওতীর্বইলেব; সে স্থাব **इड्रेंट অভি**বেরে দ্র্রাক্রিন রাজনভায় রেলেন. সেইথানে রাজনামনাত্রে। পভোগী হইয়া রছিলেন, এবং পুনাবান্ ব্যক্তির ন্যায় থ্যাত ছঃয়াতে, আবা माढांधजनक रहेगा दहिलात.

অপর ঐ জেব্রু রাজার, ঐকপে আঅসিংহাসন তাগিকরন, এইং পিরে ওড हाविकांग्री काशांत्क नियुक्त कतिरव, अहे विषय मकरण ठिवा विविध्व लातिल. পরে রাজপুতিনিবি এক ব্যক্তিকে নিযুক্ত করু, কেছ এই কথা কহিতে লাগিল; এক কেছছ কছিল যে অরেঞ্জের রাজকল্যাতে রাজভারার্শন করে, এবং যুদরাজকে লাদেহের পাত্রস্থকার মানদ ভাল. অপর ওভাগালিয়েতগুছের মধ্যে আনক ৰাদানুবাদ করিলে পর, রাজপুতিনিরি নিযুক্ত লা করিয়া, বরুং নুতনরাজা নিক পিত করা ভাল, ঐ বিষয় এক পছাপেকা অন্যপক্ষে দুয়ের সমাতিচিকাবিকাপুযুক্ত

ন্ধিরীক্ত হইল. এবং ইংগও সার্ধ্বাদিনমাতিপুর্বিক নিরীক্ত হইল, যে অর ক্ষের যুবরণজ এবং রাজকন্যা, এই ওভয় ইংপ্লণ্ডীয় রাজা এবং রানী অকপ রাজ্যভোগে ক্রিবেন, কিও রাজ্যের যে কর্তৃত্বভার, ভাষা কেবল যুবরাজের হতে অপিত হইবে,

৩১ মাত্রিশাব্যার

्ठीय अलारमज् विवज्ञन.

৬লাম্ রাজা, দিণহাদনক্ষ হওলাথে মনোনীত হইবাদাতে, মাহার্দিরের আঝিবিজের্দের আজাবহ হওলাপেন্ধা, বর্গ্ণ ওঁাহার্দের আজা বিচারকর্বে লাবর মতি, এমত পুজার্দেরশাদনকর্ব কেমন করিন, তাহা কাম্যালার জাত হইতে লানিলেন

পূর্ববাজাত্ব যেছ কুপরামর্শ ওপন্থিত হইয়া, পরেতে রাজ্যের মধ্যে যেছ কলগ্র ওপন্থিত গ্রহাল অবশেষে রাজাকে রাজানি হাননচ্যুত করিয়াজিল, তাদ্দক কুপরা মশোপন্থিতোপজমপুর্বক, ঐ ওলাম্ রাজার রাজ্যের আরম্ভ ইয়াজিল. ঐ ওলাম্ রাজা কাল্বিন্ মতাবলন্ধী হওনপুযুক্ত, বিশ্বিষয়ে তালনাকরণ জলন্ম তাভ্তকরন জিলেন; তত্র্ব সকলেই, যে এককপে ইপ্রারারিনা করিবে, ঐ পূর্বায় আজা সকল, নম্বকরনারা রাজ্যকরনোপজম করিলেন. এবং পুথানত ঐ কর্যা আজা ভিলাঘানুসারে সমূর্লকরনে অপারক হইলেও, রাজ্যবাহিত মতারনিদ্যার মার্লকরনে অপারক হইলেও, রাজ্যবাহিত মতারনিদ্যার সংখ্যা আজা ভালায় রাজ্যজাবহ হওদে শাপ্য করিয়াজিল, এবং বিশ্বিষয়ে ভজনার্থে সমার্লম না করে, এমত লোকের্দিরের পূত্রি আপন্য মতানুসারে আচার ক্রনান্যতি দিলেন.

ঐ সংল হইডেডিল ইডোমধ্যে, জেমুরাজা, যিনি তৎকালে আইর্লভরাজ্যে রাজবন্ধান্য জিলেন, তিনি ঐ রাজ্যে রামনার্থে, ব্রেন্ড নামক নর্বারহইতে জাহাজে আব্রাহান করিয়া, যে মানের ১২ বাইলা তারি.এ, কিন্সোলনামক আব্যান ওপ

স্থিত হইলেন. পরে অপ্লুদিবলের মধ্যে, সেই স্থানহইতে তাবৎ নগরনিবালিরদের আক্লাদাইনি এবং অভিনমারোহপূর্যক, দরিন্ শহরে পুরিস্থ হইলেন, এবং সে স্থানে পাইলিয়া যেমত আশা করিয়া রহিয়াজিলেন, তক্রপ ঐ দেশের তাবৎ লোকেরদিগাকে পাইলেন; যেহেতুক তিক্লেন্যামক ঐ দেশের অগ্লাফ, তাহারি হিতকারী জিলেন, এবং তাহার পুরাতনসৈন্য সকল অটল জিল, এবং পুর্য়ঃ চল্লিশ হাজার সংখ্যক অন্যাসন্যম্যু পুত্তত জিল.

পরে দুরেষ প্রতু ওপন্থিত হইলে, ঐ জেনু রাজা, নওন্দেরি নামক এক কুদ্র এবং অল্ল বিষয়ক রোম, কিন্তু যাহা তৎকালীদশবুপুবেশনিবারবের পরে অভ্যত্তথা ডা পন্ন হইয়াজিল, ডাহা বেন্ধনকর্তার্থে রামন করিলেন.

অনতর ঐ বেখিতনগরশের। শুম এবং দুর্ভিন্ধপুমুক্ত অত্যতদুংগাগুত ছইয়াজিল, কিছ পোষে থাদ্যসামগুটিত পরিপূর্ণ এক আছাত বন্ধন ভাগিয়া পুরিষ্ঠ ছওয়াতে, তাছারদের মধ্যেষ্ঠ ওপকার দেখিল. ঐ অক্সানুপ্রিংতিপেকাংতে ঐ নগরনিবা সিরদের যেমত আফ্লাদ ওপন্থিত ছইয়াজিল. ততুলা কেবল ঐ বেখনকারিরদের রাগ এবং নৈরাশ জিল; যেছেছুক্ত নগরন্দের ওপনিভোপকারেতে তেমুরাভার সৈন্য লকল, এমত নৈরাশ ছইল, যে তাছারা রামিতে বেখনকর্নতাগ ক্রিলে, এবং রাভা ঐ নগরের সম্পুথে নয় ছাজার সৈন্যাবিক ছারিত ছইয়া, ক্ষতত্ব পলায়ন ক্রিলেন.

অপর পরন্নর অংবির্মাবলম্বনে ওপজিত ইইয়াজিল, যেং বিরোধি এবং যেছ দ্না এবং যেছে দ্বেম, তাহাতে পরিপূর্ল ইইয়া ওভয়পক্ষীয়দলের বএন নদীর ওভরপার্থ লাক্ষাৎকার ইইল. ঐ বএন নদীর ঐ আনে নাঁডার জল জিল না, কিছ ডাহার তীর পুরাতনগৃহ এবং পরিথাপুভৃতিতে পরিপূর্ভুযুক্ত, শতুরদের গোপনন্ধান হইল. পরে ঐ ওলাম রাজা, যিনি পুাতিত্তমতাবলম্বিদনোরদের পুরান জিলেন, তিনি পঁছজিবামাবেতে, কিবপে মুছার্ম্ম করিবেন ড্রিকপ্রকর্নার্থে, ওভয়পদ্মীয় দলেরদের মধ্যে নদীর তীর্দিয়া অম্বারোহন করিয়া রাডায়াত করিতে জিলেন, ইতিমধ্যে শতুরা উহিচিক দেখিয়া, গুরুক্তেপে এক তোপ বাহির করিয়া আনিয়া, ওনি যে স্থানে বলিয়াজিলেন, তৎসমুখ্যে রাথিয়া এক গুলি মারিল; তাহাতে রাজা ক্ষান্তেরে বিদ্বার্থ হইলেন, এবং ওাহার কভকগুলিন অনুগ্রভলোকও মারা পড়িল.

পরে পর্দিনপুভাতে জয়ঘাচীর সময়ে, রাজা ওলাম্ সৈন্যেরদিগকে বলাক্রমন করিয়া নদীপার হইয়া ঘাইবার আজা দিলেন, ভাষাতে ভাবংসৈন্যেরা ভিন স্থানে পার হইয়া, অভিঘোরতর ভোগামুলানতর, ওভঞ্চৈন্য একত ছইয়া ঘোরতর মংগ্রাম করিতে লাগিল. ইহা ক্যিত আজে যে আইর্লগ্রিয় দৈন্য, পর দেশে যুক্তক্র বিষয়ে ইওরোপদেশক নৈল্যের মধ্যে সর্থাপেকা ওত্য, কিছ আদেশে যুক্ত ক্রণাসমর্থ পরে আনক কালাববি ঘোরতরসংগ্রাম করিলে পর, জেমু রাজার নৈল্যেরা, দ্রাসিন্সের এক জিল্ ক্রাভির্দের নৈল্য, মাহারা তাহারদিরের পরাভির্দের কালায়ার্থে আদিভেজিল, ডাহারদিরেকে রণজনে তারার করিয়ে ক্রভতর পলায়ন করিতে লারিল. আপর ঐ ওল্যুম্ রাজা জ্বুং ই আমান্যাক্রনিল্যের অনুরামী হইয়া, বিচন্ধনাপুরিক্ত আত্মজারবিষয়ে মধ্যের অনুসালান করিলেন, কিছু জেমু রাজা লং গ্রামারবা পুরিক্তান হইয়া, কতক প্রলি তালান্যান্য ক্রিক্তান্তারার পেরিভ হইয়া, ঐ মুক্তের তাবং সময়ে দন্যোর্না মক ডিকরের ওপর নাঁডাইয়া দূরে থাকিয়া তদলী হইয়া রহিলেন; এবং মধন উল্লের ক্রিনের শত্রুর দিরেকে হটাইতে লারিল, তথান তাহাকে এই কথা কহিতে ভান রোল, যে আমার ইংগ্লুপ্রীয় পুজারদের ওপর দ্যা কর.

೨ সংগ্রাযমটো আইল্ওজাতিরদের ১৫০০ পোনেরে শত লোক মারা গেল, এবং প্রাভিত্তমতাবলম্বারা কম্বেশ তৎসংখ্যার তিনঅংশের একাংশ পুরি হারা ইল. এ জয় অত্যত পুনিত্ত এবং নিশ্চিত জিল, কিছ মোন্বর্গের অগুনীর মৃত্যু হও হাতে শত্রুরা মেছ হানিপুগও হইয়াজিল, তন্ত্রন্য দুঃখাপেকা, তৎসেনাগতির মৃত্যু জন্দুঃখা অবিক হইল. এ নানাশতি নদী পার হইয়া মাওনকালে, গুলিছারা মারা পহিলেন.

পরে জেমু রাজার অনুকূল যে শেষদণ্ড্রায় তাহা অলুয়ুন্নায়ক স্থানেতে হইয়া ছিল, ঐ যুদ্ধেতে গতুরা অভিনুক্তরকশে রুল করিল, এবং অশাকচ্চানেরেছি রিকে নকবার হটাইয়াছিল; কিছ ইণ্ট্রপ্তায় দৈনোরা, মবাপর্যাত নিমন্ন হয়, এমত এক পঞ্জের মবাছিয়া বছকটো পারে শ্রন্থভূমিতে প্রছিয়া, পুনর্ধার ঘোর তর সংগ্রাম্ করি তে লাগিল, পরে কংনায়ক আইর্লগ্রীয় দেনাপতি, কামান্রোলাঘারা মারা পড়াতে, ভাঁহার তাবংদৈনা চতুর্নিগ্রন্থতে প্লায়ক করিয়া, লিম্ক্ নামক স্থানপর্যাত হিয়া রোল, এবং তাহারদের পুরান্ধ দৈনোর্দের মবী পক্ষারাক্তর কনি লাগিল করিয়া রোল শাল্পার্যাত, অবশিষ্টেরা সেই স্থানে দাঁড়াইয়া জয় পরাজ্যাপনক যুক্তর্বে নিশ্বর করিয়া কলে, শের ঐ লিম্ক্নায়ক খানে, যে স্থানে আইলগুয়ের শেষ্ট্রাছলে, সেই স্থানে যাকিয়া আইর্লগু জাতিরা অতি সাহসপূর্বক শতুর্দের নিবারল করিতে লাগিল; কৈছ কিন্তিংপরে যথন দেখিল, যে শত্রুবা সম্ভ্রাদ্রে পঞ্চালভন্তপর্যাত ওপন্থিত হইয়াজিল, এবং আগনার্দিগ্রে চতুন্নাম্থি বেন্ডিড দেখিয়া, আপনার্দিগ্রেক শত্রুহন্তে অপনকরনে মনন্থ করিল; তথ্যত ভংকাৎ ওত্যুপ্রের দন্ধিকর নেপিক্রম হওয়াতে, সংগ্রাম নির্ভ ইইল.

এ দক্ষিতে কমীয় মতাবলমীর। মিতীয় চার্লেসের রাজত্বে ইর্মারিষয়ে যেই মেরা চারপুরি হইয়াজিল, তাহাতে পুনরাজার হইল; এবং যেই লোক আর্মারিষারাদি সম্প্রিসহিত অন্যদেশগামনাকায়ী জিল, তাহারা ইংগ্লন্ড এবং ক্ষংলন্ডদেশব্যতি রিজ অন্য কোনো দেশে অবাবিতলণে গামনে আজার হইল. তাহাতে মানারা জেমুরাজার পদ্ধ হইটা মুল্ল করিয়াজিল, ভাহাতদের চতুর্দেশ সহস্থাবিক ট্রেলিস্দেশে পার হইয়া গোল, এবং ঐ ব্যক্তি র্দিগাকে ট্রাসিদ্ দেশে গামনার্থে, রাজাবিকট হইতে জাহাজ দেওগাগোল.

ঐ নময়ে ডেমুরাডা নিরাশলেঘারন্দাপুরি চ্ইলেন; এফ উব্ধার যে ই'গ্র রাজ্যাতিক্রমাতিলার ভাষা তর হইল; এবং তম্বন্ধুবাঞ্চেরদের কেবল এই আশা অ'লিখ বৃহিল, যে তাহারা ঐ স্মুটিকে তদাঅদি'হাসনোপরি হনদ করেন. এই६ সকল কুচেষ্টাবিষন অভিনির্দ্ম এবং নির্দেক হইলেও, তাচা তেলুঁরাজার বড় একটা অভিছার্ছ জিল না, যেহেতুক ক্যিত আজে, যে তিনি ঐ সকল চেন্দা পাওনে তাহার্দিগকে নাহাম্য করিলেন, এবং করিতেও অনুমতি দিলেন; বিত্ত मেই দকল যাহা হওক. ঐ চেম্ভা জেলুগাঁজার ত ভিলাঘদয়াদিকা না হইয়া, কে বল তদুৎপাদকের সর্বনাপক হইলে. ঐ সময়াববি জেমুরাজার মৃত্যু, ঘাছা সপ্তৰৎ সপাতে হইল, তৎপর্যাত ডিনি লুটুসের অনুগুহারীর হইয়া, এবং কথানোছ আত্মক ना।त ८८॰ दे अधिमानंत्र काकारका वाकारत्व मिरतत महाविति प्रहेशा, रकस्मान् नामक স্থানে তান করিয়াজিলেন. 📑 জেমুরাজা ১৭০০ শালে নেরেম্বর মানের ১৬ ষোলই তারিখে: বহকালপীড়িতহওলালতর মরিলেন. এবং জাবীরওলোকের কথা নুদারে তীহার কবরের স্থানে, অনেক অনুত্রার্য্য কৃত হইল. কিছ ঐ ইতর লে'কেরদের কথা ঘাতা হওক, ইহা সভা যে ভাগার আয়ুর শেষাবন্ধায় বছারশিষ্ঠা তরনপুমুজ, ঐ জেনুপাডা, বিমব্যগুলোকেরদের মনোমবীে পুতায়জননোপযুক্ত েবি জিলেন; যেতেতুক ইন্সবিংয়ে তিনি বছকণ্ঠ এবং দুংখ সহিষ্ণুতা করিয়া আলেন, এবং লা আপ্লেনামক স্থানের সল্লাসিন্দের নিকটে ব রম্বার রমন ক্রি তেন, ডাছাতে আহার। ভাঁছার নমুধ্রকেরনেতে এবং দুশীনতাতে এবং বির্মাচরনেতে रणलाजनांध कहेल. অহন্ধার এবং শ্বেষ্টারেশভাব অবলয় স্ট্রন, চেচেতুক তিনি আআনুগুডলোকের দের পুতি ওড়ারোত্তর কাদের এবণ দ্যাশীল ছইলেন; এবণ ভাঁচার শেঘ পীজাসময়ে ভাঁহার পুলকে এই প্রামন দিলেন, যে সর্বইঙিকলাভাগেকা বন্ধিময়ে মনে। যোগ ক্রিবা, তাহণাত অক্রবাতে 🗈 চুবুরাজ ভট্লিতার দ্রাজাবেছ ছইলেন. মর্বনময়ে ঐ জেমুরাজা ঈশুরারবিশাতে বছনিষ্ঠান দশাইলেন, এবং সর্বের

শরে পারিশ্ নামক শগরে বিনিদিজিন্ মতাবলস্থিদের ইণ্প্লভীয়বীর্মশোলায় আঝারানুয়ায়ি মৃতকার্যার্ডিড ছাই্যা কব্রপ্রাপ্ত ছাইলেন.

পরে ঐ গলাম্ রাজা দিংহাদগপুণ্ড গ্লৈ পর, মেং পরাজমবিষয় জাগনিও জিল, তার্থ মারৎনাব্যি রক্ষাকরনে পন করিলেন,

কিন্তু অবশেষে পালিয়েতেরা, ওলান রাজার কর্তৃত্ববিষয়ে বাধা জনাওনার্যে বিভা যে২ চেম্বা কৰিড, তাঁচা নি শ্রুনকর্তে আশক হাইটা সমা দিলেন, মুটনিলের্দিরতে দমনকরনবিষয়ে ব্যক্তার যাহাছ আবশ্যক জিল, ভাহাতে স্থি পার্লিয়েরেরা সমাত হইত, তবে ঐ পার্লিমেন্তেরা ইৎপ্লভীয়রাজশাসনবিষয়ে যে১ বারী জন্মাইত, তাহাতেও রাজা সমাত গইতেন, যেহেডুক মূদ্ধবিষয় এবং ইওরো পের মধ্যে রাজবর্গের দের মেকপ শাসনক্ষমত। তদ্মতিরিক্ত, ওলাম রাগার অন্য কিছে জাত জিলেন না, এবং তদ্ভিন্ন অন্য কিজু জাত হইতেও চাণ্ডিন না, ঐ নকন कार्यामिकार्य, मोलियाउँ श्राम के उलाग होजाह जातमान्धिया मोहोता করিত, তবে তিনি ঐ পার্নিমেতের যেমন ইছা, তেমন হাজ্যের অবর্জাইনিষয়ে শাসৰ করিতে দিতেন . ঐ দুঁলিদের্দের নহিত মুক্তকর্নে মেছ আর্ম ই ওলাম্ রাজাকে দেওয়া রোল, ভাষা পুরামকরণামন্ত্র; যেগেডুক রাজ্যন্ত রোকেরা, রাজ্যসহতে যে**২ বার্মিক কর ৬**৭পর সহত, তাহ। কেলে নয়, লাগীনরও বন্ধক রাথিয়া অর্থ ঘোরানদারা, যে ধনহউতে পরে আন্লার্দিরকে যুক্তক্লের অপারক ছইল, একপ ধ্বনুস্ত আপদায়দিগ ক করিল. তাহাতে ইওরোপু রাজ্যে জায়া কপ যে ঐ পরন্ধর তুল্যাপথক্রিম, তাহা রন্ধকিরণে নেহ বহুর্য দও হইয়াতিল, তৎ পরীবত্তনে, ম্লাওর্ল দেশেতে মুদ্ধবিষয়ে যিখ্যাঘল ব্যতিরিক্ত, এবং অন্যান্যন্তানে আব্মণক্ষায় অদ্যজাতীয়ের দিগকে, বিশেষত হলও জাতীয়ের দিগকে শত্রুভাকরের বহুবকাশদেওনফাড়িরিজ, ইণ্প্লন্ত রাজ্য অন্যকিজ্ পুল্লে ছইল না.

অপর ট্রাঁনিসেরদের সহিত ই°প্লাপ্রায়েরদের যে ঐ যুদ্ধ, তাহা প্রায়ঃ ঐ ওলায়
?'প্রার তাবদুবিজববার্য জিল, কিছ পরেতে রিস্বিকের সন্ধিতে ঐ সকল বিবাদ
সমাপ্ত ছইল. ই°প্লাপ্রবাজ্য, দীতিপূর্বক ঐ যুদ্ধে পূর্ব হয় লাই, এবং সন্ধি
সময়েও লাভরহিত জিল ঐ সন্ধিকর্বসময়ে, যুদ্ধা যার, যে ঐ ই°প্লাপ্রবাজ্যর
কিতিচেম্বাকারী কেছ জিল না, যেছেতুক ঐ ই°প্লাপ্রবাজ্যর মহাদ্বীপে যে২ বিব
প্রেরত ছইয়াজিল, এবং যে২ রজবায় ছইয়াজিল তৎপরীবর্তনে, ওলায্ বাজা, যে
যাধার্যবিপে ই°প্লাপ্রদাবিপতি ত্রিয়ান্থাপনবাজিরেকে অনা কিজু পাইনের না.

এ ওলাম্ রাজা আভাবিক ফীনশানীর চিলেন, এবং বছকালাববি বছকও এবং বছক্লেশপুমুক এ সময়ে অত্যন্তজীন হইয়া, অশ্বারোছন এবং অন্যান্য জীড়াদি আরা অরোগীহওন কিয়া রোগায়নকরন চেখা পাইয়াচিলেন. কিন্তু মেনুবারি

মাদের ২১ একইণ তারিথে, যে সময়ে ঐ ওলাম্ রাজ। কেন্সিণ্ডন্ নগর হটতে হান্ত্ৰনদানত সভায় ঘাইতেজিলেন, সেই সময়ে ওঁাহার অশ্ব পতিত হও য়াতে, তিনি এমত বেলেপতিত হইলেন, যে তাঁছার কণ্ঠান্ছি ভগ্ন চইল. তাহাতে ভাঁহার দমভিব্যাহারীরা ভাঁহাকে হায়তন কোর্ভের অধালিকায় লইয়ারেল, **मেই স্থানে এ অন্ধি মন্থানে যোগকর**নের পর, সন্ধ্যাসময়ে গাড়ী চড়িয়া কেন দিত্তৰ ৰগতে প্ৰৰ্থমৰ ক্রিলেন. যাওনসময় গাড়ির অক্টিরণভিপ্যুক্ত ওাঁছার অস্থি পুনর্ভির হইল, এবং অস্থানে পঁছচিলে পর বিদ্লুনামক তাঁহার বৈদ্যকর্তৃক 🗳 মত অন্দিভপপীড়া বলবান বাজির হইলে ডাহার অন্ত্র প্ৰৰূপীকৃত হইল. বোর হইড, কিন্ত ভাষা রাজার পুতি মৃত্যুদায়িকা হইল. ত্রুতক দিবলপর্যাত ঐ পীড়াছইতে বিলয়বকণে রাজা সৃষ্থ হইতেজিলেন, কিন্ত এক দিবস শযোগপরি নিদ্রায়াওনকালে কল্পস্থারেডে আভিদূত ছইয়া, ওদর্ভপ্রারোৎপর হওগাতে, রক্ষা পাওনের কোনো চিহ্ন জিল লা পরে ঐ ওলাম্ রাজা, আআমরও আদর (म्बिया, उपानि भईवान्द्रिडिवाय यत्नाडिनिवान जान कहिए भाहित्तन ना; এবং ইংরোপ দেখীয় ভাবিরাজকীয়বিষয়ক আশাতে বিমন্পুমুক শারীরিক विषय प्रमानारा इहेलन. भारत जालावमार्लत भूपमानिकाती इलाउ पान হইতে ডলিকটে ওপন্থিত হওয়াতে, ঐ ওলাম রাজা, এপ্তে ভাঁহার সচিত অন্য দেশীয় রাজকর্মের বিষয়ে অনেক পরামর্শ করিয়া জিলেন। দুই দিবল পরে ঐ ওলাম্রাজা তেতি সন্ধামক মহাবির্মাব্যিকের হস্তহইতে ইম্বরভোজনগুহন করিয়া, বাষার বৎ সর বয়ন্তে, তাশার মধ্যে ১৩ ডেরো বং সর রাজ্যভোর ক্রিয়া প্রলোক পাইলেন.

৩০ অনুত্রি শাধায়.

আৰ নামী রানীর বিবরন.

আন্ত নারী রানী, যিনি অর্জনামক দেশ্দেশায় মুহরাজের সহিত বিবাহিতা গছ মাজিলেন, তিনি নকলের আহ্লাদ এবং সম্মতিপুর্ক অন্তর্ভাতি বৎসর বঢ়ক্তে রাজিশিংহালনে ওপথিথা ছইলেন. ঐ রাঝী, ছাইদ্বামক পুরান মন্ত্রী, যিদি পরে ক্লারিগুনের পুদেশাবিকারিছে থাতে জিলেন, ওঁাহার কন্যা জেব্লুরাজার পুথমা জ্লী, ওঁাহাতে জাতা ঐ জেব্লু রাজার ছিতীয়া কন্যা, জিলেন. ঐ আন নামী রাঝী রাজিশিংহালনোপবিধা ছইবামাত্রেতে টু'র্নিনের লহিত মুদ্ধপুকাশকরের মনন্দ্রক্ষিয়া, আন্ধারাধ্যু পুজাপুতিনিবিসভারদের নিকটে জাত ক্রাইবাতে, তাহারা সমত হওয়াতে, তৎক্ষবাৎ মুদ্ধ কর্মাতা পুকাশ ছইল.

भारत पुर्गित्मित विकास देश्श्लेशीरवतापत ने भुकात प्रस्कतनाजा भुकानेकतानाज, **হল**ণ্ডীয়ের। এব॰ জার্মানীয়েরাও সেই দিবলে সেই পুকার আজা পুকাশ করিল. 🗳 युक्तविष्टाय ने भुकांत अकरतारामान नवात भारेया, प्रीमिरमत्त्वत नग्हि खाँउनाय कावीवि इ इट्रालन ; किंद मईाएम्झ। इल ७ जांशीए ब्राप्त अन्य कांदाविड रहेगा, जडा जियान पृष्टक कहिलान, त्य जे ऋजवावनागी हल एकां जी एवंग, योहां हा পুরে আমাঃ পরাজমেতে দমা এবং ভাত জিল, তত্নুরাজমবিকছে মুল্লপুকাশ कंदरनंद (यर कहिनाइ अवन् योधमधी भुकांने विविधारिक, उन्नाता कावना रकांन এক দিবসা , খদ করিবে ; কিন্ধ ঐ সকল আর্ভটী দেখাওলেতে, ঐ নংমিনিত হাজ রানেরদের কার্য্য মৎকিঞ্চিৎও বাবিত হইল না. পরে মার্লবর্ছের তত্তুমী, তাবদিৎ প্লভীয়লৈন্যেরদের জেনেরাল্পদেনিযুক্ত হওয়াতে, ভাঁহার অকাঞ্জা সমূর্ণা হইল, এবং হলও জাতীয়কর্তৃক ভাবৎসংমিলিডদেশবলৈনেরদের পুরীদ জেনেরাল্পদে নিযুক্ত হওঢ়াতে, অবিক স্তত্যাধীর হইলেন; যেহেতুক ঐ নৈন্যকর্ত্বভারেতে আগ্র লোনের পুদেশাবিকারির ভাগীহএন অবিকার ছিল. এবং সকলে ইহাতে এক वाका, या वाजने जाय वामानुवाम कराबाज, अवर वाकाल यूर्वामाध कराबाज, অত্যল্প লোক ঐ মার্লবর্ছাপেক্ষা অবিক দীর্ডিমান কিল; যেহেতুরু ঐ ব্যক্তি, আপৎ কালে নির্ভিয়, এবং রাজ মন্থনায় শুমে অদ্বিতীয়. তাহাতে কুেনি এবং আগিশ্ কোর্তেরদের জন্মকুক্রমম্মাববি, ইংগ্লগুরাজ্য যেছ সেনাপতি ওৎপদ্ধ করিয়াছিল, তাহারদের মধ্যে দর্গপেক্ষা দুঁ।দিদেরদের পুতি অভিভয়ানকশতু ঐ ফার্লবর্ছ জিলেন.

এই রাজনের বিবর্ধ মহাদ্বীপে কৃত্যুলেতে ব্যাপ্ত; সেই যুদ্ধ সকল, রাজ্যের অত্যপ্তি হোমপাদক ছবলৈও, তাহার অনেক মর্যাদোমপাদক জিল. এবং ইহাও সত্য, যে ঐ সকল জয়বিময় লুপ্ত হইয়াজে, এবং এইফলে যে স্থানে ঐ সংবি লিউসেন্যেরা, অপুতিই বছলাভজনক অধাম ইংগ্লপ্তীয়েরদের পুতি ব্যাধ্যয়ক যুদ্ধ হইয়াজিল, সেই স্থানে কেবল ব্লেন্ছেম্ এবং রামেলিস্ এবং এদিনার্দ এবং মাল্লাকোকে সেনাপতিরদের নামমার বর্ত্যান আজে.

ঐ **ল**ংনিলিতদেশ**ন্দৈন্যেরদের প্রাপ্তজয়াপে**ফা, ইণ্প্লভরাজ্যের পুতি অবিক

কর্মসন্ধাদক অথচ অলু অর্থ এবং রক্ষবায়পূর্বক অন্য এক জয় ল্পেন্ দেশেতে পুরি ভাগার বিশেষ এই, দুর্গনিন্দিরা, বেস্তুনামক নগরসমীলে অনেক रहेशकिल. যুম্বজাছাত্ত দদত্ত করিতেছিল, এই দংবাদ পাইয়া ইংগ্লণ্ডীয় রাজমন্তিবর্জেরা, ঐ हुँ। भिरमहामद अनुभव्यान लाउनार्धा, मह क्लांडरमण्लि मरवल् वदः मह आर्ज करु নামক দেনাপতির্দিরাকে প্রেন করিলেন. ঐ অনুসন্ধান লওনাজার অন্য, সর জার্জকে বার্লেলোনানামক স্থান, যে স্থানে ছেসিনামক যুগরাজ, নির্থক চঢ়াও करियांकिलान, मिहे चात्न कठकछिनिनरेमना, जाशांजघांत्रा पर्धेकिया प्रअत्न পরে वे युक्याञाउ कार्यामिकित कार्ता जनमा ना प्रशिया, আজা দিলেন. দৈশ্য সকলকে আহাজারোহনকরাওনের দুই দিবস পরে, ঐ সর জার্জক্ এব॰ সরক্লোখ,দশ্লি, যে সময়ে আফ্রিকাদেশের তটসমীপে নগর করিয়া রহিয়া জিলেন, সেই সময়ে ঐ জাহাজসমূহের ৬পর মুদ্ধবিধয়ে মন্ত্রা করিলেন । ঐ মন্ত লায় জিব্রালংব্রামক শহরোপরি চল্ডিকরনে পল করিলেন; ঐ শহর ঐ সময়ে রেন্ জ্বার্টায়েরদের হত্তরত জিল, এবং শালু যে ভাছারদের ওপর চচ্চাও করিবে, ভাছার কোনো সম্ভাবনা না থাকাপ্র্যুজ, এবং তদিছয়ে নির্ভয়পুমুক্ত অপ্নেনিন্য মার: রখিত জিল,

এ ডিত্রান্ট্রনামক শহর একপার্ম্ব্যাভিরিজ ত্রিপান্মের বৃহৎ শৈলেতে সূর ফিড হইয়া, লাতিকভাষায় ক্যিত সমুদ্রাতর্নির্গত ভূমির এক খল তদুপ্রি নিম্মিত চিলে. পরে হেসিনামক মুবরাজ ঐ শহর্নিকটে অস্থাদশ শত দৈন্য জাহাজহুইতে অধ্যোদন করাইয়া, ঐ শহরকের্দিনকে অধীনতা শ্বীকার করাও নের আজ্ঞা দিলেন, কিন্তু তাহা ব্যর্থই ওয়াতে, পর্দিবলে ঐ আদ্মরাল্ ঐ শহরে ভোদ্লোলাওদের আজা করিলেন. পার ঐ খলের দক্ষিণাশলৈ নিতে যোলছেদ্ নামক ভালের দুর্গছইতে শতুর্দিগাকে পলায়ন করিতে দেখিয়া, ছুল্রানৌকা সকল সদল্ করিয়া, এ অংশে চ্যোধ্বরলের বিমিষে কার্যান্ স্থাইতেকর্কে खां छ। कतिरलन. তাহাতে ঐ মোল্নামত ভানের নিকটে যেছ দেনাপতিরা চিন, তাহারা তৎফনে আভাপ্রাধিপৃরে, ফুড্রনৌকাসকল, অভ্যারা সমন্ত্র করিয়া জলোয়ার হন্ত করিয়া দুর্বায়রো পুরিষ্ঠ হইল. কিন্তু তাহারদের ওদ্যোগ কিঞ্ছিৎ পু: ইহওল: ুমুজ, কর্মদয়াদক চইল লা; যেহেতুক য়েন্ডাতীয়েরা ভূমাতর ন্থাপিত বাঞ্চলা, দুই চুগ্রুয়ে ছিপ্দত্ত ব্যক্তি এবং ন্যুপানূদ একশত সৈদ্য মাল। গোল কিয়া হচত করিলে। সে থাছা হছক, হিন্তু এবং ওয়াব্নামক দুই **কাজা**ন্ এক দিবংক সমভ্যি ২৪০ত করিয়া, মাধে কাঙাল্ ক্লাই(তকর এবং অন্য माविष्करा ना भैथकिल, जावर वे भान बक्का कृतिल. 💢 कांशान होरेएज्क, वे মৌল্নামক আন এবং লাহ্বমটা দিত এক দুর্ব কিছিৎপূর্বে বলমারা হত্তবাত করিয়া

তাহাতে ঐ স্থানের অব্যক্ত অবীনতা শীকার করিল, এবা ছেদিশামক यवद्राज आंश्रमापला भूगक अजा बहुमध्य ने म्हारन भूविसं इहे (सम त्य ছেতক ঐ দুর্গ সকল, আভিক্ঠিন জিল. পরে হথান ঐ পরাজয়ের লগবান চন্ত্রপ্র (मार्ग वेष्टित, उथान में गोहत इस्ताउक: बकाता में आत्यावातात पूर्ण मांक/ब উপযুক্ত কি দা, তাহা সভােরদের মধ্যে অনেককালপর্যাত তাদাপুরাদের বিষয় ছইল, এবা অব:প্রে 🕈 বিষয় যে অপুশা সনীয় এমত বিচেন্য কলি 🕒 ১৯৯৯ যে লময়ে যালবর্ঘের অনুনা, বিদ্ধলাকালচির বিনিয়ে পুশাংলিত ছইরাজিলেন, লেই লয়য়ে সর জর্ম ফক্নামক দেনাপতির পুডি ঐ সতে,রা দ্ভিপতেও করিল না ; এবং বিজু কালপয়ে শরাজ্ঞাহিতকরনজন্যে ঐ ব্যক্তিকে সেনাপডিশদচ্যুও করি লেন; ডাহাতে আমরা দেখিতেজি, যে বিদ্যাবাছল্যসত্ত্বেও পুর্বান্সনীয় ব্যক্তি এ ত্রেবালার নাম শহর ইণ্প্লভীয়েরদের ছন্তরভছত্ত **रा**भू ने मगाग्र इन. নের পর, একবারো হাতজাড়া হয় লাছি; এবং ভ্যবীত্যস্থানুর মধ্যে যেছ हे भ्रेशीच नानम'म उन्दुकार्य, अवन नेजूनानीय्य यह जाहाज (नुद्धि हम्, म भक्त जाह ज म कारन योग्रीयठ इंउग्रेस्ड, 🗳 ब्रख्ते उंच्ये नमयग्रीय वि इंच्य्रीयी ফেরদেঃ পুরি বহুপকারক ভাদমকশ পুনিৰ আছে: ঐ ভাবে আহাজনমূহ দারা अत्त. किया रिमनाभगृष्ट भमञ्जकश्रव, योशा आदिमाल, उपूर्वाकु मिहे ऋातं ইংগ্লণ্ডীয়ের:দ০' নাইবস্তবে পরিপূর্ব এক ভাণ্ডার আত্রে:

ঐ বৃহজ্ঞাত্যভূহনার্যে, ঐ সদৈন্যযুব্দাত্ত্বে থাদ্যসাম গুণুরনার্যে দুই শত তাহাত্ত পুতত হইল, এবং ৩০ ত্রিংশথ মুদ্ধতাহাত্ত, এবং ১০০০ নয় হাত্তার যোদ্ধা সংগ্রাত হইয়াত্রিল; এবং নিতর্বর্জ্যের শুদ্ধশাধিকারী যিনি অভিশয় সানিহক তিলেন, তিনি ঐ সঞ্জল সৈন্যের ওপরে কর্তৃত্বভার লইতে থীকৃত হই লব. তথকালে ঐ সেনাপত্তির সাহায্য, বছলৈন্যের সাহায্যগুলুয় যান্য তিলে.

ঐ কানীৰ তাবল্লে'কেরদের মধ্যে, ঐ পিচরবাছের পুদেশাবিকা ী. অসম্ব চমৎকত ব্যক্তিৰকা প্রত্য জিলেন. মধ্যন ঐ বাজি কেবল ১৫ প্নরো বংশর ব্যক্ত তথ্য উল্লেখ্য দেশে মসলমানেরদের স্থাতি অনেক মুদ্ধ করিয়াজিলেন, এবং বিংশতি বংশরবয়ন্তে রাজপুভূত্বপরীবর্তনবিদ্যে সাহায়া করিয়াজি লেন, এবং এখন পুায় আপনার নিজ্ঞ ব্যুব্তপ্রস্থারা স্থেন দেশে যে মুদ্ধ হাইতে জিলা, তাহাও চালাইলেন; যেহেতুক তিনি চাল্রানায়ে আগুলী পুতি স্নেচপুমুজ ঐ বৃহদ্যার প্রথ্ করিলেন. ঐ পুদ্দশাবিকায়ী বিকটাক্ত কিছ নির্মলাতঃ করে এবং দাত্য ও সন্ত্রাত্ত ও কর্মদক ডিখেন, ঐ ব্যাঞ্জ প্রেইদেশ ওপ্রিত্ত ইইবামানে, বার্নিলোনা সায়ে শহর হন্তরাতকর্বন মন্য করিলেন. ঐ শহ রুদ্ধ গ্রেত শন্ত্রহের ৫০০০ পঞ্চমহনু দৈন্য ভিলা, কিছ ঐ পুদ্দশাধিবারিক্ব ভারৎদৈন্য, কেবল ১০০০ লয় সংস্থেব কিছু মবিক জিল।

কিল্ব দে ঘাহা হতক, ঐ সমন্ত অয়বিদ্যে স্থানহত্ব, অত্যন্ত্রাকানাম আয়া জিল; যে হতুক ঐ বিভরবর্থ দৈনাবিপতাপন্থইতে পুলাহত হইলেন, ভাষাতে বাজের অবান যে দৈনা জিল, তাদারদের কর্ত্ব ভার প্রায়ত বাল্বেজে দেওয়া রোল. অপর বেবিকের অনুনীর কর্ত্বাবীন হইয়া, শালু সকল আল্ মাঞ্জানামক নরবের বিকটে চাঙনী করিয় রছিলাজে. এই সন্ধান পাইয়া ঐ মহ কুলাড্রব রাল্বে শালুসহিত যুল্বেল্ডনার্থে অনুনর হইলেন. ঐ স্থানাম ঐ দিনের তুর্বা পুণরে আর্ম্ম হইল, এবং উভ্যনলের স্থানাম্থান্থনিনার। অভিযোধকর সংগ্রাম করিতে লাগিল. পরে পউন্মির্বান্তিত দৈনোরা, বিত্তিন্ এবং ইলভজাওয়িপুযুক্ত পুথমত জহী হইবার হিল্ছ দ্র্যাহিল কিল্ক ভল্পকাৎ লাহায্যকারী পোর্ত্রাশ্ জাতীয় জন্মাকছের ঐসংগ্রামের পুথবে পজ্যেতে পলা ফ্রম্মুক্ত, ইংপ্লভায় দৈনোর। চতুন্তালে বেন্ডিড হইল. ঐ আপ্থয়ক্তবালে ইংপ্লভায় দৈনোরা, আপ্লার্মানের চতুন্ত্রালি বেন্ডিড হইল. ঐ আপ্থয়ক্তবালে ইংপ্লভায় দৈনোরা, আপ্লার্মানের চতুন্ত্রালির হিল্ল, স্থানাম্বান্ত্রাক্ত এবং সান্ত্রায় হিল্ল, এক বিকটক হলবানে রোল; পরে সে দেশবিষয়াজাভানুমুক্ত এবং আন্তর্নাক্ত আপ্লার্মানির বিত্তিশ্বুক্ত, ভাহারদের ১০০০ দ্ব সহস্তু লোক, মুন্তে পরাভূত মাক্তিক্ত আপ্লাব্যানার স্থানার স্থানার প্রায়ত্ব বির্মান আপ্লার হিল্লে শালুভায় অর্থ করিল. ঐ জয় সাহিত্যভাবে সমুর্থ ক্রিক্ত আপ্লাব্যানার সান্ত্রাক্ত আপ্লাব্যাক্ত অর্থ করিল। ঐ জয় সাহিত্যভাবে সমুর্থ

অয়ৰকণ জিল, এবং কাডালোনীয় প্রগ্রনাতঃপাতিবাটিরিজ ভাবং স্লেন্ দেশী ছৈয়া আত্মৰামি মিলিশের নিকটে পুডাগমন করিল.

এ কামপর্যাত রানীর ভাবৎমত্রণ আভত্যাপক্ষপাতিলোকদ্বারা অনুদ্ধিতা হইয়া किल: এवर वे बालव्यास्य प्रश्ली मुध्यय ब्राजामूलुक्लक्रमाती लाक बहेरलय, অবলেষে আতত্তাপদ্রপাতী হইলেন; যেহেতুক তিনি দ্থিলেন, যে ট্রানিসের দের অভ্নতিদ্যালক গলে তাহারা অলোভিলাম জিলা অত্যার ঐ বাতত্যাপক পাতীরা, গতরাজার যেছ তাজিলাম তম্বর্জনে, এবং দার্পু দংশুভুক্ত যে ওতর এইক। ক্রাজনীতিৰভাবেতে লিও হইয়া, ভাবৎ ইংরোপের মধ্যে এশারিপতঃ চুর্করতে চেন্টা পাইতে লাগিল । যে আবিপত্যের মধ্যে চ্যুডপরাক্রম ব্যক্তিরদের বিবেচনানুদারে কর্তৃত্বকারীরা কার্য্যানুষ্ঠান করেন, দেই আবিশত্তে পুজ'র। যেমন বিদণ্শ হয় ভজাবে ভংলভোরাও বিদণ্শ হয়. কিব দে ঘাহা इंडकः ने सबएर भुजाइएएर विभएन इरेवां। उभक्तम रहेगो किल । यल र ने जोसत দাশব্দাতজ্ঞাশক্ষপাতিসভ্যেরছের অপ্যানোপস্থিতের পূর্বে, পার্লিয়েণ্ডর মধ্যে বৃহত্তব্বিষণক এক কার্য্য ওপ্রিড ছইগে জিল. ঐ কার্য্যের শিল্পতি, অনেকে বাঞ্ করিয়াজিল কিন্তু ভাষার সম্মন্ত্রতা সকলে ততিদুর্লত আন কচিলা আঝি কহিতেতি যে ঐ কার্য্য, তাহা ইংগ্লন্তীয় এবং ছংললীয় রাজ্যরায়র সংখিলব. ঐ ওভারোজ্য, পুর্যমজেয়ের সিংছাসমগুরনকালাববি একাবিপত্তিক রইয়া किल, किन मृथक्र भौनियावनुगुक भुजावरमत मृथक्नृथक् वावरात अव रहारी रहेगालिन.

এ রাজবের আর্মেনে, এ ওভয় রাজের সংযোগর চেপুণ, পাওয়া নিগজিল; কৈছ পূর্বদেশীয় বানিজ্যব্যবসায়বিময়ে কতকগুলিন বিবাদ ও নিত্ত হওপাতে, এ মন্ত্রনা ভরা হইয়াজিল, ভাহাতে সকলে ভাষিল যে এ সংযোগ হৈছেল অসাবার. পরে এ সংযোগবিময়ক সন্ধি, যাহা পরেতে ওভয়পস্পীয়বাজান্ত্রসাক্তর করিছে, তালিমন্ত ওভয়বাজ্যের আ্যানিকার্য্যে নিয়োজিক ব্যক্তি দেরপুতি ওভয়পালিমেতসভ্যের দিগকে প্রাক্রমদেওনরারা, ভাহা পুনক্রপার বিভেন্ন উন্দির্ভিত ইয়াজিল. এ আ্যানিকারে যে নিয়োজনবিময়, ভাহাতেরার অবিকার জিল, কিছ ভিনি অভিশয় সাববানা জিলেন, যে আ্রাক্রিমণ্ড নিল্করনের ক্রান্তি বিজ্ঞ, অন্যকাহাকেও তদভাভিলমিতবিময়ে বিযুক্ত না করেন.

পরে ঐ কার্যানিভার্থে রালী ওভাগকে আমীন নিযুক্ত করিলেন, তাহাতে ভাহারা, পরামশার্থে নিক্ষণিত হাইৎহাল্নামক্ষাও িকটছিত কাক্নিধনাক্ষ লভান্ধানের এক কুঠরাতে একত্র হইলা পরে রালীঃ, ঐ আমানের্দিনকে ভ্রায় কার্যানদাদনক্রনাজাদেওবপুযুক্ত, ঐ মহাধ্যাভ্যাপত্র দ্যাক্ষ বিমন্তে 🗳 আমীনকার্য্যে নিয়ে'জিওব্যক্তিরা, অতিশীলু সম্মত ছইয়া, স্বায়র করিলেন, এক কেবল ইচা অবশিশ্ব বহিল, যে ওীহারা ঐ সঞ্জিপত ওভয়রাজ্যের পার্লি (बढमाजादापद निकार जानान.

এ মহাধ্যাতাপের সন্তির মধ্যে, এইং বিষয় বির হট্যা চিলে, যে সংমি নিত ওভঃরাজ্যারিকারিতা, ছানোবরদামক বংশেতে স্থানিত ছইতে; এবং এ দা মিনি,ভংগজ্যের পুতিনিধি কেবল এক পার্লিমের হইবে; এবং এ মহাবিটি নের তারৎপুজা, আপনার যেহ ব্যবহার্যা এবং মেহ ছিত, তাহা পরস্ত্র একই কলে ভোল ক্রিকে, এরণ কানিজ্যব্যবসায়ে এবণ ব্যবসারে আপনার যেথ ব্যব इनिया अवश्यापायां जोहा जुनाजात सहरजीत कतिता: अवश्याहातर योहा यपायी **छ**विष्ठत्म, ±द॰ वृद्यक्रमीमनविष्ठाम, अव॰ वृद्यक्रमीजि विष्ठत्य (यर् दाववः), छाङ्ग ৬ড.র:জ্যেতে একই পুকার হউবে: কিন্ধ কোনোছ প্যক্রাভির যে ব্যবহার্যা, ভদ্মিয়ে যেছ ব্যবস্থা মৃত্যুট্টে, জ্বংলভীয় প্তার্দের হিতকাগীর এনবা ভিরিজ, ভাষা অন্যথা ছইবেক না ; এবঁণ ব রাজ্যের লামলদের পুরে ভালেও গাল্ডা **इ**ल्लिमिनमर्भातांविकिष्णुंड्बितांकरात्यांन, ८२० ष्यार (यर खानांवर, সে দকলের, যেমত প্রাক্রম এবং যেমত ব্যবহার জিল, ভাগ ঐ বাহজার পূর্ব নিকপিতব্যবন্ধানুদারে থাকিবে; এবং মহাব্রিটিনের পানিয়েলর মধ্যে, ঐ ছং লও রাজ্যপুতিনিবি ফোলে জন ক্লীনসভা এবং দ্যতালিশ নাবিত্ৰসভা, তৎকালীৰ অংশগুয় পালিয়েত নিয়োজ বনুসারে নিযুক্ত ছইবে; এবং জং লঙীয় কুলীৰমভোৱা, মহাবিটিৰের কুলীৰমভাৰকণ যাবা হইবে, ২বং उरकाकीन मन्यिलातव मगरम खरलशोग (यर कुलीनमाउ)व। (यर भमवीर প্রায়ত চিলে ভারার: সেই২ দ্বীতুল্য তৎকালীন ইণ্প্লভীয় কুলীংসভ্লেইদের যেই পদৰী ডম্বুদপুৰ্ব্য হইবে, এবং পরেতে যে২ ইংগ্লণ্ডীয়কুর্নালমভ্য আবস্থিত ছইবে कार्राहरम्ब भूधेय भे म थार्गे उ धाकिरतः , यदः ये ब्हरू ल छो ग्रमानावा पालिर्यर अरङ আঅসমাভিচিক্দেওনবাভিয়েকে, এক কুলীনসভ্যেঃ দিপ্তের বিচাঃবিষয়ে বিচার कर्वाराजित्हरू, हें भी शीय क्लीनमाला रापत (यह बारहायाँ जोहा (कांत कहित्त: এবং স্কৎনভীয় রাজশাসন এবং হাজকীয় ভাবৎ চিহ্ন পূর্বযভই গ্রাক্তিবে; এবং ঐ সন্মিপত্রের বিপরীতা ওভ**্রাজ্যের মধ্যে যে**ছ আজ্ঞা, এবং যেছ ব্যবস্থা, ভাহার শেষ হইয়া ওভয়রাজ্যের পার্লি'মওকর্তৃক লুগু হইবে. এছ পৃথকছ বিষয় নিক্লিড ছইয়াজিল, এবং তাতা ব্যৱস্থাকলে সংস্থাপনার্থে কেবল গুড়ার বৈত্তার কভোরদের সমাতির অপেকা জিল.

পরে এ সমন্ত সভার মধ্যে মেহ বাদানুবাদ হইতেভিল, সেই সমন্ত বাদানুবাদ পূড়ানুকণ সাড়মর জিল. পরে অং জাতীয় পার্লিমেতীয় সভ্যের দিরকে, এ সংমি

कनविष्ठाः, समाउ करां अनात्रां, यहां म छानुष्ठ्ितः, हेरा कशिल, त्य अस्प्रतात्रात् দ্চুঙ্র সংযিলন ছইলে, তাহা ভাবিস্থায়ি ঐক্যের নিদান ছইবে; এবং তদ্ধার। পুজারদের বর্মা এবং আচার, এবং সম্বাংপুভৃতি অধ্বস্পাভ্ত হইবে; এবং ওভয় কাজ্যের মধ্যে তেওঁ দ্বেম এবং তেওু পাল্লুড বিভেপর মার্থিত ছাইণাজিল, তাহা कष्माता (नोध माहिता: এता कष्माता अलावत वल अता वित अता वातानां व र्तिक करेरव : अर्थ अस्था मुक्तांदा जित्रहे सम्बन्धि हासी बद्धन स्वीवहरूरित गुक्त हरीया, ছবিৎ ৪০ছীৰ প্রস্তুর শুড়িতে পরিবর্ত হইবে; এবং তদ্মার ডাছারা, ভাগার্চের षांटर नेजवापत निवाहक रहेर ज नाबित. अवर मुख्यित प्रवाहनस्ति प्रति कि.इ. এবং তাৰৎ ইউরোপের অংক্তিভাচাবলং স্থাপন করিতে পাত্তি নে দকল এবৎ এড দ্রির ইণাও করারিয়াজিল, যে রাজ্যের শাদনকণ যে চক্র তারা কাষত্যাবি ৰূপ যে বছষ্ট্ৰা, ডংকর্জুক মত ১ডবেল্ডঃ অলুকারিড হয়, ভাহারদের ডড়াপ চেষ্টা এক ওাদানা ওত্তশেতর কর্ত্তিত হইকে. এক তাছার্দিনকে ইছাও দেখাৰ নেল যে ঐ সামিলদেতে ভাচারদের যেছ ভারীকর বিভেছইবে, ভাচা পুরীয় রাজগুরন্থা বিজ্ঞানের ডাগুলাইনে কা; এবং ভাছার্দিরের গেছ দেখা কর, ছালা ঈ•প্লণ্ডীয়েবদের দন্ত ক∵র নগুডি অংশের একাং শতুলা জিলা না, তথাপিঞ রজিস্যবন্ধানুমায়া তালারদের 🕈 অংশ, ইংগ্লগুলিরদের অংশের দশীশশের একাপো নদ জিব লা এ সংখিলনাৰ্জ্ব যে এইছ তাম নৃত্যি, তাহা জ্বং লভোবদের নিকটে প্রানা ভট্যা জিল; তাগতে ইণ্প্লীয় পার্লিয়েত্রণভাসক লের যাগ্য ইছাও ক্ষিত জিল, যে এসং মিলবপুমুক পরে যদি কোলো মহৎ এবং ভাৰিভ পানক ৰণজ্য শাৰ হয়, তবে সেও ভাহার্দিপার ক্লেণ্ডনক হইতে পারি বেক না: এনা পরেতে যদি ওভগুর†জার বিদ্রেদ হয়, তবে ইণ্পুণুর্গজা সর্বস্থ হারিড্ডইতে পারে, কিছ আর্যাহিত এবং দাহদিক যে এ ছং রাজ্য, তাহাহইতে ই•গ্লাগীয় রাজ্যের কিকিস্নাভেরও সন্থাবনা নাই.

অনা পাক্ষ অং-জাতীয়েরা, ইছা মনে করিয়া অভিশান রানে পরিপূর্ণ হইন, যে আঘরা আপনারদের পুটোন সমাবিতকল পুতুর হারিত হইব; এবং কুলীনসভোরা, পার্লিয়েরের মধ্যে অবপদহইতে চ্যুত চইবে. ঐ কণ আপনারদিনকৈ দেঝিয়া, দেঝিতে পাইল, যে ভাহারা আঅপুটোন্য এবং মর্যাদারহিত হইয়া অপমানিত হইবে; এবং রাজ্যের মধ্যে ব্যবসায়ী যেহ লোক ভাহারা দেঝিতে পাইল, যে ভাহারদের বানিজ্যব্যবসায় অভিশাশুক্ত গ্রহনেতে অভ্যসহ্য হইবে; এবং বেন্তইপ্তাস্ অর্থাৎ ইংগ্লিপ্টাধীনান্যদেশতে, ভাহারা ব্যবসায়করনে যেহ নুত্রন ব্যবস্থাপ্ত হইয়াজিল, ভাহার পরে সে ব্যসায় লাভজনক হইবে কি না, বিহার কোনো নিশ্বয় জিল না; এবং ইংগ্লিপ্তায় পার্লিয়েব্যুহতে ইহাও ক্যিত্ব

কিল, যে দরিদ রাজ্যের সহিত যে বিশাচারাজ্যের সংযিলেন, সে সর্ম্বানিবিদি রাজের হিডকারী হয়; এবং বিশাচা যে রাজ্য, সে কেবল দরিদুগাজ্যহাইতে প্রান্ধারনোপায়োনিদ্বোর ভোগাকরনব্যতিরেকে অদ্যাকিল পুণিও হই ত পারিবে না. এ সন্বিবিষয়ে ইহাও ক্যিত আজে, যে ক্ষৎ জাগীয়েরা অত্যানিদ্বাপূর্বক ঐ সংশ্বিলেতে সম্মত হইয়াজিল যেমন আআনিদ্বাপূর্বক কোনে। শ্রীর নিবাহ; এবং সকলেই ইহা ভাবিল, যে এ সংগ্রিলন, এয়ত অসংক্রা এবং অসপ্পত্ত বিষয়েতে সংযুক্ত জিল, যে তাহা কথানো সম্মর হইতে পারিবে না. এবং কেহছ কহিল, যে ক্ষ্মতাতীয়েরা যেছ ভ্রিকর দিয়াজিল, তাহা ইণ্প্রায়াণশাপেক্ষা ক্ষাত্ত ক্ষ্ম এবং রাজব্যবন্ধায়া তাহারদের যে অংশ, তাহা তদপেক্ষা ন্যন জিল.

পরে রাজাপুতুকশন্দপাতার। এই বারী। জন্মাইয়া,ছল, সেই সকলের বিরুদ্ধে, ওজয় পার্লিযেওগ্রের সংভারদের অবিকাশ্প লোক, ঐ সংমিলনের পুরেটক বিষয়ে সময়ত হইল.

এড ক্রপান নিলেনে যেই ছিড এবং যেই লাভ, ত্রিষ্য আডিছওলে পুথমড কোনো কাছ রো আলোন এবং বুলি জিলা না, ত্যাপে পরেডে ঐ নান্মলনেতে অকলোর সমাডহইতে হইল.

এ সকল হইতেজিল সে কালেতে, ৰাত্তাপ্তপাতীয় সভ্যেরা পুতিদিন কৰ পরে মাহার্দিগকে মালবর,ঘর অগ্রনার শ্রী, রাণীর সেখার্ঘে **श्**ष्टें हैं जातिल. कौशाह निकार कानिए जिल्लन, जोशाह मह सारी। यो म्हाय्नायक मे क्यांनीह আর এক জন প্রভাষনা, যাহাকে ঐ ল্রা দরিভাবন্দাহইতে যুক্তা করিয়া ঝ্যাত্যা পরা করিয়াজিলেন, ডাহাকে রানীর নিকটে দিলেন, পরে ঐ অ্যানীয় শ্রী ওডরো তর স্পর্ভাকরণপুরক অগ্রাপ্তা এবং লাহকারা হইয়া, যেথ ক র্যোর দর্যা বার্ভারা ছইয়াভিলেন, ৬ডাগেডর ভাছাতে ছান হইতে লাগিলেন. অন্যশক্ষে মান্গাৰ্ লায়া এ জ্ঞা, যাহার আক্ষয়:শাবর্দ্ধনাবশাক জিল, দে এ অগ্রুণীর জ্ঞার অপেকা আভনস্থা এবৎ ওদ্যোগিনা জিল. সে শ্রী, সর্ববিষয়ে রাগার ও গালনা করিত, **এ**वः ठोहात मईवाका ४७३माविक। इहेठ. শ্রে ক্লানীর আডাক্ত, ল যে লাজ मुज्कमञ्चमाजित्राम् मुजि जिल, अव ये वैस्य य मेन्यवनिक्षित, अव जाहार उ मईविष्ठाः मगाउर्अमा कर्चया, देशांट ब्रांनाव या जाता, जारा में सी जांजशीच् অবলতা হইয়া, ঐ অপুনীর জীর ন্যায় বীমবিষয়ে রানার বাবাজনিকা না হইয়া, ঠরুক ঐ বানীর পুিয়তমমতে অনুকূলা হইয়া, তদপেন্দা তন্মতে নিমনা হহতে मांश्रिल.

সে যেকপ ছওক, ইহা সভা, যে এ জী হার্নেনামক পুরানরাজলেথকের ছার্মাসন্নাদনভার কিলে এ হার্নে পুরাববি রাগীর অনুগুহাবীর হইয়া ভাগতা পক্ষপাতিসভ্যেরদের মর্য্যাদাত্মালকছএলে নিশ্চয় কবিল তাচাতে রাজপুতুক পদ্মপাতিরদিনকে আঝালিওকর এ এক আচ্চয়ালকপাতী, যাচারা বহু কালা ববি রাজ্যহইতে অলেক হিতোপভাগ করি গ্রাহিল, ভট্টোগ্রহতৈ ভাহার্থি গাকে বহিত্ত্বৰে আশা করি জিল

এ হার্কে আত্মান্তিলাম সিত্তক্রন্থিয়ে লাহামাকর্নার্যে, পরেতে প্রযুক্ত বলিংব্রেক্ নায়েতে এটাত হেবরি জান্ নামক হাজিকে মনোনীত করিল. এ বলিংব্রেক্ অভিবাক্তিটু এবং অভ্যান্তিলামশালী এবং আঅধানাথজনে মুক্ত, কিন্তু আভিবাভিক্তন এবং অভিকর্মন্ত্র এবং অহন্ধারী এবং মন্ক্রেক্তি এবং কার্যানার্যানিব্রেক্তার হৃতি জিলেন.

ঐ প্রাংশি বংকিরংদ্র সহিত অভিকর্ম্ম ইট্রুড নীমন্ ছার্<mark>কোর্নামক</mark> আন্যানক ব্যক্তি বিশিত হইল,

এ কালে থোৱা হইয়াজিল যে পুজারা, যাছারা পর্ছে ৰাতন্তাশকণাজিলভার দের অত্যানুন্য করিত, ভাছারাও ১ডরোডর ঐ লভারদের পুজি অত্যানুৰান্তিত ছাইয়া, যেই অনহনীয় ভারের নীচে ভাগারা কোঁক ছাতে লাগিল, ভাছার দোর ঐ লভারদিগাকে দিতে আরম্ভ করিল ঐ কালপর্য র পুজারা যে ঐ লকল ভার দহা করিংগজিল, ভাছাতে কেবল ভাইদেশগোণাৰ চালিত ছাইয়া বৈর্যা করে মুগজিল, কিছু পার ভবিষয়ে অনুগোচন কাণ্ডিল।

এ হা ল্ যিনি পরেতে জ্রায়ত অপ্লয়ন না:ম গ্রাত জিলেন, তিনি এ ভির ভির পদ্দান্তিরদের সকল লালিষেত্রগুদ জিলেন, এ সকল লালিষ্ডইতে কোন কিজ মরায় নিম্লন হইল না, কিছ ওডরোডর বর্ষিত হইয়া জ্লমেতে কায়্য জাবিক হহল,

অংশের ঝাততাপক্ষণাতীদভোরা পুনশ্বসূত্ত পিপুর হইটা, রাজপুতুক প্রস্পাতিবদের তাবৎ হল আত হইতে লাগিল, কিছ অকালে দ্র্তিগ্রুদ্ধ দাবলি বার্চাহল, কেশনা তাহান্দিগের পুতি রানীর যে শুলা ভ্রাহিতঃ ইইটাজিল,

কিছু কাল পরে ঐ হার্লে জন্মহৈত্রতান্তার করিলা, আভিনমিতবিষয় দিন্ধার্যে অভিক্রভর অকার্যানিত্রি করিতে লাগিল. ঐ লময়ে গালী ঐ বাজিতে দৃত্তর পুতায় করিয়াজিপেন, কিছ দে সময়ে তিনি পুলালকপে রাজ কার্য্যে পুরুত্ত হল নাহি. পরে রাজপুতুক্রপদ্দপানীরা যে জ্ঞা তিমিন্ন, এবং ভাবৎপুজার্থিগের মন যে পুলালকপে ভাগার্মেরি পুতি জিল, ভাগা আন লাভে অল্পবিষয়ক কিছ জলেতে বছবিষয়ক এক কার্য্যোপন্থিভিনারা, রালী পুথ মহজাবাহাইলেন. ঐ সময়ে বাজ্যমধ্যে ভয়শক্ষপতীয়া, বিরোধে পুরুত্তংগার্থে র্ডদাত ছিলে, এব° কেবল যুদ্ধারম্ভকরনের সংক্ষিতাপেক্ষী শইণা রচিয়াছিল, পরে, ভার্যজ্ঞানবলর্ডিত দৈবাদুপন্তিত এক ব্যক্তিয়াণ, ঐ সংক্ষিত দেওয়া গোল,

ज्ञानक हमति मोहिहरवरक्त् मोर्स अक जन विश्वीवीक, धिनि जञ्जवर्गनतीक বিন্ধিত হইয়াজিলেন্, তিনি নির্ভি এবং ব্যাণ্ড্রভাব জিলেন. 🗳 ব্যক্তি, ঘাছারা অভিদৃষ্ত : রাজস্থাপিত্যতপক্ষপাতী, তাহারদের মধ্যে মান্য জিলেন, এরও রাজখানিতমতা রোবলমিরদের বিফলে অণুক্তকণে শবেষ পুকাশ কয়িগাতি লেন. এ বাজি দব্যি নগরে গুলাকালে সভ্যেরদের একত্রগণনময়ে, এ তার লম্মিরদের বিফলে অনেক পুস্তাব করিয়াজিলেন. এবণ নবেমর মানের ৫ নীচই ভারিয়ে পাওন্নামক বিশ্লালার মধ্যে, ঐ ব্যক্তি ড ডিব্যা ভাপৃষ্ঠ এক নামিত পুরুণবের মধ্যে রাজনিবারনমতপক্ষে আদেছ থাকা কহিলেন, এবং স্থাপিত মতান্তরাবলম্বির্দের সুরামকরলবিময়ের পুতিও অনেক অস্টেডবাকা কলিলেন; এবং কহিলের যে স্থাপিতর্মপক্ষপাতীরা শতুষারা বংক্লেশ পাইখাছিল, কিন্তু মৌথিকবন্ধুবাজবকর্ক অতাল্প সাহায়ীগুলি । ইয়াছিল ; ২০০ ্মছ বাজিরা ভন্নভোদ্যোগক, নাকাণ্ড্রী জিল, ভাছারদের নিমিতে ভুগী বাজাইটা, শুজার দের পুতি এই গুজি দিল, যে ভোমরা ঈশা রর দাজেতে দমত্র হইবা। পরে দক্ দানুত্রল্ গিরাদ নামে প্রান্দণ্ডনায়ক ঐ পুডার্বিষয়ে ঐ থাভির লাহায্য করি ঐপুকার অভিযুগ্তকৃত এবশ সহদ। অবোধনমা ছ'লেও, ঐ দওদায়ক এ বির্মারি)ছেও লাহ্যাকর্নছারা জাপা করাইয়া পুরুষে করিলেন 💎 ভাছাতে এ রচনা গ্রাজপুরুকণক্ষপাতিকর্ত্ত অভিপুরণ নিত হইল, এবং তাৎকালিক হীঅসুজ্ঞে ঐ বন্ধেপ দেশ সকল, অভিন্যাত্যাপর জিল, কিছ হ্দানা ম্যার্থ काल मकालाहि नहीशांचाह रहेगाल.

অপর দোল্বেল্ নামে মকের মহাবিদ্ধানীক্রের পুত্র ঐ নকল অন্ত্রিত পুলাপের বিষয় পুজাপ্রিতিনিবিসভার্টের নিকটে দা থাক করিয়াজিলেন. ভাষাতে ঐ রচিতের মধ্যে যেই ছালে অসপ্রত জিলা ভাষা ঐ সভ্যের্টের নিকটে পাঠ করাতে, ঐ সভ্যেরা কহিল, যে ঐ সকল বিদ্ধোপদেশকপত্র কেবল প্রাপ্যান এবং পরবিরোবিস্চক; তাহাতে ঐ সাচেবেরেল্ লভ্যের্টের নিকটে বিচারার্টে আনিতি ছইলেন সেথানে ওপন্থিত ছইখা, ভিনি যে ঐ সমন্ত বিদ্ধোপদেশ রচিয়া জিলেন, ভাষা অবজ্ঞানা করিয়া, অনুত্রিমায়ে অহন্ধার করিলেন; এবং শালরের পুরীন্দণ্ডনায়ক, যিনি ঐ সময়ে বর্তমান জিলেন, তৎকর্তৃক ঐ বিদ্ধোপদেশ করিলা করাইয়া পুরাশকর্বে যে সাহায্যপুর্বি ছইয়াজিলেন, ভাষাও বিলয়া দিলেন. পরে সভ্যের্টের নিকটছইতে অব্রে ঘাইতে, ঐ যাজিকে আজা দেও স্থানত্র, ঐ লভ্যেরা পর করিলেন, যে কুলীনসভার্ট্টের মিহাটোম এবং স্থানত্র, ঐ লভ্যেরা পর করিলেন, যে কুলীনসভার্ট্টের নিকটে মহাটোম এবং

ভানুপ্যুক্তব্যবহার জন্যে, ঐ থাজির অপান্দ করিবে. পরে ঐকার্যসন্ত্রাদনার্থে, ঐ প্রজাগুড়িনিবিসভারা, ইংগ্লভীয়পুড়িনিবিসভারাদর পুড়িনিবিকণে দোল বেন্ গামে এক ব্যক্তিকে নিযুক্ত করিল. পরে ঐ সাংক্রেকের ভাবং অপবার বিষয়ের প্ররচনার্থে এক সঞ্জার নিযুক্ত কর্নানভ্যে, ভাইাকে বন্দী করিল; এবং বেডামন্ভরহাল্দামক আন্ন কুলানকভারদের নিবঙে ভাঁহার বিচারার্থে এক দিবস নির্যুক্তরালে.

পার ঐ চমৎকৃত বিচার বিষয়, যাহা ১৫ প্ররো দিনপর্যাত হইয়াজিল্, এবং ঐ গামসুদাময়ে অধ্য দকল রাজকর্মনিবাদক হট্যাজিল, তাহার পুতি তাবদ্রাজ্য (৭) পুরীস। ক্রিয়ারিলে, এক রালী ক্য়াই প্রিদিন অন্যথ দর্শকের ৯৬ চেডিবড হাইডেম, এবং পুডিদিন যে সমায় ঐ বর্মা বিচারন্থানে হাইডেন, লেট্ডাল গ্ৰহজনতা, এ বনী যে বিজয়ী হল, এই নিঘায় ৬টিঃ করে সাল লাও বিষয় মনোমারী পুর্যালা লয়ত, তীহার সামে ঘাইত. পরে সর জোনেফ জোওল্, এবং এরদানক চুবাদ মভাদৎ, এবং সর দিওর কিংদামক মৃত্রির, এবং জেনের জ্ভান্রেশ্ এবং মর হান্দা পাকর্ এবং বাল্পোনপুজ্ভিরা, ঐ भुजांभुवितियमान्त्रवाहर भुवितिविकाधी नद्याहरू किन. অব্যাপকের পুতিনিবি, মর মিমন সার্কোর্ড এবং দিপু নামে দুই ব্যক্তি চিল ; ঐ দুই বাজি ভারেবরি এবং স্মাল্রিজ এবং যেতুও নামে ভার্যানকভারা লাহাম্য পার্ড হইয়াজিলেন, পারে যে সমস্ত সময়ে ঐ বিচার হা ভেজিল, সেই সমস্ত भगरम, भे भकल नर्गर्तियां निरुप्तर (कालावलवूला क्यांता किला किला না, কেননা ভাগারা গুনির শিক্ষি বেগন ক্রিয়া, গীল্মার এই ক্যা ক্রিল, যে মহারণনীর প্রতি এবং ব্যুল্মণাতি এদর প্রিইন্ডি প্রিন কর্মন, এবং এই ভর্মা রাখি, যে মহারালী জাগনি ই নায়েবেরেল লাম অব্যাপকের পক্ষ আৰ্বাজন, ঐ নংক্ৰিবাদ্ধীৰা, ঐ সময়ে আনেক বিমাশালা ভল্ল কৰিলা, এক আনেক ভত্রহ রাজকাণিতমতাত্রবৈল্মিংগের গৃহ লুট করিল, এনং বান্ধ অর্থাৎ স্তান্ধ লটবরনবিময়ে প্রায়র প্রায়শ করিল। পরে মুজ গুলিবিফভোরদিরের নিবেদ্দপত্র দেওনজন্যে, রানী 🗳 কলহ দিবুভিকরনের আজা গুড়ার ক্রিনেন, তাগাতে তালক ব্যক্তি হই গ্রাকী হইজ; এবং রাজন্রোচদেশি জালা বিচারিত করল, তাহারদে: মধ্যে দুই বাজি দোঘী ছইয়া বধালা পুাও ছইল, কিন্দ লেঘে কাহারো বর হইল না.

পরে মর্থন পুজাপুতিনিধিসভোৱা, ঐ কাচেবেরেনের অপবাদপত পার্চ সমাঞ্চ করিয়াজিল, তথান ঐ কাচেবেরেনের পুতিনিধিরা, আদক ব্যক্ষুট্রা এবং দ্যাবেলাপুর্বক তৎপক্ষ হর্মা যাদানুবাদ করিতে লাচিত্র, এবং ঐ লাচেবে রেল্ কিছুকাল পরে, অফৎই এক পুন্তার করিল, ঐ পুন্তার ওঁছার বির্মাণাদে লাপেকা অভিবৈলক্ষ্যপ্রযুক্ত, বুঝা মায় যে ভাষা অদ্য কোনো ব্যক্তির রচিত. ঐ পুন্তারমধ্যে রাগরি পতি এবং ওঁছার শাদনের পুতি যে ঐ সাচেবেরেশের কোনছিং লা চেগ্রানাই, ইছা ভিনি জানাইয়া আঅনির্দোষতা পুকাশ করিলেন; এবং রাজ্যে পুভর্পনীবর্তনবিষয়ে এবং পুাভিত্তরতাবলক্ষ্যতরাবিকারি ছওয়ার বিষয়ে অভিনয়াদর পুর্ক ব্যাথ্যা করিলেন; এবং বির্দেশ্যপান্তার বির্দেশ অভিনয়াদর পুর্ক ব্যাথ্যা করিলেন; এবং বির্দেশ্যপান্তার হে যে রাজনিবারে মতে, অর্থাৎ যে যভেতে ভনি পুভিপালিত ছইয়ালিলেন, ভাষাতে আক্ত ছওয়া করিলেন; এবং ঐ দ্যাজনক পুরারের শোষাংশে অভিকাশুলার স্বার্থাক পুরারকালিরদের দ্যাজনক পুরারের শোষাংশে অভিকাশুলার স্বার্থাক পুরারকালিরদের দ্যাজনক পুরারেন

অবশেষ অনেক ক ঠার বাদ্যানুর হেব পর এবং ছানেক কটুবাকৈর পর, এক প্যাহস্ট্তে হলাপানীয় সাধানপাবিকলোকেরণের সমাভিত্যে, ঐ সাচেবেরে বের ঘোর পুমার হালা; কিছ বুলি দেন লানের চে, নিশ জনের লান লাহ, ঐ বিরীকৃত পুনার বিচায়ে আপনার দের অসমাভি জানাইশা, পরে ঐ শাণাবেরেল ভিন বংশরপর্যান বিচায়ে আপনার দের অসমাভি জানাইশা, পরে ঐ শালীবিম্বা পদ্মপ্রাক্ত, মাহা ভিনি জাপ। কলাইগালিলোন, ভাছা নগবের পুরীনদন্তায় কের এবং ওদ্যান অন্যানুই দওনাগকের লাকাহকারে, অপ্লাদের হন্তবারা অনিতে স্থানাওন গোল. ঐ ব্যান্তির অন্তুদ্ধ, মাহা ভাহকালিক সেণ্যুক্ত

আর তৎকালীন প্রতি ঐ পুকার জিল, ত্রাধ্যে রাধ্য আন্তর্জন নুচন লালিমির আহানকরনে চেপ্তা পাইতে লালিলেন; এবং রাধ্য অফুড ইবাজপুড হ লাহাবাভিরদের স্মেকারিনী হওলালুমুক, এবং পুজারদের অভিলাদানুদারে পুতি নিবিব্যালি নিমুজকরনদার, ভালারদির মধ্যের মধ্যের অলাইলেন; এবং মাহাবাছ লভায় পুরিত হইগাজিল, ভালারদের মধ্যে মাহারা আভ্রাপক্ষপাতিবিক্তরা চরনে আপনার্দিরাকে আগ্রাপার ক্রিয়াজিল, ভ্রাতিরিক অন্যকেহ থাওিত হইল লা.

ঐ সময়ে ঐ সকল গ্রুতিজিল ভাগার মধ্যে ম্লাওর্স দেশে যে বার্থিকমুদ্ধ হাইতেলিলে, ভাগা অভিসাদেওলাপুর্বক সিল গ্রুতে লাগিলে; যেহেতুক মালবর্ষদ্ধে অপুনা যে ঐ মুল্ল বহুকাল্পমান চালান, ভাগাতে ভাগার আনেক লাভ জিল, কেননা ঐ মুল্ল, কেনেল উগোর অভিলামবর্ষক হাইল না, কিছু সাইওলাম্নাদক যে ভাগার লোভ ভৎসম্লাদক হাইলে

অপর ঐ লময়ে ট্রানিদেরদের রাজা, অভাতৈকোনুক গ্রমণ, ভরিষয়ে পরামর্শ হলোধে চেন্দা পাইতে লালিলেন, ঐ পরামর্শ নিদ্ধার্থে ঐলাজা, হেলু নামক স্থানের হলভিনের অগুলীর পর্কশ্নামক এক জন প্রীনন্দোককে, ঐ বিষয়ে বাদাপুরাম করেলার্থে নিমুক্ত করিলেন, এবং অন্ত ই ঐ বিষয়ে গুপ্তেও ঐ অগুলীর নিকটে চেষ্টা পাইতে লালিলেন. অবশেষে গোর্তিদেন্বর্থনামক আননে ঐ মার্লবর্গ্থ এবং ইপ্তাল্ত এবং স্থাপ্তাল্ত, মাহারা কোনো হপ্তকারলার ঐ ঐক্যাল্লর হওনের বিকল্পক জিল, ভাহারদের অনুমতিজ্ঞান এক প্রামার্শ প্রশ্নিত হইয়া জিল, ভাগতে ঐ সময়ে ট্রানিনেরদের পুতিনিবিপ্তকীলেরা, অনেক অম্যানিষ্ট প্রেণ্ড হইয়াজিল; বিশেষত ভাগারদের আচরল দেখানের নিমিতে চঙুলিলা অনুমান্ত হিয়াজিল; বিশেষত ভাগারদের আচরল দেখানের নিমিতে চঙুলিলা অনুমান্ত কিনি হুল হইলাজিল, এবং ভাগারদের আমির বিষয়ে আনক অম্যানিষ্টাক্ত হইড়াজিল; এবং ভাগারদের তিরীপ্র প্রকল শ্রুলিয়া প্রিত হইড়াজিল; অগ্রাব অবশেষে লুইন রাজা, অগ্রা এক বা্থিকভুল আরম্ভকরনে নিশ্বয় করিলেন.

অপর ঐ আর দানী বালী শাভিলামানুসারে চলিয়া, যেণা ক্রমভারা অনেক কালাবি ভাষার পুরায়দ হইটাজিল, ভাষারদিগ্যকে কালাগুলকর ও আভি শানৈথ সাহদ কুলাইতে লাগ্যিলেন কিছ সে যাহা হছক, হালোগামক মন্ত্রী থিনি ঐ কালপর্যান্ত রানার অভিশিষ্টপাত্র হায়া রহিয়াজিলেন, তিনি ঐ পুকার কার্যাক্ষমকরনের ম্যায়াও দ্বারা, এক ভাষাতে যে সকলের সম্মতি, এক রাজ্যের মার্পন্যাদি ইভাদিঘারা, রানীশ পুরোই অন্যাইতে কিজু তুটি করিলেন না, পরে ঐ ব্যক্তির প্রামশহে হুক, রানী ঐ সকল্যাজ্যনভাপরিত্যকার্যে পূর্তা হইয়া, কেন্তের জ্বাকে রাজ্যাহর্সকলপদ্যুত্ত করিয়া, থিনি অল্পন্তর রাজসভার রাজপুত্রপ্রায়াভিয়েনর পত্রতাহর্সকলপদ্যুত্ত করিয়া, থিনি অল্পন্তর রাজসভার রাজপুত্রপ্রায়াভিয়েনর পত্রতা কিছিল, এমত যে শান্তর রির জ্পুনা, ভালাকে ঐ পদ দিলেন; কিন্তিছকলেনের সন্দেলগত্রের পুনেশা, বকারী, থিনি পুরান্যাজনেথক এবং মার্লার্যের জ্বানার জানাতা ছিলেন, তিনি গদ্যুত্ত হইলেন, ভালতে মাত্রতের প্রাদ্বাধিকারিকে ভাগাত্র সাম্বান্তর লিনে, তিনি গদ্যুত্ত হইলেন, ভালতে মাত্রতের প্রাদ্বাধিকারিকে ভাগাত্র না দে নিয়া, বর্গ্য মর্যানিতা দে থিয়া, আপনাক্তে জ্বানিভাগের দেখায়ার না দে নিয়া, বর্গ্য মর্যানিতা দে থিয়া, আপনাক্তে জ্বানিভাগর্হিত মুজকরনে মনন্য করিবেনন

অল্প দিবদের পরে, গদল্মিদের পুদেশাবিকারী আঅকার্যাচ্যুত ছইলেন, এবং ঐ হালে, যিনি ঐ সময়ে একজেকরনামক ভাঙারের পুরানমন্ত্রী এবং পুরানঝাজান্ত্রীপদে নিযুক্ত জিলেন, তাঁচার কর্ম্যাবীন কতক্পুলিন নিয়ে জিতলোকে:নের হন্তে রাজভাঙার অর্লিত ছইল. পরে প্রায়ুত সমর্পের স্থানে, সভ্যেরদের পুরানপদে রচেত্তরের পুদেশাবিকারি নিযুক্ত ছইলেন; এবং রাজ্য পুরানক্র্যানিত্রের ভাগ্ অর্থাৎ সেনাবায়েরদের সম্ভিব্যবহারীলোক, দেবন্ শিরের অণুনীছইতে তাহা নীত হইয়া, বকিংহাযের অণুনীকে দও হইল;এবদ ছেনরি জানুকে জানুকে লান্দেওলার্থে, বয়লিনামক ব্যক্তি পুরীনলেথকপদন্তুত হই লেন, পর পুরীনফরী, রাজযোহর ওপেকা করনেতে, ম পদ পুথমত কতকগুলিন নিয়োজিতলোকেরদের হস্তে অনিত হইল, কিছু পশ্চাৎ সর শীমনু হার্কোর্ডকে দেওলানের পারের পুদেশাবিকারী, আইল্ও দেশের রাজপুতিনিধি শদমর্থান করিলে, ম কায়া অনন্দের অণুনীকে দত্ত হইল. এবং রাবর্ত থাল্ পোলের জানে, আর্জ্ গুনুকে, মুত্রের পুরানলেথকপনে নিযুক্ত হইনেন; এবং আলুর মধ্যে মনি সকল কহি, ভবে আঙ্লাপাদ্যাভিরদের মধ্যে মালিবর্থের অণুনীব্যতির দ্ব, এক জনও কোলোরাজপদ্দ নিযুক্ত হছিল লা. ম মালিবর্থের অণুনীব্যতির দ্ব, এক জনও কোলোরাজপদ্দ নিযুক্ত হছিল লা. ম মালিবর্থের অণুনীব্যতির দ্ব, এক জনও কোলোরাজপদ্দ নিযুক্ত হছিল লা. ম মালিবর্থের অণুনী অনিমানুর্কি মকালপ্র্যান্ত লৈ নার্ক্তের পুরীন্দেনবাণ্ডিবিদে নিযুক্ত রহিলেন, কিছু আপেনাকে জিল্পন্তব্য ঘাছার নিক্টবর্তাপিত্য, তলংজনর্ব্যাশ বিক্টবর্তা জান করিয়া রহিলেন.

क्रिड ड्रक्टाल, स्य मग्रम्थान भीनियंडमानाता तिहे मध्यारिका मण्ड गा হটাগা, রাজীর ডাভিমত সংস্থাপন করি গ্রামিক না, গে সাম্পর্যার রার্থির সঞ্চার ভাষে জনসংখ্যান হয় লাই. পার রাগী, সংসার্গরে নিকাট ফল্বিনাছে আম'নিজ তাতি করাইলেন, যে অত্যুদ্যোগাংক গুল বিবাহ ধরন ও ১.টি ১. ভাষাতে ঐ বিষয়ে পার্নিফেন্সভারা যে সমতে, কং অভ্যাদ্যালাগছ দালোক कतिरव जो १ शनः रक जानारेन ; अवर राष्ट्र रिष्ठय, १० कियार हो ता हो जारबार এবং মঘ্যাদার সর্বনাশ পুণ্য ওপভিত ক্রিয়াজিল, তাহার নিবারেল যেন। করে 溪 ইয়াও রানীর নিকটে প্রামনা করিল. 🗳 ঐ সকল ওদ্যোল, পরেতে ঘালা ওপত্তিত হইমাজিল, তাহার আর্যুক মাত্র দিলে। ইহাতে মার্লবর্ষের আ্লী, মিলি কেবল দুই তিন মান পূর্বে, পুজাপুতিনিধিরদেরকর্ত্বক অতিশয় পুশা নিত হইয়। অত্যত स्त्रिक्शांक शरेमा (জলেন, তিনি এখান তাহারদের নিন্দীয় এব॰ তুত্রাল্লদ ছইলেন, ঐ অগুনী অভ্যন্তলোভাক্ষের নিমিত্তে পুক্তকপে নিন্দিত ছাইয়াটিলেন ; এবং সকলে কহিতে লাভিলে, যে ঐ ক্যজি লোভাক্ষাপুসুক মুক্তমাপিকরনে অনিহুক किलान; এर॰ जिनि (य भूरकेना कहिएउन, এर॰ उपनक अनामिकार्य। किन्या किरलन, अहे मकरलह 3 जरनक भूगांव इहेल. ये मकल विषय मठा इहेरड शात, বিশ্ব ঐ অগুনীর বিকল্পন্সপাতিরদেরও অনেক অসপতকার্য। জিল, বিশেষত ভাঁচার मोर्मिरिष्ठए। এवः क्यांकोधीविष्ठए। जातक निष्ठा कहिए लाजिन, शह, गृही। পেফা এ অগুনীর অংক্ষার ভারিক চ্নকরনার্যে, পুজাপুতিনিবিদভোরণ, এ অগুনী प्रांडर्मामाज (य) यूच कत्यिक्तिलन, उक्कार शेरांत सुनेश्मा ना कत्या, रझनामाण विज्ञवार्यत शुरमणाविकांत्री स्थर मुख कविमाकिस्तन, **उ**ज्ञाना

ভাঁহাকে পুশংসা করিলেন; এবং মথান পুরানমন্ত্রী, ঐ সভ্যেরদের পুশংসা পিত্রক্ষেত্র নিকটে আনাইলেন, তথান ভাঁহার বৈরি ঐ অনুনীর লোভিষভাবের বিষয়েও কোনো এক কথা ক্ষিতাভিলেন.

সেই নকল মাহা হওক, তৎকালে আভজাপক্ষপাভিমত, যাহাতে ঐ রাজস্থ আরম্ভ হইণানিলে, তাহার মধ্যে এ মুক্রিব্যুগাতিরিক চার কিন্তুই অবশিশু দিব না, এ মুল ব্যাত্ত হইগা, পুতোক বৎসারে ওড়ারাওর চারিক বন্যায় হইতে নাগিলে, অভএব এ মুল, মাহা লালাকে সর্ব্যব্যাতাশোবিশুগুল করিয়ালি ত তংগুমুক, এবং শত্রুর অহন্ধার চুর্বক না হইণা, কেবল রাজ্যানের দের মুক্রভাবব্যুক হইবার সন্তাবনাপুমুক, এ কাল্নি রাজসাভ্যেরা তাহা সাগি করনে শিক্ষা ফরিলেন.

অপর রাণার অভিনাম দিভার্থে কেংল এই এক কার্যা বাঁকা রছিল, দে ঐ
মার্লবর্গের অনুধাকে পদ্যুত্তকরন; যেছেডক ঐ সভারণ জানিল যে ঐ যানুধা
মান্ন পদন্ত থাকেন, তবে ভাই রেনিজার সমন্ত ভাবী ক্ষিবিষয়ে পুরিও ছইবেন
ক্ষিত্রে বিষয়ে এক বারা ৬০ ছিত ছইল; তাঁচা এই, যে তাঁহাকে পদন্তুতকরকে
হলওজাতি, মাহালা ঐ অনুধাত জাতশায় বিশ্বান রাখির জিল, তাহাকেরে
ইণপ্পতি হর্মের পুতি অভ্যতাপুর অনিবে; অত্যন্ত সভারেরের কোনো এক ওপ
মুক্ত অবকাশ ওপাতি বির আপেলা করিতে ছইল, পরে ঐ অনুধা, বার্থিক নুমহাতি
পুডালিমন করিনে, যে ব্যক্তি সৈনোর্নের থার্চপত্র যোগাওনের অন্য সন্দোধন্ত
করিয়া জিল, এমত এক পিছদীর নিকটছটতে ১৮০০ আটচারিশ হাজারে হাজা
ছুম্মল এননোর্ন্ত না অপ্রান্তিহ এলপুনুত, বালী ভাহাকে সর্ক্রম্যাত্র্যুত করিবেন,
ঐ ঘুদ্ধ ওপান্যমাত্র, যেহেত্ক সভার। ঐ ব্যক্তির পান্ত প্রন পুর্নিথি বিরীজন করিয়া
রিচিয়াজিলেন

ঐ মুদ্ধান্ত্রন, ঐ অনুনার পদচ্যুত্ত হওনোপাযুক্ত নিদান
করেন

এ সকল হইতেজিল ইতিমধ্যে, রাজকীয় বিষয়ে এটাপানহও লালেকা, কবিছেতে অবিকথা বিভাগের প্রিরনামক এক ব্যক্তি, ঐক্যেমান্দান লইয়া ট্রালিন্ দেশেতে পুরিত হইলেন, ভাহাতে কুদুপদত্ত মেনারেরনামক এক ব্যক্তি, ঐ ঐক্যাবিষয় সিভাগে ওপমুজপরাজমপুরিত হইয়া ঐ পুরুত্র সহিত লওন্দারে আগিমন করিলেন.

অপর, রাজসভারা এপর্যাত কার্যাকর্ম দিছ করিলেন, কিছ ঐ সন্ধিপত্তকরেও মেছ নিয়ম, তাহাতে ওভয়পদ্দীয় সংমিলিভমন্তিবর্গের দিগের সম্মাতিকর্বকণ দুষ্ক রাণশ অবশিষ্ঠ রহিল. ভাহাতে ভার্মর্মের পুদেশাবিকারী, মিনি কিঞ্ছিৎপূর্বে ঐ কিল্যকার্য্যে হের্দায়ক ছালে প্রেরিড ছইয়াজিলেন, তিনি পুনরাগুড় ছইয়া, ছেনি দিয়শ্ লামক বৃডিভোরীতাজির নিকটে ভাবিস্ক্রিয়ে পুরান্ধ বিষয় জাপনার্যে, এবং ভ্রিষয়ে রানার সম্মতি জানাওনার্যে, এবং পূর্বান্ধ বিষয় জাপনার্যে, এবং পূর্বান্ধ হলভরাজ্যে প্রেরিড করা কোন ছালে একএ ছইবে, ভাষা জিজানার্যে, পুনর্বার ছলভরাজ্যে পুরিত ছইলেন. ঐ সন্ধিপত্রের পুরান্ধ বিষয় জাত ছইয়া, ঐ সন্ধিবিষয়ক বাদানুবাদ্ধ আরম্ভকরে হলভজাতীয়েরা জভ্যসম্মত জিল, এবং ভ্রিষয়ে রানী মাণাধ পর করিয়াজিলেন, ভাষাগইতে রানীর মন মিনাওনের জাণার এক ওকলিকে পুর্বিহ্নেরে, কিন্তুর বিষয়ে ভাষাগদের ভারমুদ্বোনা ব্যাধ দেখিয়া, ঐ হলভী যুরা পর্বিষয়ে বাদানুবাদকরনজনের জত্তেশ্ব নামক ছাল ছির করিয়া, সেই ছালে ফুলিন্ যজেরনিত্রে জারমনার্যে পাশ্ জ্যাধি মুক্তিলত করিয়া দিকেন.

পরে ঐ বাদালুখাদ অত্যেপ্ত নামক স্থানে আর্থ্ধ হইল; ভাছাতে রিনন্
দন্দামক ব্রেজ্ নুলারের বিশ্লবিহাল, এবং রাজার নিজ্মুদুধিরারী এবং স্থামধের
পূদেশ বিকারী, ইহারা ইংগ্লপ্তায় পদ্ধ জিল; এবং বইল এবং বাল্যদুলেন,
হঁহারা হলপ্তীয়েরদের পদ্ধ জিল; এবং মার্লাল দি অক্লেল্লেল্ এবং পলিনাক্
নামক পাপার সহায়, এবং এম মেনারের, ইহারা দুর্গামিসেরদের পদ্ধ জিল;
এবং সার্লের এবং জার্মনির সমুট্রের মন্ত্রারা, ঐ সন্ত্রিপত্তরাওবে সাহায়্য
করিল; এবং জন্ম দংশিকি বরাজ্যানেরা, প্রপ্রাক্রমবারীজকালেরদিলকে প্রের
কলিলেন, কিছ অভ্যসমাতিপুর্ক, ঐ সকল রাজ্যানেরদের মধ্যে, কেবল হাল্ল
থায়ের এবং দুর্গিনেরা ঐক্লের্নাক খ্লী হওয়াতে, আমরা অভিসহজ্ঞানে
ব্লিঙে পারি, যে জন্ম সমন্ত জ্ঞালেরা, ঐ ঐক্লের নির্বাহক না ভইয়া, কেবল
হাল্লিঙে পারি, যে জন্ম সমন্ত জ্ঞালেরা, ঐ ঐক্লের নির্বাহক না ভইয়া, কেবল
হাল্লিঙ পারি, যে জন্ম সমন্ত জ্ঞালেরা নৃত্রম বারা জন্মাইয়া ইভরোপের
বিরোধনাশক লা হইয়া, কেবল ভাহার বিয়েদ্রিন্ত্র কারী হইলেন.

অপর ঐ দাং মিলি তরাজগনেদ্দের মন্ত্রান্ত, ছংগ্লান্তীয় মন্ত্রার, বছবারাপুলির পুলুজ, ট্রানিন্দ্রদেশকের সহিত গুওলার একাকরনের সন্থান করিতে লাগিলেন, এবং পর্য়র ঐকাপনে মহাব্রিটনের পুগার দের নিমিতে কতকগুলিন হিতবর্জনিবিষয় নিকলের করিলেন, এবং ১ভয়রা আর ঐকাবিষয়ে ইংগ্লান্ডিয়ের, ট্রানিন্দেরদের দাহিত এই পন কলেন, যে ঐ ঐকা যাহাতে ভক্তন হয়, এমত কোনো অবিশ্বভকাষী করা ঘাইতেক না.

পরে ১৭১২ শালে আগন্তমাদের আর্যে, জান্দামক রাজলেথক, যিনি পূর্বে বিলি ব্লোক্নামক দেশোপভোগি পদন্ত ছইয়াজিলন, তিনি ঐ পূর্বিয়সন্তিকরেও যেই বাবা ছইয়াজিল, তলাশকরলাথে, বর্ধাজিদ্দামক্ রাজসভায় পূেরিত ছই লেন. এবং তাঁহার সহিত পুিল্র এবং আহি থাএল্ডেরনামক জন্য দুই ব্যক্তি গোলেন, দেই স্থানে পঁছ চিয়ো ভাঁছারা অভিসমাদরপূর্বক গৃছীত ছইলেন, এবং ঐ জান্ নামক থাজি টুাঁদিনের রাজাকর্তৃক, এবং ভার্মির প্রপাগুনী, গাঁছার সহিজ ঐ জান্ নাবয়ের অগুনীর ভাবদ্বিষয় এবং বাবারীয়ার মনোনাভকর্তার ভাবদ্বিষয় দিল্ল করিয়াচিলেন, ভংকর্তৃক অভ্যানুন্য় এবং স্মাদরপুর্বক গৃহীত ছহলেন.

অনশেষে ইংগ্লভীয়েরদেন এবং ট্রানিসেরদের ঐক্যাপত্র, এবং ব্যবসাধ্য ক্রানিজ্যানিত্ব, ওত্যুপদ্যিপূর্নপরাক্রযালীওলীলগ্রার ভিত্তীক্ত হাইলে, এবং রানী ডাহা দৃহক্রপে সংস্থাপন করিলে, ভিনি মাহাছ করিয়াজিলেন মে মকল আলমহাসভ্যোধ্যের নিক্টে পুকাশ করিলেন.

রাচক্ষে বিবর্গনর মধ্যে যেছ দল্লির বিষয় আমরা পাঠ কবিয়ালি, সেই দকল প্রির মধ্যে, ঐ অভিথাতি পদ্দল্লিবিষয়ে যেছ বাদানুবাদ ছইয়া জিল, তদপেদ্রা অবিক দীর্ঘকালবাপক এবং মাৎদর্যাদুক বাদানুবাদ কথানো তানি নাই; যেতেতুহ ঐ দলিচিষয়ে ভিন্নভিনাভিলাষপুসুক্ত, এবং পর্য়র শ্লেষপুসুক্ত দহলকে সমত করা অসাধ্য হইল এবং ঐ এক্যান্দিলকরনে যে ওপায় থির করালিয়া জিল, অর্থাৎ ঐ িরোধে নিম্মা পুরীন দুই অবিপ্তির শ্লেষদ্পনি বিশ্বা পুরীন দুই অবিপ্তির শ্লেষদ্পনি বিশ্বা পুরীন দুই অবিপ্তির শ্লেষদ্পনি বিশ্বা প্রান দুই অবিপ্তির শ্লেষদ্পনি বিশ্বা প্রান দুই অবিপ্তির শ্লেষ্ট্রাক বিশ্বা বিশ্বা প্রান দুই অবিপ্তির শ্লেষ্ট্রাক বিশ্বা বিশ্বা প্রান দুই অবিপ্তির শ্লেষ্ট্রাক বিশ্বা বিশ্বা প্রান মান্ত্রিক বিশ্বা বিশ্বা প্রাণনব্যতিভ্রেক, অন্য ওপায়েতে নিজ্ঞান্তর কোন স্থাবন জিল না

भै मखिलाउर निष्य ५३६ य मिलिल मिनि मईतर्जुक मोना स्त्रन (मार्माड রাজা চিলেন, তিনি মুন্সিন্ দেশের ওত্রাবিকারিতা তার্ব করিবেন; করিব এট, যে এ পুকার পরাক্রমশালা দুর আরিপভার মং মিলনেতে তাবং ইওারা পের স্বেদ্ধারারিত্ব নাশ হউতে পারে. এবং এই বিষয়ে সকলে সমত হইল, যে বেরির অগুনী, যিদি ঐ মিলিপের জ্রাডা এক তাঁছার ওডকাবিকারী, তিনি ঘ্রাদিরের রাজা ছইলে, ল্লেনদেশতে যে ভাঁছার ওড়রাবিকারিতা, তাছা wits कविरवन. aan at निश्म कर्नाडाल, य नाग्एम् अन्नो, तांजापर বিষক হইয়া সিমিলিব।মক ওপদীপ এবৎ মহাদীপে ফেনেকেল্লিস্ এবৎ অন্যহ্ ন্থান অবিকার করিবেন; ঐ অবিকার দকল ট্রাসিদের একাবিপতালুট্ছইতে ্রত ঐ সঞ্জিতে ছলণ্ডীয়ের। বহুক;লাব্বি যেং সীমা ভাগাকে দত গ্রুয়াজিল. পুণিবের চেম্বায় জিল, তারা তারারদিনকে দত বছল; তাহাতে দাবয়ের অনু নীর রাজ্যবন্ধ নার্যে ঘদি ট্রোনিদের রাজ্যের অবিকার অপদত হইল, তবে অন্য পক্ষে হলওজাতীয়েরদের অভিলামসমূর্তকরএজন্যে তা প্রিয়ের রাজকুলগরতেও কডকওলিৰ ভবিকার ৰীত হইল. 🗳 হলওজাতীয়েশ ফ্লান্তর্নরাজ্যে দ গণেক্ষা কটোরং গড় অবিকার পাইয়াছিল. পরে ঐ সন্থিতে ইংগ্লণ্ডের পুতি এইং

ল্রাম ছইলা, যে তাহাতে তাহার এখার্যা এবং ছিত ভিনী ৃত ছইলা. এবং দদ্কর্জ নামক স্থান যে থানে তাহাত নপ্পর ক্রিড, এবং ভয়ের সময়ে সে ইণ্প্লভীয় বালিজ্যের দাশক হইতে পারিত, দেই তানের দুর্নসকল দাশকরনাজা দিয়া, एमरे नभेतराड़ी नम्हं कृदिल. এव॰ जित्नालेत नात्म खान, এव॰ यिवकामायक अन ম্বীপ, যাহাতে স্প্লেন্ দেশের অবিকার, তাহা দ্যেন্ত্রো তারা করিল. এবং ট্রানি সের্দের ছদ্সন্বামক সম্দের ঘোল, এবং নোবাকেট্টিয়া, এবং নিও ঘৌও লাখনামক যেহ অধিকার, তাহা ভাছারা তারে করিল, কিছ কেপবুত্রু নামে मम्पूर्व (एँक, এव॰ ए.६व ५भव मध्या चकाहेबाव चान, उडे डांगएपाव जित লার রভিল, পরে ইণ্প্লভীয় কুদের পুতি ঐ গশৌদালক ক্রিনিগ্রের সারী, रहे २क विष्ठत जल्ल लुचिडा जिल मा, राधांय ने गुँगिमामर ने मुर्गे वियापार निर्माहित प्राप्त मी, যাসিলা অঅবৈর্থনের লাভে কারালে এবং ব্লালীকার বল্প ছট্যালি চ্ ভাইবি দিগের মুক্তি. অপর জার্যনির সম্বাট্যে পুতি এই নিয়ম চইল, যে তিনি নাগেস্ নামক রাজ্যে, এবং থিলান নামক অনুন্যারিকারে, এবং নিতর্লান্তে অবি পরে প্রক্রীয়া দেশের রাজাকে সপ্পর থেলেবেনামক রাজ্য में बहेत, ८४० में मंगुष्टि रा में मकल मितिएरगर जनाउ बन, उज्जाना কতক দিবন নিকপন করা গেল; চেতেত্ক ঐ সমুটি ঐ সলি নিম্নতিনিষ'য় কাহায্যকরতে অনেককালাববি অবজ্ঞা কলিয়াজিলেন, এডজ্ঞালে ইওরোপীয় ভাৰনহারাজ্যমকল এক মহাপুজাপুভুক্তবিশিধ চটনা; যাগাতে পুতা কাংশ ভিন্ন১ অবিপত্তির অধীন হইল, এবং ভাঙারণদ্র এবো কোনো এক অবি পত্তির भाष इहेला, जिनि मकल अविभिज्ञि विठाएए प्रश्रवीन इहेरवन.

কিছ যে নময়ে দাওতাপক্ষপাতী মন্ত্রীরা, পুকাশকণে গ্রাজপুত্রকার্মণাতির দের সহিত বিবাদ করিতেছিল, সেই সময়ে ঐ রাজপুতকণক্ষণাতীরা, আঅ মধ্যে বন্ধিতবিশোবিপুযুক্ত তভোগিক বহুপদলুত হট্তে লাগিল. প্রায়ত আক্রমদ এব॰ প্রায়ত বোলিংবোক্ এক মতাবলয়ী এবং একাভিলাঘাকারী হইয়া, পূথমত রাজকংশর্ম পুরিষ্ট হইলেন, কিন্তু পরেতে আক্সাল্রুর্দিওকে জয় করিয়া, এখন তাহারদের যেথদামর্য্য অবশিষ্ণার্ডিয়াছিল, তাহা এক অন্যের ওপর বায় করিতে লাগিলেন, এবং ওচ্যে দুয়ক্দুগগাকাগ্ধাবর্ভক, এবং शृथक्र्यजातन्त्री प्रशेष नाशिलन. 🗳 जाञ्चाद्य नायक राक्ति, त्य उलाग क्रिया জিলেন, তাহা কিলু সপ্পত, বিশ্ব ঐ বোলিণব্রোকের যে ১পায় তাহা অসিক বলবত, এবং নিথিয় জিল. বুকা যায় যে ঐ আগ্রন্দনামক কাজি, ছানোবড়ীয় कुलजारक अवनिविकाती कहालब राजधीम जिल्लान, लिक में व्यक्ति वृत्तिक वृत्ति মানিকে ওওরাবিকারি করাওনের আশায় জিলেন. এ দুই ব্যক্তি, এক আর এককে অত্যত্তৰেম করিলেও, তাহারদের কল্পাক্সৰ এক অনুগতলোকেরদের

ওদ্যোগদারা, ভাষারা কওক্সাল লামগুলাভাবে র্জিড হইয়াজিল, কিছ অল্লুদিনের মধ্যে তাঁছার্থের বজুবাজ্ববেরা, অভিমনোদুঃশ্পুর্বক দেখিতে পাইল, যে ভাছার্থের পুত্যাশার পুরীন্রাড়, যে সময়ে বাছ্যে পুকালকপে বেন্ধিঃ হইয়া জিল, সেই সময়েও তাঁহা গুলকপে অভরে বুলিয়াদশ্লা হইডেলাগিল.

এ সকল বিষয় রাজপুভুকণফলাতির পুতি অতিদুঃথজনক জিল, কিছ রাণীর পুতি তদবিক অসলোমজনক জিল; যেছেজুক তিনি দেখিতে পাইলেন, যে তাহার পুতুরতা রাজযভিরদের পরাক্রম পুতিদিন ওওরোতর হ্রান হইতে লাগিল; এবং ওজন পঙ্গলপতিরদের বিরোধী যেমত বর্ত্তিত হইতেজিল, তেমন তাহার লাগ্নী রও হ্রান পাইতে লাগিল. এ সময়ে রাণীর লারীর অভিজীল হইয়াজিল, এবং এক পীড়ার পর জন্যান্য পীড়োপন্থিতি হইতে লাগিল, কিছ ওাহার যে মনঃপীড়া, তাহাই তাহার লারীরেবিনানিকা হইল. এ সময়ে যেছ বিরোধিবিষমাদ হইতেজিল, তাহাতে এ রাণীর মনঃপীড়া এমত বর্জিতা হইল, যে তিনি এক দিবস কহিলেন, যে আমি আর বাঁচিব না, কহিয়া তংক্ষরাৎ মুর্রাগত হইয়া রহিলেন. বৈদ্যোগ যেছ ওঘর দিয়াজিল, তাহাতে রোগা পুতিকার না হইয়া, বরক্ষ দেই পীড়া এমত ব্রি পাইতে লাগিল, যে পর্দিবনে রাণী যে বাঁচিবেন এমত সম্ভাবনাও জিল দা, অভ্যর রাজনিজদভারা তৎক্রে আয়ুত হইল.

পরে কোনো ভেদ না করিয়া রাজ্যের তাবৎস্থানহইতে মহাসভ্যের্দিনক্রে একত্র করিয়া, হাজ্যের রক্ষার এবং ভত্তিতের নিমিত্তে চেম্বা পাইতে লাগিল, 🛕 লভোরা একত ছইয়া, হানেবির গাডোর মনোণীতকর্তার নিকটে পত্র পেরন ছারা, মানাপলবানীর সংকাদ জাত করাইয়া, হলওরাজ্যে ওাঁছাকে আলমন করিতে প্রাথনা করিলেন. এব॰ কशিया পাঠাইলেস, যে সেই স্থানে পঁছজিলে, আপনাকে ইংগ্লণ্ডরাজ্যে আনি বার নিমিন্তে, ইংগ্লণ্ডীয় যুদ্ধজাহাজনমূহ প্রত এव॰ ये समाय में सालाहा, हात्रायक चानक खालु पहि भूषानाति কারির নিকটে এই সংবাদপত্র পাঠাইলেন, যে তিনি ছলগ্রীয় রাজসভ্যের্দি तात्क कृष्टित्वन, या जीशांत्रा नाजिखन्यजावनसी अज्ञादिकातित जायिन स्₹र्ज পুত্ত থাকেন. এবং ঐ সময়ে ঐ সভ্যেরা, ইংগ্লন্তরাজ্যের তাবৎসমুক্তনমীপক नत्रत्र मावद्यानभूईक त्रका कृतिवात खाळा मिल्लम. अव श्वाहाजममूर्वत कर्ज्य ভার, বর্ক্লির পুদেশাবিকারী, মিনি আওত্তাপক্ষপাতী ছিলেন, তাঁহাকে দেওয়া গেল. ो मकल अभीय, यांचा ने मगर्य चांचनानक्ष्मीजित्सव वांकानिमादि कृत इहेगा জিল, তাহা এই দুই কার্যসন্ধাদক জিল; বিশেষত তাহারা যে আপনারদের নূতন ৰাষিত্র কার্য্যে রত তজ্জাপক, এবং অন্যপক্ষণীতিরদের অসভােষৰভাবেতে রাজ্যে অমধল ছইবে, ভজ্জাপক জিল.

শরে ১৭১৪ শালে জুলাই মালের বিংশদিবলে, বোর ইইয়াজিল, যে বানী উন্নবিদ্ধান কিন্তিৎ পুতীকার পাইয়াজিলেন, যেহেতুর অস্থানপ্তের সময়ে তিনি শাঘাছইতে ওঠিয়া কওছল বেড়াইলেন. পরে কডছলবাদে রানী, কুঠরীতে স্থিত এক ঘড়ীর পুতি দৃষ্টি করিয়া কওছল একদ্য চাহিনা রহিলেন, তাহাতে তাহার যে পরিচারিকারা জিল, তাহারদের মধ্যে এক জন তাহাকে জজল দেখিনা, জন্য সময়াপেকা এখন কি নূতন দেখিতেজেন, এই কথা জিজালা করাতে, ঐ রানী ঐ পরিচারিকার পুতি যৃতবাজির ন্যায় নির্নিমন্থি করিয়া রহিলেন. কিছু কাল পরে লাভ ঘাতিক রোগালুভা হইলেন, তাহাতে সমস্ত হাত্রি অজানা হইয়া, গার দিবল পুভাতে, ওনপন্তাশাৎ বংসরবয়ন্তে প্রভাগার করিলেন. ঐ কালে যেহ লোক লর্বাপিকা লর্ববিষয়ে পারদাশা জিল, এবং আয়জানঘারা, বিনবৃত্তি ছইতে যেহ হিত ওৎপন্ন হয় তাহা, এবং আয়লাহলারা, জণহইতে যে নিক্ত ছো তাহা, পুল্লা হহুয়াজিল, এমত লোকেরদের ওপর ঐ রানী বারবৎনারাহিক রাজন করিয়াজিলেন.

৩৪ চতুক্রি শাইসায়,

পুথয় জর্জের বিবরন.

আপর ওওরাবিকারিস্বায়বন্ধানুদারে পুথম জর্জ যিনি এর্বেক আগক দ্রন্থামক বুদ্দাবিকর পূথম বিশ্বনি ব

ं प्रशिक्ष के

রা অসমাণ আআদুরাত লাকে দিগকে পরিতাগে করনেতে অতিপুনিছ চিল, কিছু জর্জ রাজা মধান ইণ্প্লান্ত রাজ্যে পঁছজিলেন, তাহার কিছু পরে ওঁছারে এই কথা করিবে জামি কথানা তাগা করিব না; এবং সার্হজিগতের ন্যায়াবিচার করিব, এবং কোনো লোকের মুখাপেন্দা করিব না, ঐ কপ পর মনে রাখিয়া রাজ করেব, এবং কোনো লোকের মুখাপেন্দা করিব না, ঐ কপ পর মনে রাখিয়া রাজ কর্মো অত্যাতাদ্যোগী হইলেন. কিছু সে সকল মাহা হওক, ইণ্প্লান্তর বিষয়ে তাঁচার একটি দাঘ জিল, তাহা এই, তিনি মাহার্দের কর্তৃত্ব করিতে আনি মাজিলেন, তাহার্দের হিতাপেন্দা, যে পুজার্দিগকে ছাড়িয়া আনিয়াজিলেন, ভাগার্দের হিত্তিদয়ে অবিক অনুসক্ষানা জিলেন.

অপর রাজমহিঘী পুৰিত্যার করিবামাত্রেতে, সেইজনে রাজনিজসভ্যেরা একর ছইয়া, তিন ব্যক্তিকে নিযুক্ত করিলেন, তাহারদের দ্বারা মনোনীতকর্তা আতীয় কতক্ওলির অনুগতলোক্রেদিগকে, রাজ্যের দাতজন পুরীনপদম্বেরদের সহিত বিচারকর্ত্বদদে নিযুক্ত করিলেন. এবং তৎক্ষণাৎ জর্জ নামে রাজপ্রতে ইংগ্লণ্ডীয় এবং ক্তংলগুরি এবং আইর্লগুরিদেশের রাজা বলিয়া পুচারকরনার্থে আজ্ঞা দিলেন. 🗳 রাজপুতিনিধি অর্থাৎ যুবরাজ, খনিকটে আপনার রাজনি॰ছাসনের डउज़ाविकांत्री इंउरनंद मन्यांप (मं अनार्ध्य, अवन यंथन हेन्द्रायतारका याहरवन তথান সহিত গ্রমনার্যে, দর্শেতের পুর্দেশারিকারিকে নিযুক্ত করিলেন. অপর ঐ সভ্যেরা, যাহারদের মধ্যে বিশ্বাস করিতে পারেন, এইমত পুরানং সেনা পতির্দিগতে ৰৰণদে পুরুষ করিলেন; এবং পেতিকাতের গড়েতে দৈন্য নিঘুক করাইলেন, এবং আদিনন নামে অতিথাতিয়াপর এক ব্যক্তিকে পুরান মাজলেথকপদে নিযুক্ত করিলেন; এব° পূরীয় রাজনভ্যের অহন্তার অবিকরণে দমনার্থে, যে স্থানে ভাষাকে ভিত্তজার এবং অপমান করনের জন্যে লোক নিযুক্ত कृतिया वाश्रियां जिल, त्मरे कांत भध्यत्वा मार्थाना क्राउत्तर यात्वा कांत्रज পত্রের থলী লগে কিছিল, পুতাহপুভাতে দীড়াইল লাকলাথে, প্রায়ত বোলিও ৰোককে আজা দিলৈন. े नुउन दोजा, निःशंमराविधि इअनकाल, কোনো কলর কিয়া ওৎপাত ধৎপর না ছওয়াতে, আমরা দ্চপুমা। পাই যে কেছ তীছার বন্ধনবিষয়ে নিবারুক চিলে না.

যথান ঐ জর্জ যুৰবান্ধ গুনুৰিচ্ দর্গরে জাছাজছইতে অবরোহন করিলেন, তথান রাজবৃদ্ধানিযুক্ত সৈন্যেরদের কাঞ্চান্ যে নর্জনালিছের অগুলী তৎকর্তৃক, এবং রাজপুতিনিধি ঐ যুবরাজের পুবীনমন্তিকর্তৃক গৃহীত ছাইলেন পরে যথান ঐ যুবরাজে শহনার্গরে নিভ্তে রোলেন, তথান মছাকুলোৎপরেরদের মধ্যে মাহারা ওাঁছার ওড়রাবিকারিছএনবিষয়ে মনোযোগ্যকরনপুরক আপনার্দিগ্যকে

শ্রাব্যাপন্ন করাইয়াজিল, তাহারদিগকে তাকাইলেন; কিছ অর্থের অগ্রুণী এবং পুরীনমন্ত্রী এবং পুরীনশাজান্ত্রী, দেখিল যে তাহারা বহিষ্কৃত হইয়াজে.

অপর একপফলাতী কলছকাতিরদের হাজা মিনি, তিনি আঅপুজারদের কেবল আর্ছাকের পুজু হন, কিন্ত ইহার সভ্যতার বিষয় ঐ দূতন মনোনীত সমাটু ভজাত ছিলেন, এমত বোৰ ছয়. এই অভারা জিল, যে যাহার। লইদা আঝাভিলমিতবর্দ্ধনচেষ্টামারা এবং অন্যথ্ আআভিলামদারা ওাঁহাকে হাজ করিত, এমত লোককর্তৃক নিডা বেখিত ये मयाय याहाता क्लामा भक्तभाष्ठितपत भुवीम जिल, जाहाताहै কেবল কর্মে নিযুক্ত হইত. তৎকালে স্বাডন্তাপদপার্ভারা, মধান কহিত, যে আমরা আআৰাখির ওত্রাবিকারিতান স্থাপনের চেপ্তায় আছি, তথান नाना अभागवांता क्वल च जिलावभूत्रात, यव चभवित्यकात, यव चभुक्त নিমিতে ব্যবহাকরনের চেষ্টা পাইতেভিল. 🗳 নম:াববি বিশ্বস্ত এবং সম্রাত্ত এবং হিতত্ত্বক যেই পদ, সে সকলতে নৃত্ত্বই পেক নিযুক্ত হইল. ঐ সময়ে আতিকাপরুপাতীরা, মহাদভায় এয়া রাজমন্ত্রিদের ওপর কর্তৃত্ব করিতে লারি লেন, কাহাতে মাহারদের পুতি ওীহারদের ক্রোবি ওত্নর হইত, তাহারদের পুতি অনিখাচরন করিতেন; এবং অতিক,ঠারকঠোরবারভাগারা সামান্যলোকের দিনকে বন্ধ করিয়া রাখিতেন, এবং জাতাশশে অপকৃষ্ঠকণে ভিন্ন করিয়া পুজার দিগকে অভিদূরে রা.খিয়া, 🗗 পুকার । নিষ্ঠাচরন যে অবাব্যাচার, ডাহ। 🖫 জার দিগকে কহিতে ওপদেশ ক্রিডন.

অপর ঐ সকল ভিরপক্ষণাতিত্ব অতিশীলু পুজাংদের মধ্যে বিরোধিবর্ত্তনের কারন হইল, এবং রাজার এক পক্ষের পুতি অধিক স্বেছপুমুজ, রাজ্যের মধ্যে যেই বিরোধি ওপন্থিত হইগাজিল, তাহা আরও বর্ত্তিত লাগিল. কিছু পরে বর্মাপক্ষপাতীরা যে আপদ্পুত হইগাজিল, সেই ইলি পুনুক্ষপন্থিত হওয়াতে, বুঝামায় যে সে সময়ে পুতারদের মধ্যে যদি কোলো এক জল পুরীন হইয়া প্রতি, তবে মহাবিরোধি হইত, যেহেতুক স্মিণিহাম্ এবং বুন্তল, এবং বিদিণ্ডুভি নগরন্থেরা, পুর্বিতে সাচেবেরেলের বিষয়েতে যে গ্রীত দর্শাইগাজিল, তাহা ক্ষরেন করিয়া, এখন সর্ব্য এই জনরব্য ইলা, যে আত্ত্রাপক্ষপাতির্দিগকে এবং সাচেবেরেল্কে এড্রেরেল্কে এড্রেরেল্কে এড্রেরেল্কে এড্রেরিল্কে এড্রেরিল্কে এড্রেরেল্কে এড্রেরেল্কে এড্রেরেল্কে এড্রেরেল্কে এড্রেরিল্কে এড্রেরেল্কে এড্রেরেল্কে এড্রেরেল্কে এড্রেরেল্কে এড্রেরেল্কে

অপর যে সময়ে দুত্রপার্লিমেতীয়সভারা একর ছইল, এবং যে সময়ে রাজা এ আত্তরপক্ষণাতিরদের পুরীন জিলেন, সেই সময়ে পুরীর্মিভারদের পুরি যে অতিনিধুর এবং নির্মাচার ছইবে, ইহা সকলে অববারণ করিয়া রহিয়াজিল, এবং এ বিষয়ে মনুষ্য ভার জিল না. অপর মহাছীপে স্বাধিকার বিষয়ে রাজা, যে অমর্য্যাদাপুলি ছইয়াছিলেন্, তছি ময়ে যে তিনি পুনর্ম্যাদা পুলি ছন, এই বিষয়ে কুলীনসভোৱা স্বন্ধাকায়ু ৷ জ.না ইতে লাগিলেন; কেননা রাজ্যের মর্য্যাদার যে হানি ছইয়াছিল, তছিময়ে যে ভাহার: অভিদুখিত, ইহা জানাইতে অনেক চেশ্বা পাইয়াছিলেন. পরে পুজা পুতিনি বিসভারা, ঐ বিষয়ে কুলীনসভাগপেক্ষা অধিক চেশ্বা পাইতে লাগিল; ভাহাতে পুজাপুতিনি বিসভোরা কহিল, যে রাজ্য কি নিমিতে ঐ পুকার দুর্দা গুন্ত ছইয়াছে, তাহার কার্ব আগরা অবশ্য জানিব, এবং ঐ রাজ্যানী যেছ অনুধ্রিক্তির ভগর নির্ত্ত কারিয়াছিলেন, তাহার দিগ্রহে অবেষ্ট্র করিয়াছিলেন, তাহার দিগ্রহে অবেষ্ট্র করিয়াছিলেন, তাহার দিগ্রহে অবেষ্ট্র করিয়াছিলেন,

অপ্য যাহারাই রাজশাসনে আঝাসভাষ দর্শাইটা ছিল, এষত যে পাশা এবং জেমুবাজমতাবলম্বারা, তাহারদিগের অপমান এবং হিংসাক্রনে, ঐ কালীন তাৰদ্বাজ্যন্থ এবং পুর্বের তাবদ্বাজ্যন্থে সকলের চেন্ডা ছিল. এবং তং কালান রাজ্যশাসকেরদের, যেই ব্যবহার ত্রিক্তনাচারিরদের বিষয়ে এই ক্যা ইলিয়া নিদ্দা করিতে লাগিল, যে ঐ ব্যক্তিরা রাজ্যানির পদ্ধ হইয়াছে. তাহাতে দুগ্ম সমন্ত লোকেরা, ঐ পুকার আচরনে কচক্তিকরনে ভীত হইল, কেননা ঐ কালে অসভোষম্বভাব, রাজদ্বোহদেষভুলা ছিল; অতএব তাবদ্বাজ্যন্থ পুজারা, অভিশয়ভয়পূর্বক এবং অভারে অসভোষ হওত, কিন্তু ঐ অসভোষ শুভাব পুকাশকরনে ভীত হওত, ঐ সমন্ত ব্যবহারের অন্যায্যতা দ্বিধ করিতে লাগিলেন.

অপর ঐ গতসন্ধিবিষয়ক তাবংকাগজপতের ভুরাভনুতা বিচারার্যে, এবং ঐ কাগজের মবাছইতে মাহাছ গতরাজসভারদের অপবাদের কারও হইতে পারে, এমত সকল কাগজপত্র বিশেষিয়া লওনার্যে, বিংলাভিজনসংখ্যক এক সন্ধুদায় নিমুক্ত হইল. পরে বাদানুবাদে কিয়ৎকাল ক্ষেপনানতর, বাল্পোল্ নামক ঐ দন্ধুদায়ের পতি অন্য সকলংক জানাইল, যে বিবর্বপত্রলেখা পুতত হই ফাজে; অনতর মাতিও পুিয়র এবং তমস্ হার্লে, যাহারা ঐ সময়ে ঐ গৃহের মর্যে জিল, তাহারদিগকে আক্রমন করনার্যে আজ্ঞা দেওয়াতে, তাহারা ভৎক্ষ লাৎ বৃত হইলেন. পরে ঐ বাল্পোল্ রাজদ্বোহদোমজন্য প্রমুত্ত বোলিংক্রোকের অপবাদ করিলেন, তাহাতে ঐ সন্ধুদায়ের কেহছ অতিশায় চমৎক্ত হইল; কিছ মথন প্রমুত্ত কনিংশ্বি ওচিয়া কহিলেন, যে এই সন্ধুদা ফ্রে পতি, হত্তের পুতি অপবাদ দিয়াজেন, কিছ আমি মন্তকের পুতি অপবাদ দিয়াজেন, কিছ আমি মন্তকের পুতি অপবাদ দিয়াজেন, কিছ আমি একর পুতা অপবাদ দিয়াজেন, কিছ আমি একেন পুতি অপবাদ দিয়াজেন, কিছ আমি একন অনুক্

জন্যে, রাবর্তনামক আক্লদর্দের পুদেশাবিকারির পুতি এবং মর্বিবরের পুদেশা বিকারির পুতি অপবাদ দিতেলি, তথক ত হার৷ অবিক চমৎকৃত হইল,

नक्षित्म यथन औष्ठ आङ्गण्य क्रुतीनमाखा रावत यात्री आतीड इड्रालंत, ভথান ঐ কুলীবনভোৱা, ওঁছোকে সঞ্চারিব্যাবিকাপাপকর্মগ্রেম্বরূপ জাব कहिल, जा-1: उ ने वायु जाञ्चापर, मनुषा दिनयां व नीव वावहां हो ह हो उ नात, ভাহ। দেখিতে পাই: লন. পরে ঐ ব্যক্তির অপবাদপত মথন পুজাপুডিনিবি अष्ठाइदिक मरवा शार्व कहा होल, उथन य विषय जिनि जनवादि प्रहेगा জিলেন, তদিঘয়ে অভিশয়বিবাদ হইতে লাগিল, এবং সভ্যের। কহিল যে টুঁঃলি সের রাজা, ছলওজাতিহইতে তর্নেশামক শহর হি পুকার হত্তরত করিতে পারেন, ভদ্বিষয়ে ঐ আক্লফর্ল পরামর্শ দিয়াজিলেন; তাহাতে বাল্পোল্নামক ঐ সমুদ্র। (एत पंडि, कहिलान (य म तोजामू) हामा छ. পরে এক অতিথ্যাত্যাপর কাতহ্য মতাবলম্বী মূলফ্ জেকেল্ লামে ব্যক্তি কহিলেল, যে তাঁহার দোম যে রাজদুহি দোম, ইহা আমি কোনো পুকারে কহিতে পারি লা; এবং কহিলেন যে আযার এই নিম্ম. যে কৈ ৰড় কিজোট লকলের পুতি আমি মুখার্থ বিচার করিব। পরে ভিনি কছিলেন যে আমি বুকি আমি ব্যবস্থা জ্ঞাত আজি, এবং বন্দির বিমন্ত মাহা কহিয়াতি, তাহা যে সত্য, ইগাতেও আযার কোনো সন্দেহ নাই. ক্ষমা স্থানিয়া বাল্পোল্ অভিওগ্নুচিজপূর্বক ওতর দিলেন, যে এই সনুদায়ের মরৌ। এবং বাহি রে. অনেক লোক আচেন, ঘাঁহারা মিদ্যাকহনবিষয়ে, ঐ সভ্যের পক্ষ কোনো পুকারে হইবেন না, তাঁহারা ব্যবস্থাজানে ঐ সভাহইতে অবিক জান ষান্বটে, কিছ ঐ বন্ধী যে দোষেতে অপৰাদিত হইয়াছেন, তাহা যে রাজাদাহ हाथ मार्च विष्या श्रे शिवाद पात्र अ कारणा मान्यह माहे, उन्हार अ आक्रमार्पद পুদেশাবিকারির পুতি ঐ দোঘ ঝিরীকৃত হইল. পরে ঐ সন্তুদায়স্থ সভ্যের। জান্যহ সকল বিষয়ে সমতে হইয়া, প্ৰায়ুত কনিং স্বি এবং ঐ সমুদায়ক ৰাডন্যমত শক্ষপাতীসভ্যেরা, কিঞ্চিৎ পরে ঐ আক্লমর্মের পুদেশাবিকারিকে কুলীনসভ্যের দের দিকটে অপথাদ দিয়া, পুার্থনা করিল যে ভাঁগাকে পদ্যুত করিয়া বন্দী করেন. পরে মথান ঐ বিষয়ে রুলীনসভোরদের মব্যে বাদানুরাদ ছইল, তথান জনেক কঠিন হ বাক্য ওপন্থিত হইল, এবং ঘাঁছারা ঐ পদচ্যুতপুদে গারিকারির পক্ষ জিলেন, ওাঁহারা ঐ পুকার নিধুব্ব্যবহার যে অঘণার্য, : ব॰ ও জ্রাণাচররে যে শেষে মন্দ গ্রী ত পারে, এবিষয়ে আনক কছিলেন, সাইপেষে ঐ আ বুল দরি প্রে শাহিলারী ৰ: •ই ওঠিয়া অভিনিক্তার্যাচতপূর্বক করিতে লাগিলেন, যে আমি खांबाद कर्जी (य दांशी, मईविष्ठाय जाहादि आकारह इडेगा कार्याकर्य कविग्राह्नि, এবং জানপুর্ব বাজব্যবন্ধার বিফলে কোনো কুক্রাক্রি নাই; ইছাতে এই ৰ্ছ ব্যক্তির পুনি যায় কি থাকে, ভাহাতে আথার কোনো চিতা নাই

পর্টিবলে ঐ প্রায়ুত তাক্লমের বিচারস্থানে আনীত ছইলেন, এবং সেই স্থানে জভোরা, ভাঁছাকে ভাঁছার অপবাদপত্তের এক নকল দিয়া, পুন্তত ছওলার্যে এবং ঐ মিয়ের পুত্যুত্তর দেওলার্যে, এক মাদ মেয়াদ দিলেন. ঐ সভ্যেরদের মব্যে ম্যান মিদ্দামক তর্কালন্ধার কহিলেন, যে যদ্যাপি ভোগরা ঐ পুদ্দেশাবিকারিকে গড়েতে অর্নন কর তবে ভাঁছার পুনি বাঁচা ভার ছইবে, তথাপি তথান ঐ সভ্যেরা সর্বনিম্ভিপ্রিক কনিলেন, যে ভাঁছাকে অপিত করিতে ছইবে.

এ ক্ষয়ে জর্মন্তের জ্পুনি এবং প্রায়ুত বোলিংব্রোক্, আপনার্দিগাকে নিক্ষিত ক্ষমায়ের মধ্যে করিব করিলেন লা কেননা গ্রাণারা মহাদ্বাপে পলায়ন করিয়া গ্রিয়াজিলেন, ত্রিনিতে এই মার্লালের পুতি এই আজো দেওয়া গেল যে তাহার দের লাম এবং কুলানিতিছচিত্রিতপাঠইত দি কুলীনসভারদের ফর্মইত বহি মৃত কংগু, তাহাতে ভাগার্দের ভুমাবিকার ক্ষমতাদির ফর্ম লইয়া ম্যানইব রাজনিকটে দেখিল করিল.

नै जीपु उ जाञ्चमर् पृष्टे २० मत्रभर्मात राज्यस्ता वन्ती वहेगा विशिष्ठित्तन, मारे नगराव गरी। अक गर्नाचीशीनग्रापक कलाइ अनिविध इवशास्त्र, तांखाइ তাবৎপুজারা কলহাকাঞ্জী হইয়া পুদ্ধত হইয়া রহিয়াতিল. অপর কতকণ্ডলিন द्वलीनमञा, याशांता अञ्जाह्वकर्वज्ञाता वृष्ठ इहेगांकिल, खांशांतरमा वर्ष रहेल. বুঝা যায় মে দে সময় রাজ্যবেরা তাহারদের রক্তপাতেতে পরিতৃপ্ত হইয়াজিল, তাহাতে এ সময়ে প্রায়ুত আক্লমের্ছ আপনার বিচার যে ওপন্থত হয়, ইহা পুর্যানা করিলেন; যেছেতুক তিনি জানিলেন যে যে ব্যক্তিরা নিডারদোঘা জিল তাহার দের বারিতে রাজ্যক্রো পরিত্র হইয়াছে. অভএব তিনি যান ভালিন যে আমার দোষের সহিত ভাহা: দের দোষের মিলদ করিলে, ঐ সভোর আমার দোষ অন্ত্রজান করিতে পারে. शरत ये आगुड जांक्रसामत मुार्धनानुमारत তাঁলার হিচার্দিন নিক্তিত হইল, এবং ওাঁলার পুতি যে অপবাদপত্র ভাষা আনিতে পুড়া ুডিনি বি মড়েট় দিনকে আ'জা দেওয়া নেন. পরে নিকলিভসময় ওপ বিত হইলে, কুলীৰ সভাৱা বেভযিন্ত হাল্ ৰামক সভাবাৰে গেলেৰ; 🛊 দভায় প্রাযুক্ত কোপর পুরাণকর্মনচিবপদে নিযুক্ত ছিলেন. বিচার কি পুকার হইবে, ওরিময়ে কুলীনসভ্যেরদের এবং পুজাপুভিনিবিসভাক দের মধ্যে বিবাদ ওপন্থিত হওয়াতে, কুলীনসভ্যেরা লইসমাতিপূর্বক কহিল যে ঐ বন্দির মজিকরণ কর্তব্য . ঐ বিবাদ ওপন্দিডপুরুক্ত, ঐ প্রায়ত আক্লমর্মে আক্স কর্মাপদ এবং ক্তর্যাধানইন্দ্র পুনঃপুার হইলেন; যেছেত্ক ঐ অপবাদপত্তে যেছ্ विषय्त्र निविद्ध विनि ताकामा राष्ट्रांच पाषी रहेग्रांकिलन, त्मरे नरून विषय ২৮৮ ব্রিটিন্ দেশীয় অর্থাৎ ইংগ্লণ্ডদেশীয় ওপাথ্যান. [৩ঃ মব্যার, অতিমুদ্র এবং কেবল দেঘেতে যুক্ত জিল, অতএর তাঁহার পুর্বহানির কোনো আশব্যা জিল না.

🖈 मकल इट्रेंड जिल इंडियरीं, 🗢 मकल भेड़्वांनि ७ भेड़निष्मडाफिकार्या পুজারদের ক্রোব বর্ত্তক ছইল; যেছেতুক তাছারা দেখিল যে এক পদ্ধপাতী হ্যতিরিক্ত অদ্য কোনো কেহ রাজার অনু গুহাবীর হইতে পারে না. ৰুৎনণ্ডরাজ্যে পুজারদের মধ্যে যে কলছকপ অমি, তাহা পুজুনিত হইয়াচিন ; ভাছার বিশেষ কলি, মারের পুদেশারিকারী জংলওদেশ পরতীয় খানক আমা দ্রাত ৩০০ তিন শত পুজা ন্যারোহ কহিয়া, কারল্ডৌন্ দায়ে নগরে রাজ্যানি क दोजा विलिशा शुक्तांत कतिया, (बुरायतनीयक क्यान चनाजीका ४४ कतिया, রাজার ভাবৎলৈন্যের অভির্থিপদ গ্রহণ করিলেন. ঐ সমন্ত কার্য্যে সাহায্য করণার্যে অক্রশত্রবাফদইত্যাদি, এবং কতকওলিন সেনাপ্তিতে পরিপূর্ন দুই काहाक, ग्रीमिमाप्याहरेख च ब्लाउ शाका उपचित्र हरेल ; ने जाहाक ने মারেরের পুদেশাবিকারির নিকটে এই আশাসূচক সংবাদ আইন, যে অনু দিবসের মধ্যে রাজমানী অয়ণ ই অসৈন্যাব্যক্ষ ছওনার্যে ওপস্থিত ছইবেন. আশাসূচক সংবাদ পাওনপুযুক্ত ঐ মারের পুদেশাবিকারী অভিতরাত সুসন্তিত ५व॰ मईमायलीमयिख प्रमामश्यु रेमनापुष्ठि रहेगा उपवाक हहेलान. আর্রিলের অর্নী, ঐ পুদেশাধিকাঞির তাবদাকায়া জাত ছইয়া. এবন ধনি যে ভৎকালীন পুভূষের শিতাবাদুগতলোক তজ্জাপনার্থে, এবং তাঁহার সৈন্য বিশক্ষলৈন্যেরদের অর্ভাণশ হইলেও, দম্ব্রেশ্নামক নরার্নিকটবর্তিকালে, 🗈 পুদেশাবিকারির সহিত মুদ্ধ দিতে মনস্থ করিলেন. 💛 পরে এক সংগ্রাম মাহা অনেক্ষণপর্য্যত হইয়াজিল ভাষার ন্যান্তির প্র, নক্ষাকালে ওভঃপক্ষীয় দল मुधक् इंअगरिज, भवञ्चव ६७ग्रमाधवाई, आंगवा खग्नी এই कथा कहिएउ नाशिन. এ ওভামপক্ষীয় সৈনোরদের মধ্যে কেছ এ রবন্ধল হস্তরত করিয়া রাখিতে পারিল না সতা, কিন্তু ঐ যুৰ্জের ভাবৎসম্ভ্রম এবং ভাবল্লাভ ঐ আর্গিলের অনুগীর নিতা ন্তই ইহয়াজিল; যেহেতুক ঐ অগুনী যদি কেবল শত্রুদের আগমন নিবারন করি তেন, তবে তাহাতে কার্ম্য দিন্ত হইত; কেননা শত্রা যে দশায় চিল নেই দশায় অণুসরহওনে বিলম হইলে, ডাহারা পরাজিত হইত. পরে যারের পুদেশাবি কারী দেখিতে পাইলেন, যে ঠাঁহার দিরাশাজনকবিষয় এবং হানি ওতরং অভি শয়বর্দ্ধিতে লাগিলে, যেহেতুক কিজুকাল পরে ইন্বলেল্লের গড় যাহা ঐ পুদে শাবিকারির হত্তাত জিল, তাহ। প্রাযুত লবাং যিদি ঐ কালপর্যান্ত রাজযানির পক্ষপাতী আপনাকে জানাইয়ালিলেন, তৎকর্তৃক রাজনগীপে অর্দিত ছইল, এবং ভল্লিবার্দিন্নামক ওপালুলী, তিনি যে স্থানে বাদ করিতেন দেই স্থান

লমন্ত রক্ষার্থে, ই পুদেশাবিকারিকে ত্যাল করিয়া গোলেন; এবং ব্দুংনজনীয়বংশ লংশক অনেক কৈন্যনযুহ, যথান দেখিল যে অদ্য সংগ্রায়ের সম্ভাৱনা নাই, তথান ভাহাল ব্দুংগুছে চলিয়া গোল;কেননা অন্যবন্ধিত যে দৈন্য ভাষারদিগকে হঠাং লংগুগুৰে লইয়া যাওয়া সহজ, কিছ বার্ত্তিক্যুন্তের ভাবংকস্থ সহ্যকরাওন অভি ফঠিন

এ সকল ছইতে জিল ইভিমব্যে, এ কলছ, ইণ্পুওদেশে অংলওদেলাপেক্ষা चाउम्माहल जिल. या समग्राविक ने ब्रांजियांनी, शाहिल् नायक नतात ने वांज् লোপাণ, ঘাহাতে অমতের অগুনী এবং প্রায়ত বলিংকুকি সাহায্য করিয়ালি লেন, ডারাডে পুর্তমঞ্নর ওপজ্ঞ করিয়াছিল, সে সময়াববি প্রায়ত ন্তের মিনি পারিশ্ নগরে ইণ্প্লভীয় শব্দ ওকীনপদে নিযুক্ত জিলেন, তিনি ঐ রাজমানির তার দুলায়াবলাত ছইয়া ভবিষয়ের, এবং ভাঁছার ভাবসনুমন্ত্রিরদের বিষয়ের বিস্তারিত সমাচার, ইম্প্লভদভোর নিকটে প্রেব করিলেন. ভাছাতে ঐ সভোরা ইম্প্রভদেশে কলম ওপন্থিত হওয়ার পুথম সমাচার পাইবামালেতে, ঘাচারদের পুতি ভাঁহার मित किछ मान्य जिल, अग्रेड जानक ग्रहांकूलांच्रित अव॰ शुरीनेकाकित्रितारू বন্ধ করিলেন; এবং হোমু এবং বিদ্তৌন্ এবং কিল্লোল্ দামক পুদেশারিকারী পুড়িরিদিগকে এদিংবরংঘর গড়েতে অর্শিত করিলেন. এবং রাজা অয়ণই, সর ওল্যম্ বিদহাম্ এবং দর জান্ পাকি তন্ এবং হার্মি কাম্ পুভ্তিকে আক্র यनकहनार्थ माविहनस्माकणुजिनिविमलास्वहारह मान अनुयजि ठाहिरलन. এবং প্রায়ুত মাক্সদৌশ্ এবং প্রায়ুত দল্লিন্পুভৃতিরা কারাত হইলেন. সমর্সেত্র অগ্রুনী, মিনি সর ওলাম্ বিসহামের শবর, তিনি আপনার জামা ভার পুরুক্তপঝিতির জন্যে জামির হইতে চাহিয়াজিলেন, ক্রিন্ধ তাঁহাকে গ্রাহ্য कतिल मा.

অপর ঐকণ ওদ্যোগিও চেণ্ডা পাইলেও, তথাপি রাজ্যের পশ্চিমন্থ ক্লকল পর গালা, যে স্থানে কলহ আরম্ভ হইয়াজিল, দেস্থানে তাহার বৃত্তির নিবারন করিতে পারিল না. কিছু নে যাহা হওক, ঐ সকল কলহকারিরদের তাবদায়োজন এবং চেণ্ডা অভিদুর্থল এবং অসুবাবন্ধিত হইয়াজিল, তাহাতে ক্রয়ে তাহারদের ভাবন ওপায়োৎপত্তগরন্ধেত রাজনিকটে আত করান গোল, তত্ত্বযুক্ত অনেক কলহ ওংপর হওনোপক্রমেতেই দ্বান হইল. ঐ বিষয়ে আক্রমদের মঠন্বেরা জানেক নিগুর নির্মিষ্কাবহারগুভ হইয়াজিল; ভাহার নিশ্লেম এই, যে মেজর জেনে রাল্পেশর কতকপ্রলিন আশাষদ্ধ দেনা লইয়া, রাজিপুভাতসময়ে ঐ আক্রমন্থনার হত্তাত করিয়া, কছিল যে ক্লাক্র অমঠনিকণিত স্থানের বহিত্তি যদি হন, স্বাবে তাহানের ব্যুক্তারা নারিয়া ফেলিবে. রাজ্যের ওত্রাণলের প্রগান্ধ

মব্যে যেই কলছ ওপত্তিত হইয়াছিল, তাহা পশ্চিমাণ্শের কলহাপেফা অ িশয় বর্ত্তিত হইয়াজিল ; ভাছার বিশেষ এই, ১৭১৫ শালে অক্টোবর মালে, দেবেঁতবাতত্ত্ব পুদেশাবিকারী, এবং ফার্ল্ডরদায়ক অন্য এক ব্যক্তি, কতক থলিন অস্থাকছকৈন্য লইয়া বৰ্দলে ওপস্থিত হইলেন, এবং দেই স্থানে চ্ছৎ চাওদেশের দ্বীযাহ**ইতে কতকঞ্জিন মহল্লোকের দাহিত যিলিত হই**য়া, রাজ ম'নিকে রাজা বলিয়া পুচার করিয়া, পুথমত নিওকান্তল্নামক ছান, যে ছানে াহারদের অনেক বন্ধুৱান্তব জিল, সেই স্থান আক্রমনকরনে মনন্দ ক্রিল, কিছ নেই স্থানে প্রতিবাতে পুরুষার কদ্ধ দেখিয়া, ভাছারা হেক্সহাযু নররে চিরিয়া রোল. পরে ঐ সকল কলছকা নির্দের সহিত যুক্ত দেওবার্থে, নয় শত সৈদ্য সমন্ত যাগেরে জেনেরাল্ কার্পেডেরনায়ক এক সেনাপতি রাজশাসকের্দিরাই**ই**তে ্ৰেরত হওয়াতে, অভিশীঘু যুদ্ধ হইবে এমত সাইত বোধি হইয়াজিল. 🗳 কলছ কান্ত্রা কেণ্ডাল এবং লাক্ষান্তরনামক নরার হইয়া, প্রেন্নামক নরারে ওপ 'বিত হইয়া, অবাধিতকলে তাহা হস্তনত করিল. কিন্তুপে যাহা ৪৬ক, 🖈 স্থান এ কলছকারিরদের কুপরায**়ের্ল এব॰ দৌরাক্মোর অবন্দানভান ছিল, যে**ছেতুক জেনেরাল বিজ্ঞানায়ক দেনাগতি দাত হাজার দৈন্য দ্যভিব্যাহারে এ কল্ছ কারিরদিগকে আক্রমনকরনার্যে ঐ দর্গরস্মাপে ওপন্থিত হুইলেন. অতিকর্মদেজপুমুক্ত, তাঁহার হন্তহইতে ঐ কলহকারিরদের পলায়ন করিবার কোনেঃ তাহা দেঝিয়া, 🕈 কলহকারীরা গড়থাই ইড্যাদিছারা, 🎝 मञ्जादना किल ना. ছোন কঠিনাক্রম ক্রিয়া, রাজনৈদেয়েব্রের পুথম চচাও নিবারলকরলে সমলে চইল, কিছ দে মাহা হওক, প্রদিৰদে ঐ বিলুবামক দেবাপতি, কার্পেট্রের দামক দে নাপতির পর্যক্রনে দাহাম্যপুঞ্জ হইয়া, ঐ দগর চতুল্লার্ম অববেধা করিল. ঐ কলছকারীরা, আঝকুব্ভিদেতুক ঐপুকার দুর্দাগুর ছইয়া, এবং ডান্য কোনো ওপায় না দেখিয়া, ঐ ছার্ত্তরনাত্রক তাজি জেনেরালের সহিত দল্লিক্যালেমুক চ ইয়া, তৎকার্যালিভার্যে, কর্নেল্ অক্লবর্ষ যিনি ঐ মুভে বদী হইগাজিলেন, ভাঁহাকে এবং এক ভূরীবাদ্যকারকে সঙ্গে করিয়া, পরাক্রয়সন্থি কর্নজনে। প্রেন্ ল বিলা এ বিলাদানক দেনাপতি, এই কথা কহিয়া অবছেলা করিলেন, যে কর্তকারিরদের সহিত আমার কোনো সন্ধিরিষয়ক ক্যা ছইবেক না, এই ফলে ্লাননাশব্যতিবিক্ত অন্য কোনো অনুগুছালা দিতে পারি না অভিকঠোর জিল, **ক্রিন্ধ ঐ ক**লছকারীরা কি করিতে পারে, তাহারদের অন্য কোনে 🛊 পুনার সন্ধি পাইবার সম্ভাবনা জিল না. অতএব তাহারা স্বৰ্জন্ত অর্পন করিলু, এবং ভাছারা দমত্তই অভিদক্ত পুছরির ছত্তে অপিত ছইল. পরে ঐ কলছকারির ধ্রুর মধ্যে সমস্ত মহাকুলোদ্ভবলোকেরা, এবং ভাহারদের পুরীন হ ব্যক্তিরা, ইুড়

হাইয়া বলী হাইল. পরে ডাহারদের কতক্ঠেলিন সেনাপতি, রাজনৈন্যত্যাগিকরও দোষজন্যে বিচারিত হাইয়া, কোর্ত্যার্সনিন্যক যুদ্ধরাবস্থানুযায়ি বলুক্দার। মৃত্যুপুঞ্জ হাইল, এবং সাধারওলোকের। চেন্তর এবং লিবর্গুল্ দামক নগরে বলা হাইল, কিছ মহাকুলোড্রওরা এবং পুখানা সেনাপতিয়া, লগুন নগরে পুরুত হাইয়া, ডাহার্গির পক্ষণাতির দির্বের মধ্যে ভয় জন্মাওনার্থে, দুইছ জন একত্র বল করিয়া নগরে প্য মধ্যদিয়া নীত হাইল.

অপর যে সমত দেশকেরা আমার পক হইটা ওঠিবে, এত্তিঘয়ে ঐ রাজযানী যে আশা করিয়া ইচিয়াজিলেন, তাহাতে এমত জাব হয়, যে ঐ কালে ভিনি ঐ বিষয়ের বিপর ও জাত হইয়াজিলেন. 🗳 সময় ঐ রাজমানির তাবৎকার্য্য অতি দুদর্শাপর হওয়াতে, ওাঁহার অভিশ্ব দিন্দিহওয়া অভিদূর্লত হইয়াজিল, তথাি আবাভাবিকবাল্ডাপ্রক্যে সময়ে ঐ পুকার ওপায়স্বারা ভাঁছার অভি नांघ फिब्हिअत्नव रहारिना मस्रोवना किल नां, अग्रड मगर्य जिनि खग्रः ऋक्ल छ मान जाजीयभक्ततारकत्राम् वादी गांउत वानक कतिरलत. क्रांजगानी छत्रारवण दीव्य क्रिया, पुर्गिमम्प्राणीव गरीप्रिय पन्कर्वनामक खा.न এক ক্ষু জাহাত্তে আহোহৰ করিয়া, অলুদিৰলিক জন্তান দর পর, জয় জন ভাগাবতলোক সমভিবাহারে ছৎলওদেশের সম্ভাতটে ওতার্ব হইলেব. পরে সেই স্থানহইতে এওভাবে আবন্দিন্ নামক নগরের মধ্যদিয়া চেতেরোল লামে লগতে পঁথতিলেল; সেই ছালে মাত্রের পুদেশারি কারী এবং ত্রিং লাজন পুরাব মহাকুলোদ্রবপুভৃতিরা, ওাহার সহিত মিলিয়া দেই ছাবে ভাঁহাকে রাজা বলিলা পুচার করিল. 🕒 রাজমানির সমুদায় আজা কমের্সি নামে দররে আফর হইয়া জাপা করাইয়া স্থানাতরে পুরিত হইল. পরে ঐ রাজ মানী লে ভাবছইতে দণ্ডীবামক বলরে ওপ্রিত ছইয়া, সেই বলরে মহালম। होइश्रहेक शुविश्वं इहेत्सन, এव पूरे पिरम कार क्लान्नायक नतात भेष জিয়া অভিষিক্ত হইতে মনে কঞিলেন. পরে তিনি যে স্বন্ধলপূর্বক পঁছজিয়া किलान, उन्निमाल महीय मेर्यात्व लुजिक्द्रावेद आला मिलान, अव मकन বিশালায় দাইবিফোণালকের দিগাকে, তাঁহার যে মগল হয়, এই নিমিতে প্রার্থান করনের আজা দিলেন; দেনত ঘৎকিঞ্চিৎ পরাক্ষম না থাকিলেও তিনি হাজ कीय जावबादशंद कृतिलान, जाशांख मकलाहि जिल्लावां व्राप्त इश्लन. জাপ যিখ্যাদমারোহপূর্বক কতককালক্ষেপন করিলে পর, তিনি যে পুকার বালক অভাবপূর্ক 🗈 অভিলম্ভিকার্য্যে পুরুত হইয়াজিলেন, তত্রণ অভাবপূর্ক তাহা তাারকরনে পন করিলেন. পরে আতাসভার নিকটে এক পুভাবদারা ভাষার দিনাকে জ্ঞাত করাইলেন, যে অর্থ এবং অল্রশন্ত এবং বাকদাদি ছীনতাপুযুক্ত,

মুদ্ধালাওদ অপাধ্য, অতথ্য আমাকে যে ভোষার্দিনকৈ ত্যাগ করিয়া মাইতে হইবে, ইহাতে আমার বড় থেদে হইয়াকে. পরে মহোল্ নামক স্থানেতে গ্রীলিনের এক লুদ্র কাহাতের ওপরে আবোহন করিয়া, কতকণ্ডলিন কুলীন এক অন্য অনুমন্পিভৃতির্দের লমভিব্যাহারে লাঁচ দিনের মধ্যে গ্লেব্লাইন্দ্র নাযে স্থানেতে শ্রুটিকেনে.

এতনেশ, যে ওপায় পুথমত মূম্ভিণতে ওংশয় হইগাছিল, কিছ পরেতে কেবল ওন্মওভাষারা সাহায্যপুার্ক হইয়াছিল, ভাগার সমার্কি হইল. কিছ শতু অবসর হইলে, তায়িবদের কঠোরতার কিছু শুনতা হইল শা; যেহেতুক ভাগারা ব্যবস্থাকে ওপলক কবিয়া অভিনিধুরাচার করিতে লাগিল, এবং মাহার্দিগকে সমা শা করনে সভোরা শিশ্যু করিয়াছিল, এবং শুতলোকেতে লওদের ভাবং কারাগৃহ পরিশুর্ল হইল.

শরে পুজাপুতিনিধি সভ্যেরা, এক পত্রমারারাজাকে জ্ঞাত করাইলেন, যে ভাহারা
নিশ্বয় দৃষ্ত : কলে ঐ রাভকলহজনকেরদের পুরীশং রাজিরদিরাকে বিচার করিয়া
মন্ত দিবে ভাহাতে দেবেওবাতর এবং নিভিন্দেল্ এবং কাছাং এবং বিভৌন্
শামক পুদেশাবিকারিবা, এবং প্রায়ুত বিদ্যুিত্বন্তে এবং প্রায়ুত কেন্মিডর এবং
প্রায়ুত নাইর্ন নামক ব্যক্তি, ইহারা অপবামিত হইয়া দোঘীকৃত হওয়াতে, প্রায়ুত্ব
বিভৌন্ব্যভিরেকে ককলে বর্ধাজা প্রার্গ হইল; এবং কোনো কাকু(জত্তেও
ভাহারদিরাকে ক্ষমাকরনে সভ্যেরদের মন কের্থ ফিরাইতে পারিল না.

পরে তৎ্ত্রণাৎ প্রাযুত দেবে ব্রাভর এবং নিভিস্দেল্ এবং কেন্মিওরের দিরের বইক্রণাজ্ঞা দিলেন, কিছ অবলিখের। আর কোনো সময়েতে বইায়ে রক্ষিত ছইল. সে মাহা হওক, নিভিস্দেল্ নামক ব্যক্তির এই ভারা যে তিনি দ্রী লোকের বহুপরিবাদ করিয়া পলায়নহারা প্রাবে রহা পাইলেন; ঐ বত্র তাহার বর্বের পূর্বাত্রিকে ভাহার মার্ক্ত্রিক ভাহার নিকটে আনীত হইয়াজিল. পরে ঐ দেবে বরাত্রর এবং কেন্মিওর নিক্সিত সময়েতে, ভাওরহিল্ নামক ভানে বর্বি মঞ্চোলিত হইয়া বহুপুরে ছইলেন. ঐ দুই ব্যক্তি অভিনিক্ষেরপূর্বক সকলের দ্যাবীর হইয়া বহুপুরে হইলেন, ভাহাতে বুঝা মায়, যে ঐ দুই ব্যক্তি, দৃশ্যি কাঞ্ছিইতে অল্পান-পিড়াপুর হইয়াজিলেন.

অপর এশুল্ মাপের আরস্তেত লদর আদালতে, এ কলহকারিব্যক্তিরদের বিশেষকরবার্থে, যেই আফালেরা দিলুক হইয়াছিল, তাহারা একত হইল. এ কলয়ে আর্থির এবং বাবিংতস্ নামক ব্যক্তি, এবংতাহারদের মানুষ্ধী অন্য কুট্টি জনের বিকৃষ্ণে অপবাদশক শাশ্যা গোলু. অপর ঐ তার্তরণামক যাজি, নিওগেৎ নামক কারা্ছ্রইডে প্লায়ন করিয়া মহারাপে অন্ধপুরু পর্যানেরে; এবং অন্যানু যে ব্যক্তিরা, তাহারা সভ্যের নিকটে আমরা নির্দেষ এই কথা কহিল, পরে পির নাবে নিওগেৎ নামক করা গ্রের রথকে, ঐ তার্তরের প্লায়নবিভায়ে অনুম্বনীহওনে সন্দেহপুযুক্ত বিচারিও হই লোন, কিছ বিচারে ভাহার কোনো দোম লা পাওয়াতে তিনি মুক্ত হইলেন. কিছ ঐ কারা, ফকের ওপর ঐমত কঠিনাচার হইলেও, তথানি মাজেওল্ নামে এক ওল এবং অন্যাহ কওকওলিন বন্ধা, ঐ কারাগ্রের রুক্তকে এবং চাবিবারককে মারিয়া, এবং পুরুরী নিপাহিকে অল্লান করিয়া প্লায়ন করিল, পরে যেহু আবাশ্য ব্যক্তিরা কারাগ্রে রহিল, সভ্যেরা ভাহারদের করিয়ে লাগ্রিল; তাহারদের মধ্যে চারি কিয়া পাঁচ অনকে তিবর্ত নামক আলানে তালি দিলেপর, তাহারদের মর্বার অল্লারা এওং করিল; এবং মাইল জন বন্ধা, গ্লেওল্ এবং মাক্তেরনামক নগরে হত হইল; অপর মদি আমরা দে কার্যা দয়া বলিয়া কহেতে পারি, তবে পুরুষ এক হাজার বন্ধা রাজার দ্যাবার হইল, আন্বিভ্যানু ভূইপুরক পুরতে না মারিয়া, ওতর আ্যারার কার জিন্তর্বাতে পুরিত হইল.

অপর কেনুকালান্ডর ইংগ্লণ্ডীয় এবং মেনু জাতীয়ের সাহত বেলে জানিত হওয়াতে, 🛪 নাজমানী ব্যাক্ত এক ওঁছার অনুগতলোকেরদের, ভ্রামনুলোশ্য नूनर्वार्षकः) रहीरव लांशिलः । कारास्व में ब्राजमानिव अरे जाना ४८म५ रहेग्रा জিল, যে আল্বেরোনিনামক পাশার সহায়, ঘান দ্বেল্ দ্বায় ভকলৈ পরে नियुक्त स्हेशाकित्तन, उपनाशियाबादा हे॰ प्रवदायाबा नुवन अस कत्तर अवस्थि स्टाउ लाति. वे कार्यानिकार्धा कर्यावत क्यूवी निगुक श्रेलिन, व क्यूवी खिल् দেশীয় রাজসভাইইতে দশ যুদ্ধজাহাজ ২০৭ ছব সহসু সুহাহানত দৈন্য এবং অন্য বার হাজার দৈন্যের নেমিতে পুচুরুগল্লগজ্ঞতে পরিপূর্ব অন্যথ কডক अलिन जाराजमूख रहरलनः कि । विषय मूर्शीयानुमात देवव डीराइ माश्या कतितान नाः याशांख ने प्यश्वी मज़र जुलिया भाति उठाहेया, (कन् মিনিভেরিশামক লনুমের টেকপর্যাত যাতা করিলেপর, এক বছাপুচণ্ডবাঘ্ডে আক্রাত ছইয়া, তাহার আহাজ পালিয়ান্তলগুত্তিরহিত হওয়াতে, এ যুক্ত यांजा वार्था रहेल. ने बाजांगाविषम्पुगुक नवः निमित्ति वार्त्या नवः हेउद्भा পের অদাহ অঞ্চলতে লেন্ডাতীয়েরাদনের মুদ্ধিনার অন্তলভাগন্পুচুড়, पिलिन अत्याह् इहेरड लाशिलन; छाहाए विज्ञुक न नाउ ठठूत मीनिध नेत्व बाक्क्क्ट्राव मधाउ रहेलान. ये दिष्य छिनाच अनक विवयस्थान युनिष किल, किन उम्रोद्धा है श्रुष क्रोजारखन्ना, याहाना में मध्यिकाले पूरीम् क्रोंबन किया छोट्येब्रो ने सचिवहरेख अथलंब बारिया चलनी रहेल ता.

1 78

অপর ঐ সময়ে জান লা নামে ছৎজাঙীয় এক ব্যক্তি, মিলিলিলিনামক अक विविक्तसमुमाय नियुक्त करवबारा मुँगिनामर्गिताक चानक वेकारेगावित. ঐ সমুদায় নিযুক্তকরে বিষয়হইতে, ঐ ব্যক্তি ট্রানিস্তাতীয়েরদিনকে অনেক লাভ দেখাইথাতে, অনেককে ভুলহায়াজিল, কিন্তু অবশেষে তাহাতে করিয়া শ্রাদিন্ দেশকেরদের অনেককে অভিদুর্দশাপর করিয়াছিল. অপর ঐ সময়ে भूगंग नेभूकात जना अक कलकाता हे॰ श्लंखरमात्कतां अ चुन्त हर्हेगांकिल. বিষয় পুশাবদার ইকোপায় বলিয়া অদাপর্যাত পুদিন্ধ আছে. इडेरलपढ़ अस्कालपर्याख महमू६ (लारकः वसम्ध्यमाग्रक इड्गाहिल. जाहांद्र বিলেম জাপনার্থে কহিতেদ্ধি, যে ওল্যম্ রাজার রাজন্ব সময়ে শুভুন্থপরীরর্তন সময়াব্রি রাজশাসকেরা কার্যাকর্ম চালাওনার্যে পার্লিমেতসভাহইতে পুচুরার্য ना भाउगाल, ५४० यांचा प्रथम तियाकिल जांचा नश्तूह कवित्व (तीवजना, কতকগুলিদ ব্লিকসমূহহইতে অর্থ কর্জ কৃত্তিল. ঐ ব্লিক সমূহের্দের মধ্যে পুশারসাররিক লামে বনিকলমূহছইতে কর্জ করিয়া লাইল. পরে 🕈 পুর্ণাত লাগরিকনমূহ, আপনারদের হিলাব কিডাব করিলে পর, ধহিল যে আমার দিগের ১ এক কোটি টাকা রাজশাদকেরা কর্জ করিয়াছেল. এ সমূহ, এ দত্তপ্ৰত্ইতে, বাৰ্ষিক ১০০০০ মড় লক্ষ টাকা সুদ, মাহা সৰ্বদা পাইত, তাহা ৰা পাঞ্চাতে শেষে **ۥ•••• পাঁ**চ লক্ষ টাকাতে সমতে হইল.

এ সময়ে রাজবিষয়, এপুকার ছইতে জিল, তাছার মবৌ স্লৌতদামক এক জন দালাল, যিনি এ পুকার কার্যাক্মেতে পুতিপালিত ছইয়া ত্রিঘয়ে অতিবিজ্ঞ এবন চতুর, তিনি এ পুলাভলাগরিকব্রিকস্মূহেরদের নামে, পুত্যেক প্যক্ষ সমূ ছেরদের তাবনক্স্প্রিক্রদের ভ্রমণ প্রতাক প্যক্ষ সমূ ছেরদের তাবনক্স্প্রিক্রদের ভ্রমণ প্রতাক প্যক্ষ সমূ ছেরদের তাবনক্স হিলেল. এ ব্যক্তির এ ওপায়ের যেই বন্দোবন্ত, তাছা অতিলাভজনক জিল; তাছার বিশেষ এই, যে এ পুলাভলাগরিকসমূহ, তাবন রাজক্র, যাছা প্যক্ষ লোকের অর্থান রাজলাসকেরদের ওত্যমর্থের হল্তে জিল, তাছা তাহার দের ছত্তহত্তি, যে কপে পারে, দেই যত বন্দোবন্ত করিয়া ক্রিন্মা লইবে; এবন এক করে প্রেক্র ক্রিয়া ক্রিন্মা লইবে; এবন এক করে পারে প্রক্রমণাসক্রেদিরছিতে জয় বন্দর্যান্ত বন্দরেই পাতকরা ও পাঁচ, এবন এ কয় বন্দর্যাতীত ছইলে শাতকরা ও তারি টাকা পাইবে; এবন যথান পার্লিয়েত্রসন্তেরদের ইল্লা তথান টাকা দিয়া আপনারদের নিয়মণত্র ফ্রিয়া লইতে পারিবে. এ ওপায় এপ্রাত্ত অভিভাল জিল, কিন্ধ পরে ভাছা জলেতে এবন লাইনালেতে পরিপূর্ণ ছইতে লাগিল; তাছার বিশেষ এই, তাবন রাজধন ক্ষম্ব জ্বোয় এ পুলাভসাগ্রিকব্রিকেরদের নিয়ায়কেরদের পুতুর অর্থ জিল না,

অতথ্য ঐ সকল অর্থসংগুহ কর্ণার্থে তাহার্দিনকে এই ওপায় কর্বের প্রাক্তম দেওয়ানেল; যে ঐ বিক্সমূহ পুণারসানারে বানিজ্ঞা কর্বার্থে চান্দা কর্নে. ঐ চতুর্নিয়ামক্রিকসমূহ, লোকেরদের পুতি ইহা দর্শাইল, যে ঐ ব্যবসায় ছইতে অনেক লাভ ওৎপার হইতে, তাহাতে লাভেরুক যে পুজা, তাহারদের আকাঠ্রী অভ্যবদন্ধিতা হইতে লানিল. অভথব রাজবিমর্কের। আনিয়া তাহাংদের বানিজ্যব্যবসায়ার্থে যেছ অথ জিল, তাহা যে ঐ পুণারসানারিক্রনিক্সমূহের দিনকে দেশ, এই প্রাথশ তাহার্দিনকে দেওয়া নেল.

পার চাদা সংগৃহনিমিতে ঐ নিগ্নামকেরদের বই থোলা আতে, এই বিষয় প্রুমানত পুকাল পাওয়াতে, নিডা চডুদ্দিনিইতে অনেত হু লোক আলিয়া অন্যান্য ব্যবসায়ার্থে ছিড যে ডাহারদের মূল বিন, ডাহা লইয়া ঐ পুশারসারিকব্যব লায়ে স্থানন করিল. তাহাতে পুডিদিন লোকে,দের ভূম ওভরোভর ব্রি পাইতে লানিন, এবং কিন্ধিনিবসে, মধ্যে একং অশেণর মূল্য বিভাগ হইতে লানিল, এবং যে ব্যক্তি ঐ ওপায় পুথ্যে ওপন্তি করিয়াজিল, তাহার আশাবিক লাফেন্য হইতে লানিল; এমত ভাবদ্রাজ্যকের আল্লবিনদ্দের কুইয়া অভিশায় লোভেতে নিমান হইল. এবং অল্লসময়ের মধ্যে ঐ বনিকসমূহের মূলবিন অভ্যক্ত বিভিন্ন শুক্ত পোর মূল্য পূর্বহিতত দশন্তব ব্রি পাইল.

অপর অসুসাস গতে পুজারা, বিশব্দ্যাশাকণ ৰপ্পদেউতে গাড়োখান করিয়া দেখিতে পাইল, যে তাহারা যে আশা করিয়া রসিয়াজিল তাহা সকলি মি্থ্যা. ডিক ঐ বিষয়ে সহসূহ লোকেরদের মর্হনাশ হইল.

পরে ঐ সমন্ত পুরক্ষণা পুরুষণ ছইলে, পার্লিমেডসভ্যেরা ঐওপায়োপনিছি কারকরদের পুরীনিং ব্যক্তি, মাহারা ঐজলদারা আঅপুতি বছবিন সংগ্রহ করিয়া জিল, তাহারদের মধাসর্গ্রন দও করিয়া, মাহারদেরং বছহানি হইয়াজিল, মাবং ভাহারদের মধালচেন্ডা করিছে লাগিল.

অপর ঐ মর্থকোপন্থিতদুর্দশাতে যেং অসভোম ওপন্থিত হইয়ান্তিল, ভাহাতে অসক্তপ্তিকপাড়ীরা, আমরা এখনও সফল হইতে পারি, এই আশা পুনরীর কাতে লাটাল; কিছ তাহারদের তাবংমর্থায় ভাহারা অন্তির এবং সন্দিক্ষে সাধ্যি এবং ভিরং মত জিল

অপর ঐ কলছবর্দ্ধনাথে যে ব্যক্তি পুথমত বরা পড়িলেন, ভাছার নাম্ টুলিন্দ আতের্বরি. ঐ ব্যক্তি, রচেন্তরের বিমাধ্যক্ষ জিলেন, তিনি ভংকালীন রাজশাসকেরদের নিকটে অভিদ্থার্য এবং ভয়জনক জিলেন; যেছেতুক সে ব্যক্তি যে কোনো সভোরদের শতু ছইতে চাছিতেন, ভাছারদিশের অনেক হিংসাকর বে সমর্থ জিলেন. ঐ ব্যক্তির কার্যজনর সকল বরা পড়িলা, এবং ভাছাকেও নাড়েতে কয়েদ করিল. কিবিং পরে নর্যক্তের অগুনী এবং আর্টির পুদেশীবি কারী এবং শুগাৈত নর্ত এবং আয়ুত গ্লে এবং অনাছ কডকগুনিন ক্ষুত্র লোক বৃত ছইয়া বন্দ্র ছইলেন. পরে ঐ বর্ষাবিক্ষ, যিনি সমুভ্রাহ ডিপ্তিরেতে প্রেরত ছইয়াজিলেন, এবং লায়র্নাবক এক ব্যক্তি যে তিবর্ননাকক স্থানে মানি পড়ি য়াজিল, ঐ মুই ব্যক্তিবাতিরিক্ত অন্য কেছ রাজশাসকের দেবকর্তৃক দৃচ্দপ্তিত ছইল না, যেহেতুক অন্যছ ব্যক্তিরদের কোনো প্রক্রোবর পুনান ছইল না.

অপর পুরাপুতিনিবিসভোরা, চান্পরিনাযক আদালাতের মধ্যে অনেক দোম ্বল অন্যায় আচার, যন্ত্রন্যে মধার্যকরে প্রায় অসার্য ছইয়াজিল, তদ্দোল বাছল্য দেখিয়া ভাষস্ণামক বাক্রেশ্টিল্দের পুদেশাবিকারী, যিনি ঐ আদালভের भुशीन बाढी जिल्लान, डीझाटक बहल्लांखड़ निधिएंड अव जनार कमाठावनिधिएंड কুলীনসভারদের নিকটে অপবাদী করিতে নিশ্চয় করিলেন. তার**ং ই**ণ্প্লেতীয় বিবর্ণের মধ্যে এ বিচার ঘেষত সূবাদাশুবাদপুর্বত সৃদ্ধ হইয় জিল, এবত কোশো विष्ठांत कथारना इस नारे; ने विष्ठांत्र विष्णां कि पिनभधाउ कांगी इहेगांकिल. ने विष्ठांत्रमध्या ने नुरम्माधिकांत्री अहे नुमान पिल, या जिनि ने जामालाउन मध्या द्यानक कर्माव अनवांता, यांत्रांत निकार यथ प्राप्त कित्रांकितनन, जाता ইহার পরে ঐ আদালতের অন্যথ মত্রিকর্তৃক গৃছীত হইমাজিল, কিন্তু তিনি অংগত জিলেন যে ঐ পুকার অর্থগুহনকরা উচিত নয়. অতএব ঐ ফুব্যবছার অন্যথা इट्रेग, नार्यायायहाँव भूवल हट्रेग बहिलन. डाहांड ने मुक्तनी किनाती जना? ঘাকার্যাদিনিতে দেখিকৈত হইলেন, এবং ২৪০০০ দুই লক্ষ চল্লিশ ছাজার টাক। फीशंद मध कड़ा ताल, अब घडिनिन्धिछ डोका अधूमांग्रना मिर्ड भावितलन, ভতদিনপর্যাত কারাগুতে বন্ধ রছিলেন. পরে ঐ'পুদেশাবিকারি ঐ টাকা দেড় মালের মধ্যে দিয়া মুক্ত হাইলেন.

একণ রাজ্যন্থেরদের বন এবং দুঞ্ভোগাকান্ত্রী ইত্যাদির বাদলোতে, তৎ কালনৈ রাজ্যের মধ্যে, দকল পূকার দোম এবং লোভনত্যাদি নম্বিত হইয়া চিল: মেন্ডেতুক বানিজ্যব্যবসায়দারা কণট, এবং বনবাদ্দ্যদারা সম্পূকার লক্ষ্ণভাব রাজ্যবাধী বন্ধি হইতে লারিল.

অপর সকলেই এ বিষয়ে খাকৃত আছে, যে এ কালে রাজ্যান্দরদের মধ্যে যেং দোম এবং কুকর্মপুত্তির বাহলা হইয়াছিল, তরিবারনার্থে পার্লিফেসভারা অনেক চেষ্টা পাইয়াছিলেন, কিছ এ চেষ্টা পাওনবিষয়ে মছিরবর্গেরা এবং পুরারা ডারাবদের সাহায্য করিল না.

অপর ঐ সময়ে, রাজা হানোবরনামক তীহার মনোণীতকর্তুবিকার দুই মংসরপর্য্যত দেখিৎত যানদাই, অতথ্য পার্লিমেত ভগ্নের কিছু পরে, সেই স্থানে घाइ :उ प्राप्त करिए लाजिलन. शाह हांका प्रभावह अयनमगण, हांच भुजितियि नियुक्त कविया इलख्यां जा भाव इहें। 'तालन: समहे खांत अधोर्ब ছইলে পর, বোঞ্নামক এক চোট গ্রামে একরাত্রি শয়ন করি া। পর বিষদ भुजारिक योद्योपियात्री कहिरलन. शहर ष्याद पूर्डे पिवम होत्ल. द्राञिकारित पर्या কিয়া এগার ঘড়ীর মধ্যে, দীড়ার্ডিড ছইয়া দেল্দেল্ লামক লগারে পল্লিলেন. সেই খানে, রাত্রে ওত্তমকপে ভোজন করিয়া, পুভাগে মারা করিয়া ৮ আট কিয়া ৯ নত ঘটার সময়ে গাড়ী স্থকিত করিতে আভা দিলেশ (य डी) दि अक इस अवर्ष इहेग्रास्क, जोहार यन्मिडह पाद्विम विशि शू ई बियन (मराना दोकार अरू जुडा किलान, अरु वे नगरप्र मिनि कर्क होका: मिड् किरलन, विनि इसवग्रमांद्रा दक्किनः मद्रवार्ध दांखांद्र इस मर्मन कदिरलन. जाहारा কিজু পুত,কার না হওয়াতে, রাজচিকিৎসক, যিনি অস্থাকট হইয়া পশ্চাৎ আদিতে জিলেন, তাঁহাকে ডাকান গেল; তাহাতে ওপৰিত হইলা, ঐ বৈদ্য সুগদারা তাহা মর্মন করিলেন, কিজুকালপরে গাজার জিহ্বা চুনিতে লাগিল, তালাতে অন্ত্রেষ্ নামক নগরে আমাকে লইয়া শীঘু করিয়া পর্জিবা, এই ক্র্যানার ক্রিবার শক্তি জিল. পরে তৎক্ষর ২ অন্তান হই গা ঐ তাবিনের কোড়ে পড়িয়া তদবন্দাহাইতে, কোনো পুড়াকার না পাইয়া, পার্দিন পুড়াতে ১১ এগার ঘড়ীর সময়ে, রাজাআটমন্তি বৎসরবয়কে, তাহার মধ্যে ১৩ তের বৎসর রাজত্ব করিয়া, পরলোকগত হইলেন.

৩৫ পক্ষত্তিং শাধ্যায়.

থিতীয় জর্জের বিবর্গ,

শুধন জর্জের মৃত্যুর পরে দিওীয় জর্জ রাজনিংহাদনোপরিশ্ব হইলেন; ঐ দিওীয় জর্জ গতরাজাপেক। অল্লুবুজি চিলেন, এবং মহাদ্বাপৈ ভাঁহার যেছ অবি কার জিল, ইংগ্লাজীয়াবিকারাপেক। দেই দকল অবিকারে ভাঁহার মূহা চিলে, ঐ দিওীয় জর্জের পুরান মন্ত্রী, ঘিনি অল্ল দময়ের মরো পুণ্য ভাবৎ রাজপ্রাক্ষম বহুত্যত করিয়াজিলেন, ভাহার নাম সর রাজের রাল্পোল্, এই ন্যাভি মন্য

वसाहहोट अअत्वाख्य पूरे वांकरच वर्षित हरेगा, ने काल वड़ था। जानव हरे ফাচিলেন, এ ব্যক্তি আৰু নাম্মী রাণীর রাজতে পুজারুর্ক অযতদাক্ষ্য বিষয়ে মতপুৰেৰকপ মান্য জিলেন; এবং যথান তিনি দেখিলেন, যেরাজপুতু পদসাতী:1 তীহার হি॰ দাবরৰে অপারক হইল, তথান পূর্বে রাজকর্মে পূর্ভগ্ওনদময়ে যেমন ভাহারদিগকে দ্বেষ করিতেন, তজ্ঞপই দ্বেষ করিতে লাগিলা. 🗳 সময়ে ছাদ হইতে ,চলে যে রাজপরাক্রম, তর্বর্জনে ঐ বাল্পোলের সর্বপেদা চেখ্য ছিল, ইহা হইতে পারে; কিন্তু পরেতে যেহু কার্য্যদারা তিনি ঐ রাজ শ্রাক্রমবর্ত্তার চেন্টা পাইয়াছিলেন মেই১ কার্যাদ্বারা ঐ পরাক্রম আরো হ্রাস হই ত লাগিল. 🗳 সর রাধত বাল্পোল্ পুজাপুতিনিবিসভার দিগের মধ্যে कू/रहान जन्मा अनमाता, जाशांत्राम् वेतनत् धनः भवाकामा वर्षक हरेलानः এবং গ্রাহার সহিত সভ্যের। যেথ বলে ভাগী ছিল, ঐ সকল বল রাজকার্য্যে व्यक्तकार्ध पिতে, সভ্যোগ বড়একটা অমন্মত ছিল না. 🗳 বাল্ পালের 🕏 পুকার অভারপুয়ার, সুতরাণ তাঁহার আনেক শতু হইল; এবং কেই ওঁ হার নিন্দা করিলে, তাছ । গ্রাহাও করিতের বাঃ; এবং যেথ বিবয়ে তিনি পরের বিশাস জন্ম। ইতে চাহিলেন, সেই সকল বেষয় যেমনিস হংক, ওদ্বিংয় গ্ৰহত্তি হংয়া ভাদানুসাদ করিতেন; এবং তিনি অভিযাবদুক জিলেন, বিশ্ব ওঁছোর যাক্য বড় একটা দুপুরের জিল কা; এবং কাণটার্হিডপুরুজ, ভাঁহার বাকা বড় পুযোলিক জিল.

অগর পূর্বরাজবে যে সন্ধি করা নিয়েজিল, স্লেন্ডা ীরের। পুথ্যত তন্ত্রপ্ত করিয়া তন্ত্যার্থতা জানা তৈ লারিল ; এবং যথন কোনা লা,ভর্তিষ্য ওপ্থিত ছইত তথান তৎপুলিনার্থে বিশেষজন্মান্তন তাছার্দের ক্রুটি জিল না, ইংপ্লারা বীন্দালিনজাযেরিক। নিকটন্ডোনদীপন্তেরা বহুকালারিবি মহাদ্যাণিক স্লেন্দেশীয় পুজারদের লহিও জন্যায়্যবানিজ্যব্যবদায় করিয়াজিল, তাছাতে যথান বিরা পড়িল তথান তাছারা বড় কটোরকপে দণ্ডিত ছইল, এবং তাছার্দের তাবৎবানি জ্যাদুব্য রাজভাগুরে দাখিল হইল, একণ এক পক্ষে জন্যায়্যবাবলায় কর্নেতে নির্ভ্রুত্ব ন, অনাপক্ষে ভূত্রানুল্কানকর্নেতে এবং দ্ভেত্ দণ্ডদেওয়াতে, ছইতে পারে যে অনেক নির্দাধি, দো দর্দের সহিত দণ্ডা ছইয়াজিল, তাছাতে অনেক লানিশ হইতে লারিল, যে স্লেন্দেশীয় রাজার কাছাজ, দক্ষিৰ আমেরিকা দেশক্ষ তেনেশীপে বোক্ষেটিয়ার মত, অনেক ইংগ্লিণ্ডীয় ভাছাজ বিরিয়া লুট করিয়াজিল.

অপর ঐ সময়ে যেই সমস্ত সংকাদ ছেয়েতে কিয়া লোভেতে ওৎপন্ন হইয়া সংভারদের নিকটে ওপন্থিত হইত, সেই পুডোক সংবাদে ইংগ্লগীয় রাজসভোরা বিশ্বাস দা করিয়া, আপশারদের প্রিয়ত্মযতানুসারে সন্থিকরবলারা সহত্তে ঐ দমন্ত অমহল বিষয়ের মহল কর্নের আশা করিয়া, পুজার্দিনকৈ কহিলেন, যে আংলা দাইভোভাবে ভোমার দর লায়াহিচার করিয়া আহাতে ভোমার দের ভাল হয় ভাগ করিব। কিছু দে যাহা হওক, অল্লুকালের মধ্যে ঐ দমন্ত লালিশ করিব। কিছু দো যাহা হওক, অল্লুকালের মধ্যে ঐ দমন্ত লালিশ করিব। কার্যায়াব্যবহার বিষয়ে পুজা শুভিতিবিদ্যালের দের বিক ট লালিশ করিব। তাহাতে ঐ দভোরা, ঐ বিষয়ে বিষয়ের কিছেনে করিতে লানিলেন, এবং মাহারা অয়থার্যাক পর্বত সহীয়াকিল এবং বছ অন্যায়া ব্যবহারপুত্ত হইয়াজিল, ভাহারদের অনেকের দান্যাবাকা লইয়া ভিরিয়ের বিষয়ের করিতে লানিলেন। তাহারদের মধ্যে এক জন ব্যবদায় ভারাজেন কর্তা, তিনি স্পেল্ডাভিয়ের দিনেহইতে সহস্কুদ্দিনাচাবপুত্ত হইয়াজিলেন, তিনি অভিবিশেষ করিয়ে লাক্যা দিয়া, দভোর্দিনকে কলিলেন। যে গ্রন্থার ভিরি ভারি করিব। পুত্র আয়াবে শুভ করিল, এবং আয়ার নাবোণানি বিত্র মত, ভাহাও হরল করি : পরে আয়াব দুই কর্ল ক্তিল এবং ম্থান আয়াকে বর্ব ক্তিত হন ভ হইয়াজিল, ভ্রান আবি শুলুফ্রিকরিয়া ক্তিলাম, যে হে ইন্যার, ভুনি আনার পাশ যম। করে, হে আয়ার রাজা, ভুনি আয়ার নান্যা নিচার করে.

অপর ঘদর্শনে নভার্যার কোনো লাভ নাই, এবং পুজারদের কোনো পুতী বার নাই, এমত অনিকাপ কলহ, ঐ সংবাদহেতুক পুজারদের মধ্যে ওৎপর ছইয়াজিল. তাহাতে সভারা অতিশালু নৃত্তনসন্ধি করিতে লানিল. এবং ওৎসাধিকেরবেন্দুক অনেক মধ্যক ওপদ্থিত ছইল. কিজুকাল পরে বিএলা নামক নগরে, জার্মনি দেশের সমুট্ এবং মহাখুিচনের এবং ল্লেন্দেশের রাজা, এই তিন জন মিলিয়া সন্ধিপত কনিয়া আফর করিলেন. ঐ সন্ধিদ্বারা ভাবৎ ইওলোপের একা পুর্মাধিবেৎ বির ছইয়াজিল, তাহাতে ঘেছ যুক্ত ছইবার সম্ভাবনা জিল, তাহা কতককালের জন্যে নিব্ত হইল. ঐ সন্ধি দির ছওয়াতে, ইংগ্লেলীয় রাজা ভাবিতে লাগিলেন, যে এথন সকল যুক্ত সমণ্ড ছইবে. অপর প্রামার অগুরীর মত্য হওরাতে, দন্ কার্লিন্নামক একব্যক্তি, ইংগ্লেলীয় এক যুক্ত জাহাজসমূহদ্বারা, পার্মা এবং প্রামেন্তিয়া না ম স্থান ছন্তাত করিল; এবং ঐ সময্য ভদ্ধানিনামক অপুরাধিকার, যেন আক্সামির অধীন পুনরার না ছয়, ওল্পনা ঐ অগুরাবিকারেতে ল্লেন্ডাতীয় ৬০০০ জয় ছাজার দৈন্য গুপ্ত কপে গৃহীত ছইয়া, সেই স্থানে স্থানিত ছইল.

অপর, ঐ সময়ের পর বছকালপর্যাত ঐক্য সম্বর্তি চইতে লাগিন, ঘাছার মবীে রাজাবলী গুকুরচনাকারিরদের গ্রনীয় কোনো বিষয় ওপদ্বিত চণ নাই.

অপ্র ঐ ছেকালাববি ছায়ি ঐক্যবর্জনসময়ে, কোনো কিচু গ্রন্থীয় ওপ্রিত

হয় নাই, এবং ট্রিটনদেশীয় পার্লিযেতীয় বিরোধীয়াভিরিজ, প্রায় কোনো বিয়োধী ধণন্তিত হইল না; ঐ পান্ধিয়েছের মধ্যে দেশক প্রভারদের এবং লভ্যের দের বিবাদ অভ্যুদ্যোগ্যপূর্বক হইয়াজিল.

জপর ঐজতিগানবীয় দাত্ত্বভাববর্ত্তনসময়ের মধ্যে, এক সন্তুদায়ক লোকেরা ওপকারকসমূহ বলিয়া অপুশার্দিপকে আপুত করিল. 🗳 সভুদায়েরদের মধ্যে এই নিয়ম জিল, যে দহিতাপুতাৰ্দিগ্ৰেছ অল্লুবজাক লইয়া, ৰাজনিক পিত সুহজন্যে কর্ম দিয়ে, এবং ওপঘুক্ত জামীন লাইয়া মহল্লোকের দিগকৈ কর্জ ঐ সন্ত্রুদায়েরদের আদাল অর্থ, পুথমত কেবল ১৪০০০ দুই লফ চল্লিশ হ'জার টাকা চিল, কিন্ত পরেতে ৪৮০০০০ চারি লক্ষ আশী হাজার টাকাপর্যাত ষ্থিত গ্রন্তি এ আর্থ শ্রীদালার। কংগুগুত গ্রন্তালিল, এবং তালার ব্যাকর বের ভার, ঐ সন্মুদায়েরদের কতকওলিন নিয়ামকেরদের হান্ত অনিত ছ**্ট্**ট্ছিল. 🛋 সংঘূদায় বি॰শতিবৎসংগঠ্যত ততিস্ব্যংক্তি ছিল, কিন্তু পার 💵 দিব জের মর্ব্যে, এ সমুদায়ের জর্জারানিন্দন্দায়ক **মারোক্ষ্মী, যিনি মালো**নায়ক দর্বজন্য নিক্লিত দভা চিলেম, ভিনি, এবং জান্ তাল্লাম লাখ্য ভাগার্বলক, শিবদেশ হইন: ত হাতে ঐ সহুদাংহরা হিদাব করিয়া দেখিল, যে আদলের ংব্য ৪০০০০০ ট্রেশ লগ্ন টাবা নাই, এবং বিকাপে রোল, তাছার কিলুই নিশায় জতএর ঐ সন্নুদ 🔃 রা এক দর্থান্ত 🖎 লিথিয়া, তাহার, বিকাপে পুরস্থিত হইয়াজিল, এবং তন্তুন্যে ঐ সমুদায়ের অনেকে, কিকপ দুর্মাস্থিত হইয়া দিল, তাহা পার্লিমেডসভোর্দিগকে ওানাইল. পরে ঐ বিষয়ের অনুসন্ধান চইতে এক এপ্তসন্ত্রায় নিগ্র হওয়াতে, অলু দিংসের মধ্যে ঐ বদ্যাপুর-দুবাবিষয় भूको निंड हहेल, ८२० छोटोड छोना (तल, या में कार्यहरू लोप), ८२० में छायह कांबिक्तिरात भूर-धनांक क्षांधि, ये वांबिन्सन् यरः जासमन् नांब टा किवा, ये সন্তুদায়ের কতকওলিল বিড়ামক লোকের সহিত ফিলিড হইয়া, ঐ কার্যা করি ये यहाँ। दूपवांयर मंत्र यारा जामक महाकृतनामुव अव कूलीन লোক চিল, এব॰ রাড্যের সর্বোৎত্র পুরীনব্যক্তিরাও দুর্নামান্তিতগতি রিজ চিল ন'. এ কালে রাজ্যন্থ কি বড় কি চোট, সকলের মারী লোভ এবং গ্রথনগুলন্থভাব বর্দ্ধিত ছইয়াজিল, ভাছাতে দ্যুদ দছে পার্লিমেডসভোর गाया ६ हम जन एरिकमर्थासीयानिष्युक्तमा रहिष्ट्र इड्रेल. মব্যে এ পর্ছিতকারিসমূচের্দের কার্যাচালাওনেতে পুসঞ্জাদোছে, সাংরাবর্ড ভাতৰ্থৰণ মার জাটিবালর গ্লান্ত এবং জজা রাখিন্দন; এবং রাজ আভারাধান্ দেহেত্রভাতরের পুদেশাবিকারিক বৃহজুমাবিকার বিজ্ঞাকর।বিষয়ে পুরস্কাকর। क्रांता, (मिन्न राम अर॰ राजांबक शंवन्तात ; अर॰ इवस्तावाताय शिक

নার্শিবাসী আনু ওবাদ নামক ব্যক্তি বৃহিন্ধ্ত ছইল. ঐ সময়ে সুথজোলেছা জন্যে লব্লুট এভাব বৃদ্ধিত ছইফাডিল, এবং ঐ ৰভাব সাহ কোন ক্ষমাণ্চারের ১২পাদক ছইল. ঐ সময়ে কুলীনসভায়েদের মধ্যে ক্যিত ছিলে যে এ রাজ্য হিডারে যেছ ম্যান্ত্রৰ অপক্ষত সহয়া, জল, ডাছার এক গোকাও রাজ্য হিডারে ব্যায় না হইয়া, কেবল পুরস্থানার এবং লক্ষ্ণৰভাবের পুডিছালে বায় ছইয়াছিল.

অপর কিঞ্চিৎকাল পরে স্ রাবর্ড বালপাল্কর্তৃক অন্য ২ক ওপায় ৬পন্থিত হইয়াজিল, মাহাতে অলুদিলের নধ্যে সকলের লিগ্রীমন নিমন্ন হইতে লাগিল ; তাহা এই, যে দার্গতে ব্যক্তের অন্য এক নিয়ম নিকপনকরন, রাজমন্ত্রী, এই কাট কহিয়া পার্লিমেওকভোরদের মধ্যে ঐবিষয় ওপাত্ত করিল, যে আমেরিকা দেশীয় বলিকের), লওন্ নগগে আত্মহার্য্যসন্ধাদনার্যে যেছ কুটার্যক্ষের্দি গছে নিযুক্ত করিয়া রাখিয়াজিল, তাহার্দানের তাগুকুট বিক্রাংবিষয়ে আনক পুলকান। इंटेरडर्क. जि. के अकल दिष्य जीनन कहिए। जै मकल भूवर्कनः विव ब्रनार्ध, ঐ সর রাবর্তবাল্পাল্ কহিলেন, যে নিক্সিত মতানুসারে তামুকুটের বন্ধ না লইয়া, ঐ লমংগর পরে যেহ্ ভাগুকুট রাজ্যে আদিবে, তাহা রা এভাগোর স্থাণিত বরিমা, ডদুদ্বার্থে রা জনিক্ষাত লোক নিমুক্তকরন কর য় এবং ৌওকে চারি েন্দ্ৰ লামকা এক মুদ্ৰা দেওলানত্ত, ঐ ভাযুক্ট আৰ্মা, ঐ ভাগায়ে থাকিয়া আঞ্জ ্য বিজয় করিতে পারিবে, পরে, পার্নিমের ঐ বিষয় ওপন্থিত কালি পুর, ডাহা অত্তরে যেমন, ডেমন বাহিংরেও বিবাদবর্চ্চক হইল. ঐ বিষয়ে এই কথা ক্ষিত ছইয়াজিল, যে তাহ। করিলে, রুটাবাফেরা এমত বিপরুষ ছইবে, যে ত। হার: আর ব্যবসায় করিতে পারিবেক না; এবং যেং পুরস্থানার বিষয়ে সভ্যের দের বিক ট লালিশ হট্য়াতিল, তলি ারকও হট্রে না. এবং ইছাও ক্যিত জিল, যে তাহা কদিলে, খব্ৰাহক এবং ভাগাৰুকক বাছলাপুমুক তাৰক ণুতন লোক কার্য্য পাইবে, ভাহাতে সভ্যেরা ভগানক এক পুজারা প্রাবীন হইবে; এইংকপ ক্যা, এপুনুজ হইরাজিল, যেদ কছারা পুজারা ঐ ব্যবন্ধার বি ফ্রপ্রফ ছইয়া ডাছা নিবারে করে. 🏻 কিন্ধ 🕈 দকল বাক্য, দার্বিশিষ্ঠ শা ছইয়া কেবল সুক্ষিত হই গজিল, যেছে চুকু এ ব্যৱস্থা যদ্যপি স্থাপিত চইড, ওবে তাহা কোনাছ বিষয়ে অলভিএনক হইলেও,ইহাসভা যে তদ্বারা তামুক্টের যে গুরু, তাহা গুরুলে অভিস্থার হইড, এবং তদ্ধারা পুরক্ষণার অনেক ক্তির লে যাহা ছওক, ঐ বিষয়ে নগর্নেবালিরদের রাগ এমত ৪৭ পর হইয়াজিল, যে তাহারা বছজন একত হইয়া পার্লি মতগছ বে র্থণ করণতে, পার্লিমেরসভারা এমও ভর্মুক হইল, যে তাহারা ঐ বাকরা সম্মাকরে কমা দিল, 🗳 দর্থাস্থ বার্থিবস্থান লণ্ডন্ এব॰ বেভযিন্তর নগরন্থের। বহুণক্লাদপূর্বিত ভোজনসভাদি পুকাশবণে করিয়াজিল, এবং লণ্ডন্ নিবাসীরা, ঐ কার্যোপনিতিকারক মন্ত্রি পুতিমূর্তি নির্মাণ করিয়া, ভাষা অনিষ রা জানিয়া দিল.

অপর অত্রেপ্তানিক ঐকোর পরে, আমেরিকারাভ্যন্ত স্লেন্দেশীয়ের মহা ব্রিটিনের ব্যবসায়ের অনেক হালি করিয়াজিল, এবং ব্রিটিন দ্রীত ব্রিকের.ও, এ প্লেন্ডাতীয়েরদের অবিকারে অন্যায়বানিজাকরনে চেষ্টা পাইয়াজিল ; যেছে ত্ক 🗈 🕏 প্লাঞ্চীয় 🕫 কর। কহিল, যে সন্ধিপত্রের নিঃমন্ত্রার। কালেচিনামক সমু দুমোলেতে লগ্ৰুদ্ৰামক কান্ত কাটৰ আমাৰ্দের অধিকার, ভাগতে ভাগবা ঐ বিষয় ওপলক করিয়া, মহাদ্বীপে অনেক বাজনিধিলনুৱা লইয়া মাইড; ঐ আম প্রল নিবারণার্যে মুদ্রভাতীয়ের৷ ঐ অবিকারিত৷ বিনাশকরেন নিশ্চয় করিল 🗳 ना वृष् वाक कावेल, हे॰ प्राधी एक एवं या आर्थ कात्र, जाना विलाध कति । कहि : ঐ কান্ত কাটন মিয়ে জনেকৰার ওভয় পক্ষধারা স্বীকৃত হই াজিল, িদ তাহা বিশেষকপে নিনীও হইয়াজিল না; যেহেতুক পূর্বে যেহ সন্ধি ছইয়াজিল, ডাহার মারো ঐ কান্ত কাটন বিষয়ে যে এক শত্ত বিয়ম কৃত ছাইবে, এইমত গুক্তর বিষয় জ্ঞান হইয়াজিল না. স্বাসৰ উটাক্ষার্যে যেই স্লেন্জাতীয় জাহাজ নিকপিত হই মাজিল, ভাহারা ই॰ প্লান্তায়েরদের ওপর বসকটো হে ব্যবহার করিতে লাগিল, এব॰ ব্রিটিনের অনেক পুরাবর্গেরা পরোদানামক থানি দকলতে মৃতিকাফোদনার্থে পুরিত হইটাছিল, এবং তদ্ধারা তাহ রদের ওপকারকরন্দমর্ঘ লোকের্দের পুতি সংবাদ দেওলে ৰাষ্ট্ৰোপায় হৃছিত ছইল. পারে ঐ সন্ধি ভলবিষয়ক সমাদ, এবং তাহার অন্যায়ের সম্বাদ, ঘন্ধ মাদ্দিনামক রাজনভাগ দঁছচিতে লারিল, কিন্তু আমরা এই বিষয়ে অনুসন্ধান লইয়া, ডোমারদের অহিচলাবির দের পুডিমল দিব, এডট্রির অন্য কোনো ওত্তর পাইল না, কিন্ত ভাষাতে কোনো মধন ১৭পর হইল না. ্রবং ইংগ্লণ্ডীয় বনিকেরাও য়েন্ডাডী'য়র দর দৌরা আ্যের বিষয়ে অনেক লালিশ করিয়াজিল, কিন্তু জল্পুছুৰকরনবাভিরিজ যে কাৰ্য্য দিশ্ব হয় ন', তাহা অৰ্থাৎ পুতিজল দেওন, তদ্যতিৱিক দ্বিশ্ৰদারা भूजोद्रापद मालाधकद्रात मालादा रार्धाना कृतिहा द्रशिशोज्जि.

অপর মহাত্রিটিনের সভ্যেরা, শত্রিদিগকে আগঅভীতর দর্শাওনেতে, শত্রুরা ওপ্ত রোপ্তর অহঞ্চিত্রটিতে লাগিলা; ভাষাতে শত্রুরা চৌকী দেওগার নিমি ও মেহ জাহাজরাথিয়া জিল, দেই সকল আহাজন্বেরা, শ্লেণীয় সমুদ্র যে যেই সাপরাধী কিমানির্দোজাহাজ গমনাগমনকরিত, সেই সকল জাহাজহন্তগত ক্রিতে লাগিলা, অবশেষে ইণগ্লিয়া বনিকেরদের লালিশ এ অন্যায্যকার্যাবিষয়ে নমত বর্ষিত হইতে লাগিলা, যেপুজাপুতিনিবিদ্যান্ত্রদের এ বিষয়ে মানাযোগ করিতে হইলা;

ভাষাতে ঐ বনিকেরদের সমস্ত লালিশবিষয়ে বিচার যে হইবে, এবং তদ্বিষয়ে कारन' এक ५भी इ कहा पहिराक, देश में माखाता वित कहिल. अनेह मे লভার: ছরায় জাত হইলেন, যে যেং<u>অর্থ মহাব্রিনকে দিতে, স্লেণ্ডাজনত।</u> ষ্ফের বন্ধের ক িয়াজিলেন, ভাষা দত হইয়াজিল ন ; এবং ভাষা দেওনে বিলম্বক, নের কোনো কারনও দিয়াজিলেদ দা. অতথ্য প্রবাদমন্ত্রী আক্সধ্য ু 🔻 ভাষানুষ িপরিভূপ্যার্থ, এবং পৃষ্ধীয় বৃণজকার্যাকমেন্ন যে গছার নুলভা ভংগুড়ি শিচতার্টে 🗈 পার্লি, বভদভার দিরাকে নিশ্চর করিয়া কহিলেন, যে আমি যাইয়া রাজ্যন্তে: দিগকে মূল্লার্যে পুস্তত রাখিব. কিছু পরে প্লেন্ ডাছা ড বরণার্যে র।জনভাগ্ইতে ইণ্প্লণ্ডীয় আহাজন্মের পুতি রাজাজ। নির্গতা হইল, তাহাতে এ বেষণ ওভা জাতিশপুক মুদ্ধার্যুকরবের চিক্রকণ মান্য হইয়া জিল, এবং ৪ও জাতির। ফলেও জনে আঅদৈন্যন্মা হাছ ক্রিতে লারিল । এ আপন্ निक्रदेवजी नगरा, रात्नाग्रक चान चानित मुंधिनाम वाजयन। जानाहालन, যে প্রার্থ দক্ষিনির্যন্তানুদারে, দ্বেনদেশীও রাজার দাহ যা, আযার কর্তার করিতে ছট্নে; ভাছাতে ঐ সময়ে, বিশ্পতি বৎসারের পূর্বে রাজনর্নেরেছে ो भूकी मि**क क**हत যেহু সাজা হইয়াজিল, ভাষা সকলি বিপরীত ছইল. লমংয়, টুর্লিদেরা এব॰ ই॰প্লগুড়িরা স্পেনীযেরদের শাসু চিলে; ভিন্ত এসমায় মুটনিদেরা এক স্পেনীয়ের। ইণ্মুজিটোরদের বিপক্ষ হইল। 🧪 তাহাতে আমর। দেখিতে পাই, যে আমারদের ওপর আরকের কর্তা নাই, এতজ্ঞানশালী যে রাজান নর, ভালারদের মার্রাপেক্ষা দৃচ্তরদ্বিনির্বজ্বনেতেও রাজ্যতিরদের (कारन) छ/मा माहि

তাপর ঐ কাষ্যে ইংগ্লান্তিরেদের এবং দ্বোনিয়েরদের বিষেদ্ব তানিবার্থি ছইল, ডাগাতে যে পুরারা বহুকালাববি যুদ্ধানাগ্লী ছইলা রিয়াজিল, তাহারা মুল্ল দিশবৈতি হওছাতে অভ্যতাল্লাদ আভব দুশাইলাজিল; এবং সাভ্যারা অনিবার্থি যুদ্ধ লিখিল, তাহারা জনিবার্থি যুদ্ধ লিখিল, তাহারাজনিবার্থি যুদ্ধ লিখিল, তাহারাজনিবার্থি যুদ্ধ লিখিল, তাহারাজনিবার্থি যুদ্ধ লিখিল, তাহারাজনিবারে জন্মবিলাল হার্থি অবং যুদ্ধবার হার্থি অবং যুদ্ধবার হার্থি আহি বিষয়ে লাহার্থি হাইল, এবং আহাজি বুহু হাইল, আনর কর্মবিলাপেকা অবিক্র লাহাজি বুহু হাইল, আনর কর্মবিলাপেকা অবিক্র লাহাজি বুহু হাইল, আনর কর্মবিলাপেকা অবিক্র লাহাজি বুহু হাইল জাহাজি বুহু হাইল ভাবারিকা নিকটভাবানিয়ালেকে কর্মবার্থি স্থানিক এক জন আদ্মারণ লাহাজি জাহাজি সামুহের কর্ম্মবার্থি লাহাজি আমিরিকা নিকটভাবানির লাহাজি শালুদ্দেশ রে প্রিটিজিলেন, যে দ্বিল আমার্থিকাতে পোর্ত্রেলো নামে এক কিল্লাজ্যতান্তর্থিট্যালালন, যে দ্বিল আমার্থিকোতে পোর্ত্রেলো নামে এক কিল্লাজ্যতান্তর্থিট্যালালায় হাবারার্থিতে লাহাজি আন্যান্তর নামান্তর কর্মবান্ত্রী; অভ্যানায়ানে নায় হাইতে পারে, এবং নাহিলেন যে আমি কেবল

ारिक इहेश्राहिल.

ক্ষম জাহাজকরনক তারা দাও ক্রিতে পারি; ইহা খনিফা সভ্যেরা, ঐ অসাবির বিষধে তাঁরার বাতুলতা দেখিরা, তাঁরাকে অশ্লা করিলেন. কিন্তু ওয়ানি ঐ বাজি ঐ বিষয়ে অবিকাকায়ুল্যুক্ত, সভ্যেরা তাঁরাক ক্যায় সময়ত হইলা, গাঁরাকে ক্ষম জাহাজ দিলেন; এবং তাঁহারা এই ভ্রামা করিলেন, যে তিনি অস্ফল হইলে ভাগার অনুম্পলোকেরা তাঁহাকে অশ্লা করি ব. কিন্তু ঐ বিষয়ে সভ্যেরা ভ্রাশা হইল; যেহেতুক ঐ দেশগতি কেবল ক্ষম জাহাজ লইলা, ঐ স্থানের দ্যান্ত দুর্গান্ত ক্রিয়া, অপক্ষের কেবল এক দুই ব্যক্তির বিনাশাপুর্ক বিজ্ঞা হইয়া তিরিয়া আইলেন. ঐ জয়বিষয় ইণ্পান্তরাজ্যে অভিশান্পুশংসনীয় হইয়া তিলি ভাগাতে ঐ জয়ে যে আফুলি, ভাহা ঐজয়ে পুরিন্ধানের ফ্লাহইতে

অপর ই॰ প্লপ্তরাজ্যের অন্যথ স্থানে যুক্তনিয়ে, যে সময়ে অন্যথ বৃহদাযোজন ছইতেজিল সেই সময়ে পুশাতসাগারে শতুর্দের অমপলার্থে জাহাজের অবা এক ফুল্রদম্য সমন্ত্রইয়া পুস্তত হইল, এবং তাগার কর্ত্বভার আন্সন্দামক জাহাজসমূহের অগুনীকে দওয়া গেল. পরে রাজসভাহইতে এই আজা দেওয়া तिशांकिल, (य नै जांशोजनगृह बांदाल्लान् नार्य नगुर्वुव धौड़ी विश घाहरव, এবং সে স্থানছইতে বরাবর ওডরুমুখ্র ছইয়া চিলী এবং পেত্রতে তালগীপতে? इहेगा (वड़ाहेरव) अवश् कथानर पाविधन् नार्य यहां हो एन स्पृति स्वाप्त अन्त দিয়া আদ্যিরাল্ বেলবে সাহায্য করিবে. কিন্ত থারম্বার গৌলপুযুক্ত এবন সভ্যেরেদর বার্মার ভ্রমপুমুক্ত, যে ওপায় পুথমত ভালকপে নির্বন্ধ হইয়াজিল, তাহ। অস্তল ছইল. পরে যথান সময় বহিজু ও ছইয়াজিল, তথান ঐ আন্দন্ নামক জাছাজসমূহের অনু ী, মুলার্যে শুেলীযোগ্য দাঁচ জাছাজ এবং এক মুিগাৎ এবং খাদ্যসামগ্রীত্যাদিযুক্ত দুই জাহাজ, তাহাতে চৌদশত লোক লইয়া যাত্রা করি লেন. পরে ত্রাতিলের তটসমীপে পঁথ ছিয়া, গ্রীমাযুক্তদেশের ন্যায় দর্ভ পুল্লশন্য শালী কাড়িন নামে ওপদ্বাপেতে কডক কালপর্য্যত লোকের্দিগকে স্থিক কটিল. পুনঃ সেই অনিহইতে বরাবর দক্ষিনকেন্দ্রীয় শীত এবং পুচণ্ডবামুমুক্ত অঞ্চলে পেলেন ; তাহার পরে পুরি দাঁচ মান গত হইলে, এক মহাপুচণ্ডবামুকর্তৃক আকর্তিত হইলে পর, কেপ্রর্ণামক সমুভ্রন্থ এক মহাটেক ঘূরিয়া আইলেন. মাদের মধ্যে ঐ অগুনীর দকল জাহাত্র স্থানেছ ফড়াইলা রহিয়াটিল, এবং **मिट्ट मकल জাহাজন্ব** লোকেরা, স্বর্থা নামক রোরোতে জ্ঞির্ম্বল হইয়াছিল, তাহাতে তিনি অভিকল্পেতে অভিব্যলীয় জোতান্ ঘর্ণাণ্ডিন্ নামে ওপদীপ পুরু হইলেন; সেই ম্বানে থাকিতে, ঐ জাহাজসমূহের কেবল এক বড় জাহাজ, এল ৭ লাভ ভোপ্যুক্ত এক কোট জাহাত আলিয়া জ্টিল. পরে দেই স্থানহ ইতে

বরাবর ওত্তর মুখ ছইয়া, চিলির ডটে পঁছচিয়া, পাইতা দামে পছরে রাত্র্যসাদে চচ়াও করিলেন, ঐ সাহসিক চচ়াওতে আহাজহারা যুদ্ধ করিলেন না, এবং আহাজহাল সমত লোককেও নামাইলেন না, কিন্তু রাত্র্যসাদে অল্পুনৈন্য নামা ইয়া চচ়াও করিলে, তাবং শহরবাসীরা ভয়েতে এবং কোলাহলেতে পরিপূর্ব ছইল. ভাহাতে ঐ দররের কর্তা এবং পুজারা চতুঃপার্ম্মে পলায়ন করিতে লারিলেন; যেহেতুক ঐ দররেকেরা অন্যের পুতি কর্টোরাচারী হওয়াতে, আমরাও কটোরাচারেতে আক্রাত হইব, ইহা মনে ধির ক্রিয়াচিলে. পরে ইংগ্লিয় অল্পু সৈন্যেরা, লুই করত এবং তাবছাবিজ্ঞান্ত্র্যাদি হত্ত্বত করত, তিন্দিন পর্যান্ত ঐ দরর হুছতে রাথিয়া, পরে আগ্রন লারাইয়া দিল.

কিছু কাল পরে ঐ কয়েক জাহাজ আমেরিকা দেশীয় মহাদ্বীপের পশ্চিমপার্শে ষিত দারিএনের স্থীকানেতে পানামানামক নগরপর্য্যত পৃঁছচিল. ঐ সময়ে ঐ জাহাজসমূহের অগুনীর ভরসা, কেবল ইহাতে লিও তিলে, যে আমি এখন দিলি পিন্নামক ওপদ্বীপহইতে মেক্লিকো দেশে বানিজাকারী মহামূলামুক্ত দ্বেন্দেলীয় এক জাহাত বরিব. ঐ মহামূল্যজাহাজের কেবল এক কিমা দুই জাহাত্ত बाजिविक यह जाहां ज वश्मवर अक महाधीनहरेख जना महाधीरन यांग्र ना. তত্মদ্যে বহুর্থ বীর্ণার্থে দে সকল জাহাত্ত অভিবৃহজ্ঞাপে নিমিতি ছিল, এইণ যেমন ৰূহৎ ভেমন আত্মক্ষার্থে লৈন্যেতে লমস্ত্র জিল. অতএব ঐ লেনাপতি ঐ জাহাত্তের এক জাহাত্তের সহিত যিলদাকাগ্রী হইয়া আপনার অল্প জাহাত্ত महेगा भुनावमातात चुम्ब कतिए नातित्नन. किंड किळू शाह वर्गनामक भीजा जांशां जांशां जांदा मार्थे अपित्र हिंग इंग्रांट जातक लांक गहिल, जांशांड পুায় সমন্ত অবলিখেরা জাহাজের কার্যাকর্মকরনে অন্তম হইল. দুর্শাগুর হইয়া, তিনি তিল আহাজের লোকেরদিগকে এক আহাজে তুলিয়া खना जाहारे खांशन नाताहरेल शह, नृष्ठन अव शृहाष्ट्रन महाबीत्मह मदी। বিত তিগীয়াৰ পামে ওপদীপেরদিনে হালি বিরিয়া চলিলেন. াঐ অভিনয়নীয় স্থানেতে যাবৎ আহাজনেরা সূস্থ না হইল, এবং আছাজ সমুদ্রণথে যাওলে পুনঃ भूखंड ना इडेग्रांकिन, कांवर मिडे अभवीत वांन कविरातन.

পরে ঐবপে সমুদ্রাঘাতার্থে পুনঃপুন্তত হইয়া, মহাচীদের দিগে যাতা করিলেন, সেই স্থানে, যে মহাসমুদ্রের মধ্যে অভিশয়দুঃশ পাইয়া আভিয়াজিলেন, সেই মহাসমুদ্রে পুনুষার গভায়াভকরলার্থে, শাদ্যোশযুক্ত সামগ্রীভাগিতে ভাহাত্ত পরিপুর্ব করিয়া লইলেন; এবং হলগুদেশীয় এবং ইংগ্লেণীয় কভকগুলিন নুতন শালাসীর্দিগতে ভাহাত্তের ওপর ভুলিয়া লইয়া, পুনুষার আমেরিকা দেশের পুতি ভাহাত্তের মুশ্র বিয়া চলিলেন. ঐ যাবাতে বহুকথ পুণুণ্ণান্তর যহিষ্ত্রে

তিনি বছকালদর্য্যত বছাকাথ্য হাইয়া রহিয়াজিলেন, এবত গালিয়ন্নাযক মেন্তাতীয় এক আহাজ দেখিতে পাইলেন. ঐ আহাজ বানিজ্যব্যবসায়ার্যে যেকল নির্মিত তজ্ঞলও যুদ্ধকর্নবিদ্যে সনির্মিত জিল. ঐ জাহাজে সভাের ভােল্ এবং পাঁচ লত লােক জিল, কিছ ইংগ্লতীয় সেনাপতির তদর্ভেক কােক্ত জিল না. কিছ সে যাহা হওক, ইংগ্লতীয়ের পুতি জয় পুনন্ন হাইলেন, এবং কিছু কালের পরে ঐ সেনাপতি ঐ বছমুলালুহিত জব্য লইয়া হাদেশে পুত্যাগমন কবি লেন. জনতর ইংগ্লতদেশে পছজিলে পর, ঐ লুটের দুব্যের সহিত ২৯৪০০০০ জারিশ লক্ষ চল্লিশ হাজার টাকা জাহাজের মূল্য হইল : এবং জনাং যাহা লুট করিয়াজিল, তাহারে মূল্য ঐ টাকার সমান হইল. ঐকপে তিন বং নর জত্যত সাছল ও সমাদ্যাগপর্যক সমুদ্রপথে যাত্রা করিলে পর, ইংগ্লতীয় রাজ্যকেরা জতিব্যক্ত ভাল্য ক্রিয়াছিলে হাজান ইংলি হইয়া জিল, কিছু তাহাতে কতকগুলিন বিশেষ লোক অভিনয় বিবান হইযাজিল.

এ সকল হইতে চিল ইতিমধ্যে ইণ্ণ্লাণ্ডীয়েরা, শত্রুদের সহিত মুলকর্ণার্থে অতি বিচানেও পাইক ও দ্যাল করিতে লালিল, ভাহার বিশেষ করি, নৃত্ন দ্লেদদেশীয় জটনমাণে প্রেতি মহাভাহাজসমূহ, অর্থাৎ পউ্ভিন্থ ও বিশ্লাল্ডাহাজ এবং প্রায় ভৎসংখ্যক ট্রিলাংনামক জাহাজ, যাহা মুলার্থে সর্পুকার অল্রবাকদা দিতে, এবং পুায় পনরে। হাজার থালাদ্যাতে এবং তৎসংখ্যক কলেয়েলিতে পরিপূর্ণ চিল, যথন আন্দান নায়ে সেনাপতি সমুদ্রপথ্যে মুল্যাতা করিলেন, জখন ও মহালমূহের নাহাম্যকরে লিয়াছিলেন. ঐ জাহাজসমূহ যেমন ভুমান্তিত হইয়াছিল, তত্ত্বপ রূমন্ত্রত কোনো জাহাজসমূহ হয় নাই. এবং ই জাহাজ সমুহের সজলভার বিষয়ে রাজ্যকেরা যেমন ভর্মা করিয়া রহিয়াছিল, তত্ত্বপ ভর্মা কোনা রাজ্যক্ষেরা কথানা করে নাই. ঐ জাহাজসমূহের মধ্যে যেহ ক্লেয়েলি জিল, ভাহারদের সেনাপতির প্রমুহ কাৎকার্তনামক এক ব্যক্তি কে দেওয়া লেল, কিছ রাজায় ও সেনাপতির প্রমুহ কাৎকার্তনামক এক ব্যক্তি কে দেওয়া লেল, কিছ রাজায় ও সেনাপতির মৃত্যু হওয়াতে, তৎপদ জেনেরাল বেত্বর্থের গুহুন করিতে হইল, ভাহাতে সকলে ভাবিয়াছিল যে এ ব্যক্তি বংশা গ্রহণ করিতে হইল, ভাহাতে সকলে ভাবিয়াছিল যে এ ব্যক্তি বংশা গ্রহণে এবং ভৎকার্য্যচালাওনে অসমর্থ জিলেন.

পরে মধন ঐ সৈর্ব্যের্দিনকে কার্তাজেলা লামে নগরে জাহাজহইতে দামাইল, ভঞান তাহারা দেই আনে তোপ্তাপনার্থে গড়ধাই কার্চিয়া, দে আনহইতে পুরীর কিল্লা তোপ্দারা ভেদ করিল.
এর বের্নন্নাক দোলাপি, যিনি জাহাজন্ম হের কর্তা জিলেন, তিনি শারুর্দিনের তোপ্জেপন বিসদ্শকরনার্থে, এবং আলক ইংগ্লভীয় ইদন্যের দের কাহায্যকরনার্থে নগর্যাড়ীতে কতকগুলিন জাহাজ প্রের করিলেন, পরে ঐ কিল্লার ভিত্তি ভার হইতে পারে, ইহা দেখিয়া হঠাৎ চন্ত্

ক্রিয়া, কিন্ধা আক্রমকর্বে কণ্ডকণ্ডলিন সৈন্যের্দিগকে আজা দিলেন, ডাছাঙে মেন্তাতীয়েরা কিল্লা তারি করিয়া পলায়ন করিল. 🕒 দ্বেন্তাতীয়েরদিরের ম্দি কিছু দাহদ থাকিত, তবে দতলতাপূর্বক কিল্লা কছা করিতে পাতিত পরে ই॰ প্লগুড়ি সৈন্যেরা, ঐ এক কিল্লা পুষ্ণ হওয়াতে শহরের নিকটন্ত হইল, কিছ দেই দ্ধানে ওণদ্ধিত হইয়া, মাহা বোধি পা ক্রিয়াজিল এমত বাবাপুণ্ড চইল; তাহা এই, শহরের নিকটে ইছজিবাতে তাহারা দেখিল, ছেবত ক্যিত জিল, যে ঐ শহ ের তিতি ভর্নার্থ ভদুপুযুক্ত জাগাজসমূহ নিকটবর্তী ইইয়া থাকিতে পারে না তাহাতে কেবল এই ওপায় অপেকা রহিল, যে দৈনোরা পুথমত কাঞ্চলোপান স্থারা আরোহন করিয়া, ঐ কিল্লার মধ্যে এক কিল্লাতে পুবিষ্ঠ হইয়া হঠাৎ আক্রমৰ করে. পরে জাহাজসমূহের পুরান্থ ব্যক্তিরা, এবং স্থলক সেনাপ্তিরা, প্রস্তর এক অন্যের দোষ দিতে লাগিল, তাহাতে এক কছিল হইতে পারে না, অন্য কহিল ছইতে পারে. অবশেষে জেনেরাল্ বেরবর্ত, আদ্মরালের নিশাকর লেডে অভি পয় ওগুঠিও হইয়া, 🗳 কটিনোপায়দ্বারা কার্যানিদকরেরে পর করিয়া, লাজারি नायक किल्लोय मिडिमारा हड़ांड करिएड खांडा मिलान. ঐ কঠিলোপায় বির করণজন্য তাহা অনেকের পুতি অতাভাগ্যসূচক হইয়াজিল, কেদনা দৈনেয়ের मारे सात वातुमहरुवाह मगर्य, जाराहितिह नथनुमर्भक गांनिहार, जाराही প্য হারাইল. পরে কিল্লার সুরমন্থানে চচাও না করিয়া, কঠি স্থানে ওপ্রিত হুইল, তাহাতে কিলার তাবংতোপ তাহারদিগেরই সহিষ্ঠা করিতে ছুইল. A विचाय कार्तन् शांक विनि श्वनां प्रतां प्रतां प्रतां प्रतां प्रतां प्रतां प्रतां कार्या ভিনি এ ওপায়ের পুথমোপজ্মেতে মারাপড়িলেন, কিছুকাল পরে ভাছারা দেখিল, যে তাহারদিরের নিঁড়ি খাট হইয়াজে, এবং দেলপতিল কি পুকার কার্যাকর্ম করিবে, এমত আজা দিতে কেছ না থাকাতে, কি করিবে ভাগার কিছু বির করিতে পারিল না. এবং দৈনোরা এ সমন্ত সময়ে কোনদিলে ঘাহরে, কি কি করিবে ইহা কির করিতে দা পারিয়া, শতুরুদিগের সমস্ত োপ্ সহ্য করি পরে সেনারা, কএক ঘড়ীপর্যাত শতুর্দিগের অভিগয় ভোপ্ য়ার্ছিতে হইল, মারবে অতিদাহসপূর্যক বৈর্ঘ্যকরনানতর, তাহারদিগকে হ টিয়া আদিতে হইল, কিছ সেই বিষয়ে তাহারদের জয় শত লোক মারা পড়িলঃ অপর সেই স্থাবের জল এবং বাম, মুদ্ধাপেকা অবিক ভয় কর হইতে নারিল; মেহেতু চ অংশ দিনের মধ্যে বৃহদ্র্য। ওপদ্ধিত ছইল, তাহাতে সৈন্যের। জাওনিতে র্থিতে পারিল না, এবং বর্ষা ওপজিতপুমুক্ত সৈন্যেরদের মধ্যে তাতিনায় মত্ক ২ই ত লাভিল. ঐ দুর্দা মাছা এফাকীই সর্বোপায়দাশক হইতে পারে, ভাছা কেবল ওপৰিত इम नारे, खलक अवन कलक भूतीन मिनानिविद्यितिहा विवास स्ट्रेमिकन,

এবং कार्यामञ्चामान भारक ना इउग्रांत्त, भारत्वत अक जात्मात ह्यांच पिरिड्र अवः निमा क्षित्रत् अन्यवभाग इहेल. अवअव महालंद अ पूर्वे समामित्रत, अहे अक लक्षात विषया मन्याव इहेत्व इहेल, या नित्मात्रियांक जाहात्वत्र अन्तर्भाताह्व क्यांह्यां, प्रता ने मतकसामहरेत्व मूक हन.

পরে ইংগ্লভীয় ঘশোহানিকারক ঐ অসতে মুদ্দন্বাম, ইংগ্লভমেশে দীহজিবামাত্রেড, ডাবদুাজ্যকের। কলহে এবং অসতোচ্ছেড পরিপূর্ব হইল, এবং ঐ রাজমন্ত্রির বিক্রমে সকলেই অপরিমিডক্রোবেডে পরিপূর্ব হইল. তাহাতে ডিনি অকৃতবিময়ে সতল হইলেন, তত্ত্বন্যে ঘাহারা পূর্বে তাঁহার পূলানা করিড, ভাহারা এখন ঐ রাজমন্ত্রী নির্দেশি হইয়াও অসতল হইবাতে, তাহাকে নিন্দা করিডে লাগিল.

পরে ঐ য়াজমন্ত্রী, পুজাপুডিনিবিসভারদের জোবি আপনার পুডি অভি
বর্জিভ দেখিয়া, মে সভারদের সং বিলনভন্তনে অপারক জিলেন, তদ্ভন্তনে সাবিঃ
পর্যাক চেন্টা পাইতে লাজিলেন, ঐ সময়ে রাজ্যন্ত ভাবং পুজারা, ঐ সভ্যের
পুভি অপরিমিতদের পুকাল করিতে লাগিলে, এবং ভাহারদের পুরীনহ লোকেরঃ
পুজারদিরাকে কহিড, যে ভোমারদের হিংনক যে ঐ মন্ত্রী জাহার অবশ্য কোনো
আপদ্ ঘটিবে, পরে ঐ মন্ত্রী, আন্ধাচরও যে যথার্থ ডদ্দাভিনে অপারক
হইয়া কহিলেন, যে আমি সভাপদে আর নিযুক্ত থাকিব না, প্রদিনে রাজ্য অলুদিবসের নিমিত্তে ওভ্যুপার্লিমেন্তনভাভন্তন করিলেন; ঐ সময়ের মবীঃ
লর রাবর্ত বাল্পোল্, আক্লুদ্রদের পুদ্দেশাবিকারিপদ্পুর্গে হইয়া, অন্যাজন্য পদ্দ সকল আড়িয়া দিলেন.

অপর, ঐ যতির বিজয়িছওদজন্য যে ওত্নর দুঝ, তাহা অত্যন্ত্রকালছায়ি জিল; যেহেতুক অভিশীলু দৃষ্ঠ হইল, যে যাহারাং পুজারদের (অহাচারবর্জনিনিয়তে অভিযানু জিল, তাহারাং যেং নৃতনকার্যো নিযুক্ত হইয়াজিল, সেইং কার্যো নৃতনটার করিতে লাগিল. পরে ঐ সকল মতাবলম্বীরা, বরাজ্যের হিতদাশক বলিয়া নিশিত হইল, কিছ বিশেষকপে পুজারদের ছেম পল্টেনিনামক বাতের পুদেশাবিকারির ওপর পড়িল. ঐ পুদেশাবিকারী ঐ সময়ে যেং আচরও করি মাজিলেন, জনাচরতের নিশা অনেক কালাববি আপনি করিয়া আসিয়াজিলেন. ঐ পুদেশাবিকারী পুজারদের অভিপূজনীয়, এবং তাহারা ভাবিত যে তিনি ছেমা ভারলং ছাপনবিষয়ে সন্থাপেকা ম্যাত্যাপন জিলেন, কিছ বুঝা যায় যে তিনি বাল্পোলের বদলে পুজারদেরকর্তৃত্ব করিবেন, এই আশায় ভাত হইয়া, লোভের পরীবর্তনে জমর্যাদা ত্যারকরতে লক্ষত হইয়াজিলেন. কিছ দে যাহা হওক, নাকা অথোচিডজন্নে তা হালেছ ছিরিয়া না দেখিয়া, যাবস্ত্রীবন এক পার্থে

व्यक्तिया वाशित्तन; जानांक ने नुष्यनांविकाती खडाधावस्तान शृहीं व्याख्य श्रमः भूषांक रहेगा, कानवानन कृतितन.

অপর ১৭৪০ সতর শত চল্লিশ শালে জার্যনিদেশের স্যুটের মৃত্যু হইবাতে, শ্রীদিনের৷ পুণর্রার ভাবিতে লাগিল, যে আমারদের লোভ এব অভিলাঘ বর্ত্তালর ওপযুক্ত লময় এই. অভএব যেহ লখি ছেইয়াজিল ভাষা না মানিয়া, বিশে মত প্রারমাটিক সাম্পন্ শাযে সন্ধি, যদ্ধারা রতসমাটের তাবৎ অবিকার তাঁহার কল্যাকে অর্লিড ছইয়াজিল, ভাহা লা মানিয়া, ভাছারা বাবারীয়ার মণোনীত कर्जारक मग्राहेशाम অভिधिक कृतिल. अहेकाम घर्षठात्वा वन्ता (य इ॰ तत्री দেশের রাণী, যিদি মহাসমুট্তুলপুস্তা, তিনি আপনাকে অপল্পতসর্বাত্য দেখিলেন. এবং এক বৎসরশর্যাত সকল ইওরোপীয় রাজবর্গকর্তৃক ত্যক্তা ছইয়া, ওপায়ের কোনো আশা দেখিলেন না. ঐ রাণী অপিড় মর্ণ ছইবামাত্রেডে, व्यविद्या (माने प्रवेशास्त्र हर्षास्वर अस्ति। मिलिविद्यापाने विद्या रहेलन. মূব্রাজা, ঐ রানার দীনহীশাবস্থা দেখিয়া, ঐ দেশ যে যথার্যজ্পে আপনার পুরাত নাবিকার ভাষ্য জানাএনার্যে, ঐ চচাওক্রনোপায় করিয়াছিলেন; ঐবিষয়ে সক লের শীকৃত হইতে হইবে, যে প্রশিয়া দেশের যুবরাজার পুলিভাষছের্দিরা হইতে এদেশ অন্যায়কণে অপজ্ঞ হইয়াজিল. পরে ঐ রাধীর অবশিশ্ব যে অবিকার, ভাহাতে ট্রাদিস্ এবং শাস্ত্রণি এবং বাবারিদেশক্রো চছাও করিল: ভাগতে বুকা যায় যে কেবল ইংগ্লভ দেশবেরা ঐ দুর্দশাপর রানীর ওপকার কর্বে চেষ্টা পাইতে লাগিল. পরে সার্দিনীয়া এবং হলও দেশকেরা, ঐ রানীর माराया कृतिल, अद॰ मईरणास ने मारायाविषया वनीया प्रानेख्दा मयाड इडेल.

আমরা এই স্থানে জিজালা করিতে পারি, যে ঐ লময়ে মহারীপে যেই ওপায় করা যাইডেজিল, তন্মব্যৈ ব্রিটিনের শুবিষ্টা হওলের, কি আবশাক জিলে, ঐ বিষয়ে আমারা কেবল এই ওড়র নিডে পারি, যে হালোবরের হিত লা করিলে, এবং নির্বিশ্বকপে জার্মানী দেশের মনোনীতকর্তবিকারের রক্ষা লা করিলে, ইওরোপের যেহ পৃথকু রাজপরাক্রম, তাহা সমানবপে জংশ হয় লা; ভাহাতে ঐ বিষয়ে ইংগ্লায়ী রাজমন্ধীরাও রাজাকে লক্ষ্য করিতে লমতে হইলেন.

অপর ঐ সকল কার্য্যসম্বলার্থে, রাজা জর্জ, নেডলান্স রাজ্যে অনেক সৈন্য পুরুঝ করিলেন, এবং ঐ সৈন্য ১৬ খোলহাজার হানোবরীয় দৈন্যহারা বাড়া ইলেন. ঐ হানোবরীয় দৈন্য হংগারীয় রাঝীর পক্ষ হইয়া, ট্রোসিস্দেশে চচাও করিবেন, এই আশায়, বাড়াইয়াজিলেন; ডাহাতে ঐ সকল কার্য্যহারা হংগারীয় রাঝীর তাতে কার্য্য সিদ্ধিত্ওনের সুক্তর হইল. কিছু কালপরে ঐ কার্য্যহারণ ট্রাসিসীয় সৈদ্য বহেমিয়া রাজ্যছইতে বহিষ্কৃত ছইল; এবং চার্ল্ফ দামে মুব্র রাজ, মিনি ঐ রাণীর জেনেরাল্ জিলেন, তিনি এক মহাসৈন্যসমূহ সমভিবা। হারে বাবারীয় অবিকারে চড়াও করিলেন. তাহাতে ঐ রাণীর বৈরি যে ঐ যৌ শিক সমূট্র তাহার পলায়ন করিতে ছইল; এবং তাঁহার সাহ্য্যকাণীবা অন্য রাজ্যাবেতে ত্যক্ত হইয়া, এবং অপশ্রত্যোত্রাবিকার হইয়া, দু।জ্বাদোর্ত দরারে মাইয়া দাযানালোকের ন্যায় বাদ করিয়া আয়ুংশেষ করিলেন.

পরে দুর্নালনের, অপ্রায় এবং বুলিন্দেশীয় সৈশ্যের সংযিলন নিবারনার্থে, মাইন্ নামে নদাসমীলে মার্মান্ বোইলিস্ নামে সেনাপতির কণ্ড মার্থিন ১০০০ মাইট হাজার সৈন্য সমারেহ করিল; ঐ সেনাপতি ঐ নদীর প্রপাশে তাওনি করিয়া রহিলেন, ঐ সময়ে ইংগ্লেণ্ডায় ১০০০০ চল্লিশ হাজার সৈন্য, ঐ নদীর অন্য পাশের অভিজ্ঞত্তর অন্তেলর হইল, এবং দুর্নাসন্ সৈন্যের। ইংগ্লেণ্ডার রাম্বে মান্যামারগুলুভিনিবারনজন্য, তাহারা ঐ দেশে আহারেইছিত হইও রহিলেপরে যে সময়ে, ইংগ্লেণ্ডায় সৈন্যেরা এমত দুর্নাপর হই যাজিল ইংগ্লেণ্ডায় রাজা অয়ংই আলিয়া আওনিমবী পুরিষ্টা হইলেন তাহাতে রাজা সৈন্যেরদের মুর্না দেখিয়া, হানাও নামক স্থানে প্রজ্ঞানিলে, এমত ১২ বারহাজার হাবো বরীয় এবং হেলীয়ান্ জাতীয় সৈন্যেরদের সহিত মিলনে পল করিলেন। পরে ঐ আশায় আওনিভর্ম করিয়া সৈন্যসম্ভিব্যাহারে অগ্লসর হইলেন: কিছ তিনি চারি জোশি পথ গোলেপর, দেভিংগান্ নামে এক ফুল্লামান শিহজিয়া দেখিলেন, যে শত্রুরা তেলুনিগে বেষ্টাত করিয়া রহিয়াতে.

ঐ সমন্ত চতুর্দির্গোপন্থিত দুর্দুপা দেখিয়ে।, রাজা ভাবিলেন, যে যদি শতুর সহিত রণ করি, তাহাতে জামার বিভর হানি হইবে, যদি না করি তবে সমন্ত বিন্দা ভক্ষাভাবে মরিয়া যাইবে, এবং সকলের নিক্ষাের ডিটােগাওন অসাথা, পরে ট্রানিস্ভাতীয় সৈন্যেরদের বেগগমনজন্য ইংগ্লভীয়েরদের ভাবং দৈন্যেরা রন্ধা পাইল; তাহার বিশেষ এই, ট্রানিস্ সৈন্যেরা গমনকালে এক অতর অর্থাং পর্যতের এক দাক, যাহা সৈন্যের্ঘারা ট্রানিসেরদের রক্ষিত্য জিল, তাহা রক্ষা না করিয়া লব্বিয়া গেল. পরে গ্রামতের অনুনীর কর্তৃত্বাধীন ট্রানিসের অস্থানছেরা ইংগ্লভীয় সৈন্যেরদের ওপর অভিবেগে পড়িল, তাহাতে ইংগ্লভীয় সৈন্য, তাহারদিগকে অভিনাহস এবং নিক্ষােরিতিপূর্বক্রহের করিল, তন্ত্রানা তাহারদিগের অভিবেগেতে হটিতে হইল, এবং পাঁচ হাজার দেনা হারিত হইয়া পুনর্বার মাইন্ নদীপার হইয়া গেল.

এ সকল হইতেজিল ইতোমব্যে, ট্রাসিন্ জাতীয়ের। চতুঃপার্শে অভিচতু রতাপূর্বক মুন্তাদি কার্মা চালাইতে লাগিল, এবং ইংগ্লণুদেশতেও চল্ড করিছে মদে করিগাজিল; এব॰ তৎকার্যানিদ্ধার্থে চাল্মনামক পুরীর্থ রাজমানির পুঞ, প্লেন্ডাডীয় এক রাজপারিষদের ন্যায় জন্মবেশ বিরিয়া ক্মদেশহইতে ঘাত্রা কবিয়া, পারিশ্ নগরে পঁছজিলেন, সেই ভাবে দুয়ানিন্ রাজার নহিত ওাঁহার লাকাৎকার হইযাজিল

ঐ রাজমানিঃ ক্রু জ লোকেরা অদেক কালাববি ট্রাঁসিদেরদের ওপাসনা করিয়া রহিয়াছিল কিন্তু ঐ সময়ে সকলে দৃচকপে ভাষিতে লাগিল, যে ট্রাঁসিসের রাজা, े दो अर्थानिक कार्य सम्रोपनार्थ्य जलक (ठर्थ) शाहेरजलन. शाह ने कार्यासम्बाद नाथ रेमत्मावत्मव १८०० भनत्वा हाजाव मध्याक रेमना मर्यादाह इहेग्राह्मिल, এবং ঐ মূব। রাজমানির কর্তৃত্বাধীন, দন্তর্ক নামক নগরছইতে, এবং ইংগ্লপ্ত দিকটৰ অন্যাহ অনেক স্থানহাইতে, ঐ সৈন্যেকুদিনকে জাহাতে চড়াইয়া ইণ্মুণ্ডীয় ওপদীপে পুেচনার্যে বহুায়োজন ছইতে জিল. পরে রোকেস্প্লীর অনুনী, ঘভার্যে रमुबी रवाता विश्मां जाहां ज लहेगा, वे रैमला विविध हे श्लेखाराम में बिख्या দিবে, এবং সেই স্থানে দৈন্য সকল নামিলেশর, তাহার্দের কর্তৃত্বভার কৌত্ত দ ব্লুশ্যক মহাথ্যাত্যাপর এক দেশাপতিকে দেওয়া মাইবে, একপ নিক্রিত इडेल किन मह जान माल्मिनायक (मनांभिड इठी- अविक इंग्रांट, के **मक्ल** ঙপায় জুম হইল; যেহেতুক এ দেবাপতি তাহার্দিনকে দেঝিবামাত্রতে, শুমুর অশেকা বৃহৎ এক জাহাজসমূহ লইয়া তাহারদের ওপর চলাও করিলেন, তাগতে দুঁটেনদেরদের জাহাজ সমস্তকে দিরিয়া মাইতে হইল. পরে এক পুচ্ছ ঞ্চ ওপন্থিত ছইবাতে ট্রাসিনেরদের সকল জাহাত অকর্মনা ছইল, তাহাতে দ্র্রাসিলেরা ইংগ্লগুরাজ্যে অক্সাৎ চচ়াওকরনে ভয়োপায় হইয়া পুকাশকপে মুদ্ধ প্রার করিল.

অত্যব দ্বাদিদেরা, অত্যভোদ্যাগগুর্ক মুক্কার্য্যে পুরুত হইল; পুথমত তা হারা দ্বৈর্তালামক সংগ্রেষ্টেন করিল, এবং আগামিবার্মিক্যুদ্ধের পুথমোপক মেতে তর্নে নামক দুরারোহ্যনগর অবরোধ করিল. ঐ শহরাক্যমন্বিষয়ে, লংমিলতগোজবর্গের দৈনা শকুদৈন্যাপেরা অভিন্যুন হইলেও, এবং তাহার দের কর্ত্বতার কম্মলান্তের তগুলীর হন্তে অপিত হইলেও, ইংগ্লাওয়েরা ঐ শহর রক্ষাকর্লাশায়, মুক্তদেওসমধারা তাহা রক্ষাকর্লেশন করিল. অত্যব ইংগ্লাওয় দৈনেয়ের, শকুক্তিত মুক্তকর্লার্যে অগ্লুসর হইয়া, দুঁলিন্দ্ দৈনোর্যের দুঝি গোচরে একর হইল. ঐ দুঁলিন্দ দৈনেয়ের, আভনি নামক নগর দ্বিনে, এবং এক বন বামে, এবং কংমুথে চাতেনয় নামক নগর রাখিয়ো, এক ওচ্ছানের ওপর কাঙনি ক্রিয়া বহিয়াতিলে. ঐ কল কচিনক্সনে আঙনি করিয়া বহিলেও, তাহাতে ইংগ্লাওয় দৈনায়দের সাহদের কিছু নান্তা হইল না; যেহেতুক তাহারা বিভীয়

পুহরাবিক মহাদিশা সময়ে, পাডুর ৪পর চড়াওকরতে আরম্ভ করিয়া, কোনো বাৰীতেও নিবারিত ছইল না. পরে পুায় এক ছটিকা সমুর্লপটাত ইংগ্লডায় লৈ **भाषा जरी हरेगा वृहिमालिल, अव- जरी हरेरव अरे बित आ**गीय किल. यादी। नांक्स नांयक अक नुमत्तरेंग्य (मनांनिज, विनि ह्योमिन् रेनातावापव कर्ष्च क्रिग्रोक्तिलन, এव॰ यिनि ने नवरम् अक नांश्चाजिक (हारातुन किल्लन, यम्बार) ৰাহিত হইয়া, সৈন্যেরদের চতুল্পার্শে গ্রহণগ্রহন করত, আত্মলৈন্যেরদের সাহস अन्या अनार्थ कहित्तन, त्य जञ्जूनि गूर्व कूनकनानूकर हरेतन, अमा उथानि आंगांत्र मिलाब जग्न. 🗳 मबराम रे•श्लेखीम रैमलगुरामब अक लुनी चार्जानुनिनवाजिएवरक আক্সাছলে দৈবাৎ পরুর্দিগের শুনীবন্ধনৈনারগের সংস্থা ওপবিত ছইল ; ভাছাতে শত্রুরা ভাষার্দিনের ওভয়পাশে শ্রেনীবন্ধ হইয়া, ভাষার্দিনকে গ্রুছন कतिल. ने जबार ह्याँजिलात जिनशीर्यष्टेल ने देश्रांकीय वकांशायान् देनातात्र দের ওপর ভোপ চালাইতে লাগিল, তথাপিও ঐ বিঃসছায় সৈন্যেরা অনেক काननर्यात निर्मय इरेगा युच कहिए वाशिन ; किन नश्वितमह जिन नुरहे जबरम, जारावरतब नवायुष्ध रहेरा रहेल. ये यूच ये कालीन (घर यूच रहेमा किन, त्म नकत युवहरेट अधिवञ्चमुधि किन. 🗳 युव्हाउ मध्यिनिउ वांच বর্গেরদের ন্যুনারিক ১২০০০ বারহাজার সৈন্য রওবলে মারা পড়িয়া জিল, এক ধ্রীনিনেরাও প্রায় চৎসংখ্যক নৈন্যের যৃত্যুদারা আঅজয় কয় করিল,

শরে যে আঁখাতদারা শ্রীশিলেরা, ঐ তর্নে দামক দারর হন্তরত করিয়াজিল, ভদ্মারা অবশিশু ভাবৎবার্মিকমুখেতে, তাহারা পুরল হইয়া রহিয়া, যত দিন শর্মান্ত ঐ যুদ্ধ হইয়াজিল ভত দিনপর্মান তাহারি ফলভোর করিতে লারিল.

পরে ঐ কালীণ ইংগ্লভীয়েরা, জল মুদ্ধ এবং জল মুদ্ধ এই ওচয় সুদ্ধেতে অস
আল হইল; কিছ তন্ত্রণা যে অমধিল তাহা অভিদ্রকায়ী, অতএব পুজারা ঐ সম
যে কেবল মথার্থাই বিষয়ে লালিশ করিতে লাগিল, এবং তাবিদুর্দাণা, যাহার
অপন্তিত হওয়ার কোনো সম্ভাবনা জিল না, কেবল তন্ত্রনো কচ্কতি করিত, ঐ
সময়ে ইংগ্লভরাজ্যের মধ্যে পরের জনপদীয় মুদ্ধ হইবার ওপজ্য হইয়াজিল,
ভাহাতে ইংগ্লভরোভারে মধ্যে এবং বিরোধিতে পরিপূর্ব হইল. ঐ বিষয়,
ভাহারদের অবিক দুংথার কারন হইল বাই, কিছ ভাহাতেও ভাহারদিগের
পরন্তর অবিক দৃহণ্টীত হইল.

ঐ লময়ে এমত ছইল, যে পূর্হীয় রাজমানির পূল, ইংগ্লানীয় রাজিনিংহালন পুরুষজ্বরে চেখাণাইতে মনন্দ করিলেন. ঐ বিষয় সম্লবকরনে আকাগ্লী যে চাল্ম এয়ার্ম, ভিনি এক লম্লইবভাব রাজসভায় বালককালাববি পুতিপালিত ছইগাজিলেন কিন্দু ঐ নভান্থেরদের নায় জীত্ত্বভান্ত হন নাই. ঐ ব্যক্তি জড়াকান্ত্রী কি আমাভিলামবর্ত্তনেমুক জিলেন, কিন্তু কর্মেতে এনকডাপুসুক্তইরা হওক, তিনি এ পুকার বৃহৎকর্মে পুরুষ্থত তের ওপমুক্ত লোক জিলেন না. ঐ ব্যক্তি বহুকর বিধি হঠাৎকান্ত্রিদের, এবং লাইবিধরে পুতারকারিরদের, এবং ভ্রহানেরকে, কর্ত্ত্ত ওপানের হৌচাজিলেন; এবং অপুনার লোকেরা, নিতা ডা বি কর্ত্তির বিভিন্ন, যে ইপ্লেডায়রাজ্য ক্রেটাজার বিকল্প হইয়া ওচিত পরিশক্ত হইয়াজে, এবং যে বৃহৎক্তেও পুজারা ভারগুত্ত হইয়াজে, ওাহা আর মহা করিওে পানিকেন না.

্পরে ঐ যুবা রাজধানী, কিঞ্চিদর্যপুরি হইটা, সদের হইলে পর, আর দেওলা মাইবে এমত অধীকার, দুঁলিস্ রাজনতা মাহারা তাহার লোভবর্ত্তনিকারী হইটাছিল, তাহার্দিলাইউট্পোও হইটা, তুরিবার্তিকে ওপার্থী, এবং শার্ডামস্ শৌদিন্ এবং অন্যাহ কতকওলিন সাম্দিক অন্নামী সামে লইটা এক জোটো দুরাহ নায়ে মুদ্জাহাজে আগ্রাহন করিয়া ক্ষান্তাদশে মাত্র করিলেন.

্রিকণ ঐ হাজ্যানী, তাকে ব্রিটিন্ রাজ্য হত্তগতক্রণার্যে কেবল লাভ জন মেলাপতি এক দুই হাজার সেনার পুত্র অত্রশক্র আনিলেন

একৰ ওপায়গুছনকরনে ঐ রাজ্যানির যে বিভয়তা, তাহাতে ভাবৎ ইওরো পজ্জো চমৎক্র হইয়া ভস্তীভূত জইল; তাহাতে ভীরবাঞ্জিরনের শঞ্চা, এবং লাহিনিকে,দের ওদ্যোগ, এবং বিদানেরদের দুয়া ওৎপন্ন হইল.

আর ঐ দান্যে, আভিনামনিরিছুক ঐ মুহা রাজ্যানী, পিঁলামক আনে পিঁহজিয়াজিলেন; ঐ আনে ওঁছোর পিলা মহাত্রিছিনের রাজ্যালিলের বার্ম অভি মিচ হইয়াজিলের. সেই আনহইতে ওঁছোর ভারৎয়ৌজ দাভিনালারে পর্ভিতিকারিকারহিতে লানিয়া অগুনরহওনকালে, ওঁছোর অনুগ্রজাকে বর্তির হইতে লালির, পরে এদি বর্ত্ত্ নগরপর্যান্ত মাইয়া, সেই আনে অবাধিকলণে গুরিষ্ট হইলেন, এবং কেই আনে রাজ্বর্গেরদের পূর্বীয় দানি, মাহা ভারৎ পুজার দের দৃঃগ্রাদায়ক এমত বোরি হইয়াজিল, ভাহা ভক্তনকরলে ঐ দেশভ্যদের নিকটে স্থাকার করিলেন, কিছু দে দকল মাহা হওক, ঐ নগানের গড়ছোগ অধীনতা পীকার করিলেনা, এবং ঐ মুবা রাজ্যানির ভদবরোধিকরলোপযুক্ত ভোপও চিন্দেন।

অপর ঐ দমন্ত হইতেজিল ইতোমধ্যে, দার জান্ কোপ্ যিনি ঐ অসাধ্যলোকের দিপকে ক্ষংলপ্তদেশক পর্বতীয় ক্ষানের মধ্যদিয়া তাড়াইয়া লইয়া গিলাজিলেন, তিনি পর্বতীয়ক্ষানহইনত তাহীর্দিগের অবরোহন্দময়ে তাহার্দিগের দহিত মুক্তক্তনে অসমত জিলেন. কিন্তু পরে অগুন্নামক দুই পল্ডন্তাহার লহিত বিলনহতুক, তিনি এদিংবর্থ নগরের পুতি মাত্রা করিয়া, ঐ স্থানে শতুর দহিত মুদ্ধকরন বির করিলেন্ন. পরে ঐ অভিলাষবর্ধনেমুক মুনাব্যজি, মাহার দৈন্য কোপের দৈন্যাপেক্য অবিক, কিছ অথ্যবিদ্ধত জিল, তিনি ঐ এদিং বর্গ্থ নরারহইতে জয় জোশান্তর প্রেল্পান্দনামক স্থানে মুদ্ধ দিয়া, সরজান্ কোপ্কে এবং তাহার তাবং গৈন্যকে পরাজ্যুথ করাইলেন; তাহাতে ঐ মুদ্ধ মারা রাজা পাঁচ পত সেনা হারিত হইয়াজিলেন. তিরিয়ে জগী হওনেতে, ঐ অবিথিকানের্দের অহন্ধার বাড়িতে লাগিল, এবং ঐ সময়ে মদ্যপি ঐ মুন্ধারাজ্যানী, সার্ব্যাপহিতভয়ন্তেক গোল্যালেতে নির্ভ্র করিয়া, তৎক্ষণাৎ ইংগ্লেজরাজ্যে চড়াঙ কনিত্তন, তবে তাহাতে উংগ্লেডীয় স্থোতারিকের লাশ হইতে পারিত, কিত তাহা লা কনিয়া, সাহাম্যপুণ্ড হইবেন, এই আশার ছাল্মা রহিয়াজিলেন, কিত তাহা লা কনিয়া, সাহাম্যপুণ্ড হইবেন, এই আশার ছাল্মা রহিয়াজিলেন, কিত তাহাও স্থাও হইলেন না. ঐকপ এদিংবর্গ্ লথারে অক্ষর্মনা জাল্যক্রিয় স্থাভাগি করত, এবং রাজাৎ আদ্তহতত, কান ক্ষেপ্র করিতে লাভিলেন.

যে সময়ে ঐ যুবা রাজযানী, এদি বেল নগারে বার্যবিষয়ে কলেবায় করিতে, জিলেন, কিছ আপদ্যুক্ত যেই ওপায় তাহা নিজকরণে গৌণকবন ভলাপত হয়, সে সময়ে মহাব্রিটিনের সভ্যোরা, ঐ ব্যক্তির নিবারনে ওপায়ুক্তোপায় করিছে লাগিলেন, তাহাতে জয় হাজার হলওজাতীয় সৈন্য, মাহারা রাজার হিভার্যে হলও দেশহইতে আদিয়াজিল, ভাহারা জেনেরাল বেদেব কর্ত্ব বীন রাজ্যের ওজরাংশে পুরুত হইল. কিছিৎ কালপরে কয়লাণ্ডের অগুনা মাওর্স মেশহইতে পঁছানিলেন: এবা তাহার পরে সুব্রবিভিত এবা মুদ্দি পটু অন্যই কর্তক শুলিন অন্যাক্ত এবা প্রাতিক সৈন্য ওপন্তিত হইল. ঐ সকল ভাহা, রাজ্যের পুরোকাণশে বলভীর অর্থাই কেলাপুর্কিক মুদ্দি পুরুত অনেক সৈন্য, ঐ মুদ্দার মার্যার ওজনাথ ওলায় রাজ্যর পুরুত, এবা তাহার মতের পুতি, এবা তাহার মতের পুতি, এবা তাহার অনুমারির অনুষ্ঠিরদের পুরুত, অভি স্বারার দেশাইতে লাগিল.

কিন্তু সে মাহা হওক, এ মুবা রাজমানী, ইণ্ট্লগুরাজ্যে ত্রুকালীন মেং ব্যব ছার চলিত জিল, তদপেকা বছভিত্ব ব্যবহারাদিতে মুবকালাববি নিজিত হইয়া জিলেন এ মুবা রাজমানী, ইণ্ট্লগুরাজ্যে জনপদীয় মুল্ল এবং তদনুগামি সমন্ত প্রশক্ষিতদুংশ মদ্যপি আনাইয়াজিলেন, তথাপি আঅপুভূত্ব আয়ত রাখন যে অভিকর্তব্য এই বিষয়ে, এবং রাজ্যের মধ্যে পুভূত্বের এবং বিষয়ের পরীবর্তন যে আতিপুশং দনীয় এতদি অয়ে, যে তাঁহার চেথাপাওন কর্তব্য, ইহাতেও তিনি শিক্ষিত জিলেন; এডজেপ এ রাজমানী, আ্রুম্বীয় দাইসপুণি হইয়া, আভি

े हे अर्थ। वर्ष

লমিতবিময়ে অস্থাদ্যোগ করিতে লাগিলেন. পরে আআন্দোনপতিরদের সহিত্ বার্যার প্রামশ কর্নান্তর, ই°প্লত বাজ্যে চল্লান্তর্নে পন্নক্রিয়া, ই°পুর্থায় পশ্চিমাণ্ডশে পুরিপ্ত হর্যা, কাল্কাইল্নামক নগর্বেপ্তন করিলে, ঐ নগর্জ্ব লোকেরা তিন দিনের মধ্যে অধীনতা শ্বীকার করিল. সেইন্থানে ঐ রাজমানী, জনেক অপ্রশ্য পুরিপ্ত হইলেন, এবং আন্সনিতাকে রাজা বলিখা পুরার করিলেন.

অপর জেনেরাল্বেদ্ ঐ রাজ্যানির আগ্রান্সংবাদ পাইয়া, দ্বীপের অস্যাপার্থইতে দৈন্য লইয়া যাত্রা করিলেন, কিন্ধ পরে শত্রু, অগ্রেডে দুই দিনের পথে আঁজে, এই সংবাদ পাইয়া, শ্বাদে প্রত্যাগ্রমন করিলেন. পরে ঐ মুরা রাজ্যানী আপনাকে অবাধিত দেখিয়া, ট্রানিস্দেশহইতে আত্ম লাভায্যার্থে ইংগ্লুপীয় দ্রিনভট্টস্মীপে অনেক দৈন্য ওতার্ব ইইবে, এই সংবাদ পাইয়া, রাজ্যান্যাপর্য্যন্ত পুবিষ্ঠ হইবে মনে করিলেন; এবং যাত্রাসময়ে অসক্ষণ্ঠ তাবং পজাবা ভাগার সভিত যিলিলে, ভাগার বহু দৈন্য হইবে, এই আশাতে গালিত হর্মা জিলেন. তত্ত্রর ঐ মুরারাভ্যানী কার্জ্যাইল্ নগরে কতকন্তানিন দৈন্য গাথিয়া, দেলত ভাগা লা রাথ্য ওপযুক্ত জিল, তিনি ক্তৎলপ্ত পর্যভায়েদেশ ক্রেদের বেশ বি য়া পেন্রিৎ নগরে পদসুজে ওপন্থিত হইলেন, পরে দেই স্থান হইবে যাক্ষেন্তর নগরে ওপন্থিত হইয়া, দেন নগরে পুরান লিবির করিলেন.

পরে ঐ রাজ্যানী সেই ছানে ইণ্ট্রায় দুই শত লোকেতে মিলিড ছইয়া পর্ছলিলে পর, কর্নেল্ তৌন্লিনামক সেনাপতির অধীন এক পল্পন্ ব্যবন্তিত করিলেন. পরে সে খানছইতে ঐ রাজ্যানী চেম্বর নগর ছইয়া বেল্ফ্রেশে যাইবেন, এই আশা করিয়া দ্বীনগরপর্যান্ত যাতা করিলেন, যেছেতুক বেল্ফ্রেশে দিশে দিছলিলে অনেকে আনিয়া মিলিবে এই আশায় জিলেন. কিছু আন্মানুদ্ধী পুরীনহ লোকের্দের মধ্যে বিছেদ ওপন্তিত হওয়াতে, ঐ দেশে যাওবে নিগরিত ছইয়াজিলেন.

ঐ সময়ে ঐ রংজ্যানী ইংগ্লাপী রাজবীনীছইতে পঞ্চাল কোল দুরে প্রথমিত্যালিলেন, ভাছাতে নগরকেরা ভয়েতে এবং ওদেগেতে পরিপূর্ণ ছইল. ঐ রাজ্যানি যেমন বেগ্লে তালিগ্রালিলেন, ডজ্ঞান বেগ্লে মান্যালিয়ে জনুদ্দ ছইতেন, ভবে রাজবীনীরে। অবীক্ষ ছইতে পারিতেন; কেননা সেই ছানে পর্ছ জিলে ওঁছার জাগানালেকা ছইয়া রহিয়াজিল, এমত ড্মেইলমাচক জনেকে আদিয়া ওঁছার ক্ষিত অবশা মিলিড.

ঐ সকল হইতে জিল ইতিমধ্যে, রাজা অয়ংই রনে যাত্রা করিতে মলস্থ করি লেন, কিন্তু ঐ রাজ্যানির সৈন্যমধ্যে বিদ্নেদ্যর্জনজন্যে তিনি নিরন্ত হইলেন. অলত ঐ রাজ্যানী কেন্দ্র অধৈন্যের মৌঝিক দেনাণতি জিলেন, কেননা তাঁছার পুরানহ সেনাপতিরা, মাহার। ক্ষংলণ্ড দেশীয় পর্যতীয় জাতীয়েরদের পুরান ছিল, তাহার। ক্মতে পুতিশালিতপুমুক্ত পর্যশাল্তহওদনিময়ে অজাত এবং জনিমুক জিল. ঐ পুরাণহ সেনাপতিরা, পুথমাহরি ভিনহ মতে চলনে, এবং কে বড় হইবে এ বিষয়ে বিবাদকরনে ওদ্যোগা জিল; কিন্তু এখন অংশজ্যে পুতাা গামনে সললেই একানা হইল.

অতএব ঐ অবাধীয়েজিরা দৈন্যস্তিপুর্ণ্ড না ছট্যা কার্ক্সন্থিন্যক নরার ছিলা রেল; এবং সেই আনহাইনত এদেন্ এবং সোলেন মক নদী পার সইয়া কংশণ্ড রাজ্যে রোল. ঐ রাজ্যানির সৈন্যেরা, তাহারদের সমস্ত মৃদ্ধালায় মুদ্ধের ব্যবস্থানুসারে চলিল; বিশোধত, লুউজরনে জ্যা দিল, কিছ গ্রামক লে নর রাজ্যানের নিকটা ইতে অমলোনতিকর আজা করাইনা লংল : এবং তাতি সাব বিশেষ্ট্রক কল্পেট্রন্মক স্বান্ত যা । বসাইল, কিছ কিছু কালগরে ঐ মন্তে তারি মত নৈলা কেছাগুর্ভিত হ যালাছে, অনুনীর অর্থনিত অবিলার কলিল, পরে ঐ রাজ্যানী ক্ষেত্রদারের পুত্রত এব কলিলে পর, প্রান্ত নামক নরারে রোলেন, সেই স্থানে চুলান্যত নিন্তে আভিন্তক্য সংগ্রহ করিবানে.

পরে সেই খ্রিচ্চতে ঐরচিমারী ভিতিলামছ ন রপ্রতি গেলেন, সেই ম্বানে জ্যাস ূ্হল্ পান্নি ইংগোর দেখারে জ এর ন্যাণ্ড নং রছ,ড ফডর ওলা লৈন্য माभि कर्तिहार में हो क्रमी है । जिस क्रोनिए जिलित । भार परे में को क्रोत मध्या क ফ্ডেলং লিব অন্য কংশজি লোকি তামিয়া তাঁমার ম্রিড লিবিল ; একে স্লোদ্ধা হইতে নভকন্তলিত অর্থোপকার্ণু'ও চইলে, এবং হাজপদপতি, দের নাগত মূল কর্মে বতক্লার সামান হাইলে, ভীয়ার বাঘাকর্মা সুন্সর সমতে লাগিনে। পরে শ্রীযুত জন্মন ঐ রাজ্যানির ক্তিত হিলিত হইলে, তিনি বিলিণ্ডার গড় যাগতে ক্লাকে নিৰ্মাণ্ডক সেনাপতি অধ্যক্ষ ছিলেন, তাহা বেখন করিলেন, কিছ ঐ অধা কৈ.কারা অংরোইঘুরে আ টুপুরুজ বার্যকপে বহকালবায় করিতে লাগিল. चै sipia(वादिक्वलमप्रतः (फरन्वान् काव्नि, यौकार वे मयस्य अमिश्वरूच नहाव् ন্দমানে অনেক ই প্লন্ডীয় সৈত্যের ওপর কঠ্ছ জিল, তিনি ঐ অবরোধ মন্ত कृति निक्ष कृतिम, पालकिक्नायक स्नानमान व अविश्वास्तर् শক্ষাৎছ (sicলন, অপর এক, অন্যে) কত বল, ইগা জ্ঞাত হইতে দুই দিবস গত इट्टेल, aan जरावारेमानाता मृत्व भुत्रुक्यात जराठा जिलामी इटेला. ताज মানী, আমিলৈন্যের দিলের রাজলৈন্যের সহিত মুদ্ধদেওলার্থে, অল্লেনর হইলেন. পরে ঐরাজ্যানী মনি অলৈনোর প্রথমব্যুছেতে জিলেন, তিনি মুদ্ধের সঞ্চেত দিলে, পুথম দেওড়েতে ঐ হাব্লির সৈন্যেরা জিল্পতির হইল. তাহাতে অশ্বা কচেরা পরাউ্যুথ হইয়া, অপদাতিক সৈন্যেরদের ১পর পড়িতে লাগিল, কিম ন

অথবিটিদনোরা পুনুটায় দেওছ করিলে, রাজনৈনোরা অভিবেরে পরাজ্যুদ্র ছইল, এবং অভিকোগাছলপুর্যক আধানারপের তায়ু এবং সকল ভোপ রন ছলে জয়িরদের হতে রামিয়া এদিওবর্ঘ দরায়ে দিনিয়া রোল.

এতৎপর্যাত ঐ অবাধ্যি নৈপ্যের দের অমগন জিল লা, কিন্তু তদক্ষি ভালার দেব जारात (मंध र्पेल : उन्नित िल्मंध क्ति, तस्ती(अ) जातती, यिनि वे स्मर्प ইং গ্লান্থায়েও দৰ আৰু বিগতৰ মেনাসতি জিলেন, তিনি মাণ্ডম্দেশছট্ডে প্ৰৱাশত হইয়া ঘিরিলে আলিলা বিলেব এ সেবাপতি এদিপরেল লগতে ভিতদৈবা, যাগের: টোন হাজার মুখ্যাক লোক চিল, ভাহারদের সেনাপতি হুইবেন, পরে कसलाएक, खतुनी, के मगछ (मन) बहुर। खारवर्षीन अंगक नतर, भैरक्तिवारङ, হানে বর ব' শানুগত ক্ষমজাগীয় কডকণ্ড লন কুলীনেরা আলিয়া ভাঁগার সহিত মিলিত ছট্ল; তাহাতে নৈৱাশাপুটি আমানৈনেত্রদের আশা পুনর্জমাইয়া, ভাঁহার আগমনে প্রাউ্য্থাশলুর ওদেশ লউতে নিশ্চর করিলেন. অগুনী আঘেদ दि नदात कडककान धाकिए।, देनदांनानुधिखदेनताद्रपद विनुधि দেওয়াইয়া প্ৰচালা করিয়া, বার দিনের মধ্যে ডলিবেটার এবং ফাডভর ক্লোড ষভী স্নেলায়ক নদীর তারে পঁছ ভিনেন। 💢 স্থানে ওপগুস্ত ভিনা, যে অহাবী। দৈলেট্রা ঐ দেনাপ্তির আনিমন্তিবারন করে, কিন্তু আম্মর্থনৈ শিছেদবর্জন জন্যে তার্বারা দর্যোপায়র চিত হইল. 🏻 ঐ দময়ে ঐ অধার্যাদৈন্যেরা ধ্বদেশা গগনে এবং অদেনা ভিত্ন অন্যানিতা খাকারকরনে এবং অহাবস্থিতাচরনে এবং প্রয়ার ভিন্ন ছাত্রলাদেতে নিমান ছিলে । পরে ঐ অবাধ্য**নৈ**লোরা আত্ম মব্যে তানেক বিয়োধ করিলে পর, ইন্ফের্ন ন্রারহইতে আন্ধাজ চারি জোশ দ্র, এবং সমুস্রপার্শনাভিরেকে অন্য পার্যভয় পর্যভেতে বেডিড কল্লোদেন্ নামক মার্টে এ। কিয়া, পশ্চাল্লামী শত্রিদিলকে গৃহত করিতে নিক্ষা করি ন. দেই ভাবে গুভুবাবভাবুদারে তিব অ° শ হওত, সেই লকল ভাগ ভোগ এবং তোপজেপকেতে সুরুফিত আউহাজারসাথাক সৈতা মুদ্ধার্থে দণ্ডায়মান হইল.

পরে ঐ যুদ্ধ দুইপূহর এক ঘান্তার সারয় ছইল, ভাছাতে রাজনৈন্যর দের ভোপ ঐ অবাব্যকৈনােরদের মবি অনেক ৬৬পাৎ করিতে লাগিল, কিছ অবাব্যকৈনােরদের ভোপ রাজনৈনােরদের কিছেই ফতি করিতে পারিল না. ঐ রাজমানির ভাবৎ মুদ্জানায়ের মব্যে, ভাহার এই এক বছ দোব জিল, যেস্তার ছিত সৈনােরদের সহিত অবাব্যিতিসাংক্র মুক্তরাওনেতে, ঐ আব্যাব্যিক সৈনােরদের সাহস ঘদ্যভিবিজ ভাগার অব্যাক্তরাওনেতে, ঐ আব্যাব্যিক বিনারদের সাহস ঘদ্যভিবিজ ভাগার অব্যাকেনােভারদা জিল না, ভাহা নিবা রুক করিলেন: যেতে ভুক ঐ ভব্যাব্যাভাবার্যিদেনােরা, অব্পাণ্ডি মব্যে অলহ ছইয়া কছকালপ্র্যাত ইণ্ণাভার দৈনােরদের গুলি সহিষ্কুতা করিলে পর, ভাহারা

শেষে নিকটস হইয়া অভ্যযুদ্ধকরণেমুক হইতে লাগিল. তাহাতে তাহারদের কয বেশ পাঁচ শত দৈন। প॰ জিছইতে বহিৰ্নত ছইয়া, অঅনিৰ্দয় অভাবপূৰ্বক শতুরুদের বামাণশো চচাও করিল. এ চচাওকরনে ই গ্লন্তীয় সৈনোরদের সংমুখ্রত পথকি জিন্নভিন্ন হওয়াতে, এবং তৎসাহায্যার্যে দুই পল্টণ্ ওপন্থিত হওয়াতে, নিক্টযুক্তে গুলিদারা শত্রুদের অত্যতোৎপাত জন্মাইল, ঐ সময়ে হাবুলিনামক সেনাপতির কর্মারীন প্রন্নামক জীধাক্র দেনারা, এবং আর্নোল প্রনানার বিশেষটন ন্যেরা, পার্শ্বরুক এবং যাহা অল্পুনৈন্যমারার্শ্বিত জিল, এমত এক ওণবনের দেওগাল ভন্ন করিয়া, তলবার ছত্তে করিয়া, শানুষধ্যে পুরিস্থ ছইয়া, অনেককে বিনম্ভ করিল ; এবং ত্রিং শব পালের মধ্যে, শতুরা প্রায় শেষ হইল ; ডাহাতে রন স্থাল মৃত এবং দ্বত প্রায় তিব হাজার লোক মৃতিকান্তর ইহয়া রহিল. ঐ অবারী সৈন্যের দের বামভারে, ট্রাঁনিস্জাতীয় (মহ সৈন্যের) ছিল, তাহারা ঐ মুক্তসময়ে এক ওলিও মারিল না, এবং মুদ্দের পর বদ্দীৰকণ রাজকীয় সৈন্যেরদের পুতি আপনার্দিরাকে শ্বেছাপূর্বক অর্পন করিল. পরে ভংজাতীয় পর্বতদেশীয় বংশের দের সৈন্যের এক বৃহদ্দল, অভিব্যবন্ধাপুর্বক রণস্থলহইতে চলিয়া গেল, এবং অব শিধ্যের। বৃহদাঘাতপূর্বক লণ্ডভণ্ড হইল, এবং তাহারদের সেনাপতির্দিগের অত্য নিভ্রাপূর্বক রলফলগ্রতে পরাত্যুথ হইতে হইল. প্রয়র জনপদীয় মুদ্ধ, ভাষা স্বাভাবিক ভয়প্তর, কিন্তু মথান ঐ পুকার মুদ্ধ নিষ্কর্মান্যনির্বাবহারেতে সংলগ্ন হয় ভগ্যন অবিক ভয়কীর হয়. শবু, হাজার দোধী হয় না কেন, নাহনিক যোক্ষারা এই স্মারনকরন কর্তব্য, যে ডিনি শরনাপরেরদের সহিত মুদ্ধ দা করিয়া, কেবল শত্রুর সহিত মুদ্ধ করিবেন. ঐ অর সর্বতোচাবে ইণ্প্লভায়েরদের পুতি चित হইয়াজিল, এবং পরান্তেরদের পুতি যাঢ়াপি দয়া পুকাশক হইড, ডবে দে जय मझनं भूभः मनाय इहेउ. কিন্ত সেই সময়ে কাহারে৷ পুতি দয়া পুকার্শ ইইয়াজিল না, এব° গ্লন্ত এব° অসুর নিত এব॰ অরক্ষণাক্ষম গ্রে**হ**ব্যক্তি তাহারদেরো পুতি जणीता निष्ठा म्या कतिल नाः; अवन जाहारि अबिवामी युचनर्गत्कवःमत् अ (कहरू यांता (sim; अव रेमाताता (कवल अपक्रश्ननकप कप्रधाकाचापर्मक হইয়া হছিল 🗳 অগুনী, যুদ্ধ লাম হইবামাত্রে, তৎক্ষণাং ছবিদা জন ভাগুড়া লৈন্যের্দিরকে নম্ব করিতে আজা দিলেন ; এবং জয়ীরা যে২ স্থানে রেল, সেই২ ন্থানে ভায়েতে দেশ আছের ক**়িল; এবং অল্প দিনের মধ্যে, চতুর্দিক্**স ভারদ্দেশ লুট এব॰ বব এব॰ নাশাঙৎপাতেতে পরিপূর্ব ছইল; ন্যাম্য যে বিষয়, তাহা লক লেই বিন্তৃত শ্রীয়া, তৎপরীবর্তনে অন্যায্যতা ন্যায্যনাম্মাত্র লাইত বীরন করিল. उक्ताल नै गूर्वात्रोक्तयानित जोवमांना अवः बतानिक्षे नित्रानं इहेन, जाहारि এক ঘড়ীর মব্যে, অভিল্পিড জায়াবৎ রাজসিংহাদল এবং রাজমুকুটর্ছিড হইয়া, এবং যৌথিক রাজানায় রহিত হইয়া, তরাশচেন্টকরাতিরেকে মর্ব্জন কর্তৃক তাজ হইয়া অভিদুর্শাগুন্ত হইলেন তার এবং সাহসিক ব্যক্তির দেও ভানিদৃঃথ ভাহারদের পূর্বাপরাবের পুট্দেন্টিত হয়; তাহাতে ন্যায়তা মদাপি তাহাগুদের দণ্ডদায়ক হয়, তথাপি অন্তঃকর্থে আমরা তাহারদের পুভিদ্যাবান হই. ঐ মুক্ত নাম হইবামাতেতে ঐ রাজমানী দিতুজেমু নামক ব্যক্তির তাশাক্তি দৈনের এক কাঞ্জান সদ্ধে লইয়া পলায়ন করিলেন. পরে তাহারদের ও শালুর হইলে, তাহারা দুই জন অব্যাহার ক্রিয়া, ভিন্নই পথে আলুয় চেন্ধা করিব। পরে বাজমানী আপনার ক্রুপ্রতাকাপ্পাহইতে ওৎপরোহপাত এবং দুর্দা, তদ্দাক হইয়া, ঐ দেশ যাহা স্বভাবিক বনেতে পরিপূর্ব জিল, এবং ঐ সম্যে মুক্তরারা অভিক্র্যাদৌরাজ্যতে পরিপূর্ব হইয়াজিল, তাহাতে ছেডক দিবন ইতন্ত ভুম্বক্রত রহিলেন.

অপর দ্বিতীয় চাল্ক রাজা যে সময় বর্চেন্তর গড়হইতে পলায়ন করিয়াজিলন, উহাত লে মুম্যের দুর্দ্পার বিষয়ন, এবং ঐ রাজমানির বিষয়ন পুরুষ সমান. এ বাজমানী, অনুমধিরহিত হট্যা এবং ঘাহার: ওাঁহাকে দ্যা করিতে পারিত, কিন্ত ওপকারকরনে অশক্ত, এমত দুর্দশাগুন্ত পুজারদের আশ্রিত হইয়া পর্যতের গুলায় এবং ক্সুত্রহ কুঁড়িয়াতে আশুয় লইয়া রহিলেন. এবং কথানহ জয়িরদের দৈন্যবর্ত্ত ডাড়িড ছইয়া, দুইএক আবাদুর্দশার অনুমধী লগে করিয়া, বৃহৎছ অর্লোতে লুরায়ত রহিলেন; কেননা যে বাজি ভাঁহাকে জীবৎ কিয়া মৃত আনিয়া দাখিল করিতে পারে, তাহাকে ২৪০০০ দুই লক্ষ চল্লিশ হাজার টাকা দেওয়া ঘাইবে, এই সম্বাদ পুচার হইয়াজিল. এ রাজমানির অনুমধিনদের মধ্যে শেভিদান্দামক এক আইন্তাদেশীয় লোক, অন্যাপেকা তাঁহার দেবা অভিবিশ্বকপে করিয়া, উংহার সাহিত থাকিয়া, ই সকল অক্যনীয় দুঃশ্র সাহি ঐ রাজয়ানির এক স্থানগ্রীতে অন্য মৃতাকরনে তাঁগার সাগদ জনাইল. খানে ল্কাইয়া থাকনের নময়ে, পঞান জনাবিক জনের হত্তে আপনাকে বিশ্বানপূর্বক অর্ণন করনাবশাক হইয়াচিল; 🖈 ব্যক্তিরা রাজমানির কুলপুতি সম্রুযপুষুক্ত আআ।ভিলাম লোভের ওপরে পুরল ছইতে দিয়াজিল না,

অপর এক দিবস, ঐ রাজমানী, পুভাতাববি সন্ত্যাকালপ্যাত ভুমান করিয়া, এক ব্যক্তির গৃহেতে পুরেশকরে ওঁছার সাংস রূলাইল; কেননা ভিনি নিক্ষয় জানিলেন যে ঐ গৃহের শামী আঅপক্ষীয় লোক জিল. ঐ রাজমানী ঐ গৃহেতে পুরেশকরেলময়ে, এই কথা কহিয়া ঐ গৃহের শামিকে ভেডিলেন, যে হে মহাশায় তোমার রাজার পুঞ তোমার নিকটে অন্ত্রভদ্দরা এবং বন্ধ মান্ধার্থে আদিতেজেন; তুমি যে আমার শামুর অধীন হইয়া রহিয়াত, তাহা

আমি তানি, এবং তামি তোমাতে যে বিশ্বাস রাথি তুমি তাহার কথানা বা ছাত করিবা না; এবং আমার দুর্বলা চালফ করিয়া আমাকে পরহন্তে গাছিত করিবা না, এমত মর্যাদা ভোগাতে আজে; এই যে লেকড়া মাছা আলক কালা মহি আমার ক্ছে ছইটা রহিয়াজে, তাহা লও, হলতে গারি যে ইহার পরে আমি মহাবিটিশের রাজসিংহাসলোপরি ভাগিত হইব, তাহা তথান তুমি আমাকে দিরিয়া দিতে গারিবা, এই কথা খনিয়া, এবং তাহার দুল্প দেখিয়া, ঐ গ্রের কর্তা ততিশয় দ্যাতে পরিদ্ধি হইয়া সাধাপ্যাত ভাহার ওপকার করিল, কিছ কথানো তাহা পুকার্য করিল না, ঐ রাজ্যানির লাশকাঙ্কিদের মধ্যেও পুর্ণ ক্ষে অংভ্রারা ঐকপ্রব্রেক্ত নহে, কেন্ডা ভাহা করিলে ভাহার অনেকের ঘেষ্টার হয়।

একপ ঐ মুবা রাজমানী পুরুষ কয় মাদপটাত প্লেন্গারি দেশের মণা, বো ইতন্তভুমনকরত রহিলেন. ঐ সময়ের মধ্যে তিনি তানেক লার অন্তেম-কারির দিগেতে বেড়িত হইয়াজিলেন, মিদ্ধ ঐ ১পফিডাপদ্ধইতে ফোনো এক দৈব পুযুক্ত বাঁচিয়া রেলন. তানেক কালের ধর লঞ্বান গ্রামক আগন ধলি থিত আপানুষ্টিকর্তৃক ভারাক্ত মালোনামক দগরের এক। লুটার্থকত লেখি দি দিল, ভাছাতে ঐ রজমানী ভাতিদুর্দশাপর বেশেতে আরোহন করিলেন. 🗳 সময়ে ঐ ক্রাজমানী ঘর্ষনে জীনী ভূত এক গুড়া অধিবয়ক পরিবাদ করিয়া, ডাগার ৬পর স্কং লওীয় পর্যতক্ষেরদের এক জামা প**িবান করি**য়া, এক কোমরপাট্রা বাক্ষিয়া জি লেন, ভাছাতে এক পিন্তল্ এবং এক কিরীচ কুলান জিল. এ সময়ে এ রাজযানী অনেক মাসাব্যি বন্ধ বদলান নাই, ভাঁহার চফু কোটরত্ত হইলাজিল, এবং ভাঁ মার আকৃতি কম্মা হইয়াচিল, এবং শুম ও ভন্মহাণ্ডুমুক্ত ভাগার শরীর অভি কুশ হইয়াজিল, প্লাফ্লসময়ে ভাঁছার দুঞ্ভারা আইল্ওডার্ডায় শলিবাদ এবং শেরিদান নামক দুই ব্যক্তি, এবং লঝি:ন্ নিবানা কামেরও নামক এক ব্যক্তি, এবং তাঁহার ড্রাড , এবং অন্যথ কডকগুলিন অন্য জুপুরাজিলুছ্ডি, ভাঁহার শহিত গোল. তাহারা আহাতে তড়িয়া ট্রা, সমের দেশের পুতি লালি ৬ঠাইয়া ইলিয়া রোল, এবং পথমব্যে দুই ইং প্লভীয় মুদ্দকাহাককর্তৃক ক্তক্দিবস ত। ড়িড হইলে পর, সেতেমি দেশতিঃপাতি মলাইফু নরর মন্পি রুমেওনামক ছাবে অমনপূর্বক পঁছ জিলেন. অপর রাজমানী মারাপরিয়াজেন, এই জনরবণ্যুক্ত, মদ্যপি তাহার অবেষণকাহিরদের চেধ্য শিএল দা হইত, তবে তাঁবার পলাইয়া হাঁচিয়া যাওন অবিক কঠিন হইত.

অপর ঐ রাজমানী একপ পলায়ন করিতে চিলেন, ইতোমধ্যে ইণ্প্লগুরাজ্যে ভাঁছার অনুমধিরদের ববার্থে ধরমঞ্চ এবং ওয়ন্ত্রনাকাচপুভূতি পুত্তত হইতে দিল; বিশেষত, লণ্ডশ্নামক মহরাতঃপাতি কেনি-তন্কামন নামক কানে, এ অবাব্যীদৈন্যেরদের ১৭ লতর জন লেনাপতি, ফাঁলিপুার্ড হইলে, ভাহারদের মৃতপানীর অজ্ঞারা এণ্ড করা গিয়াছিল. বুঝা যায় যে মরল লময়ে, এ ব্যক্তির দের দৃঢ় নহিছুতাতে যত লোক পদ্পাতী ইহয়াছিল, ভাহারা জয়ী হইলেও তত হইত না. এ কপ কাল্ফ আইলেডে ৯ নয় এবং মুর্ক নগরেডে ১১ এগারজন ববী প্রাপ্ত হইল. অল্প লোকেরা ছফাপুার্ড হইল, এবং লামান্যলোকেরদের অনেকে হত্যামেরিকা অবিকারেতে প্রেতি হইলেন.

পরে কিল্মার্শকের এব॰ জমার্তির পুদেশীরি কারীরা, এব॰ প্রায়ুত রাল্মেরিনো, ইণারা অকুলীনকর্তৃক বিচারিত ছইয়া দোষ্টাক্ত ছইলেন; তাঁছারদের মব্যে জমার্তি ক্ষমা পাইলেন, এব॰ অন্য দুই জন তাঁওরহিল্নামক স্থানে দ্বিলারা ছইলেন.

একপ অয় পরাজয় দক্ষি কাপটা কলহ ইত্যাদি অনেক বংসরপর্য্যত একের পর আরএক ওপন্থিত হইতে লাগিল, তাহাতে সর্বান্যে ৪ভয়পক্ষেরা দেখিলেন, যে আমরা ওডরোত্তর দুর্ভন হইতেছি, কিছু আমারদের কিছু লাভ নাই.

অভএর ওভয়পক্ষেরা সন্ধিকরনে পন করিলেন; এবং ওভয়পক্ষীয়বিরোধিকারী हां करार्तहा आहे क्रमा मार्गालम् नामक चारन मिक्द्रनार्थ अक्य महाक्राल नह ন্ধুর লক্ষত ছইলেন. সেই স্থানে লাণ্ডিচের পুদেশারিকারী এবং লয় তামন্ রাবিন্ দণ্ মহাব্রিটিনের পক্ষ পূর্ণপরাক্রমশালী হইয়া, ঐ দক্ষিবিষয়ে লাহাত্য করিলেদ. े স্বিক্রনে পুথমত এই নিয়ম বির হইল, যে মুদ্ধসময়ে যেং ভাব ঘাঁহারং হত্তগত হইটাজিলেন, সে নকল ওভয়পক্ষেরা প্রশ্বর ফিরিয়া দিবেন. ই°গ্লগুয়েরদের অনেক লাভ এব অনেক সম্রুম ওৎপর হইবে এই ভরসা জিল, কিন্দ ঐ সন্ধি অদ্যপর্যান্ত ইণ প্লাণ্ডীয়েরদের হঠাৎমন্তবার এবং কুনু দ্বির চিক্ত্রকণ থ্যান্ড ने मिलाउ এই निग्रम कहा तियाकिल, या ध्रुमशक्तरा युवनमार भूषि रुरेश कित्लन, (यश्वनी अव (यश्कान, जारा भूनार्मग्र रुरेत. अव भार्या अव-প্লাদেতীয়া এবং থান্তালানামক অগ্নাবিকার দন্ টিলিপ্নামক রাজপুত্র, স্নেন্ দেশীয় রাজিনি হাসনের ওওরাধিকারী, এবং ওাঁহার পরে মাঁহারা ভাঁহার ওডরাবিকারী, ওাঁহার্দিরাকে দেওয়া মাইবে. কিছ ঐ দন্ ফিলিণ্ মদ্যপি স্নেন্ দেশের ওতরাবিকারী হন, তবে ঐ অবিকার আত্মীয় রাজবংশকে দত ছইবে. এবং ঐ সবিতে এই বিষয়ও ছির ছইয়াজিল, যে সমুদ্রপর্যাত দন্তর্কনামক স্থানের ভারত্ত্ব লম্ভ করা ঘাইবে, এবং নৃতন মেন্দেশীয় ভটনমীপে যেই ই॰প্লভীয় জাহাজ পুডিবৎসর গোলায লইয়া প্লেরিড হয়, তাহারদের যে বাব

शर्या, जांश ठांति तर मत्नवर्णात थांकिए. अवन क्षेत्रीय (मार्गत वाजा, निनिधी য়াৰামক অবিকার মাংগ অল্পন্যয় গতে পরাম্ভ করিয়াজিলেন, ভদাবিপত্যে বির্বিক্ত হইবেন; এবং হম্বরী দেশের রাজীও আপনার শৈত্কাবিকারেতে ভাপিতা इन्टरन. किन ने मिखर यादी ने भू शिएतराय भूषि, जना सकल विष्या ने ने এক বিষয় অভিদৃঃগ্রাজনক জিল; ভাষা এই, ঐ দব্দির যথ্যে ইয়া বির হইয়া জিল, যে এ সন্ধি বিরহওনানতর, তৎফলাৎ মহাবিটিনের রাজা, দুই মহাকুলোৎ भन्न विभिन्नात्माक वक्षक्षकभ द्वाँ मिंम्राराम (दुवन कहिया वाश्चिःवन, यावर कम् (बुडन् अव॰ में युक्तमग्रास दे॰ श्लाखंद जनार शंताकृड चान ना किताहेसा (एन. क्षित गाती ने निषय अजिम्धाथत विषय जिल, अव जन्धावर्षन । एरं ने निष्त মধ্যে যেহ দোম তাহার মধ্যে অন্য এই একটা দোম ছিল, যে আমেরিকা দেশী यम मूर्य हे॰ श्लेशि जांतराजद उलामि लाउन, यांश नै मूर्वाद सूधाय। व्यापक किल, ভাছার বিষয় কোনো কথাও ওপন্থিত হয় নাই; এবং ওওরীয় আমেরিকাতে মীছার যে অবিকার দীয়া তাহার বিষয়ও কিছু ডিয় হইল না; এবং ইং প্লণ্ডীয়েরা শারুর বিকটে যেং কিল্লা পুনরর্ণন করিল, তৎপরীবর্তনে কিজুই পাইল না. নামক সন্ধি, তৎস্থিকারকেরদের পুতি অনেককালাববি অভিতিরক্ষারাল্ল হইয়াছিল, কিছ সর্গোষসহবর্তমান ঐ সন্ধিছইতে, এই ন্থিকৃতসন্ধি অতি ভুমাল্লদ এবং দোষযুক্ত জিল. কিন্তু ঐ কালীনরীতি এই মত জিল, যে আত্রে (क्षुत मिक महेव वृद्धांद्रम, এ२° आहे क्ष ना मार्गालाल मिक महेव अर्थिनुनिष्म ণীয় হইয়া ত্রিল.

এ সন্ধি ঘাহার বিষয় ভানেকে কহিড, যে ডাহা ভ্রিড্রের বৈক্তরকাশ অবশ্য ছইবে, কিন্দু ফলত ডাহা অল্লুকালস্থায়া কিল, এবং অল্লুকাল যুদ্ধ বির্তিছেতুমাত্র কিল, ঘদনুমারে কোনো পদ্ধীয়ের চলিতে পারিল না. অপর ইণ্প্লভায়ের এবং দুর্গালানরদের যে যুদ্ধ, ডাহা ডাবং ইওরোপের মধ্যে নির্ভ ছইয়াজিল, কিন্দু দ্বিতর বর্ত্তিত ছইতে লাগিল; ফলত ওভয়পফিটিয়েরা এক আর একের দেয়ি দিয়া যুদ্ধকরে নিডা ওদ্যত ছইল, এবং যুদ্ধ সাধি ছইলে, এক আর একের দেয়ি দিয়া যুদ্ধকরে নিডা ওদ্যত ছইল, এবং যুদ্ধ সাধি ছইলে, এক আর একের দেয়ি দিয়া যুদ্ধকরে নিডা ওদ্যত ছইল, এবং যুদ্ধ সাধি ছইলে, এক আর একের অপ্রাদ করিত.

অপর ওত্তর আমেরিকাতে নোবাজোতিয়া পররাবাতঃপাতি এক নূতন নরর জ্বাপিত হওয়াতে, বুঝারিয়াছিল যে রাজ্যের তাবৎ নিষ্কর্মনায়াজিরা সেই জ্বানে প্রেরত হইতে পারিবে, তদ্মারা বদেশে নিমুমন্ন্য থাকিলে মন্দ ৬ৎপদ্ধ হইবে, এমত সাহসিক ব্যক্তির্দির্গকে অন্যদেশে কার্য্য দেওয়াইতে পারিবে. ঐ নোবাজ্যেতিয়া বদী রাথনের ওপযুক্ত জান বাট, কিছু দে দেশ ঐ বদ্ধীর

দিনের পুরিপালনাক্ষম জিল; যেহেতুক সে দেশে অচ্যতহিমণাওপুযুক্ত শাদ্য ওৎপন্ন হইও না. অতথব ঐ নুত্র হসতি, পুথনত ই'প্লভীয় রাজের অনেক্ অথব্যয়দারা পুরিপালিতা হইয়াজিল, কিছু পরেতে ঘাহারদের পুরি রাজানুমতি হইয়াজিল, তাহারা ঐ দেশের দক্ষিনদিনে অন্যথ্য অলুহিযযুক্ত এবং শাদ্যাথ পাদ্যশালী আনেতে নেল. ঐকপ ইংপ্লভীয় রাজশাদকেরা, ইংপ্লভীয় রাজাহত তাবং পুরাভাগ দিনেতে নের বর্ষা অন্যথ্য মুর্বদত্তি দেশেতে পুরুষ করি লেন, এবং ভদ্মারা পুজারদের বেবি জন্মাইতে লাগিলেন, যে ইংপ্লভীয়েরদিনের রাজ্যাবিকার বর্জিত হইবে.

কিছ লে যাহা হওক, পরে ই॰প্লাণ্ডায়ের এব॰ ট্রানিদেরদের যে বিরেবিযুর ভাবৎ লাশার ব্যানিল, ভাহা ঐ শন্যহীনন্দানজন্য ওৎপন্ন হইয়াছিল. ঐ দেশত্ব লোবাজাভিয়া নিকটন্দ মহাকাভারবাদী জাপ্পলিক লোকেরা, ঐ নূতন বদত্তি কারকেরদের পুতি অভিবেদপূর্বক দৃধি করিতে লাগিল; এব॰ মনে করিল যে এই ই॰প্লণ্ডায়েরদের আমারদের লমত দেশ হত্যাত করিবে. ঐ দেশে ই॰প্লণ্ডায়েরদের ল্যায় ট্রানিদেরদেরও বদতি ছিল; ভাহাতে ই॰প্লণ্ডায়েরদের ট্রানিদেরদের সমত ছিল; ভাহাতে ই॰প্লণ্ডায়েরদের ট্রানিদেরদের সহিত ছিলবোরিপুযুক, ঐ ট্রানিদেরা ঐ দেশকলোকেরদের শঙ্কা জন্মাইয়া, কহিল যে ই॰প্লণ্ডায় জাতিরা অভিনিধুরবাবহারক এব॰ আজ্ম রাজ্যবর্জনের লোক; ঐ বদতি স্থাপনবিষয়ে এই সকল কথা সভ্য হইতে পারে. অভএব পারিশ নামক নগরে একত হইগ্রাই প্রাণ্ডায় এবং ট্রানিদেরদের পরম্পর বিরোবি নিম্ন্তিকরনার্থে ক্ষতকগুলিন আমান নিযুক্ত হইয়াছিল. কিছ ঐ সমস্ত বিরোবিষয়ে অগভিত্য কডকগুলিন আমান নিযুক্ত হইয়াছিল. কিছ ঐ সমস্ত বিরোবিষয়ে অগভিত্য কডকগুলিন লোকেরদের বিরাদপুযুক্ত, ঐ আমী নেরদের প্রাম্নল ব্যর্থ হইল.

এ কান, ইণ্ণ্লভায়ের এবণ দুগদিনের বিষেদ্ধারণ হইয়া নূতন মু ভাৎপত্তির আদিকারণ হওনপুমুক্ত, তাহার বিষয় কিছু বিশেষ করিয়া বর্ণনা করা ওপমুক্ত দুগদিনেরা এ নোবাজোতিয়ানামক জানের পুথমক্ষক জিল, এবণ অনেক কায়িকশুমের পর এবণ বছকালবৈর্ঘাবলমনের পর, এ দেশের আভাবিক ওমর ভূমি আবাদকরণদারা এবণ ইওরোপহইতে সাহায্যপুণিভারা এ ভূমি কিছু শাসাশালিন করিয়াজিল এ দেশের অনেক আমী হইয়াজিল, কিছু শোষে অত্রেপ্তনামক সন্ত্যানুদারে ইণ্ণ্লভায়ের মান্দার্থ আবিকারক্ষার্থে, এবণ পৃথিরীর এ অণ্ডল বৃহত্মং প্রত্যাক্ষার্থিকারে পুরুল হওনার্থ, এবণ পৃথিরীর এ অণ্ডল বৃহত্মং সার্বায়র্গমের আবশাক জিল. কিছু সে মাহা হওক, অনেক কালাবির দেশের পান্ধার্যের বাসকারি দুলিন ভাতিয়া এ দেশির পান্ধার্যানির কারানির স্থানিন প্রত্যানির প্রত্যানির আবশাক জিল.

এবং ইংগ্লভীয়েরদের সভিত বিরোধ জন্মাওনদারা, ঐ সূত্রনাগমনভারী ইংগ্লভীয়েরদিগতে ঐ দেশইউতে বভিদ্ধুত করে। বিশুদ্ধ করিল, পরে ঐ সকল বিষয় ইংগ্লভীয় মহাসভ্যেরদের বিভাট জ্ঞাত করান গ্লিয়াজিল, কিছ ভাহাতে কিছুই হইল না.

অপর পৃথিবার ঐ অণশে অন্যথক বিরোবের করে ও ওপ্তিত ছইল, যাহা
পুথমত ইণ্ড্রাপ্তায়েরদের বহু দুর্ভাবনা জন্ম:ইয়াজিল; ভাহা এই, ট্রামিন্ জাতী
য়েরা কহিল, যে আমরা মিশিনিপী নামে নদার মোহানার ওদ্মেশ পুথমে পাইয়া
জিলাম, অভএব ভাহারা পশ্চিম আপালাথিতান নামে পর্বত্তইতে পূর্বদিরো
নূতন মেক্লিকোপর্যাত দমন্ত দেশ আবিকারকপ মানিল. ঐ অবিকার যে ভাহার
দের ভাহা বির করবার্থে, ট্রামিনেরা অনেক ইণ্ড্রায় যাহারা বানিত্রাবিষয়ে
ঐ দেশের রমনীয়ভাগুরুজ, ঐ সকল পর্যত পার হইয়া অনেক কালাব্বি বদ্ধি
করিয়া ঐ স্থানে রহিয়াজিল, ভাহারদিরকে ঐ দেশেইতে বাহির করিয়া দিয়া,
হত্দিরে দেশ্বক্রার্থে কানেং কিল্লা বীবিলা.

অপর ঐ কালে কেবল আমেরিকা দেশে নয়, কিছ অপ্রথাদি দেশেতেও নূতন বিষ্কেদের এবং যুক্তের বীজ বোলা গিয়াজিল; ফলত মালাবাবের তটক্ষীশে ইংগ্লান্তাহ্বদের এবং ট্রানিসেগদের যে বিরোধি, তাহা একবার ও নিব্ত হয় নাই.

অপর দে যাহা হওক, ঐ সময়ে ইংগ্লভীয় লভারা, ইংগ্লভাবীন যেই অন্যাই দেশক্রো অদেশরক্ষীর্থে চেম্বা পাইয়াজিল লা, তদ্দেশরক্ষার্থে বহুদ্যোর পাইতে লারিলেন. ঐ সময়ে আমেরিকা দেশে ইংগ্লভারেরদের য়ে অবিকার, ততুকার্থে চতুর্বুজ্বাদ্যোরের আয়োজন এককালীন হইয়াজিলে; ভাহার মর্ব্যে এক যুজারোর্যারে কর্নেল্ মঞ্চতন কর্তুস্থার পাইয়াজিলেন, তাহারে উল্লেক্ত এই আজা দেওয়া রিয়া জিল, যে নোবাজোতিয়াভংগাতী দেশেতে আরাত সমস্ত ট্রালিনেরদিরকে বাহির করিয়া দিবেন. এবং বিভীয় যুজোদ্যোরে জেনেরগল্ জান্সন্কে কর্তুস্ভার দিয়া, ঐ নোবাজোভিয়া দক্ষিতে, জৌন পোইত সায়ে ভানাক্ষ্যার্থি তাহাকে প্রের করিলেন. এবং তৃত্বীয় মুজোদ্যোরে জেনেরগল্ লালিকে কর্তুস্ভার দিয়া নিয়ারারান্যমক জান, এবং ঐ লামক দ্যালমাণ্ড সমস্ত রাড্রক্ষার্থে প্রের করিলেন. এবং চতুর্থ্যুজ্বাদ্যোরে, জেনেরগল্ ক্রাক্ত কর্তুস্বান্দ নিয়ুক্ত করিলেন. এবং চতুর্থ্যুজ্বাদ্যোরে, জেনেরগল্ ব্রাদ্ব কর্তুস্বান্দ নিযুক্ত হইয়া, ঐ নিয়ারারার ছেন্ত্রী নামে কিল্লা হন্তর্যক্তর্যাথে দক্ষিব দেশে প্রেরিত হইলেন.

ঐ সমত মুলোদ্যোগের মব্যে মন্ধতন্ দামে সেদাপতির মুলোদ্যোগ সফল হই মাজিল; এবং জেনেরাল জান্সনের মুলোদ্যোগও জয়মুক্ত হইয়াজিল, কিছ যে বিল্লা আক্ষথার্থে গিয়াজিলেন ত্রিঘয়ে অসফল হইলেন; এবং জেনেরাল্ দীর্লির

কার্যাকর্মে দীর্ঘলুত্রতাপুরুজ মুদ্ধসময় বহি ভূতি হইগাচিল ; এবং জেদেরাল্ ব্রু দক্ অভিশয় লাহদিক এবং অভিশয়চত্ব ছিলেন, কিছ পরান্ত হইয়া ছিলেন. ব্রাদক্ নামে ঐ অতি দাছ দিক দেনাপতি, কমর্লাণ্ডের অগুলীর ওপাদনা এবং কাক্জিতে এ কার্যে। নিযুক্ত হইয়া, জুন্যাদে এ ঘূৰ্যাবালয় করিয়া, এ যাদের ১০ দশকি তারিখো, দুই হাজার দুইশত লোক সমন্তিয়াছারে, যে স্থানে গতবৎ ভাবে যেজর বানি॰তন্ পরায় ছইয়াজিলেন, সেই ভাবের পুতি ঘারার্থে ব দেশের কৃষ্ণভূমি পশ্চাৎ করিয়া অগুনর ছইলেন। পরে দ্রীনিদেরদের কিল্লার নি कहेरहेरड मीठाकामा मृत्र भर्षे कियां उद्देश अवत्वित कहिए बाजा भारेतन ; ভাষাতে निकार खरी बहेत हेंहा निर्जन किंद्रिया, नै महानलान मरोपिया घा हेरिजि লেন, ইতিমধ্যে হঠাৎঅগ্রশকাৎ লুক্কায়িতশতুরদের গুলিছারা অভিন্মিয়াপম ঐ অবন্ধায় ভাঁধার পরাবৃত হওদসময় অভীত হইয়াজিল, যেহেতুক শারুরা তীহার দৈন্যরুদিবের পুতি গুলিমারবের পূর্বে আপনারদের ওভয়পার্মত্ব টনন্যেরদের মধ্যপর্য্যত জলেতে ঘাইতে দিয়াজিল. তাহাতে ইংগ্লণ্ডীয় নৈন্যের দের লংমুথার বাহীকৃতলৈন্য পরাজ্মুথ ছইয়া, স্বপদ্যাৎবিত পুরানবাহীকৃত দৈন্যের ওপর পড়িল, তাহাতে ভাবৎদৈন্য অতিভয়ান্তিত হইয়া স্তন্ত্র হইলা রুছিল. ক্ষিত্র ঐ সৈন্যেরদের সেনাপভিরা পলাইতে অনিমূক হইল, এবং বুলিক্ অয়ংই ঐ সাহসিকানুষ্ধী সেনাপ্তিরদের ওদ্যোগ জন্মাওত, অত্যতদাহ্যিকতঃ এতে অস্থিতেকতা পুকাশকরত মুক্ত করিতে লাগিলেন. 🗢 ব্রাদক্ লামে সেনাপতি श्ववातन्त्रीय उर्भद्रभूष् वय् हे भनीयन पुष्ट कहिल्लन, धरः बांबरेमलाव पितारक अवने कि जाति कहिए पिलान ना. एन उ े प्रमेश्व (नां रक्त्रप्त লাহিত যুদ্ধকরনে, এই দুএর এক করনকর্ত্তব্য জিলা, যে তাহারদের ওপর একেখারে চলা করন, কিমা হঠাৎ রনক্ষত ইতে পরাও্যুথা ছওন. শেষে ব্রাদক্ নাযে সেনা পতি গলদেশে গুলিতে বিদীর্ণ হইলে তৎক্ষণাৎ পড়িয়া মরিলেন, তাহাতে তাবৎ দৈনোর কোলাছল ছইল, পরে ইংগ্লণ্ডীয়েরদের ভোপ গুলি বাকদাদি তাবন্ধি भग्र मेजुरुख পड़िल, এव॰ ये गुरु है॰ ब्रेडोरग्रहाप्तर पाठ मंड रैमना नर्छ हहेल. অপর ঐকপে পরাভবছওনপুমুক্ত ইংগ্লভীয়েরদের মধ্যে ভর এবং বিরেধি বর্ত্তিত হইল, তাহাতে দুঁটিননেরা ঐ অবকাশে নির্ভর করিয়া, অন্য স্থানে অন্যং মিনক। নামে ওপদ্বীপ ঘাহা আৰু নাম্নী রাভার গুপায় সমূল ক্রিতে লাগিল. বাজবুসময়ে স্লেন্জাতীয়েরদিগছইতে নীত ছইমাজিল, তাহা ই॰গ্লণীয় অবি

मगरम है॰ श्लेषीममरणाता क्रांकारिकां उच्चर व्हेम, वे ४ निया काल करन रैमनाबाता क्रकांक्द्रल निधित हहेमोकिर्लन; जाहार वे थाना कृषि

কার বলিয়া বার্থার অনেক সঞ্জিলারা বিরীকৃত হইয়াজিল.

দুর্বলগুযুক্ত বস্থকালাববি শতুকর্ত্তক অবক্ত হইলে, তরিবারণ করিতে অসমর্থ জিলে অভএব দুর্গালিসেরা, দিলিশ নামে গড় মদাক্রমণ তাবৎ ইঙরোপের গড়াক্রমণহইতে কঠিন জিলে এবং মাহাতে ঐ সময়ে জেনেরাল্ ব্লাকেনি মিনি অভি দাহাসিক সেনাপতি জিলেন কৈছ কিছু বৃদ্ধ, তাহার কর্তৃত্ব জিলে, তাহার নিকটে সৈন্যের্মিগকে জাহাজহইতে অবরোহণ করাইল. ঐ কিল্লা দুর্গানিসেরা অত্যুদ্যোগপুর্ক অবক্ত করিমাজিল, এবং তন্মবাস্থ ইংগ্লান্তায় নৈন্যেরাও তরি বারণে অভিসাহসপূর্বক কর্মকার্য্য করিতে লাগিল, কিছু শেষে তাহার্দের পরিক্রমন্ত্র করিতে হইল.

পরে ঐ যিদর্ভাদায়ক ওপদীপে ঐকপ চড়াও করিয়া অকল্মাদাক্রমএকরতের সম্বাদ জাত হইলা, ই প্লাণীয়নভোৱা, যদি সাধ্যি হয় তবে অৰণ্য কৰিব, ইহা কহিলা ঐ অনরোধিভরনে নিশ্চয় করিলা, দর্শ মুদ্ধজাগাজনমভিব্যাহারে আদ্ यिवाल वि॰ रक, ३ यिनकीनायक अनिवीलिव मुकार्थ (शुवन कविरलन. বি॰ জিবুলিত্রনামক স্থানছইতে যাত্রা করিলেন, সেই স্থানের অধ্যক্ষের নিকটে দৈন্যদাহায্য যাত্ঞা করিয়াছিলেন, বিদ্ধ আথার কিল্লাও আপদ্পুত্ত আছে এই ছল করিয়া ভিনি ভাঁছাকে দিলেন না. পরে ঐ বি॰ পালি ওঠাইয়া যাত্রা कृतिया ने जिनकी नांख अभियोत्भित निक्छेरको इहेरउ जिल्लन, उद्योख তিনি ने अभवीत्मत काहेत अभेत मिश्रामन, या ग्रीनियमत्रामत भेडांका अहि ভেছে, কিছ ফিলিপ্নাঞ্চ কিল্লাতে ই॰গ্লপ্তায়েরদের পতাকা ওড়িতেছে. 🗳 বি॰ ঐ কিল্লার মধ্যে কোনোপুকারে কডকগুলিন দেনা পুরেশকরাওনের আজা भाइयाजिलान, किन में विषय अधिकतिन अव पृथ्माविश्युक कहिलान ना. পরে ব বি৽ কি কর্নোপযুক্ত এই ভাব্যভাবনার মধ্যে, আআগুৰুজাহাজ সত্ৰ হের ত্লা দ্রে থাকিয়া আদিতেকে, এমত ট্রাদিদেরদের মূল জাহাজনমূহ দেখিতে পাইলেন. তাহাতে কোন ওপায় গ্রহণ করিলে ভাল হইবে, এই নকল ভার্যভাবনার মধ্যে তিনি কোনো ওপায় গুহৰ না করবে কির করিয়া, মূদ্রার্থে जांद्राजनकलाक (भूनीयब कहिया, भेजूबिराशंत सहित युवातसालकी इहेगा থাকনে আজা দিলেন. 🗳 বি॰ সমুত্রগুলুবাবন্দায় পটুপুযুক্ত বহুকালাবিষ্টি अजिलूनं मनीय इहेगांकित्नन, किन वृका यांग्र त्य त्यश् विमान जाना जिनि অবিক পুশ সবীয় জিলেন, নেইং বিদ্যাতে নির্ভর করিয়া মূলব্যবন্দারে অভিসূত্মকণ চলনমারা আঅসাহসহেতুক যে পুশংসা তৎসুথ হইলেন. धुँ। जिल् जोशं जनगृह निक्टेशियरनर्छ, हे॰ श्लेखीय जोशं ज नगृहत्र कडक8 লিল জাহাত্ত তাহারদের সহিত মুদ্দ দিল. ঐ সকল সময়ে ঐ বিতের জাহাত্ত मृद्ध ब्रह्मि, अर॰ नै विषया नैका इसन या श्वित, इहां अविश्वास भूमां

দর্শাইলেন. পরে দুঁলিস্ জাহাজসমূহ শানৈঃ পালি তুলিয়া চলিয়া চাল, এবং ওভয়পদীয় জাহাজ সকল যে নিকটযুদ্ধার্থে পুনরেকত হয়, একপ অবকাল আর পাইল না.

🖜 অব্যাগ্ন. 🕽

অপর ঐ বিতের ঐ পুকার আচরবের সম্বাদ মধান ই প্লাণ্ডদেশে পঁছ জিল, তাহা তে তথান 🗳 ব্যিঙির শুতি রাজ্যক্ষেরদের যে ছেম্ব ওপন্ধিত হইল ডক্সপ অন্য কিছু তেই হয় नाहे. এव॰ यह अभाग मकल अ भुकात अमणल इहेगाकिल, जाहात पाच রাজনভারা আপনারদেরছইতে নিঃকেপকরতে অনিছ্রু চিলেন না, তত্ত্বা লভোরা গুরুকপে ঐ বিভের পুতি দোম দিয়া আগুন লাগাইতে লাগিলেন. পরে এ মিনর্কা ওপদ্বাপন্দ কিল্লা যে দুর্গানিসেরদের হত্তগত হইয়াছে, এই সম্বাদ ই॰গ্লন্ড ক্লাজ্যে পৌদ্ধিবামাত্রেডে সমস্ত রাজ্যন্তেরা জোবেতে ওন্মণ্ডপুয় হই ব. ইংগ্লুড मार्ग में या इहेराकिल, हे बियादी। में वि॰ आधारतावार महार हहेगा, भवा-ই° গ্লন্তদেশে তদিকৰে যে অভ্ৰূপসৰ্মনাশ ধ্পৰিত ছইতেলে, ভাছা অবরত না इ.७७, जियुन्न जब नाम नतात ब्रहिलन. किंड म घांडा इंडक, किळूकांन भाव, এ বিংকে বিভিন্ন বন্দী করিয়া ইৎপ্লাওদেশে প্রেরণাজ্ঞা প্রেরিড হইল. পরে এ বিশ ই প্লওদেশে পইছিবামাত্র সভারা গ্রীনবিচ্নামক চিকিৎসাশালায় ভাঁহাকে দৃঢ় কণে ৰূপী করিয়া রাখিলেন; এবং মাহারা আমপুরীনেত্দিরকৈ হিংলাকর্বে এবং দোৱাখিতকরনে নিরপেক্ষ এমত পুজারদিনের পুতি ঐ বিভের অপুরা জন্ম এনে সভ্যেরা চেম্বা পাইতে লাগিলেন. তাহাতে অনেকং পর্যানাৰ পুঁজারা, मालाइ एवं निकार प्रवास (भूतन करिया, ने पाधिवाजित प्रधार्थनिकांत्र घांठ्या করিল, এবং সভ্যের। তাহারদের ইদ্ধানুয়ায়ি কার্য্যকরণে বড়একটা অনিদ্রুক চিলে কিজু কাল পরে পোর্ডমুখে নাম নম্বরবাড়ীতে কোর্তমার্নামক মুক্তব্যব ন্দাবুদারে ঐ বিডেঁর বিচার হইল. 🏻 ঐ বিচার অনেক দিবদপর্যাত স্থায়ী ছইয়া द्धिल, এव॰ छाँहर्गत्र विठात्रकर्षात्रा समञ्ज এই विषया अकरांका रहेल, या जे वि॰ মুদ্ধন্যমে শতুর্থকর্বজন্যে আত্মদাবাপর্যাত কার্যাকর্ম করেন নাই, অভএর যুল্লব্যবন্ধাপ্রছের দাদশ নিয়মানুসারে ওাঁছার মরন স্থির করিল. তাঁহার মরন খির করিলেও, সভোরা কহিল যে রাজার স্থানে ক্ষমাপুর্যান। কর, যেত্তুক ডোমার অপরাব ভাতত্বপুমুক্ত বয় কিছ ভুমপুমুক্ত. ঐ পুকার ঐ বিড়ের দণ্ড ভিরক্রনদারা রাজ্যভেরদের ক্রোবিছইতে আপনার पितारक युक्ककृत्व, এव निर्माग्राय अनामाय हरेल अलामाय वितारक निव्य করবে আশা করিয়াজিলেন. পরে রাজ্যশাসকেরা এই পন করিল যে আমরা 🗗 बिर्द्धित भुषि क्लारनाभुक्नात अनु शुरु कतिव ना ; अवन भोलियिए तो नै विर्द्धित বিষয়ে পুর্ণিত হইয়াছিল, কিন্তু ঐ বিতের আচরনে, ঐ পুরীয় দণ্ডাজাভন্তনে!

পযুক্ত কোনো বিষয় পাইল না. পরে ঐ বিং ঐকণ দুর্দশান্থিত হইয়া এবং লব্ধ হুর্ত্ত পরিত্যক হইয়াকিলেন, তথাপি শেষপর্যান্ত একণ নিক্রন্ধিয়তা এবং শ্বির চিত্ততা দর্শাইলেন, যে কেই ক্রিতে পারিল না, যে তিনি ভীত কিছা আশান্তিত জিলেন. আনর পোর্ত্তমং নামক নপ্পরবাড়ীতে যুদ্ধভাহাকের ওপর তাঁহার বব শ্বির হইল; যে দিবল তাঁহার বব হইয়াজিল, সেই দিবলে তিনি আপনার বন্ধি রুঠরীইইতে নির্ভি হইয়া জাহাজের তবকের ওপর আইলেন, ঐ আনে তাঁহার বব হইয়াজিল। পরে সেই স্থানে আআদির্দোষিভাজাপক এক পত্র দিয়া, যে স্থানে তাঁহার হাঁটু গাড়িয়া রহিতে হইরে, সেই স্থানে আইলেন। পরে আস্থানে তাঁহার হাঁটু গাড়িয়া রহিতে হইরে, সেই স্থানে আইলেন। পরে আস্থানে না করিলে, তোমার বিকটাকার দেখিয়া সৈন্দোরা বন্দুক্রারনসময়ে ভীত হইয়া বন্দুকে লক্ষ স্থির করিতে পারিবেক না, তথ্য তিনি ক্যালদ্বারা স্থাক্ত দিয়া, সৈন্যেরদির্গকে বন্দুক্র্যারন সংক্রিত দিয়া, সৈন্যেরদির্গকে বন্দুক্র্যারন সংক্রিত দিলেন, তাহাতে তৎক্ষরাং মারা পড়িলেন। ঐ বিংতির মণ্ড অতিনিপ্রুর বোধি হয়, কিন্তু পরেতে তদ্বারা বা জ্যের অনেক মন্ধলোৎপর হইল.

ঐ মুভের মধ্যে বিবাদকারীইওরোপদেশব্রেদের এইং কপ ভিন্নপক্ষওা কিল; বিশেষত, আমেরিকা দেশে এবং অপ্নবস্থকলিপ্নাদি দেশেতে এবং লম্ড্রে, ইংগ্লগ্রী থেরা ট্রাঁনিসেরদের শাসু কিল; এবং মহাধীপে ট্রাঁনিসের হানোবরনামক দেশে চচাও করিল. ঐ দেশরকাকরতে প্রুষ্টায়া দেশের রাজা অপ্নীকার করিলেন, এবং সেনাধারা এবং অর্থনারা ঐ দেশরকাকরতে ইংগ্লগ্রীয়েরা ঐ রাজার লাহা ম্যাকরিল. অন্যপক্ষে আজিয় রাজা, প্রুষ্টায়া দেশগ্রুষ্বাকাপ্ত্রী হইয়াজিলেন, এবং ঐ বিষয়ে লাহায্যকর্বার্থে লাক্সিনিদেশের মনোনগ্রিকর্তাকে অপক্ষ করিলেন. এবং ঐ বিষয়ে দাশ্যক্রার্থের এবং বিদ্যু দেশব্রেরা এবং ক্রিমেন বিষয়ে দাশিক্সান্দেশ এক দ্যার বনাইবার জন্যে, ঐ অজিয় দেশক্রেদের লাহায্যকরিল.

কিছ ঐ সকল যাহা হওক, পুথমত অধিবধক নিপানি পূর্বদেশে ই প্লাণ্ডা হৈবা, যুক্ত বিষয়েতে মান্যুক্ত হাইতে লাগিল, এবং ঐ দেশে ক্লিব্লামক ব্যক্তির ওদ্যোগেতে ই প্লাণ্ডায়ের মান্ত ছাইতে লাগিল. ঐ ব্যক্তি পূথমত সামান্য লোকের ন্যায় কোন্নানির চাকর্গতে পূত্ত হইয়াজিলেন, কিছ পরে যুক্তবিষয়ে অবিক ক্ষমতাপুযুক্ত লেখককার্যভাগি করিয়া কেনাপূর্বক পল্টানে ভরতি হইলেন. পল্টানের মধ্যে ক্লুড্রং পদক্ষেরা কেবল নাহসম্বারা আপনার্দের ক্ষমতা পুকাশ ক্রিতে পারে, এবং তিনিও ভাহাই ক্রিয়াজিলেন, কিছ পরে তাহার সদাচার

জাচিরনেতে এব[ু] কর্মদিক্ষতাতে এব[ু] যুদ্ধবিষয়ে ক্ষমতাতে অল্পুকালের মার্ব্যে, পল্ট নেরপুথ্য পদক্ষাইলেন

পরে ঐ ব্যক্তির কর্মাদকতাতে এবং ক্ষমতাতে এবং সাহসদার ইংগ্লপ্তীয়ের পুথ মত এইং বিদ্যা মন্ত্রনাধ্য হইয়াজিল. বিশেষত পুথমত তিনি আকটের রাজ্য শানুবহিত করিলেন: কিন্তিংকালানতর ট্রালিসেরদের জেনেরাল্কে পরাত্ত করিয়া বন্দী করিলেন; এবং সেই স্থানের দ্বাব মিনি ইংগ্লপ্তীয়েরদের দ্বার পুতি পানিত হইয়াজিলেন, তাঁহাকে ভাঁহার পূর্বিকারে নিমুক্ত করিলেন.

অপর ঐ বর্গ দেশের নবাব থেমপুমুক্ত বৈরি ছইণা ইংগ্লুপ্তীয়েরদের সহিত্য মুদ্ধ কি.তে লাগিলেন. এবং অনেক দৈন্যসামতসমারোহ করিয়া কলিকাতঃ শহর, মাহাতে ঐ সময়ে পৃথিব র ঐ অকালে ইংগ্লুপ্তীয়েরদের পুরান কিল্লা ছিল, কিছু শতুনিবারবোপমুক্ত নয়, তাহা বেখন করিলেন. পরে ঐ কিল্লাবীয়ক পলায়ন করবেতে ঐ কিল্লা নবাব কর্তৃক জিত ছইয়াছিল, তাহাতে ঐ গছবিত এক শত ক চল্লিশ জন বন্দী ছইল.

এ সমন্ত বন্দীরা ভাবিয়াজিল যে সাইত্র যেমন বন্দীরক্ষণবীরা আজি ডক্রপে আমরাও ব্ফিড হইন, দেইজন্যে শতুনিবার্থে সাধাপর্যাত ওদ্যোগ করিয়াছিল কিব নির্মনিষ্র জন্মুক্তর ভিত্ত যেকপ অনু গুরুপুরি হয়, ভাছা অভি শীলু জানিতে পাইন; বিশেষত ভাহারা ক্লাক্হোল্ অর্থাৎ ছোরাক্কার্ময় এক অল্পপুণতকারাগ্রহে ওপর্যাপরিভাবে বদ হইল. 🗳 স্থান কেবল একং পালে দশং ছম্ভ পুমান জিল, এবং পশ্চিমাণশে দুই ফুড্ৰ লৌহগৰাক্ষবিলা অল্যকোনো খান[দ্যা বাযু পুরিষ্ঠ হইতে পারিত না, তাহাতে এতলোকের জীবনার্যে বাযুর পুচিত্রা ছিল না. একণ জাটোভানেতে এবং একপ গ্রীম্বযুক্ত দেশেতে বন্ধ ছইয়া বাগুবাহিত্যপুমুক্ত গ্রিমমান ঐ অভাগ্যবাদতাক্তিরদের দুর্দশা মঞ্চ আমনা মনে করি, তথান ড ডিশার দয়া ওপশ্বিত হয়. 🗳 দুর্দশান্বিত ব্যক্তিরা মথান আদানার দের দুর্দশা জ্ঞাত হইল, তথান ঐ কারাগ্রের ছারতগুলের চেন্ডা করিতে লাগিল, কির ঐ দার অন্তর্দিনেই থোলা যায় এইপুযুক্ত তাহা ভঞ্জনে অসাধ্যছইল. পরে ঐ দুর্দাবিত বাজিরা পুহরির দয়া কিয়া লোভ জন্মাওনদ্বারা আপনার্কি গতে পৃথক। কারাগ্ছে রাথানার্থে মধেন্তার্থ দিতে চাহিয়াজিল, িক ঐ পুহরীরা ভাহারদের কথা ভানিল লা, যেহেতুক দবাব লায়নে জিলেন, এবং ভাঁহার নিদ্য **७१ कहिराउ कोशांदा माश्म श्रेल गां. कोशांउ मै मकल ठाकिनामत सन्**व ব্যতিক্লেকে আর কোনো আশা তিলে না, এবং তাবৎকারাগৃহ ঐ ব্যক্তির্দের কাক্জিতে এবং চীৎকারেতে এয়ে অংকড়াতে এবং দৈয়াশোতে পরিপূর্ণ হইল. পরে তাহারা ভতকক্ষণপর্যাত এপুকার রহিল, কিন্ত কিছু কালানতর সকলেই

দারৰ হইল, যেহেতুক ভাহারদের যল এবং লাহস অবসন্থ হইয়া খাছারা শাক্তি হীদ হইয়া গ্রিয়মান হইল. পরে পুলাতে মঞ্জ রক্ষকেরা কারাগৃহ দেখিতে আইল তঞান কারাগৃহত্ব সকলকেই নীরৰ দেখিল, ডাহাতে জানিল যে কারাত্ব সকলেই মরিলাকে. এক শত জচল্লিশ জন যাহার্দিগকে সেই স্থানে রাখ্যা জিল, ডাহারদের মবী। ক্রেকল ডেইশ জন ডাহার জিল, এবং শেষে ডাহার দের মবী। পুয়া ক্রমন্ত স্থায়া হইয়া মরিয়া গোল.

অপর বহুপকারক ঐ কিল্লার নাশ হওয়াতে, ই প্লাণ্ডীয় কল্লানি বাছাদূরের কার্য্য ক্রেরে কিন্তিৎ বাবী ছইয়াজিল; কিন্ত ক্লিব্লায়ক সেনাপতির ভাগাপুসর ছওয়াতে, এবং এ ক্লিব শাহেব অপ্নিরাল্ বাজুদের কর্তৃত্বাধীন ইংপ্লভার कोड़ो जनगृहवाता मार्शामाश्रीष र अमार अल्लाहा है श्री शिएत एत मधल इंडेर লাগিলে, অপর পৃথিবীর 🗗 অংশে, যাহারা ইংগ্লগুটায়রদের পরাক্রম অনুভ্ত ছইনাজিল, তার্গরদের মধ্যে তল্লাজী আণ্গ্রিণ লামে এক বোষ্টিয়া রাজা ঐ ব্যক্তি অপ্রবিদ্যানি সম্ত্রেতে অনেক দৌরাত্ম করিয়াছিল, এবং এ ওটন্থ অনেক রাজননেরদিনকে অরণীভূত করিয়াছিল. 🗳 ব্যক্তির অনেক वृहद्योकः क्रिल, अम्बादा ज्यानक वृहद्याहाज लूटे कदिन, अवन मग्रा मणल हहेन, পরে কল্লানি ঐ ব্যক্তির দীরান্মোতে অনেক ফডিপ্রাপ্ত ছইয়া, ঐ পুকার 🕻 ইংনক শানুর দমনকরণে নিশায় করিয়া, তাঁছার কিল্লায় মাইয়া তাঁছার দছিত ফুলকরণ चित्र कतिला. भारत मे विषय निकायकानभूगुक जाम्यिताल् वाञ्चन् अव कार्निकृति क्टक्शित जाहांज लहेग्र', मै वाक्ति शिवागा नामक नशावव मधवराड़ीरड পুরিষ্ণ হইবাতে, শতুর। তাছারদের ওপরে শিলাবর্ষ এর স্যায় ওলি চালাইতে লাগিল, কিন্তু ভাষাতে কোনোকপে বাবিত লা হইয়া, ভাষারা অল্পনময়ের मर्था ने वाजाव जाय- लोका जाधन मिया चाराहेल, जाहारा ने वाजाव রাড়ছেরা ৰেছাপূর্বক অধীনতা ৰীকার করিল. 🗳 জগ্রিগ সেই স্থানে আনেক অন্ত্ৰশক্ত বাকদাদে মুখ্যনয়তি, এবং অন্যথ বছসূল্য সম্ভিণ্ণার চইয়াজিল.

শরে ইণগ্লভীয়েরা যেছ নিজুরাচারপুলি হইগাজিল, ভাষার পুলিফলদেওলার্থে ছবেল্ ক্লিব সেই স্থানহাত যাত্রা করিয়া দিসেম্বর মাসের পুথমে বালেশ্বের বারাতে পঁছজিলেন. এবং কলিকাভায় পঁছজনের পূর্বে আহাজত্ব এবং স্থলত ইসন্যেরা কোনো স্থানে বড়একটা বাবিত হয় নাই, কিন্তু কলিকাভায় পঁছজিলে কলেকাভান্ধ নবাবীয় সৈনোরা, গড়মবীয় থাকিয়া ভাষার সহিত যুক্ত করিতে প্রক্রিল. পরে ঐ আদ্বিরাল্ দুই আহাজ লইয়া কলিকাভা নগরসক্ষেথ্য গলভিত হইবামারেতে কিল্লান্থেরা ভাষার ওপর অভিনুক্তর্তনে ভোপ চালা ইতে লাগিল. এবং ঐ আদ্বিরাল্ ছবিয়া ঐ গড়তের্দের ওপর তভাবিক দুর্জ্বর

কলে সমানতাপূর্ক তোপ চালাইলেন, তাহাতে দুই ঘতীর মর্ব্যে নবার্যার সৈন্যেরা অদুর্গত্যার করিয়া পলাইল, এইকপে ইংগ্লপ্তারেরা অপ্নরদেশীয় সমূ দুত্তসমাপক সকলহইতে কঠিন দুই গড় আক্রমন করিল, দিক গিরার নামে গড় নমা ক্রিয়া সমভ্যি করিল.

কিজু কালপরে কলিকাডা শহর যেয়ত সহজ্ঞকপে ভস্তাত করিয়াজিল ভজ্ঞাপ ছুগুলি নামক শত্র হন্তগত করিল, এবং ব্যাবীয় ভাবে বান্যাদির গোলা এবং शाह ने मकल प्रांखह शुंखिएल प्रथनार्ध, ने निर्माह ভাণার নম্ব করিল. মৰাব হিলুস্থাদের ভাবৎস্থাদহইতে ইণ্প্লগুয়ের্দিগকে তাড়াইগার নিভিতেদশ হাজার জন্মাকচ এব- শনরো হাজার পদাতিকদৈন্য সমানোহ করিয়। যাত্রা कांत्रालन. जोहाराज कर्ताल क्लियु जे नवारवर योजांकरवनमध्याम भाहाल, ज्याम् िवालिक जोशाजश्हेरा काकाशित त्मना जानाहेग्रा, ने जालूरेमना लहेग्रा শতুর বৃহৎ সৈন্যের সহিত যুদ্ধ করিতে গোলেন. भारत ने कार्नल क्रिय আপনার সৈন্যকে ব্যুহত্রয় করিয়া শত্র সহিত যুদ্ধ করিলেন, তাহাতে নবারীর रेमनाइहेरउ অভিনান দৈনা ছইলেও ই॰গ্লগুয়েরদের পুতি অয়পুসর ছইয়া জল. া পরে ঐ সকল জড়ম্বারা। সামর্যাপুর্যে হইয়া, ইংগ্লাণ্ডায়েরা এক জনকে ওজীর कृतिका, उट्यत अने वनहिन ; याहजूक विश्वानीय । प्राम संतालत नत्राक्रय वज् কালাব্ধি হুৰ হইয়া আদিবেতিল, এবং ঐ ওজীরের সহিত এমত ৰহিতজঃক मिक्स कहिल, या भगोर यथन उँ। हो इस्त है हा छथम उँ। हो हा वर्ग क्रमी मनभन्ने क्रिय শহসপূর্র করুহ। করিতে পারেন. न मगए रे॰ श्रेषीएका बकीयां नान्यावि बब ৰাষ্ঠা পরিপূর্ব করিল, এবং যে অর্থ ডাছারা নবাবাধীনবাজিরদিগছইতে লুট করিয়া লইল, তাহ। আদেশে অনাকে পরাবীনকরবে ব্যয় করিল.

শরে অগ্রন্থা দিদেশে বিজয়ী ছইয়া, ঐ কর্ণেল্ ক্লিব্ দ্র্রী নিন্ জাতীয় যাগারা অপ্নিস্থানি দেশাবিকার নিমিতে অনেক কালপর্যাত বিবাদ করিয়াজিল, তাগার দিগাকে দমন করিতে লাগিলেন; এবং অল্ল কালের মধ্যে তাগারদিগাকে প্রাক্রম এবং অবিকার রহিত বিজিলন.

অপর অপন্ধাদি দেশেতে ই প্লভীয়েরা দার্য্য অয়ী হইতেজিল, ইভিমরী।
প্রাথীর পশ্চিমাণশে তাহারা আরো অবিক জয়ী হইতে লাগিল। কিন্তু রাজ
নভ্যেরদের মবীে কডকগুলিন লোকের কর্মের দেরদার হওয়াতে, রাজ্যন্তের।
বহুকালান্ত্রি মাহা আকাগ্লী হইয়া রহিয়াজিল, এবং মাহা পরে পুণাও হইয়া
জিল, এমত অদেক বিষয়ে ই প্লভীয়েরা সদল হইতে লাগিল। এ কালপর্যাও
মুদ্ধের ভাবদিয়া মহাসভাকর্তৃক চালিত হইয়াজিল, কিন্তু পুজাপুতিনিবি
সভ্যেরা ত্রিষয়ে গ্রশ্মুক্তবেশে সাহায্য করিল না, যেহেতুক পুজারা ভাহারদের

পুতি বড়একটা পুতায় করিল না. ভাষাতে ঐ ৬ভয় লভ্যেরা পরন্নর অভিভাত এবং লন্দেহপুর্বক কার্য্যকল্প করিতে লাগিল, এবং পরন্ধর এক অন্যেতে বিশালকরেও লয়, বর্থ পরন্ধর ভয়পুযুক্ত একরা লংকরে ছইয়া রহিয়াজিল. তজ্ঞান্য যথান কোনো লুবনবিষয় ওপত্তিও ছইত, যাহাতে তাহারা পরন্ধর সন্মত ছইতে পারিত লা, কিয়া তাহারদের নিযুক্ত নয় এমত লোক যথান রাজকার্য্যে নিযুক্ত ছইত, তথান তাহারা ঐ লকল বিষয়ে আপনার্দিগাকে অবিকারণীন বোর করিয়া, হতা শুদ্ধাপুর্বক অভ্যাত্তাগার করিয়া, মনেমনে ভাবিত যে আমর্ অবিক মর্যাদাপুর্বক উপ্রভারতে পুনরায় অভ্যাত্ত্যি ছইব. একপ রাজপুত্ত ওতরোতর হ্যান ছইতে জিলা; এবং কুল্নিপুত্তের বৃদ্ধিপুত্ত, সভেবা আলানের নিয়মিত লাই্য মনো যোরা না করিয়া, আন্যথে যে লাভ তদাকান্ত্রা ছইবা, রাজনিকটে যাওগের লম্ভ প্র তরক্ত করিল.

এ কালে যে রাজপুতুর হুনান, এবং কুলানপুতুর বর্ত্তিত ছইতে চিলে, ইহা দর্মার পুণারা আত চিলে তাহাতে ঐ বিষয়ে যে পুতারিদের বলাবে, তাহা বলিত হইয়া রাজার কর্নালারর হইল, তাহাতে কর্পোষে যে রাজার ক্রারা ঐ কাল পর্যতে রাজনিকটে যাওলপথ করে করিয়াছিল, তারির জন্য কালে যাহা দের ক্রার্ডির, এ রাজমন্তিরদের ভাতি এবং লাহ্লাভাবতুলা চিলে, এমত লাভার দিরাকে ঐ মন্তিরদির রাজকর্মে জ্বান দিতে হইল. ঐ শুভন নিমুভনভারদের দুরান, ওলাম্ পিৎ নামে এক জন ততিথাতাপের চিলেন, ঐ ব্যক্তির ক্রম্দেরতা দেখিয়া রাজ্যজ্বদের বহু আশা ওল্লবা হইয়াছিল, এবং তানিয়ে তাংগারা নিরাশাত হইল না.

অপর রাজ্যন্থলোককর্তৃক রাজনিকটে জ্বাপিত ঐ নুতনরাজ্যনভার্মিনকে, আঝা মারিঃ পুরাতনরাজ্যনভার্মের, অবশাই গুহুন করিতে হইল, কিন্তু ভাহার্মের লহিত মদাপি কার্যাকর্ম করিতে অসমতে হইত, ওদ্বিয়ে দণ্ড দিতে কোনো আজা জিলানা, অভএব ঐ পুরাতনসভারা পরস্ত্রর মিলিত হইয়া, নৃত্তসভার্মের সহিত ব্যবহার করত, লাহার্মিনের বিষয়ে রাজার অশুলা জ্বাহিতে কিচ্ছু তুটি করি লেন না. ঐ পুরাতনসভারা, জার্মনি দেশীয়ারিকার বিষয়ে রাজার স্কেহু দে থিয়া, ত্রিময়ে ভাহার আনুকুলা করিতে লানিলেন, কিন্তু নৃতনসভারা আনক শালাবি ত্রিময়বিলরাত হইতা, কহিতেন যে ঐ জামনি দেশের সহিত যদি ইংগ্লপ্তামের কোনো সমূর্ত্ থাকে, ভবে তাহাতে ইংগ্লপ্তামেনের অমপ্রল অবশা হইবে. ঐ সভার্মের ই দুইপুকার মতানুসারে যদি রাজা কার্য্য চালাইতেন, ভবে ভাহাতে আনের মন্ম হইতা অন্য জারের হাহাতে আনের মন্ম হইত, কিন্তু অপথীয় লোকের্মের পক্ষ হইটা অন্য সভার্মের ভারহান্য রাজা রুদ্ধ করিলেন.

রাজকার্য্যে নিযুক্ত রহিলেন, পরে রাজার আজ্ঞায় ঐ পদপরিত্যার করিতে হইল, পরে লেক্সনামক ব্যক্তি যিনি ঐ নিতের নাহায্যকারী জিলেন, ভিনিও কানুনরো পদচ্যুত হইলেন. ঐ পিতের ঐ অভিলাঘব্যাঘাত অভ্যান্সকালস্থায়ী জিল: যেহেতুক ভাবজাভ্যান্ত্রা তৎপক্ষে একবাক্য হইয়া ওচিন, ভাহাতে ঐ নিৎ এবং লেক্সনামক ব্যক্তিয়া অভপুর্ত্তর্যে নিযুক্ত হইয়া, অত্যুদ্যোগপুর্বক কার্য্যকর্মী করিতে লানিলেন; এক জন পুর্বানরাজমন্ত্রি পদে, এবং অন্য জন কানুনরো পদে নিযুক্ত হইলেন.

অপর পুরীর্তি রাজমন্ত্রিরদের ক্লুসন্তবার ছল, ঐ কালপর্যাত্ত আমেরিকা দেশেতে িব্য হইয়াজিলে না, বরক্ষ ১৩ রোডর বর্ষিত হইতে লাগিল. তাহাঃ বিশেষ কহি, যেং দেশাপতিরা আমেরিকাদেশে মুদ্দর কর্তৃত্ববিষয়ে পুরিত হইয়া किलान, डीहादा ने मिनक लोक पाहावृद्धितात अहे अभ्यक जिल पा डीहावपाद পক্ষ হইরা সাগাঁয়া করে, তাহারুদের জীতি এবং দীর্ঘসূত্রতার বিষয়ে আনেক लां निष्ठ कृतिगां किरलन. अव॰ जनाशक में वां जारणता, में पराने कर्ज्य इवनार्ध পেরিওলোকেরদের অংক্টার এবং লোভ এবং কর্মাপটুডার বিষয়ে অনেক লালিষ করিন, অনর জেনেরাল্ শেলি যিনি ঐ রাজ্যে সর্বোপরিকর্ত্ব ভা ুলুার ছইয়া জিলেন, ভিনি কছককালের জান্য ইংগ্লভদেশে পুনরাযুত হইলে, প্রায়ত লাওদন্ ভাঁবার ক'নে নিযুক্ত হইটা জিলেন. পরে ই মহ'কুলে দ্রব শ্রাযুত লাঙদন ইণ্প্লেড দেশে পুনার্য্য করিলে, কিন্তু কালপরে অসা ভিন যুক্তবিষয়ে ভিন দেনা পতি নিমুক্ত ছইলেন; বিশেষত কেপ্ৰুতন্ নামে ওপছীপাক্তমনাৰ্থে যে মুছের আংয়োজন গ্রহে জিল, তাহাতে জেনেরাল্ আমৃহর্ত নিমুক্ত হর্মা,জিলেন ; এবং क्लोन् (नीहेड ५२% डिक्स्प्यताता नास चानाक्रयक्तवार्ध स मूचारमाजन रहेरा जिल, जोहाब कर्ज्य बांख (जातनतील आरवर्ज्य) निघुक हहेरलन. ঐ দুই স্থানের অনেক দিল। যোওঁ দিও ছেম্বী নামক দুর্গাক্রমণার্থে তৃতীয় মূদ্র। য়োজন ছইয়াছিল, তথকাইছভার বিলাদের জেনেরাল মার্ম নামে সোধাপভিতে व्यन्ति इहेशांदिल.

এ কেপ্ৰেওন নামক আন পূৰ্বকালীন যুদ্ধে ট্রানিদের দিগছইতে আক্রার ছইয়া
তিল, কিছ আইক্ল লা স্যাপেল নামে পূলিভদন্ধি কর্তসময়ে ট্রানিদের দিগকে
পূন্দত্ত ছইয়াতিল; ইংগ্লভীয়ের ই স্থানিদ্যালভার জাত ছইয়াতিল, যে তাহা
শানুরদের পুতি অত্যভিলায়জনক আন জিল, এবং সেম্থানে থাকিয়া শানুরা
মান্তব্যের ইংগ্লভীয় বাতিজ্ঞান্তবানায়ের অনেক ছানি করিতে পারে; এবং সেই
আনহরতে ট্রানিদেরদের অভিলাভদায়ক মংসাধরত্বাবসায়কর্তের অভি
মুগ্রম জিল, অত্যব ই আন যে পুনুর্বার ট্রানিদেরদের হন্তছইতে আক্রান্তব্যু

এ বিষয়ে তাবং ইণ্প্লণ্ডীয়েরা অত্যভাকাপ্পী ছইয়া রহিয়াছিল. ঐ স্থান লোইদ্ বর্গনামক গড়ম্বারা সুবন্ধিত ছিল; ঐ পড় অভিস্কৃতিনন্থানন্থপুযুদ্ধ আভাবিক দুরা কার ছিল, এবং শিল্পকর্মারারা আরো কঠিন করা গিয়াছিল। ঐ গড়ন্থ দৈন্য আনক ছিল। এবং ঐ গড়ের দেনাপতি শন্তুজাহাজহুইওে দৈন্য অবরোহন নিবা রনে অত্যন্ত চেন্ধা পাইয়াছিলেন। সংগ্রহাত এই পুছে ঐ স্থানের সকল অবরোব বিবরনেতে পাঠকেরা বড়একটা আক্লাদপুঞ্জ হাইবেন না, কেননা ভাগা অভিন্তি। রিত; অভএব ভাগার বিভারিতবর্গনা না করিয়া সংক্ষেপে করি, যে ইণ্প্লপ্রিটি দৈ নোরা অভিসাহস এবং নিকালগ্রেপ্লিক সমন্ত বাবি। নিব্রা করিল। ঐ বিষয়ে ইণ্প্ল ভীয়েরদের পৃষ্টিয়া ভীতত্ব এবং বিসমদুংসাহস্কিতা লুব্র হাইয়া, ভাগার্দের পৃষ্টিয় ভালিকি সাহস, এ আন্ধ্রনেতে নির্ভার করিল। পরে ঐ গড় সমভূমি স্থানন্থেরা, পরিক্রমন্থিক করিয়া, অবীনতা আকার করিল। পরে ঐ গড় সমভূমি কর্মন্থারা, ভাগা ভাবিকার্য্যাক্ষ্ম করিল।

অপর ফোর্ড দিও ক্লেম্বানামক দুর্গাক্রমনার্থে যে যুদ্ধযাত্রিক পেরিত হইয়াজিল, ভাষারাও অনাযুদ্ধ যাত্রিকেরদের মত সালে হইয়াজিল, কিছ মে যুদ্ধযাত্রিকেরা ক্রোন্ পৌইতনামক স্থান আক্রমণার্থে পেরিত হইয়াছিল, তাহার। পুনর্বার পর। इ॰ प्लाशिय रेमालावा वे वांत्र सहया पूरे वांत्र भवाञ्चव शहरा जिला, মাহাতে তাহার৷ আবেরিকাদেশেতে মহারলাবেমিত ট্রাসিলেরদের অবিকারে শুবিষ্ণ হওলের চেম্বা পাইয়াজিল. পূর্বে ব্রাদক্লায়ে ললাপতি, ঐ মহার্ল্যে लुविश्वह अनक्षित्रे अक्षिण अक्षिण अक्षिण अक्षिण अक्षिण अक्षेत्र পরে যে সেনাপতি প্রেত হইয়াজিলেন, তিনিও জভ্যতদাবধান হইয়াও যারা তাহার বিশেষ কহি, ঐ আবের্জন্দী নামে লেনাপতি মুদ্ধরাবে পঁছা জনে অনেক কালবিল্ম ক্রিয়াজিলেন, ডায়াতে শত্রা অভিদাকনকপে ওাঁহাকে ণুছনকরিতে, সকল বিষয়ে পুস্তত হইয়া বৃহিনাজিল, পরে তিকোন্দেরারো নাষে ্বানের নিকটবর্তী হইয়া, ঐ আবেজনা দেখিলেন, যে শত্রা রাড়ের নীচে রাহ্থাই মূদিয়া তাহার মধ্যে অভিশক্ত হইয়া রহিয়াছে, এবং চতুর্দিরো বৃহদ্বদ্দ ফারিয়া অপক্ষে ফুলভার রাথিয়া অনুভার শত্পক্ষে রাথিয়াছে. **ক**রিনব্যাপার দেখিয়া, ই°গ্লাপ্তীয়লৈনোরা তত্নুরাজয়বিষয়ে অভ্যত চেগ্রা পাইতে লাগিল ; কিন্তু শত্রুগ আঅসুবৃক্ষিতখানেতে আপনারদের নির্বিল্পতা আপিয়া, বন্তে ওলি পুরিয়া পাতুরদের পুতি লব্ধ করিয়া, বেছাবুলারে পাতুন্ত্র অরিতে লাগিল; তাহাতে ঐ জেনেরাল্ বার্মার চেম্বাপাএশানতর হটিয়া शांअतक बांजा मिलन. ने विषय है श्लेशीयव्यात अतक रेमना शांका शांक्त, क्यांनि डांशांत्रा नेजूरेमनात्निका अजिनुतन किन ; बांशांज हेन्श्लवीयहा वृत्विया

ভিল যে তোপ সমন্ত ওপক্তিত হইলে, সমল হইতে পারিবে. কিও ই জেশেরাল্ ই প্লভীয়েরদের প্রায়িপরাভবস্থনবিষয় মনে করিয়া, জয়ীপারুবদের দিকটবর্তী থাকনে ভাত স্থায়, আত্মলৈন্যে যিবিকে সেই আনম্বাইতে লইগা, যে আনহইতে তিনি পুথমত যাত্রা করিয়াজিলেন, সেই আনে জর্জনামক ভুদুসমীপে আপ নার আগবাতে পুডাগামন করিলেন.

অপর এই এক বিষয়ে ইংগ্লভীয়ের। যুদ্ধতে অসমলে হইলেও, তথাপি বার্থিক ঐসমুবায় যুদ্ধতে ইংগ্লভীয়েরদের বহুমরিল জিল; বিশেষত মেতি দিও স্থেমী নাম কিলা আক্রমনকরনেতে, আমেতিকা দেশমবী ইংগ্লভীয়েরদের অবিকারে, ঐ দেশকলাকেরদের হইতে বার্থার চল্লাভ করিয়া কুট করনেত এই ভয় হইয়া জিল, তাহা নিব্ভ হইল; এবং ঐ আমেবিকাদেশেতে ইংগ্লভীয় অবিকারের চতু মার্থেছিত দ্রীসিদেরদের যেই গড় জিল, তন্মবীয় শত্রুর প্রগ্রভাগ নিব্ভ হইল। অভএব আগতবাধিকগুলেতে ইংগ্লভীয়েরদের অবিক মন্ধল হইতে শারিসে, এ তাশায় ত্রিষ্ট্লিয়ার্থে বহুায়োজন হইটাজিল.

অপর পর্যন্থারে পুথাশাপ্রথারে, সভারা দেখিল, যে ইকণ বৃহ্দুাজে এক আন যুদ্ধারে প্রথা আনক কাল একদা আক্রমনারে নিশ্ব করিল. তাহাতে দেই কাল মনের অবনক কাল একদা আক্রমনারে নিশ্ব করিল. তাহাতে দেই ক্রম র ওওর আ মতিবার প্রকৃতি ভিল আন্তর্ভা চিন্তু করিল. তাহাতে দেই ক্রম র ওওর আ মতিবার প্রকৃতি ভিল আন্তর্ভা হিদি পুরীনদেনাগতি জিলেন, ভাগার পুরি এই আজা হইল, যে তিনি বার হাজার দৈনা লইয়া কোল প্রিকৃতি নাজা হইল, যে তিনি বার হাজার দৈনা লইয়া কোল প্রিকৃতি করেল, আল বাল প্রকৃতি আজা হইল যে তাল করেল; এবং জেনের লুকুনামক দেনাপতির পুতি আজা হল যে তিনে অন পার্থা তাল করেল, নামী নদীর মধ্যে পুরিষ্ঠ হইয়া, ক্রিকে আমের আমেরিকা দেশে তালি দিরদের দের পুরীনশহর আর্কভ করেল; এবং জেনে লা পুরিও এবং সর ওবান্ জান্দন্যাক দেনাপতিরা, যেন শিয়া গারার নিকরেছান নিকর্গভ্য দিকতিছে গ্রান্সদের এক গাড় আক্রমন করেল.

অপর ঐ শোষক িত গড়ের পুতি যে যু, ভাদ্যোগ করা গিছালিল, তাহা পুথ্যত সফল হইল. ঐ নি য়াগারা নায়ে কিস্তা অভিপুণোজন বিষয়ক জিল, কেননা ঐ আমেরিকা দেশেতে দু দিন্দেরদের ওতর এবং পশ্চিয় অধিকারের মধ্যে যেছ পর গ্রাকারত হইত, সে সকল ঐ কিল্লাবন্দানহেত্ব পুরুত হইত. ঐ কিল্লাবরোথী করনে ইংগ্লভীয়েরা অহুদেশাগপুরক কার্যাক্ষ্ম করিতে লাগিল, এবং ঐ কিল্লাব্রা অনা মান্দে হত্তবত হইবে, এমত নোধ সকলের হইয়াজিল. কিছু জেনেরাল্ ব্রিমীধ গড়ুখাইর মধ্যে এক বৃহৎ গার্শাল ক্ষেত্তি দ্বাহা মৃত্যুপ্তিপুযুক্ত ঐ যুক্তমানার

ভাবৎ ভার জেনেরাল্ডান্সনের ওপর পড়িল৷ ঐ জেনেরাল্ জান্সন্ আয়
পূরীয় সেনাপতির তাবৎ ওপায় সিরকরনে, এবং তাঁছার কার্যাচালাওনে কোনো
ভার্যা জলেকঃ রাঞ্জিলেন লা; এবং ঐ মুছবিময়ে তিনি তদবীন সৈন্যেরদের নিকট
জ্ঞান্ত প্রাাতাপের ছইয়াজিলেন, পরে কতকগুলিন দুর্ণাসিস্ সৈন্য আজারার্রদা
কর্মে অন্তরপুয়োজন জানিয়া, তাছা শব্রুভছইতে মুভকরনে ওদ্যোর করিতে
লারিল; ভাছা জাত ছইয়া জেনেরাল্ জান্সন্ তাতিকেরে এবং সদলেতাপূর্বক
ভাছারদের ওপর ছোও করিলেন, এবং এক ঘড়ীর মব্যে দুর্গাসিসেরদের ভাবৎ
সৈন্য পরাত্র্যা করাইলেন, পরে কিল্লান্ডের) আদেশীয়ের দর পরাভব দেখিয়া
ব্যোপুর্বক আপনারদিরকে অর্পর করিল৷ জন্যদিরো জেনেরাল্ আমুহর্তের
মুদ্দানা পূর্বি তিমুল্লাবাছইতে কিল্লু নুন্দ খ্যাতাপির ছইয়াকিলে, কিন্তু তর্
নতা কার্যাপুতিকুলা জিল না৷ ঐ সেনপ্রতি নিক্সিড্রানে পঁথজনেতে দেখি
লেন, যে জোন্ নৌইভ এবং ডিকোন্সেরারো নামে দুই কিল্লা নৈন্যের্ছিড ছইয়া,
সমত্রি ছইয়া র্রিয়াজে,

অতএব তাবৎ ওতর আমেরিকা ইংগ্লাথিরদের হত্তাতহওদে, কেনল এক মহাঘাতকর্নাপেক্ষা দিল, তাহা হি বেক্ দামক শহর আক্রমনকরন. ঐ শহর কানাদাদেশের পুরীনশহর জিল; তাহা অভিসুগ্রুক্ত এবং বছলোকমুক, এবং দার্রিষয়ে বর্ত্তিত হইতে জিল. ঐ মুদ্ধমানার জলস্থলৈন্যের কর্তৃত্বতার আদ্ মিরাল্ দান্দর্শ দেনাপতিতে অর্শিত হই মাজিল; এবং স্থানিতে ঘোলার কর্তৃত্বতার, এবং ঐ সহর অবরোধকরনের ভার, জেনে শাল্ বুলু গাঁহাতে তাবৎ ইংগ্লাভ ছার, এবং ঐ সহর অবরোধকরনের ভার, জেনে শাল্ বুলু গাঁহাতে তাবৎ ইংগ্লাভ ছার, এবং ঐ সহর অবরোধকরনের ভার, জেনে শাল্ বুলু গাঁহাতে তাবৎ ইংগ্লাভ ছার্মের বছ পুরালা জিল, উাহাকে অর্শিভ হইমাজিল। ঐ মুবা ঘোলা ঐ সময় ওব বৎসর ন্যান বাছ জিলেন. এবং পুরে অনেক বার, বিশেষত লুইশ্বর্ণ নামক শহর অবরোধকরনবিষয়ে আপনাকে অতিথাত্যাপার করিয়া জিলেন; যেহেতুক ঐ শহর আক্রমনকরনবিয়ে তিনি পুরীনকারন জিলেন, ইহা অভি মুধার্মকলাপুরুক ঐ কর্তৃত্বপদে নিযুক্ত হইমাজিলেন.

অপর পৃথিবরৈ ঐ অংশে ওত্যপক্ষেরদের মুছবিরোর, তাহা ঐ কালপর্যান্ত অভিনিধুরবাবহারপূর্বক বৃত হইয়াজিল; এবং পরন্ধর ছেঘপূর্বক পুডিছেল দেও লাশায় অনেক পুন ছানেং হইয়াজিল, কিছ কোন ব্যক্তি ঐ সকল বিদ্ধেদের আদিকারণ হইয়াজিল ভাহার কিছু নির্ভাৱ হইল না. কিছু সে মাহা হওক, ঐ বুলু নামক সেনাপতি আআনুমন্ত্রীসেনাপতিরদের নিঙ্কুবাবহারানুনারে চলেন অভ্যানুমাহিত হইয়া, লাগ্যপর্যান্ত ভাবং মুছকালে দ্যাচ্ত্রপূর্বক মুছ হোলাইতে লাগিলেন. এই গুড়ে ঐ শহরের অব্যোহবিষ্য়ে বিশেষ ক্রিয়া

নির্বিয়করতে আমারদের চেষ্টা নাই, কেনদা তাহা করিলে কেবল অল্প লোকের দের স্থাদায়ক ছইতে পারিবে. অভএব কেবল এই কহি, যে যথান আমরা বিবেচনা ক্রিয়া দেখিব, যে 🗈 নগর কিকপে এক মহানদীর তীরে নির্মিত চিলে. এবং কি करन मूर्ताविषाता करिनाकमानीय किंता, अवर में प्रत्मेव चांडोविक करिनंडा कि য়ত অভিশয় জিল, এব॰ ঐ নদীর রক্ষার্থে শতুবা যে২ যুদ্ধনৌকা এবং জলগমোর্চা পুতত ক্রিয়াজিল, এবং 🖨 দেশব্দ নিচুর মহাহধানীয় পুজারা কিবলে নিত্য ই॰ প্লভীয় সৈন্যেরদের চতুমান্তে বেষ্টন করিয়া রহিয়াজিল, তথান আমারদের এবি ঘঢ়ে খাক্ত হ ইতে হইবে, যে ঐ দর্যাবরোবিক্রন্বিষ্টে দর্মপুকারক ক্তিন্তার দ ংমিলন হইয়াজিল, তাহাতে যেমদিবা সাহিদিক সেশাপতি হয় লা কেন, ওঁহার এ ঠান্দা লাগিয়া নিরাশ হইতে হয়. ঐ অবরোধ সম্মন্তর্পবিষয়ে যেছ কাঠিন্য ওপস্থিত হইৰে, তাহা ঐ দেনাপতি জাত জিলেন ; যেহেতুক তিনি মহাসভ্যেরদের নিকটে এক পত্র লিথিয়াজিলেন, তাহাতে 🗈 সমন্ত কঠিনবিষয় নির্ভয় করিছা কহিলেন, যে মহাপ্রিভিনের কার্য্য সম্মনকরতে অত্যতোদ্যোগ না করিলে সম্মন ছকু না, এবং যে দেনাপতির কর্তৃত্বাবীন কেবল অত্যন্ত্র সাহসিক সৈন্যমাত্র থাকে. তাঁহার যে স্থানে সতল হইবার আশা আজে, এমত স্থানে স্কেবল ঐ লোকেরদের পুলিবায়করল ৬চিড; কিন্তু এথাৰ আমার পুমাদ এমত বন্ধিত হইয়াচে, যে আবি কি স্থিয় করিব ভাষা পুায় জানি না. ঐ শহর আক্রমনকরনে সত্তল হইবার কেবল এই এক এপায় জিল, যে কতকগুলিন দৈন্য রাজ্যবদানে শহরের ভাটি নামিয়া দেয়, এবং ঐ সৈনোরা হাতেগায়ে নদার তীরের ওপরে ওঠিয়া, ঐ শহরের পশ্চাৎ ভাগে কতক ভূমি আক্রমন করে; কিন্তু ঐ ওপায় সম্মনকরন অভিদুঃসাব্য চিলে. ঐ স্থানে নদার স্থোত অভিপুরল এবং নদার তীর অভিদুর্গরোছ, এবং দৈন্যভারঃ লুবুদ্ধিত, এব॰ ওতার্ন হইবার ঘট্ট এমত নগ্ধীর্ন যে অ**ন্ধকা**রের মধ্যে তাহা পাওয়া ভার, এবং সে ঘাট্র ভার এমত চচ্চাও যে দিনেই ৬ঠা অভিদূলসারা; এইং সমস্ত ক্রিনতা ঐ জেনেরালের ওদ্যোগেতে এবং লোকেরদের দাহদেতে প্রাভূতা হইয়া ছিল. ্যেছেতুক কৰেল্ হাও, পদাতিক এব॰ ভৎলণ্ডদেশন্থ পৰ্বতীয় দৈদদ্যৰ দিগকে লইয়া, অতিদাহন এব চতুরতাপুর্বক ঐ বনমুক্ত গড়াদিয়া স্থানের ওপর ধ্পন্থিত হট্য়া, কতক্ণনিৰ দৈন্য যাহারা নদীতীর্নিকটন্থ এক পথ রক্ষা করিয়া विश्वितिल, डांश्वितिहारक धरी हैया दिन. ঐকপ অল্পুলৈন্যের ওপরিগমনা নত্ত্ অন্য সকল দৈন্য, যেমন জাহাজহইতে নামিল, তেমনি ভাছার্দিগকে लहेगा (जानगालक अभारत अरितान. পরে মনসিঙর দি মতকাল্মনামক দ্রীসি দের দেনাপতি, মথান তানিলেন মে ই॰গ্লভায় লৈনোরা, এ ওর প্রত্তর গ্রহ निया चान, घारात अनव क्षेत्र का जमारी वृचिए। किरलन, जारात उनव कियाक,

তথাৰ মুম্মারা কার্যাসমূল করিতে নিক্ষয় করিলেৰ, তাছাতে অভিশীযু এক মহাযুদ্ধারম্ভ ছইল. ঐয়ত ছোরতর সংগ্রাম ঐ তাবৎ যুদ্ধের মধ্যে হয় নাছি; ঐ মুদ্ধেতে দুঁদিনেরদের জেনেরাল্ যারা পড়িনেন, এবং তাঁছার নীচপদস্থ দেন। পৃতিরও দেই দশা হইল. ঐ মুদ্ধে জেনেরাল্ বুলু ই॰ প্লুণ্ডীয় দৈনেয়বদের দক্ষিৰ ভাগে, যে স্থানে অভিযোগতঃমূল হইতে ছিল সেই স্থানে, সংমুখন ব্যুহেতে থাকাতে, শত্রদের দৈন্যেরা তাঁহাকে লক্ষ্য করিয়া ওলি মারিল, তাহাতে ভাহার হাতের কন্ধান্তে এক গুলি লাগিল, কিন্তু ডাহাতেও ভিনি বনন্দল ভ্যার করিলেন না. পরে ঐ হস্কেতে এক বজ্ঞরেম্বল করিয়া, নির্বাধ মন্তের ন্যায় क्टेमराग्रहितारक आंखा हिर्छ कार्तिरालन; अवः त्त्राहितनायक रैमराग्रहसद्भ ত্র গ্রাহার হইয়া, ভাহার দিলের বন্দুকে সংগীন চড়াইয়া, শতুর ওপর চড়াও করি তে ছিলেন, ইতিমব্যে আর এক ওলি আনিয়া তাঁচার বন্ধন্দল বিদীর্গ করিল, ভারাতে অনুসর ছইতে অসমর্যপুষ্ত অনিকটন এক দেলার ভালে ছেলান দিয়া কৃছিলেন. ঐকপ দশাপর হইয়া পুলিবিয়োগ হয় এমন সময়ে, ওহারা দালায়ে এমত জনরত খুলিলেন, ডাছাতে তুৎদেলাথ তিনি চাছিয়া দেখিলেন, ८४० (क मलायन कविराजाक हेशा किछाना कविरालप्त, मुँगिनरम्बा मलायन সরিতেছে, এই ৬ডর পুশ্বনানতর, তাহারা যে অভিশীলু পলায়ন করিতেছে, ইছা অভিচমৎকার জান করিলেন, সারে আর দৃষ্টি করিতে না পারিয়া, 🗈 েনার বক্ষকলে মুম্মু ছইলা গড়িলেন, এবং জাঁচার শোষ কথা এই জিল, যে ভামি অভ্যতানন্দ্রক মরিডেন্ডি অনুভব হয়, যে কানাদা নামে দেশ পরাত্ত কর্বলাভহইতে, ই দিবস ইণ্প্লগুয়েরদের সেনার নিনাশ এবং অর্থবায়াদিতে যে ফাতি তাহা অবিক জিল. কিন্তু মনুষ্যপ্তাৰের এই দুর্নিয়তি যে আদ্বকাল ভপক্তিত না হইলে, ভদ্রাভদ্র জানিতে পারে না.

অপের ঐ জয়পুয়ুক স্থিবেক নামে গড় হস্তগত হইল, এবং কিচ্চুপরে তাবংশনাদা দেশব্দেরা অর্থনিতা মাকার করিল. পার আগামী বংসরে মুগুনিদেরা ঐ শহরে পুনারে বহন্তগত করিতে বহুদোগি করিতে লাগিল, কিছু মর্গোমক ঐ শহরের অবিয়ামর লাহল এবং দ্রুদিওতাপুর্বক কার্যাকরনেতে, এবং প্রায়ুত কল্বিল্নামক সেনাপতির কর্মুম্বাবীন এক মুছজাহাজদমূহ দর্শন দেওনেতে, তাহারদের অভি মুদ্বিষয় পরিত্যাগ্য করিতে হইল. কিচ্চুপরে জেনেরাল আম্হর্পের দ্বি বেচনামারা এবং কর্মাদেকতাম্বারা মুগুলিদের তাবং দৈনোরা পরিজ্ঞানজি করিল, তাহাতে ঐ ভারদ্বেশ হস্তগত হইল, এবং তংকালাম্বি অদ্যাপ্যান্ত ঐ দশ ইংগ্লিন্থা অবিকার হইনা রহিয়াছে. ঐ কালে ঐ সমস্ভ জন্ম চাড়াঞ্ মীদালোপ্নামক ওপদ্বীপ ইংগ্লভীয়েরদের হস্তরত হইয়া ইংগ্লভীয়াবিকারে দাং মিলিড সইয়াজিল. এ স্থান ইংগ্লভীয়েরদের পুতি বছবিষয়সূচক জিল, কিছ পরে একাসময়ে তাহা প্রদত্ত হইল.

অপর অপন্ধ কণিধিতাপি দেশেত এক আমেরিকা দেশেতে ইণ্প্লভীয়ের দের যেই অয় ইইয়াজিল, তাহ। অতিবৃহৎ হইলেও, তদ্মুহনে বহু বনন্যয় হইগা জিল না. অন্য পর্ফে ইণ্প্লভীযেরদের এক তাহারদের পুরানসাহায় কারী প্রদায়ার রাজা, ইওরোপেতে যেই মুল্ফিয়েই পুরুত ইইয়াজিলেন, তাহা অতি বৃহৎ কিছু তদ্মারা কোনে। ঝ্যাভ্যাপন লাভ হইন না.

এ সময়ে ইওরেংপের অন্যথ দেশে পুজারা যেথ দুর্নশগুর হইয়াজিল, তাগার আনেক অতরে ইণ্পুত কাজা কৰিয়াচিলে, কিন্ত ইণ্পুত্তীয়েরদের অভিপয় ঘূর অভারপযুক্ত, তিনি যে হ্রিপদশ্যি ছইয়া রহিয়াজিলেন, সেই সকল বিপদেরও महञ्जाती হউতে ইদ্ধা করিয়া জিলেন. ই°্লাণ্ডীয় রাজ্যক্রেদের মণাদ্বীনের মুখেতে সম্ভানী হটবার যে বাস্কা, ভাহা ইপন্নগুয় রাজার পুতি অতিসভোষ দায়ক জিল, যেছেডুক মহাদ্বাপের পুতি তাঁছার নৈকটাসমূর্ক জিল, এবং ঐ দেশে অপহারকেরদের পুতিফল দিতে অভিশয় বান্ধা করিয়াজিলেন, विकित्नव वांका उतिराजन, या थ्यंभीय प्रात्नव वांकाव माहायाकवनार्ध व्यक्तिनाम দামে মুবর্গজ হালোবলীয় সৈনোরদের অনুনামী হইলা মূত্রে মাইতে জিলেব, ভগ্র তিনি আত্মসভ্যেরদের নিকটে কছিলেন, যে যুক্তবিষয়ে জার্যনি দেশেতে আমার দ্বিত সংমিলিভর জার দাদেল্য হওয়াতে, আমার দুলক্ষ্য, অত্যব ভাঁচার ওপকার করা আয়ারদের অবশাকর্তব্য, তাহাতে পুজাপুতিনিধি লভ্যেরা রাজবাকো সমতে ছইয়া প্রানীয়াদেশের রাজার কার্যাসমূলার্যে এবং भारतायह परानंद विहित्तह होजाह या रैमना किल उम्राहा में क्षेत्रीय होजाह मानायाकवर्गार्ध, वश्येन पिछ अन्यि कविलन.

অপর পুথমত ইংগ্লিওায়েরদের পুতি বিদ্যালয়ার। জার্মনি দেশে অনেক মঞ্চলোৎ পদ হইল, কিছু পরে তাহার। ভাবিল যে অর্যপুরুর না করিলা লোক পুরুর করিলে দেখানকার রাজা অবিক পরিভূপ্ত হইবেন. তাহাতে পেতৃ দামক রাজমন্ত্রী, যিনি শুকুকার উপায় নিবারনকরনে অতিখ্যাত্যাপর হইয়া জিলেন, তিনি মপুর্যজার রাজমন্ত্রাপেকা, এখান ঐ সকল মন্ত্রনাত সাহায্যকরনে সমতে হই শিজিলেন. অহ এব অভিদন্ধতার্ত্রিক কার্যাক্রমা করিতে পারিলে, যুল শীঘু সমাও হইবে, এই আশিলি, এবং মাতার সহিত তাহার কার্যা করিছে হইল তৎকর্তৃক চালিত হই বাব আশিলে, এবং রাজার পরিভোগ কর্নাশাল, ঐ মন্ত্রী মহালালের যুল সম্পর করিতে অভ্যতাকার্য্রী হইলেন. কিছু সে ঘাহ হওছ, ঐ সময়ে ঐ রাজমন্ত্রা

কেবল পুজারদের অভিযতাদুদারে চলিলেন, এবং ঐ রাজ্যন্থের আমরাজার লাহত দং মিলিতরাজার বহুদ্যোগ এবং সফলতা দেখিয়া, ঐ মন্ত্রী যে আপনার দংযিলিতশত্রদের অভিলামাধীন হন, ইহাতে সমতে হইল না.

আণর প্রদায়ের রাজার দাহাঘ্যকরণে যে বান্ধা সর্হত্র ব্যাপিয়াজিল, তদ্বর্ত লার্থে মার্লবর্থের অনুনী কতকগুলিল ইংগ্লণ্ডীয় দৈশ্য সমতিব্যাহারে ছবিনান্দ লামক যুবরাজ, মিলি মুছবিষয়ে টুর্গালিকের বিকল্পে লছল হইতে লাগিলেন, তাঁহার দাহাঘ্য করিতে পুথমত আর্মনি দেশে প্রেরিত ছইলেন. পরে ফ্রেন্ট লামে স্থানেতে কতকগুলিন সংমিলিত লৈনেরা মুদ্ধতে দক্ষল ছইলে, মার্লব্যদের অপুনী মরিলেন, তাহাতে সৈন্যের চের্ডড়ার জর্জ শাক্ষেলি, মিনি ঐ সময়ে ই প্লভীয় দৈনোরদের পিয়তম জিলেন, ভাঁহার ওপর পরিল. কিব দে ঘাগা ছঙক, কিল্ল কালপরে, দৈনোর পুরানদেশপতির সহিত এবং প্রায়ুত জর্জ পাক্ রেলির সহিত কোনো এক বিয়েদ, ঘালা কিলুপরে মিনিংনের যুজাত প্রাশ হইল, তাহা ওপঝিত ছইয়াজিল. 🗳 দুই ব্যক্তিরদের মধ্যে যে পরস্কর বিস্তেদ ছইয়া জিল, তৎকারৰ অদ্যপর্যাত কেহে স্নুস্কপে জ্ঞাত দ্বেন, কিছু দকলেই ইহা অনু मान करतन, य वे हैं-श्रुशीय स्मनांपेडित महोज्यान अवन महितियग्रकांभरनदा, उं। হার পুরানসেনাপতির নিকটে অত্যশুক্তার বিষয় হইয়াজিন ; যেহেতক ঐ ই॰ প্ল छोग्र (मनांशिक यांद्र) दिएक अनिह्न रहेग्राजिलन, उपर्थ शुंशिल ये शुरीन দেনাপতির বাঞ্চা জিল. **क्टिंड** (म मक्त योहां इंडक, भारत जै ने विलिख কৈন্যেরদের ওচয় দল, যে সময়ে যিদিন্নংমক নগরস্থীপে ওপ্ডিড হইতে জিল, সে সময়ে টু'দিসেরা অতিম্বাপূর্বক যুল্লারম্র কলি, তাহাতে সর্বত্র পদ। তিক দৈল্যেরদের যুক্তারম্র হইল. পরে প্রার্থ জর্জ, মিলি ইংগ্লাডীয় এবং হানে। বরীয় অত্থাকছের দেনাপতির দলে নিযুক্ত জিলেন, তিনি পদাতিকলৈনারদের দক্ষিণভাগে কিছু দূরে অদৈনা সমভিব্যাহারে থাকিতে আজা পাইয়া জিলেন, এবং ঐ পদাতিক দৈন্য এব॰ আশ্বাকচ সৈন্যেরদের মধ্যশ্বনে কেবল এক পুদু বন জিল. পরে দুঁদিদেরদের পদাভিক দৈন্য পরাজ্যুগ্র হইবাতে, ঐ মুবরাজ ভাবিলেন, যে এখন ডাসারদের ওপর আশাকচু সৈদ্য পুেরনকরনের ওত্তম দময় এই, ডাডএব শ্রায়ুত তর্জকে মলৈন্যের সহিত আদিতে আজা দিলেন. 🗳 জর্জ 🗳 আজানুসারে কার্য। করিলেন না; সেই আক্রা ভাষার জবোধিগামা জিল কিন্দা নিপ্রীত জিল, ইছা আমর্গ ক্ষিতে পারি না, অতএব ভালী পাঠকেয়া তাহা নির্ভা কফন, কিন্তু ইহা দিত্য যে 🖰 বিজু ফালপরে ঐ অর্জ, ইণ্প্লগুড়াজ্যে আগত হইলেন, এবং দেই দান পঁথজিয়া क्षिर्जिम्माननामक मुख्यावस्थाता विहाति इहेमा (पांची इहेलन: ठाइनाट उँ। হার এই দণ্ড হইল, যে তৎকালাববি তিনি কোনো যোজ্পদে নিমুক্ত হইয়া, কার্য্য

কর্ম কর্ণাক্ষম হইবেন. কিন্তু দেন সকল যাহা হওক, পানুরা তাহার্দের সকল চন্তাও বিষয়েতে অনেক স্বভিশুঙেপূর্ধক নিবারিত হইল, এবং নার্থিশেষ পরাউ্মুগ্র হইবাতে, জয়ীলৈনেরা মিলিন্ শাহরের ভিডিপর্যাত তাহার্দিরাকে তাহাইয়া রোল. ঐ জয় সর্বতোভাবে অতিসাভ্যর জিল, কিন্তু জয়ীয়া পুশংসনীয় হইয়া জয়জন্য পুষ্ণাহলাভব্য ভিক্তিক আন্য কিন্তু পাইল না.

অণর এ দকল জয়, যাহার বিবর্ণ ই পুঞ্রাজ্যে বর্ভিতকপে ক্যিত হইতে চিল, তাহার সমাপ্তির পরে, নভোরা ইহা বোরি ক্রিয়াচিলেন, যে আরু একবার কতকণ্ণলি ইণ্প্লভীয় কৈন্যের ছারা मাহায্য করিলে, সংখিলিতলৈন্যানেরদের পুতি ঐ মূল সামলতাপূর্বক সমাপ্ত চইতে পারিবে; অতথ্য অভিত্রায় ইংগ্লপ্তীয় কতকওলিন দৈন্য সাহায্যার্থে পুরিত হইল. ঐ সময়ে জার্মনি দেশেতে ত্রিশ হাজার দংখ্যাবিক ইংগ্লণ্ডীয় দৈন্য ছিল, তাহাতে তাবং রাজ্যন্থেরা এই আ শায় অত্যাক্লাদিত জিল, যে এথন অভিশীঘু আয়ারদের অগৃহকার হইবে, কিব ঐ নামন্ত আশা অতিশীঘু বার্যা হইল, যেহেতুক তাহারা দেখিল যে জয়াজয় পরের হইতে লাগিল, কিন্তু ভাহাতে কিজু ফল দৰ্শিল শা. বিশেষত কর্বাক্লামক দ্বানেতে সংমিলিতলৈন্যেরা পরান্ত হট্যাজিল, কিছ এক্রদর্ঘনামক স্থানেতে ভাছারা পুন্মট্যাদাপুণ্ডি ছট্ল. কিছু কালপরে বার্যোর্নামক স্থানে জন্ম ছইল, এন জিরেন্দর্গ লামে অন্য এক ছালেতেও জন্ম ছইল, কিন্তু পোষে करवान्तायक कारताउ भूतद्वीत भरोख इहेल. जोहांत भेत अन्य मालव रेनातावा ×ীড়ালপুচুক **কাওনি করিয়া র**ছিল. ঐকপ ওভগ্ণয়ের যে প্রস্তুর জয়াজয় ছওল তাছা একপুকার নিসন্দোর মত জিল, ঘাছাতে ওভঃপক্ষের। বহুফ্**তি এব**ৎ অল্পুলাভপুলেনে নিয়ম করিয়াজিল কেননা তাহারদের জয় হইলেও কিছু লাভ জিল ৰা. কিজু কালপরে ইণ্প্লভীয়েরা অৰচক্ষু গুলিয়া আপনারদের হিতৈমী হইতে লাগিল, তাহাতে তাহার। দেখিতে পাইল যে তাহার। এতৎকালপর্যাত अमर्या एक कृतियां प्रांतियांकिल, এব॰ (य मकल अप्रलह स्थान जोशांतां तांशिरड দারিবে না এব॰ ওপভোগ করিতে পারিবে না, তৎপুত্তির অন্যে তাহারা আপ নারদের ওপর অভিবানফোহদায়ক কর আনাইতে জিল.

जलत सकलत अहे विषयं बोक्ड कहेल कहेर व, या के ज्या पृथि वैत जीवम्ललं हे पूडी एवंदमत यार अपनात हहेल्जिल जारा ज्ञानकार प्राह्म है पूडी एवंदमत यार अपनात हिम्म यार ज्यानकार है प्राह्म है प्राहम है प्राह्म है प्राह्म है प्राह्म है प्राह्म है प्राह्म है प्राहम है प्राह्म है प्राह्म

ক্ষরিণ তিল; এবং এইংকণ পৃথিবীর অন্যং ভানে কিল্লা থানা ইত্যাদিরক্ষণার্থে অন্যং আনক সেনা প্রেরত হইয়াজিল; কিছু যে বহানৈন্য সমুদ্রমুদ্ধজন্য নিযুক্ত হই য়াজিল, তদপেকা ঐ পূর্বক্ষিত সমস্ত অর্থবিয় অত্যাল্ল জিল. ঐসমুদ্রমুদ্ধজন্য নিযুক্ত হাজিল, তদপেকা ঐ পূর্বক্ষিত সমস্ত অর্থবিয় অত্যাল্ল জিল. ঐসমুদ্রমুদ্ধের নিমিতে নিযুক্ত নৈন্য এবং জাহাজ ইত্যাদি যেং ভানে যাইত, সেং ভানে তাহারা সর্গণে ভাবে মান্য হইত, এবং সম্ভোতে ট্রানিসেরদের তাবং পরাক্ষমের সংহার করিয়া জিলে. ইংগ্লভীয় আদ্মিরালেরদের যেমত সাহস এবং কর্মদক্ষতা তক্ষপ কোনো বিষয়ে আম্বা কোনো রাজবিনরদের যেমত সাহস এবং কর্মদক্ষতা তক্ষপ কোনো বিষয়ে আম্বা কোনো রাজবিনরদের মেন্য আর্গত হই নাই; ঐ সমস্ত আদ্মিরালেরা, শালুর অবিক বল এবং অবিক নৈন্য দেখিয়া ভাত হইত না, এবং কর্মুন্ত স্থানিদ্বেও তাহাব্য ভয়বহিত জিল. আদ্মিরাল্ হাঅক নামে যাজি বেটুনির নামক তটসমাপদ্দ দ্বিবেরল্নাসক সমুদ্রের ছোলেতে, এক মহাপুচগুরুত্বের মধ্যে, মহানিলা সময়ে, যাহাতে আহাজন্মেরা সাহাপেকা ভাত হয়, এইকপ মহানিল বিশিষ্ঠ সম্প্রভাবিসম্প্রাপ, তুল্যসংখ্যক ট্রানিস্ক্ আহাজের সহিত যুল্ল ক্রিয়া বিজ্ঞা হইলেন.

একালে ইণ্প্লভীয় রাজ্য কর্মপুথিনীন্দ লোকেইদেন সম্মুখে অত্যাশ্চর্যা এবং ঘর্শো। বিশিষ্টকপ দৃষ্ট হউয়াজিল; কিন্দ ঐ সময়ে ই॰গ্লণ্ডীয় রাজ্যের হিভবিষ্টে যেধ্ **मृत्यांकातं करा याहेल हिल, अव॰ उप्तियां नईज महल इहेल्डिल, मिटे मग**ण অলুকালের জলো ই প্লভীয়েরদের তার্বজ্ঞান্তাদক এক বিষয় ওপক্ষিত চইল. ভাছা এই, আড়োবর মাদের ১৫ পঁচিশা তারিখে, রাজা যিনি পর্বে কোনো পীড়া গুৰু ছইয়াজিলেন না, এবং আবি পীড়িড এই বিষয় কোনো কাছাকে কথানও কছি ম্লাজিলেন না, তিনি আত্মকূঠরীর মধ্যে যুিয়মানকণে আঅপরিবারকর্তৃক পুরিছই মাজিলেন. প্রভাবে অন্য সময় যেমন গালোখান করিতেন তেমনি ওচিয়াজিলেন, এব- অভিসূদিনপুতুক আআনুষ্ঠিরদিগকে কহিলেন, যে আমি কেন্সিণ তন্দায়ক ক্লজোপবনে বেড়াইতে ঘাইব, যেহেতুক রাজা ঐ লময়ে ঐ স্থানে তাল কৰিয়া किलान. शाह ने अनवनशहास भुकारियन कहिला मूहे जिन शाल शाह, या मधार है। ছার নিকটে অন্য কেই জিল না, সে সময়ে ওাঁহার মৃতিকার ওপর পতিভর্ওনের শব্ধ বলা নেল. এ শব্ধ বলিয়া ভাঁহার অনুষ্ঠীরা দৌড়িয়া আলিয়া তাঁহাকে তুলিয়া পায়ার ওপর পায়ন করাইল. পরে রাজা অভিন্ধীবশব্দুইক আমেলিয়ানামক ক্লাজকন্যাকে ডাকিতে আজা দিলেন, কিন্ত ভাঁছার শৃঁহচনের পূর্বে রাজা মরিয়া জিলেন. পরে রাজচিকিৎসকেরা ভাঁহার রক্তযোদ্ধবের চেষ্টা করিয়াজিল, কিন্ত কুক্ত নির্গত ছইল না, তাছাতে কাজশারীর বিদীপ কর্ণানতর তাছারা দেখিল ঘে ছাৎপিণ্ডের দক্ষিণকোম ফুটিড হইয়া, অনেক রজ সেই স্থানহইতে নির্গত रहेगांळ,

ন অর্জ রাজা আঅপুজারদের বিলাপাবীর ছইয়া, এবং নাইল ব্যাপ্তজয় ছইয়া, সপ্তসপ্তাত বংসরবয়ন্ধ, তাহার মধ্যে জয়াত্রিংসছংসর রাজত্ব করিয়া, পাঞ্চপুণাইলেন. এপুনার মরনে, এবং তলারনকালবিষয়ে মদ্যানি কোনো সমুদ্রি দুর্থা ছইতে পারেন, তবে এ জর্জ রাজা সুথা ছইয়াজিলেন. এ সময়ে, মুন্ত এবং দরাজয় বিষয়ে ই'প্লপ্তায়েরদের যে ব্যগুন্তভাব, তাহা ক্রমেং হ্রাম ছইতে লাগিল, এবং তৎপরীবর্তনে রাজকর্ম চালাওনবিষয়ে সন্বিবেচনা ব্যন্তিত ছইতে লাগিল, এবং তৎপরীবর্তনে রাজকর্ম চালাওনবিষয়ে সন্বিবেচনা ব্যন্তিত ছইতে লিল, তাহা এ সময় পরিপত্ব হয় নাই, কিছু এ গতরাজার ওডরাবিকারির দুঃখাদায়ক হওমার অনেক সম্রাবনা দর্শাইয়াজিল, এ জর্জরাজা মায়ং বড়একটা বিষান্ এবং কর্মাদর জিলেন না, এবং যজহানপর্যান্ত তিনি জার্মানি দেশীয় আআবিকার চালা ইতে পারিতেন, এবং যজহানপর্যান্ত তিনি জার্মানি দেশীয় আআবিকার চালা ইতে পারিতেন, এবং যজহানসমন্ত্রিকার ছাত্রেক, তাবং তিন বুটিনের সমস্ত্র রাজভার আঅ্যবিরুদের ছত্তে অর্পন করিতেন, কিছু দে মাহা ছঙক, এ রাজার সাহিত্ব আমারদের অতিনৈকটাসম্মর্কপুর্যুক্ত তাঁহার গুল দোষবিষয় বিচার করন আমার জনুপ্রুক্ত, অতএব বিপরীত্রতাবলম্বী দুই গুল্বকর্তারা তাঁহার বিষয় কিছিয়াকেন, তাহা লিথি।

এ রাজার পুলাৎসক, তাঁহার বিষয়ে একণ দির্ভয় করিয়াছেল, যে এ রাজার চেই কোনো আচরবের পুতি আমহা দ্খি করি, দেই সকল আচরৰ অভিপুশং সনীয়. এ রাজার পূর্বে যেং রাজবর্নেরা ইণ্মণ্ডায় দিৎসাদনের ওপর বদিয়াজেন, টাহাঞ্দের মধ্যে কেই 🕒 জজ' রাজার মত বৃত্তবয়ক্ত ইইয়া দীর্ঘকাল সুধ্রভাগ করেন নাই. এবং ঐ রাজার ভাবৎ রাজত্ব তাঁহার পুজারা বানিজ্য ব্যবদায় এবং শিল্পবিদ্যা ইত্যাদিতে ওত্তরোত্তর অভিন্যাত্যাশম হইভেজিল; এবং তিলি महिविधाः मधिविष्ठनानूर्वक कलन्याता आचानु जात्रातत नथनुष्माक रहेग्राकिलन, কিছ পুজার৷ ডদনুমায়ি চলিত লা. 🗳 জজ রাজা অভিতে জুল্বভাবে জিলেল, ভাগতে ওাঁছার ব্যবহারো ডজ্ঞপ জিল, কিন্তু লকলের পুডি সন্ম হইয়া স্থিবিচ নাদৃহক চলিতেন, এবং তিনি যাহা করিতে চাহিতেন, তৎকরৰে অতিসুষ্না জি লেন, এবং ঘাছা ডিনি কহিতেন ডদন্যথা কথলো করিতেন না; এবং পুজাভ্তা পুভৃড়িরদের পুতি অভিদয়ালু ও পুতিপালক চিলেন ; এবং অপরার ও অনিষ্টা ট্রনপুমুক্ত অৰশাতাক্তব্যব্যক্তিব্যতিরেকে, তিনি কথানো কোন মজিকে কর্মচ্যুক্ত ক্রিডেন না. এবং সংক্ষেপে যদি কহি, তবে বুকা যায়, যে তিনি সৌন্দর্য্যাদি গুলা পেন্দ্র। কেবল আবশাকণ্ডৰ, পুজারদের মধ্যে বর্জনার্যে পুরাৰ বারৰ করিয়াজিলেন, ্বং তিনি মেং বিশিষ্ণাচরৰ করিতেন, এছাতে পরিত্যু ছইয়া, লোভরহিত ४२३) 💢 व वृचितुर्ल**क रहेगा व्रशिकालित.**

ঐ রাজার বিষয় ঐকপ বর্তনা ভাঁহার মিত্রেরা করিয়াচেন, কিছ অদ্য ব্যক্তিরা जां किन योश्वा होकाब एलां निर्देश प्राथम. वीश्वाहार यात्रा अक जन कहिए। চেন, যে আমরা ভাঁহার জানের এবং গুবের নির্বাহরণভার গুহবাকাগ্নী নহি, ধ্যুক্ত ভাঁহার পুশুন্দাকরনে অবস্থাশাকাথ্রী আজি. 🗳 জর্জ রাজা যে রাজ্যে জ্মিয়াজিলেন সেই রাজ্যের পুতি অভিস্নেহহেতৃক অভিপুদিন জিলেন, এবং ঐ ব্রাজ্যানিমিতে লাইৰ দিতে ওদাত জিলেন. এ জর্জ রাজা, তিনি অমৃণ মুর্গ থাকাতে অন্যের মধ্যে বিদ্যার বাছল্য দেখিতে পাইতেন না; এবং মদ্যুপি উচ্চার রাজ ছের মধ্যে বিদ্যা বর্ভিঙা হইয়াজিল, তথাপি তদ্রীতি এবং শাদনক্রমে বর্ভিঙ। হয় বাই. তাঁহার দাত্ত্রিশ তাহা ছেবল লোভযাত, এবং তিনি পুজারদের নিমিতে সঞ্চয় না করিয়া, কেবল আপদার নিমিতে সঞ্চয় করিতেন. এবং তিনি কোনো এক বৃহদ্প্রবেতে খ্যাত্যাপর জিলেন না, কিছ অনেক নীচকুর্ম ক্রিডেন, ঐ রাজার ঐ গুলাগুল দিল্যের মধ্যে কোনটা লতা, ইহা অনেকে জানে. কিয়া ঐবিষয়ের মধ্যে মাছাছ নিনীত হইয়াতে তাহার কতক সত্য কি না, ইহা ক্ষ্য আয়ার কার্য্য নহে ; যদি ভাঁহার যিত্রেরা অনেক চিনে, ভাঁহার শতুপক্ষও আনেক চিলে, অভএব ঐ বিবাদ ভাতীবিছানেরা বিচার কক্তন.

७७ महेजि॰ भारतांग.

তৃতীয় জর্জের বিবছন,

দ্বিতীয় জর্জের মৃত্যুর পরে, ভাঁছার পৌল তৃতীয় জর্জনামে বর্তমান রাজা, ঐ নময়ে নিংহাদনোপবিষ্ণ হইয়া রাজা হইয়াজিলেন; ঐ তৃতীয় জর্জের পিতা রাজপদত হওনের পূরে মুবরাজ পদত্রসময়ে মৃত্যুপুতি হইলেন, ভাহাতে 🗈 তৃতীয় জর্জ অভিমিক হইয়া তৎক্ষণাৎ পার্লিমেন্ত আহ্বান করিলেন, পরে ই মহাসভোরা নবেষর মালে একত্রীভূত হইয়া, রাজপরীবার পুতিপালনার্যে এবং রাজমুকুটের লক্ষ্য রক্ষণার্যে, যাৰজ্ঞাবন রাজাকে ১৪০০০০ টোষ্ট্রিল ফ টাকা

বার্ধিক করিয়া দিল; তাহা পদাক্রদের বার্ধিকবলে অদ্যপর্য্যত থাাত আজে. ঐবৎসরে তাবদুর্যজ্ঞের থারণ ১৯৬১১১৯ লৌও, ১৯ ওনিশ সিলিণ, এবংলৌনে মল লেন্দ্র, তথাৎ ১৫৬৯১৮৯৬ এক অর্ধন কাণারকোটি নয় লক্ষ আটাই ব হাজার নয়শত ঘাইট টাকা হইয়াজিল. ঐ অর্থ অতিবিত্তর বোর্ব হয়, এবং ব্যবসারি রাজ্য ব্যতিরিক্ত অন্য কোনো রাজ্যহইতে তত অর্থ ওৎপর হইতে পারিত না. কিছ ঐ সময়ে ইংগ্রন্ডীয়েরণ, সর্ব্রর যে মহামুদ্ধবিষয়ে নিময় জিল, মনে করি যে ঐ বিবয়ে মত অর্থের নিতাত আধ্রণাক চিল, তাহাহইতে অর্থিক ব্যয় হয় নাই.

ত পর রাজ্যের ব্যানস্থান্দায়ে রাজ্য ক্ষায়্মতাবলম্বিনী জ্রী বিবাহকরনে
নিসারিত জিলেন, অতএব ইওরোপু দেশায় মহাবংশপুদুত্য কোনহ জ্রাকে বিবাহ
করিতে পারিলেন না; তাংগতে যেক্লেন্বর্ছ জ্লেলিব্ল বংশজ, জার্মনি দেশের ওত্তর
পদ্দিমাণশৈ হিত এক ক্ষুদ্ররাজ্যের অবিকারির কুলোড্রব্য এক কন্যাকে বিবাহ
করিলেন; এবং ঐ বর্বনিনী রানীর তাবদাচরন তৎকালাববি এমত ওপযুক্ত
মত হইয়াজিল, যে রাজ্য তাহাকে গুহনকরনে ক্ষানো কোনোকপে খিদ্যমান
হল নাই.

এ ওতা ব্যক্তির দেওবর মাসের ৮ অর্থয় তারিথে বিশহ হইয়াজিল, এবং এ মাসের ২২ বাইশ তারিথে, তিনি রাজমহিমীশদে অত্যাভ্যরপূর্ত্ত বেভ বিশ্বঃ আহিলামক বর্মশোলায় অভিত্তিক হইলেন.

এ বৎসরে ইওণোপ দেশ, কোনো গ্রানায় মুজ্জারা খ্যাত্যাপর হয় নাই. কিছ পূর্বে অপ্নবদীদি দেশেতে, বাপালার নবাব কার্য চ্যুত হইলেন ভাঁহার পদে ভাঁ হার জাগালা নিমুক্ত হইলোন এ দেশে অন্য সকল নিষ্কুব্যবহারসা মুক্ত দেশের ন্যায়, এ সময়ে পুড়িজনে পুড়ুজের প্রীবর্তন হইত; কিছ কেবল ভাহান্য, এ সময়ে ইণ্মুজীতকর্তৃক অনেক নিষ্কুব্যবহার এবং পুরক্ষনা এবং কদ্যাচ্ত্রপুড়্তি হইয়াজিন.

এ সময়ে পিৎ নামক রাজমন্ত্রী, যাঁহার পুতি গতরাজার কথানো বড়একটা শুলা জন্মে নাই, তিনি ততু পদাগা এবং সামলতাপৃষ্ধক যুদ্ধকর্ম চালাইতে লাগিলেন; এবং তিনি যেমন যুদ্ধ চালাইতেলাগিলেন, তাঁহার পূর্বে কথান কোনো মন্ত্রা তেমত যুদ্ধ চালান নাই; এ পিং যেকপ বিজ জিলেন তজাপ চতুরতাপূর্বক শাতুরদের তাবদ্যাত এবং সন্ধান আচ জিলেন. এ পিং আনককালাবির অভিশায়কোবি পূর্বক দেখিলেন, যে শ্লেন্জাতীয়েরা ওদাসান আপনার্দিগকে জানাইলেও, যুদ্ধি সেরদের সহিত তাহারদের অভিসৌহার্দ্ধ জিল; এবং অন্যং দেশেতে চার প্রেন্দ্রার ভিনি ইহা অবগত হইলেন, যে এ শ্লেন্ডাতীয়েরা এ অভাতাভিলার বর্ষাকর্ম যুদ্ধিসান্ত্রদের সহিত দ্বিগজহুত্তক্সন্ত্রন নায়ে এক সন্ধি করিয়া

চিলে, তাহাতে ঐ পিতের দৃচ্পুতীতি হইল, যে অল্পুদিনের মধ্যে ঐ ওভয়জাতীয়েরা ইংগ্লণ্ডীয়েরদের সহিত পুকাশকপে মূল করিবেন. 🗳 সকল বিষয়দারা চালিত ছইয়া, ঐ পিৎ এই পরামর্শ দিলেন, যে যদ্যুপি স্লেন্দেশীয় রাজনভারা ব্রিটিন্ দেশের রাজসভের্দিগাকে তৎক্ষণে কোনো ঘর্ণার্থ করিব না দেখায়, তবে ল্লেম্ জাতীয়েরদের কাশ্বল্লভাগাজ নম্ভকরণার্থে, কিমা অন্য কোনো বৃহদাগাত করণার্থে ভ্রত্তান্থলমূপ্রেডে, এক মুন্তজাহাজসমূহ অভিতর্গায় প্রেণ করণো ঐ মত্ত্রণা অন্যাহ্ রাজসভাকর্ত্ত অনেত বাবীপুর্তি ছইয়াজিল যেছে তুকু অন্যথ মন্ত্রীরা ঐ মন্ত্রির পরামশানুসারে চলনে অকর্তব্য, ইহা জ্ঞান করিয়া বা হওক, কিন্তু। ঐ সভ্যকে পদচ্যুতকর নেম্লাতেইবা হওক, তাঁহার ঐ মহুনা ঘাহাতে এমত থ্যাত্যাপর হইয়াড়িলেন, যে তাহাতে পুায় সমন্ত পাচীন বিনাদ্য এবং প্রাক্রম শালী বংশজ মন্ত্রিবদের পরাজমাদি লোপ করিয়াজিলেন, অপর সংক্রেপে করি, মে ঐ পিৎ এবং তেম্প্লদামক পুদেশাবিকারীব্যতিরিজ, ঐ মন্ত্রা সকল সভ্যকর্তৃক রুদ ছইয়াজিল, তাহাতে ঐ দূই মন্ত্রীয়া অবকামাতারা করিল; পুথম ব্যক্তি <u>मुक्षांमग्रह्मिल्ल अद॰ लोघ क्यिउराकि वाजाव निजयां हरवी विभाप निगुक्त जिल्लन.</u> কিন্তু ঐ পিৎ নামে রাজ্যজ্ঞী যে রাজার এবং রাজ্যম্ভেরদের নিকটে কোনো ক্পাতিক অপুঙি হইয়া কর্মচ্যুত হন, এবিলয়ে সমতে না হইয়া, সভ্যেরা ২৪০০০ চারিশ ছাজার টাকা তদব্বি তিনগুক্তদ্রপর্য্যন বার্ঘিক করিয়া দিলেন, এবং ৰাঁহার জ্রীকে অবিপতিপত্নী পদে নিযুক্ত করিলেন.

অপর অল্ল মাদের মধ্যে রাজ্যকেরা আত হইল, যে ল্লেন্ডাতীয়েগদের বিষয়ে বাঁ পিতের মেছ লন্দেছ, তাহা অভিযানার্য জিল ; কেননা মথন বিশ্বলের পুদেশাধিকারী, যিনি মাদিদুনামক শহরে ইণ্প্লভপক্ষে ওকাল হইগা রহিয়া ছিলেন, ভিনি মথন বাঁ দিবংশজনবিপিত্র দেখিতে চাহিয়া ছিলেন, এবং বর্ত মান্যুছে প্লেন্দেশীয় সভারো খ্রাঁসিন্দ্ দেশীয়েরদের নহিত থিলিবে কি না, এই বিষয় মথন জাত হইতে চাহিয়াছিলেন, তথান কেবল অন্য বিষয়ের ওত্তর পাইলেন, এবং ওাঁহার তাবং প্রার্থনিকাবিষয়ে বিপরীত ওত্তরপুত্তি হইলেন, অত্তর বা ওকাল ইংগ্লভাদেশে পুড্যার্যানকালে ল্লেন্ডাডীয় সভারদের নিকটে বিদায় লা হইয়া, মান্তিদ্নামক সর্বিজ্ঞান কিব্লা চলিয়া গোলেন; ইহাতে ল্লেন্ডাডীয়েরদের বৈরিক্তাব জানাগেলে; এবং অল্লুদ্দিনেরপরে ইণ্ণ্লভীয়েরা বা ল্লেন্ডাডীয়েরদের বৈরিক্তাব জানারেলে; এবং অল্লুদ্দিনেরপরে ইণ্ণ্লভীয়েরা বা ল্লেন্ডাডীয়েরদের কাহিত যুদ্ধপুকাশ করিল.

অপর পুরাতণ পার্নিমেত ভল হইয়া, নূতন এক পার্লিমেত নিক্সিত হইল; এ সভোরা পুথমত এই এক বিষয় বির করিলেন, যে রানী যাবৎ বাঁচেন এবং রাজার মৃত্যুর পরেও, ঐ রাণী ৮০০০০০ আটি লক্ষ টাকা বার্ষিক পাইবেন, এবং সমর্সেৎ নামে রাজাট্রালিকা মাহা পরে বকিংহামের অট্রালিকার নিমিতে পরীবর্তিত হইয়াজিল ভাষা, এবং রিচ্মন্দনামক ওপবদের ভাবভ্রমি, এবং রাজগৃহ ইত্যাদি পাইবেস. পূর্বওন্দ্রাপেকা ঐবংসরে ব্লাজ্যের বায়, বিশালক্ষ টাকার দ্যুদ দহে অক্লদ হইয়াজিল.

অপর ঐ রাজত্বের ওপক্রমার্থনী পিতের অকার্য্যার্পনকরনপর্যান্ত, সভ্যেরদের মব্যে কোনো ভারীপ্রীবর্ত্তন হয় লাই; এবং গতরাজার মর্লসময়ে যেজপ জিল, প্রায় তেমনি রহিয়াজিল, কেবল এই এক অল্প বিশেষ জিল, যে প্রায়ত ব্যং যাঁহার বিষয় সকলে ভাঝিল যে ভিনি রাজার অভিপ্রিয়, ভিনি সভোরদেরকর্তৃক ানীত হইয়া হল্পের্নেরে পুদেশাধিকারির বদলে পুরানমজিপদে নিক্সিত হই কিছ সে দকল যাহা হওক, ঐ সময়ে অনা বছবিষ্যুক্ এক বিষয় ওপ্তিত ইইল; তাহা এই, অনেককালাবিধি বাজ্যান্ত্রা ইহা ভাবিয়াচিল, যে আল্পনামী রাণীর রাজত্বে, মার্লবর্ছের বংশাজ সভ্যেরদের ওপর যেমত কর্তত্ব করিল, তেমনিও দ্বিতীয় জর্জ রাজার শেষাবন্দায় ণেলহাম বংশজেরদের কথা চলিত : এবং তাহা যে সত্য ঐ বিষয়ে লোকেরদের বোরী জন্মাওনার্যে জনেক চেম্বা পাইয়াজিল, অতএগ ক্যিত আছে যে এই বিষয় নিশ্চয় ক্রানিয়াজিল, যে কো নোকপে ঐ পেল্ডাম্ এবং তাঁহার ভারদন্দ্রির। নগ্র হয়, তাহাতে নিওকান্তলের অপুনী ৰচাক্রী বিষয়ে এমত ওদ্বিম হইয়াজিলেন, যে তিনি আপনার পুরীনথাতা किन्द्र कार्रा किल्लन, এवं गृद्ध नाय मुद्दिनारी किन्द्री ने नेप्तुनां इहेल्लन. ने প্কার ব্যবহারপুণুক বৃত্ৎনামক পুনেশাবিকারির এবং নিওকান্তলের অগ্রনীর অন্ महित्राप्त मारी। (लथनभवषाता जित्रम्य कहेर्ड लोशिल; डाहारड (य भत्यूत् পদপাতী হওনাভিলাম পিতের আমলে পুার নিবৃত পাইরাজিল, তাহা পুনরার ঐ রাজ্যন্থের দের মধ্যে বর্মিত ছউতে লাগিল.

অপর এই বিষয়ে সকলের শীক্ত হইতে হইবে, যে ঐ নিওকান্তলের অগুনী বড় একটা বিজ্ঞ জিলেন শা, কিছ হেনরী পেল্চাম্নামক ওঁছার ভ্রাতা অতিবিদ্ধান্তিলেন. কিছ সে যাহা হওক স্বেছাটারক দেশের মধ্যে ঐ অগুনী ওঁছার সকল দেমিসহকারে, থ্যাত্যাপররাজ্যভিয়োগা লোক জিলেন: ঐ অগুনী ওঁছার সকল দেমিসহকারে, থ্যাত্যাপররাজ্যভিয়োগা লোক জিলেন: ঐ অগুনী অভিসরল এবং দাতা এবং অতত্র এবং আভিয়েগ এবং ব্যবহাবেতে সম্ল্যান্তিত জিলেন: এবং অন্যের মত আভ্রজনো এবং অপরিকাণ্ডলাে জীবিকাদির সংগ্রহ না করি হা, আত্মপৈত্ক বন রাজার এবং রাজ্যের সম্মুখার্থে বায় কনিতেন; এবং মথন দিনাাবন্দায় আত্মকার্থাচাত হইয়া, সামান্যলাকশ্বায় বাস করিতে চাহিয়া জিনেন, তথান গাঁৱা ভাগিকে এক বার্ষিকজীবিকা করিয়া দিতে চাহিয়াজিনেন,

ভাষাতে তিলি অতিযদ্ধিকপে ওড়র ছিলেন, যে শ্বরণজ্ঞার সম্প্রবর্ত্তনিষ্ঠে এক ছাজার সমান বিশ্বায়করনালন্তর, আমি শেষাবন্দায় রাজ্যকে দেঃ পুতি ভার দায়ক ছইতে চাহি দা, বর্জ আমার ব্ছাগুনীল্লীকে রজকীকার্য্য করাইয়া জীবদবীর্ন করিব, সেও ভাল.

অপর এখন রাজ্যন্দের পর্ম্বর সাক্ষেকালাতীত হওলপুমুক্ত, আমরা লতা বাকা কহনে নির্ভিত্ব অভএব কহি, যে অন্যপক্ষে প্রায়ুক্ত বৃহ্দ অভিকর্মন্ধ্রম জিলেন, এবং বহু বির্ম্বিত জিলেন, কিন্তু সুবুক্তা এবং উদার্য্যাদিন্ত বিশিষ্ট মহাতিরে কে ইংগ্লভীয় কোনো রাজ্যন্ত্রী এ্যাত্যাপদ্ধ হইতে পারেন না, তহিছারে কিন্তি দ্বান জিলেন, ঐ মন্ত্রী লাক্ষিরিয়ার বিশ্বানপুমুক্ত, জর্জের রাজনিংহাসনন্দ্র হওন সময়ে তিনি যে কার্য্যে কিয়ুক্ত জিলেন, অর্থাৎ রাজবন্ত্রপরিবাদকান্দ্রমক পশ্তিত ঘদাপি তিনি অবির্থুত নিযুক্ত থাকিতেন, তবে পূর্বকালীন মান্দেনান্দ্রমক পশ্তিত অকপ এ্যাত্যাপদ্ম হইতে পারিকেন, এবং ঐ সময়ে, রাজা শাল্রবিজ্ঞ লোকের্দি রাকে যেই দান করিতেন, তারা পুজারা লক্ষ্য করিয়া অবশ্য অনুযান করিত, যে ঐ যন্ত্রির প্রায়দ্র্যা এবং ক্যায় দান করিছেন, কিন্তু মন্ত্রী নাতিবিষয়েতে আবা করিয়াজিলেন, এবং কারিনিছয়েতে সুনিক্ষিত্র না হওনপুমুক্ত এবং অপারকতাপুযুক্ত, তিনি আপনার অমনোছোবর্ছক হইলেন এবং ক্রককংলের নিমিতে আব্রুজারত থ্যাতি নাশক্ষ এবং রাজ্যন্ত্রাক বিন্তুন্ত কারিক। কিনিমিত আব্রুজারত থ্যাতি নাশক্ষ এবং রাজ্যন্ত্রাক বিন্তুন্ত কারিক। ক্রিনিষ্ট্রের আব্রুজারত থ্যাতি নাশক্ষ এবং রাজ্যন্ত্রাক বিন্তুন্ত্রিক ক্রিনিষ্ট্র ক্রিলেন,

কৈর দে সকল যাহা হওক, ঐ সমন্ত কালে যুল পুর্রাত্যনুসার বিশ পূর্ব দেকল বাহা হওক, এই ক্র্যাপার যথান চালিও হয়, তথান ওছা চালিও হই তেই থাকে, এবং যে প্রাক্রমহারা তাহা পুথমত চালিও হই টা জল কেই প্রাক্রম শেষ পুরে জনেক কালপর্যান্ত চলে.

ামেন্ত্রক স্লেন্ডাতীয়ের দের জনেক কালপর্যান্ত চলে.

ামেন্ত্রক স্লেন্ডাতীয়ের দের জনিক কালপর্যান্ত চলে.

ামেন্ত্রক স্লেন্ডাতীয়ের দের জনিক কালপর্যান্ত চলে.

ামেন্ত্রক স্লেন্ডাতীয়ের দের জনিক কাল্যান্তিল কাল্যান্তিল ক্রান্ত্র মের্লির লোলেতে বিত হারালান্যক শহর আক্রমনার্যে, এবং বিতীয়ত জন্বর কলিনি দেশেতে ভিত্ত মানিলা নামে ওপদ্বাপাক্রমনার্যে পুরেত ছইয়াজিল, এবং ঐ কুই মুল্লান্তান্ত ইংপ্লভীয়েরা সমলে হইয়াজিল, পুর্যান্ত কালের মের্ব্যে পুরিত ছালান্ত্র মের্বান্ত্র মানিলা কালেত হারাজিল, পুর্যান্ত কালের মের্ব্যে পুরিত হারাজিল, বিশ্বতিল কালের মান্ত্র স্লেন্ডান্ত্র মের্বান্ত ক্রিক প্রাণ্ডান্তর স্লান্ত হারাজিলে, কিন্তু আন্যান্ত্র স্লান্তর স্লান্তর স্লান্তর জন্তর জন্পর্যান্তর স্লান্তর স্লান্তর স্লান্তর জন্তর জন্মনার জন্মনান করিয়ের স্লান্তর স্লান্তর স্লান্তর স্লান্তর স্লান্তর জন্মনার জন্মনান করিয়ের স্লান্তর স্লান্তর স্লান্তর স্লান্তর স্লান্তর জন্মনার জন্মনান করিয়ের স্লান্তর জন্মনার স্লান্তর স্লান্তর স্লান্তর জন্মনার জন্মনান করিয়ের স্লান্তর জন্মনার জন্মনার স্লান্তর স্লান্

ঐ সময়ে প্রানিষার রাজা যিনি ই প্লভীয়েরদের পুগান মিত্র জিলেন, এব শাহার নাম ঐ মুভবিষয়ে পুরুষানুজনে অতিথানতাপদ হইতে এমত বীরস্বপ্লাপত মুদ্ধ ক্রিয়াজিলেন, দেই রাজা কতককালাববি অনেক বলবান এবং দৃহছেদকারী শার্কর্ক এমত বেশিত চইয়াছিলেন, যে পুতিদ্ধ ঠাছার সাইনাল হওয়ার সন্ত্রা वना इहेगा किल ; हेजायमात याहा शुोग्र मईपार पित्रा थाकि, अवन याहा यनू ষোর জ্ঞানপূর্বক বোরিগামা হয় লা, এবং ঘাহাতে যনুপ্রার শক্তি লাই যে ঘটায়, এমত কোনো এক অক্সাৎদৈব পুসর হওয়াতে, তিনি মুক্তি পাইলেন. ইলিশা বেৎ দায়ী ক্রিয়া দেশের সমুগটের প্রীর মৃত্যু হইলে, তৃতীয় পিতরলামক ওাঁহার পিতৃত্য পুত্র প্রত্যাধিকারী হইলেন. ঐ তৃতীয় পিতর প্রাসিগুদেশের রাজার সহিত ঐক্য করিমা, এবং যুদ্ধবিষয়ে তাঁচার সহিত মিলিত হইচা, পূর্বে যেং রাজগণের দহিত ঐ ইলিশাবেডের ঐক্যভাব জিল, ভাগের দহিত যুত্ত করিতে লাগিলেন. এবং অলু কালের মন্যে ঐ কার্য্য এবং জনাং করকভলিন কার্য্যের জন্যে, তিনি ৰপুজারদের মধ্যে এমত অ্যাগত্যাপন্ন হস্টতে লানিলেন, যে চ্চ্যুমাদ র:জমুকুট বীরণ ক্রিলে পর, তিনি দি॰ হাদনচ্যুত হইলেন ; এবং যে রোগেতে প্রায় সমস্ত চ্যুতরাজ্য রাজগলেরদের মৃত্যু হয়, এ পুকার রোগগুরু হইয়া কিঞ্জি: কালানতর কারাগৃছে পুলিত্যার করিলেন, পরে কাতবেন নামী ঐ রাজার তা ঘিনি ওাঁছার ওতরাবিকারিনী, এবং ঐ দেশের গতনমুট্পত্নী জিলেন, তিনি তাঁছার আমির অভিযতে লা চলিয়া, আঅলৈদ্য লকলকে প্রালাদেশহইতে পুনুরানয়ন কবিলেন, কিন্ধ ঐ রাজার সহিত শতুতা থাকিলেও মূল করিলেন না তাহাতে এ প্রানিয়া দেশের রাজা সর্বাশেষা ভঃষর বৈরিহইতে যুক্ত হইয়া, অন্য শকুনদের সহিত ঘুভকরণে সমর্থ হইলেন.

অপর যে কোনো যুদ্ধ কোনো রাজ্যক্ত্র কোনোদেশে হইয়াজিল, সেই
সমস্ত যুদ্ধহাতে ঐ যুদ্ধ মহাবিভিনের পুতি অভিসাড়য়য় এবং মর্পনদারক হইয়া
জিল. যেহেতুক লঞ্জবংসরের মব্যে মহাবিভিন, ওতরামেরিকার তাবং মহা
দ্বীপের স্বামী হইয়াজিলেন; এবং তিনি পঁচিশটা ওপদ্বীপ হস্তনত করিয়াজিলেন,
ঐ সমস্ত ওপদ্বীপ অভিবৃহৎ জিল, এবং লে সকলেতে অভিশয় ওৎপর হইত, এবং
এ ওপদ্বীপ সকল ইংগ্লভীয়েরদের পুতি অভিশয় পুয়োজনাই জিল; এবং তিনি
জলে স্থলে দাদেশ বৃহৎ যুদ্ধেতে বিজয়ী হইয়াজিলেন; এবং নয় সুদ্দিত শহর
এবং নরার, এবং পুশার চল্লিশা রাড় কিল্লা ইত্যাদি হস্তর্গত করিয়াজিলেন; এবং ক্রিও
লাভ যুদ্ধজাহাজ শতুহইতে লইয়া লম্ব এবং হন্তর্গত করিয়াজিলেন; এবং ক্রিও
আালে যে ঐ সকল বিষয়ন্থারা ২৪০০০০০ দুই শত চল্লিশ লক্ষ টাকালুটেপাইয়াজি
লেন. ঐ কালে ইংগ্লভরাজ্য, যুদ্ধেতে অক্যানীয়কপে দক্ষল হইলেও, ঐক্যকরের
ভগ্নিয়ক চিলেন না; যেহেতুক যে ক্রংশ্রার্যা, অর্যাৎ আমেরিকা দেশেতে ইংগ্ল
ভগ্নি অসিকার্ডফানিয়িতে যে ঐ যুদ্ধ পুথ্য ওপন্তিত হইয়ানিল, তাহা সমূর্ল
হইয়াজিল, ক্রিক সে সকল যাহা হওক, ইংগ্লভ রাজ্যের অর্য পুণাণনের জনেক

দ্বার হইলেও ভাঁহার অর্থ বায় আয়হইতে অবিক হইয়াজিল, এবং অদেশ লোক হানতাপুযুক্ত মূছার্যে লোক সংগ্রহকরনে অক্ষম হইতে লাগিলেন. অপর ঐ সময়ে মুদ্ধেতে নিমন্ন অনাধ্য়াজ্ঞানেরাও, অনাধ্ অনেক ভারিকারনজনো অবিক ঐক্যেষ্ক্র হইতে লাগিলেন, যেহেতক ঐ স্যয়ে ট্রাঁসিসেরদের সমস্ত যুদ্ধতাহাজ भाग नर्छ इडेग़िकल, aan बाजा लाकशीन aan वार्यशीन इडेरड लांडिन. এবৎ 🗗 মূদ্র বহুকাল স্বায়ি হওয়াতে ল্লেণ্দেশের লাভের কোনে৷ ভবসা ছিল না, বরুণ লাইশূন্য হওয়ার আশিক্ষ জিল, এবং পোর্থাল রাজ্য, মাহা অল্ল দিবস পূর্বে ঐ বিরোধের অবী পুলিট ছইয়া জিল, এবং মাছাতে বর্বণ বংশজ চড়াও করিয়াছিল, তাছার দশা 🗳 ভেণ্দেশের দশাংইতে মন্দ জিল 🕒 ডাডএব পুমক্র পদপাতীরাজালেরা ঐক্য ক্লিলে মঞ্চল হইবে, এবিষ্টে সম্মত হইয়া, পারিশ্নামক নরার ঐক্যের নিমিত্তে পরামর্শ কর্লাথে নিক্রণন করিল ; তারণত ক ওককাল বাদানুবাদানত্ত্র চেক্রেয়ারি যাদের ১০ দশকি তারিথো ঐল্য ভিরীকৃত ঐ ঐক্যেতে মহাব্রিভিন্ জ্লেরিদা দেশের পরীবর্তনে হাবালা নামে দেশ পুাও হইলেন; এব॰ কানাদা এব॰ কেপ্রেডন এব॰ ডবারো। এব॰ দ্মিনিকা এব॰ বিন্দেত এবশ আদ্ভিষাতটক গ্ৰেনাদেন এবং নেনেগাল নামক ভান ৰাবিকারে রাখিলেন, কিন্তু যুদ্ধ সময়ে যে জনাই দেশপুঙি হইয়া জিলেন, দে সকল পুনুর্বার মিরিয়া দিলেন. কিজু কাল পরে হণ্ণরি দেশের সমাজী বালীর সহিত এবণ প্রদিয়ার রাজার সহিত ঐক্য হইল, তজ্ঞাে তাবৎ ইওরোপেতে ঐক্য পুনঃ चांनिउ रहेत. े युव्यमयांडिमयाप्र यहांति हिन्दात्जात क्षत्र १५५००००० हे का হইয়াজিল, এবং ঐ প্রথের সার্ঘিক সুদ কোটি টাকা জিল.

অপর প্রায়ুত বৃহৎ যিনি রাজার অভিপ্রিয় পাত্র এমত বাের হইয়াজিল, তিনি
সভ্যপদে নিয়ুক্ত ওনকালাবরি, ওাঁচার বিকলে ঐ বিষয়ে যেই জনরব হইগাজিল,
তাহা অভিশয় বর্ত্তিত হইতে লাগিল; কিন্তু ঐ সময়ে সায়ুদ্রনামক এক পুকার
দূরার কর নিকপ্রহওন জন্যে, উচিার সর্বনাশ ওপন্তিত হইল. ঐ ব্যক্তি পুর্যায়ত
পুরীন্থাজাঞ্চিপদ, এপুেল্ মানে সমর্পন করিলেন; এবং তৎপরীবর্ত্তনে প্রায়ুত জর্জ
গ্লেন্ট্রেল্ নিয়ুক্ত হইলেন. অপর ঐ সময়ে রাজ্যক্তরা অপ্রয়ুক্তহইতে লেখনকপ
মুক্তের পুতি নিরীন্ধন করিয়া রহিল; এবং দেষপ্রক গতিত অনেক কার্গজপত্র
গুত্তিত্তি, ওভ্য়পক্ষপাতির্দের অনুগত লোককর্তৃক পুকানিত হইয়াজিল.
কিন্তু ঐ সকল গুক্তের মধ্যে, সকলহইতে মধিক জোবি মিক ওভারবিনিন্ নামক
নিক্তিত সময়ে মুদ্ভিত এক কার্গজ হউয়াজিল, এবং ক্যিত আচে যে
বিশ্বস্থায়ক আইল্ফব্রি নর্গরুক্ত পুতিনিবিসভা এক ব্যক্তি, ঐ কংগ্রের পুরীন
রহক জিলেন. ঐ ব্যক্তি বিশ্বান্থত পুকুর্বেচনাতে সাহ্যিক জিলেন, কিন্তু আ

চলনে বড়একটা স্থিয়মতি জিলেন লা, এবং ঐ বিষয়ে তিনি কালুনিকও জিলেন লা, যেহেডুক আমরা কথানো তানি লাই, যে তিনি গুকুরচনাবিষয়ে আত্মসূথ্যাতি বলনেডুক জিলেন. ঐ ব্যক্তি ঐ উত্তর্জিনিনামক কার্যজের ৪৫ নমরে, রাজা যে পুতাব আপলার পার্নিষেত্রসভার কাজে করিয়াজিলেন, তাহার বিকলে অনেক অন্যায়বাক্য রচিয়াজিলেন, তাহাতে সভ্যেরা ঐ বিষয়ে তাম্কল্য ক্রিল লা; অতএব ঐ কার্যজ্বচকের্দির্যকে এবং ভদ্ধাপাকার্বের্দির্যকে এবং ভং পুকাশকের্দির্যকে বল্ক করিতে আজ্ঞা দিলেন.

পরে ঐ বিশ্বস্ বৃত ছইয়া গড়েতে বন্দী ছইলেন ; এবং ঐ নময়ে অন্যহ কডক গুলিন আপাকারকেরা বৃত হইল, কিছ পরেতে ঐ বারকেরদের পুতি লালিশ করিয়া আদালতে তালেক অর্থ প্রঃপুঞ্জ হইল. ঐ বিশ্বস্থায়ক হাজিও জাপ নার শানীর ব্যবেতি বাবন্ধা শাদর আদিলেতের নিকটে ওপন্থিত কর্নেতে, এ আ मानाउद बिटांदरकदापद आंजानुमाद अएउद रकी भागि हिएक मुक हहेलान; এবং ঐ আদালতের বিধারকর্তারা প্রস্তুর সম্মত ছাইয়া কছিল, যে প্রাণলাব পত্র লেখনবিষয়ে পার্লিমেডক সভ্যেরা দোষী হইতে পারে না. দুভিনিবিদভোরা ঐ বিষয়ে অন্যমতাবলম্বী ছিল, অভএব তাছারা এবিষয়ে একবাকা হইল, যে ঐ ৬ওর টুটিন্ নামক কাগজের ৪৫ পঁয়ডাল্লিণ নহরে মাহা लियो। किल, जोडा वियोग अत्र जाजिकम्या अत्र क तरकत र भाभनीन नेव বং : এবং ঐ পুকারণজ লেখনে কেছ পালিমে গ্রায় সভ্য হাইলেও নিদোষা হাইতে भारत ना. किळू कांनभात ने विक्रम् नार्य राजि, यार्जिन्नायक भानित्यरहत अक সত মিলে রাজভাগারের পৃষ্টীয় মুচারের ছিলেন, ওঁছোর সহিত বিভল্ছারা প্রয়ুর যুদ্ধ করিবেন ; ঐ বিশ্বন অরচনায় মধ্যে ঐ ব্যক্তির অনেক অপবাদ করিয়া ৬ভায়ের মুদ্ধতে ঐ বিজ্ঞান এক মহোৎপাতজনক ফতপুার হইলেন, কিব কিজুপরে সুদ্ধ হইয়া ট্রানিস্ দেশে মাইতে মনন্ত করিলেন. পরে জান ওয়ারি মানে, ঐ িল্পন্ পুজাপুতিনিধিদভোঞ্দিগছইতে বহিষ্ত ছইলেন; এব॰ 🛊 ৬তার্বিভিদ্নামক কার্নজ আপাওনে ঘেছ অপবাদ পাইয়াজিলেন, ভবি ষয়ে, এব॰ অন্যথ্ কন্তকগুলিৰ অপবাদ বিষয়ে, বিচারসময়ে তাঁহার সাক্ষাথকার না হওয়াতে, সভ্যেরা কহিল যে তিনি ভূষান্যায়; তাহাতে ঐ বিস্থস্ অন্যায়েতে ৰত হইবাতে পুধানমন্তিরদের পুতি যেছ লালিশ করিয়াছিলেন, তাহাও সকল পরে ওভয় পার্নিমেন্তগৃহের সভ্যেরা জানাইল, যে ভুগুন্যায় ব্যক্তির রদের পুতি যে২ বরণাক্তা নির্মতা হইয়ালে তাহা অন্যায্য; তাহাতে আমরা খুকিতে পারি, যে 🗗 বিশ্বদের দহিত সভ্যেরদের যে বিরোধ, তাহাতে ছেবল্ র্টাহার ঐ লাভ জন্মিল,

অপর ঐ বংলরের মধ্যে, আগন্তা লাম্নী রাজার জ্যেনাকল্যার বুদ্ধবিকের ঘ্রা ক্লাজের দাহিত বিবাহ হওয়াতে, প্রাতিস্তুত মতাবলস্থিরদের হিত অতিশয় বর্ষিতে লাগিল. এবং প্রায় ঐ সময়ে, কেম্বিজ্নামক পারণালার থারচার্যে কোনো এক ব্যক্তি অন্তকালে বছবলদান করিয়াজিলেন; বিশেষত, জেকব্ রিরার্দ দৌলি॰ ঐ পাঠশালার দাভিটো অন্য এক পাঠশালাগুত্দার্থে ১৮০০০ আটচল্লিশ হাজার টাকা বার্ষিক করিয়া প্রলোকগত হইলেন. পরে এ দৌদিশ্লামে ব্যক্তির ওত हार्विकाही, अ विधाय खनाचा खान कहिया लांलिन कहिया हिल, किन विहाद কর্তারদের বিচারেতে, এ অর্থ পাঠশালার এরচে রছিল. ইম্প্লভদেশীয় এ দুই পাঠণালার বলবলৈতে, বিদ্যার আছল্য হয় কি না, ইহা জনেক কালামবি বাদানুবাদের থিষয় হইয়াছে, কিন্তু ভাহা অনায়ালে নির ছইতে পারে না. বছবলৈতে যে আলসাল্বভাব ৪২পন ছইয়া বন্ধিত হয়, তাহা কেছ অদাথা করিতে পারে না, কিন্তু আমরা কগিতে পারি যে ডাছাতে পাঠশালায় বছবিদান পণ্ডিত পুতিপালিত হইতে পারিবে ; এবং ঐ পণ্ডিতের। ব্যাপককাল ব্যাপিয়া .এটিক বিষয়ে যুক্ত চইয়া অঅজ্ঞানের অল্পভাতে যেছ ৰাবা এবং ব্যাপককালা ভ্যাসকরণান্তর যেছ আল্স্য অত্যতে দ্যোগিরদের মধ্যেও ৪২পন্ন হয় ভন্নাতি রিজ, অন্য কোনো বাধীতে বাধিত না হইয়া, তাঁহারা স্বভ্রমপূর্যক অভ্যাস করি এবং অন্যপক্ষে ইছা নিশ্চয়, যে দৈন্যাবস্থাতে মনুষ্মার ওদ্যোগ **छदा इ.स. . . . विमाशान उद्योजन । या वांन्य फोडां** ७ निर्वात इ.स. विमाश বিষয়াভিলাম তাহাও দিবৃত হয়, এবং পরে আমি বিদ্যাবিষয়ে গ্রাত্যাপর হটব, এই আশাও বিৰক্ষা হয়. হটতে পারে যে অন্য বিষয়ে যেখন, তেমন এ পাঠপালার বিষয়েও ভাল, যে এ পাঠশালা মধ্যম বনব গ্রী থাকেন. আমাধ্যমের है भ्राजीय नोर्वनोत्ता অভিদ্বিত্র। नहर, हेरा मकलाई जातन, किन ने नार्वनीता দকর যে অবিক বনবাদ, এবিময়ে আমার বিচারকরন অণুপযুক্ত,

অপর পৃথিবীর তদ্যাদ্যাণশে ইণ্প্লেণ্ডীয় রাজবিবর্ণের পৃশণ্দোপাযুক্ত, ঐ বৎ করে আর কোনো কিচ্নু ওপদ্ধিত হয় দাই, কেবল পোলন্দ জাতীয় কৌত পোনিআঘোদি নামক এক ব্যক্তির অভিষেক হওন; এবং ইবান্ আর্থাৎ জান্দ্রয়ে সুবরাজের মৃত্যু; ঐ যুবরাজ ১৭৩০ সতর লাও তিলা লালে ক্ষীয় দেশে নিংহাসনোপবিস্থ হইয়াজিলেন; কিছু বিজ্ঞুকাল পরে রাজপদ্মত্যুত হইয়া, কারান্দ সময়ে আঅপুহরী রক্ষকর্তৃক হত হইলেন; এবং অপ্রবদ্ধানি দেশেতে স্থানীযুজালীথা যিনি বাপালার অবাপদ্যুত হইয়াজিলেন তৎকর্তৃক, এবং জার্মী দেশিয় ক্যানির ভূপকার্যা সমর্সনামক এক ব্যক্তির প্রামশ্লে, এবং ঐ কাসীযালীথাঁর আজায়, ৪০ চল্লিশ জন ইংরাজ এক সময়ে হত হইল. ব্যক্তিরানানীথাঁর আজায়, ৪০ চল্লিশ জন ইংরাজ এক সময়ে হত হইল.

দেশেতে দেশকেরা মূর্য এবং নিজুর ব্যবহারক, এবং যে দেশে দেশাপহারকেরা পর ইনাপহরনে অভিলামী, ঐ পুকার দেশেতে ঐ পুকার নিজুরব্যবহার হওনের তুটি নাই. তাহার পরবৎসরে, যে অনিকাপ বিরোধ বর্মিত হইয়া পুায় তাবৎ ইউরোপ এবং ভাবৎ উউরাপ এবং ভাবৎ উউরাপ রেকা দেশ পরিপূর্ব করিয়াজিল, তাহার পুথম স্কুলিপের উত্তেক হইতে লাগিল. ঐ নিরোধকণ অনি একদা পুস্থলিত হয় নাই, অতএব সে সময়ে চেম্বা পাইলে তাহার নির্বাধ হইতে পারিত. মাহার বিষয় আমি এই জানে ব্যাম্যা করিতে চালি, ভাহা মুদ্ধান্ধনতাবন্ধা, ঐ ব্যবন্ধা ঐ লময়ে ভাবদায়ের কাদেশীয়েরদের পুতি নিক্লিত হইয়াজিল, কিন্তু কোনো আয়েরকা দেশীয় লোক সে ব্যবন্ধানীন হইতে সম্যত হইল সা. ঐ ব্যবন্ধা পর বৎসরে, আর্থাৎ পার্লিকের দড়েরদের বৈদনসময়েতে অন্যথা হইলেও, আয়েরিকা জাতীয়েরা ভাহা বিস্মৃত হইতে পারিল না, এবং তৎকালাব্বি তদ্যপর্যান্ত ঐ বিষয় ভূলে নাই, এবং অদ্যপর্যান্ত ইংগ্লভীয়েরদেরপুতি ঐ দেয়ি ক্ষ্মা করে নাই.

অপর ঐ সময়ে, পদ্ধপাতী অভাব ইংগ্লগুরাজ্যে এমত পুরান্তকপে বাড়িতে লারিল, य डाहां उक विमाय जातक हानि हहें उ लांतिल. এ পদপাতী ৰভাববৰ্ত্ত নেতে রাজকর্মে নিযুক্তেরদের তাবং কার্ঘ্যের এবং পরামর্শের মধ্যে এমত অভির ডা বর্লিডা ছইডে লারিল, যে পুতিবৎসর নৃত্ত সভ্য এবং নৃত্নোপায় ওপঞ্জি इडेग़ा, जांहारड हे॰ प्लेखरिए में এर॰ जरवीन जनार रिएम वाजनान कहरमूह शहा ক্রম ক্রমের হাস হইতে লানিলে. এবং অন্যার দেশক্রেরও ইংব্লগুরেরদের ঐবপ खबित व्राज्यवना এव॰ व्राज्ञभद्रायमं (म्थिए), जाहाराम् महिष **रिक्टे। मह**र्क् কর্বে এবং সন্ধিকর্বে অনিযুক হইগোচিলেন, তাহাতে ইংগ্লণ্ডদেশে সাবীরব লোকেরা ওতরোত্তর আআশাসকেরদের পুতি অশুভাষিত হইতে লাগিল; তালত मुक्का (य स्थात नारे, मिरे साम मुमाफिड रुउया अमावा. ने मयएय (शुन्रवालत ৰুষ্ট্ৰ লুপ্ত হইয়া, বকি ছামের ওপাগুনীর কর্তৃত্ব ভাবিত হইতে লাগিল; 🗗 পার্নী রেনুন্বেলের বদলে পুরাব রাজথাজাকিপদন্ত হইয়াচিলেব. 🗳 ওপা পুরী যেকপ নির্মলাতঃকর্ণ জিলেন, দেমত অন্যযুগাপেক্ষী জিলেন না; এবং এই কপ ৰরাজ্যব্রিয় এবং মহাবংশপুসূত জিলেন, যে পূর্বকালীন এবং এতৎকালীন মন্ত্রিদের মব্যেও তদ্রপ থাাভাপির কেছ নছেন ; এব॰ ভাঁছার ঐ সমস্ত বিশিষ্ট ধ্ব তাঁহার অল্পবিদ্যার আন্ধাদক হইগাচিল; দলত তাঁহার অভিপূর্যতম ব্যক্তি क्रांष्ट्रे कहिन्न या जिलि अजियाम जानी जिल्लन ना. ने गविभम्ब इउनकात्त, পূর্বীয় মন্ত্রীরা ঘাছাং করিয়াতিল, পুথমত ঐ সকল বার্যকরে তাঁছার পুরীনকার্য্য চিলে; ভাছাতে তিনি মুদুাঞ্চনতাবকা এবং সাইদর কর্গুছবায়বন্ধা অন্যথা করি লেন; এবং অন্যপক্ষেত্র সভে,রা ঐ সময়ে মাহাধ করিয়াজিল, ভাছার পরে তাছার

দ বে র ওতরাবিকারীকর্তৃক ঐ লকল অন্যথা ছইল. অপর ঐ বৎসংর্থ্ব মরো যেই অন্য ওপৰিষণ ওপৰিত ছইয়াজিল তাহা অভিবৃত্ত এবং অভিশ্নী এ লহে. ঐ বৎসর, কেবল কতকণ্ডলিন মহালোকেরদের মৃত্যুতে মইনিজিই থ্যাণতাপদার ছইয়াজিল, বিশেষতা জার্মনি দেপের সমুট্ থাঁহা, যুদাত নাযে পুঞ ৬তরাবিকারী ছইশামিলেন, তাঁহার মৃত্যুতে; এবং ফুলি দ্দেপের রাজপুঞ্জ মৃত্যুতে; এবং কম্বর্ধ তের গভাগুনী চিনি ইংগ্লভীয় রাজা পিতৃবা, ওঁলোর মৃত্যুতে; এবং ঐ কম্বর্লাতের কনিচ্ছাতা গলায় ফুল্ডিছ নাযে মুখবাজের মত্যুতে; এবং পুরাতন রাজ্যানী, যিনি কম্দেশ্যে ৭৭ সংভাত্তর বংস্য বয়ুতে মরিলেন, ভাহার মৃত্যুতে.

অপর পূরীয় রীতাব্দারে মৃত্র বৎসরে মৃত্র মন্ত্রী নিমুক্ত হইন; তাহাতে গ্রাম্তনের অগুনী, বকিং হাযের ওপাগ্রনীর প নির্তনে পুরানরাজধারাঞ্চিপরে नियुक इहेलन, এवा सुम्र भग्राख्याप गर्वा कडकछनिन . प्रश्या हहेग्राध्रिल, এব॰ রাজার নিজযোচর, পিৎনামক ব্যক্তির স্থানে অর্পিট ছখ্য়াজিন. ব্যক্তি কিন্ধিৎপূর্বে চাৎসামের পুদেশাবিকালিপদে নিমুক্ত দইয়াছিল, এবং ক্রিড আছে যে ভাঁহার পরামর্শে ঐ বাষিকসভ্যঃ বিযুক্ত হই ছিলে. করানিবাছাপুরর অপবসদেশীয় কার্য্যে, ওাঁগার্থের ভ্রের্থের লেভাছপুর এবং পরবাদগুহৰশভাবছেতুক অভিশয়ধারী জন্মিতে লারিল; করানি বানাদ্রের ने छुरडाड़ा, भूइरावित ने सबस प्रांखरड लिए जिल, िक ने सारम ने सकत पुर्शा হারেতে ভাগারা অভিশ্লবাড়িতে লারিল; বিশেষত, ভাগার ওপটোকবর্গুলয়ব ষ্কৃতিহা অম্বন্ধাদি দেশের রাজনাবছইতে বহুবলগ্রহর করিয়াজিল. ভাছাতে ঐ সকল দেলে ই প্লভীয়েরদের লাখ এমত অভিশার হুছায়াদ ছইতে লাগিল, যে ঐ मुम्ब (म्रामंत्र वा कवार्रामा मा मिलिङ इहेगा, हे प्राधीरगत्मितारक ने मगत मन ছট্তে মহিষ্ড কবিবে, এই শঙ্কা ওপন্থিত হইল তকুলো এবং ঐ লকন বর্ষিত অমধিল নিবারল জন্যে প্রামূত ক্লিব্ ঐ দেশে প্রেরিড ছইয়াজিলেন; পরে ডিনি এ (मान भर्षे क्रियां यो अकल अनक्स्मीनवात् क्रिलन, अव॰ अलू मिवामत यावा ই প্লপ্তীয়েরদের পুরি এমত লাভজনক সন্ধি গগলের সহিত করিলেন, যে ডাহাতে क्यानिवार्गपूरवव मुखिबरमव १०५०००० ।क (काहि स्राजन लक होका ४९मब रहेन. ঐ প্রায়ুত ক্লিব্ অয়ণই অমবন্ধিদি দেশে এয়ত অভিশয়ইন দণগুছ করিগুভিলেন, य अनुयान हम अना क्लाला है श्लेबीय नैयंड देन अवज कर्दन नाहे ; किन नै वाकि जोश कतिस्त्रके बामानंत्र मधलांधि अत्वक अजित्रवनीम अवश्यासाधनामक কার্য্য করিয়াজিনেন, 🗳 ক্লিব্জাড়াও অন্যথ অনেক অভিনীচকুলোম্ভর ব্যক্তি क्रांअ, शृधिवीत ने व्यारमं, क्रांबांक मर्यान छिन्मप्रदेनमञ्जूर विविधादिन,

িক তাহারা আংদশের মদলার্থে কিয়াকলাপুনিবাহাদুরের মদলার্থে কি করি মাজিল, ভাষা আয়াণ্যতি কেই জাত বছে:

ঁজনীর এই গাজমে যেছ নিময় ওপন্ধিত ছইয়াছে, কিমা অনুযানে হয় যে হইবে, षात्रांत मर्था आध्यतिकारमणीरवृत्रम् महिक हे भूबीरवृत्रम् गूख, जाता स्म मकल ছইতে বছবিষয়ক, আর্ডএর ভারা আবলা বক্তব্য; এবং ইণগ্লগুদেশের মব্বোও जभीय जान। विकारत्व विषय । या कोन विद्धारत्व कावन बहेगार्क जाहा । ययनि का जञ्जविष्ठ के इंडक, जाना जोह्न कहिए। हाथा जक्यंता. जंडाव जाया। अहे स्थारन करि, या जे ममाग्र हे॰ प्रांशीय भौतियां बनाउन्हां अक तातना करिता, যে ই॰গ্লও দেশাৰীন অদ্যাহ ডাবদ্ধিকা ভেরা, অবর:জ্যে ই৽গ্লও/য় রাজ্যর रेम नार्रितारक श्रामानागतीजापि वाताहित. 🗳 जांज। निष्युकतत्रवृत्या यानिल ना, अबध्य **इं: प्राधी**य मरल'बं: जना अक वायमा कविल, (य यां/ ६ वे मिनास्त्रा में नुध्यक्त वादश्वीत नगाउ ना इहित, जांदर में खोलत मालावा कोली মূডনংয়ব**ন্থা নিক:পড ফরিডে পারি**বে মা. ভাহাতে আমেরিকা ডাডি,যেরুগ ৰখ দেশে হারন্থ। নিজপ্রধিষ্ঠ য় শিবাঞিত ছঙ্গারে, ইং প্লাগীয়েরদের পুতি অতাশুল ষিত হইয়া, কতকওলিদ অভিকাঠার্য্যবন্ধা করিয়া আপনারদের অসভোচ জানা ইল, যে ইও'রাণু দেশহইতে কোনো কানিজাদুব্য আমেরিকা দেশে পুেতিত इहैरव ना, ভाशांट कांग्रहा क्षित्र जानि ।य जाशाहा अवन कथल क्वल व्हिन विनीय पुरा लका कहिए। जिल.

এ বংলরে ইটালি দেশে এক মহাক্ষর্য বিষয় ওপজিত হইয়াজিল; ইণ্প্লাপ্তির রাজবিবরনের, কিন্তা কোনো দেশীয় বিবরনের সহিত ঐ বিষয়ের কোনো সম্প্রক্তিন ভারা, তথালি ভাষা না ভাত করান অনুচিত, তাহা এই, অজোবর মাসের ওিনিশা ভারিথে, মন্যের বোবিনমানহে, এজজান বিসিওবিঞ্জ নামে পর্ত্তের এক মহাক্টেন হইয়াজিল, তাহাতে অভিবৃহ্ৎ পাথর ঐ আগ্রেয় পর্য্তের এক মহাক্টেন হইয়াজিল, তাহাতে অভিবৃহ্ৎ পাথর ঐ আগ্রেয় পর্যতের মুধ্ব ইতি পুলিন্ত হট্যা অর্জাশা উল্লে ওচিয়া নাচকোল মূরে পড়িয়াজিল, এবং ঐ পর্যতহইতে দুগীভূত বাতু সাড়েচারিজোলগর্যাত নদার ন্যায় বহিয়া, চলিল, ভাষাতে ঐ প্রবিজ্ কোনছ আনে এক জোল পরিসর এবং তিলা হাত গভার, ঐলল হওয়াতে পোতিসিনাকক কাছর ভাগা করিয়া, শিলিলের রাজার নেপ্লস্থ সন্থারে ঘাইবার ভাবেশাক হইল, ঐ দেল্লাস্থ লাহরে ঐ পর্যতহইতে নির্গ্র বীজুভকা, অরেহ এবং পথেছ এক মুই অন্ধুক্ত পুক্ত হইয়া পড়িল.

এ কালে পার্লিমেন্ডের বিঘুক্ত থাকবের বিক্রপিত সময় সন্ধূর্ব হওয়াতে, এবং এ সভা ওডারোডর জ্ঞান হইয়া আসরলোপপুযুক্ত, ভাষী গ্রীক্ষকালে তাহা ভগ্ধন হইয়া, অস্য এক নুত্রন পার্লিমেন্ড বিক্রপনাথে রাজাজা নির্গতা হইয়াকিলে. অপর নুত্রন

मछ। निर्योक्तकाल मुखाव्यव बरवा मेना कलह हहेगा थारक, अव॰ ये गम्यव ভিন্নং পক্ষপাতিরদের পরম্বর দেঘপুমুক্ত সকলেই অনুভব করিয়াছিল, যে 🕈 সভাবি যোজন কালেও অন্যস্যয়াপেফা অভিশয় কলহ ছইবে, কিছ পুজারদের তথি श्रास त्य अहे अनुमान, जोहा वार्थ इहेम्फिल. त्याइजूक (भूछन्नांगक स्थान अव-অন্যাথ কতকণ্ডলিন স্থানে যেথানে অল্লখ কলছ হইয়াটিনে তথাতিরিক রাজ্যের অন্যাপশে ঐ নিয়োজনবিষয় নি,বঁরকপে নিঅ হইয়াজিল, অপর বিজ্ঞানায়ে मजी, यिनि शुर्द जुलेनाम् इहेग्। ১१६5 मडब्रनंड उद्यक्षि मालपर्याउ हिन्ना किलान, िनि ने मधाएं नुजादीयन कविए।, य मधाएं ने नाविजुले रावस्। भूषीक जिल स्मरे मयाय, जिनि यिषिल्।माञ्चव भवतनांत भू जिनिविभन्य अनार्ध মাচ্ঞা ক[েলেন. তাহাতে ঐ বিশ্বন্দায়ে ব্যক্তি, সর ওলাম্ ব্যাওচাল্ল লামে ওকিল চিনি পূর্বে সভা জিলেন, তত্নুক্ষাপেলা ৰণকে বছসভাবদের সমতি তিহপূর্ব ক বিয়োজিত হ ইলেন, পুথমত সকলেই অনুমান করিয়াজিল, যে ন্যায় ভুপ্ত ব্যক্তি সভাপদে বিষ্ণু হাইতে পারিবে বা, কিন্তু ই টিময় যে হাইতে পারে ভাগতে অনেক পুষার পাওয়াতে, এপুকার ন্যায়ছুপ্ত ব্যক্তি যে সভা হইতে मारत, जाहा चित्री कृत कहेता. अने व विश्वम मनानाम निमुक हहेगा, अधन আমার অন্য কোনে। ভয় নাই, ইহা মনে ভিরু করিয়া, ডিনি মাইয়া আপনাকে क्राफांमनाथामडानिक,हे चर्निः क्रिलिन, ্তাহাতে ঐ সভ্যেরা ঐ িয়ুস্কে পুরবৎ ভূমান্যায় করিয়া, দুই বৎসরপর্যাত কারা-বক্তানে, এবং আট হাজার क्षेत्रा प्रथळवर्ष स्वित कृतिकान, अ विक्रम् (बहाठात्रविषयः मास्का प्रवर्तात्रका चारताकत जानामग्रुक, लखन् नतर्रामी विविक्ता अव जनार महालाकता, व मखिनद्वीकार्या, अवन कांत्रागृहर जीकांत्र पुजिनालन अत्ना, अवन अनार क्षत्र याका ১৬ • • • अक मक धारें हो जात है। कानधाल वाड़ियांकिन, लाहांत नित्नांवार्ध क्षेत्रा कतियां किल, भारत कार्यार ये क्षेत्रा मञ्जूर्व इहेग्रा ये विक्रम् युक्ति भारे लन 🚶

অপর মিদিল্সেক্স নামে থাতে নিয়োজন বিষয়ে রাজ্যভেরদের মধ্যে থেছ এবং কলছ এবং বিসন্ধাদ, ভাহা আমারদের এবং আমেরিকীয়েরদের সহিত মুদ্দের পুথম কারন নগে, কিন্ত দিতীয় কারন অনুমান হয়; অতএব ঐ মুক্তবিষয়ের পুণ্ডাক বিবরন, এবং ঐ বিজ্ঞুক যিনি ঐ সকল বিষয়ে পুরীন জিলেন, তাঁহারো বিবরন নির্ভিত্ন করি. এই রাজত্বে অনেক বংসরণ্যাত রাজনী ভিবিষয়ক যেছ্ বৃহস্থাপার হইয়াজিল, ভাহা ঐ মিদিল্সেক্স নামে নিয়োজনকণ দুম্নতে লুভিড জিল. ঐ বিষয় নিমিত্তক মন্তিরদের শান্তুছ প্রবিত্তন, এবং পালিমেত্রনভার মধ্যে নিক্ষয় আপজ্জনক পুন, মাহা ঐ বিষয়হেতুক ওপ্রিত না হইলে কথানো ওপন্তির

হাইত লা, তাহা ওৎপত্ত হাইয়া জিলা. পরে ঐ বিষয় ওৎপত্তলো রাজ্যের অত লাত আলেক বিজেদ হওয়াতে, এবং রাজ্যশাসকেরদের কর্মান্দ্রতাতে, এবং অম র্মান্দাতে, ইংগ্লভীয় অবিকারাবীৰ অন্যহ অবিকারছেরা, ইহা আলারদিরের ব্যবহার্যা এবং যথার্য, ইহা বলিয়া অভ্যানে আনক প্রাক্রম গুহুও করিয়াতিল, মাহা ঐ বিষয় ওপত্তিত লা হাইলে, কথালো তাহারদিরের করিতে লাহল কুলাইত লা. ঐ লময়ে যেহ হিংলকবিত বুলা গ্রিয়াতিল, অথবা মাহা লেলময়ে তথ্তুরিত হাইয়াতিল, অনুমান হয় যে তাহা অদ্যাপ্যতিত রাজ্যের দুর্গতিসকক মল মালিয়া সম্মূর্ত হয় লাই; এবং মহানিতিনের এবং আইলভিদ্যোলর মব্যে ব্যব্দার বিষয়ে যেহ বিজেদ হাইয়াতিল, যাবং তাহা সমাও লা হয়, তাবং কেহ কহিতে গালিবে না, যে ঐ লাইনাল কত বহুৎ মেলল ওৎপাদক হাবে.

অপর ঐবৎসর, মুরলোকের্দিরিকে গৃহাদিনিমানিবিদ্যা এবং থোদকারী বিদ্যা এবং বিদ্যালিকার করিয়ালিকোন, ঐসময়ের পূর্বে, শিল্পবিদ্যালিকার আপবার দিরকে প্রক্র সন্ধায় করিয়া করকলিব লোকের আনুকুলাপুটি হইয়া, অবিদ্যালিকার পারদাশি হইতে লারিলেন; ভাহাতে ঐ পার্চশালা নিমুক্ত হলে ঐসকল বিদ্যালের আনক্রালপ্রতি অমপুরাল হইতে লারিলেন, বিশ্ব কিছু কালেপরে পূর্বঃ সংখিলিত হইলেন.

অপর দ সমতে মহাত্রিটিনের সহিত এবং ওঁছির আমেরিকা দেশিক অবি কারের সহিত বিরোধকা যে অগ্রি পুজলিত হইতেজিল, ভাহাতে আরো কাঞ্চ ত্রাদি দেওয়া রোল. বিশেষতং পার্লিমেন্তের এক দুতনবামকা বিরাকৃত হও য়াতে, কাঁচ এবং কারজ এবং অন্যহ কতকগুলিন বারিজ্যোপমুক্ত সামানুী, মাহা ইংপ্লাওদেশহইতে ইংপ্লাওয় অন্যহ অবিকারেতে প্রেরিত হইত, ভাহার ওপর ক্রকণ্ডলিন কর নিক্ষিত হইয়াজিল; ঐ সকল কর্রাহ্রার্থে সমুদ্রসমীপক্ষ সকল সারেতে কর্রাগ্রহিন মুক্ত হইলা, ভাহাতে ইংপ্লাওবিন আমেরিকীয় রাজ্যাক্ষরা ভাবিল, যে আমরা ক্ষর্যবহার্য্যা অপক্ষত হইয়াজি, অতএব অভিজোকীবিত হইয়া পূর্বে মাহা অপুকাশে করিয়াজিল এখন তরিপরীতে পুকাশকণে এই পর বিলা, যে যাতে ঐ কর্রাহ্রাজ্যা অন্যথা না হয়, ভাবত আময়া কোনো ইংপ্লাওয় বাজিলাদিতে ব্যাপার করিব না; অতএব ঐ পর সম্বর্ণার্থে বন্তন্ নরারে যে সম্বর্ণার জলে, তাহারা অন্যহ সভারের নিক্রেট পত্র লিখিয়া কহিল, যে আমারদের সকল কার্য্যে এবং মন্তর্ণায় একবাক্য হইনে ভাল হয়, পরে ঐ কার্য্যা সিজিনিবিত্তে বন্ত্রের সভাতম হইল, এবং অন্য এক সভা নিক্রিণিও হইয়া একত্র হইয়াজিল; কিন্তু নি বাল্য অন্য সভার মত আজ্যোজ্বনকারি পুতুত অল্পন্ত হেইয়াজিল; কিন্তু নি সভাও অন্য সভার মত আজ্যোজ্বনকারি পুতুত অল্পন্ত হির্দানিল।

কালেতেই তাহাও ভঞ্জিত হইল; এবং কর্ণুচনার্যে আমৈরিকাদেশে যেই আমীন পুরিত ইইমাজিল, তাহারা স্বানুনিবাসিঃদিবাইতৈ বড় নিছুনারার পাইবাতে; / দ্বার চাড়িনা জনাম্নামক বাড়েতে পুনিষ্ঠ হইয়া বাস করিল; এবং সংক্ষেপে মাদি কহি, তবে বন্ধন্ দ্বারেতে পুজারদের এমত অসলোচাৰ ৰভাব বন্ধিত হইয়া জিল, যে হালিটাক্লামক স্বানহইতে পদাতিক দুই পলান, এবং আইলাও দেশ হুইতে জন্য দুই পল্টন, দেই স্বানে পুনিত হুইমাজিল.

অপর অপ্নবন্ধদেশের মধ্যে ঐ সময়ে শুরুদ এক আশ্চর্যাবিষয় ওপন্ধিত হইয়া জিল ; তাঁহার বিশেষ কহি, ইংদরতালিলামক এক ব্যক্তি, যিদি আপলাকে অব্যোধ্যাবাহার সামান্য পদাত্তিকালনা নাহইতে অব্যক্ষপদে ব'র্ছত স্বিয়া জিলেন, তিনি কোলানিবাহাদুরের সহিত মুন্ধারম্ভ করিলেন, এবং তাঁহার পুতুরে, অন্য সমস্ভ নবাবহইতে তিনি ইংগ্লেখীয়েরদের পুতি অধিক দুংখাদায়ক জিলেন.

অংর মথাৰ ৰূত্ৰ পালিমিত সভোৱা একঅ হইল, তথাৰ রাজ্যান্ত্রা অৰুমাৰ করিল যে বিশ্বস্নামক পূর্বক্ষিত বাজি, অণ্যসভোবদের সহিত আসন লইবেন; র্জ্যভার ঐ আশায় পুজাবদের অনেকে, রাজাসন্দায়ক আদালতের কারানুছ সমীপে জর্জ ফিল্লানামক স্থানেতে ঐ বিজ্ঞানতে পুজাপুতিনিবিনভোরদের নিকটে লওলার্থে একত হইল. পরে সরীলায়ক স্থানের দণ্ডলায়কেরা, ভাছারদের মধ্যে ওপবিত হইয়া, কলহজন্মাও চিম্ফুক রাজবাবন্দা পাঠ করিল, ডাহাতে লোকের श्रंह विजयन ना देश्यांत, त्मना जाड़ान कतिया, जन्मान हर, त्य जनाग्रिकतन লোকেরদের ধর্পর ওলি চালাওদের আজা দিয়াছিল ; উাচাতে কর্তক লোকেরা জল্ম ক্ষতপুঞ্জ হইয়াজিল, এব " মদ্য দুই ভিদ জনও পরেতে ৰখকতছারা মৃত্যুপুঞ্জ ছইল, এফ এফ জন সেই স্থানে তৎক্ষবাৎ যারা পড়িন, পরে প্রার্থত বেমে 🔍 नांबक अरू खन शुंदीनवधी, में कनश्तिवृधिविष्ठा अर्पाति अर्वः माश्म प्रमीन खातां, व बंधनाग्रत्कद्रापत्र नुष्ठि नर्ज लिशिश्तान. व मकल विष्ठाः, व शिक्रम् जन् विशिष्ट मी इहिया कि लान ना, किंग न विश्व अने लाक कृतिया, जालाइएए है শুঁড়ি আন্মান্ত্রের জানাইলেন; যেহেতুক ভিনি কহিলেন, যে এ সভোরা আয়ার स्वारं मृश्यक अव जोड़नाव श्रीमिकावन श्रीमिका. अ विश्वम् किन् कालभाव ঐ প্রায়ুত বেষোতের পরেতে, আশিনার কডকগুলিন কথা দিয়া, ল্লাপ। করাইয়া ফাহিলেন, যে ঐ জর্জ ফিল্মনামক স্থানের কাণ্ড অভিনিধুর বর্ববিষয়ক জিল ; ভাছাতে সভোৱা ঐ বিষয় ওপলফ করিয়া, ঐ বিশ্বসকে পার্লিফেরসভ্যাপদচ্যুত্ত করিলেন. কিছ লৈ ঘাছা ইওক, ঐ যিদিল্লেক্স দরায়ের ভূমিণভিরা, ঐ বিষয়ে পুজাপুতিদিবিসভারদের সহিত একবাকা জিলেদ দা, ষেছেতুক ডাছারা ভৎ क्षां मईमग्राविभूदंक ने विश्वम्तक बढीय भूविनिविमना बन्न नियुक कृतिन.

কিছে পরে রাজসভ্যেরা কহিল, যে ঐ ব্যক্তির নিযোজন অকর্মন্য, তাহাতে আরু এক ূত্বৰ রাজাজ, নিৰ্নতা হইল ; তাহাতেও ঐ ভূমিপ্তিরা ঐ বিষয়ে ক্ষমা দিল না, কিন্দুপুরবীতানুসারে পুনবদ্যোতকলবেতে, ঐ চিন্তুস্ অধারিতরূপে ভৃতাত্ব বার সভাপদে। নমুক্ত হাইলেন. ঐ নিয়োজনবিষয় নিবারলাথে দিউলিনামক এক ব্যক্তি অনেক চেম্বা পার্যাজিল, কিছ ভাবৎ পুজারা ঐ বিজ্বনের পক্ষ ছঞ গুণতে, ঐ দিউ।লকে সভাপদে বিহুজকরবা র্ম, তাঁহার পক্ষ ইইলা তাঁহার নার ৪পব্রিড করিতে, এক ব্যক্তিকেও পাওয়া রোল না. অনুর 🗗 শেষক্ষিত নিয়ো জনও পুঠীয় নিয়োজনের রীতানুসারে সভাকর্তৃক অনর্থক ক্ত হাইয়াজিল; ভাষা তে এ মিদ্দিল্সেঞ্কে ভ্রমিপভিরা, এ িছাস্নামক ব্যক্তিকে পুনঃপুন বিযোজিত मा कविशा, এবন 🗷 भुजालु ि नविमानादा, 🗈 निर्धात्तन भूनः भून वर्ष न कविशा, একা। ঘেৰ চিরকাল বা কাটাৰ এই জন্যে, আযুত ইন্হায়ের পুঞা বর্লেল্লপ্রেল দামক পালেমেডীয় এক সভা, কোনো এক মৌঝিকপদ্মুহন্দারা অংদচ্যুত হও নার্যে, এর॰ ঐ বিস্কলের পদ ুছলার্যে, মনোনীড স্ইয়াজিলেন, ভাছাতে ঐ ব্যক্তি ভাষার্দিতের অনুমতিগুছন করিয়া ঐ পদগুষ্ণার্থে দর-লাভ দিলেন, এবং ভরি যোজনবিষয়ে সভােরংদর মবাে কেবল ১৯৬ দুই শত জেয়ানম্বই সমাতিচিক্ হই (প্র এবং এ ক্রি.সর বিযোজনবিষয়ে ১১৪১ সমাতিচিছ হই লও, এবাঞ্জি ন্যায়াসভা বলিয়া, ঐ সভোর দর অবিকাৎশকর্ত্ত সভাপদে নিযুক হইলেন.

অপর ঐ সময়ে ঐ বিষয়, পুজারদের স্বেছাচার বিঘাত্তবল সর্বক্ত অনুমার ছইয়া জিল; বিশেষতঃ ঐ নিযোজন বিষয়, অভিলাগ বিঘাত্তবারা বোর ছইগাজিল, যেতে ভুক অভ্যান হিষয়ে অব্যানহার্যাপুরিছওন, পুজার দের স্বেছাচারের মূলবিষয় জিল. ঐ বিজ্ঞানের বিষয়, স্নতকণর জনীতিতে গর্ল চালনভকণ হওয়াতে, ঐ প্রত অভিদুরণনেয় হইয়াজিল; ভাহাতে ঐ মিদিল্নেক্স দায়ে ম্যাড় নিয়োজন, মাহাতে ঐ স্থায়ে কেবল ঐ ন্তিম্ এবং ভাহার বৈরীরা নিমা জিল, তাহা ঐ কালপর্যাত সামান্য হনিবাদ নিয়োজনকণ মান্য জিল, কৈছ ল ল্যায়াববি ঐ বিষয় অন্য বেশবার্ন করিয়া মহাপুকাণ্ডকণ হইকে লাগিল; যেছেভুক ঐ বিষয়ে পুথ্মতঃ কেবল দুই একজন নিম্ম জিল, কিছ পরে ভারদুজ্বতাকার হাতেই নিম্ম হওগতে, ভাহা অভিভয়াবহ হইল, কেননা ঐ মিদিল্নেক্স্ক ভূমিণভিরদের স্কোচার বিনালে, রাজ্যভেরা দ্মিতে পাইল, যে আমারদেরও ভজপে বিনাশ ছিবে, ভাহাতে অল্পনিব্যান্য যথে রাজ্যের প্রাত্ত দর্শান্ত হিছে কর্মান্য ইতে এবং প্রাত্ত মনুদায় ইতে রাজনিকটে পুথ্যতঃ দর্শান্ত প্রাত্ত হইতে লাগিল, কিছ পরে অনুদায় হতে রাজনিকটে পুথ্যতঃ দর্শান্ত প্রাত্ত হইতে লাগিল, কিছ পরে অনুদায় কি ক্রিড্র করিতে লাগিল, কিছ পরে অনুদায় কাল করিছে করিতে লাগিল, কিছ পরে অনুদায় কাল করিছে করিতে লাগিল, কিছ পরে অনুদায় বিলা প্র জিলিকটে করিতে লাগিল, কিছ পরে অনুদায় কাল করিছে করিতে লাগিল, কিছ পরে অনুদায় কাল করিছে করিতে লাগিল, কিছ পরে অনুদায় কাল করিছে করিতে লাগিল, করি পরে অনুদায় কাল স্বাত্ত করিছে ইট্যাজিল, যে আমান্ত করিছে মুন্ত করিছে ইট্যাজিল, যাগিল স্ক্রিয়া করিছে মুন্ত করিছে ইট্যাজিল, বিলাক্স মুন্ত করিছে স্বাত্ত করিছে ইট্যাজিল, বিলাক্স মুন্ত করিছে মুন্ত করিছে ইট্যাজিল, স্বাত্ত করিছে মুন্ত করিছে স্বাত্ত করিছে স্বাত্ত করিছে স্ক্রিয়ালিক স্বাত্ত করিছে স্বাত্ত করিছে স্ক্রিয়ালিক স্বাত্ত করিছে স্বাত্ত করিছে স্বাত্ত করিছে স্বাত্ত করিছে স্বাত্ত করিছে স্বাত্ত করিছেল স্বাত্ত করিছে স্বাত্ত করিছে স্বাত্ত করিছেল স্বাত্ত করিছেল স্বাত্ত করিছে স্ক্রিয়ালিক স্বাত্ত করিছে স্বাত্ত করিছেল স্বাত

ইং। অনেকে অনুমান করিয়াজিল; মেহেতুক ঐ লমন্ত মর্থান্তের মথ্যে, পার্নি মেত যে ভন্তন হয়, এ বিময়ে পুজারা যে পুর্যানা করিয়াজিল তাহা কেবল নয়, কিন্ত বছিল যে ঐ কালনিপার্লিমেন্টনিয়োজন, তাহাও রাজগ্যকবানুয়ায়ি নয়, এবং ঐ পার্লিমেন্ডের তাবদাজা অকর্মনা, অত্তর ঐ পার্লিমেন্ডলভ্যের্দের আজা মানন পুজার্দের অকর্তব্য, মনি সংক্ষেপে কহি তবে তাহা এই, পুজারা সাহত কহিত, যে ঐ কালনিশুভ্যের কিন্তু বিষয়ও জিল না.

অপর ঐ নময়ে, সভ্যেরা আপনার্দিরকে অভিবিষ্ট্রমায়ে টেলিয়াজিল ; ঐ বিষয়ে, সভোরা যে পুকার আচরও করিয়াছিল তদবিককরও ওচিত ছিল, किया (य भुकांत्र कतियां जिल जोश ना कत्वह अभयूक जिल. পুকার নালিষ এবন অনুযোগ করিয়াজিল, াহার কারে দেওয়াই, সভারদের অনু প্যুক্ত জিল, নতুবা যথান পুজারা লালিষ করিয়াজিল, তথান জি লাহলে করিয়া জিল, তত্মদ্যে তাহার্মিগকে শান্তি দেওন ওপমুক্ত জিল; কিন্তু সভ্যেরা তাহা করেনে আনৌচিত্য এবং অবিষেচনা জান করিল, অতএব তাহাতে যাহাহ ৬২৭র ছট্যাচিল, তাহা অভিলহ্জ বেধিগমা. যে লময়ে আদেশে রাজশাসকেরদের কর্ত্ব ঐকপ তৃত্তাল্লদ হইয়াজিল, আমরা কি অনুমান করিতে পারি যে দে সময়ে এ কর্তৃত্ব অন্য দেশে মর্য্যাদাল্লদ হইতে পারে, এবং যে সময়ে এ রাজনাসনের পরাক্রম, রাজহানীতে এবং রাজশাসকেরদের দ্ঝিগোচরেতে ঐকপ পুজারদের অশাদ্ধাল্পদ এবং ভিরন্ধারাল্পদ জিল, সে সময়ে অন্যাহ দূরদেশে, ঐ রাজশাসনের পরাক্রম যে অমানা হইবে এ কিবড়ক্যা; তাহা যে হইতে পারে না, ইহা অনু মালো করা অনুচিত. অভএর মিদিল্লেক্সের নিযোজনবিষয়ে রাজমধিরদের অবি বেচকভার এব॰ ভীতিছেতুক, আমেরিকা দেশীয় যুদ্ধের আদিকারনের বীজ, এব॰ আইলর্ড ভাতীয়েরা নির্ভয়পূর্বক যে২ বিষয়ে দর্থান্ত করিয়া আদিয়ালে, এবং এখালো ক্রিভেচে, ভাষাতে ঐ মুক্তের আদিকরবের বীজ, যে লা দেখে, ভাষার চুকু ছাত্যাশ্চর্যা এবং অসপ্ত নিমিত, ইহাতে যিদিল্সেক্কের ভূমাবিশতির্দির্জের वारी), रकहरे वे विधाय योष्क् अनुयान करियोक्तिलन जोष्क ठलान भुवृत्त इहेगा ভূমির কর দিতে অসমত হইলেন. পরে ঐ বিষয় বিচারে আপীত হইল, এবং ঐ বিষয়ে বিচারকর্তারা স্থির করিল, যে ঐ ভূমির কর দিতে হইবে; ডাছাতে ঐ বিষয়ে বিচারকর্তারা আঝাবীক্ষাপেক্ষা অভিসাহস এবং দৃচ্টিত দর্শাইল, কিব मित्रितरमत जाहम এव॰ मित्रिविष्ठनांत्र नामणा शहरता, उञ्जतीवर्णत मे विष्ठांतकर्णात দের সাহসেতে এবং বিরচিত্ততাতে কি ফিছু হইতে পারে; তাহা কেমন, দা যে মদ মাঠাস্থ মূলপুত্তরংহিত আগত অভিদুর্বলভিত্তিতে উর্দুধারিত এক মহাগ্রিলাদ. ज्ञान ने वर्भावत् यादी ने विवादिषप्रकृति। योजनविषयः, भुजानुषिति

দাভারা, বিচারে কিপুকার আচ্যুন করিবে তন্ত্রনো এক বাবন্থা নিক্ষণিত ছইয়া ছিল. পূর্বকালে ঐ সমন্ত বিষয় সামান্যকণে বিচারিত ছইত, এবং সভারে দেব এক পক্ষাপেক্ষা অন্যপক্ষে বহুসমাভিচিন্তপূর্বক নিম্নর ছইত, তাছাতে সে সকল কেবল সামান্য বিদ্ধেরে ন্যায় রাননীয় ছিল. অতএব যে পক্ষণাতী বলবান আর্থাৎ সর্বন্য সভ্যেরদের পক্ষ ঘাছারা ছিল, সে পক্ষ অন্য পক্ষেরদের ন্যায়ান্যায়বিষ্কে মানা ঘাটা না দিয়া সর্বন্য জয়ী ছইত. কিন্তু দেন সকল ঘাছা ছঙক, যে বাবন্থা ঐ সময়ে কিরীকৃত ছইয়াছিল, তদ্বারা সভ্যেরা এই আজ্ঞা পাইয়াছিল, যে তৎকালাববি, তের জনেতে নিনীর্ভ এবং ঐ তের জাই শপ্যদারা বন্ধ এমত এক সন্তুদ্ধায়কর্তৃক ঐপুকার বিদ্ধেদনিম্নর ছইবে; তাছাতে ঐ ব্যবন্থা দ্বির ছইলে পরে, ঐ সকল লালিশবিষ্কেয়, যে অন্যায় বিচার ছই য়াছে, এমণ কোনো বাক্য খনা ঘায় নাই. ঐ ব্যবন্থা গ্রেন্বিল্নামক এক ব্যক্তিক্তৃক রচিতপুযুক্ত এবং তদ্বার) সভ্যেরদের নিকটে ওপন্থিতপুযুক্ত এবং তদ্বারা সভ্যেরদের নিকটে ওপন্থিতপুযুক্ত এবং তদ্বারা সভ্যেরদের নিকটে ওপন্থিতপুযুক্ত গ্রেন্বিল্নামক এক ব্যক্তিক্তিক রচিতপুযুক্ত এবং তদ্বারা সভ্যেরদের নিকটে ওপন্থিতপুযুক্ত প্রেন্বিল্নামন এবং ব্যক্তিক পুনিক আছে.

অপর ক্যিত আছে যে ঐ কালীন রাজসভারা শ্রমুত চাৎহাযের ওপাদনা করণহেতুক, রাজনিকটে নিমুক্ত হইয়াজিল, এবং ঐ দকন কার্যাক্র্যেতে কতক কালপর্যাত ঐ ব্যক্তির পরার্যান্দ্রনারে চলিয়াজিল. কিন্তু কিছু পরে ঐ লভ্যেরা আপনার্দ্রিরের অভিযভানুসারে চলিয়া তাহার পরার্যাক্র হইল না; অভএব তিনি ভাহার্দ্রিরেক ভাগি করিয়া রাজযোহরবীরি অপদ রাজনিকটে অপন করি লেন; ভাহাতে ঐ পদ বিজ্বলের পুদেশাবিকারিকে দত্ত হইল. কিলু পরে গুলার বের অগ্রনী ঐ শ্রমুত চাৎহায়ের প্যান্দ্রগারী হইলেন, ভাহাতে ঐ অগ্রনীর পুরান থাজাঞ্চিপদেভে, শ্রমুত নথ নিমুক্ত হইলেন. ঐকপে রাজ্যভেরদের দুর্দলা হৈতুক, যে সভ্যেরা বিনা কারবে আমেরিকীয় মুভারম্ভ করিয়া, সাহস এবং বিনা লাভ গুরুক, ফলত অভ্যর্যাদ্রা এবং আলাভপুর্ক সমার্ভ করিয়াজিল, ভাহারা সে সব্যে নিমুক্ত হইয়াজিল; কেননা ঐ সভ্যেরা রাজ্যকুট্যবিশ্বিত দর্শালিল, ভাহারা কে সব্যে নিমুক্ত হইয়াজিল; কেননা ঐ সভ্যেরা রাজ্যকুট্যবিশ্বিত দর্শাশিক্ষা বিহুমুন্য তেজৰী রুত্বলপ ওজরামেরিকাদেশীয় মহান্ত্রীশ ইংগ্লভাবি কারহুইতে ভিন্ন করিয়াজিল,

অপর ইণ্প্লাভীয় সভ্যেরা, যেয়ত পুরে আদেশে রাজকর্মবিষয়ে ভীতত্ব এবণ অবিবেচকতা দর্শাই গাজিলোন, তদ্ধণে অন্যদেশীয় রাজনীতি বিষয়েও আপনার দের ভীতত্ব এবণ অবিবেচকতার অন্য এক দৃষ্ধাককণ পুষাল দিয়াজিলোন; ফলত তাহারা মৌনী হইয়া ভূমব্যক্ষসমুদ্ধে দ্বিত কর্মিকা নামে জান, ট্রানিসের্দির্গকে ইরল করিতে দিয়াজিলোন. ঐ ওপদ্ধীণ পুরেড জিলোইশ জাতায়ের্দের শাসনা

दीन किल, में जिल्लाईम् जाजीयका, आकृतिशुक्त अवन निर्मष्ठवावहारका, में अन मोशरक्रमिशरक ज्वार्थ। क्राइग्राहिल, अव अ ज्वादिश्वा अरम्मीग्र शास्त्री नायक अक माहिमक्या जित्र कर्जुषाधीन इहेगा ठलान, किस्कि कां लाह यादी পৃষ্ঠীয় নিচুবাবী ফাবীনতাহ ইতে আপনার দিনকে মূক্ত করিল. পরে ঐ জিনে! উশ্ জাওীয়েরা, ঐ ওপঘাণ সহতোভাবে অবশীভূত রাশ্বনে অক্ষম হইয়া, ভাহা मूँ। मिं महितारक दिल; जाशांत मूँ। मिरमहो, अजिलीयु अ अनवीन मईरका जारव रमीख्ठ कविल. किन क्थिड जारित त्य ने अमधीम स्मीस्ड कविरंड, ने रुपंबीत्पत मृतास्टीर मुँगिन्सित्रकृष्टिता कविकार्य बाग् स्टेगाक्रिक; मन्द्र न विधाय ग्रीमिमात्रा, मने बाजांव लाक बाविक बहेबाजिल, अव काबाविदाव ७५ ---- जिन (क्वि बाइडे लक् लिद्नियक गुप्ता काम इहेम जिल, में नगरम ই প্লভদেশে অনেকে ব্রিয়া ছিল, যে ট্রানিলীয় একারিপত্যের সহিত ঐ স্থানের সংখিলন হওয়া অভান্যায়, অভএব ঐ বিষয়ে ই•গ্লভীয়েবদের দিবার**ৰ করা ৬টিড্** किन हे शबीय मालाहा ने समाय अग्रह मूर्वल, अव भूजाहामत्र निकार এমত অমর্য্যাদ চিল, যে ইংগ্লন্ত এবং আয়েরিকাদেশের মধ্যে যেছ বিরোধ इड्यांकिल, जाहा अवदर्गाण्य **कवि**ल्या **कनक हरी ज लागिल,** अव श्वाहां वा का मिनीविष्ठा आताव्यितार अहे वन कहिए नाजिन, व लाबन किन् ना विनात আমরাও কিছু বলিব লা. কিছু লে মাহা হওক, ভিজু কাল পরে দ্রীনিদেরা इ॰ अखोरम्बिति क मर्नाहेरा नाशिन, य चाहांका जनावीचानुतांगे वहेमाळिल. পরে পুরু ও সময়ে, আৎলাতিক সমুদ্রের ওমরা লৈ বিত দৌকলাও ওপদীপ লামে এক অভিনুত্র স্থানের নিমিডে, ইংগ্লেণ্ডায়েরদের এবং প্লেণীয়েরদের সহিত পুায় বিরোধ ধপৰিত হইয়াজিল; তাহাতে কত্ককালপর্যাত লকল বিদয়ে অভি নৈলক্ষণ্য হইয়াছিল, কিন্তু শেষে এ বিরোধ সুপুতুলপূর্বক নিবৃত হইল.

আপর, মহাকড় নিব্ত হইলে পর, সমুদ্রের তর্ম ঘেপুকার এককালে নিব্ত হয় লা, তজ্ঞপ পূজারদের মবৌ পূর্বীয় লালিশকরএকতার মংকিন্ডিং লিখিল হই লেও, ঐ মিন্দিলের্ক্ত্রের নিয়োজনবিষয়, আমারদিরের গ্রানীয় জনেক বিষয়ের আরিকারও হইয়াছিল। তাহার বিশেষ কহি, ঐ সময়ে পূজাপুতিনিবিসভার বিগ্রেছইতে প্রের্বিত্র এক জন দূভ, ঐ সভ্যেরদের ক্যা জাপা করাবদ্যাহজনো, এক জন চাপাবারককে বিরতে শহরমবৌ আসিধাজিল, ভাহাতে ঐ আপাকারক, এক দণ্ডরায়কের নিনিতে এক লোককে পারাইল। ঐ দণ্ডনায়ক আনিয়া ঐ জাপা কারককে এবং ঐ সভ্যেরদের দুজকে বিরিয়া প্রমুদ্ধ কবিনামক নগ্রাব্যক্তর নিকটি লাইয়া গোন্ধ, ভাহাতে ঐ নগ্রাব্যক্ষ এবং প্রাতীশপদক্ষ ভদবীন বিক্তম্ এবং জানিয়া নামক ব্যক্তিনা, ঐ জাপাকারককে কেবল মুক্ত করিল না, কিন্তু এ দুজের স্থানেও সেক্ত্রিয়ার করিল, বেশ্রের দিনেও সেক্ত্রিয়ার করিল। কিন্তু এ দুজের স্থানেও সেক্ত্রিয়ার করিল, বেশ্রম্যন্ত সে বিজ্ঞান করিল, বেশ্রম্যন্ত সে বিজ্ঞান করিল, বেশ্রম্যন্ত সে বালিশের প্রত্যুত্তর না দেয়। বেহেতুর্ব

এ দৃত এ জাপাঞ্চারককে শহরুমধ্যে চাকিমের ছতুমব্যভিরেকে ইরিয়াজিল. পরে ঐ দূত জামীৰ দিতে অসমাত হই ৰাতে, ভাহারা ভাহাকে কএদ করিতে প্রুয়নামা मही कहिल, जोश जानिया ने पुंछ जाधीन पिया श्रीलाना भाहेल. भारत ने विष्राप्त আপদারদিগের শাদদের অ্বর্য্যাদ্য হইয়াকে ইছা বোর করিয়া, পুজাপুডিনিবি সভোরা অভিবাগদুর্বক আজা দিল, যে ঐ দগরাব্যক্ষ এবন ঐ পুাতীনপদক্ষের। উাহা**রদের দিকটে ওপত্মিত হয়.** তাহাতে ক্রাৰিনামক দগরাবীক্ষ এবণ অলিবর দামক পুাঠীনপদৰ ব্যক্তিরা, সভ্যপদৰ্শুমুক্ত সে ভানে ওপৰিত হইলেন, কিন্তু নিজুদু ভাষক ব্যক্তি কহিলেদ, যে মিদ্দিল্দেক্স নগরত্ব পুতিনিবিসভ্যপদে নিযুক্ত না ছইলে আমি দাক্ষাৎ ক্রিবে লা. পারে এ দভোরা এ শেষ ক্যিত বাজিকে. ইরিতে কোনো পথ না পাওচাতে, পূর্ব ক্থিত দুই ত্যক্তিকে শান্তি দিতে লানিলেন, তাহাতে ঐ দুই ব্যক্তি ঐ নেসনের সমারিপর্য্যন্ত গড়েতে বন্ধ চইয়া वृहिल. 🗳 वर्त्रस्त्र भृद्वीय अभवन्नीमित्मर्गाउ अक यहायचढ्र हरेगां (कल, यानाउ কোনোং গুলুকর্তারা কহিয়াজেন, যে ঐ দেশের চতুর্থাণশের তৃতীয়াংশালোক অগ্রাৎ দুই কোটি লোক মারা পড়িয়াছিল. এবং আরও ক্যাত আছে, যে ঈশ্বর কৃত 🕈 যাগেৎপাত, মনুষ্টোরদের পাপানুষ্ঠানেতে অধিক বর্ষিত ছইয়াজিল, যেছে তুক কোল্লানি বাহাদ্রের ভ্ত্যেরদের মধ্যে অনেক অপবাদিত আছে, যে বাংবর ডংকালে লকল বান্য কিনিয়া, এমত মহামূল্যে বিক্রায় ক্রিয়াজিল, যে দ্রিতা লো কেরদের জয়করৰ অত্যদাবী হইয়াজিল, এবং হিন্দুখানীয় লোক পাতারোরন্ নামক আচার্য্যমতাবলমিপুযুক্ত অন্য কোনো মাণ্সন্তব্য আহার করিতে পারিল দা: অপর যে রাজ্যে অভিমন্যপুরুষের ব্যবহার, নেই রাজ্যে রাজনিংহানন শূন্য **ইটলে, রাজ্যক্তেশ অভিশয় ৪০পাওপুর হয়; ভাহাতে ই**ংরোপ**র ভাবদ্রাজ** গনেরা ওতরাবিকারিরাজম কাপনকরনে ক্রির করিয়াছেন; কিন 🗈 বিষয়েও রাজা মরিলে, অপররাজা কে হইবে এডমিময়ে এমত মুদ্ধ বিগুহপুভ্তি সর্হদ। ওপ ধিওঁহইত, যে সকলেই এই অনুভব করিয়াজেন যে ওডরাবিকারির অভিল্লাগ্র শুমান না হইলে বছমান ১২পর হয়. এ সকল কারনজনো ইংগ্লণ্ডদেনীয় রাজবংশের विवाहविष्ठाय अञ्चलांबदीनच अव विविष्ठनः हहेगाल. ্যেহেড্ক রাজার দুই द्वीजा श्लाखरहर अवन कमलीरखह जातुनी, जाहाना अधिकान विवाह कहिगाबिरलम ; पुष्य कथित वाकि, वोन्दुरवब ब्रांडकनारिक अव॰ विशेष बाकि, श्रीयु ९ हेर्नहारम्ब

রাজান্তা স্থাপিতা ছইয়াজিল, যে রাজকন্যান্তাত যাঁহারা অন্যদেশস্থ রাজবংশে বিবাহ করিয়াজিলেন কিমা করিবেন তম্যতিরেকে, গাতরাজার কোনো পুঞ

र्रेन् नाय अक विधवा कनारिक विवाह कवियोक्तिलन.

এবং রাজ মুডান্টব্যতিরেকে, এবং তাঁহার সভ্যেরদের সক্ষতিব্যতিরেকে, বিবাহ কিয়া সম্বন্ধ করিতে পারিবেল না; এবং ঐকপে সর্থানমানিপৃষ্ঠক বিবাহ মদি করেন, তবে সে বিবাহ নিয়ক. কিছ মদাণি পর্কাবংশতি বংসরবয়জ্বের ওছা ঐ গতরাজার পুঞ্জো বিবাহ করিতে বান্ধা করিয়া, রাজনিজসভারদিগকে-এক বংসরপূর্বে তাহার সংবাদ দেন, তবে সেই সময় পূর্ব হইলে র জনমাতি ব্যাতিরেকেও বিবাহ করিতে পারেদ; কিছ ঐ সময়ের মধ্যে মদ্যাণি ওক্যপ র্লিমেন্টায় সভ্যের তাহাতে অসম্যত হয় তবে পারেদ না. এবং জানপূর্বক মদ্যাণি কোনো ব্যক্তি, ঐকপ কোনো অন্যায়্যবিবাহের কিয়া সম্বন্ধের সাহায্য করে, তবে রাজশাসনব্যর্থকারিনিমেন্টকব্যবশার তাবংশাসন এবং দ্বাধীন হইবে,

অপর ঐ সেদানে অর্থাৎ সভ্যেরদের একপ্রভুত্ছওদসময়েতে, রাজ্যের মধ্যে দণ্ডকপব্যবন্ধাতে অনেক দেরদার হইগাজিল. পূর্বকালে যথান কোনো চোর অনির্দেষিভাবিষয়ে বাদানুবাদ করিতে চাহিল না, তথান ঐ ন্যক্তিকে চিত্ত করিয়া দেনিয়া, তাহার বক্ষজনোপরি বৃহদ্ধার চাপাইয়া মাবৎ তাহার মর্বন না হইত, তাবৎ ক্রমেই আরো ভার চাপাইত; ঐ শান্তিসময়ে ঐ দোবিহ্যক্তিকে কেবল অল্ল কটা এবং ময়লা জল থাইতে দিত. তাহাতে ঐ সময়ে এই এক রাজ্যাজ্ঞা নিকপিত ছইল, যে ঐ কালাব্বি ঐপুকার নির্দ্ধ ম্যমহার লুপ্ত ছইবে, এবং যেই চোর অপ্রাথমিন্যিয়ে যাদানুবাদকর্বন অসম্যত, তাহার। ঐ দোঘেতে দোমী ছইবে.

ঐ বংশরেতে ইওরোপদেশীয় মুকুটবীরী পুরীন তিন হাত্তিকর্তৃক এক মহা অন্যায়বিষয় কৃত হইয়াজিল. ঐ বিষয়ের ইণ্প্লপ্তীয়রাজবিবর্বের সহিত কোনো দল্পর্ক না থাকিলেও, তাহা না কহনে অভিদোষ; ঐ বিষয় এমত কম্মা যে যদি কোনো সামান্যযাকি তাহা করিও, তবে তাহার নিশ্চয় মৃতুই হইত. যাহা আমি কহিতে চাহি তাহা এই, পোলকদেশের পুভুত্বিসদ্ল কর্বতেখা, বিশেষতঃ জার্মনিদেশের সমুটি, এবং প্রদীয়া দেশের রাজা, এবং কসীয়াদেশের সমুটি, এই তিন বাজি অভিকন্তা এক পুতিজা অর্থাৎ কুল্বামর্ল করিয়াজিলেন, যে কোনো পুটিনবাক্যমল করিয়া, ঐ পোলকদেশের তাবৎ শস্যালীর্ব্বায় শান ভাগ করিয়া লইবেন, এবং অবশিশ্বাজ্যে স্বারীনপুভুক্ত করিয়া, অভিমন্য পুভুত্বদদ পরীবর্ত্তনে ওজ্যাবিকারিশার্ত্তনসমর্থ্য, বর্ত্তমান তদ্দেশক রাজাবে দিয়া রাজনিশ্হাসনম্ম করিবে, পরে ই বিষয়ে ইওরোপের অন্যহ রাজগবেরা ভ্রিবারক না হইবাতে, তাহারা স্বয়ন্দ্রক শাতিক্ষিত বিষয় সম্লয় করিল জানর ঐ বৎসর, অন্য এক বিষয়্মারা অভিযাননীয় হইয়াজিল, সে বিষ্
ভিন্ন (দেশের এবং দেশ্যাকদেশের পুভুত্বপরীবর্ত্তন; বিশেষতঃ বিষন্দদেশের

রাজা, রাজদিণ্হাদদম সময়ে অভিদৃহপুতিজা করিলেও বংপুতিজাভঞ্জন করিয়া, অভিসুদ্ররাজপদমাবদাহইতে, ইওরোপের মধ্যে ভাবং-দ্যুজ্পেফা আপদাকে অভিকেশারিজ্পরাজ্যে বল্লিত করিয়াচিলেন. এবং দেমার্ক দেশেতেও দেমার্কদেশের রাজার শাশুড়ী যিনি গভরাজার বিধিবা ল্লী ভংকর্তৃক, এবং দেদের্দ্রিক নামে ঐ রাজার বিমাত্ত ভ্রাতৃকর্তৃক, ভিনি ছা দেশেদিপাক্রম ছইয়াভিলেন; এবং কৌত জুনৌল্ল এবং কৌত বুতি নামে ঐ রাজার অভি বিষ্কার দুই ব্যক্তি শাশানে আনাত হইলেন, আর্থাৎ বর্ধা ছইলেন; এবং বিটুটানীয় বর্ত্তমান রাজার মাতিলান। লামে ভরিনী, যিনি ঐ রাজার ল্লী জিলেন, ভিনি জাভিকার শাতিলান। লামে ভরিনী, যিনি ঐ রাজার ল্লী জিলেন, ভিনি জাভিকার পাতি রজা পাইয়াভিলেন, ঐ বিষয়ের পরে ঐ মাতিলা নামী রাজী জার্মনি দেশাতঃপাতি জেল্বামক নগরে ঘাইয়া রছিলেন, সেই ছানে কডক বংলর থাকিয়া, শেষে রোগার্ম্ন ছইয়া মৃত্যুপুঙ্গা ছইলেন.

অপর ঐ সময়ে অপ্নবদ্ধাদিদেশেতে, কোক্সানি বাহা চুরের ভ্তোরদের বর্ষিত লোভবৃত্তিনিবারনার্থে বস্পদেশে সুপু্মকোর্ত নামে রাজকীয় পুবান আদালত নিক্তিত হইয়াজিল, তাহাতে এক পুরান বিচারকর্তা, এবং তদবীন অন্য তিন জন বিচারকর্তা নিমুক্ত হইয়াজিল. ঐ পুরান বিচারকর্তার পুাতিবংশরিক মাহি আনা ১৪০০০ টোচার্র হাজার টাকা, এবং অন্য হ তিন জন বিচারকর্তার বার্ষিক বেতন ৪৮০০০ আটচলোশ হাজার টাকা, নিনীত হইল. কিন্তু এ আমলা নিক্তিত্তরন্বিষয়, যেকণ অভিলাঘার্হ জিল, তজ্ঞপ বান্ধা সকলের পুন হয় কিন্তু হবির নিশ্বয় অবিক্রাল অভাত না হইলে জ্বর হববেনা.

অপর ঐ সময়ে আইর্লও দেশন্থেরা এবং ভংলও দেশের ওত্তরাং শব্ধ পুতারা, তাহারদের জমীদারহইতে অতিনিচ্নুরবাবহারপুতি হইতে লানিল; মেহেতুক্ত ঐ নিচ্নুরবাবহারক জমীদারেরা ভূমাদির কর অতিশয় বর্ভিত করিয়াজিল, তাহাতে পুতারা তজপ কর দিতে অসমর্থ হইয়া, ব্যবদেশ তাগা করিয়া, আমে কিবাদেশ ঘাওনে ওপজ্ম করিল. এবং কথিত আছে যে এ বদেশতু ত ব্যক্তির দের মধ্যে অবিকাশ, প্থবীর ঐ অংশে পুথমতঃ মুদ্ধারম্ভ করিয়া অভিশয় বালুভা পূর্বক কর্মাসমাধান ক্রিতে লানিল, এবং মেপর্যাত তাহারা আপনার্দিনকে এবং ঐ আমেরিকাদেশকে পুরাতন অধির অবীনতাহইতে মুক্ত লা করিল, তাবং ক্ষমা দিল না. অভ্যুমারিশভিকর্তৃকপুত্তিদেও ব্যক্তিরা ঘঞ্চল অভিনায় ব্যামেহিপুত্তি হয়, তথান ভাহারা লহুদা অন্যাশত্রু অপেক্ষা অভিশয়বিশন্ত্রশক্ষ শত্রুহা; মেহেতুক ভাহারা ভংশুতিক্ষমেওনাথে ওদ্যুক্ত হইয়া, সর্বদা ব্যক্তির বাধির বিক্ষাচারী হয়, কিব অন্য দেশক্ষা ক্ষাচ ভিরদেশীয় নিষ্কুরবাবহারক অবিশতিরদের পুতিক্ষমের দেশভিলাদী নয়.

এ বংসারের মধ্যে, রাজকর্তৃক কার্ডান্ যিপ্ল নাবে ব্যক্তি নিহর্লনামক রো হাজেতে, এবং কার্ডান্ লিজি নামে ব্যক্তি কাকান্ নামক জাহাজেতে, অগনগ দেশে গমলার্থে ওডরপূর্ই কিয়া ওডরপশ্চিনদিগো পথের আছেলনমিয়ে প্রেরিড হইয়াজিলেন. এ দুই ব্যক্তি একানী অংশ বেং ওনচল্লিন দাকিকমানপথ ওড়ার দিগে গোলে পর, ডাহারং জ্যাটি জলের বৃহৎ পর্যতকর্তৃক নিবারিড হইয়াজিল. জ্ঞতএব গমলে অসমর্থ হইয়া ঐ অভিলায়ত বিষয়াসিভিপূর্ক, ইংগ্রন্ডদেশে পুরুগাগ্যক করিল.

অপর অনিশিতসিভালিভ অনেক বিষয়ে ইংগ্লণ্ড জাতীয়েরদের পুরুত স্থান, এই রাজধের মধ্যে বছকালাব্যি অভিনেনীয় হইয়া জিল, विश्मिष्ठ : वे वरमहमावी मगुजनभवाता नृधिवीतकानकत्वार्ध न्यव्य हाति मगुज्याजा निक्रम्ब इड्रेग्नाहिल, 🗢 यूष्ट्रयाञांत्र भूईयाञानुसारत मध्यिनम्यूर्य, नुष्टमश् निव्या ষেষৰে জাহাজ পুেরিত হইয়াচিল. পুথ্য সমুদ্বাতাতে বিরুপ্নায়ক ঘুৰজা हाजातुनी, এव॰ विजीय यांजाय कांडान् वांतिन्, अव॰ ज्जीय यांजाय कांडान् ফার্ডারে॰, এব॰ চরুর্থ যাত্রায় কাঞান্ কুক্পুভৃতি পুরিত হইয়াচিল. शांख ने ठांति वाकित सवी किर स्वांखिलांधमहा व देतिए नान नरहन : या হেত্ক ঐ পৃথিতীবেখানকারীরা পুডোকজনে কোনহ এক নুড়ন দেশের আছেছৰ পাইয়াছিল, এবং যেহ দেশ পুরে জাত ছিল সেইছ দেশের মাধ্যে কোনো এক नुजन विषय जांज इहेगांकिल. ये भृथवीतिश्वनकांत्रिवासत गावा, कांबान् कूक् नांबक राक्ति, पूरेवांव शृथिवी विश्वन कविग्राकित्तन, अव- ज्जीएवांव विश्वनकत्व अवर्ष और की नार्य प्रक्रिवनय पुष्ट अक नुजन म्राक्षीनकी नाष्ट्र महित सन्द করলেতে মারা পড়িলেন. ঐ ব্যক্তির মরণ, বিদ্যাপ্রিয়েরদের অনেক মনস্তাপের विषय एड्रेग्रास्ट.

অপর ঐ সময়ে ইণ্ট্রাণ্ডীয়ের এবং তদসীনদেশনামী অন্য ইণ্ট্রাণ্ডায়েরদের বি রোবির পুরান কারও এই জিল, যে আমেরিকাদেশেতে কর নিকণও কিয়া গ্রুহও করা কাহার অবিকার. এই পুশে মহাবিটিনের সংভ্যারা কহিল, যে আমেরিকাদেশের কর নিকণও করা আমারদের অবিকার, কিছা ঐ মহাবিটিনারী নারীকারছের। হেয়জান করিয়া কহিল, যে আমারদের সমাতিবাতিরেকে আমারদের দেশের করনিকপওকরও, ইণ্ট্রাণ্ডীয় রাজার অবিকার নহে; এবং কছিল যে আমারদের অসক্ষতিতে যে কর নিকশিত হইয়ালে, তাহা না দেওদে মত কর্ম হয় তাহা সহিষ্ণুট্ডা করিব, তথাচ কর দিব না, কিছা সে যাহা হওক, ভাহারদের অভাব জাত হওদের নিবিতে, এবং ভাহারা যাহা ক্রিয়াছিল তদ্নু লারে চনিবে বি না ভজ্জানার্থে, ইণ্ট্রাণ্ডারা বহারা যাহা ক্রিয়াছিল তদ্নু লারে চনিবে বি না ভজ্জানার্থে, ইণ্ট্রাণ্ডারা বহারা বিহাছিত কর নিকশিত

कि मा करक अतिन हा आरपहिका परने भागिष्ट में कितन में कमत हा आरपहिका मार्म नेष्ठक्रिल नात्र कार्गकहरेउ ना नायाहिया, व कार्यविकामनीतानीता অভ্যানাদ রুপুরক ভাষা ইণ্প্লেদেশে ফিরাইয়া দিল; এবং বস্তুল নাথে দগরে যে চা গাঠান রিয়াজিল, ওদিলয়ে তদ্বিক্যক ব্যবহার হইয়াজিল; যেহেতুক নর্মক্রা জালাজগ্রীতে এ সকল চা লইয়া সমুদ্রেতে চেলিয়াদিল. পরে 🗈 আমেরিকা प्रमास मुडनहें शाली निवासिक एवं अकन (मीकाकाकावशां काला म्लार्स, इंक्ट्र छोप्र माजाता पूरे मुखन बावन्दा निक्तनंव कहिल ; जाशा भरे, अक बावन्दा वसन् নামে নগ্রে আছাজ যাওন নিবারিকারুপা, এবং দ্বিতীয় ব্যবস্থা আমেরিকা নিবা নির'দর গর্ভাইতে প্রাক্রম লইয়া ইণ্ট্রপ্রীয় রাজহত্তে অর্পিডকরনুরূপা, অপর 🗗 कालभयाव हे॰ प्रात्रीय मुवीनवां जयसी मार्लियतमास्त्रावाद्य यात्रा चारिमुवनकाम খাজ। চালাইতেন; কিন্দ ই কালে ই পালিলেকসভাভন্তন নিকটবর্তিপুযুক্ত, তিনি ভানিবেদ, যে যদি পুৰার। ঐ কালীবরী ভানুসারে সভাকে নিযুক্ত করিতে পারে, ওবে পূরী মুপুডিনিবিসভে র্যের মত, সমাক্যাবধানকার। অন্য সভ্য**পুঙি হই**ব না, অভ্নৱ ই পুরাদ মন্ত্রী আহম্মান ই পভােরদের ভাষারোহী হইতে চাহিয়া, মন্ত্র लोलेलड मर्याखिमयरम, अकमार दे नालियड जिन्निम नहीं नालियडमाउन्ह রের মত অবশীদ্ত এনৎ ওপানক জন্য কভাসমূহেরদিনকে নিমুক্ত করাইলেন.

অপর পূর্বক্তিত গ্রাহ নিজ্যুব্যবহার, তাহা বোর হয়, যে কেবল বন্তুল নারের पुठिहे इर्डेग्नाबिल क्रिक उपानि देश्लाबीय मनाविकातावीन जनार नशक्र ধ্বোও ভয়াম্বিত ছইতে লালিল; যেতেতুক ঐ দেশকেরা ঐ বস্তন্নামক नशासक प्रमृत्यः (पश्चितः), छोतिल या ध्यायात्रापातः। अकल पूर्वणा शहरतः, (घारञ्जूक ঐ লকল চা আমরা নম্ভ করি দাই, কিন্তু বস্তন্ দরায়ন্তেরদের ন্যায় গুহুৰক্র**ৰে** प्रमुख इड्योकिलोग. ্জওএর আমেরিকাদেশন্ম অন্যাধ্নরারকো, নুরন ই প্লভায়েরদের সহিত একা করিতে পন করিল; ভাছাতে লোবান্ডোভিয়া वदः अर्ज नतत्रविमा, अनार अकल दे श्रुखावीन नतत्रव्यका, पिलापम्ल्यिया নায়ে দরাক্ত একব্রীভূতসভাতে এক১্জন মধ্যক্র প্রেন করিল. সেই স্থানে े यदीत्वहा একত হইয়া দেশসভানাম বার্ণ করিয়া অভিসাহসপুর্বক অনু णाताखि उ नज निथिया, इनजिनिकारे (भूवन कविया जे कन्त्रांय विभागत यथार्थ िहात भुगर्थना कतिला. अभव खांतांयिवधमात् , ये नततरखतरमत महिउ खर्ज নির্দেরা মিলিও ছইয়া, অয়োদশ সন্মিলিওদেশপুতু নাম বারৰ করিল. बालभाव अ वार्मामानवहानारचवा जवावा इर्मा, रेश्वाणीम वाजनान्गररेख চির হইণা একবাক্যডাপূর্যক আপনার্দিণের পুতুত্তপাপন করিল. ^{৬ল}নভোরা রাজার পুতি **ধেং অবুযোগণত পাঠাই**য়াচিল, তাছাতে পরিত্ত পা

ছইয়া, বস্তুন্ নর্মপুতি যে ইণ্ট্লাডীয়রাজাজা, তদনুলারে যে কার্য্য নিছ লা ছয়, এবং অন্য যে নির্বাহবন্ধা নিকলিত ছইয়াজিল, তাছারো যে নিবারন ছয় এ নিমিতে, ঐ দেশসভ্যেরা নৃত্দইণ্ট্লাডীয়েরদিগকে পরায়শ দিয়া কছিল, যে অব কাশ ছইলে আমরা ভোষারদেরো লাছায়া করিব. ঐ দেশসভ্যেরদের বাক্যানু, লারে চলদে ঐ নৃত্দইণ্ট্লাডনরদেরো আভসম্মত জিল; যেছেতুক আমেরিকা দেশের ভাবে-পর্গনার মধ্যে, নৃত্দইণ প্লভীয় প্রগনান্ত্রা, পূর্বাব্যি অবম্যবিষয়ে অভিষেদ্রাসার্গ্রিক চনিয়াজিল, এবং বছকালাব্যি তাছার্দিগের অবিনি ছও নাশা ব্যক্তিছইয়াজিল.

অভএব মহাব্রিটিনের এবং ভদবীনদেশব্বেদের মধ্যে অনেককালামবি আহা पिउ इहेगा इहिगादिल या अभिक्षितिहारी, जोहा अर्थन अवमा पुरुणिक्ष (मधीपायान श्रेन. जाहांत विलिध कहि, यानांहरमय नात्य नतात नियुक्त জেনেরাল্ গেজ্ নামে অইটফ, মথান স্থানিলেন যে আমেরিকাদেশের প্রানান্ত্রা কন্কৰ্ম নামে নগাৰে মুদ্ধাৰ্থে কংকওলিন অকশক পুলুত কৰিয়ালে, তথান ই সকলের দাশাংথি বতকওলা সেনাপ্রের করিলেন, ঐ সেনামারাসময়ে কন্কর্দ দায়ে ন্যাব্ছইতে তিন ক্রোশ অনুর লেক্লিতন্নামঞ্জ ন্যার্সমীশে কৃতক্ওলিন ये आध्यविकामिन दिल्लंबरेमानात्र महिल, लाहांद्रामत मार्थाभकात हहेल, जोहारक के बिश्मिष्टेमत्नाइरएह अब॰ के ब्रोजनकीय रेमत्माइएएक @लिखांड़ी नेवसूड़ মানামারি ছইল ; ডাছাডে প্ররানাক্ষেদ্দের আট অব লোক মারা পড়িল, এবং কতক্তিনিদ ছাইল হইল. পরে এ রাজপক্ষীয় দৈন্য অবাবিত হইয়া ক্রুকর্ম লগারপর্যাত চলিয়া গোল, দেই স্থানে ইেছিয়া তাহারা ঐ যুদ্ধের অজ্ঞাত্রপুভৃতি नधं कृतिल. भारत माने कानहरेरा भुजातियनकारल, में वाजभक्तीय रेमानावापक ভলর পরনাশক্রেদের এক বৃহদ্দল চচ়াও করিল, এবং মার্থ ঐ রাজ্ঞপদ্যীয় সৈদ্যেরা বন্তন্ত্রক নরারে দা পইছিলে, তাবৎ ওাছার্দের বহুৎপাত জন্মাইতে ঐ মুক্তবিষয়ে রাজপদীয় দৈনোরদের দুই শত তেহাতর জন ঘাইল এবং বন্দী ছইন, তাছার মধ্যে ১৫ প্রমন্ত্রি জন মারা পড়িল; কিন্তু প্রধানা स्वत्राहर करल 8. ठल्लिन जन यात्। পड़िल, এव॰ ६. कूड़ि जन महिल इहेन.

লরে ঐ মুদ্ধের লংকাদ পৃথক্ষ পরনালায় ব্যাপিবামাতে, ভাবং পরনালাকেরা জন্মনুহন করিল; ভাষাতে ক্যিত আছে যে বিংশতি সহামু লংগ্রাক সৈলা একদা বন্ধান বেশ্বান করিল. পরে দেশলভারা মথান লেক্লিংভনের মুদ্ধের বিষয় এক কন্তন নারের অবরোধীবিষয় খনিল, তথান শুভনইংগ্লাভীয়েরা মাহ ছ করিয়াজিল ভ্রিথয়ে ভাষারা অভ্যান্ত্রাদ্যুক্ত হইল; এবং এই নিয়ন পুকার্ণ ক্রিল, যে বালাচালেং নায়ক নার্যক্রেরদের সহিত এবং ইংগ্লাভীয় রাজার দাছিত যে নির্ম্ম জিল, তাহা অদ্যাব্ধি ভগ্ন হইল. এবং তাহা ছাড়াও দেশ দাছোৱা অভিদ্যুক্শে নিবারণ ক্রিয়া কলিল, যে ভোমরা এনময়াব্ধি, ইংগ্লণ্ডীয় মুল্ল জাহাজস্থেদিকে এবং ফলন্ড দৈনোওদিককে থাদাসামনুভিগদি আরু যোগাইবা লা. পা ইংগ্লণ্ডীয় রাজশাসানের পুতি তাহারদের অভারাশুলা দর্শাওবার্থে, তাহারা তাংকর ঘর নিক্ষাত ক্রিয়া তাহাতে লোক নিযুক্ত ক্রিল; এবং ড্রাণ্ডিলিন বিদ্যালক্ষার, যিনি ইংগ্লণ্ডিক অভ্যাপমানপূর্ক বহিন্তত হই যাজিলেন, ভাহাকে ঐ ভাকছারের পূর্বান করিল. পারে জেনেরাল্ গ্রেড্ এই কথা গুটার ক্রিলেন, যে হান্কক্ এবং আদ্মুলামে দুই হাজিবিলা, যে যাজ্রা অল্রাক্তাগার ক্রিয়া পুনরায় ক্ষকার্য্যে পুনুত্ত হইবে, তাহারদের মান হইবে; ঐ আক্রোপে দেশসভারা তৎফলাৎ ঐ হাল্কক্ নামক ব্যক্তিকে দেশসভার প্রথ নপদে নিযুক্ত ক্রিলেন.

অপর ই॰প্লগুড়েরদের এব॰ তদবীন দেশক্ষের্দ্য লহিত যে বিরোধ, তাল জ্ঞান একপ অভিশয় বৃদ্ধিত ছট্ল, যে ছঠাৎ পুনর্বার ঐক্যকপে সংমিলিড ছএয়ার সোনো সম্ভারনা রহিল না; তাহাতে ওভয়পক্ষেরা পরেয়া এই ছনুমান করিল, যে অবশা আমারদের পুতি কোনো পলের', এমত মন্মাতিক আভাত ক্ষেত্রিয়ে যে ডাইাতে এক অন্যকে পরাজয় করিতে পারিষে; এবং মকান যে ঐকপ পর্য়র অনুভর করিয়া রহিয়াজিল, তাহাও বার্য হইন না ार हर्क बस्त् দ্যারাজংগাতী এক সংক্রি স্থানের ওপরে বঞ্চরি নামে এক ওয়ুখান (জন, এ ছানের ধন্ত দেশছেরা, জুনু মালের এক খাট ্রিরির মধ্যে অতিক্ঠিন এক পানী धाना वमहिल, अदर अञ्चाहे मृतिहा, जानाः मञ्हा , हाला ताला नूरवन হয় না এমত অভিক্ঠিন ১ফক্নপর্যাত ১৯ এক পুর্বার পুরুত করিল. প্রসানার দলত দৈনা, যাব লা লেই আনে থাকিলে, নগরের এবং নম্বরণাড়ীতে বিত জাহাতের অনেক হানি করিতে পারিত, ভাগা,দিলকে ঐ ভানচইতে বহি 'মত করনার্থে, তেলেরাল্ছাও :বং তেলেরাল্পিরতের বর্ত্বাধীন দুই ছাজার দৈন্য প্রেটিত হবল. পরে চচ্চাওকার্ত্তির অভিযোরতর তোপ্জেপনপূর্বক মুখা রয় ক[: ল ; তাহাতে চুর্হইতে এব॰ জাহাজহইতে এব॰ জলগমোচী ৷ইতে এব∾ বস্তুলার কার্যার বিকরের চ্চাট্টতে অভিযোরতর মুখারের হইল; এবন ক্যিত আছে যে এপ্রেনান্ত্রা, ঐ অভিযোরতর ভোপ্যেপন, এইকপ অভিনাহন এব॰ দ্চুটিভভাপূর্বক সহা করিল, যে অভিগ্রীৰপুটিনিয়োভা ছইলেওভাঁহার भवतानाच रिमानावा, गौरव जालावापव ভ্রেষয়ে অতিশয় সমূর হইত. দুর্নিমীপরতী না হইল, রাজপক্ষ দৈনোরা তারণ এক তোপও মারিল না, কিন্তু দিকটবন্ত্রী হইবামাত্রেতে ভারারা মূলারম্ভ করিয়া, এমত ঘোরতর ডোপ চালাইতে লাগিল, যে ইংগ্লভীয় সৈনোরা ভগ্নশুলী হইল, তাহাতে ইংগ্লভীয় অভিনাহনিক কডকগুলিন দেনাগতি মারা পড়িল. পরে ইংগ্লভায় সৈনোরা, ভংফলাৎ পুনবাবভিত হইয়া, বন্দুকে লাগগৈন চছাইয়া অভ্যতবি নন্দাদপূর্বক পুনুমুদ্ধ করিতে লাগিল, এবং শতুরদের দুর্গের পূত্যাশাভ্যা করিল, ভাহাতে পর গানান্দের। অভ্যতান ত্যাগা করিয়া, মহালাপে পার হইয়া গেল. কিছ দে মাহা হঙক, অভিশায়বিনায় এবং মনুম্যাদিনাশপূর্বক ঐ অঘপু ও হইয়াজিল, যেহেতুক ইংগ্লভীয়েরদের পুায় অভ্যক দৈন্য মারা প্রিয়াজিল কিলা ঘাইল হইয়াজিল; ঐ মুদ্ধ ইংগ্লভীয়েরদের সোমান্দ্রীয়া, এক হাজার চৌয়ার জিল.

এ যুক্তে মূত্রবেজানুসারে সাবিরন সৈন্যাপেন্না অবিক দেশপিত মারা পড়িল. তাহার এই কারন ক্মিত আছে; যে এ যুক্তে আমেরিকা দেশী যেরা, কতকগুলিন সৈন্যেরদিগকে এমত শিক্ষা করাইগাছিল, যে তাহারা বীরেছ বন্দুকে লক্ষ্য ক্রিয়া শানুরদিগকে মারিত, এবং এ দেনারদের নিমেতে নুতন এক পুকার বন্দুক নির্মাণ ক্রিয়াছিল, যদ্ধারা আন্য বন্দুকাপেন্না গুলি অতিক্ষত্তর এবং সরলগতি ক্রিড. ঐকপে ইংগ্লেডিয়েরদের দেনাপ্তিরা এ বন্দুক্রীরি ছারা ঘ্রঘ্ন মার, পড়িত, মুম্ব প্রচা বু হাপিরি ব্যাবের শ্র্ছারা নিশ্চয় বিভ হয়.

ঐ মুক্তে আমেটিকা দেশীয়েরা যে ঐ পুকার আঁচরন করিল, তাঁচা সূজাপদার্থে আমিরিদের ইয়া কথলোপযুক্ত, যে ঐ যুদ্ধের তারৎসময়ে আমেরিকাদেশীয়ের। ইংগ্লণ্ডী: সামান্যসেনালেকা, ইংগ্লণ্ডীয় সেনাপ্তিরদের পুতি অধিক জোধাৰিত জিল ; ডাহার এই কারণ অনুমান হয়, যে আমেরিকীয়েরা ভাবিত, যে ঐ গুল্ব ইংগ্লাণ্ডীয়েরদের দামান্যলোকের অবিকাংশের অত্যানিমাল্লদ চিলে, কিন্তু মহাকুলোদ্র রাজ্যন্থ পুরান্থ লোককর্তক ভাষা পুতিপালিত ছইগাছিল ; মে হেতুক ঐ পুকার পুরীনং মাজি রদের মঠাংইতে দেশপতি লকল নিগুক হইয়া জিলা তাহা জাতাও, আমেরিকাদেশীয়েরা, ইণ্মাণ্ডীয় সেনাপভির্দিগকে, যে ঐ কপ বাজিয়াং মারিড; ডাহার আর এক কারণ হইতে পারে, যে ঐকপ মারিলে নামান্যমেনার্দিওকৈ দহজকাপ ৰূপক করিয়া লইতে পারিত; তাহাতে ঐ উৎপ্লপ্তীয় সামান্যসেনারা যদ্যপি তৎক্ষনে আমেরিকাদেশীয় সেনার্দ্নিগ্রের সহিত ্মিলিয়া মূল্জ নিময়ে পুরুষ না হয়, তথাপি ভাছারদিলের আমেরিকা দেশেতে ধন্তি করাওনদারা ৰদেশ অভিপরাক্রমশালী সইতে পারে । তাসাতে ৰরাচার পু**তি** বিশ্বস্তুতা এবং **স্থাদেশের পুতি জত্যত স্নেহ**ত্যতিরিক্ত জন্য কোনো বিষয় উণ্প্লভীয় সৈন্যের্দের, আমেরিকীয় পদহওয়ার দিবারন করিতে পারিল লা: যেছেভুক যেই লাভাশা ই প্লখায় সৈল্যেরদিগকে দর্শান নিয়াজিল, তাহা ততি শয় ডিল

এ সময়ে নৃত্নই প্লভীয়েরদের মধ্যে একপ সাহস্কৃতিজন্যে, এ মুন্ধায়ে জবি বিষয়ে অবিক ওদ্যোগপুকাশার্থে, দেশসভার যে চালিত হইয়াছিল তাহা জতি নিশ্চয়; যেহেতুক এ কালের কিছু পূর্ত্ব এ দেশসভারা, দৈনা সমারেছি করিয়া তাহার্গদিগকে মাহিজানা দিতে আজা করিয়াছিলেন. এ সময়ে এ নুত্তনই প্লভীয়েরা আপনারদের অভিয়ত পুকাশ করিয়া, অন্ত্রহলের কারন পুকাশ করিয়া কহিল, যে আমরা যে জন্যা পুত্র হই গজি, তাহার পুতিলেন যাবন না দি, এবং ই প্লভীয় পার্লিয়েলসভারা যে আজা নির্গত করেই গুলির কারার দাবন বা দি, এবং ই প্লভীয় পার্লিয়েলসভারা যে আজা নির্গত করেই গ্লাহার মাবন জন্যা তাহারা না করে, তাবন অল্ভাগি করিব না জপর এ দেশসভারা, বাসিং তন্নামক ব্যক্তিকে, বর্জনীয়া নগরের পুতিনিবিপদে এবং আয়েরিকা দেশীয় তাবন দেশবাক্রপদে নিমুক্ত করিবেন.

বিদ্ধান্ত করিয়া ছিওক, ঐ ন্যায়ে আমেরিকা দেশীয়েরা, যে ইংগ্লপ্তীয় পুতুর্মইতৈ আপদার্দিরকৈ পৃথক করনের বাঞ্চা করে নাই, ইহা জ্ঞাপদার্থে, ভাষারা মহাবিটিননিবানিরদের পুতি, এক আইর্লপ্তনিবানিরদের পুতি এক পুরার, এক বিটিনের রাজার নিকটে এক দর্থান্ত লিথিয়া কছিল, যে আমার দের শুড ছওনের কাঞা নাই; এক ইংগ্লপ্তায়েরদের লহিত আমারদের যে বিছেদ সইয়াজে ওলিময়ে যথার্থকিলে ঐক্য করিতে ঘাদ্শী বাঞা তাদ্শী আমারদের যে বিছেদ সইয়াজে ওলিময়ে যথার্থকিলে ঐক্য করিতে ঘাদ্শী বাঞা তাদ্শী আমারদের যে বান্ত আব কোনো বাঞা নাই তালাত অনেকে এই অনুভব মইল যে ঐ সময়ে মনোযোগ করিলে, আমেরিকা দেশভারদিরের পরিভোমকারি এক ইংগ্লপ্তা গ্রেদের সন্ত্র্যজনক অথচ ছিতকানি ঐক্য সইতে পারিত; এক ঐ কালে ঐকার্যে সিভার্থে ইংগ্লপ্তকোর, সভোরদের নিকটে অনেক বাক্য লিথিয়া প্লেরন করিয়াজিল, কিছ দেন কল বৃদ্ধ হল্ল

অপর ঐ নময়ে অনুমান হয়, যে ইংগ্লাণ্ডীয় লভ্যেনা, অন্ধ্রন্থভারা আমেরি ফার ভাবদেশ অহন্তগত করিবে, এই মহাভিলাঘেতে নিমন্ন জিল; কিন্ধ ঐ দেশ যে ঐ নময়ে ছন্তগত হয়, তাহা কেবল অসাবীবিষয় জিল না, পূর্বেও অসাবী জিল. যেহেতুক ঐ দেশ হন্তগতকর নবিষয়ে মদাপি দেনময়ে সাবীবিষয় হইত, তবেও তাহা ইংগ্লাণ্ডাবীনজকপে ব্যাকরেবে যে অর্থব্য হইত, তাহা তদুৎপত্তি হইতে অবিক হইত; কেননা যেহ দেশ দৈন্যকর্ত্ক র্ষিত না হইলে ব্যাক্ত হতিত পারে না, তাহা অহন্তগতকর আনুতিত. কিন্তু সে যাহা হছক, ঐ সময়েইংগ্লাণ্ডারা, ভুমেতে এমত ভুগি হইয়াজিল, যে পেলনামক ব্যক্তি, যিবি আামেরিকা দেশেতে সর্বাপেক্ষা বিন্থান ও গুনবান এবং জানবান লোক জিলেন, তাহার স্কুলবাদ পাইলেও অচকু থোলালে অসমর্থ হইল. ঐ পেলনামক ব্যক্তি, তাহার স্কুলবাদ পাইলেও অচকু থোলালে অসমর্থ হইল. ঐ পেলনামক ব্যক্তি,

প্রকালীয় অভিথ্যাভ্যাপর, এবং পেন্সিল্বেনিয়া নায়ে শছর আপনকর্তা পেন নামক এক মহাত্যক্তির বংশজাত জিলেন. এ পের এ পেনসিল্তেনিয়া প্রগদার পুরীন ভ্যায়ক জিলেন, তিনি আমেরিকা দেশায় দেশসভাহইতে ইংগ্লাডীয় হাজার নিকটে আমেটিকীয়েরদের দ্রথান্ত আনিয়াজিলেন, অপর ঐ ব্যক্তি পুজাল পুতিদিত্তি সন্তাৰপুৰু জিজানিত হইয়া জিলেন; তাহাতে ঐ ব্যক্তির তারদাকোতে এই এক ষ্টিমের পুষার হইন, যে ঐ কালপর্যান্ত, কোনো ইংগ্লন্ডাবান আমে বিকাদেশনিবাসীরা, আপনারদিগতে পৃথক্ছ করিয়া স্বাধীন রাজ্য করিতে মনেও করে চাই; কিন্তু বর্ণ ইণ্প্লভীয় দেশদেরদের সহিত আমেরিকীয়েরদের যে বিয়েদ ভিষ্কিয়ের যেন কোনো পুকা র যথার্থস্বলে ঐক্য হাণ, এই বিষয়ে অভ্যতাকান্ত্রী চিলে. ভাগতে ঐবাজি কহিলের, যে ঐক্যবিষ্টানভার্যে আমেরিকাদেশতে দের যে এই পূর্যনায় বিষয় তার যদ্যানি রুদ হয়, তবে আমেরিকা দেশতেরা অবশ্য অন্যথ দেশীয় রাজগণের স্থিত মিলিয়া ঐক্য করিবে, ইছার আনেক সম্বাৰণা আছে, এবং ঐকপ একবার যদি ঐক্য হয়, তবে যাটিডি ডাগা হল চইতে পারি বেক না ঐ পেরনামক ব্যক্তির ঐ লংধাদে, ইণ্প্লভীংসভোরণ, বেশিনপুকারে মনো যোগদা করিয়া আমেরিকা দেশীয়েরদের দুর্ঘনাবিষয়ে কৃছিল, যে তাহার **क्यांता** ४७१ (त.३म्। यो रेखक ना.

অপরুষ্ঠ ঐরূপ লাম্প্রার এবং নিম্মনীয় আচাবেতে, আমেরিকা দেশফেরদের মনে যে দুঃথ ১২পন্ন সইল, তাহা জনুভব করে। অভিনহজ ; যেহেভুক বঞ্চর নামক টিকরের মুদ্ধেতে আমেরিকা দেশব্দেরা, যে বীর্ত্তপুকাশ করিয়াজিল, তাহাতে ভাছারা পুদুল্লডিও হইয়া পুথমতঃ আঝ্যনজ্ঞ ছইতে লাগিল. হওক, ইহা অভিসতা, যে ঐ দর্ভ গ্যাজনক বিদ্ধেদের তারংসময়ে ইণ্প্লাপীয় সভ্যেরা আনে হিক। দেশীয়েরদের পুতি অভিত্রজানপূর্বক ইহা অনুভব করি । জিল, যে আমেরিকা দেশ एक एक गूर्का पराधिकात नाहे, এবং ভারা থাকিলেও गूक করনোপাছের পুরিচুর্য্য নাই. অপর এ সময়ে সকলকর্তৃক ইহা অনুমেয় হইটা জিল, যে ইংগ্লভ দেশের এবং তদধীন আমেরিকা দেশের বিছেম, মুদ্ধব্যতি রেকে নিবৃত্তি পাইতে পারিড, কিন্তু ঐ অবকাশ অবীত হওয়াতে, ঐ বিষয় তৎ क्रांलाट्य मझनकता अारी इहेग्रां जिल.

অপর আমেরিকা দেশফেরা, আপনারদের সংমিলিত প্রথনায় থাকিয়া, পরের নহিত যুক্ত করিতে কেবল ক্ষাত জিল না, আন্যের অবিকারেও যাইলা যুদ্ধ করিতে লারিল, তাহাতে নৃত্রনৃংশ্বপ্ত একে নৃত্নয়র্কনামক নর্যুক্ত কতকগুলিন বিশেষ रिमानाता, (जातताल मठतमत्री अवः (जातताल आर्नालत कर्ज्यावीन रहेगा, কানাদা দেশে চল্ও করিয়া চাম্রী এবং জান্নামক গছ এবং মহীল্নাবে

দারর হস্তগত করিল। কিলুপেরে ঐ দৈন্যেরা ছিবেক্ নামে শানুর হঠাৎ অবক্ষ করিয়া অহস্তগত করিতে চেস্টা ক্রিয়াজিল, কিন্তু ঐ চচ্চতক্র বিষয়ে, মত রাম্প্রিয়াক দেবপারিতি মারা প্রাতি, এবং আর্লিন্নামক ক্রি আঘারপুঞ্জ হওয়াতে, ঐ নাক বিষয়ে তাহারান সমা দিতে স্ইল; কিলুপরে ইংগ্লিড দেশ্যক্তে অনেক নৈত্য প্রতিলে, আন্মেরিকা আহত্যেরদের ঐ প্রত্বা নকল ভাগর ক্রিতে স্টল.

किन भ मकल गांदा इथक, ये नगरम वसन् नास नतात है नी शिराय पर भकत है। ना दिल, ও।হারদের অটি দুর্দৌ: হর্গতে লানিল। যে হতুল জেনেরা**ল হাও** गिनि में टेम्स्टात कर्नु बिन्धास, राजस्यकृष्टि राज्यत । उट्टीनिकाही शहेगा जिल्लान, তিৰি অভিনাহনিক এবং অভিযুদ্ধ্য এবং ওপায়পণ্ডিবেৰ, কিছ ঐ ন্যায়ে ঐ ছাৰে ভাপনা ক অপা, হু জানিবেন - ভাহার কা.ৰ এই, আংমনিকা দেশীয় মহান্ত্রণে ঘেমন উচিার লোকে পরে ঘাতায়াত করিণ, ত্রিময়ে নিবারিত হইলে, সেই স্থানগৰতে উল্লাক প্রাধ্যানালগুলি প্রাপ্তির কলেল। সম্প্রাকনা জিল লা ; এবং ইংগ্লন্তে চেই থাদ্যসাম্ কি আগাজ আমিড, সে নকল জড়িশলৈংশলৈ পল ক্তে লাগিলে, এবং তাহার্দের মধ্যেও আনে ক শত্হান্ত পড়িন. का का । यदि कति, उटर अर न 'टर (य दैनना कर । जाहांद्रा (कावन नग्न किक ন্তার্ডের 🗀 ভল্লী 🕫 ইচা পু'য় মর্লালির হউতে কালিল, পারে ঐ সকল দুর্শা বছলার্যে আংমেরিকা দেশায়েরণ, তন্ত্রা, নিকটস্থ টিকরের ওপর শীতকালে যোচা বারিয়া, ্রীমকালে ঐ নগারের পুতি অভিকাঠোরতর ভোপ চালাইতে লাগিলে. অভ্নের ঐ গলেক দৈলোকা, একদা ভগাহীনতাতে এবং মুভবিলুছেতে বাব্তজনে অভিদুদ্ধানু ও চইয়া, এবং ঐ ৪৬য় বিষয়ের কোনো এক বিষয় নিৰারনকরনে অসম স্ট্রা, ডাসারা দেখিল যে গ্রু আগা করিয়া আমারদের গ্যন করিডেই इहेरत. प्राच्या रेमरानावा, भवा नडावार राष्ट्र (तार्क मे रेमरानावापत पृश्या मह ভাগ্যিত্তৰে সময়ত, তাহারা জাহাজত হইটা, বন্ধু লগ্ৰহইতে পাইল তুলিয়া অভিনীযু নাবাকে ভিয়াভগালী হাতিটাল নাবে পঁছচিলে। ঐ জেনেরাল ছাও ঐ দ্যার ইতে নির্গত চইলে তৎস্থাৎ তোলেরাল বাদিৎতদ তাহা স্থারিকার করিয়া, কওকওলিন শিল্পকারির সাহায্যমারা ঐ শহরের গাড় এমন কঠিনাকার ক্তিয়াজিলেন, যে বাহাতে পুরিষ্ট হওয়া অভ্যনাথ্য হইল.

অপর পুরি ঐ সময়ে, দফিন কার্র নিং নামে দেশের চাল্রে নামে রাজধানী নর্গর হস্তর্গত করিতে, ইণ্প্লিড মেশে এক স্হদুদ্যোর সইনাজিল তাশতে জা স্কেক্ষেদের মালাঘারা আমর্গ ভাত হইয়াতি, যে ঐ যুদ্ধাদ্যোরে ইংগ্লাইয়ের

যেমদ পরেতে আমেরিকা দেশের অতর্বিষয়ে অজাত চিলে, তেমদিও ঐ দময়ে আমেরিকা দেশীয় ডটের এবং নগরবাড়ীর এবং থালের বিষয়েও অজাত জিল. ঐ জাহাজদম্ভের কর্ত্বভার পিতর পাক্র নামে দেনাপ্তিতে, এবং স্থলস্থ সৈনোরদের কর্তৃত্বভার জেনেরাল ক্লিওতন্নামক সেনাপতিতে অর্পিড ছিল ; -এবং দৈন্য সমন্ত দীর্ঘোপদ্বীপনামক এক স্থানে জাহাজহইতে ৬তার্ন इड्रेग़िल्ल, ने अभ्योग मलियान मार्ग्य अभ्योगश्रहेरउ (करन नक क्रांडे ফাঁড়ি, যাহাতে ক্যিত ছিল যে বড়ভাটার স্বয়ে কেবল এক হাত জল ঐ অসপতসংবাদশুবনানুদারে, ইংগ্লণ্ডীয় সেবা থাকে, ডফারা ভিন্ন ছিল. **পতি जरूल, আপুশারদের ভাবৎ ইভিক্ত**রাত র ওপায় নিকপত করিয়াজিল, তাহাতে যেমদ সকলে অনুভব করিয়াজিল তেমনি হইয়াজিল ; যেগেতুক ই প্লাঞীয় আহাজসমূহ, যে সহসা নগৰু নিকটবড়া না হয়, একারন তৎপথ আৰ্ডজ ক্রনার্থে, শত্রা 🕈 শলিবান্ নামক ওপছীলেতে ঘোরতর ছতিকঠিনহ মোর্চা বাঁরিয়াজিল. ঐ স্থানে ঐ আদ্মিরাল্ অভিসাধসপূর্বক চছাও করিলেন, কিন্দুখন সেনারা ঐ আদ্বিরালের ওদ্যোগবিষয়ে সাহায্যকর্নার্থে এক ওপদীপহইতে অন্য ওপ बील याइयात कक्षा कविष्ठ लाजिल, उथान जाहाता (मिथाल या ने पाँडिए व्ययन হ্মিত ভেমন কেনল এক হাত জল নয়, কিন্তু সাত হাত জল জিন; ভাহাতে ঐ আদ্যিরাল্দশ ঘটাপর্যাত মুল করিয়া, অনেক পুরাদদেনা এবং দেনাপতি হারিত হইয়া, এক যুদ্ধভাহাত শতুর হলে যেন না পড়ে এনিমিতে তাহ: দক্ষ ক্রিয়া তদ্রহিত হইয়া, অবশেষে ঐ স্থানাক্রমণ অসাব্যি, এই ক্যা ক্রিয়া ঐ যুদ্ধার করিলেন.

অপর ঐ মুদ্ধবিষয়ে অসাদেলহওয়ার দাবাদ এবং তৎকারন, ইংগ্লিডদেশে পিছ
কিবাতে, তাহা সভ্যকর্তৃক অভিতান্তল্যপূর্ত্তক গৃহীত হইয়াকিল. তাহার
কারন এই, ইংগ্লিটা দভ্যেরা এবং দেশন্ত্রেদের অনেকে, ঐ সময় রাজ্যের
সম্ম্রবিষয়ে এবং ত্তিত্বিষয়ে অমনোযোগী হইয়া চেম্বারহিত হইতে লাগিল.
এবং পুায় সমস্ত রাজ্যন্ত্রো, ঐ মুদ্ধবিষয়ে এইকপ অনুমান করিতে লাগিল, স্থে
ঐ মুদ্ধে যেকপ অভিসদল হইলেও সম্ভ্রম নাই, তক্ষণ অসাদল হওনেও বড়একটা
অপমান নাই; তাহাতে অন্যদেশীয় কোনো শাহুর সহিত মুদ্ধকরনেতে হানি
পুাপ্ত হইলে যেকপে দেশন্ত্রো বেষেতে পরিপূর্ল হইত, এবং ডলানির আদিকার
কেরদের ওপর সকলের কোবি আগত হইত, তাহা বা হইয়া এখন অভ্যন্ত্র এবং
অগ্রেন্টায় বিষয়ন্ত্রণ মান্য হইল.

অপর আবেরিকা জাতীয়া, ঐ সময়ে ভাবিতে লাগিল, যে ইণ্প্লভীয়েরদের লহিত আমারদিগের যে বিহেদ, ভাষা এনত মন্তিত হইয়াকে, যে আমারদিগের দৃচতর ঐক্য আর কথানো হইতে পারিবেক না; এবং তাহারা আরো ভাবিল, যে মাবং আমরা আপনার্দিরকে ইংগ্লভাবীন করিয়া মানি, তাবং দার্হ পৃথিবীক্ষেরা ইহা অনুমান করিবে, যে আমরা আপন যাখার্থিকথামির সহিত মুদ্ধ করিতেতি, তাহাতে আমরা রাজদ্রোহকথকল মান্য হইব. অতএব ঐ সময়ে ঐ সকল ভাষাভাবনাতে চানিত চইয়া, আমার্দের খেছারীনপুভুত, অভিগ্রাভাগান এই বাক্য পুকাশ করিল. ঐ বাক্যে ভাহারা মহাব্রিভিনের পুভূত্ব রুদ্ধ করিয়া, আপ নার্দিরকে সাহাবিক শেষ্ডাব্রিক পুভূত্বতে নিমুদ্ধ করিল.

অপর জেনেরাল্ হাও, যিনি ঐ সময়ে হাতিয়াক্ল নারেতে জিলেন, তিনি বছদিন নিম্নুমা রহিলেন না; যেহেতুক তিনি ঐ স্থানহইতে জাহাজে চড়িয়া পাইল তুলিয়া ডিওয়র্কনামক নার্নমাণে পইজিলেন. পরে সেই স্থানে লার্দ্ধ হাওনামক তাঁহার ভ্রাতা, অনেক জাহাজসমূহ এক ছৎসাহাম্যকারী অনেক সেনা সম্বিয়াহারে সাং িলিও হইলেন; তাহাতে ঐ জেনেরাল্ হাও, পুথমতঃ দীঘোপদ্বিশামক প্রপদ্বিগহইতে শুতুর্বিরকে তাড়াইকেপ্র, নিওয়র্কনামক শহরহইতেও ভাহারদিরকৈ তাড়াইয়া দিলেন. কিজু পরে শতুরা যে স্থানে কঠি চিল রাজ্যাই খুনিয়া রাখিয়াব্রিনা, সেই স্থানে নিওয়র্কনামক প্রদির প্রভিত্তা তিও কিং স্কুজ্নামক স্থানহইতে আমেরিকীয়ের্দিরকে প্রচাইয়া দিল; ভ্রাত্তা তিও কিং স্কুজ্নামক স্থানহইতে আমেরিকীয়ের্দিরকে প্রচাইয়া দিল; ভ্রাত্তা তিও কিং স্কুজ্নামক স্থানহইতে আমেরিকীয়ের্দিরকে প্রচাইয়া দিল; ভ্রাত্তা ক্রিয়া নামে স্থানস্থিতি শতু দিরকে তাড়াইয়া লইয়া রোল, সে স্থানে ভাহার্দিরের সহিত অল্পক্ষাকি যুক্ত হইয়াজিল. কিছু পরে শতুরুদের সহিত ঘার্ত্তর সংগ্রাম কর্যাওন অপারক হইয়া, ঐ জেনেরাল্ হাও নিওয়র্ক নামক নারের পুত্রার্মন করিয়া, সে স্থানে শ্রির করিয়া রহিলেন.

অপর ঐ সময়ে ক্যিও জিল, যে আমেরিকা দেশসভারদের রাজকীয় তাবে ক্র্যা, অভিদুর্নপান্থিত ছইতে জিল; যেহেতুক আয়েরিকাদেশীয় নৈনোরা, কেবল নিকপিত কথক বংশরে কার্যা নিযুক্ত ছইয়াজিল, তাহাতে ঐ নিকপিত সময় সন্থান ছইবাতে, আমেরিকাদেশীয় পাক্টবিংশতি সহস্তুসংখ্যক সৈন্য, ওওরোজর হাস পাইবাতে, গোষে কেবল তিন হাজার অবনিধ্নিলৈ কিছ, দে সকল মহা ছঙক, কিছু কালপরে আমেরিকাদেশীয় সাহস্বর্জনকারী, এবং ইংগ্লথীয় সেন্যেরদের সাহস্টেশ্যিল্যকারী যে দুই বৃহদাঘাত, জেনেরাল্ বানিংত্রন্থিয়া জিলেন, তদ্ধারা অনুযান হয় যে পুনিলবাকাগানুসারে আমেরিকাদেশে নৈন্য এত ন্যুনসংখ্যক হয় নাই অপর দিসেম্বর মান্যের ২৫ পটিশা তারিখে রাজ্যক্ষানে, ঐ জেনেরাল্ বানিংত্রন্তন্তি ভূষিক ছইয়া দেল্বের নাবে নদী শার হইয়া, জেনন্নামক স্থানে আঙ্গনিত্ব অভিতৃষ্ঠিক ছইয়া দেল্বের নাবে নদী শার হইয়া, জেনন্নামক স্থানে আঙ্গনিত্ব ক্ষকহণ্ডলিন ছেনিয়ান্ডাতীয় লৈ ন্যেদের হণ্য হেন্থি ভ্রহণ, তাহার্নিনের সমু শত আঠার জনকে বন্যী স্থাব্যা

কাইয়া নেলেন. কথক দিবল পরে, ঐ বালি তল্ পুনর্রার ঐ লদী পার ছইয়া, করেল্ মান্দ্রশাক দেনাপতির কর্তৃত্বাধীন কথক গুলিন ইণ্প্লভায় দৈন্যেরদের ধণর অধন্যাথ পতিয়া, শকুর দর অধিকাণল মারিয়া দেলিলেন, কিয়া বন্ধ করিয়া লইয়া গেলেন. ঐ জেনেরাল্ বালিণ্ডনের ঐ পুকার লাদ্রা, বন্ধ দৈন্য জন্যে হইল না, কিছ তিনি যে ঐ দেশের সমন্ত জ্বানবিষয়াভিত্ত জিলেন তথ পুদুজ লাদ্রল্য হইয়াজিল : তথাপিও ঐ দেশেরিয়াভিত্ত ব্যুত্ত জেনেরাল্ বালিণ্ডনের যে ঐ পুকার লাদ্রল্য হইয়াজিল, তাহা আ্যার্থিগ্রে ইণ্প্লভায় লভ্যেরা এবং দেনাপ্তিরা জনুমানত করিল না, এবং ঐ যুক্ত যে নিশ্র হয় ইহাতে জনুমান হয় যে তাহারদের কোনো প্রদায়েও জিল না.

क्यानंत व का समार्थे । यहा विकित्तंत विषय व विकास विकास বিষয়ে, দুঁটনিদেরা এবং স্লেন্ডাভীয়েরা অভিশয় ওদাদীন হইয়া রহিয়াজিল; কিছ দে যাহা হওক, ঐ দলয়ে ভাহার: এক কর্ম করিয়াজিল, ভাহাতে ব্রা রোল (य डांश्रंत के विषय अनिमीन नए. डांश करें, के प्रें। मिम्डा शिएता क्षेत्र स्मिप् खांडीरप्टा, আध्यितिकीय लुप्टेंब जांडांड जाननांत्रपत वन्तत जानिएड पियांकिल, এব॰ ই॰প্লগ্রায়েরদিগাহইতে যে হেহ্বল্যজালাজ তাহারা লুট করিং।ভিল, সে দকল জাহান্তও প্রাশকণে আপ্নার্দের দেশে বিক্রু করিভের্টি াছিল ; এবং ভোপু বাকদানি মূলসামগ্রীতাদিলার। আমেতিকা জাতীদেরদের সাহায্য করিয়া জিল; এবং দ্র্রাসিদ জাতীয় দেনাপতি এবং শিল্পকা পুত্তি, এত জোক পার इहेग आंत्रविकांपाल याहेगा जाहाविपातत रेमनामारी भूतिसं हहेगालिल, (य डांडांटड नेजुबापत युख्यिमात अव॰ बालव आत्नक वांचला कहेगां किल. त्म नगरम है। नित्मता अव॰ (मन्जां जीएका, मन्जमूबविधाम मूख जाहां ज हे जादि এমত বর্ষিত করাইতেমিল, যে তাহাতে অল্পবিদ্যায়িত ব্যক্তিরাও, অভাবায়াদে অনুমান করিতে পারিল, যে ঐ ওভয় দেশবেরা, ঐ কালপর্যাত যে জ্লাবেশবারন করিয়াজিল, তাহা পরিতাার করিয়া আমেরিকা জাতীংদের সভিত মিলিবে. কিব এ সকল অনুভবেতেও ইংগ্লন্ডীয় সভোৱা কিজ্ মনোযোগ করিল না, বরুঞ্চ তুত্র করিয়া কহিল, যে দে দকল অনুভৱ ওরাতরাজমন্ত্রিদের স্বাধার.

আমরা পুর্বে কহিয়াতি, যে বর্তমান রাজা, যে সময়ে নিং হাসনত্ত হইয়াতিলেন, সে সময়ে রাজপদত্তেদের শরুত নিমিত্তে, রাজাকে ১৪০০০০ চৌমন্ত্রি লফ টাকা বার্মিক করিয়া দেওয়া রিয়াতিল; কিছ এটাকা একালপর্যাত পদত্তেরদের নিমিতে অকুলান হইয়াতিলে. অতথ্য একালীন পদত্তেরদের বাঁকী শরুত শোরিনার্যে, দল লক্ষ টাকা দেওয়া রিয়াতিলে, এবং তদ্মতিরিক ৮০০০০ আট লক্ষ টাকা অবিক করিয়া, সর্বসূলা ৭২০০০০ বাহাত্তর লক্ষ টাকা দেওয়া রোল; তাহাতে এইফবে ইংগ্ল

थीए वांका, भगरम्बाम्ब श्वारार्थ, १६०००० राहांबद लक्ष होका वांचिक भाग. म मगरम मे विषय, कांनर मालाइरावत अनिलांध किर मुकाइ जिल, जांदा সর দ্লিচর নর্তনামক পুজাপুতিনিবিসভোরদের বজা, যে পুস্তাব রাজনিকটে করিলা, সভ্যেরদের অনুমতি 🗗 রাজাকে জানাইয়াজিলেন, ভাহাতে অনায়ালে (क्नन) त्म मयः प्र जिनि वर्षात्क कहिलन, त्य (यमगर्व माडाद দের মদোনীতকর্তারা অসহনীয় ভারেতে অতিভারপুত হইয়াছিল, দেই সময়ে রাজার পুতি আঅস্নেহদশাওনার্যে, তে'মার অতিবিশ্বত সভ্যেরা আপনকাকে এক যথেস্থার্থ দাব করিয়াছেব. অপর আরো কছিলেব, যে আবদকার সভোরা, (करल अथन रङ्गर्थ एन नाष्ट्रे, किन शृह्यां खराबशाहान् मार्व **खरिक** प्रियास्तिन, এবা আপনকার আবশ্যকবায়হইতেও অধিক বার্ষিক করিয়া দিয়াকেন. এ লকল করিয়াছেন কিনিয়িতে, না যেন সভ্যেরা, যাহা অভিজ্ঞেছাপূর্বক দিয়া চেন, তাহা যে যহারাজ আপনি জানপুর্ক বায় করেন. 🗳 অভিবৃহদর্য অর্থাৎ এ ৭১ • • • • বাছাত্তর লক্ষ বার্ষিক টাকা, রাজপদক্রেদের কুলায় চি লা, তাছা রাজনিকটন্দ ভূত্য এব॰ বনিকেরা, অন্য লোকাপেক্ষা অবিক জানিতে পারিবেন. কিন্ধ রাজার প্রান্থ ভ্তোরা, মাহারদের হন্ত্যাত হইয়া 🗗 দকল অর্থবায় ছয়, তাহার। যে ৰয়াজাতে ধলগুভ হইতে দিবেন, তাহা অনুযান হয় न। ; যে হেতৃক তালার্দিরোর স্বামির সম্রুমের পুতি এবং পুভূষের পুতি তালারদের মধ্যেষ্ট ষেহ অংশ্য আছে.

অপর ১৭৭৭ শতর্শত সার্ভাত্ত শালে, জুন্যালে জেনেরাল্ ছাও নামে সেনা পতি নিওয়র্জনামক পর্বনাত্ত পতি দেশেতে পুনরায় বার্মিক মুন্ধারম্ভ করিয়া, শতুর দিয়াকে জমাজয়পনক মুন্ধ করাইতে অভিশয় চেগ্রা পাইতে লাগিলেন. কিছ পূর্ববিভানুমারে ঐ জেনে, াল্ বানিণ্ডন্ অভিশয় কমপেটুভাপূর্বক এবং সামলতা পূর্বক জয়াজগমুল্জনিবানে করিলেন; তাছাতে ঐ জেনেরাল্ বানিণ্ডন্ পরে অভিমান করিলে আমেরিকা দেশায় মাবিয়াস্ নাছম থ্যাত্যাপর ছইয়াজিলেন, অপর ঐ জেনেরাল্ ছাও, মথান আমেরিকা দেশীয় ওত্তরাংশক প্রবানাতে শতুর দিগতে কোনো জলেতে এবং সুকাক্যমার। মুন্ধ করাইতে অপকা ছইলেন, তথান দিলিও পর্বানায় মুন্ধারার আজ্ঞান্যজাপনার্থে প্রামশ থির করিলেন, অতএব জেনেরাল ছাও মুইণত জাছাজে, আম্বানেশ সকলকে আরোহন কণাইয়া, মিলি দেল্দিয়া নামক নগরপুতি পাইল ওচাইয়া যাত্রা করিলেন; কিছ মথান ঐ শহরতি মুথাগামিনী দেল্বের নামী নদীর মোহানার নিকটে প্রতিলেন, তথান দেথিলেন, যে সম্বির মোহানা কার্ড্রাদিতে এযত অবকত জিল, যে ভাছার মধ্যে পুবেশ করে তীহার অভ্যানীয়ে, তাহাতে তিনি মেরিলাক প্রগানাক এই নামে ওদারা

ভাবে অনৈদ্যাবরোহন করাইয়া বাজা করিতে জিলেন, ইতিমধ্যে ব্রাঞ্জীনুরা নাম্মী নদীর তীরে পুনর্বার ঐ জেনেরাল্ বাদিৎতবের সহিত সাক্ষাৎকার এ জেনেরাল বাসিংতন্ ঐ সময়ে শতুহতহেইতে ফিলাদেন্ফিয়ানামক লগারর ফাকরনে অত্যাকাষ্ট্রী হইয়া, পর্বরীতাশুলারে কার্য্য না করিয়া, তৎক্ষরাৎ মুক্ত করিতে নিশ্চয় করিলেন. অতএব ঐ সৈল্যের ওভয়দল তৎক্ষণাৎ মৃদ্ধার্ত্ত স্করিল, এবং পুস্তাভাববি দৈক্ষাকালপর্য্যত অভিছোরতর সংগ্রাম করণাশতর. खारबहिकीय रेमलाहा, देश्वाधीय मूचावन्दिक रेमलाहरपद निकादे शहि यो।नेम. भारत ने मुखबाता देश्लाखीय तांकरिमानाता, मानामानुखि हहेगा किनारता किया। नायक नत्रुवर्णात याहेगा, अनामारम जडाल्ल देमनाबाता जारा रखता कतिल ; धारक्क देश्राधीय रिनागरापर खरिकां भ मिलाएन चिगानायक महत्र्देउ जिम क्लाम जलत (कर्यान्नायक महाद क्लांडनी कृतिया दृश्यिक्ति,

অপর ঐ জেনেরাল্ বানিংতন্ ঐ ব্রাজীসুরানামক মুদ্ধতে পরাভ্ত হইলেও আন্তাত দুৰ্বল কিয়া অনাহনিক হন নাই; যেতেত্ক ভিনি অলুকালের সংগ্র আব্দানুর এবং মিত্রেরদের অননুভবনীয় এবং কঠিন অন্য এক মূভার্য করিল চিলেন. 🗳 মেদাপতি তেমান্নামক নগ্রুছতৈ মাতকোশ অভর্ভিত ভিল্লাস্ থাল বামে ছাবে আঙনী করিয়া, সেই ছাবে অবেক দেনাপুঙি চইয়া ছিলেন. অপর তিনি আজোবর মালের ১৩ তেরই তারিখে, রাজ্যবদানে জুঞ্জীভূত হইয়া মালা করিলা, পুভাতে তিৰ দত্তের সময়ে জেমান্ নামে নগরে ৬পিছিত হইলা, ই-প্লাণ্ডীয় রাজনৈল্যেরদের ৬পর এমত বেগে পড়িলেন, যে তাছারদের মধ্যে জড়ি किंड किछ काल शहर, है श्लेश रेमानाहा महाविद्य কোলাহল জ্বিল; ছইয়া, ওলিওয়া শত্রদের পুতি চচ়াও করিল, তাহাতে শতুরদের হঠিয়া ঘাওদের আৰশ্যক হইল ; কিন্ধ শতুরা হঠিয়া ঘাওনসময়ে এমত সুব্যবন্ধিতকপে গেল, যে তাহারা আপনারদের সকল তোপাদি সঙ্গে লইয়া গেল. ঐ মুভবিষয়ে ই প্ল ভীয় সৈন্যে দের পাঁচ শত ৰোক মার। পড়িল, তাহাতে অনুমান হয় যে তদ পেক্কা শত্রুবদের অধিক লোক মারা পড়িয়াজিল.

অপর 🗳 জেনেরাল্ হাও নদীর ভারেম্ব সমস্ত গড়পুভৃতির নাশকরনবিষয়ে 🖹 ম্ফালেক। তাঁহার অধিক দৈন্য নাশ হইয়াছিল; যেছেতুক শতুরা এ নদীঃ র্ডারে অনেক নড়ধাইপুত্তি পুস্তত করিয়া তদ্মারা ননরনিকটে জাহাজের আন ो (जानकाल हां अ ने तंड़ मकल मधककार्वार्ध (हमी अन्निदांद्रव कविधां किल. মানু জাতীয় অনেক দৈন্যপুরুত করিয়াজিকেন, ক্রিড ভাছারা অনেকে লম্ভ ছইয়া এবং আনেকে ফড নিক্ষত ছইয়া ঐ বিষয় পরিত্যার করিল, অপর ঐ সকল রড় পুভৃতি দম্ভ সাহহলে, শীতকালে ফিলাদেল্ফি গানামক নগারে ইংপ্লভীয় দৈনে। দের ডিচান অনাব্য হইবে, তজ্জন্য কৃষ্ণগুলিল জাহাজ বার্মার কিউনপ্রাক্
ধ্বার্য শহরস্মীপে লইয়া গ্রেলেন; ঐ জাহাজ প্রত্তিলে, গুড়স্থেরা তৎক্ষণাৎ
নির্ত্ত হইল. পরে কিনারার পার্শ্বহতি ঐ শহর আক্রমনার্যে মধ্যন আয়োজন
করা গ্রেল, তাহা দেখিয়া শত্রুরা ইন্তাপুর্বক গড়ভাগা করিল. কিব সে লক্ল
মাহা হওক, নদার মোহানায় ঐ সকল কাজভুলানি দুবা নির্গত হয় লাই, তাহাতে
কোনো মুদ্ধজাহাজ কিমা অভিভারি বোমাই বানিজ্যজাহাজ পুরিশ্ব হইতে
পারিল না.

অপর, রাজকীয় দৈন্য লকল, আমেরিকাদেশীয় দ্ছিৰপর্বনাতে যেকণ সাফল হট্যাজিল, তক্রপ নালল ৬ডর প্রগানায় হট্ডে পারে নাই. বিশেষ কৃতি, জেনেরাল বর্গয়এল্নামক দেনাপতি মিনি কানাদা দেশেতে আমেরিকা দেশীয় পুরাতননিবালিসহকারে দশ সহসু সেনার কর্তৃত্তার পাইয়া জলেন, ভিনি ঐ সৈন্য লইয়া নূতনই পুত নামে গ্রাত পর্রানায় চত্বাঙ করণে নিশ্চয় করিয়া, জর্জা এবং চাম্প্রেন্দামক হুর অবাবিচকপে পার হইয়া, ভিকন্দিরাগো নামে গড় হন্তগত করিলেন. কিন্তু পরে লারাভোগানামক স্থানে পর্যক্রিবাতে অনৈন্য সংখ্যাপেক্ষা অধিকসংখ্যাক, জেনেরাল্ গেজের এবং জেনে রাল্ আশলের কণ্ট্রাধীন দূতনই প্রণীয় কতকগুলিন নৈন্য অকলাং ঐ फिलाताल वर्शम्भातन रेमनारक ठड्डिल राम्धन कविया मुख कविएउ लोशिल. ভালাভে ঐ জেনেরাল্ বর্গাএন, অটেননামধ্যে অতিশয় হানিপুঙি ছইলেও শতুর দ্যতি দুইবার অভিশয় সাহসপূর্বক যুদ্ধ করিলেন, কিন্দু কিচুপুরে ভাঁহার শিবির শাজুকর্ত্তক অকল্মাণ্ড তেনিও ছওয়াতে, ঐ জেলেরাল্ বর্গায়এলের এবণ ভাঁহার সৈন্যেরদিগোর পরিক্রমদক্ষি করিতে হইল, 🛮 ঐ দক্ষিতে এই নিয়ম कहिरलन, या आंथांद्रमिशाक यमि वसन् नशरत लडेशा यांअ, अवशासा चान रनेरड प्रमातिहित पार्टेरड प्रथ, अस आपना ऋबाक निवृत्र कृतिया, ने जाद-ঘূলসময়ে আমেরিকা দেশেতে মূলনিষয়ে আর পুরিষ্ট হইব না.

অণার ঐ পূর্র ক্ষািত বিষয়ের কিন্তিৎ পূর্ণের, অমবস্থ দেশতে এক অভ্যান্টর্যা বিষয় ওপত্তিত ইইয়াজিল; তাহা এই, শ্রাযুত পিগত লামে মাজাজের বড়লাহের, বিল কেবল কোঞানির নিয়ামকেরদেব আজাপালনে মনোযোগী জিলেন, ভাহাতে তিনি ফৌন্লেলের পূর্বানং ব্যক্তিকর্তৃক বৃত ইইয়া বলী ইইয়াজিলেন. এবং পুমায়েতে তাহার শাত্রুর্মিগ্রের ফোর এমত বর্ভিত ইইয়াজিল, যে ভাহার প্রান রক্ষা পাওয়া ভার ইইয়াজিল. পরে যে বিষয়, তাহার শাত্রুরা সন্তিবেদনা পূর্বক বা হওক কিন্তা দ্যাপুর্বক বা হওক, কর্ত্বে অসমর্থ জিল, ভাহা তিনি অহজ দ্যান নরর ক্রিলেন. তাহিবরণ এই, ঐ ব্যক্তি মহাকুলোন্ত্রপুত্র, যেং আশ্রাদ

পুষ্ঠ হইয়াজিলেন, তাহা বৈত্য করিতে না পারিয়া, কিন্তিৎকাল পরে পাঁড়া পুষ্ঠ হইয়া মরিলেন, ঐ ব্যক্তির মরন অভিদুধ্যের বিষয় হইয়াজিল, যেহেতৃক্ত যেই যাজির। পুর্বদেশতে আআথে হেংবদসংগুহ করিয়াজিল, ভাষার দিগের মবৌ ঐ মহাকুলোন্ত্রন ব্যক্তি, অহ্যুত্তম এবং গুনাহিশিষ্ঠ জিলেন, এই ক্যাং আয়র। কাছারো মন্দ্র পুর্যনা না করিয়া, কহিতে পারি.

অপর যে দেশেতে তজ্বপদ্যি লোকের্দিনের প্রবার মূল থাকে, দেই দেশে পুরা গদের মধ্যে পুরা দর্ষণ এমত বাগুলভাব জন্মে, যে তাহারা কথানং এইমত অপরাব করে, যে অন্য সময়ে যদি তদিন্দ্রে শিথিল হইমা বিবেচনা করে, তবে তাহারা তহাতে অতিশয় শঙ্কাগুজ হয়. ঐ সময়ে জেমু আৎ কিন্ নামক কিছু জান্ চিত্রকর নামে পুলিল একবাজি জিল, ঐ ব্যক্তি ঐ পুকার ব্যগুলভাবেতে চালিত হইমা পোর্ডল্মং নগরের রক্ত্রগহেতে, এবং বিশুল তগরের লোনক রাজ্যায় অপ্রেন লাগাইয়া দিল. ঐ ব্যক্তির বিষয়ে ইহাও কথিত আছে, যে সেই গ্লেপ্টায় ওপদীপের মধ্যে তাং পুরীনহ ব্যবসায়ি নগর এবং তাবহ জাহাজ এবং তর্নিশ্বিন্দান, আগুল দিয়া স্থালাইয়া নম্য করিবার চেম্যা করিয়াজিল; কৈছ ঐ সমন্ত দুস্ত বান্ধিত কর্মা সম্মানকর্বপ্রেই, সে বিরা পড়িল, পরে বিচারিত হইয়া সে দোর্থাক্ত হইল, তাহাতে তাহাকে টোলি দিয়া পঞ্চরে লুবিত করিয়া বাথিল.

অপর যে বিষয়, রাজ্যের সমস্ত ওদাসীন এবং বিশিপ্ত লোককর্তৃক বছকালা ববি দৃষ্ট হইয়াজিল, এবং ঐ সভ্যেরদের বিপরীতপক্ষীয় লোককর্তৃক বারস্থার ক্ষতিত হইয়াজিল, তাহা সন্ধুর্ল হইল. তদ্বিষয় এই, ফ্রাঁসিস্ জাতীয়েরা ফাহারা ঐ কালপর্যাত জন্মবেশবারন ক্রিয়া রহিয়াজিল, তাহারা অন্ত্র্যাবেশ শ্রিত্যারা করিয়া, আমেরিকীয়েরদের পদ্ধ আপনার্বিরকে জানাইয়া কহিল, যে ঐ দেশ ঐকালাববি পরাধীন নয়, কিছু অভকর্তৃত্বাধীন

পরে ঐ দময়ে জেলেরাল্ ক্লিকন্ যিনি জেলেরাল্ হাওএর পরে আমেবিকা দেশে তে ইংগ্লভীয় দৈন্যের কর্তৃত্বভারপুাও হইয়াজিলেন, িনি অদৈন্য দমতিবাহারে ফিলাদেল্টিয়া নগরহইতে নির্গত হইয়া, নিওয়র্কনামক নগরে গেলেন. ঐ মাজাকালে ঐ জেলেরাল্ ক্লিভনের দৈন্য জেলেরাল্ বাদিণ তন্কর্তৃক চড়াওক্ত হইয়াজিল, কিল্ক কোনো পক্ষে বছলোক মারা পড়িল না. ঐ মুল্ল বিষয়ে জেনে রাল্ লী অন্তীয় পূর্বহাতানুদারে ইংগ্লভীয় দৈন্যেবদের সহিত মুল্লাক্রনদোয়ে, এক বংশরের নিয়তে কার্যচ্চাত হইলেন. এই আনে আমারদের কথনোপমুজ, যে ঐ ব্যক্তি পূর্বে ইংগ্লভীয় চাকরীতে থাকিয়া মুল্ক ক্রিয়াজিল, কিল্পতে ঐ চাকরীতে অভ্যানুলান্তিত হইয়া, ইংগ্লভীয় চাকরীতাগা ক্রিয়া, সেই কালাবিধি

আমেরিকীয়ের্দিনের চাকরীতে পুনৃত ছইয়া, অভিনক্ষতা এবং ওদ্যোগপূর্বক ভাষার্দিনের মধিল চেখা করিতে লানিলেন; এবং শলীবান্ নামক ওপদ্বীপ রক্ষণ বিষয়ে অভিথানতাপন্ন ছইয়াজিলেন. কিছুকাল পূর্বে ঐ ব্যক্তি ইংগ্লভীয় কভকগুলিন নৈন্যকর্তৃক বৃত ছইয়া বন্ধ ছইয়াজিলেন, ভাষাতে ইংগ্লভীয় বিচার কেরা কছিল, যে কৈন্যক্তৃতি পলায়নদোমহেতুক, ভাষার দও দেওয়া যাইবে; তাহাতে আংমেরিকীয় দেশসভারা কছিল, যে যদ্যাপি ঐ ব্যক্তি ঐ দোষনিমি তাক দওপুত্তি হয়, তবে অম্বাদের নিকটে যেই সেন্যপতি বন্ধী আছে, তাহার দের ওপর আমারা ঐ ব্যক্তির দও পুতিফল দিব. কিছুপরে ঐ কার্য্যসূদিভার্যে এক কুয়োগ ওপন্ধিত ছইল; ভাষা এই, প্লেক্তং নামে ইংগ্লভীয় এক সেনাপতি কডকগুলিন আমেরিকীয় কৈন্যকর্তৃত্ব বৃত ছইয়াজিন, ভাষাতে ঐ দুইু ব্যক্তিকে ক্ষেপ্রেক্ত পূর্বের সম্পর্ধন ব্রিল.

অপর মহাবিদ্নিথের এব॰ দ্রীদিদীয়ের সহিত যে গুভা/ম হওয়ার **স**ম্ভা বলা ছিল, তাহা ঐ সময়ে অতিপুকাণিত ছিল না, কিছ'তথালিও ঐ ওভয় रैवविष्ठावानम् पार्म (य युष्वावसु इहेग्राध्विल, डाहार्ड (काला मान्यह खिल ना ; যেহেতুক ঐ ওভয়পক্ষে অনেক যুদ্ধজাহাজ পুন্তত ছইতেছিল, এবং ট্রাঁনিসেরদের মূদ্র নাহাজসমূহেতে দী অবিল্লেন্ নামে সেনাপতি জিলেন, এবং ইংগ্লগুটায় জা হাজনমূহেতে আদ্যিরাল্ কেপ্লেল সেনাপতি জিলেন. 🗳 ওভয়পদ্ধীয় জাহাজ সমূদ, জুলাই মাদের ২৭ দাভাইশা তারিথে পরন্নর নিকটবর্তা হইয়াজিল, ভাগাতে চল্তির সময়ে কিছকাল মূল স্ট্য়াছিল, কিছ আপিককাল নিশ্চয় কোনো জয়াজয় যুদ্ধ হয় নাই. পরে আদ্যিরাল পালিশের, মিনি ঐ যুদ্ধে দিতীয় সেলাপতি জিলেন, তিনি ঐ আদ্যিরাল্ কেপ্লেলের নামে লালিশ করি লেন, যে এ আব্যিরাল কেল্লেল শত্র স্থিত সাব্যপর্যাত গুলকর্ম করে নাই. ভাছাতে ঐ আদ্মিরাল কেয়েলের বিচার হইল, কিছ ঐ বিষয়ে ভাঁছার কোনো দোষ পাওয়া গোল না. পরে আজোল্লগ্রনদোষে, ঐ পালিশেরেরও বিচার ছইল, তাছাতে 🗗 ব্যক্তির ওপর মেহ অপবাদ ছইয়াচিল, তাহার ব্যুক্তিময়ে जिनि निर्द्धार्थी इहेलान, अव॰ कठक्छिलिन विषयु पण्डिज हहेतान.

অপর ঐ বৎ সরের মধ্যে অতিগ্রাতাপর চাৎহামের পুদেশাবিকারির মৃত্যু ইইয়াজিল; ঐ ব্যক্তি ইংগ্লন্ড দেশেতে ওৎপর যে সকল পুলোতা এবং রাজমন্ত্রী উদপেক্ষা অতিপটু এবং পারক জিলেন. ঐ ব্যক্তি যে অনেক বৃহৎকার্যা অদেশের নিমিকে করিয়াজিলেন, তরিয়িতে তৎপুতি দেশক্ষেদের স্বেহ পুকাশার্থে, পার্লি মেড সভােরা, ঐ পুদেশাধিকারির প্রথাাবিনার্থে, এক লক্ষ ঘাইট হাজার টাকা দিলেন, এক এ পুদেশাবিকারির ওত্রাবিকারিকে এক তাঁহার পরে মাঁহারা টাৎহামের ঐশর্ঘাদি ভোগে করিবে, ভাহরদিগকে, ৩২ বলিশ হাজার টাকা বার্মিক করিয়া দিলেন. এ পুদেশাবিকারির শবের অভিসমারোহপূর্বক বেত্ত মিন্তরনামক বিশ্বশালাতে কবের দেও্যা গেল, এক রাজ্ঞারচহট্তে তাঁহার নাম কর্লগর্থে সমাবি গৃন্ধনের আজো দেও্যা গোল.

অপর ঐ কৎসর, আআ্ভিলাঘবর্ত্তি বিদ্যাে অতিদাদসিক পাঙল জোন্দ্র লাবে এক ব্যক্তি, ইম্প্লাডাগেলিছিলের শক্ষিতাবিত্তি হেরনিবকে অতিশাদভাগেল করিল। ঐ ব্যক্তি হাইমহেবল্লামক, লগরসমাপে ওপাঙত হাইয়া, সেই নগরবাড়ী এবং লগ্ধিরবাড়ীতে স্থিত এক আহাজ, অন্লিদ্য়া দক্ষি কবিল ; পরে ঐ নগর আলাই বারো চেন্টা পাইয়াজিল। কিছু কালপরে ঐ ব্যক্তি, অধলভদেশে ওতাল হাইয়া, সেল্কর্লের পুদেশাবিকারির গৃহ লুট কবিল ; তাহার পরে ঐ ব্যক্তি সেরাপিশ লামক আহাজের পেয়র্সন্নামক কাজানের সহিত অভিসায় রত লাবি এক যুল করিয়াছিল, যে ভাহাতে ঐ কাজানের প্রাথানির লাকার কবিতে হাইল। ঐ ব্যক্তিনার্থা স্থানির কবিতে হাইল। ঐ ব্যক্তিনার্থা স্থানির কবিতে হাইল। ঐ ব্যক্তিনার্থা স্থানির কবিতে হাইল। ঐ ব্যক্তিনার্থা স্থানার জালাজভাগি করিনামান্ত্রে ভাহার জালাজ জলে মন্ন হাইল। পরে প্রায় ঐ সময়ে, স্থোবক্ত্ লগরনিবালী কাজাল আম্বি, স্থানারহাত্তি এক অভিস্কুলাহাজের সহিত শেষ ক্যিত মুদ্যাপেলা ন্যুন্যােরত্র মুল্ব করে লাই। ঐ কাজাল আর্মর যেপ্র্যান্ত স্থানার মেপ্রান্ত স্থানার যেপ্রান্ত স্থানার স্থান্ত আহিবিত্ত মান্ত্র স্থান করের স্থানার যেপ্রান্ত স্থানার স্থান্ত আহিবিত্ত মান্ত্রি স্থান্ত স্থানার স্থানার যেপ্রান্ত স্থানার স্থানার যেপ্রান্ত স্থানার স্থানার হয় নাই, তাবৎ অভিযোরতর মুল্ব করেতে স্থান দেয় নাই।

অপর দে সময়ে, যে স্থানে ইংগ্লাগৈর এবং দ্বানিসীয়ের সাগত যে অবিক্ষ
যুদ্ধ হইতেজিল, সে দক্ষিলামেরিকা নিকটোপদ্বীপে হইয়াজিল. ঐ স্থানে ইংগ্লাগ্র
দ্বেরা লুসিয়ানামক লগর হস্তাগত করিয়াজিল, কিছ কিজু পরে সাজুনা ইংগ্লাগ্র
দ্বেরাদিগহইতে দ্যিনিকা এবং বিন্সেত এবং গ্রানাগানামক স্থানাজ্যন করিল,
ভাষাতে ইংগ্লাগ্রেরা জন্লাভর হিত হইল. অপর ঐ বংশরে আমেরিকা দেশে এইং
বিষয় ব্যাত্রিক কোলো এক অতিগাননীয় কিম্যু ওপস্থিত হয় দাই; তাহা কিছি,
কামাদেশে পার্কর এবং কর্নেল্ কান্তেল্ কর্তৃক ওজাগ্রেনামক স্থান হন্ত্রগাহকরন; সেশং
দ্বান্ত্র আদ্যিয়াল্ দি ইন্তাইং এবং আমেরিকা জাতীয় জেনেরাল্ নিঞ্জিবেরদের, ইংগ্লাগ্রেরে তাদ্যিয়াল্ কি ইন্তাইন এবং আমেরিকা জাতীয় কেনেরাল্ নিঞ্জিবেরদের, ইংগ্লাগ্রেরে তাহারদিরাকে অতিসাহসপূর্বক নিবার্ধ করিলেন. ঐ
সম্বয়ে শাত্রী ভবিবার্ধ্যাত্রিকে, যাহা কক্ষক, জেনেরাল্ বাসিংতল্ ইংগ্লাগ্র
ক্রেদের শহিত প্রথমতঃ যুদ্ধারম্ভ করিলেন না; এবং সার হেন্ত্রি ক্লিওল্ ভাহার

তাবং মুদ্র বিষয়ক জ্ঞানদ্বারা ও লুগেকাদ্বারা ঐ জেনেরাল্ বানিং তন্কে জয়াজয় জনক মুদ্ধেতে পুবিষ্ঠ করাইতে পারিলেন না.

प्रभव के बर्माव है प्रेची एवराव क्षा है प्रेचीनीय विका समास्वताल দহিত যেথ িবোধ হইয়াজিল, ভবিত্তার্থে অদেক চেম্বা পাওয়া গিয়াজিল; এবং ঐ কার্যাদিভার্যে আরেকা দেশে তিব জন মধ্যত্ম পেুরিত ছইয়াজিল, शिरमंघणः हेरमन्नायक काल्क काहिलाव शुर्ममाविकाती, अव॰ कात्मन् नारम रमना ব্যক্ষ, ইছারা পুরিত ছইয়াজিল. কিন্তু সে মালা ছওক, আনা লোকের পুরি ইছা অভিন্যুববিপ্না, যে যেদেশে অনেককালাববি লেকেরা ভরবার্থিময়ক विमाजाम कविमाल, (महे । पर्यंत विद्रांव (य निश्ववादा इठी- निवृष्ठ इस्, ইয়া অভিদুর্বেরিগাম্য. কিন্তু লে মাহা হওক, ঐ ঐক্যের বিবরণ যে আমরা একানে আখ্যা করি, ভাছার পুরান কারন এই ; ঐ আখীনেরদের মরীে तिष्गायक अक वाकि, आध्यतिकारिणीय अक एकत्मवालात निकछि अक शृक्ष লিখিয়া কহিলেন, যে মদানি তুমি ইণ্প্লভীয় এবং আমেরিকা দেশীয়ের দেব বিজেদ্বিষয়ে ঐক্যক্রনের চেন্ধা কর, তবে আশীহাজার টাকা ভোষাকে ওপটোকন দিব, এব॰ রাজকায় অবিকারের মধ্যে যে কোনো পদ্পুত্র করিতে চাত, তাহাও তোমাকে দেওয়া ঘাইবে. এ পত্র পাইয়া, এ রিদলামক আমে িকা দেশীয় ভেদেরাল, যে অভিবিশিষ্ঠ এবং লাহসমুক্ত পত্র লিখিলেন, তাহা জাপ লার্থে ব্যাথার করি. ঐ বিদ্নায়ক স্তি ঐ ওপটোকনের কথা শ্রনিয়া, আয়াংকে ঘুষ থাওয়াইয়া, এ আখিলেয়া ৰৰ্জায়া সম্ভ করিতে চাতে; এইকণ অসুমান করিয়া পুড়াতর লিথিয়া তাহাতে করিলেন, যে আমি জীত হই ভদ্যোগ্য লোক নহি; কিছ আমি যেমনি ৰন্তবা হই লা কেল, মহাত্রিটনের রাজা, ভাঁহার দাইৰছাগ়াও আমাকে ক্ৰয়করনে অক্ষম. অপর যন্তবিগ্রহ, যেকপে অভি নিধ্রাচারের এব দুর্ব্যবহারের ওৎপাদক হয়, ভদ্ধাণেও কথানা ভদ্মারা অভি বিশিষ্ট প্রথ এবং অরাজ্যের পুঙি নির্মালম্বেছ এবং অভিপুরস্তুচিত্ত এবং অসৎপর্মা গামি স্থিকভাব ওৎপদ হয়. কোনেং অমার রাজনীতি গুদুক্জারা, মাহারা আপনার সমান অন্য সকলকেও অনুমান করে, তাহারা ক্ছিয়াকে য়ে সকল মন্ম্য জীত হইতে পারে, কিছ যে মন্ম্যের আমরা এইফলে আম্যা ক্রি মাজি, ভাঁছাতে আমহা জানিতে পাই, যে কোনো মূল্য দিলেও ক্লয় করা মায় না, এমত লোকও আছে.

অপর স্নেণ্ দেশের রাজা ঐ সময়ে দুঁটানিসেরদের সমুগটের বীরা বিরিয়া পুকাশ কলে জানাইতে লাগিলেন, যে আমেরিকা দেশক্ষেরা অতত্র পুভু; তাহাতে ঐ দুই মহাসাজ্যের মুল্ল জাহাজসমূহ সন্মিনিত হওয়াতে, মহাবিটিনের মুল্জাহাজ দমূহ, তাহার্দিনের সহিত মুক্তর্থে অশারক হইতে লাগিল. অপর ঐ গুরীষকালে ইংগ্লন্থীয় সমস্ত বিশেষ সৈন্যেরা, সুবার বিত হইটা রাজ্যের স্থানা স্করে স্থিত হইল, তাহাতে মদ্যানি অন্য কোনো মধিল না ওৎপন্ন হইল, তথানি ইহা হইল, যে যেলোক শীতকালে রাজ্যানীতে নানাক্রীড়াতে রত হইটা আফ্রাদামোদে কালজেপন করে, তাহারা তদ্রহিত হইটা গুরীষকালে লাল্যান নের কোনো ওপায় পায় না, তদ্ধণ নিজ্মান্য অভান্যবাদ দুবাচার লোকের্দের প্রি ঐ বিষয়, কালকাটাবার কেবল এক ওপায়ন্থকদ হট্টাছিল.

অশর, পরবৎসরে রাজকীয় নিষ্ণে, সভোরদের এইং পুরীন চেম্বা হইয়া জিল, যে কি পুকারে রাজ্যের বার্ষিক এরচ অল্ল হয়; তাহাতে বর্জনাকত ব্যক্তির পরামর্শে, বানিজানিয়ামকলমুদায়ে কতকগুলিন নির্থক পদ, এবং অন্যং কতকগুলিন লোক ওৎথাত হইল; এবং রাজম্বিকর্তৃক আনীত এক দর্মাভ্যারা, সভোরা রাজ্যের হিদাব কিতাব দৃষ্টি ক্রনার্থে, কতকগুলিন আমীনের নিমুক্ত ক্রিলেন, ঐ আমীনের রাজ্যের হিদাবশবদর্শনেতে, রাজ্যের জ্মার এবং এরচবিষ্ণে অনেক ভগ্রিষ্য পুজারদের দৃষ্টিরোচরে পুকাশ হইল.

অপর ঐ বংসার এক ব্যক্তি, যিনি বছকালাব্রি ধনেতে এবং অন্যধ্ন দুর্নায় হ্যাবৃত জিলেন, তিনি ঐ অপুকালাবস্থাহইতে নির্গত হইয়া, ইংগ্লণ্ডীয় রাজপতা কার সমুমকে তৎপৃষ্ধীয় অপমানছইতে মুক্ত কেবল করিলেন না, কিন্তু পৃষ্ঠাপেকা অভিশয় ভদ্যশোৰ্ভনকারী ছইলেন. আমতা যে লোকের বিবর্ধ কহিতে চাহি ভাঁহার দায় আদ্যিরাল্রদ্দি; ঐ দেনাপতি যুদ্ধ জাহাজের একঙপদযুদের কর্ত্বভার পাইয়া, জিবুাল্লর নামক ভানের পুতি সলৈন্য হইয়া, পাইল ওঠাইয়া আহাত্রপথে যাত্র। করিলেন. পরে যাত্রাসময়ে পথমধ্যে ল্লেন্ জাতীয় বছমূল্য তানেক নানিজ্যজাহাত হত্তবাত করিয়া লুট করিলেন; তৎপরে স্নেদ্দেলীয় যুক জাহাত্রের এক সমূহ, পরাত্ত করিয়া দল লাণ্গারা লাযে আদ্যিরালের জাহাত্ত এবং পংক্তিক অন্য মূত্র জাহাত্র পরান্ত করিলেন, ক্রক মান পরে আক্সজাহাত্র সমূলপেক্ষা, কৌত দি মিচিন্ বামে সেবাপভাবীৰ দুঁটিসদীয় এক অভিবৃহৎ জাহাত্তনমূহের সহিত ওতরামেরিকা দেশফোণদ্বীপস্মীপে অভিঘোরতর মূদ্র অপর ঐ সেনাপতির সমস্ত বীর্ত্ব যদি একেবারে বর্তনা कविशक्तिलन. করি, তবে ১৭৮২ শালে, জামাকা দেশের নিকটে ঐ আদ্মিরাল রুণ্নি, এক অভি শায় মশোদায়ক মুদ্ধ করিয়াজিলেন; ঐ মুদ্ধে কৌত দি বুগুন্ নামে নেনাপত্যবীন শ্রীকিকেরদের অন্য এক জাহাজসমূহ, এবং নিলি দি পারিশ দায়ে ১১০ ভোপ্রারী আদ্বিরালের নিজজাহাজ, এবং অন্য কডকগুলিদ জাহাজ পরার क्रिएं क्रिलन. পরে व समस्य बीवप धुकार्यक्रामा कामा व आमुमिवाल ब्रम्ति

কুলীনপদৰ হইয়াজিলেন, ভাছাতে অনুবান হয় যে তিনি অভিযথার্থকশে এ পদ পুরুষ চইয়াজিলেন.

অপর ঐ বৎসরে, আমেরিকা দেশিতে যেছ গাননীয় বিষয় ওপজিত ছইয়াজিল, ভাহার মধ্যে এপ্রলিন পূর্বান ; বিশেষতঃ, সর ছেনরি ক্লিক্তন্ এবং আদ্যারাল্ আর্থনে নামে সেনাপতিরা চাল্জ নামে সরার এবং দক্ষিকারোলিনা নামে দেশ হন্তাত করিয়াজিলেন ; এবং লার্ম কার্মগালিশ্ নামে সেনাপতি জেনে রাল গ্রেজ্যে পরান্ত করিয়াজিলেন. ঐ বৎসরেও যেজর আশ্বা নামে ব্যক্তি, যিনি ইংগ্রেডীয় সৈনোরদের আজিতত জেনেরাল্পদে নিযুক্ত জিলেন, তিনি আমেরিকীয় সৈনোরদের পাজিতত জেনেরাল্পদে নিযুক্ত জিলেন, তিনি আমেরিকীয় সৈনোরদের পাজিতত জেনেরাল্পদে বিযুক্ত জিলেন, তাহাতে ইংগ্রেডীয় চর হওনদেশ্যে বর্পুর্বি ছইলেন. অপর ঐ বৎসারও জেনে রাল আর্শনেন আমেরিকীয় সৈনাত্যার্গ করিয়া, ইংগ্রেডীয় পক্ষ হইয়াজিলেন,

धानव न भई क्षिउ है प्रशिएवरमव कांधा ममन, अनार भाग हहेगालिल, কিছ যেছ বিষয় ঐ বৎসরে ইংগ্লন্ড রাজ্যমধ্যে ওপদ্ধিত ছইয়াজিল, সে সকল অভ্যাপনাদপর এব॰ অতিশয় লজায়দ ছিল. তাছার বিশেষ কহি, 🕈 সময়ে পার্লি মেতদভ্যের্দিনের কমীয়মতাবলমিরদের পুতি অনেক বিশেষহকপে অনুগ্রুপুকার্শ क्रावर्ड, सम्रहेबलावविनिधं कनश्कात्री लाक्ति मगृह कडव्धिनिन जर्जकिना দামক স্থানে একত্র হইয়া, ঐ লভোৱা যে ঐ কনীয়মতাবলমিরদের পুতি অবিক (सहमूर्माइमिकिल, उत्तान) ने ४७३ भोतियात्त्रक्त मालावापक निकारे प्रशीह দেওলার্যে চেখা পাইভেচিলে, কিছ পরে অভিশয় দুর্বাচারী হইয়া বহুৎপাত জনা। ইতে লাগিল. বিশেষতঃ, দগরুমধ্যে এবং তৎসমীপস্থানে যত কমীয় বীর্মাশালা, मि नकल नम्रे क्रिल; जनह निर्देश नाय वनी गाला अव हा जाननाथा विनी नाला এবং অন্য হ লামান্য লোকেরদের গৃহপুত্তি অমিদিয়া স্থালাইয়া ফেলিল. ডাছার পর বান্ধনামক অর্থগৃছ লুট করিতে ওপক্রম করিতেজিল, ইত্যবসরে লণ্ডনু मसुप्राय नात्र विश्वारं प्रविधाय मूत्राविष कठक्छिलन नर्शतस्त्र महिल লাহ্বাৎকার হইল, তাহাতে ঐ দরার্বেরা এবং অন্তং দেনা মাহারা ভদ্ৎপাত नियांबबार्थ उरकारल আहुउ इड्रेग़िकल, जांहावा मध्यिलिड इड्रेग़, 🗗 कल्ह वृक्षिनिवाहन कृतिल; किन व निवाहनिवाह कलहकाहित्राह यात्रा भाग महे जड भुवान६ वाकिता मात्रा भड़िल. किल्लू कांलभाइ ने कला काहित्रपारात नक्षकत्रन अवय माश्याकत्वापावज्ञाता, श्रेयुक कर्जार्मन् विठातिक श्रेष्टान, किन विठाति भूगांव घडेल, या ने बाजि क्वल बेर्माविषय गांगुगंभुयुक ठालिउ घडेगाहित्लन, दिव कारना विषय में कलहरू ब्रिइएएइ मोश्याकाइन नारे, जोशांत जिनि नि (मांधी इइंग्रा मुक्ति लाईलिन,

অপর ১৭৮১ দালে, ইংগ্লণুদেশে যেং পুকরন ওপন্থিত ছইয়াছিল, তাহা অতি বিশ্বর কিন্তু বড় পুয়োজনার্ছ নয়, কিন্তু পৃথিবীর অন্যাহ অংশে অভিবাৰনীয় কডক ভালিদ বিষয় ওপদিত ছইয়াজিল. ঐ লয়য়ে ই॰ গ্লন্তীয়েরদের মধেষ্ট শাত্র িলে, কৈছ ভাছাতে শতি লা হইয়া, ঐ শতুরদের সংখ্যাবাহলাহেত্ক, ইংগ্লণীয়েরা खाजित्यहमानूईक अव- पूर्वाहोतनूईक, श्लाधकाजीत्यव्राप्तव महित मुलावस করিল, ভাছাতে ইণ্প্লভীযেরা ওওরামেরিকীয়োপদীপনিকটৰ ওভাভিমুন নামে अनुबोन, इल्लंडाडीरयूक्प्रिक्टरेड इस्ताउ क्रियांक्रिल, किन्द्र किन्द्र मेल मरह শ্রীনিদেরা তাহা প্রস্তার হস্তাত করিল. অপর দগ্রোরদায়ক তীর স্থাপে আদ্ যিরাল হাইদ্ পার্কবের কর্ত্তায়ীন ইণ্প্লভায় যুদ্ধতালাতের এক কুদ্রসমূগের সাহিত আদ্মিরাল্ ভৌৎমানের কর্তৃত্বাধীন হলগুজাত য় মুদ্মজাহাজে। তজাণ এক সমূহের, অভিযোরতর এক সংগ্রাম হইয়াছিল. 🗳 কালে ভিন ঘঞা ৪০ চল্লিশ পলপর্যাত ওভয়পক্ষীয়ের । পরস্কার ছোরতর সংগ্রায় করিল.

खनत खार्यित्रहारिणाउउ रूउकछिलिन चलगूल अवः जलगूच इरेगोदिल, াৰ্ছাহাতে কোনোহ যুদ্ধে ইণ্মুণ্ডীয়েকা, এবং কোনোহ যুদ্ধে আমেরিকীয়ে, তায়ী किन जारानाम नाम कार्म आर्थिमानामामक नुरम्नाविकाती, विवि এ সময়ে এ দেশে ইণ্প্লভীয় সৈনেট্র দিডীয় সেদাপতি জিলেন, তিনি বর্জিনীয়া দেশেতে এয়ত দুরবন্ধায় পড়িয়াজিলেন, যে কোনো যুদদন্ধতাতে কিমা বিষয় **ভ**ভাতে মুক্ত ছইতে পারিনেদ না; অভএব ভাঁছার আপনাকে এবং আপন **সকল** দৈন্যকে, ভেনেরাল্ বানিং ডনের কর্ত্বাধীন, আমেরিকা জাতী য়রদের এবং धौकिन् जाजीयव्यक्त म॰ यितिवरेमरगव्यव निकारे, वनीकान जर्मन कविरव ঐবার লইয়া ই॰প্লভীয় সৈন্য আমেরিকাদেশে দুইবার পেুর্ড হইয়। किल, अब- আমেরিকীয় সৈন্যকর্ত্ত দুইবারই পরাত ছইয়াজিল; ভাষাতে कारना अक विषय यमानि हे॰ ध्रुखोग्न मरनावरमत भूरवाद **ज**न्मिड छाव डाहार**ड**हे खनाउ, रा मृत्रमर्ग वर वर यहांनदील रा चारन गंजु मकत, हे भ्रानीग्रेमना পেছা মদেশবিষয়ে অভিবিজ্ঞ, এবং যে ভাবে দেশছেরা শতুর অপেফা এবেক अभाग्न भूषि इहेरिक भारत, अयव स्थान मूक्तिवार्य माण्याह अम जामार्थाः

खनद ने रदमाद खप्तविभी मामाना के हैं। विशेष हो कि लो जाता हहेंगा ভাষা এই, इग्रमत्कालि महाता खेत्रातृ महित यात्र कृत्नांनवत, दैश्राशीरमहामत नहिए यूच जारस कहिया, कार्मन विनाद नहास कहियांकिन, এব॰ সর ছেজর মন্ত্রোকে পরাউমুথ করাইয়াজিল, কিন্তু কিছু পরে সর ইরকুৎ লেই সময় অপবদাদিদেশে পঁছজিবাতে লৈন্যের কর্ত্বভারগুহৰ ক্রিয়া, শতুর मिश्राक मई छ। छ। त नवां क दिलान.

অপর আমেরিকাদেশেতে লার্দ কার্নএয়ালিশ্ পরাম্ভ হওয়াতে, আমে विकास नीरम्बरमा महिन, देश्वानारम्बरमा या गूर्वावशुर, जारा सिर ममरम यसानि নিঃশেষকণে নযাও না হচল, তথাপি তৎসমাধির মূল হইয়াছিল; যেহেতুক ঐ সময়াববি সাশলেই অনুমান করিতে লাগিল, যে ঐ আমেরিকাদেশপরাস্ত কৰেচেম্বা নিৰ্মাত এবং আদপ্তত তাহাতে দেই কালাববি যেই মুদ্বায়োজন ছইয়াজিল, তাচা আমেরিকাদেশীয়েরদের ছন্তরতকরনার্যে এত নয়, কিছ অবিক ই॰প্লও,য় পতা কান্ত্রমর্ক্ষার্যে হইয়াজিল. অপর যে কার্যানিভার্যে এ যুক্ত আরম্ভ ছই গাজিল, তব্লিন্দি অসাব্য দেখিয়া, পুজাগ ওতরোতর ঐকাবিষয়ে মনোঘোর ক[তে লাগিল, কিন্তু ঐ কালীনসভ্যেরা, মাহারা অনেককালাব্ধি ঐ মুৰ অভি मानाधात्रशहरू ठालाङ्गा केल, उम्तता (य अ अका निष्क इग्र, जाशत (काला) अयुर्वित का धाकारिक, बैंडन मधा निकल्लक्द्रलाह लुखांखन इहेल. পুরাজনমভ্যেরা কার্যাচু ত ছাইলে, নূতৰ সভ্য নিক্রপিত ছাইল, তাহাতে বকিৎ शास्त्र ४ मानुनी भूरीनशांकाकीनाम निमुख्य इहालन, अवन अपूर कान् कार्य দেন লায়ে ব্যক্তি একশেষকর লায়ে আদালতের কাবুনগোপদে বিযুক্ত হইলেব, এবং মাত্র এবং প্রযুত দেল্বর্ন লামে ব্যক্তি পুরান রাজলেথকপদে নিযুক্ত ছখনেন, এবং বিচ্মদের অগুনী ডোপাব্যক্ষণদে নিযুক্ত হইলেন, এবং জেনেরাল্ काच रेमाना पर भुदीनामनां पिनिया नियुक्त इहालन, किंद माराक्षा प्राप कहि, ७ (व अ) यु उ एसीनोयक ब्रोफकोनून (तो व) जित्र (क, भूबो उन मालाइएन इ अक खनअ न अन मास्त्रावादव मात्री कोर्या भारति ना, अव॰ क्षिड खास्त्र (य जिति वे माखादाबद भूदी र्वनविषयमञ्जलदाव भूवीन लोक जिल्लन.

অপর আমরা এই এক বিষয়কথানে পুরি বিষয়ুত হইয়াজিলাম; তাহা এই, যে মৎকালামবি দ্বেল্ জাতায়ের ইংগ্লেপ্তাহের সহিত মুন্নারম্ভ করিয়াজিল, দ্বুৎকালামক গড়, ঐ ল্লেন জাতী কর্তৃক অতিবৃদ্ধনে অবক্রম্ব হইটাজিল, কিছু জেনেরাল্ এলিয়ুৎ নায়ে ঐ কিল্লার জ্বীয়ের জ্বাস্কর্মার ক্রমানকটাতে এবং সাহমেতে শত্রুরদের তাবদুয়োগা বার্ম হইয়াজিল; যেহেছুক শত্রুনিবার্বিয়ে জেলেরাল্ এলিয়ুৎ এই দাঁড়া বিরিম্বাজিলেন, পুথমতঃ তিনি শত্রুদিবাকে গড়ুখাই ইত্যাদি নির্মাণসমূল করিতে দিতেন, এবং সে সময়ে শত্রুদিগের কোনো বাবী জন্মাইতেন না; কিছু সময় করিলে পর আগুনদিয়া ভল্ম কিছু জন্ম করিলে পর ক্রমানি ক্যানিকে গালুনা কান্তি পুরিষ্ঠ হয় দা এবত কত্তক গুলিন গালিল্বীরি জাহাজ লইয়া, ঐ গড়েতে চহাও করিল, কিছু সে সকলঞ্জিনি ভল্নায়োগোল্যার। নিবৃত্ত করিয়া, তাহারদের সমস্ত জাহাজ ন্যান্ধ করিলেন্

কিছ সে যাহা হওক, দ্বেণ্ডাভীয়েরা ঐ মুভবিষয়ে অপারক হইলেও, জন্য দুই মুভবিষয়ে দক্ষল হইল; থেহেতুক তাহারা ইণ্প্রভীয়েরদিগ্রহতৈ মিদর্কাণাকক ওপদ্মীশ এবং পশ্চিম মুগ্রিদা লামে প্রগ্রনা হত্তাত ক্রিল.

অপর ই প্লভীয় পভোরা, ঐ সময়ে অভিশয়মনোঘোরপূর্যক একা সম্ভ্রম করনের চেম্বায় জিলেন, তস্ত্রন্যে শারিশ্নামক নগরে দক্ষি হইডেজিল. इंडावकारनं विकश्यायव अभागुनी, यिनि ने माखिविषयः आमीतवृहामत भुदीन জিলেন, তাহার মৃত্যু হওয়াতে, এবং ব্লাজ্যের কুডারাপুযুক্ত, এ সকল একাচেখা ভর ছইল. ঐ বকিছাম্ দামে ওপাগ্রুনীর মৃত্যুর পরে, তৎপদে সেল্বর্নামে नुषमगिविकानी निगुफ इहेलिन, जाशांड उ॰काल मालावापन कडकशिलन পুৰীবের মধ্যে, এমত অপুদা জন্মিল, যে ফাব্লুৰামক মন্ত্রী, এ১৭ প্রায়ত জানু ্কারেন্দেল এবং বর্জ দায়ে দৈলে। রুদের মাহিজালার উছ্পিলুদার, এবং জ্ঞান। ১ कर्किंशित ग्रहोत्नोक, बाब्शमण्डाति कहित्नन, किन्द म ग्रोहा १५क, वे तूउन সভ্যেরা, কেনদা ওীগারা পুায় সমস্ত নৃত্তৰ হই গাজিলেন, ভাঁছারাও পুরাওনসভ্যের দের মত এক্যাকাট্ট্রী জিলেন, অভএষ ভাঁছারা সাধ্যানুসারে এক্যনমূলকরবে क्रिक्षी नाहिएक लाजिलन, विकं ने काग्रा जससक्त (बन नूरई प्राक्न ना म मनी अव-প্রায়ত নর্য, যাঁহারা ঐ লব্ধি অতিখ্যাত্যাপরকলে সম্ভব করিয়াছিলেন, তাঁহার দের রাজনীতিবিষয়ে অবিক জানেতে, দূতদ সভ্যেরদিংগ্রে পরাজিত হইতে চইল. এ মুই ৰাজি পূর্বে রাজনাতিবিষয়ে অভিৰত্ত মতাবলদ্বী হইলেও, এইক্ষণে পর म्रह थिव हरेग्रा अव भव्रम्नद्र माहागाकाती हरेग्रा, ताककार्या निगुष्ट हरेग्रा उद्दित ने योज्ञ नात्य बदी खडान्द्रां मनूईक मिथितन, य जिनि विक शास्त्र अभातुनीत कर्जुवावीन, या त्रेका कृतिरु आवश्च कृतिग्राक्षित्वन, ভাহা সম্ভ্ৰ হইয়াছে; কিন্তু লাৰ্দ দৰ্যা চিনি আসকলালাৰবি আপনাৰ এবং ত প্ৰাৰ্থ আমির এবন রাজ্যন্তের দিনের, এই আশায় অভিশয় ভুষ জন্মাইয়া ক্রিলেন, যে আমরা আমেরিকা জাতীয়েঃদিগকে অবশ্য পরাস্ত করিতে পারিব, ভাঁছার অভিশয়ৰণফোভপূর্বক খাকৃত হইতেই হইল, যে আমেরিকা দেশৰ ই গুণীয় অবিকার সমত্ত শাবীৰ আছে.

অপর ঐ ঐকা ঐকপ সমন্ন হইলে পর, ইংগ্লণীয় সন্তোরা, অমবন্ধানিদেশীয় কার্য্যে মনোযোগ দিতে লাগিলেন. ঐ অমবন্ধানিদেশীয় রাজকীয় কর্ম সূত্র্য বিভাগে, আফু নাবে মন্ত্রী যে দর্শাক সভারদের নিকটে ওপন্থিত করিয়াজিলেন, ভাষা যে অভি কঠোর এবং নির্মারণে কৃত্ত, ভবিষয়ে আমার্যের বিচারকরণ শুভা নম্য নির্মান বিভাগ অভিদম্প এবং শার্যাণী চিকিৎসক্ষে কুরিকার আবশাক জিল, ভবে সেন্যয়ে অমবন্ধানি

দেশীয় রাজকীয় কর্ম চালানবিষয়ে, ইংগ্লভীয় সভ্যেরদের জ্রিকার আবশ্যক জিল, যেহেতুক মদ্যোর বিষয়নেতে অদিনীর্ত এবং অতুল্য, একণ অতিশায় নিচুত্ত এব॰ কদর্য্য এব॰ কুদ্রালোকেরদের দৃংগ্রাদায়ক আচার ঐ অপবদাদিদেশেতে किंद (म शांहा १८क, जे प्रत्थांस गईव वांजात्ववस्त्र यादा, অভিশর অসভোষ জন্মাইয়াজিল, এবং কল্পানিবাহাদুরের ফিল্ল এবং ভদ্দুরাভ लांक, अ प्रशास्त्रियम स्थान स्थान, उथान जाराहा जिल्लकाही इतेमा, হাজ্যন্থেরদের ঐ অসভোষ অধিক বাড়াইতে লাগিল; ভাছাতে ঐ কালীন मराखाता हु। इकार्या इहेरल, छाहात्राम्त स्थान आगुड (मल्दर्न भूनई। त्र नियुक्त হইলেব দা ইছা লত্য, কিন্ধ অনুযান হয় যে তিনি ঘাহার বিষয় লুপারিশ कृतिशाकित्तन जाहांवाई नियुक्त इहेगांकित. अज्यव में भार्तियह उप्न हहेत, এবং দূত্ব এক পার্লিমেত্রনিয়োজনার্থে হাজাল্রা নির্গতা হইল, ভাহাতে দূত্র পা।র্লমেতীয় সভ্যেরা, যে মাসের ১১ তারিথো একত হইল. অপর ইংগ্লভীয়ের एक महिउ इल्डी द्राद्य स्व स्वतमाच्च इड्ग्रांक्रिल, उद्विष्ठा भाविम् नामक ন্ত্রারে ১০ বিশক্তি ডারিথে আফর হইয়াজিল. পরে জুলাই মালের আরুষ্টে মহাব্রিটিনের সহিত এবং আমেরিকাদেশীয় সংমিলিত রাজ্যের সহিত একা বিংগীকৃত হওকের সংবাদ, রাজবীকীতে রাজকীয় বানিজ্যসন্দর্ভেতে এবং অন্য**হ** পুলিক্ষানে, শহরের সামান্য প্রহন্তারা পুরালিত হইয়াছিল, এবং ঐ অতি গ্ৰুণীয় বিষয় যে সম্ভৱ হইয়াজিল, তদর্থে সাইত ঈশ্বেরে ছড়ি হয় ভরিষিত্তেও अक्षित निक्**षिठ इडेग्रा**क्तित.

অপর কিন্তিৎকালপরে অম্বর্গদিদেশইইতে সমাদ পাওয়া গোল যে কলানি বাহাদুরের সহিত বিপু ভাষের সন্তিপত্র হইয়া, তাহাতে পরন্তর আফর হইয়া জে; তাহাতে তাহার পরে অম্বর্মাদিদেশীয় রাজকীয়কার্য সূত্রবন্তার্য পিৎ দামে মন্ত্রী যে দর্থান্ত ক্রিয়াজিলেন, তাহাতে রাজা সম্যত হইলেন.

অপর ঐ পার্লিয়েতের দ্বিতীয় পেষতে অর্থাৎ সভ্যেরদের দিবীয়বার বিচারো প্রেশনসময়ের আর স্থেতে, রাজা ব্যাং ই সভ্যেরদের নিকটে এক পুস্তাব করিয়া জিলেন; তাঁহাতে তিনি কহিলেন, যে আঘি মহাবিটিনের এবং আইর্লপ্তের বানিজ্যবিষয়ে যেছ অনিষ্কন্ন বিরোধিবিষয় আছে, তদিষয়ে উভয়দেশেক্রদের মন্ত্রনা ঘাহাতে বর্ভিত হয়, এইকপে নিম্নুভিকরতেকুক আজি; এবং আরো কহিলেন, যে মহাবীপে অস্য রাজ্যের সহিত অভিটালক্ষণ হইলেও, তথাপি সংবাদ পুত্ত হইয়াজি, যে অল্যছ দেশৰ রাজ্যশালেকেরণ ইংগ্লেভীয়েরদের সহিত অভিশার পুতি হর্তনেকুক আজে; এবং সভ্যেরা রাজ্যকেরদের ভারলভুকরণর্যে, এবং রাজ্যের ব্যবস্থাবাপনার্যে, এবং পুত্তার্গরের মন্ত্রনার্যে ঘাহ ওপায় করিয়া কেন কিছা করিবেন, ভাহাতেও আমি অভিসক্তর আজি.

তৎপরে পার্লিমেনেতে যে মহাবিষয়কবিষয় ওপজিত করা নিয়া চিল, তারা এই, যে রাজ্যক্ষেরদের অবপুতিনিবিনিযুক্ত করনবিষয়ে নুতনব্যবস্থা করনোপযুক্ত কিনা. ভাহাতে ঐ বিষয়, পুন্মতঃ একক্ষেকর নামে ব্যবস্থানির শিৎ নামে অব্যক্ষকর্তৃক ভাতিবাকপট্ডাপূর্বক এক পুন্ধাবদারা সভ্যেন্তমের নিকটে ওপজিত হইয়াচিল, তাহাতে ঐ প্রাবস্থানামি যত সভ্যা লে সময়ে একজীভূত হইয়াচিল, এও ভাহ র পূর্ত্ব কথানা একজ হয় নাম. ঐ পুরুণে সভ্যেন্তমের নিকটে এই বিষয় ওগজিত করা নিয়াচিল, যে অবপুতিনিবিসভা নিয়োজনকরন পরা ক্ষয় কোনোং প্রনাগজের নিনাই তাল করা, তানাহ ভা র প্রনাশক্ষেদ্ধিনকে দিলে ভাল ভয়, কিন্ত ভরিষয়ে পুজারা অব্যেন্তাপুকি চল্ক, ভাগারদের ওপর ব্যক্ষেপ্র প্রায় ভারে হয় সাম এই বিষয়ে আনেক নিবাদ হইলে পর, ঐ শিৎ নামে মন্ত্রি প্রায়ন্ত্র পরায় তারি প্রায়ন্ত্র পরায় আন্তর্জন হল্য ভার পর এই শিৎ নামে

অপর ১৭৮৬ শালে, আভ্রমানে মার্গুন নিথিল্নন্ নানী এক জী, মথন **রাজা গা**খীগ্রতে তথ্যরিয়া তেমু দায়ে অপ্লালিকায় পুরেশ করিতেচিলেন, **দে** कशरम উল্লেক পুতেনমারতে চেন্দা করিয়াছিল, ভাষার বিবল্প এট, এ ছী ब्रोज्ञांत क्रांत्रयत्त्व कानक मुर्च, स्महे म्यांस क्रिल, यतः ताड़ी अमस्ति इयस्तत কৈবিৎপ্রে, ডাগার জজাত জন্য দৃই জীর মধ্যে দীড়াইচা জিল্প ঐ স্বী মধ্য কেমিল, যে রাজার রাজী আসিতেজে, তথাৰ লে পার্শবহ লোকের দিলতে অতি শয় কাকুজি ক্রিডে লাগিল, যে আমি রাজার নিকটে এক দর্থার দিতে চাহি, ভাহাতে ভোমরা আম র কারী করিও না, পরে মধন রাজা গাড়ীছইতে ভব खहिरचलित्तन, उश्रम ने की शिएत बर्बा क्यानत ब्रह्मा, अकिएक श्रक नामक হিল ; ভাহাতে রাজা ঐ পত্র অভিশয় অৰুগুহপূর্বক গ্রহণ করিতে জিলেন, ইতি মারা, এ জ্রী রাজার বলঃস্থালে একএক চ্রিকাখাত করিল, বিশ্ব রাজা ने नजुर्बनगरम (हैं हे इंड्रांड, उपांचांड वार्ध इहेल, नात ने की जना अरु खाधाउ कहालांगकारम, ब्रांकाव अरु मुस्ताम, जे खीत इस वेदिन ; अरू जे मबर्ग जना अरू जन गांजरमना, ने जुनिका ने सीत रखरहेरा कांड्रिया लहेल. ভাগা দেখিয়া রাজা আফোর হইয়া অভিবির্তিতপূর্বক কহিলেন, যে আথি क्षांता हि॰मानुष्ठि वह नाहे, वे बीलांक्ड काता यम कहि ना, कवमंत्र व পরে, এ দ্রী কমদ ছইল, এবং আদক অনুজ্ঞান করিলে পর, জাত इरेन रह रन सी भारत किन. छारांड ने बीट दर्शतक्षेत्रनांत्रक हिस्टिमां नग्न भांतीय (तंत.

অপর ঐ বৎসরে নিওছলও দায়ে ওপছীপে বস্তি বসাওদার্থে, এবং ক্ষিক্তর

ৰার্থে, এব॰ তদুপদ্বীপজ্জেদের সুব্যবহার জন্মাওলার্থে, এব॰ ই'গ্লাডীয় দেৰি ব্যক্তির্দিগাকে প্রেনার্থে, এক ওপায়কর্বে অনক প্রাথশ হইটাজিন

অপর ওত্য় পার্ধিষেতীয়গৃহস্ব সভোরা ১৭৮৭ নালে, জেনেওয়ারি মানের ২৩ ভারিথে সভাব একতা হউলেন; তাহাতে রাজ্য অয়-উ রাজাদনস্ব হইয়া এক পুতা বারা সভ্যের্থিটে জানাইলেন, যে আমি দুর্গানিনের রাজার সহিত বারিজাবিধায় সন্ধি করিয়া সম্মান করিয়ালি.

অপর ঐ সময়ে সেরিছান্ দামে একবা জি, অপ্রস্থাদিদেশেতে বারেন্ ছেতিন্দামে বাগিলোর গ্রহ্ম তেনেরাল্ বাছাদুরের অনেক অপক্রম এবং বৃহদ্দোদ্ধিয়ে অপবাদ করিয়া, পুজাপুতিনিধিসজেরদের নিকটে লালিন্ন করিলেন

अभव भौतिकारत विमान्न इ अति कि कि नात, है श्री हो से वांकां हीता, इस्छीयमः यिलिङ मावीत्र भुजूमाराण (यर विवास इत्यां जिल, उन्निवृष्ठिकवालन চেখাঃ নমন হইয়াজিলেন সেই দেশে কভকগুলি অহাব্য বাজিরা, ভাঙিশার कलश्कारी प्रदेख लांतिल, এवा श्रमिया प्रामात वांजात छतिनी यिति इल्छ्याम्ब লাবার্বপুত্তাবলম্বির স্থী, ওাঁহাকে অভিলয় অপনাল করিতে লারিল. তাহাতে दे शुलीय कांका वे इलखीरप्रतामत गाया नृत्तीय वावस्थिनामनमाननार्था, अवन ভাছার্টের মধ্যে ঐক্যজন্মাওদার্থে, সাব্যপর্যান্ত চেন্দা পাইতে লানিলেন ; এবং ঐ विषय महावीरर्थ, हे॰ प्रांकीय वाका, ने प्रांत्में व्यायित निकारे अक नव निश्चिया मह জেমু হারিশের হস্তমারা ভাষা প্রেবন করিলেন. ঐ পরেতে রাজা, কহিলেন যে আমি ততিদুঃমাণুর্বক ডোমারদের বিবাদ দেখিতে জি, এবং যাহাতে পুর্বার একা স্থাপিত হয়, তাহাতে আমার অভিশয় থান্ধা; এবং আরও কংলিল যে ভোমারদের বিষেদ্দিবভার্যে মদি ডোমার অদ্য কোনো রাজার নিকটে অসাহায্যচেপ্তা কর্ণাবশ্যক হয়, তবে আমার বিকটে পত্র লিথিবা, ডাহাতে আমি ঐ বিষ্কেদ যাগাং , নিবৃতি পায়, এবং ভোষার দেশে পুনর্হার যাগাতে দৃত্ব এক্য ক্ৰণিত হয়, এইমত স্থি সম্মক্ষ্ণার্থে সাব্যপর্যার চন্দ্রী পাইব ; এবং তাহা ফাড়াও, এ হলতীয় সাবীারলপুতুত্তবিষ্ক বিরোধে ট্রাসিসের রাজা পুরুত হয়, ডলিবারনে ইংগ্লণ্ডীয় রাজার যে অভিশার চেখা ছিল, তাহারও ল্লণ্ডকংশ পুরোর জন্মা এনের ভিনি চেম্বা পাইলেন.

অপর চলতীয় সাধার বপুতুরা লৈখির শ্রামে অরেজের রাজকন্যা, তাঁহার পুতি
মেহ অপমান হইং জিল, তাহার পুতিমলদেওনার্মে, প্রাথিয়াদেশের রাজা
জনেক আয়োজন করিডেজিলেন; তাহাতে হলতদেশার অন্যণকণীতীরা,
মালারা হলত দেশের পুলুর্সমত পুায় অহত্যাত করিয়াজিল, তাহারা
মুীনিদের রাতার বিকটে নাহাযাপুথিনা করিয়াজিল, তাহাতে দুনিদেনর

রাজা ওংর লিথিয়া পাঠাইলেন, যে আমি অবশ্য ভোষারদের নাছাত্র করিব.
ঐ সমাদ ব্রিটিন্ দেশের রাজার নিকটে প্রেরিড হওয়াতে, ইংগ্লণ্ডীয় রাজা অবীয়
অলক্ষদৈন্য এবং জলক্ষদৈন্য বর্জন করিয়া, শ্রেমিয়াদেশের রাজার লাছাত্র করুনে আজা দিলেন; তাহাতে ঐ আজা অভিত্রায় আক্লাদপূর্বক মান্যা ছইল.

অপর ইংগ্লওদেশেই সমন্ত আয়োজন ছইতে জিল, ইতাবদার প্রমিয়া দেশের রাজার দৈন্য, বুল্লবিকের অগুনীর কর্তৃত্বাবীন, মুৰে অভিশয় দালে ছইয়া, আঅপুভুর মশোবর্ত্তন করিয়া, তাঁহার শতুরদের শুভিজন দিতে লাগিলেন তাহাতে হলওদেশীয় পৃথক্থ প্রগানাবেরা, যেথ স্ক্লেপণুক্ত হইয়াজিল, তাহা ছইতে তিনি তাহারদিগকে মুক্ত করিয়া, রাজ্যের ব্যবস্থিতপুক্ত পুনর্হার লাভ্যা পদ করিলেন. তাহাতে কিছুকানের মর্ব্যে, বিবাদের সমন্ত কারন নিবৃত্তি পাইয়া, লওনের হাজসভায়, এবা বর্ধানিশের রাজসভায়, ওভয়পদ্দের পর ক্লব্তুত্বাদিবিরয়ক বাকা ছইতে লাগিল; এবা ওভয়পান্য মন্ত্রীরা এই বিমারে একরাকা হইল, যে বৎসারের আরম্ভে ওভয়পদ্দের কোন্য যৎসাধ্যাক জিল তজ্ঞপাই পুনর্হার থাকিবে এতজ্ঞান ইংগ্লিয়ের এবা প্রথমাদেশের রাজার দের লাহারিত লোগারারা ট্রালিসেরদের রাজা, হলভায় অবাব্যালাকের দল্প লাহায়াকরনে নিবারিত ছইলেন, তাহাতে হলওদেশীয় শুরীয় ব্যবন্তিত লাগিত ছইলেন.

অপর ১৭৮৮ শালে, বৎসরের আর্ড্রে ক্যুদ্রেশ চার্লসূলুইল্ কেলিক্রি ভবার্ত নামে মুবরাজ, মিনি ১৭৪৫ সতর্গত প্রতাল্লিশ শাংল, ইংগ্লওদেংশ कलहरु विश्व विश्व कि इत्यत मारी भूषीन किल्लन, वेश्वात मृत्य इर्ड मिलन. ১৭৯৫ সঙ্রলাত পঁচুষ্ট্রি কালে এ ব্যক্তির শিকার মৃত্যুর পরে, তিনি ই॰ গ্লভীয় वांका मांप्रशुद्ध वृद्धिग्राकित्तम्, এव॰ प्रशासील कर्क (चार्ष्ठकांकहक्तीम नात्य পুলিছ জিলেন, विष इं भूछ परमा पूरवां कथानी विलया पुलिस जिल्ला ; विवि ग्रामग्राम, माउधिश्व मत् पूरे यांगव । क जिल्लान. ो बाजि विजीव জেমু রাজার পৌত্র চিলেন ; ঐ ৰিতীয় জেমু রাজার পুত্র তাঁহার শিতার মৃত্যুর शह, उत्तर इंडालीय क्रांकमचाय, इंन्यूडीय क्रांका नाम धार्फ किलन, তজ্বন্যেও ভিনি রাজার ভূল্য কাইল মান্য চিলেন, এবং ওাঁছার অপ্রানিকা এবং देमहाशृक्षिः वाक्षायाता हिल, अवन शांशा क्यीय्यकां लची वाक्षातवालव शुक्ति পাপার সহায়ের্দিরকে টুপিদানকরনের যে ব্যবহার্যালকৈ অনুমতি করিতেন, ভত্ত্প অনুমতিও ই দিডীয় তেমু রাজার পুতাকে করিলেন. ক্রিক উহিার পুঞ্জ যে कार्कम् नात्य । पूर्वतांक, धिनि वे मबाय यहिगाकित्वन, टीशांत वे नवड नहुव क्तिन ना ; डीहात धोदनमया लाखिता डीहांक देश्वीय पुरवाज विविधा

মানিত সত্য, কিন্ধ ওঁছার পিতার যৃত্যুর পরে তিনি ঐ নাযভুগ্ন ছইলে, কোনো ক্ষায় মতাবল্যী রাজসভ্যেরাও, তাঁছাকে রাজা বলিয়া আন করিতেন না.

অপর জুনু মাকের ১৮ আঠারফি ভারিথে, মহাত্তিতের রাজার এবং শ্রুদিয়া দেশের রাজার সর্ববাক্তমশানী ওকাল, এবং কিজুপরেতে হলওদেশের পুতুর ওকাল, ইহারদের মধ্যে শজুনিধারনার্থে পরস্কর সন্ধি হইয়াজিল.

অনর ১১৮৮ ঘোলশত আটাশী শালের পুভূষণরীবর্তনের পরে শত বৎসর গত ছইলে, নবেম্বর মাসের পঞ্চম তারিখে, রাজধীনীতে এবং রাজ্যের অন্যহ জানে অনক সমুদায়েরা, তরিষয় স্মর্নার্থে এবং আফ্রাদাযোদার্থে এবং ইন্দর ভত্তার্থে শতব্য যুদ্ধ ওৎসব নামে এক দিবস নিক্সিত করিয়াজিল.

অপর ঐ বৎসারের দবেদ্ধা থালে রাজা, এক অতিশয় পীড়াগুরু ছইলেন, ডৎ भूगुक भौतिया मठाग अभिन्य इहेर्ड भौतित्वन मा; अवन मोजात ने वार्या হের বিষয়ে অনেক চিকিৎ দকে?। পরামুখ হইয়াজিল. অপর রাজা ঐ পুকার वारामारतु इउप्रांट, अलाम् निर्, अव काल्ब (अयु माक्न नाम पूरे यक्ति मादी, পুজাপুতিনিধিরাজনতায় অতিবৃহদ্বিষয়ক এক বিচার ওপন্থিত হইয়াছিল, যে রাজার ব্যাযোহকালে, রাজপুতিনিধি নিযুক্তকরা ওপয়ক্ত কি না खालक विवासित शाद, आलाइसित गावी श्रामार्थ इहेगी, এहेर विवय शुधगड: বিরীকৃত হইল, যে রাজার পীড়ার কালে, রাজ্যের পুয়োজনানুসারে রাজকার্য্য ठाला अनार्थ, यूरता खरू ता खांत मु उनिरिक्त नियुक्त कतिया, उद्यां उता कवी व ভারার্পন করিবে; তাছাতে তিনি রাজ্যের ব্যবস্থানুসারে রাজপুতিনিধি হইয়া इाजकार्या ठालाईरवन, किंग जाजयविवस्पत जन्यविकास कार्या कविरवन. षि शैयकः, ने तांजभूकितिवि युवताक, बहाकूलापुवदाकिवाविदिक वदः दाग्री বিক্যাক্তিয়াভিরিক অন্য কোশো কাছাকে কুলীনপদে নিমুক্ত করিবেন না. তৃতীয়তঃ, কোনো ক্যক্তিকে যাবস্ত্রীবনন্দান্তি পদক্তনিতে পারিবেন না, এবং যাব জীবন মাহিআনা করিয়া নিযুক্ত করিতে পারিবেন লা, এবং নিযুক্তেরদের যাব স্ত্রীবদস্থায়ি পদ হর্ম করিতে পারিবেদ শা. চতুর্য, রাজার যেছ দিজসন্ধতিপুভৃতি, তাহা সুর্মিত হইবে, কিছ তাহা রাজপুতিনিধারীন হইবে না. পঞ্চম, হাজার র্ষ্মিকা রানী ছইবেন, তাহাতে রাজার পীড়ার সময়ে রাজনিজভ্তার মধ্যে যাহার দিনকে তাার করিতে হয় এব॰ রাখিতে হয়, তাহ। রাখা করিবেন, কির होजा भीड़ाइडेरड बुक इडेरल डिनि भोबि दन न'; এव॰ ब्रांबी रह ने सदल कार्या করিতে পারিবেদ, তম্মিয়ে ভাঁহার লাহায্যার্থে এক ৰতত্ত লভা নিকলিত হইবে ; এব॰ ঐ সভ্যেরা, রাজার পীড়াবিষয়ে রাজচিকিৎদকের্দিটের বিচারকরবশজি भूषि इहेरव.

অপর সভ্যেরদের অনেফ বিনাদের পরে, ঐ সকল পন শিরীক্ত হইল ; পরে রাজপুতিনিবিসভারা ঐ বিদ্যালয়ত হইছালে এই সম্বাদ, পুজাপুতিনিবিসভার দেব পুতি আনাইবার পুটে, কুলানসভারদের মব্যে পঞ্চাপ জনাবি দ ব্যাল রা, কভাশ্থানম কারজে আলের করিয়া আনানারদের ঐ নকল পনেতে, সকলেই সম্বাহ কারজে আলের করিয়া আনানারদের ঐ সকল পনেতে, সকলেই সম্বাহ হইলা, সভ্যেদের ঐ সকল বান্তিবিষয়, গানীর এবং যুবুরাজের নিহুটে জাপনাথে এক সন্তুদায় দিব্দিত হইলা, ঐ সম্বাহা, লাল্যার্থর ঐ সকল পানু, যুবুরাজের নিহুটে আলাইজে বি, যুবুরাজের নিহুটে আলাইজে বি, যুবুরাজের নিহুটে আলাইজে বি, যুবুরাজ ভাষার্থিনির অভাশ্বাহ পুতি পুতুত্বর ক্রিকের জানাইলেন, যে রাজ্যের ঐ অবস্থায়, সভ্যেরদের সমন্ত চেন্তায় এবং ভারাহ্যে, ভিনি আলাইলেন, যে রাজ্যের ঐ অবস্থায়, সভ্যেরদের সমন্ত চেন্তায় এবং ভারাহ্যা, ভিনি অভিনন্ধ গা বিজেনন

অপর যুবলাজ, রাজার পুতিনিবিকপে নিযুক্ত হইয়া রাজকার্যা চালাইবেন কি না, এ নিময়ে ওভয়পালিনেতগৃহস্থলভান্নদের মধ্যে আনক বিচারপূর্বক ু বিবাদ হইলাজিল ; কিন্তু মার্চ মানের ১০ ধর্শন্মি তারিখে, রাজপুতিনিবিসভ্যেরা, भुजामुजिनिविमानात्रास्तर निकाषे मन्द्राम विशा कशिलन, या त्रांअभुजिनिवि লভ্যেরদের লহিত তোমরা লাফাৎ করিবা; পরে ঐ লভ্যেরারাজার জাজায় তাহার দিপ্তে জানুট্ট্রেন, যে রাজা পড়িছেইতে সূত্র হইয়াজেন, এবং এতৎক্ষণাব্রি রাওকর্মকর্মছম ছইটাজেন; এবং আরো জালাইলেন, যে রাজার পীঢ়া माराम, मार्काता वांकांव शिकार्य अवत् वांकाशिकार्य, रायश्रक्षा भारेमांकिरमन, তজুল্যে রাজা ভাঁহারদের অভিশয় পূর্ণান্দা বরিয়াছেব. অপর, রাজা পীড়াচইতে ভূত্র হইয়াছেন, এই সংবাদ পাটিবামাত্রেতে, তাবজাজ্ঞান্তরা, আহ্লাদে পরিপূর্ব ছট্যা, রাজ্যের লইত রোশাই দিনভাগদি করিয়া, অল্পপূর্বক কাল্যাপন করিতে পরে রাজা, অফ ই আজা দিলেন, যে এপুেল্ যানের ১৩ তেইশা ভারিখে, গীড়ারইভে দুম্বওনবিমানে রাজ্যের দার্যি, পুজারা ইম্বারের স্বরন্তরি कतिरव. 🗳 मिन्त्म, वाजा এव॰ ममचलां ज्ञां जिल्लामारहां इपूर्वक, अव॰ नशव च्छितपत भूमोपनाद्वितिगृईक, भाष्टल्यायक त्रां खदेर्यामालाग्न शयम कतिरलन. দিবলেও রাজ্যন্ডেরা, অভিশয়াক্লাদামোদপূর্বক জানাইলেন, যে আমর্গ ছভিশয় রাজপ্য ; এবং পর্দিনে আরুংকালে রাজার মূছত্তনবিষয়ে, এমত আওস্বাজী इंडाविक्रोड्रा ४८मव कृतिन, या उक्तन कराता खना योग्र नाई.

অপর ১৭৯০ সালে, যে মালে, রাজনিকটংইতে এক পত্র, গভয়ণালিয়েত লভ্যেরদের নিকটে পুেরিক হইয়াজিল, তাহাতে রাজা, দুই পার্নিযেরগৃহস্থ লভারদের নিকটে আনাইলেন, মে ইংগ্লুণ্ডার পুজারদিবের, ইংগ্লুণ্ডার প্রাক্তার বিরী দুই জাহাত্ত, আনেনিকা দেশীয় ওত্তরপশ্চিমওটেতে, প্লেন্ডারীয় দুই জাহাত্তের একজন অবিপতিকর্ত্বক, নু:কানামক ঘোলে ইড হইয়াতে; ভাহাতে ঐইংগ্লিয় জাহাত্ত ককল লোভ বলী হইয়া, প্লেন্দেশীয় বলরে পুরিত হইয়াতে; এ পুকার নিচ্ছুত: করিলেও, ঐ প্লেন্ডানীয় সভ্যেরা, আমার নিকটে বিনীত হয় নাই, নুম্পুত কহিয়াতে যে পৃথিবীর ঐ অঞ্চলে বানিজ্যানিবিষয়ে আমার দরও কর্ত্ব চলে, জত্ত্বর করি লাভার বিজ্বাতা বাজ্যান্ত্রিষয়ে আমার দরও কর্ত্ব চলে, জত্ত্বর কিন্তুব্বাতা বাজ্যুক্তিম্ন্তাদার কাটের, এবং রাজ্যান্ত্রিষয়ের নিচ্ছুব্বাতা বাজ্যুক্তিম্ন্তাদার কাটের, আমার বিজ্বাত্ত্বিদ্র নিচ্ছুব্বাতা বাজ্যুক্তিম্ন্তাদার কাটের, আমার ভাষার বিজ্বত্বাতা যাত্ত্বাত্ত্

সভারদের নিকটে রাজা, ঐ গুকার কংবাদ গাটানিবাতে, নাভারা পুনর্হার ১৪০ করিনা পাঠাইলেন, যে ঐ নিচ্চুরবাবহার্বিময়ে মনি গ্রেণ্ গ্রাজনীতারা বিভিন্ন হয়, তবে গ্রেণ্ডাভীয়েরদের সহিত যুক্তরবে রাজার লাহায্য করিছে আবাং মঙিসমতে আজি.

जानत. ये मगरप दो आरम्बर्ग, नेवस्त्र कहिए नोतिन, या अर्थन जांगला तथ कांत्रच ि वेकामृहँक काल्या कि कहिया, क्लि वे मवाग्, उदिशहरत वे आंबा नि कां भी कहेल ; स्वरंक क स्मृत्रमारियवरम् व प्राय अहे वर्ष हु थ जिल, स्य विकारस्य দের যাব্য সকলে প্লেনীয়ের সহিত গুত্তর্নবিষয়ে এক বাধ্য হইরাজিল. যথান ছাত্রনামক মন্ত্রী, সভ্যেরদের প্রামশ্রিষায় লভ্যেরদের পুলাংসা করিতে চিলেন, তথ্য ঐ পুশা-সাপুতাতে কহিলেন, যে ইমানীতন বিদ্যাবাছল্য কালে, পাপা যে কেবল দেশ দাশ ক্রিতে পারে পূর্রকালীয় যে এই ভুম, তাহা এখন অভীত হইগাঁচে, কেননা ল্লেন্দেশীয় রাজা, যে আথেনিকাদেশ ব্যৱস্তাত রাথেন, তারিবয়ে ভীহার কেবল এই এক ওপলক তিল, যে ঐ দেশ পাণাকর্ক্ত ছইলাজিল; এবং জারো কছিলেন, যে ঐকপেও ঘেছ জাতিরা পুর্যবকোরে। এক দেশের প্রদেশ পায়, তাহাতে মদিবসতি না করায় তবে তাহাও অন্যক্তি এবং জনাত িই জ কিলা অন্য কোনো ব্যাপার করিয়া, অন্য কোন রাজ্য যদি গ্রহন করে, তালাও নিদ্দুল; যেতেতুক এই দৰে দে গীভি লুঙা হইয়াছে, অতথ্য লাগাদেশ অবিকার कतिया, क्रांखा यमि स्मर् प्राप्त भुषा ना योग कर्तान, उत्त स्म प्राप्त उंद्या क्रहेरड অপর রাজনিকটহইতে সভােরদের পতেতে এবং রাজার ১ডরেতে, अप्टे (प क्या (लाया किल, (प मजाकर्ज़क ने मयाय (प क्या क्षेत्र क्षेत्र) किल, शाह ডড়ারা ঐ পুকার অনাহ অনেক বিবাদ নিবারৰ ছইতে পারে, সে বাকা ঐ ছাঞ্জ এবৰ ই প্লক্তীয়েরদের সহিত যে বিবাদ, তাহা এথন এক দুই জাহাজের নিমিক্তে লয়, কিছ আমেরিক্টারেশে ল্লেনার্থনি শে কে কর্তৃত্ব করিবে, এত প্রিয়ন্ত বিবাদ ছইতে জিল. ঐ মন্ত্রী আরে। কহিলেন, যে যথান প্লেন্ ভাটায়েরা, ইংগ্লপ্রীয়েরদের লাভিত বিরোধি করিতে চাছে, তথা ভাছারা প্রাণ্ডির বার্যহারের কথা ওপন্থিত করিয়া বিরোধি করে; অভএব এখন ইংগ্লিপ্তিরা ঐ সকল বান্য এবং বিবাদ একবারে নিয়ন্ত থে অভিদানকাশপুণির চাইয়াছে, পরে পিছ নামে জন্য মন্ত্রী, এই বিষয়ে সম্মত হইয়া কহিলেন, যে যেই গ্রাণ্ড, ইংগ্লিপ্তিরদের এবং স্লেন্ডাঙী গ্রেমের বিরোধির নিঃশেষনর্থক্য হয়, ভদ্রির অন্যকোনো গ্রাণ্ডকর্প অনুপ্রুক্ত.

অপর ই গুলিং রানের এবং দ্বেশ জাতীলের দের কাতি যে নিরেদ ছই গালিল, ভারা বিলিজ্যার নামের কোনো এক বিষয়জনো পুথাযাপত্তির ছই গালিল, ভারা বিশেষ কহি, নওল লগার এবং তপ্তরপানিদেশেতে কতকপ্তলিন সাহে বাল, নুভনদেশের অংঘরনার্থে, বহুসমুদার ছই গে, আমেরিকা দেশের ওতর পশ্চিম তটখানছইতে এক পুকার পশ্ম আলি গ, মহাচানে ত অন্য বানিজ্যজন্য জন্যে ভাষা বদল করিয়া বহুর্থনাং বুহ করিবে, এই আশার জিল; ভাষাতে মিস্নামক ইণ্প্রভায় রাজ্যুক্জাহাজের এক সেনাপতি, এবং আর এক বানিজ্যবিষয়ে নিযুক্ত হইল.

পরে সতর শত চেয়োলী শালাব্রি, সতর শত আটাশী এবং ওচনাই শাল ব্যাপিয়া, চয়ে আহাজ ঐ বিষয়ে নিযুক্ত হইয়া পুস্তত হইয় তিলে, এবং এ বানিজ্য বিষয়ে, সর্পুকারে এয়ত সৌভাগ্য হইতে লাগিল, যে ভাহা অপ্লকালের মধ্যে হাজ্যের পুতি অভিশয় লাভজনক হইল.

অপর, সতর শত ওলনাইই শালে, ঐ মির্লামক ব্যক্তির কর্মনিক্ষণতে এবং দাছিবেচনাতে ঐ বানিজ্যবিষয়, এমত বৃদ্ধি পাইতে লাগিলে, যে ইংগ্লাগৈয়েরা, আনেং বানিজ্যগৃহ ইত্যাদি নিকপিত করিল; এবং আমেরিকা দেশের তটেতে এবং ওপদ্মীপের ফাঁড়ীকানেতে, যে ক্ষেন কোনো ইংগ্লায় কথান যায় নাই, সেই জ্বানে বানিজ্যবিষয়ক অনেক নুত্রবিষয় অবগত হইল.

পরে নূৎকা নামে সমুদ্রের এক ছোলেতে বাণিজ্যার্যে, এক লগর এবং কানিজ্য গৃহ পুট্ম আনিত হইয়াছিল, ইভোমধ্যে স্লেন্ দেশার্থীন মেক্লিকো দেশহইতে, এই মার্তিন্ননামক মহাকুলোদ্রব এক ব্যক্তির কর্তৃত্বাধীন, এক সুদ্র মুদ্রজাহাজ পুরিত হইয়াছিল. এ জাহাজ মে মান্দে, নূৎকা নামে এ সমুদ্রের আন্তেত্ত করিল ক্রিজিৎপরে, ঘোলো ভোলধারা অন্য এক আহাজ আনিয়া ভাহার সহিত মিলিল.

ঐ এমু মার্তিন্দ্র, ইণগ্লভীয়েরদের সহিত যে মুদ্র করিতে আদিয়ালিলেন, পুথমতঃ ইহার কোনোটিছ দর্শাইয়াভিলেন না. ঐ লময়েও পুরীনয়বিকেরা, অব্যানিতা চেন্দায় ঐ দেশের তটের পৃথক্ছ অণ্শতে নিয়ানিল, এবং স্থানিজনিয়া লাখি কে বল এক ইণ্ট্লানীয় বানিজ্য জাগজ সেই স্থানে দ্বিরে নিল. উভাবদার ওভয় জালিবদের ঐক্য আগে, ইরা মধান সকলে মনে করিয়া রহিছালিল এমত সময়ে, ইমিজেনিয়া লামে ঐ ইণ্ট্লানীয় জাহাজে, তাঁহার কার্যা র নিকটে, লমান পুরিত হইল, যে তোমার স্লেন্ জাতীয় জাহাজের ওপর আগিতে হইলে, জাহাতে ঐ ইণ্ট্লানীয় জাহাজের কার্যান, স্লেনী আহাজের ওপর পঁছিলবাতে, ঐ এম কার্তিন্দ্র লামে স্লেনায় জাহাজের কর্তা, ভাহাতের ওপর পঁছিলবাতে, ঐ এম কার্তিন্দ্র লামে স্লেনায় জাহাজের কর্তা, ভাহাতের ভগর পঁছিলবাতে, ঐ এম কার্তিন্দ্র নামে জাহাজের আহাজের মত লোক, আমার বাল্নী, পরে ঐ এম মার্তিন্দ্র, ঐ নার অহস্তরত করিয়া, তাহাতে স্লেন দেশীয় প্রক্রারাশের করাই লন, এবং ভাহাতে কতকণ্ডলিন গুলুপুন্দুন করিলেন. কিন্তিৎ পরি জন্য দুই ইণ্ট্লানীয় জাহাজ সেই স্থানে শৃছলিকারে, ঐ এম মার্তিন্দ্র সে জাহাজও হন্তরত করিয়া, সেই জাহাজও লোক সমস্ত, শ্রুণভারা হল করিয়া মেক্লিকারে দেশে প্রেৰ করিলেন.

অপর ঐ সময়ে মথান ইংগ্লডীয়েরা, স্লেন্ জাতীয়েরদের সহিত ম্জারম্ভকরবের চেষ্টায় জিল, সেই সময়ে ই•রাও জাতিরদেরও ঐক । ঘটন। হংয়াজিল ; তাহারে অনুষাৰ হয়, যে যদা বি এ যুক্ত আরম্ভ হইত, তবে তজাপ যদার্থ ঘুল্ল দাকিত না. কিন্দু সে যাহা ছঙক, ওভয়জাতীয়েরদের সৌভারাহে কু, স্প্রার্ড রাজনভা, ইণ্প্লা ভীয় রাজসভ্যেরদের ভাবৎ ক্যায় অইবীন করিল, ভাগতে ৬তয় দেশেতে একা च পিত ছইল. ক্রদ্বারা ই॰প্লগুড়িরের, স্লেনীয়েরনের কছিত মুক্তার্যে, যে মুক্তবিষয়ে মাইট লক টাকা থাতে কি য়া মূত্রসামগ্রী পুত্তত করিয়াজিল, এবং মাহাতে ভাবৎ ইওরোপদের। চনৎকৃত হইয়াজিল, তাহা নিব্তি পাইয়া, ইংপ্লভীয় কৈন্য भग्रष्ठ विमद्भ रहेशा अविनिधारम पितिया ताल. भारत नरवचा गारम, रेक्विशांन् নামে অধ্রালিকায়, ওভয়পক্ষেরদের এক লভা নিক্লিও হইয়া স্থি হট্যাতলে; ভাহাতে ল্লেন্ দেশের ক্যীয়মতাবলম্বী রাজা, এই২ বিষয়ে সম্মত ছইয়াছিলেন, যে যুদ্ধসময়ে ইংপ্লণ্ডীয় জাতিরদিগছইতে যেছ বস্তু অংছত ছইয়াত্রিল, তাহা পুনর্দেওয়া মাইতে, এবা ইংগ্লভাগেরা মেং হাতিপুতি ছইটাচলে, তংপারি ভোমিক দেওয়া মাইবে. অপা ঐ সন্মিতে উছাও বিট্রকৃত ছইল, যে ইণ্রান্ত काजीरहरू, भूगांडमातरह किया प्रश्निगातिहरू काला साल, बृहत्वका विष য়ক ব্যবসায় অমুদ্দপূর্ক করিতে পারিবে, এবং ওভাপক্ষেরা এই বিষয়েও मग्रेड इहेन, या हेहांद्र शहर पाहांत या होता, आदि विकासिनीय उदेख जन বিকৃতজানে ধর্মীর্ন ছইয়া, অলমপূর্বক অঅব-নিজ্ঞা ক্যবলায় কারতে পারিতে-

অপর এ স্বিবিষয়ে তেহু অসক্ষ হুইয়া কহিতে লাগিল, যে তাহা অতি

লাভজনক, এবং অভিন্যুক্তের বছকালখায়ী হইবেক লা, িক লণ্ডন্ নিযাসীটো এবং ওভয় পার্লিমেতগৃহের সভোৱা, রাজনিকটে পত্র নিথিয়া জালাইলেন, যে ভারারা ঐ সন্ধিতে সর্বভোভাবে সমাত চিলেন,

অপর পার্লিমেন্ডের ঐ শেষতে, এই এক কারছা হিন্তিকত হইল, যে বতানিবে ওপদীপদেরা, অজনাভূমির ওপকারকরতে গ্রুম্মান্ত যোগ্য হলতে পারে; ভাহাতে ঐ ওপদীশের অধ্যক্ষকে এই পরাক্ষম দেওয়া রোল, যে হেং বাজিরা ভাল আচুত্র করিবে, ভাহারদের বাকী মেয়াদ ভিটি জনা প্রিতে পারিবেন; এক ঐ বাইক্ষায় ইহাও ভিটিক্ত হইয়ানিল, যে ঐ পুকারলোককে নেলপদে নিযুক্ত করিবে, রাজ্যুক্তভাহাতে সামান্যদেশকারাম্যে নিযুক্ত করিবে, রাজ্যুক্তভাহাতে সামান্যদেশকারাম্যে নিযুক্ত করিবে, রাজ্যুক্তভাহাতে সামান্যদেশকারাম্যে

আনর ঐ-বংসরে, ছয়দরআলি য়াঁর পুল, তিপুনুল্ডান্ ইণ্প্লিট্ড অবিদারে আবেক ওৎপাঁথ করিতে লানিল: তাহাতে অনুসাং হয় য়ে য় বিষয়ে তিনি দ্রীলি দীয় রাজসভাবর্তৃক চালিত হাইলাচিনে , মেলেডুক ট্রামলেরদের মরে। সর্ক্ষ প্রজাপুতুকর পুরল ছওক, বা আন্য কোনো গুলুক ব পুরল ছওক, তাহার। সর্ক্ষণ ইণ্প্লিটারদের শাল্ল কিল, য় সময়ে অনিম্যাদিনেশীল এক রাজার, চিলুনাকের সহিত মুল্ল হরবাবশাক হওগোত, ইণ্প্রতিয়েলির এ বিষয়ে ঐ রাজার দালায়। করিল, তাহাতে দুই বংলুপেটার ইণ্প্রতিয়েলের মিতি মুল্ল বালিটারদিল করিলে, অপর সমহ সার্বাত বিয়াল ইলিলা করেল, আপর সমহ সার্বাত বিয়ালি, লাহের অনিকারে চছাও করিয়া, লারগ্রভান্ কামে তাহার রাজনানী বেমান করিলেন, তাহাতে কিলু পরে, মি তিপুলাই অভ্যানন্দ্রাজিপুর্বক, ইণ্প্রভায়েলের লাহিত দাব্য করিলেন.

অপর ১৭৯১ শালের আর্য়ে, পার্লিয়েত দভোর্বের যথে বছবিষয়ক অনক রাজকীয় কার্য্য ওপদ্ধিত হইয়া বিচারিও সইয়াজিল. তাছার বিশেষ কছি, মান্ত্র্য লামে মজিকর্তৃক এক বিচার্বিষয়, লভোর্বের নিকটে ওপন্থিত হইয়া ব্যবহাকপ ক্ত হইয়াজিল; তাছাতে জুড়িছারা বিচারকর্ণবিষয়ে, অুড়িতে নিবিষ্ট্যাজিরা, পূর্বাপেকা অবিক প্রাক্তমপুাপ সইয়াজিল; তাহাতে জুড়িতে নিযুক্ত্রাজিরা, ব্যবহার এবং দোলির্বের দোষের বিচারকর্ণন প্রাক্তমপুাপ্ত হইল. অপর ঐ প্রাক্তে, গোলাম ব্যবসায়বিষয়ে লাজির্বের বাক্তাবিচারার্থে এক সন্তুদায় নিযুক্ত হইয়াজিল, এবং ওইল্বের্গের্স নামে মন্ত্রি পুরোরজনাওয়াতে, সভ্যের্বের নিকটে এক দর্থান্ত ওপন্থিত করাগ্রিয়াজিল, যে ইংগ্লভীয় অবিকারে গোলাম আনিত্র হইবেনা; কিছ পরে ঐ দ্র্থান্ত সন্টোরর একপ্রাণ্ডিকা অন্যাপক্ষে ন্যুব লীচান্ত্র জন কভ্য অসন্তে হওয়াতে, তারা রুদ হইল. অলার ইণ্ট্রগুদেশক ক্ষ্মীনমভাবলখীরা, বছিল যে পাশেরি নির্বোশিরি প্রাক্রম বিবে গল্পুড় গতে, তালাতে র জিকর্ত্ত ১ এক ব্যবসা কৃত্য হইগাজিল, যাহাতে এই বৈদ্য বিবিশ্ব হাইয়াজিল, যে ইণ্ট্রগুদেশাত ক্ষ্মীত্মতাবলস্বীরা, যদ্যশি পাশার মতে না চলে, তবে দোখা নয়; তাতু রা ক্ষ্মীত্মতাবলস্বীরা পূর্বীয় আদেক দুঃসহা ব্যবহারহাইতে মুক্ত হইল. আলার ঐ বংশরে ওত্তরাযেরিকা দেশেতে, উর্ক্ত এবং অধিক কালানা নামে দেশন্তেরা, জনেক মূলব্যবন্ধাপ্ত হইল, তদ্ধারা ভাহারা ইণ্ট্রগুটি রাজাধিন ক্ষমণ্ড্রাই না তি হইল, এবং ঐ পুন্তরা ইণ্ট্রগুট্রাই ক্রেড়া বিবি ক্ষমণ্ডের মহানারে, ব্যবন্ধা এবং ক্রিজাধানামপুর্বি হইল,

অশব মার্চ মামে, ক্রিয়াদেশক্ষেরদের স্থিত ঘুলার্থে, ইণ্প্লান্তীরেরদের অনেক যুদ্দারারাজ পুত্ত হ ইডেজিল, ঘেহেতুক ঐ ক্রমীরাদেশক্ষেরা তুরকী দেশক্ষেরদের স্থিত যুদ্ধারম্ভ করিয়াজিল; কিছ কিজুগরে ঐ সকল ওদ্যোগ আয়োজন ইজামি নিতৃত হইয়াজিল.

অপর ১৭৯২ সত্ত্পত বির্বানয়ই শালে, গোলামবিষ্য়ক বানিজ্যব্যবসায় শানিওই নিধারনার্যে, পুরাপ্তিনিবিস্তা হার্ত্তক এক ব্যবস্থা থিরীকৃতা হার্ত্তা কিল, কিল পরে তাশা কুলীনসভাকেই ভ রুম হার আপর একশ্রেকর নামে ব্যৱস্থানের কালুনরো, সভ্যের্দের নিকটে রাজ্যের হিসাবকিতাব দেখাইয়া ক্রিলেন, যে প্রতিয়ের জন্ম ব্যয়হাতে ৭০০০০০ তেহাত্তর লক্ষ হার্কা অবিক আজে; তাহাতে তিনি প্রামন্ত্রি নিয়া, ১৭৯০ শালে, ত্রিষ্যুক্ত আজালুাঙ্গ হার্তিন, যে রাজ্যের কর, নূল ১৬০০০০ ঘোল লক্ষ টাকা পুরুণ্যদের স্থানে গৃহীত হার্বে, এবশ্রাজ্যের পুরাত্ত প্রথশে বিশার্থে, ৩২০০০০ ব্রিশালক্ষ টাকা ব্রুদ্যের ব্যার হার্ত্তার, এবশ্রাজ্যের পুরাত্ত প্রথশে বিশার্থে, ৩২০০০০ ব্রিশালক্ষ টাকা ব্রুদ্যের ব্যার হার্ত্তার

আৰু ঐ ক্যায়ে ঐ রাজকানুনগো, রাজ্যছেরদের পুরোর জনাইতে লারিলেন, এবং আপনিও অনুমান করিলেন, যে মহাত্রিচিন্ রাজ্য বহুকালছাথী ঐক্যের ছল ভাগিকতিনে, যেছেত হ তন্মানকায় নাযে, কেবল ঐ বিষ্ণোপভাগ অবলিও জিল. কিছ ঐ ক্যায়ে, নিক্টছ এই এলোক অঙ্গ্রনিয়ের এবত ব্যক্তি হইতেজিল, যে ভাছাতে ভাৰম ইন্যানায় রাজ্যছেরা, পুনর্বার যুক্তবিল্যুক্তে নিম্ম হট্ল.

অপর, বনের বাংলন্যেতে সাবীরত্পুলুবের নালা, এবং পানের হীনভাতে একারি পাড়োর নালা হয়. অনেক পুত্রধারীর ট্রানিন্, দেখীয় রাজকীয়বিষয়ে অর্থের অক্তলন ইইয়াছিল; ভারাতে মঞ্চন ঘোড়শীয় লুইন্ নিংহাসনম্ব হইলেন, তথান ও অর্থনানভাবিষয়ে অনেক বাবীপুলি হইয়া, অবলেষে মারা পড়িলেন. গেছে তুকু রাজকীয় ভাভার পুনুষ্টার প্রিপুরিহ্রার্থে ওপায়ক্রনে, সভ্যের্থের মবীয় অনেক বিরোধি এবং পুরুষ্টার প্রিপুরিহ্রার্থির ওপায়ক্রনে, ভাভার মবীয় অনেক বিরোধি এবং পুরুষ্টার ওপিন্তির হইয়ান্তিনে. ভাহাতে সর্বাপ্রে

হাতা সিংহাসকটুকে হইয়া হারা পড়িবাতে, গুঁগসিস্ দেশে একারিপত্যের নান্দ ছইল.

কাপর ব্রীপিন্স্ বেশীয় যে যুদ্ধবিনুহ, তাহা ঐ লয় যে কেবল তব্দেশনাত ছিলে; কৈন্ধ পরে অন্যহ্ব আদক বিষয় ওপন্থিতজন্য, অনাহ্ইওরোপীয় রাজনান্তর্গাও ভাহাতে নিমন্ন হইতে লানিল. তাহাতে ঐ ট্রাঁলিন্স্ দেশীয় পূর্বপূভ্বপদ্ধীয় লোকেরা, অপুভূষের পুনঃজ্বাপনার্থে অন্য রাজার সহিত যিত্রতার চেন্দা করিতে লানিল; এবং ঐ পুভূষণারীর্জনেতে, অন্য পদশতির্গের, একণ আক্ষোশ বর্ত্তি ছইতে লানিল, যে তাহাতে প্রস্তুর তাহারা অবন্ধনিয়া এবং হিং লার পুতি ফল্পে এনটেন্তা ইত্যানিতে রত হইয়া, দ্রাঁনিন্স্ দেশের দীমানার বাহিরেও অভ্নত্তর স্থানিন্স্ দেশের দীমানার বাহিরেও অভ্নতালাইতে লানিল. অপর তাহাও সকল নহে, যেহ বিরোধিনিন্দার দ্রানিন্দ্ দেশোতে ওৎপত্ত হইয়াজিল, তাহা সে দেশেতে নিবৃত্তি পাইল না, বর্ষ্ণ পরে তাবং ইওরোপ দেশেতেও বৃদ্ধি পাইতে লানিলে. তাহাতে বর্তমান পুভূষের ন্যামান্যাম্যতা, এবং অন্য পুভূষ্কানন হইলে ভাল হইবে কিনা, তিন্তুয়ের ন্যামান্যাম্যতা, এবং অন্য পুভূষ্কানন হইলে ভাল হইবে কিনা, তিন্তুয়ের ক্যান্যান্ত্র বালিতা, সকলের মুখে কেবল ঐ বাক্য শ্রানি নিয়াজিল, তাহাতে প্রথানাক্ষিত্ত ঐ বিমেদকারিরদের মন্যাি মেনি জিল, তবে পরেতে অন্যলোক্ষের দেরও মেনি ছিল, এবপ নাইল বিরোধ্য বিরোধ্য আভিন্য আভিনা হইল.

অপ্রা ট্রাঁসিস্ দেশীয় ঐ বিরোবহইতে ব্রিটন্ দেশব্রেয় মুজ থাকাতে, পুরিষ্ঠারণ ইওল তাহাংদের ওপযুক্ত চিলে; যেহেতুক ব্রেটার প্রিয়েরদের মনোতি লামসম্বার্থে, মহাব্রিটিনের রাড্যের মূলবারব্যতে কোনো মধল অবশিশ্ব চিল লা: কিল রাড্যের যেহ দুর্দশা ঘটে, তাহাহইতে দে রাজ্য সর্ব্বা রম্ভিত হইতে পারে লা. ঐ সময়ে সভ্য শে হণ্ডক, কিয়া ক্যিতমাত্র বা হওক, কিয়া অনুমান মাত্র বা হওক, ইণ্প্লভরাজ্যে অনেকে ভাবিয়াছিল, এবং তাহিময়ে অনেক কটোইই বাক্তা, ক্রিটাইইইইডিল, যে ইণ্প্লভীয় মূলগাব্যায় অনেক অমধল পুরিষ্ঠাইইটাছিল, বা ইণ্প্লভীয় মূলগাব্যায় অনেক অমধল পুরিষ্ঠাইটাছিল, তাহাতে একজন অভ্যুনুবাজি, ইহা কহিল, যে ব্রিটিনের মূলবার ছাই নাই; ঐকপে ইণ্প্লভীয় রাজ্যক্ষের্মের মথ্যে কলহ এবং বিদ্নেদ্বভাব, দেইত অভিন্নাক্ষণে দৃষ্ঠ ইইডে লারিল.

অপর, ইণ্প্লভাদেশে রাজ্যন্তেরদের কতক অণ্শতে যে সাধীরনপুচুছুবাঞ্জা বর্ছিতা হইতে লাগিল, ইছা কহিছাতি; কিছ তাছা জাড়াও, ঐ সময়ে ইণ্প্লভ দেশেতে যেছ বিরোধনিক্যাদ বন্ধিও ছইতেজিল তাছার আরও অনেক কারন কথনোপযুক্ত; বিশেষতঃ, ফুঁলিন্দু দেশায়পুচুছপরীবর্তনবিষয়ে, এবং তাছাতে ইণ্প্লভায় রাজ্যশাসকেরদের কোন পক্ষত্তনকর্তব্য, এভছিময়ে রাজ্যন্তর্দের নানা লোকের নানাভিয়ত হইয়া জিল.

অপর, গুঁগুনিস্দেশে যে মহাকাণ্ড ছইতেজিল ভাহাতে ইন্প্রীক্স রাজ্যশাস কেরা, পুরিষ্ট না হইলে অন্য কোনো ওপায় নাই, ইছা মঞান রাজ্যমন্ত্রীরা, অনু মান করিয়াজিল, তথান ভাছারা পার্লিষেত্রসভাহইতে এই রাজাজা পুরিছওনের চেমা পাইতে লাগিল, যে রাজাহইতে ভিন্নদেশীয় লোক বছিছ্ত ছয়, এবং ইণ্প্লভেদেশহইতে গুঁগুনিসদেশে বান্য প্রেতি না ছয়.

অপর, এ সমণে ট্রাসিস্ দেশ, সমারোহবিশিপ্ত পুতুর্ঘারীর জিল; এ সমারো इन्द्र (लांकि:). यहांविषितत्त्रत्रपत विषय अहे लांलिण् कृत्रिगक्ति, या हैश्क्ष ত্রায়ের। ওভয়দেশত পৃষ্ধীয় কানিজ্যবিষয়ক লক্ষ্যনুলারে চলে না. 💢 অবলরে মহাব্রিকিক্ষের), কছিল যে স্লেক্ত্ লামে নদীতে বানিজ্য ব্যবস্থায়করনে আমরা ঐ সন্ধিতে নিষ্ক্রি নই, এবং ভাতৃবন্ধানৰ ব্যবস্থাবীনও নইি; 'মেছ লোক শ্রীন্তি লায় পুভুত্র তারে করিয়া একারিপতিক দেশে যায় তাহারদের মন্নলান্ত্রে ঐ ব্যবস্থা ঐ नयादाहरू लाककर्जुक किष्किर्भृद्धं क्ठा इहेग्राह्रिल. मारवित् नार्य अठ पुँक्तिम् वाकात ७० जिन पात पुँक्तिमीप नादीवन পুভুৱের ধকীলৰকণ আপনাকে গুছনকরাওনাকাথ্নী জিলেন, তাঁছার পুতি আয়া হইল, যে তিনি ই°গ্লভদেশ ত্যার করেন. ভাহাতে ঐ টুঁ(সিনীয় সমারোহস্থ मराज्ञाता, म्हात कृतिन त्य जे सम्बद्धादिव **युंशिनस्त्रता, महाविद्धित्तत तालात सहिछ** এবং সংযিলিও দেশাব্যাগের সহিত যুক্ত হইবে. ঐ পুচারিত,বার্যু অভি চাভুগীপুর্বক রটিত ছইগাজিল, যেহেত্ক ঐ থাকেতে অনুমান হয়, মে^{নু}জন্মা দ্র্যালিনায়ের। থেবি তলাইতে চাছিয়াতিল, যে তদেশীয়রাজার এবং ভর্নুজার দের ৰভত্তমত এবং ৰভত্তচেন্ধা ছিল.

অপর দ্রানিস্দেশীয় পুরাতনপুভুত্ব পুরুজ্বাপনার্যে, প্রানিষ্টাদেশের রাজা এবক জার্মনি দেশের রাজা পরয়র ঐবা করিয়াজিলেন, কিজুকাল পরে মহাবিটিনের রাজাও ঐ বিষয়ে পুরিষ্ঠা হাইলেন তাহাতে মর্কের অগ্নুত্তীর কর্তৃত্বারীন মত বিভিন্দেশীয় দৈন্য, তাহারণ ঐ সংখিলিত রাজগানের সৈন্যেরদের সহিত মিলিয়া তারাবদের লাহাত্য করিল. পরে ঐ মর্কের অগ্নুত্তী, বার্লেনস্থিলনামক লাহর অবক্ত করিয়া, হত্তাত করিলেন; এবং লাইত ঐ লংখিলিত রাজগানের দৈন্য দুল্লাত হিলাক, এবং মহাবিটিনের এবং স্থেল্ডাতীয়ের সংখিলিত মুজ্জাহাজত্ব লামুছ, তোলান্নামক ভাল হত্তাত করিলে, কিছ কিজুপরে তাহা হারিত হইল. অপর সমঙ্গ সত্ত্বাত চৌরালয়ই শালে, দ্রাসিনেরা মহাবিটিন্তপ্রীণে চোলকরনের অনেক ভয় দেখাইয়াজিল, তাহাতে ইংগ্রতদেশের মঞ্চলার্যে এবং লুবুজার্য, আনক আয়োজন হট্যাজিল, এবং রাজ্যত্বেরা ভানেহ জ্যেশ্রুক

वसमूमसूष्रग्र १३ल.

এ সময়ে ক্ষমেন্ত্রের বিরোধিজনকশতরচনদোমে, আনেকে বিচারিত ছইয়া মন্ত্র্যার ছইয়াজিল, এবং ইংগ্লন্ডদেশে এ পুকার আনেক বিরোধজনক সন্তুদায়ও নিতৃত ছইয়াজিল.

অপর, এ সময়ে লং মিলিডরাঅনৈস্যানেরা, সর্ব যুদ্ধেতে অসমল হইতে লানিল. কিন্তু মহাব্রিটিনীয়েরদের যুদ্ধজাহাজসমূহ, হাওদায়ে পুদেশাবিকারির কর্তৃত্বাবিদ, জুদু মালের মিডীয় দিবলে, এক অভিন্যান্ডানির যুদ্ধেতে জাই হইয়া চিল; ভাহা কাড়াঙ, অপ্নান্ধানিদেশেতে এবং ওডরামেরিকায় ওপদ্ধাপেতে, ইংগ্রুডীয়েরা, শতুর্বীদ লমত আদ আয়ুড করিয়াচিল, ভাহাতে অলুকানে ব্যাপিয়া ক্রিকা নামে চল্ট্রাণ্ড ব্রিটিনের প্রাকাবীদ হইয়াচিল.

আপর এ ক্রেক্সেথনে শতু জয়ী এবং কথানো ইংগ্লগুয়ের জয়ী, এড দ্রণে নানাবিব ইইতে লাগিল; এবং প্রায়ুত বিদুণোর্ড নামে দেনাপতি ইংগ্লগুয় পক্ষে আর্থ্রত লাগিল গ্রহণাড়ীসমীপে অভিপুলিছ এক জলমুছ করিনা, তাহাতে জয়ী ছইয়াজিলেন. অপর দিসেন্তর মানে, পালিমেনগ্রে, রাজার এক পুন্তাব পাঠ ছইয়াজিলে, তাহাতে এই অভিপুায় জিল, যে রাজা তৎকালান ট্রানিসায় পুতুরদের সহতে একা করিতে সমাত জিলেন, তাহাতে এ বিষয়সমূলার্থে অনেক চেয়াইইয়াজিলে, কছ ভ্রিঘয়ে অসংখ্যা বাবা ধণান্তিত হইল.

অপর ১৭%৬ শালে অর্থাৎ পরবৎসরে, ছলওদেশীয় সং মিলিডভূমিতে পুভূত্বপরী বর্তন ইইইাচিল, ভাহাতে হলওদেশীয় স্বামী ইংগ্লওদেশে পলায়ন করিয়াচিলেন, ভাহাতে দেই দেশের পুভূত্ব পঞ্চত্রন নিয়ামকের হতে পড়িল, এবং সেই রাজ্য ক্রুণিলসীয়াবীন হইল. অভ-ব ঐ সং মিলিড দেশবেরা, এবং স্লেন্দেশীয়েরা, মাহারদিনের সহিত টুঁনিস্ রাজা, এবং অন্য রাজনেনেরা একা ভঞ্জন করিয়া চিলেন, ভাহারা ইংগ্লভীয়েরদের শত্রু হওয়াতে, সর্হদা ভাহারদিনের মুদ্ধাবীর হওয়ার আশক্ষা জিল. পরে ঐ বৎসরের অতে ইংগ্লভীয়েরদের, টুনিস্ ভাতীয়ের দহিত একা হওদের আর এক ওদ্যোর হইয়াজিল, কিছ ভাহা পুর্বোদ্যোগন্যায় ব্যর্থ ইইল.

অপর ১৭৯৭ সতরশত সাতালয়ই শালে, ই৽প্লতীয় পার্লিমেতত তৃতি এক ব্যবস্থা কৃতা হইয়াজিল, তাহাতে উ৽প্লতীয় লাউচহীতে লগদ টাকা দেওয়া নিবারল হইল, তাহাতে সূত্রাণ এক পৌলাববি লাচণৌলপর্যাত মূল্যলোট্ করিতে অক্সন্ত দেওয়া গেল. অপর ঐ নংসরও, ই॰প্লতীয় অলেক সমুদ্রুদ্রুশিময়ে অভিগ্রন্ধীয় জিল; বিশেষতঃ আদ্মিয়াল সরজান জেবিস, যিনি পরে ঐ মুভের নিমিতে বিন্সেত লামে পুদেশাবিকারিপদে নিমুক্ত হইয়াজিলেন, তিনি বিন্সেতনামক সমুদ্রুটিকের নিকটবর্তী, স্লেন্ডাতীয় জাহাজের এক সমূহ পরাত করিয়া জিলেন. অপর লিংছেদ্ পায়ে স্থানে, নগরত্ব ইংগ্লেডীয় জাইজি লৈন্যেরদের
মব্যে এমন অতিবৃহৎকলত ওৎপল্ল ছইয়াজিল, যে তাহাতে অনুমান হইয়াজিল,
যে তাহারা স্থাভিলাধানুসারে রাজসভারদিরাকে চালাইতে. অপর আদ্যিরাল্
দ্র্জানু নামে সেনাপতি কাল্লরদেশ্নামক স্থানস্থাপে, হলঙীয় যুদ্ধজাহাজের
এক সমূহ পরান্ত করিশাজিনেন, তাহাতে তিনি দেশোপভোনিপদ্ধ হইলেন.
অপর ঐ বৎসারেও ইংগ্লেখীয়েরা, দ্রীসিসেরদের ক্রিড ঐক্যক্তরতে তৃতীয়বার
চেন্দ্রা পাইলেন, কির তাহাতেও অস্থাল হইলেন.

অপর ১৭৯৮ সত্রশত আটাবইই শালে, ট্রানিসেরা মিলুরুরেশের ভটে অবেক দৈন্য পূর্ব ক্রিয়াজিল, তাহাতে আগন্ত মানের পুথর মিবলে, আদু যিরালু নেলুসনের, ঐ দৈন্যবাহক জাহাজন্বের সহিত লাক্ষাৎকার হওয়াতে, তিনি ঐ জাহা জনমূহ পরাত করিলেন; ঐ মুভ, ইংগ্লণ্ডীয় রাজবিবরবের মধ্যে ঐ বৎসরকে অভিগ্রনীয় করিয়াছে. অশর ঐ বংসরের পুমরোশক্রমে, আই র্লেও দেশব্দের মধ্যে, কলছ ওৎপর ছওনের অনেক চিহ্ন দুর্গ্ধ ছইয়াজিল : তাহাতে যে যালের ১৪ চরিশ তারিথে, সেই স্থানের অব্যক্ষ, রাজার প্রকান মত্রির বিকটে পত্র লিথিয়া, এই লংবাদ জ্ঞাপন করাইলেন, যে আইল্ড ক্লাতী एक्ष्पत याद्या मः यिलिउ পুরালছ বাজিরা, আনুরাতলোকেরদের লিকটে এই লক্ষেত দিয়াছে, যে লক্ষ্টে পাইবাযাত্রেতে তোষরা তৎক্ষণাৎ পুতত থাৰিব। যেছেতুক রাজ্যশালকেরদের ব্যবহার অনুচিতপুষ্ক ওলিবারন না করিলে লয়. এবং আরে: লিথিয়া পার্চাইলেন, যে গত দিবলে, সংবাদ পাওয়াতে সকলে ইহা অসমান করিয়া রহিয়াজিল, যে তাবন্ধারন্তেরা এবং তরিকটবতী তাবন্তুনপদী য়েরা, দায় কালে অল্রগুছন করিয়া ওঠিবে, অভএব ভরিবারনার্যে আমি শছরের মব্যে অভিদাববানপূর্বক চেডা পাইয়াছিলাম, তাহাতে কোনো ৬ৎপাত হয় লাই; কিন্তু অন্যথ আলে আমাৎ দ্বিন্ এবং মিৎ এবং কিলেদ্র লামে প্রপ্রানাম অনেক ওৎপাত হইয়ালে, এবং দাশ্নামক নগরে কলহকারীরা বিরোধ করিয়া ঐ আইর্লও দেশীয় ফলছ সেপ্তেম্বর মানের ৮ আটিদিন ठहांड कर्त्रियां किल. পর্যাত ব্যাপিয়া বৃহিষ্ণ জিল, এবং দে সময়ে তৎ লাছায়ার্যার আটপত ফুঁলিলীয় দৈলা সেই দেশে আহাজহইতে ওড়াল হইয়াজিল, কৈছ বালি লামত পুলিছ মুৰেতে তাহারা বলীভ্ত হইয়াজিল.

অপ্র, ঐ দময়ে আইলভীয় রাজ্য, যে ১৬ পাতছইতে মুক্ত ছইয়াজিল, দেই দকল ৬২পাত পুদর্শের নাছয়, এলিমিডে ঐ রাজ্য ইংগ্লভীয়রাজ্যের দহিত মিলিলে মন্ধল ছইবে, এবং ৬ভয় দেশের ছিত্তবিভিত্তইতে পারিবে, ইহা অনেক কর্ত অনুমের ছইখারিল; তাহাতে ঐ বিষয়ে ওভয়রাজ্যের রাজ্যলানকেরদের মধ্যে অনেক বিকিচনা ছইয়াজিল, তাহাতে পরবংশরে ঐ ওভয় রাজ্যের লংমিলগু সমূল ছইল.

আপর ১৭৯৯ লতরশত নিরানয়ই শালের আরন্তে, ইওরোপায় সংশিলিত রাজ্যানেরদের লৈবেরা, পূর্বাবি অবিক ওদ্যোগী হইয়া, দ্রাঁলিস্ দেশায় সৈনেরদিরকে বার্থার প্রাক্তাক্রিয়া সহঁতোভাবে অনিয়য় সদলে হইতে লাগিল, এক দ্রাঁলিস্দেশেও রাজ্যাক্রেরা, সংশিলিতরাজ্যানেরদের পদ্ধ হইতে লাগিল; এক দ্রাঁলিস্ দেশার বিয়ামকপুরুত্বর পুতি দ্রাঁলিস্ দেশবেরা, ওতরোতর অবা লাভার দর্শাইতে লাগিল, তাহাতে সংশিলিত রাজ্যানের এই আশায় কিল, যে ভারারদের কায়া অনায়ানে সম্লব হইতে পারিবে, কিছ দুর্গ এক মানের মব্বা এ পুতাশিভিন্না হইয়াছিল; তাহার কার্ব এই যুক্তের অগুনা, হলওদেশে অভ্য লাদ্রন্ত্রপুর চচাও করিয়াছিলেন; এবং দংঘবর মানের ৯ নয় তার্থে, দ্রাঁলিস্দেশে পুতাপুরুর নুডনকপে পুয় পুনংখাপিত হইগাছিল, ভাহাতে পুরীয় পদ্ধ নিয়ামকেরদের পরীর্থনে, পাঁচ জন আমান অব্যক্ষকপে নিযুক্ত হই গাছিল, ভাহারদের মব্ব্যে বোনপার্ত পুরীন ছিলেন.

অপর, এ দুঁগিললীয় লভ্যেরা সভ্যপদে নিযুক্ত হইয়া, পুথমতঃ ইংগ্লেণীয় রাজার্মুলকটে পর নিথিয়া, স্থিকান শান্ধা আতি করাইলেন, এ পর ইংগ্লেণীয় ক্রিকার ক্রিক

অপর ১৮০১ শালে, টু দিসীয় সভারা ইংগ্লভীয় রাজার সহিত ঐকাক্রনে ভ্রমানা হইয়া, টু দিসীয় পুরীন সভারা, সাধাপর্যাত ইংগ্লভায়ের্দের বাভ করিতে লাগিল. ঐ পুরীনসভা, প্রদেশসমুদ্ধীয়বিষয়ে সতলে ভিলেন, যে হেতুক তিনি দেন্যার্ক এবং বিদন্ এবং ক্সীয়া, এই তিন দেশস্থেগ্রের মধ্যে পর্বার ঐক্য জন্মাইয়া, তাহার্দিগ্রেক সাক্ষোদাসীন্ত্ভাবে ইংগ্লভীয় সংযিনিত রাজ্যের বৈরি করিলেন; এবং আপনি সদৈন্য হইয়া ইংগ্লভীয়োপ্ছীপে ওভীন হইবার অভিব্লোয়োজন করিলেন.

পৃথিবীর ওত্তরাপশের সমুত্রে ব্যবসায়ী রাজগবেরদের মধ্যে এই এক পুন্ধ অতি পুলিন্ধ আজে; এবপ ঐপুশের অর্থ ঐ দেশকেরা এইকণ করেন, যে তাহাতে উচ্চার। সর্বায় মহাবিত্তিশ্বেরদের আচরবেতে অসক্ত: ঐ অভিথাত্যাপন পুন্ধ এই, যে সমুজ্রণথে বাধিক্যবাবসায়করণ সকলের সাধীরণ কি অসাধীরণ ভাষার বিশেষ করি, যুদ্দিন্যর রাজগণেরদের, গুনানীর রাজগণেরদের ভাষাত্ত ভালার লওনবাবহার কর্ত্তর ভি না, যেহেতুক ডজারা যুদ্ধ সময়ে ক্র্যান্তর লাহায্যপুত্তি নিবারণ হইতে পালে. এ ক্রিয়ে আভিনায়ে অনুমান হয়, কৈছ গুইরোপদেশন্তেদের বিবরণপাঠবারা, ইনা অনুমান করা অনিসূত্রার গামা, যে দুর্বল রাজগণেরা, মানারা এ বিষয় নিয়ারণ করিছে পালে না, তাহারা ভাষিক পালে, কিছু আন্যং কলবান্ত্রালার করা লাহারা ভাষিক পালে, কিছু আন্যং কলবান্ত্রালার করা লাহারা ভাষিক পালে, কিছু আন্যং কলবান্ত্রালার করা লাহারা ভাষার ওৎপালে সমুত্রি মনানি ক্রিয়ার বলঘারা এ কলবারহার করে, ভাষারা ওৎপালে সমুত্রি মনানি ক্রিয়ার বলঘারা এ কলবারহার করে যে গুলানা লাগের ক্রিয়ার করা করার করে যে গুলানা লাগের করা পালির আহার্যাক্র আবিকার, কিছু গুলানা লাগের আহার্যাক্র রাজ্যান্ত্রালার ভাষারালার করিছে লাভ আলির, কর্মানার যাজাহাত্রালার ভাষারালার বালার আহারিছলের লাভ আলির, এবং সর্বালার যে আহারিছলের লাভ আলির, এবং সর্বালার যে আহারিছলের লাভ আলের, আহারে জালার আলির আহারে অনুমান হয় যে মহারিছিলকের দের গুলানীন আহাত্রের করে স্বালার অভিনামা, এবং অন্যান্ত্রায় যে ভারিবারণ করে, ভাষা কেবল অনিত্রভানার্যালার আভিনামান, এবং অন্যান্ত্রায় যে ভারিবারণ করে, ভাষা কেবল অনিত্রভানার্যা

কিছ লে যাহা হওক, অন্য যে আয়াপেক্লা পুরুল, ইহা কেই প্লাহ্য করিছে চাহে না;ভাহতে সর্ব্র বলনানেরদের ই ার্র্ক বা হওক, দ্ব্রান্ধান্দ্রিল পূর্বকই বা হওক, দ্বুলির্দ্রিল করে বা হওক, দ্বুলির্দ্রিল অবশীসূত রাঝান ইয়া না থাকিলেও, স্তুর্গান্ধাঝিতে হয়া অপর ১৭৮০ সতরলাও আশী শালে, ক্রিয়া দেশের রাজা, সমুদ্র বিষয়ক এক নৃত্রন ব্যবস্থা ভূল পূকাশ করিলেন, ভাহাতে এই ব্যবস্থা ভিলা, যে ওদাসীনরা জ্যান্থের। মুদ্রে নিমন্নোজ্যান্থেরদেরকর্তৃক অহিষ্ঠানা হয়, তহিয়েছে অবজাহাজ সসজ্জকরবোপযুক্ত, ভাহাতে এ বিষয় সাক্রোদাসীনত্র নায়ে পুনিব আছে. পরে ১৭৯৩ সতরশত ভিরানয়ই শালে, এ ক্রমীয়াদেশের রাজা, মহা বিভিনের স্থিত একা করিলেও, এবং এ সন্ধিতে সাল্যোদাসীন্দ্রবিষয়ে অভি বিকলবাক্য হাইলেও, এ আকলির আর্যান, বিদ্যা করে দেন্যার্ক এবং কসিয়া দেশন্থের। সাল্যোদাসীনত্র মতাবলমী হাইয়া, অজ্ঞাহন করিল: কিছ পরে এ দেশন্থেরা মায়েছ পুনর্বার অজ্ঞান্ত ভাহার। পূর্মভাবল্যী হাইডে লাগিলে। কিছ ভাহাইয়াপূর্বক করিল না, যেহেতুছ ভাহারা, প্রথমাবকাশ ওপক্তিত হাইলে পুনর্বার অজ্ঞান্থন করিতে লাগিল. এবং ডক্রপ অবকাশ অভিশীল ওপক্তিত হাইলে, ভাহার বিশেষ কহি.

অপর ১৭৮০ শালে, ইংগ্লেখীয় রাজাজায়, কতকঞ্জিন দেন্যার্ক আহাজ ব্য হইয়া বলীহওয়াপুযুক্ত, লওল্ দরায়ের রাজসভ্যেরদের এবং কোপেন্ছেরানের রাজনভারদের মব্রা বিরাদ হইয়া চিলে. তাহাতে ইণ্প্লভীয় যুদ্ধ জাহাজের এক সমূহ প্রেরিড ইইয়া, এমত আদে ঘাইয়া রহিয়াজিল, যে দেন্যাকে দের যুদ্ধ জাহাজ অনহরনিকটবতী হইছে পারে লা, তথাপিও কহরছের কহিত ইণ্প্রভারেরা যুদ্ধ করিতে পারে, তাহাতে দেন্যাকের রাজসভা আপলারদিরকে অপারক দেঝিয়া ক্ষণেকের নিমিতে ইণ্প্লভীয়েরুদের অন্তাত হইয়াজিল. আর বাব লারে, কলিয়া দেশের রাজান্ত্রীলিনেরদের সহিত নিনিনা, ওদালীন রাজ্যাক্ষর দের অন্তাহনকারণাপযুক্ত, এই কার্ম্বর পুনর্রার আপনে আকার্ক্তী হইয়া, এই বিষয়ে অনাহার্যানির্যুদ্ধ পুনর্রার প্রাক্তি প্রাক্তির কানে আকার্ক্তী হইয়া, এই বিষয়ে অনাহার্যানির্যুদ্ধ পুনরার্থিক পুনর্রার হাতে লোম ক্ষতি তিন রাজ্যাকেরা, ইণ্প্রভীয় যুদ্ধজারার্ত্তীত অপমান প্রাত্তি হইয়াছে, এই কথা কহিয়া, মহাত্তি লের কহিত যুদ্ধজানীথে আয়োজন করিতে লাগিল. ভাহাতে প্রস্কিয়া দেশের রাজা, এই শণ করিলেন যে আমি কেবল এল্ব এবণ বেলের এবণ এমু নারী লক্ষ্যি মহাত্তিনেরদের যাতায়াত নিবারণ কনিব না, কিম মহাথীপেও এই বিশ্লিন দেশের রাজার যেই অবিকার আচে, তাহা আমি হন্ত্রাত করিব; এ সময়ে দেশুমাক শ্লাজার যেই অবিকার আচে, তাহা আমি হন্ত্রাত করিব; এ সময়ে দেশুমাক শ্লাজার যেই অবিকার আচে, তাহা আমি হন্ত্রাত করিব; এ সময়ে দেশুমাক শ্লাজার বিষয়ের হান্ত্রিনার হান্ত্রির হান্ত্রির হান্ত্রির হান্ত্রার হান্ত্রির হান্ত্রার হান্ত্রির হান্ত্রার হান্ত্রির হান্ত্রার হান্ত্রার

অপর ইংপ্লক্তিয় ল ভারণ, ঐ ভারণির হইয়া, ত্রত্য যাল পূর্বে যেওপার্থারা যান ক্রিক্তির্গুলু করিছে লাগিল; বিশেষকং কোপেন্থেগ্ল নগরে পুনরীর আমীন প্রের করিল; এবং ঐ আমী পেরপের সাহায্যার্থে অভিব্রদ্যুক্তাহাজনমূর কাভিগাৎ নামে কানে পুরব করিল. অপর ইংপ্লভীয় রাজসভাহইতে কোপেন্থেগ্ল নামে লগরে ক্তি বৃদ্ধি দের আমীনের নিকটে, সর্পরাজ্যশালী ঘল্য এক ওকাল, মহাবিভিনের সভার নিংশেষবাক্তা লইয়া প্রেরত হইয়াজিলেন; ঐ ওকাল দেন্যার্কমেশে পর্যক্তি বাতে, কহিলেন, যে দেন্যার্ক রাজসভা ওওবদেশীয় রাজগনেরদের সহিত যেছ এবা ক্রিয়াজিল, তাহা ভগ্রন করিতে হইবে, এবং সাওও নামে সমুদ্ধালের মধ্যদিয়া ইংপ্লভীয় যুদ্ধজাহাজের পথ দিবে হইবে; এবং ঐ কালাব্রি দেন্ মার্কের বানিজ্যলাহাজ, যুদ্ধজাহাজ সহকারে গতায়াত করিবে না. ঐ বাক্যদেশ্যক্রের রাজসভারা বৃদ্ধ করিলেন, ভাহাতে ইংগ্লভীয় আমীনেরদের দিয়েয়া যাইতে হইল.

পরে দেন্যার্ক সভেরা, ইংপ্লভীয় সভোরদের কোনোবাকা অবধান লা করব পুযুক্ত, মহাব্রিটিনের আদ্যিরাল্ ঐ লাওও নামে সমুদ্রকোলের মধ্যে পুরিষ্ঠ হও নার্যে আয়োজন করিতে লানিবেন. পরে আমার পুরেশ নিবারৰ করিবে কি না, এই বাক্যজাপনার্থে জোনেন্দ্রনাষক গড়ের অইয়াছনিকটে এক পর শুরুর করিলেন; তালাতে ঐ অইয়াছ কছিলেন, যে বারন করিব, যেছেতুক ইংগ্লেতীয় মূলজালাজের এই ঘোলে পুরিষ্ঠ হইয়া আমার ছোট্লের নিকটে আইসনের অভি প্রায় আমি জাত নই, এবং এ পুকার আচর্প মূল কর্পবান্ধান্ত্রণ বোর করি, এই বাক্য ফিরিয়া পাঠাইলেন.

অপর মার্চ মালের ৩০ বিশা তারিখে, মহারিটিনের মুছজাহাজসমূহ, ই লমু প্রথালের মধ্যে পুরিপ্ত হইটা, হিওইন্ নামুক্ত প্রথানহাতে মুই তিব ফো শাতর দপ্র কলি; তাহাতে জোনেন্বর্গ স্থাক্ত গড়হইতে দেন্যার্ক জাতী ছোৱা, ই প্লতীয় মুজজাহাজসমূহের পুতি তৌপ্তেপ্ত, করিছে, লারিল; তা হাতে ই প্লতীয়েরা, ওলিটা ই গড়হেরদের সহিত মুক্ত করিছে, আপর অপু কাশিত কতকন্তলি বিষয়জন্য বিদন্ দেশীয় তটহইতে, ই প্লতীয় মুজজা হাজের ওপর তোপ দিও হইল না, তাহাতে ই প্লতীয় জাহাজসমূহ ই গড়হাতে কিন্তিং অতরে নিক্রেণের রহিতে পারিল. পর্দিনে মর হাইদ্ পার্কর, এবং প্রমুত্ত লাদি নেজন্ নামে ছিতীয়জাহাজসমূহের সেনাপ্তি, এবং গ্রেক্ত লামে ত্রায়মুজজাহাজসমূহের দেনাপ্তি, দেন্যার্ক সহরের দক্ষিধ্বিলের হয়ভ করনে পন করিলেন.

অপর প্রায়ুত নেন্দ্রন্, যিনি ঐ শহরে চচাওকরনার্থে বেছালুইক ঐ কার্য্যে নিযুক হইণাজিলেন, তিনি পণ্ডুজিৰ দাদশ যুদ্ধজাহাজ এবং দায়ত ফ্রিরেং, এবং লকল প্রনানবীর্থাজাহাজ, এবং অনিবীর্থাজানাজ, এবং অন্যাহ সকল ক্ষুদ্রং জাহাজ লইয়, ঐ দিবলে এপ্লেল্ মানের পুথম তারিথে সন্থ্যাকারে, প্রথম লাহাজ লইয়, ঐ দিবলে এপ্লেল্ মানের পুথম তারিথে সন্থ্যাকারে, প্রথমানামক সমুপ্রতিকের দামাপে নগর করিয়া, চচাওকরনার্থে যুদ্ধজাহাজ লকল সুব্যবহিও কর্নানত্তর, দক্ষিনবায়ুর অপেন্ধা করিয়া বহিলেন জপর এপ্লেল্ মানের দিবলৈ পুভাতে, ঐ প্রায়ুত লেক্ষন্ নগর তুলিয়া দেন্যার্ক যুদ্ধজাহাজের সহিত্য ফুল্ডাহাজের মধ্যে, অয় পণ্ডুজি ক যুদ্ধজাহাজ কিল, এবং ১১ এগার জলনযোর্চাকে জাহাজ জিল, ঐ পুডোরক জলনযোর্চাকে যুদ্ধজাহাজে নাই জনার্থাজ লয় সের অবধি বার দেরপর্যাত গোলাবীর্থা আচার তোপ করিয়া জিল, এবং এক বন্ধীরী আহাজ জিল; তদ্ভিত্বও জৌন্লামক ওপদীপেতে এবং আমাঞ্ লামক ওপদীপেতে সুক্তিত ভলাই অনেক ভোপবীরী যুদ্ধজাহাজ জিল, পরে যুদ্ধ সময়ে, ঐ বন্ধীরীজাহাজ এবং অন্য তোপ্রীরী কতপ্তলিন জাহাজ, সেই শানহুত্বত পলায়ন করিল; কিল ঐ ক্রান্ নামক ওপদীপের দুক্তিন্তির্বিলির দুক্তিন্তির্বিলির দির্ভাবিরা

অন্য সম্ভন্ন পা-উ্জিল রেশ্যার্কের জাহাত, চারি ঘণ্ডান্যার অভিযোরতর সং ुमिकर विषय असे नियम पहेल, किया अभिएउ पर्क पहेल, किया देउ पहेल. ঐ মুদ্ধেতে দেশ্যাকেরদের আহাতে আঠার শত লোক মারা পড়িয়াছিল. এহা তিন পা উজিক আহাজের চড়ায় টেকিয়া, ইংগ্লপ্তীয় ভোপ্তমান সহ্য कहिया इहिएउ हरेन. ज्याना ने मुस्ताउ ६७ मजाशियवरात मना अये हरेन, या अलग्न प्रमुख मूलनिव्यक्ति ने ने मार्ग कि व हरेन. जाहार आगु ज तम्मन (मन्बार्क्बरम्ब क्रेड्याह निक्कि, दी विषक्तान जिनि क्या पन, अयठ अव नव लिथिएनन, जोडरिक जिन्ह्यांस्कृ द्वांजा उर्धनार नमाउ ना हरेगा, नात नमाउ ् इहेलन् व गुम्बिय ४७वन्छोरवंदा जाननाः वितरक उन्तरज्ञे जान कहिल, खाशाख खेतुंबान देश था में मूच भूनबीत जात् छ रहे उ ; क्लि मे विषय वानान बाग करलावकारण, এই কথাদ পাওয়া গোল, যে কসিয়া দেশের সমুপটের মৃত্যু ্হইয়াটে; এ সমুটি ইওরোপীয় রাজ্যানেরদের দা মিলগবিষয়ে প্রাপ জিলেন. পারে ঐ সমুচেইর ওড়রাবিকারির যে পুঞ, ডিনি সাম্রোদাসনির ব্যবহার জারা করবে প্রাত জিলেন, তাহাতে ইওরোপায় অব্যং রাজগণেরা তদ্দুগামী হইলেন. ् क्रमृह देकर्रम इंडरवारन ७७३ एमच्याकतात्वरूपत महिलामीनच रिय ग्राय ঐক্য মুক্তুমুর্ণজিল ভাছ। ততপুার্ভ হইল, ক্রিছ পু'মবীর অন্যং স্থানে ঐ চুন্ধ ুপুর্বাপের্কা অভিশয় বাড়িতে লাগিল. তাহাতে মুঁানিদীয় রাজ্যশাদকেরা, মহাব্রিটি লৈর একাল কাত যে পোর্ড লি বাজা, ভাহাতে চ্ছাওকরনার্থে অভি नियां, जारमाजन कहिएउ लांडिएलन, अव॰ उरकार्धानिकार्ध वे प्रानंत छाउँ यउ ्**ड्रमांग्न (म मकत शु**ष्ट्रब कहिएड लांशित्त्वनः অপর মহাব্রিটিদক্ষেণ, অঞ্চীয় "দুর্ঘনীয় ঐ পোর্ডগাল্ রাজ্য পরিভাগি করিয়া, মিসরদেশে চছাওকর: যেঁব্ছ मारशाजन कविल ; वे समाय वे यिमावरमान गुर्गमिरमावरमाव जावीन जिला. उद्वित ३ अ समाप्त द्वी मिलाता व्यामिया था दे॰श्लखामा हृष्ठां क्वार महाद्विमाचता, छम्लका ना क्रिया, धुँकिम् प्रत्ने ठम्डिक्वनार्थ आर्थाजन क्रिए नाजिन. অপর, 'ঐ লবয়ে মিদর দেলে ট্রানিলেরদের জিপ্লংনছলু লংখ্যক লৈন্য किल, अव- कोहा वापव लाहायाकोती जना कोजनातवृह्यव रेमना अव- जनार অনুগত লোক, কুম্বেশ প্ররো হা থার জিল. অপর ব্যেমর মানে, দর রাল্ফ ष्टावर्जियनांबक (नर्नाभड/दीन, देश्वेडीय रेम्पारा, बांन्डानांबक सारत मः वि লিড হইল ; ঐ স্থানহইতে দিসেমর মাসের দশঞি ডারিখে নিসরদেশে যাওগার্থে, জাহাজাকত হইল. অপর যার্যারিক্ নামে স্থানে এ লভর কিয়া আচার হাজার ই প্লভীয় লৈন্য, শুর্যাপ্রয়বার্থে জাহাত হাইতে ক্ষাত্রতে, আর্থাৎ এক দলের পরে

धारमन, किनाइ । अर्थ र रेमाफिल. व शारन क्षत्रसंतिन शुक् अहः पुनक् रेमना कारोद्रापत महिक मिलिल, किंक शाह ठारांडा है श्लेखीय रेमरेलाव पितार . ত্যার হরিয়া পলায়দ করিল. অপর মার্চ রহনের দ্বিরীয় দিবলে, ইণ্প্লভীয় देमानाहा, आविशाहनामक चानममूर्थ नेव्हिल, এव॰ आहे क उहिरथ ध्यान ছইবার ওয়োগ করিতে লাগিল. 🕏 অখনিবলের অবকাশে ই॰গ্লভীয় লৈন্যেরা, नीष्ठ क्षम विननगढ विनदीवरायनुगुज निष्टमा हुरेया वृहित, अन- समकत সময়ে ভাষারা আহাতে থাকিয়া দেখিল, যে গ্রীক্ষিত্র বৰকিল্লা এনং মোর্ডা পুত্তि मुहक्तिक कहिरक किल. शास देश्विक हैलानाइरम्य मुख्य कुरहत नुवि, क्जीन बहेगांत खोखा (ब्रथमा शिमांदिल, डांब्रांस क्यारेन क्षत्र होखांत्र रेनना किल, जाराहा अक्नेज नकान मोकाबाहा क्षत्रीय हर्देश किली के विवास है क्षेत्री য়েরা, অকীয় দৌকা বিদারাছইতে এক ডোলারের ক্রান্ত একঃ করিয়া বাব খাপুইক রাখানে সমস্ত রাত্রি কাটাইল. অপর ওপযুক্তরাহাত্রশ্রে দূরহইতে লুর্মিত হইয়া, এবং লর লিম্বি আিং গাঁহাতে নৌকার এবং ভোগের কুর্তৃত্বভার অপিতি জিল, তাঁহাকে লক্ষে লইয়া, আজা দুশামক মুক্তজাহাজের কংখুলিশামক कांबात्तव क्यूंचावीन सकल त्रीका अवर देशना, जाशांजश्रुद्ध जिल्लाका প্রথণ করিতে লাগিল; 🗢 দৌকা অনেক দুরপর্যাত সকলের বাৃহিয়া মাইতে হইন, এ ব্যাণক্ষময়ে শতুরা পদর তোপে এবং আছাই হাজার বন্দুক্তে ওলি প্রিয়া ভাহাবদের পুতি অননরত নারিতে লারিল. কিন্তু দে যাহা ছেওছ, এ ইংগ্ল ভীয় লৈনোরা, অভিসুতা বৃষ্ণিত হইয়া, শতুকুর্ত্ত অভিশয় হারিত হইলেও অভি भारमभूर्वक अञीन रहेन, এव॰ बरेमनाजुतांची पन, आत्मिक नांवक खालह পুরোভারো দুই কোলাতর স্থাপিত করিব, তাহাতে দুঁালিলের: আলেঞ্লাম্বীয় দামক শহরের পুতি হটিয়া গেল. 😃 এতীর্নিষয়ে, ইণ্প্লপ্ত'য়েরা, পাঁচপ্র চৌয়ালি জন হারিও হইল, কিন্তু শকুরা কত হারিত হইল তাহার নিশ্চণ নাই. পর্মিনে পুতাতে ১৩ তের্কি তারিখে, ইণ্প্লভীয়নৈনোরা, শতুর্দের সহিত যুব করিতে অগুসর হইল, তাহাতে এক সময়ে ট্রাসিসেরা ইংগ্লভীয়েরদের সাক্ষাৎ ছইতে প্লায়ন করিতে লাগিল, কিছ ই^গ্লগুড়িয়েরা, স্বিধেচনাপুর্বক ভাগার্দিগকে ডাড়াইয়া দা ঘাইয়া, ছভিয়া আইল; এ ছভিয়া আইননবিষয়ে ইণ্প্লভাগেরা, শেলুপারা আনেক হি॰ লা পুরার ছইয়াজিল. পরে মার্চ মানের ১১ এওইশা ভারিষে, সংগ্রাম আরম্ভ হইল, তাহাতে ইংগ্লণ্ডারেরা জয়ী চইল, কিন ঐ জহবিষয়ে, ইণ্প্লভীয়েরা, সর আবর্জনি নামে অভিথাবিতাপর এবং ইণ্পাওতের দের পুতি অভিপুয়োজনার্ছ, পুরান দেনাপতি হা্িত ছইয়াজিলেন, এবং ঐ মুদ্ধেত अशांक मंख विकान इष्टे रेमना, बांका निक्त किया घारेल हरेल. जानक स्वज्व

জেলেরাল হতিদ্ধন্, ঐ লময়ে হাঁছার ওপর সৈল্যের্ছের কর্তৃত্বভার পড়িয়াজিল, তিনি নলৈন্য হইয়া,কেরোনামক শহরের পুতি অনুসর হইলেন, এক জুনু মাসের ২৭ সাডাইশা ভারিখে ঐ শহর আয়ত করিলেন, তাছাতে আগত মালের ২৭ লাভাইশা ভারিখে, আলেক্সান্মিয়ানামক শহরেছেরা সন্ধি করিল. ঐ লক্ষানু লারে ভাবং খ্রানিস্ সৈল্যের্দিগের মিসর দেশভাগা করিতে হইল.

অণর, পরবেশ্যরে অনেক বিষয় অতিরাধনীয় ওপন্থিত ছইয়াজিল, কিন্ত এই ন্থানে, নে সকল কহা মায় না, অতথ্য যে বিষয় অতিরাধনীয় নয়, ওয়াথায় ক্ষ্যা দিলায় প্রিথীর ওত্রাণ্ট্রল, মহাবিছিনের লাবুরা কিকপ দ্বাতি ছইয়াজে, এবং পূর্বীণলার লাবুরা কিকপ প্রাতি ছইয়াজে, তাহাও কহিয়াজি, কিন্তু অপবিদানি দেশবিষয়ে যেং বিষয় ক্যিত আজে, সে সকল যে মন্ত্রে ছইতেজিল, এবং সে সকল বিষয়ন ইংরোপ্তে পুসিল ছইবার পূর্বে, মহাবিছিনের ওপদ্বাণ ওত্তীর্ব ছওনার্থে, দ্রীসিংসরা অনেক আয়োজন করিতেজিল, তাহাতে ভাহারা যে হঠং চুটাও করিবে, ইহার অনেক আনক্ষা ইংরিজন্তেরদের মধ্যে ওপন্থিত ছইয়া জিল.

অপর নে সময়ে ই॰প্লওদেশের সংমুখবিত ট্রাসিস্দেশীয় এবং রুলওদেশীয় मयुष उदेनबीर्ल, पुर्विमीश्रीमना भगत मर्गाताह इदे उद्यान, এवा क्षित बारक যে ঐ দৈন্যের দিরাকে ই পুঞ্চদেশে পারকরবের বিমিত্তে অনেক ভাছাত পুত্তত হুইতেজিল, এবং অনেক আয়োত্তৰ স্থান্থ হুইতেজিল. चे क्याप दे∘श्रुख¦स স্মুখুক্ লৈন্ডেরা, শতুর্দিরোর ডটনমীপে স্থানেছ আনক বীর্থ পুরুশি করিল; अहा वर्गकामानाकवा, अहे जनुयान कविद्याकिन, य व्राज्यान्दरितारक मूहकवना প্রেম্বা পর্ছননার্যাগুল্লে নিম্মা ছওন বরক ভাল. অতএব সেই সময়ে যুদ্ধার্যে কানেক বিশেষভাষাত পুত্ত করে৷ গ্রিয়াচিল, এবং প্রায়ত নেল্সন যাহার বিষয় ক্ষিত আছে, যে তিনি এ ওলায়ে পুখ্যতঃ প্রায়শ দিয়াজিলেন, ওাঁহাতে ই মুদ্বজাহাজসমূহের কর্ত্যভার অপিত হইল. পরে ঐ প্রায়ুত দেলদ্ব দুর্দ্বীন নের তাট পুরিত ছইলেন; তাগাতে গ্রুমিনের: ই°গ্লগুলেশে চড়াওকরবাশা পরিওাগ করিয়া, অদেশে কর্মার্থে চেম্বা পাইতে লাগিল. অপর বলং সর্ মির্নামক আংনে ইংগ্লন্তীয় সমত মুদ্বতাহাত একত হইয়ালিল, এবং ঐ আন পুণপর্বার্থে আদেক মূদ্র হইয়াজিল, এবং দে স্থানে আদেক বীরত্ব পুকাল হইয়া জিল, কিন্তু যে কার্য্য সম্মননিমিতে ঐ বৃহদায়োজন করা গিয়াজিন, তাহাতে ই-প্লপ্রায়ের সর্বভোচাবে অবান্ধা সমূর্ব। করিতে পারে নাই, কিছ ভাছাতে অনেক ৬পকার হইয়াজিল. অপ্র ঐ শ্রামুড দেল্সদ্ অভিপুথিত দুই যুদ্ধ स्वनानत्व, अ गुष्काशास्त्रद कडक आशोस, खुँ।निरमद वरहे हिन्दिरिप उनीय রাথিয়া, আগত মাদের ১৭ তারিথে দাওদ্দনামক আহাজনপর্ন্থানে পুত্রা श्रंयन कहिरलम.

অপর ঐ সময়ে গুলুদিয়া দেশবেরা, পরন্তর ঐক্যের্ক ছইতে নারিল : ঐ
প্রত্যক দেশবেরা, আদিল যে আমরা মুদ্ধ চালাইতে পারি, কিন্তু সাইলেও।
পূর্বক নয়. অপর ঐ সময়ে পিৎনায়ে রাজ্যাত্রী অকার্যাত্রারা করিলেন,
এবং ঐ পিতের কার্যাে ওত্রাবিকারা আদিংতন নামে মন্ত্রিক কালে, ঐক্যের
চেন্তা ছইতে নারিল, তাহাতে আন্তোবর মানের পুথ্যে, ঐ ঐক্যবিষয়ক লব্ধি
বিরীকৃত ছইল.

जनव ३४०६ जातिवर्गं उ पूरे माल, याति यात्मव ६१ माजिश्मा जाति थ, यहा विहिन् वद आहेलंडरमणीय वाजयती, वदः म्यानिम् रमणीय मावाववनुक्रकर क्षांक्रयकी, अव स्त्रम् अव वांजाविया एमएक्ष्रवेषक्र मावात्वमुक्त्वत वांक्रयकी भगक, आहरमञ्ज नामक नतात अक्जीलूड रहेगा, शहलूब अहे मिल वित कहिल, ने निचार हावि मिलिएस जिल; ने नियास स्वार मार्था नुधस नियास है। একাজুকে:', আপদারদের মধ্যে পরয়র একাবর্ছনে বির করিল, এবং পরেছে वै जैका छक्करन । य वांका भूधव । वर्षा कहिरक, त्म हे ब्रांस्काब नाहाया कना (कारन) हाका कहिरवक ना ; अव' विकीय तियस्य अहे बिह हहेल, स्य स्पर् हारका मुचनगरम् विध् वन्तः इड्रोक्रिल, जारावा मूकि शाहरव, अव- जाराविमातव व्यवविषयु विध् থারত ছইা জিল, তাহা দেওয়া ঘাইবে; এবং তৃতীয় নিয়মেতে, এই বিशेষ্ত ছইল, যে ত্রান্দ্দাযে ওপদীপতাতিরিজ, এবং লঞ্চাতে হলতীয়েরদের অবি কার্যাতি রজ মণা ুটিদের রাজা, মুল্সময়ে তাহারদের মেই অবিকার মুব্রাক করিলালি লন দুর্শাসন্য সাধারনপুভুষের গুড়ি, এবন ব রাজ্যের সহিত সুংবি लिंड जनार आरकातं मूं ड, ज मकल मितिया मिरवन ; अवन एड्रॉ अवन मु**र्काद** নিয়নেতে ২ছা তির ২২ল, যে তিনিদাদ্ধামক ওপদ্মি এবং ল**কা**র ছলও জাতী (मृत्राप्त (म) अधिकान, म मकत मश्रािकातत वाजारक (म्युग माहेरव ; अवश्यक नিয়মেতে এই ধ্রিকৃত হহল, যে বাতাবিয়ের দাবীরবপুভুরা, অন্য**ং একাকারি** রাজ্যান্ডের দানের জাহাজ, কেপ্ আত্ গুদ্রোপু নামক স্থানে যাইতে দিবে, এবং वावंचित चेक (माउनानत्व, भुरमाजनाई श्रापामायत्वीजामि क्या कतिरा पिरव; भारत मुख्य निग्रायाल, शिनीय नार्य पुरिममीय अब लार्जुशास्त्रहरम् अविकृति দীমা শ্বিরাক্ত ছইল ; এবং অধ্য নিয়মদারা, তুরকীয় রাজ্যন্ত্রা, যে বিশাস পূর্বক আচরল করিবে, ইছার বন্ধক লওয়া গোল; নবম নিয়মদারা, লাঙোপ धीनात्त्वत्त्वत् मारीत्वलूजूच विशिक्ष इहेल, मै विवाय मकाल अकवांका इहेल ; भवत प्रमान नियामाण जातक क्रूजर नियमकत्वानव्या, देश चित शहेल, **व मांला** নামক এপদ্বীৰ এবং গোডো এবং কমিনো নামে স্থান, য়িকলালমের পুন্যবান জান্ नांगक (याक्नम्य्रवृतितास भूनवं इहेरव ; এव॰ अकामन नियमवादा हेडा चित

वर्षेत, त्य भुँ जिमीष् वर्षः है श्रुवीय हैमनाममञ है जाति (पर्नहहेत्व अहिया याहित. क्षान्त्र बाम्नं निरस्माक, अ अरकाङ, नमक निरममहत्त्रमम् विशेक्त प्रदेश, अर्थः - अरंग्रामनं निग्रस्य हैंदा चित्रीकृत इहेन, या स्थः (मर्रनाउ) (य) व्यक्तिकात विश्विम विका बाहरत, लाहर चारतत तई छा रहेरतक ना. अवन महर चारतत मुका निक. **ब्राह्म वीम कहिरव : हजूर्य नियम्बर, नुराजकहात्रार एक्ट्र मूक्ष्ममार मार्शन (मर्** वाति वर्षेगाळिला, वंतियाम त्याकि नामानुष्य वहेता, शक्षमाने नियमपाता हैता श्वितीकृ व बहैन, (य निश्वायोधनां क्षेत्रयोतन, अदः विविवदेवजी जनार अन बीनमंगील, अवन बाद्ध क नार्क मुख्य बालाउ वरमावेतिव'त (घर जान किन, (सहे सम्बद्ध कानविषय (यह वांग्या), (म. सकत प्रवाह शुद्ध शहकात बावन्तान् नाति धार्कित, अव नार्विनीयक अव विक्रित्तन् नायक चातित धीमिन जाडीक बीबाइइएइ नुनि, रेमव अव रेन्ड्रान नाय अगुरखंद खालाउ कार्धकारेत धानुवृति (प्रः अप्र) (तीम ; धाइनो निष्णाया चित्रीकृत हहेल, (प ने ने का चित्रीकृत इ अन्विद्यमीविद, निक्लिंड नवाग्नद मार्था, यथ जाशांज व्य शहरत, जाशा भःसद शिक्षित्र (मञ्जू) योष्ट्रियः लाख मध्यम निग्राम अवस्थित वर्षेन, (य मे मेकालम्ब कार्क्स निमुक्त तार वाकिया, मुख्य नृहि तार नम अव- तार वा वहांची अव- तार হাজীত্যাদি ভোগ করিয়াজিল, তম্পুলারে ভোগ করিবে; অস্তাদশ নিয়মেতে এই विहोक्ड इहेल, या नानां उत्पानत या अपने, नूर्वित निमालिक इवेडी प्राप्तनत পুতুর ভৌর করিয়াজিল, অর্থাৎ যে অংশ এইছবে বাভাবীয় সাবীর পুতুশারে नुमिन, '(महे ज्वन्म यूचनयात्र त्यक् शनि भूष श्हेग्राकिन, उद्यादिन स्ट्रैरद; अभद्र अनुवि॰ मिडिया (नग्राय, देश चित्र रहेल, या अमिखित भक्षाक्रय, **ब्रंबबी**प्र ब्रां**जन**जानगाउँ गांध हरेति ; विश्में डिवग निप्रत्य हेरा चिर्∴क्उ रहेन् (ध ने नेकाबोकाहरकहरमूह कारना फ्लंश्हेरड, प्राची वर्गाक यमि भनाईया जानाह लाम याप, उत्त तम वाकिश्रामत मानवनिविध याठ्या कविता, मध्यत अर्भव अब्रिट्ट ; शहर अक्टिक्शिजिय अवन वाविन्मिजिय नियमवाहा हेह। खिरोक्ड हरेन, ता अभिष्य भीकात्रकता, तार विषय भीकृत हर्माणिल, उपिश्य देखि विश्वासमूर्वक ठलिया, अवर मादा इहाल, जिल्ला, प्रवासत गरी। ये माना पृहानुहरू विदित.

অপর এ সন্ধিশত পারিশ্ নামক নরের বিরুক্তি ছইয়া, পুরোক রাজরাবের মের নিকটে অর্নিত ছইল; এবং এপুেল্ মাসের ২৯ ওবালিশা ভারিখে, নওব পরার ও একাবিষয় পুরার ছইল. ইভি জুলিয়ন্ কাইসারের ইপ্লেডদেশ ওতীর্ব সময়াব্যি আইখেন্দ্র নামে পুলিজনভিলময়পর্যতে, ইপ্লেডিয়বিষরৰ সমার্চ, ইভি